CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) NTA

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET)

अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र : II

परीक्षा ज्ञान कोश

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

प्रधान संपादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
UGC अर्थशास्त्र यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण एवं चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने रूप प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स, 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 695/-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विषय-सूची

अर्थशास्त्र

- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम----------3-4
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2004 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 5-12
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------13-18
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------19-23
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------24-30
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------31-37
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------38-45
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------46-54
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------55-61
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------62-68
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------69-76
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------77-84
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------85-92
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 93-100
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------101-107
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------108-114
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------115-123
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल----------124-135
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------136-143
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ----------144-156
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------157-165
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल----------166-180
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------181-187
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ----------188-199
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------200-207
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल----------208-221
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------222-230
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ----------231-242
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------243-249
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल----------250-259
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------260-266
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ----------267-278
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जुलाई-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------279-285
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जुलाई-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ----------286-296
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जनवरी-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------297-303
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जनवरी-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल----------304-316
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र नवम्बर-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------317-324
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र नवम्बर-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल----------325-336
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ----------337-356
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल----------357-377
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल----------378-395
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल----------396-412
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2020 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल----------413-429
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2020/जून-2021 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल----------430-453
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2021/जून-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल----------454-480

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

UGC NTA NET Economics New Syllabus

NTA UGC NET/JRF/SET/SLET Syllabus for Economics /Rural Economics/Co-operation/Demography/ Development Planning / Development Studies / Econometrics / Applied Economics / Development Economics / Business Economics.

UGC NET Paper-2 Syllabus

1. Micro – Economic Analysis

Demand Analysis – Marshallian, Hicksian and Revealed preference approaches.
Theory of Production and Costs.
Pricing and output under different forms of market structure.
Factor Pricing analysis.
Elements of general equilibrium and new welfare economics.

2. Macro – Economic Analysis

Determination of output and employment – Classical approach, Keynesian approach, Consumption hypotheses.
Demand for Money–Fisher and Cambridge versions, Approaches of Keynesian, Friedman, Patinkin, Baumol and Tobin.
Supply of Money, Determinants of money supply, High – powered money, Money multiplier. Phillips Curve analysis.
Business cycles – Models of Samuelson, Hicks and Kaldor.
Macro – economic Equilibrium – Relative roles of monetary and fiscal policies

3. Development and Planning

Economic Growth, Economic Development and sustainable Development – Importance of institutions – Government and markets – Perpetuation of underdevelopment – Vicious circle of poverty, circular causation, structural view of underdevelopment – Measurement of development conventional, HDI and quality of life indices.
Theories of Development – Classical, Marx and Schumpeter; Economic Growth – Harrod – Domar model, instability of equilibrium, Neoclassical growth – Solow's model, steady state growth. Approaches to development: Balanced growth, critical minimum effort, big push, unlimited supply of labour, unbalanced growth, low income equilibrium trap.
Indicators and measurement of poverty.
Importance of agriculture and industry in economic development – choice of techniques and appropriate technology – Investment criteria – Elementary idea of cost – benefit analysis.
Trade and Aid – International trade as 'engine of growth' – Globalization and LDC's Objectives and role of monetary and fiscal policies in economic development Techniques of planning; Plan Models in India; planning in a market – oriented economy.

4. Public Finance

Role of the Government in Economic activity – Allocation, distribution and stabilization functions; Private, Public and Merit goods.
The Public Budgets – Kinds of Budgets, Zero – base budgeting, different concepts of budget deficits; Budgets of the Union Government in India Public Expenditure – Hypotheses; effects and evaluation.
Public Revenue – Different approaches to the division of tax burden, incidence and effects of taxation; elasticity and buoyancy; taxable capacity Public Debt – Sources, effects, burden and its management.
Fiscal Federalism – Theory and problems; Problems of Centre – State Financial relations in India.
Fiscal Policy – Neutral and compensatory and functional finance; balanced budget multiplier.

5. International Economics

Theories of International Trade: Empirical verification and Relevance International Trade under Imperfect competition Terms of Trade and Economic Growth – Secular Deterioration of Terms of Trade Hypothesis – a critical review.
Equilibrium/disequilibrium in Balance of Payment – Traditional, Absorption and Monetary approaches for adjustment in the Balance of Payments, Foreign Trade multiplier.
Impact of Tariffs, Partial and general equilibrium analysis; Political economy of Non-Tariff Barriers.
Theory of regionalism at Global level – Collapse of Bretton – Wood System – Recent.
Monetary reforms.
Trade Policy and Reforms in India.

6. Indian Economy

Basic Economic indicators – National income, performance of different sectors Trends in prices and money supply.
Agriculture – Institutional and technological aspects, new agricultural policy Industry – New industrial policy and liberalization.
Money and banking – Concepts of money supply, inflation, monetary policy and financial sector reforms.
Public finance – Trends in revenue and expenditures of the Central and State Governments, Public debt; analysis of the Union Budget.
Foreign trade – Trends, Balance of payments and trade reforms.
Poverty, unemployment, migration and environment.

7. Statistical Methods

Measures of Central tendency, dispersion, skewness and kurtosis.
Elementary theory of probability – Binomial, Poisson and Normal distributions.
Simple correlation and regression analysis.
Statistical inferences – Applications, sampling distributions (t, x2 and F tests) sampling of attributes, testing of Hypothesis.
Index numbers and time series analysis.
Sampling and census methods, types of sampling and errors.

UGC NET Paper-2 Syllabus Continues

The following part of the UGC NET syllabus were previously under UGC NET Paper-3 (Part-A), however, as UGC has now only two papers i.e. UGC NET Paper-1 which is general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 on the specific subject (including all electives, without options) instead of previous three papers i.e. UGC NET Paper-1 which was general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 and Paper-3 on the specific subject, so, now-a-days, the following part is also considered as part of the UGC NET Paper-2 syllabus.

[Core group]

Unit–I

Theory of Demand – Axiomatic approach, Demand functions, Consumer behaviour under conditions of uncertainty.
Theory of production.
Collusive and non – collusive oligopolies.
Different models of objectives of the firm – Baumol, Morris and Williamson.
Factor pricing.
General equilibrium and Welfare Economics.

Unit – II

Keynesian and post – Keynesian approaches to theory of output and employment; concept of investment multiplier; consumption hypotheses Theories of investment and accelerator.
Theories of demand for money – Keynesian and post – Keynesian.
Different approaches to money supply; money supply; components and determinants; money multiplier.
Output – price determination (aggregate supply and aggregate demand curve analysis).
Fleming – Mundell open economy model.

Unit – III

Development and Growth – Role of institutions.
Theories of growth and development – Models of growth of Joan Robinson and Kaldor; Technical Progress – Hicks, Harrod and learning by doing, production function approach to the determinants of growth : Endogenous growth : role of education, research and knowledge – explanation of cross country differentials in economic development and growth.
Theories of development – Classical, Marx, Schumpeter and structural analysis of development – Imperfect market paradigm, Lewis model of development, Ranis – Fei model, Dependency theory of development.
Factors in economy development – natural resources, population, capital, Human Resource Development and infrastructure.
Trade and development – trade as engine of growth, two – gap analysis, Prebisch, Singer and Myrdal views; gains from trade and LDCs.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Unit – IV

Theories of taxation, types, incidence and effects.
Theories of public expenditure – effects on savings, investment and growth Burden of public debt.
Union Finance – Trends in Revenue and Expenditure of the Government of India.
State finance – Trends in Revenue and Expenditure of the State Governments.
Public Debt – India's Public debt since 1951 – growth composition, ownership pattern and debt management.
Union – State Financial Relations – Horizontal and vertical imbalances; the Finance Commissions.
Fiscal Policy and Fiscal Reforms in India.

Unit – V

Monetary approach' and adjustment in the balance of payments.
Regional blocs – multilateralism and world trading system.
The Political Economy of imposition of non – tariff barriers.
International trade under conditions of imperfect competition in goods market.
Theory of International reserves.
Optimum Currency Areas – Theory and impact in the developed and developing countries.
WTO and its impact on the different sectors of the economy.

Unit – VI

Components of money supply.
Role, constituents and functions of money and capital markets.
RBI – recent monetary and credit policies.
Commercial banks and co – operative banks.
Specialized financial and investment institutions.
Non – Bank financial institutions and Regional Rural Banks.

Unit – VII

Industrial structure and economic growth.
Pattern of industrialization – Public and Private; large and small industries.
Theories of Industrial location – Indian experience.
Industrial productivity – measurement, partial and total trends Industrial Finance in India.
Industrial Labour – Problems, policies and reforms in India Economic Reforms and industrial growth.

Unit – VIII

Population and Economic development – interrelation between population, development and environment, sustainable development.
Malthusian theory of population, Optimum theory of population, theory of demographic transition, population as 'Limits to Growth' and as 'Ultimate Source'.
Concepts of Demography– Vital rates, Life tables, composition and uses, Measurement of fertility – Total fertility rate, gross and net reproduction rate– Age pyramids, population projection – stable, stationary and quasi – stationary population; characteristics of Indian population through recent census.
Poverty in India – Absolute and relative; analysis of poverty in India.
Environment as necessity – amenity and public goods; causes of environmental and ecosystem degeneration – policies for controlling pollution – economic and persuasive; their relative effectiveness in LDCs; Relation between population, poverty and environmental degradation – microplanning for environment and eco – preservation – water sheds, joint forest management and self – help groups.
Role of State in environmental preservation – Review of environmental legislation in India.

Unit – IX

Role of Agriculture in Indian Economy – Share of Agriculture, interrelationship between agriculture and industry.
Institutional aspects – Land reforms, Green revolution.
Technological aspects – Agricultural inputs and shifts in production function.
Capital formation in the rural sector – Savings, assets and credits.
Strategies for rural development.
Regional disparities in Indian agriculture.
Cooperative movement in India – Organization, structure and development of different types of cooperatives in India.

Unit – X

Application of Differential and Integral Calculus in theories of consumer behaviour, Production and pricing under different market conditions.
Input – output analysis and linear programming.
Application of Correlation and Regression.
Testing of Hypothesis in Regression Analysis.

UGC NET Paper-2 Syllabus Continues

The following part of the UGC NET syllabus were previously under UGC NET Paper-3 (Part-B), however, as UGC has now only two papers i.e. UGC NET Paper-1 which is general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 on the specific subject (including all electives, without options) instead of previous three papers i.e. UGC NET Paper-1 which was general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 and Paper-3 on the specific subject, so, now-a-days, the following part is also considered as part of the UGC NET Paper-2 syllabus.

[Elective / Optional]

Elective – I

Single Equation Linear Model:
Assumption and properties of OLS.
Multiple Regression Model – Estimation and Interpretation.
Multi – collinearity – Auto – correlation and heteroscedasticity – Causes, detection, consequences and remedy.
Dummy variables, distributed lags – Need, limitations and interpretation.
Applications in Economics.
Simultaneous Equation models :
Structural and reduced forms.
Endogenous and exogenous variables.
Identification problems and conditions.
Single equation methods of estimations – TSLS, indirect least squares and least variance ratio.
Techniques of Forecasting :
ARMA, ARIMA.
Econometric properties of time series, Unit root, integrated series, random walk and white noise.

Elective – II

Theory of Consumer Behaviour and Theory of Firms.
Theory of Pricing – Monopoly, Monopolistic competition, Duopoly and Oligopoly.
Theory of Games – Two – person, Zero – sum Game, Pure and Mixed strategy, Saddle point solution, Linear programming and input output analysis.
Static and Dynamic Multiplier and Accelerator, Samuelson – Hicks trade cycle model.
Growth Models – Harrod and Domar, Neoclassical models – Solow, Meade, Kaldor's Model with technological progress, endogenous growth models.
Employment and output determination with fixed and flexible prices (IS–LM, Aggregate demand and aggregate supply analysis).

Elective – III

The Rise and Fall of Bretton – Wood and emerging International Monetary System.
World Trading System – Evolution and Distortions.
Globalization – Developments in Exchange Markets, Euro – Currency Markets, and International Bond Markets, International Debt crisis.
Theory of Foreign Exchange Markets – Exchange Trading, Arbitrage and Market Hedging.

Elective – IV

Growth and Productivity trends in Indian Agriculture.
Development of distributive institutions – Costs and price policies.
Agricultural marketing and credit.
Trends in migration and labour markets. Minimum Wages Act.
WTO and sustainable agricultural development.
Reforms in Indian agriculture.

Elective – V

Planning and Economic Development.
Costs, Prices, WTO and Indian Agriculture.
Globalization, Liberalization and the Indian Industrial Sector.
Infrastructure and Economic Development.
Social Sector, Poverty and Reforms in India.
Women, Environment and Economic Development.
Trade Reforms and Liberalization.
Financial sector reforms.
Fiscal policy and fiscal reforms.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2004

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट-इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पैमाने के प्रतिफल किन अवधारणाओं पर आधारित है?

(a) उत्पादन की तकनीक अपरिवर्तित है।
(b) साधनों की सभी इकाइयाँ समान है।
(c) प्रतिफल भौतिक रूप में नापे जाते हैं।
(d) उपरोक्त सभी

Ans. : (d) – दीर्घकाल में उत्पाद में वृद्धि उत्पादन के सभी साधनों की वृद्धि के द्वारा लायी जा सकती है क्योकि दीर्घकाल में सभी साधन परिवर्तनीय होते है। सभी साधनों की वृद्धि होने पर उत्पादन का पैमाना ही बड़ा होता है इसीलिए इस स्थिति को पैमाने का प्रतिफल कहते है। पैमाने का प्रतिफल निम्नलिखित अवधारणाओं पर आधारित है-

1. उत्पादन की तकनीक अपरिवर्तित है
2. सभी साधनों की सभी इकाइयां समान हैं
3. प्रतिफल भौतिक रूप में नापे जाते है।

Page- 136, S.N. lal Micro Eco.

2. साधन के पुरस्कार के रूप में ब्याज का भुगतान किस सिद्धान्त से स्पष्ट होता है

(a) उत्पादकता सिद्धान्त (b) उपयोग स्थगन सिद्धान्त
(c) समय अधिमान सिद्धान्त (d) उपरोक्त सभी

Ans. : (d) – साधन के पुरस्कार के रूप में ब्याज का भुगतान अग्रलिखित सिद्धांत से स्पष्ट होता है-

1. उत्पादकता सिद्धांत 2. उपभोग का स्थगन सिद्धांत
3. समय अधिमान सिद्धांत।

3. प्रकट अधिमान सिद्धान्त के संदर्भ में निम्नलिखित मान्यताओं पर विचार कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

(a) तर्कसंगत (b) संगीत
(c) संक्रामकता (d) अपूर्ण से तुष्टि

Ans. : (c) – प्रकट या व्यक्त अधिमान सिद्धांत (Revealed Pruference Approch) का प्रतिपादन पॉल सेमुएलसन ने 1948 में किया। सेमुएलसन यह प्रतिपादित करते है कि बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह संस्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा। अर्थात् यह दृष्टिकोण उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है, सेमुएलसन के अनुसार- जब कोई उपभोक्ता बाजार से वस्तुओं के एक संयोग के क्रय का निर्णय करता है, इस निर्णय के दो कारण हो सकते है-

1. वह वस्तुओं के अन्य संयोगों की अपेक्षा उस विशिष्ट संयोग को अधिक चाहता है।
2. वह संयोग अन्य संयोगों की तुलना में सस्ता है।

जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है कि उपभोक्ता बाजार क्षेत्र POL के A बिन्दु को वरीयता देता है
जहां आपको अधिकतम संतुष्टि मिलती है।

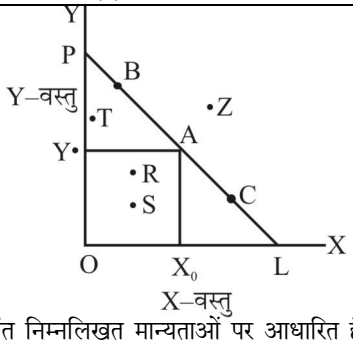

यह सिद्धांत निम्नलिखत मान्यताओं पर आधारित है-

1. विवेकपूर्ण व्यवहार।
2. सकर्मकता - A > B तथा B > C तो निश्चित रूप से A > C होगा
3. उपभोक्ता की रूचि दी हूई हैं
4. व्यक्त अधिमान की अवधारणा
5. सबल क्रमबद्धता की मान्यता
6. स्थिर व्यवहार की अवधारणा
7. मांग की धनात्मक आय लोच

Page - 78, S.N. lal micro eco.

4. निम्नलिखित समूहों की इकाईयों में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

समूह - I	**समूह - II**
(a) विकुंचित माग वक्र	(i) बॉमल
(b) पूर्ण लागत मूल्य निर्धारण	(ii) बेन
(c) अधिकतम बिक्री	(iii) स्वीजी
(d) सीमा मूल्य प्रारूप	(iv) हाल एवं हिच
	(v) मोदिगिल्यानी

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(v)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)

Ans. : (c) – विंकुचित मांग वक्र - स्वीजी
पूर्ण लागत मूल्य निर्धारिण - हाल एवं हिच
अधिकतम बिक्री - बॉमोल
सीमा मूल्य प्रारूप - बेन

5. मांग सिद्धान्त के विकास में निम्नलिखित सिद्धान्तों के उदय को समय के आधार पर क्रमबद्ध कीजिये :

(i) प्रकट अधिमान
(ii) न्युमान-मार्गेस्टर्न उपयोगिता सिद्धान्त
(iii) क्रमसूचक उपयोगिता
(iv) मापनीय उपयोगिता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. : (d) – मांग सिद्धांत के विकास में सिद्धांतों के उदय को समय के आधार पर निम्न प्रकार से क्रमबद्ध किया गया है-
मापनीय उपयोगिता - मार्शल
क्रमसूचक उपयोगिता - हिक्स एवं एलेन (Ellen)
प्रकट अधिमान - सेमुएलसन
न्यूमॉन - मार्गेस्टर्न– उपयोगिता सिद्धांत

6. उत्पादन फलन का विचार निम्नलिखित में किस से सम्बन्धित है?

(a) आर्थिक दक्षता (b) तकनीकी दक्षता
(c) आबंटन दक्षता (d) उपरोक्त सभी

Ans. : (b) – उत्पादन फलन का विचार तकनीकी दक्षता से सम्बनिधत है। यदि किसी देश को तकनीकी दक्षता प्राप्त नहीं है, तो वह देश विकास नहीं कर सकता है।

7. एक अर्थव्यवस्था के कोर में निम्न अन्तर्निहित है।

(a) सभी पैरेटो अनुकूलतम आबंटन
(b) सभी प्रतिस्पर्धात्मक आबंटन
(c) पैरेटो अनुकूलतम आबंटन में वृद्धि करने वाले आबंटन
(d) सभी सम्भाव्य आबंटन

Ans. : (d) – एक अर्थव्यवस्था के कोर में सभी संभाव्य आबंटन अन्तर्निहित है।

8. उपरोक्त मांग के किस अर्थशास्त्री के सिद्धान्त में स्थायी उपभोग वस्तुओं मानव पूँजी को सम्मिलित किया गया?

(a) फ्रीडमैन (b) टोबिन
(c) रोजस्टीन-रोडान (d) बोमोल

Ans. : (a) – फ्रीडमैन ने अपने मुद्रा परिमाण सिद्धांत विश्लेषण को सैद्धांतिक एवं अनुभवगम्य दोनों आधारों पर दिया है। सैद्धांतिक रूप में उन्होंने मुद्रा की मांग तथा उसको प्रभावित करने वाले कारको का विश्लेषण किया तथा अनुभवगम्य अध्यनों में आय-प्रचलन वेग के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण किया मुद्रा मांग से सम्बन्धित विश्लेषण को यद्यपि केन्स ने भी दिया था पर फ्रीडमैन ने मानवीय तथा गैर-मानवीय सम्पत्तियों जैसी नयी संकल्पनाओं का मांग फलन में प्रयोग किया।

फ्रीडमैन ने मुद्रा की मांग को दो रूपों में दिखाया कि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मांग करने वाले दो तरह के लोग होते है- एक तो, व्यापारिक समुदाय के लोग तथा दूसरे अंतिम धन संग्रहकर्ता/अर्थव्यवस्था में इस तरह-

कुल धन = मानवीय धन + गैर-मानवीय धन

या मानवीय धन = $\frac{\text{गैर - मानवीय धन}}{\text{कुल धन}}$

फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा मांग फलन को निम्न रूप लिख सकते है-

$$\frac{Md}{P} = F\left(w, r_m, r_b, r_e, \frac{1}{P}\cdot\frac{dp}{dt}, u\right)$$

जहां r_m = मुद्रा पर प्रतिफल की दर
w = गैर मानवीय धन के रूप में अनुपात
v_b = बॉण्ड पर प्रतिफल की प्रत्याशित दर
r_e = इक्विटी पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर
$\frac{1}{P}\cdot\frac{dP}{dt}$ = कीमत-स्तर में प्रत्याशित परिवर्तन की दर।
u = रूचि एवं अधिमान ।

9. मुद्रा गुणांक द्वारा किसका निर्धारण होता है?

(a) अर्थव्यवस्था में मुद्रा की कुल पूर्ति
(b) उच्च शक्ति मुद्रा
(c) मुद्रा पूर्ति के अंग
(d) अर्थव्यवस्था में रोजगार एवं उत्पादन

Ans. : (b) – मुद्रा गुणांक द्वारा उच्च शक्ति मुद्रा का निर्धारण होता है इसको निम्न प्रकार से स्पष्ट कर सकते है-

मुद्रा पूर्ति (M) = D + C ——— (i)
उच्च शक्ति मुद्रा (H) = C + RR + ER ——— (ii)

$$\frac{M}{H} = \frac{D+C}{C+RR+ER}$$

D से भाग देने पर-

$$\frac{M}{H} = \frac{D/D + C/D}{\frac{C}{D} + \frac{RR}{D} + \frac{ER}{D}}$$

जहाँ $\frac{C}{D} = Cr, \frac{RR}{D} = RR_r, \frac{ER}{D} = ER_r$

या $\frac{M}{H} = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}$

या $M = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}.H$

$$M = \frac{C_r + RR_r + ER_r}{1+C_r}.H$$

$M = m.H$ $\quad \therefore\ m = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}$

अतः मुद्रा गुणक $(M) = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}$ है।

Page - 342, डिवंगन Monitary Eco.

10. समूह-I एवं समूह-II की इकाइयों को सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर छांटिये:

समूह - I	समूह - II
(a) MV =PT	(i) मार्शल
(b) MV = KPY	(ii) फ्रीडमैन
(c) MV =f(r,y,w)	(iii) फिशर
(d) $\frac{Md}{P} = \sqrt[\frac{1}{2}]{\frac{2bT}{r}}$	(iv) बॉमेल
	(v) एण्डों

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. : (d) – MV = PT - फिशर
MV = KPY - मार्शल
MV = F(r,y,w) - फ्रीडमैन
$\frac{Md}{P} = \sqrt[\frac{1}{2}]{\frac{2bT}{r}}$ - बॉमोल

11. फ्रीडमैन के अनुसार एक परिवार का उपभोग किस पर निर्भर करता है :

(a) अस्थिर आय (b) स्थायी आय
(c) दोनों स्थायी एवं अस्थिर आय (d) सापेक्ष आय

Ans. : (b) – फ्रीडमैन के अनुसार एक परिवार का उपभोग स्थायी आय पर निर्भर करता है फ्रीडमैन ने स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन किया। फ्रीडमैन के अनुसार- किसी परिवार की स्थायी आय उसकी उस वर्ष की चालू आय से ही प्रभावित नहीं होती है बल्कि दीर्घकाल में प्राप्य प्रत्याशित आय से भी होती है। स्थायी आय या दीर्घकालीन प्रत्याशित आय ''मानवीय तथा गैर मानवीय धन'' दोनों रूपों से अर्जित की जाती है।

फ्रीडमैन ने आय का विभाजन तीन भागों में किया है-

1. मापित आय (y_m)
2. स्थायी आय (y_p)
3. अस्थायी आय (y_t)

और बताया कि मापित आय, स्थायी व अस्थायी आय का योग होता है-

$$y_m = y_p + y_t$$

उसी प्रकार फ्रीडमैन ने उपभोग का विभाजन भी तीन भागों में किया -

1. मापित उपभोग (C_m)
2. स्थायी उपभोग (C_p)
3. अस्थायी उपभोग (C_t)

जहां मापित उपभोग या वास्तविक उपभोग,स्थायी व अस्थायी उपभोग का योग है-

$$C_m = C_p + C_t$$

फ्रीडमैन ने बताया कि स्थायी उपभोग का निर्धारण अस्थायी आय द्वारा होता है अर्थात् स्थायी उपभोग स्थायी आय का फलन होता है-

$$C_p = K.Y_p$$

जहां K, Cp और Yp के बीच आनुपातिक गुणांक है इसका मान 0 और 1 के बीच होता है अर्थात $O < K < 1$.

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सभी उत्तर छांटिये :

कथन (A) : **कीन्स के अनुसार कम ब्याज की दर पर निवेश की प्रवृत्ति अधिक होती है :**

कारण (R) :**निम्न ब्याज की दर पर पूँजी का पूर्ति मूल्य कम होता है।**

कूट :

(a) (A) एवं (R) दोनों सही है तथा (R), (A) का सही कारण है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

Ans. : (b) – कीन्स ब्याज को एक विशुद्ध मौद्रिक घटना मानते है उनके अनुसार ब्याज दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं पूर्ति की सापेक्ष शक्तियों द्वारा होता है। मुद्रा को नकद रखने की इच्छा को कीन्स ने तरलता अधिमान नाम दिया है। कीन्स के अनुसार कम ब्याज की दर पर निवेश की प्रवृत्ति अधिक होती है और ब्याज की दर जब अधिक हो तो ठीक इसके विलोमशः। इसका कारण निम्न ब्याज की दर पर पूंजी का पूर्ति मूल्य कम होता है।

13. दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का आकार कौन सा होता है?

(a) क्षैतिज पड़ी रेखा (b) उर्ध्वगामी खड़ी रेखा
(c) उर्ध्वगामी वक्र (d) अधोगामी वक्र

Ans. : (b) – फ्रीडमैन ने दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का प्रतिपादन किया। फ्रीडमैन के अनुसार स्फीति और बेरोजगारी के बीच विनिमय का वर्णन करने के लिए एक स्थिर नीचे दाई ओर ढालू फिलिप्स वक्र मानने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में यह सम्बन्ध एक अल्पकालीन घटना है परन्तु कई चर होते है। जिसके कारण फिलिप्स वक्र दीर्घकाल में सरकता है इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण दर स्फीति की प्रत्याशित दर है। जब तक स्फीति की वास्तविक दर और प्रत्याशित दर के बीच अंतर है तब तक नीचे दाई ओर ढालू फिलिप्स वक्र होगा। परन्तु जब यह अन्तर दीर्घकाल में समाप्त हो जाता है तो फिलिप्स वक्र अनुलम्ब (Vertical) हो जाता है। इसकी व्याख्या करने के लिए फ्रीडमैन ने बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की धारणा को प्रस्तुत किया। दीर्घकाल में, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर पर फिलिप्स वक्र एक अनुलम्बन रेखा होती है।

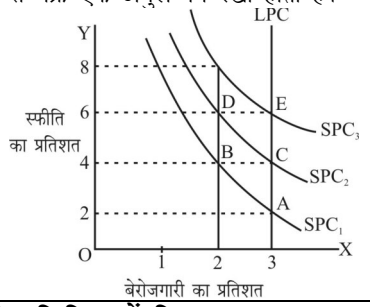

14. निम्नलिखित में किसका प्रभाव मुद्रा पूर्ति के परिमाण पर नहीं पड़ता है?

(a) पारिवारिक नकद मुद्रा
(b) बैंको के केन्द्रीय बैंक में जमा
(c) बैंको के पास नकद कोष
(d) नकद सुरक्षा अनुपात

Ans. : (d) नकद सुरक्षा अनुपात का प्रभाव मुद्रा पूर्ति के परिमाण दर पर नहीं पड़ता है। शेष अन्य का प्रभाव मुद्रा पूर्ति के परिमाण पर पड़ता है।

15. निम्नलिखित में मेल बिठाइये एवं दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

समूह-I	**समूह-II**
(a) एशियन ड्रामा	(i) ए.के. सेन
(b) च्वाईस आफ टेकनीक	(ii) डब्लू.डब्लू रोस्टोव
(c) स्टेजेस ऑफ इकनामिक ग्रोथ	(iii) गुन्नार मिर्डाल
(d) स्ट्रैटिजी आफ इकानामिक डेवलेपमेन्ट	(iv) ए.ओ. हर्षमैन
	(v) लीवन्सटीन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. : (b) – एशियन ड्रामा - गुन्नार मिर्डाल
च्वाईस ऑफ टेकनीक - ए.के. सेन
स्टेजेस ऑफ इकोनॉमिक्स ग्रोथ - डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टोव
स्ट्रैटिजी ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट - ए.ओ. हर्षमैन

16. जिस क्रम में विकास के सूचक के रूप में निम्न सूचकों का प्रयोग हुआ उसको दर्शाइये :

(a) प्रति व्यक्ति आय, HDI, PQLI
(b) HDI प्रति व्यक्ति आय. PQLI
(c) PQLI, HDI प्रति व्यक्ति आय
(d) प्रति व्यक्ति आय, PQLI, HDI

Ans. : (c) – विकास के सूचकों का प्रयोग उनके विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कालक्रम में हुआ है-
1. PQLI - 1976 को जॉन टिनवर्जन दर इसे मॉरिश-डी-मॉरिश ने लोकप्रिय बनाया।
2. HDI - UNDP के अर्थशास्त्रियों महबूब उल हक, अमर्त्यसेन व सिंगर हंस ने 1990 में।
इस प्रकार वक्र होगा - PQLI, HDI, प्रति व्यक्ति आय।

17. निम्नलिखित में कौन सा समीकरण हैरॉड़-होमर प्रारूप में स्थिर वृद्धि की शर्त को पूरा करता है :

(a) वास्तविक वृद्धि दर = वांछित वृद्धि दर
(b) वास्तविक वृद्धि दर = प्राकृतिक वृद्धि दर
(c) वांछित वृद्धि दर = प्राकृतिक वृद्धि दर
(d) वास्तविक वृद्धि दर = वांछित वृद्धि दर = प्राकृतिक वृद्धि दर

Ans. : (d) – हैरड-डोमर का आर्थिक संवृद्धि माडल उन्नत पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं के अनुभवों पर आधारित है। हैरोड-डोमर मॉडल में कीन्सीय मॉडल का प्राबैगिक विस्तार किया गया है तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों व कीन्सवादियों की कमियों को दूर करते हुए निवेश प्रक्रिया के दोनों पक्षों मांग पक्ष एवं पूर्ति पक्ष को समहित किया गया है।

मान्यतायें:-

1. आय का एक प्रारंभिक पूर्ण रोजगार संतुलन है
2. सरकारी हस्तक्षेप का अभाव होता है।
3. यह माडल बन्द अर्थव्यवस्था में कार्य करता है
4. APS = MPS
5. सीमांत बचत प्रवृत्ति स्थिर रहती हैं
6. पूंजी गुणांक अर्थात पूंजी -स्टॉक का आय से अनुपात स्थिर मान लिया जाता है।
7. सामान्य कीमत स्तर स्थिर रहता है अर्थात् मौद्रिक आय तथा वास्तविक आय समान होती है।
8. निवेश तथा उत्पादक क्षमता निर्माण के बीच समायोजन में देर नहीं लगती है
9. उत्पादक प्रक्रिया में पूंजी तथा श्रम का अनुपात स्थिर होता है।
10. व्याज की दरों में परिवर्तन नहीं होतें।

हैरॉड-डोमर का मॉडल सतत् संवृद्धि के विश्लेषण से सम्बन्धित है जिसमें उन्होंने उत्पादक वर्ग की संस्थिति, अर्थव्यवस्था की पूर्ण संस्थिति तथा संस्थिति से विचलन की व्याख्या किया।

हैरॉड ने अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता को सदैव संस्थिति में माना है। $S_t = s Y_t$ तथा $I_t = (y_t - y_{t-1})$

संस्थिति में - $S_t = I_t$

इसके अतिरिक्त अपने माडल में तीन संवृद्धि दरों की व्याख्या की है-
1. वास्तविक वृद्धि दर (G)
2. वांछित वृद्धि दर (Warranted growth rate G_w)
3. प्राकृतिक वृद्धि दर (Gn)

पूर्ण रोजगारीय संतुलन की स्थिति में-

G = Gw = Gn

18. निम्नलिखित में कौन सा कारण सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण की आवश्यकता का सही स्पष्टीकरण नहीं करता है

(a) जब व्यक्तिगत लाभ एवं सामाजिक लाभ में अन्तर होता है।
(b) जब व्यक्तिगत लागत एवं सामाजिक लागत में अन्तर होता है
(c) जब बाजार मूल्य साधनों की अवसर लागत परिलक्षित नहीं करते हैं
(d) अर्थ व्यवस्था में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र साथ-साथ विद्यमान होते हैं।

Ans. : (c) – सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण की आवश्यकता का सही कारण का स्पष्टीकरण तब नहीं करते है, जब बाजार मूल्य साधनों की अवसर लागत परिलक्षित नहीं करते है।

19. भारतीय नियोजन में किस योजना के निर्माण में प्रथम बार उपभोग उप-प्रारूप का प्रयोग किया गया:

(a) तृतीय योजना (b) चतुर्थ योजना
(c) पंचम योजना (d) छठी योजना

Ans. : (c) – भारतीय नियोजन में पंचम योजना के निर्माण में प्रथम बार उपभोग उप-प्रारूप का प्रयोग किया गया। पांचवी योजना की समयावधि 1974-78 तक थी, जिसमें स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण को प्राथमिकता दी गई। यह योजना आयोग का अधिगम मॉडल था।

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

कथन (A) :राष्ट्रों में उन्मुक्त व्यापार विश्व उत्पादन तथा आय में वृद्धि करता है।

कारण (R) :अल्पविकसित देश व्यापार से समान रूप से लाभ प्राप्त नहीं करते हैं।

कूट :

(a) दोनों (A) तथा (R) सही है तथा (R), (A) का सही कारण है।
(b) दोनों (A) तथा (R) सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) कथन (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) कथन (R) सही है, पर (A) गलत है।

Ans. : (d) – राष्ट्रों में उन्मुक्त व्यापार विश्व उत्पादन तथा आय में वृद्धि नहीं करता है अतः यह कथन गलत है जबकि व्यापार में संलग्न सभी देशों को समान रूप से लाभ प्राप्त नहीं होता है विकसित देशों को व्यापार से अधिक लाभ तथा अल्प विकसित देशों

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

को कम लाभ (या हानि) प्राप्त होता है। इनमें से भी जो अल्पविकसित देश व्यापार में संलग्न है, व्यापार से प्राप्त लाभ समान रूप से नहीं होता है, बल्कि किसी को सामान्य लाभ, किसी को कम लाभ या किसी को हानि भी हो सकती है।

21. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

	समूह-I	**समूह-II**
(a)	सम्भाव्य आय में वृद्धि	(i) X - अदक्षता
(b)	साधन की प्रति इकाई पर उत्पादकता	(ii) सन्तुलित विकास
(c)	उत्पादन सम्भावना सीमा के भीतर उत्पादन	(iii) आर्थिक वृद्धि
(d)	अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की वृद्धि सहित विकास	(iv) आबंटन अदक्षता
		(v) उत्पादकता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(B)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(v)

Ans. : (b) – सम्भव्य आय में वृद्धि - आर्थिक वृद्धि
साधन की प्रति इकाई - उत्पादकता
उत्पादन संभावना सीमा के भीतर उत्पादन - X अदक्षता
अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की वृद्धि सहित विकास-संतुलित विकास।

22. नीचे एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख क्रियायें दी गयी हैं :

(i) आबंटन (ii) उत्पादन
(iii) वितरण (iv) स्थायीकरण

मसग्रेव के अनुसार उपरोक्त में कौन सी क्रिया में सरकार के कार्य क्षेत्र में आती है।

(a) (i) तथा (ii) (b) (i), (ii) तथा (iii)
(c) (i) (iii) तथा (iv) (d) उपरोक्त चारों

Ans. : (b) – मसग्रेव के अनुसार एक अर्थव्यवस्था में सरकार के कार्य क्षेत्र में निम्न क्रियाएं आती है-
1. उत्पादन 2. वितरण 3. आबंटन।

23. लाफर वक्र का स्वरूप कैसा होता है?

(a) U आकार का (b) उल्टे U आकार का
(c) L आकार का (d) J आकार का

Ans. : (b) – आय कर की दर की संरचना के संबंध में आर्थर लाफर का कहना है कि कर की सीमांत दर एक है। इसे लाफर ने एक वक्र द्वारा समझाया है-

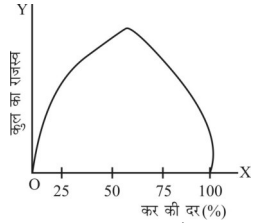

इस वक्र के आकार से यह पता चलता है कि कर की सीमांत दर के शून्य होने पर कर राजस्व भी शून्य है। और जब कर की सीमांत दर 100% हो जाती तब उस स्थिति में भी कर राजस्व शून्य हो जाता है।

24. निम्नलिखित में कौन सी विशेषता सार्वजनिक वस्तुओं में नहीं पायी जाती है?

(a) गैर-स्पर्धात्मकता (b) गैर-बहिष्करणात्मकता
(c) प्रतिद्वन्दिता (d) मुफ्त-सैर

Ans. : (c) – सार्वजनिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और इनकी पूर्ति समाज के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है। इन वस्तुओं का संयुक्त उपभोग होता है अर्थात् इनके संबंध में अपर्वजन सिद्धांत (Exclusion Principle) प्रतिद्वन्द्विता का नियम (Rivalness) का नियम लागू नहीं होता है इस प्रकार सार्वजनिक वस्तुओं का सभी लोग समान रूप से करते है, चाहे उनसे इसके लिए भुगतान किया हो या न किया हो।

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

25. कथन (A) :राष्ट्र की सुरक्षा एक सार्वजनिक वस्तु है।
कारण (R) :देशवासी विदेशी आक्रमण के विरुद्ध सुरक्षित होना चाहते हैं।

कूट :

(a) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।
(b) दोनों (A) तथा (R) सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) कथन (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) कथन (A) गलत है, पर (R) सही है।

Ans. : (d) – राष्ट्र की सुरक्षा करना देश के सभी नागरिकों का कर्तव्य है। अतः राष्ट्र की सुरक्षा एक सार्वजनिक वस्तु है, सही है परन्तु देशवासी सिर्फ विदेशी आक्रमण के विरूद्ध ही सुरक्षित होना नहीं चाहते है बल्कि आंतरिक अनेक कारण है, जिनसे सुरक्षित होना चाहते है, जैसे- लूट-मार, हत्या, अकाल, स्वास्थ्य सुविधाएं, परिवहन की पहुंच, भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, अपहरण इत्यादि अनेक जिनसे सुरक्षित होना चाहते है।

26. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

	समूह - I		समूह - II
(a)	राजस्व घाटा	(i)	RBI से प्राप्त सरकारी ऋण
(b)	राजकोष घाटा	(ii)	राजस्व व्यय-राजस्व आय
(c)	प्राथमिक घाटा	(iii)	राजकोषीय घाटा-ब्याज का भुगतान
(d)	मौद्रीकृत घाटा	(iv)	कुल व्यय- गैर ऋण आय

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

Ans. : (a) – राजस्व घाटा - राजस्व व्यय- राजस्व आय
राजकोषीय घाटा - कुल व्यय - गैर ऋण आय
प्राथमिक घाटा - राजकोशीय घाटा- ब्याज का भुगतान
मौद्रीकृत घाटा - R.B.I. से प्राप्त सरकारी ऋण।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. यदि किसी वस्तु की मांग की लोच उसकी पूर्ति की लोच से अधिक होती है, तो :

(a) कर भार विकेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर अधिक पड़ेगा
(b) कर भार विक्रेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर कम पड़ेगा
(c) कर भार क्रेताओं और विक्रेताओं पर समान रूप से पड़ेगा
(d) कर भार का विवर्तन नहीं किया जा सकता है

Ans. : (b) – यदि किसी वस्तु की मांग की लोच उसकी पूर्ति की लोच से अधिक होती है, तो कर भार विक्रेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर कम पड़ेगा।

28. जब उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति 0.75 हो, तो सन्तुलित बजट गुणांक का मूल्य कितना होगा :

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

Ans. : (d) – उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति MPC = 0.75

$$K = \frac{1}{1-MPC}$$

बजट गुणक $= = \frac{1}{1-0.75}$

$= \frac{1}{0.25} \quad \left[\frac{100}{25} = 4\right]$

$= 4$

संतुलित बजट गुणांक मूल्य = 4

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : **व्यापार की आय शर्तों में सुधार केवल यह इंगित करता है कि एक देश अपने निर्यात के द्वारा पहले से अधिक मात्रा में आयात कर सकता है।**

कारण (R) : **व्यापार की आय शर्तों में परिवर्तन को व्यापार से लाभ का सूचक नहीं माना जा सकता है।**

कूट :

(a) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।
(b) दोनों (A) तथा (R) सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) कथन (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) कथन (A) सही है, पर (R) सही है।

Ans. : (c) – व्यापार की शर्तें उस दर को बताती है जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय होता है। व्यापार की आय शर्ते किसी देश के नियार्तों में परिवर्तन के अनुपात में उसकी परिवर्तित होती हुई आयात क्षमता को प्रदर्शित करता है। व्यापार की आय शर्तों में सुधार यह इंगित करता है कि एक देश अपने निर्यात के द्वारा पहले से अधिक मात्रा में आयात कर सकता है। व्यापार की आय शर्तों में परिवर्तन को व्यापार से लाभ का सूचक माना जाता है।

व्यापार की आय शर्ते $(T_y) = T_c . Q_x$

$$T_y = \frac{p_x}{p_m} . Q_x$$

जहां T_c = वस्तु विनिमय व्यापार- शर्ते
Q_x = निर्यात मात्रा

30. लिओनतीफ के अध्ययन के अनुसार :

(a) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका पूँजी गहन वस्तुओं का निर्यात करता था
(b) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका श्रम गहन वस्तुओं का निर्यात करता था।
(c) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका श्रम गहन वस्तुओं का आयात करता है।
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

Ans. : (b) – हैक्शर-ओलिन मॉडल के सत्यापन के संदर्भ में पहला व्यापक प्रत्यय लियोनटिफ ने 1951 में किया था लियोनटिफ अपने अध्ययन के आधार पर इस विरोध मूलक निष्कर्ष पर पहुंचा कि यद्यपि बाकी दुनिया के मूकाबले संयुक्त राज्य अमेरिका में पूंजी की सापेक्ष तथा बड़ी मात्रा और श्रम की सापेक्षतया थोड़ी मात्रा है, फिर भी अमरीका ने श्रम गहन वस्तुओं का निर्यात और पूंजी गहन वस्तुओं का आयात किया। इस निष्कर्ष को लियोनटिफ विरोधाभास कहा जाता है।

Page= 75, झिंगन Inyrtnatinal Eco.

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और सही कूट छांटिये:

31. अनुकूलतम तट कर सिद्धान्त के अनुसार :

(i) जितना एक देश का विदेशी व्यापार का हिस्सा होता है, उतना ही अनुकूलतम तट कर परिवर्तन की सम्भावना अधिक होती है
(ii) जितना सापेक्ष मूल्य परिवर्तनों का मांग व पूर्ति पर प्रभाव अधिक होता है, उतना देश को अनुकूलतम तट कर नीचा रखना चाहिये।
(iii) यदि दूसरे देश की मूल्य लोच अधिक है तो एक देश को तट कर परिवर्तन से लाभ कम होगा।
(iv) जब तक दूसरे देश की 'आफर' वक्र की लोच इकाई के बराबर या उससे कम है, एक देश तट कर में वृद्धि कर सकता है।

कूट :

(a) (i) तथा (ii) सही है
(b) (i), (ii) तथा (iii) सही है।
(c) (i) (iii) तथा (iv) सही है
(d) उपरोक्त चारों सही है

Ans. : (c) – अनूकूलतम तट कर के अनुसार-
1. जितना एक देश का विदेशी व्यापार का हिस्सा होता है उतना ही अनुकूलतम तट कर परिवर्तन की संभावना अधिक होती है।
2. यदि दूसरे देश की मूल्य लोच अधिक है तो एक देश को तट कर परिवर्तन से लाभ कम होगा।
3. जब तक दूसरे देश की 'ऑफर' वक्र की लोच इकाई के बराबर या उससे कम है, एक देश तट कर में वृद्धि कर सकता है।

32. निम्नलिखित समूहों में मेल बिठाइये तथा सही कूट का चयन कीजिए :

समूह - I	**समूह - II**
(a) केन्द्र परिधि सिद्धान्त	(i) मार्शल
(b) साधन अनुपात प्रमेय	(ii) हैक्शर ओहलिन
(c) पारस्परिक मांग	(iii) राउल प्रेबिश
(d) अधिरेक निकास सिद्धान्त	(iv) ऐल्सवर्क
	(v) जे. वाईनर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

Ans. : (a) –

केन्द्र-परिधि सिद्धांत	- राउल प्रेबिश
साधन अनुपात प्रमेय	- हैक्शर-ओहलिन
पारस्परिक मांग	- मार्शल
अधिरेक निकास सिद्धांत	- जे. बाइनर।

33. यदि मांग की सीमान्त प्रवृत्ति 0.8 है तथा आयात की सीमान्त प्रवृत्ति 0.3 है तो निर्यात में 100 रु. की स्वायत वृद्धि राष्ट्रीय आय में कितनी वृद्धि करेगी :

(a) 100 रु. (b) 200 रु.
(c) 300 रु. (d) 400 रु.

Ans. : (*)

34. मुण्डेल माडल के अनुसार एक देश को :

(a) बाह्य संतुलन प्राप्ति हेतु मौद्रिक नीति का प्रयोग करना चाहिये
(b) आन्तरिक संतुलन के लिये मौद्रिक नीति का प्रयोग करना चाहिए
(c) बाह्य संतुलन की प्राप्ति के लिये राजकोषीय नीति का प्रयोग करना चाहिये
(d) विनिमय नियन्त्रण का प्रयोग करना चाहिये न कि मौद्रिक अथवा राज कोषीय नीति का

Ans. : (b) – आंतरिक और बाह्य संतुलन के लिए मौद्रिक और राजकोषीय नीति के प्रभावी प्रयोग का मुण्डेल का नियम है जिसे वह प्रभावी बाजार वर्गीकरण सिद्धांत कहते है। मुण्डेल मॉडल के अनुसार आंतरिक संतुलन प्राप्त करने के एक देश को मौद्रिक नीति का प्रयोग करना चाहिए।

Page- 278, झिंगन Inyrtnatinal Eco.

35. 2002-03 के बजट में तट करो की उच्चतम दर को किस सीमा तक घटाया गया है?

(a) 20% (b) 25%
(c) 30% (d) 35%

Ans. : (d) – 2002-03 के बजट में तट करो की उच्च दर को 35% तक घटाया गया है।

36. भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का अंश :

(a) लगभग 40% है (b) लगभग 45% है
(c) लगभग 50% है (d) लगभग 55% है

Ans. : (b) – भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का अंश 45% है। (प्रश्नकाल के अनुसार)। 2015-16 के अनुसार GDP में सेवा क्षेत्र का अंश 66.1% है।

37. हरित क्रान्ति के विषय में नीचे लिखे कथनों में से कौन सही है?

(a) हरित क्रान्ति भूमि सुधारों से हुई
(b) हरित क्रान्ति HYV बीजों के उपयोग से हुई
(c) हरित क्रान्ति उर्वरकों के बढ़ते प्रयोग से हुई
(d) उपरोक्त सभी सही है

Ans. : (d) – भारत में हरित क्रांति 1966-67 को हुई। हरित क्रांति का प्रभाव निम्न हुआ -
1. हरित क्रांति भूमि सुधारों से हुई।
2. हरित क्रांति HYV बीजों के उपयोग से हुई।
3. हरित क्रांति उर्वरकों के बढ़ते प्रयोग से हुई।

38. सही कूट चुनिए :

कथन (A) : भारत में सुधारोत्तर काल अन्तर्राज्यीय विषमताएँ बढ़ी हैं।

कारण (R) : औद्योगिक लाइसेन्स व्यवस्था जो धनी राज्यों में उद्योगों के संकेन्द्रण को बाधित करती थी, 8 को समाप्त कर दिया गया है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

Ans. : (b) – भारत में सुधारोत्तर काल में अन्तर्राज्यीय विषमताएं बढ़ी है। यह कथन सही है। आर्थिक सुधारोपरान्त औद्योगिक लाइसेन्स व्यवस्था जो धनी राज्यों में उद्योगों के संकेन्द्रण को बाधित करती थी, 8 को समाप्त कर दिया गया है। अतः दोनों कथन R सही है, लेकिन सही स्पष्टीकरण नहीं है

39. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

समूह - I		समूह - II
(a)	रंगराजन समिति	(i) कर सुधार
(b)	नरसिंहन् समिति	(ii) बीमा सुधार
(c)	केलकर समिति	(iii) अनिवेश
(d)	मलहोत्रा समिति	(iv) वित्तीय क्षेत्र सुधार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

Ans. : (a) – रंगराजन समिति - अनिवेश

नरसिंह समिति	- वित्तीय क्षेत्र सुधार
केलकर समिति	- कर सुधार
मल्होत्रा समिति	- बीमा सुधार।

40. इनमें से किस वर्ष में भारत के चालू खाते (BOP) में आधिक्य था?

(a) 1998-99 (b) 1999-2000
(c) 2000-2001 (d) उपर्युक्त कोई नहीं

Ans. : (c) – भारत के चालू खाते में (BOP) अधिक्य 2000-2001 में था।

41. पिछले तीन वर्षों में, इनमें से किन देशों के साथ भारत को व्यापार आधिक्य था?

(a) यू.एस.ए. (b) रूस
(c) यू.के. (d) जापान

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट:

(a) a तथा b (b) a तथा c
(c) b तथा c (d) c तथा d

Ans. : (b) – पिछले तीन वर्षों में (प्रश्नकाल के दौरान) यू.एस.ए. तथा यू.के. देशों के साथ भारत को व्यापार अधिक्य था।

42. केन्द्र सरकार के सम्पूर्ण कर राजस्व में प्रत्यक्ष करों का अंश आजकल कितना है?

(a) लगभग 17% (b) लगभग 27%
(c) लगभग 33% (d) लगभग 37%

Ans. : (d) – केन्द्र सरकार के सम्पूर्ण कर राजस्व में प्रत्यक्ष करों का अंश आजकल 37% (प्रश्नकाल के समय) है।

43. ब्याज भुगतान आजकल केन्द्र सरकार के राजस्व व्यय का:

(a) लगभग 15% अंश है (b) लगभग 25% अंश है
(c) लगभग 30% अंश है (d) लगभग 35% अंश है

Ans. : (b) – ब्याज भुगतान आजकल केन्द्र सरकार के राजस्व व्यय का लगभग 25% अंश है।

44. जब दो समय- श्रेणियों के उतार-चढ़ाव ऋणात्मक सहसंबंधित हों, तब :

(a) प्रवृत्ति भी उसी दिशा में हो सकती है
(b) प्रवृत्ति विपरीत दिशा में हो सकती है
(c) प्रवृत्ति अनुपस्थित है
(d) एक सार्थक प्रवृत्ति आंकलन करना कठिन है

Ans. : (b) – जब दो समय-श्रेणियों के उतार-चढ़ाव ऋणात्मक सहसम्बन्धित हो, तब प्रवृत्ति विपरीत दिशा में हो सकती है।

45. कथन (A) : बहुसंख्यक प्रतिदर्श के लिए माध्य के परीक्षण के लिए मानक प्रसामान्य बंटन का प्रयोग किया जा सकता है।

कारण (R) : जब मूल्य समष्टि का प्रसामान्य बंटन हो, तब उस समष्टि से निकाल प्रतिदर्श का t-बंटन (t-डिस्ट्रीब्यूशन) होता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

Ans. : (c) – बहुसंख्यक प्रतिदर्श के लिए माध्य के परीक्षण के लिए मानक प्रसामान्य बटन का प्रयोग किया जा सकता है। यह कथन सही है।

जब मूल्य समष्टि का प्रसामान्य बंटन हो, तब उस समष्टि से निकाले प्रतिदर्श का t - बंटन नहीं होता है।

46. दो विकल्पों X तथा Y का प्रत्याशित मूल्य एक समान है लेकिन Y का प्रसरण X के प्रसरण से अधिक है। एक ऐसा व्यक्ति जो X के मुकाबले Y को चुनता है, वह :

(a) जोखिम- प्रेमी है (b) जोखिम -विमुख है
(c) जोखिम-उदासीन है (d) सट्टेबाज है

Ans. : (b) – दो विकल्पों x तथा y का प्रत्याशित मूल्य एक समान है लेकिन y का प्रसरण x के प्रसरण से अधिक है। एक ऐसा व्यक्ति जो x के मुकाबले y को चुनता है, वह जोखिम-विमुख है।

47. इनमें से कौन प्रतिदर्श आबंटन नहीं है :

(a) मानक प्रसामान्य बंटन
(b) पॉयसन बंटन
(c) t- बंटन
(d) Y^2 -बंटन

Ans. : (a) – मानक प्रसामान्य बंटन प्रतिदर्श आबंटन नहीं है, शेष अन्य प्रतिदर्श आबंटन है।

48. दो घटनाओं A और B के लिए P(A या B)=P(A)+P(B), तब सत्य है, जब :

(a) A और B स्वतंत्र घटनाएं हैं
(b) A और B एक साथ हो सकती है
(c) A और B परस्पर अपवर्जित घटनाएं हैं
(d) ऊपर में कोई सही नहीं है

Ans. : (c) – दो घटनाओं Aऔर B के लिए P, (A या B) = P (A)+P (B) तब सत्य है जब A और B परस्पर अपवर्जित घटनाएं है।

48. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

	समूह - I		समूह - II
(a)	अल्पसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	(i)	काई-वर्ग सांख्यिक
(b)	बहुसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	(ii)	t- सांख्यिक
(c)	स्वतंत्रता का परीक्षण	(iii)	F- सांख्यिक
(d)	प्रसरणों का तुलनात्मक परीक्षण	(iv)	Z सांख्यिक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans. : (c) –

अल्पसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	- t - सांख्यिक
बहुसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	- z -सांख्यिक
स्वतंत्रता का परीक्षण	- काई-वर्ग सांख्यिक
पसरणों का तुलनात्मक परीक्षण	- f- सांख्यिक

50. X पर Y की और Y पर X की प्रतीपगमन रेखाएं एक दूसरे को :

(a) मूल बिन्दु पर काटती है
(b) $\overline{X}, \overline{Y}$ पर काटती है
(c) X - अक्ष पर काटती है
(d) Y - अक्ष पर काटती है

Ans. : (b) – x पर y की और y पर x की प्रतीपगमन रेखाएं एक-दूसरे को $\overline{x}, \overline{y}$ पर काटती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2005

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यदि मदों के एक सेट में प्रत्येक मद का अपना एक निश्चित स्थान हो तब वह:

(a) कमजोर क्रमण है
(b) सशक्त क्रमण है
(c) (a) तथा (b) दोनों सही हैं
(d) उपरोक्त में से कोई सही नहीं है

Ans. (b) : यदि मदों के एक सेट में प्रत्येक मद का अपना एक निश्चित स्थान हो तब वह सशक्त क्रमण (strong ordering) होता है। इसका उल्लेख 'प्रो. सैम्युल्शन' अपने 'प्रकट अधिमान सिद्धान्त' में करते हैं।

2. बैरोमैट्रिक नेतृत्व का निहितार्थ है :

(a) कम कीमत फर्म का नेतृत्व
(b) उच्च कीमत फर्म का नेतृत्व
(c) सर्वाधिक अनुभवी फर्म का नेतृत्व
(d) न्यूनतम अनुभवी फर्म का नेतृत्व

Ans. (c) : अल्पाधिकारी बाजार में फर्मों की संख्या कम होती है और वे अपने लाभ को अधिकतम करना चाहती है जिससे वे आपस में एक संघ बना लेती है जिसमें एक नेता को चुनती हैं जो कीमत का निर्धारण करता है। सर्वाधिक अनुभवी फर्म को बैरोमैट्रिक फर्म कहते हैं।

3. सीमित मूल्य निर्धारण के साईलोस मॉडल में मांग की लोच:

(a) ऐकिक लोच (b) पूर्णरूपेण अलोच
(c) पूर्णरूपेण लोच (d) अस्थिर

Ans. (a) : 'साईलोस लाबिनी' के 'सीमा कीमत निर्धारण' मॉडल में मांग की लोच इकाई के बराबर होती है।

4. रिज लाइन वह बिन्दु पथ है जहाँ समुचित साधन की सीमान्त उत्पादकता है:

(a) एक के बराबर (b) शून्य के बराबर
(c) एक से अधिक (d) एक से कम

Ans. (b) : रिज लाइन विभिन्न बिन्दुओं का वह बिन्दुपथ होता है जिस पर सम्पूर्ण साधनों की सीमान्त उत्पादकता शून्य (0) होती है। रिज रेखाएँ उत्पादन क्षेत्र की तकनीकी सीमाओं का निर्धारण करती हैं कोई भी उत्पादक इससे बाहर उत्पादन नहीं करता है।

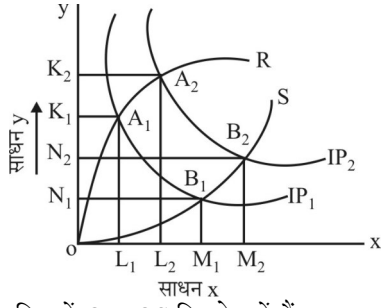

उपरोक्त चित्र में OR, OS रिज रेखायें हैं।

5. उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम का संबंध किससे है?

(a) जे.एम. केन्स (b) मिलटन फ्रिडमैन
(c) जे.आर. ड्युसेनबरी (d) एफ. मोडीग्लियानी

Ans. (a) : उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम का सम्बन्ध जे.एम. केन्स से है। केन्स कहते हैं कि जब आय में वृद्धि होती है तो उपभोग में भी वृद्धि होती है परन्तु उपभोग में होने वाली वृद्धि आय में होने वाली वृद्धि की तुलना में कम होती है। आय में होने वाली वृद्धि उपभोग तथा बचत में बँट जाती है।

$$\boxed{\Delta y = \Delta c + \Delta s}$$

Δy = आय में वृद्धि
Δc = उपभोग में वृद्धि
Δs = बचत में वृद्धि

6. केन्स के अनुसार रोजगार का स्तर निर्भर करता है:

(a) समग्र माँग पर
(b) समग्र आपूर्ति पर
(c) माँग एवं आपूर्ति का संतुलन
(d) प्रभावी माँग

Ans. (d) : केन्स के अनुसार अर्थव्यवस्था में रोजगार का स्तर उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है तथा कुल उत्पादन की मात्रा प्रभावपूर्ण मांग पर निर्भर करती है अर्थात् रोजगार की मात्रा प्रभावपूर्ण मांग पर निर्भर करती है। पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में प्रभावपूर्ण मांग अथवा समर्थ मांग में कमी से बेरोजगारी उत्पन्न होती है।
केन्स के अनुसार जिस बिन्दु पर समग्र मांग एवं समग्र पूर्ति वक्र एक-दूसरे को काटते हैं वहीं रोजगार के सन्तुलन स्तर का निर्धारण एवं प्रभावपूर्ण मांग का बिन्दु होता है।

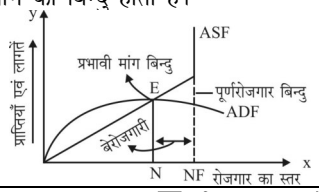

7. यदि मुद्रा की आपूर्ति $\overline{M}$ के बराबर है तथा मुद्रा के लिए मांग ky - hi द्वारा दी गई है, तब ब्याज दर (i) के परिप्रेक्ष्य में LM का समीकरण होगा :

(a) $i = \frac{k}{h}y - \frac{\overline{M}}{h}$ (b) $i = \frac{k}{h}y + \frac{\overline{M}}{h}$
(c) $i = ky + \overline{M}$ (d) $i = ky - \overline{M}$

Ans. (a) : मुदा आपूर्ति $= \overline{M}$
मुद्रा की मांग $= ky - hi$
सन्तुलन अवस्था में मुद्रा की मांग = मुद्रा की पूर्ति

$$\overline{M} = ky - hi$$
$$hi = ky - \overline{M}$$
$$\boxed{i = \frac{ky}{h}y - \frac{\overline{M}}{h}}$$

यह ब्याज पर i के परिपेक्ष में LM वक्र का समीकरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. गुणक तथा प्रवर्धक के बीच अंतरव्यवहार अनवरत चक्रिक उतार-चढ़ाव उत्पन्न करता है, यह किसने कहा है?

(a) हैरोड - डोमार (b) कालडर - मिरलिस
(c) सैमुएल्स - हिक्स (d) जॉन - रोबिन्स - स्त्राफा

Ans. (*) : हिक्स एवं सैम्युल्सन के व्यापार चक्र का सिद्धान्त गुणक एवं त्वरक की परस्पर अन्तर्क्रिया पर आधारित है जिसमें वे बताते हैं कि गुणक तथा प्रवर्धक (त्वरक) के बीच अन्तरव्यवहार अनवरत चक्रिक उतार-चढ़ाव को उत्पन्न करता है।

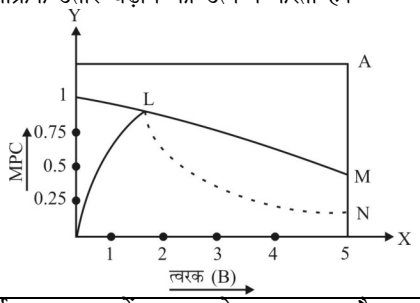

9. वर्तमान समय में HDI को मापा जाता है :

(a) स्वतंत्रतावादी परिपेक्ष्य (b) आदर्शवादी परिपेक्ष्य
(c) अधिप्राप्ति परिपेक्ष्य (d) वंचनकारकारी परिपेक्ष्य

Ans. (c) : वर्तमान समय में HDI को अधिप्राप्ति परिप्रेक्ष से मापा जाता है।

10. आतिवादियों के लिए विकास तथा अल्पविकास है :

(a) आनुक्रमिक (b) सह उपस्थित
(c) सह जातिय (d) सह अंक

Ans.(b): अतिवादियों के लिए विकास तथा अल्पविकास सहउपस्थित है।

11. IRR ह्रास की वह दर है जो बनाती है :

(a) PVC = PVB (b) PVC > PVB
(c) PVC < PVB (d) $PVB/PVC > 1$

Ans. (a) : IRR ह्रास की वह दर है जो PVC = PVB बनाती है।

12. निम्नलिखित में से कौन सा स्थाई अवस्था वृद्धि के अनुरूप नहीं है?

(a) हैरोड तटस्थता (b) हिक्स तटस्थता
(c) हैरोड अतटस्था (d) हिक्स अतटस्थता

Ans. (a) : हैरोड तटस्थता स्थायी अवस्था वृद्धि के अनुरूप नहीं है।

13. वास्तविक 'छुरी की धार' समस्या से अभिप्राय है :

(a) $g_n \neq g_w$
(b) g_n और g_w की स्वतंत्रता
(c) g_n और g_w की अस्थिरता
(d) स्वयं g_w की अस्थिरता

Ans. (c) : वास्तविक छूरी धार समस्या से अभिप्राय यह है कि g, gw, gn में अत्यधिक अस्थिरता पायी जाती है। पूर्णरोजगार सन्तुलन के लिए g = gw = gn होना चाहिए जो कि 'छूरी धार के सन्तुलन' की स्थिति है एक बार यदि अर्थव्यवस्था इस मार्ग से दूर हटती है तो पुनः वापस नहीं आती है।

14. भारत के प्रथम वित्त आयोग का गठन किसकी अध्यक्षता में किया गया था?

(a) के.सी. नियोगी (b) के. सन्थानम
(c) ए.के. चन्दा (d) सी. रंगराजन

Ans. (a) : भारत में प्रथम वित्त आयोग का गठन के. सी. नियोगी की अध्यक्षता में वर्ष 1951 में हुआ था।

15. भारत के संविधान के प्रावधानों के अंतर्गत निम्नलिखित में कौन सा केन्द्रीय वित्त में आय का स्त्रोत नहीं है?

(a) निगम कर (b) सीमा शुल्क अधिभार
(c) आयकर (d) भू-राजस्व

Ans. (d) : भू-राजस्व पर राज्य सरकार द्वारा कर लगाया जाता है तथा वसूल किया जाता है अतः यह भारतीय संविधान के प्रावधानों के अन्तर्गत केन्द्रीय वित्त में आय का स्त्रोत नहीं है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रनियम एडम स्मिथ से संबंधित है?

(a) लोच का प्रनियम (b) उत्पादकता का प्रनियम
(c) निश्चितता का प्रनियम (d) समीचीनता का प्रनियम

Ans. (c) : निश्चितता का सिद्धान्त एडमस्मिथ द्वारा दिया गया है।

17. स्वर्ण मानकों के अंतर्गत, निम्नलिखित में से किसके परिवर्तन द्वारा भुगतान संतुलन में स्वयं समायोजन लाया जाता है?

(a) कीमतों का सामान्य स्तर
(b) विनिमय की दरें
(c) कीमतों का सामान्य स्तर तथा विनिमय की दरें
(d) आय

Ans. (b) : स्वर्ण मानकों के अन्तर्गत विनिमय की दरों में परिवर्तन करने से निर्यात में वृद्धि एवं आयात में कमी लाया जा सकता है जिससे किसी देश का भुगतान सन्तुलन देश के अनुकूल हो जाता है।

18. नवीन उद्योग नीति का प्रमुख बल _____ की अधिकतम भागीदारी आमंत्रित करता है।

(a) सार्वजनिक क्षेत्र (b) स्टॉक क्षेत्र
(c) निजी क्षेत्र (d) बैंक

Ans. (c) : नवीन औद्योगिक नीति 1991 के आर्थिक उदारीकरण जो विशेष रूप से LPG Model (Liberlization, Globlization, Privatization) पर आधारित थी जिसका प्रमुख उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के हिस्से को कम करना तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना था।

19. वर्ष 2003–04 में निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय राज्य गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक था?

(a) पंजाब (b) हरियाणा
(c) उत्तर प्रदेश (d) मध्य प्रदेश

Ans. (c) : वर्ष 2003–04 में उत्तर प्रदेश गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक था।

20. यदि दो चरों के बीच सहसंबंध गुणांक-1 के बराबर है, तो ये चर _____ है।

(a) असहसंबंधित (b) औसत दर्जे के सहसंबंधित
(c) उच्चस्तरीय सहसंबंधित (d) पूर्ण रूप में सहसंबंधित

Ans. (*) : यदि दो चरों के बीच सहसम्बन्ध गुणांक का मान (−1) हो तो ये पूर्णरूप से नकारात्मक सहसम्बन्धित होंगे। सहसम्बन्ध गुणांक का मान (−1 से +1) के बीच में होता है।

−1, +1 ⇒ पूर्ण रूप से सहसम्बन्धित
0 ⇒ दोनों चर आपस में स्वतन्त्र हैं अर्थात् कोई सहसम्बन्ध नहीं होगा।
± 0.75 ⇒ उच्चस्तरीय सहसम्बन्धित

21. निम्न में से कौन प्रायिकता प्रतिचयन है?

(a) सुविधा प्रतिचयन (b) सोद्देश्यात्मक प्रतिचयन
(c) क्रमबद्ध प्रतिचयन (d) कोटा प्रतिचयन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : क्रमबद्ध प्रतिचयन में सबसे पहले समग्र को एक क्रम में व्यवस्थित कर लेते हैं उसके पश्चात् उसमें से यादृच्छिक रूप से प्रतिदर्श का चुनाव करते हैं अतः क्रमबद्ध प्रतिचयन प्रायिकता प्रतिचयन का एक रूप है।

निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें तथा प्रश्न से 22 से 26 के उत्तर इस उद्धरण के आधार पर दें–

संयुक्त राज्य अमेरिका का वास्तविक घरेलू सकल उत्पाद पिछले 40 वर्षों में 3% की औसत दर से बढ़ा। इस वृद्धि को कैसे समझा जा सकता है? वह एक ऐसी तकनीक का विकास जिसे वृद्धि लेखपाल कहा जा सकता है और जो उत्पादन में वृद्धि को तीन अलग-अलग स्त्रोतों में विभाजित करती है : पूंजी में वृद्धि; श्रम में वृद्धि और प्राद्योगिकी में प्रगति। इसे समझने के लिए, हम उत्पादन फलन को लिखें,

$Y = A \cdot F(K, L)$

जहाँ A निवर्तमान प्रोद्योगिकी के स्तर का एक माप है, जिसे संपूर्ण साधन उत्पादकता कहा जाता है। अब उत्पादन में वृद्धि इस प्रकार आर्थिक वृद्धि की समीकरण बन जाती है :

$$\frac{\Delta Y}{Y} = \propto \cdot \frac{\Delta K}{K} + (1 - \propto)\frac{\Delta L}{L} + \frac{\Delta A}{A}$$

उत्पादन में वृद्धि दर = पूंजी का योगदान + श्रम का योगदान + संपूर्ण साधन उत्पादकता में वृद्धि

जबकि $\propto$ पूंजी का तथा $(1 - \propto)$ श्रम का उत्पादन में हिस्सा है।

चूंकि संपूर्ण साधन उत्पादकता प्रत्यक्ष रूप से प्रेक्षणीय नहीं है, अतः इसे अप्रत्यक्ष रूप से मापा जाता है। हम संपूर्ण साधन उत्पादकता में वृद्धि को इस प्रकार अभिकलित (compute) कर सकते हैं जिससे आर्थिक वृद्धि में सभी का योग गणना में आ जाये।

$\frac{\Delta A}{A}$ उत्पादन में वह बदलाव बताता है जिसे आगतों (inputs) में बदलाव से नहीं आंका जा सकता। $\frac{\Delta A}{A}$ को रॉबर्ट सोलो के नाम पर अक्सर सोलो अवशेष भी कहा जाता है क्योंकि सर्वप्रथम सोलो ने ही बताया था कि इसका अभिकलन कैसे किया जाय।

संपूर्ण साधन उत्पादकता में बदलाव कई कारणों से हो सकता है। ये बदलाव बहुत या उत्पादन के तरीकों के विषय में ज्ञान में वृद्धि से आते हैं और सोलो अवशेष को अक्सर प्रोद्योगिकीय प्रगति को मापने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तथापि, शिक्षा तथा सरकारी विनियमन (government regulation) जैसे अन्य कारक भी संपूर्ण साधन उत्पादकता को प्रभावित करते हैं।

22. A इसका माप है–

(a) प्रोद्योगिकी में बदलाव
(b) पूंजी की उत्पादकता में बदलाव
(c) श्रम की उत्पादकता में बदलाव
(d) संपूर्ण साधन उत्पादकता

Ans. (d) : **Note** – 22–26 तक के उत्तर का स्त्रोत पैसेज है। सम्पूर्ण साधन उत्पादकता का माप है।

23. आगतों (inputs) में बिना किसी बदलाव के यदि A में 1% वृद्धि हो तो उत्पादन में वृद्धि होगी–

(a) 1 प्रतिशत (b) 1 प्रतिशत से अधिक
(c) 1 प्रतिशत से कम (d) एक अनिश्चित प्रतिशत

Ans. (a) : आगतों में बिना किसी बदलाव के यदि A में 1% वृद्धि हो तो उत्पादन में भी 1% की वृद्धि होगी।

24. सोलो अवशेष है–

(a) A (b) $\frac{\Delta A}{A}$
(c) $\propto \frac{\Delta K}{K}$ (d) $(1 - \propto)\frac{\Delta L}{L}$

Ans. (b) : $\frac{\Delta A}{A}$ सोलो अवशेष है।

25. सोलो अवशेष इनका माप है–

(a) संपूर्ण साधन उत्पादकता (b) तकनीकी प्रगति
(c) अज्ञान की मात्रा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : सोलो अवशेष तकनीकी प्रगति का माप है।

26. नवीन वृद्धि सिद्धान्त का मुख्य बल इस पर है–

(a) $\frac{\Delta A}{A}$ के स्रोतों का कूटवाचन (deciphering)
(b) नियो-केन्सीय वृद्धि सिद्धान्त का खंडन
(c) कनवर्जेंस का स्पष्टीकरण
(d) डाइवर्जेंस का स्पष्टीकरण

Ans. (a) : नवीन वृद्धि सिद्धान्त का मुख्य बल $\frac{\Delta A}{A}$ के स्रोतों का कूटवाचन (deciphering) है।

27. निवेश आउटपुट के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(i) केन्स का सिद्धान्त
(ii) गतिवर्धक का सिद्धान्त
(iii) गतिवर्धक का लचीला सिद्धांत
(iv) टोबिन का क्यू सिद्धांत

कूट :

(a) (iv) (i) (ii) (iii)
(b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

Ans. (c) : निवेश आउटपुट के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(i) कीन्स का सिद्धान्त
(ii) गतिवर्धक का सिद्धान्त
(iii) गतिवर्धक का लचीला सिद्धान्त
(iv) टोबिन का क्यू सिद्धांत

28. भारतीय बजट के अध्ययन के लिए निम्नलिखित अवधारणों को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) आय का घाटा **(ii) बजटीय घाटा**
(iii) वित्तीय घाटा **(iv) प्राथमिक घाटा**

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (ii) (iv) (i) (iii)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (d) : भारतीय बजट से सम्बन्धित घाटों का आरोही क्रम–
(iii) वित्तीय घाटा (i) आय का घाटा
(iv) प्राथमिक घाटा (ii) बजटीय घाटा
(i) वित्तीय घाटा = [(समग्र राजस्व प्राप्तियाँ + समग्र पूँजी प्राप्ति)–सार्वजनिक ऋण तथा अन्य देयतायें]-(समग्र व्यय)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(ii) आय घाटा = (समग्र राजस्व प्राप्तियाँ – समग्र राजस्व व्यय)
(iii) प्राथमिक घाटा = (राजकोषीय घाटा–ब्याज अदायगी)
(iv) बजटीय घाटा = (कुल प्राप्तियाँ–कुल व्यय)

29. क्षेत्रीय गुटों के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करे।

(i) आर्थिक संघ (ii) आम-बाजार
(iii) सीमा-शुल्क संघ (iv) खुला व्यापार क्षेत्र

कूट :

(a) (iii) (iv) (i) (ii)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (iv) (iii) (ii) (i)

Ans. (d) : क्षेत्रीय गुटों के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(iv) खुला व्यापार क्षेत्र
(iii) सीमा-शुल्क संघ
(ii) आम-बाजार
(i) आर्थिक संघ

30. मुद्रा के लिए मांग के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) मुद्रा की एहनियाती मांग के लिए लेन-देन संबंधी मांग
(ii) मुद्रा के लिए अनुमानित मांग
(iii) मुद्रा के लिए सकल पसिम्पत्ति मांग
(iv) मुद्रा के लिए फ्रीडमैन द्वारा प्रस्तावित मांग

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (i) (ii)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (iii) (i) (ii) (iv)

Ans. (a) : मुद्रा के लिए मांग के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(i) मुद्रा की एहनियाती मांग के लिए लेन-देन संबंधी मांग
(ii) मुद्रा के लिए अनुमानित मांग
(iii) मुद्रा के लिए सकल पसिम्पत्ति मांग
(iv) मुद्रा के लिए फ्रीडमैन द्वारा प्रस्तावित मांग

31. जनगणना 2001 के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) महाराष्ट्र (ii) पश्चिम-बंगाल
(iii) उत्तर प्रदेश (iv) बिहार

कूट :

(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (iv) (ii) (i) (iii)
(c) (iii) (i) (iv) (ii)
(d) (ii) (iv) (iii) (i)

Ans. (c) : जनगणना 2001 के अनुसार घटते क्रम जनसंख्या वाले राज्य–
(iii) उत्तर प्रदेश
(i) महाराष्ट्र
(iv) बिहार
(ii) पश्चिम बंगाल

32. भुगतान में संतुलन के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) लोच उपागम
(ii) अवशोषण उपागम
(iii) एल.एम. तथा आई.एस. उपागम
(iv) मौद्रिक उपागम

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (iv) (i) (ii) (iii)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

Ans. (a) : भुगतान संतुलन के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(i) लोच उपागम
(ii) अवशोषण उपागम
(iii) I.S., L.M. उपागम
(iv) मौद्रिक उपागम

33. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें।

(i) (AAY) अन्त्योदय अन्न योजना
(ii) (SJSRY) स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना
(iii) (VAMBAY) बाल्मीकि अम्बेडकर आवास योजना
(iv) (IAY) ग्रामीण आवास - इन्दिरा आवास योजना

कूट :

(a) (ii) (iv) (i) (iii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (a) :
(iv) इन्दिरा आवास योजना (IAY) – 1999–2000
(iii) बाल्मीकि अम्बेडकर आवास योजना–Dec. 2001 (VAMBAY)
(ii) (SJSRY) स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना – 1997
(i) (AAY) अन्त्योदय अन्न योजना – Dec. 2000

34. दो पण्य-पदार्थों के बण्डलों पर कठोर रूप से उत्तल एवं एकलयी वरीयताओं को मानने पर यह लगता है कि बण्डल (10,18) तथा (6,30) के बीच उपभोक्ता तटस्थ है। निम्नलिखित बण्डलों पर विचार करें।

(i) (10,18) (ii) (8, 24)
(iii) (6, 29) (iv) (5, 18)

न्यूनतम वरीय से अधिकतम वरीय के क्रम में इन बण्डलों को व्यवस्थित करें।

कूट :

(a) (iv) (iii) (i) (ii)
(b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (iii) (iv) (i) (ii)
(d) (iv) (i) (iii) (ii)

Ans. (a)

35. मेल बैठाइए :

(A)	डब्लू. डब्लू. रोस्टो	(i)	प्रभावी मांग
(B)	रेगनर नर्क्स	(ii)	दुर्बल क्रम
(C)	जे.आर. हिक्स	(iii)	संतुलित वृद्धि
(D)	जे.एम. केन्स	(iv)	वृद्धि की अवस्थाएँ
		(v)	संरक्षणवाद

कूट :

(A) (B) (C) (D)
(a) (i) (ii) (iii) (v)
(b) (v) (i) (iv) (ii)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (iii) (v) (i) (iv)

Ans. (c) :
(a) डब्लू. डब्लू. रोस्टो – वृद्धि की अवस्थाएँ
(b) रैगनर नर्क्स – संतुलित वृद्धि
(c) जे.एम. केन्स – प्रभावी मांग
(d) जे.आर. हिक्स – दुर्बल क्रम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. मेल बैठाइए :

(A) डब्लू.जे. बॉमोल	(i) एथिक्स आफ इकोनॉमिक्स
(B) बी. अहिलन	(ii) इण्टर-रीजनल एण्ड इण्टर-नेशनल ट्रेड
(C) गुन्नार मिर्डाल	(iii) ऐन इन्क्वायरी इन्टू नेचर एण्ड कॉलेज ऑफ वेल्थ ऑफ नेशन्स
(D) ए.के. सेन	(iv) एशियन ड्रामा
	(v) इकोनॉमिक्स थिअरी एण्ड ऑपरेशन एनालिसिस

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(v)	(ii)
(b)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(ii)	(v)	(i)	(iv)

Ans. (b) :

(a)	डब्लू.जे. बॉमोल	– इकोनॉमिक्स थिअरी एण्ड ऑपरेशन एनालिसिस
(b)	बी. अहिलन	– इण्टर-रीजनल एण्ड इण्टर-नेशनल ट्रेड
(c)	गुन्नार मिर्डाल	– एशियन ड्रामा
(d)	ए.के. सेन	– एथिक्स आफ इकोनॉमिक्स

37. मेल बैठाइए :

(A) करारोपण का प्रनियम	(i) अल्फ्रेड मार्शल
(B) संरक्षणवाद	(ii) मस्ग्रेव
(C) विभेदक घटना	(iii) ए. काण्टिलोन
(D) माँग का लोच	(iv) मर्केण्टीलिज्म
	(v) एडम स्मिथ

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(d)	(v)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (d) :

(a)	करारोपण का प्रनियम	– एडम स्मिथ
(b)	संरक्षणवाद	– मर्केण्टीलिज्म
(c)	विभेदक घटना	– मश्ग्रेव
(d)	माँग का लोच	– अल्फ्रेड मार्शल

38. मेल बैठाइए :

(A) सापेक्षिक आय परिकल्पना	(i) मिल्टन फ्रिडमैन
(B) स्थायी आय परिकल्पना	(ii) जे. एम. केन्स
(C) पूँजी की सीमांत कार्यक्षमता	(iii) डी. रिकार्डो
(D) तुलनात्मक कीमत फायदा	(iv) जे. एस. ड्युसेनबरी
	(v) आर. कैंटीलोन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (a) :

(a)	सापेक्षिक आय प्राक्कल्पना	– जे. एस. ड्युसेनबरी
(b)	स्थायी आय परिकल्पना	– मिल्टन फ्रिडमैन
(c)	पूँजी की सीमांत कार्यक्षमता	– जे. एम. केन्स
(d)	तुलनात्मक कीमत फायदा	– डी. रिकार्डो

39. मेल बैठाइए :

(A) वितरण का सीमांत उत्पादकता सीद्धान्त	(i) मूल्य का श्रम सिद्धान्त
(B) तुलनात्मक लागत सिद्धान्त	(ii) अतृप्तता का अनुमान
(C) तटस्थ वक्र विश्लेषण	(iii) उत्पाद विभेद
(D) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा	(iv) पूर्ण प्रस्पिर्धा
	(v) तरलता की वरीयता

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans. (d) :

(a)	वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त	– पूर्ण प्रतिस्पर्धा
(b)	तुलनात्मक लागत सिद्धान्त	– मूल्य का श्रम सिद्धान्त
(c)	तटस्थ वक्र विश्लेषण	– अतृप्तता का अनुमान
(d)	एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा	– उत्पाद विभेद

40. मेल बैठाइए :

(A) पूर्ण प्रतिस्पर्धा	(i) मुद्रा की ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता
(B) बर्नोली का प्रमेय	(ii) मजदूरी दर की लचक
(C) रोजगार का शास्त्रीय सिद्धान्त	(iii) संसाधनों की पूर्ण गतिशीलता
(D) किराया संबंधी रिकार्डो का सिद्धान्त	(iv) लचीली विनिमय दर ह्रासमान सीमान्त मुनाफा

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (c) :

(a)	पूर्ण प्रतिस्पर्धा	– संसाधनों की पूर्ण गतिशीलता
(b)	बर्नोली का प्रमेय	– मुद्रा की ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता
(c)	रोजगार का शास्त्रीय सिद्धान्त	– मजदूरी दर की लचक
(d)	किराया सम्बन्धी रिकार्डो का सिद्धान्त	– ह्रासमान सीमान्त मुनाफा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. मेल बैठाइए :

(A)	टोबिन, जेम्स तथा नार्डोस विलियम	(i) प्रामाणिक विकास
(B)	सेन, अमर्त्य के.	(ii) आर्थिक सम्पन्नता की माप
(C)	गोउलेट डी.	(iii) मानव विकास प्रतिवेदन
(D)	महबूब-उल-हक	(iv) विकास आजादी के रूप में
		(v) चयनात्मक समतावाद

कूट:	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(v)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

Ans. (a) :

(a)	टोबिन, जेम्स तथा नार्डोस विलियम	–	आर्थिक सम्पन्नता की माप
(b)	सेन, अमर्त्य के.	–	विकास आजादी के रूप में
(c)	गोउलेट डी.	–	प्रामाणिक विकास
(d)	महबूब-उल-हक	–	मानव विकास प्रतिवेदन

42. मेल बैठाइए :

(A)	स्थानापन्नता की ह्रासमान सीमांत दर	(i) द्वैध अर्थव्यवस्था मॉडल
(B)	श्रम की सीमांतक उत्पादकता	(ii) पूँजीगत सकंट का माकर्सवादी सिद्धान्त
(C)	अनुपातहीनता तथा अल्प उपभोग	(iii) रिकार्डो द्वारा प्रतिपादित स्थिर अवस्था
(D)	सार्वभौम ह्रासमान सीमांतक फलन	(iv) तटस्थ वक्र विश्लेषण
		(v) चक्रीय प्रवाह

कूट:	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (c) :

(a)	स्थानापन्नता की ह्रासमान सीमांत दर	–	तटस्थ वक्र विश्लेषण
(b)	श्रम की सीमांतक उत्पादकता	–	द्वैध अर्थव्यवस्था मॉडल
(c)	अनुपातहीनता तथा अल्प उपभोग	–	पूँजीगत सकंट का माकर्सवादी सिद्धान्त
(d)	सार्वभौम ह्रासमान सीमांतक फलन	–	रिकार्डो द्वारा प्रतिपादित स्थिर अवस्था

ध्यान दें : इस प्रश्नपत्र के शेष प्रश्न कथन और कारण प्रकार के हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न के लिए नीचे दिये विकल्पों में से सही कूट चुनिए।

कूट :

(a) (A) और (A) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) और (A) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं हैं

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

43. कथन (A) : यद्यपि किसी एक सैम्पुल के लिए $\overline{X}$ तथा $\frac{X_{min}}{X}$ दोनों जनसंख्या माध्य के अनभिनत आकलन हैं,

कारण (R) : X_{min} की तुलना में $\overline{X}$ अधिक कार्यक्षम है।

Ans. (b)

44. कथन (A) : मानवपूँजी को बढ़ाने के लिए हमें सामाजिक क्षेत्र में अपने खर्च को बढ़ाने की आवश्यकता है।

कारण (R) : राज्य के क्रियाकलापों की वर्धनशीलता के वेग्नर्स के सिद्धान्त की यही माँग है।

Ans. (a) : एडोल्फ वैगनर अपने बढ़ते हुए राज्य की क्रियाओं के सिद्धान्त में कहते हैं कि सार्वजनिक व्यय में होने वाली वृद्धि की दर आर्थिक संवृद्धि दर की तुलना में अधिक होती है इसलिए मानव पूँजी को बढ़ाने के लिए सामाजिक क्षेत्र पर खर्च बढ़ाना पड़ेगा।

45. कथन (A) : आजकल ज्ञान के उत्पादक प्रिमियम पर हैं।

कारण (R) : आग्मेण्टेड कुजनेट्स कर्व की यह मान्यता है।

Ans. (b)

46. कथन (A) : कर्ज के बढ़ते हुए बोझ के कारण कृषक आत्महत्या कर रहे हैं।

कारण (R) : यदि उत्पादन फलन प्रथम डिग्री का समघात है तो $F(K,L)=\frac{\partial K}{K}K+\frac{\partial L}{L}L$

Ans. (a) : उत्पादन फलन के प्रथम डिग्री समघात होने का तात्पर्य यह है कि जिस अनुपात में आगत बढ़ाते हैं उसी अनुपात में निर्गत भी बढ़ता है। जिससे कृषकों को अपनी लागत ही मिल पाती है लाभ की मात्रा शून्य होती है वे लागत को उच्च ब्याज दर पर उधार लेकर लगाते हैं जिससे उनकी लागत बढ़ती जाती है जो आत्महत्या का कारण है।

47. कथन (A) : भारत में सर्वाधिक वितरण प्रणाली (PDS) से उठाही घट गयी है।

कारण (R) : सरकारी आकलनों के अनुसार भारत में गरीबी घट गयी है।

Ans. (a) : भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली से गरीबों को कम लागत पर अनाज मिल रहे हैं जिससे उनके जीवन यापन करने में आसानी हुई है और PDS से उठाही भी घटी है जिसके परिणामस्वरूप भारत में गरीबी का अनुपात घटा है।

48. कथन (A) : अवमूल्यन एक देश के भुगतान संतुलन में घाटे को कम करने में सहायक है जबकि अन्य सभी चीजें वही रहें।

कारण (R) : अवमूल्यन से निर्यातों के मूल्य कम होते हैं और आयातों के मूल्य बढ़ जाते हैं।

Ans. (a) : जानबूझकर देश की घरेलू मुद्रा के मूल्य को विदेशी मुद्रा के मूल्य के सापेक्ष कम करना ही अवमूल्यन है इसके परिणामस्वरूप घरेलू देश का आयात महंगा हो जाता है एवं निर्यात सस्ता हो जाता है जो कि देश के भुगतान सन्तुलन पर अनुकूल प्रभाव डालता है।

49. कथन (A) : एक विकाशील देश, जिसका वर्तमान उपभोग पर जोर हो, वह श्रम घनित तकनीकों को चुनेगा।

कारण (R) : कीमतों को कम रखने हेतु, एक देश उस उत्पादन कारक का घनित उपयोग चुनता है जिसकी उसके पास बहुलता हो।

Ans. (a)

50. कथन (A) : वैश्विक प्रति व्यक्ति आयों में अपसरण (divergence) हो रहा है।

कारण (R) : राष्ट्रों के बीच बचत दरें तथा जनसंख्या वृद्धि की दरें भिन्न-भिन्न हैं।

Ans. (d) : वैश्विक प्रति व्यक्ति आय $= \frac{\text{विश्व की कुल आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$

इसमें अपसरण नहीं हो रहा है। जबकि विश्व के विभिन्न राष्ट्रों के बीच जनसंख्या वृद्धि की दर तथा बचत की दरें भिन्न-भिन्न हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2005

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः–इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मेल बैठाइए :

	समूह-I		**समूह-II**
(A)	प्रगटित अधिमान सिद्धान्त	(i)	कार्ल मार्क्स
(B)	अतिरिक्त मूल्य	(ii)	पाल एम. स्वीजी
(C)	विकुंचित (किंकड़ू) मांग वक्र	(iii)	पी. ए. सैम्यूलसन
(D)	नियंत्रित परमानंद बिन्दु	(iv)	एडम स्मिथ
		(v)	ए. बर्गसन

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

Ans. (d) :
(a) प्रगटित अधिमान सिद्धान्त - (iii) पी. ए. सैम्यूलसन
(b) अतिरिक्त मूल्य - (i) कार्ल मार्क्स
(c) विकुंचित मांग वक्र - (ii) पाल एम. स्वीजी
(d) नियन्त्रित परमानन्द बिन्दु - (v) ए. बर्गसन

2. उपभोग की गैर प्रतिद्वंदी वस्तुओं को कहते हैं :
(a) निजी वस्तुए (b) निशुल्क वस्तुए
(c) सार्वजनिक वस्तुए (d) गैर आर्थिक वस्तुए

Ans. (c) : सार्वजनिक वस्तुओं को गैर प्रतिद्वन्दी वस्तुएं कहते हैं क्योंकि इसमें कोई अपवर्जन और प्रदिद्वन्दिता नहीं पायी जाती है इन पर सबके उपभोग करने का बराबर का अधिकार होता है। किसी को इसके उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता है।

3. जब एक प्रतियोगी फर्म, उत्पादन बाजार में दीर्घकालीन संतुलन प्राप्त करती है तब :
(a) AR = MR (b) MR = AC
(c) MR = MC (d) मूल्य = AR

Ans. (b) : MR = AC होने पर प्रतियोगी फर्म दीर्घकालीन सन्तुलन को प्राप्त करती है क्योंकि इस दशा में फर्में अपने प्लाण्ट के आकार को बाजार की माँग दशाओं के अनुरूप समायोजित कर लेती हैं तथा फर्मों को सामान्य लाभ प्राप्त होता है।

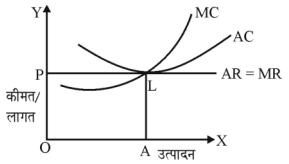

1. MR = MC
2. AR = AC
MR = MC = AR = AC

4. अल्पाधिकार के स्वीजी मॉडल के अन्तर्गत, मांग में वृद्धि, मांग वक्र के ऊपरी भाग को बनायेगी :
(a) अधिक लोचदार (b) कम लोचदार
(c) ऐकात्मक लोचदार (d) उपरोक्त से कोई नहीं

Ans. (b) : माँग में वृद्धि होने पर माँग वक्र कम लोचदार हो जाता है क्योंकि मूल्य में वृद्धि होने लगती है।

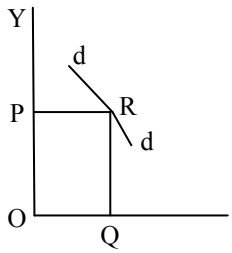

5. यह कथन कि कल्याणकारी अर्थशास्त्र का क्षतिपूर्ति सिद्धान्त विरोधी निष्कर्ष दे सकता है, इनके नाम से जुड़ा है :
(a) टी. सिटोवस्की (b) ए. परेटो
(c) ए. बर्गसन (d) पी.ए. सैम्यूलसन

Ans. (a) : अमेरिकी अर्थशास्त्री टी. सिटोवस्की कल्याण के दोहरे मापदण्ड के अपने सिद्धान्त में क्षतिपूर्ति सिद्धान्त का विरोधी निष्कर्ष देते हैं।

6. निम्न में से कौन-सा कारक, एक अल्पाधिकारी उद्योग में, अन्य फर्मों के प्रवेश को बाधित नहीं करेगा :
(a) वर्तमान फर्मों द्वारा भारी विज्ञापन व्यय
(b) पैमाने की बचतें
(c) टैक्नॉलाजी
(d) मांग में वृद्धि

Ans. (d) : अल्पाधिकारी उद्योग में फर्में अपने लाभ को अधिकतम करना चाहती हैं उत्पादों के मांग की अधिकता से फर्मों को लाभ होगा जिसको देखकर नयी फर्में प्रवेश करेंगी।

7. अनिश्चित परिणामों के बीच चयन करने वाला एक विवेकपूर्ण उपभोक्ता, अपना चयन करेगा:
(a) अपेक्षित मौद्रिक लाभों के आधार पर
(b) अपेक्षित उपयोगिता के आधार पर
(c) अपेक्षित कीमतों के आधार पर
(d) भविष्य में अपेक्षित आयों के आधार पर

Ans. (b) : एक विवेकपूर्ण उपभोक्ता अपने उपभोग का निर्धारण किसी वस्तु से प्राप्त होने वाली उपयोगिता के आधार पर करता है और उसी के बराबर कीमत का वहन करता है। कोई भी उपभोक्ता किसी वस्तु की उपयोगिता से अधिक कीमत नहीं देता है।

8. निम्न में से कौन, विक्रय लागत का भाग नहीं है?
(a) विक्रयकर्ता का वेतन (b) विज्ञापन पर किये गये व्यय
(c) यातायात लागत (d) सामान प्रदर्शन

Ans. (c) : यातायात लागत विक्रय लागत नहीं होती बल्कि यह एक प्रकार से साधन लागत है। विक्रय लागत का तात्पर्य उस लागत से होता है जिसमें कोई उत्पादक अपने तैयार उत्पाद को अधिक से अधिक मात्रा में बिक्री करने के लिए जो लागत वहन करता है। जैसे–विज्ञापन व्यय, सामान प्रदर्शन पर व्यय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. समग्र मूल्य स्तर का सर्वाधिक व्यापक माप है :

(a) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
(b) उत्पादक मूल्य सूचकांक
(c) सकल राष्ट्रीय उत्पाद अपस्फीतक
(d) थोक मूल्य सूचकांक

Ans. (d) : समग्र मूल्य स्तर का सर्वाधिक व्यापक माप थोक मूल्य सूचकांक द्वारा की जाती है। इस समय आधार वर्ष 2012 है।

10. कीन्स का अर्थशास्त्र अधिक बल देता है :

(a) मौद्रिक नीति पर
(b) राजकोषीय नीति पर
(c) ब्याज दर निर्धारण पर
(d) मुक्त व्यापार यन्त्रविन्यास पर

Ans. (a) : कीन्स का अर्थशास्त्र मौद्रिक नीति पर अधिक बल देता है। कीन्स अपने रोजगार सिद्धान्त में कहते है कि मुद्रा विनिमय के माध्यम के साथ-साथ मूल्य का संचय भी करती है जबकि क्लासिकल अर्थशास्त्री मुद्रा को तटस्थ मानते हैं।

11. उच्च शक्ति द्रव्य के उत्पादक है :

(a) व्यापारिक बैंक (b) सहकारी बैंक
(c) वित्त मंत्रालय (d) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

Ans. (d) : High Powred Money (उच्च शक्ति द्रव्य) का तात्पर्य उस मुद्रा से है जो आम जनता के पास विनिमय के लिए उपलब्ध होती है और इसका उत्पादक रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया होता है। R.B.I. ही इसकी मात्रा को घटा-बढ़ा सकता है।

$$H = C + RR + ER$$

H = High Powred Money
C = करेन्सी (नोट+सिक्के) जनता के पास
RR = आवश्यक जमा
ER = अतिरिक्त जमा

12. एक व्यक्ति जो अन्य कार्य तलाशने के लिये, काम छोड़ता है वह है :

(a) आंशिक रूप से बेरोजगार
(b) संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
(c) चक्रीय रूप से बेरोजगार
(d) श्रम शक्ति में सम्मिलित नहीं

Ans. (a) : एक व्यक्ति जो किसी अन्य कार्य की तलाश में किसी कार्य को छोड़ता है वह आंशिक रूप से बेरोजगार होता है क्योंकि उसको पुनः रोजगार मिलने की सम्भावना रहती है।

13. निम्न में से किस कथन से मिल्टन फ्रीडमैन असहमत होगा

(a) वास्तविक अर्थ व्यवस्था पर मौद्रिक नीति के थोड़े ही अल्पकालीन प्रभाव होते हैं।
(b) दीर्घकाल में, मुद्रा की आपूर्ति में परिवर्तन प्राथमिकरूप मूल्यस्तर को प्रभावित करते हैं।
(c) व्यापार चक्रों को निष्क्रोण (smooth) करने में, मौद्रिक नीति के सक्रिय उपयोग के लिये सीमित क्षेत्र है।
(d) व्यापार चक्रों को प्रभावी ढंग से निष्क्रोण (smooth) करने के लिये रिजर्व बैंक पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

Ans. (c) : मिल्टन फ्रीडमैन अपने सिद्धान्त में मुद्रा की मांग के वास्तविक चरों पर ध्यान देते हैं उनका मानना है कि मुद्रा की मांग का निर्धारण वास्तविक चरों द्वारा होता है न कि मौद्रिक चरों द्वारा।

$$\frac{Md}{p} = f\left(r_{m,}\, r_{b,}\, r_{e,}\, \frac{1}{p}\frac{dp}{dt}, y_{p,}\, w, u\right)$$

M_d = मुद्रा मांग का मौद्रिक स्तर
p = कीमत स्तर
r_m = मुद्रा पर प्रतिफल की दर
r_b = बाण्ड पर प्रतिफल की दर
r_e = इक्विटी पर प्रतिफल की दर
$\frac{1}{p}\frac{dp}{dt}$ = कीमत स्तर में प्रत्याशित परिवर्तन की दर
y_p = स्थिर आय
v = रुचियाँ एवं अधिमान
w = गैर मानवीय रूप में रखी सम्पत्ति का मानवीय रूप में रखी सम्पत्ति से अनुपात

इसीलिए फ्रीडमैन व्यापार चक्रों को निस्कोण करने में मौद्रिक नीति के सक्रिय उपयोग के लिए सीमित क्षेत्र से असहमत हैं।

14. मुद्रा गुणक वांछित कोष अनुपात का गुणनात्मक प्रतिलोम तभी तक है जब तक कि :

(a) चलन और/अथवा विदेशी बाजारों में मुद्रा रिसाव नहीं होता है
(b) बैंक अतिरिक्त कोष नहीं रखते हैं
(c) वांछित कोष अनुपात, उन कोषों से ज्यादा है जिसे बैंक अपनी जमाओं के आधार पर रखना विवेकपूर्ण समझते हैं।
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d)

15. मुद्रा प्रसार तथा बेरोजगारी के बीच अदला-बदली (trade-off) स्थिर रहती है :

(a) स्टेग फ्लेशन की अवधि के दौरान
(b) जब मुद्रा प्रसार की अकर्मण्य दर अपरिवर्तित रहती है
(c) मन्द मांग की अवधि के दौरान
(d) दीर्घकाल में

Ans. (d) : मुद्रा प्रसार तथा बेरोजगारी के बीच अल्पकाल में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है परन्तु दीर्घकाल में फिलिप्स वक्र Y-अक्ष के सामान्तर हो जाता है इसके कारण दोनों के बीच trade-off समाप्त हो जाता है। मुद्रा पूर्ति में वृद्धि करने पर भी बेरोजगारी में कमी नहीं होती है।

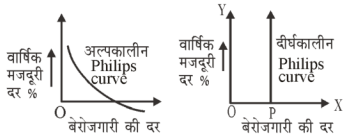

16. 'गरीबी का दुश्चक्र' प्रतिपादित किया था:

(a) ए. मार्शल द्वारा (b) जे.एम. कीन्स द्वारा
(c) रेग्नर नर्क्स द्वारा (d) एम. फ्रीडमैन द्वारा

Ans. (c) : गरीबी के दुश्चक्र का सिद्धान्त रैग्नर नर्क्स द्वारा दिया गया है ये बताते हैं कि "एक देश गरीब है क्योंकि वह गरीब है।"

17. द्वितीय पंचवर्षीय योजना किसके द्वारा विकसित माडल पर आधारित थी?

(a) सी.एच. हनुमंतराव (b) पी.सी. महालोनोबिस
(c) ए.के. सेन (d) के.एन. राज

Ans. (b) : द्वितीय पंचवर्षीय योजना 'पी. सी. महानलोबिस' के मॉडल पर आधारित थी इसमें उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. असीमित श्रम पूर्ति सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया था:
(a) जे.एम. कीन्स द्वारा (b) रार्बट सोलोव द्वारा
(c) ऐ. लेविस द्वारा (d) रॉय हेरोड द्वारा

Ans. (c) : असीमित श्रम पूर्ति का सिद्धान्त 'आर्थर लेविस' द्वारा प्रतिपादित किया गया है।

19. हैरोड-डोमर माडल के अन्तर्गत यदि आय की वृद्धि दर 5% है और पूंजी उत्पाद अनुपात 3% है तो बचत दर होगी
(a) 5% (b) 3%
(c) 8% (d) 15%

Ans. (d) : वास्तविक वृद्धि दर $\boxed{G=\frac{S}{C}} \Rightarrow S = G.C$
S = बचत की दर
C = पूँजी उत्पाद अनुपात (3%)
G = 5%
$\therefore S = G.C = 5\times3$
S = 15%

20. प्रतिव्यक्ति पूंजी कम हो जाती है प्रति व्यक्ति निवल विनियोग:
(a) जनसंख्या वृद्धि दर से कम है
(b) जनसंख्या वृद्धि से अधिक है
(c) प्रति व्यक्ति बचतों से अधिक है
(d) प्रति व्यक्ति बचतों से कम है

Ans. (a) : प्रति व्यक्ति पूँजी = $\frac{\text{कुल निबल विनियोग}}{\text{कुल व्यक्ति}}$
यदि प्रति व्यक्ति निबल विनियोग में होने वाली वृद्धि की दर जनसंख्या में होने वाली वृद्धि की दर की तुलना में कम होगा तो प्रति व्यक्ति पूँजी की मात्रा कम हो जायेगी। अतः उत्तर (a) सही है।

21. नव-परम्परावादी विकास माडल में, सीमान्त बचत प्रवृत्ति में वृद्धि :
(a) प्रति व्यक्ति स्थिर अवस्था उत्पादन में वृद्धि करती है
(b) स्थिर अवस्था उत्पादन विकास दर में वृद्धि करती है
(c) प्रति व्यक्ति स्थिर-अवस्था पूंजी में वृद्धि करती है
(d) (A) तथा (C) दोनों

Ans. (c) : नवपरम्परावादी अर्थशास्त्री यह मानते हैं कि बचत की सीमान्त प्रवृत्ति $\left(MPS=\frac{\Delta S}{\Delta i}\right)$ में वृद्धि होने पर निबल निवेश में वृद्धि होगी जिससे आय में वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप प्रतिव्यक्ति स्थिर-अवस्था पूँजी में वृद्धि होगी। अतः विकल्प (c) सही है।

22. दसवीं पंचवर्षीय योजना में गरीबी घटाने का लक्ष्य है:
(a) 2% (b) 5%
(c) 8% (d) 9%

Ans. (b) : दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002–2007) में गरीबी को 5% तक करने का लक्ष्य रखा गया था।

23. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भाग हैं, केन्द्रीय सरकार की:
(a) गैर कर आय के (b) कर आय के
(c) पूंजी प्राप्तियों के (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : सरकार विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर (tax) लगाती है उससे जो आय प्राप्त होती है उसे कर (tax) योग्य आय कहते हैं। अतः केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कर (tax) योग्य आय है।

24. 'नल चालन' (Pump priming) का प्रयोग किया जाना चाहिये :
(a) मुद्रा प्रसार के समय (b) मुद्रा संकुचन के समय
(c) पूर्णप्रसार के समय (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : मुद्रा संकुचन के समय deflation की स्थिति आ जाती है जिससे वस्तुओं की बिक्री कम हो जाती है बेरोजगारी बढ़ जाती है इस स्थिति में RBI बाजार में प्रसारवादी मौद्रिक नीति अपनाती है जिसे यहाँ पर 'नल चालन' (Pump Priming) कहा गया है अतः विकल्प (b) सही है।

25. वैट (VAT) लगाया जाता है:
(a) उत्पादन के अंतिम चरण पर
(b) उत्पादन के प्रथम चरण पर
(c) सीधे उपभोक्ताओं पर
(d) उत्पादन तथा उपभोग के बीच प्रत्येक चरण पर

Ans. (d) : VAT का शाब्दिक अर्थ मूल्यवर्धित कर से है यह उत्पादन तथा उपभोग के बीच के प्रत्येक चरण पर बढ़ी हुई कीमत पर लगाया जाता है।

26. सीमान्त कर-दर की अस्थायी वृद्धि :
(a) रोजगार में वृद्धि करेगी (b) उत्पादन में वृद्धि करेगी
(c) घाटे को बढ़ायेगी (d) उत्पादन में कमी करेगी

Ans. (d) : उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई पर लगने वाले कर की दर को सीमान्त-कर की दर कहते हैं। कर की सीमान्त दर में वृद्धि होने पर उत्पादन लागत में वृद्धि होने लगती है जिससे लाभ घटने लगता है परिणामस्वरूप उत्पादन में कमी होने लगती है। अतः विकल्प (b) सही है।

27. उत्तराधिकार में प्राप्त धन पर कर उदाहरण है :
(a) बिक्री कर का (b) आयकार का
(c) सम्पत्ति कर का (d) वाट (VAT) का

Ans. (c) : सम्पत्ति व्यक्तियों को उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त होती है अतः यह उत्तराधिकार में प्राप्त धन पर कर का उदाहरण है।

28. जब सरकार का व्यय, उसकी कुल प्राप्तियों अधिक हो जाती है, तो बजटीय घाटा होता है:
(a) धनात्मक (b) ऋणात्मक
(c) शून्य (d) अनिर्धारित

Ans. (b) : जब सरकार की कुल आय उसके कुल व्यय से अधिक हो तो सरकार अपने व्यय को पूरा करने के लिए ऋण लेती है जिससे घाटा उत्पन्न होता है जिससे बजटीय घाटा होता है। बजटीय घाटा ऋणात्मक होने पर सरकार का व्यय उसकी आय से अधिक होता है।

29. लेफर वक्र सम्बंध प्रदर्शित करता है :
(a) मुद्रा प्रसार और नामीय ब्याज दर के बीच
(b) कर-दर तथा कुल आय कर के बीच
(c) वास्तविक ब्याज दर तथा विनियोग मांग के बीच
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : लेफर वक्र कर की दर तथा कर से प्राप्त होने वाली आय के बीच के सम्बन्ध को बताता है। यह कर की ऐसी विशिष्ट दर को बताता है जिससे प्राप्त होने वाली आय अधिकतम होती है। यह उल्टे `U' आकृति का होता है।

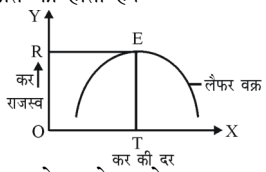

इस कर की विशिष्ट दर से घटाने बढ़ाने पर कर राजस्व घटने लगता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. बाजार शक्तियों द्वारा किसी एक वर्ष में, रुपये की विनिमय दर प्रति यू.एस. डालर रु. 44 से परिवर्तित होकर रु. 46 हो जाती है। इसका अभिप्राय है :

(a) रुपये की मूल्य वृद्धि
(b) रुपये का मूल्य ह्रास
(c) रुपये का अवमूल्यन
(d) विनिमय की दर लगभग वही रहती है

Ans. (c) : रुपये का अवमूल्यन का तात्पर्य जानबूझकर रुपये के मूल्य को डालर के सापेक्ष कम करना है। अतः विकल्प (c) सही है।

31. निम्न में मेल बैठाइये :

समूह-I	**समूह-II**
(A) शिशु उद्योग तर्क	(i) एडम स्मिथ
(B) साधन मूल्य समता प्रमेय	(ii) जी वॉन हैरबलर
(C) अवसर लागत का सिद्धान्त	(iii) फ्रेडरिक लिस्ट
(D) निरपेक्ष लागत लाभ	(iv) हैक्सचर ओहलिन
	(v) डी. रिकार्डो

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(v)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(v)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans. (c) :

(a) शिशु उद्योग तर्क — (iii) फ्रेडरिक लिस्ट
(b) साधन मूल्य समता प्रमेय — (iv) हैक्सचर ओहलिन
(c) अवसर लागत का सिद्धांत — (ii) हैबरलर
(d) निरपेक्ष लागत लाभ — (i) एडम स्मिथ

32. अवमूल्यन, अन्य बातें समान रहने पर, किसी देश के भुगतान संतुलन को बदतर कर देगा, यदि अवमूल्यन कर्ता देश के आयातों तथा निर्यातों की लोच:

(a) एक से अधिक है (b) एक से कम है
(c) एक के बराबर है (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : अवमूल्यन का किसी देश के भुगतान सन्तुलन पर पड़ने वाला प्रभाव घरेलू देश के आयात की मांग की लोच पर निर्भर करता है यदि आयात के मांग की लोच लोचदार (एक से अधिक) हो तो भुगतान संतुलन अनुकूल होगा। यदि $e_x + e_m > 1$ तो भुगतान संतुलन अनुकूल होगा।
$e_x + e_m < 1$ तो भुगतान संतुलन प्रतिकूल होगा।
e_x = निर्यात की मांग लोच
e_m = आयात की मांग लोच

33. व्यापार शर्तों में चक्रीय ह्रास की संकल्पना को सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था:

(a) रॉल प्रेबिश ने (b) जे.एम. कीन्ज ने
(c) एडम स्मिथ ने (d) जे.एस. मिल ने

Ans. (a) : व्यापार शर्तों में चक्रीय ह्रास की संकल्पना सर्वप्रथम रॉल प्रेबिश ने प्रस्तुत किया।

34. ब्रेटनवुडस व्यवस्था, विश्व स्तर पर , अंतिम रूप से ध्वस्त हो गई थी:

(a) 1970 में (b) 1971 में
(c) 1972 में (d) 1973 में

Ans. (b) : ब्रेटनवुडस व्यवस्था अन्तिम रूप से 1971 में ध्वस्त हो गयी।

35. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का हैक्सर-ओहलिन, सिद्धान्त भागीदारी देशों में व्यापार के आविर्भाव को समझाता है जिसका आधार है :

(a) अंतः क्षेत्रीय व्यापार
(b) अपूर्ण प्रतियोगी
(c) अन्तर क्षेत्रीय व्यापार
(d) रूचि एवंम टेक्नौलॉजी में परिवर्तन

Ans. (c) : हैक्सचर-ओहलिन के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त आधुनिक व्यापार का सिद्धान्त कहा जाता है। ये अपने सिद्धान्त में बताते हैं कि दो देशों के बीच व्यापार उत्पादन लागतों में अन्तर के कारण उत्पन्न होता है और यह अन्तर उत्पादन के साधनों की मात्रा पर निर्भर करता है। इनके प्रस्तुत सिद्धान्त का आधार अन्तरक्षेत्रीय व्यापार है।

36. योजना आयोग के अनुसार, भारत में (1999-2000) गरीबी अनुपात का अनुमान था :

(a) 30 प्रतिशत (b) 40 प्रतिशत
(c) 26.9 प्रतिशत (d) 28.9 प्रतिशत

Ans. (c) : योजना आयोग के अनुसार भारत में 1999–2000 में 26.9% गरीबी थी।

37. भारत में नवीन कृषि रणनीति (हरित क्रांति) लागू की गई थी:

(a) वर्ष 1969 में (b) वर्ष 1966 में
(c) वर्ष 1970 में (d) वर्ष 1960 में

Ans. (b) : भारत में हरित क्रान्ति तृतीय पंचवर्षीय योजना 1966 में लागू की गयी।

38. निम्नांकित में किस क्षेत्र को दसवीं योजना व्यय में सर्वाधिक आबंटन किया गया है:

(a) ऊर्जा (b) परिवहन
(c) ग्रामीण विकास (d) सामाजिक सेवाएं

Ans. (a) : 10वीं पंचवर्षीय योजना में सर्वाधिक व्यय ऊर्जा पर हुआ था।

39. भारत में नई आर्थिक नीति लागू की गई थी:

(a) 1981में (b) 1971 में
(c) 1991 में (d) 2001 में

Ans. (c) : भारत में नई आर्थिक नीति 1991 से लागू की गयी।

40. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 1995-98 की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का सकल पूंजी निर्माण प्रतिशत निम्न था:

(a) 21 प्रतिशत (b) 30 प्रतिशत
(c) 24 प्रतिशत (d) 28.7 प्रतिशत

Ans. (b) : आर्थिक सर्वेक्षण 1995-98 के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद का सकल पूँजी निर्माण से प्रतिशत 28.7% था।

41. भारत में 2002-2003 नई वर्ष के लिये विनिवेश का लक्ष्य था:

(a) रु. 16,000 करोड़ (b) रु. 20,000 करोड़
(c) रु. 12,000 करोड़ (d) रु. 15,000 करोड़

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : भारत में 2002–03 के लिए 12000 रु. करोड़ विनिवेश का लक्ष्य रखा गया था।

42. नवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में घरेलू बचत दर थी :

(a) 23.31 प्रतिशत (b) 30.31 प्रतिशत
(c) 25.31 प्रतिशत (d) 26.41 प्रतिशत

Ans. (d) : नवीं पंचवर्षीय योजना (1997 - 2002) के दौरान घरेलू बचत की दर 26.41% थी।

43. बृहद द्रव्य (M_3) की भारत में वर्ष 2001-02 में आपूर्ति में निम्नांकित वृद्धि हुई:

(a) 6.8 प्रतिशत (b) 5.6 प्रतिशत
(c) 14.2 प्रतिशत (d) 19.3 प्रतिशत

Ans. (d) : वृहद मुद्रा (M_3) की भारत में वर्ष 2001-02 में 19.3% की वृद्धि दर्ज की गयी।

44. 100 प्रक्षणों के एक प्रतिदर्श के आधार पर x और y के मध्य सहसंबंध गुणांक शून्य के लगभग पाया गया/अत:

(a) x और y निश्चित रूप से असंबंधित हैं।
(b) x और y के मध्य रेखीय संबंध
(c) x और y के मध्य परस्पर गैर-रेखीय संबंध हो सकता है।
(d) x और y के मध्य मिथ्या सहसंबंध है।

Ans. (c): यदि दो चरों के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान शून्य (0) होता है तो वे एक-दूसरे से असहसम्बन्धित (स्वतन्त्र) होते हैं और यदि 0 से 1 के बीच में होता है तो गैर-रेखीय सहसम्बन्ध होगा। यदि सहसम्बन्ध का मान (± 1) होगा तो वे एक-दूसरे रेखीय सहसम्बन्धित होंगे।

45. सरल यादृच्छिक प्रतिचयन के अन्तर्गत, जब प्रतिदर्श आमाप बढ़ाया जाता है, तो :

(a) नैकायिक त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है लेकिन प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण घटता है।
(b) नैकायिक त्रुटियों का परिमाण घटता है लेकिन प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है।
(c) नैकायिक तथा प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण घटता है।
(d) नैकायिक तथा प्रतिदर्शिक दोनों त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है।

Ans. (a) : सरल यादच्छिक प्रतिचयन (Simple Random Sampling) बढ़ाया जाता है तो नैकायिक त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है परन्तु Sample error प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण घटता है।

46. निहित सकल घरेलू उत्पाद अप्रसारक होता है :

(a) चालू वर्ष भारित सूचकांक
(b) आधार वर्ष भारित सूचकांक
(c) (a) तथा (b) का समांतर माध्य
(d) (a) तथा (b) का ज्यामितीय माध्य

Ans. (b) : आधार वर्ष भारित सूचकांक पर निहित सकल घरेलू उत्पाद (GDP) अप्रसारक होता है।

47. A तथा B परस्पर अपवर्जी घटनाएं हैं। निम्नांकित पर विचार करें :

(A) $P(A \cup B) = P(A) + P(B)$
(B) $P(A \cup B) = P(A) \times P(B)$
(C) $P(A \cap B) = 0$
(D) A तथा B आपस में स्वतंत्र घटनाएं हैं। सही कूट चनें:

(a) (a) और (b) ही सत्य हैं।
(b) (b) और (c) ही सत्य हैं।
(c) (c) और (d) ही सत्य हैं।
(d) (a) और (c) ही सत्य हैं।

Ans. (d) : परस्पर अपवर्जी घटनायें वे होती हैं जो एक साथ नहीं घटित हो सकती हैं जैसे–किसी सिक्के को अगर उछाला जाता है तो या तो Head आयेगा या Tell

यदि घटनायें A एवं B हों तो–

$\Rightarrow P(A \cup B) = P(A) + P(B)$

$\Rightarrow P(A \cap B) = 0$

48. यादृच्छिक चर है :

(a) एक स्वतन्त्र चर
(b) एक अन्तर्जात चर
(c) यादृच्छिकरूप से चुना गया मूल्य
(d) प्रकृति की अवस्थाओं का फलन

Ans. (a) : यादृच्छिक चर (Random Variable) से तात्पर्य एक स्वतन्त्र चर से होता है।

49. निम्न वितरणों पर विचार कीजिये :

(a) z-वितरण (b) t-वितरण
(c) बायनामियल वितरण (d) F-वितरण

उपरोक्त में से कौन प्रतिदर्शी वितरण नहीं है?

(a) केवल (a) (b) केवल (c)
(c) (a) तथा (b) दोनों (d) (a) तथा (d) दोनों

Ans. (b) : (Bionomial destribution) बायोनमियल वितरण का प्रयोग प्रतिदर्श वितरण (Sample destribution) में नहीं होता बल्कि z, t, F वितरण का प्रयोग होता है।

50. निम्नलिखित में मेल बैठाइये :

समूह-I जांच करने के लिये	**समूह-II** हम निम्न का उपयोग करते हैं
(A) विदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य	(i) t-वितरण
(B) अविदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य	(ii) F-वितरण
(C) प्रसरणों की तुलना	(iii) X^2-वितरण
(D) एक आक्षेप की समंजन सुष्ठता	(iv) z- वितरण

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

Ans. (c) :

(a) विदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य (iv) z- वितरण
(b) अविदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य (i) t-वितरण
(c) प्रसरणों की तुलना (ii) F-वितरण
(d) एक आक्षेप की समंजन सुस्ठता (iii) X^2-वितरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2006
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सार्वजनिक वस्तुओं की बाजार मांग समग्र योग द्वारा प्राप्त की जाती है, क्योंकि सार्वजनिक वस्तुऐं :

(a) निशुल्क वस्तुएँ होती है
(b) उनकी पूर्ति असीमित होती है
(c) उनके उपयोग में प्रतिरोधी नहीं होता
(d) उनका स्वामित्व सार्वजनिक क्षेत्र में होता है

Ans. (c) : सार्वजनिक या सामाजिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है, जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और यह समुदाय के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है तथा इनके सम्बन्ध में अपवर्जन सिद्धांत (Exclusion Principle) लागू नहीं होता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते है। किसी को भी इनके उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता है, चाहे वह इसके लिए भुगतान कर रहा हो या नहीं। इसको निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट कर सकते है-

मान लीजिए Z सार्वजनिक वस्तु की कुल मात्रा है तथा $Z_a = A$ का उपभोग तथा $Z_b = B$ का उपभोग। चूंकि कुल उपभोग का बंटवारा नहीं होगा, सभी बराबर रुप से उपभोग करेंगे तथा उपभोग के संबंध में दोनों में परस्पर प्रतिद्वन्द्विता नहीं है अतः-

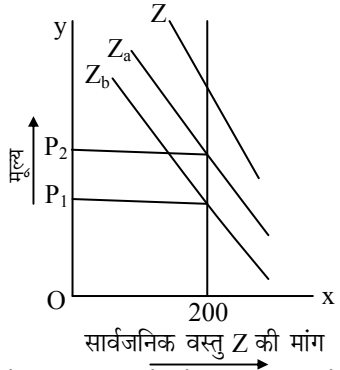

सार्वजनिक वस्तु Z की मांग

Z_a तथा Z_b को लम्बीय रूप से जोड़कर Z वक्र जो सार्वजनिक वस्तु की मांग प्रदर्शित करता है, प्राप्त किया जाता है।

2. मेल बैठाइएः

समूह-I	समूह-II
(A) चार उपभोक्ता अधिक्य	(i) डेविड रिकार्डो
(B) भेदात्मक लगान	(ii) जे. आर. हिक्स
(C) प्रवेश निषेध मूल्य	(iii) पी.ए. सैम्यूलसन
(D) मजबूत क्रमबद्धता	(iv) जे. एस. बेन
	(v) आर. माल्थस

कूट :

(A)	(B)	(C)	(D)
(a) (i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b) (ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c) (iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d) (iv)	(iii)	(ii)	(v)

Ans. (b) : (a) चार उपभोक्ता आधिक्य- जे. आर. हिक्स
(b) भेदात्मक लगान- डेविड रिकार्डो
(c) प्रवेश निषेध मूल्य- जे. एस. बेन
(d) मजबूत क्रमबद्धता- सैम्युलसन

3. मार्शल के मांग वक्र को प्रगटित अधिमान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है यदि निम्नलिखित में से किसी एक की उपेक्षा कर दी जायः

(a) मूल्य प्रभाव (b) आय प्रभाव
(c) प्रतिस्थापन प्रभाव (d) मांग प्रभाव

Ans. (b) : प्रो. सेमुएलसन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण मांग के सिद्धांत के संबंध में एक युगांतरकारी घटना के रूप में स्वीकार किया जाता है। क्योंकि इसने मांग के सिद्धांत का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रों के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यात्मक या क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाये हुए प्रत्यक्षरूप रूप से व्यक्त अधिमान के आधार पर किया।

सेमुएलसन यह प्रतिपादित करते है कि बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह संस्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में 'वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा।

4. यदि दो वस्तुएँ अनपयुक्त प्रतिस्थायी हैं तो तटस्थता वक्रः

(a) एक सीधी रेखा होगा
(b) सीधी रेखा के समीप होगा
(c) समकोण के समीप होगा
(d) ऊपर की ओर झुकता होगा

Ans. (c) : जब दोनों वस्तुयें पूर्णतया पूरक हो तो तटस्थता वक्र समकोणीय या 'L' आकार का होगा। क्योंकि दोनों वस्तुओं के बीच प्रतिस्थापन की संभावना ही समाप्त हो जाती है।

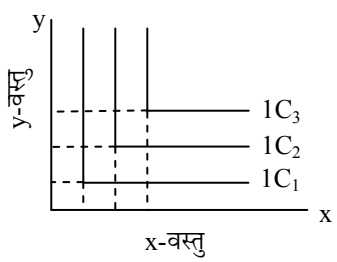

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. दिये गये मूल्यों पर उपलब्ध साधन आगतों पर कुल परिव्यय प्रतिबिंबित होता है :

(a) सम-आगम रेखा द्वारा (b) सम-लागत रेखा द्वारा
(c) सम-उत्पति रेखा द्वारा (d) उत्पति संभावना वक्र द्वारा

Ans. (c) : सम उत्पाद वक्र उत्पादन के दो साधनों के उन संभावित संयोगों को प्रदर्शित करता है जिसके प्रयोग से उत्पादक को समान उत्पादन प्राप्त होता है। अतः इनको सममात्रा वक्र (Iso Quants) भी कहते है। चूंकि इनके बीच चुनाव करने में उत्पादक तटस्थ होगा, इसलिए इन वक्रों को तटस्थता वक्र भी कहते है।

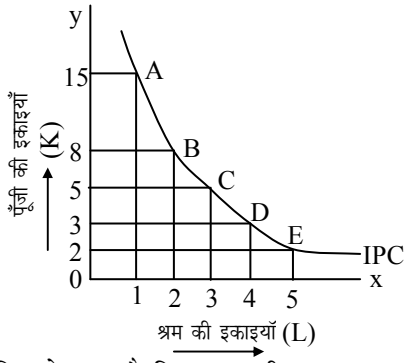

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि कलम की 100 इकाइयों प्राप्त करने के लिए A बिन्दु पर फर्म 1 श्रम तथा 15 पूंजी, B बिन्दु पर 8 पूंजी व 2 श्रम, C बिन्दु पर 5 पूंजी व 3 श्रम, D पर 3 पूंजी व 4 श्रम, E पर 2 पूंजी व 5 श्रम का प्रयोग कर रही है। इन विभिन्न बिन्दुओं A, B, C, D, E से होकर जाने वाला वक्र को सममात्रा वक्र कहते है।

6. द्विधाधिकार के स्टेकलबर्ग माडल के अन्तर्गत यदि दोनों विक्रेता अनुगामी होकर कार्य करें तो प्राप्त होता है:

(a) कुर्नो हल
(b) विक्रेताओं के मध्य मूल्य-युद्ध
(c) असंतुलन की स्थिति
(d) विक्रेताओं के मध्य सांठ गांठ

Ans. (b) : द्विअधिकार माडल के अन्तर्गत स्टेकलबर्ग ने प्रतिक्रिया वक्रो का प्रयोग किया, जो कि उत्पादन प्रतिक्रिया वक्र है। प्रतिक्रिया वक्र विक्रेता की स्वयं की प्रतिक्रिया को बताता है, जो उसके प्रतिद्वन्द्वी की क्रिया के परिणाम स्वरूप होता है। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते है-

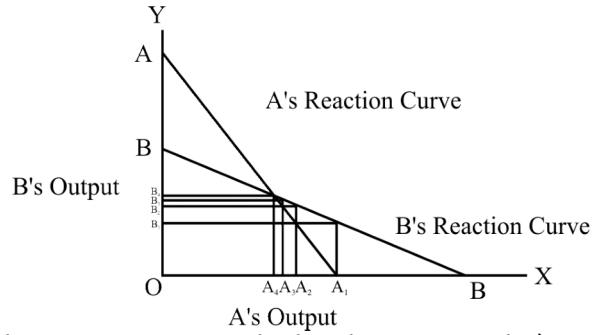

दोनों प्रतिक्रिया वक्र एक-दूसरे को जिसे बिन्दु पर काटते है, वही संतुलन कीमत एवं उत्पादन का निर्धारण होता है।

7. प्रगटित अधिमान सिद्धान्त की पूर्व सिद्धान्तों पर अच्छाई यह है कि यह उपभोगता व्यवहार की बगैर संदर्भ व्याख्या करता है:

(a) उपयोगिता के (b) उपभोक्ता की आय के
(c) उपभोक्ता अधिमानों के (d) विवेक मान्यता के

Ans. (a) : व्यक्त या प्रकटित अधिमान सिद्धांत का प्रतिपादन सेमुएलसन ने 1948 में किया। सेमुएलसन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है। इन्होने अपने सिद्धांत का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रो के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यात्मक का क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाये हुए प्रत्यक्षरूप में व्यक्त अधिमान के आधार पर किया।

8. एक उपभोक्ता का उपयोगिता फलन उपलब्ध किसी एक वस्तु के उपभोग की मात्राओं में एक स्वरीय रूप से वृद्धि कर रहा है। यह उपयोगिता फलन सदैव ही होगा:

(a) एक नतोदार फलन
(b) एक दृढतः अर्ध-नतोदर फलन
(c) एक दृढतः नतोदर फलन
(d) एक रेखीय फलन

Ans. (d) : एक उपभोक्ता का उपयोगिता फलन उपलब्ध किसी एक वस्तु के उपभोग की मात्राओं में एक स्वरीय रूप से वृद्धि कर रहा है तो यह उपयोगिता फलन एक रेखीय फलन होगा।

9. मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का पुनः कथन है :

(a) ब्याज दर सिद्धान्त (b) आय निर्धारण सिद्धान्त
(c) मुद्रा-मांग का सिद्धान्त (d) उपभोग मांग का सिद्धान्त

Ans. (c) : शिकागो विश्वविद्यालय के प्रो. मिल्टन फ्रीडमैन ने 'Monetary History of United States' में मुद्रा परिमाण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या (Re-Statement of the Quantity theory) की। अपने सैद्धांतिक तथा अनुभवगम्य दोनों तरह के विश्लेषणों में उन्होंने मुद्रा की मांग और आय प्रचलन वेग पर ध्यान केन्द्रित किया तथा विभिन्न काल श्रेणियों से सम्बन्धित समीकरणों द्वारा यह दिखाया कि एक दीर्घकालीन समयावधि में मुद्रा आय का प्रचलन वेग (V) सामान्यतया स्थायी (Stable) रहता है।
सैद्धांतिक विश्लेषण में फ्रीडमैन ने कहा कि मुद्रा का परिमाण सिद्धांत कुल मिलाकर मुद्रा की मांग के अलावा और कुछ भी नहीं है।

10. निम्न में से कौन सम्भाव्य उत्पादन वृद्धि का स्त्रोत नहीं है?

(a) पूँजी विस्तार (b) श्रम विस्तार
(c) टैक्नॉलाजी में सुधार (d) मौद्रिक व्यवस्था में सुधार

Ans. (d) : मौद्रिक व्यवस्था में सुधार अर्थव्यवस्था के मौद्रिक नीति से सम्बन्धित है। शेष अन्य जैसे पूंजी विस्तार, श्रम विस्तार, टेक्नोलॉजी में सुधार इत्यादि संभाव्य उत्पादन वृद्धि का स्त्रोत है।

11. विवेकशील प्रत्याशा संकल्पता की मान्यता से यह परिणाम निकलता है कि :

(a) अधिकांश बेरोजगारी स्वेच्छित है
(b) मौद्रिक नीति अल्पकाल में कार्य कर सकती है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) राजकोषीय नीति अल्पकाल में कार्य कर सकती है
(d) समस्त नीति पूर्वानुमेय नीतियाँ निष्प्रभावी है

Ans. (d) : विवेकशील प्रत्याशा संकल्पना की मान्यता से यह परिणाम निकलता है कि समस्त पूर्वानुमेय नीतियां निष्प्रभावी है।

12. एक व्यक्ति जो काम की तलाश नहीं कर रहा उसे समझा जाता है :
(a) संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
(b) घर्षात्मक रूप से बेरोजगार
(c) अल्प रोजगार
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (d) : एक व्यक्ति जो काम की तलाश नही कर रहा है, अर्थात् उसे रोजगार इच्छानुसार प्राप्त है।

13. व्यापारिक बैंक वित्तीय बिचौलियों की सबसे बड़ी श्रेणी हैं, अन्य हैं :
(a) जीवन बीमा कम्पनियाँ (b) पेंशन कोष
(c) बचत एवं ऋण संस्थाए (d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : जो बैंक सामान्य बैंकिंग कार्य करते है, वे वाणिज्यिक बैंक कहलाते है। वाणिज्यिक बैंक प्रायः संयुक्त स्कन्ध बैंक (Joint Stock Bank) होते है। व्यापारिक बैंक धन जमा करने, नगद देने, चेको का संग्रहण एवं भुगतान करने तथा एजेन्सी संबंधी अनेक काम करते है।
व्यापारिक बैंक वित्तीय बिचौलियों की सबसे बड़ी श्रेणी है। इसी श्रेणी में अन्य वित्तीय संस्थाएं भी आती है, जैसे-
(1) जीवन बीमा कम्पनियां।
(2) पेंशन कोष।
(3) बचत एवं ऋण संस्थाएं।

14. रिजर्व अनिवार्यता में वृद्धि से :
(a) वित्तीय मध्यस्थता की लागत में वृद्धि होती है
(b) वित्तीय मध्यस्थता के लाभ में वृद्धि होती है
(c) वित्तीय मध्यस्थता के परिणाम में वृद्धि होती है
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (a) : रिजर्व अनिवार्यता में वृद्धि से वित्तीय मध्यस्थता की लागत में वृद्धि होती है।

15. यदि कोई मांग अथवा पूर्ति प्रघात नहीं है तो :
(a) वास्तविक मुद्रा प्रसार लगभग शून्य तक गिर जायेगा
(b) वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर से नीचे गिर जायेगा
(c) वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर से ऊपर हो जायेगा
(d) वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर के बराबर होगा

Ans. (d) : यदि कोई मांग अथवा पूर्ति प्रघात नहीं है तो वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर के बराबर होगा।

16. त्रणमूल नियोजन से अर्थ है :
(a) पंचायत राज
(b) भू राजस्व पद्धति
(c) समुदायिक विकास कार्यक्रम
(d) क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को महत्व

Ans. (a) : जनवरी 1957, में बलवंत राय मेहता कमेटी की नियुक्ति सामुदायिक विकास एवं राष्ट्रीय विस्तार सेवा के अध्ययन के लिए की गई। कमेटी ने निम्न तीन स्तरीय स्थानीय संस्थाओं की सिफारिश की-
(i) गांव के स्तर पर ग्राम पंचायत।
(ii) विकास प्रखण्ड के स्तर पर पंचायत समिति।
(iii) जिला स्तर पर जिला परिषद।
इन तीन स्तरीय व्यवस्था को पंचायती राज कहा गया है।

17. सोलो के मतानुसार, एक विकसित अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन संवृद्धि की दर, बराबर होती है, हैरोड के:
(a) प्राकृतिक संवृद्धि दर
(b) आश्वासित संवृद्धि दर
(c) वास्तविक संवृद्धि दर
(d) तकनीकी संवृद्धि दर

Ans. (a) : राबर्ट सोलो द्वारा प्रस्तुत आर्थिक संवृद्धि माडल नव प्रतिष्ठित विचारों का बेहतर प्रतिनिधित्व करता है। आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया में पूर्ति पक्ष पर अधिक बल देने के कारण इसे आर्थिक संवृद्धि का नव-प्रतिष्ठित सिद्धांत कहा जाता है। इसमें एक स्थायी संतुलन की व्याख्या की गई है अर्थात् यह माडल हैरड-डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है।
मान्यताएं-
(1) यह माडल द्विक्षेत्रीय बंद अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित है।
(2) अर्थव्यवस्था में पूर्णरोजगार की स्थिति है।
(3) जनसंख्या की वृद्धि दर दी हुई है अर्थात् ($Lt = Loe^{nt}$)
(4) उत्पादन फलन सहजातीय है, जो अल्पकाल में ह्रासमान प्रतिफल नियम और दीर्घकाल में पैमाने का समप्रतिफल नियम प्रदर्शित करता है।
(5) बचत आय का फलन है अर्थात् $S = s\,Y$
(6) तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
(7) पूंजी-श्रम अनुपात पूर्णतः परिवर्तनशील है।
(8) उत्पादन के दो साधन पूंजी तथा श्रम है।
उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर सोलों ने अपने संवृद्धि मॉडल की व्याख्या की।

$$\frac{dr}{dt} = s\phi(r) - n\,r$$

यह सोलो का मौलिक समीकरण है।

18. बंधित सहायता का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण है :
(a) इसे निजी क्षेत्र में ही उपयोग किया जा सकता है
(b) इसे निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों द्वारा समानरूप से बांट लिया जाता है
(c) इसे केवल सार्वजनिक क्षेत्र में ही उपयोग किया जाता है
(d) इसे उसी उद्देश्य के लिये उपयोग किया जा सकता है जिसके लिये यह दी गई है तथा निर्धारित स्त्रोतों से साधन प्राप्त करने के लिये ही उपयोग की जाती है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : बंधित सहायता का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण यह है कि इसे उसी उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है, जिसके लिए यह दी गई है तथा निर्धारित स्त्रोतों से साधन प्राप्त करने के लिए ही उपयोग की जाती है।

19. संतुलित विकास का अर्थ है :

(a) सभी क्षेत्रों को आबंटित साधनों में समान वृद्धि
(b) अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में समान प्रतिशत वुद्धि
(c) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का संतुलित विकास
(d) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का समान विकास

Ans. (a) : संतुलित विकास के प्रमुख समर्थक रोजेस्टीन रोडान, आर्थर लेविस तथा रेगनर नर्क्स है जो यह मानते है कि अल्पविकसित देशों में अल्पविकास के दुश्चक्र को तोड़ने के लिए अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश करना आवश्यक है ताकि वे परस्पर पूरक रूप में विकसित हो सके।

20. प्रति व्यक्ति पूँजी घट जाती है यदि प्रति व्यक्ति विनियोग:

(a) जनसंख्या वृद्धि दर से कम है
(b) जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक है
(c) प्रति व्यक्ति बचतों से अधिक है
(d) प्रति व्यक्ति बचतों से कम है

Ans. (a) : प्रतिव्यक्ति पूंजी घट जाती है यदि प्रति व्यक्ति विनियोग जनसंख्या वृद्धि दर से कम है। क्योंकि यदि जनसंख्या की वृद्धि दर प्रतिव्यक्ति विनियोग से ज्यादा है तो प्रति व्यक्ति बचत कम होगी और विनियोग के लिए पूंजी की कमी होगी।

21. परम्परावादी विकास माडल के अन्तर्गत, सीमान्त बचत प्रवृत्ति में वृद्धि:

(a) प्रति व्यक्ति स्थिर-अवस्था उत्पादन में वृद्धि करती है
(b) स्थिर-अवस्था उत्पादन विकास दर में वृद्धि करती है
(c) स्थिर-अवस्था प्रति व्यक्ति पूँजी में वृद्धि करती है
(d) (A) तथा (C) दोनों

Ans. (d) : परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने सर्वप्रथम आर्थिक विकास का व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध सिद्धांत प्रस्तुत किया। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार लाभ की दर में वृद्धि निवेश को प्रोत्साहित करेगा व निवेश में वृद्धि पूंजी संचय में वृद्धि लाएगी तथा पूंजी संचय तकनीकी प्रगति में वृद्धि लायेगी, जो मजदूरी कोष में वृद्धि करेगा। जिसके परिणामस्वरूप श्रम की पूर्ति में वृद्धि होगी और श्रम की पूर्ति में वृद्धि के फलस्वरूप ह्रासमान प्रतिफल उत्पन्न करेगा। अतः मजदूरी लागत बढ़ेगी और लाभ घटेगा। परिणामस्वरूप स्थैतिक अवस्था आ जायेगा।

लाभ→निवेश→पूंजी संचय→तकनीकी→मजदूरी→
श्रमपूर्ति→लाभ→स्थैतिक अवस्था।

22. प्रति श्रमिक उत्पादन फलन की मान्यता है :

(a) पैमाने के स्थिर प्रतिफलन तथा बढ़ते हुए सीमान्त प्रतिफल
(b) पैमाने के स्थिर प्रतिफल तथा घटते हुए प्रतिफल
(c) पैमाने के बढ़ने हुए प्रतिफल तथा घटते हुए प्रतिफल
(d) पैमाने के घटते हुए प्रतिफल तथा बढ़ते हूए प्रतिफल

Ans. (a) : प्रति श्रमिक उत्पादन फलन की मान्यता के अन्तर्गत पैमाने के स्थिर प्रतिफल तथा बढ़ते हुए सीमांत प्रतिफल होते है।

23. निम्न में से कौन कर पद्धति, अधिक समान आय वितरण को प्रोत्साहित करती है?

(a) प्रगामी (b) प्रतिगामी
(c) अनुपातिक (d) अप्रत्यक्ष

उत्तर (a)

Ans. (a) : प्रगामी कर पद्धति अधिक समान आय वितरण को प्रोत्साहित करती है।

24. लेफर वक्र सम्बंध का अध्ययन करता है :

(a) कर-दर तथा कर आय के बीच
(b) कर-दर तथा व्यय के बीच
(c) कर-दर तथा उपभोग के बीच
(d) कर-दर तथा कल्याण के बीच

Ans. (a) : लाफर वक्र कर की दर तथा कर आय के बीच सम्बन्ध व्यक्त करता है। आर्थर लेफर का कहना है कि कर की सीमांत दर एक सीमा से ज्यादा हो जाती है तो आयकर राजस्व घटने लगता है। चूंकि इस वक्र के जन्मदाता लाफेर है, इसलिए यह लाफेर वक्र के नाम से जाना जाता है।

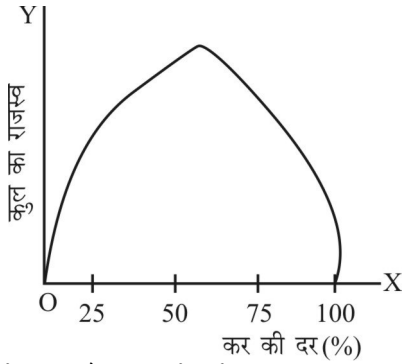

रेखा चित्र से स्पष्ट है कि, ज्यो-ज्यो कर की दर शून्य से अधिक होने लगती है, कर राजस्व में वृद्धि होती है और जब यह दर 50% हो जाती है, कर राजस्व अधिकतम रहता है इस सीमा के बाद कर की सीमांत दर के बढ़ने पर कुल कर राजस्व घटने लगता है।

25. उत्तराधिकारी में प्राप्त धन पर कर उदाहरण है :

(a) बिक्री कर का (b) आय कर का
(c) सम्पत्ति कर का (d) वैट (VAT) का

Ans. (c) : उत्तराधिकार में प्राप्त धन पर कर सम्पत्ति कर के अन्तर्गत आता है। उत्तराधिकार कर मृतक के उत्तराधिकारियों पर सम्पदा में प्राप्त उनके हिस्से पर अलग-अलग लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के लिए उत्तराधिकारियों को वर्गीकरण किया जाता है। छूट देने के बाद उत्तराधिकारी के प्रत्येक वर्ग पर कर को विशेष दर से लगाया जाता है। दूर के उत्तराधिकारी पर सामान्यतः कर की दर ऊँची रहती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. सरकार द्वारा आय कर के रूप में लिया गया कुल आय का प्रतिशत कहलाता है :

(a) संपूर्ण कर (b) औसत कर-दर
(c) सीमान्त कर (d) सीमान्त कर-दर

Ans. (d) : सरकार द्वारा आय कर के रूप में लिया गया कुल आय का प्रतिशत सीमांत कर-दर कहलाता है।

27. गतिहीन अर्थव्यवस्था में सरकार को चाहिये :

(a) अधिक व्यय करना, कम कर लगाना तथा/अथवा संकुचनकारी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना
(b) कम व्यय करना, कम कर लगाना तथा/अथवा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना
(c) अधिक व्यय करना, कम कर लगाना तथा/अथवा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना
(d) अधिक कर लगाना, कम व्यय करना तथा/अथवा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना

Ans. (c) : गतिहीन अर्थव्यवस्था या मंदी की स्थिति में सरकार को अधिक व्यय करना चाहिए कम कर लगाना चाहिए तथा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना चाहिए ताकि लोगों के हाथों में अतिरिक्त क्रय-शक्ति होने से अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकल सके।

28. बारहवें वित्त आयोग का चैयरमैन कौन है?

(a) वी.आर. पंचमुखी (b) सी. रंगराजन
(c) बिमल जालान (d) ए. एम. खुसरो

Ans. (b) : 12वें वित्त आयोग के अध्यक्ष सी. रंगराजन है। 14वें वित्त आयोग के अध्यक्ष Y. V. रेड्डी है।

29. राजकीय ऋण का विस्तार उत्पन्न कर सकता है:

(a) बचत में गिरावट (b) ब्याज दरों में वृद्धि
(c) विनियोग में कमी (d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : राजकीय ऋण में विस्तार किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होता है। राजकीय ऋण में विस्तार से बचत में गिरावट आती है, ब्याज दरों में वृद्धि होती है, जिससे विनियोग हतोत्साहित होता है।

30. यह किस अर्थ शास्त्री का कथन है कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार निरपेक्ष लाभ के सिद्धान्त पर आधारित है?

(a) जे.एस. मिल (b) एडम स्मिथ
(c) बर्टिल ओहलिन (d) डेविड रिकार्डो

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार निरपेक्ष लाभ के सिद्धांत पर आधारित है, यह कथन एडम स्मिथ का है।

31. संरक्षणवादी टैरिफ तथा कोटे बहुधा :

(a) सस्ते विदेशी आयातों के ज्वार को रोकने में थोड़ी ही मदद करते हैं
(b) संरक्षित श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं की वास्तविक आय को कम कर देते हैं।
(c) एक राष्ट्र का पूर्ण आर्थिक अलगाव कर देते हैं
(d) विश्वव्यापी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करते हैं

Ans. (b) : संरक्षणवादी टैरिफ तथा कोटा बहुधा संरक्षित श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं की वास्तविक आय को कम कर देते है।

32. दो वस्तुऐं, दो राष्ट्र तथा तुलनात्मक लाभ का सरल सिद्धान्त निर्धारित नहीं करने देगा :

(a) मूल्य अनुपात की ऊपरी तथा निचली सीमाओं को जिस पर व्यापार के पश्चात वस्तुओं का विनिमय होगा
(b) निश्चित कीमत अनुपात को जिस पर व्यापार के पश्चात वस्तुओं का विनिमय होना चाहिये
(c) भौगोलिक विशिष्टीकरण का प्रारूप
(d) कौन राष्ट्र किस वस्तु का निर्यात करता है

Ans. (b) : दो वस्तुएं, दो राष्ट्र तथा तुलनात्मक लाभ का सरल सिद्धांत निश्चित कीमत अनुपात को जिस पर व्यापार के पश्चात वस्तुओं का विनिमय होना चाहिये, निर्धारित करने की बात नहीं करता है। रिकार्डो का यह सिद्धांत इस बात का उल्लेख नहीं करता कि दोनों के बीच वस्तुओं की विनिमय दर क्या होगी।

33. दो राष्ट्रों में यदि एक राष्ट्र को सभी वस्तुओं के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ प्राप्त है तो :

(a) कोई तुलनात्मक लाभ प्राप्त नहीं होगा और इसीलिये व्यापार भी नहीं होगा
(b) व्यापार से कुशल राष्ट्र को लाभ होगा लेकिन अकुशल को नहीं
(c) व्यापार से अकुशल राष्ट्र को लाभ होगा लेकिन कुशल को नहीं
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का निरपेक्ष लाभ का दृष्टिकोण एडम स्मिथ द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सिद्धांत के अनुसार दो देशों के बीच व्यापार उस स्थिति में लाभप्रद होगा जब दोनों देश अलग-अलग वस्तुओं के उत्पादन में एक-दूसरे की तुलना में निरपेक्ष रूप से लाभ प्राप्त करते है।

34. तुलनात्मक लाभ के तहत, दो राष्ट्रों के बीच विशिष्ट वस्तुओं के मुक्त व्यापार से होगी :

(a) सम्पूर्ण आर्थिक कार्यक्षमता में कमी
(b) दो राष्ट्रों में से किसी एक राष्ट्र की वास्तविक मजदूरी के स्तर में कमी
(c) दोनों राष्ट्रों के वास्तविक मजदूरी के स्तरों में वृद्धि
(d) दो राष्ट्रों में से केवल एक राष्ट्र की वास्तविक मजदूरी के स्तर में वृद्धि

Ans. (c) : रिकार्डो के अनुसार, लागतों में तुलनात्मक अन्तर दो देशों के बीच व्यापार सम्बन्ध निर्धारित करता है। श्रम के भौगोलिक विभाजन तथा उत्पादन में विशिष्टीकरण के कारण विभिन्न देशों में उत्पादन लागतें भिन्न-भिन्न होती है। अतः प्रत्येक देश उन वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण करेगा जिसमें उसे तुलनात्मक लाभ अधिक अथवा तुलनात्मक हानि न्यूनतम हो। इस प्रकार कोई देश उन वस्तुओं को निर्यात करेगा जिसमें उसे अधिकतम तुलनात्मक लाभ होगा और उन वास्तुओं का आयात करेगा जिनमें उसे तुलनात्मक हानि कम से कम होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. ब्रैटनवुड्स व्यवस्था :

(a) नें करेंसियों के स्थिर समता मूल्यों को स्थापित किया
(b) को समायोजित पैग्स (Pegs) की पद्धति होना था
(c) से आशा थी कि लगातार अतिरेक वाले देश अपनी करेंसियों का अवमूल्यन करेंगें
(d) द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात मुद्रा प्रसार को कम करने के लिये स्थापित की गई थी

Ans. (a) : द्वितीय विश्व युद्ध ने विदेशी विनियम और व्यापार के क्षेत्रे में अव्यवस्था उत्पन्न कर दी, जिसके फलस्वरूप इस समस्या के दीर्घकालीन एवं स्थायी हल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की आवश्यकता अनुभव की गई। अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की स्थापना के लिए 1944 में अमेरिका के ब्रेटनवुड्स नामक स्थान पर एक अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सम्मेलन बुलाया गया जिसमें 44 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और भुगतान की कठिनाइयों से छुटकारा प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई।

36. भारत में पंचवर्षीय योजनाओं को इनके अनुमोदन के पश्चात अंतिम रूप दिया जाता है :

(a) राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री द्वारा (b) राज्य सभा द्वारा
(c) राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा (d) लोक सभा द्वारा

Ans. (c) : भारत में पंचवर्षीय योजनाओं को अनुमोदन के पश्चात् अंतिम रूप राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा दिया जाता है।

37. नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में सेवा क्षेत्र का अंशदान सकल राष्ट्रीय उत्पाद का है;

(a) 30 प्रतिशत के लगभग (b) 40 प्रतिशत के लगभग
(c) 50 प्रतिशत के लगभग (d) 60 प्रतिशत के लगभग

Ans. (c) : नवीनतम उपलब्ध आकड़ों के अनुसार, भारत में सेवा क्षेत्र का अंशदान सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 50% के लगभग है। वर्तमान 2015 में GVA के वर्तमान मूल्यों के आधार पर 52.97% हिस्सा है।

38. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है :

(a) वित्त आयोग द्वारा
(b) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा
(c) योजना आयोग द्वारा
(d) वित्त मंत्रालय

Ans. (b) : भारत में राष्ट्रीय आय की गणना केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा किया जाता है।

39. दीर्घकालीन राजकोषीय नीति के अन्तर्गत निम्न में से किस कर को प्रस्तावित किया गया था?

(a) माडवैट (MODVAT) (b) वैट (VAT)
(c) लाभ कर (d) उत्तराधिकार कर

Ans. (b) : दीर्घकालीन राजकोषीय नीति के अन्तर्गत वैट (VAT) कर को प्रस्तावित किया गया। VAT वस्तुतः बहुल-चरण बिक्री कर है जिससे मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं की खरीद से छूट मिलती है। व्यावसायिक फर्मो को वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त राशि में से अन्य फर्मों से खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं पर किये गये व्यय को घटाने के बाद जो बच जाता है, वही मूल्य संवर्धन कर है।

40. किसानों को ऋणों में राहत देना भाग है :

(a) योजना-व्यय का (b) गैर-योजना व्यय का
(c) विकास व्यय का (d) रक्षा व्यय का

Ans. (b) : किसानों को ऋणों में राहत देना गैर-योजना व्यय का भाग है।

41. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की रेखा का निर्धारण न्यूनतम औसत कैलोरीज के उपभोग के आधारपर किया जाता है जो है :

(a) 2000 (b) 2700
(c) 2500 (d) 2400

Ans. (d) : भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण कैलोरी के उपभोग के आधार पर किया जाता है। उस व्यक्ति को निर्धनता रेखा से नीचे माना जाता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 2400 कैलोरी व शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी भोजन प्राप्त करने में असमर्थ है।

42. भारतीय योजना आयोग है :

(a) एक संसदीय संस्था (b) तदर्थ संस्था
(c) गैर वैधानिक संस्था (d) सवैधानिक संस्था

Ans. (c) : भारतीय योजना आयोग एक गैर वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना 15 मार्च, 1950 में किया गया। योजना आयोग का नाम बदलकर 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) कर दिया गया। इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।

43. भारत में कौन से राज्य का मानव विकास सुचकांक सर्वाधिक है?

(a) आन्ध्र प्रदेश (b) दिल्ली
(c) केरल (d) उत्तर प्रदेश

Ans. (c) : भारत में केरल राज्य का मानव विकास सूचकांक सर्वाधिक है। 2015 में भी केरल ही HDI में पहले स्थान पर है।

44. $\bar{B}_{xy}$ तथा $\bar{B}_{yx}$, x का y पर तथा y का x पर प्रतीपगमन के ढाल को बताते हैं तो x और y के बीच सहसम्बंध गुणांक होगा:

(a) $\sqrt{\bar{B}_{xy}\,\bar{B}_{yx}}$ के बराबर
(b) $(\bar{B}_{xy}+\bar{B}_{yx})/2$ के बराबर
(c) $\bar{B}_{xy}/\bar{B}_{yx}$ के बराबर
(d) x के y पर प्रतीगमन अथवा y के x पर प्रतीगमन से असम्बन्धित

Ans. (a) : $\bar{B}_{xy}$ तथा $\bar{B}_{yx}$, x का y पर तथा y का x पर प्रतीपगमन के ढाल को बताते हैं तो x और y के बीच सहसम्बंध गुणांक $\sqrt{\bar{B}_{xy}\,\bar{B}_{yx}}$ के बराबर होगा:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45. **एक रुपये तथा पाँच रुपये के सिक्कों को एक साथ उछाला जाता है। यदि दोनों में से एक सिक्का चित्त (head) आ गया है तो दोनों सिक्कों के चित आने की संभावना है :**

(a) $\frac{1}{2}$ (b) $\frac{1}{3}$

(c) $\frac{1}{4}$ (d) $\frac{2}{3}$

Ans. (a) : एक रुपये तथा पांच रुपये के सिक्कों को एक साथ उछाला जाता है। यदि दोनों में से एक सिक्का चित आ गया है तो दोनों सिक्कों के चित आने की संभावना 1/2 है।

46. **x_1, x_2,.....एक समष्टि में से यादृच्छिक रूप से चुने गये न्यादर्श हैं। $(X_{min} + X_{max})/2$ तथा $\bar{x}$ जनसंख्या माध्य के क्रमशः दो आकलक μ_1 तथा μ_2 हैं, तो :**

(a) μ_1 अभिनत है लेकिन μ_2 अनभिनत है

(b) μ_1 अनभिनत है लेकिन μ_2 अभिनत है

(c) दोनों μ_1 तथा μ_2 अनभिनत है लेकिन केवल μ_1 (BLUE) है

(d) दोनों μ_1 तथा μ_2 अनभिनत है लेकिन केवल μ_2 (BLUE) है

Ans. (b) : $x_1, x_2, \ldots\ldots x_n$ एक समष्टि में से यादृच्छिक रूप से चुने गये न्यादर्श है। $(X_{min} + X_{max})/2$ तथा $\bar{X}$ जनसंख्या माध्य के क्रमशः दो आकलक μ_1 तथा μ_2 है, तो μ_1 अनभिनत है लेकिन μ_2 अभिनत है।

47. **निम्न में से कौन न्यादर्श वितरण है?**

(a) पायसन (b) बायनामियल

(c) मानक सामान्य (d) समरूप

Ans. (d) : समरूप न्यादर्श वितरण है।

48. **सही कूट को चुनिये :**

कथन (A) : चल माध्य प्रद्धति के अन्तर्गत, सम्मिलित अवधियों की संख्या जितनी ज्यादा सम्भव हो सकें, होनी चाहिये।

कारन (R) : चल माध्य समयावधियों को सम्मिलित करने से, संमकों को ज्यादा स्मूथ किया जा सकता है।

(a) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A)की सही व्याख्या है

(b) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A)की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : चल माध्य पद्धति के अन्तर्गत, सम्मिलित अवधियों की संख्या जितनी ज्यादा संभव हो सके होनी चाहिए क्योंकि चल माध्य समयावधियों को सम्मिलित करने से, समंको को ज्यादा स्मूथ किया जा सकता है।

49. **फिशर के सूचकांक बनाने के सूत्र को आदर्श कहा जाता है क्योंकि :**

(a) यह चालू वर्ष तथा आधार वर्ष दोनों की कीमतों और मात्राओं पर आधारित है

(b) यह समय उत्क्राम्यता तथा तत्व उत्क्राम्यता दोनों को संतुष्ट करता है

(c) यह ज्यामीतिय माध्य पर आधारित है जो दो समयावधियों के बीच परिवर्तन की दरों का अध्ययन करने के लिये उपयुक्त है

(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : फिशर का सूचकांक लैस्पियर तथा पाशे के सूचकांको का गुणोत्तर माध्य है।

$$F = \sqrt{L.P}$$

$$F = \sqrt{\frac{\sum p_1 q_O}{\sum P_O q_O} \times \frac{\sum p_1 q_1}{\sum p_O q_1}}$$

फिशर सूचकांक को आदर्श सूचकांक कहते है, क्योंकि फिशर सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण तथा तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण का पालन करता है।

50. **(a, b) समष्टि माध्य μ का 99% विश्वास्यता अंतराल है, इसका अर्थ है कि:**

(A) a तथा b के बीच 99% समष्टि है

(B) इस बात का 99% अवसर है कि μ, a तथा b के बीच है

(C) अंतरावलोकन 99% जैसे कि, (a, b) में μ मिलता है।

(a) (a), (b) तथा (c) सही हैं

(b) केवल (c) सही है

(c) केवल (b) सही है

(d) दोनों (a) तथा (b) सही हैं

सही कूट चुनियें :

Ans. (d) : (a, b) समष्टि माध्य μ का 99% विश्वास्यता अंतराल है, का अर्थ है कि a तथा b के बीच 99% समष्टि है। इस बात का 99% अवसर है कि μ, a तथा b के बीच है।

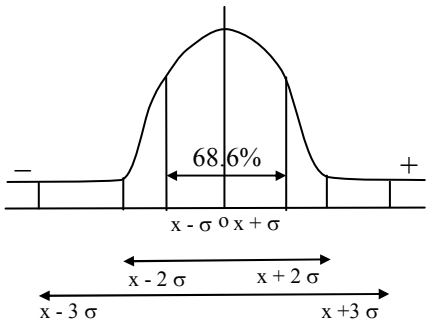

$x \pm \sigma = 68.6\%$

$x \pm 2\sigma = 95.4\%$

$x \pm 3\sigma = 99.71\%$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2006

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यदि दो पण्य-पदार्थ उत्तम स्थानापन्न हैं तो तटस्थ वक्र–

(a) एक सीधी रेखा के रूप में होगा
(b) एक समकोण की ओर जाएगा
(c) एक सीधी रेखा की ओर जाएगा
(d) ऊर्ध्वगामी होगा

Ans. (a) : जब दोनों वस्तुयें परस्पर पूर्ण स्थानापन्न हो तो अनधिमान (तटस्थता वक्र) वक्र एक सीधी रेखा के रूप में होगा। उपभोक्ता एक ही वस्तु पर अपनी पूरी आय व्यय कर सकता है, क्योंकि वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न है पर इस प्रकार की स्थिति व्यावहारिक जीवन में नहीं मिलती है।

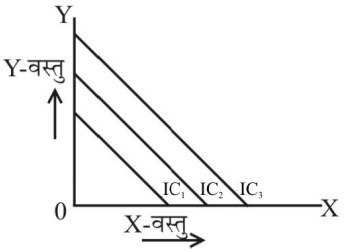

2. आधुनिक विश्व में फर्मों द्वारा आरक्षित क्षमता का उपयोग किया जाता है।

(a) कार्यसंचालन में अधिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए
(b) कीमतों को कम करने के लिए
(c) मजदूरी को कम करने के लिए
(d) करों को कम करने के लिए

Ans. (a) : आधुनिक विश्व में फर्मों द्वारा आरक्षित क्षमता का उपयोग कार्य संचालन में अधिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

3. यदि फर्म औसत कीमत सिद्धान्त के आधार पर व्यवहार कर रही हैं तो सुव्यवस्थित समन्वयन को बहुधा इसके द्वारा प्राप्त किया जाता है :

(a) कीमत नेतृत्व (b) कीमत में कटौती
(c) उच्च-कीमत फर्म (d) इनमें से किसी के द्वारा नहीं

Ans. (a) : अल्पाधिकारी बाजार में संधि सहित प्रतियोगिता का एक अन्य उदाहरण 'कीमत नेतृत्व' माडल है। इस माडल के अन्तर्गत कोई एक फर्म कीमतों का निर्धारण करती है और अन्य फर्में उस कीमत का अनुसरण करती है, जिससे अल्पाधिकारी बाजार में अनिश्चितता की भावना को दूर किया जा सकता है। फर्मो के बीच समझौते का यह स्वरूप कार्टेल से अधिक लोकप्रिय है।

कीमत नेतृत्व माडल में फर्में एक नेता को निर्धारक तथा अन्य फर्में मूल्य स्वीकार करती है, जिन्हे मूल्य स्वीकारक कहते है। नेता फर्म का चुनाव तीन प्रकार से किया जाता है-

(1) कम लागत वाली फर्म द्वारा कीमत नेतृत्व।
(2) प्रधान (बड़ी) फर्म द्वारा कीमत नेतृत्व।
(3) स्थितिमान फर्म द्वारा कीमत नेतृत्व।

4. दी गई किन्हीं वैयक्तिक वरीयताओं जो परावर्ती, संक्रामी तथा पूर्ण हैं– के लिए बहुसंख्यक नियम आधारित सामाजिक वरीयताएँ हैं:

(i) परावर्ती (ii) संक्रामी (iii) पूर्ण

सही कोड चुनेः

कोडः

(a) उपरोक्त सभी सही है
(b) केवल (i) सभी (iii) सही है
(c) केवल (i) सभी (ii) सही है
(d) केवल (ii) सभी (iii) सही है

Ans. (a) : दी गई किन्ही वैयक्तिक वरीयताओं जो परावर्ती, संक्रामी तथा पूर्ण है- के लिए बहुसंख्यक नियम आधारित सामाजिक वरीयताएं परावर्ती, संक्रामी व पूर्ण है।

5. यदि मांग वक्र एक आयताकार अतिपरवलय का आकार ले लेता है तो मूल्य लोच इसके बराबर होगाः

(a) शून्य (b) एक से कम
(c) एक से अधिक (d) एक

Ans. (d) : मांग की मूल्य लोच एक प्रकार का विशिष्ट संबंध है जो वस्तु की मांग तथा वस्तु के मूल्य के बीच परिवर्तन का अनुपात या दर प्रदर्शित करता है। इस प्रकार किसी वस्तु के मूल्य में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तु की मांगी गई मात्रा में होने वाली सापेक्षिक अनुक्रिया की माप ही मांग की लोच है।

$$ep = (-)\frac{\text{मांगी गई मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{मूल्य में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

या, $ep = -\frac{\Delta q}{\Delta p} \times \frac{p}{q}$

वस्तु के मूल्य में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तु की मांग में होने वाले परिवर्तन की सापेक्षता के आधार पर मांग की मूल्य लोच को पांच भागों में बांटा जा सकता है–

(i) पूर्णतया लोचदार मांग (ep = ∞) – जब किसी वस्तु के मूल्य में अल्प वृद्धि होते ही उस वस्तु की मांग शून्य हो जाये और अल्प कमी उसकी मांग में अपरिमित वृद्धि ला दे।

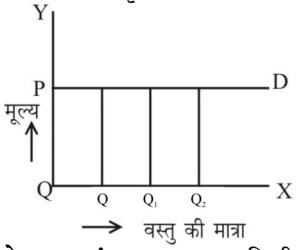

(ii) पूर्णतया बेलोचदार मांग (ep = 0) – किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के बाद भी उसकी मांग ज्यों की त्यों बनी रही, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न हो तो मांग पूर्णतया बेलोचदार होगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

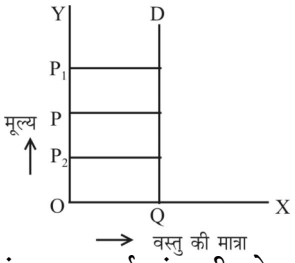

(iii) समलोच मांग का इकाई मांग की लोच (ep = 1) – जब किसी वस्तु की मांग में सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन के बराबर हो तो समलोच होगा।

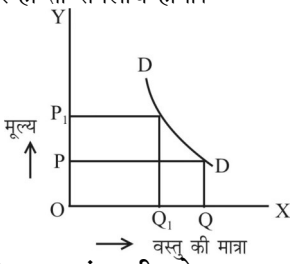

(iv) अधिक लोचदार मांग की लोच (e >1) – जब वस्तु की मांग में होने वाला सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन से अधिक हो तो उस वस्तु की मांग अधिक लोचदार होगी।

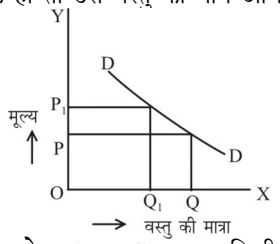

(v) बेलोच मांग लोच (ep <1) – जब किसी वस्तु की मांग में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन से कम हो तो उस वस्तु की मांग बेलोच कही जायेगी।

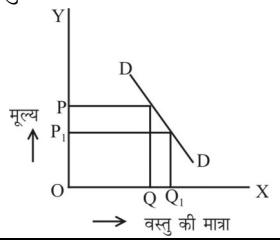

6. यदि उपभोग फलन C = Rs.30 + 0.80Y और निवेश व्यय I = Rs.70 - 2i, यहाँ i ब्याज की दर है तो स्वायत्त निवेश में 30 रु. की बढ़ौती से IS वक्र में:

(a)150 रु. से बायें को स्थानांतरण होगा
(b)150 रु. से दायें को स्थानांतरण होगा
(c)30 रु. से दायें को स्थानांतरण होगा
(d)30 रु. से बायें को स्थानांतरण होगा

Ans. (c): यदि उपभोग फलन C = Rs.30 + 0.80Y और निवेश व्यय I = Rs.70 – 2i, यहां i ब्याज की दर है तो स्वायत्त निवेश में 30रु. की बढ़ोत्तरी से IS वक्र 30 रु. से दाएं को स्थानांतरण होगा।

7. मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा के मात्रात्मक सिद्धान्त का संबंध इससे है:

(a) कीमतों (b) आय
(c) मुद्रा की आपूर्ति (d) मुद्रा की मांग

Ans. (d) : शिकागो विश्वविद्यालय के प्रो. फ्रीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या की। अपने सैद्धांतिक तथा अनुभवगम्य दोनो तरह के विश्लेषणों में उन्होंने मुद्रा की मांग और आय प्रचलन वेग पर ध्यान केन्द्रित किया। सैद्धांतिक विश्लेषण में फ्रीडमैन ने कहा कि मुद्रा का परिमाण सिद्धांत कुल मिलाकर मुद्रा की मांग के अलावा और कुछ भी नही है।

8. गुणक की अवधारणा को सबसे पहले बतलाने वाले का नाम है:

(a) आर. एफ. काहन (b) जे. एम. केन्स
(c) आर. एफ. हारोड (d) वी.के.आर. वी. राव

Ans. (a) : 1931ई. में प्रसिद्ध कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री आर. एफ. काहन (R. F. Kohn) ने अपने एक लेख 'The Relation of Home Investment of Unemployment' में गुणक की चर्चा की, जो कि रोजगार गुणक था। बाद में कीन्स ने विनियोग गुणक की चर्चा की।

9. धारणीय विकास इनमें से किसको संबोधित है :

(a) वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताएँ
(b) आगामी पीढ़ी की आवश्यकताएँ
(c) आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौते किए बिना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताएँ
(d) वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताएँ

Ans. (c) : 1982 के दशक में विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WCED) के द्वारा 'Our Common Future' नामक एक रिपोर्ट जारी किया गया, जिसे Brundtland रिपोर्ट भी कहते है। इसे UN ने 1987 में स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में धारणीय विकास की परिभाषा इस प्रकार दी गई "विकास को संपोषी बनाने की क्षमता यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया जाए किन्तु साथ ही भावी पीढ़ियों द्वारा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करके उनकी क्षमताओं का अतिक्रमण न किया जाए।" अतः यह एक बहुत ही व्यापक धारणा है।

10. सेन द्वारा सुझाए गये गरीबी की माप निम्नलिखित शामिल हैं:

(a) हेड-काउंट रेशियो
(b) हेड काउंट रेशियो तथा पावर्टी-गैप रेशियो
(c) पावर्टी-गैप रेशियो तथा गरीबों के बीच आय का वितरण
(d) हेड-काउंट रेशियो, पावर्टी-गैप रेशियो तथा गरीबों के बीच आय के वितरण का रेशियो

Ans. (d) : सेन द्वारा सुझाये गए गरीबी की माप में हेड- काउण्ट रेशियों, पावर्टी- गैप रेशियो तथा गरीबों के बीच आय के वितरण का रेशियों शामिल किया गया है। यह गरीबी की माप का अधिक व्यापक दृष्टिकोण है, क्योंकि इसमें गरीबी को केवल आयवंचन के रूपे में न लेकर बहुआयमी वंचन- खराब स्वास्थ्य तथा कुपोषण, अल्प शिक्षा तथा कौशल, अपर्याप्त जीवन निर्वाह, खराब आवासीय व्यवस्था तथा सामाजिक अपवर्जन के रूप में लेता है।

11. एक नियोजक के लिए तकनीकों के चयन के संदर्भ में, तकनीक का औचित्य इसके द्वारा निर्धारित होता है।

(a) फैक्टर इन्डोमेण्ट (साधन सम्पन्नता)
(b) विकास का स्तर
(c) तकनीकी प्रगति का अभिलक्षण
(d) योजना के उद्देश्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : हैक्शर-ओहलिन प्रमेय को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत कहा जाता है। हैक्शर तथा ओहलिन का कहना है कि दो देशों के बीच साधन सम्पन्नताओं में अंतरों के परिणामस्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति में अंतरों (साधन कीमतों) द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अन्तर ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुरन्त कारण है। जिन वस्तुओं में दुर्लभ साधनों की बड़ी मात्राएं प्रयोग होती है उन्हे आयात किया जाता है, क्योंकि उनकी कीमतें ऊँची है जबकि उन वस्तुओं को निर्यात किया जाता है जिनमें प्रचुर साधन प्रयोग होते है, क्योंकि उनकी कीमतें नीची है।
हेक्शर-ओहलिन प्रमेय की दो परिभाषाओं के रूप में व्याख्या की जाती है-
(1) साधन प्रचुरता कीमत कसौटी के रूप में।
(2) साधन प्रचुरता भौतिक कसौटी के रूप में।

12. उत्पादन की रीति संदर्भित करती है :
(a) उत्पादन के बल
(b) उत्पादन की विधियाँ
(c) उत्पादन के सम्बंध
(d) उत्पादन के बलों और उत्पादन के संबंधों के मध्य द्वैधता

Ans. (d) : उत्पादन की रीति उत्पादन के बलों तथा उत्पादन के सम्बन्धों के मध्य द्वैधता सन्दर्भित करती है।

13. श्रम की असीमित आपूर्ति पूर्वानुमान करती है :
(a) श्रम की अलोची आपूर्ति
(b) श्रम की अपरिमित लोची आपूर्ति
(c) श्रम की आवश्यकता से अधिकता
(d) छद्म बेरोजगारी

Ans. (b) : प्रो. लेविस ने अल्पविकसित देशों में आर्थिक विकास की प्रक्रिया को तेज करने के लिए एक सिद्धांत प्रतिपादित किया जिसे ''श्रम की असीमित आपूर्ति'' के नाम से जाना जाता है।
लेविस के अनुसार ''आर्थिक विकास उस समय होगा जबकि जीवन-निर्वाह क्षेत्र से अतिरिक्त श्रम को निकालकर पूंजीवादी क्षेत्र में लगाया जाता है तो जीवन निर्वाह क्षेत्र में श्रम अतिरेक समाप्त हो जायेगा तथा औद्योगिक क्षेत्र में पूंजी निर्माण की दर बढ़ती जायेगी।'' इसके लिए दो मान्यताये ली- पहला, पूंजीवादी क्षेत्र लाभ को पुनः निवेश करना है तथा दूसरा, जीवन निर्वाह क्षेत्र से श्रम की पूर्ति पूंजीवादी क्षेत्र को असीमित होती है अर्थात जीवन-निर्वाह क्षेत्र में श्रम की असीमित पूर्ति पायी जाती है।

14. निम्नलिखित में से 'लॉ ऑफ इंक्रिजिंग स्टेट ऐक्टिविटिज' का प्रतिपादक कौन है?
(a) मस्ग्रेव (b) वाइजमैन पीकॉक
(c) वेगनर (d) डाल्टन

Ans. (c) : एडॉल्फ बैगनर (1835-1917) एक जर्मन अर्थशास्त्री थे, जिन्होने आर्थिक विकास के स्तर तथा सरकारी उपभोग व्यय के बीच पाये जाने वाले कार्यात्मक सम्बन्ध के संबंध में एक आनुभविक विश्लेषण प्रस्तुत किया। वैगनर ने बढ़ती हुई राजकीय क्रियाओं का सिद्धांत (Law of Increasing stateactivity) का प्रतिपादन किया। जिसमें उन्होंने यह स्थापित किया कि 'सार्वजनिक' व्यय में वृद्धि की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है अर्थात् जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जायेगा, राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होता जायेगा।
वैगनर ने अपने सिद्धांत का जो प्रतिपादन किया वह स्पष्ट रूप से यह सामने नहीं ला पाता है कि बढ़ती हुई राज्य की क्रियाओं या सार्वजनिक व्यय के विस्तार से उनका आशय (i) सार्वजनिक व्यय के निरपेक्ष स्तर से था या (ii) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) के सार्वजनिक व्यय के प्रतिशत से था या (iii) अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्रों के अनुपात से था। इसलिए 'वैगनर नियम' के अनेक कथन मिलते है। फ्रेडरिक एल. प्रियर कहते भी है कि वैगनर के प्रतिपादन का ढंग इतना अस्पष्ट है कि इसके अनेक अर्थ निकलते है।

15. निम्नलिखित में से कौन राज्य का विकास-व्यय नहीं है?
(a) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (b) शिक्षा
(c) ऋण सेवाएँ (d) कृषि का विकास

Ans. (c) : ऋण सेवाएं राज्य का विकास व्यय नही है, जबकि अन्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा तथा कृषि के विकास इत्यादि पर किया गया व्यय राज्य के विकास-व्यय के अन्तर्गत आता है।

16. डाल्टन के अनुसार, सकल सामाजिक लाभ अधिकतम हो जाता है जब कर रोपण और व्यय को उस बिन्दु तक ले जाया जाय जहाँ :
(a) सीमांत सामाजिक कुर्बानी (MSS) > सीमांत सामाजिक लाभ (MSB)
(b) सीमांत सामाजिक कुर्बानी (MSS) < सीमांत सामाजिक लाभ (MSB)
(c) सीमांत सामाजिक कुर्बानी (MSS) = सीमांत सामाजिक लाभ (MSB)
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : प्रो. ए. सी. पीगू तथा बाद में उन्ही का अनुसरण करते हुए डाल्टन ने सीमांत उपयोगिता विश्लेषण पर आधारित अधिकतम सामाजिक कल्याण का सिद्धांत प्रतिपादित किया। सार्वजनिक वस्तुओं के आबंटन का यह दृष्टिकोण सार्वजनिक व्यय के परिणामस्वरूप उपलब्ध सार्वजनिक वस्तुओं या सेवाओं से उत्पन्न समाज को होने वाली सीमांत उपयोगिता को इन वस्तुओं को उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय आवश्यकता की पूर्ति के लिए समाज द्वारा सरकार को दी गई कर राशि से उत्पन्न सीमान्त अनुपयोगिता या सीमांत त्याग से सम्बन्धित करता है।
करारोपण के कारण समुदाय को कुछ त्याग करना पड़ता है जबकि सार्वजनिक व्यय के कारण समुदाय को लाभ या उपयोगिता प्राप्त होती है। सार्वजनिक वस्तुओं तथा सेवाओं एवं व्यक्तिगत वस्तुओं के बीच साधनों का बंटवारा तथा सामाजिक अनुकूलतम स्तर वहां होगा, जहां सार्वजनिक वस्तुओं में होने वाली सीमांत उपयोगिता करारोपण के कारण उत्पन्न सीमांत अनुपयोगिता के बराबर हो जाये। प्रो. मशग्रेव ने पीगू-डाल्टन दृष्टिकोण को रेखाचित्र के माध्यम से स्पष्ट किया है-

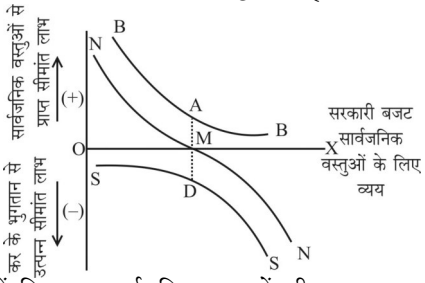

रेखाचित्र में बिन्दु M सार्वजनिक वस्तुओं की अनुकूलतम स्थिति है, क्योंकि इस बिन्दु पर सीमांत सामाजिक लाभ = सीमांत सामाजिक त्याग अर्थात AM = MD/ NN वक्र निवल सामाजिक कल्याण या लाभ प्रदर्शित करता है।

17. अवमूल्यन भुगतान घाटा के संतुलन में सुधार करेगा, यदि अवमूल्यन करने वाले देश के निर्यात और आयात के लोचों का योग है :
(a) एक से अधिक (b) एक से कम
(c) शून्य के बराबर (d) नकारात्मक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : भुगतान शेष समायोजन करने की लोच विधि मार्शल लर्नर के साथ सम्बन्धित है। जब एक देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करता है, तो इसके आयातों की घरेलू कीमते बढ़ जाती है और इसके निर्यातों की विदेशी कीमते कम हो जाती है। अवमूल्यन किस सीमा तक सफल होगा, इसके बारे में मार्शल-लर्नर शर्त बताती है कि जब आयातों और निर्यातों की मांग की लोचों का जोड़ निरपेक्ष रूप में इकाई से अधिक हो तो अवमूल्यन से एक देश का भुगतान शेष सुधारेगा $Ex + Em > 1$
जहां Ex = निर्यातों की मांग लोच
Ex = आयातों की मांग लोच है
इसके विपरीत, यदि $Ex + Em < 1$ तो अवमूल्यन भुगतान शेष को बिगाड़ देगा। और यदि $Ex + Em = 1$, तो अवमूल्यन का भुगतान शेष स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

18. अप्रैल 1999 से जवाहर रोजगार योजना का नया नाम है:
(a) जवाहर ग्राम समृद्धि योजना
(b) जवाहर स्वर्ण जयन्ती योजना
(c) जवाहर समृद्धि योजना
(d) जवाहर ग्रामीण विकास योजना

Ans. (a) : जवाहर रोजगार योजना की शुरूआत 1989-90 के बजट में की गई थी। इसमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (NREP) और खेतिहर मजदूर रोजगार गारंटी कार्यक्रम (RLEGP) का विलय कर दिया गया था। इसमें रोजगार कार्यक्रमों को बनाने व चलाने का दायित्व पंचायतों को सौंपा गया था। अप्रैल, 1999 में जवाहर रोजगार योजना को पुनर्गठित किया गया और इसे जवाहर ग्राम समृद्धि योजना नाम दिया गया।

19. सन् 2000-2001 में भारत में बाह्य ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से अनुपात था:
(a) 15.3% (b) 9.1%
(c) 7.1% (d) 5.4%

Ans. (a) : सन् 2000-01 में भारत में बाह्य ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से अनुपात 15.3% था। वर्तमान में मार्च 2015 के अन्त तक भारत का विदेशी ऋण 475 बिलियन डालर ($) था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 23.8% है।

20. निम्नलिखित में से कौन विक्षेपण का माप नहीं है?
(a) विचलनों का माप (b) प्रसरण
(c) रेंज (d) अंतर-चतुर्थक रेंज

Ans. (b) : प्रसरण विक्षेपण का माप नही है। प्रमाप विचलन के वर्ग को प्रसरण (Variance) कहते है।

21. GDP डिफ्लेटर किस प्रकार का इंडेक्स है:
(a) पाशे इंडेक्स (b) लासपाइरेस इंडेक्स
(c) फिशर इंडेक्स (d) डिविसिया इंडेक्स

Ans. (a) : GDP डिफ्लेटर पाशे इण्डेक्स के प्रकार का इण्डेक्स है। पाशे का सूचकांक-

$$P = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$$

यहां चालू वर्ष की मात्रा q_1 को भार प्रदान किया गया है।

22. एक कक्षा में 50 छात्र हैं। उनके वजन का माध्य, μ=55 kg तथा मानक विचलक σ = 17 kg है। उस कक्षा में दो छात्र जिनके वजन 47 kg तथा 58 kg हैं स्कूल छोड़ देते हैं, तथा दो नये छात्र जिनके वजन 50 kg तथा 55 kg हैं, कक्षा में आ जाते हैं। तब वजन का नया माध्य μ_1 तथा मानक विचलक, σ_1 है,
(a) $\mu_1 = 55, \sigma = 17$ (b) $\mu_1 = 55, \sigma < 17$
(c) $\mu_1 < 55, \sigma_1 > 17$ (d) $\mu_1 > 55, \sigma_1 = 17$

Ans. (a) : एक कक्षा में 50 छात्र है। उनके वजन का माध्य μ=55 kg तथा मानक विचलन σ = 17 kg है। उस कक्षा में दो छात्र जिनके वजन 47 kg तथा 58 kg है स्कूल छोड़कर चले जाते है, तथा दो नये छात्र जिनके वजन 50 kg तथा 55 kg है, कक्षा में आ जाते है तब वजन का नया माध्य μ=55 तथा मानक विचलन $\sigma = 17$ होगा।

निम्नलिखित उद्धरण को पढ़े तथा प्रश्न संख्या 23-25 के उत्तर इस उद्धरण के आधार पर दें :
मांग वक्र के किसी खंड के अंतर्गत कीमत में परिवर्तन उपभोक्ता के सकल व्यय को अपरिवर्तित छोड़ देगा यदि, और केवल यदि चाप लोच इकाई के बराबर है। पुनः कीमत में कोई मध्यवर्ती परिवर्तन उपभोक्ता के सकल व्यय को अपरिवर्तित रखेगा। यदि मांग वक्र के प्रत्येक बिन्दु-लोच इकाई के बराबर है।

23. निम्नलिखित में से कौन सा चाप-लोच का प्रतिनिधित्व करता है?
(a) $\frac{\Delta q.}{\Delta p.}\frac{\text{कीमतों का योग}}{\text{मात्राओं का योग}}$ (b) $\frac{\Delta p.}{\Delta q.}\frac{p_1 + p_2}{q_1 + q_2}$
(c) $\frac{\Delta q.}{\Delta p.}\frac{p_1 - p_2}{q_1 + q_2}$ (d) $\frac{\Delta q.}{\Delta p.}\frac{p_1 + p_2}{q_1 - q_2}$

Ans. (d) : मांग की चाप लोच $= \frac{\Delta q}{\Delta p} \cdot \frac{p_1 + p_2}{q_1 - q_2}$
दो बिन्दुओं के मध्य मांग वक्र के भाग के 'चाप' कहा जाता है। तथा सम्बन्धित मांग की लोच को 'चाप मांग की लोच' कहा जाता है।

24. यदि एक अरेखीय मांग वक्र का लोच सदा ही स्थिर रहता है तो वक्र का ढलान :
(a) धनात्मक होगा (b) अपरिवर्तित रहेगा
(c) बिन्दु-दर बिन्दु बदलेगा (d) इनमें से कुछ नहीं होगा

Ans. (c) : यदि एक अरेखीय मांग वक्र का लोच सदा ही स्थिर रहता है तो वक्र का ढाल बिन्दु दर बिन्दु बदलेगा।

25. यदि कीमत का कोई परिवर्तन कीमत के उठाव तथा गिरावट में हमें लोच के विभिन्न मूल्य देता है तो हम निम्नलिखित का प्रयोग कर रहे हैं :
(a) बिन्दु विधि (b) चाप विधि
(c) सकल लागत (टोटल आउटले) विधि (d) व्यय विधि

Ans. (a) : यदि कीमत का कोई परिवर्तन कीमत के उठाव तथा गिरावट में हमें लोच के विभिन्न मूल्य देता है तो हम बिन्दु विधि का प्रयोग कर रहे है।

26. सबसे पहले वाले से प्रारम्भ करते हुए, निम्नलिखित को संतुलन के सामान्य सिद्धान्त के विकास के कालानुक्रम में व्यवस्थित करें
i. आर. कैण्टीलोन ii. एफ. ज्वेंसन
iii. एल. वालरस iv. डब्लू. लिओंटीफ
कूट:
(a) iv, i, ii, iii (b) iii, iv, i, ii
(c) i, ii, iii, iv (d) ii, iii, iv, i

Ans. (c) : (i) आर. कैण्टीलोन- 1680 – May, 1734, Irish French Economist and Author
(ii) एफ. ज्वेंसने
(iii) एल. वालरस- 16 Dec. 1834- 5 January, 1910 French Mathematical Economist
(iv) डब्ल्यू. लिओंटिफ- 5 August, 1906- 5 Feb, 1999, An Amrican Economist

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. सबसे पहले वाले से प्रारम्भ करते हुए, निम्नलिखित लेखकों को, कल्याण अर्थशास्त्र में उनके योगदान के कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें :

(i) जे. बेंथम (ii) वाई. पेरेटो
(iii) एम. मार्शल (iv) जे. हिक्स

कूट :

(a) (iii) (ii) (iv) (i)
(b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (iv) (i) (iii) (ii)
(d) (ii) (iv) (i) (iii)

Ans. (b) : (i) जे. बेंथम- 15 feb, 1748 – 6 June 1832, was an English Philosophay, Jurist and social reformer.
(ii) अल्फेड मार्शल- 26 July, 1842- 13 July 1924, neoclassical economics.
(iii) विलफ्रेड पैरेटो- 15 July 1848- 19 Aug 1923, An Italian Engineer, Sociologist Economist, philashipy
(iv) जे हिक्स- 8 April, 1904- 20 May, 1989, was An Brifish Economist.

28. निम्नलिखित को,2002 वर्ष में वैश्विक एफ.डी.आई. प्राप्तियों में उनके शेयर के अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(i) हांग-कांग (ii) चीन
(iii) भारत (iv) कोरिया

कूट :

(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (iv) (ii) (i) (iii)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (i) (iii) (iv) (ii)

Ans. (a) : (i) चीन (ii) हांग-कांग
(iii) भारत (iv) कोरिया

29. निम्नलिखित को, 2004 वर्ष में विश्व निर्यात में उनके शेयर के अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(i) चीन (ii) हांग-कांग
(iii) इण्डोनेशिया (iv) मलेशिया

कूट :

(a) (iii) (iv) (ii) (i)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (iv) (i) (iii) (ii)
(d) (ii) (iii) (i) (iv)

Ans. (b) : (i) चीन (ii) हांग-कांग
(iii) मलेशिया (iv) इण्डोनेशिया

30. सबसे पहले वाले से प्रारम्भ करते हुए, अल्पाधिकारवाद के सिद्धान्त के संदर्भ में, निम्नलिखित लेखकों को कालानुक्रम में व्यवस्थित करें :

(i) ई. स्टेकेलबर्ग (ii) पी. स्वीजी
(iii) जे. बरट्रेण्ड (iv) ए. कूर्नोट

कूट :

(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (ii) (iv) (iii)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

Ans. (b) : (i) ए. कूर्नोट- अल्पधिकार माडल का सर्वप्रथम प्रतिपादन फेंच अर्थशास्त्री 1838 ई. में किया।
(ii) जे. बरट्रेण्ड-क्रूनों के बाद जोसेफ बरट्रेण्ड ने 1883 में किया।
(iii) पी. स्वीजी-विंकुचित मांग वक्र का प्रतिपादन 1939 ई. में किया।
(iv) ई. स्टेकलबर्ग-स्टेकलबर्ग ने अपना माडल 1934 ई. में दिया।

31. भारत में 2001 में राज्यानुसार साक्षरता दर के संदर्भ में निम्नलिखित राज्यों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) केरल (ii) मिजोरम
(iii) लक्ष्यद्वीप (iv) गोवा

कूट :

(a) (iv) (iii) (i) (ii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (i) (iv) (iii)
(d) (iii) (iv) (ii) (i)

Ans. (b) :	**2001**	**2011**
	(i) केरल	(1) केरल-94%
	(ii) मिजोरम	(2) मिजोरम- 91.3%
	(iii) लक्ष्यद्वीप	(3) गोवा-88.7%
	(iv) गोवा	(4) त्रिपुरा-87.2%

32. उपभोक्ता-व्यवहार के सिद्धान्त के किस के संदर्भ में, सबसे पहले वाले से प्रारम्भ कर निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित करें।

(i) मांग सिद्धान्त का संशोधन
(ii) उद्घाटित वरीयता का सिद्धान्त
(iii) तटस्थ वक्र विश्लेषण
(iv) उपभोक्ता-व्यवहार का मार्शल द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त

कूट :

(a) (iii) (iv) (i) (ii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (i) (iv) (iii)
(d) (iv) (iii) (ii) (i)

Ans. (d) : (i) उपभोक्ता-व्यवहार का मार्शल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत- अपनी पुस्तक 'Principles of Eonomics, 1890 में दिया।
(ii) तटस्थ वक्र विश्लेषण-J. R. Hicks and R.G.D. Allen, 1939
(iii) उद्घाटित वरीयता का सिद्धांत- सेम्युएलसन ने 1950 में दिया।
(iv) मांग सिद्धांत का संशोधन

33. पहले वाले से प्रारम्भ कर, निम्नलिखित योजनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें।

(i) प्रधानमंत्री रोजगार योजना
(ii) ग्रामीण रोजगारोत्पादक कार्यक्रम
(iii) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना
(iv) राष्ट्रीय भोजन एवं कार्य योजना

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (ii) (iii) (i)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (i) (iii) (ii) (iv)

Ans. (a) : (1) प्रधानमंत्री रोजगार योजना- 2, Octo, 1993
(2) ग्रामीण रोजगारोत्पादक कार्यक्रम- 1 April, 1995s
(3) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना- Sep. 2001में
(4) राष्ट्रीय भोजन एवं कार्ययोजना- 2008-09*

34. मेल बैठाइए:

(A) जे. आर. हिक्स	(i) विभेदक किराया
(B) कार्ल मार्क्स	(ii) उपभोक्ता आधिक्य के चार माप
(C) फ्रांसिस क्वेस्ने	(iii) उत्पादन की रीति
(D) डेविड रिकार्डो	(iv) टैब्ल्यू एकोनॉमिक
	(v) ट्रांस्फर अर्निंग्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(d)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans. (b) :
(a) जे. आर. हिक्स- (ii) उपभोक्ता आधिक्य के चार माप।
(b) कार्ल मार्क्स- (iii) उत्पादन की रीति।
(c) फ्रांसिस क्वेस्मे- (iv) टैब्ल्यू एकोनॉमिक।
(d) डेविड रिकार्डो- (i) विभेदक किराया।

35. मेल बैठाइए:

(A)	एडम स्मिथ	(i)	वास्तविक संतुलन प्रभाव
(B)	हेक्सर ओहलिन	(ii)	उपभोक्ता आधिक्य
(C)	ई. वान स्टेकेलबर्ग	(iii)	श्रम का विभाजन
(D)	डी. पटिंकिन	(iv)	व्यापार का फैक्टर एन्डोमेण्ट सिद्धान्त
		(v)	Iso-लाभ वक्र

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

Ans. (d) : (a) एडम स्मिथ (iii) श्रम का विभाजन।
(b) हेक्सर ओहलिन (iv) व्यापार का फैक्टर एण्डोमेण्ट सिद्धांत।
(c) ई. वान स्टेकेलबर्ग (v) Iso लाभ वक्र।
(d) डी. पटिंकिन. (i) वास्तविक संतुलन प्रभाव

36. मेल बैठाइए:

(A)	विक्रय लागत	(i)	जे. आर. हिक्स
(B)	किंकी मांग वक्र	(ii)	पूर्ण प्रतिस्पर्धा
(C)	स्थानापन्न प्रभाव	(iii)	ई. चैम्बरलिन
(D)	पूर्ण ज्ञान	(iv)	अल्पाधिकार
		(v)	चरम लाभ

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(v)

Ans. (c) : (a) विक्रय लागत (iii) ई. चैम्बरलिन।
(b) किंकी मांग वक्र (iv) अल्पाधिकार।
(c) स्थानापन्न प्रभाव (i) जे. आर. हिक्स।
(d) पूर्ण ज्ञान (ii) पूर्ण प्रतिस्पर्धा।

37. मेल बैठाइए:

(A)	रोजगार, ब्याज तथा मुद्रा का सामान्य सिद्धान्त	(i)	पी. सैम्युल्सन
(B)	आधिक्य मूल्य	(ii)	जे.एम. किन्स
(C)	उद्घाटित वरीयता सिद्धान्त	(iii)	वालरस
(D)	सामान्य समतुल्यता	(iv)	हार्सेन
		(v)	कार्ल मार्क्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

Ans. (b) : (a) रोजगार ब्याज तथा मुद्रा का सामान्य सिद्धांत- (ii) जे. एम. कीन्स।
(b) आधिक्य मूल्य- (v) कार्ल मार्क्स।
(c) उद्घाटित वरीयता सिद्धांत- (i) पी. सैम्युल्सन।
(d) सामान्य समतुल्यता- (iii) वालरस।

38. मेल बैठाइए:

(A)	उल्टा U आकारी वक्र	(i)	जोन रॉबिन्सन
(B)	चाकू धार समस्या	(ii)	आर.जी.डी. एलेन
(C)	स्वर्णिम युग	(iii)	हैरोड डोमर
(D)	सशक्त व्यवस्थापन	(iv)	एस. कुजनेट्स
		(v)	पी. सैम्युल्सन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (c) : (a) उल्टा U- आकारी वक्र- (iv) साइमन कुजनेट्स।
(b) धुरी की धार समस्या- (iii) हैरोडे-डोमर।
(c) स्वर्णिम युग- (i) जॉन रॉबिन्सन।
(d) सशक्त व्यवस्थापन- (v) पी. सैम्युल्सन।

39. मेल बैठाइए:

(A)	सार्वजनिक सामग्री	(i)	जे.ए. शुंपीटर
(B)	नवप्रवर्तन	(ii)	डब्ल्यू. लियोंटिफ
(C)	लाभ की अनिश्चितता का सिद्धान्त	(iii)	डब्ल्यू,डब्ल्यू रोस्टो
(D)	आगत-निर्गत विश्लेषण	(iv)	एफ. नाइट
		(v)	मस्ग्रेव

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

Ans. (b) : (a) सार्वजनिक सामग्री- (v) मस्ग्रेव।
(b) नवप्रवर्तन- (i) जे. ए. शुम्पीटर।
(c) लाभ की अनिश्चितता का सिद्धांत- (iv) एफ. नाइट।
(d) आगत-निर्गत विश्लेषण- (ii) डब्ल्यू. लियोंटिफ।

40. मेल बैठाइए:

(A)	रोमर, पॉल एम.	(i)	करने के द्वारा छोड़ना
(B)	लुकास, रॉबर्ट ई जुनियर	(ii)	शोध एवं विकास
(C)	ऐरो, केनेथ जे.	(iii)	मानव पूंजी
(D)	सोला, रॉबर्ट एम.	(iv)	नवप्रवर्तन
		(v)	बहिर्जात तकनीकी प्रगति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(i)	(v)	(iv)	(ii)

Ans. (b) : (a) रोमर, पॉल एम.- (iii) मानव पूंजी।
(b) लुकास, राबर्ट ई. जूनियर- (iv) नवप्रवर्तन।
(c) ऐरो, केनेथ जे.- (ii) शोध एवं विकास।
(d) सोलो, राबर्ट एम.- (i) करने के द्वारा छोड़ना।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. मेल बैठाइए :

(A) विदेशी व्यापार नीति	(i) न्यूनतम समर्थन मूल्य
(B) औद्योगिक नीति	(ii) संतुलित बजट
(C) कृषीय नीति	(iii) सीमांत उपयोगिता
(D) वित्तीय नीति	(iv) एफ. ई. एम. ए.
	(v) एक्जिम नीति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(v)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(v)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (b) : (a) विदेश व्यापार नीति- एक्जिम नीति (Exim Policy)
(b) औद्योगिक नीति- एफ. ई. एम. ए. (FEMA)
(c) कृषीय नीति- न्यूनतम समर्थन मूल्य
(d) वित्तीय नीति- संतुलित बजट

42. मेल बैठाइए:

(A) कूर्नोट का डुओपोली मॉडल	(i) प्राक्कल्पित क्षतिपूर्ति
(B) पेरेटो इष्टमता मत	(ii) सीमित कीमत रखना
(C) नव्य कल्याण मत	(iii) सीमित अनुप्रयुक्ति
(D) बेन का मॉडल	(iv) उप इष्टतम समाधान
	(v) असीमित अनुप्रयुक्ति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(v)	(iv)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(iv)
(d)	(ii)	(v)	(iii)	(i)

Ans. (b) :
(a) कूर्नाट का डुओपोली मॉडल- (iv) उप इष्टतम समाधान।
(b) परेटो इष्टमता- (iii) सीमित अनुप्रयुक्ति।
(c) नव्य कल्याण मत- (i) प्राक्कल्पित क्षतिपूर्ति।
(d) बेन का मॉडल- (ii) सीमित कीमत रखना।

ध्यान दें: इस प्रश्नपत्र के शेष प्रश्न कथन और कारण प्रकार के हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न के लिए नीचे दिये विकल्पों में से सही कूट चुनिए

कोड :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

43. कथन (A) : एक अधोगामी रेखीय मांग वक्र पर कीमत की लोच एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु पर बदलती रहती है।
कारण (R) : लोच मांग वक्र के ढलाव पर निर्भर नहीं करती।

Ans. (b) : एक अधोगामी रेखीय मांग वक्र पर कीमत की लोच एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु पर बदलती रहती है। कीमत की लोच मांग वक्र के ढलाव पर ही निर्भर नहीं करती। अतः (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

44. कथन (A) : स्तरित संयोगजन्य प्रतिचयन का उपयोग सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों में बहुधा किया जाता है।
कारण (R) : सामाजिक स्तरीकरण एक सामाजिक वास्तविकता है।

Ans. (a) : स्तरित संयोगजन्य प्रतिचयन का उपयोग सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों में बहुधा किया जाता है। क्योंकि सामाजिक स्तरीकरण एक सामाजिक वास्तविकता है।
स्तरित प्रतिचयन (Straitified Sampling) में आकड़ो या संख्या को कई स्तर में बाटतें है और उसमें से Randomly चयन किया जाता है। इसमें प्रायिकता का गुण पाया जाता है।
अतः कथन और कारण दोनों सही है और सही व्याख्यो कर रहा है।

45. कथन (A) : स्थायी विनिमय दर प्रणाली तथा स्थिर आंतरिक कीमत और ब्याज दर वाली खुली अर्थव्यवस्था में होता है:
(i) S = I_d = रुपये 100 तथा X=M= रुपये 300 at Y_E= रुपये 1000, I_d तथा X स्वायत है तथा
(ii) एम.पी.एस. = एम.पी.एम. = 0.25 यदि X स्थायी रूप में रुपये 100 बढ़ जाता है तो आय रुपया 200 बढ़ जायेगी।
कारण (R) : गुणक है $\frac{1}{2 \text{ एम.पी.एस.}} = \frac{1}{2 \text{ एम.पी.एम.}}$

Ans. (a) : कथन और कारण दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A) की व्याख्या कर रहा है।

46. कथन (A) : हाल के भारतीय अनुभव के अनुसार रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की दर में गिरावट का संबंध आर्थिक वृद्धि की दर में गिरावट से हैं।
कारण (R) : ओकन का नियम कार्य कर रहा है।

Ans. (a) : ओकन का नियम कहता है कि जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जाता है, रोजगार के अवसर में वृद्धि होती है तथा जैसे-जैसे आर्थिक वृद्धि की दर में गिरावट होने लगती है, रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की दर में गिरावट आने लगती है।
अतः कथन और कारण दोनों सही है कारण, कथन की व्याख्या कर रहा है।

47. कथन (A) : जब आई.एस. वक्र उर्ध्व नहीं है, तो मौद्रिक नीति सकल मांग के स्तर को नहीं बदल सकती।
कारण (R) : अपनी सफलता के लिए मौद्रिक नीति किसी हित या रुचि-सोच विचार व्यय पर निर्भर है।

Ans. (d) : IS- वक्र जितना अधिक लोचदार होगा, मौद्रिक नीति उतनी ही प्रभावी होगी और विलोमतः भी। जब सरकार विस्तारवादी मौद्रिक नीति अपनाती है तो आय में वृद्धि तथा ब्याज दर में कमी करती है तथा जब संकुचनकारी मौद्रिक नीति अपनाती है तो ब्याज दर में वृद्धि एवं आय में कमी करती है। अतः कथन गलत है, परन्तु कारण सही है।

48. कथन (A) : कालडोर के अनुसार स्थिर अवस्था वाला संतुलन सदा बना रहेगा।
कारण (R) : मजदूरी-कीमत नमनीयता यह सुनिश्चित करेगी कि वितरण में परिवर्तन के माध्यम से पूर्व-निर्धारित निवेश के साथ बचत निष्क्रिय अनुक्रिया करती है।

Ans. (a) : कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है एवं कारण, कथन की व्याख्या कर रहा है।

49. कथन (A) : एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या में कोई-ना-कोई 'कोण-बिन्दु' इष्टतम समाधान से संबंधित होगा।
कारण (R) : इष्टतम समाधान एक आख्यांतर समाधान नहीं हो सकता।

Ans. (a) : कथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही तथा R, A की व्याख्या कर रहा है।

50. कथन (A) : कॉब डग्लस उत्पादन क्रिया
$Y_t = A_t K_t^{\alpha} L_t^{1-\alpha}$ हिक्स तथा हैरोड दोनों की निष्पक्षता को स्वीकार करती है।
कारण (R) : यह एक डिग्री के समघात है।

Ans. (a) : कथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही तथा कारण (R), कथन (A) की व्याख्या कर रहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2007
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित का मिलान करें:

(A)	सम-लाभ वक्र	(i)	एडम स्मिथ
(B)	विक्रय अधिकतम सिद्धान्त	(ii)	ई.वी. स्टैकेलबर्ग
(C)	विक्रय लागतें	(iii)	डब्ल्यू. बॉमोल
(D)	कुल लाभ का सिद्धान्त	(iv)	एडवर्ड चैम्बरलिन

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें :

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

Ans. (a) :
(a) सम लाभ वक्र - ई. बी. स्टेकेलबर्ग
(b) विक्रय अधिकतम सिद्धांत - डब्ल्यू बॉमोल
(c) विक्रय लागते - एडवर्ड चैम्बरलिन
(d) कुल लाभ का सिद्धांत - एडम स्मिथ

2. कथन (A) : यदि मांग में वृद्धि बहुत अधिक है तथा यह दीर्घकाल तक बना रहता है तो अल्पाधिकारियों का मांग वक्र विपर्यस्त (उल्टा) होगा।

कारण (R) : घाटा के प्रति प्रतिस्पर्धी कम चिंतित होंगे तथा अपनी क्षमता के आस-पास ही अपने व्यापार का संचालन करेंगे।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चनें :

कूटः

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (c) : अल्पाधिकार में कीमत स्थिरता के संबंध में सबसे लोकप्रिय व्याख्या विकुंचित (kinked) मांग वक्र सिद्धांत की है, जिसका प्रतिपादन Paul M. Sweezy ने की। इस सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है, उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। विकुंचन वर्तमान कीमत स्तर पर इसलिए होता है क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत से ऊपर है अत्यंत लोचदार होता है और वर्तमान कीमत से मांग वक्र का नीचे का भाग बेलोचदार।

3. प्रकटित वरीयता सिद्धान्त का उपयोग किया जा सकता है:

(a) एक तटस्थता वक्र की उन्नतोदरता करने के लिए।

(b) कीमत-प्रभाव को अलग करने के लिए

(c) मांग के नियम के मूलभूत साध्य (प्रस्ताव) को सिद्ध करने के लिए

(d) इनमें से सभी के लिए

Ans. (c) : प्रो. सेम्युलसन ने अपनी उद्घाटित अधिमान परिकल्पना की सहायता से मार्शल के मांग के नियम का व्युत्पादन किया। सेम्युलसन मांग के नियम को जिसको उसने उपभोग सिद्धांत का आधारभूत नियम कहा। यह सिद्धांत Market में उपभोक्ता के अवलोकित (Observed) व्यवहार के आधार पर दो वस्तुओं के एक संयोग के लिए उपभोक्ता के अधिमान का विश्लेषण करता है।

4. पूर्ण स्थानापन्नों के होने पर तटस्थता वक्र_____है।

(a) समकोणीय (b) रेखीय उर्ध्वगामी चढ़ाव

(c) रेखीय अधोगामी ढलान (d) मूलबिन्दु से नतोदर

Ans. (a) : जब वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न हो तो इस संबंध में खींचा गया अनधिमान वक्र सीधी रेखा के रूप में होगा। जैसा कि चित्र से स्पष्ट है-

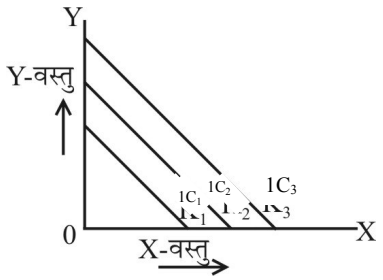

Page – 51, S.N. Lal, व्यष्टि अर्थशास्त्र

5. एक रिजलाइन ऐसे बिन्दुओंका बिन्दुपथ है जहाँ फैक्टर इंपुट की उपांतीय उत्पादकता इस प्रकार होती है :

(a) शून्य के बराबर (b) शून्य से अधिक

(c) ऋणात्मक (d) एक के बराबर

Ans. (a) : उत्पादन की एक प्राविधिक सीमा होती है जिसके बाहर प्रतिस्थापन नहीं किया जा सकता है, उत्पादन की इस प्राविधिक सीमा को प्रदर्शित करने वाली रेखाओं को रिज रेखायें (Ridge Line) कहते हैं। इन सीमाओं के भीतर ही साधनों का प्रतिस्थापन हो सकता है, बाहर नहीं। अर्थात् रिज लाइन विभिन्न बिंदुओं का वह बिंदुपथ होता है, जिस पर संपूर्ण साधनों की सीमांत उत्पादकता शून्य होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

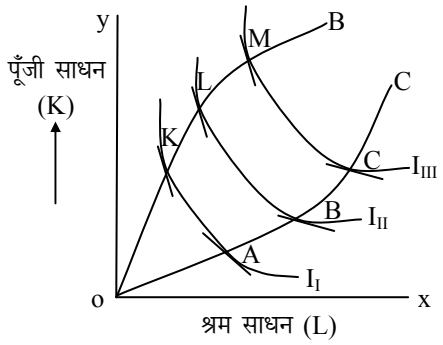

चित्र में बिंदु A,B,C, पर श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य है तथा बिंदु K,L,M पर पूंजी की सीमांत उत्पादकता शून्य है। OB तथा OC रिज रेखायें हैं।

6. निम्नलिखित में से कौन पैरेटो द्वारा प्रतिपादित ईष्टतमता की पूर्वधारणा नहीं है?

(a) पूर्ण प्रतिस्पर्धा का विद्यमान होना
(b) बहिर्मुखता का अभाव
(c) उपयोगिता की संख्यासूचक प्रकृति
(d) उपयोगिता क्रमसूचक है

Ans. (c) : प्रसिद्ध कल्याणकारी अर्थशास्त्री परेटो ने सामाजिक कल्याण के संदर्भ में जो सिद्धांत प्रस्तुत किये हैं उसे परेटो अनुकूलतम कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो, उसे परेटो अनुकूलतम कहते हैं।
परेटो ने अपने सिद्धांत की व्याख्या के लिए-
1. वस्तु तथा साधन बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पायी जाती है।
2. उपयोगिता की क्रमवाचक माप संभव है।
3. प्रत्येक उपभोक्ता अपनी उपयोगिता को अधिकतम करना चाहता है।
4. वस्तुएं तथा साधन पूर्णतया विभाज्य है, आदि मान्यतायें लेते हैं।
अतः परेटो ने अपने सिद्धांत की व्याख्या में उपयोगिता की संख्यात्मक माप का प्रयोग नहीं किया है, बल्कि व्याख्या में क्रमवाचक विधि का प्रयोग किया है।

7. जब ऋणात्मक आय प्रभाव स्थानापन्न प्रभाव से भारी हो तो सम्बन्धित वस्तु है:

(a) गिफिन वस्तु (b) निम्नकोटि की वस्तु
(c) सामान्य वस्तु (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : जब ऋणात्मक आय प्रभाव स्थानापन्न प्रभाव से ज्यादा हो तो वस्तु गिफिन होगी अर्थात् गिफिन वस्तुओं के संबंध में आय प्रभाव धनात्मक तथा प्रतिस्थापन प्रभाव ऋणात्मक होगा।

8. मुद्रास्फीति को नान-एक्सेलरेटिंग इंफ्लेशन रेट ऑफ अनइंफ्लायमेंट (NAIRU) के नीचे बलात् ले जाने के प्रयास से ऐसी स्थिति होगी :

(a) रोजगार या उत्पादन में बिना किसी परिवर्तन के मुद्रास्फीति का त्वरण
(b) रोजगार तथा उत्पादन के बढ़ने के साथ मुद्रास्फीति का अवत्वरण
(c) रोजगार तथा उत्पादन का यथावत् हुए मुद्रास्फीति का अवत्वरण
(d) रोजगार तथा उत्पादन के साथ मुद्रास्फीति का अपरिवर्तित रहना

Ans. (a) : NAIRU का प्रतिपादन फ्रीडमैन ने किया। मुद्रा स्फीति को Non-Accelerating Inflation Rate of Unemployment (NAIRU) के नीचे बलात् ले जाने से रोजगार या उत्पादन में बिना किसी परिवर्तन के मुद्रा स्फीति के त्वरण की स्थिति होगी। **Page – 506, S.N. Lal, व्यष्टि अर्थशास्त्र**

9. मुद्रा-मांग के वर्गमूल परिसूत्र का विकास इनमें से किसके द्वारा किया गया?

(i) मिल्टन फ्रीडमैन (ii) जेम्स रॉबिन
(iii) ए.सी. पीगू (iv) विलियम बॉमोल
नीचे दिए गए कोड से उपरोक्त नामों में से सही उत्तर चुनें :
कोड :
(a) (i) तथा (ii) सही हैं (b) (i) तथा (iii) सही हैं
(c) (ii) तथा (iv) सही हैं (d) (ii) तथा (iii) सही हैं

Ans. (c) : मुद्रा मांग के वर्गमूल परिसूत्र का विकास जेम्स टॉबिन तथा बॉमोल द्वारा किया गया।

10. रोजगार के शास्त्रीय मॉडेल में उत्पादन तथा रोजगार को प्रभावित नहीं करने वाले कुछ कारकों पर विचार करें:

(i) मुद्र का परिणाम
(ii) सरकारी व्यय का स्तर
(iii) उत्पादन फलन ऊर्ध्वगामी बदलाव
(iv) निवेश वस्तुओं के लिए मांग का स्तर
इनमें से :
कोड :
(a) (i), (ii) तथा (iv) सही हैं
(b) (i), (ii) तथा (iii) सही हैं
(c) (i), (iii) तथा (iv) सही हैं
(d) (ii), (iii) तथा (iv) सही हैं

Ans. (a) : मुद्रा का परिमाण, सरकारी व्यय का स्तर तथा निवेश वस्तुओं के लिए मांग का स्तर इत्यादि रोजगार का शास्त्रीय मॉडल में उत्पादन तथा रोजगार को प्रभावित नहीं करने वाले कुछ कारक हैं।

11. उपभोग के सरल जीवन चक्र मॉडेल से सम्बन्धी कुछ विशेषताओं पर विचार करें:

(i) उपभोग व्यय जीवन काल की आय द्वारा वित्त पोषित होता है।
(ii) वर्तमान उपभोग व्यय जीवन काल की आय तथा वर्तमान धन पर आधारित होता है।
(iii) प्रति वर्ष उपभोग व्यक्ति की आयु प्रत्याशा पर निर्भर होता है।
(iv) किसी व्यक्ति का वर्तमान उपभोग उसकी वर्तमान आमदनी पर निर्भर होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

इनमें से :

कोड :

(a) (i) तथा (ii) सही हैं (b) (ii) तथा (iii) सही हैं
(c) (i) तथा (iii) सही हैं (d) (iii) तथा (iv) सही है

Ans. (a) : जीवन चक्र परिकल्पना का प्रतिपादन अल्बर्ट एण्डो तथा मॉद ग्लियानी ने किया। फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना की ही तरह जीवन चक्र की परिकल्पना यह प्रतिपादित करती है कि किसी दी हुई अवधि में किसी व्यक्ति का उपभोग उसकी उस अवधि की आय पर बहुत सीमा तक निर्भर नहीं करता बल्कि उसकी आय या संपत्ति के वर्तमान मूल्य पर निर्भर करता है। जीवन चक्र परिकल्पना के अनुसार आय-संबंध को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है।

$C_f = KV_f$

किसी व्यक्ति के संपूर्ण जीवन अवधि में उपलब्ध साधन, पूर्व अवधि के अंत में व्यक्ति की निबल संपत्ति तथा भविष्य में प्राप्य प्रत्याशित गैर संपत्ति स्त्रोतों से प्राप्त आय के वर्तमान मूल्य के कुल योग के बराबर होगा।

Page – 273, S.N. Lal, समष्टि अर्थशास्त्र

12. उपभोग फलन की कुछ परिकल्पनाओं पर विचार करें:

(i) स्थायी आय प्राक्कल्पना
(ii) सापेक्षिक आय प्राक्कल्पना
(iii) जीवन-चक्र प्राक्कल्पना
(iv) पूर्ण-आय प्राक्कल्पना

इन्हें इनके उद्भव के कालानुक्रम के अनुसार व्यवस्थित करते हुए निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनें:

कोड :

(a) (i), (iii), (iv) तथा (ii)
(b) (iv), (i), (iii) तथा (ii)
(c) (iv), (ii), (iii) तथा (i)
(d) (iii), (i), (iv) तथा (ii)

Ans. (c) : 1. पूर्ण-आय प्राक्कल्पना (निरपेक्ष आय परिकल्पना)- 1936 ई.
2. सापेक्षिक आय परिकल्पना- 1949 ई.।
3. जीवन चक्र प्राक्कल्पना- 1963 ई.।
4. स्थायी आय परिकल्पना- 1975 ई.।

13. केन्स के अनुसार ब्याज का भुगतान इनके लिए किया जाता है:

(a) तरलता का त्याग
(b) लेन-देन के उद्देश्य से मुद्रा रखना
(c) परिसम्पत्ति के रूप में मुद्रा रखना
(d) अनिश्चितता पर काबू पाने के लिए मुद्रा रखना

Ans. (a) : कीन्स ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'General Theory of Employment, interest and Money, 1936 में ब्याज दर के निर्धारण का एक नया सिद्धांत प्रतिपादित किया, जिसे उन्होंने 'तरलता अधिमान सिद्धांत कहा। कीन्स के अनुसार, ''किसी निश्चित अवधि के लिए तरलता के त्याग का पुरस्कार ही ब्याज है।''

14. राष्ट्रीय लेखा में व्यय-योग्य आय की गणना इस रूप में किया जाता है:

(a) जी.डी.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर – अवितरित लाभ
(b) जी.एन.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ
(c) जी.डी.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ
(d) जी.एन.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ

Ans. (a) : राष्ट्रीय लेखा में व्यय-योग्य आय की गणना निम्न प्रकार की जाती है-
व्यय योग्य आय- जी.डी.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर – अवितरित लाभ।

15. आर्थिक विकास से संबंधित कुछ कारकों पर विचार करें:

(i) बृहत्तर आदानों के लिए बृहत्तर निवेश
(ii) तकनीकी तथा सांस्थानिक परिवर्तन जिसके द्वारा उपादान उत्पादित होता है
(iii) बृहत्तर उपादान के उत्पादन का कार्यक्षमता तथा दक्षता का स्तर
(iv) उपादान का विविधीकरण

आर्थिक विकास में से निम्नलिखित शामिल हैं:

(a) (i), (iii) तथा (iv)
(b) केवल (i) तथा (iii)
(c) (i), (ii) तथा (iii)
(d) (i), (ii), (iii) तथा (iv)

Ans. (d) : आर्थिक विकास में वृहत्तर आदानों के लिए वृहत्तर निवेश, तकनीकी तथा सांस्थानिक परिवर्तन जिसके द्वारा उपादान उत्पादित होता है, वृहत्तर उपादान के उत्पादन का कार्यक्षमता तथा दक्षता का स्तर, उपादान का विविधीकरण इत्यादि कारक आर्थिक विकास से संबंधित है।

16. 'गरीबी का दुष्चक्र' की प्राक्कल्पना इनके बीच अन्तरसंबंध को इंगित करता है।

(a) उत्पादकता तथा आय
(b) आय तथा जनसंख्या
(c) मुद्रास्फीति तथा उच्च उपभोग
(d) श्रम आधिक्य प्रच्छन्न बेरोजगारी

Ans. (a) : 'गरीबी का दुष्चक्र' की परिकल्पना का प्रतिपादन रेगनर नर्क्स ने किया। गरीबी के दुष्चक्र से अभिप्राय आर्थिक शक्तियों का इस प्रकार से घूमना है कि वे परस्पर क्रिया-प्रतिक्रिया करती हुई निर्धन देश को सदैव निर्धनता की अवस्था में बनाये रखे। इस प्रकार 'गरीबी का दुष्चक्र' की प्राक्कल्पना आय तथा उत्पादकता के बीच अंतरसंबंध को इंगित करती है नर्क्स के अनुसार- ''एक देश गरीब है, क्योंकि वह गरीब है।''

17. फीजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स का परिकलन इनके द्वारा किया गया :

(a) महबूबुल हक (b) मीयर जी. एम.
(c) मौरिस डी. (d) इनमें से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : जीवन की भौतिक गुणवत्ता निर्देशांक (PQLI) को मौलिक रूप से सोचने का श्रेय जॉन टिनवर्जन (1976) को जाता है पर इसे मॉरिश डी मारिश के नाम से जाना जाता है जिन्होंने जीवन प्रत्याशा, बाल मृत्युदर तथा साक्षरता तीनों को मिला कर PQLI का निर्माण किया।

18. एक बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन में निम्नलिखित में से कौन अप्रासंगिक है?

(a) सांकेतिक नियोजन
(b) आधारभूत संरचना का विकास
(c) किसी सरकार द्वारा आर्थिक नीति
(d) विनिमय तथा नियंत्रण

Ans. (c) : एक बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन में किसी सरकार द्वारा आर्थिक नीति का निर्माण अप्रासंगिक होता है क्योंकि बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था बाजार द्वारा निर्धारित आर्थिक शक्तियों द्वारा संचालित होती है, जिसमें सरकार की भूमिका लगभग न के बराबर होती है।

19. असंतुलित विकास के सिद्धान्त में हर्षमैन द्वारा निम्नलिखित में से किस एक पहलू पर बल नहीं दिया गया है।

(a) पश्चवर्ती तथा अग्रवर्ती संयोजन
(b) प्रत्यक्ष उत्पादकीय गतिविधियाँ
(c) सामाजिक उपरि व्यय
(d) विभिन्न क्षेत्रों में साम्यावस्था

Ans. (d) : असंतुलित विकास के प्रवर्तक हषमैन का कथन है कि- "विकास की प्रारंभिक अवस्था में निवेश ऐसे क्षेत्रों में केंद्रित किये जाने चाहिए जो आगे चलकर विकास की दर को बढ़ाने वाले हों। चूंकि आर्थिक विकास असंतुलनों की एक श्रृंखला के द्वारा होता है। अतः एक पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार अर्थव्यवस्था का जानबूझकर असंतुलित विकास किया जाना आर्थिक विकास का सबसे अच्छा तरीका है। असंतुलित विकास के लिए हर्षमैन ने दो मार्ग बताये–
1. सामाजिक उपरिव्यय पूंजी (SOC)
2. प्रत्यक्ष उत्पादक क्रियाओं (DPA) में विनियोग किया जाए।
अतः हर्षमैन ने अपने सिद्धांत में विभिन्न क्षेत्रों के मध्य साम्यावस्था की बात नहीं की।

20. निम्नलिखित में से कौन सा राजकोषीय नीति का उद्देश्य नहीं है?

(a) परिनियमित तरलता अनुपात निर्धारित करना
(b) उपभोग-बचत अनुपात को प्रभावित करना
(c) मुद्रास्फीति तथा मंदी को रोकना
(d) आय तथा धन के वितरण में विसंगतता को कम करना

Ans. (a): विकासशील देशों में राजकोषीय नीति के निम्न उद्देश्य हैं-
1. पूर्ण रोजगार प्राप्त करना।
2. आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देना।
3. बचत, विनियोग तथा पूंजी निर्माण की दरों को बढ़ाना।
4. मूल्य - स्थायित्व।
5. आर्थिक असमान को दूर करना।
अतः परिनियमित तरलता अनुपात निर्धारित करना मौद्रिक नीति का उद्देश्य है, राजकोषीय नीति का नहीं।

21. निम्नलिखित में से कौन सा भूमण्डलीकरण का माप नहीं है?

(a) सीमा शुल्क के शीर्ष-दर को कम करना
(b) किसी देश में विदेशी सांस्थानिक निवेशों के अर्न्तप्रवाह का आकार
(c) सार्वजनिक क्षेत्र के इक्विटी का विनिवेश
(d) बृहत्तर विदेशी सहायता

Ans. (c) : भूमंडलीकरण के अंतर्गत सीमा शुल्क के शीर्ष दर को कम करना, किसी देश में विदेशी संस्थानिक निवेशों के अंतर्प्रवाह का आकार, वृहत्तर विदेशी सहायता आदि आते हैं जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के इक्विटी का विनिवेश (Disinvestment) किसी देश के औद्योगिक नीति से संबंधित है।

22. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) उत्पादन फलन में अविभाज्यता– बिग पुश सिद्धान्त
(b) क्रांतिक न्यूनतक प्रयास – आर.आर. नेलसन
(c) वर्तुल कार्यकारण – जी. मिर्डल
(d) दीर्घकालिक असाम्यावस्था – हैरोड मॉडेल

Ans. (b) : उत्पादन फलन में अविभाज्यता—बिग पुश सिद्धांत, वर्तुल कार्यकरण—जी. मिर्डाल, दीर्घकालीन असाम्यवस्था—हैरोड मॉडल इत्यादि सही सुमेलित हैं, जबकि क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धांत आर. नेल्सन ने नहीं बल्कि प्रो. हार्वे लीविंस्टीन ने दिया।
आर. नेल्सन ने निम्न संतुलन पाश सिद्धांत दिया।

23. यदि मांग का लोच (निम्न में से कोई) है, तो वस्तु कर का बोझ पूर्णरूपेण उपभोक्ताओं पर पड़ेगा :

(a) 1 के बराबर
(b) एक से कम किंतु शून्य से अधिक
(c) शून्य के बराबर
(d) 1 से अधिक

Ans. (c) : यदि मांग की लोच शून्य के बराबर है तो वस्तु कर का बोझ पूर्णरूपेण उपभोक्ताओं (क्रेताओं) पर पड़ेगा।

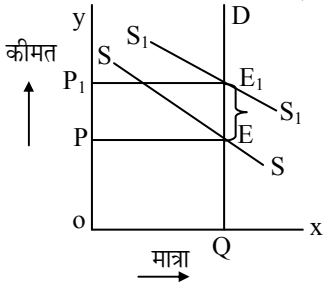

24. निम्नलिखित में से कौन पूंजी बजट में शामिल नहीं है?

(a) परिसम्पत्ति निर्माण पर व्यय
(b) ब्याज भुगतान
(c) सार्वजनिक कर्ज से प्राप्त राशि
(d) सरकार द्वारा लघु बचत से संग्रह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : ब्याज का भुगतान गैर-योजनागत राजस्व व्यय (Revenue - Non- Plan Expenditure) के अंतर्गत आता है। इसके अतिरिक्त शेष परिसंपत्ति निर्माण पर व्यय, सार्वजनिक ऋण से प्राप्त राशि, सरकार द्वारा लघु बचत से संग्रह धन इत्यादि पूंजीगत बजट के अंतर्गत आता है।

25. संतुलित बजट गुणक का संख्यात्मक मान है :

(a) 1
(b) 1 से कम पर शून्य से अधिक
(c) 1 से अधिक
(d) शून्य

Ans. (a) : संतुलित बजट गुणक का संख्यात्मक मान एक है (1) है। इसे सूत्र के रूप में निम्न प्रकार लिख सकते हैं-

$$\Delta y = \frac{1}{1-c}\Delta G - \frac{c}{1-c}\Delta T$$

जहाँ y = आय, c = MPC, G सरकारी व्यय, T = कर, Δ = परिवर्तन

26. 'कार्यशील वित्त' लोक वित्त की किस शाखा से संबंधित है?

(a) आवंटन
(b) वितरण
(c) स्थिरीकरण
(d) उपर्युक्त सभी से

Ans. (a) : कीन्स तथा लर्नर द्वारा प्रतिपादित कार्यात्मक वित्त (Functional Finance) के स्थान पर प्रो. बलजीत सिंह ने कार्यशील वित्त (Activating Finance) का दृष्टि कोण प्रस्तुत किया। उनके अनुसार- कीन्स तथा लर्नर के कार्यात्मक वित्त का विचार केवल विकसित देशों के लिए ही उपयुक्त है जबकि भारत जैसे विकासशील देशों के लिए स्फूर्तिदायक वित्त वाली राजकोषीय नीति उपयोगी सिद्ध हो सकेगी।

27. यदि करों को 'भुगतान करने की क्षमता' के अनुसार निर्धारित किया जाय तो यह होगा:

(a) समानुपातिक कर
(b) प्रगतिशील कर
(c) प्रतिगामी कर
(d) सभी व्यक्ति पर कर की समान मात्रा

Ans. (b) : यदि करों को 'भुगतान करने की क्षमता' के अनुसार निर्धारित किया जाए तो यह प्रगतिशील कर होगा। प्रगतिशील कर प्रणाली के अंतर्गत आय बढ़ने के साथ-साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। अर्थात् इसका गरीबों पर भार कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है।

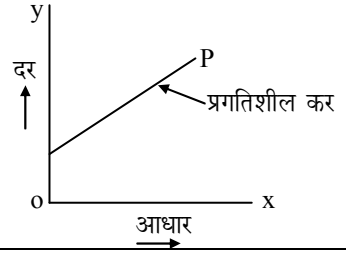

28. कर भार के आवटंन के लाभ सिद्धान्त इनमें से किसके द्वारा किया गया है:

(a) डाल्टन (b) पिगू
(c) सेलिगमैन (d) लिंढल

Ans. (d) : कर भार के आवंटन का लाभ सिद्धांत लिंडल द्वारा अपने सिद्धांत 'स्वैच्छिक विनिमय धारणा' (Voluntary Exchange Approach) के अंतर्गत दिया। लाभ का सिद्धांत की विशेषता यह है कि सरकार तथा करदाताओं के बीच का संबंध विनिमय पर आधारित हो जाता है। अर्थात् प्रत्येक करदाता सार्वजनिक व्यय के सिलसिले में कर का भुगतान इस व्यय से प्राप्त लाभ के आधार पर करता है।

29. इनमें से कौन 'मेरिट गुड' नहीं है?

(a) डाक सेवाएँ (b) दूरसंचार सेवाएँ
(c) कृषि उत्पाद (d) रेलवेज

Ans. (c) : कृषि उत्पाद 'मेरिट वस्तु' नहीं है। शेष अन्य डाक सेवाएँ, दूर संचार सेवाएँ, रेलवे इत्यादि मेरिट वस्तुएं हो सकते हैं।

30. 2006-07 के केन्द्रीय बजट के कुछ प्रावधानों पर विचार करें:

(i) वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर से छूट की सीमा को 1.50 लाख तक कर दिया गया।
(ii) सेवा कर की दर को 12 प्रतिशत कर दिया गया।
(iii) आयकर में मानक कटौती को हटा लिया गया।
(iv) 'सेनवॉट' को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया।

उपर्युक्त में से:

कोड :

(a) (ii) और (iii) सही हैं
(b) (i), (ii) और (iii) सही हैं
(c) (ii), (iii) और (iv) सही हैं
(d) (i), (ii) और (iv) सही है

Ans. (a) : 2006-07 के केंद्रीय बजट में सेवा कर की दर को 12% कर दिया गया तथा आयकर में मानक कटौती को घटा दिया गया। 2016-17 के बजट में सेवाकर की दर 14.5% से बढ़ाकर 15% कर दिया गया।

31. भारत में गरीबी रेखा से नीचे के लोगों की संख्या के आकलन के लिए योजना आयोग द्वारा अपनाये गये कुछ कारकों पर विचार करें :

(i) प्रति व्यक्ति आय
(ii) ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में कैलोरी इनटेक
(iii) पारिवारिक व्यय
(iv) प्रति व्यक्ति उपभोग

उपर्युक्त में से:

कोड :

(a) (i), (ii) और (iii) सही हैं
(b) केवल (ii) और (iii) सही हैं
(c) केवल (i) और (iv) सही हैं
(d) (i), (iii) और (iv) सही है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : भारत में निर्धनता का अनुमान NSSO द्वारा प्रत्येक पांच वर्षों में किये जाने वाले पारिवारिक उपभोग व्यय के व्यापक प्रतिदर्श सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित है। इसके लिए अपनायी जाने वाली विधि समय-समय पर गठित विशेषज्ञ समूहों द्वारा दी गयी प्रविधि पर आधारित होती है। जैसे-

– Recal Period System—P.C. Mahalanobis (1954)
– MRP (Mixed Reference Period) — 1999-2000
– D.R. Gadgil Committee — 1962
– Calorie Norms — Alagh Committee, 1979
– D.T. Lakdawala Committee — 1989
– Suresh Tendulkar Committee — 2005
– C. Rengrajan Committee — 2012

32. यू.एन.डी.पी. द्वारा बनाये गये मानव विकास सूचकांक में 177 देशों में हाल के वर्षों में भारत का स्थान इनके बीच है:

(a) 111 तथा 115 (b) 116 तथा 120
(c) 121 तथा 125 (d) 126 तथा 130

Ans. (d) : 2015 में HDI में भारत का स्थान 130 है। वर्ष 2016 में HDI में भारत का स्थान 131वाँ है।

33. भारत में फरवरी 2006 में चलायी गई राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के बारे में कुछ तथ्यों पर विचार करें:

(i) यह योजना देश के 200 जिलों में चलाई गई है
(ii) इसने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम को विस्थापित किया
(iii) इस योजना में कम से कम दिनों का रोजगार आश्वस्त किया गया
(iv) इस योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकारें कर रही हैं

इनमें से:

कोड :

(a) (ii), (iii) तथा (iv) सही हैं
(b) (i), (ii) तथा (iii) सही हैं
(c) (i), (iii) तथा (iv) सही हैं
(d) (i), (ii), (iii) तथा (iv) सही है

Ans. (d) : राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (NREGA) 2 फरवरी, 2016 को लागू किया गया तथा इसका कार्यान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया गया। पहले चरण में इसे देश के 200 सबसे पिछड़े जिलों में शुरू किया गया। बाद में इसे 1 अप्रैल, 2008 से बाकी बचे हुए जिलों में लागू कर दिया गया। 2 अक्टूबर, 2009 को इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) दिया गया।

इसके अंतर्गत किसी एक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ऐसे ग्रामीण परिवार के एक वयस्क सदस्य को कम से कम 100 दिन रोजगार की गारंटी प्रदान करता है, जो अकुशल शारीरिक श्रम के लिए तैयार है। लाभार्थियों में कम से कम 33 प्रतिशत स्त्रियां होनी चाहिए। राज्य सरकारों को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रोत्साहन तथा श्रम प्रधान कार्यक्रमों को लागू करना।

34. भारत में स्थिर कीमतों पर जी.डी.पी. का आकलन करने के लिए वर्तमान में आधार वर्ष है :

(a) 1993-94 (b) 1996-97
(c) 1999-2000 (d) 2001-02

Ans. (c) : वर्तमान (2016-17) में भारत में स्थिर कीमतों पर GDP का आकलन करने के लिए आधार वर्ष 2011-12 है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा साख नियंत्रण के लिए अपनाए गए उपायों में से नहीं है?

(a) पूँजी पर्याप्तता अनुपात
(b) नगद आरक्षण अनुपात
(c) वैधानिक तरलता अनुपात
(d) नगद जमा अनुपात

Ans. (d) : RBI द्वारा साख नियंत्रण के लिए निम्न दो नीतियाँ अपनाती है-

1. परिमाणात्मक नियंत्रण
2. चयनात्मक नियंत्रण (Quantitative)- इसके अंतर्गत Selection Credit Control किया जाता है।

परिमाणात्मक के अंतर्गत-

1. Bank Rate
2. CRR
3. SLR
4. Open Market Operation
5. Repo & Reverse Repo
6. MSF

चयनात्मक के अंतर्गत-

1. नैतिब दबाव
2. मार्जिन निर्धारण
3. साख मापदंड का निर्धारण
4. साख स्वीकृति करण योजना

अत: RBI द्वारा नकद जमा अनुपात का प्रयोग साख नियंत्रण के लिए नहीं किया जाता।

36. भारत में उद्योगों तथा विदेशी मुद्रा के लिए निम्नलिखित में से कुछ अधिनियमों पर विचार करें :

(i) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)
(ii) औद्योगिक विकास एवं विनियमन अधिनियम (IDRA)
(iii) एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम (MRTP)
(iv) विदेशी मुद्रा एवं विनियमन अधिनियम (FERA)

उपरिलिखित अधिनियमों को सही कालानुक्रम में व्यवस्थित करें:

(a) (iii), (ii), (iv)तथा (i)
(b) (ii), (iii), (iv) तथा (i)
(c) (ii), (iv), (iii) तथा (i)
(d) (i), (iv), (ii) तथा (iii)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) :
1. औद्योगिक विकास एवं विनियमन अधिनियम (IDRA) –1951
2. एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यवहार अधिनियम (MRTP) –1969
3. विदेशी मुद्रा एवं विनियमन अधिनियम (FERA) –1973
4. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)-1999

Page – 21, झिंगन, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

37. निम्नलिखित में से कौन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 'तुलनात्मक लागत' सिद्धान्त की अवधारणा नहीं है?

(a) मूल्य का श्रम सिद्धान्त
(b) पूर्ण प्रतियोगिता
(c) रेखीय समरूप उत्पादन फलन
(d) अपूर्ण प्रतियोगिता

Ans. (d) : अपूर्ण प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय व्यापार के तुलनात्मक लागत सिद्धांत की अवधारणा नहीं है। तुलनात्मक लागत सिद्धांत का प्रतिपादन रिकार्डो ने किया। रिकार्डो के अनुसार- प्रत्येक देश उन वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण करता है जिनमें उसे तुलनात्मक लाभ अधिक अथवा तुलनात्मक हानि न्यूनतम होगी।

38. किसी देश के भुगतान संतुलन में आधिक्य होगा यदि:

(a) समायोजित करनेवाली पूँजी ऋणात्मक है
(b) समायोजित करनेवाली पूँजी धनात्मक है
(c) समायोजित करनेवाली पूँजी शून्य है
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : किसी देश के भुगतान संतुलन में आधिक्य होगा यदि समायोजित करने वाली पूंजी शून्य है।

39. पूर्वी-एशिया मुद्रा संकट में मुद्रा के ह्रास के मामले में निम्नलिखित में से किस देश को सबसे कम नुकसान हुआ?

(a) थाइलैण्ड
(b) सिंगापुर
(c) इंडोनेशिया
(d) फिलीपिंस

Ans. (b) : पूर्वी एशिया मुद्रा संकट में मुद्रा ह्रास के मामले में दिये गये देशों में सबसे कम नुकसान सिंगापुर को हुआ। यह मुद्रा संकट जुलाई, 1997 में थाईलैंड द्वारा अपनी मुद्रा 'थाई ब्हाट' के अवमूल्यन द्वारा शुरू।

40. डब्ल्यू.टी.ओ. के कैनकून सम्मेलन का आयोजन किस वर्ष में किया गया?

(a) 2003 (b) 2004
(c) 2005 (d) 2006

Ans. (a) : W.T.O. का 5वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 10 से 14 सितंबर, 2003 को कानकून (मैक्सिको) में संपन्न हुआ जो विकसित तथा विकासशील देशों के बीच भारी मतभेदों के कारण विफल रहा।

41. निम्नलिखित में से किस समिति ने सबसे पहले पूँजी खाता परिवर्तनीयता की जाँच की?

(a) मेहरोत्रा समिति
(b) रंगराजन समिति
(c) तारापोर समिति
(d) चैलैया समिति

Ans. (c) : पूंजी खाते में रुपये की परिवर्तनीयता से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जांच करने के लिए S.S तारापोर की अध्यक्षता में फरवरी, 1997 में समिति गठित की गयी।

42. विदेशी मुद्रा बाजार मे सुरक्षा (हेजिंग) किसे इंगित करता है?

(a) अवमूल्यन करना
(b) भविष्य में विदेशी मुद्रा के जोखिम से रक्षा नहीं करना
(c) भविष्य में विदेशी मुद्रा के जोखिम से रक्षा करना
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : हेजिंग भविष्य में विदेशी मुद्रा के जोखिम से रक्षा करता है।

43. व्यापार की एकल कारक शर्तें इनके द्वारा दी गई है?

(a) $\left(\frac{PX}{PM}\right)(QX)$
(b) $\left(\frac{PX}{PM}\right)(ZX)$
(c) $\left(\frac{PM}{PX}\right)\left(\frac{ZX}{ZM}\right)$
(d) $\left(\frac{PX}{PM}\right)\left(\frac{ZM}{ZX}\right)$

जहाँ परिसूत्रों का स्थापित अर्थ है।

Ans. (a) : प्रो. वाइनर ने व्यापार की एकल घटकीय शर्तों की धारणा प्रस्तुत की। इसकी गणना के लिए व्यापार की वस्तु-शर्तों के सूचक को घरेलू निर्यात उद्योगों में उत्पादकता परिवर्तनों के सूचक से गुणा किया जाता है। अर्थात्

$Ts = Tc \cdot Fx$

$= \frac{Px}{Pm} \cdot Fx$

जहाँ Ts = व्यापार की एकल घटकीय शर्तें, Tc = व्यापार की वस्तु शर्तें, Fx = निर्यात उद्योगों का उत्पादकता सूचक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. द्विपद वितरण का माध्य और प्रसरण इसके बराबर होता है:

(a) $\sqrt{np}, \sqrt{npq}$

(b) $\sqrt{n^2p}, \sqrt{n.2p^2q^2}$

(c) $\sqrt{npq}, \sqrt{n^2p^2}$

(d) np, npq

Ans. (d) : द्विपद वितरण का माध्य और प्रसरण np, npq के बराबर होता है।

45. यदि किसी दिए गए वितरण का माध्य 6.0 तथा मानक विचलन 0.50 है तो प्रसरण का सहगुणांक होगा :

(a) 4.0 प्रतिशत (b) 8.3 प्रतिशत

(c) 16.0 प्रतिशत (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (d) : $\frac{\bar{x}}{\sigma}$ = प्रसरण का सहगुणांक

$$\frac{6.0}{0.50} = \frac{60}{5} = 12$$

46. एक बैग में 7 लाल, 12 सफेद तथा 4 हरी गेदें हैं। बैग में से एक गेंद निकाल ली गई। इसके सफेद होने की गुंजाइश कितनी है?

(a) 12/23 (b) 7/23

(c) 4/23 (d) 23/12

Ans. (a) : प्रायिकता $= \frac{\text{अनुकूल प्रत्याशा}}{\text{समस्त संभावित प्रत्याशा}}$

एक बैग में लाल गेंद = 7

सफेद गेंद = 12

हरी गेंद = 4

सफेद होने की प्रत्याशा $= \frac{12}{7+12+4} = \frac{12}{23}$

47. यदि X पर Y तथा Y पर X निम्नलिखित दो प्रतिपगमन रेखाएँ हो,

$3x + 2y = 26.0$

$6x + y = 31.0$

तो इनका (r) इसके बराबर होगा :

(a) 0.4 (b) 0.5

(c) 0.6 (d) 0.7

Ans. (b) : $3x + 2y = 26$

$2y = 26 - 3x$

$y = 13 - \frac{3}{2}x$

$byx = -\frac{3}{2}$

$\Rightarrow 6x + y = 31$

$6x = 31 - y$

$x = \frac{31}{6} - \frac{1}{6}y$

$bxy = -\frac{1}{6}$

$r = \sqrt{b \times y.byx}$

$= \sqrt{-\frac{3}{2} \times -\frac{1}{6}}$

$= \sqrt{0.25} = 0.5$

48. किसी दी गई प्राक्कल्पना की जाँच में अधिकतम संभाव्यता जिससे I प्रकार की त्रुटि का जोखिम उठाना चाहते हैं, उसे यह कहते हैं:

(a) रद्द (नल) प्राक्कल्पन (b) बिन्दु आकलन

(c) सार्थकता का स्तर (d) मध्यांतर आकलन

Ans. (a) : वह सांख्यिकीय परिकल्पना जिसको सत्य मानकर परीक्षण किया जाता है, शून्य परिकल्पना कहलाती है। इसे Ho से प्रदर्शित करते हैं। इस परिकल्पना की जाँच में अधिकतम संभाव्यता है, जिसमें I प्रकार की त्रुटि का जोखिम उठाना चाहते हैं।

प्रतियोगिता साहित्य

49. 'मेशोकुरटोटिक डिस्ट्रीब्यूशन' को यह भी कहते हैं:

(a) गामा डिस्ट्रीब्यूशन

(b) X^2 डिस्ट्रीब्यूशन

(c) बिटा डिस्ट्रीब्यूशन

(d) नार्मल डिस्ट्रीब्यूशन

Ans. (d) : 'मेसोकूरटोरिक डिस्ट्रीब्यूशन' को नार्मल डिस्ट्रीब्यूशन भी कहते हैं। Normal Distribution के अंतर्गत-

$\bar{x} = Md = Mode$ आपस में बराबर होते हैं। इसमें कोई विषमता नहीं पायी जाती है।

50. एक पासा को दो बार फेंकने पर 12 की कुल प्राप्ति हो (यदि E घटना है) तो 12 से कम की कुल प्राप्ति की क्या संभाव्यता है?

(a) 1/3 (b) 1/6

(c) 35/36 (d) 1/18

Ans. (c) : एक पासा को एक बार 6 प्रकार के फेंका जा सकता है एक पाशे को दो बार 36 प्रकार से फेंका जा सकता है। अंकों का योग 12 आने की संभावना केवल 1 बार है। (6 + 6) 12 से कम आने के कुल अनुकूल प्रकार (36 −1 = 35)

अर्थात् 35

अतः प्रयिकता $= \frac{\text{अनुकूल}}{\text{अनुकूल + प्रतिकूल}}$

$$= \frac{35}{35+1} = \frac{35}{36}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2007

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चैम्बरलिन ने लागत की अवधारणा को निम्न रूप में प्रस्तुत कियाः

(a) स्थायी लागत (b) चलायमान/अस्थिर लागत
(c) विक्रय लागत (d) परिवर्ती लागत

उत्तर (c)

व्याख्या : चैम्बरलिन ने एकाधिकारिक प्रतियोगिता के सिद्धांत (Theory of Monopolastic Competition) में विक्रय लागत की अवधारणा को प्रस्तुत किया। चैम्बरलिन ने कहा कि व्यवहारिक जीवन में शुद्ध पूर्ण प्रतियोगिता तथा शुद्ध एकाधिकार की स्थिति नहीं पायी जाती है, बल्कि इनके बीच की स्थिति एकाधिकारिक (एकाधिकार + प्रतियोगिता) की स्थिति पायी जाती है। एकाधिकारिक प्रतियोगिता की व्याख्या के लिए चैम्बरलिन ने 'समूह' तथा 'वस्तु-विभेद' की अवधारणा प्रस्तुत की है। समूह में क्रेताओं तथा विक्रेताओं की संख्या बहुत ही अधिक है।

2. यदि वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न हों तो तटस्थता वक्र बन जाती हैः

(a) अधोमुखी ढलाऊं वक्र
(b) नकारात्मक ढलान सहित सीधी रेखा
(c) समकोण
(d) समकोणीय अतिपरवलय

उत्तर (b)

व्याख्या : दो वस्तुओं के पूर्ण स्थानापन्न (Project Substitutes) होने की स्थिति में उनके अनधिमान वक्र सरल रेखा (Straight Lines) होते हैं जिन पर प्रतिस्थापन की सीमांत दर स्थिर रहती है। दो पदार्थ जितने अच्छे अथवा निकट के स्थानापन्न होंगे, उनके अनधिमान वक्र सरल रेखा के उतने ही निकट होंगे। पूर्ण स्थानापन्न वस्तुओं की दशा, जो कि एक चरम सीमा है, की स्थिति में अनधिमान वक्र सरल रेखा होती है। जैसे- रेखाचित्र में स्पष्ट है-

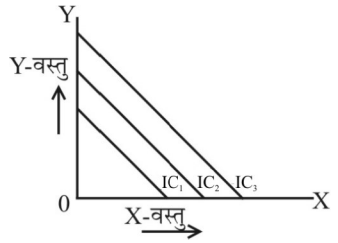

3. C E S उत्पादन फलन निम्नलिखित में से एक के नाम के साथ सम्बन्धित हैः

(a) जोन रोबिनसन (b) बी.एस. मिन्हास्
(c) मनमोहन सिंह (d) ए.के. सेन

उत्तर (b)

व्याख्या : के. जे. ऐरो, एच. बी. चेनरी, बी. एस. मिन्हास तथा आर. एम सोलो ने वर्ष 1961 में प्रकाशित अपने प्रसिद्ध लेख में प्रतिस्थापन लोच उत्पादन फलन का प्रतिपादन किया जिसे निम्नवत व्यक्त किया जा सकता है-

$$p = \gamma\left[sc^{-\alpha} + (1-\infty)N^{-\alpha}\right]^{-\frac{v}{\alpha}}$$

$\gamma > 0, 0 < \infty < 1, \alpha > -1$

जहाँ $p =$ उत्पादन
$c =$ पूंजी आगत
$N =$ श्रम आगत
$\alpha =$ प्रतिस्थापन प्राचल
$\gamma =$ तकनीकी दक्षता गुणांक अथवा दक्षता प्राचल
$\infty =$ पूंजी सघनता गुणांक
$1-\infty =$ श्रम सघनता गुणांक
$v =$ फलन की समांगता का अंश

4. उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम किस ने दिया?

(a) मिल्टन फ्रीडमेन (b) पीगू
(c) टॉबिन (d) कीन्स

उत्तर (d)

व्याख्या : कीन्स ने उपभोग का आधारभूत मनोवैज्ञानिक सिद्धांत प्रतिपादित किया। इसके अनुसार जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि होती जाती है, वैसे- वैसे वे अपने उपभोग में वृद्धि लाते जाते हैं पर यह वृद्धि उतनी नहीं होती है जितना कि आय में अर्थात् जिस अनुपात में आय में वृद्धि होती है, उसकी तुलना में उपभोग में अपेक्षाकृत कम व्यय होता है

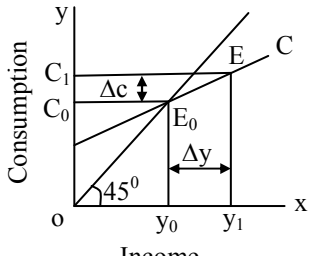

चित्र में आय Δy की तुलना में उपभोग Δc में कम वृद्धि हो रही है।

5. जब मुद्रा की मांग की ब्याज लोच शून्य होती है तो L - M वक्रः

(a) Y- अक्ष के लम्बरूप समान्तर होती है
(b) X - अक्ष के क्षितिजीय समान्तर होती है
(c) सकारात्मक ढ़लवा सीधी रेखा
(d) नकारात्मक ढ़लवा सीधी रेखा

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या : जब मुद्रा की मांग की ब्याज लोच शून्य होती है तो LM वक्र y-अक्ष के लम्बवत समान्तर होता है। LM-वक्र मुद्रा बाजार की संस्थिति प्रदर्शित करता है, जब मुद्रा मांग (L) मुद्रा की पूर्ति (M) के बराबर हो। LM वक्र उन बिंदुओं का बिंदु पथ है जो ब्याजदर तथा आय के उन संयोगों को प्रदर्शित करते हैं, जिन पर L=M है।

6. बेरोजगारी की प्राकृतिक दर वो दर है जहाँ पर:

(a) मुद्रा स्फीति की दर स्थिर होती है
(b) मुद्रा स्फीति की दर अस्थिर रही है
(c) मुद्रा स्फीति की दर गिर रही है
(d) मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है

उत्तर (a)

व्याख्या : बेरोजगारी की प्राकृतिक दर वह दर है, जहां पर मुद्रा स्फीति की दर स्थिर होती है। फिलिप्स वक्र बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी (मुद्रा स्फीति) की दर के बीच विपरीत संबंध बताता है। फिलिप्स वक्र के अनुसार जब बेरोजगारी की दर 5.5% से कम है तो श्रम की मांग श्रम की पूर्ति से अधिक है और इससे मुद्रा मजदूरी दरें बढ़ती हैं। दूसरी ओर, जब बेरोजगारी दर 5.5% से अधिक है तो श्रम की पूर्ति श्रम की मांग से अधिक है जो मजदूरी दरों को कम करती है। तात्पर्य यह है कि बेरोजगारी की OA दर जो 5.5% प्रतिवर्ष है, मजदूरी दरें स्थिर रहेंगी। जैसा कि चित्र से स्पष्ट है।

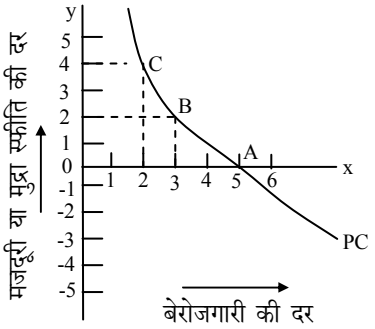

7. छुरी-धार (Knife - edge) समस्या किस मॉडल में है?

(a) सोलो मॉडल (b) काल्डर मॉडल
(c) जोन रोबिन्सन मॉडल (d) हैरोड-डोमर मॉडल

उत्तर (d)

व्याख्या : हैरोड-डोमर मॉडल कीन्सवादी मॉडल का प्रावैगिक विस्तार है और दीर्घकालीन समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है। परंतु दोनों मॉडलों के विश्लेषण की विधियां अलग-अलग परंतु निष्कर्ष समान है। हैरोड के अनुसार पूर्ण रोजगार संतुलन के लिए निम्न शर्त आवश्यक है-

$$G = Gw = Gn$$

यहाँ

G = वास्तविक संवृद्धि दर
Gw = वांछित संवृद्धि दर
Gn = प्राकृतिक संवृद्धि दर

यही चाकूधार संतुलन की अवस्था है। यदि संतुलन के इस पथ से विचलन हुआ तो ऐसी आर्थिक शक्तियां कार्यशील हो जाती हैं जो संतुलन को बिंदु पथ से दूर ही ले जाती है।

8. असंतुलित वृद्धि का सिद्धान्त किस ने प्रतिपादित किया?

(a) इ. डोमर (b) ए.के. सेन
(c) ए.ओ. हर्षमैन (d) डब्ल्यू.ए. लिविस

उत्तर (c)

व्याख्या : असंतुलित विकास सिद्धांत के प्रवर्तक हर्षमैन है। इसके समर्थक अर्थशास्त्रियों में सिंगर, मार्क्स, फ्लेमिंग, किंडलबर्जर, रोस्टोव आदि हैं। असंतुलित विकास सिद्धांत के अनुसार किसी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का एक साथ विकास न करके कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों का गहन विकास किया जाता है।

9. अर्द्ध विकसित देशों में सामाजिक कारक:

(a) वृद्धि को शिथिल करते हैं
(b) वृद्धि को बढ़ावा देते हैं
(c) वृद्धि को अधिकतम करते हैं
(d) निम्न वृद्धि की ओर प्रवृत्त करते हैं

उत्तर (a)

व्याख्या : अर्द्धविकसित देशों में सामाजिक कारक वृद्धि को शिथिल करते हैं। इसके अतिरिक्त पूंजी की कमी, तकनीकी का पिछड़ापन, बेरोजगारी, कृषि पर निर्भरता, जनसंख्या वृद्धि दर इत्यादि भी वृद्धि को प्रभावित करते हैं।

10. अपवर्जन सिद्धान्त इन पर लागू नहीं होता:

(a) योग्यता (मेरिट) वस्तुयें (b) सामाजिक वस्तुयें
(c) निजी वस्तुयें (d) समग्र वस्तुयें

उत्तर (b)

व्याख्या : सार्वजनिक या सामाजिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और जब इनकी पूर्ति होती है तो यह उस समुदाय के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है। इस प्रकार इन वस्तुओं का संयुक्त उपभोग होता है तथा इनके संबंध में अपवर्जन सिद्धांत लागू नहीं होता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते हैं वह चाहे भुगतान कर रहा हो या नहीं। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते हैं-

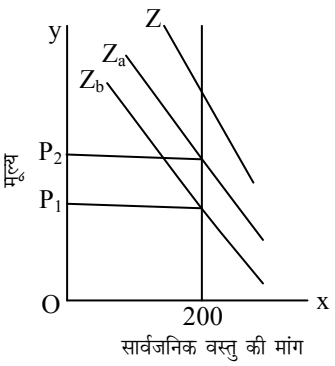

A और B दोनों के लिए सार्वजनिक वस्तु की मांग 200 है। Z_a तथा Z_b को जोड़कर Z वक्र प्राप्त किया गया है, जो सार्वजनिक वस्तु की मांग प्रदर्शित करता है।

11. कर के अति भार से बचने के लिये यह होना चाहिये:

(a) कर की निम्न सीमान्त दर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) कर की शून्य सीमान्त दर
(c) कर की मर्यादित/औसत दर्जे की दर
(d) कर की युक्तिसंगत सीमान्त दर

उत्तर (b)

व्याख्या : कर के अतिभार से बचने के लिए कर की सीमांत दर शून्य होनी चाहिए।

12. सार्वजनिक ऋण के शोधन का अर्थ है:

(a) सार्वजनिक ऋण की चुकती/अदायगी
(b) सार्वजनिक ऋण का भुगतान करने से मना करना
(c) सार्वजनिक ऋण को विदेशी मुद्रा के सम्बन्ध में पुनः परिभाषित करना
(d) सार्वजनिक ऋण का मुद्रा स्फीति की दर के साथ जोड़ना

उत्तर (a)

व्याख्या : सार्वजनिक ऋण के शोधन का अर्थ सार्वजनिक ऋण की चुकती/अदायगी से है। सार्वजनिक ऋण वह ऋण होता है जिसके भुगतान के लिए कोई सरकार अपने देश के नागरिकों अथवा दूसरे देश के नागरिकों के प्रति उत्तरदायी होती है।

सार्वजनिक ऋणों का शोधन या प्रतिदान के तरीके-

1. ऋणों का प्रत्याख्यान
2. ऋण परिवर्तन
3. ऋण पुनः शोधन
4. राजकीय आय के आधिक्य
5. ऋण शोधन कोष
6. पूंजी कर

13. विश्व व्यापार में स्थायी विनिमय दर किस काल के दौरान प्रचलित थी?

(a) 1919 - 1939 (b) 1919 - 1971
(c) 1946 - 1971 (d) 1971 से आगे

उत्तर (c)

व्याख्या : विश्व व्यापार में 1946-71 के दौरान स्थायी विनिमय दर प्रचलित थी। स्थिर विनिमय दर के अंतर्गत सभी विनिमय लेन-देन उस विनिमय दर पर होते हैं जिसे मौद्रिक अधिकारी निर्धारित करता है। ये अधिकारी कानून बनाकर अथवा करेंसी बाजारों में हस्तक्षेप करके विनिमय की दर निश्चित कर सकते हैं।

1944 में ब्रेटन वुड्ज समझौते के अंतर्गत (IMF) की स्थापना की गयी तो देशों के बीच स्थिर विनिमय दरें स्थापित की गयी। जब 1971 में अमरीका के खजाने ने अल्पकालिक देयताओं को स्वर्ण में बदलने से इंकार कर दिया और डॉलर को अपरिवर्तित कर दिया तो बडेन वुड्ज प्रणाली का पतन हो गया।

14. WTO समझौते के अनुसार, भारत को अपने कुल आयात का कितने प्रतिशत खाद्यान्न आयात करना पड़ेगा?

(a) 5 प्रतिशत (b) 10 प्रतिशत
(c) 15 प्रतिशत (d) 30 प्रतिशत

उत्तर (d)

व्याख्या : WTO समझौता के अनुसार, भारत को अपने कुल आयात का 30 प्रतिशत खाद्यान्न आयात करना पड़ेगा।

15. यू.एस. डालर के विरुद्ध रुपये की जारी दृढ़ीकरण प्रक्रिया के कारण :

(a) अमेरिका को भारतीय निर्यात में वृद्धि होगी
(b) अमेरिका को भारतीय निर्यात में कमी होगी
(c) अमेरिका से भारत को आयात स्थिर रहेंगे
(d) अमेरिका को भारतीय निर्यात स्थिर रहेंगे

उत्तर (b)

व्याख्या : यू. एस. डॉलर के विरुद्ध रुपये की जारी दृढ़ीकरण प्रक्रिया के कारण अमेरिका को भारतीय निर्यात में कमी होगी, क्योंकि यू. एस. डॉलर के विरुद्ध रुपये की दृढ़ीकरण के कारण निर्यात मंहगे हो जायेंगे, जिससे निर्यात में कमी होगी।

16. औद्योगिक लाइसेन्सिंग नीति जांच कमेटी 1967 में किस की अध्यक्षता में बनी थी?

(a) आर.के. हजारी (b) पी.सी. महलानोबिस
(c) दत्त एस. (d) बी. के.आर.वी. राव

उत्तर (c)

व्याख्या : जुलाई, 1967 में डॉ. सुबिमल दत्त की अध्यक्षता में औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति जांच कमेटी गठित की गयी है जिसमें अपनी रिपोर्ट जुलाई, 1964 में पेश की। जो निम्न है-

1. लाइसेंस लेकर उनका प्रयोग न करना।
2. लाइसेंसिंग नीति का उद्देश्य आर्थिक शक्ति के केंद्रीयकरण को रोकना था, परंतु व्यवहार में इसके ठीक उल्टा हुआ।
3. औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति का एक मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था, इस नीति से क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि हुई। दत्त समिति के अनुसार, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल तथा तमिलनाडु को 1955-66 के बीच दिये गये कुल लाइसेंसों में से 62.42 प्रतिशत लाइसेंस प्राप्त हुए हैं।

17. 'हिन्दु वृद्धि' दर किसके द्वारा प्रतिपादित की गई?

(a) गाडगिल (b) चक्रवर्ती
(c) भगवती (d) राजकृष्णा

उत्तर (d)

व्याख्या : प्रो. राजकृष्णा ने दिसंबर, 1981 ई. में हिंदू वृद्धि दर की संकल्पना दी। प्रो. राजकृष्णा का मानना था कि भारतीय अर्थव्यवस्था निम्न आर्थिक संवृद्धि के संतुलन जाल में उलझ कर रह गयी जो 3.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की संवृद्धि दर थी। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की एक निराशाजनक वृद्धि था। अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित अपरिवर्तनीयता की स्थिति हिंदू जीवन शैली के ही समान था। राजकृष्णा का यह विलेषण स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम 3 दशकों की समृद्धि दरों पर आधारित था-

1950 से 1960 = 3.9%
1960 से 1970 = 3.7%
1970 से 1980 = 3.1%

18. यदि $\beta_2 > 3$, तो वक्र कहलाता है :

(a) प्लेटीकुर्टिक (b) लेप्टोकुर्टिक
(c) मेसोकुर्टिक (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या : यदि $B_2 > 3$ हो तो वक्र लेप्टोकुर्टिक होगा। आवृत्ति वितरण की वह विशेषता, जिसके द्वारा आवृत्ति वितरण के वक्र के शीर्ष की प्रकृति (नोकदार या चपटा) का आभास होता है, ककुदता कहलाती है। ककुदता के आधार पर वितरण तीन प्रकार के होते हैं

1. $B_2 > 3$ हो तो कूट ककुदता (Leptokurtic)
2. $B_2 = 3$ हो तो वितरण वक्र मध्य ककुदता (Mesokurtic)
3. यदि $B_2 < 3$ हो तो चपर्ट या सपाट ककुदता (Platykurtic)

19. यदि दो प्रतिगमन गुणक (– 0.45) और (–0.8) द्वारा दिये गये हैं, तो सहसम्बन्ध का गुणक:

(a) 0.6 (b) 0.36
(c) –0.6 (d) –0.36

उत्तर (a)

व्याख्या :

$$r^2 = byx.byx$$
$$r^2 = \sqrt{bxy.byx}$$
$$r = \sqrt{(-0.45).(-0.8)}$$
$$r = \sqrt{0.36}$$
$$r^2 = 0.6$$

20. साधन विपर्यय परीक्षण किस को सन्तुष्ट करता है?

(a) लैस्पियर का सूचकांक न.
(b) मार्शल एजवर्थ का सूचकांक न.
(c) फिशर का सूचकांक न.
(d) पाशे का सूचकांक न.

उत्तर (c)

व्याख्या : फिशर का सूचकांक लैस्पियर तथा पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य है जो निम्न है-

$$p = \sqrt{L.P}$$

फिशर का सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण तथा तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण का पालन करता है, यही कारण है कि इसे आदर्श सूचकांक कहा जाता है।

नीचे दो कथन दिये गये हैं एक अभिकथन (A) का और दूसरे को तर्क (R) का नाम दिया है। प्रश्न संख्या 21से 30 का उत्तर दिये कोड में से दे।

21. अभिकथन (A) : व्यक्ति विनियोग के औसत प्रतिफलन को महत्व देता है परन्तु उसके प्रतिसरण को पसंद नहीं करता।

तर्क (R) : सामान्यत: व्यक्ति जोखिम के प्रति अनिच्छुक रहते हैं।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करें:

कोड:

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

उत्तर (b)

व्याख्या : निवेश का आय से अनुपात औसत निवेश प्रवृत्ति कहलाता है अर्थात् Average propensity to invest (API) = $\frac{I}{Y}$ है। व्यक्ति विनियोग के औसत प्रतिफलन को महत्व देता है, परंतु उसके प्रतिसरण को पसंद नहीं करता। सामान्यत: व्यक्ति जोखिम के प्रति अनिच्छुक रहते हैं क्योंकि इनमें जोखिम उठाने का साहस नहीं होता है।

22. अभिकथन (A) : प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन में सम्पूर्ण आउटपुट कारकों के भुगतानों में खाली हो जाता है।

तर्क (R) : प्रतियोगी स्थितियों में पैमाने के प्रतिफल स्थिर होते हैं।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करें:

कोड:

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सत्य है परन्तु (R) अत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य है
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (a)

व्याख्या : प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन में संपूर्ण आउटपुट कारकों के भुगतानों में खाली हो जाता है। प्रतियोगी स्थिति में पैमाने के प्रतिफल स्थिर होते हैं। इस स्थिति में उत्पादन में आनुपातिक वृद्धि साधनों की आनुपातिक वृद्धि के बराबर होती है।

23. अभिकथन (A) : संवृद्धि के नव-क्लासीकल मॉडल, संवृद्धि की स्थिरक स्थिति की भविष्यवाणी करते हैं।

तर्क (R) : बचत विनियोग में समता की कल्पना की गई है।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करें:

कोड:

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (a)

व्याख्या : राबर्ट सोलो द्वारा प्रस्तुत आर्थिक संवृद्धि माडल नव-प्रतिष्ठित विचारों का बेहतर प्रतिनिधित्व करता है। इसमें आर्थिक संवृद्धि का स्थायी संतुलन की व्याख्या की गयी है अर्थात् यह मॉडल हैरड -डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। सोलो ने पूंजी श्रम अनुपात को परिवर्तनशील मानते है। बचते आय का फलन है अर्थात् बचत विनियोग में समता की कल्पना की गयी है।

24. अभिकथन (A) : सेन का P-माप हेड-काउंट रेशियो और पावर्टी गेप रेशियो दोनों से ज्यादा पसन्द किया जाता है।

तर्क (R) : सेन को नोबल पुरस्कार मिला।

निचे दिये गये कथनों में सही उत्तर का चयन करें:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (b)

व्याख्या : अमर्त्य सेन ने निर्धनता माप का फार्मूला दिया जो हेड-काउंट रेशियों तथा पावर्टी गेप रेशियो दोनों से ज्यादा पसंद किया जाता है। जो निम्न है-

$$p = H [I + (1-I) G]$$

जहाँ

p = निर्धनता की माप

H = निर्धनों की संख्या को व्यक्त करता है।

I = समग्र निर्धनता अंतराल को व्यक्त करता है

G = निर्धनता रेखा से नीचे आय विषमताओं के वितरण को व्यक्त करता है।

1998 ई. में अमर्त्य सेन को नोबेल पुरस्कार HDI के विकास के लिए मिला

25. अभिकथन (A) : उदासीनता वक्र क्षितिज के उत्तल/उदुब्ज होती हैं।

तर्क (R) : ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अपवर्जित है।

निचे दिये गये कथनों में सही उत्तर का चयन करें:

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(b) (A) तथा (R) दोनों असत्य है।

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (c)

व्याख्या : उदासीनता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर होते हैं, नतोदर नहीं। घटती हुई प्रतिस्थापन की सीमांत दर की धारणा की पूर्ति केवल ऐसी ही तटस्थता वक्र पर हो सकती है। मान लीजिए यह मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर नहीं है बल्कि नतोदर है अर्थात् प्रतिस्थापन की सीमांत दर घटेगी नहीं बल्कि बढ़ेगी। जैसे-जैसे उसके पास X वस्तु की मात्रा बढ़ती जायेगी तथा Y की मात्रा कम होती जायेगी, वैसे-वैसे उपभोक्ता Y वस्तु की उत्तरोत्तर अधिक मात्रा देने के लिए तत्पर होगा, जो तर्कसंगत तथा विवेकपूर्ण नहीं है।

26. अभिकथन (A) : भू-मंडलीय आय असमानता ने प्रवृत्ति में वृद्धि दर्शाया है।

तर्क (R) : प्रेबिश-सिंगर ने प्राथमिक उत्पादकों और निर्यातकों के लिये व्यापार की शर्तों में सतत गिरावट की परिकल्पना दी।

निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें:

कोडः

(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (d)

व्याख्या : प्रेबिश - सिंगर का सिद्धांत मुख्यतः यह बताता है कि विकसित देशों के साथ व्यापार करने पर विकासशील देशों को क्यों हानि होती है? व्यापार की शर्तें हमेशा विकसित देशों के क्यों पक्ष में होता है?

प्रेबिश - सिंगर अपने 100 वर्ष के सर्वे में यह पाये कि व्यापार हमेशा विकसित देशों के पक्ष में होता है तथा व्यापार जनित लाभों का वितरण भी अनुचित रूप से होता है। इसके निम्न कारण बताते हैं-

1. विकसित देशों द्वारा अपनायी गयी लाभ संबंधी नीतियां।
2. आय- मांग की लोच।
3. बाजार ढांचा।
4. प्रदर्शन प्रभाव।

27. अभिकथन (A) : पेशेवरों के लिये श्रम की आपूर्ति वक्र दीर्घीकृत आकार की अवलोकित पायी जाती है।

तर्क (R) : मजदूरी अनुपयोगिता देती है इसलिये आय क्षतिपूर्ति की आवश्यकता है।

निचे दिये कथनों से सही उत्तर का चयन करें:

कोडः

(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(d) (A) सत्य है और परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (c)

व्याख्या : श्रम की पूर्ति से तात्पर्य श्रमिकों की उस मात्रा से है जो मजदूरी की विभिन्न दरों पर अपनी सेवा देने के लिए तत्पर हो। पूर्ति वक्र कुछ दूरी तक तो बायें से दाहिने की ओर ऊपर उठता हुआ है जो इस बात का प्रतीक है कि जब तक प्रतिस्थापन प्रभाव अधिक शक्तिशाली है तब तक तो मजदूरी बढ़ने के साथ-साथ श्रमिक अधिक कार्य करेंगे पर एक सीमा के बाद आय-प्रभाव अधिक शक्तिशाली हो जाता है, ऐसी परिस्थिति में मजदूरी की वृद्धि के बाद भी श्रम की पूर्ति कम होती जाती है।

अतः पेशेवरों के लिए श्रम की आपूर्ति वक्र दीर्घीकृत आकार की अवलोकित पायी जाती है। मजदूरी अनुपयोगिता देती है इसलिए आय क्षतिपूर्ति की आवश्यकता है।

28. अभिकथन (A) :कीमत नेतृत्व अव्यक्त है।

तर्क (R) : खुले कपटमय समझौते अधिकांश देशों में गैर कानूनी है।

निम्न दिये कथनों में से सही उत्तर दें:

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
उत्तर (a)

व्याख्या : अल्पाधिकार बाजार में अनिश्चितता की भावना को दूर करने के लिए आपस में एक समझौता करते हैं, जिसके अंतर्गत एक फर्म को कीमत नेतृत्व कर्ता बनाती है तथा अन्य फर्में उसका अनुसरण करती हैं। खुले कपटमय (कार्टेल) समझौते अधिकांश देशों में गैर-कानूनी है।

29. अभिकथन (A) : बड़े आकार के सैम्पल के लिये सब वितरण, सामान्य वितरण (Normal distribution) हो जाते हैं।
तर्क (R) : सभी यथार्थ सैम्पल परीक्षणों में मूलभूत मान्यता है कि मूल जनसंख्या जिसमें से सैम्पल लिया गया है, सामान्य नहीं है।
निम्न दिये कथनों में से सही उत्तर का चयन करें:
कोड:
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
उत्तर (c)

व्याख्या : (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

30. अभिकथन (A) : झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, भारत के निर्धनता अभिभूत राज्य हैं
तर्क (R) : यह राज्य खनिज संसाधनों में समृद्ध हैं।
निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें:
कोड:
(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
उत्तर (c)

व्याख्या : झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा खनिज संसाधनों में से समृद्ध है, फिर भी ये राज्य पिछड़े हुए हैं। इन राज्यों के निर्धनता के कई कारण हैं।

प्रश्न संख्या 31से 38 (√) के लिये चिह्न लगाना है, सही कालानुक्रमिक क्रम का विकल्प चनें।

31. (i) कृषि, सम्बन्धी लागतों और कीमतों पर आयोग
(ii) खाद्यान्न जांच समिति
(iii) खाद्यान्नों का राजकीय व्यापार
(iv) खाद्यान्न नीति समिति
कोड :
(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (ii) (i) (iv) (iii)
उत्तर (b)

व्याख्या : 1. खाद्यान्न नीति समिति- 8 जुलाई, 1943 ई. में दिल्ली
2. खाद्यान्नों का राजकीय व्यापार- 1956 तक
3. खाद्यान्न जांच समिति- 1957
4. कृषि, संबंधी लागतों और कीमतों पर आयोग- 1985

32. (i) जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इन्टरेस्ट एण्ड मनी
(ii) एफ्लूएंट सोसाइटी
(iii) वेल्थ ऑफ नेशनस्
(iv) प्रिंसीपलस् ऑफ इकॉनॉमिक्स
कोड :
(a) (iii) (iv) (i) (ii)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (ii) (i) (iv) (iii)
उत्तर (a)

व्याख्या : 1. वेल्थ ऑफ नेशन्स- 1776 ई. (एडम स्मिथ)
2. प्रिन्सीपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स - 1890 (मार्शल)
3. जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इन्टरेस्ट एंड मनी- 1936, कीन्स
4. एफ्लूएंट सोसायटी- 1939

33. (i) वोन-न्युमान (ii) केनेथ ऐरो
(iii) रॉबर्ट लुकास (iv) रॉबर्ट सोलो
कोड :
(a) (ii) (i) (iv) (iii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (i) (iv) (ii) (iii)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)
उत्तर (c)

व्याख्या : 1. वॉन न्यूमान- 8 फरवरी, 1957
2. रॉबर्ट सोलो- 23 अगस्त, 1924
3. केनेथ ऐरो - 23 अगस्त, 1921
4. रॉबर्ट लुकास - 15 सितंबर, 1937

34. (i) पीकॉक-वाइजमैन परिकल्पना
(ii) एच्छिक विनिमय उपागम
(iii) लैफ्फर वक्र
(iv) करारोपण का प्रनियम
कोड :
(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (ii) (i) (iii)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)
उत्तर (c)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या : 1. करारोपण का नियम- एडमस्मिथ के सिद्धांत, 1776
2. ऐच्छिक विनिमय उपागम- 1919
3. पीकॉक - वाइजमैन परिकल्पना- 1891 से 1955 की अवधि में ब्रिटेन में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों की अध्यक्षता।
4. लैफर वक्र- 1980 के आस-पास

35. (i) दु-धातुक प्रमानक (ii) स्वर्ण विनियम प्रमानक
(iii) स्वर्ण प्रमानक (iv) डॉलर प्रमानक

कोड :

(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (d)

व्याख्या : 1. दु- धातुक प्रमानक
2. स्वर्ण प्रमानक
3. स्वर्ण विनिमय प्रमानक
4. डॉलर प्रमानक

36. विनियोग का स्पष्टीकरणः
(i) ब्याज की दर पर (ii) लाभ के स्तर पर
(iii) पूंजी की सीमान्त क्षमता (iv) बचत का स्तर

कोड :

(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर (c)

व्याख्या : 1. बचत का स्तर
2. ब्याज की दर पर
3. पूंजी की सीमांत क्षमता
4. लाभ के स्तर पर
इस प्रकार विनियोग निम्न क्रम में निर्भर करता है।

37. (i) मिल्टन फ्रीडमेन उपागम (ii) फिशर का उपागम
(iii) स्टाक बेलेंस उपागम (iv) कीन्स का उपागम

कोड :

(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (a)

व्याख्या : 1. फिशर का उपागम- 1911
2. स्टॉक बेलेन्स उपागम- 1917
3. कीन्स का उपागम- 1923
4. मिल्टन फ्रीडमैन उपागम- 1956

38. (i) भूमि राजस्व का स्थायी बन्दोबस्त
(ii) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम
(iii) ज्यादा खाद्यान्न उपजाओं अभियान
(iv) हरित क्रान्ति

कोड :

(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर (c)

व्याख्या : 1. भूमि राजस्व का स्थायी बंदोबस्त- 1892
2. ज्यादा खाद्यान्न उपजाओ अभियान- 1965 से 66
3. हरित क्रांति - 1966 से 67
4. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम- 1978 से 79

दो सूचियां दी गई हैं,एक घटनाओं/सिद्धान्तों/मॉडलों/कथनों इत्यादि की है और दूसरी लेखकों/वर्षों की है। एक का दूसरी सूची से मिलान करें और नीचे दिये कोडों से प्रश्न संख्या 39 से 46 तक के उत्तर का चयन करें:

39.

समूह-I	**समूह-II**
(A) कार्य करते हुए सीखना	(i) आर.आर. नेलसन
(B) श्रम विभाजन	(ii) जॉन स्टुयर्ट मिल
(C) स्थिरावस्था आनन्द के रूप में	(iii) एडम स्मिथ
(D) निम्न स्तर का सन्तुलन फंदा	(iv) के.जे. एरो

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

उत्तर (a)

व्याख्या : 1. कार्य करते हुए सीखना- के. जे. ऐरो
2. श्रम विभाजन- जॉन स्टुअर्ट मिल
3. स्थिरावस्था आनंद के रूप में- एडम स्मिथ
4. निम्न स्तर का संतुलन फन्दा- नेल्सन

40.

समूह-I	**समूह-II**
(A) बड़ा दाब	(i) जोन रोबिनसन
(B) 'छुरी-धार'	(ii) आर. रोडन
(C) स्वर्णिम युग	(iii) ई. फेल्पस्
(D) संचयन का स्वर्णिम शासन	(iv) आर.एफ. हारोड

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (b)

व्याख्या : 1. बड़ा दाब- आर रोडान
2. 'छूरी धार'- हैरोड
3. स्वर्णिम युग- जॉन रॉबिन्सन
4. संचयन का स्वर्णिम शासन- ई. फेल्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. निम्नलिखित का मिलान करें:

समूह-I		समूह-II	
(A)	Ho द्वारा अस्वीकृति जब कि वो सत्य है	(i)	स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन
(B)	माध्य डिग्री ऑफ फ्रीडम के बराबर है	(ii)	टाईप-I त्रुटि
(C)	जनसंख्या विषमजातीय है	(iii)	धनात्मक रूप से स्क्युड् वितरण
(D)	माध्य > बहुलक	(iv)	x^2 वितरण

कूट :

	(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (c)

व्याख्या : 1. Ho द्वारा अस्वीकृति जबकि वह सत्य हो- टाइप-1 त्रुटि
2. माध्य डिग्री ऑफ फ्रीडम के बराबर है- x^2 वितरण।
3. जनसंख्या विषम जातीय है- स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन।
4. माध्य बहुलक- धनात्मक रूप से स्क्युड् वितरण।

42. निम्नलिखित का मिलान करें:

समूह-I		समूह-II	
(A)	वेल्थ ऑफ नेशनस्	(i)	डेविड रिकार्डो
(B)	ट्रीटीस ऑन मनी	(ii)	जगदीश भगवती
(C)	इन डिफेंस ऑफ ग्लोबलाइजेशन	(iii)	एडम स्मिथ
(D)	प्रिंसिपलस् ऑफ पोलिटिकल इकोनिमी एण्ड टेक्सेशन	(iv)	कीन्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या : 1. वेल्थ ऑफ नेशन्स- एडम स्मिथ।
2. ट्रीटीस ऑन मनी- जे. एम. कीन्स।
3. इन डिफेन्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन- जगदीश भगवती।
4. प्रिन्सीपल ऑफ पोलिटिकल इकोनॉमी एंड टैक्सेशन- डेविड रिकार्डो

43. निम्नलिखित का मिलान करें:

समूह-I		समूह-II	
(A)	विस्तृत होती अर्थ-व्यवस्था के लिये नियोजन	(i)	वी.के.आर.वी. राव
(B)	भारत का औद्योगिक क्रम विकास	(ii)	दादाभाई नौरोजी
(C)	ड्रेन थ्योरी	(iii)	डी.आर. गाडगील
(D)	भारत की राष्ट्रीय आय	(iv)	वकील एवं ब्रह्मानंद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर (c)

व्याख्या : 1. विस्तृत होती अर्थव्यवस्था के लिए नियोजन- वकील एवं ब्रह्मानंद।
2. भारत का औद्योगिक क्रम विकास- डी. आर. गाडगिल।
3. ड्रेन थ्योरी- दादा भाई नौरोजी
4. भारत का राष्ट्रीय आय - वी. के. आर. वी. राव।

44. निम्नलिखित का मिलान करें:

समूह-I		समूह-II	
(A)	जनरल थ्योरी ऑफ एम्पलायमेंट इन्टरेस्ट एण्ड मनी	(i)	डेविड ह्यूम
(B)	इकॉनॉमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कम्पीटीशन	(ii)	डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टो
(C)	स्टेजस् ऑफ इकॉनॉमिक्स ग्रोथ	(iii)	जोन रोबिनसन
(D)	स्पैसि फ्लो मैकेनिज्म	(iv)	जे.एम. कीन्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या : 1. जनरल थ्योरी ऑफ एम्पलायमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी- जे. एम. कीन्स।
2. इकोनॉमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कम्पीटीशन- जॉन रॉबिन्सन।
3. स्टेज्स ऑफ इकोनॉमिक्स ग्रोथ- डब्ल्यू. डब्ल्यू. रोस्टोव
4. स्पैसि फ्लो मैकेनिज्म- डेविड ह्यूम।

45. निम्नलिखित का मिलान करें:

समूह-I		समूह-II	
(A)	कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो	(i)	रोबर्ट मुन्डल
(B)	ग्लोबलाइजेशन एण्ड इटस् डिसकांटेंटस्	(ii)	जॉसफ स्टिगलिट्ज
(C)	थ्योरी ऑफ ऑप्टीमम करेन्सी एरिया	(iii)	कार्ल मार्क्स एवं एंजेल्स्
(D)	एसेस् इन पोजिटिव इकॉनॉमिक्स	(iv)	मिल्टन फ्रीडमेन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर (c)

व्याख्या : 1. कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो- कार्ल मार्क्स एवं एंजेल्स।
2. ग्लोबलाइजेशन एंड इट्स डिसकांटेंट्स – जोसफ स्टिगलिट्ज।
3. थ्योरी ऑफ ऑप्टीमम करेन्सी एरिया- राबर्ट मुंडेल।
4. एसेस इन पोजिटिव इकोनॉमिक्स- मिल्टन फ्रीडमैन।

46. निम्नलिखित का मिलान करें:

समूह-I	**समूह-II**
(A) प्रवृत्ति	(i) ((S.D)/मीन)×100
(B) परिवर्तन का गुणांक	(ii) सामान्य
(C) माध्य = np	(iii) समय सारिणी
(D) सममित वितरण	(iv) द्विपद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(ii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या : 1. प्रवृत्ति- समय सारिणी
2. परिवर्तन का गुणांक- ((S.D)/मीन) × 100
3. माध्य- द्विपद।
4. सममित वितरण- सामान्य।

नीचे दिया गया परिच्छेद पढ़े ओर अपनी समझ के अनुसार प्रश्न संख्या 47 से 50 तक का उत्तर दें:

भू-मंडलीय आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का ज्यादा कठिन कार्य आई.एम.एफ. (IMF) को सौंपा गया था। जिन देशों ने ब्रेटन वुड्स का आयोजन किया था, उनके मस्तक में 1930 की भूमंडलीय मन्दी का विचार बैठा हुआ था। तकरीबन, तीन-चौथाई शताब्दी पूर्व, पूंजीवाद को, आज तक के सर्वाधिक प्रबल संकट का सामना करना पड़ा था। महामंदी ने पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया था और बेरोजगारी में अभूतपूर्व वृद्धि कर दी थी। सबसे बुरे वक्त पर, अमरिका की एक-चौथाई श्रमिक संख्या बेरोजगार थी। ब्रिटिश आर्थशास्त्री, जॉन मेनार्ड कीन्स,जो ब्रेटन वुड्स में मुख्य सहभागी था, ने सरल व्याख्या और सहवर्ती मान्यताओं का नुस्खा प्रस्तुत किया। पर्याप्त सकल मांग का अभाव आर्थिक मन्दी का महत्वपूर्ण कारण है, सरकारी नीतियां सकल मांग को उत्प्रेरित करने में मदद कर सकती हैं। यदि मुद्रा नीति अ-प्रभावशील है, तो ऐसी स्थिति में, सरकारें वित्तिय नीति में परिवर्तन द्वारा मदद कर सकती हैं, या तो व्यय में वृद्धि करके और या करों में कटौती करके। जब कि कीन्स विश्लेषण में अंतर्निहित मॉडलों की बाद में आलोचना की गई और उनको संशोधित किया गया और ज्यादा गहन समझ लाई गई थी कि, क्यों बाजार शक्तियां अर्थव्यवस्था को पूर्ण रोजगार से समायोजित करने के लिये जल्दी से कार्य नहीं करती हैं, मूलभूत सीख मान्य बनी रही।

47. (IMF) को निम्नलिखित मे से कौन सा कार्य दिया गया?

(a) विश्व की आर्थिक संवृद्धि त्वरित करने का कार्यभार
(b) विश्व अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति नियंत्रित करने का कार्यभार
(c) विश्व अर्थव्यवस्था में आर्थिक स्थायित्व सुनिश्चित करने का कार्यभार
(d) अमेरिका से असंतुलन मिटाने का कार्यभार

उत्तर (c)

व्याख्या : IMF विश्व अर्थ. में आर्थिक स्थायित्व सुनिश्चित करने का कार्यभार दिया गया।

48. महा मंदी के दौरान:

(a) विश्व में बेरोजगारी की दर 25% थी
(b) इंगलैंड में बेरोजगारी की दर 20% थी
(c) अमरिका में बेरोजगारी की दर 25% थी
(d) भारत में बेरोजगारी की दर 20% थी

उत्तर (a)

व्याख्या : महामंदी 1930 ई0 में आयी थी। महामंदी के दौरान विश्व में बेरोजगारी की दर 25 प्रतिशत थी।

49. कीन्स के अनुसार 1930 के असाधारण भू-मंडलीय मन्दी के कारण:

(a) अमरिका में उच्च ब्याज दर
(b) इंगलैंड में निम्न ब्याज दर
(c) स्वर्ण मान का टूटना
(d) प्रर्याप्त समग्र मांग का अभाव

उत्तर (d)

व्याख्या : कीन्स के अनुसार, 1930 के असाधारण भू-मंडलीय मंदी का कारण पर्याप्त समग्र मांग का अभाव था।

50. भू-मंडल में मंदी से लड़ने के लिये कीन्स का सुझाव था:

(a) सरकार को सक्रिय मौद्रिक नीति को अपनाना चाहिए।
(b) सरकार को राजकोषीय नीति और मुद्रा नीति के मिश्रण को अपनाना चाहिए।
(c) जहां मुद्रा नीति अप्रभावपूर्ण है, वहां सरकार को वित्तीय नीति अपनानी चाहिए।
(d) सरकार को संतुलित बजट की नीति अपनानी चाहिए।

उत्तर (c)

व्याख्या : भूमंडल में मंदी से लड़ने के लिए कीन्स ने सुझाव दिया था कि जिस देश में मुद्रा नीति अप्रभावपूर्ण है, वहां सरकार को वित्तीय नीति अपनानी चाहिए।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2008

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. उपभोक्ता बचत के सिद्धान्त की परिकल्पना इनमें से किसके द्वारा प्रतिपादित की गयी?

(a) रिकार्डो (b) फिशर
(c) मार्शल (d) पिगु

Ans. (c) : मार्शल ने उपभोक्ता की बचत का सिद्धांत का प्रतिपादन दैनिक जीवन में होने वाले अनुभव के आधार पर किया। यह धारणा सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम पर आधारित है। उपभोक्ता की बचत का मार्शल सिद्धांत उपयोगिता की संख्यात्मक माप पर आधारित है।

Page - 86, S.N. Lal व्यष्टि अर्थ.

2. पूरक वस्तुओं के लिए अनधिमान वक्र (indifference curve) का आकार इनमें से किस प्रकार का होता है?

(a) सीधी रेखा (b) नीचे की ओर ढ़ालू रेखा
(c) समकोण (d) ऋणात्मक ढ़ालू वक्र

Ans. (c) : पूरक वस्तुओं के लिए अनधिमान वक्र का आकार समकोणीय अर्थात् L आकार का होगा। जैसा चित्र से स्पष्ट है-

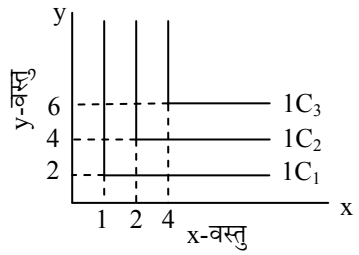

3. पॉल.एम. स्विजी ने इनमें से किसकी व्याख्या करने के लिए किंक मांग वक्र का प्रयोग किया था?

(a) अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण
(b) अल्पाधिकार में कीमत अनम्यता (Price rigidity)
(c) अल्पाधिकार में लाभ अधिकतमकरण
(d) अल्पाधिकार में कीमत निर्गत निर्धारण

Ans. (b) : अल्पाधिकार में कीमत दृढ़ता के सम्बन्ध में सबसे लोकप्रिय सिद्धांत विकुचित मांग वक्र है। जिसका प्रतिपादन पॉल एम.स्वीजी ने किया । इस सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है, उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत स्तर से ऊपर है, अत्यंत लोचदार है और वर्तमान कीमत स्तर से नीचे का भाग बेलोचदार है।

4. फिलिप्स वक्र के अनुसार जब मुद्रा स्फीति की दर अधिक होती है तबः

(a) बेरोजगारी भी बढ़ती है
(b) बेरोजगारी की दर कम होती है
(c) बेरोजगारी स्थिर रहेगी
(d) पूर्ण रोजगार की स्थिति होगी

Ans. (b) : प्रो. फिलिप्स ने यह बताया कि बेरोजगारी की दर तथा मौद्रिक मजदूरी में विपरीत संबंध होता है। मूलरूप से फिलिप्स वक्र द्वारा केवल बेरोजगारी तथा मौद्रिक के बीच सम्बन्ध व्यक्त किया गया था, परन्तु बाद में इसका उपयोग बेरोजगारी तथा कीमतों में वृद्धि का संबंध दिखाने के लिए भी किया जाने लगा।

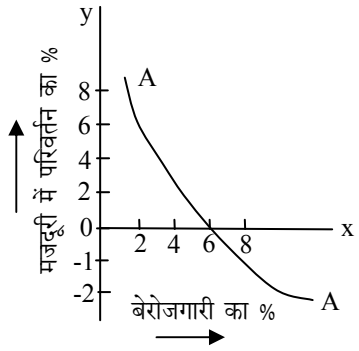

5. मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा का परिमाणात्मक सिद्धान्त से सम्बन्धित है?

(a) कीमत का सिद्धान्त
(b) आय का सिद्धान्त
(c) मुद्रा के लिए मांग का सिद्धान्त
(d) मुद्रा की पूर्ति का सिद्धान्त

Ans. (c) : मिल्टन फ्रीडमैन ने 1959 में प्रकाशित अपने निबंध 'The Quantity Theory of Money: A restatement ' में मुद्रा परिमाण सिद्धांत दिया। फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा का परिमाण सिद्धांत मुख्यतया मुद्रा की मांग का सिद्धांत हैं मुद्रा के मांग फलन का समीकरण है-

$$\frac{M_d}{P} = f\left(r_m, r_b, r_e, \frac{1}{P}.\frac{dP}{dt}, yp, w, u\right)$$

जहां, Md = मुद्रा की कुल माँग

P = मूल्य स्तर

r_m = मुद्रा पर प्रतिफल की दर

r_b = बॉण्ड पर प्रतिफल की दर

r_e = इक्विटी पर प्रतिफल की दर

$\frac{1}{P}.\frac{dP}{dt}$ = कीमत स्तर में प्रत्याशित परिवर्तन की दर

Y_p = चिर आय

w = गैर मानवीय रूप में रखी सम्पत्ति का मानवीय रूप में रखी सम्पत्ति से अनुपात।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. तर्क संगत प्रत्याशाओं की प्राक्कल्पना के अनुसार भावी नीति का अनुमान लगाने के लिए आर्थिक एजेंट:

(a) हमेशा सही होते हैं
(b) हमेशा गलत होते हैं
(c) व्यवस्थित त्रुटियाँ करते हैं
(d) यादृच्छिक त्रुटियाँ करते हैं

Ans. (a) : तर्क संगत प्रत्याशाओं की प्राक्कल्पना के अनुसार भावी नीति का अनुमान लगाने के लिए आर्थिक एजेण्ट हमेशा सही होते है।

7. मार्क्स के अनुसार पूँजी के सावयव संयोजन (organic composition of capital) में वृद्धि इनमें से किसकी ओर अग्रसर करती है?

(a) अर्थव्यवस्था की विकास दर में वृद्धि
(b) रोजगार में वृद्धि
(c) लाभ की दर में कमी
(d) लाभ की दर में वृद्धि

Ans. (c) : स्थिर पूंजी व परिवर्तनशील पूंजी के अनुपात को पूंजी का समवायी संयोजन कहा जाता है। अर्थात $\frac{c}{c+v}$ । लाभ की दर, अतिरेक मूल्य की दर से प्रत्यक्ष आनुपातिक तथा पूंजी की समवायी संयोजन से विपरीत आनुपातिक सम्बन्ध होता है।

8. अविकसित देशों में निम्नलिखित में कौन-सा लक्षण सर्वत्र नहीं मिलता?

(a) प्रतिव्यक्ति अल्पतम आय
(b) जनसंख्या का उच्च घनत्व
(c) सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का ऊँचा प्रभाग (G.D.P.)
(d) निम्न साक्षरता दर

Ans. (b) : अल्प विकसित देशों में प्रतिव्यक्ति न्यूनतम आय, जनसंख्या का उच्च घनत्व, GDP में कृषि का ऊंचा हिस्सा, निम्न साक्षरता दर इत्यादि लक्षण पाये जाते है। लेकिन जनसंख्या का उच्च घनत्व सर्वत्र नहीं पाया जाात है।

9. निम्नलिखित में से किस मॉडल (पद्धति) में मानव-पूँजी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है?

(a) नव-संस्थापक मॉडल
(b) अन्तर्जात विकास मॉडल
(c) मार्क्सवाद मॉडल
(d) हैरोड-डोमर मॉडल

Ans. (d) : हैरोड-डोमर मॉडल में मानव-पूंजी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

10. भारत में पहली बार 'शून्य-आधार' बजट किस वित्त मंत्री के कार्यकाल में पारित हुआ।

(a) पी. चिदम्बरम् (b) मनमोहन सिंह
(c) वी.पी. सिंह (d) जसवन्त सिंह

Ans. (c) : भारत में पहली बार 'शून्य आधार' बजट 1987 -88 वी.पी. सिंह वित्तमंत्री के कार्यकाल में पारित हुआ। शून्य आधार बजट का प्रतिपादन पीटर पायर ने किया।

11. गाडगिल फॉर्मूला किस पर लागू होता है?

(a) योजना आयोग द्वारा प्रदत्त अनुदान पर
(b) वित्त आयोग द्वारा प्रदत्त अनुदान पर
(c) आर.बी.आई. द्वारा प्रदत्त अनुदान पर
(d) विदेशों द्वारा प्रदत्त अनुदान पर

Ans. (a) : गाडगिल फॉर्मूला योजना आयोग द्वारा प्रदत्त अनुदान पर लागू होता है।

12. कर के अतिरिक्त भार का मतलब है:

(a) कर से निवल कल्याण की हानि
(b) बहुत अधिक भार
(c) मुद्रा भार के ऊपर और भार
(d) मुद्रा भार और वास्तविक भार

Ans. (a) : कर के अतिरिक्त भार का मतलब कर से निवल कल्याण की हानि है।

13. संयुक्त राज्य अमरीका के आयात-निर्यात में उत्पाद साधन संरचना संदर्भ में ल्योनतिफ विरोधाभास:

(a) हैक्सर - ओहलिन पद्धति का समर्थन करता है
(b) हैक्सर - ओहलिन पद्धति का खण्डन करता है
(c) प्रेबिश - सिंगर पद्धति का समर्थन करता है
(d) प्रेबिश - सिंगर पद्धति का खण्डन करता है

Ans. (b) : लियोंटिफ ने हेक्सर-ओहलिन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत की व्यावहारिकता की जांच कर जो निष्कर्ष निकाले उन्हें लियोंटिफ का विरोधाभास कहा जाता है। लियोंटिफ के अनुसार अमेरिका श्रम-प्रधान वस्तुओं का निर्यात करता है तथा पूंजी प्रधान वस्तुओं का आयात करता है। यहां ओहलिन हैक्सर के सिद्धांत एवं उक्त निष्कर्षों में विरोधाभास दिखाई देता है। जिसे लियोंटिफ का विरोधाभास कहा जाता है।

14. भारत ने कितने देशों को वैधानिक, स्वास्थ्य, सामाजिक और नियुक्तियाँ आदि सेवाओं की आपूर्ति के लिये प्रस्ताव किया?

(a) 30 देश (b) 27 देश
(c) 49 देश (d) 5 देश

Ans. (d) : भारत ने 5 देशों को वैधानिक स्वास्थ्य सामाजिक और नियुक्तियां आदि सेवाओं की आपूर्ति के लिए प्रस्ताव किया।

15. व्यापार सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है:

(a) निर्यात कर (शुल्क) में वृद्धि
(b) आयात कर (शुल्क) में कमी
(c) निर्यात कर (शुल्क) को स्थिर रखना
(d) आयात कर शुल्क को स्थिर रखना

Ans. (b) : व्यापार सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व आयात कर (शुल्क) में कमी करना है।

16. 61वें एन एस एस चक्र (2004-05) के अनुसार, मिश्रित संदर्भ अवधि में, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धनता का अनुपात था:

(a) 27.8% (b) 22.00%
(c) 25% (d) 17%

Ans. (a) : 2011-12 के जनगणना के अनुसार भारत में गरीबी का प्रतिशत 29.5% है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. **वर्ष 2001 – 02 में कुल निर्यात में भारतीय कृषि निर्यात की भागीदारी थी:**
(a) 31.7% (b) 30.6%
(c) 19.4% (d) 14%

Ans. (d) : वर्ष 2014-15 में कुल निर्यात में भारतीय कृषि निर्यात की भागीदारी 12.7% है। तथा 2014-15 में कृषिगत आयात 3.3% है।

18. **प्रायिकता बंटन जिसमें माध्य (औसत) और चर बराबर होते हैं:**
(a) पॉइसजन (b) बाइनॉमियल
(c) नार्मल (d) काई-स्क्वेयर (x^2)

Ans. (a) : माध्य और चर (Vaviance) का विचरण जिसमें बराबर हो उसे पॉयसन वितरण कहते है।

19. **$H_0 : \mu = \mu_0$ को $H_1 : \mu \neq \mu_0$ के विरोध में परीक्षण के लिए यदि $N(\mu, \sigma^2)$, जबकि σ^2 मालूम हो, तब H_0 को स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि:**
(a) $|\bar{x} - \mu_0| > \frac{\sigma}{\sqrt{n}} z_{\alpha/2}$
(b) $|\bar{x} - \mu_0| \leq \frac{\sigma}{\sqrt{n}} z_{\alpha/2}$
(c) $|\bar{x} - \mu_0| \geq \frac{s}{\sqrt{n}} t_{\alpha/2}(n-1)$
(d) $|\bar{x} - \mu_0| < \frac{s}{\sqrt{n}} t_{\alpha/2}(n-1)$

Ans. (a) : $H_0 : \mu = \mu_0$ को $H_1 : \mu \neq \mu_0$ के विरोध में परीक्षण के लिए यदि $N(\mu, \sigma^2)$, जबकि σ^2 मालूम हो तो $|\bar{x} - \mu_0| > \frac{\sigma}{\sqrt{n}} z_{\alpha/2}$ होगा तब H_0 को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

20. **प्रतिगामी गुणांक इनमें से किससे स्वतंत्र होता है?**
(a) उत्पत्ति (origin) और अनुमाप का परिवर्तन
(b) केवल उत्पत्ति का परिवर्तन
(c) केवल अनुमाप का परिवर्तन
(d) न उत्पत्ति के और न अनुमाप के परिवर्तन से

Ans. (b) : प्रतिगामी गुणांक केवल उत्पत्ति का परिवर्तन से स्वतंत्र होता है।

टिप्पणी : प्रश्न संख्या 21 से 30 के लिये निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये।

21. **कथन (A) : लाँग रन फिलिप वक्र एन ए आई आर यू की परिस्थिति में खड़ी रेखा है।**
तर्क (R) : बेरोजगार की स्फीति दर का अत्वरण, लगभग, मान लिया गया है।
(a) दोनों (A) और (R) गलत है
(b) दोनों (A) और (R) सही है और (R) इसका कारण नहीं है।
(c) दोनों (A) और (R) सही है और (R) सही व्याख्या है।
(d) (A) सही है (R) गलत है

Ans. (c) : दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र की अवधारणा का विकास फ्रीडमैन और फैल्प्स ने किया। इनका सिद्धांत त्वरणवादी या अनुकूलित प्रत्याशा के परिकल्पना से सम्बन्धित है। फ्रीडमैन के अनुसार कई चर होते हैं जिनके कारण फिलिप्स वक्र दीर्घकाल में सरकता है। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण चर स्फीति की प्रत्याशित दर है जब तक स्फीति की वास्तविक दर और प्रत्याशित दर के बीच अंतर है तब तक नीचे दाई ओर ढालू फिलिप्स वक्र होगा परन्तु जब यह अंतर दीर्घकाल में समाप्त हो जाता है तो फिलिप्स वक्र अनुलम्ब (virtical) हो जाता है।

Page- 503 झिंगन समष्टि अर्थ.

22. **कथन (A) : उत्पाद का स्तर निर्धारित करने में साधन कीमत अनुपात महत्वहीन है।**
तर्क (R) : निर्धारित गुणांक उत्पादन प्रकार्य करता है।
(a) दोनों (A) और (R) सही है परन्तु (R) व्याख्या नहीं है।
(b) दोनों (A) और (R) गलत है
(c) दोनों (A) और (R) सही है और (R) व्याख्या है।
(d) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

Ans. (b) : एक उत्पादक अपने उत्पादन का निर्धारण मांग के अनुसार करता है और उत्पादक का उद्देश्य न्यूनतम लागत पर वस्तु का उत्पादन करना होता है, इसके लिए वह उत्पादन क्रिया में सबसे कुशल साधनों का प्रयोग करता है। इसके लिए प्रत्येक उत्पादक उत्पादन के प्रत्येक साधन की इकाई से प्राप्त होने वाले उत्पादन तथा उस साधन के मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करता है।

23. **कथन (A) : विकास की संतुलित स्थिति की पद्धति के संदर्भ में अतटस्थ प्रौद्योगिकीय प्रगति की एक ब्रांड उनती ही ठीक है जितनी कि दूसरी।**
तर्क (R) : उत्पादन विधेय में प्रतिस्थापन की लोच एक है।
(a) दोनों (A) और (R) गलत है
(b) दोनों (A) और (R) सही है
(c) (A) सही है (R) गलत है
(d) (A) गलत है (R) सही है

Ans. (b) : जब किसी अर्थव्यवयवस्था के समस्त क्षेत्रों एवं उद्योगों का एक साथ समान विकास किया जाता है, तब उसे संतुलित विकास कहा जाता है। अल्पविकसित देशों में अल्पविकास के दुश्चक्र को तोड़ने के लिए अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश करना आवश्यक है ताकि वे परस्पर पूरक रूप में विकसित हो सके।

24. **अभिकथन (A) : योजना के स्वर्णिम काल में अमर्त्य सेन ने भारत के लिए गहन पूँजी प्रौद्योगिक का विकल्प स्थापित किया।**
तर्क (R) : भारत सापेक्षतया श्रम-प्रधान देश था।
(a) दोनों (A) और (R) सही है तथा (R) उसकी व्याख्या है।
(b) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(c) दोनों (A) और (R) सही है परन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (c) : योजना को स्वर्णिम काल में अमर्त्य सेन ने भारत के लिए गहन पूंजी प्रौद्योगिकी का विकल्प स्थापित किया। जबकि भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां श्रम बहुतायत में है। अर्थात् भारत श्रम प्रधान देश है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. **अभिकथन (A) : भारत पश्चिमी 'व्यापार प्रक्रिया बाह्य स्त्रोत' के लिए प्रत्याशित स्थान है।**
तर्क (R) : भारत में अंग्रेजी बोलनेवालों का बड़ा संघ है।
(a) दोनों (A) और (R) सही है तथा (R) उसकी व्याख्या है।
(b) दोनों (A) और (R) गलत है
(c) (A) गलत है (R) सही है।
(d) दोनों (A) और (R) सही है परन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है।

Ans. (a) : भारत पश्चिमी 'व्यापार प्रक्रिया बाह्यस्त्रोत' के लिए प्रत्याशित स्थान है। भारत में बहु-भाषा क्षेत्र होने के कारण अंग्रेजी बोलने वालों का बड़ा संघ है।

26. **अभिकथन (A) : सुधारोत्तर समय में भारतीय अर्थव्यवस्था विकास प्रक्षेप पथ के उच्चतर स्थिति पर है।**
तर्क (R) : व्यापार विकास का इंजन है।
(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) दोनों (A) और (R) सही है परन्तु (R) व्याख्या नहीं है।
(c) दोनों (A) और (R) सही है और (R) उसकी व्याख्या है।
(d) दोनों (A) और (R) सही है।

Ans. (b) : आर्थिक सुधार के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास हो रहा है। वैश्वीकरण, के दौर में व्यापार से देश का विकास होता है। लेकिन प्रेबिश - सिंगर के अनुसार अल्पविकसित देशों का व्यापार से विकास नहीं होता है। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का एकमात्र कारण व्यापार ही नहीं है।

27. **अभिकथन (A) : व्यापार-चक्र अनुभव सिद्ध यथार्थ हैं।**
तर्क (R) : नवप्रवर्तन 'सर्जनात्मक विनाश' के कार्य हैं।
(a) दोनों (A) और (R) गलत है
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं परन्तु (R) उसकी व्याख्या हो यह आवश्यक नहीं है।
(c) दोनों (A) और (R) सही है और (R) उसकी व्याख्या है।
(d) (A) गलत है (R) सही हैं

Ans. (b) : व्यापार-चक्र का प्रतिपादन कई अर्थशास्त्रियों जैसे हाट्रे, हेयक, हिक्स, सैमुएलसन, शुम्पीटर इत्यादि ने किया। हिक्स एवं सैम्युएलसन ने व्यापार चक्र की व्याख्या गुणक-त्वरक के आधार पर दिया। शुम्पीटर ने व्यापार-चक्र की व्याख्या के लिए साहसी को महत्वपूर्ण बताया, जो नवप्रवर्तन लाता है।
अतः दोनों सही है, परन्तु एक-दूसरे की व्याख्या नहीं करता है।

28. **अभिकथन (A) : तटस्थ कर व्यावहारिक (feasible) होते हैं।**
तर्क (R) : तटस्थ कर अतिरिक्त (excess) बोझ नहीं होते।
(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R) सही व्याख्या है।
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं परन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) गलत हैं, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) सही हैं परन्तु (R) गलत है।

Ans. (b) : तटस्थ कर व्याहारिक प्रकृति के होते है क्योंकि इससे अतिरिक्त बोझ नहीं होता है। तटस्य कर सामान्यतया स्थिर होते है, इनमें बढ़ने की प्रवृत्ति अचानक एवं ऊंचा नहीं होता है।

29. **अभिकथन (A) : Z-टैस्ट जनसंख्या औसत जाँचने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।**
तर्क (R) : सभी सांख्यकी वितरण सैंट्रल लिमिट थ्योरम के अनुसार होते हैं।
(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R),(A) की व्याख्या है।
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (d) : Z-टैस्ट का प्रयोग जनसंख्या औसत जांचने के लिए नहीं किया जाता है।
इससे सम्बन्धित सभी सांख्यिकी वितरण सैण्ट्रल लिमिट थ्योरम के अनुसार होते है।

30. **अभिकथन (A) : भारत को स्वास्थ्य सेवाओं पर बहुत पैसा लगाना होगा।**
तर्क (R) : भारत में बीमारु राज्य हैं।
(a) दोनों (A) और (R) सही हैं।
(b) (A) सही है (R) गलत है।
(c) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R) व्याख्या है।
(d) दोनों (A) और (R) सही हैं परन्तु (R) उसकी व्याख्या नहीं है।

Ans. (d) : भारत एक विकासशील देश है। भारत में जनसंख्या अधिक होने के कारण अनेक समस्याएं है, जिनमें स्वास्थ्य सम्बन्धी भी एक है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भारत को अधिक व्यय करना होगा। भारत में BIMARU राज्य है- बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश है।

टिप्पणी : प्रश्न संख्या 31 से 38 के लिये कालक्रमानुसार (विकास की दृष्टि से) निम्नलिखित का सही क्रम बताइए:

31. (i) स्वप्रकाशित अधिमान सिद्धान्त
(ii) एकेरलोफ (Akerlof) लैमन'स् मंडी
(iii) क्रम सूचक उपयोगिता विश्लेषण
(iv) एन.एम. उपयोगिता विश्लेषण
कोड :
(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (i) (iv) (ii) (iii)
(c) (iii) (ii) (iv) (i)
(d) (iv) (ii) (i) (iii)

Ans. (c) : 3. क्रमसूचक उपयोगिता विश्लेषण , 1934, J.R. Hicks & Allen
2. एकेरलोफ लैमन स् मंडी।
4. एन.एम. उपयोगिता विश्लेषण।
1. स्वप्रकाशित अधिमान सिद्धांत। - 1948 - सैमुएलसन।

32. (i) गुणक-त्वरक (Multiplier-Accelerator interaction) अन्योन्य क्रिया एवं व्यापार चक्र
(ii) व्यापार चक्र का केन्स का सिद्धान्त
(iii) व्यापार चक्र का सनस्पॉट सिद्धान्त
(iv) व्यापार चक्र का (Hawtrey's) हौट्रे का मुद्रा सिद्धान्त

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

(a) (ii) (iii) (iv) (i)
(b) (iii) (iv) (ii) (i)
(c) (i) (ii) (iv) (iii)
(d) (iv) (ii) (i) (iii)

Ans. (b) : व्यापार चक्र का सनस्पॉट सिद्धान्त - 19th century W. Jevons. (1883- 84)
व्यापार चक्र का हॉट्रे का मुद्रा सिद्धांत-
व्यापार चक्र का केन्स का सिद्धांत - 1936 (के माडल में)
गुणक - त्वरक अन्योन्य क्रिया एवं व्यापार चक्र- 1950 Hicks

33. (i) फाइ-रानिस पद्धति
(ii) लुईस की दोहरी (Duel) आर्थिक पद्धति
(iii) टोडारो की ग्रामीण-शहरी प्रवसन पद्धति
(iv) द्वैत पद्धति का जार्जनसन (Jorgenson) द्वारा परीक्षण

कोड :

(a) (iii) (i) (ii) (iv)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (i) (iv) (iii)
(d) (iv) (ii) (i) (iii)

Ans. (c) : लुईस की दोहरी आर्थिक पद्धति- 1954
फाइ-रॉनिस पद्धति- 1965
द्वैत पद्धति का जार्जनसन (Jargonson) द्वारा परीक्षण
टोडारो की ग्रामीण- शहरी प्रवसन- 1970 (Harris- Todaro)

34. (i) अंतरा-उद्योग व्यापार पद्धति
(ii) तुलनात्मक लागत सिद्धान्त
(iii) लियोनटिफ पैराडाक्स
(iv) हैक्सर- ओहेलिन थ्योरम

कोड :

(a) (ii) (iv) (iii) (i)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

Ans. (a) : तुलनात्मक लागत सिद्धान्त-1817 , David Ricardo
हैक्सर- ओहलिन थ्योरम - 1933
लियोनटिफ पैराडाक्स - 1951
अंतरा- उद्योग व्यापार पद्धति- 1979 - K. Lancaster
1994 - 95 Hecksher- ohlin - Ricardo opproach

35. (i) योजना आयोग (ii) महालनोबिस पद्धति
(iii) प्लॉन हौलिडे (iv) रोलिंग प्लॅन

कोड :

(a) (ii) (iii) (i) (iv)
(b) (iv) (ii) (iii) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

Ans. (c) : योजना आयोग - 1950
महालनोबिस पद्धति - 1955- 56
प्लॉन हॉलिडे - 1966 - 69
रोलिंग प्लॉन - 1977 - 78

36. (i) डबल्यू.टी.ओ.
(ii) जी.ए.टी.टी.
(iii) हांगकांग शिखर सम्मेलन
(iv) डंकल ड्राफ्ट

कोड :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (i) (iii) (ii)
(c) (iii) (iv) (i) (ii)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)

Ans. (c) : हांगकांग शिखर सम्मेलन - Dec, 2005
डंकल ड्राफ्ट - 20 Dec, 1991
W.T.O - 1 January, 1995
G.A.T.T - 1 January, 1948

37. (i) वालरस (ii) विकसेल
(iii) जे.एस. मिल (iv) मार्शल

कोड :

(a) (iii) (i) (iv) (ii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)

Ans. (a) : जे. एस. मिल - 20 May 1806 - 8 May 1873
वालरस - 16 Dec, 1834 - 5 january 1910
मार्शल - 26 July, 1842 - 13 July 1924
विक्सेल - 28 January, 1944

38. (i) तटस्थ राजकोषीय नीति
(ii) प्रकार्यात्मक वित्त
(iii) संतुलित बजट
(iv) प्रतिपूरक राजकोषीय नीति

कोड :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (ii) (iii) (i) (iv)
(c) (iv) (i) (iii) (ii)
(d) (i) (iii) (iv) (ii)

Ans. (d) : तटस्थ राजकोषीय नीति।
संतुलित बजट
प्रतिपूरक राजकोषीय नीति
प्रकार्यात्मक वित्त।

मिलान के मद (प्रश्न सं. 39 से 46 तक): इसमें दो सूचियाँ दी गई हैं। इसमें दो सूचियाँ दी गई हैं। एक में घटनाएँ/ सिद्धान्त/मॉडल एवं कथन आदि दिए गए हैं और दूसरी में लेखक/वर्ष दिए गए हैं। अभ्यर्थियों को सूची I में दिए गए मदों को सूची II में दिए गए मदों को दी गई कोड की सहायता से सही मेल का चयन करके मिलाना है।

39.

समूह-I	**समूह-II**
(A) असंतुलित विकास	(i) हर्षमन, ए.ओ.
(B) R और D एवं विकास	(ii) मार्क्स, के
(C) मानव पूँजी और विकास	(iii) रोमर, पी
(D) बेशी मूल्य तथा संचय	(iv) आर. ल्यूकस

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

Ans. (c) : असंतुलित विकास - A.O. हर्षमैन
R और D एवं विकास - पी. रोमर
मानव पूंजी और विकास - आर. लूकास
बेशी मूल्य तथा संचय - के. मार्क्स

40.

समूह-I	**समूह-II**
(A) निर्यात निराशावाद	(i) एम्मनयुअल, ए.
(B) असमान विनियम	(ii) प्रबिश, आर
(C) समीक्षात्मक न्यूनतम प्रयत्न अभिधारणा	(iii) शूमपीटर, जे
(D) नवप्रवर्तन उद्यमवृत्ति	(iv) एच. लायबेनस्टेन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. (b) : निर्यात निराशावाद - आर. प्रेबिश
असमान विनिमय - ए. एम्मनयुअल
समीक्षात्मक न्यूनतम - एच. लैवेन्स्टीन
नवप्रवर्तन उद्यमवृत्ति - जे. शुम्पीटर।

41.

समूह-I	**समूह-II**
(A) रिजर्व बैंक आफॅ इंडिया	(i) 1968
(B) प्रथम वित्त आयोग	(ii) 1950
(C) गाडगिल फार्मूला	(iii) 1935
(D) योजना आयोग	(iv) 1952

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. (c) : R.B.I - 1935
प्रथम वित्त आयोग - 1952
गाडगिल फार्मूला - 1968
योजना आयोग - 1950

42.

समूह-I	**समूह-II**
(A) निवेश गुणक	(i) आर. एफ. काहन् (Kahn)
(B) रोजगार गुणक	(ii) मिल्टन फ्रीडमन
(C) मुद्रा-मूल्य सिद्धान्त का पुनर्कथन	(iii) ए. लाफ्फर
(D) आपूर्तिपक्ष का अर्थशास्त्र	(iv) जे.एम. केन्स

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

Ans. (a) : निवेश गुणक - जे. एम. कीन्स
रोजगार गुणक - आर. एफ. काहन्
मुद्रा - मूल्य सिद्धांत का पुनर्कथन - मिल्टन फ्रीडमैन
आपूर्ति पक्ष का अर्थशास्त्री - ए. लाफर

43.

समूह-I	**समूह-II**
(A) सीमांत क्रांति	(i) सैमुअलसन
(B) गुणक त्वरक मॉडल	(ii) जे.आर. हिक्स
(C) IS-LM वक्र	(iii) शुम्पीटर
(D) पूँजीवाद, समाजवाद तथा जनतंत्र	(iv) जेवन्स

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

Ans. (a) : सीमांत क्रांति - जेवन्स
गुणक त्वरक मॉडल - सैमुअलसन
IS - LM वक्र - जे. आर. हिक्स - हैंसन
पूंजीवाद, समाजवाद तथा तंनत्रन्त्र - शुम्पीटर

44.

समूह-I	**समूह-II**
(A) उत्पाद विभेदन (Product Differenti-ation)	(i) सर्राफा
(B) द्वि-अधिकार विश्लेषण	(ii) मौडीग्लियनी
(C) वस्तुओं द्वारा वस्तुओं का उत्पादन (Production of commodities by means of commodities)	(iii) कूर्नोट
(D) जीवन चक्र परिक्कल्पना (Life cycle-Hypothesis)	(iv) चैम्बरलिन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

Ans. (a) : उत्पाद विभेदन - चैम्बर लिन
द्वि- अधिकार विश्लेषण- कूर्नोट
वस्तुओं द्वारा वस्तुओं का उत्पादन - सर्राफा
जीवन चक्र- परिकल्पना - मौडी ग्लियाना।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45.

	समूह-I	समूह-II
(A)	$H_0 : \mu = \mu_0$, $H_1 : \mu > \mu_0$	(i) वितरण के सभी आयाम महत्वपूर्ण हैं।
(B)	सरल परिक्कल्पना	(ii) बिंदु प्राक्कलन
(C)	एकरूपता	(iii) एक पक्षीय टैस्ट
(D)	$P_{01} \times P_{10} = 1$	(iv) काल विपर्यय टैस्ट

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (c) : $H_0:\mu=\mu_0$ $H_1:\mu > \mu_0$- एक पक्षीय टैस्ट।
सरल परिकल्पना - वितरण के सभी आयाम महत्वपूर्ण है
एकरूपता - बिन्दु प्राक्कलन
$P_{01} \times P_{10} = 1$ - काल विपर्यय (Time factor Test) टैस्ट।

46.

	समूह-I	समूह-II
(A)	स्वतंत्र घटनाओं Aतथा B के लिए	(i) $P(A \cap B) = 0$
(B)	परस्पर व्यावर्तक घटनाओं A तथा B के लिए	(ii) $P)(A \cap B) = P(A).P(B)$
(C)	$A \subseteq B$	(iii) बेयीस (Bayes) थ्योरम
(D)	सोपाधिक सम्भाव्यता	(iv) $P(B) \geq P(A)$

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

Ans. (b) : स्वतंत्र घटनाओं A तथा B के लिए - $P(A \cap B)$
परस्पर व्यावर्तक घटनाओं A तथा B के लिए - $P(A \cap B) = 0$
$A \subseteq B$ - $P(B) \geq P(A)$
सोपाधिक सम्भाव्यता - बेयीस (Bayes) थ्योरम

नीचे दिए गए परिच्छेद पढ़िए और इसको समझकर इस पर आधारित 47 से 50 प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

वर्तमान स्थिति मुझे विश्व की 70 वर्ष पहले की स्थिति की याद कराती है। जब विश्व महा मंदी (ग्रेट डिप्रशन) की स्थिति के कारण नीचे की ओर आ रहा था, निर्बाध बाजार के समर्थकों ने कहा, ''चिंता की कोई बात नहीं है, बाजार का स्व-नियमन होता है, तथा समय के साथ, आर्थिक समृद्धि पुनः प्राप्त होगी।'' दूर के भविष्य में समृद्धि आयेगी ऐसा सोचके बेरोजगारी की वजह से वर्तमान में जिनकी जिंदगी दुःखी हो रही है इनकी चिंता करने की जरुरत नहीं है। केन्स का मानना था कि बाजार का स्वतः नियंत्रण शक्य नहीं है या कम से कम निर्धारित समय में सुधार नहीं होता। (जैसा कि उसका कथन प्रचलित है, ''दीर्घावधि में हम सबको मरना है।'' बेरोजगारी कुछ वर्षों तक रह सकती थी तथा इसके लिए सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता थी। केन्स का उपहास किया गया। यद्यपि एक दृष्टि से वह कट्टर रूढ़िवादी था। उसका बाजार में मूलभूत विश्वास था, यदि केवल सरकार उसे सही कर सकती है तो यह एक असफलता है, अर्थव्यवस्था अच्छी तरह संतुलित ढंग से कार्य कर सकती है। वह बाजार व्यवस्था का पूरी तरह से प्रतिस्थापन नहीं चाहता था, परन्तु वह यह जानता था कि जब तक इस मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जाएगा तब तक भारी लोकमत का दबाव बना रहेगा। केन्स के इन विचारों (मान्यताओं) ने काम किया, द्वितीय विश्व-युद्ध के बाद, संयुक्त राज्य अमरीका जैसे देशों ने उनका अनुकरण किया, उन्हें बहुत कम एवं लघु अवधि के लिए ही मंदी का सामना करना पड़ा, उनका पहले से अधिक विस्तार हुआ।

47. महा मंदी (ग्रेट डिप्रेशन) के समय, निर्बाध बाजार के समर्थकों ने तर्क दिया कि:

(a) बाजार असफल होने की ओर प्रवृत होते हैं।
(b) बाजारों का स्वनियमन होता हैं।
(c) सरकार को मुद्रा नीति के द्वारा हस्तक्षेप करना चाहिए।
(d) सरकार को राजकोषीय नीति के द्वारा हस्तक्षेप करना चाहिए।

Ans. (b) : महामंदी (ग्रेट डिप्रेशन) के समय, निर्बाध बाजार के समर्थकों ने तर्क दिया कि बाजारों का स्वनियमन होता है।

48. महा-मंदी (ग्रेड-डिप्रेशन) के समय केन्स निम्नलिखित में से क्या थे?

(a) निर्बाध बाजार के समर्थक के रूप में जुड़े थे।
(b) सक्रिय मुद्रा नीति के समर्थक के रूप में जुड़े थे।
(c) एक समाजवादी के रूप में जुड़े थे।
(d) निष्क्रिय मुद्रा नीति के समर्थक के रूप में जुड़े थे।

Ans. (b) : महा-मन्दी (ग्रेट- डिप्रेशन) के समय केन्स सक्रिय मुद्रा नीति के समर्थक के रूप में जुड़े थे।

49. केन्स निम्नलिखित में से किसके पक्ष में थे?

(a) बाजार व्यवस्था का पूरी तरह से प्रतिस्थापन
(b) विश्व के लिए समाजवादी व्यवस्था का विस्तार किया जाए
(c) अविनियमित बाजार व्यवस्था
(d) बाजार व्यवस्था का पूरी तरह से प्रतिस्थापन नहीं चाहते थे।

Ans. (d) : केन्स बाजार व्यवस्था का पूरी तरह से प्रतिस्थापन नहीं चाहते थे।

50. केन्स द्वारा निर्धारित नीति का अनुसरण करके:

(a) विश्व अर्थव्यवस्था को दीर्घ मंदी से क्षति हुई।
(b) विश्व अर्थव्यवस्था को मुद्रा स्फीति की उच्च दर से क्षति हुई
(c) अमरीका को कम तथा लघु-जीवी मंदी का अनुभव रहा।
(d) अमरीका में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बेरोजगारी की दर ऊँची थी।

Ans. (c) : केन्स द्वारा निर्धारित नीति का अनुसरण करके अमरीका को कम तथा लघु-जीवी मन्दी का अनुभव रहा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2008

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कॉब -डगलस के उत्पादन फलन का मानना है कि प्रतिस्थापन लोचः

(a) एक है (b) दो है
(c) तीन है (d) चार है

Ans. (a) : कॉब-डगलस के उत्पादन फलन में प्रतिस्थापन की लोच इकाई के बराबर होती है।

$$\sigma = \frac{d(K/L)/(K/L)}{d(MRS_{LK})/MRS_{LK}}$$

$$\sigma = \frac{d(K/L)/(K/L)}{\frac{\alpha}{\beta}d(K/L)\Big/\frac{\alpha}{\beta}\frac{K}{L}}$$

$$\left[\therefore MRS_{LK} = \frac{MP_L}{MP_K} = \frac{\frac{\alpha}{L}.\theta}{\frac{\beta}{K}.\theta} = \frac{\alpha.K}{\beta.L.}\right]$$

$$\sigma = \frac{d(K/L).\frac{\alpha}{\beta}}{d(K/L)\frac{\alpha}{\beta}} = 1$$

$$\sigma = 1$$

D.R. Agatwal Quantitane Math

2. उपभोक्ता उस बिन्दु पर अपना सन्तुलन प्राप्त करता है जहाँः

(a) कुल उपयोगिता = कीमत
(b) सीमान्त उपयोगिता > कीमत
(c) सीमान्त उपयोगिता < कीमत
(d) सीमान्त उपयोगिता = कीमत

Ans. (d) : उपभोक्ता उस बिन्दु पर अपना संतुलन प्राप्त करता है जहां सीमान्त उपयोगिता = कीमत हो। अर्थात् $MU_x = P_x$

3. पैरेटो ऑप्टीमेलिटी (इष्टतमत्व) किस वक्र के किसी भी बिन्दु पर स्थापित हो सकता हैः

(a) लैफ्फर वक्र (b) एन्जल वक्र
(c) कॉन्ट्रेक्ट वक्र (d) लोरेन्ज वक्र

Ans. (c) : प्रसंविदा वक्र (Contvact Curva) पैरेटो अनुकूलतम की दशा को प्रदर्शित करता हैं इस वक्र पर किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि नहीं लाया जा सकता है। **Page- 899, H.L. Ahuja व्यष्टि अर्थ.**

4. से के नियम के अनुसार, बेरोजगारी किस के द्वारा समाप्त की जा सकती हैः

(a) मजदूरी में बढ़ौतरी
(b) मजदूरी में गिरावट
(c) मजदूरी पर कर लगाना
(d) मजदूरी के साथ आर्थिक सहायता देना

Ans. (b) : से के नियम के अनुसार, बेरोजगारी मजदूरी में कटौती (कमी) के द्वारा समाप्त की जा सकती है। मजदूरी- कीमत लोचशीलता दी होने पर, आर्थिक प्रणाली में स्वतः शक्तियां पाई जाती है जो पूर्ण रोजगार कायम रखने की प्रवृत्ति रखती है और उसी स्तर पर उत्पादन करती है।

Page- 71 , S.N. Lal समष्टि अर्थ.

5. निम्नांकित में से किसे सामान्यत्या 'मुद्रा आपूर्ति का ज्यादा व्यापक माप' कहा जाता है?

(a) M_1 (b) M_2
(c) M_3 (d) M_4

Ans. (c) : मुद्रा आपूर्ति का ज्यादा व्यापक मापक 'M_3' है।
$M_3 = M_1 +$ बैंकों के पास लोगों की सावधि जमाये।

Page- B.K. Tripathi Montary Eco.

6. उपभोग और आय के बीच समानुपाती सम्बन्ध की स्थिति मेंः

(a) APC > MPC (b) APC = MPC
(c) APC < MPC (d) APC = MPS

उत्तर (b)

Ans. : उपभोग और आय के बीच समानुपाती सम्बन्ध की स्थिति में APC = MPC होता है। फीडमैन के स्थायी आय परिकल्पना के अनुसार अल्पकालीन उपभेग फलन रेखीय और गैर- आनुपातिक होता है अर्थात् APC > MPC और दीर्घकालीन उपभोग फलन रेखीय और आनुपातिक होता है अर्थात् APC = MPC

Page - 119, झिंगन समष्टि अर्थ.

7. सांकेतिक योजना क्या हैः

(a) दुर्नम्य (b) व्यापक
(c) निरंकुश (d) लचीली

Ans. (b) : सांकेतिक योजना एक व्यापक योजना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. संवृद्धि के हैरोड-डोमर और सोलो मॉडलों के बीच मुख्य अन्तर किस में स्थित है:

(a) श्रम और पूंजी के बीच प्रतिस्थापनीयता
(b) पैमाने के प्रतिफल
(c) परिवर्ती कारक के प्रतिफल
(d) आय की संवृद्धि

Ans. (a) : हैरॉड-डोमर का मॉडल उत्पादन फलन के स्थिर गुणांक पर आधारित है अर्थात $^{K}/_{L}$ या पूंजी- श्रम अनुपात स्थिर है। जो कि हैरॉड-डोमर मॉडल के चाकूधार समस्या का कारण है। सोलों पूंजी उत्पाद अनुपात ($^{K}/_{L}$) के चर में परिवर्तन करके आर्थिक स्थिरता तथा पूर्ण रोजगार की सतत संस्थिति को स्थापित किया तथा इस प्रकार हैरोड-डोमर माडल की समस्या का निदान किया।

Page- 199, 371, S.N.Lal समष्टि अर्थ.

9. अल्प-विकसित देश के संदर्भ में, 'निर्धनता के दुष्चक्र' के थीसिस के निर्कसियन प्रतिपादन में, निवेश करने की अभिप्रेरणा किस के द्वारा सीमाबद्ध होती है:

(a) बचतों का अभाव
(b) निवेश अवसरों का अभाव
(c) बाजार का आकार
(d) सरकार की नीति

Ans. (a) : रेगनर नर्क्स ने अल्प विकसित देशों के सम्बन्ध में गरीबी का दुश्चक्र सिद्धांत दिया। गरीबी का कुचक्र की व्याख्या प्रो. नर्क्स ने मांग तथा पूर्ति दोनों पक्षों पर की।

पूर्ति पक्ष की व्याख्या करते हुए नर्क्स ने यह कहा कि अल्पविकसित देशों में वास्तविक आय की मात्रा अत्यंत ही कम है जिसके परिणामस्वरूप बचत की क्षमता अत्यंत ही कम है। जिसके कारण विनियोग कम होता है।

Page- 27, S.L. Lal Eco. & Planning

10. करों को बढ़ाने से प्राप्त धन किस कोश में जाता है:

(a) समेकित कोष (b) आकस्मिकता कोष
(c) सार्वजनिक कोष (d) निजी कोष

Ans. (a) : करों को बढ़ाने से प्राप्त धन समेकित कोष में जाता है। भारत की संचित निधि की व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 266 के अन्तर्गत की गई है।

11. आवर्ती प्रकृति की मदें किस बजट के अन्तर्गत आती है:

(a) पूंजीगत घाटा (b) आगम घाटा
(c) राजस्व घाटा (d) एकीकृत बजट

Ans. (b) : आवर्ती प्रकृति की मदें आगम घाटा बजट के अन्तर्गत आती है।

12. कुल आगम और कुल व्यय के बीच अन्तर क्या कहलाता है:

(a) पूंजीगत घाटा (b) आगम घाटा
(c) राजस्व घाटा (d) बजटीय घाटा

Ans. (d) : कुल आगम और कुल व्यय के बीच का अंतर बजटीय घाटा कहलाता है। राजस्व घाटे के शेष तथा पूंजी खाते के शेष को जोड़ देने पर जो प्रतिफल प्राप्त होगा, उसे बजेटरी शेष कहा जाता है। बजेटरी शेष (±) = राजस्व खाते का शेष (±) + पूंजी खाते का शेष (±)

इस प्रकार धनात्मक बजेटरी शेष बजट अधिक्य को प्रदर्शित करेगा जबकि ऋणात्मक बजेटरी शेष बजेटरी घाटा को प्रदर्शित करेगा।

13. विदेशियों से उधार लेने को क्या कहा जाता है:

(a) वस्तुओं का निर्यात
(b) एक तरफी या अप्रतिदत्त प्राप्तियां
(c) पूंजीगत प्राप्तियां
(d) चालू प्राप्तियां

Ans. (c) : विदेशियों से उधार लेने को पूंजीगत प्राप्तियां कहा जाता है। पूंजीगत प्राप्तियां, पूंजीखाते के अन्तर्गत प्राप्त की जाती है। पूंजीगत प्राप्तियां वे है जो सरकार के नहीं होते है तथा जिनकी प्रकृति आयगत नहीं होती बल्कि ये सरकार की देयताओ (Liability) में वृद्धि लाते है।

B.K. Tripathi Monetary Eco.

14. देश के द्वारा आयात पर परिमाणात्मक प्रतिबंध किस ओर प्रवृत्त करते हैं:

(a) आयातित उत्पादों के लिए मांग में ह्रास
(b) आयातित उत्पादों के लिए मांग में वृद्धि
(c) आयातित उत्पादों की आपूर्ति में वृद्धि
(d) आयातित उत्पादों की आपूर्ति में ह्रास

Ans. (d) : देश के द्वारा आयात पर परिमाणात्मक प्रतिबंध आयातित उत्पादों की आपूर्ति में ह्रास करता है। आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध के अन्तर्गत प्रायः एक वर्ष के समय के दौरान मूल्य अथवा परिमाण में एक वस्तु की स्थिर मात्रा को देश के अन्दर आयात करने की आज्ञा दी जाती है।

Page- 204. M.L. झिंगन अन्तर्राष्ट्रीय अर्थ.

15. 2007-08 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2006-07 में GDP के प्रतिशत के रूप में भारत के निर्यात थे:

(a) 11.0 (b) 14.0
(c) 16.0 (d) 19.0

Ans. (b) : 2007-08 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 2006-07 में GDP के प्रतिशत के रूप में भारत के निर्यात 14% थे।

16. भारत में केन्द्रीय सरकार का राजकोषीय घाटा 2006-07 में GDP का कितना प्रतिशत था:

(a) 1.4 (b) 3.4
(c) 5.4 (d) 4.1

Ans. (b) : 2015-16 में भारत का राजकोषीय घाटा (F.D.) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 3.9% है तथा 2016 -17 में 3.5%। Eco. Survey

17. 2007 की यू एन डी पी की ग्लोबल ह्यूमन डेवलेपमेंट रिपोर्ट के अनुसार, HDI के सम्बन्ध में,177 देशों में से भारत की आपेक्षिक श्रेणी क्या थी?

(a) 123 (b) 131
(c) 128 (d) 125

Ans. (c) : 2015 की U.N.D.P. की ग्लोबल ह्यूमन डेवलेपमेंण्ट रिपोर्ट के अनुसार H.D.I में 188 देशों में भारत का स्थान 130 वां है। जबकि 2014 में 135वां था। Eco. Survey

18. 2006-07 में, भारत में चालू बाजार कीमतों पर सकल देशीय बजतें GDP का क्या प्रतिशत थी:

(a) 30.8 (b) 34.8

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) 37.7 (d) 39.2

Ans. (d) : वर्ष 2006-07 में भारत में चालू बाजार कीमतों पर सकल देशीय बचत दर GDP का 39.2% था।

19. X और Y के प्रतिगमन समीकरण में, bxy किसके बराबर है:

(a) byx (b) $\sqrt{r}$

(c) r (d) $\frac{r^2}{byx}$

Ans. (d) : $r^2 = bxy.\ by.x$

$b \times y = \frac{r^2}{byx}$

अतः x और y के प्रतीपगमन समीकरण में

$b \times y = \frac{r^2}{byx}$ होगा।

20. निम्नांकित औसतों में से 'मूल-माध्य-वर्ग' (रूट-मीन-स्क्वेयर) कौन सा है?

(a) द्विघाती माध्य (b) हार्मोनिक माध्य

(c) ज्यामितिक माध्य (d) मिश्रित माध्य

Ans. (a) : 'द्विघाती माध्य' मूल-माध्य-वर्ग (रूट-मीन स्क्वेयर) है।

निम्नांकित कथनों पर ध्यान दें और 21 से 30 प्रश्नों (अभिकथन और तर्क प्रकार के प्रश्न) के लिये नीचे दिए कोडों से सही उत्तर का चयन करें।

21. अभिकथन (A) : अल्पाधिकार के अंतर्गत, समस्त फर्में अपनी अंतःनिर्भरता के प्रति जागरूक होती हैं।
तर्क (R) : अल्पाधिकार के अंतर्गत फर्मों के मध्य व्यक्तिगत प्रतिद्वंदिता विद्यमान नहीं होती है।

(a) (A) और (R) दोनों असत्य है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

Ans. (c) : अल्पाधिकार अपूर्ण प्रतियोगिता का ही एक रूप हैं अल्पाधिकार बाजार की वह स्थिति होती है जिसमें विक्रेताओं की संख्या इतनी कम (लगभग 2-12) होती है कि प्रत्येक विक्रेता की पूर्ति का कीमत पर समुचित प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक विक्रेता इस तथ्य से अवगत रहता है।

अतः अल्पाधिकार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उद्योग की फर्मों के मध्य परस्पर निर्भरता है।

Page- 625. H.L. Ahaja व्यष्टि अर्थ.

22. अभिकथन (A) : गिफिन गुडस् का मांग वक्र धनात्मक रूप से ढ़लवां होता है।
तर्क (R) : उनकी स्थिति में, धनात्मक प्रतिस्थापन प्रभाव, नकारात्मक आय प्रभाव द्वारा बहुत कुछ निष्प्रभावित कर दिया जाता है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Ans. (a) : ऐसी निम्न वस्तुएं जिनकी दशा में उपभोक्ता उनकी गिरने पर उनके उपभोग को घटा देता है और उनकी कीमत बढ़ने पर उनके उपभोग को बढ़ा देता है तो ऐसी वस्तुओ को गिफेन वस्तुएं कहा जाता है। अर्थात ऐसी वस्तु की दशा में कीमत और मांग में सीधा सम्बन्ध होगा। अतः गिफिन वस्तु का मांग वक्र धनात्मक रूप से ढलवा होता है।

Page- 119 . H.L Ahuja व्यष्टि अर्थ

23. अभिकथन (A) : हिक्स के अनुसार, व्यापार चक्र गुणक और त्वरक के बीच अंतःक्रिया की वजह से उत्पन्न होते हैं।
तर्क (R) : हिक्सीयन व्यापार चक्र सिद्धान्त में, त्वरक मंदी के चरण में शक्तिहीन होता है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) और (R) दोनों असत्य है।

(d) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

Ans. (a) : प्रो. जे.आर. हिक्स ने अपनी 1950 ई. में प्रकाशित पुस्तक 'A Contribution to the Theory of Trade Cycle' में यह प्रतिपादित किया कि व्यापार चक्र गुणक तथा त्वरक की अन्तः क्रिया का परिणाम है। हिक्सीयन व्यापार-चक्र मॉडल कीनिसयन गुणक विश्लेषण, J.B. Clark के त्वरक विश्लेषण तथा हैरॉड के आर्थिक संवृद्धि विश्लेषण तीनों पर आधारित है। हिक्स के व्यापार चक्र की दो अवस्थायें है-

1. विस्तार की अवस्था।
2. संकुचन की अवस्था।

इसके अतिरिक्त दो मोड़ बिन्दु है-

1. ऊपरी मोड़ बिन्दु।
2. निचला मोड़ बिन्दु।

प्रो. हिक्स के सिद्धांत में संकुचन की अवस्था में केवल गुणक ही उल्टे रूप से क्रियाशील रहते है, त्वरक उल्टे कार्य नहीं करता है। क्योंकि त्वरक पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन से व्युत्पन्न एक व्युत्पन्न मांग है। **Page- 181, S.N. Lal समष्टि अर्थ.**

24. अभिकथन (A) : ड्यूजनबरी ने प्राक्कल्पना की है कि उपभोग आय सम्बन्ध अप्रत्यावर्तनीय है।
तर्क (R) : उपभोग न सिर्फ वर्तमान आय पर परन्तु पिछली अधिकतम आय पर भी निर्भर करता है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

(d) (A) और (R) दोनों असत्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : जेम्स ड्यूजेनबरी ने 1949 ई. में सापेक्ष आय परिकल्पना का प्रतिपादन किया, जिसमें उन्होंने कहा कि आय तथा उपभोग के बीच आधारभूत सम्बन्ध दीर्घकालीन एवं आनुपातिक होता है तथा औसत आय प्रवृत्ति (APC) या C/Y अनुपात स्थिर है।

सापेक्ष आय परिकल्पना के अनुसार "किसी परिवार की आय का वह भाग जो उपभोग पर व्यय होगा, उस परिवारों जिनके मध्य वह रहता है या जिनसे संबंध स्थापित करता है, की आय के सन्दर्भ में उसकी अपनी आय की सापेक्षता के ऊपर निर्भर करता है। उपभोग स्तर को बनाये रखने के लिए लोग अपनी पिछली बचत का प्रयोग करते है। **Page- 263. S.N. Lal समष्टि अर्थ.**

25. अभिकथन (A) : 'बैकवॉश अफेक्टस्' का अभिप्राय अल्पविकसित देशों में उत्पन्न प्रतिकूल स्थिति से है।
तर्क (R) : देशी विनिर्माण की संवृद्धि की लागत पर कच्चे माल के निर्यातों पर अनावश्यक जोर।
(a) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Ans. (c) : अल्पविकसित देशों के अल्पविकास के कारणों की व्याख्या करते हुए गुन्नार-मिर्डाल ने अपनी पुस्तक 'Economic Theory and Underdevelopment Regions' में प्रस्तुत दृष्टिकोण का वर्णन किया। मिर्डाल के अनुसार चक्रीय संचयी क्रिया तथा प्रत्यस्त प्रभाव (Backwash effect) के कारण अल्पविकसित तथा विकसित देशों के बीच व्यापार से असंस्थिति की स्थिति पैदा होती है और जो संचयी रूप से संस्थिति से दूर होती जाती है।
H.G. Mannur. International Eco.

26. अभिकथन (A) : अल्पविकसित देशों में श्रम उत्पादकता के निम्न स्तर मौजूद रहते हैं।
तर्क (R) : यह भौतिक पूंजी के अभाव की वजह से होता है।
(a) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(b) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Ans. (d) : अल्पविकसित देशों में पूंजी का अभाव होता है। जिसके अनेक कारण है। जैसे- कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था, उच्च जनसंख्या स्तर, निम्न उत्पादकता, परम्परागत तकनीकी, शिक्षा का पिछड़ा स्तर स्वास्थ्य की सुविधाओं का अभाव इत्यदि। पूंजी के अभाव के कारण श्रम की उत्पादकता निम्न होती है, जिससे शिक्षण, तकनीक एवं रिसर्च इत्यदि पर व्यय कम होता है।

27. अभिकथन (A) : भारत में, ज्यादा से ज्यादा किसान (कृषक) खेती से जबरन बाहर होते जा रहें हैं।
तर्क (R) : उनका भूमि आधार ज्यादा छोटा होता जा रहा है।
(a) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Ans. (c) : भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहां की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्य में लगी हुई है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से कृषि की उत्पादन लागत बढ़ती जा रही एवं उत्पादन का आकार घटता जा रहा है। इसके अनेक कारण है, जैसे- मौसम में उतार-चढ़ाव, प्राकृतिक प्रकोप, सिंचाई की व्यवस्था में कमी, तकनीकी का अभाव जोतों का छोटा होता आकार इत्यादि। जिसके कारण किसान खेती छोड़कर दूसरे धन्धों की तरफ जा रहे है।

28. अभिकथन (A) : जगदीश भगवती ने कहा है कि एक देश, अपनी संवृद्धि प्रक्रिया में 'इम्मीसराइजिंग ग्रोथ' और 'व्यापार शर्तों' में अवनति का अनुभव करेगा।
तर्क (R) : देश के निर्यातों के लिए मांग की आय लोच अधिक होती है।
(a) (A) और (R) दोनों सत्य है।
(b) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

Ans. (c) : जगदीश भगवती ने कहा है कि एक देश अपनी सम्वृद्धि प्रक्रिया में इम्मीसराइजिंग ग्रोथ और व्यापार शर्तो में अवनति का अनुभव करेगा। क्योंकि विकसित देशों के निर्यातों की मांग लोच अधिक होता है। तथा उनकी वस्तुओं की गुणवत्ता कीमत आदि अच्छी होती है।

29. अभिकथन (A) : समवर्ती विचलनों के गुणांक की गणना विचलनों की दिशा के बीच की जाती है उनके विस्तार के बीच नहीं ।
तर्क (R) : यदि दो श्रेणियों/श्रृंखलाओं के बीच सहसम्बन्ध को बहुत नैमित्तिक रूप से अध्ययन करना वांछित है।
(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
(b) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

Ans. (d) : यदि दो श्रेणियों/ श्रृंखलाओं के बीच सहसंबंध को बहुत नैयित्तिक रूप से अध्ययन करना है तो तब वांछित होगा जब समवर्ती विचलनों के गुणांक की गणना विचलनों की दिशा के बीच की जाती है उनके विस्तार के बीच नही।

30. अभिकथन (A) : जेम्स बुकानन के विचारानुसार सार्वजनिक ऋण का प्राथमिक भार भावी पीढ़ियों को स्थानांतरित हो गया हैं।
तर्क (R) : सार्वजतिक ऋण का भुगतान भावी पीढ़ी पर कर लगा कर किया जाता है।
(a) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है
(b) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) (A) और (R) दोनों सत्य है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

Ans. (c) : यदि सार्वजनिक ऋण का भुगतान भावी पीढ़ी पर कर लगा कर किया जाता है तो इससे सार्वजनिक ऋण का प्रभाव नकारात्मक होगा और देश की अर्थिक प्रगति रूक जायेगी।

प्रश्न संख्या 31 से 38 तक के लिए, परीक्षार्थियों को सही कालानुक्रम क्रम के विकल्प पर चिन्ह लगाना है।

31. (i) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा का सिद्धान्त
(ii) कूर्नोट का द्वि-अधिकार का सिद्धान्त
(iii) मार्शल का आभास-लगान का सिद्धान्त
(iv) स्वीजी का विकुचित मांग वक्र विश्लेषण

कोड :
(a) (iv) (iii) (i) (ii)
(b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (ii) (iii) (i) (iv)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (c) : एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा का सिद्धांत
कूर्नोट का द्वि-अधिकार का सिद्धांत
मार्शल का आभास लगान सिद्धांत
स्वीजी का विकुंचित मांग वक्र विश्लेषण

32. (i) पीकॉक-वाइजमैन प्राक्कल्पना
(ii) बुकानन का क्लबों का आर्थिक सिद्धान्त
(iii) वेगनर प्राक्कल्पना
(iv) फिंडले शिराज के सार्वजनिक व्ययके प्रनियम

कोड :
(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (iii) (i) (iv) (ii)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

उत्तर (d)

Ans. (d) : वेगनर प्राक्कल्पना 91835-1917)
फिंडले-शिराज के सार्वजनिक व्यय के प्रनियम
पीकॉक- वाइजमैन प्राक्कल्पना (1890-1955)
बुकानन का क्लबों का आर्थिक सिद्धांत- 1965

33. (i) इनवेंटरी थ्योरिटिक एप्रोच
(ii) रिस्टेटमेंट ऑफ दी क्वांटिटी थ्योरी ऑफ मनी
(iii) फिशरस् इक्वेशन ऑफ एक्सचेंज
(iv) टेबलो इकोनोमिक

कोड :
(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (iii) (ii) (i) (iv)
(c) (iv) (iii) (i) (ii)
(d) (ii) (i) (iv) (iii)

Ans. (c) : टेबलो इकॉनामिक
फिशर्स इक्वेशन ऑफ एक्सचेन्ज
इनवेंटरी थ्योरेटिक एप्रोच
रिस्टेटमेंन्ट ऑफ द् क्वांटिटि थ्योरी ऑफ मनी-

34. (i) रोलिंग प्लान का प्रारम्भ
(ii) नियोजन से बाजार यंत्रावली (क्रियाविधि) की ओर संचलन
(iii) फेल्डमैन-महालेनोबिस मॉडल
(iv) योजना अवकाश की घोषणा

कोड :
(a) (i) (iii) (iv) (ii)
(b) (ii) (iv) (i) (iii)
(c) (iii) (iv) (i) (ii)
(d) (i) (iii) (ii) (iv)

Ans. (c) : फेल्डमैन महालनोबिस मॉडल- 1955-56
योजना अवकाश की घोषणा- 1966-69
रोलिंग प्लान- 1977- 78
नियोजन से बाजार यंत्रावली (क्रियाविधि) की ओर संचलन- लगभग 1985 के बाद से

35. (i) विशिष्ट टारगेट-ग्रुप उन्मुख कार्यक्रम
(ii) परिवार नियोजन का प्रारम्भ
(iii) प्रत्यक्ष निर्धनता-विरोधी कार्यक्रम
(iv) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम

कोड :
(a) (ii) (i) (iv) (iii)
(b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (iv) (iii) (i) (ii)
(d) (iii) (ii) (iv) (i)

Ans. (a) : परिवार नियोजन का प्रारंभ - 1965
विशिष्ट -टारगेट-ग्रुप उन्मुख कार्यक्रम
न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
प्रत्यक्ष निर्धनता-विरोधी कार्यक्रम

36. (i) केनकन में WTO का मंत्रीमंडलीय बैठक
(ii) हांगकाँग में WTO का मंत्रीमंडलीय बैठक
(iii) सिंगापुर में WTO का मंत्रीमंडलीय बैठक
(iv) दोहा में WTO का मंत्रीमंडलीय बैठक

कोड :
(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (ii) (iii) (i) (iv)
(d) (iv) (ii) (iii) (i)

Ans. (b) : सिंगापुर में WTO की मंत्रीमण्डलीय बैठक - 9-13 Dec, 1996
दोहा में WTO की मंत्रिमण्डलीय बैठक - 9- Nov , 1999
हांगकांग में WTO की मंत्रिमण्डलीय बैठक - 13-18 Dec 2005
कानकून में WTO की मंत्रिमण्डलीय बैठक -10 -14 Sep 2003

37. (i) नेशनल रूरल एंपलॉयमेंट गारन्टी प्रोग्राम (N.R.E.G.P.)
(ii) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (S.G.R.Y.)
(iii) अंत्योदय अन्न योजना (A.A.Y.)
(iv) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (P.M.G.S.Y.)

कोड :
(a) (i) (iv) (iii) (ii)
(b) (iii) (i) (ii) (iv)
(c) (iv) (ii) (iii) (i)
(d) (iii) (iv) (ii) (i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : अन्त्योदय अन्न योजना (A.A.Y.)- 25 Dec ,2000
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (P.M.G.S.Y.) - 25 Dec , 2000
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (S.G.R.Y.) - 22 Sep , 2001
नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंन्ट गारंटी प्रोग्राम - 2 Feb, 2006

38. वित्त आयोग का अध्यक्ष:

(i) एन.के.पी. साल्वे
(ii) सी. रंगाराजन
(iii) पी.वी. राजमन्नर
(iv) के.सी. नियोगी

कोड :

(a) (i) (iv) (iii) (ii)
(b) (iv) (iii) (i) (ii)
(c) (iv) (i) (ii) (iii)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (b) : 4. के.सी. नियोगी
3. पी.वी. राजमन्नार
1. एन.के.पी. साल्वे
2. सी. रंगराजन

इस खण्ड में दो सूची दी गई है एक में घटनायें/ सिद्धान्त/ मॉडल/ कथन दिए गए हैं और दूसरी में लेखक/वर्ष/परीक्षार्थियों को सूची-I में दी मदों को सुची-II में दी मदों के साथ मेलित करना है और सही मेलित विकल्प पर चिन्ह लगाना है।

39.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	सीमा कीमत निर्धारण सिद्धान्त	(i) इ.एच. चैम्बरलिन
(B)	विक्रय लागतें	(ii) रॉबिन मॉरिस
(C)	बिक्री अधिकतमीकरण मॉडल	(iii) जे.एस. बेन
(D)	फर्म का संवृद्धि अधिकतमीकरण मॉडल	(iv) विलियम बॉमोल

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (iii) (i) (iv) (ii)
(b) (ii) (iv) (i) (iii)
(c) (ii) (i) (iv) (iii)
(d) (iii) (ii) (iv) (i)

Ans. (a) : सीमा कीमत निर्धारण सिद्धांत - जे.एस. बेन।
विक्रय लागते - ई.एच. चैम्बरलिन
बिक्री अधिकतमीकरण मॉडल - विलियम बॉमोल
फर्म का संवृद्धि अधिकतमीकरण मॉडल - रॉबिन्स मॉरिस

40.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल	(i) $\beta_1,\beta_2 < 1$
(B)	पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल	(ii) $\beta_1 + \beta_2 > 1$
(C)	पैमाने के स्थिर प्रतिफल	(iii) $\beta_1 + \beta_2 < 1$
(D)	कारकों के ह्रासमान प्रतिफल	(iv) $\beta_1 + \beta_2 = 1$

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (i) (iv) (iii) (ii)
(b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (ii) (iii) (iv) (i)
(d) (ii) (iii) (i) (iv)

Ans. (c) : पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल - $\beta_1 + \beta_2 > 1$
पैमाने के ह्रसमान प्रतिफल - $\beta_1 + \beta_2 < 1$
पैमाने के स्थिर प्रतिफल - $\beta_1 + \beta_2 = 1$
कारकों के ह्रासमान प्रतिफल - $\beta_1, \beta_2 < 1$

41. सूची-I का सूची-II से मिलान करिए:

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	प्रकटित अधिमान प्राक्कल्पना	(i) ए. बर्गसन
(B)	आभासी लगान	(ii) बी.एस. मिन्हास
(C)	प्रतिस्थापन की लोच	(iii) ए. मार्शल
(D)	सामाजिक कल्याण फलन	(iv) पी.ए. सैम्युलसन

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (iii) (i) (ii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (iv) (i) (ii) (iii)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)

Ans. (b) : 1प्रकटित अधिमान प्राक्कलपना - पी.ए. सैम्युलसन
2. आभासी लगान - ए. मार्शल
3. प्रतिस्थापन की लोच - बी.एस. मिन्हास
4. सामाजिक कल्याण फलन - ए. बर्गसन

42.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	टेबलो इकोनोमिक	(i) रिचर्ड स्टोन
(B)	जीवन चक्र प्राक्कल्पना	(ii) रॉबर्ट मुंडेल
(C)	IS-LM मॉडल का खुली अर्थव्यवस्था संस्करण	(iii) फ्रेंकोइस क्वैने
(D)	राष्ट्रीय आय लेखकरण	(iv) फ्रेंको मोदिग्लिआनी

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (ii) (iii) (iv) (i)
(b) (iii) (i) (ii) (iv)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (iv) (iii) (i) (ii)

Ans. (c) : टेबलो इकोनोमिक - फ्रेंकोइस क्वैने
जीवन चक्र प्राक्कल्पना - फ्रेंको मोदिग्लियानी
IS-LM मॉडल का खुली अर्थव्यवस्था संस्करण - राबर्ट मुण्डेल
राष्ट्रीय आय लेखकरण - रिचर्ड स्टोन

43.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता	(i) डब्ल्यु.डब्ल्यु. रोस्टो
(B)	पूंजी का जैव संयोजन	(ii) आर.एफ. हैरोड
(C)	संवृद्धि की आश्वासित दर	(iii) मॉरिस डी. मॉरिस

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D) संवृद्धि सिद्धान्त की अवस्थायें (iv) कार्ल मार्क्स

कूट :

	(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (d) :

जीवन सूचकांक का भौतिक गुणवत्ता	– मॉरिस डी मॉरिस
पूंजी का जैव संयोजन	– कार्ल मॉर्क्स
संवृद्धि की आश्वासित दर	– आर.एफ. हैरोड
संवृद्धि सिद्धान्त की अवस्थायें	– डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टो

46.

समूह-I		समूह-II	
(A)	n_{c_r}	(i)	$\frac{\lfloor n}{\lfloor r}$
(B)	n_{p_r}	(ii)	$\lfloor n$
(C)	$n_{c_r} \times \lfloor n-r$	(iii)	$\frac{\lfloor n}{\lfloor n-r \lfloor r}$
(D)	$n\, n_{p_r} \lfloor n-r$	(iv)	$\frac{\lfloor n}{\lfloor n-r}$

कूट :

	(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (d) :

n_{c_r}	- (iii)	$\frac{\lfloor n}{\lfloor n-r \lfloor r}$
n_{p_r}	- (iv)	$\frac{\lfloor n}{\lfloor n-r}$
$n_{cr} \times \lfloor n-r$	- (i)	$\frac{\lfloor n}{\lfloor r}$
$n_{Pr} \times \lfloor n-r$	- (ii)	$\lfloor n$

नीचे दिया परिच्छेद पढ़िए और परिच्छेद की अपनी समझ के आधार पर प्रश्न संख्या 47 से 50 तक का उत्तर दीजिए।

सूक्ष्म आर्थिक छानबीन के समर्थन में संरक्षण के लिये जो तर्क दिया जाता है वो शिशु उद्योग का तर्क है। इसका अर्थ है कि राष्ट्र को वस्तु में सम्भाव्य तुलनात्मक लाभ हो सकता है परन्तु ज्ञान के अभाव की वजह से और उत्पादन (आगत) का प्रारम्भिक छोटा स्तर की वजह से उद्योग, ज्यादा मजबूत विदेशी फर्मों के साथ सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता है। संरक्षण के लिए, शिशु-उद्योग तर्क सही है परन्तु उसे कई महत्वपूर्ण योग्यताओं की आवश्यकता है। पहला, ऐसा तर्क विकासोन्मुख राष्ट्रों के लिये ज्यादा न्यायसंगत ठहरता है जहां पूंजीगत बाजार शायद उचित रूप से कार्य नहीं करेंगे। दूसरा, जैसा कि अनुभव ने यह दर्शाया है कि एक बार दी गई सुरक्षा को हटाना कठिन होता है। तृतिय, आयात प्रशुल्क के रूप में दी गई वाणिज्य सुरक्षा की अपेक्षा उसके बराबर का दिया गया परिदान (सब्सिडी) शिशु-उद्योग के लिए कहीं बेहतर सिद्ध हो सकता है। इसका कारण यह है कि ऐसा विशुद्ध घरेलू विरूपण को विशुद्ध घरेलू नीति से दूर किया जाए। इसके लिए शिशु-उद्योग को प्रत्यक्ष उत्पादन-सब्सिडी से अपनाया जा सकता है। उत्पादन सब्सिडी अनुदान का अधिक प्रत्यक्ष रूप है और इसे आयात-प्रशुल्क की अपेक्षा आसानी से हटाया जा सकता है। उद्योग को प्रत्यक्ष सब्सिडी प्रदान करना सीमा शुल्क देने से बेहतर नीति होगी। यह उन क्रियाओं के जो बाह्य निरर्थकारीताओं को हतोत्साहित करने के लिए दिया जाता है क्योंकि ऐसे कर से अनुपातिक मूल्यों और उपभोग में विकृति नहीं आती।

47. ज्यादा मजबूत विदेशी फर्मों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में उद्योग को किस वजह से बाधायें आती हैं :

(a) ज्ञान और प्रौद्योगिकी का अभाव
(b) पूंजी का अभाव और प्रारम्भिक उत्पादन का निम्न स्तर
(c) ज्ञान का अभाव और उत्पादन का प्रारम्भिक निम्न स्तर
(d) लचीलेपन का अभाव

Ans. (c) : ज्यादा मजबूत फर्मों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में छोटी फर्मों को ज्ञान का अभाव और उत्पादन का प्रारंभिक निम्न स्तर इत्यादि की वजह से बाधाएं आती है।

48. विकासोन्मुख देश किस के द्वारा चरित्रांकित होते हैं:

(a) मुद्रा बाजार की गलत कार्यकारिता
(b) पूंजी बाजारों की अनुपस्थिति
(c) मुद्रा बाजार और पूंजी बाजार दोनों की अनुपस्थिति
(d) पूंजी बाजार की गलत कार्यकारिता

Ans. (d) : विकासोन्मुख देश पूंजी बाजार की गलत कार्यकारिता के द्वारा चारित्रांकित होते है।

49. व्यापार संरक्षण का उपयुक्त रूप क्या है?

(a) निर्यात शुल्क
(b) आयात शुल्क
(c) निर्यात के लिये आर्थिक सहायता
(d) गैर-शुल्क बाधाएं

Ans. (d) : व्यापार संरक्षण का उपयुक्त रूप गैर-शुल्क बाधाएं है।

50. निम्नांकित में से कौनसी गतिविधि बाह्य सुलाभ को उत्पन्न करने के लिए उपयुक्त है?

(a) प्रत्यक्ष कर
(b) सीमा शुल्क
(c) व्यापार नीतियां
(d) उत्पादन के लिए आर्थिक सहायता

Ans. (d) : उत्पादन के लिए आर्थिक सहायता बाह्य सुलाभ को उत्पन्न करने के लिए उपयुक्त है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2009

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्न में से कौन एक तटस्थता वक्र विश्लेषण की मान्यता नहीं है?

(a) कमजोर अनुक्रम
(b) स्थिर आय
(c) वस्तुओं की पूर्ण विभाज्यता
(d) उपयोगिता की क्रमसूचक प्रकृति

Ans. (a) : जे.आर. हिक्स तथा R.G.D. Ellen ने उपभोक्ता के व्यवहार के अध्ययन के लिए उपयोगिता के क्रमवाचक विधि का क्रमबद्ध विवेचन किया। दो या दो से अधिक वस्तुओं के ऐसे संयोगों या युग्मों को प्रदर्शित करने वाला वक्र जिससे उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त हो, समसंतुष्टि वक्र या तटस्थता वक्र कहलाता है।

मान्यतायें-

(1) उपभोक्ता विवेकपूर्ण है।
(2) उपयोगिता का क्रमवाचक माप संभव है।
(3) अनधिमान वक्र प्रतिस्थापन की सीमांत दर (Marginal Rate of Substitution) की घटती हुई मान्यता पर आधारित है।
(4) उपभोक्ता को उन परिस्थितियों का पूर्ण ज्ञान है, जिसमें वह व्यवहार कर रहा है तथा उसके पास सभी आवश्यक सूचनायें हैं।
(5) अनधिमान वक्र विश्लेषण निर्बल क्रमबद्धता (Weak ordering) पर आधारित है।
(6) अनधिमान वक्र अधिमान के सम्बन्ध में सकर्मकता (Transitivity) तथा स्थिरता (Consistency) सम्बन्ध पर आधारित है।
(7) उपभोक्ता की कुल उपयोगिता उसके द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की कुल मात्रा पर निर्भर करती है।

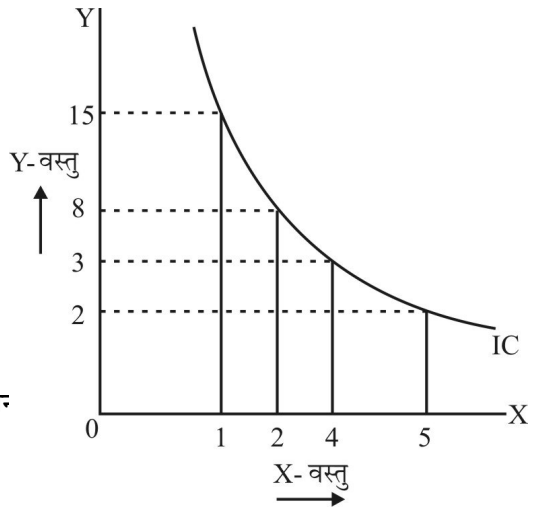

अ-

2. रेखीय अधोमुखी माँग की रेखा पर लोच गुणांक का मूल्य बदलते हैं क्योंकि :

(a) $\frac{\delta q}{\delta p}$ बदलते हैं (b) $\frac{\delta p}{\delta q}$ बदलते हैं

(c) $\frac{p}{q}$ बदलते हैं (d) A और B दोनों बदलते हैं

Ans. (a) : रेखीय अधोमुखी मांग की रेखा पर लोच गुणांक का मूल्य बदल जाता है, क्योकि $\frac{\delta q}{\delta p}$ बदल जाता है।

3. निम्न अर्थशास्त्रियों को अल्पाधिकार सिद्धान्त में उनके योगदान के संदर्भ में कालानुक्रमिक रूप में दर्शाएं:

(a) ई. स्टैकेलबर्ग (b) ए. कुर्नो
(c) जे. बरट्रैन्ड (d) पी. स्वीजी

कोड:

(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans. (b) : अल्पाधिकार अपूर्ण प्रतियोगिता का ही एक रूप है। अल्पाधिकारी मॉडल के अन्तर्गत अर्थशास्त्रियों का कालानुक्रम निम्न है-

(i) ए. कूर्नो (ii) जे. बरट्रैण्ड
(iii) पी स्वीजी (iv) ई. स्टैकेलबर्ग

4. कथन (A) : गिफेन वस्तुओं के संदर्भ में कीमत में वृद्धि के कारण मांग में वृद्धि होगी जबकि कीमत में ह्रास होने पर मांग में ह्रास होगा।
कारण (R) : प्रत्येक कीमत परिवर्तन को आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव में विभाजित किया जा सकता है।

(a) A और (R) दोनों सही हैं और A का सही व्याख्या R है।
(b) A और (R) दोनों सही हैं और R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं किंतु R गलत है।
(d) A गलत हैं किंतु R सही है।

Ans. (b) : ऐसी निम्न वस्तुएं जिनकी दशा में उपभोक्ता उनकी कीमत गिरने पर उनके उपभोग को घटा देता है और उनकी कीमत बढ़ने पर उनके उपभोग को बढ़ा देता है को गिफेन वस्तुयें (Giffen Goods) कहा जाता है। कीमत पदार्थ की मांग मात्रा उसकी कीमत में परिवर्तन की दिशा में ही बदलती है अर्थात गिफेन पदार्थ की मांग और उसकी कीमत में सीधा सम्बन्ध होता है। गिफेन वस्तुओं की दशा में ऋणात्मक आय प्रभाव बहुत बलवान होता है, जिससे इसका प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक होता है। इसको निम्न रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

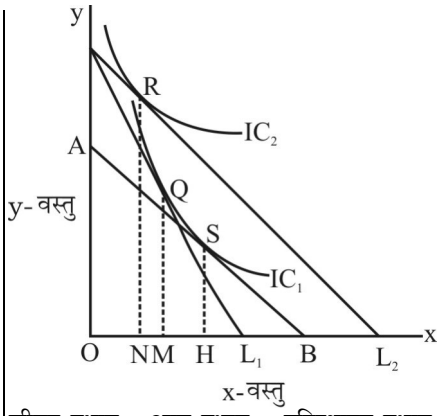

कीमत प्रभाव = आय प्रभाव + प्रतिस्थापन प्रभाव

MN	=	$E_3 E_2$ या	+	$E_1 E_2$ या
या $E_1 E_3$		HN		HM
←		→		←

5. कथन (A) : सार्वजनिक वस्तुओं का अस्तित्व पैरेटो-इष्टतमा की प्राप्ति में बाधक है।
कारण (R) : सार्वजनिक वस्तु से प्राप्त सीमांत लाभ का मूल्यांकन व्यक्तियों के बीच भिन्न-भिन्न होते हैं।

(a) A और (R) दोनों सही हैं और A का सही व्याख्या R है।
(b) A और (R) दोनों सही हैं और R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं किंतु R गलत है।
(d) A गलत हैं किंतु R सही है।

Ans. (b) : सार्वजनिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है, जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और इनकी पूर्ति समाज के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है। इस प्रकार इन वस्तुओं का संयुक्त उपभोग होता है तथा इन पर प्रतिद्वन्द्विता रहित (Non-Rival), एवं अपवर्जन का सिद्धांत लागू (Exclusion Principle) नहीं होता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते हैं, इसके लिए चाहे वह भुगतान किया हो या न। सार्वजनिक वस्तुओं से प्राप्त सीमांत लाभ समुदाय के व्यक्तियों के अलग-अलग होता है। सार्वजनिक वस्तुओं के सम्बन्ध में उपभोक्ता के अधिमान की अभिव्यक्ति स्वत: नहीं होती है। परैटो अनुकूलतम सिद्धांत के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो। अतः सार्वजनिक वस्तुओं के सम्बन्ध में परैटो इष्टतमा बाधक है। इस प्रकार A और R दोनों सही है, लेकिन व्याख्या सही नहीं है।

Page - 13, S.N. Lal (Pub- Dinanu)
Page- 899, H.L. Ahuja (Micro Eco.)

6. दीर्घकाल में पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत साम्य की प्राप्ति होती है, जब :

(a) AR =MR (b) LMC=MR
(c) MR=LAC (d) कीमत = LMC

Ans. (b) : पूर्णप्रतियोगिता से आशय बाजार की एक ऐसी स्थिति से है, जिसमें व्यक्तिगत रूप से कोई भी क्रेता अथवा विक्रेता इतना शक्तिशाली नहीं हो कि वह बाजार में प्रचलित मूल्य को प्रभावित कर सके, क्रेता व विक्रता को बाजार का पूर्ण ज्ञान रहता है। पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत दीर्घकाल में फर्म केवल सामान्य लाभ प्राप्त करती है। दीर्घकाल में फर्म उस समय संस्थिति की स्थिति में होगी, जब उसने अपने प्लांट को इस प्रकार समायोजित कर लिया हो कि जिससे अपनी दीर्घकालीन औसत लागत के न्यूनतम बिन्दु पर उत्पादन कर रही हो तथा इसी बिन्दु पर औसत आय रेखा दीर्घकालीन, लागत वक्र की स्पर्श रेखा हो। इस प्रकार दीर्घकाल में फर्म के संतुलन की दोहरी शर्तें हैं -

(i) MR = MC तथा
(ii) LAC = AR

इस प्रकार दीर्घकालीन संस्थिति स्थिति की स्थिति निम्न होगी।

$$\boxed{LAC = LMC = AR = MR}$$

संतुलन को निम्नचित्र द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं-

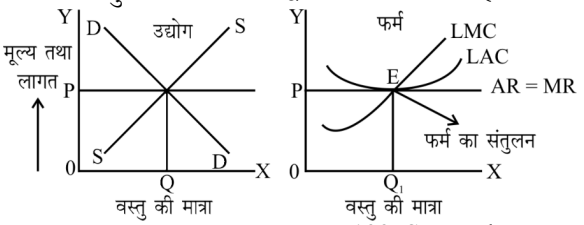

Page- 199, S.N. Lal
Micro. Eco.

7. मार्क्स के वितरण के सिद्धान्त में निम्न अनुपातों में से कौन एक लाभ के दर का प्रतिनिधित्व करता है?

(a) $\frac{C}{V}$ (b) $\frac{C}{C+V}$
(c) $\frac{S}{V}$ (d) $\frac{S}{C+V}$

Ans. (d) : मार्क्स के वितरण के सिद्धांत के अनुसार लाभ की दर अतिरेक मूल्य और कुल पूंजी मूल्य का अनुपात होता है। अर्थात्

$$\boxed{\text{Rate of Profit}(P) = \frac{S}{C+V}}$$

जहां, S = Surplus Value.
C = Value of Material and Machinary
V = Amount of labour used in Particular Period.

$$\text{लाभ की दर } (P) = \frac{S}{C+V}$$

$$P = \frac{S/V}{C/V + V/V} \quad \text{(ऊपर नीचे V से भाग देने पर)}$$

$$P = \frac{S/V}{1 + C/V}$$

इस प्रकार लाभ की दर, अतिरेक मूल्य दर से प्रत्यक्ष आनुपातिक तथा पूंजी की समवायी संयोजन से विपरीत आनुपातिक सम्बन्ध होता है।

8. कथन (A) : वैसी अर्थव्यवस्था जहाँ पूर्ण रोजगार स्तर से कम की स्थिति है, वहाँ यह आवश्यक नहीं कि 'क्राउडिंग आउट' हो।
कारण (R) : मौद्रिक प्राधिकार एक ऐसे मौद्रिक नीति का समावेश कर सकते हैं जो उत्पादन विस्तार के साथ व्याज-दरों में वृद्धि से परहेज करता हो

(a) A और (R) दोनों सही हैं और R सही व्याख्या है।
(b) A और (R) दोनों सही हैं किन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं किंतु R गलत है।
(d) A गलत हैं किंतु R सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : जब सरकार ऋण लेकर राजकोषीय व्यय को पूरा करती है तो ब्याज दर काफी बढ़ जाता है जिससे निजी निवेश में कमी हो जाती है, जिसे 'Crowding out effect' कहते हैं। अर्थव्यवस्था में 'क्राउडिंग आउट प्रभाव गुणांक की प्रभावशीलता कम होने के कारण होता है। इस प्रकार वैसी अर्थव्यवस्था जहां पूर्ण रोजगार स्तर से कम की स्थिति हो, वहां यह जरूरी नहीं है कि क्राउडिंग आउट हो।

जब विशिष्ट आर्थिक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सरकार मुद्रा विस्तार नीति अपनाती है तो इसे मौद्रिक नीति कहते हैं। जब सरकार विस्तारवादी मौद्रिक नीति अपनाती है तो आय में वृद्धि तथा ब्याज दर में कमी होती है। ब्याज दर में कमी निजी निवेश को प्रोत्साहित करती है, जिससे उत्पादन, रोजगार व आय में वृद्धि होती है।

इस प्रकार कारण व कथन दोनों सही है, परन्तु वे एक-दूसरे की व्याख्या नहीं कर रहे हैं।

Page - 668 सिगन, Macro Eco.

9. मौद्रिक नीति में किसी परिवर्तन के संचरण के संचालन का क्रम है :

1. वास्तविक मौद्रिक आपूर्त्त में परिवर्तन
2. उत्पादन में समंजन
3. व्यय में समंजन
4. ब्याज दरों तथा परिसम्पत्ति कीमतों में परिवर्तन

कूट के अनुसार सही उत्तर का चयन करें-

(a) 1, 2,4,3 (b) 1,2,3,4
(c) 1,4,3,2 (d) 1,3,2,4

Ans. (c) : मौद्रिक नीति में किसी परिवर्तन के संचरण के संचालन का क्रम 1,4,3,2।

10. कीन्स के प्रचलित मान्यता के अन्तर्गत IS-LM मॉडल में सरकारी व्यय में वृद्धि के कारण :

(a) आय और ब्याज की दर दोनों बढ़ेगे
(b) आय बढ़ेगी तथा ब्याज की दर घटेगी
(c) आय में कोई परिवर्तन नहीं होगा और ब्याज की दर घटेगी
(d) आय बढ़ेगी और ब्याज की दर में कोई परिवर्तन नहीं होगा

Ans. (b) : कीन्स के प्रचलित मान्यता के अन्तर्गत IS-LM मॉडल में सरकारी व्यय में वृद्धि के कारण आय बढ़ेगी तथा ब्याज की दर घटेगी। जब सरकार सार्वजनिक व्यय का वित्तीयन करारोपण द्वारा करती है तो दो प्रभाव उत्पन्न होते हैं- प्रथम सार्वजनिक व्यय में वृद्धि से IS-Curve ऊपर की ओर विवर्तित होगा अर्थात् ऋणात्मक प्रभाव उत्पन्न होगा। इस प्रकार कह सकते हैं कि यदि G>T तो धनात्मक प्रभाव तथा इसके विपरीत G<T तो ऋणात्मक प्रभाव या G=T तो यह संतुलित बजट की स्थिति होगी तथा IS-Curve ऊपर की ओर Sift करेगा।

11. मूल फिलिप्स वक्र निम्न में से दो में सम्बन्ध मानता है :

(a) बेरोजगारी का दर
(b) बेरोजगारी का स्तर
(c) मौद्रिक मजदूरी में वृद्धि का दर
(d) वास्तविक मजदूरी में वृद्धि का दर

कूट के अनुसार सही समूह का चयन करें :

कूट:

(A) (ii) और (ii) (B) (i) और (iv)
(C) (ii) और (iv) (D) (i) और (iii)

Ans. (d) : फिलिप्स वक्र ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए. डब्ल्यू. फिलिप्स द्वारा 1958 में प्रस्तुत किया गया जिसके द्वारा ब्रिटेन में 1861 – 1913 की अवधि में मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध की व्याख्या की गई। मूलरूप में फिलिप्स वक्र द्वारा केवल मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध व्यक्त किया गया था, परन्तु बाद में मुद्रा स्फीति तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध की व्याख्या की गई। मूलरूप में फिलिप्स वक्र द्वारा केवल मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध व्यक्त किया गया था, परन्तु बाद में मुद्रा स्फीति तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध दिखाने के लिए किया जाने लगे। इस प्रकार फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा स्फीति (मौद्रिक मजदूरी) में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते हैं-

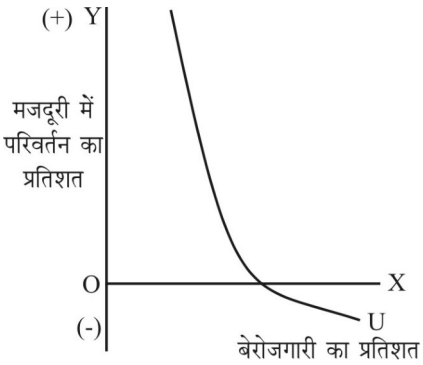

इस रेखाचित्र के आधार अक्ष पर बेरोजगारी का प्रतिशत तथा y - अक्ष पर मजदूरी में परिवर्तन प्रदर्शित है। इन दोनों की एक गैर-रैखिक वक्र है। Page- 358, S.N Lal, Macro Eco.

12. कथन (A) : ओकुन का नियम समष्टि आर्थिक नीति के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।
कारण (R) : ओकुन का नियम यह दर्शाता है कि एक विकास लक्ष्य कालेतर में बेरोजगारी दर को प्रभावित करेगा।
कूट के अनुसार सही उत्तर का चयन करें

(a) A और R दोनों सही हैं और R सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं किंतु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं किंतु R गलत है।
(d) A गलत हैं किंतु R सही है।

Ans. (b) : आर्थर ओकुन (Arther Okun) ने 1977 में तंगहाली या विपन्नता सूचकांक (Misery Index) दिया। ओकुन का नियम समष्टि आर्थिक नीति निर्माण में उपयोगी है। यह एक अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति की दर तथा बेरोजगारी का एक मूल्य है। किसी देश में विपन्नता सूचकांक का स्तर जितना ही ऊँचा होगा उस देश के लोगों को जीवन निर्वाह करना उतना ही कठिन है।

13. जब मुद्रा की पूर्ति बढ़ती है तो कीमत स्तर में अनुपातिक वृद्धि होती है- कथन है :

(a) मार्शल (b) फीशर
(c) कीन्स (d) कैन्टिलन

Ans. (c) : कीन्स के अनुसार "जब मुद्रा की पूर्ति बढ़ती है तो कीमत स्तर में आनुपातिक वृद्धि होती है।

14. केन्सियन व्यवस्था में निवेश मांग का निर्धारण इनके द्वारा होता है :

(a) पूंजी की सीमान्त क्षमता
(b) कर दरें
(c) निवेश की सीमांत क्षमता
(d) पूंजी का स्टाक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट के अनुसार सही उत्तर का चयन करें।

(A) (i) और (ii) (B) (i) और (iii)
(C) (ii) और (iii) (D) (iii) और (iv)

Ans. (b) : कीन्स ने विनियोजन निर्णय के सम्बन्ध में भावी आय पर आधारित एक वैकल्पिक विधि की बात की, जिसे उन्होंने पूंजी की सीमांत दक्षता विधि कहा। सूत्र रूप में-

$$C = \frac{R_1}{(1+i)^1} + \frac{R_2}{(1+i)^2} + \frac{R_3}{(1+i)^3} + \ldots\ldots \frac{R_n}{(1+i)^n}$$

जहां i = पूंजी की सीमांत दक्षता है।
कोई भी विनियोजक तभी विनियोग करेगा जब i>r हो क्योंकि तभी विनियोग लाभप्रद होगा। उस स्थिति में विनियोग नहीं करेगा जब i < r हो।
इस प्रकार पूंजी की सीमांत दक्षता विनियोग पर प्रतिफल की प्रत्याशित दर है, ब्याज दर नहीं है। इसको रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं-
चित्र में MEC ऋणात्मक ढाल की है। पूंजी निर्णय (विनियोग) वहां होगा जहां MEC=rहै।

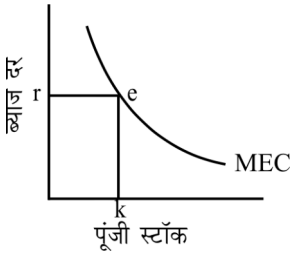

15. निम्न में से कौन सा एक आर्थिक विकास का लक्षण नहीं है?

(a) उद्योग के पक्ष में सकल राष्टीय उत्पाद का बदलता हुआ ढांचा
(b) सकल राष्ट्रीय उत्पाद का बड़ा भाग प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त होना
(c) पूंजी का बढ़ता हुआ अन्तः प्रवाह
(d) अर्थव्यवस्था में संस्थात्मक परिवर्तन

Ans. (b) : सकल राष्ट्रीय उत्पाद का बड़ा भाग प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त होना आर्थिक विकास का लक्षण नहीं है। शेष अन्य जैसे- उद्योग के पक्ष में सकल राष्ट्रीय उत्पाद का बदलता हुआ ढांचा, पूंजी का बढ़ता हुआ अंतः प्रवाह, अर्थव्यवस्था में संस्थात्मक परिवर्तन इत्यादि आर्थिक विकास के लक्षण हैं।

16. एक देश में वास्तविक आर्थिक संवृद्धि का दर वार्षिक प्रतिशत संवृद्धि का द्योतक है :

(a) चालू कीमतों पर जी.डी.पी. की संवृद्धि दर
(b) चालू कीमतों पर साधन लागत की जी.डी.पी. की संवृद्धि दर
(c) स्थिर कीमतों पर साधन लागत की जी.डी.पी. संवृद्धि दर
(d) बाजार कीमतों पर जी.डी.पी. संवृद्धि दर

Ans. (c) : स्थिर कीमतों पर साधन लागत की G.D.P. संवृद्धि दर एक देश में वास्तविक आर्थिक संवृद्धि का दर वार्षिक प्रतिशत संवृद्धि का द्योतक है।

$$GDP_{FC} = GDP_{MP} - \text{Indirect tax} + \text{Subsidy}$$

17. निम्न कथनों पर विचार करें।

(i) आर्थिक विकास जो वर्तमान समय में उच्च स्तर की राष्ट्रीय उत्पाद का परिणाम है।
(ii) आर्थिक विकास का एक प्रतिमान जो बिना भविष्य की संभाव्यता पर समझौता किये वर्तमान आवश्यकताएँ पूरा करता है।
(iii) विकास जो वर्तमान पीढ़ी के अधिकतम कल्याण को सुरक्षित करता है।
(iv) विकास जो पर्यावरण के अधः पतन पर विचार करता है।

उपर्युक्त में से धारणीय विकास के अन्तर्गत आता है :
कूट :

(A) (ii) और (iv) (B) (ii) और (iii)
(C) (ii) और (iii) (D) (i)(ii)(iii) और (iii)

Ans. (a) : 1982 के दशक में विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WCED) के द्वारा 'Our Common Future' के नाम से एक रिपोर्ट जारी की, जिसे Brundt land' रिपोर्ट भी कहते हैं। इसे UN ने 1987 में स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट ने धारणीय विकास की परिभाषा निम्न प्रकार दी- "विकास को संपोषी बनाने की क्षमता यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया जाए किन्तु साथ ही भावी पीढ़ियों द्वारा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करके उनकी क्षमताओं का अतिक्रमण न किया जाए। अतः यह एक बहुत ही व्यापक धारणा है।

$$S.D. = \frac{\text{Development} + \text{Environment}}{\text{Income} + \text{Non} - \text{Income}}$$

इस प्रकार S.D. में भूत, वर्तमान तथा भविष्य तीनों की बात की जाती है। अतः S.D. मुख्यतः अन्तर पीढ़ी संकल्पना है और यह अंतर पीढ़ी संतुलन की बात करता है।

18. कथन (A) : संचयी कार्यकारण संबंध एक विकासशील राष्ट्र के पिछड़ेपन की व्याख्या है। यह एक भौगोलिक द्वयात्मकता की परिकल्पना है।
कारण (R) : अनुग्रहित क्षेत्र में प्रसार का दूसरे क्षेत्रों में प्रतिवादी प्रभाव पड़ता है जिसके कारण क्षेत्रीय विषमताएँ होती है।
निम्न कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें

(a) A और R दोनों सही हैं और A का सही व्याख्या R है।
(b) A और R दोनों सही हैं किंतु A का सही व्याख्या R नहीं है।
(c) A सही हैं किंतु R गलत है।
(d) A गलत हैं किंतु R सही है।

Ans. (a) : चक्रीय संचयी क्रिया तथा प्रत्यस्त प्रभाव के कारण अल्पविकसित तथा विकसित देशों के बीच असंस्थिति की स्थिति पैदा होती है, जो अल्पविकसित देश को और गरीब बना देता है अर्थात गरीब देश और गरीब हो जाता है तथा विकसित और विकसित होता चला जाता है। गुन्नार मिर्डाल ने चक्रीय-संचयी अर्न्तप्रक्रिया को प्रत्यस्त प्रभाव (Backwash effect) तथा विस्तार प्रभाव (Spread effect) के द्वारा व्याख्या किया और बताया कि Back wash effect के कारण एक अल्पविकसित देश निर्धन, होता जाता है तथा विकसित देश और विकसित Spread effect के कारण होता है।

19. यू.एन.डी.पी द्वारा निर्मित मानव विकास सूचकांक निम्न में से कुछ चरों पर आधारित है:

(i) जन्म के समय जीवन की संभाव्यता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(ii) स्वास्थ्य सुविधाएँ
(iii) क्रय शक्ति द्वारा समायोजित प्रति व्यक्ति आय
(iv) साक्षरता तथा नामांकन प्रतिशत

उपर्युक्त चरों में से

(a) (i) (ii) तथा (iii) सही है।
(b) (ii) (iii) तथा (iv) सही है।
(c) केवल (i) तथा (iii) सही है।
(d) (i) (iii) तथा (iv) सही है।

Ans. (d) : मानव विकास सूचकांक (HDI) का प्रतिपादन 1990 मे UNDP से जुड़े हुए अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक तथा उनके अन्य सहयोगी अर्थशास्त्री ए.के. सेन तथा सिंगार हंस ने किया। वर्तमान में मानव विकास सूचकांक ही विकास का केन्द्र बिन्दु है। यह 3 स्तम्भ (Dimension) तथा 4 सूचकों (Indicators) पर आधारित है-

(1) Life (जीवन)- (i) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (life expectancy at birth)
(2) Education (शिक्षा)- (i) स्कूली शिक्षा के माध्य वर्ष (Mean years of Schooling)
(ii) स्कूली शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष (Expected years of schooling)
(3) Income (आय)- (i) Per Capita GNI (In US $ Per Annum at PPP)

मानव विकास सूचकांक इन तीन आयामों का गुणेत्तर माध्य है-

$$HDI = \sqrt[3]{\text{Index Value}_{L,}\ \text{Index Value}_{E,}\ \text{Index Value Income}}$$

20. सोलो के दीर्घकालीन संवृद्धि मॉडल में निम्न में से कौन सी एक की मान्यता नहीं है?

(a) बचत अनुपात स्थिर है
(b) कीमत तथा मजदूरी स्थिर है
(c) उत्पादन फलन समरूप है
(d) श्रम और उत्पादन समान दर पर नहीं बढ़ रहे हों

Ans. (b) : आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया में पूर्ति पक्ष के तत्वों पर अधिक बल देने के कारण सोलों के मॉडल को आर्थिक संवृद्धि का नव-प्रतिष्ठित सिद्धांत कहा जाताहै। इसमें हैरड डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत किया गया अर्थात् यह सिद्धांत स्थायी संतुलन की बात करता है। यह मॉडल निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है-
(1) यह माडल द्विक्षेत्रीय बंद अर्थ व्यवस्था से सम्बन्धित है।
(2) अर्थव्यवस्था में पूर्णरोजगार की स्थिति है।
(3) जनसंख्या की वृद्धि दर दी हुई है अर्थात ($L_t = Loe^{nt}$)
(4) उत्पादन फलन सहजातीय है जो अल्पकाल में असमान प्रतिफल नियम तथा दीर्घकाल में पैमाने का समप्रतिफल नियम प्रदर्शित करता है।
(5) बचतें आय का फलन है अर्थात् S= sy
(6) तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
(7) पूंजी-श्रम अनुपात (K/L) परिवर्तनशील है।
(8) उत्पादन के दो साधन पूंजी तथा श्रम है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर सोलों अपने संवृद्धि माडल की व्याख्या की।

21. संतुलित संवृद्धि की मूल व्याख्या का सम्बन्ध है :

(a) सभी क्षेत्रों में समान दर पर विकास होना
(b) सभी क्षेत्रों में समान राशि का निवेश होना
(c) कमियों और आधिक्यों की अनुपस्थिति होना
(d) सभी क्षेत्रों में आर्थिक-कार्यकलापों में व्यापक विस्तार होना

Ans. (b) : अल्पविकसित देशों को अल्पविकास के दुष्चक्र से निकालने के लिए भारी मात्रा में निवेश की आवश्यकता होती है। यह निवेश किस प्रकार से और किन उद्योगों में किया जाए, इस विषय पर अर्थशास्त्री दो भागों में बंट जाते है-
(1) संतुलित विकास के समर्थक, तथा
(2) असंतुलित विकास के समर्थक।
संतुलित विकास के प्रमुख समर्थक रोजेस्टीन रोडान, आर्थर लेविस, रेगनर नर्क्स, एडम स्मिथ, फ्रैड्रिक लिस्ट, सीटोवस्की इत्यादि है जो यह मानते हैं कि अल्पविकसित देशों में अल्पविकास के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश करना आवश्यक है ताकि वे परस्पर पूरक रूप में विकसित हो सके।

22. समूह I में कुछ लेखकों का नाम है तथा समूह-II में उन लेखकों से सम्बन्धित सिद्धान्तों/परिकल्पनाएँ हैं। लेखकों को उनके योगदान से मिलान कराते हुए समूहों के नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें :

समूह-I (लेखक)	समूह-II (योगदान)
A. रोडान आर.	(i) निम्न स्तर पर साम्य जाल
B. नेलसन आर.	(ii) न्यूनतम क्रांतिक प्रयास
C. हर्षमैंन ए.	(iii) प्रबल प्रयास
D. लैबेन्सटीन एच.	(iv) असंतुलित संवृद्धि

	A	B	C	D
(a)	iii	i	iv	ii
(b)	iii	i	ii	iv
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	ii	iii	i	iv

Ans. (a) :
(a) रोडान आर. (iii) प्रबल प्रयास (Big Push Theory)
(b) नेल्सन, आर (i) निम्न स्तर पर साम्य जाल (Low Level Equilibruium Trap)
(c) हर्षमैन ए (iv) असंतुलित संवृद्धि। (Un balanced Growth Strategu)
(d) लैबेन्स्टीन एच. (ii) न्यूनतम क्रांतिक प्रयास। (Critical Minimum Effort Thesis)

23. निवेश कसौटी में छाया कीमतें वैसी कीमतें हैं, जो :

(a) नियंत्रित कीमतों की अपेक्षा समानान्तर काला बजार में हों।
(b) बिना लागत पर विचार किये सरकार द्वारा तय किये जाते हों
(c) वस्तुओं तथा उत्पादन साधनों की सही एवं दुर्लभ कीमतों को दर्शाता हो।
(d) जहाँ वस्तु एवं साधन उपलब्ध न हो

Ans. (c) : निवेश कसौटी में छाया कीमतें वैसी कीमते हैं, जो वस्तुओं तथा उत्पादन साधनों की सही व दुर्लभ कीमतों को दर्शाता है।

24. प्रगतिशील कर वह है जिसमें :

(a) कर भुगतान आय के प्रतिशत के रूप में घटता है
(b) कर भुगतान आय के प्रतिशत के रूप में स्थिर रहता है
(c) कर भुगतान आय के प्रतिशत के रूप में बढ़ता है
(d) आय और कर भुगतान के बीच कई अनुबंध नहीं होता है।

Ans. (c) : प्रगतिशील कर प्रणाली के अन्तर्गत आय बढ़ने के साथ-साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। इस कर का भार गरीबों पर कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

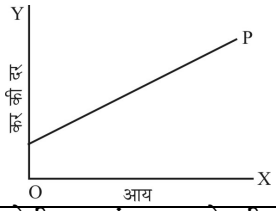

25. राजकोषीय असंतुलन को ठीक करने के लिए एक आवश्यक शर्त है।

(a) सार्वजनिक ऋण पर वास्तविक ब्याज दर जी.डी.पी. विकास दर के बराबर हो
(b) सार्वजनिक ऋण पर वास्तविक ब्याज दर जी.डी.पी. विकास दर से अधिक हो।
(c) सार्वजनिक ऋण पर वास्तविक ब्याज दर जी.डी.पी. विकास दर से कम हो
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : राजकोषीय असंतुलन को ठीक करने के लिए एक आवश्यक शर्त सार्वजनिक ऋण पर वास्तविक ब्याज दर G.D.P. विकास दर से कम हो।

26. बारहवीं वित्त आयोग ने, अन्य अनुशंसाओं के अतिरिक्त, विभाज्य केन्द्रीय कर की शुद्ध प्राप्तियों में से राज्यों के अंश को बढ़ाने की अनुशंसा की है :

(a) 25.1 प्रतिशत (b) 28.9 प्रतिशत
(c)30.5 प्रतिशत (d) 45.5 प्रतिशत

Ans. (c) : 12 वें वित्त आयोग ने, अन्य अनुशंसाओं के अतिरिक्त विभाज्य केन्द्रीय कर की शुद्ध प्राप्तियों में से राज्यों के अंश को 30.5% बढ़ाने की अनुशंसा की, जबकि 13वें वित्त आयोग ने 32.5% की।

14 वें वित्त आयोग ने केन्द्रीय विभाज्य पूल में राज्यों का हिस्सा 32% से बढ़ाकर 42% कर दिया, जो उर्ध्वाधर अंतरण में अब तक का सबसे अधिक है।

27. भारत में राज्य सरकारों को केन्द्रीय सरकार द्वारा गैर-योजना अनुदान दी जाती है इनकी अनुशंसा पर :

(a) वित्त मंत्रालय (b) वित्त आयोग
(c) भारतीय रिजर्व बैंक (d) योजना आयोग

Ans. (a) : भारत में राज्य सरकारों को केन्द्रीय सरकार द्वारा गैर-योजना अनुदान वित्त मंत्रालय की अनुशंसा पर दी जाती है।

28. अन्तरण भुगतान एक ऐसा भुगतान है जो :

(a) सरकार द्वारा अपने वर्तमान कामगारों को दी जाती है
(b) गरीब जनता को दी जाती है
(c) वस्तुओं के रूप में सरकार द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए
(d) कोई सेवाएँ या वस्तुएँ उपलब्ध नहीं कराने के लिए दिये जाते हैं

Ans. (c) : अन्तरण भुगतान एक ऐसा भुगतान है जो वस्तुओं के रूप में सरकार द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए भुगतान किया जाता है।

29. निम्न में से कौन एक भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्धों के लिए समस्या नहीं उत्पन्न करते हैं

(a) राज्य-स्वायत्तता की समस्या
(b) क्षैतिज अन्तरण की अवहेलना
(c) अन्तर-राज्यीय विषमताओं की समस्या
(d) कुछ राज्यों में कृषकों द्वारा आत्महत्या

Ans. (d) : भारत में केन्द्र को राज्यों की अपेक्षा अधिक शक्तियां एवं स्वायत्ता प्रदान की गई है। केन्द्र का वित्तीय ढांचा या स्रोत राज्यों की अपेक्षा अधिक विस्तृत है। किन्तु राज्यों को भी अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में वित्तीय स्वायत्ता दी गई है और समय-समय पर केन्द्र द्वारा सहायता भी प्रदान की जाती रही है। लेकिन कुछ कारण जैसे- राज्य स्वायत्तता की समस्या, क्षैतिज अंतरण की अवहेलना,अन्तर-राज्यीय विषमताओं की समस्या इत्यादि है, जिसके कारण केन्द्र राज्य सम्बन्धों के लिए समस्या उत्पन्न करते हैं।

कुछ राज्यों में कृषकों द्वारा आत्महत्या केन्द्र राज्य सम्बन्धों के लिए समस्या उत्पन्न नहीं करते हैं।

30. अन्य बातों के सामान्य रहते हुए मुद्रा के अवमूल्यन होने से :

(a) अवमूल्यन करने वाले देश में निर्यात की कुल मात्रा में वृद्धि होगी तथा आयात की कुल मात्रा में कमी होगी
(b) निर्यात आयात दोनों की कुल मात्रा में वृद्धि होगी
(c) निर्यात आयात दोनों की कुल मात्रा में कमी होगी
(d) कुल निर्यात की मात्रा में कमी होगी तथा कुल आयात की मात्रा में वृद्धि होगी

Ans. (a) : अवमूल्यन का अर्थ है जानबूझकर देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य को कम करना, जबकि मुद्रा की आन्तरिक क्रयशक्ति में कोई परिवर्तन नहीं आता है, अन्य बातों के सामान्य रहने पर मुद्रा के अवमूल्यन होने से अवमूल्यन करने वाले देश में निर्यात की कुल मात्रा में वृद्धि होगी तथा आयात की कुल मात्रा में कमी होगी। जिससे प्रतिकूल भुगतान शेष में सुधार होगा। अवमूल्यन की सफलता निर्यात एवं आयात बाजारों में निर्यात एवं आयात वस्तुओं की मांग एवं पूर्ति की लोच पर निर्भर करती है।

31. वर्तमान भारत में रुपये की पूर्ण परिवर्तनशीलता इनमें प्राप्त है:

(a) चालू खाता
(b) पूंजी खाता
(c) चालू और पूंजी दोनों खाता पर
(d) उपर्युक्त में से किसी पर नहीं

Ans. (c) : वर्तमान में भारत में रूपये की पूर्ण परिवर्तनशीलता चालू और पूंजी खाते दोनों खाते पर प्राप्त हैं। चालू खाते पर पूर्ण परिवर्तनशीलता 1993-94 के बजट में हुआ जबकि पूंजी खाते पर S.S. तारापोर कमेटी, 1997 की संस्तुतियों के बाद चरणबद्ध रूप से हुआ।

32. वर्तमान काल में विशेष आहरण अधिकार का मूल्य अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इनके द्वारा निर्धारित होता है :

(a) सोने की कीमत
(b) संयुक्त राज्य अमेरिका के डालर के मूल्य
(c) चयनित परिवर्तनीय मुद्रा-समूह का औसत मूल्य
(d) यूरो

Ans. (c) : अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या का हल करने के लिए IMF के दस प्रमुख सदस्यों ने 1967 में एक नई मौद्रिक योजना प्रस्तुत की, जिसे दिसम्बर, 1971 में स्वीकार कर लिया गया। SDR को कागजी स्वर्ण (Paper Gold) भी कहते हैं। पांच बड़े निर्यातक देशों की एक बास्केट करेंसी (Basket of Currencies) बनाई गई है जिसके आधार पर SDR का मूल्य निर्धारित किया जाता है। SDR बॉस्केट में अमेरिकी डॉलर, यूरो, ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन तथा चीन की युआन (रेन्मिन्वी) शामिल हैं।

33. विश्व के देशों में अन्त:क्षेत्रीय व्यापार का आकार इनके द्वारा व्यक्त किये जाते हैं:

(a) हेक्सचर ओहलिन सिद्धान्त
(b) तुलनात्मक लागत सिद्धान्त
(c) A और (B) दोनों
(d) अपूर्ण प्रतियोगिता पर आधारित सिद्धान्त

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (C) : विश्व के देशों में अन्तः क्षेत्रीय व्यापार का आकार तुलनात्मक लागत सिद्धांत तथा हैक्सर-ओहलिन सिद्धांत द्वारा व्यक्त किये जाते हैं।

34. डोरेन्स द्वारा किसी देश के व्यापार के आय शर्तों को इस प्रकार परिभाषित किया गया है :

(a) $(P_x)\,(P_m)\,(Q_x)$ (b) $\frac{P_m}{P_x}\times 100$

(c) $\frac{P_m}{P_x}\times Q_x$ (d) $\frac{P_x}{P_m}\times Q_x$

Ans. (d) : डोरेन्स ने व्यापार की आय शर्तों की धारणा प्रस्तुत की। व्यापार की आय शर्तें किसी देश की शुद्ध-वस्तु विनिमय व्यापार शर्तों तथा उसके निर्यात मात्रा सूचक का गुणनफल होती है। अर्थात्

$$T_y = T_c\ Q_x$$

$$\boxed{T_y = \frac{P_x}{P_m} Q_x} \quad \text{अर्थात्} \quad \therefore\ Tc = \frac{P_x}{P_m}$$

जहाँ Ty = व्यापार की आय शर्ते
Tc = वस्तु विनिमय व्यापार शर्ते
Qx = निर्यात मात्रा सूचक

Page- 132, झिंगन, International Eco.

35. वर्तमान में (2006) इनमें से कौन एशियान समूह के पूर्णरूपेण सदस्य नहीं है :

(a) इन्डोनेशिया और मयनामार
(b) फिलीपीन्स और थाईलैण्ड
(c) भारत और पाकिस्तान
(d) दक्षिणी वियतनाम और सिंगापुर

Ans. (c) : आसियान (ASEAN) की स्थापना 8 अगस्त, 1967 को बैंकाक घोषणा द्वारा किया गया। ASEAN दस दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों- इण्डोनेशिया, थाईलैण्ड, मलेशिया, फिलीपीन्स, सिंगापुर ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, बर्मा और कम्बोडिया आदि का समूह है। 23 July, 1996 से भारत को आसियान में पूर्णवार्ताकार का दर्जा प्राप्त है। इसके अतिरिक्त अमेरिका, रूस, चीन, जापान और उत्तरी कोरिया सहित ए आर एफ के 23 सदस्य हैं।

36. समूह I के वर्षों से समूह-II के घटनाओं से मेल करें :

समूह-I	**समूह-II**
(a) 1966	(i) एस.डी.आर. का सृजन
(b) 1969	(ii) ब्रेटन वुड्स व्यवस्था का विघटन
(c) 1971	(iii) साठवें दशक में रूपये का अवमूल्यन
(d) 1995	(iv) विश्व व्यापार संगठन का सृजन

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

Ans. (b) :
(a) 1966 ----(iii) साठवें दशक मे। रूपये का अवमूल्यन
(b) 1969 .....(ii) S.D.R. का सृजन।
(c) 1971 -----(ii) ब्रेटन बुड्स व्यवस्था का विघटन।
(d) 1995 ----- (iv) विश्व व्यापार संगठन (WTO) का सृजन।

37. 2003 में कुल कार्यशील जनशक्ति के संगठित क्षेत्र में रोजगार के प्रतिशत के रूप में इस प्रकार हैं:

(a) 10 प्रतिशत से कम किन्तु 5 प्रतिशत से अधिक
(b) 15 प्रतिशत से कम किन्तु 10 प्रतिशत से अधिक
(c) 20 प्रतिशत से कम किन्तु 15 प्रतिशत से अधिक
(d) 25 प्रतिशत से कम किन्तु 20 प्रतिशत से अधिक

Ans. (c) : वर्ष 2003 में कुल कार्यशील जनशक्ति का संगठित क्षेत्र में रोजगार का प्रतिशत 20% से कम किन्तु 15% से अधिक है।

38. 2003 में जी.डी.आई. के संदर्भ में भारत का यह स्थान था।

(a) 90 (b) 91
(c) 98 (d) 105

Ans. (*) : 2003 में G.D.I. के संदर्भ में भारत का स्थानदिये गये विकल्प में कोई नहीं। G.D.I. Report Economic forum द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

39. कृषि क्षेत्र में न्यूनतम समर्थन कीमत इनके लिए लागू किये गये हैं :

(a) किसी दिये गये वर्ष में बाहुल्य की स्थिति में कीमत को घटने से रोकना
(b) कृषकों के हितों की सुरक्षा
(c) कृषकों को प्रोत्साहन देना
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : भारत में कृषि क्षेत्र में न्यूनतम कीमत निम्न के लिए लागू किया जाता है-
(1) किसी दिए गये वर्ष में बाहुल्य की स्थिति में कीमत को घटने से रोकना।
(2) कृषकों के हितों की सुरक्षा।
(3) कृषकों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देना।

40. भारत में असंगठित क्षेत्र के लिए नई सामाजिक सुरक्षा योजना की शुरुआत इस वर्ष में की गई :

(a) 1991 (b) 1996
(c) 2001 (d) 2004

Ans. (d) : भारत में असंगठित क्षेत्र के लिए नई सामाजिक सुरक्षा योजना की शुरुआत वर्ष 2004 में की गई।

41. दशवीं योजना के अनुमानों के आधार पर वर्ष 2007 में गरीबी रेखा से नीचे जनसंख्या का प्रतिशत इनके लगभग होंगे:

(a) 19.2 प्रतिशत (b) 23.1 प्रतिशत
(c) 27.2 प्रतिशत (d) 35.9 प्रतिशत

Ans. (d) : 10वीं योजना के अनुमानों के आधार पर वर्ष 2007 में गरीबी रेखा से नीचे जनसंख्या का 35.7% है। जबकि सी. रंगराजन समिति की रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 2011-12 में भारत की कुल जनसंख्या का 29.5% गरीबी रेखा से नीचे हैं।

42. तृतीय कार्यशील समूह (1998) के प्रतिवेदन के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कुल मुद्रा पूर्ति को मापने के लिए निम्न में से कौन माप का प्रयोग किया गया?

(a) $M_1 + M_2$
(b) $M_1 + M_3$
(c) $M_2 + M_3$
(d) $M_1 + M_2 + M_3 + M_4$

जहाँ M_1, M_2, M_3 और M_4 का सामान्य स्वीकृत अर्थ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : R.B.I. द्वारा Y.V. Reddy की अध्यक्षता में मुद्रा पूर्ति के माप के लिए कार्यदल का गठन 1997 में किया गया। इस कमेटी ने 1998 में अपनी रिपोर्ट दी। रेड्डी समिति 1998 की अनुशंसा के अनुसार मुद्रा पूर्ति के दो मापक प्रयोग किये जायेंगे-

(1) मौद्रिक समग्र (Monitary Aggregates) - Mo, M_1, M_2, M_3

(2) तरलता समग्र (Liquidity Aggragates)- L_1, L_2, L_3

43. किसी एक द्विपद वितरण के लिए निम्न सूचना दिये गये हैं :

$N = 60$

$P = 0.70$

$Q = 0.30$

तब इसके वितरण के प्रसरण हैं :

(a) 12.6 (b) 8.6

(c) 7.6 (d) 6.6

Ans. (a) : $\sigma = \sqrt{N.P.q}$ σ = Standard Deriation

प्रसरण (Variance) = σ^2 $(s.d.)^2$

$\therefore \sigma^2 = npq$ $= 0.30 \times 0.70 \times 60$

वितरण का प्रसरण = 12.60

44. 2, 4, 0, 16, 32 संख्याओं का ज्यामितीय माध्य इनके बराबर होगा :

(a) 3.2 (b) 4.0

(c) 2.0 (d) शून्य

Ans. (d) : ज्यामितीय माध्य (N) = पदों की संख्या = 5

$G.M. = \sqrt[5]{2\times4\times0\times16\times32} = \sqrt[5]{0}$

$\boxed{GM = 0}$

45. यदि y पर x और x पर y की प्रतीपगमन की रेखाएँ इस प्रकार दिये गये हों :

$y = a_0 + a_1x$ और

$x = b_0 + b_1x$ क्रमशः

तब (r^2) का वर्ग गुणांक है :

(a) $a_0\, b_0$ (b) $a_1\, b_1$

(c) $a_0\, b_1$ (d) उपर्युक्त कोई नहीं

Ans. (b) : यदि y पर x और x पर y की प्रतीपगमन रेखायें इस प्रकार दिये गये हों-

$y = a_0 + a_1x$ और

$x = b_o + b_1 x$ $r = \sqrt{bxy.\ byx} \Rightarrow r^2 = byx\, bxy$

तब $bxy = a_1$

$byx = b_1$ $\boxed{r^2 = a_1 \times b_1}$

46. एक बक्सा जिसमें 6 लाल, 4 उजले और 5 नीले गेंदे थे, में से एक गेंद बेतरतीब ढंग से निकाल लिया जाता है, तो लाल गेंद नहीं निकाले जाने की संभावना है :

(a) 1.0 (b) 1.2

(c) $3/5$ (d) $7/5$

Ans. (c) : एक बक्सा जिसमें 6 लाल, 4 उजले और 5 नीले गेंदे थे, में से एक गेंद बेतरतीब ढंग से निकाल लिया जाता है तो लाल गेंद नहीं निकाले जाने की संभावना $3/5$ है।

लाल गेंद = 6 कुल गेदों की संख्या = 6+4+5= 15

उजला गेंद = 4

नीले गेंद = 5

लाल गेंद नहीं निकाले जाने की संभावना (अर्थात् उजला या नीले की संभावना) = $\frac{4+5}{15} = \frac{3}{5}$

47. एक भारित कीमत सूचकांक जिसमें आधार वर्ष तथा दिये गये मात्राओं के अंकगणितीय औसत को इस रूप में भार माना जाता है।

(a) पाशे का सूचकांक

(b) मार्शल-एजवर्थ सूचकांक

(c) फीशर का आदर्श सूचकांक

(d) लेस्पेयर का सूचकांक

Ans. (b) : मार्शल एजवर्थ के सूचकांक में आधार वर्ष तथा दिये गये मात्राओं के अंकगणितीय औसत को भार माना जाता है। मार्शल एजवर्थ का सूचकांक इस प्रकार है-

$$MI_{01} = \frac{\Sigma P_1\left(\frac{q_0+q_1}{2}\right)}{\Sigma P_0\left(\frac{q_0+q_1}{2}\right)} \times 100$$

या, $\boxed{MI_{01} = \frac{\Sigma P_1(q_0+q_1)}{\Sigma P_0(q_0+q_1)}}$

यहां $(Q_0 + Q_1)$ को भार माना गया है।

प्रतियोगिता साहित्य

48. निम्न में कौन से जांच का प्रयोग जनसंख्या के दो माध्यों के बीच अन्तर सार्थकता परीक्षण के लिये होता है जबकि प्रसरण ज्ञात और बराबर है?

(a) F जांच (b) Z जांच

(c) X^2 (d) T जांच

Ans. (d) : जनसंख्या के दो माध्यों के बीच अन्तर सार्थकता परीक्षण के लिए T– test का प्रयोग होता है जबकि प्रसरण ज्ञात और बराबर है।

49. X_1, X_2, X_3, X_n संख्याओं के उनके अंकगणितीय माध्य $(\overline{X})$ से प्राप्त योग बराबर है।

(a) इकाई (यूनीटी) (b) –1.0

(c) शन्य (d) 2.0

Ans. (c) : X_1, X_2, X_3, ------X_n संस्थाओं के उनके अंकगणितीय माध्य $(\overline{X})$ से प्राप्त योग शून्य के बराबर है।

50. यदि x और y दो स्वतंत्र चर हैं तो उनका सह-प्रसरण है:

(a) इकाई (b) शून्य

(c) 2.0 (d) –1.0

Ans. (b) : यदि X और y दो स्वतंत्र चर हैं तो उनका सह-प्रसरण शून्य होगा। अर्थात्

$\boxed{X = 0}$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2009

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल नियम किस काल में लागू होता है?

(a) बाजार-काल (b) अल्प-काल
(c) दीर्घ-काल (d) सुदीर्घकाल

Ans. (c) : पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल नियम दीर्घकाल में लागू होता है। पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल (Decreasing Return to scale) या लागत वृद्धि नियम से आशय आगत में जिस अनुपात में वृद्धि होती है, उससे कम अनुपात में निर्गत में वृद्धि होती है।

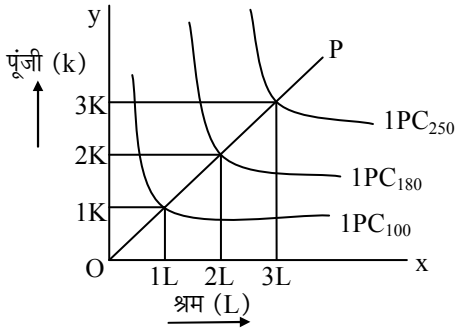

2. श्रम के लिए फर्म की मांग व्युत्पन्न मांग है क्योंकि वो निम्नांकित पर निर्भर है :

(a) वस्तुओं एवं सेवाओं, जिनका उत्पादन करने में श्रम मदद करता है, की मांग
(b) श्रम और उत्पादन के अन्य कारकों के बीच प्रतिस्थापन की डिग्री
(c) श्रम की मांग की लोच
(d) उत्पादन के अन्य कारकों की मांग

Ans. (a) : श्रम के लिए फर्म की मांग व्युत्पन्न मांग है, क्योंकि श्रम की मांग वस्तुओं एवं सेवाओं, जिनका उत्पादन करने में श्रम मदद करता है, की मांग पर निर्भर करता है।

3. सामाजिक कल्याण फलन की मान्यतायें

(a) सैद्धान्तिक हैं (b) अभिगृहीतीय हैं
(c) प्राक्काल्पनिक हैं (d) आनुभविक हैं

Ans. (c) : सामाजिक कल्याण फलन की मान्यता प्राक्काल्पनिक है।

4. क्लासीकल सिद्धान्त में, मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि किस ओर प्रवृत्त करती है?

(a) कीमत स्तर में गिरावट (b) बचतों में वृद्धि
(c) निवेश में कमी (d) कीमत स्तर में वृद्धि

Ans. (b) : क्लासिकल सिद्धांत में, मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होने से बचतों में वृद्धि होती है अर्थात् यदि अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होगी तो लोगों की बचत प्रवृत्ति बढ़ जाएगी।

5. LM वक्र में खिसकाव किस कारण होता है?

(a) स्वायत्त निवेश में वृद्धि (b) मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि
(c) उपभोग में वृद्धि (d) बचत की दर में वृद्धि

Ans. (b) : LM- वक्र मुद्रा बाजार के संतुलन से सम्बन्धित है। यह आय एवं ब्याज दर के उन विभिन्न संयोगों को प्रदर्शित करता है जिस पर मुद्रा की कुल मांग मुद्रा की कुल पूर्ति के बराबर होता है। LM-Curve Positive Slope वाला ऊपर की ओर उठता हुआ होता है। LM वक्र में खिसकाव मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि के कारण होता है।

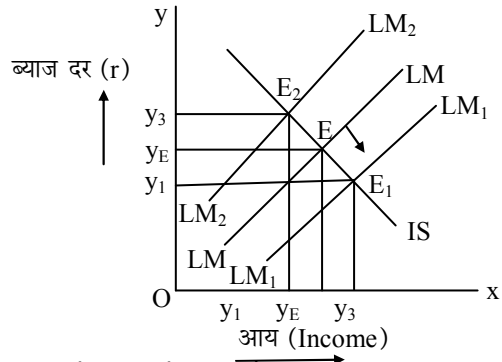

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि यदि मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होती है तो LM वक्र दाहिनी ओर (नीचे) खिसक जाएगा तथा इसके विपरीत मुद्रा आपूर्ति में कमी होने पर LM वक्र बाई ओर (ऊपर की ओर) खिसक (Sift) करेगा।

6. फिलिप वक्र किनके बीच सम्बन्ध दर्शाती है?

(a) आय और उपभोग (b) आय और कीमत स्तर
(c) आय और निवेश (d) मुद्रा स्फीति और बेरोगारी

Ans. (d) : फिलिप्स वक्र ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए. डब्ल्यू फिलिप्स ने 1958 में प्रस्तुत किया। फिलिप्स ने ब्रिटेन में 1861–1913 की अवधि में मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध की व्याख्या की और पाया कि मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी की दर में विपरीत सम्बन्ध है। बाद में फिलिप्स वक्र का प्रयोग मुद्रा स्फीति और बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध दिखाने के लिए किया जाने लगा। इस प्रकार फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा स्फीति में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इसको रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कर सकते हैं-

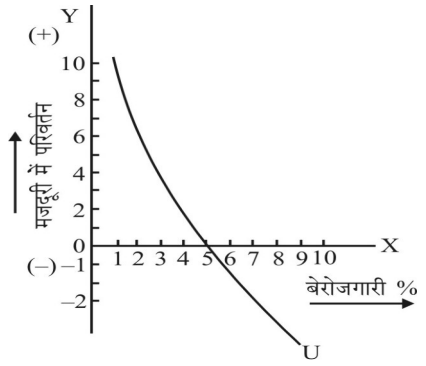

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

इस रेखाचित्र में X- अक्ष पर बेरोजगारी का प्रतिशत तथा Y अक्ष पर मजदूरी में परिवर्तन प्रदर्शित है। इन दोनों के बीच अनुपात प्रदर्शित करने वाला वक्र AA फिलिप्स वक्र है, जो कि एक गैर-रैखिक वक्र है।

7. रोलिंग प्लान की अवधारणा किसके द्वारा प्रतिपादित की गई?

(a) गुन्नार मिर्डाल (b) जे.के. गॉलब्रेथ
(c) पॉल ए. सैम्युलसन (d) ए.के. सेन

Ans. (a) : रोलिंग प्लान की अवधारणा का प्रतिपादन गुन्नार-मिर्डाल द्वारा किया गया।

8. 'वर्द्धमान पूंजी-उत्पादन अनुपात' प्रतीकात्मक रूप से कैसे लिखा जाता है?

(a) K/L (b) $\Delta K/\Delta L$
(c) $\Delta K/\Delta Y$ (d) K/Y

Ans. (c) : वर्द्धमान पूंजी उत्पादन अनुपात प्रतीकात्मक रूप में $\frac{\Delta K}{\Delta L}$ लिखा जाता है।

9. असन्तुलित संवृद्धि के सिद्धान्त की हिमायत किसने नहीं की?

(a) एच.डब्ल्यू. सिंगर (b) डब्ल्यू.ए.लेविस
(c) ए.ओ. हर्षमैन (d) सी.पी. किंडलबर्गर

Ans. (c) : असंतुलित विकास सिद्धांत के अन्तर्गत किसी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का एक साथ विकास न करके कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों का गहन विकास किया जाता है। असंतुलित विकास के समर्थकों में प्रमुख है- हर्षमैन, सिंगर, मार्क्स, फ्लेमिंग, किंडलबर्गर, रोस्टोव आदि। असंतुलित विकास के प्रवर्तक हर्षमैन का कथन है कि विकास की प्रारंभिक अवस्था में निवेश ऐसे क्षेत्रों में केन्द्रित किये जाने चाहिए जो आगे चलकर विकास की दर को बढ़ाने वाले हों। चूंकि आर्थिक विकास असंतुलनों की एक श्रृंखला के द्वारा होता है अतः एक पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार अर्थव्यवस्था का जानबूझकर असंतुलित विकास किया जाना आर्थिक विकास का सबसे अच्छा तरीका है।

इस प्रकार असंतुलित संवृद्धि के सिद्धांत की हिमायत लेविस ने नहीं की लेविस संतुलित विकास सिद्धांत के समर्थक हैं।

10. विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व कौन-सा समूह करता है?

(a) G – 7 (b) G – 10
(c) G – 77 (d) G – 80

Ans. (c) : विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व G-77 समूह करता है।

11. जो निधियाँ सरकार की सम्पत्ति नहीं हैं, क्या कहलाती हैं?

(a) आकस्मिकता निधि (कोष) (b) समेकित निधि
(c) निजी लेखा (d) सार्वजनिक लेखा

Ans. (c) : जो निधियां सरकार की सम्पत्ति नहीं है, उसे निजी लेखा कहते हैं।

12. जिस घाटे के बजट में घाटे को करों के जरिये पूरा किया जाता है क्या कहलाता है?

(a) संतुलित बजट
(b) असंतुलित बजट
(c) अतिरेक या रोकड़ बाकी बजट
(d) शून्य-आधार (ज़ीरो-बेस) बजट

Ans. (a) : जिस घाटे के बजट में घाटे को करों के जरिये पूरा किया जाता है, उसे संतुलित बजट कहते हैं अर्थात् जितना सरकार व्यय कर रही है, वह करों से प्राप्त राजस्व से पूरा हो जा रहा है। यह राजस्व खाते के शेष तथा पूंजी खाते के शेष को जोड़ देने पर प्राप्त योगफल बजेटरी शेष कहलाता है।

$$\text{BudgetaryBalance} = (\Sigma R_{\epsilon} + \Sigma C_{\epsilon}) - (\Sigma R_R + \Sigma C_R)$$

इस तरह बजेटरी शेष धनात्मक अथवा ऋणात्मक हो सकता है। धनात्मक बजेटरी शेष, बजट आधिक्य को प्रदर्शित करेगा जबकि ऋणात्मक बजेटरी शेष बजट घाटे को प्रदर्शित करेगा।

13. रॉल प्रेबिश का तर्क, किस पर, व्यापार चक्रों के प्रभावों से सम्बद्धित है?

(a) व्यापार की शर्तें (b) भुगतान संतुलन
(c) उत्पादन (d) उपभोग

Ans. (a) : रॉल प्रेविश का तर्क व्यापार की शर्तों पर व्यापार चक्रों के प्रभावों से सम्बन्धित है। प्रेविश यह बताते हैं कि विकसित देशों के साथ व्यापार करने पर विकासशील देशों को क्यों हानि होती है। व्यापार की शर्ते हमेशा विकसित देशों के पक्ष में क्यों होता है? इसके लिए प्रेविश ने अपने मॉडल में विश्व को दो भागों में बांटा है-

(1) परिधीय देश (Periphery Country)
(2) केन्द्रीय देश (Central Country)

केन्द्रीय देश कम जनसंख्या वाले होते हैं। ये पूंजी प्रधान व तकनीकी रूप से विकसित होते हैं और पूंजीगत वस्तुओं का निर्यात करते हैं।

जबकि परिधीय देश प्रायः श्रम प्रधान होते हैं और निर्यात में प्रायः खनिज, तांबा, लोहा, कृषि पदार्थ, रबर इत्यादि शामिल होते हैं।

इस प्रकार व्यापार विकसित देशों के पक्ष में तथा व्यापार जनित लाभों का वितरण भी अनुचित रूप से होता है।

14. सेवाओं के निर्यात और आयात के बीच अन्तर क्या कहलाता है?

(a) व्यापार संतुलन (b) अदृश्य चीजों का शेष
(c) चालू खाते का शेष (d) पूँजीगत खाते का शेष

Ans. (c) : सेवाओं के निर्यात और आयात के बीच का अन्तर चालू खाते का शेष कहलाता है। देश के चालू लेखों में वे सब लेन-देन आते हैं जो वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार तथा एकपक्षीय हस्तान्तरणों से सम्बन्ध रखते हैं। इनमें भौतिक वस्तुओं के निर्यात और आयात दृश्य मदें (Visible Items) तथा सेवाओं और हस्तान्तरण भुगतान एवं प्राप्तियां अदृश्य मदें (Invisible Items) कहलाती है। सेवाओं के लेन-देन में यात्रा तथा परिवहन, विदेशी निवेश पर आय तथा भुगतान आदि शामिल रहते हैं।

15. भारत में सार्वजनिक उद्यमों का विकास सिर्फ.....उद्योगों में हुआ है

(a) उपभोक्ता वस्तुओं के उद्योग
(b) मुख्य और मूलभूत उद्योग
(c) सेवा उद्योग
(d) सभी प्रकार के उद्योग

Ans. (c) : भारत में सार्वजनिक उद्यमों का विकास मुख्य और मूलभूत उद्योग, उपभोक्ता वस्तुओं के प्रयोग व सेवा उद्योग आदि सभी प्रकार के उद्योगों में हुआ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. 2007-08 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2006-07 में भारत का चालू खाता शेष GDP का क्या प्रतिशत था?

(a) –3.3 (b) –2.1
(c) –1.1 (d) –0.4

Ans. (c) : 2007-08 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 2006-07 में भारत का चालू खाता शेष GDP का 1.1% था।

17. 2006-07 में भारत में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन कितना था?

(a) 207.3 मिलियन टन (b) 217.3 मिलियन टन
(c) 270.8 मिलियन टन (d) 227.8 मिलियन टन

Ans. (b) : वर्ष 2006-07 में भारत में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 217.3 मिलियन टन था। 2014-15 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 252.02 मिलियन टन था, जबकि कृषि मंत्रालय द्वारा 2015-16 के अग्रिम अनुमान के अनुसार कुल खाद्यान्न उत्पादन 252.23 मिलियनटन रहने का अनुमान है, जो कि पिछले वर्ष 2014-15 से 0.21 मिलियन टन अधिक है। **Eco. Survey of Agriculture**

18. करेन्ट डेली स्टेटस (CDS) के आधार पर, भारत में 2004-05 में, बेरोजगारी की विस्तार सीमा क्या थी?

(a) 4.52% (b) 6.43%
(c) 8.28% (d) 10.12%

Ans. (c): करेन्ट डेली स्टेटस (CDS) के आधार पर, भारत में 2004–05 में बेरोजगारी की विस्तार सीमा 8.28% थी।

19. दो चरों के बीच सम्बन्ध की डिग्री निर्धारित करने वाली सांख्यिकीय तकनीक क्या कहलाती है?

(a) बिखराव (प्रकीर्णन) (b) सूचकांक
(c) सम्बन्ध/संयोजन (d) सहसम्बन्ध

Ans. (d) : दो चरों के बीच सम्बन्ध की डिग्री निर्धारित करने वाली सांख्यिकीय तकनीक सहसम्बन्ध कहलाती है। इसके अतिरिक्त 'सम्बन्धित चरों में किस प्रकार का और कितना सम्बन्ध है का अध्ययन करना सहसम्बन्ध विश्लेषण कहलाता है।

यदि दोनों चरों में परिवर्तन एक ही दिशा में हो तो उस सहसम्बन्ध को प्रत्यक्ष या धनात्मक सहसम्बन्ध कहा जाता है और इसके विपरीत यदि दोनों चरों में परिवर्तन विपरीत दिशा में हो तो उस सहसम्बन्ध को अप्रत्यक्ष या ऋणात्मक सहसम्बन्ध कहा जाता है।

20. किस सूचकांक विधि में उर्ध्वगामी अभिनति (झुकाव) है?

(a) लेसपेयरस की विधि (b) पाशे की विधि
(c) बॉउले की विधि (d) फिशर की विधि

Ans. (a) : लेस्पेयर के सूचकांक विधि में उर्ध्वगामी अभिनति (झुकाव) है। सूत्रात्मक रूप में-

$$L_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$$

यहां आधार वर्ष की मात्रा q_0 को भार माना गया है।

निर्देशः नीचे दो कथन दिए गए हैं। प्रश्न संख्या 21 से 30 तक (अभिकथन और तर्क प्रकार के) के लिए नीचे दिए कोडों से सही उत्तर का चयन करें।

21. अभिकथन (A) : MR और AR के गिरने की स्थिति में AR की तुलना में MR के गिरने की दर ज्यादा होती है।
तर्क (R) : MRऔरAR दोनों वक्र रेखीय और नकारात्मक रूप से ढ़लवाँ होती है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
(d) (A) सत्य है परन्तु (R) दोनों असत्य है।

Ans. (b) : एकाधिकार के अन्तर्गत उद्योग में एक ही फर्म होती है। फर्म की मांग वक्र ही उद्योग की मांग वक्र होती है। फलस्वरूप एकाधिकारी फर्म की मांग वक्र सामान्य मांग वक्र की तरह ऋणात्मक ढाल की होगी अर्थात् नीचे दाहिनी ओर गिरती हुई होगी क्योंकि कोई भी एकाधिकारी किसी वस्तु की अधिक इकाइयां बिना मूल्य में कमी के नहीं बेच सकता है। उपभोक्ता का मांग वक्र ही उत्पादक की दृष्टि से औसत आय (AR) वक्र होता है। इस प्रकार AR ही मांग रेखा हुई और इसका प्रत्येक बिन्दु उत्पादन की मात्रा के संदर्भ में प्रति इकाई मूल्य प्रदर्शित करेगा। MR भी AR की तरह सीधी रेखा होगी, जिसका अन्तः खण्ड (Intercept) मांग रेखा का ही होगा पर इसका ढाल AR के ढाल का दुगुना होगा। अर्थात् AR की तुलना में MR के गिरने की दर ज्यादा होती है।

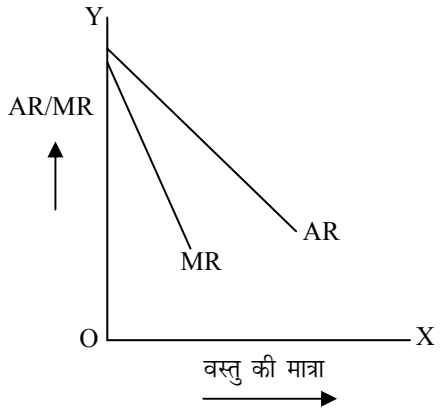

रेखाचित्र में AR और MR तक नीचे गिरते हुए हैं तथा AR की तुलना में MR के गिरने की दर ज्यादा है।

22. अभिकथन (A) :एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा के अंतर्गत,फर्म का दीर्घकालिक औसत आगम, दीर्घकालिक औसत लागत वक्र के नकारात्मक रूप से ढलवाँ भाग को स्पर्श करता है।
तर्क (R) : एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा के अंतर्गत, फर्म की मांग वक्र तुलनात्मक रूप से ज्यादा लोचनीय होती है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं,और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) और (R) दोनों असत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Ans. (a) : दीर्घकाल में फर्म अपने प्लांट के आकार में वृद्धि ला सकती है या दिए हुए प्लांट को ही किसी स्तर तक प्रयोग में ला सकती है, जिससे उसका लाभ अधिकतम हो सके। दीर्घकाल में एकाधिकारी फर्म सामान्यतया असामान्य लाभ अर्जित करती रहेगी, अन्यथा बाजार छोड़कर चली जाएग। प्लाण्ट का आकार तथा वर्तमान प्लाण्ट का किस स्तर तक प्रयोग हो सकेगा यह बाजार मांग के ऊपर निर्भर करेगा। स्पष्ट है कि LAC के किस भाग में एकाधिकारी उत्पादन करेगा, यह AR तथा MR के आकार के ऊपर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निर्भर करेगा अर्थात् फर्म का दीर्घकालीन AR दीर्घकालिक AC वक्र के नकारात्मक रूप से ढलवां भाग को स्पर्श करता है।

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि LAC दीर्घकालीन औसत लागत वक्र है तथा LMC सीमांत लागत वक्र है। LMC वक्र MR को E बिन्दु पर काटता है अधिकतम लाभ वाला उत्पादन O Q निर्धारित करता है रेखाचित्र से स्पष्ट है कि एकाधिकारी फर्म की संस्थिति LAC के न्यूनतम बिन्दु पर नहीं है, बल्कि F बिन्दु पर LAC के गिरते हुए भाग में है।

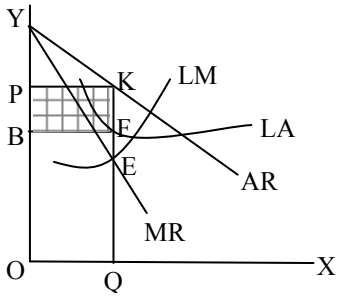

23. **अभिकथन (A) :** मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार, दीर्घकालिक फिलिप वक्र का ढलान ऊर्ध्वाकार होता है।

तर्क (R) : भावी मुद्रा स्फीति के बारे में प्रत्याशाएँ ही दीर्घकाल में मुद्रा स्फीति और बेरोजगारी के बीच विकल्प की गैर-मौजूदगी का मूलभूत कारण है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

Ans. (b) : फ्रीडमैन ने दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र की परिकल्पना का प्रतिपादन किया। फ्रीडमैन के अनुसार स्फीति और बेरोजगारी के बीच विनिमय का वर्णन करने के लिए एक स्थिर नीचे दाई ओर ढालू फिलिप्स वक्र मानने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में यह सम्बन्ध एक अल्पकालीन घटना है परन्तु कई चर होते हैं जिनके कारण फिलिप्स वक्र दीर्घकाल में सरकता है। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण चर स्फीति की प्रत्याशित दर है। जब तक स्फीति की वास्तविक दर और प्रत्याशित दर के बीच अंतर है तब तक नीचे दाईं ओर ढालू फिलिप्स वक्र होगा। परन्तु जब यह अंतर दीर्घकाल में समाप्त हो जाता है तो फिलिप्स वक्र अनुलम्ब हो जाता है। इसकी व्याख्या करने के लिए फ्रीडमैन ने बेरोजगारी की प्राकृतिक दर (Natural rate of Unemployment) की धारणा को प्रस्तुत किया।

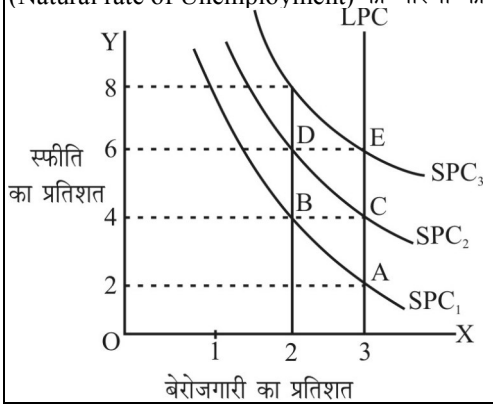

24. **अभिकथन (A) :** जीवन वक्र प्राक्कल्पना, अल्पकालिक अनानुपातिक और दीर्घकालिक अनुपातिक उपभोग फलनों का सामंजस्य स्थापित करने की चेष्टा करती है।

तर्क (R) : अल्पकालिक अनानुपातिक उपभोग फलन से तात्पर्य है कि जब आय बढ़ती है तो APC गिरती है।

(a) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

Ans. (c) : जीवन चक्र परिकल्पना का विचार प्रो. एण्डो मोदिग्लियानी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस परिकल्पना के अनुसार उपभोग उपभोक्ता के पूरे जीवन की प्रत्याशित आय का फलन है। जीवन के प्रारंभिक एवं अंतिम काल की तुलना में उपभोक्ता की आय में संशोधन मध्यकाल में अधिक होते हैं। उपभोक्ता का उपभोग स्तर अपने पूर्वजीवनकाल में लगभग स्थिर अथवा क्रमशः बढ़ता हुआ होता है। जीवन चक्र परिकल्पना, अल्पकालिक अनानुपातिक और दीर्घकालिक अनुपातिक उपभोग फलनों का सामंजस्य स्थापित करने की चेष्टा करती है। अल्पकालिक अनानुपातिक उपभोग फलन से तात्पर्य है कि जब आय बढ़ती है तो APC गिरती है।

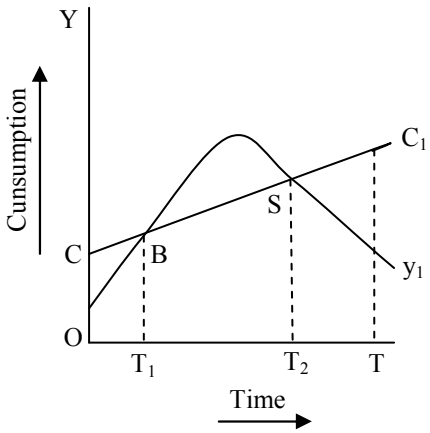

रेखाचित्र में जीवन चक्र परिकल्पना को दिखाया गया है।

25. **अभिकथन (A) : गुन्नार मिर्डाल के अनुसार अल्प-विकसित देशों में चक्रीय और संचयी कार्यकारण भाव विद्यमान रहता है।**

तर्क (R) : निम्न जीवन निर्वाह स्तर और निम्न उत्पादकता के बीच परस्पर संबलित करने वाली अंतःक्रिया होती है।

(a) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

Ans. (d) : अल्पविकसित देशों के अल्पविकास के कारणों की व्याख्या करते हुए गुन्नार -मिर्डाल ने अपनी पुस्तक 'Economic Theory and Underdevelopment Regions' में प्रस्तुत दृष्टिकोण का वर्णन किया। मिर्डाल के अनुसार चक्रीय संचयी क्रिया

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तथा प्रत्यस्त प्रभाव के कारण अल्पविकसित तथा विकसित देशों के बीच व्यापार से असंस्थिति की स्थिति पैदा होती है, जो संचयी रूप से संस्थिति से दूर होती जाती है। मिर्डाल ने चक्रीय संचयी प्रक्रिया की व्याख्या Backwash effect तथा Spread effect के द्वारा प्रस्तुत किया। मिर्डाल के चक्रीय-संचयी क्रिया सिद्धान्त में निम्न जीवन निर्वाह स्तर और निम्न उत्पादकता के बीच परस्पर सम्बन्धित करने वाली अंतः क्रिया होती है।

26. अभिकथन (A) : हैरोड-डोमर मॉडल की मान्यता अनुसार पूँजी स्टॉक और आय प्रवाह के बीच स्थिर प्रौद्योगिकीय सम्बन्ध है।
तर्क (R) : यह मॉडल, पूँजी-उत्पादन अनुपात परिवर्तनीय मानता है।
(a) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) A) और (R) दोनों असत्य है।
(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

Ans. (d) : हैरड- डोमर का आर्थिक संवृद्धि माडल उन्नत पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं के अनुभवों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन सतत संवृद्धि की आवश्यक दशाओं का विश्लेषण करना रहा है। इसमें कीन्सीय माडल का प्रावैगिक विस्तार किया गया है तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों और कीन्सवादियों की कमियों को दूर करते हुए निवेश प्रक्रिया के दोनों पक्षों (मांग व पूर्ति) को समाहित किया गया है।
हैरड-डोमर माडल की मान्यता के अनुसार पूंजी स्टाक और आय प्रवाह के बीच स्थिर प्रौद्योगिकीय सम्बन्ध है। यह मॉडल पूंजी-उत्पादन अनुपात को स्थिर मानता है।

27. अभिकथन (A) : समयोपरि, आत्म निर्भरता का लक्ष्य भारतीय अर्थव्यवस्था में भ्रान्तिजनक सिद्ध हुआ है।
तर्क (R) : POL (पैट्रोलियम ऑयल लुब्रीकेंट्स) के आयातों की वजह से भुगतान संतुलन की समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।
(a) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(b) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

Ans. (c) : समयोपरि, आत्म निर्भरता का लक्ष्य भारतीय अर्थव्यवस्था में भ्रांतिजनक सिद्ध हुआ है। इसके अतिरिक्त पेट्रोलियम ऑयल लूब्रीकेंट्स के आयातों की वजह से भुगतान संतुलन की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही है परन्तु (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं कर रहा है।

28. अभिकथन (A) : लैस्पेरे का सूचकांक ऊर्ध्वगामी झुकाव रखता है।
तर्क (R) : पाशे का सूचकांक अधोगामी झुकाव रखता है।
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

Ans. (b) : लैस्पेयर का सूचकांक उर्ध्वगामी झुकाव रखता है।
अर्थात $\boxed{L_{01}=\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0}\times 100}$
यहां आधार वर्ष की मात्रा q_0 को भार माना गया है।
पाशे का सूचकांक अधोगामी झुकाव रखता है। अर्थात्
$\boxed{P=\frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}\times 100}$
यहां चालू वर्ष की मात्रा q_1 को भार माना गया है।
इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही है। पर (R), (A) की सही स्पष्टीकरण नहीं है।

29. अभिकथन (A) : घंटाकार वितरण वक्र में, माध्य, माध्यिका और बहुलक एक-समान होंगे।
तर्क (R) : इसमें कोई वैषम्य (स्क्यूनैस) नहीं है।
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सत्य है किन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है किन्तु (R) सत्य है।

Ans. (a) : घंटाकार वितरण वक्र में, माध्य, माध्यिका और बहुलक एक समान होते हैं। अर्थात्
$\boxed{\overline{X}=\text{Md}=\text{Mode}}$
इस प्रकार यह एक Normal Distribution है और इसमें कोई विषमता नहीं पायी जाती है।

30. अभिकथन (A) : कॉलिन क्लार्क की प्राक्कल्पना के अनुसार करारोपण की सुरक्षित उच्चतर सीमा राष्ट्रीय आय का 25 प्रतिशत है।
तर्क (R) : यदि यह 25 प्रतिशत की सीमा से परे जाता है तो करारोपण का ज्यादा भारत बहुत अधिक हो सकता है।
(a) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

Ans. (c) : कॉलिन क्लार्क की प्राक्कल्पना के अनुसार करारोपण की सुरक्षित उच्चतर सीमा राष्ट्रीय आय का 25% है। यदि यह 25% की सीमा से परे जाता है तो करारोपण का भार बहुत अधिक हो सकता है जो कि अर्थव्यवस्था के विकास के लिए हानिकराक है।

निर्देशः प्रश्न संख्या 31 से 38 तक के लिए, परीक्षार्थियों को सही कालानुक्रमिक क्रम के विकल्प का चयन करना है।

31. (i) वैल्यु एण्ड कैपीटल
(ii) प्रिंसीपल्स ऑफ पोलिटिकल इकोनॉमी एण्ड टैक्सेशन
(iii) ए रिवीजन ऑफ डिमांड थ्योरी
(iv) दी जनरल थ्योरी ऑफ एंप्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एण्ड मनी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

(a) (ii) (iv) (i) (iii)
(b) (iii) (i) (iv) (ii)
(c) (iv) (iii) (i) (ii)
(d) (i) (iv) (iii) (ii)

Ans. (a) : (ii) प्रिंसीपल्स ऑफ पोलिटिकल इकानॉमी एण्ड टैक्सेशन
(iv) दि जनरल थ्योरी ऑफ एंप्लॉयमेन्ट, इंटरेस्ट एण्ड मनी
(i) वैल्यू एण्ड कैपिटल
(iii) ए रिजीवन ऑफ डिमांड थ्योरी

32. (i) मॉडवैट (MODVAT) का प्रारम्भ
(ii) अनुषंगी (वेतनेतर) हितलाभ कर का प्रारम्भ
(iii) व्यय कर का प्रारम्भ
(iv) संपदा शुल्क समापन

कोड :

(a) (ii) (iii) (i) (iv)
(b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (iv) (i) (iii) (ii)
(d) (i) (iv) (ii) (iii)

Ans. (c) : (iv) संपदा शुल्क समापन
(i) मॉडवैट का प्रारंभ
(iii) व्यय कर का प्रारंभ
(ii) अनुषंगी (वेतनेतर) हितलाभ कर का प्रारंभ

33. (i) सापेक्ष आय प्राक्कल्पना
(ii) जीवन-चक्र प्राक्कल्पना
(iii) निरपेक्ष आय प्राक्कल्पना
(iv) स्थायी आय प्राक्कल्पना

कोड :

(a) (iii) (i) (iv) (ii)
(b) (ii) (iv) (i) (iii)
(c) (i) (iii) (ii) (iv)
(d) (iv) (ii) (iii) (i)

Ans. (a) : (iii) निरपेक्ष आय प्राक्कल्पना
(i) सापेक्ष आय प्राक्कल्पना
(iv) स्थायी आय प्राक्कल्पना
(ii) जीवन चक्र प्राक्कल्पना

34. (i) आधुनिकीकरण
(ii) तेज एवं अन-समावेशी संवृद्धि
(iii) निर्धनता और आत्म-निर्भरता का निष्कासन
(iv) तेज और बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण

कोड :

(a) (i) (ii) (iv) (iii)
(b) (ii) (iv) (i) (iii)
(c) (iv) (ii) (iii) (i)
(d) (iv) (iii) (i) (ii)

Ans. (c) : (iv) तेज और बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण
(ii) तेज एवं अन-समावेशी संवृद्धि
(iii) निर्धनता और आत्म-निर्भरता का निष्कासन
(i) आधुनिकीकरण

35. (i) WTO का निर्माण
(ii) GATT का उरुग्वे राउन्ड
(iii) GATT का निर्माण
(iv) UNCTAD का निर्माण

कोड :

(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (ii) (iv) (i) (iii)

Ans. (c) : (iii) GATT का निर्माण
(iv) UNCTAD का निर्माण
(ii) GATT का उरुग्वे राउन्ड
(i) WTO का निर्माण

36. (i) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना (PMGY)
(ii) स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY)
(iii) जवाहर रोजगार योजना (JRY)
(iv) इंटीग्रेटिड रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IRDP)

कोड :

(a) (iii) (iv) (ii) (i)
(b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (iv) (iii) (ii) (i)

Ans. (d) : (iv) इंटीग्रेटिड रूरल डेवलेपमेंट प्रोग्राम (IRDP)
(iii) जवाहर रोजगार योजना (JRY)
(ii) स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY)
(i) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना (PMGY)

37. (i) SDR की रचना
(ii) IMF का निर्माण
(iii) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली का विध्वंस
(iv) स्वर्णमान का प्रारम्भ

कोड :

(a) (ii) (iii) (i) (iv)
(b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (iv) (ii) (i) (iii)

Ans. (d) : (iv) स्वर्णमान का प्रारम्भ
(ii) IMF का निर्माण
(i) SDR की रचना
(iii) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली का विध्वंस

38. वित्त आयोग का अध्यक्ष :

(i) के.सी. पंत (ii) के ब्रह्मानंदा रैडी
(iii) ए.एम. खुसरो (iv) के. सांथानन

कोड :

(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (ii) (i) (iii) (iv)
(c) (iv) (ii) (i) (iii)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

Ans. (c) : वित्त आयोग के अध्यक्ष का कालानुक्रम निम्न प्रकार है-
(iv) के. संथानम - 1956 (गठन), 1957–62
(ii) के. ब्रह्मानन्द रेड्डी- 1972 (गठन), 1974–79
(i) के.सी. पंत – 1992 (गठन), 1995–2000
(iii) ए. एम. खुसरो – 1998 (गठन), 2000–2005

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निर्देशः सुमेलित मद (प्र.सं. 39 से 46) इस खंड में सूचियाँ दी गई हैं। सूची–I में घटनाएँ/सिद्धान्त/मॉडल/अभिकथन, इत्यादि दिए गए हैं और सूची–II में लेखक और वर्ष। परीक्षार्थी को सूची–I में दी मदों को सूची–II में मदों के साथ सुमेलित करना है और कोड में दिए विकल्प का सही चयन करना है।

39.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	एकाधिकारी सिद्धान्त की डिग्री	(i) टी. सिटोव्सकी
(B)	दुहरा मापदंड	(ii) हालैंड हिच
(C)	फर्म का व्यवहार परक सिद्धान्त	(iii) एम. कैलेकी
(D)	औसत लागत कीमत निर्धारण	(iv) हर्बर्ट साइमन

कूट :

	(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

Ans. (a) :
(a) एकाधिकार सिद्धांत की डिग्री — (iii) एम. कैलेकी
(b) दुहरा मापदंड — (i) टी. सिटोव्सकी
(c) फर्म का व्यवहार परक सिद्धांत — (iv) हर्बर्ट साइमन
(d) औसत लागत कीमत निर्धारण — (ii) हालैंड हिच

40.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	क्षतिपूर्ति मापदंड	(i) विलियमसन
(B)	असम्भाव्य सिद्धान्त	(ii) एफ.एच. नाईट
(C)	प्रबन्धकीय विवेक मॉडल	(iii) काल्डर-हिक्स
(D)	लाभ का अनिश्चितता सिद्धान्त	(iv) कैनेथ ऐरो

कूट :

	(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

Ans. (b) :
(a) क्षतिपूर्ति मापदंड — (iii) काल्डर -हिक्स
(b) असम्भाव्य सिद्धांत — (iv) कैनथ ऐरो
(c) प्रबन्धकीय विवेक मॉडल — (i) विलियम्सन
(d) लाभ का अनिश्चितता सिद्धांत — (ii) एफ.एच. नाईट

41.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	निरपेक्ष आय प्रक्कल्पना	(i) एन. ग्रीगॉरी मैनकिव
(B)	तर्कसंगत प्रत्याशा प्राक्कल्पना	(ii) जे.एम. कीन्स
(C)	सापेक्ष आय प्राक्कल्पना	(iii) रॉबर्ट लुकस
(D)	नव कीन्सवादी मॉडल	(iv) जेम्स ड्युज़नबेरी

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

Ans. (c) :
(a) निरपेक्ष आय प्राक्कल्पना — (ii) जे.एम.कीन्स
(b तर्कसंगत प्रत्याशा प्राक्कल्पना — (iii) राबर्ट लुकास
(c) सापेक्ष आय प्राक्कल्पना — (iv) जेम्स ड्यूजेनबरी
(d) नव कीन्सवादी मॉडल — (i) एन.ग्रीगॉरी मैनकिव

42.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	मुद्रा की मांग फलन का स्थायित्व	(i) बेंट हेन्सन
(B)	मांग मुद्रा स्फीति सिद्धान्त	(ii) मिल्टन फ्रीडमैन
(C)	रोकड़ के लिये लेन–देन मांग की ब्याज लोच	(iii) डॉन पैटिंकिन
(D)	वास्तविक शेष प्रभाव	(iv) जेम्स टॉबिन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (b) :
(a) मुद्रा के मांग फलन का स्थायित्व — (ii) मिल्टन फ्रीडमैन
(b) मांग मुद्रा स्फीति सिद्धांत — (i) बेंट हेन्सन
(c) रोकड़ के लिए लेन-देन मांग की ब्याज लोच — (iv) जेम्स टॉबिन
(d) वास्तविक शेष प्रभाव — (iii) डॉन पैटिंकिन

43.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	संवृद्धि की नियमित दर	(i) पी.आर. ब्रह्मानंद
(B)	स्वर्णिम युग	(ii) जोसफ शुम्पीटर
(C)	श्रमिक वस्तु मॉडल	(iii) आर.एम. सोलो
(D)	आर्थिक जीवन का चक्रीय प्रवाह	(iv) श्रीमती जॉन रोबिन्सन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (d)
(a) संवृद्धि की नियमित दर — (iv) आर. एम. सोलो
(b) स्वर्णिम युग — (iii) श्रीमती जॉन रॉबिन्सन
(c) श्रमिक वस्तु मॉडल — (i) पी.आर. ब्रह्मानंद
(d) आर्थिक जीवन का चक्रीय प्रवाह — (ii) जोसेफ शुम्पीटर

44.

	समूह-I	**समूह-II**
(A)	निरपेक्ष लाभ का सिद्धान्त	(i) रिबिसिस्की
(B)	व्यापार पर उपादन एनडाऊमेंट परिवर्तनों का प्रभाव	(ii) सेम्युलसन
(C)	पारस्परिक मांग सिद्धान्त	(iii) एडम स्मिथ
(D)	उपादन कीमत समकारी सिद्धान्त	(iv) जे.एस. मिल

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(b)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) :

(a) निरपेक्ष लाभ का सिद्धांत	(iii) एडम स्मिथ
(b) व्यापार पर उपादान एनडाऊमेंट परिवर्तनों का प्रभाव	(i) रिबसिस्की (Rybczynski)
(c) पारस्परिक मांग सिद्धांत	(iv) जे.एस. मिल
(d) उत्पादन कीमत समकारी सिद्धांत	(i) सेम्युलसन

45.

समूह-I	समूह-II
(A) ऐच्छिक विनिमय उपागम	(i) पीकॉक वाइज़मैन
(B) स्थानीय सार्वजनिक वस्तुओं का सिद्धान्त	(ii) ए.सी. पीगू
(C) सार्वजनिक व्यय संवृद्धि का टाईम-पैटर्न	(iii) विकसेल लिण्डाल
(D) लघुत्तम समग्र त्याग सिद्धान्त	(iv) चार्ल्स टाइबूट

कूट :

	(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

Ans. (a) :

(a) ऐच्छिक विनिमय उपागम	(iii) विक्सेल लिण्डाल
(b) स्थानीय सार्वजनिक वस्तुओं का सिद्धांत	(iv) चार्ल्स टाइबूट
(c) सार्वजनिक व्यय संवृद्धि का टाईम पैटर्न	(i) पीकॉक-वाइजमैन
(d) लघुत्तम समग्र त्याग सिद्धांत	(ii) ए.सी0 पीगू

46. एक अर्थव्यवस्था के कोर में निम्न अन्तर्निहित है।

(a) सभी पैरेटो अनुकूलतम आबंटन
(b) सभी प्रतिस्पर्धात्मक आबंटन
(c) पैरेटो अनुकूलतम आबंटन में वृद्धि करने वाले आबंटन
(d) सभी सम्भाव्य आबंटन

उत्तर (d) – एक अर्थव्यवस्था के कोर में सभी संभाव्य आबंटन अन्तर्निहित है।

अधोलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और इसे समझने के लिए पश्चात् प्रश्न 47 से 50 तक का उत्तर दीजिए।

आर्थिक एकीकरण के सिद्धान्त से अभिप्राय है कि केवल उन देशों के बीच जो इकट्ठा होना चाहते हैं में वाणिज्य अवरोधकों को बिना भेदभाव के दूर करने अथवा कम करने के लिए वाणिज्य नीति को अपनाया जाए। आर्थिक एकीकरण की मात्रा अधिमानी वाणिज्य प्रबन्धों से स्वतन्त्र वाणिज्य क्षेत्रो, सीमा शुल्क, युनियन, सांझे बाजार और आर्थिक संगठनों तक फैला हुआ है। अधिमानी वाणिज्य का सर्वोत्तम उदाहरण है कामनवैल्थ अधिमान योजना जिसे 1932 में स्थापित किया गया था। स्वतन्त्र वाणिज्य क्षेत्र आर्थिक एकीकरण का एक आर्थिक एकीकरण का एक रूप है जिसके अन्तर्गत सदस्य-राष्ट्रों के लिए वाणिज्य में प्रत्येक प्रकार के अवरोधकों को हटा लिया जाता है। मगर ऐसा प्रत्येक सदस्य अन्य गैर-सदस्यों के लिए अपने देश में अपने अवरोधकों को बनाये रखता है। इसी आधार पर वह गैर-सदस्यों से वाणिज्य सम्बन्ध रखता है। इसके सर्वोत्तम अदाहरण हैं यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ई एफ टी ए) है जिसकी स्थापना 1960 में हुई और नार्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एन ए एफ टी ए) है जो 1993 में स्थापित हुई इसका उदाहरण सदर्न कॉमन मार्किट (मेरोसुर) भी है जिसकी स्थापना 1991 में हुई थी। सीमा शुल्क संघ सदस्य-राष्ट्रों के बीच किसी प्रशुल्क अथवा अन्य अवरोधकों की आज्ञा नहीं देता। इस सम्बन्ध में सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है यूरोपियन यूनियन (ई यू) अथवा यूरोपियन कॉमन मार्किट है जिसकी स्थापना 1957 में हुई। एक साझा बाजार सीमा शुल्क संघ से भी परे जाता है जब यह सदस्य-राष्ट्रों में श्रम और पूंजी के स्वतंत्र गति की आज्ञा देता है। एक आर्थिक संघ इससे आगे बढ़ जाता है जब यह सदस्य-राष्ट्रों की मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियों में तादातम्य अथवा एकीकृत करने तक को जाता है। यह आर्थिक एकीकरण की सर्वोच्य अवस्था है।

47. अधोलिखित में से कौन-सा स्वतंत्र वाणिज्य क्षेत्र नहीं है?

(a) नार्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट
(b) सदर्न कॉमन मार्किट
(c) यूरोपियन कॉमन मार्किट
(d) यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन

Ans. (c) : यूरोपियनकॉमन मार्किट स्वतत्र वाणिज्य क्षेत्र नहीं है।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा सदस्य-राष्ट्रों के बीच श्रम और पूँजी की मुक्त गति की आज्ञा देता है?

(a) अधिमानी वाणिज्य प्रबन्ध (b) सीमा-शुल्क संघ
(c) आर्थिक संघ (d) साझा बाजार

Ans. (d) : साक्षा बाजार सदस्य राष्ट्रों के बीच श्रम और पूंजी की मुक्त गति की आज्ञा देता है।

49. आर्थिक संघ आर्थिक एकीकरण का सर्वोच्च रूप है।

(a) यह सदस्य-राष्ट्रों के बीच मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियों में एक्य लाता है
(b) सदस्य-राष्ट्रों के बीच वाणिज्य में यह किसी प्रकार के प्रशुल्क अवरोधक की आज्ञा नहीं देता
(c) सदस्य-राष्ट्रों के बीच यह श्रम और पूँजी की मुक्त गति की आज्ञा देता है
(d) यह सदस्य-राष्ट्रों के बीच किसी प्रकार के प्रशुल्क अवरोधकों की आज्ञा नहीं देता और बाकी के राष्ट्रों के लिए साझा प्रशुल्क नीति का पालन किया जाता है

Ans. (a) : आर्थिक संघ आर्थिक एकीकरण का सर्वोच्च रूप है, क्योंकि यह सदस्य राष्ट्रों के बीच मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियों में एक्य लाता है।

50. आर्थिक एकीकरण का सर्वाधिक उन्नत रूप कौन-सा है?

(a) आर्थिक संघ (b) सीमा-शुल्क संघ
(c) साझा बाजार (d) मुक्त व्यापार क्षेत्र

Ans. (a) : आर्थिक एकीकरण का सर्वाधिक उन्नत रूप आर्थिक संघ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2010

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मार्शल का उपभोक्ता व्यवहार सिद्धान्त आधारित है :

(a) योगात्मक उपयोगिताओं की परिकल्पना पर
(b) स्वतन्त्र उपयोगिताओं की परिकल्पना पर
(c) A और B दोनों
(d) कमजोर क्रम-स्थापन पर

Ans. (c) : किसी वस्तु के क्रय या उसकी मांग या उसके उपभोग की मात्रा के संबंध में कोई उपभोक्ता विभिन्न परिस्थितियों में किस प्रकार से व्यवहार करता है, इसे हम उपभोक्ता का व्यवहार कहते हैं। उपभोक्ता की संस्थिति ज्ञात करने के लिए मार्शल ने उपयोगिता के संख्यात्मक माप पर आधारित समसीमांत उपयोगिता नियम का प्रतिपादन किया। यह सिद्धांत कुछ मान्यताआं पर आधारित है,जो निम्न है-

(1) उपभोक्ता विवेकपूर्ण है।
(2) सीमित साधन या सीमित मौद्रिक आय।
(3) उपयोगिता का संख्यात्मक माप।
(4) संख्यात्मक माप विश्लेषण विभिन्न इकाइयों से मिलने वाली उपयोगिता योगात्मक मानता है।
(5) क्रमागत उपयोगिता ह्रास नियम का क्रियाशीलन।
(6) मुद्रा की सीमांत उपयोगिता के स्थिर रहने वाली मान्यता।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर मार्शल ने उपयोगिता के संख्यात्मक माप पर आधारित समसीमांत उपयोगिता नियम का प्रतिपादन किया। मार्शल के अनुसार "यदि किसी व्यक्ति के पास कोई एक ऐसी वस्तु हो जो विभिन्न प्रयोगों में लायी जा सके तो वह उस वस्तु को विभिन्न प्रयोगों में इस प्रकार बांटेगा कि उसकी सीमांत उपयोगिता सभी प्रयोगों में समान रहे क्योंकि वस्तु की सीमांत उपयोगिता एक प्रयोग में दूसरे की अपेक्षा अधिक है तो वह दूसरे प्रयोग से वस्तु की मात्रा हटाकर तथा उसका प्रयोग पहले करके लाभान्वित हो सकता है।"

$$\text{उपभोक्ता की संस्थिति} = \frac{\text{x वस्तु की सीमांत उपयोगिता}}{\text{x वस्तु का मूल्य}} = \frac{\text{y वस्तु की सीमांत उपयोगिता}}{\text{y वस्तु का मूल्य}}$$

$$\text{या, } \frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_x}{P_y} = \ldots\ldots\ldots\ldots \frac{U_n}{P_n} = MU_m$$

इसे उपभोग में प्रयुक्त प्रतिस्थापन का नियम भी कहते हैं।

2. निम्नांकित कथनों पर ध्यान दीजिए :

(i) सामान्य वस्तुओं के मामले में आय प्रभाव धनात्मक होता है।
(ii) उत्कृष्ट वस्तुओं के मामले में आय प्रभाव शून्य होता है।
(iii) सारी गिफिन वस्तुएँ निकृष्ट वस्तुएँ हैं, परन्तु सारी निकृष्ट वस्तुएँ गिफिन वस्तुएँ नहीं हैं।
(iv) निकृष्ट वस्तुओं के मामले में आय प्रभाव ऋणात्मक होता है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से सही है?

(a) सिर्फ (i) (b) सिर्फ (ii)
(c) (iii) और (iv) (d) (i), (iii) और (iv)

Ans. (d) : सामान्य वस्तुओं के मामले में आय प्रभाव धनात्मक होता है अर्थात इनकी मांग आय बढ़ने के साथ बढ़ती जाती है। जैसा रेखचित्र से स्पष्ट है-

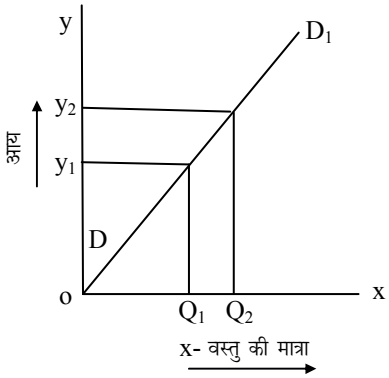

निकृष्ट वस्तुओं की मांग आय वृद्धि के साथ बढ़ने के स्थान पर कम होती है अर्थात ऋणात्मक आय प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक शक्तिशाली होता है। सारी गिफिन वस्तुएं निकृष्ट वस्तुएं हैं, परंतु सारी निकृष्ट वस्तुएं गिफिन वस्तुएं नहीं है।

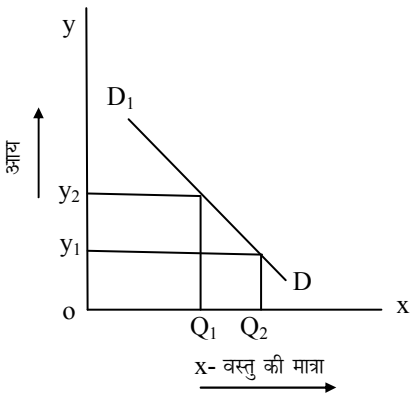

3. लाभ अधिकतम करने वाली फर्म अल्पकाल में उत्पादन रोक देगी, यदि कीमत :

(a) औसत परिवर्तनशील लागत की तुलना में कम है।
(b) सीमान्त लागत से कम है।
(c) औसत कुल लागत से कम है।
(d) औसत कुल लागत के बराबर है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : अल्पकाल में फर्म को सामान्य लाभ, हानि व अधिसामान्य लाभ प्राप्त होते हैं। हानि की स्थिति में कोई भी फर्म उद्योग में तब तक रहेगी, जब तक फर्म अपनी परिवर्तनशील लागतों के अलावा स्थिर लागतों का भी कुछ भाग अर्जित करती रहे। परंतु जब बाजार कीमत इतनी गिर जाए कि फर्म अपनी परिवर्तनशील लागत ही न निकाल पाये तब उसे उत्पादन बंद कर देना चाहिए। जैसा चित्र में बिन्दु F द्वारा स्पष्ट हो रहा है, जो उत्पादन बंद बिंदु है-

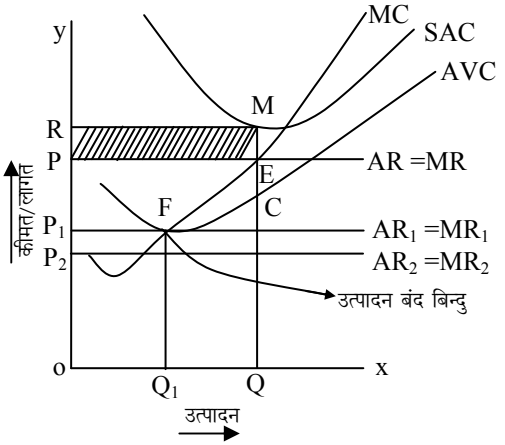

Page – 436, H.L. Ahuja, Micro Eco.

4. निम्नांकित कथनों पर ध्यान दीजिए:

(i) जब सीमान्त लागत वक्र औसत लागत वक्र के नीचे रहता है, तो औसत लागत वक्र ऊपर चढ़ रहा होना चाहिए।

(ii) जब सीमान्त लागत वक्र औसत लागत वक्र के ऊपर है, तो औसत लागत वक्र आवश्यक रूप से नीचे की ओर जाना चाहिए।

(iii) सीमान्त लागत वक्र औसत लागत वक्र को उस बिन्दु पर काटता है जहाँ औसत लागत स्थिर है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है?

(a) सिर्फ (iii) (b) (i) सिर्फ (ii)

(c) उपर्युक्त सभी (d) (i) और (iii)

Ans. (a) : सीमांत लागत वक्र (MC) औसत लागत वक्र (AC) को उसके निम्नमत् बिन्दु पर काटता है अर्थात् जहां AC स्थिर है। AC तथा MC दोनों की आकृति U आकार की तरह है। जब AC वक्र गिर रहा होता है तब MC वक्र उससे अधिक तेजी से गिरता है और AC वक्र से नीचे रहता है। जब AC वक्र ऊपर उठ रहा होता है तो MC वक्र उससे तेजी से उठकर AC से ऊपर रहता है जब AC न्यूनतम होता है तब AC = MC

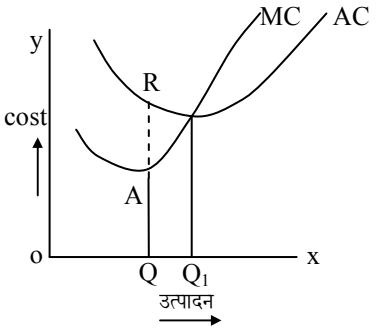

Page- 164, S.N. Lal, Micro Economics

5. अतिरेक क्षमता का सिद्धान्त निम्नांकित में से किसके साथ दीर्घकाल में सम्बन्धित नहीं है ?

(a) एकाधिकार (b) अल्पाधिकार

(c) एकाधिकारी प्रतियोगिता (d) पूर्ण प्रतियोगिता

Ans. (c) : अतिरेक समता का सिद्धांत एकाधिकारी प्रतियोगिता के साथ दीर्घकाल में संबंधित नहीं है। अर्थशास्त्री प्रो. चैम्बरलिन व श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने एकाधिकारिक प्रतियोगिता की विचारधारा प्रस्तुत की। अर्थशास्त्री प्रो. चैम्बरलिन ने Monopolistic Competition तथा श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने 'Imperfect Competition' के रूप में अपना सिद्धांत प्रस्तुत किया।

6. बहुत से परिवर्तनशील कारकों के लिए फर्म का माँग वक्र निकालने के लिए निम्नांकित का ध्यान रखना आवश्यक है :

(a) कारक कीमत में परिवर्तन का बाह्य प्रभाव

(b) कारक कीमत में परिवर्तन का आंतरिक प्रभाव

(c) एकाधिकारी शोषण

(d) क्रेताधिकारी शोषण

Ans. (a) : बहुत से परिवर्तनशील कारकों के लिए फर्म का मांग वक्र निकालने के लिए कारक कीमत में परिवर्तन की बाह्य प्रभाव का ध्यान रखना आवश्यक है।

7. एजवर्थ उत्पादन बॉक्स में, संतुलन की संभावित स्थितियों में:

(a) सम उत्पाद वक्र एक दूसरे को स्पर्श करते हैं।

(b) सम उत्पाद वक्र एक दूसरे को काटते हैं।

(c) आगतों का सीमान्त उत्पाद बराबर है।

(d) A और B दोनों।

Ans. (a) : एजवर्थ उत्पादन बॉक्स में संतुलन की संभावित स्थितियों में सम उत्पाद वक्र एक-दूसरे को स्पर्श करते हैं। जैसा रेखाचित्र से स्पष्ट है-

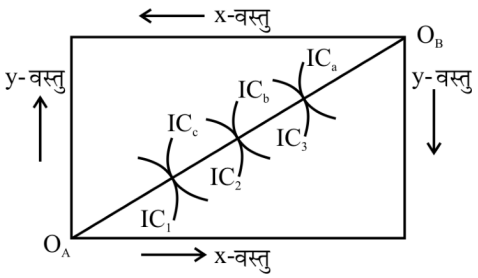

8. कीन्स के उपभोग फलन के मनोवैज्ञानिक नियम के सम्बन्ध में निम्नांकित में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) जब प्रयोज्य आय बढ़ती है, तो उपभोग भी बढ़ता है; परन्तु आनुपातिक रूप से कम।

(b) उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति धनात्मक होती है; परन्तु इकाई से कम होती है।

(c) जब प्रयोज्य आय बढ़ती है, तो उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति कम होती है और इसके विलोमतः

(d) आय के सब स्तरों पर उपभोग की औसत प्रवत्ति उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति के बराबर होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : केन्स ने अपनी पुस्तक 'General Theory of Employment Interest and Money' में उपभोग फलन के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उसके अनुसार, समस्त उपभोग समस्त चालू प्रयोज्य आय का फलन है। अर्थात

$c = a + cy_d$

जहां a = स्वायत्त उपभोग

c = सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (mpc)

y_d = प्रयोज्य आय (Disposable Income)

उपभोग तथा आय में यह संबंध केन्स के 'उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम' पर आधारित है। इसके अनुसार जब आय बढ़ती है तो उपभोग व्यय भी बढ़ता है परंतु अपेक्षाकृत कम मात्रा में। अन्य शब्दों में, आय में वृद्धि (या कमी) होने पर उपभोग व्यय भी बढ़ता (या घटता) तो है परंतु आनुपातिक रूप में नहीं। इसमें गैर-आनुपातिक उपभोग फलन की धारणा का अर्थ है कि अल्पकालीन औसत प्रवृत्ति (APC) और सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (mpc) दोनों मेल नहीं खाती है। बल्कि APC > mpc तथा mpc धनात्मक होती है परंतु इकाई से कम अर्थात् O < mpc < 1 केंसीय उपभोग फलन को अल्पकाल तथा दीर्घकाल दोनों में स्थिर मान लिया गया है।

Page- 110, झिंगन Macro Eco.

9. संतुलित बजट गुणक के सम्बन्ध में निम्नांकित में से कौन-सा कथन गलत है?

(a) स्वायत्त करों के मामले में संतुलित बजट गुणक का मूल्य इकाई के बराबर होता है।

(b) आनुपातिक करों के मामले में संतुलित बजट गुणक का मूल्य इकाई से कम होता है।

(c) संतुलित बजट गुणक का मूल्य सदैव इकाई के बराबर होता है चाहे कर स्वायत्त हो या आनुपातिक।

(d) सरकारी व्यय गुणक का मूल्य कर गुणक के मूल्य से ज्यादा होता है।

Ans. (c) : संतुलित बजट गुणक का प्रयोग एक विस्तारवादी राजकोषीय नीति दर्शाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके अंतर्गत करों में वृद्धि की दर सरकारी व्यय में वृद्धि की दर के बराबर होता है। अर्थात् OT = OG। संतुलित बजट गुणक कर गुणक और सरकारी व्यय गुणक के संयुक्त कार्यकरण पर आधारित है। संतुलित बजट गुणक में सरकारी गुणक से कर गुणक छोटा होता है।

अतः संतुलित बजट गुणक =

$$K_b = \frac{\Delta y}{\Delta g} + \frac{\Delta y}{\Delta t} = \frac{1}{1-c} + \frac{-c}{1-c} = \frac{1-c}{1-c} = 1$$

$K_b = 1$

संतुलित बजट गुणक को इस प्रकार भी लिख सकते हैं –

$$K_b = \Delta y = \frac{1}{1-c}\Delta g + \frac{-c}{1-c}\Delta T$$

इस प्रकार स्वायत्त करों के मामले में संतुलित बजट गुणक का मूल्य इकाई के बराबर होता है तथा आनुपातिक करों के मामलें में संतुलित बजट गुणक का मूल्य इकाई से कम होता है।

Page- 174, झिंगन, Macro Eco.

10. निम्नांकित कथनों पर ध्यान दीजिए :

1. साख का सृजन नकदी रिजर्व अनुपात के विपरीत दिशा में परिवर्तित होता है।
2. साख सृजन नकदी रिजर्व अनुपात के साथ धनात्मक रूप से परिवर्तित होता है।
3. बंध पत्र कीमत और ब्याज की दर प्रतिलोमतः सम्बन्धित हैं।
4. बंध पत्र कीमत और ब्याज की दर धनात्मक रूप से सम्बन्धित हैं।

निम्नांकित में से कौन-सा सही है?

(a) 1 और 3 (b) 1 और 4

(c) 2 और 3 (d) 2 और 4

Ans. (a) : साख का सृजन नकदी रिजर्व अनुपात के विपरीत दिशा में परिवर्तित होता है। अन्य शब्दों में व्यापारिक बैंकों को अपनी नकद राशि का एक निश्चित भाग नकद कोष के रूप में रखना अनिवार्य होता है। यदि यह प्रतिशत बढ़ा दिया जाये तो साख सृजन की शक्ति पहले से कम हो जायेगी, पर यदि इस प्रतिशत को कम कर दिया जाये तो साख सृजन बढ़ जायेगा।

बंध पत्र कीमत और ब्याज की दर प्रतिलोमतः संबंधित है।

Page- 167, S.N. Lal, Money, Banking & Pub. Finance.

11. यह दिए होने पर कि C = लोगों के पास करेन्सी; DD = मांग जमा; TD = सावधिक जमा; और R = वाणिज्यक बैंकों के पास नकदी शेष है, तो उच्च स्तरीय (हाई पावर्ड) मुद्रा की व्याख्या इस तरह से की जाती है :

(a) C + DD (b) C + R

(c) C + TD (d) C + DD + TD

Ans. (b) : उच्च स्तरीय मुद्रा वह राशि है जो कामर्शियल बैंकों के पास आरक्षितियों तथा जनता के पास करेंसी के रूप में विद्यमान है। उच्च स्तरीय मुद्रा बैंक जमाओं के विस्तार और मुद्रा-पूर्ति के निर्माण का आधार है। इस प्रकार है –

H = C + RR+ER

जहां, C = करेंसी

RR = आवश्यक रिजर्व अनुपात

ER = अतिरिक्त रिजर्व

12. यह अवधारणा कि मौद्रिक मजदूरी-स्फीति और बेरोजगारी के बीच विपरित सम्बन्ध है, मूलतः किसने प्रतिपादित की?

(a) ए.डब्ल्यू. फिलिप (b) मिल्टन फ्रीडमैन

(c) फिलिप कैगेन (d) रॉबर्ट लूकास

Ans. (a) : यह अवधारणा की मौद्रिक मजदूरी-स्फीति और बेरोजगारी के बीच विपरीत संबंध है, मूलतः ए.डब्ल्यू फिलिप ने 1958 में प्रतिपादित किया। मूलरूप में फिलिप्स वक्र द्वारा केवल मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के बीच संबंध व्यक्त किया गया था, परंतु बाद में इसका प्रयोग मुद्रा-स्फीति तथा बेरोजगारी के बीच संबंध दिखाने के लिए किया जाने लगा।

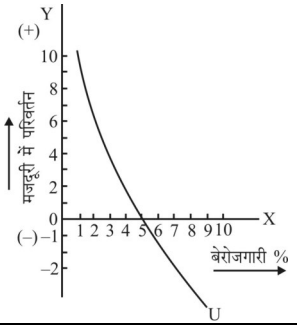

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. त्वरक-गुणक पारस्परिक क्रिया पर आधारित व्यापार चक्रों से सबन्धित किसका सिद्धान्त 'निरोधित व्यापार चक्र' उत्पन्न करता है?

(a) हिक्स (b) काल्डर
(c) सैम्युल्सन (d) बाउमॉल

Ans. (a) : प्रो. जे.आर.हिक्स ने 1950 में प्रकाशित 'A contribution to the theory of trade cycle' में यह प्रतिपादित किया कि व्यापार चक्र गुणक तथा त्वरक की अन्तर्क्रिया का परिणाम है। हिक्स का व्यापार चक्र माडल कीन्सियन गुणक विश्लेषण, J.B. Clark के त्वरक विश्लेषण तथा हैरॉड के आर्थिक संवृद्धि विश्लेषण तीनों पर आधारित है। हिक्स के अनुसार – जिस प्रकार मांग एवं पूर्ति सिद्धांत मूल्य सिद्धांत के दो पहलू हैं, उसी प्रकार गुणक तथा त्वरक उच्चावचन के सिद्धांत के दो पहलू है।

Page- 181, S.N. Lal, Macro Eco.

14. निम्नांकित कथनों में से कौन-सा गलत है?

(a) जब निवेश की ब्याज लोच निम्न होती है (निवेश बचत वक्र अतिप्रवण होती है), तो मौद्रिक नीति तुलनात्मक रूप से प्रभावहीन होती है।
(b) जब मुद्रा के लिए माँग की ब्याज लोच अधिक होती है (एल.एम. वक्र सपाट होता है), तो मौद्रिक नीति तुलनात्मक रूप से प्रभावहीन होती है।
(c) जब मुद्रा के लिए माँग की निवेश लोच निम्न होती है (एल.एम. वक्र अतिप्रवण होता है), तो राजकोषीय नीति तुलनात्मक रूप से प्रभावहीन होती है।
(d) जब निवेश की ब्याज लोच निम्न होती है (आई.एस. वक्र अतिप्रवण है), तो राजकोषीय नीति तुलनात्मक रूप से प्रभावहीन होती है।

Ans. (c) : जब मुद्रा के लिए मांग की निवेश लोच निम्न होती है। तो (L.M. वक्र अतिप्रवण होता है) राजकोषीय नीति तुलनात्मक रूप से प्रभावी होगा। अन्य शब्दों में L.M. Curve की ढाल जितनी अधिक लोचदार होगी, राजकोषीय नीति उतनी ही प्रभावी होगी और L.M. Curve पूर्णतः लोचदार हो तो राजकोषीय नीति पूर्णतः प्रभावी होगी जबकि बेलोच होने पर पूर्णतः अप्रभावी होगी।

15. खुली अर्थव्यवस्था में हस्तांतरण कीमत निर्धारण (ट्रांसफर प्राइसिंग) को निम्न के द्वारा व्यवहार में लाया जाता है :

(a) म्युच्युअल फंड्स
(b) संस्थागत निवेशकर्ता
(c) बहुराष्ट्रीय निगम
(d) निजी बैंक

Ans. (b) : खुली अर्थव्यवस्था में हस्तांतरण कीमत निर्धारण (Transfer Pricing) को संस्थागत निवेशकर्ता द्वारा व्यवहार में लाया जाता है।

16. संवृद्धि की वांछित दर का हैरोड मॉडल समीकरण, निम्न के द्वारा निरूपित होता है :

(a) $\frac{S/y}{1/k}$ (b) $\frac{S}{y}$
(c) $\frac{1}{k}$ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : हैरोड मॉडल में संवृद्धि की वांछित दर (Warranted Growth Rate) अभीष्ट वृद्धि दर है, जो किसी अर्थव्यवस्था की आय की पूर्ण क्षमता की वृद्धि दर है। इस दर पर मांग इतनी ऊंची होती है कि उत्पादक जितना उत्पादन करता है, बिक जाता है। इसे उद्यमीय संतुलन भी कहा जाता है।

Gw. Cr = S

या, $G_w = \frac{s}{c_r}$

जहां, G_w = Warranted growth rate.

C_r = (I/Δy) पूंजी-आय अनुपात

$Cr = \frac{I}{\Delta y}$

S = Saving Income Ratio. (S/y)

Page – 201, S.N. Lal, Macro Eco.

17. एच.डी.आई. सूचकांक सर्वप्रथम किसने विकसित किया?

(a) UNDP (b) IME
(c) यूनिसेफ (d) अंकटाड (UNCTAD)

Ans. (a) : मानव विकास सूचकांक (H.D.I.) का प्रतिपादन 1990 में United Nations Development Programme) (UNDP) से जुड़े हुए अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक तथा उनके अन्य सहयोगी अर्थशास्त्री मुख्यतया ए.के. सेन तथा सिंगर हंस ने किया। H.D.I. तीन चरों पर आधारित है-
(1) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
(2) ज्ञान या शैक्षणिक उपलब्धि
(3) जीवन निर्वाह का स्तर

18. निम्नांकित में से कौन-सा राजकोषीय नीति का उपकरण नहीं है?

(a) सार्वजनिक आय
(b) सार्वजनिक व्यय
(c) सार्वजनिक ऋण
(d) नकदी रिजर्व अनुपात (CRR)

Ans. (d) : सार्वजनिक आय, सार्वजनिक व्यय व सार्वजनिक ऋण राजकोषीय नीति का उपकरण है जबकि नकदी रिजर्व अनुपात (CRR) मौद्रिक नीति का उपकरण है।

19. विश्व व्यापार संगठन का डायरेक्टर जनरल कौन है?

(a) एलेन ग्रीनस्पान (b) लैमी पास्कल
(c) विलियम डायमण्ड (d) यूजिन ब्लेक

Ans. (b) : विश्व व्यापार की स्थापना 1 January, 1995 को हुई। इसका अध्यक्ष लैमी पास्कल है। वर्तमान में (2016) इसका Director-General रोबर्टो एजेवेदो (Roberto Azevedo) है।

20. वैश्वीकरण के अंतर्गत सरकार की भूमिका क्या होती है?

(a) शून्य (b) अधिकतम
(c) न्यूनतम (d) मध्य

Ans. (c) : वैश्वीकरण के अंतर्गत सरकार की भूमिका न्यूनतम होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. भारत में राज्य सरकार के राजस्व का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्रोत निम्नांकित में से कौन-सा है?

(a) भू-राजस्व (b) विक्रय कर
(c) स्टैम्प एवं पंजीकरण फीस (d) राज्य उत्पाद शुल्क

Ans. (b) : भारत में राज्य सरकार के राजस्व का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत विक्रय कर है। भारत में संविधान की अनुसूची 7 की सूची 2में राज्यों को निम्न विषयों पर कर लगाने का अधिकार है-
(1) भू-राजस्व।
(2) अखबार को छोड़कर अन्य वस्तुओं की खरीद एवं बिक्री पर कर।
(3) कृषि आय पर कर।
(4) भूमि तथा मकान पर कर।
(5) कृषि भूमि पर संपदा एवं मृत्यु कर।
(6) शराब तथा नशीली वस्तुओं पर कर।
(7) स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के प्रवेश पर कर।
(8) बिजली के उपभोग या बिक्री पर कर।
(9) केन्द्रीय सूची में अंकित को छोड़कर अन्य स्टांप शुल्क।
(10) सड़क या आंतरिक जलमार्ग से जाने वाली वस्तुओं तथा यात्रियों पर कर।
(11) मनोरंजन तथा जुआ सहित विलास पर कर।
(12) व्यापार तथा पेशे पर कर।
(13) चुंगी कर।
(14) अखबार में छपे विज्ञापनों को छोड़कर अन्य विज्ञापनों पर व्यय।
S.K. Singh, Indian Pub. Finance

22. किस सिद्धान्त का अनुप्रयोग करने से करारोपण में सर्वाधिक समता प्राप्त की जा सकती है?

(a) सम निरपेक्ष त्याग (b) लाभ
(c) समान सीमान्त त्याग (d) समान आनुपातिक त्याग

Ans. (d) : समान आनुपातिक त्याग सिद्धांत का अनुप्रयोग करने से करारोपण में सर्वाधिक समता प्राप्त की जा सकती है।

23. भारत में राजकोषीय घाटे का सही माप निम्नांकित में से कौन-सा है?

(a) कुल राजस्व प्राप्तियों की तुलना में कुल राजस्व व्यय का आधिक्य।
(b) कुल राजस्व प्राप्तियाँ जमा ऋणेतर पूँजी प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय का आधिक्य।
(c) कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय का आधिक्य।
(d) कुज ब्याज भुगतानों की तुलना में कुल व्यय का आधिक्य।

Ans. (b) : भारत में राजकोषीय घाटे का सही माप कुल राजस्व प्राप्तियां जमा ऋणेतर पूंजी प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय का आधिक्य है। राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्वास्थ्य का सूचक माना जाता है। यह सरकार पर ऋणों के बोझ में होने वाली शुद्ध वृद्धि से है। राजकोषीय घाटे का उच्च स्तर आर्थिक असंतुलन एवं चुनौतियों को उत्पन्न करता है।
F.D. = (Total Exp.) – (Total Receipts)
F. D. = (Revenue Exp + Capital Exp.) – (Revenue Reciepts + Capital Receipts)
F.D. = (Total Exp) – (Revenue Receipts + Capital Receipts) including only loans & sales of assets.

24. शुद्ध सार्वजनिक वस्तु की सीमान्त लागत है:

(a) शून्य या शून्य के निकट
(b) एक
(c) A तथा B दोनों
(d) बहुत अधिक

Ans. (a) : शुद्ध सार्वजनिक वस्तु वह है जिसकी कुल लागत में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि होने पर भी वृद्धि नहीं होती है। शुद्ध लोक वस्तु की दो विशेषताएं हैं- प्रतिद्वन्द्विता की अनुपस्थिति (non-rival) तथा वर्जन का अभाव (Exclusion)। शुद्ध सार्वजनिक वस्तु की सीमांत लागत शून्य या शून्य के निकट होता है।

25. भारत में कर सुधारों का उद्देश्य निम्नांकित में से कौन-सा नहीं है?

(a) सीमा शुल्क दरों की बहुलता में कमी।
(b) कर अनुपालन में सुधार।
(c) कर आधार को विस्तृत करना।
(d) कुल कर राजस्व में अप्रत्यक्ष करों के भाग में वृद्धि करने के तरीकों को सुझाना।

Ans. (d) : भारत में कुल कर राजस्व में अप्रत्यक्ष करों के भाग में वृद्धि करने के तरीकों को सुझाना कर सुधारों का उद्देश्य नहीं है, शेष कर सुधारों का उद्देश्य है।

26. जब किसी वस्तु के लिए माँग की कीमत लोच निम्नांकित होती है, तो उत्पादन शुल्क का पूरा भार क्रेता वहन करते हैं:

(a) ∞ (b) 0
(c) 1 (d) 1 और ∞ के बीच

Ans. (b) :जब किसी वस्तु के लिए मांग की कीमत लोच शून्य होती है तो उत्पादन शुल्क का पूरा भार क्रेता वहन करते है।

27. निम्नांकित प्रश्न संख्या 27 में एक अभिकथन (A) और एक तर्क (R) दिया हैं इसे ध्यानपूर्वक परीक्षण करके नीचे दिए कूटों से उत्तर का चयन कीजिए :

अभिकथन (A) : अप्रत्यक्ष कर आय के वितरण में असमानता बढ़ाते हैं।

तर्क (R) : अप्रत्यक्ष करों का भार निर्धनों पर ज्यादा पड़ता है।

कुट:

(a) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R),(A) सही व्याख्या है।
(c) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।

Ans. (b) : अप्रत्यक्ष कर ऐसा कर है जिसका कर भार करदाता स्वयं न वहन करके अंशतः या पूर्णतः दूसरे व्यक्तियों के ऊपर टाल देता है। अप्रत्यक्ष कर आय के वितरण में असमानता बढ़ाते हैं। अप्रत्यक्ष कर अन्यायपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति को समान दर से कर चुकाना पड़ता है। इस कर से धनी को भी उतना ही कर देना होगा जितना कि गरीब को किसी समान वस्तु के क्रय से। इस प्रकार धनी की अपेक्षा गरीब को अधिक त्याग करना पड़ता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का फैक्टर-एनडाउमेंट सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया?

(a) हेक्सचर-ओहलिन (b) हैबरलर
(c) रॉल-प्रेबिश (d) जगदीश भगवती

Ans. (a) : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का फैक्टर-एनडाउमेंट सिद्धांत हेक्सचर ओहलिन ने प्रतिपादित किया। इस सिद्धांत के अनुसार "जिन वस्तुओं में दुर्लभ साधनों की बड़ी मात्राएं प्रयोग होती है उन्हें आयात किया जाता है क्योंकि उनकी कीमतें ऊँची हैं जबकि उन वस्तुओं को निर्यात किया जाता है जिनमें प्रचुर साधन प्रयोग होते हैं, क्योंकि उनकी कीमतें नीची है। हैक्सचर – ओहलिन प्रमेय की व्याख्या दो रूपों में की जाती है-
(1) साधन प्रचुरता (या दुर्लभता) कीमत कसौटी के रूप में।
(2) साधन प्रचुरता (या दुर्लभता) भौतिक कसौटी के रूप में।

29. व्यापार की शर्तों की एकल कारक एवं द्विकारक अवधारणाएँ किसने प्रतिपादित की?

(a) हैबरलर (b) जैकोब वाइनर
(c) स्नाइडर (d) स्केमल

Ans. (b) : व्यापार की शर्तों की एकल कारक एवं द्विकारक अवधारणाएं जैकोब वाइनर ने प्रतिपादित की।
व्यापार की एकल घटकीय शर्तें $(T_s) = Tc\ Fx$

$T_s = \frac{p_x}{p_m} . f_x$
जहां T_s = व्यापार की एकल घटकीय शर्तें
T_c = व्यापार की वस्तु शर्तें
F_x = निर्यात उद्योगों का उत्पादकता सूचक

व्यापार की द्विघटकीय शर्तें $(T_d) = T_c . \frac{f_x}{f_m}$

$T_d = \frac{p_x}{p_m} . \frac{f_x}{f_m}$
जहां, T_d = व्यापार की द्विघटकीय शर्तें।

$\frac{p_x}{p_m}$ = वस्तु व्यापार की शर्तें।
F_x = निर्यात उत्पादकता सूचक।
F_m = आयात उत्पादकता सूचक।

30. विदेशी व्यापार गुणक का समीकरण है

(a) रुपया –डॉलर अनुपात
(b) mpm + mps
(c) कर – सकल घरेलू उत्पाद अनुपात
(d) $\frac{1}{mpm + mps}$

Ans. (d) : विदेशी व्यापार गुणक यह बताता है कि निर्यात में वृद्धि के फलस्वरूप राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि होती है जो कि निर्यात की तुलना में कई गुना होती है। निर्यात एवं राष्ट्रीय आय के बीच फलनात्मक संबंध बताने वाला तत्व विदेशी व्यापार गुणक है। अर्थात-

$K_f = \frac{\Delta y}{\Delta x}$

$K_f = \frac{1}{mps + mpm}$

31. भारत में व्यापार नीति सम्बन्धी सुधारों में समाविष्ट है :

(a) विनिवेश
(b) सीमा शुल्कों को कम करना
(c) एस.एल.आर. (सांविधिक तरलता अनुपात) में वृद्धि
(d) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में कमी

Ans. (b) : भारत में व्यापार नीति संबंधी सुधारों में सीमा शुल्कों को कम करना समाविष्ट है।

32. निम्नांकित में से कौन-सा देश आसियान (ASEAN) समूह का सदस्य है?

(a) चीन (b) भारत
(c) श्रीलंका (d) थाइलैंड

Ans. (d) : ASEAN की स्थापना बैंकाक घोषणा द्वारा 8 August, 1967 को किया गया। इसका मुख्यालय जकार्ता में है। ASEAN के 10 सदस्य है- इंडोनेशिया, मलेशिया, थाइलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, बर्मा और कंबोडिया आदि। अमेरिका, रूस, चीन, जापान, भारत, उत्तरी-कोरिया इत्यादि पर्यवेक्षक एवं वार्ताकार सदस्य है।

33. G-20 का 2009 का सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया?

(a) लन्दन (b) पेरिस
(c) जेनेवा (d) नई दिल्ली

Ans. (a) : G-20 का 2009 का सम्मेलन लंदन में आयोजित किया गया था। G-20 का 10 वां शिखर सम्मेलन का आयोजन तुर्की के शहर आंतल्या में 15 -16 November, 2015 के मध्य किया गया।

34. 6 लाल, 4 हरी और 5 काली गेंदों से भरे थैले में से एक गेंद यादृच्छिक ढंग से निकाली जा सकती है। यह गेंद लाल या हरी है इस तथ्य की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

(a) $\frac{^6C_1 + ^4C_1}{^{15}C_1}$ (b) $\frac{6}{15}$
(c) $\frac{4}{15}$ (d) $^6C_1 \times ^4C_1 \times ^{15}C_1$

Ans. (a) : लाल गेंद = 6
हरी = 4
काली = 5
कुल गेंद = लाल + हरी + काली = 15
लाल या हरी गेंद होने की प्राथमिकता = $\frac{\text{लाल गेंद + हरी गेंद}}{\text{कुल गेंद}}$

या, $\frac{6_{c_1} + 4_{c_1}}{15_{c_1}} = \frac{6+4}{15} = \frac{10}{15} = \frac{2}{3}$

35. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए कूटों से उत्तर का चयन कीजिये :

समूह-I	समूह-II
(a) सामान्य वक्र के अंतर्गत कुल क्षेत्र	(i) $\beta_1 = 0$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) प्रमाप विचलन का वर्ग (ii) 1

(c) सम्मित वितरण (iii) $\frac{\sigma}{X}\times 100$

(d) विचलन गुणांक (iv) प्रसरण

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans. (b) :

(a) सामान्य वक्र के अंतर्गत कुल क्षेत्र	1
(b) प्रमाप विचलन का वर्ग	प्रसरण
(c) सम्मित वितरण	$\beta_1 = 0$
(d) विचलन गुणांक	$\frac{\sigma}{x}\times 100$

36. मानक सामान्य वक्र के अंतर्गत –3 और + 3 के बीच क्षेत्र है

(a) 1 (b) 0.9973

(c) 0.95 (d) 0.6826

Ans. (b) : मानक सामान्य वक्र के अंतर्गत -3 और + 3 के बीच क्षेत्र 0.9973 है।

37. यदि निर्धारण गुणांक 0.12 है और एक प्रतीपगमन गुणक 0.3 है, तो दूसरे प्रतीपगमन गुणक का मूल्य क्या है?

(a) 0.4 (b) 0.36

(c) 0.9 (d) 0.15

Ans. (a) : $r^2 = 0.12$

bxy = 0.3

$r = \sqrt{bxy.byx}$

$r^2 = bxy.byx$ या, $byx = \frac{r^2}{bxy}$

$byx = \frac{0.12}{0.3} = 0.4$

byx = 0.4

38. एक बड़े प्रतिदर्श में है, $\sigma_x = 2$, $r_{xy} = 0.8$ तो b_{xy} की मानक त्रुटि होगी

(a) 1.1 (b) 2.1

(c) 1.2 (d) 1.6

Ans. (c) : एक बड़े प्रतिदर्श में $\sigma_x = 2$, $r_{xy} = 0.8$ है तो b_{xy} की मानक त्रुटि 1.2 होगी।

39. मानक प्रसामान्य चर के माध्य और प्रसरण क्रमशः हैं

(a) 0, 0 (b) 0, 1

(c) 1, 0 (d) 1, 2

Ans. (b) : मानक प्रसामान्य चर के माध्य और प्रसरण क्रमशः शून्य एवं एक है।

40. दिए गए समुच्चय के पदों का, उनके गणितीय माध्य से विचलनों का बीजगणितीय योग है

(a) ∞ (b) 1

(c) –1 (d) 0

Ans. (d) : दिये गये समुच्चय के पदों का उनके गणितीय माध्य से विचलनों का बीजगणितीय योग शून्य (0) है।

41. भारत में वृद्धि में क्षेत्रीय असंतुलन का कारण है

(a) भिन्न राज्यों को केन्द्रीय सरकार द्वारा असमान बजटीय सहायता।

(b) औद्योगिक इकाइयों का स्थानिक वितरण।

(c) कुछ राज्यों में असमान विकासात्मक बुनियादी ढाँचा।

(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : भारत में वृद्धि में क्षेत्रीय असंतुलन का निम्नलिखित कारण है –

(1) विभिन्न राज्यों को केन्द्रीय सरकार द्वारा असमान बजटीय सहायता।

(2) औद्योगिक इकाइयों का स्थानिक वितरण।

(3) कुछ राज्यों में असमान विकासात्मक बुनियादी ढांचा।

42. निम्नांकित में से कौन-सा संकेतक मानव विकास सूचकांक में नहीं लिया गया है?

(a) जीवन प्रत्याशा

(b) प्रौढ़ साक्षरता

(c) प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद

(d) प्रति व्यक्ति खाद्य पदार्थों का उपभोग

Ans. (d) : मानव विकास सूचकांक (HDI) तीन Dimension (स्तंभ) एवं 4 Indicators पर आधारित है-

(1) जीवन (life) – (i) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (life expectancy of birth)

(2) Education (शिक्षा) - (i) Mean years of schooling
(ii) Expected years of schooling.

(3) Income (आय) – (i) Per capital GNI
(In us $ Per annum at PPP)

अतः HDI में प्रतिव्यक्ति खाद्य पदार्थों का उपभोग संकेतक के रूप में नहीं लिया जाता है।

43. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत केन्द्रीय बजट पेश किया गया है?

(a) 110 (b) 111

(c) 112 (d) 122

Ans. (c) : भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के अंतर्गत बजट पेश किया जाता है। 'बजट' शब्द फ्रांसीसी भाषा के एक शब्द 'Bodgette' से निकला है जिसका अर्थ है चमड़े का थैला।

44. भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधारों में समाविष्ट है :

(a) सी.आर.आर. तथा एस.एल.आर. को कम करना।

(b) बीमा क्षेत्र में निजी फर्मों का प्रवेश।

(c) ब्याज दर का विनियमन।

(d) उपर्युक्त सभी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधारों में निम्न क्रिया-कलाप समाविष्ट है-
(1) सी.आर.आर. (C.R.R.) तथा एस.एल.आर. (S.L.R.) को कम करना।
(2) बीमा क्षेत्र में निजी फर्मों का प्रवेश।
(3) ब्याज दर का विनियमन।

45. कृषि सम्बन्धी नवीन रणनीति ने :
(a) धनी एवं निर्धन खेतीहरों के बीच अंतराल को विस्तृत किया है।
(b) केवल कुछ ही फसलों के उत्पादन में वृद्धि की है।
(c) क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि की है।
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : कृषि संबंधी रणनीति ने निम्नलिखित को प्रभावित किया है-
(1) धनी एवं निर्धन खेतीहरों के बीच अंतराल को विस्तृत किया है।
(2) केवल कुछ ही फसलों के उत्पादन में वृद्धि की है।
(3) क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि की है।

46. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिए और नीचे दिए कूटों से उत्तर का चयन कीजिये :

	समूह-I	समूह-II
(A)	थ्योरी ऑफ बिग पुश	(i) हार्वे लेबिन्स्टीन
(B)	श्रम की असीमित आपूर्ति	(ii) लेविस
(C)	संवृद्धि के इंजन के रूप में व्यापार	(iii) एमेरी
(D)	आर्थिक संवृद्धि की अवधारणा	(iv) कुज़नेट्स

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (d) :
(a) थ्योरी ऑफ बिग पुश ----- हार्वे लेबिन्स्टीन।
(b) श्रम की असीमित आपूर्ति -----लेविस।
(c)) संवृद्धि के इंजन के रूप में व्यापार ---- एमेरी।
(d) आर्थिक संवृद्धि की अवधारणा ----- कुज़नेट्स।

47. यदि देश के भुगतान शेष में निभावी (एकोमोडेटिंग) पूँजी शून्य है, तो :
(a) भुगतान शेष में संतुलन होगा।
(b) भुगतान शेष में असंतुलन होगा।
(c) भुगतान शेष में घाटा होगा।
(d) भुगतान शेष में अतिरेक होगा।

Ans. (d) : यदि देश के भुगतान शेष में निभावी (एकोमोडेटिंग) पूंजी शून्य है, तो भुगतान शेष में अतिरेक होगा।

निर्देश : नीचे दिया परिच्छेद पढ़िए और इसके आधार पर प्रश्न संख्या 48 से प्रश्न संख्या 50 तक के उत्तर दीजिए :

जहाँ तक जी.डी.पी. वृद्धि का प्रश्न है 1990 के दशक के वर्ष भारत के लिए श्रेष्ठ थे। यह भारतीय सरकार के वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण द्वारा प्रदान किए आँकड़ों से स्पष्ट है। 2001 तक के दशक के लिए, साधन लागत पर वास्तविक जी.डी.पी. में 6.1 प्रतिशत से और प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. में 4 प्रतिशत से वृद्धि हुई। यह 3.5 प्रतिशत की दुराग्रही 'संवृद्धि की हिन्दू दर', जिसने 1970 के दशक के बिल्कुल अन्त तक हमारे ऐश्वर्य को अवरूद्ध रखा, पर निश्चित रूप से सुधार है : 1950-51 से 1980-81 तक की अवधि के लिए जी.डी.पी. की संवृद्धि की औसत दर 3.5 प्रतिशत थी और प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. मुश्किल से 1.5 प्रतिशत। वास्तव में, 1981 तक के दशक के लिए, प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. सिर्फ 0.8 प्रतिशत से बढ़ी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संवृद्धि के सम्बन्ध में, भारत पहले से ज्यादा अच्छा कर रहा है।

तथापि, उन्नत संवृद्धि निष्पादन के साथ-साथ रोजगार सृजन उन्नत नहीं हुआ। इसके विपरीत, 1990 के दशक में रोजगार की संवृद्धि दर तेजी से गिरी। नेशनल सैम्पल सर्वेके आँकड़ों के अनुसार, जबकि 1983 से 1993-94 तक की अवधि के लिए, रोजगार प्रति वर्ष 2.72 प्रतिशत से बढ़ा, 1993-94 से 1999-2000 तक की अवधि के लिए समवर्ती अंक मात्र 1.02 था। रोजगार संवृद्धि में इस तीव्र गिरावट ने बेरोजगारों की संख्या को 1993-94 में 20 मिलियन से 1999-2000 में 27 मिलियन तक बढ़ा दिया।

48. 1981 तक के दशक के लिए, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पादन की औसत संवृद्धि की दर थी :
(a) 4.0 प्रतिशत (b) 3.5 प्रतिशत
(c) 0.8 प्रतिशत (d) 2.0 प्रतिशत

Ans. (b) : 1981 तक के दशक के लिए प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पादन की औसत संवृद्धि की दर 3.5% थी।

49. 2001 तक के दशक के लिए, साधन लागत पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद :
(a) 1981 तक के दशक के लिए जो था उससे कम था।
(b) 1970 तक के दशक के लिए जो था उससे कम था।
(c) 1950-51 से 1980-81 के बीच के काल के लिए जो था उससे ज्यादा था।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर (c)

Ans. (c) : 2001 तक के दशक के लिए साधन लागत पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पादन और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 1950-51 से 1980-81 के बीच के काल के लिए जो था उससे ज्यादा था।

50. 1993-94 से 1999-2000 तक की अवधि के लिए रोजगार संवृद्धि की दर :
(a) इस अवधि के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में सापेक्षिक उच्च वृद्धि दर को नहीं दर्शाती।
(b) 1983 से 1993-94 तक की अवधि के लिए रोजगार संवृद्धि से कम थी।
(c) A और B दोनों।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans.: (d) 1993-94 से 1999-2000 तक की अवधि के लिए रोजगार संवृद्धि की दर 1.02% था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2010

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. उपभोक्ता व्यवहार का प्रकटित अधिमान सिद्धान्त इस पर आधारित है :

(a) संगतता (b) प्रबल क्रमण

(c) मांग की धनात्मक आय लोच (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : उपभोक्ता के व्यवहार का प्रकटित अधिमान सिद्धांत (Reveals preference approach) का प्रतिपादन प्रो. सेमुएलसन (Samuelson) ने 1948 में किया। जो मांग के सिद्धांत के संबंध में एक युगांताकारी घटना के रूप में स्वीकार किया जाताहै। सेमुएलसन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है। जैसा कि चित्र से स्पष्ट है-

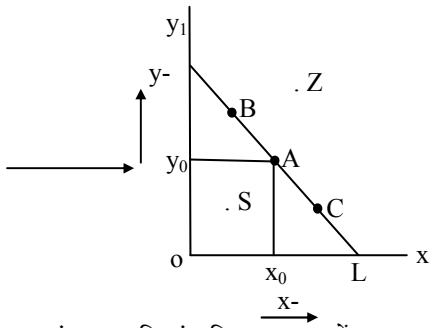

मान्यताएं – यह सिद्धांत निम्न मान्यताओं पर आधारित है-

1. विवेकपूर्ण व्यवहार।
2. सकर्मकता – A > B तथा B > C तो A > C ।
3. व्यक्त अधिमान की अवधारणा।
4. सबल क्रमबद्धता।
5. स्थिर व्यवहार की अवधारणा।
6 मांग की धनात्मक आय लोच (Positive Income Elasticity of Demand)

2. एक व्यक्ति काश्रम आपूर्ति वक्र पीछे की ओर झुकेगा यदि

(a) मजदूरी दर में वृद्धि का प्रतिस्थापन प्रभाव उसके आय प्रभाव से अधिक है।

(b) मजदूरी दर में वृद्धि का आय प्रभाव उसके प्रतिस्थापन प्रभाव की तुलना में ज्यादा और ऋणात्मक है।

(c) फुरसत (Leisure) गिफिन वस्तु है।

(d) मजदूरी दर में वृद्धि के प्रतिस्थापन एवं आय प्रभाव एक दूसरे को बढ़ाते हैं।

Ans. (a) : श्रम की पूर्ति से तात्पर्य श्रमिकों की उस मात्रा से है जो मजदूरी की विभिन्न दरों पर अपनी सेवा देने के लिए तत्पर हो। जिस प्रकार से वस्तुओं की पूर्ति उसकी उत्पादन लागत द्वारा निर्धारित होती है, उसी प्रकार श्रम की पूर्ति उसकी लागत-सीमांत त्याग पर निर्भर करती है। जब कभी मजदूरी में परिवर्तन होते हैं तो प्रायः दो परस्पर विपरीत प्रभाव श्रम की पूर्ति के ऊपर दृष्टिगोचर होते हैं- मजदूरी में वृद्धि के कारण प्रतिस्थापन प्रभाव तथा आय प्रभाव। यदि आय प्रभाव इतना ऋणात्मक हो कि वह प्रतिस्थापन प्रभाव को समाप्त कर दे तो पूर्ति वक्र पीछें की ओर मुड़ जायेगा।

इस प्रकार यदि मजदूरी दर में वृद्धि का प्रतिस्थापन प्रभाव उसके आय प्रभाव से अधिक हो तो एक व्यक्ति का श्रम आपूर्ति वक्र पीछे की ओर झुक जायेगा। जैसा चित्र से स्पष्ट है-

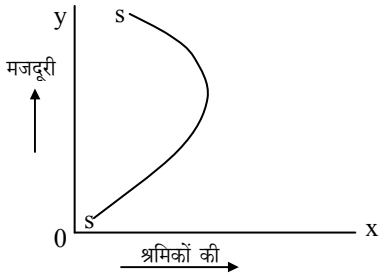

3. पूर्ण प्रतिस्पर्धा के अंतर्गत फर्म का अल्पकालिक आपूर्ति वक्र होता है

(a) सीमान्त लागत वक्र

(b) औसत परिवर्ती लागत वक्र से ऊपर सीमान्त लागत वक्र

(c) औसत परिवर्ती लागत वक्र

(d) औसत कुल लागत वक्र

Ans. (b) : किसी फर्म की पूर्ति वक्र उन संभावित उत्पादनों को प्रदर्शित करती है जिसे एक फर्म विभिन्न मूल्यों पर बेचने के लिए तैयार रहती है। अल्पकाल में फर्म एक दिये हुये प्लांट पर ही उत्पादन करती है मांग में वृद्धि होने पर वह प्लांट के आकार में परिवर्तन नहीं ला पाती है बल्कि केवल अपने उत्पादन में ही समायोजन कर पाती है, क्योंकि अल्पकाल में उत्पादन के स्थिर साधन में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। फर्म उत्पादन में जो परिवर्तन लायेगी, वह परिवर्तनीय साधनों में ही वृद्धि के द्वारा लायेगी। कोई फर्म दिये हुये मूल्य पर कितनी पूर्ति करेगी, यह उसकी सीमांत लागत (mc) तथा सीमांत आय (MR)की समता द्वारा निर्धारित होगा। AVC का वह बिंदु जिस पर औसत आय या मूल्य AVC के बराबर हो, फर्म की अल्पकालीन पूर्ति वक्र की न्यूनतम सीमा होगी। जैसा चित्र से स्पष्ट है-

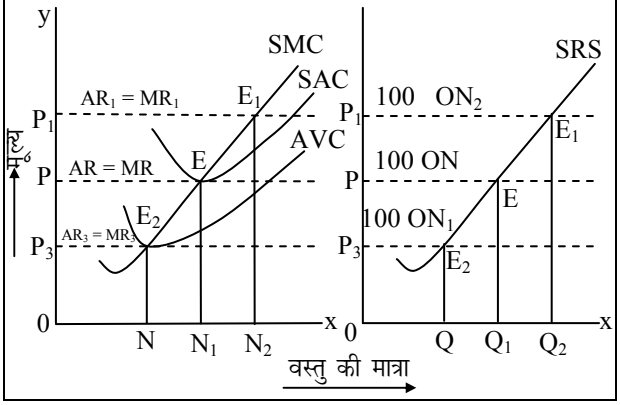

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

4. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिये और नीचे दिये कोडों से उत्तर का चयन कीजिये :

सूची – I	सूची – II
(a) आभास लगान	1. हिक्स
(b) प्रतिस्थापन की लोच	2. चेम्बरलिन
(c) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा	3. न्युमैन मार्गनस्टर्न
(d) क्रीड़ा का सिद्धान्त	4. मार्शल

कोडः

	A	B	C	D
(a)	4	1	3	2
(b)	2	1	4	3
(c)	2	1	3	4
(d)	4	1	2	3

Ans. (d) :
(a) आभास लागान -------मार्शल
(b) प्रतिस्थापन की लोच ----हिक्स
(c) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा -----चैम्बरलिन
(d) क्रीड़ा का सिद्धांत -----न्यूमैन – मॉर्गनस्टर्न

5. सीमान्त उत्पाद के मूल्य और सीमान्त आगम उत्पाद के मूल्य के बीच अन्तर सिर्फ तभी उत्पन्न होता है, जब
(a) औसत आगम सीमान्त आगम के बराबर नहीं है।
(b) औसत लागत सीमान्त लागत के बराबर नहीं है।
(c) कुल आगम कुल लागत के बराबर नहीं है।
(d) औसत लागत औसत आगम के बराबर नहीं है।

Ans. (a) : सीमांत उत्पाद के मूल्य तथा सीमांत आगम उत्पाद के मूल्य के बीच अंतर सिर्फ तभी किया जासकता है जब औसत आगम सीमांत आगम के बराबर नहीं है।

निर्देश : निम्न पाँच प्रश्नों में प्रत्येक में एक अभिकथन (A) तथा एक तर्क (R) दिया हुआ है। आपको इनका ध्यानपूर्वक परीक्षण करना है तथा नीचे दिये हुए कोडों से सही उत्तर को छाँटना है।

6. अभिकथन (A) : अल्पकाल में, एक उत्पादक प्रतिफल ह्रास नियम की सिर्फ अवस्था- II में कार्य प्रचालन करता है जहाँ परिवर्ती उपादान का औसत उत्पाद कम हो रहा होता है।
तर्क (R) : अवस्था- I अवस्था- II में, स्थिर एवं परिवर्ती उपादानों के सीमान्त उत्पाद क्रमशः ऋणात्मक होते हैं।
कोडः
(a) (A) सत्य है और (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) असत्य है और (R) सत्य है।

Ans. (b) : अल्पकाल में उत्पादन में स्थिर साधनों की मात्रा को स्थिर रखते हुए जब परिवर्तनशील साधनों की और अधिक इकाइयों को लगातार प्रयोग में लाया जाता है, तब एक बिन्दु ऐसा आता है, जिसके उपरांत पहले सीमांत उत्पादन, फिर औसत उत्पादन और अंत में कुल उत्पादन घट जाएगा। परिवर्तनशील अनुपात के नियम की तीन अवस्थाएं होती हैं, जैसा चित्र से स्पष्ट है-

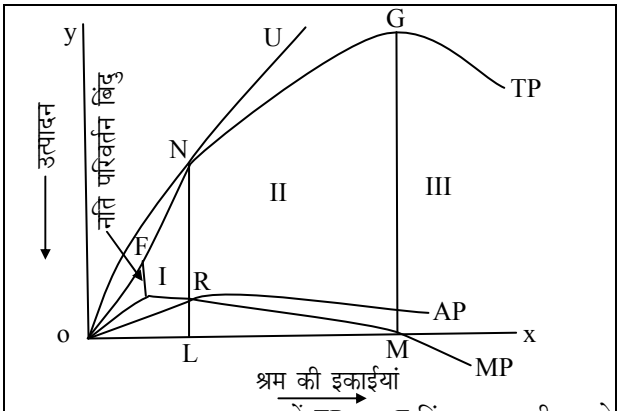

प्रथम अवस्था - इस अवस्था में TP वक्र F बिंदु तक बढ़ती दर से बढ़ रहा है, उसके बाद घटती दर से। mp इस अवस्था में अधिकतम स्थिति को प्राप्त करने के बाद गिरने लगता है। AP ऊपर ही उठ रहा है पर mp से नीचे है। अतः प्रथम अवस्था को उत्पादन वृद्धि नियम की अवस्था कहाजाता है।

II अवस्था - द्वितीय अवस्था वहां से प्रारंभ जहां AP अधिकतम तथा mp के बराबर है। II अवस्था में mp तथा AP दोनों घट रहे हैं। पर दोनों की मात्रा धनात्मक है। अंत में mp शून्य हो जाता है तथा इसके बाद कुल उत्पादन में भी कमी दृष्टिगोचर होने लगती है। इस अवस्था को ह्रासमान नियम अवस्था कहा जाता है।

III अवस्था - mp ऋणात्मक इसीलिए TP में गिरावट होती है। इसलिए इसे ऋणात्मक उत्पादन की अवस्था भी कहते हैं।

7. अभिकथन (A) : एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म दीर्घकाल में सिर्फ सामान्य लाभ ही अर्जित करती है।
तर्क (R) : एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म द्वारा निर्मित वस्तु का कोई निकट प्रतिस्थानापन्न नहीं होता है।
कोडः
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

Ans. (c) : दीर्घकाल में एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म सिर्फ सामान्य लाभ ही अर्जित करती है। एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म द्वारा निर्मित वस्तु का निकट प्रतिस्थानापन्न होता है।

8. अभिकथन (A) : सामान्य तौर पर निर्यातों को बढ़ाने के लिए अवमूल्यन किया जाता है।
तर्क (R) : यह निर्यात को ज्यादा सस्ता कर देता है।
कोडः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं
(b) (A) सही और, परन्तु (R) सही नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : अवमूल्यन का अर्थ देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य को कम करना है, जबकि मुद्रा की आंतरिक मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं होता है। अवमूल्यन के अंतर्गत देश के आयात की घरेलू कीमत बढ़ जाती है और निर्यात की विदेशी कीमत गिर जाती है। इससे देश की निर्यात वस्तुएं विदेशों में सस्ती हो जाती है क्योंकि वे पहले से कम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

मुद्रा देकर अधिक वस्तुएं खरीद सकते हैं। इससे निर्यात प्रोत्साहित होते हैं तथा आयात हतोत्साहित होंगे, क्योंकि आयातित वस्तुएं पहले से महंगी हो जाएंगी।

9. अभिकथन (A) : विकाशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका सामान्यतः संवृद्धि की ज्यादा उच्च दर प्राप्त करना है।
तर्क (R) : यह लोगों को ऋण ज्यादा सस्ती ब्याज दर पर उपलब्ध कराती है।
कोडः
(a) (A) सही है, परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं।

Ans. (d) : विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका सामान्यतः संवृद्धि की ज्यादा उच्च दर प्राप्त करना है। यह लोगों को ऋण ज्यादा सस्ती ब्याज दर पर उपलब्ध कराती है। जिससे लोगों को विनियोग करने में सहायता मिलेगी तथा उत्पादन, रोजगार, पूंजी निर्माण बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था का विकास होगा।

10. अभिकथन (A) : पिछले दो दशकों के दौरान भारत में अप्रत्यक्ष करों का विस्तार और औसत आकार कम हो गया है।
तर्क (R) : इस अवधि के दौरान भारत में कर जी.डी.पी. अनुपात गिरा है।
कोडः
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

Ans. (d) : पिछले दो दशकों के दौरान भारत में अप्रत्यक्ष करों का विस्तार और औसत आकार कम नहीं हुआ है, बल्कि बढ़ा है। हालांकि इस अवधि के दौरान भारत में कर G.D.P. अनुपात गिरा है। वर्तमान में 2015-16 में G.D.P. में कर अनुपात का हिस्सा (Tax G.D.P. Ratio) 10.3% है।

11. उत्पादन और रोजगार निर्धारण का क्लासीकल विश्लेषण कहलाता है
(a) स्थैतिक विश्लेषण
(b) तुलनात्मक स्थैतिक विश्लेषण
(c) गत्यात्मक विश्लेषण
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (a) : उत्पादन और रोजगार निर्धारण का क्लासिकल विश्लेषण स्थैतिक विश्लेषण कहलाता है। कलासिकल अर्थशास्त्रियों ने रोजगार तथा उत्पादन निर्धारण के संबंध में कोई अलग से सिद्धांत नहीं प्रतिपादित किया, बल्कि उनका सिद्धांत वस्तुतः उनके श्रम की मांग एवं पूर्ति दृष्टिकोण, से के बाजार सिद्धांत तथा ब्याज सिद्धांत से संबंधित विश्लेषणों का सम्मिलित रूप है। क्लासिकल अर्थशास्त्रियों के अनुसार एक ऐसी पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में जिसमें बाजार यंत्र या मूल्य यंत्र के स्वतंत्र क्रियाशील पर रोक नहीं हो अर्थात मांग एवं पूर्ति की शक्तियां स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही हो, सदैव पूर्ण रोजगार की संस्थिति स्थिति बनी रहेगी। पूर्ण रोजगार की यह स्थिति स्थायी होगी, बेरोजगारी या अल्परोजगार की स्थिति अस्थायी होगी, और पुनः पूर्णरोजगार की स्थिति कायम हो जायेगी।

12. ''उपभोग अनुत्क्रमणीय (Irreversible) होता है।'' यह निम्नांकित पकिल्पनाओं में से किसमें अंतर्निहित है?
(a) निरपेक्ष आय परिकल्पना
(b) तुलनात्मक आय परिकल्पना
(c) जीवन चक्र परिकल्पना
(d) स्थायी आय परिकल्पना

Ans. (b) : ''उपभोग अनुत्क्रमणीय (Irreversible) होता है।'' यह तुलनात्मक आय परिकल्पना में अन्तर्निहित है।
आवश्यकताओं के संतुष्टि के रूप में घटती हुई उपयोगिता प्राप्त करना ही उपभोग है। सापेक्ष आय परिकल्पना या तुलनात्मक आय परिकल्पना जिसका प्रतिपादन ड्यूजनवरी ने 1949 मे अपनी प्रकाशित पुस्तक Income saving and the theory of consumer behaviour में किया, उनके अनुसार उपभोग अनुक्रमणीय होता है, इसमें परिवर्तन नहीं हो सकता।

13. मुद्रा के लिए विनिमय मांग हेतु स्टॉक सूची सिद्धान्त दृष्टिकोण का प्रतिपादन किसने किया है?
(a) जे.एम. कीन्स (b) मिल्टल फ्रीडमैन
(c) डॉन पेटिन्किन (d) डब्ल्यू.जे. बामोल

Ans. (d) : मुद्रा के लिए विनिमय मांग हेतु स्टॉक सूची सिद्धांत दृष्टिकोण का प्रतिपादन डब्ल्यू. जे. बॉमोल ने किया है। बॉमोल का विचार है कि कोई फर्म या व्यक्ति सौदे के लिए मुद्रा का अनुकूलतम स्टॉक अपने पास रखता है और अपने नकद शेष अधिक लाभप्रद प्रयोग में लगाता है। जैसे- बांड क्रय करने में। बांडों पर जितनी अधिक ब्याज की दर होगी फर्म उतनी ही कम नकद शेषों को रखेगी। **B.K. Tripathi, Monetary Eco.**

14. तरलता पाशः की स्थिति वह है जिसमें मुद्रा के लिए मांग
(a) शून्य लोच की होती है।
(b) इकाई लोच की होती है।
(c) तुलनात्मक रूप से ज्यादा लोचदार होती है।
(d) पूर्णतया लोचदार होती है।

Ans. (d) : तरलता पाश की स्थिति वह है जिसमें मुद्रा के लिए मांग पूर्णतया लोचदार होती है। ब्याज की एक निश्चित दर पर LP वक्र पूर्णतया लोचदार बन जाता है, इस दशा को तरलता जाल कहते हैं। ब्याज की दर एक निश्चित स्तर से नीचे नहीं गिर सकती। पूर्णतया लोचदार LP वक्र के समक्ष एक सामान्य मजदूरी कटौती नीति भी प्रभावपूर्ण नहीं रह पाती है।

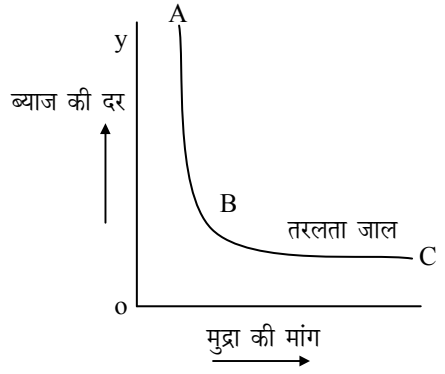

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिये और नीचे दिये कोडों से उत्तर का चयन कीजिये :

सूची – I	सूची – II
(a) विनिमय का समीकरण	1. मिल्टन फ्रीडमैन
(b) मौद्रिक मजदूरी अनम्यता	2. जॉन म्यूथ
(c) बेरोजगारी की प्राकृतिक दर	3. जे.एम. कीन्स
(d) युक्तिसंगत प्रत्याशा परिकल्पना	4. इरविंग फिशर

कोड :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	4	3	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	1	3	2

Ans. (c) :
(a) विनियम का समीकरण - (4) इरविंग फिशर
(b) मौद्रिक मजदूरी अनम्यता - (3) जे.एम. कीन्स
(c) बेरोजगारी की प्राकृतिक दर - (1) मिल्टन फ्रीडमैन
(d) युक्तिसंगत प्रत्याशा परिकल्पना – (2) जॉन म्यूथ

16. व्यापार चक्रों के कालडर मॉडल के सम्बन्ध में निम्नांकित कथनों में से कौन-सा गलत है?

(a) उसकी नींव आय निर्धारण के कीन्स के सिद्धान्त में पाई जा सकती है
(b) इसकी मान्यता है कि बचत और निवेश फलन दोनों (या कम से कम दोनों में से एक) अरेखीय होते हैं।
(c) व्यापार चक्रों को उत्पन्न करने के लिए यह निवेश-गुणक अंतर्क्रिया का उपयोग करता है।
(d) यह पूँजी स्टॉक समायोजन सिद्धान्त पर आधारित है।

Ans. (c) : कॉल्डोर का व्यापार चक्र सिद्धांत कीन्सवादी बचत-निवेश विश्लेषण पर आधारित है। कॉल्डोर ने अपने व्यापार चक्र सिद्धांत में उपभोग व्यय (बचत) को आय का धनात्मक फलन तथा निवेश व्यय को आय से धनात्मक एवं पूंजी स्टॉक से ऋणात्मक रूप से सम्बद्ध किया है। कॉल्डोर के अनुसार किसी व्यापार चक्र के मार्ग में होने वाले आय परिवर्तन की संपूर्ण परिसीमा में बचत पूर्ति तथा निवेश मांग दोनों ही फलन गैर-रेखीय होते हैं। कॉल्डोर की चक्रीय प्रक्रिया स्व-प्रवर्तित (Self generating) है। अर्थात् व्यापार चक्र को उत्पन्न करने वाली शक्तियां (बचतम प्रवृत्ति में परिवर्तन तथा पूंजी स्टॉक में वृद्धि व कमी) वस्तुतः अर्थव्यवस्था में अंतर्निहित है।

17. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिये और नीचे दिये कोडों से उत्तर का चयन कीजिये :

सूची – I	सूची – II
(a) जीवन चक्र परिकल्पना	1. फ्रैंको मोदीग्लियानी
(b) तरलता पाशः	2. जे. ड्यूजनबेरी
(c) रैचेट प्रभाव	3. ए.सी. पीगू
(d) वास्तविक शेष प्रभाव	4. जे.एम. कीन्स

कोड :

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	1	2	3	4
(c)	4	1	2	3
(d)	1	4	2	3

Ans. (d) :
(a) जीवन चक्र परिकल्पना (1) फ्रैंको मोदीग्लियानी।
(b) तरलता पाश (4) जे.एम.कीन्स।
(c) रैचेट प्रभाव (2) जे.ड्यूजनबेरी।
(d) वास्तविक शेष प्रभाव (3) ए.सी. पीगू।

18. धारणीय विकास का प्रत्यय सर्वप्रथम किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया?

(a) ब्रडलैंड (b) किंडलबर्गर
(c) रॉल प्रेविश (d) कीन्स

Ans. (a) : 1982 के दशक में विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WCED) द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं विकास के संबंध में अध्ययन किया गया और एक 'Our Commom Future' नामक रिपोर्ट जारी किया, जिसे Brundtland रिपोर्ट भी कहते हैं। इसे UN ने 1987 में स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट ने धारणीय विकास की परिभाषा इस प्रकार दी – "विकास को संपोषी बनाने की क्षमता यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया जाए किंतु साथ ही भावी पीढ़ियों द्वारा उनकी क्षमताओं को पूरा करके उनकी क्षमताओं का अतिक्रमण न किया जाये।"

19. हैरोड-डोमर का वारे संवृद्धि दर का समीकरण, $\bar{g} = \left(\frac{s/y}{1/k}\right)$ में पूँजी-उत्पादन अनुपात किसके द्वारा दर्शाया जाता है?

(a) $\bar{g}$ (b) $1/k$
(c) s/y (d) y/s

Ans. (b) : हैरोड-डोमर माडल में संवृद्धि दर का समीकरण $\bar{g} = \left(\frac{s/y}{1/k}\right)$ में पूंजी-उत्पादन अनुपात 1/K द्वारा दर्शाया जाता है।

20. भूमण्डलीकरण का संकेतक निम्नांकित में से कौन-सा नहीं है?

(a) अप्रतिबन्धित आयात एवं निर्यात के लिए अर्थव्यवस्था को खोलना।
(b) राष्ट्रों के बीच निर्बाध (मुक्त) पूँजी गतिशीलता की अनुमति देना।
(c) राष्ट्रों के बीच प्रौद्योगिकी की मुक्त गति।
(d) विनिमय दर स्थायित्व प्राप्त करना।

Ans. (d) : भू-मंडलीकरण का अग्रलिखित संकेतक है-
(1) राष्ट्रों के बीच प्रौद्योगिकी की मुक्त आवाजाही।
(2) अप्रतिबंधित आयात एवं निर्यात के लिए अर्थव्यवस्था को खोलना।
(3) राष्ट्रों के बीच निर्बाध (युक्त) पूंजी गतिशीलता की अनुमति देना।
(4) राष्ट्रों के बीच प्रशुल्कों को समाप्त करना।
जबकि विनिमय दर स्थायित्व प्राप्त करना भू-मंडलीकरण का संकेतक नहीं है।

21. निर्धनता का संकेतक निम्नांकित में से कौन-सा है?

(a) हैड काउन्ट सूचकांक
(b) निर्धनता अंतराल अनुपात
(c) निर्धनता वर्ग अंतराल अनुपात
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) :
(1) हैड काउंट सूचकांक।
(2) निर्धनता अंतराल अनुपात।
(3) निर्धनता वर्ग अंतराल अनुपात
उपरोक्त सभी निर्धनता के संकेतक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. अंसतुलित संवृद्धि व्यूहरचना किसके द्वारा अपनाई गई?

(a) रेगनर नर्कसे (b) एच. लीबेनस्टीन
(c) ए.ओ. हर्षमैन (d) आर. रोडेन

Ans. (c) : असंतुलित संवृद्धि की व्यूहरचना ए.ओ. हर्षमैन द्वारा अपनाई गई। हर्षमैन के अनुसार विकास की प्रारंभिक अवस्था में निवेश ऐसे क्षेत्रों में केन्द्रित किये जाने चाहिए जो आगे चलकर विकास की दर को बढ़ाने वाले हो। चूंकि आर्थिक विकास असंतुलनों की एक शृंखला के द्वारा होता है। अतः एक पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार अर्थव्यवस्था का जानबूझकर असंतुलित विकास किया जाना आर्थिक विकास का सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए हर्षमैन दो मार्ग बताते हैं-

(1) सामाजिक उपरिव्यय पूंजी (SOC) अर्थात आधिक्य क्षमता के द्वारा अल्पविकास।

(2) प्रत्यक्ष उत्पादक क्रियाओं (DPA) में विनियोग।

हर्षमैन का सुझाव है कि इन दोनों क्रमों में से उस क्रम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जो अपेक्षाकृत अधिक'प्रबलतः आत्म प्रणोदी' हो।

23. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसर लागत सिद्धान्त को निम्नांकित में से किसने प्रतिपादित किया?

(a) हैबरलर (b) एडम स्मिथ
(c) रिकार्डो (d) हेक्सर-ओहलिन

Ans. (a) : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसर लागत सिद्धांत का प्रतिपादन हैबरलर ने किया। अवसर लागत सिद्धांत के अनुसार यदि कोई देश वस्तु x अथवा वस्तु y का उत्पादन कर सकता है तो x वस्तु की अवसर लागत दूसरी वस्तु y की उस मात्रा के बराबर होगी जो उसे वस्तु x की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए छोड़नी पड़ेगी। इस प्रकार दोनों वस्तुओं की परस्पर विनिमय दर उनकी अवसर लागतों के रूप में व्यक्त की जाती है। विभिन्न लागत स्थितियों के अंतर्गत उत्पादन संभावना वक्र का रूप यह निर्धारित करता है कि अवसर लागत सिद्धांत के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार पर उससे प्राप्त होने वाले लाभ क्या है। इसके लिए हैबरलर तीन लागत स्थितियों की व्याख्या करते हैं-

I. **स्थिर अवसर लागत के अंतर्गत व्यापार –** इसके अंतर्गत उत्पादन संभावना वक्र एक सीधी रेखा के रूप में होती है। जैसे चित्र से स्पष्ट है-

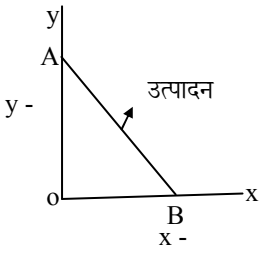

II. **बढ़ती हुई अवसर लागत के अंतर्गत व्यापार–**इसके अंतर्गत उत्पादन संभावना वक्र मूल बिंदु की ओर नतोदर (Concave) होगा और बतायेगा कि अवसर लागते बढ़ रही है।

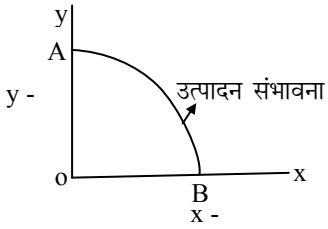

III. **घटती अवसर लागत के अंतर्गत व्यापार -** इसके अंतर्गत उत्पादन संभावना वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर (Convax) होगा।

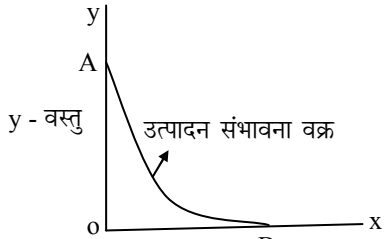

24. अन्तरा-उद्योग व्यापार का प्रत्यय किसने प्रतिपादित किया?

(a) बलासा (b) मीड
(c) जगदीश भगवती (d) जे.एस. मिल

Ans. (c) : हमारे देश के जाने-माने अर्थशास्त्री जगदीश भगवती साहब जो कि अंतराष्ट्रीय अर्थशास्त्र के क्षेत्र में महारत हासिल किए हुए हैं। इनके द्वारा ही 'अन्तरा उद्योग व्यापार का प्रत्यय' प्रतिपादित किया गया।

25. निम्नांकित में से ऋणेतर विदेशी निवेश अंतर्वाह अर्जक कोई एक समझा जाता है:

(a) बाह्य सहायता
(b) विदेशी प्रत्यक्ष सहायता
(c) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से उधार
(d) वाणिज्यिक उधार

Ans. (b) : विदेशी प्रत्यक्ष सहायता को ऋणेतर विदेशी निवेश अंतर्वाह अर्जक समझा जाता है।

26. 1991 के उपरान्त भारत में विभिन्न व्यापार सुधार किसके द्वारा लागू किये गये?

(a) मनमोहन सिंह (b) सी.एन. वकील
(c) पी.आर. ब्रह्मानंद (d) जगदीश भगवती

Ans. (a) : 1991 मे भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय संकट की स्थिति पैदा हो गयी थी इससे निजात पाने के लिए I.M.F. एवं वर्ल्ड बैंक की नीतियों के अनुरूप व्यष्टिगत अर्थशास्त्र में परिवर्तन लाने की बात की गयी ताकि अर्थव्यवस्था में संतुलन लाया जा सके इसे ही नयी आर्थिक नीति कहा गया इसके द्वारा कई क्षेत्रों में सुधार लाने का प्रयास किया गया। यह सभी कार्य माननीय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा किया गया।

27. वर्ष 197

1 में ब्रेट्टनवुड्स व्यवस्था के विफल होने का मोटे तौर पर कारण था

(a) स्वर्णमान का पतन
(b) स्वर्ण के मूल्य में वृद्धि
(c) अंतर्राष्ट्रीय तरलता के प्रबन्धन की विफलता
(d) अतिरेक विदेशी मुद्रा वाले देशों ने अपनी करेन्सी का पुनर्मूल्यन तथा विदेशी मुद्रा घाटे वाले देशों के अपनी करेन्सी का अवमूल्यन नहीं किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : वर्ष 1971 में ब्रेट्टनवुड्स व्यवस्था के विफल होने का मोटे तौर पर कारण अतिरेक विदेशी मुद्रा वाले देशों ने अपनी करेंसी का पुनर्मूल्यन तथा विदेशी मुद्रा घाटे वाले देशों ने अपनी करेंसी का अवमूल्यन नहीं किया। इसके अतिरिक्त कई कारण थे जिससे ब्रेट्टनवड्स व्यवस्था भंग हुई जो निम्न है-
(1) आभ्यंतरिक अस्थिरता (Built in Instablity) ।
(2) ट्रिफिन की द्विविधा।
(3) अंतर्राष्ट्रीय तरलता की कमी।
(4) अमरीकी नीतियों में गलतियां।
(5) अस्थिरकारी सट्टा (Destabilisting speculation)

28. क्रय शक्ति समता सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया था?
(a) हेबरलर (b) जे.एस. मिल
(c) जे.ई. मीड (d) गुस्ताव केसिल

Ans. (d) : क्रय शक्ति समता सिद्धांत का प्रतिपादन गुस्ताव कैसल (G. Cassel) ने 1920 में किया। यह सिद्धांत कहता है कि दो अपरिवर्ती कागज करेंसियों के बीच विनिमय दर उनकी क्रय-शक्तियों की समता निर्धारित करती है। अर्थात दो देशों के बीच विनिमय दर को उनके सापेक्ष कीमत स्तर निर्धारित करते हैं।

$$R = \frac{\text{विदेशी करेंसी की घरेलू कीमत} \times \text{घरेलू कीमत सूचक}}{\text{विदेशी कीमत सूचक}}$$

29. भारत में नोट निर्गमन की न्यूनतम कोष प्रणाली कब प्रारंभ हुई?
(a) 1947 (b) 1953
(c) 1956 (d) 1960

Ans. (c) : भारत में नोट निर्गमन की न्यूनतम कोष प्रणाली 1956 में प्रारंभ हुई। 31 October, 1957 के बाद से RBI एक्ट में एक संशोधन के अनुसार पत्र मुद्रा के पीछे अब सोना, सोने के सिक्के तथा विदेशी प्रतिभूतियों की न्यूनतम मात्रा 200 करोड़ रु. कर दिया गया। यह राशि कभी भी इससे कम नहीं हो सकती। जिसमें 115 करोड़ रु. मूल्य का सोना होना आवश्यक है।

30. भारत में मौद्रिक नीति का निम्नांकित में से कौन सा एक उद्देश्य नहीं है?
(a) आर्थिक विकास की गति बढ़ाना।
(b) कीमत स्थिरता प्राप्त करना।
(c) विदेशी व्यापार को विनियमित करना।
(d) विनिमय दर को स्थिर करना।

Ans. (c) : भारत में मौद्रिक नीति के निम्नलिखित उद्देश्य है-
(1) आर्थिक विकास।
(2) पूर्णरोजगार की स्थिति प्राप्त करना।
(3) मूल्य स्थिरता।
(4) मुद्रा की तटस्थता।
(5) भुगतान संतुलन एवं विनिमय स्थिरता।
अतः विदेशी व्यापार को विनियमित करना भारत में मौद्रिक नीति का उद्देश्य नहीं है।

31. भारत के भुगतान संतुलन में निरन्तर घाटा निम्न कारण से है:
(a) आयातों में निरन्तर वृद्धि
(b) निर्यात में धीमी वृद्धि
(c) विनिमय दर की अस्थिरता (चंचलता)
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : भारत में भुगतान संतुलन में निरंतर घाटा निम्नलिखित कारणों से है-
(1) आयातों में निरंतर वृद्धि।
(2) निर्यात में धीमी वृद्धि।
(3) विनिमय दर की अस्थिरता।

32. वर्तमान मन्दी के दौरान करेन्सी युद्ध किससे सम्बन्धित है?
(a) करेन्सी अधोमूल्यन (b) करेन्सी अधिमूल्यन
(c) करेन्सी का तटस्थ मूल्यन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : वर्तमान मंदी के दौरान करेंसी युद्ध करेंसी अधोमूल्यन से संबंधित है। सरकार विनिमय दर को नीचा रखने के लिए मुद्रा का अधोमूल्यन करती है जिससे निर्यात मे वृद्धि होती है और घरेलू मुद्रा की मांग बढ़ जाती है।

33. अल्पविकसित देशों में छद्म बेरोजगारी का अर्थ है
(a) कुछ व्यक्तियों की सीमान्त उत्पादकता शून्य है।
(b) कुछ व्यक्तियों की सीमान्त उत्पादकता शून्य से ज्यादा है।
(c) कुछ व्यक्तियों की सीमान्त उत्पादकता उच्च है।
(d) कुछ व्यक्तियों की सीमान्त उत्पादकता इकाई है।

Ans. (a) : अल्पविकसित देशों में छद्म बेरोजगारी का अर्थ है कि कुछ व्यक्तियों की सीमांत उत्पादकता शून्य है। यह मुख्यतया कृषि क्षेत्र में पायी जाने वाली बेरोजगारी है। इन व्यक्तियों को कृषि क्षेत्रों से हटाकर अन्यत्र भेजे जाने पर कृषि क्षेत्र की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

34. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिए और नीचे दिये कोडों से अपना उत्तर का चयन कीजिए :

सूची – I	सूची – II
(a) मुक्त सामान्य लाइसेंस (ओ जी एल)	1. रोजगार
(b) ट्रायसेम	2. बाह्य व्यापार
(c) थोक कीमत सुचकांक	3. ऋण नियन्त्रण
(d) नकदी रिजर्व अनुपात	4. मुद्रा स्फीति

कोड :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	2	4	3	1
(c)	4	3	2	1
(d)	3	2	1	4

Ans. (a) :
(a) मुक्त सामान्य लाइसेंस (O.G.L.) – बाह्य व्यापार
(b) ट्राइसेम – रोजगार
(c) थोक कीमत सूचकांक – मुद्रा स्फीति
(d) नकदी रिजर्व अनुपात – ऋण नियंत्रण

35. सूची–I का सूची–II के साथ मिलान कीजिए और नीचे दिये कोडों में से अपना उत्तर चयन कीजिए :

सूची – I	सूची – II
(a) जे.एम. कीन्स	1. इकोनॉमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कॉम्पिटिशन
(b) डेविड रिकार्डो	2. जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंट्रेस्ट एण्ड मनी
(c) एडम स्मिथ	3. प्रिंसिपल्स ऑफ पोलिटिकल इकोनोमी
(d) श्रीमती जे. रोबिन्सन	4. वेल्थ ऑफ नेशंस

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	4	1	2
(c)	4	1	2	3
(d)	1	2	3	4

Ans. (a) :
(a) जे.एम. कीन्स – जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंट्रेस्ट एंड मनी।
(b) डेविड रिकार्डो – प्रिंसिपल्स ऑफ पोलिटिकल इकोनोमी।
(c) एडम स्मिथ – वेल्थ ऑफ नेशंस।
(d) श्रीमती जे. रॉबिन्सन – इकोनोमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कॉम्पिटिशन।

36. सूची–I का सूची–II के साथ मिलान कीजिए और नीचे दिए कोडों से अपना उत्तर का चयन कीजिए :

	सूची – I (संस्था)	सूची – II (स्थापना का वर्ष)
(a)	भारतीय रिजर्व बैंक	1. 1935
(b)	नाबार्ड	2. 1982
(c)	योजना आयोग	3. 1950
(d)	एफ.सी.आई.(F.C.I.)	4. 1964

कोड :

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	3	4	2	1
(c)	4	2	1	3
(d)	2	1	3	4

Ans. (a) :
(a) भारतीय रिजर्व बैंक – 1935
(b) नाबार्ड – 1982
(c) योजना आयोग – 1950
(d) एफ.सी.आई. (F.C.I.) – 1964

37. भारत के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?
(a) राजस्व व्यय : राजस्व प्राप्तियाँ + राजस्व घाटा
(b) प्राथमिक घाटा : राजस्व घाटा – ब्याज भुगतान
(c) कुल प्राप्तियाँ : राजस्व प्राप्तियाँ + पूँजीगत प्राप्तियाँ
(d) राजस्व प्राप्तियाँ :कर राजस्व + करेतर राजस्व

Ans. (a) : राजस्व व्यय = योजनागत राजस्व व्यय + गैर योजनागत राजस्व व्यय
Revenue Expenditure = Revenue plan exp. + Revenue non-plan exp.

38. विक्रय कर का करापात विक्रेता पर पड़ता है यदि
(a) उत्पाद का मांग वक्र आयताकार हाइपरबोला है।
(b) उत्पाद का मांग वक्र पूर्णतः लोचदार है।
(c) उत्पाद का मांग वक्र पूर्णतः बेलोचदार है।
(d) उत्पाद का मांग वक्र औसतन रूप से लोचदार है।

Ans. (b) : विक्रय कर का करापात विक्रेता पर जब पड़ता है, यदि मांग का मांग वक्र पूर्णतः लोचदार हो। इसको रेखाचित्र द्वारा दिखाया गया है-

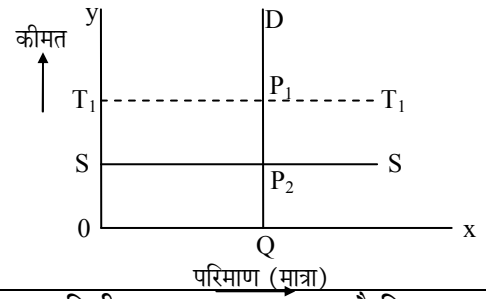

39. प्रगतिशील आय कर का आशय है कि
(a) आय में वृद्धि के साथ कर की मात्रा कम होती हैं
(b) आय में वृद्धि के साथ कर की दर बढ़ती है।
(c) A तथा B दोनों।
(d) आय में वृद्धि के साथ कर की दर कम होती है।

Ans. (b) : प्रगतिशील कर का आशय है कि आय में वृद्धि के साथ कर की दर बढ़ती जाती है। इसको एक उदाहरण से स्पष्ट करते हैं-

कर का आधार	कर
1000	5%
2000	7%
3000	12%
4000	15%

इसको रेखाचित्र द्वारा निम्न प्रकार दिखाया जायेगा –

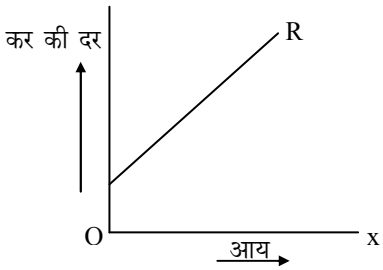

40. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति द्वारा वित्त आयोग नियुक्त किया जाता है?
(a) अनुच्छेद 279 (b) अनुच्छेद 280
(c) अनुच्छेद 281 (d) अनुच्छेद 282

Ans. (b) : भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा वित्त आयोग की नियुक्ति की जाती है। भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत 2 Jan, 2013 को Y.V. Reddy की अध्यक्षता में 14th वित्त आयोग का गठन किया।

41. भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद का अध्यक्ष कौन है?
(a) सुरेश तेन्दुलकर (b) जगदीश भगवती
(c) सी. रंगाराजन (d) विजय केलकर

Ans. (c): भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद का अध्यक्ष सी. रंगराजन है (प्रश्नकाल के अनुसार) वर्तमान 2016 में भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद का अध्यक्ष अरविंद सुब्रमण्यन हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. सूची–I का सूची–II के साथ मिलान कीजिए और नीचे दिए कोडों से अपना उत्तर का चयन कीजिए :

सूची – I	सूची – II
(a) विस्तार	1. मानक विचलन का वर्ग
(b) विचरण गुणांक	2. सीमित जानकारी का उपयोग करता है।
(c) प्रसरण	3. अपकिरण का सापेक्ष माप
(d) अंतर्चतुर्थक विस्तार	4. विस्तार की तुलना में छोटा

कोड :

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	3	1	2	4
(c)	2	3	1	4
(d)	1	2	3	4

Ans. (c) :
(a) विस्तार – सीमित जानकारी का उपयोग करता है।
(b) विचरण गुणांक – अपकिरण का सापेक्ष माप।
(c) प्रसरण – मानक विचलन का वर्ग।
(d) अंतर्चतुर्थक विस्तार – विस्तार की तुलना में छोटा।

43. किस माध्य और प्रसरण का वितरण बराबर है?

(a) पायसन (b) द्विपदीय
(c) सामान्य (d) गामा

Ans. (a) : पायसन वितरण के माध्य और प्रसरण का वितरण बराबर होता है।

44. सममितीय बंटन के लिए वैषम्य (β_1) होता है

(a) 3 (b) 0
(c) 1 (d) 2

Ans. (a) : सममितीय बंटन के लिए वैषम्य होता है–
$(\beta_1) = 3$

45. किन्हीं दिये हुये पदों के विचलनों के वर्गों का योग न्यूनतम होता है यदि ये विचलन लिये जाते हैं

(a) बहुलक से (b) माध्यिका से
(c) प्रसरण से (d) माध्य से

Ans. (d) : माध्य से दिये हुए पदों के विचलनों के वर्गों का योग न्यूनतम होता है यदि ये विचलन लिए जाते हैं।

46. तत्त्व उत्क्रमण परीक्षण निम्नांकित में से किसके द्वारा संतुष्ट किया जाता है?

(a) लास्पेयर्स का सूचकांक (b) फिशर का सूचकांक
(c) मार्शल-एजवर्थ सूचकांक (d) पाशे का सूचकांक

Ans. (b) : फिशर का सूचकांक तत्व उत्क्रमण परीक्षण (Factor Reversal Test) तथा समय उत्क्रमण परीक्षण (Time Reversal Factor) को संतुष्ट करता है। इसी कारण इसे आदर्श सूचकांक भी कहते हैं।

$$f = \sqrt{L.P}$$

47. टाइप I त्रुटि की इस तरह व्याख्या की जाती है :

(a) जब H_0 मित्या हो और उसे अस्वीकृत कर दें।
(b) जब H_0 सत्य हो और उसे अस्वीकृत कर दें।
(c) जब H_0 सत्य हो और उसे स्वीकार कर लिया जाता है।
(d) जब H_0 असत्य है और उसे स्वीकार कर लिया जाता है।

Ans. (b) : यदि शून्य परिकल्पना (H_o) सत्य है और उसे अस्वीकार कर दिया जाये तो इसे Type – I error (टाइप – I त्रुटि) कहते हैं।

नोट : नीचे दिया परिच्छेद पढ़िए और प्रश्न संख्या 48 से 50 तक का उत्तर दीजिए :

एक नियोक्ता अतिरिक्त कामगार को तभी भाड़े पर रखने के लिए इच्छुक होता है जबकि वह मजदूरी से अधिक मूल्य का योगदान करेगा और इसलिए सीमान्त कामगार का योगदान मजदूरी का अच्छा सन्निकटन है। भूमि के एक दिए टुकड़ें पर, यदि आप ज्यादा से ज्यादा कामगारों को रखते हैं, तो प्रत्येक का सीमान्त योगदान कम होगा और इसलिए उत्पादकता और भूमि-से-श्रम अनुपात के साथ मजदूरी बढ़ती है। जिन क्षेत्रों में कृषि सम्बन्धी उत्पादकता और भूमि-से-श्रम अनुपात उच्च है (उदाहरण के लिए पंजाब,हरियाणा) वहाँ मजदूरी तुलनात्मक रूप से ज्यादा होती है और विलोमतः भी (उदाहरण के लिये बिहार,उड़ीसा)। उत्पादकता का निर्धारण प्रौद्योगिकी-बीज, सिंचाई, उर्वरक इत्यादि द्वारा होता है। भूमि-से-श्रम अनुपात का निर्धारण उस कृषि श्रम बल जिन्हें भूमि का उपयोग करना है, के परिणाम द्वारा होता है।वे क्षेत्र जहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक है, अर्थात् वे क्षेत्र जिन्होंने लम्बे समय तक जनसंख्या संवृद्धि की उच्च दरों का अनुभव किया है, वहाँ भूमि-से-श्रम अनुपात निम्न होंगे और इसलिए मजदूरी निम्न होगी, और यदि अर्थव्यवस्था में सुविकसित विनिर्माणकारी एवं सेवा क्षेत्र है जिससे कि कृषि से बाहर काफी रोजगार है, तो फिर इसके अनुरूप कृषि में कम श्रम होता है। फलस्वरूप कृषि में भूमि-से-श्रम अनुपात और इसीलिए मजदूरी अधिक होती हैं रोजगार के पैटर्न और निर्धनता के बीच यह मुख्य कड़ी है।

48. नियोक्ता एक अतिरिक्त कामगार को तभी मजदूरी पर रखने कर इच्छुक होता है,

(a) जब इस कामगार का योगदान मजदूरी की दर से ज्यादा है।
(b) जब इस कामागार का योगदान मजदूरी की दर से कम है।
(c) A और B दोनों।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (a) : नियोक्ता एक अतिरिक्त कामगार को तभी मजदूरी पर रखने का इच्छुक होता है। जब इस कामगार का योगदान मजदूरी की दर से ज्यादा हो।

49. कृषि क्षेत्र में मजदूरी की दर निर्भर करती है

(a) उत्पादकता पर (b) प्रौद्योगिकी पर
(c) भूमि-श्रम अनुपात पर (d) उपर्युक्त सभी पर

Ans. (d) : कृषि क्षेत्र में मजदूरी की दर निम्न पर निर्भर करती है–
(1) उत्पादकता पर। (2) प्रौद्योगिकी पर।
(3) भूमि-श्रम अनुपात पर।

50. अन्य बार्तो के समान रहने पर, जिन क्षेत्रों में सुविकसित विनिर्माणकारी एवं सेवा क्षेत्र विद्यमान हैं वहाँ कृषि क्षेत्र में मजदूरी की दर अधिक होगी, क्योंकि वहाँ पर

(a) श्रम भूमि अनुपात सापेक्षिक रूप से कम होता है।
(b) श्रम उत्पादकता सापेक्षित रूप से अधिक होता है।
(c) A और B दोनों।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c) : अन्य बातों के समान रहने पर जिन क्षेत्रों में सुविकसित विनिर्माणकारी एवं सेवा क्षेत्र विद्यमान है, वहां कृषि क्षेत्र में मजदूरी की दर अधिक होगी क्योंकि वहां पर श्रम-भूमि अनुपात सापेक्षिक रूप से कम होता है तथा श्रम उत्पादकता सापेक्षिक रूप से अधिक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2011

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. एक कॉब डॉग्लस उत्पादन विधेय :

$q = AK^{\alpha}L^{\beta}$ **जो 4 डिग्री के समघातीय विधेय है। इसके सीमान्त उत्पाद विधेय (mp_l और mp_k) अर्थात्** $\frac{\delta_q}{\delta L}, \frac{\delta_q}{\delta K}$ **निम्न डिग्री के समघातीय विधेय हैं?**

(a) 4 (b) 3
(c) 2 (d) 1

Ans. (b) : एक कॉब-डगलस उत्पादन विधेय $q = AK^{\alpha}L^{\beta}$ जो 4 डिग्री का समघातीय विधेय है। इसके सीमांत उत्पाद विधेय (mp_l/ और mp_k) अर्थात् $\frac{\delta_q}{\delta L}, \frac{\delta_q}{\delta K}$ 3 डिग्री के समघातीय विधेय है।

2. विश्व व्यापार संगठन के अधीन ग्रीन बॉक्स उपदान की आज्ञा दी गई है क्योंकि इन्हें समझा जाता है:

(a) न्यूनतम व्यापार विकृति करता है।
(b) विकसित देशों में उच्चतर और अविकसित देशों में सापेक्षतया निम्नतर है।
(c) वे कृषि क्षेत्र तक सीमित हैं।
(d) वे गैट (जी.ए.टी.टी. के उपबन्धों से सम्बन्धित हैं।

Ans. (c) : ग्रीन बॉक्स के अधीन दी गई सहायता को व्यापार विरुपित न करने वाली माना गया है और इसे कम करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि वे कृषि क्षेत्र तक सीमित है। इसके अंतर्गत अनुसंधान व रोग नियंत्रण, कृषकों को कृषि के पुनर्गठन के लिए सहायता, पर्यावरण संरक्षण के लिए सहायता इत्यादि। ग्रीन बॉक्स में शामिल गतिविधियों पर दी जाने वाली सहायता पर कोई अधिकतम सीमा नहीं है। विकसित देशों ने इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाया है। उदाहरण के लिए अमेरिका में कृषि से प्राप्त सकल घरेलू उत्पाद का एक-तिहाई, जापान में एक-चौथाई तथा कनाडा व यूरोपीय यूनियन के देशों में 13% ग्रीन बॉक्स सहायता के रूप में प्रदान किया जाता है। इसके विपरीत भारत में 1995 में कृषि से प्राप्त सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.34% ग्रीन बॉक्स सहायता के रूप में प्रदान किया गया है। **Mishra & Puri, Indian Economy**

3. मांग की कीमत लोचकता का मापक नीचे में से कौन-सा है?

(a) $\frac{\Delta Q_x}{\Delta P_x} \cdot \frac{P_x}{Q_x}$ (b) $\frac{\Delta P_x}{\Delta Q_x} \cdot \frac{P_x}{Q_x}$
(c) $\frac{\Delta Q_x}{\Delta P_x} \cdot \frac{Q_x}{P_x}$ (d) $\frac{\Delta Q_x}{\Delta P_x}$

Ans. (a) : मांग की मूल्य लोच (Price elasticity of demand) किसी वस्तु की कीमत में सापेक्ष परिवर्तन के परिणामस्वरूप उसकी मांग-मात्रा में सापेक्ष परिवर्तन है। अर्थात कीमत व वस्तु की मांग-मात्रा में सापेक्ष परिवर्तन का अर्थ उनमें आनुपातिक अथवा प्रतिशत परिवर्तन से है।

मूल्य लोच (ep) = $\frac{\Delta q}{q} \div \frac{\Delta p}{p}$

$= \frac{\Delta q}{q} \times \frac{p}{\Delta p}$

ep= $\frac{\Delta q}{\Delta p}\frac{p}{q}$

जहां, Δq = मांग-मात्रा में परिवर्तन।
q = आरंभिक मांग मात्रा।
Δp = वस्तु की कीमत में परिवर्तन।
p = वस्तु की आरंभिक कीमत।

Page-178, H.L. Ahuja, Micro Eco.

4. सेण्ट्रल बैंक जिस दर पर बिल पर छूट देती है उस दर को कहते हैं :

(a) छूट का दर (b) बिल का दर
(c) ब्याज दर (d) ऋण दर

Ans. (a) : सेण्ट्रल बैंक जिस दर पर बिल पर छूट देती है उस दर को छूट का दर कहते हैं।

5. यदि अर्थतन्त्र तरलता पिंजर में होता है तो :

(a) वित्तीय नीति अधिक प्रभावशाली होती है।
(b) मुद्रा नीति अधिक प्रभावशाली होती है।
(c) मुद्रा नीति और वित्तीय नीति दोनों को क्राउडिंग आऊट इफैक्ट प्रभावी बनाती है।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : यदि अर्थतंत्र तरलता पिंजर में होता है तो वित्तीय नीति अधिक प्रभावशाली होती है। राजकोषीय नीति (Fiscal poliy) या वित्तीय नीति के अंतर्गत करारोपण, सार्वजनिक व्यय तथा सार्वजनिक ऋण के उन क्रियाकलापों की विवेचना की जाती है जिनके द्वारा सरकार राष्ट्रीय आय, उत्पादन, रोजगार तथा मूल्य स्तर के संबंध में पूर्व निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का प्रयास करती है।

6. यदि किसी भी वस्तु का मूल्य उपभोग वक्र पीछे को जाता है तो वह वस्तु अवश्य होगी :

(a) घटिया वस्तु (b) पूर्णतया लोचकीय वस्तु
(c) सामान्य वस्तु (d) गिफन वस्तु

Ans. (a) : यदि किसी भी वस्तु का मूल्य उपभोग वक्र पीछे को जाता है तो वह घटिया वस्तु होगी। यदि आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा उपभोग करें अर्थात् उपभोग कम करें, तो वस्त घटिया कोटि की कही जायेगी। **H.L. Ahuja, Micro Eco.**

7. आई एस वक्र प्रतिनिधित्व करता है:

(a) वस्तु बाजार की समतुला

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) मुद्रा बाजार की समतुला
(c) बांड मार्किट की समतुला
(d) श्रम बाजार की समतुला

Ans. (a) : IS- वक्र वस्तु बाजार अथवा वास्तविक बाजार के संतुलन को प्रदर्शित करता है। यह आय एवं ब्याज दर के उन विभिन्न संयोगों का बिंदुपथ होता है जिस पर अर्थव्यवस्था में कुल बचत कुल निवेश के बराबर होता है। IS- वक्र की ढाल नकारात्मक होती है। अर्थात् ऋणात्मक।

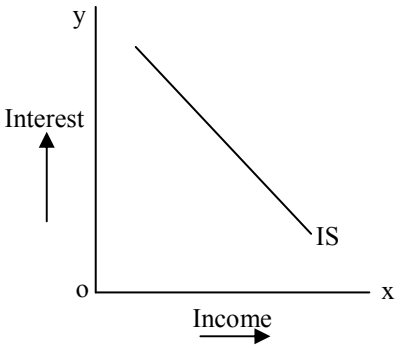

H.L. Ahuja, Macro Eco.

8. ''फ्रीडम एज डेवलपमेंट'' यह पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई है?
(a) केन्स (b) अमर्त्य कुमार सेन
(c) श्रीमती जॉन रोबिनसन (d) गुनर मिरडल

Ans. (b) : ''फ्रीडम एज डेवलपमेंट'' यह पुस्तक अमर्त्य कुमार सेन द्वारा लिखी गई है।

9. तेरहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष हैं :
(a) डॉ. विजय केलकर (b) डॉ. एम. गोविन्द राव
(c) डॉ. सी. रंगराजन (d) डॉ. अतुल सरमा

Ans. (a) : तेरहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. विजय केलकर हैं। भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत 2 जनवरी, 2013 को Y.V. Reddy की अध्यक्षता में 14 वें वित्त आयोग का गठन किया। जिसने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी तथा जिसे अनुच्छेद 281 के तहत राष्ट्रपति की संस्तुति पर वित्तमंत्री ने parliament में पेश किया। जिसकी संस्तुतियों को सरकार ने मान लिया है। इसकी अवधि 2015-2020 तक है।

Eco. Survey

10. 'ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स' को बनाने वाला है :
(a) विश्व बैंक (b) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा फंड
(c) यू.एन.टी.ए.डी. (d) यू.एन.डी.पी.

Ans. (d) : Human Development Index को बनाने वाला UNDP है। इस सूचकांक का प्रतिपादन 1990 में UNDP से जुड़े हुए अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक तथा उनके अन्य सहयोगी अर्थशास्त्री मुख्यतया ए.के. सेन व सिंगर हंस ने किया। उनके द्वारा विकसित HDI तीन चरों पर आधारित है –
(1) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।
(2) ज्ञान या शैक्षणिक उपलब्धि।
(3) जीवन-निर्वाह का स्तर।

$HDI = \frac{1}{3}$(जीवन प्रत्याशा सूचकांक + शैक्षणिक सूचकांक + आय सूचकांक।

Mishra & Puri, Development & Planning

11. हेक्सचर-ओहलिन सिद्धान्त में सबसे महत्वपूर्ण कारण सापेक्ष वस्तुओं की कीमत और व्यापार में जो अन्तर होता है वही अन्तर व्यापार करने वाले राष्ट्रों के बीच होता है :
(a) साधनों की प्राप्ति (b) प्रौद्योगिकी
(c) अभिरूची (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत हेक्सचर-ओहलिन सिद्धांत कहलाता है। हैक्सचर-ओलिन सिद्धांत यह बताता है कि उत्पादन, विशिष्टीकरण तथा प्रदेशों में व्यापार के ढांचे का प्रमुख निर्धारक तत्व साधन पूर्तियों की सापेक्ष प्राप्यता है। इस सिद्धांत के अनुसार जिन देशों में पूंजी अधिक है वे पूंजी गहन वस्तुओं का निर्यात करेंगे और जिन देशों में श्रम अधिक है वे श्रम-गहन वस्तुओं का निर्यात करेंगे। इस प्रकार दो देशों के बीच साधन संपन्नताओं में अंतरों के परिणामस्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति में अंतरों द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अंतर ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का तुरंत कारण है।

Page-55, झिंगन, International Eco.

12. ''समाविष्ट वृद्धि'' का उद्देश्य कौन-से योजना दस्तावेज में दिया गया है?
(a) नौंवी पंचवर्षीय योजना (b) दसवीं पंचवर्षीय योजना
(c) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (d) बारहवीं पंचवर्षीय योजना

Ans. (c) : ''समाविष्ट वृद्धि'' का उद्देश्य ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना दस्तावेज में दिया गया है। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 2007 से 2012 थी। 11 वीं पंचवर्षीय योजना में 'अधिक तीव्र और ज्यादा समावेशी संवृद्धि (Faster and more inclusive growth) पर जोर दिया गया। **Eco. Survey**

13. यदि X को सामान्यतया वितरित किया जाए तो X^2 अनुसरण करता है
(a) t वितरण (b) काई^2 वितरण
(c) F वितरण (d) पायसन वितरण

Ans. (c) : यदि x को सामान्यतया वितरित किया जाये तो x^2 (एक्स)^2 F – वितरण का अनुसरण करता है।

14. क्रिटिकल न्यूनतम प्रयास के सिद्धान्त का प्रतिपादक कौन है?
(a) लेबिनस्टाइन (b) रोजिनटिन रोडान
(c) आर्थर लेविस (d) मार्क्स

Ans. (a) : क्रिटिकल न्यूनतम प्रयास के सिद्धांत (Critical minimum effort theory) का प्रतिपादक प्रो. हार्वे लीविन्स्टीन है। प्रो.लीबिन्स्टीन ने अल्पविकसित देशों को जड़बद्धता (Stagnation) की अवस्था से छुटकारा दिलाने के लिए क्रांतिक न्यूनतम प्रयास के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। लीबिन्स्टीन के अनुसार अल्पविकसित देशों में निर्धनता का दुष्चक्र पाया जाता है जो उन्हें प्रति व्यक्ति निम्न आय संतुलन की स्थिति में बनाये रखता है। इस दुष्चक्र से छुटकारा पाने का एकमात्र उपाय आवश्यक न्यूनतम मात्रा में निवेश किया जाना है ताकि प्रति व्यक्ति आय उस स्तर तक बढ़ सके जिससे कि अर्थव्यवस्था सतत विकास की स्थिति में बनी रहे।

Page -90, S.N. Lal, Economic Dev. & Planning

15. आर्थिक विकास की प्रक्रिया सम्बन्धित है :
(a) प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि
(b) प्रतिशत जी.डी.पी. में वृद्धि

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) अर्थव्यवस्था के ढाँचे में परिवर्तन
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : आर्थिक विकास की प्रक्रिया प्रतिशत जी.डी.पी. में वृद्धि से संबंधित है। क्योंकि G.D.P. की वृद्धि से देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती का पता चलता है। इससे पूंजी निर्माण में वृद्धि होता है और निवेश बढ़ता है, जबकि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि आर्थिक संवृद्धि का द्योतक है।

16. प्रतिश्रेयण (रेग्रेशन) में r^2 (आर^2) के बीच का अनुपात है :
(a) व्याख्यायित एवं कुल विचरण
(b) व्याख्यायित एवं अव्याख्यायित विचरण
(c) अव्याख्यायित एवं कुल विचरण
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : प्रतिश्रेयण (रेग्रेशन) में r^2 के बीच का अनुपात व्याख्यायित एवं कुल विचरण है।

17. निरपेक्ष विचलन न्यूनतम होता जब इसकी गणना की जाती है:
(a) माध्य (b) बहुलक
(c) हरात्मक माध्य (d) माध्यिका

Ans. (d) : निरपेक्ष विचलन न्यूनतम होता है जब इसकी गणना माध्यिका द्वारा की जाती है।

18. सार्वजनिक वितरण व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है :
(a) खाद्यान्न का निर्यात (b) खाद्यान्न का आयात
(c) खाद्य सुरक्षा (d) खाद्यों की गुणवत्ता

Ans. (c) : सार्वजनिक वितरण व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य खाद्य सुरक्षा है। खाद्य सुरक्षा का अर्थ है सभी लोगों को सभी समयों पर पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न (भोजन) उपलब्ध कराना है, ताकि वे सक्रिय व स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सके। खाद्य सुरक्षा के मात्रात्मक पहलू (अर्थव्यवस्था में खाद्य-उपलब्धि इतनी हो कि मांग की पूर्ति कर सके) तथा गुणात्मक पहलू (जनसंख्या की पोषण आवश्यकताएँ पूरी की जा सके), के समाधान के लिए भारत सरकार ने तीन खाद्य सुरक्षा आधारित सुरक्षा जाल अपनायें हैं–
(1) सार्वजनिक वितरण प्रणाली। (Public Distribution System)
(2) समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS)
(3) दोपहर भोजन कार्यक्रम (Mid-day Meals Programme)

Mishra & Puri, Indian Economy

19. सिक्यूरिटीज एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इण्डिया (एस.ई.बी.आई.) नियन्त्रित करता है :
(a) कम्पनियों द्वारा लाए गए सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू)
(b) स्टॉक एक्सचेंज को विनियमित करना
(c) आन्तरिक एवं बाहरी व्यापारिक सौदों को नियंत्रित करना
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (c) : सिक्यूरिटीज एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) आंतरिक एवं बाहरी व्यापारिक सौदों को नियंत्रित करता है। पूंजी बाजार (Capital Market) में निवेश को संरक्षण प्रदान करने तथा निवेशकों में विश्वास की भावना उत्पन्न करने के उद्देश्य से 12 April, 1988 को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) की स्थापना की गई तथा 30 जनवरी, 1992 को एक अध्यादेश जारी करके इस संस्था को वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। इसके निम्नलिखित कार्य हैं–
(1) पूँजी बाजार को नियमित करना।
(2) Mutual Fund की सामूहिक निवेश योजनाओं का पंजीकरण करना तथा उन्हें नियमित करना।
(3) निवेशकों के हितों का संरक्षण।
(4) बैंकों और वित्तीय कंपनियों से सूचना प्राप्त करना एवं उन पर जुर्माना लगाना।
(5) प्रतिभूति बाजार की अनियमितताओं एवं अनुचित व्यापार व्यवहारों को समाप्त करना।
(6) पूंजी बाजार के ब्रोकर्स तथा बिचौलियों के एकाउंट एवं अन्य रिकार्डों की तलाशी और जब्त करना।
(7) पूंजी बाजार से जुड़े लोगों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना।

दत्त सुन्दरम्, भारतीय अर्थव्यवस्था

20. भारत में कृषि धारक कर लगाने की सिफारिश किस कमेटी ने की है?
(a) टण्डन कमेटी (b) राज कमेटी
(c) केलकर कमेटी (d) दांतेवाला कमेटी

Ans. (b) : भारत में कृषि धारक कर लगाने की सिफारिश राज कमेटी ने की है।

निर्देश : निम्न अभिकथनों को ध्यान से पढ़िए और प्रश्न 21 से 30 तक का उत्तर देने के लिए दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए। (अभिकथन और तर्क सबन्धी प्रश्न)

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A), का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A), का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

21. अभिकथन (A) : उपभोग उच्च होता है जब बचत उच्च हो।

तर्क (R) : आय उच्च होती है जब निवेश उच्च हो।

Ans. (d) : कीन्स के उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम के अनुसार जब आय बढ़ती है तो उपभोग भी बढ़ता है, पर जिस अनुपात में आय में वृद्धि होती है, उसकी तुलना में उपभोग में अपेक्षाकृत कम व्यय होता है। लोग अपनी बढ़ी आय में से पूरा का पूरा उपभोग पर व्यय नहीं करते हैं बल्कि कुछ भाग बचत के रूप में रख लेते हैं। इस प्रकार हम यह भी कह सकते हैं कि बढ़ी आय उपभोक्ता के उपभोग पर किये गये अतिरिक्त उपभोग तथा बचत के योग के बराबर होगी। आय वृद्धि के साथ उपभोग में तो वृद्धि होगी पर उपभोग की यह वृद्धि घटती हुई दर से होगी अर्थात् बढ़ी आय का कम हिस्सा उपभोग पर व्यय होगा तथा अधिक भाग बचत के रूप के होगा।

इस प्रकार जब बचत उच्च होगी तो उपभोग कम हो जायेगा। जब बचत उच्च होगी तो पूंजी निर्माण होगा, अर्थात् बची हुई आय लोग निवेश करेंगे, जिससे राष्ट्रीय आय, उत्पादन, रोजगार बढ़ेगा। अतः कथन (A) गलत है तथा (R) सत्य है।

Page-119, S.N. Lal, Macro Eco.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. अभिकथन (A) : केन्स के सिद्धान्तानुसार, निवेश स्तर ब्याज दर पर निर्भर करता है।
तर्क (R) : कम्पनी का उत्पादन लागत ब्याज दर है।

Ans. (b) : कीन्स ने विनियोजन (Investment) निर्णय के संबंध में भावी आय पर आधारित एक वैकल्पिक विधि की बात की जिसे उन्होंने पूंजी की सीमांत दक्षता विधि कहा।

$$C = \frac{R_1}{(1+i)^1} + \frac{R_2}{(1+i)^2} + \frac{R_3}{(1+i)^3} + \ldots \frac{R_n}{(1+i)^n}$$

जहां i = पूंजी की सीमांत दक्षता है।

इस प्रकार कोई भी विनियोजक (Investor) इस प्रत्याशित प्रतिफल की दर या (i) की तुलना बाजार ब्याज दर (r) से करता है और यदि i > r तभी विनियोजन लाभप्रद होगा। कोई भी विनियोजनक उस स्थिति में विनियोग नहीं करेगा जबकि i < r / अतः कथन (A) सत्य है।

इसी तरह कंपनी का उत्पादन लागत ब्याज दर है, यह भी सत्य है। पर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Page- 142, S.N. Lal, Macro Eco.

23. अभिकथन (A) : अप्रकट बेरोजगारी भारत में विद्यमान है।
तर्क (R) : हाशिये पर कृषि उत्पादन शून्य (0) के बराबर है।

Ans. (a) : भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यद्यपि देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का हिस्सा कम हो गया है। भारत के कृषि पर देश के कार्यबल का लगभग 52 प्रतिशत हिस्सा अपनी आजीविका पर लगा हुआ है। अतः कृषि क्षेत्र में अदृश्य बेरोजगारी पायी जाती है। कृषि क्षेत्र में पाई जाने वाली यह बेरोजगारी उस स्थिति का सूचक है जब श्रमिकों की सीमांत उत्पादकता शून्य होती है। अर्थात् इन व्यक्तियों को कृषि क्षेत्रों से हटाकर अन्यत्र भेजे जाने पर कृषि क्षेत्र की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

24. अभिकथन (A) : गरीबी को दूर करना भारत की आयोजना के लिए केंद्रीय विषय बना हुआ है।
तर्क (R) : विकास केवल कारखानों, डैम तथा अन्य मूलभूत ढाँचे से सम्बद्ध नहीं होता, मूल रूप में यह मानव से सम्बन्धित होता है।

Ans. (d) : भारत में पांचवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारूप में मुख्य उद्देश्यों के रूप में गरीबी दूर करने और आत्म-निर्भरता प्राप्त करने का उल्लेख किया गया। लेकिन जब योजना को अंतिम रूप दिया गया तो गरीबी निवारण और आत्मनिर्भरता पर ज्यादा जोर नहीं दिया गया। सरकार द्वारा समय-समय कमेटी गठित करके गरीबी के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर गरीबी दूर करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई है। पर फिर भी गरीबी को दूर करना भारत का आयोजन के लिए केन्द्रीय विषय नहीं बन पाया है। बिना गरीबी दूर किये आर्थिक विकास नहीं हो सकता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि विकास केवल कारखानों, डैम (बांध) तथा अन्य मूलभूत ढांचे से ही सम्बद्ध नहीं होता, बल्कि मूल रूप से यह मानव से सम्बन्धित होता है।

Mishra & Puri, Indian Economy

25. अभिकथन (A) : अवमूल्यन से व्यापार के सन्तुलन में सुधार आयेगा।
तर्क (R) : अवमूल्यन से निर्यात की कीमतें बढ़ेंगी।

Ans. (c) : जब अवमूल्यन किया जाता है तो देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य में अन्य देशों की मुद्राओं की अपेक्षा कमी हो जाती है, जबकि विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि होती है। इससे देश के आयात की घरेलू कीमत बढ़ जाती है और निर्यात की विदेशी कीमत गिर जाती है। इससे निर्यात प्रोत्साहित होते हैं और आयात में कमी आती है, जिसके परिणामस्वरूप देश का भुगतान संतुलन में सुधार आता है व व्यापार शेष में भी संतुलन हो जाता है।

Page- 318, झिंगन, International Eco.

26. अभिकथन (A) : मंदी के दौरान ब्याज दर घट जाते हैं।
तर्क (R) : मंदी के दौरान लोग निराशावादी हो जाते हैं।

Ans. (b) : मंदी की अवस्था में आर्थिक क्रियाओं में पर्याप्त गिरावट आ जाती है। वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग, आय, रोजगार, उत्पादन व कीमतों में पर्याप्त कमी हो जाती है। जिससे निवेश हतोत्साहित होता है और ब्याज दर गिर जाते हैं लेकिन इसकी भी एक सीमा है। मानवीय तथा गैर मानवीय संसाधनों का प्रयोग कम हो जाने से सर्वत्र निराशा व्याप्त रहती है।

B.K. Tripathi, Montary Eco

27. अभिकथन (A) : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया मुद्रा बाजार से प्रतिभूतियाँ (सिक्योरिटी) खरीद कर मुद्रा आपूर्ति को बढ़ाता है।
तर्क (R) : मुद्रा-आपूर्ति के बढ़ने से निवेश और रोजगार में विस्तार हो सकता है।

Ans. (a) खुले बाजार की क्रिया के अंतर्गत रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति को नियंत्रित करने के लिए प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय करता है। मुद्रा प्रसार की स्थिति में प्रतिभूतियों के विक्रय के द्वारा रिजर्व बैंक अधिक से अधिक मुद्रा चलन से निकाल सकता है तथा मंदी या अवसाद की स्थिति में प्रतिभूतियों के क्रय की नीति अपना सकता है जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाहित हो सके।

इस प्रकार मुद्रा आपूर्ति के बढ़ने से निवेश और रोजगार में विस्तार हो सकता है।

28. अभिकथन (A) : विषमता नियतसंबंध को मापती है।
तर्क (R) : क्यूर्टोसिस आवृत्ति वक्र रेखा के शिखर पर समतलता को मापती है।

Ans. (d) : विषमता नियत सम्बन्ध को मापती है। यह सत्य नहीं है तथा क्यूर्टोसिस आवृत्ति वक्र रेखा के शिखर पर समतल को मापती है। इस प्रकार (A) असत्य और (R) सत्य है।

29. अभिकथन (A) : भारत में लिंग अनुपात 1000 से निम्न है।
तर्क (R) : केरल में लिंग अनुपात 1000 से ऊपर है।

Ans. (b) : भारत में 2011 के जनगणना के अनुसार भारत में लिंगानुपात 940 है, जिसमें सिर्फ केरल राज्य में लिंगानुपात 1084 है। अतः भारत में लिंगानुपात 1000 से कम है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. अभिकथन (A) : माँग वक्र रेखा ऊर्ध्वा होती है जब मांग की लोच शून्य हो।
तर्क (R) : किसी वस्तु की सीमान्त उपयोगिता बढ़ती है।

Ans. (c) : मांग वक्र रेखा उर्ध्वाधर होती है जब मांग की लोच शून्य हो अर्थात् किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के बाद भी उसकी मांग ज्यों की त्यों बनी रहे, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न हो तो मांग पूर्णतया बेलोच होगा।

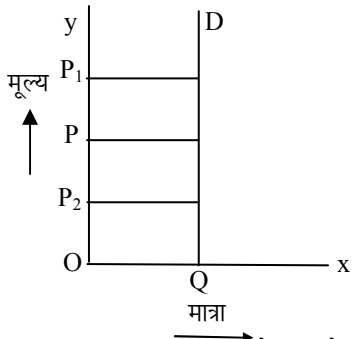

किसी वस्तु का अधिक उपयोग करने से उसकी सीमांत उपयोगिता बढ़ती नहीं है, पर घटती जाती है।

निर्देश : निम्नलिखित को उनके कालानुसार क्रमबद्ध कीजिए। इसके लिए प्रदत्त कूट का प्रयोग कीजिए :

31. (i) एन एन्क्वायरी इन टू दि नेचर एण्ड काजिज ऑफ वेल्थ ऑफ नेशनंस
(ii) एन एन्क्वायरी इन टू दि नेचर एण्ड काजिज ऑफ पावर्टी ऑफ नेशनंस
(iii) जनर्ल थ्योरी ऑफ एम्प्लायमेंट, इंटरेस्ट एण्ड मनी
(iv) दि थ्योरी ऑफ पापुलेशन

कूट :
(a) (iv) (iii) (i) (ii)
(b) (i) (iv) (iii) (ii)
(c) (ii) (i) (iii) (iv)
(d) (i) (iii) (iv) (ii)

Ans. (b) : (i) एन एन्क्वायरी इन टू दि नेचल एण्ड काजिज ऑफ वेल्थ ऑफ नेशंस।
(iv) दि थ्योरी ऑफ पॉपुलेशन
(iii) जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लायमेंट, इंटरनेट एंड मनी।
(ii) एन एन्क्वायरी इन टू दि नेचर एंड काजिज ऑफ पावर्टी ऑफ नेशंस।

32. (i) इंटरनेशनल मोनेटरी फण्ड
(ii) इंटरनेशनल फाइनेंस कोर्पोरेशन
(iii) वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन
(iv) जर्नल एग्रीमेंट ऑन टैरिफस एंड ट्रेड

कूट :
(a) (iv) (i) (iii) (ii)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (i) (iv) (ii) (iii)
(d) (ii) (iii) (i) (iv)

Ans. (c) : (i) इंटरनेशनल मोनेटरी फण्ड - 1945
(iv) जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफस एंड ट्रेड - 1947
(ii) इंटरनेशनल फीनान्स कारपोरेशन - 1956
(iii) वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन - 1995

33. (i) साम्राज्यवाद (ii) वाणिज्यवाद
(iii) पूँजीवाद (iv) सामन्तवाद

कूट :
(a) (ii) (iv) (iii) (i)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (iv) (ii) (i) (iii)

Ans. (d) : (iv) सामंतवाद। (ii) वाणिज्यवाद।
(iii) पूँजीवाद। (i) साम्राज्यवाद।

34. (i) फ्रेडमैन्स क्वांटिटी थ्योरी ऑफ मनी
(ii) फिशर'स इक्वेशन ऑफ एक्सचेंज
(iii) कैम्बरिज इक्वेशन ऑफ एक्सचेंज
(iv) डॉन पाटिनकिन्स् थ्योरी ऑफ मनी

कूट :
(a) (ii) (iii) (iv) (i)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (iii) (i) (iv)
(d) (iii) (iv) (ii) (i)

Ans. (c) : (ii) फिशर इक्वेशन ऑफ एक्सचेंज – 1911
(iii) कैम्बरिज इक्वेशन ऑफ एक्सचेंज – 1917 (सबसे पहले पीगू)
(i) फ्रीडमैन्स क्वांटिटी थ्योरी ऑफ मनी - 1956
(iv) डान पाटिनकिन्स थ्योरी ऑफ मनी - 1956

35. भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर हैं :
(i) डॉ. सी. रंगराजन (ii) डॉ. आई. जी. पटेल
(iii) डॉ. डी. सुब्बा राव (iv) डॉ. मनमोहन सिंह

कूट :
(a) (iv) (ii) (iii) (i)
(b) (ii) (iv) (i) (iii)
(c) (iv) (i) (ii) (iii)
(d) (ii) (i) (iv) (iii)

Ans. (b) : भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का क्रम निम्न है-
(ii) डॉ. आई. जी. पटेल – 1 Dec. 1977- 15 Sep. 1982
(iv) डॉ. मनमोहन सिंह – 16 Sep. 1982- 14 January. 1985
(i) डॉ. सी.रंगराजन –22 Dec, 1992- 21 Nov, 1997
(iii) डॉ. डी. सुब्बाराव – 5 Sep, 2008- 4 Sep, 2013

36. अर्थतंत्र के आकार के अनुसार :
(i) चीन (ii) भारत
(iii) यू.एस.ए. (iv) जापान

कूट :
(a) (i) (iv) (iii) (ii)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (iii) (i) (iv) (ii)
(d) (iv) (iii) (i) (ii)

Ans. (c) : अर्थतंत्र के आकार के अनुसार देशों का निम्न क्रम है–
(i) U.S.A. (ii) चीन
(iii) जापान (iv) भारत

37. (i) सेक्यूलर डीटीरिओरेशन हाइपोथिसस
(ii) थ्योरी ऑफ कम्पैरिटिव कॉस्टस
(iii) फेक्टर एण्डोमेंट थ्योरी
(iv) फेक्टर-प्राइस इक्वलाइजेशन थ्योरम

कूट :
(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) :
(ii) थ्योरी ऑफ कम्पैरिटिव कॉस्ट्स।
(iii) फेक्टर एण्डोमेंट थ्योरी।
(iv) फेक्टर-प्राइस इक्वलाइजेशन थ्योरम।
(i) सेकूलर डीटीरिओरेशन हाइपोथिसस।

38. (i) राज कमेटी ऑन टैक्सेशन ऑफ एग्रीकल्चरल वेल्थ एण्ड इंकम
(ii) चेल्लैया टैक्स रिफार्म कमेटी
(iii) टैक्सेशन इन्क्वायरी कमीशन
(iv) दी इनडायरेक्ट टैक्स इन्क्वायरी कमेटी

कूट :

(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

Ans. (b) :
(iii) टेक्सेशन इन्क्वायरी कमीशन – 1953-54
(i) राज कमेटी ऑन टैक्सेशन ऑफ एग्रीकल्चरल वेल्थ एंड इनकम- 1972
(iv) दी इनडायरेक्ट टैक्स इन्क्वायरी कमेटी – 1976
(ii) चेल्लैया टैक्स रिफार्म कमेटी - 1991

39. (i) ह्यूमन पावर्टी इंडेक्स
(ii) ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स
(iii) फिजीकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स
(iv) हेड काउंट इंडेक्स (केलोरी माप)

कूट :

(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

Ans. (c) :
(iv) हेड काउंट इंडेक्स (कैलोरी माप) - 1979 (Alagh Committee)
(iii) फिजीकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स - 1976
(ii) ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स - 1990
(i) ह्यूमन पावर्टी इंडेक्स - 1997-98

40. (i) ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस
(ii) ग्लोबलाइजेशन
(iii) ग्रेट डीप्रेशन
(iv) गोल्ड स्टैण्डर्ड मैकेनिज्म

कूट :

(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. (d) :
(iv) गोल्ड स्टैण्डर्ड मैकेनिज्म प्रथम विश्व युद्ध के पहले
(iii) ग्रेट डीप्रेशन – 1930
(ii) ग्लोबलाइजेशन – 1991-92
(i) ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस -2007-09

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्न संख्या 41से 46 तक के प्रश्नों का सूची-I से सूची-II के मदों के साथ सुमेलित कीजिए :

41.

समूह-I	**समूह-II**
(A) कनज्यूमर सरप्लस	(i) आपूर्ति निर्णय
(B) उपयोगिता सिद्धान्त	(ii) विज्ञान की कला
(C) लागत विश्लेषण	(iii) प्रगतिशील कर प्रथा
(D) वस्तु वैविध्याता	(iv) कल्याण अर्थशास्त्र

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (d) :
(a) कनज्यूमर सरप्लस – प्रगतिशील कर प्रथा।
(b) उपयोगिता सिद्धांत – कल्याण अर्थशास्त्र।
(c) लागत विश्लेषण – आपूर्ति निर्णय।
(d) वस्तु वैविध्याता – विज्ञापन की कला।

42.

समूह-I	**समूह-II**
(A) एम$_1$	(i) C + DD + OD + SD
(B) एम$_2$	(ii) C + DD + OD
(C) एम$_3$	(iii) C + DD + OD + TD + TD of post office
(D) एम$_4$	(iv) C + DD + OD + TD

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans. (b) :
(a) m_1 – C + DD +OD
(b) m_2 – C + DD +OD+ SD
(c) m_3– C + DD+ OD+TD
(d) m_4– C + DD+ OD+TD+TD of post office.

43.

समूह-I	**समूह-II**
(A) केन्स के वितरण का सिद्धान्त	(i) डब्ल्यू. एस. जेवान्स
(B) ब्याज का समय अधिमान का सिद्धान्त	(ii) जे.एम. केन्स
(C) सन स्पाट् व्यापार चक्र का सिद्धान्त	(iii) एन. कालडर
(D) आय निर्धारण का आधुनिक सिद्धान्त	(iv) बोहम बावर्क

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

Ans. (b) :
(a) कीन्स के वितरण का सिद्धांत- जे.एम. कीन्स
(b) ब्याज का समय अधिमान का सिद्धांत- बावर्क
(c) सन स्पाट व्यापार चक्र का सिद्धांत - डब्ल्यू एस. जेवान्स।
(d) आय निर्धारण का आधुनिक सिद्धांत - एन कालडर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44.

समूह-I	समूह-II
(A) वित्तीय घाटा	(i) राजस्व और ब्याज प्राप्तियाँ–(ऋण चिह्न) राजस्व व्यय
(B) राजस्व घाटा	(ii) राजस्व प्राप्तियाँ और ऋणों की वापिसी तथा अन्य प्राप्तियाँ–(ऋण चिह्न) कुल व्यय।
(C) बजटरी घाटा	(iii) प्राप्तियाँ–(ऋण चिह्न) पूँजीखाते से संवितरण
(D) पूंजी घाटा	(iv) कुल प्राप्तियाँ–(ऋण चिह्न) कुल संवितरण

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. (b) :
(a) वित्तीय घाटा – राजस्व प्राप्तियां और ऋणों की वापसी तथा अन्य प्राप्तियां – (ऋण चिन्ह) कुल व्यय।
(b) राजस्व घाटा – राजस्व और ब्याज प्राप्तियां – (ऋण चिन्ह) राजस्व व्यय।
(c) बजेटरी घाटा – कुल प्राप्तियां – (ऋण चिन्ह) कुल संवितरण।
(d) पूंजी घाटा – प्राप्तियां – (ऋण चिन्ह) पूंजी खाते से संविरण।

45.

समूह-I	समूह-II
(A) एडम स्मिथ	(i) उपलब्धता सिद्धान्त
(B) डेविड रिकार्डो	(ii) एन्डोमेंट सिद्धान्त
(C) ओहलिन	(iii) निरपेक्ष लाभ का सिद्धान्त
(D) आई.बी. क्राविस	(iv) तुलनात्मक लाभ का सिद्धान्त

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. (b) :
(a) एडम स्मिथ – निरपेक्ष लाभ का सिद्धांत।
(b) डेविड रिकार्डो– तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत।
(c) ओहलिन – एन्डोमेन्ट सिद्धांत।
(d) आई.बी. क्राविस – उपलब्धता सिद्धांत।

46.

समूह-I	समूह-II
(A) परिकल्पना को रद्द करते हैं जब यह सच हो	(i) सामान्य यादृच्छिक निदर्श
(B) समष्टि समरूप होने पर	(ii) प्रकार I की त्रुटियाँ नकारात्मक हों
(C) माध्य स्वतन्त्रता की कोटि के समान है	(iii) विषम वितरण होने पर
(D) माध्य >बहुलक	(iv) (X^2) वितरण

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans. (b) :
(a) परिकल्पना को रद्द करते हैं जब यह सच हो – प्रकार I की त्रुटियां नकारात्मक हो।
(b) समष्टि समरूप होने पर – सामान्य यादृच्छिक निदर्श।
(c) माध्य स्वतंत्रता की कोटि के समान है – (X^2) वितरण।
(d) माध्य >बहुलक – विषम वितरण होने पर।

निर्देश: निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और इसके आधार पर प्रश्न 47 से 50 तक का उत्तर दीजिए :

1940 में ब्रेटन वुडस संस्थानों का जन्म 1920 और 1930 के धूमिल अनुभव का सीधा परिणाम था। द्वितीय युद्ध के भयावने दिनों के विनाश का सर्वेक्षण करने वालों में से जॉन मेनार्ड केन्स था जो उस समय का प्रबल आर्थिक विचारक था। उसने बहुत ही सरल सा परिणाम निकाला कि विश्व को ईमानदार रेफरियों की आवश्यकता है। यह सरकार की किसी एकल-पाश्विक क्रिया अथवा किसी अनियमित अन्तर्राष्ट्रीय बाजार के चलन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। इसलिए आर्थिक शासन के लिए एकल-पाश्विक संस्थाओं की आवश्यकता है जो प्रत्येक राष्ट्र के लिए परस्पर सहमति से अपने कार्य को चलाने के लिए नियम बना सकें। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा फंड (आई. एम. एफ.) पुनःनिर्माण एवं विकास अन्तर्राष्ट्रीय बैंक (आई.बी.आर.डी.) अथवा विश्व बैंक और व्यापार सम्बन्धी सामान्य इकरारनामा गैट (जी.ए.टी.टी.) अस्तित्व में आये।

47. 1920 और 1930 के दशकों में विश्व आर्थिकता के धूमिल निष्पादन ने जन्म दिया :
(a) विश्व व्यापार संगठन (b) संयुक्त राष्ट्र
(c) आई.एम.एफ. (d) यूरोपियन इकोनॉमिक

Ans. (c) : 1920 और 1930 के दशकों में विश्व आर्थिकता के धूमिल निष्पादन ने IMF को जन्म दिया।

48. ब्रेटन वुडस के जुड़वां हैं :
(a) यू.एस.ए. और यू.के.
(b) आई.एम.एफ. और वर्ल्ड बैंक
(c) आई.टी.ओ. और डब्ल्यू.टी.ओ.
(d) गैट (जी.ए.टी.टी.) और यूनेस्को (यू.एन.ई.एस.सी.ओ.)

Ans. (b) : ब्रेटन वुडस के जुड़वा IMF और World Bank है।

49. ब्रेटन वुडस वार्तालाप में ईमानदार रेफरी था :
(a) एडम स्मिथ (b) अमर्त्य कुमार सेन
(c) जे.आर. हिक्स (d) जे.एम.केन्स

Ans. (d) : ब्रेटनवुड्स वार्तालाप में ईमानदार रेफरी जे.एम. कीन्स था।

50. ब्रेटन वुडस वार्ता का परिणाम था :
(a) एकल पाश्विक संस्थाओं के स्थान पर बहु-पाश्विक संस्थाओं की स्थापति।
(b) बहु- पाश्विक संस्थाओं के स्थान पर एकल पाश्विक संस्थाओं की स्थापति।
(c) लचकीले विनिमय दरों के स्थान पर स्थायी विनिमय दरों की स्थापना।
(d) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन के स्थान पर आईबीआरडी को स्थापित करना।

Ans. (b) : ब्रेटनवुड्स वार्ता का परिणाम बहु-पाश्विक संस्थानों के स्थान पर एकल पाश्विक संस्थाओं की स्थापति।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2011

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अवसर लागत वक्र की मान्यता है कि:

(a) उत्पादन का एकमात्र कारक श्रम है।
(b) वस्तु की कीमत अथवा लागत का अनुमान उसकी श्रम मात्रा से लगाया जा सकता है।
(c) श्रम समरूप है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : एक श्रमिक को मेज बनाने में लगाना, कुर्सी बनाना अथवा किसी अन्य कार्य में लगाना आदि पर एक समय में किसी उत्पादन के साधन को किसी एक ही प्रयोग में लगाया जा सकता है और उसके अन्य प्रयोगों के अवसर का त्याग करना आवश्यक हो जाता है। उस प्रयोग में लगे हुए उत्पादन के साधन की अवसर लागत उन वैकल्पिक प्रयोगों का त्याग ही है, जिनमें उस उत्पादन के साधन को दोनों प्रकार की लागतें शामिल होती है। अवसर लागत की धारणा का व्यवहार साधन-कीमतों के निर्धारण में, उपभोग एवं सार्वजनिक व्यय में कीमत तथ्यों की व्याख्या में किया जा सकता है।

Page- 156, S.N. Lal, Micro Eco.

2. हैजिंग संकेत करता है:

(a) विदेशी विनिमय जोखिम को स्वीकृति का
(b) विदेशी विनिमय जोखिम को आवृत करने का
(c) विदेशी विनिमय का अनुमान लगाना
(d) विदेशी विनिमय विवाचन

Ans. (b) : हैजिंग का तात्पर्य विदेशी विनिमय जोखिम को कम करना या नियंत्रित करना है। हम यह भी कह सकते हैं कि हैजिंग के द्वारा विदेशी विनिमय जोखिम की कवरिंग होती है।

3. आयात की सीमान्त प्रवृत्ति में वृद्धि का :

(a) गुणांक पर वही प्रभाव होता है जो कि MPC में वृद्धि का होता है
(b) गुणांक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है
(c) गुणांक के मूल्य में वृद्धि होगा
(d) गुणांक का मूल्य घटेगा

Ans. (a) : आयात की सीमांत प्रवृत्ति में वृद्धि का गुणांक पर वही प्रभाव होता है जो कि MPC में वृद्धि का होता है।

विदेशी व्यापार गुणक $(K_f) = \frac{1}{MPS + MPM}$

MPS = सीमांत बचत प्रवृत्ति
MPM = सीमांत आयात प्रवृत्ति

$\rightarrow MPM \uparrow \; K_f \uparrow$

4. मांग की कीमत लोच मांग वक्र के लिए एक के बराबर होती है, जो कि (मांग वक्र):

(a) क्षैतिज रेखा है
(b) उर्ध्वाकार रेखा है
(c) आयताकार अतिपरवलय है
(d) अधोमुखी गतिमान रेखा है

Ans. (d) : जब किसी वस्तु की मांग में सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन के बराबर हो तो समलोच मांग या इकाई मांग की लोच होगी। अर्थात् ed = 1/जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है।

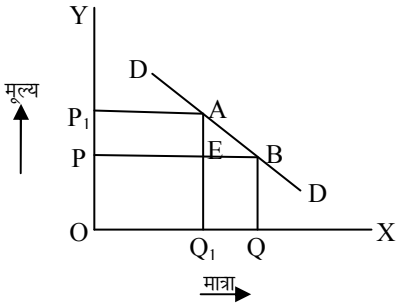

5. माध्य के चहुँ ओर तृतीय मूमेन्ट निम्नलिखित का माप करने में उपयोगी है:

(a) केन्द्रीय प्रवृत्ति (b) विसर्जन
(c) नुकीलापन अथवा शिखरपन (d) सममितता

Ans. (d) : माध्य के चहुं ओर तृतीय मूमेन्ट सममितता का माप करने में उपयोगी है।

6. अग्रगामी और पश्चगामी संयोजनों का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया?

(a) गुन्नर मिर्डाल (b) हर्षमैन
(c) बोके (d) लैबनस्टीन

Ans. (b) : अग्रगामी और पश्चगामी संयोजनों का प्रतिपादन हर्षमैन द्वारा अपने असंतुलित विकास सिद्धांत में किया गया। हर्षमैन अर्थव्यवस्था में असंतुलन पैदा करने के लिए दो रास्तों की बात करते हैं–

(1) अर्थव्यवस्था को सामाजिक उपरिव्यय पूंजी (SOC) या अधोसंरचना के विकास के द्वारा असंतुलित करना।

(2) प्रत्यक्ष उत्पादक क्रियाओं (DPA) के द्वारा विकास।

हर्षमैन का कहना है कि किसी भी विनियोग से दो प्रकार के श्रृंखला प्रभाव (Linkage effect) हो सकते हैं-

(1) अग्रगामी श्रृंखला प्रभाव – जिसके फलस्वरूप उत्पादन के आगे आने वाले चरणों में विनियोग प्रोत्साहित हो। तथा

(2) पश्चगामी श्रृंखला प्रभाव – जिसके कारण उत्पादन के पिछले चरणों में विनियोग प्रोत्साहित हो।

7. यदि θ_2 की तुलना में, प्रतिदर्श सांख्यिकी θ_1 ज्यादा दक्ष आकलक है, तो इसका तात्पर्य है कि :

(a) $var(\theta_1) \geq var(\theta_2)$ (b) $\theta_1 \geq \theta_2$
(c) $var(\theta_1) \leq var(\theta_2)$ (d) $\theta_1 \leq \theta_2$

Ans. (c) : यदि θ_2 की तुलना में प्रतिदर्श सांख्यिकी θ_1 ज्यादा दक्ष आकलन है तो इसका तात्पर्य है कि $var(\theta_1) \leq var(\theta_2)$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. स्वर्णिम युग प्राक्कल्पना किसके साथ सरोकार रखती है?

(a) संवृद्धि की प्राकृतिक दर > अभीष्ट संवृद्धि दर
(b) संवृद्धि की वास्तविक दर > अभीष्ट संवृद्धि दर
(c) अभीष्ट संवृद्धि दर > संवृद्धि की प्राकृतिक दर
(d) अभीष्ट संवृद्धि दर = संवृद्धि की प्राकृतिक दर

Ans. (d) : श्रीमती जॉनरॉबिन्सन ने 1956 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'The Accumulation of capital' में पूंजी संचय सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसमें उन्होंने खेल के पूंजीवादी नियमों पर आधारित आर्थिक संवृद्धि के एक सरल मॉडल का निर्माण किया है। इस मॉडल में उन्होंने अर्थव्यवस्था के 'स्वर्ण युग' की बात की है। रॉबिन्सन का मॉडल दो आधारभूत तथ्यों पर आधारित है–
(1) पूंजी निर्माण की दर आय के वितरण पर निर्भर करती है।
(2) श्रम के प्रयोग की दर पूंजी की पूर्ति तथा श्रम की पूर्ति पर निर्भर करती है।

इस प्रकार जॉनराबिन्सन के अनुसार पूंजी में वृद्धि दर (ΔK/K) के अतिरिक्त, जनसंख्या वृद्धि दर (ΔN/N) दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर को निर्धारित करता है। जब जनसंख्या की वृद्धि दर पूंजी की वृद्धि दर के बराबर हो जाती है। अर्थात् $\frac{\Delta K}{K}=\frac{\Delta N}{N}$ तो अर्थव्यवस्था पूर्णरोजगार संतुलन में होती है। इसी स्थिति को रॉबिन्सन ने स्वर्णयुग कहा। सूत्रानुसार, $\frac{\Delta K}{K}=\frac{\Delta N}{N}$

9. निम्नांकित में से किसके मूल्यांकन के लिए लॉरेंज वक्र का उपयोग किया जा सकता है?

(a) बाजारों की आबंटन एवं तकनीकी क्षमता
(b) कारोबारी के साथियों का तुलनात्मक लाभ और व्यापार की शर्तें
(c) आय वितरण में समता की डिग्री
(d) विश्व भर में बाजार कीमतों और मात्राओं का संतुलन

Ans. (c) : लॉरेन्ज वक्र का विचार 1905 में मैक्स ओ. लॉरेन्ज (U.S.के) ने दिया। लॉरेन्ज वक्र कुछ मदों (जैसे परिवार) के संचयी प्रतिशत तथा उससे सम्बन्धित कुछ चरों (जैसे आय) के मध्य के संबंध को व्यक्त करता है। लॉरेन्ज वक्र का उद्देश्य दिये गये वितरण में विषमता के स्तर को व्यक्त करना है। अगर वितरण में पूर्ण समानता हो तो लॉरेन्ज वक्र को चित्रित करने पर एक सीधी रेखा प्राप्त होगी। लॉरेन्ज वक्र जितना ही अधिक वक्राकार होगा विषमता का स्तर उतना ही अधिक होगा। जैसा रेखाचित्र से स्पष्ट है–

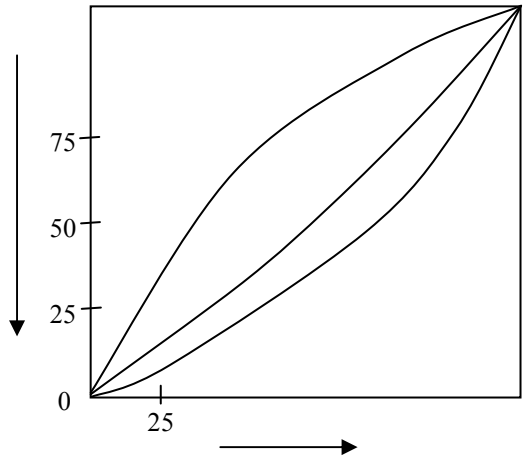

10. निम्नांकित में से किस बंटन फलन का माध्य और प्रसरण एक बराबर होता है?

(a) सामान्य (b) द्विपद
(c) अति ज्यामितीय (d) पॉयसन

Ans. (d) : पॉयसन बंटन फलन का माध्य और प्रसरण एक बराबर होता है।

11. वैश्विक 2008 वित्तीय संकट निम्नलिखित के द्वारा उत्पन्न हुआ है:

(a) राष्ट्रीयकृत बैंक (b) सब-प्राइम मार्केट लेंडिंग
(c) बंधपत्र बाजार (d) ब्याज दर यान्त्रिकी

Ans. (b) : वैश्विक 2008 वित्तीय संकट सब-प्राइम मार्केट लेंडिंग के द्वारा उत्पन्न हुआ।

12. डॉ. वाई.वी. रेड्डी थे:

(a) यू.टी.आई. अध्यक्ष
(b) आई.डी.बी.आई अध्यक्ष
(c) भारतीय रिजर्व बैंक (गवर्नर)
(d) एल. आई.सी.अध्यक्ष

Ans. (c) : डॉ. वाई.वी. रेड्डी भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर थे। 14 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष भी डॉ. वाई.वी. रेड्डी हैं। 14 वां वित्त आयोग का गठन 2 जनवरी, 2013 को हुआ और इसकी अवधि 2015-2020 तक है।

13. 'वित्तीय उदारीकरण' पदावली किससे सरोकार रखती है?

(a) RBI द्वारा नियन्त्रण
(b) अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली का अनियन्त्रण तथा अविनियमन
(c) सिर्फ ब्याज की दर के ढांचे को अनियन्त्रित करना
(d) राष्ट्रीयकृत बैंकों का परिसम्पत्ति-देयता कुशल प्रबन्ध

Ans. (b) : 'वित्तीय उदारीकरण' पदावली अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली का अनियंत्रण तथा अविनियमन से सरोकार रखती है।

14. राजकोषीय घाटा निम्नलिखित से तादात्मय रखता है :

(a) बजटीय घाटा और सरकारी बाजार उधार और देयताएँ
(b) कुल परिव्यय-प्राप्त आय
(c) बजट घाटा-लोक उधार
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : राजकोषीय घाटा बजटीय घाटा और सरकारी बाजार उधार और देयताएं से तादात्मय रखता है। राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्वास्थ्य का सूचक माना जाता है। यह एक वित्तीय वर्ष में सरकार के व्यय एवं आय के वास्तविक अंतराल को व्यक्त करता है। इसका तात्पर्य सरकार पर ऋणों के बोझ में होने वाली शुद्ध वृद्धि से है। इसका उच्च स्तर ऋणों के बोझ एवं अतिरिक्त ब्याज अदायगी को स्पष्ट करता है। अर्थात्
Fd = Total expenditure – Total Receipts
= (Revenue exp. + capital exp) – (Revenue Receipts-capital receipts)
Fd= (Total exp.) – (Revenue receipts + capital receipts) including only loans & sale of assets.

15. 'इमीसराइजिंग संवृद्धि' की अवधारणा किस अर्थशास्त्री ने विकसित की?

(a) जगदीश भगवती (b) सैम्युलसन
(c) श्रीमती जॉन रॉबिनसन (d) हैरोड-डोमर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : 'इमीसराइजिंग संवृद्धि' की अवधारणा जगदीश भगवती ने विकसित की।

16. भारत में लोगों का धारणीय स्वास्थ्य प्रबन्धन का सरोकार किससे है?

(a) कॉरपोरेट-कुशल अस्पताल प्रबन्धन
(b) लागत-प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ
(c) लोगों द्वारा वहन किया जाने वाला स्वास्थ्य व्यय पर सरकारी अर्थ सहायता
(d) चिकित्सकीय पर्यटन का विकास

Ans. (a) : भारत में लोगों का धारणीय स्वास्थ्य प्रबंधन का सरोकार कॉरपोरेट -कुशल अस्पताल प्रबंधन से है।

17. धारणीय ऊर्जा विकास किस पर निर्भर करता है?

(a) ऊर्जा संसाधनों का आपूर्ति-पक्ष प्रबन्धन
(b) ऊर्जा संसाधनों का मांग-पक्ष प्रबन्धन
(c) ऊर्जा की प्रदत्त आपूर्ति पर ऊर्जा उपभोग के प्रशुल्क का बाजार चालित ढांचा
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : धारणीय ऊर्जा विकास की प्रदत्त आपूर्ति पर ऊर्जा उपभोग के प्रशुल्क के बाजार चालित ढांचा पर निर्भर करता है।

18. निम्नांकित में से कौन-सा आदर्श सूचकांक है?

(a) लेसपेयर (b) बॉउले
(c) फिशर (d) मार्शल-ऐजवर्थ

Ans. (c) : फिशर का सूचकांक आदर्श सूचकांक है। क्योंकि फिशर सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण (Time Reversal Test) तथा कारक उत्क्राम्यता परीक्षण (Factor Reversal Test) का पालन करता है। फिशर सूचकांक लैस्पियर तथा पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य है–

$f = \sqrt{L.P}$

19. लेफ्फर वक्र किसका मापन करती है?

(a) कर की दर और कर राजस्व के बीच सम्बन्ध
(b) समग्र कर एवं समग्र अ-कर राजस्व
(c) कुल कर भार और कुल भुगतान भार
(d) कुल आय और कुल व्यय

Ans. (a) : लैफर वक्र कर की दर और कर राजस्व के बीच संबंध का मापन करती है। लैफर वक्र का विकास आर्थर लैफर (Arther Laffer) ने किया। आर्थर लैफर का कहना है कि कर की सीमांत दर एक सीमा से ज्यादा हो जाती है तो आयकर राजस्व घटने लगता है। इसे लैफर ने एक वक्र से बताया है–

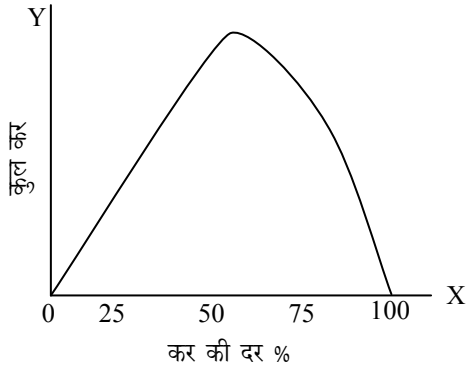

इस वक्र के आकार से पता चलता है कि कर की सीमांत दर के शून्य होने पर कर राजस्व भी शून्य है। जब कर की सीमांत दर 100 प्रतिशत हो जाती है तब उस स्थिति में भी कर राजस्व शून्य हो जाता है क्योंकि इस स्थिति में कोई व्यक्ति कुछ भी श्रम नहीं करेगा।

20. मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार, मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त का सम्बन्ध है:

(a) कीमतों के साथ (b) आय के साथ
(c) मुद्रा की आपूर्ति के साथ (d) मुद्रा की मांग के साथ

Ans. (d) : मिल्टन फ्रीडमैन ने 1959 में प्रकाशित अपने लेख 'The quantity Theory of money- A restatement' में मुद्रा के परिमाण सिद्धांत का एक विशेष मॉडल प्रस्तुत किया जिसे मुद्रा परिमाण सिद्धांत की शिकागो व्याख्या के नाम से जान जाता है। फ्रीडमैंन के अनुसार जिस तरह किसी वस्तु की मांग उसकी उपयोगिता उससे प्रदत्त सेवाओं और उसकी लागत पर निर्भर करती है उसी तरह मुद्रा की मांग भी इन्हीं कारणों पर निर्भर करती है। इस तरह फ्रीडमैन मुद्रा को एक उपभोग वस्तु के रूप में मानते हैं और उसकी मांग के वास्तविक स्तर पर न कि मौद्रिक स्तर पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। फ्रीडमैन के मुद्रा मांग फलन को समीकरण के रूप में निम्नवत् व्यक्त किया गया है–

$$md/p = f\left(y_p, w, r_m, r_b, r_e, \frac{1}{p}.\frac{dp}{df}, u\right)$$

जहां, y_p = स्थायी आय
w = गैर मानवीय रूप में रखी संपत्ति का माननीय रूप में रखी संपत्ति से अनुपात।
v_m = मुद्रा पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर।
y_b = बांड पर प्रत्याशित दर।
re = इक्विटी पर प्रत्याशित दर।
$\frac{1}{p}.\frac{dp}{df}$) = कीमत स्तर में प्रत्याशित परिवर्तन की दर।
u = रुचियां एवं अधिमान।

निर्देश : नीचे दो कथन दिए गए हैं। प्रश्न संख्या 21 से 30 तक (अभिकथन और तर्क प्रकार के) के लिए नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

21. अभिकथन (A) : अवमूल्यन भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक कर सकता है।
तर्क (R) : अवमूल्यन आयातित वस्तुओं की कीमत में वृद्धि करता है और अवमूल्यनकर्ता देश के निर्यात की विदेश-कीमत कम हो जाती है।

Ans. (a) : अवमूल्यन का अर्थ है देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य को कम करना। जब अवमूल्यन किया जाता है तो देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य में अन्य देशों के मुद्राओं की अपेक्षा कमी हो जाती है जबकि विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि होती है। इससे देश के आयात की घरेलू कीमतें बढ़ जाती है और निर्यात की विदेशी कीमतें गिर जाती हैं। इससे निर्यात प्रोत्साहित होते हैं और आयात में कमी आती है, जिसके परिणामस्वरूप देश का भुगतान संतुलन में सुधार आता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. अभिकथन (A) : 'वेंट फॉर सरप्लस' सिद्धान्त अल्पविकसित देशों पर लागू होता है।
तर्क (R) : उपलब्धि सिद्धान्त प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों वाले देशों पर लागू होता हैं।

Ans. (d) : 'वेंट फॉर सरप्लस' सिद्धांत अल्पविकसित देशों पर लागू होता है, यह कथन गलत है। जबकि उपलब्धि सिद्धांत प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों वाले देशों पर लागू होता है, यह सत्य है। Vent for surplus theory- यह सिद्धांत बताता है कि व्यापार की उन्नति देश में अतिरेक उत्पादकी क्षमता होती है।

23. अभिकथन (A) : ज्यामितीय माध्य गणितीय औसत है।
तर्क (R) : ज्यामितीय माध्य का मूल्य प्रत्येक मद द्वारा निधार्रित होता है।

Ans. (d) : ज्यामितीय माध्य गणितीय औसत है, यह कथन असत्य है। जबकि ज्यामितीय माध्य का मूल्य प्रत्येक मद द्वारा निर्धारित होता है, यह कथन सही है।

24. अभिकथन (A) : अपर्याप्त वन आच्छादन की परिणति पारिस्थितिकी असंतुलन में होती है।
तर्क (R) : पारिस्थितिकी असंतुलन से जनसंख्या वृद्धि में कमी आएगी।

Ans. (c) : अपर्याप्त वन आच्छादन या घटते वन के कारण पारिस्थितिकीय असंतुलन उत्पन्न होता है। पारिस्थितिकीय असंतुलन के अनेक दुष्प्रभाव होंगे।

25. अभिकथन (A) : 'लीऑन्तिफ पैराडॉक्स' ने 'हेक्शर ओहलिन थ्योरी' का खंडन किया।
तर्क (R) : संयुक्त राज्य अमेरिका ने श्रम-सघन उत्पादों का निर्यात किया।

Ans. (a) : हैक्शर-ओलिन मॉडल के सत्यापन के संबंध में पहला व्यापक प्रयत्न लियोनटिफ ने 1951में किया। हैक्शर-ओलिन सिद्धांत कहता है कि जिस देश में सापेक्षकता अधिक पूंजी होगी वह देश सापेक्ष तथा पूंजी गहन वस्तुओं का निर्यात करेगा और उन वस्तुओं का आयात करेगा जिनके उत्पादन में दुर्लभ साधन की सापेक्षतया बड़ी मात्राओं की जरुरत पड़ती है। लियोनटिफ अपने अध्ययन के आधार पर इस विरोधमूलक निष्कर्ष पर पहुंचा कि यद्यपि बाकी दुनिया के मुकाबले USA में पूंजी सापेक्षतया बड़ी मात्रा और श्रम की सापेक्ष तथा थोड़ी मात्रा है, फिर भी अमेरिका ने श्रम गहन वस्तुओं का निर्यात और पूंजी गहन वस्तुओं का आयात किया।

26. अभिकथन (A) : बिक्री कर लगाने से इजारेदार के लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
तर्क (R) : इजारेदार बिक्री कर के बोझ को उपभोक्ता की ओर स्थानांतरित कर देता है।

Ans. (b) : बिक्री कर लगाने से इजारेदार के लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि इजारेदार बिक्री कर के बोझ को उपभोक्ता की ओर स्थानांतरित कर देता है।

27. अभिकथन (A) : विषमता माप में सममिति का अभाव।
तर्क (R) : कर्टोसिस माप सहसंबंध।
उत्तर (a)

Ans. (a) : (A) और (A) दोनों सही है तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

28. अभिकथन (A) : प्रगतिशील आयकर पर अधिक भरोसा किया जाना चाहिए।
तर्क (R) : यह औचित्य के सिद्धान्त के अनुरूप है।

Ans. (b) : प्रगतिशील कर प्रणाली के अंतर्गत आय बढ़ने के साथ-साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। आरोही कर का भार गरीबों पर कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है। इसी कारण यह औचित्य सिद्धांत के अनुरूप है और इस पर अधिक भरोसा किया जाना चाहिए।

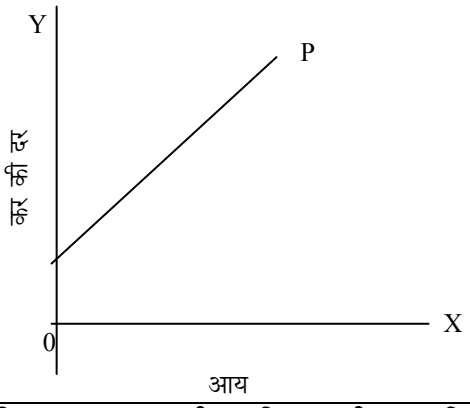

29. अभिकथन (A) : भारतीय कृषि अब भी श्रम शक्ति के अधिकांश को खपाती है।
तर्क (R) : कृषि उत्पादन की रोजगार लोच बहुत ऊँची है।

Ans. (c) : भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में देश की कार्यशील जनसंख्या का 65.5 प्रतिशत भाग 1950-51 में लगी हुई थी। 2011-12 के आकड़ों के अनुसार 48.9 प्रतिशत कार्यबल कृषि में संलग्न है।

30. अभिकथन (A) : यदि बचत की अपेक्षा निवेश ज्यादा हो तो राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।
तर्क (R) : बचत और निवेश एक ही व्यक्ति द्वारा नियोजित किए जाते हैं।

Ans. (c) : (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 40 तक के लिए, परिक्षार्थियों के सही कालानुक्रम क्रम के विकल्प पर चिन्ह लगाना है।

31. (i) सेज का बाजार का नियम
(ii) अधिशेष मूल्य का सिद्धान्त
(iii) निरपेक्ष लाभ का नियम
(iv) टेबल्यू एकनोमिक

कूट :
(a) (iii) (iv) (ii) (i)
(b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (iv) (iii) (i) (ii)
(d) (i) (iv) (iii) (ii)

Ans. (c) :
(iv) टेबल्यू इकॉनोमिक
(iii) निरपेक्ष लाभ का सिद्धांत
(i) से का बाजार का नियम
(ii) अधिशेष मूल्य का सिद्धांत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. (i) इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IRDP)
(ii) बीस सूत्री कार्यक्रम
(iii) सामुदायिक विकास कार्यक्रम
(iv) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारेनटीड कार्यक्रम

कूट :

(a) (ii) (iii) (iv) (i)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

Ans. (d) :
(iii) सामुदायिक विकास कार्यक्रम।
(ii) बीस सूत्री कार्यक्रम।
(i) इन्टीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IRDP)
(iv) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम।

33. (i) हैरड डोमर वृद्धि मॉडल
(ii) रोस्टो के विकास सोपान
(iii) लेविस का मॉडल
(iv) रोमर मॉडल

कूट :

(a) (ii) (iii) (i) (iv)
(b) (ii) (i) (iii) (iv)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (iv) (ii) (i) (iii)

Ans. (b) :
(ii) रोस्टोव के विकास सोपान
(i) हैरॉड डोमर वृद्धि मॉडल
(iii) लेविस का मॉडल
(iv) रोमर मॉडल

34. (i) उरूगाय राऊंड (ii) कैनेडी राऊंड
(iii) टोक्यों राऊंड (iv) डिलोन राऊंड

कूट :

(a) (iv) (ii) (iii) (i)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (iii) (ii) (i) (iv)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)

Ans. (a) :
(iv) डिलोग राउण्ड
(ii) कैनेडी राउण्ड
(iii) टोक्यो राउण्ड
(i) उरुग्वे राउण्ड

35. (i) मेहलोनोबी योजना मॉडल
(ii) रोलिंग योजना का आरम्भ
(iii) योजना अवकाश की घोषणा
(iv) समावेशित विकास व्यूहरचना

कूट :

(a) (iv) (ii) (iii) (i)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (ii) (iii) (i) (iv)
(d) (i) (iii) (ii) (iv)

Ans. (d) :
(i) महालनोबिस योजना मॉडल
(iii) योजना अवकाश की घोषणा
(ii) रोलिंग योजना का आरंभ
(iv) समावेशित विकास व्यूहरचना

36. योजना आयोग के उपाध्यक्षः

(i) टी.टी. कृष्णामाचार्य (ii) प्रणब मुखर्जी
(iii) पी.एन. हक्सर (iv) डी.आर. गाडगिल

कूट :

(a) (i) (iv) (iii) (ii)
(b) (iii) (ii) (i) (iv)
(c) (iv) (iii) (i) (ii)
(d) (iii) (iv) (i) (iii)

Ans. (a) : योजना आयोग के उपाध्यक्ष का कालानुक्रमानुसार क्रम निम्नवत् है–
(i) टी.टी. कृष्णामाचार्य
(iv डी.आर. गाडगिल
(iii) पी. एन. हेक्सर
(ii) प्रणब मुखर्जी

37. (i) स्पेशल ड्राईंग राईट्स का आरम्भ
(ii) यूरो का आरम्भ
(iii) स्वर्णमान् तन्त्र का आरम्भ
(iv) मल्टिलेटरल व्यापार नियम का आरम्भ

कूट :

(a) (ii) (iii) (iv) (i)
(b) (iii) (ii) (i) (iv)
(c) (iii) (i) (ii) (iv)
(d) (i) (iii) (ii) (iv)

Ans. (c) :
(iii) स्वर्णमान तंत्र का आरंभ
(i) स्पेशल ड्राइंग राइट्स का आरंभ
(ii) यूरो का आरंभ
(iv) मल्टीलेटरल व्यापार नियम का आरंभ।

38. वित्त आयोग के अध्यक्ष :

(i) पी.वी. राजमनार
(ii) के.सी. नियोगी
(iii) सी. रंगाराजन
(iv) के. ब्रह्मानन्दा रेड्डी

कूट :

(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (iv) (ii) (iii) (i)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (ii) (i) (iv) (iii)

Ans. (a) : वित्त आयोग के अध्यक्षों का क्रय निम्नवत् है–
(ii) के.सी. नियोगी
(i) पी.वी. राजमन्नार
(iii) सी. रंगराजन
(iv) के ब्रह्मानंद रेड्डी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

39. (i) प्रिन्सीपल ऑफ पोलिटिकल इकोनॉमिक एंड टेक्सेशन
(ii) एन ऐनकवारी इन टू द नेचर एंड कॉजिज ऑफ वैल्थ ऑफ नेशन्स
(iii) एन ऐनकवारी इन टू द नेचर एंड कॉजिज ऑफ पावर्टी ऑफ नेशन्स
(iv) रिफ्लेक्शनस ऑन ह्यूमन डेवलपमेंट

कूट :

(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (ii) (iv) (iii) (i)

Ans. (a) :
(ii) एन इनक्वायरी इन टू द नेचर एंड कॉजिज ऑफ वेल्थ ऑफ नेशंस
(i) प्रिन्सीपल ऑफ पॉलिटिकल इकॉनोमी एंड टैक्सेशन
(iii) इन इनक्वायरी इन टू द नेचर एंड कॉजिज ऑफ पावर्टी ऑफ नेशंस
(iv) रिफ्लेक्शन ऑन ह्यूमन डेवलपमेंट

40. (i) प्रबिश-सिंगर हाइपोथिसिस
(ii) हैबरलर ओपरचूनिटी कॉस्ट थ्योरी
(iii) लयोन्टिक पैराडॉक्स
(iv) हैक्सचर ओहलिन थ्योरम

कूट :

(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (iii) (iv) (ii) (i)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (ii) (i) (iii) (iv)

Ans. (c) :
(ii) हैबरलर अपॉर्च्यूनिटी कॉस्ट थ्योरी
(iv) हैक्शर-ओहलिन थ्योरम्
(iii) लयोन्टिक पैराडॉक्स
(i) प्रेबिश-सिंगर हाइपोथिसिस

निर्देश : प्रश्न सं. 41-46 मिलान किस्म के हैं। परीक्षार्थियों को सूची-I में दी गई मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित करना है और कूट में दिए विकल्प का सही चयन करना है।

41.

समूह-I	**समूह-II**
(A) पेटेंट	(i) ब्रैंड
(B) कॉपीराइट	(ii) आविष्कार
(C) ट्रेडमार्क	(iii) स्कॉच हिस्की
(D) भौगोलिक संकेत	(iv) साहित्यिक कृतियाँ

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (ii) (iii) (i) (iv)
(b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (ii) (iv) (i) (iii)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (c) :
(a) पेटेन्ट – (ii) आविष्कार।
(b) कॉपीराइट – (iv) साहित्यिक कृतियां
(c) ट्रेडमार्क – (i) ब्रैंड
(d) भौगोलिक संकेत – (iii) स्कॉच हिस्की

42.

समूह-I	**समूह-II**
(A) के.बी. चंद्रशेखर	(i) यू.टी.आई. कार्यविधि
(B) दीपक पारेख	(ii) औद्योगिक अधिनियम
(C) हजारी	(iii) साहस पूँजी
(D) नरसिंहम	(iv) बैंकिंग सेक्टर

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (iii) (i) (ii) (iv)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (iv) (i) (iii) (ii)

Ans. (a) :
(a) के.बी. चन्द्रखेखर – (iii) साहस पूंजी।
(b) दीपक पारेख – (i) U.T.I. कार्यविधि।
(c) हजारी – (ii) औद्योगिक अधिनियम।
(d) नरसिंहन् – (iv) बैंकिंग सेक्टर

43.

समूह-I	**समूह-II**
(A) निरपेक्ष आय परिकल्पना	(i) एन. ग्रेगरी मैन्क्यू
(B) तार्किक प्रत्याशा परिकल्पना	(ii) जे.एम. केन्स
(C) सापेक्षिक आय परिकल्पना	(iii) रॉबर्ट लूकास
(D) नव केन्सीय मॉडल	(iv) जेम्स ड्यूज़ेनबरी

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (ii) (iii) (iv) (i)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

Ans. (c) :
(a) निरपेक्ष आय परिकल्पना – (ii) जे.एम. कीन्स
(b) तार्किक प्रत्याशा परिकल्पना – (iii) रॉबर्ट लूकास
(c) सापेक्षिक आय परिकल्पना – (ii) जेम्स डयूजेनबरी।
(d) नव केन्सीय मॉडल – (i) एन.ग्रेगरी मैन्क्यू।

44.

समूह-I	**समूह-II**
(A) ज्ञात प्रसरण जनसंख्या माध्य	(i) t-वितरण
(B) अज्ञात प्रसरण जनसंख्या माध्य	(ii) F-वितरण
(C) प्रसरण की तुलना	(iii) X^2-वितरण
(D) एक आक्षेप की समंजन सुष्ठता	(iv) Z-वितरण

कूट :

(a) (b) (b) (d)
(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (iv) (i) (ii) (iii)
(d) (iii) (i) (ii) (iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) :
(a) ज्ञात प्रसरण जनसंख्या माध्य – (iv) Z- वितरण।
(b) अज्ञात प्रसरण जनसंख्या माध्य – (i) t-वितरण।
(c) प्रसरण की तुलना – (ii) F-वितरण।
(d) एक आक्षेप की समंजन सुष्ठता – (iii) X^2-वितरण

45.

	समूह-I	समूह-II
(A)	उत्पाद विभेदीकरण	(i) सराफा
(B)	द्वयाधिकार विश्लेषण	(ii) मोडिग्ल्यानी
(C)	वस्तुओं के लिए वस्तुओं का उत्पादन	(iii) कूर्नो
(D)	जीवन-चक्र परिकल्पना	(iv) चेम्बरलिन

कूट :

(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(i) (ii)
(b)	(iii)	(iv)	(ii) (i)
(c)	(ii)	(i)	(iii) (iv)
(d)	(i)	(ii)	(iv) (iii)

Ans. (a) :
(a) उत्पाद विभेदीकरण – (iv) चेम्बरलिन
(b) द्वयाधिकार विश्लेषण – (iii) कूर्नो
(c) वस्तुओं के लिए वस्तुओं का उत्पादन – (i) सर्राफा
(d) जीवन चक्र परिकल्पना – (ii) मोडिग्ल्यानी

46.

	समूह-I	समूह-II
(A)	'प्लानिंग फॉर एन एक्सपेंडिंग इकॉनॉमी'	(i) वी.के.आर.वी. राव
(B)	'द इंडस्ट्रियल इवोल्यूशन ऑफ इंडिया'	(ii) दादाभाई नौरोजी
(C)	ड्रेन थ्योरी	(iii) डी.आर. गाडगिल
(D)	भारत की राष्ट्रीय आय	(iv) वकील तथा ब्रह्मानंद

कूट :

(a)	(b)	(b)	(d)
(a)	(iii)	(i)	(iv) (ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii) (iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii) (i)
(d)	(i)	(iv)	(iii) (ii)

Ans. (c) :
(a) प्लानिंग फॉर एन एक्सपेंडिंग इकोनॉमी – (iv) वकील तथा ब्रह्मानंद।
(b) द इण्डस्ट्रियल इवोल्यूशन ऑफ इंडिया– (iii). डी.आर. गाडगिल
(c) ड्रेन थ्योरी – (ii) दादा भाई नौरोजी।
(d) भारत की राष्ट्रीय आय – (i) वी.के. आर.वी. राव।

निर्देश: निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और इसके आधार पर प्रश्न 47 से 50 तक का उत्तर दीजिए।

स्व: वहनीय आर्थिक विकास के लिए अनेक सफल रणनीतियाँ हैं। उदाहरणतया ब्रिटेन 1800 के समय में स्टीम इंजन का आविष्कार करने, रेल पटरियों को बिछाने और मुफ्त व्यापार पर बल देने से औद्योगिक क्रान्ति का सूत्रपात करने से विश्व का आर्थिक अगुआ हो गया। इसके प्रतिकूल जापान बाद में आर्थिक विकास की दौड़ में आया। इसने सर्वप्रथम विदेशी प्रौद्योगिकियों की नकल करने, घरेलू उद्योगों को आयात से सुरक्षा देने और फिर निर्माण कार्य और इलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्रों में शानदार निपुणता प्राप्त करने में प्रसिद्धि अर्जित की। भले ही इनके मार्ग भिन्न-भिन्न हों, मगर तेजी से विकासोन्मुखी सभी देशों में कई गुण समान रूप से विद्यमान हैं। विकास के वही मूलभूत कारक जिन्होंने ब्रिटेन और जापान को बनाया, वही कारक चीन और भारत जैसे विकाशील देशों में विद्यमान हैं। जिन अर्थशास्त्रियों ने विकास का अध्ययन किया है, उन्होंने यह पाया है कि आर्थिक उन्नति के इंजन को उन्हीं चार पहियों पर चलना होगा, भले ही राष्ट्र कितना ही निर्धन अथवा धनी हो। ये चार पहिए हैं : मानव-संसाधन, प्राकृतिक स्रोत, पूँजी निर्माण और प्रौद्योगिकी।

47. औद्योगिक क्रांति में सम्मिलित हैं :
(a) स्टीम-इंजन का आविष्कार
(b) रेल पटरियों को बिछाना
(c) मुक्त व्यापार को प्रोत्साहन
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : औद्योगिक क्रांति में सम्मिलित है–
(1) स्टीम-इंजन का आविष्कार।
(2) रेल पटरियों को बिछाना।
(3) मुक्त व्यापार को प्रोत्साहन।

48. 1800 में आई औद्योगिक क्रांति मुख्यत: प्रारम्भ हुई थी:
(a) जापान और चीन से
(b) यूनाइटेड किंगडम से
(c) ब्रिटेन और यू.एस.ए. से
(d) चीन और भारत से

Ans. (b) : 1800 ई. में आई औद्योगिक क्रांति मुख्यतः यूनाइटेड किंगडम (U.K.) से प्रारंभ हुई थी।

49. किसी देश का आर्थिक विकास निम्न में से किस पर निर्भर करता है?
(a) विकास के चार पहिए
(b) प्रौद्योगिकी एवं श्रम
(c) प्राकृतिक स्रोत और मानवीय संसाधन
(d) पूँजी एवं श्रम

Ans. (a) : किसी देश का आर्थिक विकास, विकास के चार पहिए पर निर्भर करता है।

50. वे कौन-से कारक थे जिनके कारण ब्रिटेन और जापान उस आर्थिक विकास को पहले उपलब्ध कर सके जो आज के संदर्भ में (इनमें से) प्रासंगिक हैं:
(a) यू.एस.ए. और रूस
(b) चीन और पाकिस्तान
(c) चीन और भारत
(d) चीन और ब्राजील

Ans. (c) : चीन और भारत जैसे देशों के कारण ब्रिटेन और जापान उस आर्थिक स्थिति को उपलब्ध कर सके। जो आज के संदर्भ में प्रासंगिक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2012

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नांकित 1 से 10 प्रश्नों को पढ़िये और उनके नीच दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये :

1. एकाधिकार फर्म की सीमान्त आय कीमत से कम होती है। क्योंकि

(a) माँग वक्र का ढलान सकारात्मक होता है।
(b) माँग वक्र का ढलान नकारात्मक होता है।
(c) एकाधिकारी को हानि होती है।
(d) एकाधिकारी संतुलन में है।

Ans : (b) पूर्ण प्रतियोगिता में मांग वक्र व सीमांत आय वक्र आधार-अक्ष के समानान्तर सरल रेखा होती है। जबकि एकाधिकारी फर्म का मांग वक्र नीचे गिरती हुई होती है। एकाधिकार में सीमांत आय (MR) सदैव कीमत से कम होती है, क्योंकि एकाधिकारी का मांग वक्र और औसत आय वक्र एक ही होता है, जो नीचे की ओर ऋणात्मक ढाल का होता है। यदि एकाधिकारी अपनी कीमत या उत्पादन में परिवर्तन करेगा तो उसका प्रभाव सीमांत आय पर पड़ेगा। इसको निम्न समीकरण द्वारा समझा जा सकता है–

$$MR = \frac{\Delta TR}{\Delta Q} = \frac{\Delta(P.Q)}{\Delta Q}$$

जहाँ ΔTR = कुल आय में परिवर्तन
P = वस्तु की कीमत
Q = उत्पादन मात्रा

या, $\Delta TR = P.\Delta Q + Q.\Delta P$

दोनों पक्षों में ΔQ से भाग देने पर–

$$\frac{\Delta TR}{\Delta Q} = \frac{P.\Delta Q}{\Delta Q} + Q.\frac{\Delta P}{\Delta Q}$$

या, $$\frac{\Delta TR}{\Delta Q} = P + Q.\frac{\Delta P}{\Delta Q}$$

या, $$\boxed{MR = P + Q.\frac{\Delta P}{\Delta Q}}$$

उपरोक्त समीकरण से स्पष्ट है कि सीमांत आय (MR) पदार्थ की कीमत से कम हो। इसकों निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट कर सकते है–

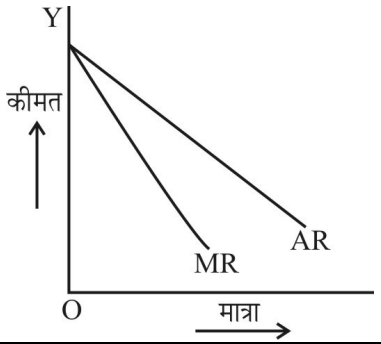

2. एक घटिया वस्तु के लिए आय-उपयोग वक्र एवं ऐंजल्स वक्र रेखाएँ होती हैं

(a) सकारात्मक रूप से ढलान लिए हुए।
(b) नकारात्मक रूप से ढलान लिए हुए।
(c) दोनों समान हैं।
(d) आय उपभोग वक्र रेखा सकारात्मक ढलान लिए और ऐंजल्स वक्र रेखा नकारात्मक ढलान लिए रहती हैं।

Ans : (b) एक घटिया वस्तु के लिए आय उपभोग वक्र एवं ऐंजल्स वक्र रेखा में नकारात्मक रूप से ढलान लिए हुए होती है। यदि आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी की कम मात्रा क्रय करे तो वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जाएगी। आय उपयोग वक्र का ढाल यह प्रदर्शित करता है कि वस्तु सामान्य है या घटिया।

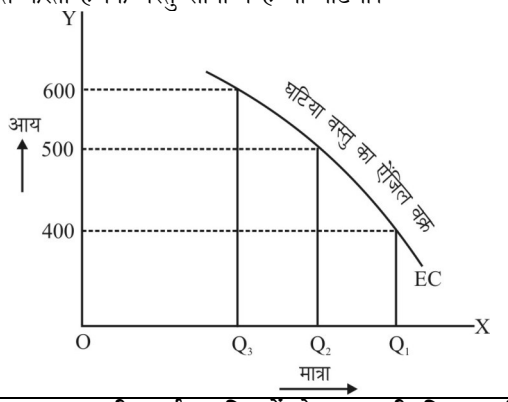

3. परम्परावादी अर्थ-शास्त्रियों ने मुद्रा की निम्न भूमिका पर केंद्रित किया :

(a) विनिमय का माध्यम
(b) वितरण का माध्यम
(c) धन-सम्पत्ति
(d) वर्तमान एवं भविष्य के बीच की कड़ी

Ans : (a) परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मुद्रा को विनिमय का माध्यम माना है। परम्परावादी अर्थशास्त्रियों के अनुसार मुद्रा की मांग विनिमय कार्य के लिए की जाती है। मुद्रा की मांग व्युत्पन्न मांग होती है।

मुद्रा की मांग = विनिमय सौदों का मूल्य × वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा।

कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री मुद्रा के मूल्यसंचय की बात करते है।

4. यदि मुद्रा की माँग पूर्णतया ब्याज लोच निरपेक्ष है तो तरलता-मुद्रा (एल एम) वक्र-

(a) ऊपर की ओर ढलान लिए हुए होगा।
(b) नीचे की ओर ढलान लिए हुए होगा।
(c) समस्तरीय रेखा होगी।
(d) खड़ी रेखा होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) यदि मुद्रा की मांग पूर्णतया ब्याज लोच निरपेक्ष है तो तरलता-मुद्रा वक्र LM खड़ी रेखा होगी।

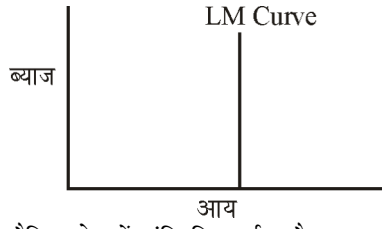

LM –वक्र मौद्रिक क्षेत्र में संस्थिति दर्शाता है। यह वक्र आय एवं ब्याज दर के उन विभिन्न स्तरों को व्यक्त करेगा जिस पर मुद्रा की मांग मुद्रा की पूर्ति के बराबर है।

5. हैरड-डोमर का आर्थिक विकास मॉडल निम्न के सन्तुलन पर आधारित है :

(a) आय सृजन और उत्पादन क्षमता निर्माण।
(b) आय और उपभोग सन्तुलन।
(c) निवेश एवं बचत सन्तुलन।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans : (c) हैरड-डोमर आर्थिक विकास मॉडल निवेश और बचत निर्माण के संतुलन पर आधारित है।

6. किसी कर की उत्प्लाविता का गणना करने हेतु हम विचार करते हैं

(a) केवल विवेकाधीन परिवर्तनों पर
(b) केवल स्वःपरिवर्तनों पर
(c) (a) और (b) दोनों पर
(d) न तो (a) और न (b) पर

Ans : (c) किसी कर की उत्प्लाविता की गणना करने हेतु हम निम्न पर विचार करते है–
1. विवेकाधीन परिवर्तनों पर।
2. स्वः परिवर्तनों पर।

7. निम्नलिखित केंद्रीय प्रवृत्ति मापों में से कौन सा माप ऐसी खोज-सामग्री के लिए श्रेष्ठतम होगा जिसमें चरों के मूल्यों का आकलन करना हो?

(a) गणितीय-माध्य (b) बहुलक
(c) मध्यमा (d) कुर्टोसिस

Ans : (c) यदि किसी आकड़ों को उनके परिमाण के अनुसार आरोही अथवा अवरोही क्रम में व्यवस्थित किया जाय तो उस श्रेणी के मध्य पद का मान माध्यिका कहलाता है।

$M = \frac{N+1}{2}$ वें पद का मान

यदि N विषम संख्या है तब,

$$M = \frac{N+1 \text{ वें पद}}{2}$$

यदि N विषम है तब,

$$M = \frac{\frac{N}{2} \text{ वां पद} + \left(\frac{N}{2}+1\right) \text{वां पद}}{2}$$

8. रिकार्डो के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त में तुलनात्मक लागत-लाभ इस कारण से होता है -

(a) मज़दूरी लागत में अन्तर
(b) कारक इंडाऊमेंट में अनतर
(c) कारक मूल्य पर परिभाषित कारक प्रचुरता
(d) उपरोक्त सभी

Ans : (a) रिकार्डों का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्धांत श्रम के मूल्य सिद्धांत पर आधारित है। रिकार्डों कहते है कि लागतों में निरपेक्ष अन्तर नहीं बल्कि तुलनात्मक अन्तर दो देशों के बीच व्यापार सम्बन्ध निर्धारित करता है। प्रत्येक देश उस वस्तु के उत्पादन में विशिष्टीकरण करता है जिसमें उसकी उत्पादन की तुलनात्मक लागत सबसे कम हो।
इस प्रकार जब कोई देश किसी अन्य देश के साथ व्यापार करता है तो वह उन वस्तुओं का निर्यात करता है जिसमें उसकी तुलनात्मक उत्पादन लागते कम है और उन वस्तुओं का आयात करता है जिसमें उसकी तुलनात्मक लागतें अधिक है।

9. भारत में 2004-05 में निर्धनता-रेखा नीचे के व्यक्तियों की संख्या किस राज्य में अधिकतम थी?

(a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश
(c) मध्य प्रदेश (d) राजस्थान

Ans : (b) भारत में 2004-05 में निर्धनता-रेखा से नीचे के व्यक्तियों की संख्या उत्तर-प्रदेश राज्य में अधिकतम थी।
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक गरीब जनसंख्या वाले राज्य निम्न है–

1. उत्तर-प्रदेश	–	598.19 लाख
2. बिहार	–	358.15 लाख
3. मध्य प्रदेश	–	234.06 लाख

सी. रंगराजन की समिति (2012) के अनुसार 2011-12 में भारत की कुल जनसंख्या का 29.5% गरीबी रेखा के नीचे है। उत्तर-प्रदेश में गरीबी का स्तर 29.43% है।

10. निम्नलिखित में से कौन सा 'भारत-निर्माण' का घटक नहीं है?

(a) ग्रामीण आवास (b) ग्रामीण विद्युतिकरण
(c) कृषि आधारित उद्योग (d) ग्रामीण टेलीफोन सेवा

Ans : (c) ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के निर्माण एवं विकास हेतु इस योजना का शुभारम्भ प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा 16 दिसम्बर, 2005 को नई दिल्ली में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत 6 घटकों को शामिल किया गया है–

1. ग्रामीण आवास	2. सिंचाई क्षमता	3. सड़कें
4. विद्युतीकरण	5. पेयजल	6. ग्रामीण दूर संचार

निम्नांकित 11-20 प्रश्नों को पढ़िये और दिये हुये कूटों के अनुसार सही उत्तर चुनिये।

11. विकुंचित माँग वक्र रेखा मं विकुंचित बिन्दु दर्शाता है

I. अनम्य कीमत II. अनम्य मात्रा
III. नम्य कीमत IV. मात्रा नम्यता

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) II और III सही हैं।
(c) III और IV सही हैं। (d) I और IV सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) अल्पाधिकार में कीमत स्थिरता के सम्बन्ध में सबसे लोकप्रिय सिद्धांत विकुंचित मांग वक्र है। इसका प्रतिपादन पॉल.एम. स्वीजी ने किया। यह सिद्धांत कीमत निर्धारण की व्याख्या नहीं करता। यह केवल इतना बताता है कि जब एक बार अल्पाधिकार में कीमत निर्धारित हो जाती है तो यह स्थिर क्यों रहती है।

इस सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है, उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। क्योंकि मांग वक्र का यह भाग जो वर्तमान कीमत स्तर से ऊपर है अत्यंत लोचदार होता है और वर्तमान कीमत स्तर से नीचे का भाग बेलोचदार होता है।

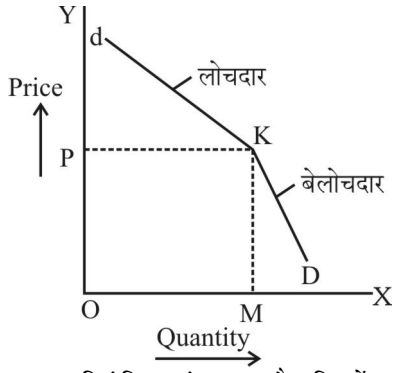

चित्र में dD एक विकुंचित मांग वक्र है, जिसमें K बिन्दु पर विकुंचन है।

विकुंचित मांग वक्र सिद्धांत में प्रत्येक अल्पाधिकारी यह विश्वास करता है कि यदि वह अपनी कीमत को वर्तमान स्तर से नीचे गिरा देता है तो उसके प्रतिद्वन्दी भी ऐसा ही करेंगे और अपनी-अपनी कीमतों को गिरा देंगे, परन्तु यदि वह कीमत में वृद्धि करता है तो उसके प्रतिद्वन्दी ऐसा नहीं करेंगे अर्थात् अपनी-अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं करेंगे। अपने प्रतिद्वन्दियों को दो प्रकार की प्रतिक्रियाओं एक कीमत बढ़ने पर तथा दूसरा कीमत कम करने पर, के कारण मांग वक्र का वर्तमान कीमत स्तर से ऊपर का भाग अपेक्षाकृत लोचदार होता है तथा इसके नीचे का भाग अपेक्षाकृत बेलोचदार होता है।

12. अदायगी–घाटा बकाया में निम्न प्रकार से सुधार किया जा सकता है :

I. आयात नियन्त्रण II. निर्यात वृद्धि
III. विदेशी विनिमय नियन्त्रण IV. अवमूल्यन

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) I, II, III और IV सही हैं।
(c) II और III सही हैं। (d) I, II और III सही हैं।

Ans : (b) अदायगी-घाटा बकाया में निम्न प्रकार से सुधार किया जा सकता है–

1. आयात नियंत्रण। 2. निर्यात वृद्धि।
3. विदेशी विनिमय नियंत्रण। 4. अवमूल्यन।

13. लोक ऋण के भार सम्बन्धी समस्या पर किसने विचार किया है?

I. ए. पी. लर्नर II. ई. डी. डोमर
III. ए. सी. पीगू IV. ए. एच. हेन्सन

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) II और III सही हैं।
(c) I और IV सही हैं। (d) II और III सही हैं।

Ans : (c) लोक ऋण के भार सम्बन्धी समस्या पर ए.पी. लर्नर तथा ए.एच. हेन्सन ने विचार व्यक्त किया है।

14. राजकोषीय नीति का सम्बन्ध सरकारी निर्णय से निम्न से संबंधित है :

I. कराधान II. राजकीय व्यय
III. राजकीय ऋण IV. सरकारी कर्ज

कूट :

(a) III और IV सही हैं। (b) II, III और IV सही हैं।
(c) I और II सही हैं। (d) उपरोक्त सभी सही हैं।

Ans : (d) राजकोषीय नीति का सम्बन्ध सरकारी निर्णय से निम्न से सम्बन्धित है–

1. कराधान। 2. राजकीय व्यय।
3. राजकीय ऋण। 4. सरकारी कर्ज।

15. एच.डी.आई. के निर्माण का सम्बन्ध होता है

I. जन्म के समय आयु संभाविता
II. वास्तविक जीडीपी प्रति व्यक्ति
III. शिशु मृत्यु दर
IV. अस्वस्थता

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) II और III सही हैं।
(c) III और IV सही हैं। (d) उपरोक्त सभी सही हैं।

Ans : (a) एच.डी.आई. का प्रतिपादन 1990 में यू.एन.डी.पी. से जुड़े हुए अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक, ए.के. सेन व सिंगर हंस ने किया।

एच.डी.आई. तीन चरों व चार संकेतकों पर आधारित है।

1. जीवन–

(i) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (Life expectancy at birth)

2. ज्ञान या शैक्षशिक उपलब्धि (Education)–

(i) स्कूली शिक्षा के माध्य वर्ष (Mean years of schooling)
(ii) स्कूली शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष (Expected years of schooling)

3. जीवन निर्वाह का स्तर (Income)–

(i) Per capita GNI (In US $ per annum at PPP)

$$\text{HDI} = \frac{1}{3}\left(\begin{array}{c}\text{जीवन प्रत्याशा सूचकांक + शिक्षा सूचकांक} \\ \text{+ जीवन निर्वाह स्तर सूचकांक}\end{array}\right)$$

16. असन्तुलित विकास सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया?

I. हर्षमैन II. रोबर्ट सोलो
III. सिंगर IV. रागनर नर्कसे

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) II और III सही हैं।
(c) III और IV सही हैं। (d) I और III सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) असंतुलित विकास सिद्धांत का अर्थ किसी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का एक साथ विकास न करके कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों का गहन विकास किया जाना है। असंतुलित विकास सिद्धांत के समर्थक अर्थशास्त्री निम्न है–

1. हर्षमैन। 2. सिंगर। 3. मार्क्स।
4. फ्लेमिंग। 5. किंडल बर्जर। 6. रोस्टोव।

17. आर्थिक विकास का हैरोड-डोमर मॉडल आधारित है :

I. वांछनीय वृद्धि दर II. निवेश वृद्धि दर
III. उत्पादकता वृद्धि दर IV. प्राकृतिक वृद्धि दर

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) II और III सही हैं।
(c) III और IV सही हैं। (d) I और IV सही हैं।

Ans : (d) हैरोड-डोमर मॉडल उन्नत पूँजीवादी देशों के अनुभवों पर आधारित है। इसमें कीन्सीय मॉडल का प्रावैगिक विस्तार किया गया है। हैरोड-डोमर ने प्रतिष्ठित और कीन्सवादियों की कमियों को दूर करते हुए आर्थिक विकास की सतत् संवृद्धि की बात की है। ये निवेश के दोनों पक्षों अर्थात् मांग व पूर्ति की चर्चा करते है।

हैरोड का मॉडल तीन वृद्धि दरों पर आधारित है–

1. वास्तविक वृद्धि दर (Actual growth rate)–

$$G_A = \frac{S}{C_r}$$

2. वांछित वृद्धि दर (Warranted growth rate)–

$$G_w.C_r = S$$

3. प्राकृतिक वृद्धि दर (Natural growth rate)–

$$G_n.C_r = S \quad \text{या} \quad G_n.C_r \neq S$$

18. केन्स के सिद्धान्त में मुद्रा की परिकल्पनात्मक मांग पैदा होती है, क्योंकि

I. भविष्यकालीन ब्याज दरों सम्बन्धी अनिश्चितता
II. अन-अपेक्षित खर्चे
III. आय एवं वास्तविक खर्च के बीच पुल का निर्माण
IV. ब्याज दर के परिवर्तन और बांड कीमतों के बीच का सम्बन्ध

कूट :

(a) I और III सही हैं। (b) I और IV सही हैं।
(c) II और III सही हैं। (d) III और IV सही हैं।

Ans : (b) केन्स के सिद्धांत में मुद्रा की परिकल्पनात्मक मांग निम्नलिखित कारण से पैदा होती है–

(i) भविष्यकालीन ब्याज दरों सम्बन्धी अनिश्चिता।
(ii) ब्याज दर को परिवर्तन और बांड कीमतों के बीच का सम्बन्ध।

19. मिल्टन फ्राइडमैन के सिद्धान्त के अनुसार उपभोक्ता खर्च का स्थायी घटक किस पर आधारित होता है?

I. केवल अस्थायी आय II. अस्थायी एवं स्थायी आय
III. केवल स्थायी आय IV. अप्रत्याशित लाभ

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) I और III सही हैं।
(c) II और IV सही हैं। (d) केवल III सही है।

Ans : (d) मिल्टन फ्रीडमैन ने स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन किया। फ्रीडमैन के अनुसार भविष्य में आय की प्रत्याशा भी उपभोग क्रिया को प्रभावित करती है।

फ्रीडमैन ने उपभोग को दो भागों में बांटा–

(i) स्थायी उपभोग (C_p)
(ii) अस्थायी उपभोग (C_t)

$$\text{उपभोग } (C) = C_p + C_t$$

इसी पकार आय को भी दो भागो मे बांटा–

(i) स्थायी आय (y_p)
(ii) अस्थायी आय (y_t)

$$\text{आय } (y) = y_p + y_t$$

फीडमैन के सिद्धांत के अनुसार उपभोक्ता खर्च का स्थायी घटक केवल स्थायी आय पर निर्भर करता है।

20. भारत के योजना आयोग ने हाल ही में निर्धन रेखा सम्बन्धी घोषणा की है -

I. नगरीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 42 Rs. प्रतिदिन
II. ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 26 Rs. प्रतिदिन
III. नगरीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 32 Rs. प्रतिदिन
IV. ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 32 Rs. प्रतिदिन

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) I और III सही हैं।
(c) II और III सही हैं। (d) III और IV सही हैं।

Ans : (c) भारत के योजना आयोग ने हाल ही में निर्धन रेखा सम्बन्धी घोषणा की है, जो निम्न है–

(i) ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 26 ₹ प्रतिदिन।
(ii) नगरीय क्षेत्रों में प्रतिव्यक्ति 32 ₹ प्रतिदिन।

निम्नांकित 21-30 प्रश्नों के कथन और उनके उत्तर के करण का कूट के अनुसार सही उत्तर का चयन कीजिए :

21. अभिकथन (A) : गिफ्फन का विरोधाभाष वास्तविक संसार में कम घटित होता है।

तर्क (R) : जिन वस्तुओं के उचित प्रतिस्थापन उपलब्ध रहते हैं, उन घटिया वस्तुओं को कम परिभाषित किया जाता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन तर्क (R) गलत है।

22. अभिकथन (A) : उपभोग के जीवन चक्र सिद्धान्त के अनुसार, किसी व्यक्ति के उपभोग का स्तर उसकी मौजूदा आय पर ही नहीं वरन् उसकी दीर्घकालिक अपेक्षित आय पर भी निर्भर करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (R) : व्यक्ति से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने जीवनकाल में प्रत्याशित आय के आधार पर ही अपने खर्च के नमूने (पैटर्न) की योजना बनाएगा।

कूट :

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही है और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

Ans : (d) उपभोग के जीवन चक्र परिकल्पना का प्रतिपादन एण्डो-मोदिग्यिानी ने किया। इस परिकल्पना के अनुसार उपभोग किसी उपभोक्ता के पूरे जीवनकाल की प्रत्याशित आय पर निर्भर करता है। प्रत्याशित आय में परिसम्पत्तियों एवं श्रम आय दोनों का समावेश होता है। एक उपभोक्ता की जीवन अवधि दी होने पर उसका उपभोग उसके संसाधनों के अनुपात में होता है। परन्तु वह अपने संसाधनों को व्यय करने की जो योजना बनाता है, उसका नियम यह है कि जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उसकी व्यय बढ़ती है, जीवन के मध्य वर्षों में ऊँची होती है और सेवानिवृत्ति पर एकदम कम हो जाती है। इस प्रकार उसका उपभोग स्तर समस्त जीवन काल में लगभग स्थिर अथवा थोड़ा बढ़ता हुआ रहता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है।

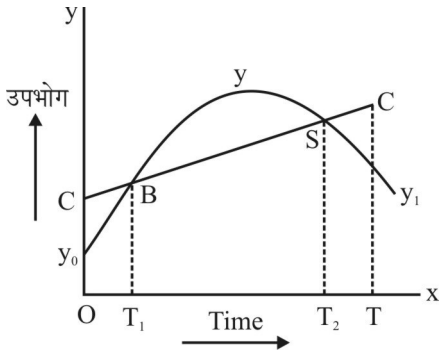

23. **अभिकथन (A) : प्रभावी माँग को संपत्ति के अधिक समान वितरण द्वारा बढ़ाया जा सकता है।**
तर्क (R) : तीस अथवा चालीस इकाइयों, जिनकी आय औसतन एक लाख और पाँच लाख के बीच हो, द्वारा उस एक व्यक्ति की तुलना में जिसकी आय 10 लाख प्रति वर्ष है कहीं अधिक प्रभावी माँग पैदा होगी।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

24. **अभिकथन (A) : 2004-05 से 2007-08 के दौरान भारत में वित्तीय एकाग्रता प्रक्रिया दिखाई दी।**
तर्क (R) : इस अवधि में कर राजस्व में उछाल आया।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (a) वर्ष 2004-05 से 2007-08 के दौरान भारत में वित्तीय एकाग्रता प्रक्रिया दिखाई दी। इस दौरान भारत की आर्थिक वृद्धि दर भी बढ़ी। उत्पादन व राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि हुई। जिसके परिणामस्वरूप कर राजस्व में वृद्धि हुई।

25. **अभिकथन (A) : K/L अनुपात समय पा कर सन्तुलित अनुपात की दिशा में समायोजन बैठा लेगा।**
तर्क (R) : क्योंकि उत्पादन के तकनीकी गुणांक परिवर्तनशील होते हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (a) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) K/L (तकनीकी गुणांक) अनुपात समय पाकर संतुलित अनुपात की दिशा में समायोजन बैठा लेगा, क्योंकि उत्पादन के तकनीकी गुणांक परिवर्तनशील होते है।

26. **अभिकथन (A) : देश में समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु वित्तीय समावेश अपेक्षित है।**
तर्क (R) : आम आदमी तक विकास के लाभों को पहुँचाने के लिए निवेश क्रियाओं को बढ़ाने की आवश्यकता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

Ans : (b) देश में समाज के कमजोर वर्ग का विकास करने के लिए वित्तीय समावेशन आवश्यक है ताकि अल्प आय व कमजोर वर्ग, जो बैंकिंग सेवाओं से वंचित रह गया है, को वहनीय लागत पर बैंकिंग सेवायें उपलब्ध कराया जा सके। वित्तीय समावेशन समावेशी विकास की एक आवश्यक कड़ी है। इसके लिए बैंकों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धन व कमजोर वर्ग के विकास के लिए ऋण प्रदान किया जाये ताकि पूँजी उपलब्ध होने से निवेश बढ़े जिससे उत्पादन, रोजगार, आय व बचत दर बढ़ें।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. **अभिकथन (A) : स्थिरता की स्थिति पूँजी निर्माण की प्रक्रिया का अन्त है।**
तर्क (R) : प्राकृतिक साधनों एवं पूँजी की कमी किसी अर्थव्यवस्था को गतिहीनता की दशा में लाती हैं।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) (A) और (R) दोनों सही है और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

28. **अभिकथन (A) : विनियोग में पूर्ति प्रभाव निहित है।**
तर्क (R) : क्योंकि यह उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) किसी भी अर्थव्यवस्था में विनियोग का स्तर पूँजी निर्माण व बचत स्तर पर निर्भर करता है। विनियोग में वृद्धि होने पर उत्पादन बढ़ता है, रोजगार का स्तर बढ़ता है, जिससे प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि होती है तथा इससे लोगों की उपभोग में वृद्धि होती है जो मांग में वृद्धि करता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन बढ़ता है।
हैरोड-डोमर ने भी अपने विकास मॉडल में विनियोग के दो पक्ष की बात की है–एक ओर विनियोग आय का सृजन करता है तथा दूसरी ओर विनियोग पूँजी स्टॉक को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था की उत्पादकता को बढ़ाता है।

29. **अभिकथन (A) : स्वर्णमान अन्ततः द्वितीय विश्व युद्ध के उपरान्त छोड़ दिया गया।**
तर्क (R) : देशों में स्फीति दर भिन्न-भिन्न थी।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (a) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) प्रथम विश्व युद्ध के बाद बहुत से देश स्वर्णमान प्रणाली को लाने के प्रयत्न किये, परन्तु 1930 की विश्वव्यापी मंदी तथा इसके बाद द्वितीय युद्ध ने हर देश को स्वर्णमान जोड़ने पर मजबूर कर दिया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता ने स्वर्णमान प्रणाली को पूर्णतः समाप्त कर दिया। इस समय विभिन्न देशों में स्फीति की दर अलग-अलग थी। एक विनिमय दर निर्धारित नहीं थी। जिससे विश्वव्यापार में और गिरावट आई और बेरोजगारी व मंदी की स्थिति उत्पन्न हो गई।

30. **अभिकथन (A) : भारतीय कृषि में छद्म बेरोजगारी विद्यमान है।**
तर्क (R) : कृषि की सीमांत उत्पादकता लगभग शून्य है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (a) छद्म बेरोजगारी से तात्पर्य कृषि क्षेत्र में पाई जाने वाली वह बेरोजगारी है, जहाँ श्रमिकों की सीमांत उत्पादकता शून्य होती है। यदि इनको कृषि क्षेत्र से हटा दिया जाये तो कृषि क्षेत्र की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।
भारत एक कृषि प्रधान देश है। अतः भारतीय कृषि में छद्म बेरोजगारी विद्यमान है।

निम्नांकित 31-40 प्रश्नों को पढ़िए एवं कूट के अनुसार सही क्रम का चुनाव कीजिए।

31. **निम्नलिखित को कालक्रमानुसार रखिए :**
I. सी ई एस उत्पादन फलन
II. कॉब-डगलस उत्पादन फलन
III. ट्राँसलौग उत्पादन फलन
IV. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम
कूट :
(a) III, I, IV, II (b) I, IV, II, III
(c) IV, II, I, III (d) II, III, I, IV

Ans : (c)
(IV) परिवर्तनीय अनुपातों का नियम–(श्रीमती जॉन रॉबिन्सन, बेन्हम, स्टिगलर)
(II) कॉब-डगलस उत्पादन फलन–(1897-1947 तक)
(I) सी.ई.एस. उत्पादन फलन–(ऐरों, चेनरी, मिन्हास व सोलों ने 1961)
(III) ट्रांसलौग उत्पादन फलन–

32. **निम्नलिखित योजनाओं पर विचार कीजिए :**
I. ई ए एस II. ट्राईसेम
III. जे आर वाई IV. आर एल ई जी पी
इन योजनाओं को लागू करने के सही कालक्रम को चुनिए-
कूट :
(a) I, IV, I, III (b) IV, II, III, I
(c) IV, III, I, II (d) II, V, III, I

Ans : (d)
(II) ट्राईसेम – 1979
(IV) आर.एल.ई.जी.पी.– 1983
(III) जे.आर.वाई. – 1989
(I) ई.ए.एस. – (Employment Assurance scheme) –2 अक्टूबर, 1993

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. मुद्रा के उद्गम को कालक्रम में रखिए -

I. चैक II. धातु मुद्रा
III. वस्तु मुद्रा IV. कागज मुद्रा

सही उत्तर का चयन कीजिए -

कूट :

(a) IV, I, III, II (b) I, III, II, IV
(c) III, II, IV, I (d) II, IV, I, III

Ans : (c) (III) वस्तु मुद्रा
(II) धातु मुद्रा
(IV) कागज मुद्रा
(I) चैक

34. निम्नलिखित सिद्धान्तों को कालक्रमानुसार रखिए :

(a) परिमाण सिद्धान्त का पुनर्कथन
(b) आय सिद्धान्त
(c) परिमाण सिद्धान्त
(d) नगद शेष उपागम

प्रदत्त कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कूट :

(a) I, II, IV, III (b) III, I, II, IV
(c) IV, III, I, II (d) III, IV, II, I

Ans : (d)
(III) परिमाण सिद्धांत – 16वीं शताब्दी में डेवन जेटी।
(IV) नकद शेष उपागम – 1917 के पीगू समी. से
(II) आय सिद्धांत – 1956
(I) परिमाण सिद्धांत का पुनर्कथन – 1959

35. पारम्परिक अर्थशास्त्रियों के सही कालक्रम की पहचान कीजिए-

(a) एडम स्मिथ, माल्थस, रिकार्डो, जे.एस. मिल
(b) एडम स्मिथ रिकार्डो, माल्थस, जे.एस. मिल
(c) एडम स्मिथ, जे.एस. मिल, रिकार्डो, माल्थस
(d) एडम स्मिथ, माल्थस, जे.एस. मिल, रिकार्डो

Ans : (b) एडम स्मिथ, रिकार्डो, माल्थस, जे.एस. मिल।

36. शुम्पीटर विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया है

(a) मधुमक्खी समान झुंड, नवप्रवर्तन, बैंक साख, वर्तुल प्रवाह भंग करना
(b) वर्तुल प्रवाह भंग करना, नवप्रवर्तन, बैंक साख, मधुमक्खी समान झुंड
(c) नवप्रवर्तन, बैंक साख, वर्तुल प्रवाह भंग करना, मधुमक्खी समान झुंड
(d) बैंक साख, नवप्रवर्तन, मधुमक्खी समान झुंड, वर्तुल प्रवाह भंग करना

Ans : (b) शुम्पीटर विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया निम्न है–
(1) वर्तुल प्रवाह भंग करना।
(2) नवप्रवर्तन
(3) बैंक साख
(4) मधुमक्खी समान झुंड

37. निम्नलिखिम सिद्धान्तों को उनके प्रतिपादन के कालानुसार क्रमबद्ध कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

I. तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धान्त
II. निरपेक्ष लागत लाभ सिद्धान्त
III. लियोनटिफ विरोधाभास
IV. संसाधन प्रचुरता सिद्धान्त

कूट :

(a) I, III, II, IV (b) II, III, IV, I
(c) II, I, IV, III (d) I, IV, II, III

Ans : (c)
(II) निरपेक्ष लागत लाभ सिद्धांत – 1776 में Wealth of Nations
(I) तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धांत – 1817
(IV) संसाधन प्रचुरता सिद्धांत – 1919 में हैक्शर, 1933 में ओलिन
(III) लिओण्टिफ विरोधाभास – 1951

38. आर्थिक विकास के विभिन्न सोपानों के सेही क्रम का चयन कीजिए

I. उच्च जनसामान्य उपभोग काल
II. पारम्परिक समाज
III. टेक ऑफ सोपान
IV. परिपक्वता की ओर अग्रसर

कूट :

(a) I, III, IV, II (b) II, IV, I, III
(c) III, I, II, IV (d) II, III, IV, I

Ans : (d) विकास के चरण प्रो0 रोस्टोव द्वारा दिया गया है। आर्थिक विकास के विभिन्न सोपानों का सही क्रम निम्न है–
(II) पारम्परिक समाज
(III) टेक ऑफ सोपान
(IV) परिपक्वता की ओर अग्रसर
(I) उच्च जनसामान्य उपभोग काल

39. निम्नलिखित को उनके लागू होने के समय को ध्यान में रखते हुए सही क्रम में कीजिये। प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

I. भूमि राजस्व II. बिक्री कर
III. मोडवेट IV. सेवा कर

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) II, IV, I, III
(c) III, II, IV, I (d) IV, II, I, III

Ans : (a) (I) भूमि राजस्व – प्राचीन काल से
(II) बिक्री कर – 1938 में मध्य प्रांत द्वारा
(III) मोडवेट – 1986–87
(IV) सेवा कर – 1994–95

40. सही कालक्रम निर्धारित कीजिए

I. तीन या तीन से अधिक नमूनों के माध्यमों के बीच अंतरों के महत्त्व का फिशर का एक-परीक्षण
II. केंडल का आंशिक रैंक सहसंबंध
III. दो नमूनों के माध्यों के बीच अंतरों के महत्त्व के गोसेट का टी परीक्षण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

IV. नमूने के मूल्यों का वक्र की उपयुक्तता और यादृच्छिक की उपयुक्तता के अच्छाई का χ^2 परीक्षण

कूट :

(a) III, I, II, IV (b) I, II, III, IV
(c) IV, III, II, I (d) I, II, IV, III

Ans : (a) (III) दो नमूनों के माध्यों के बीच अन्तरों के महत्व के गोसेट का टी-परीक्षण।
(I) तीन या तीन से अधिक नमूनों के माध्यमों के बीच अन्तरों के महत्व का फिशर का एक-परीक्षण।
(II) केंडल का आंशिक रैंक सहसम्बन्ध।
(IV) नमूने के मूल्यों का वक्र की उपयुक्तता और यादृच्छिक की उपयुक्तता के अच्छाई का x^2 परीक्षण।

प्रश्न 41-50 सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिये गये कूटों के अनुसार सही उत्तर दीजिए :

41.

	सूची – I	सूची – II
I.	फर्म का व्यवहार सिद्धन्त	1. जे.बी. क्लार्क
II.	वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त	2. साइर्ट और मार्क
III.	कल्याण का दोहरा मापदंड	3. केनेथ एरो
IV.	असंभवता का सिद्धान्त	4. सिटोवोस्की

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	1	4	3
(b)	3	2	4	1
(c)	1	4	3	2
(d)	2	1	3	4

Ans : (a)
(a) फर्म का व्यवहार सिद्धांत – 2. साइर्ट और मार्क
(b) वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत – 1. जे.बी. क्लार्क
(c) कल्याण का दोहरा मापदंड – 4. सिटोवोस्की
(d) असंभवता सिद्धांत – 3. केनेथ ऐरो

42.

	सूची – I	सूची – II
I.	नया क्लासकीय अर्थशास्त्र	1. टी एच हवाल्मो
II.	स्थायी आय की कल्पना	2. रॉबर्ट लुकास
III.	संतुलित बजट का बहु प्रभाव	3. एन ग्रेगोरी मानकिव
IV.	नया केन्सिस अर्थशास्त्र	4. मिल्टन फ्रीडमैन

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	3	4	1	2
(b)	4	3	2	1
(c)	2	4	1	3
(d)	1	2	4	3

Ans : (c)
(a) नया क्लासिकीय अर्थशास्त्र – 2. रॉबर्ट लुकास।
(b) स्थायी आय की कल्पना – 4. मिल्टन फ्रीडमैन।
(c) संतुलित बजट का बहु प्रभाव – 1. टी.एच. हवाल्मों।
(d) नया केन्सिस अर्थशास्त्र – 3. एन-ग्रेगोरी मानकिव।

43.

	सूची – I	सूची – II
I.	अदृश्य हस्त	1. कार्ल मार्क्स
II.	वारियर नाइट	2. एडम स्मिथ
III.	पी.क्यू.एल.आई.	3. शुम्पीटर
IV.	मूल्य आधिक्य	4. मोरिस डी मोरिस

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	1	4	2	3
(b)	2	3	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	4	3	2	1

Ans : (b) (a) अदृश्य हस्त – 2. एडम स्मिथ।
(b) वारियर नाइट – 3. शुम्पीटर।
(c) पी.क्यू.एल.आई. – 4. मॉरिस डी मॉरिस।
(d) मूल्य आधिक्य – 1. कार्ल मार्क्स

44.

	सूची – I	सूची – II
I.	चार क्षेत्रीय प्रतिरूप	1. रोजेन्स्टीन रोडान
II.	आवश्यक न्यूनतम प्रयास का सिद्धान्त	2. आर्थर लुइस
III.	बिग पुश सिद्धान्त	3. महालनोबिस
IV.	श्रमिकों की असीमित पूर्ति का सिद्धान्त	4. लेवेस्टिन

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	4	3	2	1
(b)	3	4	1	2
(c)	4	1	3	2
(d)	1	2	4	3

Ans : (b)
(a) चार क्षेत्रीय प्रतिरूप – 3. महालनोबिस।
(b) आवश्यक न्यूनतम प्रयास का सिद्धांत – 4. लीबिन्स्टीन।
(c) बिग पुश सिद्धांत – 1. रोजेन्स्टीन रोडान।
(d) श्रमिकों की असीमित पूर्ति का सिद्धांत – 2. आर्थर लुइस।

45.

	सूची – I	सूची – II
I.	खाद्यान्न उत्पादन	1. औद्योगिक क्षेत्र
II.	कीमत स्तर	2. राजस्व घाटा
III.	औद्योगिक संवृद्धि	3. कृषि क्षेत्र
IV.	राजकोषीय सूचक संकेत	4. थोक मुल्य सूचकांक

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	4	2	1	3
(b)	3	4	2	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	3	4	1

Ans : (c) (a) खाद्यान्न उत्पादन – 3. कृषि क्षेत्र।
(b) कीमत स्तर – 4. थोक मूल्य सूचकांक।
(c) औद्योगिक संवृद्धि – 1. औद्योगिक क्षेत्र।
(d) राजकोषीय सूचक संकेत – 2. राजस्व घाटा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46.

सूची–I	सूची–II
I. राष्ट्रीय कृषि नीति	1. 2004
II. समुद्रीय मत्स्य नीति	2. 1978
III. नवीन विदेशी व्यापार नीति	3. 2000
IV. सातवां वित्तीय आयोग	4. 2004

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	1	3	4
(b)	4	3	1	2
(c)	1	4	2	3
(d)	3	1	4	2

Ans : (d) (a) राष्ट्रीय कृषि नीति – 3. 2000
(b) समुद्रीय मत्स्य नीति – 1. 2004
(c) नवीन विदेशी व्यापार नीति – 4. 2004
(d) 7वां वित्तीय आयोग – 5. 1978

47.

सूची – I	सूची – II
I. जी.ए.टी.टी.	1. भुगतान शेष प्रबन्धन
II. आई.एम.एफ.	2. विकास वित्त
III. आई.बी.आर.डी.	3. मुक्त व्यापार
IV. यू.एन.ओ.	4. राष्ट्रों के बीच शान्ति बनाये रखना

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	1	4	3
(b)	3	1	2	4
(c)	2	3	1	4
(d)	4	1	3	2

Ans : (b)
(a) जी.ए.टी.टी. – 3. मुक्त व्यापार।
(b) आई.एम.एफ. – 1. भुगतान-शेष प्रबन्धन।
(c) आई.बी.आर.डी. – 2. विकास वित्त।
(d) यू.एन.ओ. – 4. राष्ट्रों के बीच शांति बनाये रखना।

48.

सूची – I	सूची – II
I. एडम स्मिथ	1. उपलब्धता सिद्धान्त
II. डेविड रिकार्डो	2. संसाधन विपुलता
III. ओहलिन	3. निरपेक्ष लाभ
IV. आई.बी.क्राविस	4. तुलनात्मक लाभ

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	4	3	1
(d)	4	3	1	2

Ans : (b) (a) एडम स्मिथ – 3. निरपेक्ष लाभ।
(b) डेविड रिकार्डो – 4. तुलनात्मक लाभ।
(c) ओहलिन – 2. संसाधन विपुलता।
(d) आई.बी. क्राविस – 1. उपलब्धता सिद्धांत।

49.

सूची – I	सूची – II
I. साधारण यादृच्छिक नमूना	1. एक परीक्षण के सभी मदों के चयन की समान सम्भाव्यता
II. यादृच्छिक नमूना	2. सभी परीक्षणों में प्रत्येक पद की समान संभाव्यता
III. स्तरित यादृच्छिक नमूना	3. प्रथम का यादृच्छिक चयन से तथा अन्य सभी का प्रदत्त मापदण्ड के अनुसार
IV. स्तरित सुव्यस्थित यादृच्छिक नमूना	4. प्रत्येक स्तर से सभी मदों का यादृच्छिक चयन

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	1	2	3	4
(b)	3	1	4	2
(c)	4	3	1	2
(d)	2	1	4	3

Ans : (d)
(a) साधारण यादृच्छिक नमूना – 2. सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान संभाव्यता।
(b) यादृच्छिक नमूना – 1. एक परीक्षण के सभी मदों के चयन की समान संभाव्यता
(c) स्तरित यादृच्छिक नमूना – 4. प्रत्येक स्तर से सभी मदों का यादृच्छिक चयन।
(d) स्तरित सुव्यवस्थित यादृच्छिक नमूना – 3. प्रथम का यादृच्छिक चयन से तथा अन्य सभी का प्रदत्त मापदण्ड के अनुसार।

50.

सूची – I	सूची – II
I. आई.एस-एल. एम. सिद्धान्त	1. फ्रेंको मोदिग्लियानी और रिचर्ड ब्रमबर्ग
II. उपभोगता रैचिट	2. ल्यूकास और सार्जेंट
III. जीवन-चक्र प्रकल्पना	3. हिक्स और हेंसन
IV. केन्स अर्थशास्त्र के आलोचक	4. जेम्स डियूसनबर्ग

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	3	4	1	2
(b)	3	2	1	4
(c)	4	3	1	2
(d)	1	3	4	2

Ans : (a)
(a) आई.एस.एल.एम. सिद्धांत – 3. हिक्स और हेंसन।
(b) उपभोगता रैचिट – 4. जेम्स ड्यूजेनबरी।
(c) जीवन-चक्र परिकल्पना – 1. फ्रेंको मोदिग्लियानी और रिचर्ड ब्रमबर्ग।
(d) केन्स अर्थशास्त्र के आलोचक – 2. ल्यूकास और सार्जेंट।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2012

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. वालेरसियन सामान्य संतुलन का हल विद्यमान होगा यदि और केवल यदि :

(a) स्थिर बिन्दु प्रमेय की शर्तें संतुष्ट हो गई हैं।
(b) इष्टतमता की पैरेटो शर्त संतुष्ट हो गई है।
(c) हिक्स की स्थिरता स्थितियाँ संतुष्ट हो गयी हैं।
(d) आय वितरण के पैरेटो नियम की शर्त संतुष्ट है।

Ans : (b) वालेरसियन का सामान्य संतुलन मॉडल स्थैतिक मॉडल है। इस मॉडल में सभी कीमतें संतुलनावस्था में पायी जाती है। प्रत्येक उपभोक्ता अपनी आय का उपयोग इस ढंग से करता है कि उसको अधिकतम संतोष प्राप्त हो। प्रत्येक उद्योग में सभी उत्पादन इकाइयों, सभी कीमतों और उत्पत्ति मात्राओं पर संतुलन अवस्था में होती है तथा उत्पादक साधनों की मांग व पूर्ति साम्य कीमतों पर एक दूसरे के समान पाई जाती हैं।

मान्यताएं –

1. उपभोक्ताओं की आय व रुचियाँ दी हुई व निश्चित हैं तथा उन्हें स्थिर मान लिया गया है।
2. वस्तुओं तथा उत्पत्ति साधनों के बाजार पूर्णतः प्रतियोगी होते हैं।
3. विभिन्न उद्योगों तथा स्थानों के मध्य उत्पत्ति के साधन पूर्णतः गतिशील होते है।
4. उत्पादन समता नियम के अन्तर्गत हो रहा है।
5. उत्पाद सेवाओं की सभी इकाइयां समरूप तथा सहजातीय है।
6. उत्पादन–प्रणाली तथा तकनीकी में परिवर्तन नहीं होते हैं।
7. श्रम व अन्य साधन पूर्ण रोजगार की स्थिति में होते हैं।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर अर्थव्यवस्था में सामान्य संतुलन की स्थिति है। जिसमें प्रत्येक वस्तु और सेवा की मांग ठीक उसकी पूर्ति के बराबर होती है। बाजार के सभी प्रतियोगियों द्वारा लिये गए निर्णय पूर्ण सामंजस्य में होते हैं। इस प्रकार प्रत्येक वस्तु खरीद के लिए उपभोक्ताओं के निर्णय ठीक वैसे ही होगे जैसे कि उत्पादकों द्वारा प्रत्येक वस्तु के विक्रय तथा उत्पादन हेतु लिए गये हैं। इस प्रकार वालेरसियन मॉडल के लिये अन्य वस्तुओं का यथास्थिर होना एक आवश्यक दशा है।

2. परिवर्धन (ऐडिंग अप) प्रमेय से सम्बन्धित सही कथन का चयन करें :

(a) यदि दी गई समयावधि के दौरान दिये गये उत्पादन (आउटपुट) द्वारा सृजित आय समस्त कारकों की औसत उत्पादकता के अनुसार वितरित की जाती है, तो कुल आय निःशेष हो जायेगी।
(b) आउटपुट से व्युत्पन्न कुल आय निःशेष हो जायेगी यदि सभी कारकों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के अनुसार भुगतान किया जाता है।
(c) कुल आय आउटपुट से व्युत्पन्न होती है बशर्ते कि समस्त कारकों को एक ही दर पर भुगतान किया जाता है।
(d) यदि समस्त कारकों का पारितोषिक वस्तु कीमत का, आनुपातिक है तो कुल आय निःशेष हो जायेगी।

Ans : (b) परिवर्धन (ऐडिंग अप) प्रमेय के अंतर्गत आउटपुट से व्युत्पन्न कुल आय निःशेष हो जाएगी यदि सभी कारकों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के अनुसार भुगतान किया जाता है।

3. उत्पादक पूँजी को श्रम से तब तक प्रतिस्थापित करेगा जब तक वो समोत्पाद वक्र के उस बिन्दु पर नहीं पहुँचता है जहाँ :

(a) उसके द्वारा उत्पादित वस्तु की कीमत मजदूरी की दर के बराबर है।
(b) तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर ब्याज दर के बराबर है।
(c) प्रतिस्थापन की तकनीकी दर की सीमान्त दर सीमान्त आय के बराबर है।
(d) प्रतिस्थापन की सीमान्त तकनीकी दर श्रम एवं पूँजी की सीमान्त उत्पादकता के अनुपात के बराबर है।

Ans : (d) उत्पादक पूंजी को श्रम से तब तक प्रतिस्थापित करेगा जब तक वो समोत्पाद वक्र के उस बिन्दु पर नहीं पहुँचता है जहाँ प्रतिस्थापन की सीमांत तकनीकी दर श्रम एवं पूँजी की सीमांत उत्पादकता के अनुपात के बराबर है।

तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमांत दर वह दर है जिस पर बिना उत्पादन के स्तर में परिवर्तन किये हुए साधनों में प्रतिस्थापन किया जा सके। K साधन के लिए L साधन की तकनीकि प्रतिस्थापन की दर K की वह मात्रा है जो L साधन की एक इकाई द्वारा प्रतिस्थापित की जा सकती है, यदि उत्पादन के स्तर में किसी प्रकार का परिवर्तन न हो।

$$\text{MRTS}_{LK} = \frac{\Delta K}{\Delta L} = \frac{MP_L}{MP_K}$$

4. सूची-I में मदों का सूची-II में मदों के साथ सुमेलित करें :

	सूची-I	सूची-II
I.	फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री का अधिकतमीकरण	1. मॉरिस
II.	फर्म के उद्देश्य के रूप में संवृद्धि का अधिकतमीकरण	2. बॉमोल
III.	फर्म के उद्देश्य के रूप में प्रबन्धकीय उपयोगिता प्रकार्य का अधिकतमीकरण	3. विलियमसन
IV.	फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री, लाभ तथा संवद्धि अधिकतमीकरण	4. काल्डॉर

निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	1	3	None
(b)	1	2	3	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	3	2	1

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) सही क्रम इस प्रकार है -

I. फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री का अधिकतमीकरण	2. बॉमोल
II. फर्म के उद्देश्य के रूप में संवृद्धि का अधिकतमीकरण	1. मॉरिस
III. फर्म के उद्देश्य के रूप में प्रबन्धकीय उपयोगिता प्रकार्य का अधिकतमीकरण	3. विलियमसन
IV. फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री, लाभ तथा संवद्धि अधिकतमीकरण	4. कोई नहीं

5. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. माँग का गणनवाची उपयोगिता सिद्धान्त	1. हिक्स
II. माँग का प्रकट वरीयता सिद्धान्त	2. अल्फ्रेड मार्शल
III. माँग का तटस्थता वरीयता सिद्धान्त	3. जॉन वोन न्यूमैन तथा मॉर्गस्टन
IV. अनिश्चिता के अर्न्तगत उपयोगिता सूचकांक सिद्धान्त	4. सैम्युलसन

निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	1	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	4	1	3
(d)	4	1	3	2

Ans : (c) सही क्रम इस प्रकार है –

I. माँग का गणनावाची उपयोगिता सिद्धान्त	2. अल्फ्रेड मार्शल
II. माँग का प्रकट वरीयता सिद्धान्त	4. सैम्युलसन
III. माँग का तटस्थता वरीयता सिद्धान्त	1. हिक्स
IV. अनिश्चिता के अर्न्तगत उपयोगिता सूचकांक सिद्धान्त	3. जॉन वॉन न्यूमैन तथा मॉर्गस्टन

6. उपादान प्रतिफल के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त के प्रतिपादकों को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

(1) जे.बी.क्लार्क (2) मार्शल
(3) वालरस (4) जेवॉन्स

सही उत्तर के लिये सही कूट का चयन करें :

कूटः

(a) 1,4,2,3 (b) 4,3,1,2
(c) 1,3,4.2 (d) 2,1,4,3

Ans. (*) : उपादान प्रतिफल के सीमांत उत्पादकता सिद्धांत के प्रतिपादकों का कालानुक्रमिक क्रम निम्न प्रकार है-
1. जे.वी. क्लार्क
4. जेवेन्स
3. वालरस
2. मार्शल

7. अभिकथन (A) : चेम्बरलिन का नान-कॉल्युसिव/ दुरभि सन्धि मॉडल दावा करता है कि स्थाई संतुलन तभी प्राप्त किया जा सकता है जब प्रत्येक फर्म एकाधिकारी कीमत लगाती है और अपने उत्पादों के लिये बाजार माँग को समतुल्य रूप से बाँटती है।

कारण (R) : फर्म लाभ अधिकतमीकरण के उद्देश्य के साथ कीमत सम्बन्धी निर्णय से जुड़ी क्रिया तथा प्रतिक्रिया के सम्बन्ध में पारम्परिक अंतः निर्भरता को पहचानती है। यह तभी प्राप्त की जा सकेगी जब कीमत उस स्तर पर निर्धारित होती है जो सीमान्त लागत को साम्य करती है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं,और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं,परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (R) सही है,परंतु (A) सही नहीं है।

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही हैं,परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या है।

8. उदासीनता वक्र की व्युत्पत्ति का प्रकट वरीयता उपागम :

(a) अवलोकित व्यक्ति की पसन्दों की समयोपरि स्थिरता की कल्पना करता है।
(b) कल्पना करता है कि समस्त व्यक्तियों की एक समान पसन्द होती है।
(c) एकल व्यक्ति के बाजार व्यवहार के पुनरावृत्त अवलोकनों पर आश्रित है।
(d) (a) और (c) द्वारा सही व्याख्या की गई है।

Ans : (d) प्रो. पॉल सेमुएलसन ने व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण (Revealed Preference Approach) का प्रतिपादन 1948 में किया। सेम्युएलसन ने यह प्रतिपादित किया कि उपभोक्ता के व्यवहार या चुनाव के सिद्धांत के सम्बन्ध में सभी विश्लेषण उन क्रयों के पर्यवेक्षण के आधार पर किया जा सकता है जिसे कोई उपभोक्ता विभिन्न मूल्यों पर वास्तव में क्रय करता है। उनके अनुसार बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह संस्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा।

मान्यता –

1. विवेकपूर्ण व्यवहार
2. सकर्मकता – $A > B$ तथा $B > C$ तो $A > C$
3. व्यक्त अधिमान की अवधारणा
4. उपभोक्ता की रुचि दी हुई है।
5. सबल क्रमबद्धता
6. स्थिर व्यवहार की अवधारणा।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर सेम्युलसन अपना सिद्धांत प्रस्तुत करते हैं सेम्युलसन के अनुसार जब कोई उपभोक्ता बाजार में वस्तुओं के एक संयोग के क्रय का निर्णय करता है तो इसके दो कारण हो सकते हैं–

1. वह वस्तुओं के अन्य संयोग की अपेक्षा उस विशिष्ट संयोग को अधिक चाहता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2. वह संयोग अन्य संयोग की तुलना में सस्ता है।

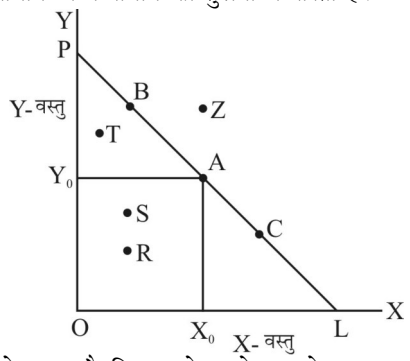

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि उपभोक्ता ने A को चुना जबकि बजट रेखा PL पर स्थित अन्य संयोग B, C तथा OPL के अन्दर स्थित T, S, R बिन्दु उसकी क्रय शक्ति के अन्दर थे परन्तु उपभोक्ता ने A बिन्दु को चुना। अतः उपभोक्ता A बिन्दु पर संतुलन में है।

9. कीन्सवादी अर्थशास्त्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?

(a) मुद्रा का वेग उसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है।
(b) श्रम,मुद्रा भ्रान्ति से प्रभावित होता है।
(c) समग्र आपूर्ति फलन पूर्ण रोजगार के नीचे के उत्पादन (आउटपुट) के स्तरों पर सपाट होने लगता है और पूर्ण क्षमता की स्थिति आने पर अतिप्रवण हो जाता है।
(d) समग्र आपूर्ति अनुसूची ऊर्ध्वाकार होती है, और उत्पादन (आउटपुट) तथा रोजगार पूर्णतया आपूर्ति से निर्धारित है।

Ans : (d) कीन्सवादी अर्थशास्त्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथन सत्य है –
1. मुद्रा का वेग उसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है।
2. श्रम मुद्रा भ्रांति से प्रभावित होता है।
3. समग्र आपूर्ति फलन पूर्ण रोजगार के नीचे के उत्पादन (आउटपुट) के स्तरों पर सपाट होने लगता है और पूर्ण क्षमता की स्थिति आने पर अति प्रवण हो जाता है।

जबकि समग्र आपूर्ति अनुसूची ऊर्ध्वाकार होती है, और उत्पादन (आउटपुट) तथा रोजगार पूर्णतया आपूर्ति से निर्धारित है, यह कथन कीन्सवादी अर्थशास्त्र से सम्बन्धित नहीं है।

10. टॉबिन का निवेश का क्यू-सिद्धान्त इंगित करता है कि फर्में पूँजी के अपने स्टॉक में योग करती हैं जब :

(a) उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों का प्रतिस्थापन मूल्य उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों के बाजार मूल्य से अधिक होता है।
(b) उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों का, बाजार मूल्य उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों के प्रतिस्थापन मूल्य से अधिक होता है।
(c) उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों का बाजार मूल्य उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों के अंकित मूल्य से अधिक होता है।
(d) उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों का बाजार मूल्य उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों के अंकित मूल्य से अधिक होता है।

Ans : (b) टॉबिन का निवेश का क्यू-सिद्धांत इंगित करता है कि फर्में पूँजी के अपने स्टाक में योग करती हैं जब उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों का बाजार मूल्य उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों के प्रतिस्थापन मूल्य से अधिक होता है।

11. जब वर्तमान आय में नकारात्मक क्षणिक (अल्पकालिक) घटक समाविष्ट हैं, तो वर्तमान आय से सम्बन्धित उपभोग निम्नलिखित को उत्पन्न करेंगे :

(a) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति (या प्रवणता) जो उपभोग करने की दीर्घकालिक औसत प्रवृत्ति (या प्रवणता) से कम है।
(b) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति जो उपभोग करने की औसत दीर्घकालिक प्रवृत्ति से उच्चतर है।
(c) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति (या प्रवणता) जो उपभोग करने की दीर्घकालिक औसत प्रवणता के बराबर है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans : (b) जब वर्तमान आय में नकारात्मक क्षणिक (अल्पकालिक) घटक समाविष्ट हो तो वर्तमान आय से सम्बन्धित उपभोग, उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति जो उपभोग करने की औसत दीर्घकालिक प्रवृत्ति से उच्चतर है, को उत्पन्न करेंगे।

12. तरलता जाल वो स्थिति है जब-

(a) समस्त संभावित निवेशकर्ता भविष्य में ब्याज की दर के बढ़ने की अपेक्षा करते हैं।
(b) समस्त संभावित निवेशकर्ता भविष्य में ब्याज की दर के गिरने की अपेक्षा करते हैं।
(c) ब्याज की प्राकृतिक दर ब्याज की क्रान्तिक दर के ऊपर स्थित है।
(d) अनुमानिक उद्देश्य के लिये मुद्रा की माँग ब्याज-बेलोचदार होती है।

Ans : (a) तरलता जाल वो स्थिति है जब समस्त संभावित निवेशकर्ता भविष्य में ब्याज की दर के बढ़ने की अपेक्षा करते है। कीन्स ने यह प्रतिपादित किया कि जैसे-जैसे ब्याज दर गिरती जाएगी, लोगों की निष्क्रिय नकद शेष की मांग बढ़ती जाएगी, मंदड़िये बाण्ड की जगह नकद शेष रखना पसंद करेगें। ब्याज की एक अत्यंत ही कम दर पर ऐसी स्थिति आ जाएगी जबकि सभी विनियोजक मंदड़िये प्रवृत्ति के हो जाएंगे कोई बाण्ड नहीं रखना चाहेगा। सभी बाण्ड बेचकर नकद शेष रखने लगेंगे, ऐसी स्थिति में उस निम्न ब्याज दर पर तरलता की मांग पूर्णतया लोचदार हो जाएगी, इसी स्थिति को कीन्स ने 'तरलता जाल' कहा। यह ऐसी स्थिति है जबकि मौद्रिक अधिकारियों द्वारा जो भी मुद्रा सृजित की जाती है, सब लोगों की संपत्ति में ही फंस जाती है, ब्याज दर में कमी नहीं ला पाती है।

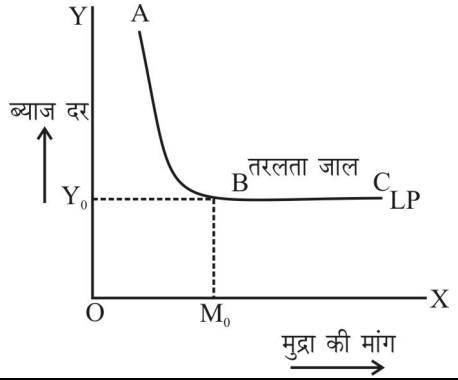

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. आर्थिक संवृद्धि के हैरोड मॉडल में, यदि संवृद्धि की समाश्वित दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे है तो फिर किसके साथ समाश्वित दर पर संवृद्धि की नियमित स्थिति कायम रखना सम्भव होता है?

(a) निरन्तर बढ़ती बरोजगारी (b) बेरोजगारी की स्थायीदर
(c) निरन्तर गिरती बेरोजगारी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) आर्थिक संवृद्धि के हैरोड मॉडल में, यदि संवृद्धि की समाश्वित दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे है तो फिर निरंतर बढ़ती बेरोजगारी के साथ समाश्वित दर पर संवृद्धि की नियमित स्थिति कायम रखना सम्भव होता है।

14. ए.डब्लू. फिलिप्स मुद्रा स्फीत-बेरोजगारी 'ट्रेड-ऑफ' सम्बन्ध की विशेषता क्या नहीं है ?

(a) बेरोजगारी की दर तथा मजदूरी की दर में परिवर्तन की दर के बीच अरैखिक प्रतिलोम सम्बन्ध ।
(b) फिलिप्स वक्र के चारों ओर प्रति दक्षिणावर्त फंदा होता है।
(c) मजदूरी स्फीति-बेरोजगारी सम्बन्ध पूर्वानुमेय होता है।
(d) जब मुद्रा स्फीति की प्रत्याशित दर स्थान बदलती है फिलिप्स वक्र भी स्थान बदलता है।

Ans : (d) फिलिप्स वक्र का प्रतिपादन ए. डब्ल्यू फिलिप्स द्वारा 1958 में किया गया। फिलिप्स वक्र बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी परिवर्तनों की दर में सम्बन्ध का निरीक्षण करता है। फिलिप्स ने ब्रिटेन में 1861–1957 की अवधि के मौद्रिक मजदूरी दरों तथा बेरोजगारी के बीच के सम्बन्ध का अध्ययन किया और इससे प्राप्त आकड़ों के आधार पर यह निष्कर्ष दिया कि बेरोजगारी की दर और मौद्रिक मजदूरी के बीच विपरीत सम्बन्ध होता है। जब बेरोजगारी बहुत होती है तो मुद्रा मजदूरी दरों के बढ़ने की दर नीची तथा इसके विपरीत जब बेरोजगारी कम होती है तो मुद्रा मजदूरी दरों में वृद्धि की दर ऊँची होती है। बाद में फिलिप्स वक्र का प्रयोग बेरोजगारी तथा स्फीति के मध्य सम्बन्ध दिखाने के लिए किया जाने लगा।

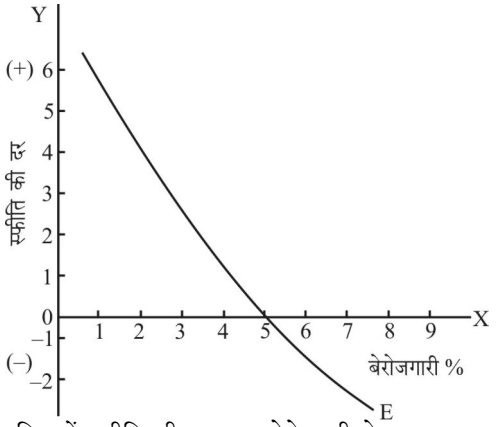

प्रस्तुत चित्र में स्फीति की दर तथा बेरोजगारी के मध्य सम्बन्ध को दिखाया गया है।

15. मान लीजिये कि पूर्ण रोजगार की स्थिति है और ऊर्ध्वाकार समग्र आपूर्ति अनुसूची है। तो अंकित मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि :

(a) ब्याज की दर को घटा देती है और उत्पादन का स्वरूप परिवर्तित करती है।
(b) वास्तविक उत्पादन (आउटपुट) में आनुपातिक वृद्धि लाता है।
(c) वास्तविक मुद्रा आपूर्ति या उत्पादन के स्वरूप पर कोई प्रभाव नहीं डालती है।
(d) वास्तविक मुद्रा आपूर्ति को बढ़ाती है जो कि आउटपुट के स्वरूप में परिवर्तन लाती है।

Ans : (c) मान लीजिये कि पूर्ण रोजगार की स्थिति है और ऊर्ध्वाकार समग्र आपूर्ति अनुसूची है तो अंकित मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि वास्तविक मुद्रा आपूर्ति या उत्पादन के स्वरूप पर कोई प्रभाव नहीं डालती है।

16. खुली अर्थव्यवस्था के मुन्डेल-फ्लेमिंग मॉडल के संदर्भ में, निम्नलिखित चरों पर विचार करें जो कि आई.एस. फलन का स्थान बदल देता है :

1. विनिमय की दर में वृद्धि
2. विदेशों की आय में वृद्धि
3. करों में कटौती
4. व्यापार की दर में गिरावट

इन कारकों के निम्नलिखित संयोजनों में से कौन सा आई.एस. फलन को ऊपर दाईं ओर खिसकाता है?

(a) 1, 2, 4 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 2, 3 (d) 3, 4, 1

Ans : (c) खुली अर्थव्यवस्था के फ्लेमिंग-मुण्डेल के अन्तर्गत निम्नलिखित कारक IS-वक्र को ऊपर दांयी ओर खिसकाता है–
1. विनिमय की दर में वृद्धि।
2. विदेशों की आय में वृद्धि।
3. करों में कटौती।

17. भारतीय रिज़र्व बैंक ने मार्च 2010 से रेपो दर में कितनी बार वृद्धि की है?

(a) ग्यारह बार (b) तेरह बार
(c) दस बार (d) बारह बार

Ans : (b) भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च, 2010 में रेपो दर में 13 बार वृद्धि की है।
यदि मौद्रिक प्रणाली में तरलता का स्तर वांछित स्तर से कम हो जाये तो भारतीय रिजर्व बैंक निश्चित मात्रा में तरलता में वृद्धि करने के लिए प्रतिभूतियों का क्रय एक निश्चित अनुबंध के साथ करती है कि एक निश्चित अवधि के बाद प्रतिभूतियों को लौटाकर राशि वापस ले लेगी, जिसे रेपो कहते है और जिस दर पर यह अनुबंध होता है, उसे रेपो दर कहा जाता है।

18. भारत में नगरीय क्षेत्रों में बी.पी.एल. परिवारों की पहचान के लिए निम्नलिखित में से कौन सी समिति स्थापित की गई है?

(a) तेंदुलकर समिति (b) सक्सेना समिति
(c) लकड़वाला समिति (d) हाशिम समिति

Ans : (d) भारत में नगरीय क्षेत्रों में बी.पी.एल. परिवारों की पहचान के लिए हाशिम समिति स्थापित की गई है।

19. 'स्वाभिमान' नाम का वृहद फाइनेंशियल इन्क्लूसन इनिशिएटिव औपचारिक रूप से कब प्रारम्भ किया गया था?

(a) फरवरी, 2010 (b) फरवरी, 2011
(c) फरवरी, 2009 (d) फरवरी, 2008

Ans : (b) 'स्वाभिमान' नाम का वृहद फाइनेंशियल इन्क्लूसन इनिशिएटिव औपचारिक रूप से फरवरी, 2011 में प्रारम्भ किया गया था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

20. किस पंचवर्षीय योजना ने 'ज्यादा तेज धारणीय तथा समावेशी संवृद्धि' पर जोर दिया है?

(a) ग्यारहवी पंचवर्षीय योजना
(b) बारहवीं पंचवर्षीय योजना
(c) दसवीं पंचवर्षीय योजना
(d) नौंवी पंचवर्षीय योजना

Ans : (b) 12वीं पंचवर्षीय योजना में 'ज्यादा तेज धारणीय तथा समावेशी समृद्धि' पर जोर दिया गया। 12वीं FYP की समयावधि 1 अप्रैल, 2012 से 31 मार्च, 2017 तक है। 12वीं पंचवर्षीय योजना में आर्थिक संवृद्धि दर का लक्ष्य 8% रखा गया है। कृषि क्षेत्र में लक्ष्य 4%, औद्योगिक क्षेत्र में 10.6%, सेवा क्षेत्र में 9%, विनिर्माण क्षेत्र में 10%, वृद्धि दर रखा गया है। 12वीं योजना के अंत तक गरीबी अनुपात में 10% की कमी लाना है।

21. औद्योगिक उत्पादन के संशोधित सूचकांक श्रृंखला के अन्तर्गत, 2004-05 को आधारवर्ष मानते हुए, समाविष्ट मदों की कुल संख्या 538 से कहाँ तक बढ़ी है?

(a) 682 (b) 662
(c) 652 (d) 642

Ans : (a) औद्योगिक उत्पादन के संशोधित सूचकांक श्रृंखला के अन्तर्गत, 2004-05 को आधार वर्ष मानते हुए समाविष्ट मदों की कुल संख्या 538 से बढ़कर 682 हो गई है।

22. निम्नलिखित में से किस राज्य में 2009-10 में अधिकतम प्रतिव्यक्ति आय थी?

(a) पंजाब (b) हरियाना
(c) मध्यप्रदेश (d) दिल्ली

Ans : (d) प्रति व्यक्ति आय $= \frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}}$

दिये गये प्रश्नानुसार राज्यों में प्रति व्यक्ति आय 2009-10 में अधिकतम था दिल्ली का। लेकिन वर्तमान आंकड़े के अनुसार 2015-16 में गोवा की प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिकतम है। दिल्ली का स्थान दूसरे नम्बर पर है।

23. निम्नलिखित में से किस राज्य में वर्ष 2010 में क्षेत्रीय ग्रामीणों बैंकों की शाखाओं की उच्चतम संख्या थी?

(a) बिहार (b) हरियाणा
(c) मध्यप्रदेश (d) पंजाब

Ans : (a) वर्ष 2010 में बिहार राज्य में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शाखाओं की उच्चतम संख्या थी।
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना 2 अक्टूबर, 1975 को की गई। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सिक्किम व गोंवा के अलावा सभी राज्यों में कार्यरत है। 31 मार्च, 2013 को इन बैंकों की संख्या 64 है।

24. नव आर्थिक नीति को अपनाने के उपरान्त भारतीय कृषि का विकास धीमा हो गया है क्योंकि :

1. फसल की लब्धि में निम्न वृद्ध
2. निम्न लोक निवेश या एकदम नहीं
3. स्थिर हरित क्रान्ति प्रौद्योगिकी
4. कृषि उत्पादों की निम्न फुटकर बाजार कीमतें

सही संयोजन का चयन करके सही उत्तर दें :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3
(c) 1, 2, 3 (d) 1, 4

Ans : (c) नव आर्थिक नीति को अपनाने के उपरांत भारतीय कृषि का विकास धीमा हो गया है। इसके निम्नलिखित कारण है–
1. फसल की लब्धि में निम्न वृद्धि।
2. निम्न लोक निवेश या एकदम नही।
3. स्थिर हरित क्रांति प्रौद्योगिकी।

25. मौद्रिकवादियों के अनुसार,मुद्रा आपूर्ति निम्नलिखित से बनती है :

(a) करेन्सी तथा मांग निक्षेप
(b) करेन्सी + मांग निक्षेप तथा सावधिक निक्षेप
(c) करेन्सी + मांग निक्षेप+सावधिक निक्षेप + ईक्विटी शेयर
(d) करेन्सी + सभी प्रकार के बैंक निक्षेप + अन्य संस्थानों के पास निक्षेप + उधार

Ans : (b) मौद्रिक-वादियों के अनुसार मुद्रा आपूर्ति करेन्सी + मांग निक्षेप तथा सर्वाधिक निक्षेप से बनती है।

मुद्रा आपूर्ति = करेन्सी + मांग निक्षेप तथा सावधिक निक्षेप

26. निम्नलिखति में कौन सा मुद्रा बाजार का विशेषीकृत उप बाजार नहीं हैं ?

(a) संपर्श्विक ऋण बाजार (b) बट्टा बाजार
(c) बॉण्ड (बंधपत्र) बाजार (d) स्वीकृति बाजार

Ans : (c) बॉण्ड (बंधपत्र) बाजार मुद्रा बाजार का विशेषीकृत उप बाजार नहीं है। जबकि अन्य शेष तीनों–संपार्श्विक ऋण बाजार, बट्टा बाजार व स्वीकृति बाजार मुद्रा बाजार का विशेषीकृत उप बाजार है।

27. निम्नलिखित कमेटियों को नीचे दिये कूटों की सहायता से कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

I. खुसरो कमेटी II. दंतवाला कमेटी
III. नरसिंहा कमेटी IV. केलकर कमेटी

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) II, IV, I, III
(c) II, I, IV, III (d) II, III, I, IV

Ans. (d) : (II) दंतवाला कमेटी-1987
(III) नरसिम्हा कमेटी- 1991
(I) खुसरो कमेटी- 1997
(IV) केलकर कमेटी- 2011

28. अभिकथन (A) : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कार्य प्रक्रिया दर्शाती है कि उन्होंने अपना पूँजी आधार नष्ट/क्षय कर डाला है।

कारण (R) : बहुत से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अ-व्यवहार्य है और उनकी परिचालन लागत अत्यधिक है।

उपर्युक्त दो कथनों का, नीचे दिये कूटों की सहायता से सही उत्तर दें :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य परन्तु (R), असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R), सत्य है।

Ans : (b) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. निम्नलिखित में से कौन सा संस्थान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित होता है जैसा कि सभी भारतीय वित्तीय संस्थान होते है।

I. भारतीय निर्यात आयात बैंक
II. राष्ट्रीय आवासगृह बैंक
III. भारतीय स्टेट बैंक
IV. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) I, II, IV (b) II, III, IV
(c) I, और , II (d) III, और IV

Ans : (a) निम्नलिखित भारतीय संस्थान रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित होते है जैसा कि सभी भारतीय वित्तीय संस्थान होते है–
1. भारतीय निर्यात आयात बैंक।
2. राष्ट्रीय आवास गृह बैंक।
3. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक।

30. सारभाग मुद्रा स्फीति किस मुद्रा स्फीति का माप है?

(a) जो केवल खाद्य पदार्थ तथा ऊर्जा कीमतों पर आधारित है।
(b) जो उन मदों को समाविष्ट करता है जिनकी अस्थिर कीमतों की स्थिति रहती है। विशेष रूप से खाद्य पदार्थ तथा ऊर्जा की कीमतें।
(c) जो उन मदों को वर्जित करता है जो कि अस्थिर कीमत स्थितियों का सामना करती है, विशेष रूप से खाद्य पदार्थ तथा ऊर्जा की।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans : (c) मुद्रा स्फीति वह स्थिति ही जिससे वस्तुओं के मूल्य बढ़ते है। तथा मुद्रा का मूल्य गिरता है। जब देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की तुलना में मुद्रा के प्रचलन में अपेक्षाकृत तीव्र होती है तो मुद्रा स्फीति की स्थिति उत्पन्न होती है।
मुद्रा स्फीति दो प्रकार की होती है 1. माँग प्रेरित, 2. लागत प्रेरित
दिये गये प्रश्नानुसार सारभाग मुद्रा स्फीति विशेषकर खाद्य पदार्थ एवं ऊर्जा की मुद्रा स्फीति का माप है। जो उन मदों को वर्जित करता है जो अस्थिर कीमत स्थितियों का सामना करती है।

31. प्रथम हरित क्रान्ति निम्नलिखित के उत्पादन तथा उत्पादक से मुख्यतः सम्बन्धित थी :

(a) दालें (b) तिलहन
(c) गेहू (d) फल एवं सब्जी

Ans : (c) भारत में हरित क्रांति 1966-67 में हुई। इसके अंतर्गत अधिक उपज वाले बीज (High yielding variety suds) एवं बहुफसली कार्यक्रम अपनाया गया। HYVP बहुफसली में मुख्यतः 5 फसलों पर जोर दिया गया–गेहूँ, धान, ज्वार, बाजरा तथा मक्का। इनमें सबसे अधिक प्रभाव गेहूँ पर पड़ा।
हरित क्रांति का प्रभाव सम्पूर्ण भारत में नहीं था। इसका प्रभाव मुख्यतः पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर-प्रदेश, गंगानगर में ही था।

32. 2001-05 से 2010-11 तक की अविध के दौरान कृषि क्षेत्र में जी डी पी के साथ-साथ

(a) संपूर्ण जी डी पी की तुलना में उच्चतर संवृद्धि की दर थी।
(b) संपूर्ण जी डी पी की तुलना में निम्न संवृद्धि दर थी ।
(c) संपूर्ण जी डी पी की तुलना में स्थिर संवृद्धि दर थी।
(d) संपूर्ण जी डी पी की दर के समान संवृद्धि दर थी।

Ans : (b) देश के घरेलू सीमा के भीतर एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) कहते है। यदि 2001-2005 से 2010-11 तक की अवधि के दौरान सम्पूर्ण GDP की तुलना करें जैसे कृषि, उद्योग सेवा क्षेत्र की तो कृषि क्षेत्र का योगदान निम्न रहा है या निम्न संवृद्धि दर रही है।

33. खाद्य पदार्थ प्रबन्धन के मुख्य उद्देश्य हैं :

(a) किसानों से लाभकारी कीमतों पर खाद्यान्न उपलब्ध करना।
(b) उपभोक्ताओं को समर्थनकारी कीमतों पर खाद्यान्नों का वितरण।
(c) खाद्य पदार्थों की सुरक्षा, तथा कीमत स्थायित्व के लिये खाद्य बफर्स को बनाए रखना ।
(d) उपर्युक्त सभी।

Ans : (d) खाद्य पदार्थ प्रबन्धन के मुख्य उद्देश्य निम्न है–
1. किसानों से लाभकारी कीमतों पर खाद्यान्न उपलब्ध करना।
2. उपभोक्ताओं को समर्थनकारी कीमतों पर खाद्यान्नों का वितरण।
3. खाद्य पदार्थों की सुरक्षा तथा कीमत स्थायित्व के लिए खाद्यान्न बफर को बनाएं रखना।

34. निम्नलिखित में से किस राज्य ने वर्ष 2009-10 में दालों के उत्पादन में अधिकतम योगदान दिया ?

(a) उत्तर प्रदेश (b) मध्य प्रदेश
(c) राजस्थान (d) पंजाब

Ans : (b) वर्ष 2009-10 में मध्य प्रदेश राज्य का दालों के उत्पादन में अधिकतम योगदान था।
वर्ष 2014-15 में कुल दालों के उत्पादन में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर है। मध्य प्रदेश में 4.7 मिलियन टन दाल का उत्पादन हुआ, जो भारत के कुल दाल उत्पादन का 27.4% है। दूसरे स्थान पर राजस्थान (2.0 मिलियन टन) है।

35. किसान क्रैडिट कार्ड (KCC) की योजना किस वर्ष लागू की गई?

(a) 2001 (b) 2005
(c) 1998 (d) 1999

Ans : (c) किसान क्रेडिट कार्ड योजना 1998-99 में प्रारंभ की गई। इस योजना का उद्देश्य किसानों को व्यापारिक बैंकों, सहकारी बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से सरल एवं सुविधापूर्वक ऋण उपलब्ध कराना था। इस योजना की व्यवस्था नाबार्ड द्वारा होती है, पर योजना का क्रियान्वयन ऋण देने वाले बैंकों द्वारा होता है। ऐसे किसान जो ₹ 5000 या अधिक मूल्य के उत्पादन ऋण के लिए अर्ह है, वे किसान 'किसान क्रेडिट कार्ड' के हकदार होंगे। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा का निर्धारण प्रचालनात्मक जोत, फसल पैटर्न तथा वित्त के आकार के आधार पर होगा।

36. कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि किसके लिये पूर्व शर्त हैं ?

(a) जी डी पी में कृषि का हिस्सा बढ़ाने के लिये
(b) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये
(c) जीवनयापन तथा पोषणिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि निम्न के लिए पूर्व शर्त है–
1. जी.डी.पी. में कृषि का हिस्सा बढ़ाने के लिए।
2. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।
3. जीवनयापन तथा पोषणिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. उस वर्ष को चुनिए जिसमें केन्द्र सरकार का सकल कुल घाटा, राजकोषीय घाटा, तथा प्राथमिक घाटा घरेलू सकल उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अधिकतम था :

(a) 2008-09 (b) 2006-07
(c) 2007-08 (d) 2005-06

Ans : (a) दिये गये प्रश्नानुसार 2008-09 में सभी घाटा सकल घरेलू उत्पाद के रूप में अधिकतम था। जबकि वर्तमान में बजटीय घाटों की स्थिति यह है
वर्ष 2016-17 में है

(a) राजस्व घाटा	–	2.3%
(b) राजकोषीय घाटा	–	3.5%
(c) प्राथमिक घाटा	–	0.3%
(d) प्रभावी राजस्व घाटा	–	1.2%

38. वर्ष 2011-12 में निम्नलिखित मदों में से केन्द्र सरकार के व्यय का सबसे महत्वपूर्ण संभावित मद है :

(a) आर्थिक सहायता
(b) रक्षा
(c) ब्याज
(d) राज्यों का केन्द्र करों में हिस्सा

Ans : (c) बजट जो है वह आय और व्यय का विवरण है। इसमें एक तरफ सरकार के आय को दिखाया जाता है दूसरी तरफ व्यय को दिखाया जाता है।
प्रश्न यह है कि सरकार के व्यय का सबसे बड़ा मद क्या है? पहले सरकार के व्यय का मद ब्याज अदायगी होती थी। लेकिन वर्तमान में व्यय की सबसे बड़ी मद कर और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा हो गया है।
यह बजट सत्र 2016-17 में 23% है।

39. राज्य सरकारों के सामाजिक क्षेत्र के व्यय के मदों में सम्मलित होता है :

I. शिक्षा एवं खेल
II. ऊर्जा एवं परिवहन
III. चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य
IV. जलपूर्ति एवं स्वच्छता

दिये गये कूट में से सही उत्तर बताइये :

कूट :

(a) I, II व III सही हैं। (b) I, III व IV, सही हैं।
(c) II, III व IV सही हैं। (d) I व III सही हैं।

Ans : (b) राज्य सरकारों के सामाजिक क्षेत्र के व्यय के मदों में निम्नलिखित सम्मिलित होता है–
(I) शिक्षा एवं खेल।
(III) चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य।
(IV) जल पूर्ति एवं स्वच्छता।

40. सूची-I पदों को सूची-II से दिए गए कूट में से मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
I. राज्य की बढ़ती हुई क्रियाओं का नियम	1. आर.एन.भार्गव
II. विस्थापन प्रभाव	2. एड्रोल्फ वैगनर
III. संघीय वित्त	3. वाइज़मैन व पिकॉक
IV. क्रियात्मक वित्त	4. ए.पी.लर्नर

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	1	4
(c)	3	4	2	1
(d)	4	1	3	2

Ans : (b)

(a) राज्य की बढ़ती हुई क्रियाओं	–	1. एडोल्फ वैगनर
(b) विस्थापन प्रभाव	–	2. वाइजमैन एवं पीकॉक
(c) संघीय वित्त	–	3. आर.एन. भार्गव
(d) क्रियात्मक वित्त	–	4. ए.पी. लर्नर

41. अभिकथन (A) : संघ बजट, 2010-11 में प्रोत्साहन उपायों के आंशिक हटाने के साथ राजकोषीय सुदृढ़ता की प्रक्रिया शुरू हुई।
कारण (R) : अर्थव्यवस्था में आर्थिक पुनर्लाभ की स्थिति का स्पष्ट प्रमाण था।
उपरोक्त दोनों कथनों के संबंध में, दिए गए कूट में से कौन सही है?

(a) (A) व (R) दोनों सही हैं और (R), (A) कथन का सही कारण है।
(b) (A) व (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
(d) (R) सही है, किन्तु (A) सही नहीं है।

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) कथन का सही कारण है।

42. निम्नलिखित प्रतिवेदनों को कालानुक्रमिक क्रम में नीचे दिए गये कूटों की सहायता से व्यवस्थित करें :

I. कृषि सम्पदा और आय के कराधान पर समिति
II. प्रत्यक्ष करों पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट
III. 13वाँ वित्त आयोग : 2010-15
IV. भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण की रिपोर्ट

कूट :

(a) III, II, IV, I (b) IV, I, II, III
(c) II, III, I, IV (d) I, IV, III, II

Ans : (b)
(IV) भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण की रिपोर्ट
(I) कृषि सम्पदा और आय के कराधान पर समिति
(II) प्रत्यक्ष करों पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट
(III) 13वां वित्त आयोग : 2010-15

43. प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में, मजदूरी पर लगाया गया कर पूर्णतः श्रम पर पड़ता है यदि :

(a) श्रम पूर्ति बेलोच है।
(b) श्रम पूर्ति लोचदार है।
(c) श्रम पूर्ति अत्यधिक लोचदार है।
(d) उत्पादों की माँग की अनन्त लोच है।

Ans : (a) प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में मजदूरी पर लगाया गया कर पूर्णतः श्रम पर पड़ता है यदि श्रम की पूर्ति बेलोच है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. भारत में छोटे तथा लघु उद्योगों के विकास के लिये उत्तरदायी शीर्ष वित्तीय संस्थाएँ हैं :

(a) आई.डी.बी.आई.
(b) एस.आई.डी.बी.आई.
(c) नाबार्ड
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) भारत में छोटे तथा लघु उद्योगों के विकास के लिए उत्तरदायी शीर्ष वित्तीय संस्था एस.आई.डी.बी.आई. है। इसकी स्थापना 1990 में हुई। एस.आई.डी.बी.आई. का मुख्यालय लखनऊ में है। यह लघु उद्योग क्षेत्र में उद्योगों के प्रवर्तन, वित्तीय सुविधा पहुँचाने तथा विकास करने की प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में कार्य करती है।

45. भारत में औद्योगिक विवादों का हल करने के लिये उपयोग की गई सामान्य पद्धतियाँ है :

1. सामूहिक सौदेबाजी
2. अनिवार्य विवाचन
3. अधिनिर्णय
4. मजदूर संघों के निर्णय

निम्नलिखित कूटों से सही संयोजन का चयन करें :

कूट :

(a) 1 तथा 2
(b) 2 तथा 3
(c) 2 तथा 4
(d) 1 तथा 3

Ans : (d) भारत में औद्योगिक विवादों का हल करने के लिए उपयोग की गई सामान्य पद्धतियां निम्न है–
1. सामूहिक सौदेबाजी।
2. मजदूर संघों के निर्णय।

46. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है :

अभिकथन (A) : सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग 'उच्च ज्ञान' आधारित उद्योग है जो भारत में मुख्यतः अपने खुद की योग्यताओं के आधार पर तीव्रता से विकसित हुआ है।

कारण (R) : 'उच्च ज्ञान' पर आधारित उद्योग को सरकार से किसी महत्वपूर्ण सहायता की जरूरत नहीं है न ही बाह्य हस्तक्षेप के लिये ज्यादा गुंजाइश होती है।

सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत है,परन्तु (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans : (b) सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग 'उच्च ज्ञान' आधारित उद्योग है जो भारत में खुद की योग्यताओं के आधार पर तीव्रता से विकसित हुआ है जैसे आई.टी. सेक्टर। इस उद्योग में सरकार को बहुत अधिक सहायता नहीं देनी पड़ती है। इसके साथ ही इस उद्योग में बाह्य हस्तक्षेप भी ज्यादा नहीं होता है, क्योंकि इसमें विदेशी पूँजी बहुत कम या न के बराबर लगी होती है।
अतः (A) और (R) दोनों सही है।

47. SEBI (एस.ई.बी.आई.) को निम्नलिखित में से उपयुक्त मद के साथ सुमेलित करें :

(a) मुद्रा बाजार का विनियमन
(b) पूँजी बाजार का विनियमन
(c) वस्तु बाजार का विनियमन
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (b) एस.ई.बी.आई. (SEBI) पूँजी बाजार का विनिमयन करता है। एस.ई.बी.आई. की स्थापना 12 अप्रैल, 1988 को हुई तथा 30 जनवरी, 1992 को एक अध्यादेश द्वारा इसको वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। इसका मुख्यालय मुम्बई में है।

सेबी के कार्य–

1. पूँजी बाजार का नियमन करना।
2. निवेशकों के हितों का संरक्षण।
3. प्रतिभूति बाजार की अनियमितताओं एवं अनुचित व्यापार व्यवहारों को समाप्त करना।
4. बैंकों और वित्तीय कम्पनियों से सूचना प्राप्त करना।
5. पूँजी बाजार के ब्रोकर्स तथा बिचौलियों के एकाउण्ट एवं अन्य रिकार्डों की तलाशी व जब्त करना।
6. म्युचूअल फण्ड (Mutual fund) की सामूहिक निवेश योजनाओं का पंजीकरण करना तथा उन्हें नियमित करना।
7. बैंकों और वित्तीय कंपनियों से सूचना प्राप्त करना।

48. औद्योगिक विकास के सौपानों के विभिन्न संयोजन नीचे दिये गये हैं। सही आनुक्रमिक संयोजन का चयन करें :

(a) मौद्रिक विस्तार/प्रसार, औद्योगिक विकास, ब्याज में गिरावट, निवेश उत्प्रेरित
(b) औद्योगिक विकास, ब्याज में गिरावट, मौद्रिक प्रसार, निवेश उत्प्रेरित
(c) मौद्रिक प्रसार,ब्याज में गिरावट,निवेश उत्प्रेरित, औद्योगिक विकास
(d) औद्योगिक विकास, ब्याज में गिरावट, मौद्रिक प्रसार, निवेश उत्प्रेरित

Ans : (c) औद्योगिक विकास के सोपानों का सही आनुक्रमिक संयोजन निम्न है–मौद्रिक प्रसार, ब्याज में गिरावट, निवेश उत्प्रेरित, औद्योगिक विकास।

49. 1991 आर्थिक नीतियों के उत्तरोत्तर काल के अंतर्गत भारतीय सरकार निम्नलिखित की सहायता करती है :

(a) निजी विनिर्माण क्षेत्र
(b) निर्यात उद्योग
(c) छोटे (या लघु) उद्योग
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) 1991 की आर्थिक नीतियों के उत्तरोत्तर काल के अन्तर्गत भारतीय सरकार निम्नलिखित की सहायता करती है–
1. निजी विनिर्माण क्षेत्र।
2. निर्यात उद्योग।
3. छोटे (या लघु) उद्योग।

50. निम्नलिखित में से कौन सी आर्थिक व्यवहार्यता और लिओंटिक स्थैतिक मॉडल का प्रौद्योगिकीय साध्यता की स्थिति हैं?

(a) पैरोन् फ्रोबिनस मूल
(b) मूल के वस्तुपरक फलन का मान,मूल के द्वय के वस्तुपरक फलन के मान के बराबर होना चाहिये।
(c) कुह्न-टक्कर स्थितियाँ
(d) हॉकिन्स-साइमन स्थिति

Ans : (d) आर्थिक व्यवहार्यता और लियोंटिक स्थैतिक मॉडल की प्रौद्योगिकीय साध्यता की स्थिति हॉकिन्स-साइमन स्थिति है।
अर्थशास्त्र की दृष्टि से व्यवहारिकता हेतु व्यूह [I – A] के मुख्य कर्ण के समस्त कोटि के लघु-सारणिकों का धनात्मक होना आवश्यक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अन्य शब्दों में, कर्ण के समस्त अवयव $(1 - a_{11}), (1 - a_{22}), (1 - a_{33}),.....(1 - a_{nn})$ धनात्मक होना चाहिए अर्थात् $a_{11}, a_{22}, a_{33},.....a_{nn}$ का मान इकाई से अधिक होना चाहिए। यही साइमन-हॉकिन्स प्रतिबन्ध है।

51. निम्नलिखित उत्पादन फलन : $Y=AL^{\beta}K^{\alpha}a, \beta > 0$ पर विचार करें और सूची-I और सूची-II में दी मदों को सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल	1. $\alpha + \beta > 1$
II. पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल	2. α
III. L के सम्बन्ध में आउटपुट लोच	3. $\alpha + \beta < 1$
IV. K के सम्बन्ध में आउटपुट लोच	4. β

कूट :

	I.	II.	III	IV
(a)	3	1	2	4
(b)	1	2	4	3
(c)	4	1	3	2
(d)	2	3	4	1

Ans : (a)

(a) पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल	3. $\alpha+\beta<1$
(b) पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल	1. $\alpha + \beta > 1$
(c) L के सम्बन्ध में आउटपुट लोच	2. α
(d) K के सम्बन्ध में आउटपुट लोच	4. β

52. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. बॉक्स-जैकिंन्स पद्धति	1. कार्यकारण भाव (या कारणता)
II. इकाई-मूल परिक्षण	2. पूर्वानुमान
III. डरबिन-वाटसन का 'डी' सांख्यिकीय (स्टैटिस्टिक)	3. अप्रगामिता
IV. ग्रेंजर परीक्षण	4. स्वतः सहसम्बन्ध

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	3	1	2	4
(b)	2	3	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	4	1	2	3

Ans : (b)

(a) बॉक्स जैकिंन्स पद्धति	2. पूर्वानुमान
(b) इकाई-मूल परीक्षण	3. अप्रगामिता
(c) डरबिन-वाटसन का 'डी' सांख्यिकीय (स्टैटिस्टिक)	4. स्वतः सहसंबंध
(d) ग्रेंजर परीक्षण	1. कार्यकारण भाव (या कारणता)।

53. निम्नलिखित परिकल्पनाओं में से कौन सी प्रतिगमन फलन द्वारा परीक्षण की गई है?

(a) दो या ज्यादा चरों के बीच अंतःसम्बन्ध आवश्यक रूप से शून्य से भिन्न है।

(b) दो एवं ज्यादा चरों के बीच अंतः सम्बन्ध की कोटि तथा दिशा शून्य नहीं है और प्रतिगमन फलन की सुमानकता संतोषजनक है।

(c) व्यवस्थित व्याख्यात्मक कारकों द्वारा कारित प्रभाव की कोटि यादृच्छिक कारकों द्वारा कारित प्रभाव के बराबर या अधिक (कम) होती है।

(d) उपर्युक्त सभी।

Ans : (d) प्रतिगमन फलन द्वारा परीक्षण निम्नलिखित परिकल्पनाओं में की गई है–

1. दो या ज्यादा चरों के बीच अंतः सम्बन्ध आवश्यक रूप से शून्य से भिन्न है।
2. दो या ज्यादा चरों के बीच अंतः सम्बन्ध की कोटि तथा दिशा शून्य नहीं है और प्रतिगमन फलन की सुमानकता संतोषजनक है।
3. व्यवस्थित व्याख्यात्मक कारकों द्वारा कारित प्रभाव की कोटि यादृच्छिक कारकों द्वारा कारित प्रभाव के बराबर या अधिक (कम) होती है।

54. विषमविसारिता की उपस्थिति में कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) विषमविसारिता OLS (ओ.एल.एस) आकलकों के अनपूर्वाग्रह तथा संगतता गुणधर्म को बदलता नहीं है।

(b) OLS आकलक न्यूनतम विसंगति (या दक्षता) के होते हैं।

(c) BLUE आकलक भारित न्यूनतम वर्गों की विधि द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

(d) क्लासीकल रैखिक प्रतिगमन मॉडल की मानक मान्यताओं पर आधारित 't' तथा 'F' परिक्षण विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं।

Ans : (b) विषमविसारिता की उपस्थिति में निम्न कथन सही है–

1. विषमविसारिता OLS आकलकों के अनपूर्वाग्रह तथा संगतता गुणधर्म को बदलता नही है।
2. BLUE आकलक भारित न्यूनतम वर्गों की विधि द्वारा प्रदान किये जाते है।
3. क्लासिकल रैखिक प्रतिगमन मॉडल की मानक मान्यताओं पर आधारित 't' तथा 'F' परीक्षण विश्वसनीय नहीं हो सकते है।

जबकि OLS आकलक न्यूनतम विसंगति (या दक्षता) के होते है। यह कथन विषमविसारिता की उपस्थिति में सत्य नहीं है।

55. X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.3 है और P तथा Q के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है, तो फिर P और Q के बीच सहसम्बन्ध की घात X और Y के बीच सहसम्बन्ध से कितनी बार ज्यादा होगी ?

(a) दो बार (b) तीन बार

(c) चार बार (d) पाँच बार

Ans : (c) X और Y के बीच सहसंबंध गुणांक 0.3 है और P तथा Q के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है, तो फिर P और Q के बीच सहसम्बन्ध की घात X और Y के बीच सहसम्बन्ध से 4 बार ज्यादा होगी।

56. दो वस्तु की स्थिति में, जहाँ U = उपयोगिता और P_1, P_2, दो वस्तुओं की कीमतें हैं,तो निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता संतुलन की स्थितियाँ हैं?

(a) $\delta U / \delta X = 0$ (b) $\delta U_1 / \delta U_2 = 0$

(c) $\delta^2 U / \delta X^2 < 0$ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) दो वस्तु की स्थिति में, जहाँ U = उपयोगिता और P_1, P_2 दो वस्तुओं की कीमतों की स्थिति में उपभोक्ता संतुलन की स्थिति दिये गये विकल्प में कोई नहीं होगी। उपभोक्ता संतुलन की स्थिति $\frac{MU_1}{P_1} = \frac{MU_2}{P_2}$.

57. उत्पादन फलन $Q = A\left[\beta.K^{-a} + \alpha L^{-\alpha}\right]^{-1/a}$ कितनी कोटि का सजातीय है?

(a) शून्य (b) एक
(c) अनन्तता (d) a

Ans : (b) उत्पादन फलन $Q = A\left[\beta.K^{-a} + \alpha L^{-\alpha}\right]^{-1/a}$ एक कोटि का सहजातीय फलन है।

58. कुल लागत फलन : $C = 7Q^2 + 26Q + 5$, दिया गया होने पर Q = Rs. 5 पर MC है :

(a) रू0 100 (b) रू0 200
(c) रू0 85 (d) रू0 96

Ans : (d) $C = 7Q^2 + 26Q + 5$

$$MC = \frac{d(c)}{dQ}$$

$$MC = \frac{d\left(7Q^2 + 26Q + 5\right)}{dQ}$$

$MC = 14Q + 26$ .....(1)

Q = 5 समी. (1) में रखेन पर,

$MC = 14 \times 5 + 26 = 70 + 26$ $\boxed{MC = 96}$

59. निम्नलिखित का मिलान करें :

सूची-I	सूची-II
I. जब H_0 मिथ्या है उसकी स्वीकृति	1. सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
II. माध्य स्वतन्त्रता की कोटि के बराबर है।	2. टाईप II त्रुटि
III. जनसंख्या सजातीय है	3. धनात्मक रूप से विषम बंटन
IV. माध्य > बहुलक	4. χ^2 बंटन

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	4	3	1
(b)	1	2	3	4
(c)	2	4	1	3
(d)	4	1	2	3

Ans : (c)

(a) जब H_0 मिथ्या है उसकी स्वीकृति — 2. टाईप II त्रुटि
(b) माध्य स्वतंत्रता की कोटि के बराबर है — 4. χ^2 बंटन
(c) जनसंख्या सजातीय है — 1. सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
(d) माध्य > बहुलक — 3. धनात्मक रूप से विषम बंटन

60. प्रतिगमन मॉडल के लिए

$Y = \beta_0 + \beta_1 X + U$

$Y = 20 + 2X$

SE : 0.46

$H_0 : \beta_1 = 2.1$ के विरूद्ध $H_1 : B_1 \neq 2.1$ का परीक्षण करने के लिये परीक्षण स्टैटिस्टिक $|t|$ निम्नलिखित के बराबर है :

(a) 4.609 (b) 0.217
(c) 4.34 (d) 0.33

Ans : (b) प्रतिगमन मॉडल के लिए,

$Y = \beta_0 + \beta_1 X + U$

$Y = 20 + 2X$

SE : 0.46

$H_0 : \beta_1 = 2.1$ के विरुद्ध $H_1 : B_1 \neq 2.1$ का परीक्षण करने के लिए परीक्षण स्टैटिस्टिक $|t| = 0.217$ के बराबर है।

61. प्रतिगमन मॉडल के लिए :

$Y = \beta_0 + \beta_1 X_1 + \beta_2 X_2 + ... + \beta_k X_k + e$ n ओब्जरवेशनों के सम्बन्ध में परीक्षण सांख्यिकी/स्टैटिस्टिक 't' की स्वतन्त्रता की कोटि है :

(a) n-k (b) n-k+1
(c) n-k-1 (d) n+k-1

Ans : (c) प्रतिगमन मॉडल के लिए,

$$Y = \beta_0 + \beta_1 X_1 + \beta_2 X_2 + ...\beta_k X_k + e$$

n ओब्जरवेशनों के सम्बन्ध में परीक्षण सांख्यिकी/स्टैटिस्टिक 't' की स्वतंत्रता की कोटि $n - k - 1$ है।

62. बाजार में करेन्सी की खरीद और साथ ही साथ दूसरे बाजार में उसकी बिक्री करना क्या कहलाता है?

(a) सट्टा
(b) हाजिर विनिमय (स्पॉटिंग)
(c) वायदा विनिमय (या अग्रेषण)
(d) विवाचन

Ans : (d) बाजार में करेन्सी की खरीद और साथ ही साथ दूसरे बाजार में उसकी बिक्री करना विवाचन कहलाता है। दूसरे शब्दों में, विदेशी मुद्राओं का एक ही साथ इस उद्देश्य से खरीदना तथा विक्रय करना जिससे विभिन्न बाजारों में प्रचलित विदेशी विनिमय दरों में पाये जाने वाले अन्तर से लाभ उठाया जा सके, विवाचन कहते है।

63. अंतर्राष्ट्रीय रूप से लेन-देन की गई समस्त सेवाएँ किस डब्लू.टी.ओ. समझौते के अंतर्गत शामिल है?

(a) गेट्स (जी ए टी एस)
(b) ट्रिपस (टी आर आई पी एस)
(c) ट्रिम्स (टी आर आई एम एस)
(d) पी.टी.ए.

Ans : (a) GATS की स्थापना 1947 को की गई जो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्बन्धी समझौतों से सम्बन्धित है।
इसी का विस्तारित रूप WTO है जिसकी स्थापना 1जनवरी, 1995 को किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय रूप से लेनदेन की गई समस्त सेवाएं WTO के GATS समझौते के अन्तर्गत आती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

64. ब्रेट्टनवुड्स व्यवस्था :

(a) राष्ट्रों के लिये अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आचरण निभाने के लिये नियम संहिता निर्धारित करती है।

(b) राष्ट्रों की भुगतान संतुलन सम्बन्धित अस्थायी समस्याओं के लिये ऋण सुविधाओं की व्यवस्था करती है।

(c) वर्ष बीतने के साथ कई महत्वपूर्ण ढंग से उद्विकसित हुई है।

(d) उपर्युक्त सभी।

Ans : (d) ब्रेटनवुड्स व्यवस्था के अन्तर्गत निम्न होता है–
1. राष्ट्रों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आचरण निभाने के लिए नियम संहिता निर्धारित करती है।
2. राष्ट्रों की भुगतान संतुलन सम्बन्धित अस्थायी समस्याओं के लिए ऋण सुविधाओं की व्यवस्था करती है।
3. वर्ष बीतने के साथ कई महत्वपूर्ण ढंग से उद्विकसित हुई है।

65. पूर्ण रोजगार तथा भुगतान संतुलन का साम्य इष्टतम करेंन्सी क्षेत्र में स्वचलित रूप से उपलब्ध हो जाएगा :

(a) यदि विनिमय दरें लचीली हैं।

(b) यदि विदेशी पूँजी देश में आती है।

(c) यदि श्रम तथा पूँजी स्वतन्त्र रूप से गतिमान हैं।

(d) यदि व्यापार उदारीकृत हो गया है।

Ans : (c) पूर्णरोजगार तथा भुगतान संतुलन का साम्य इष्टतम करेन्सी क्षेत्र में स्वचालित रूप से उपलब्ध हो जाएगा यदि श्रम तथा पूँजी स्वतंत्र रूप से गतिमान है।
इष्टतम करेन्सी क्षेत्र का तात्पर्य ऐसे देशों के समूह से है जिन्होंने अपनी मुद्राओं को एक स्थिर विनिमय दर प्रणाली द्वारा स्थायी रूप से जोड़ दिया हो। परन्तु इन देशों की मुद्राओं की दर गैर-सदस्यीय देशों के साथ लचीली विनिमय दर प्रणाली से जुड़ी होती है। जैसे– यूरोपीय देशों का समूह यूरों मुद्रा से जुड़ा है।

66. आर्थिक एकीकरण के उदाहरण हैं:

I. स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र II. सीमा शुल्क संघ
III. साझा बाजार IV. कार्टेल (उत्पादक संघ)

(a) I और II सही हैं। (b) II और III सही है।
(c) I, II और IV सही है। (d) I, II और III सही है।

Ans : (d) आर्थिक एकीकरण उदाहरण है–
1. स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र,
2. सीमा शुल्क संघ,
3. साझा बाजार।
जबकि कार्टेल स्वतंत्र फर्मों का एक संगठन है। अतः आर्थिक एकीकरण से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

67. विश्व व्यापार संगठन की मंत्री सभाओं या बैठकों के क्रम को व्यवस्थित करें :

I. सीटल II. कानकुन
III. सिंगापुर IV. दोहा

(a) II, I, III, IV (b) III, II, I, IV
(c) III, I, IV, II (d) II, III, I, IV

Ans : (c) WTO संगठन की मंत्री सभाओं या बैठकों का क्रम निम्नवत् है–

III. सिंगापुर	9–13 दिसम्बर, 1996
I. सिएटल	30 नवम्बर–3 दिसम्बर, 1999
IV. दोहा	9–14 नवम्बर, 2001 (कतर में)
II. कानकुन	10–14 सितम्बर, 2003 (मैक्सिकों में)

68. कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौते के अंतर्गत भारत खाद्य तेल से शुल्क की किस अधिकतम दर की उगाही कर सकता है?

(a) 100% (b) 150%
(c) 200% (d) 300%

Ans : (d) कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौते के अन्तर्गत भारत खाद्य तेल से शुल्क की अधिकतम दर 300% तक उगाही कर सकता है।

69. कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौता समाविष्ट करता है :

I. घरेलू सहायता/सपोर्ट
II. निर्यात अर्थ साहाय्य
III. बाजार पहुँच
IV. आगत (इनपुट) सम्बन्धी आर्थिक सहायता

(a) I तथा IV सही हैं। (b) II और IV सही हैं।
(c) I, II और III सही हैं। (d) I, II और IV सही हैं।

Ans : (c) कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौता निम्न समाविष्ट करता है–
1. घरेलू सहायता/सपोर्ट, 2. निर्यात अर्थ साहाय्य, 3. बाजार पहुँच

70. हैरोड ग्रोथ मॉडल में तटस्थ तकनीकी प्रगति में तकनीकी प्रगति का अभिप्राय :

(a) पूँजी को बढ़ाने से है।

(b) श्रम को बढ़ाने से है।

(c) श्रम और पूँजकी दोनों को बढ़ाने से है।

(d) उत्पादकता में वृद्धि करने से है।

Ans : (b) हैरोड ग्रोथ मॉडल में तटस्थ तकनीकी प्रगति में तकनीकी प्रगति का अभिप्राय श्रम को बढ़ाने से है।
हैरोड की तटस्थ तकनीकी प्रगति पूँजी उत्पाद अनुपात (COR) पर आधारित है। इनके अनुसार तकनीकी प्रगति तब तटस्थ होती है, जब लाभ की एक स्थिर दर पर पूँजी उत्पाद अनुपात भी स्थिर हो। यदि तकनीकी प्रगति के पश्चात् एक स्थिर लाभ की दर पर COR बढ़ जाता है तो यह श्रम बचतकारी तकनीकी प्रगति होती है। इसके विपरीत यदि COR घट जाता है तो पूँजी बचतकारी तकनीकी प्रगति होगी।

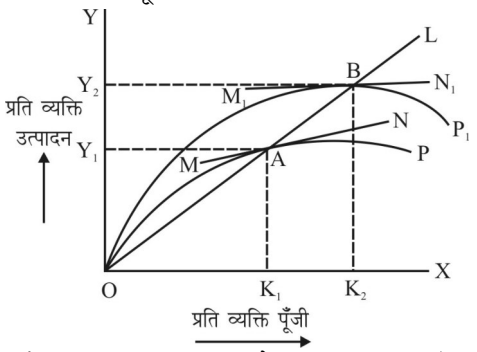

रेखाचित्र में उत्पादन फलन OP के A बिन्दु पर पूँजी उत्पाद अनुपात $\frac{OK_1}{OY_1}$ तथा OP_1 के B बिन्दु पर COR $\frac{OK_2}{OY_2}$ है। चूँकि OL रेखा दोनों बिन्दुओं A तथा B से गुजरती है। इन दोनों बिन्दुओं पर COR समान है अतः

$$\frac{OK_1}{OY_1} = \frac{OK_2}{OY_2}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

71. ग्रोथ (संवृद्धि) के दो अंतराल मॉडल में आर्थिक प्रणालियों की संवृद्धि प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले दो अंतराल (रिक्तियाँ) क्या हैं ?

(a) बचत अंतराल तथा निवेश अंतराल
(b) आय अंतराल तथा उपभोग अंतराल
(c) विदेशी विनिमय अंतराल तथा घरेलू बचत अंतराल
(d) निर्यात अंतराल तथा आयात अंतराल

Ans : (c) एच.बी.चेनरी ने द्वि-अन्तराल मॉडल में दो अन्तराल की बात करते है–
1. विनियोग–बचत अन्तराल (Investment-saving gap)
2. आयात-निर्यात अन्तराल (Import-export gap)
दोनों ही अन्तरालों को विदेशी पूँजी के अर्न्तप्रवाह के द्वारा पूरा किया जा सकता है।
इस प्रकार चेनरी के द्वि-अन्तराल सिद्धांत से यह भी बात सामने आती है कि बचत प्रतिबन्ध तथा विदेशी विनिमय प्रतिबन्ध आर्थिक विकास को प्रतिबन्धित करते है।

72. अभिकथन (A) : नव अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त उस उत्पादन फलन की जाँच करता है जो वर्द्धमान प्रतिफल दर्शाता है।
कारण (R) : ज्ञान की पूँजी में विशिष्टीकरण तथा निवेश के कारण।

(a) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (R) सत्य है, परन्तु (A) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सही है,परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं,और (R) (A) की सही व्याख्या है।

Ans : (d) (A) और (R) दोनों सही है, और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

73. 'स्वर्णिम युग' मॉडल किसने प्रतिपादित किया है?

(a) निकोलस काल्डर (b) जॉन रोबिन्सन
(c) जे.आर.हिक्स (d) आर.एफ.हैरोड

Ans : (b) 'स्वर्णिम युग' मॉडल जॉन रोबिन्सन ने प्रतिपादित किया। रोबिन्सन का मॉडल दो आधारभूत तत्वों पर आधारित है–
1. पूँजी निर्माण की दर आय के वितरण पर निर्भर करती है।
2. श्रम के प्रयोग की दर पूँजी पूर्ति तथा श्रम की पूर्ति पर निर्भर करती है।
जॉन रोबिन्सन के अनुसार पूँजी में वृद्धि दर के अतिरिक्त जनसंख्या वृद्धि दर दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर को निर्धारित करता है। जब जनसंख्या की वृद्धि दर पूँजी की वृद्धि दर के बराबर हो जाती है तो अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगारीय संतुलन में होती है। इस स्थिति को रोबिन्सन ने 'स्वर्ण युग' कहा। अर्थात्

$$\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N}$$ स्वर्ण युग

या, $$\boxed{\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N} = \text{Constant}}$$ Steady growth rate.

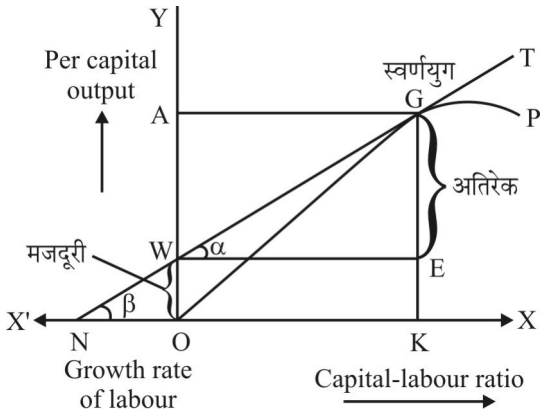

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि पूँजी की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta K}{K}\right)$, श्रम की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta N}{N}\right)$ के बराबर है अर्थात्– $\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N}$

या, $$\boxed{\frac{EG}{EW} = \frac{OW}{ON}}$$ क्योकि $\tan\alpha = \tan\beta$

74. विकासशील देशों की व्यापार शर्तें प्रतिकूल होती हैं क्योंकि जब भी विकसित देशों में आय में वृद्धि होती है प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग बढ़ जाती है क्योंकि:

(a) प्राथमिक वस्तुओं के लिए माँग की आय लोच अधिक होती है
(b) प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग की आय लोच कम होती है।
(c) प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग की आय लोच तटस्थ होती है।
(d) उपर्यक्त में से कोई नहीं।

Ans : (b) विकासशील देशों की व्यापार शर्तें प्रतिकूल होती है क्योंकि जब भी विकसित देशों में आय में वृद्धि होती है प्राथमिक वस्तुओं के लिए मांग बढ़ जाती है क्योंकि प्राथमिक वस्तुओं के लिए मांग की आय लोच कम होती है।

75. टी.डब्लू. शुल्जे ने आर्थिक संवृद्धि के लिये शिक्षा के सम्बन्ध में निम्नलिखित अनुपात दिये है :

(a) शिक्षा,पूँजी तथा श्रम अनुपात
(b) शिक्षा-श्रम अनुपात
(c) शिक्षा-आय अनुपात
(d) शिक्षा-श्रम अनुपात, शिक्षा-आय अनुपात तथा शिक्षा-निवेश अनुपात

Ans : (d) टी.डब्लू. शुल्जे ने आर्थिक संवृद्धि के लिए शिक्षा के सम्बन्ध में निम्न अनुपात दिये है–
1. शिक्षा-श्रम अनुपात, 2. शिक्षा-आय अनुपात, 3. शिक्षा-निवेश अनुपात।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2012

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सम उत्पाद पर अधोमुखी गति के लिये पूँजी ($MRTS_{L,K}$) प्रति इकाई श्रम की $_{MRTS}$ निम्नलिखित के द्वारा दर्शाई जाती है-

(a) -dk/dl (b) dk/dl
(c) dl/dk (d) -dl/dk

उत्तर (a) - सम उत्पाद वक्र उत्पत्ति के किसी एक आगत की मात्रा को किसी अन्य आगत की मात्रा को जिस दर से प्रतिस्थापित करती है। प्रतिस्थापन की सीमान्त दर (MRTS) कहलाती है।

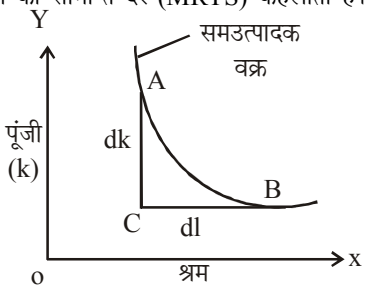

$$MRTS_{LK} = \frac{AC}{CB} = -\frac{dk}{dL}$$

2. भिन्न बाजारों में भिन्न कीमत वसूल करना क्या कहलाता है?

(a) कीमत विभेदीकरण
(b) द्वितीय श्रेणी का कीमत विभेदीकरण
(c) तृतीय श्रेणी का कीमत विभेदीकरण
(d) पूर्ण कीमत विभेदीकरण

उत्तर (c) भिन्न बाजारों में भिन्न कीमत वसूल करना तृतीय श्रेणी का कीमत विभेदीकरण कहलाता है। इसके अन्तर्गत वस्तु के उपभोक्ताओं अथवा क्रेताओं को एकाधिकारी दो या दो से अधिक बाजारों अथवा वर्गों में विभाजित करता है और इन विभिन्न बाजारों के उपभोक्ताओं से भिन्न-भिन्न कीमतें प्राप्त करता है और प्रत्येक बाजार अथवा वर्ग से वसूल की गयी कीमत उसमें वस्तु के लिए मांग तथा उसमें विक्रय की जाने वाली उत्पादन-मात्रा पर निर्भर करती है, अर्थात तृतीय श्रेणी के कीमत विभेदीकरण में प्रत्येक बाजार अथवा वर्ग से उसके सीमान्त क्रेता द्वारा दी जाने वाली न्यूनतम कीमत प्राप्त नहीं की जाती बल्कि उसमें निश्चित कीमत उसमें मांग की मूल्य लोच तथा उसमें की जाने वाली वस्तु की आपूर्ति द्वारा निर्धारित होती है।

3. स्थिरीकरण नीति में निम्नलिखित में से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण क्या है?

(a) निजी निवेश (b) इनवेंट्री निवेश
(c) स्वायत्त निवेश (d) लोक निवेश

उत्तर (c, d) : स्थिरीकरण नीति में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्वायत्त निवेश तथा लोक निवेश है।

4. निर्धनता के दुष्चक्र की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?

(a) किंडलबर्गर (b) शुम्पीटर
(c) रेगनर फ्रिश (d) गुन्नर मिर्डाल

उत्तर (d) निर्धनता के दुष्चक्र को आर. केल्डार ने मिजरी गो राउण्ड तथा गुन्नार मिर्डाल ने चक्रीय संचयी अन्तर्प्रक्रिया दृष्टिकोण या चक्रीय कार्यकारण का सिद्धान्त कहा। क्योंकि विकल्प में रेगनर नर्क्स का नाम नहीं दिया गया है अतः विकल्प (d) सही उत्तर माना गया है।

5. सोलो ने अपना मॉडल किसके विकल्प के रूप में निर्मित किया?

(a) काल्डॅर का विकास मॉडल
(b) रेनिश-फी का विकास मॉडल
(c) हेरोड-डोमर का विकास मॉडल
(d) मीड का विकास मॉडल

उत्तर (c) सोलो ने अपना मॉडल हैरॉड–डोमर के विकास मॉडल के विकल्प के रूप में निर्मित किया। हैरॉड–डोमर मॉडल अस्थायी संतुलन की बात करता है। अर्थात यदि किसी कारण से संतुलन की स्थिति भंग हो जाती है तो आर्थिक शक्तियां उसको संतुलन पथ से दूर ही ले जाती है परन्तु सोलों मॉडल में स्थायी संतुलन की बात की गयी है।

सोलो मॉडल की निम्नलिखित मान्यताएँ है–

(1) यह मॉडल द्विक्षेत्रीय बंद अर्थव्यवस्था से संबंधित है।
(2) अर्थव्यवस्था में पूर्णरोजगार की स्थिति है।
(3) जनसंख्या की वृद्धि दर दी हुई है अर्थात् $L_t = Loe^{nt}$
(4) उत्पादन फलन सहजातीय है।
(5) बचतें आय का फलन है अर्थात $S = s.y$
(6) तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
(7) पूंजी–श्रम अनुपात (K/L) परिवर्तनशील है।
(8) उत्पादन के दो साधन पूंजी तथा श्रम है।

6. यदि कुल राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटा दिया जाय, तो शेष रहेगा

(a) राजस्व घाटा (b) सकल प्राथमिक घाटा
(c) पूँजीगत घाटा (d) बजटीय घाटा

उत्तर (b) यदि कुल राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटा दिया जाय तो शेष सकल प्राथमिक घाटा रहेगा। एक वित्तीय वर्ष में व्यय किये गये सम्पूर्ण मदों में ब्याज भुगतान (Interest Payment) एक ऐसा मद है जो कि संबंधित वर्ष के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी नहीं होता है बल्कि यह विगत वर्ष में लिये गये ऋणों के लिए किया जाता है। यदि ब्याज भुगतान का आकार राजकोषीय घाटे के समान हो तो प्राथमिक घाटा शून्य हो जाएगा।

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान

7. यदि आँकड़े दरों, समानुपातों तथा अनुपातों से सम्बन्धित हैं तो केन्द्रीय प्रवृत्ति के कौन से माप का उपयोग करना सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

(a) गणितीय माध्य (b) माध्यिका
(c) हरात्मक माध्य (d) ज्यामितीय माध्य

उत्तर (d) यदि आंकड़े दरों, समानुपातों तथा अनुपातों से सम्बन्धित है तो केन्द्रीय प्रवृत्ति के ज्यामितीय माध्य/गुणोत्तर माध्य का प्रयोग करना सर्वाधिक उपयुक्त होगा।

$$G.M. = \sqrt[n]{X_1 X X_2 X X_3 X X_4 X ..... X_n}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धांत का अवसर लागत रूप किसने प्रतिपादित किया था?

(a) जे.एम.कीन्स (b) किंडलबर्गर
(c) हैबरलर (d) कार्ल-मार्क्स

उत्तर (c) हैबरलर का सिद्धान्त तुलनात्मक लागतों के सिद्धान्त की व्याख्या करता है जिसके लिए उन्होंने 'उत्पादन संभावना वक्र' का प्रयोग किया। इस सिद्धान्त के अनुसार यदि कोई देश वस्तु X या वस्तु Y का उत्पादन कर सकता है तो X वस्तु की अवसर लागत दूसरी वस्तु Y की उस मात्रा के बराबर होगी जो उसे उस वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए छोड़नी पड़ेगी। इस प्रकार, दोनो वस्तुओं की परस्पर विनिमय दर उनके अवसर लागतों के रूप में व्यक्त किया जाता है।

9. धारणीय विकास की सर्वाधिक लोकप्रिय परिभाषा किसने दी है?

(a) विश्व विकास रिपोर्ट (b) यू.एन.डी.पी.रिपोर्ट
(c) ब्रंड्टलैंड (d) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष रिपोर्ट

उत्तर (c) "1980के दशक में विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WECD) ने प्रकृति के संरक्षण के लिए विश्व का ध्यान खींचने हेतु 1982 में सम्मेलन का आयोजन किया गया तथा इसमें 'Our Common Future' नाम से एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसे Brundt land रिपोर्ट भी कहते है। इसे UN ने 1987 में स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में धारणीय विकास (S.D.) की परिभाषा इस प्रकार दी– विकास को संपोषी बनाने की क्षमता यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया जाये किन्तु साथ ही भावी पीढ़ियों द्वारा उनकी अपनी आवश्यकताओं को पूरा करके आने वाली पीढ़ियों की क्षमताओं का अतिक्रमण न किया जाय।

अतः यह एक बहुत ही व्यापक धारणा है। यह (S.D.) मुख्यतः अंतर–पीढ़ी संकल्पना है तथा यह अंतर पीढ़ी संतुलन की बात करता है।

$$S.D = \frac{Development + Environment}{Income + Non - income}$$

10. नियोजन अवधि के दौरान, सर्वोच्च विकास दर कब प्राप्त की गई?

(a) आठवीं योजना के दौरान (b) दसवीं योजना के दौरान
(c) नौवीं योजना काल में (d) सातवीं योजना काल में

उत्तर (b) दिये गये विकल्पों में नियोजन अवधि के दौरान सर्वोच्च विकास दर 10वीं F.Y.P. में प्राप्त की गई।

8वीं FYP	–	6.6%
10वीं FYP	–	7.6%
9वीं FYP	–	5.7%
7 वीं FYP	–	5.6%

10वीं पंचवर्षीय योजना की समयावधि 1 अप्रैल, 2002 से 31 मार्च 2007 तक है। इस योजना में आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य 7.9% रखा गया तथा प्राप्ति 7.7% रही। साक्षरता दर को 2007 तक 75% तक पहुचाना, निर्धनता अनुपात में कमी करके 2007 तक 21% तथा सन् 2012 तक 15% कमी करके 11% तक लाना, सभी बच्चों को 2003 तक स्कूलों में दाखिल करना, शिशु मृत्यु दर को 45 प्रति हजार (2007 तक) तथा 2012 में कम करके 28 प्रति हजार तक करना व मातृत्व मृत्यु दर 2007 तक 2 प्रति हजार करना। 10वीं योजना के दौरान GDP के प्रतिशत के रूप में निवेश दर 28.42% घरेलू बचत दर 26.8% तथा विदेशी पूंजी पर निर्भरता 1.6% करना है।

11. श्रम मूल्य सिद्धांत निम्नलिखित ने प्रतिपादित किया था:

(a) एडम स्मिथ
(b) डेविड रिकार्डो
(c) रेगनर नर्क्से, गुन्नर मिर्डाल, आर.एम.सोलो
(d) फाई-रेनिस रेगनर नर्क्से

कूट:

(a) a और b (b) a और c
(c) a, b, c (d) a, b, c, d

उत्तर (a) श्रम मूल्य सिद्धान्त एडम स्मिथ तथा डेविड रिकार्डो ने प्रतिपादित किया था।

12. क्लासिकी व्यवस्था की विशेषताएँ है :

(a) उत्पादन तथा रोजगार को मौद्रिक कारक निर्धारित करते हैं।
(b) अर्थव्यवस्था का स्व-समायोजन तंत्र
(c) प्रत्यक्ष विकास के लिये राजकीय कार्रवाई
(d) राजकीय नियंत्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से इष्टतमीकरण

कूट:

(a) a और b (b) a, b, c
(c) b, d (d) a, b, d

उत्तर (c) दिये गये प्रश्नानुसार (c) विकल्प सही है क्योंकि क्लासिकल विचारधारा के अर्थशास्त्री सरकारी हस्तक्षेप की बात नहीं करते। रोजगार का निर्धारण मौद्रिक कारकों द्वारा निर्धारित करते हैं। क्लासिकी व्यवस्था की निम्न विशेषताएँ है–
(b) अर्थव्यवस्था का स्व–समायोजन तंत्र।
(d) राजकीय नियंत्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से इष्टतमीकरण।

13. लोक व्यय में विस्थापन तथा सकेन्द्रण प्रभाव की अवधारणाओं का श्रेय किसको दिया जाता है?

(a) ए.सी. पीगू तथा जे.के. मेहता
(b) अलेन टी. पीकॉक एवं जैक वाइजमैन
(c) कैनेथ एरों एवं पॉल ए. सैम्युलसन
(d) ए.आर.प्रेस्ट एवं आई.एम.डी. लिट्टल

कूट:

(a) a और b (b) b
(c) a, b, c (d) a, b, c, d

उत्तर (b) लोकव्यय में विस्थापन तथा संकेन्द्रण प्रभाव की अवधारणाओं का श्रेय एलेन टी. पीकॉक एवं जैक वाइजमैन को दिया जाता है।

वाइजमैन तथा पीकॉक ने 1890–1955 की अवधि में ब्रिटेन में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया तथा यह निष्कर्ष निकाला कि यद्यपि युद्ध के पश्चात् यह घटकर युद्ध के पूर्व के स्तर पर नहीं आयी और राष्ट्रीय उत्पाद में सरकारी व्यय का अनुपात युद्ध के तुरन्त पहले के स्तर की तुलना में बहुत अधिक रहा। राष्ट्रीय उत्पाद में सार्वजनिक व्यय के अनुपात में इस स्थायी वृद्धि को इन लोगों ने विस्थापन प्रभाव कहा।

14. मानव विकास सूचक (एचडीआई) का निर्माण किस संदर्भ में किया जाता है?

(a) जन्म के समय आयु संभाविता, वास्तविक जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, कुल प्रवेश अनुपात, प्रौढ़ सारक्षता दर
(b) जन्म के समय आयु संभाविता, वास्तविक जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, संयुक्त कुल प्रवेश अनुपात, प्रौढ़ साक्षरता दर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) आयु संभाविता, जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, शिशु मृत्युदर, साक्षरता दर
(d) जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, शिशु मृत्युदर, साक्षरता दर

कूट:

(a) a और b (b) a और c
(c) c (d) a, b, d

उत्तर (c) मानव विकास सूचकांक का प्रतिपादन 1990 में UNDP में कार्यरत अर्थशास्त्री महबूब–उल–हक, ए.के. सेन व सिंगर हंस ने किया। मानव विकास सूचकांक तीन आयामों व चार संकेतकों पर आधारित है–

(1) जीवन (Life)– (i) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
(2) शिक्षा (Education) – (i) स्कूली शिक्षा के माध्य वर्ष।
(ii) स्कूली शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष।
(3) आय (Income) – (i) GNI per Capita (Per annum in US $ at ppp conversion method)

15. असन्तुलित विकास मॉडल सर्वप्रथम किसने प्रतिपादित किया था?

(a) अलबर्ट ओ. हर्षमैन
(b) एच.एस. सिंगर और रॉल प्रेबिश
(c) किंडलबर्गर तथा रेगनर नर्क्से
(d) डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टो एवं पॉल स्ट्रीटन

कूट:

(a) a और b (b) a और c
(c) a और d (d) a

उत्तर (d) असंतुलित विकास मॉडल का प्रतिपादन ए.ओ. हर्षमैन ने किया तथा इसका समर्थन एच.एस. सिंगर, रॉल प्रेबिश, कार्ल मार्क्स, डब्ल्यू. डब्ल्यू. रोस्टोव, फ्लेमिंग, किंडल बर्गर ने किया। जब किसी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का एक साथ विकास न करके कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों का गहन विकास किया जाता है तो उसे असंतुलित विकास कहते है।

16. संवृद्धि का हैरोड-डोमर मॉडल अवधारणों तथा उनकी समानता पर आधारित है :

(a) जनसंख्या तथा उत्पादकता विकास
(b) निवेश तथा आय की औसत वृद्धि दर
(c) वास्तविक, अभिष्ट तथा प्राकृतिक विकास दर
(d) उत्पादकता संवृद्धि तथा निवेश संवृद्धि

कूट:

(a) a और c (b) a और d
(c) c (d) a, b, c

उत्तर (c) संवृद्धि का हैरोड–डोमर मॉडल वास्तविक, अभीष्ट तथा प्राकृतिक विकास दर की अवधारणाओं तथा उनकी समानता पर आधारित है।

(1) वास्तविक वृद्धि दर (G_A) = यह वह वृद्धि दर है जिस पर देश विकास कर रहा है। यह दर अल्पकालीन चक्रीय परिवर्तनों को प्रकट करती है।

$$G = \frac{S}{C}$$

(2) अभीष्ट या वांछित वृद्धि दर (Gw) –यह वह दर है जिसकी आशा में उद्यमियों ने निर्णय लिए है और जिसकी प्राप्ति होने पर वे बराबर इसी दर को पाना चाहेगें। यह दर किसी अर्थव्यवस्था की आय की 'पूर्ण क्षमता वृद्धि दर' होती है। यह दर उद्यमी संतुलन की घोतक है।

$$Gw.\ Cr = S$$

$$Gw = \frac{S}{Cr}$$

(3) प्राकृतिक वृद्धि दर (Gn)–यह वह दर है जिस पर अर्थव्यवस्था में पूर्णरोजगार बना रहता है। इसे वृद्धि की पूर्णरोजगार दर कहते है। यह दर देश के प्राकृतिक साधनों, श्रम की उपलब्ध मात्रा तथा तकनीकी प्रगति आदि पर निर्भर करती है।

$$Gn.Cr = S \text{ या } Gn.Cr \neq S$$

पूर्ण रोजगरीय संतुलन की स्थिति को प्राप्त करने के लिए निम्न दशा होनी चाहिए–

$$G = Gw = Gn$$

17. फैक्टर एण्डाउमेंट को इस नाम से भी जाना जाता है :

(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत
(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का क्लासिकी सिद्धांत
(c) परस्पर माँग सिद्धांत
(d) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का कारक अनुपात सिद्धांत

कूट:

(a) a और b (b) b और c
(c) a और d (d) c और d

उत्तर (c) हैक्शर–ओहलिन ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का साधन सम्पन्नता अथवा साधन अनुपातों के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया, जिसे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त भी कहते है। हैक्शर–ओहलिन का कथन है कि दो देशों के बीच साधन सम्पन्नताओं में अन्तरों के परिणामस्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति में अन्तरों द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अन्तर ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुरन्त कारण है। जिन वस्तुओं में दुर्लभ साधनों की बड़ी मात्राएँ प्रयोग होती है उन्हें आयात किया जाता है। क्योंकि उनकी कीमतें ऊँची है जबकि उन वस्तुओं को निर्यात किया जाता है जिनमें प्रचुर साधन प्रयोग होते है, क्योंकि उनकी कीमतें नीची है। हैक्शर–ओहलिन प्रमेय की व्याख्या दो परिभाषाओं के रूप में की जाती है–

(1) साधन प्रचुरता (या दुर्लभता) कीमत कसौटी के रूप में
(2) साधन प्रचुरता भौतिक कसौटी के रूप में।

18. बढ़ते सरकारी खर्चों के सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत निम्नलिखित से सम्बन्धित है :

(a) अडोल्फ बैगनर के प्राक्कल्पना
(b) क्रांतिक सीमा प्राक्कल्पना
(c) प्रशासनात्मक कुशलता प्राक्कल्पना
(d) आय की स्थिरता प्राक्कल्पना

कूट:

(a) a और b (b) a और c
(c) a (d) c और d

उत्तर (c) बढ़ते सरकारी खर्चों के सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्धान्त से एडोल्फ बेगनर की प्राक्कल्पना सम्बन्धित है।

बैगनर ने बढ़ती हुई राजकीय क्रियाओं का सिद्धान्त प्रतिपादित किया जिसमें उन्होंने यह स्थापित किया कि सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है अर्थात् जैसे–2 आर्थिक विकास होता जाएगा, राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होता जाएगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. ब्रेटनवुड सिस्टम के अंतर्गत दीर्घकाली विकास सहायता किसके द्वारा दी जानी थी?

(a) इंटरनेशन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एण्ड डिवेलपमेंट (आई बी आर डी)
(b) अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (आई डी ए)
(c) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ)
(d) उपर्युक्त सभी

कूट:

(a) a और b (b) a, b, c
(c) b, c (d) d

उत्तर (a) ब्रेटनवुड्स सिस्टम के अन्तर्गत दीर्घकालीन विकास सहायता निम्न संस्थाओं के द्वारा दी जानी थी–
(1) इंटरनेशनल बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एण्ड डिवेलपमेंट (IBRD)
(2) अन्तर्राष्ट्रीय विकास एंजेंन्सी (IDA)

20. भारत के योजना आयोग ने हाल ही में गरीबी रेखा इस प्रकार घोषित की है :

(a) शहरी क्षेत्र के लिये रू0 42 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
(b) ग्रामीण क्षेत्र के लिये रू0 26 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
(c) शहरी क्षेत्र के लिये रू0 32 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
(d) ग्रामीण क्षेत्र के लिये रू0 32 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति

कूट:

(a) a और b (b) a और c
(c) b और c (d) c और d

उत्तर (c) भारत के योजना आयोग ने हाल में गरीबी रेखा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ₹ 26 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति तथा शहरी क्षेत्रों के लिए ₹ 32 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति निर्धारित किया है।

21. अभिकथन (A) : अल्पाधिकार में षडयंत्र रचना की प्राकृतिक प्रवृत्ति रहती है।
तर्क (R) : अल्पाधिकार बाजार में फर्मों की पारस्परिक निर्भरता रहती है।

कूट:

(a) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) अल्पाधिकार अपूर्ण प्रतियोगिता का ही एक रूप है। यह बाजार की वह स्थिति होती है जिसमें विक्रेताओं की संख्या इतनी कम होती है कि प्रत्येक विक्रेताओं की पूर्ति का बाजार कीमत पर समुचित प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक विक्रेता को इसके बारे में पूर्ण जानकारी होती है। अल्पाधिकारी को 'Competition in few' भी कहा जा सकता है।
अल्पाधिकार की विशेषताएं–
(1) विक्रेताओं की अल्प संख्या।
(2) परस्पर निर्भरता।
(3) समरूप अथवा निकट स्थानापन्न वस्तुओं का अभाव।
(4) विज्ञापन एवं विक्रय लागतों पर अधिक व्यय।
(5) मांग वक्र की अनिश्चितता।
(6) कीमत स्थिरता।
(7) फर्मों का सीमित कीमत नियंत्रण।

22. अभिकथन (A) : अल्प काल में, उत्पाद की सीमान्त लागत उत्पादन में उपयोग किये गये अतिरिक्त श्रम तथा सामग्री की लागत होती है।
तर्क (R) : उत्पादन में लगाये गये श्रम तथा सामग्री ही अल्प काल में घटते-बढ़ते है।

कूट :

(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत, परन्तु (R) सही है
(c) (A) और (R) दोनो सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

उत्तर (c) (A) और (R) दोनो सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।

23. अभिकथन (A) : व्यापार नीति के उदारीकरण के बाद हुए सुधारों ने भारत की उन्नति को उद्दीप्त किया है।
तर्क (R) : निजी उद्यमों को भारत के उत्पादन उद्यमों की उन्नति में योगदान करने का अवसर प्राप्त हुआ।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) और (R) दोनो गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत के व्यापार नीति में निम्नलिखित उपाय अपनाये गये–
(1) रूपये का अवमूल्यन तथा व्यापार खाते पर पूर्ण परिवर्तनीयता व चालू खाते पर पूर्ण परिवर्तनीयता।
(2) आसान आयात व निर्यात नीति।
(3) केवल सरकारी एजेंसियों के माध्यम से व्यापार करने की शर्त को हटाया जाना।
(4) निर्यात उन्मुख इकाइयों तथा निर्यात प्रोसेसिंग क्षेत्र को और सुविधाएं।
(5) निर्यात गृहों व व्यापार गृहों को और सुविधाएं।
(6) सीमा शुल्कों में भारी कटौती।
(7) विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (SEZ)
(8) कृषि निर्यात क्षेत्र।
(9) बाजार पहुंच बढ़ाने की योजना व पांच महत्वपूर्ण क्षेत्र पर जोर।
(10) 'सर्वड् फ्राम इंडिया' को ब्रांड के रूप में स्थापित करना।
(11) फ्री–ट्रेड एवं वेयरहाउसिंग जोन की स्थापना
(12) रियायतें व छूटें।
इस प्रकार आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत की व्यापार नीति आयात प्रतिस्थापन की जगह निर्यात प्रोत्साहन हो गया। निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने अनेक रियायतें, छूटें, प्रोत्साहन निजी क्षेत्र के उद्योगों को निर्यात संबंधी वस्तुओं के उत्पादन के लिये दिया जाने लगा ताकि भारत का निर्यात बढ़ सके।

24. अभिकथन (A) : किसी व्यक्ति को जिन वस्तुओं और सेवाओं से वंचित किया जा सकता है वे पूर्णतया निजी वस्तुएँ होती है।
तर्क (R) : राज्य द्वारा ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ नि:शुल्क उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) निजी वस्तुयें वे होती है, जिनके सम्बन्ध में अपवर्जन सिद्धान्त (Exclusion Principle) व प्रतिद्वद्विता (Rivalraus) का नियम लागू होता है अर्थात इन वस्तुओं का सामूहिक उपभोग नहीं होता, इन वस्तुओं को बाजार में मूल्य पर बेचा एवं खरीदा जा सकता है तथा ऐसे व्यक्ति को, जो मूल्य का भुगतान नहीं करता है इनके उपभोग से वंचित किया जा सकता है।

सार्वजनिक वस्तुयें अविभाज्य होती है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति वस्तुओं की तरह इनसे उत्पन्न लाभ को बाजार में मूल्य पर खरीदा या बेचा नहीं जा सकता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते है। किसी भी व्यक्ति को इनके उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता है चाहे उसने भुगतान किया हो या नहीं। सार्वजनिक वस्तुओं की व्यवस्था राज्य द्वारा निशुल्क की जाती है जबकि निजी वस्तुओं की व्यवस्था राज्य द्वारा नहीं किया जाता है।

25. **अभिकथन (A) : 'एक देश निर्धन है क्योंकि वो निर्धन है'।**
तर्क (R) : निर्धन देश की आय न्यून होती है, इसलिये उसकी बचत और निवेश कम होते है। कम निवेश उसकी उत्पादन क्षमता को सीमित करता है जिससे न्यून उत्पादन और आय का परिणाम निकलता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(b) (A) और (R) दोनो सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) अल्पविकसित देश गरीबी के भंवर में फंसे हुए है जिसे सामान्यतया गरीबी के कुचक्र के रूप में जाना जाता है जिसमें गरीबी पुनः गरीबी को जन्म देती है। रेगनर नर्क्स के अनुसार, "एक देश गरीब है क्योंकि वह गरीब है।" इसका अभिप्राय यह है कि कोई देश गरीब होगा तो उसके पास आय कम होगी, लोगों का उपभोग का स्तर नीचा होगा, कार्य करने वाली जनसंख्या को न तो ठीक ढंग से खाना मिलेगा और न उचित शिक्षा का प्रबन्ध होगा फलस्वरूप श्रमिक कम कार्य–कुशल तथा खराब अवस्था में होगे। जब आय कम होगी तो बचत कम होगी, ऐसी स्थिति में पूंजी निर्माण की दर बहुत ही कम होगी। नर्क्स ने इसकी व्याख्या मांग व पूर्ति दोनों पक्षों के आधार पर की है। जिसकी व्याख्या प्रश्न नं. (4) में किया गया है।

26. **अभिकथन (A) : समस्त ऐतिहासिक घटनाएँ किसी समाज के विभिन्न समूहों और श्रेणियों के बीच के निरन्तर आर्थिक संघर्ष का परिणाम होती है।**
तर्क (R) : यह संघर्ष उत्पादन की विधि और उत्पादन के एंजेंटों की भूमिका को दिये जाने वाले मान के बीच द्वंद्व के कारण होता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(b) (A) और (R) दोनो सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(c) (A) सही है, (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) (A) और (R) दोनो सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

27. **अभिकथन (A) : के./एल. समयान्तर के पश्चात् अनुपात के संतुलित मूल्य की दिशा में समायोजित होता है।**
तर्क (R) : क्योंकि उत्पादन में तकनीकी गुणांक स्थिर होते है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(b) (A) और (R) दोनो सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(c) (A) सही है, (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) (A) और (R) दोनों सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

28. **अभिकथन (A) : निवेश में माँग प्रभाव होता है।**
तर्क (R) : क्योंकि निवेश अर्थव्यवस्था में उत्पादकता तथा आय बढ़ाता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) किसी भी अर्थव्यवस्था में विनियोग मांग पर निर्भर करता है। यदि मांग कम होगी तो निवेश कम होगा, इसके विपरीत मांग बढ़ने पर निवेश बढ़ेगा, जिससे उत्पादन में वृद्धि होगी। जिससे रोजगार एवं आय का स्तर बढ़ेगा।

29. **अभिकथन (A) : भारतवासियों की आजीविका का मुख्य स्त्रोत कृषि है।**
तर्क (R) : कृषि क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपायों को अपनाया जाना चाहिए ।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनो सही है, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनो सही है, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत में कृषि एवं सम्बन्ध क्षेत्र का GDP में 17.4% का योगदान है एवं इसमें देश की कार्यशील जनसंख्या का 54.6% एवं 15.3% उपक्रमों में लगी हुयी है।

भारतीय कृषि अभी भी पिछड़ी हुई है जिनके अनेक कारण है, जिसमें सुधार की जरूरत है। इसके लिए अनेक कदम उठाये गये है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. **अभिकथन (A) : निम्नलिखित समाश्रयण समीकरण में $Y = a + bX$, 'a', Y का स्वायत्त मूल्य दर्शाता है।**
तर्क (R) : यदि $X = 0$, $Y = a$ रहता है। अत: a, Y का न्यूनतम मूल्य है जो कि Y पर X के किसी प्रभाव से स्वतंत्र है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सहीं है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R), (A) सही व्याख्या नहीं हैं।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) $Y = a + bX$,
यदि $X = 0$ हो तो
$Y = a + b \times 0$
$Y = a$
(A) और (R) दोनों सहीं है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

31. **माँग सिद्धांत के क्रमिक विकास के क्रम की शिनाख्त कीजिये :**
(a) मार्शल का माँग सिद्धांत
(b) अनधिमान वक्र रेखा
(c) स्वप्रकाशित अधिमान सिद्धांत
(d) माँग की मंद अधिमान क्रम सिद्धांत
कूट :
(a) a, c, d, b (b) d, b, a, c
(c) a, c, b, d (d) a, b, c, d

उत्तर (d) मांग सिद्धान्त के क्रमिक विकास का क्रम निम्नलिखित है–
(a) मार्शल का मांग सिद्धान्त।
(b) अनधिमान वक्र रेखा।
(c) स्वप्रकाशित अधिमान सिद्धान्त।
(d) मांग की मंद अधिमान क्रम।

32. **निम्नलिखित सिद्धांतों के सही कालक्रमिक क्रम को पहचानिये :**
(a) मुद्रा का सिद्धांत का कैम्बरिज रूप
(b) परिमाण सिद्धांत का फिशर रूप
(c) मुद्रा की माँग का टोबिन सिद्धांत
(d) बॉमोल का इनवेंट्री माँग सिद्धांत
कूट :
(a) c, d, a, b (b) b, a, d, c
(c) d, a, b, c (d) a, b, c, d

उत्तर (b) दिये गये सिद्धान्तों का सही कालक्रमिक क्रम निम्नलिखित है–
(b) परिमाण सिद्धान्त का फिशर रूप।
(a) मुद्रा का सिद्धान्त का कैम्ब्रिज रूप।
(d) बॉमोल का इन्वेंट्री मांग सिद्धान्त।
(c) मुद्रा की मांग का टोबिन सिद्धान्त।

33. **निम्नलिखित के सही काल क्रमबद्ध की पहचान कीजिए :**
(a) केंस उपभोक्ता कार्य
(b) आयु चक्र प्राक्कल्पना
(c) सापेक्ष आय प्राक्कल्पना
(d) फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना
कूट :
(a) d, b, a, c (b) b, a, c, d
(c) a, c, d, b (d) c, d, b, a

उत्तर (c) दिये गये परिकल्पनाओं का सही क्रमबद्ध निम्नलिखित है–
(a) कीन्स उपभोक्ता कार्य।
(c) सापेक्ष आय प्राक्कल्पना
(d) फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना
(b) आयु चक्र प्राक्कल्पना।

34. **मार्क्स के आर्थिक विकास मॉडल के कालक्रमबद्ध चरणों की पहचान कीजिए :**
(a) पूँजीवादी संकट
(b) पूँजी संचयन
(c) अतिरेक मूल्य
(d) इतिहास का पदार्थवादी विश्लेषण
कूट :
(a) b, a, c, d (b) c, d, b, a
(c) d, c, b, a (d) c, b, a, d

उत्तर (d) मार्क्स के आर्थिक विकास मॉडल का काल क्रमबद्ध चरण निम्नलिखित है–
(c) अतिरेक मूल्य।
(b) पूंजी संचयन
(a) पूंजीवादी संकट
(d) इतिहास का पदार्थवादी विश्लेषण।

35. **हैरोड विकास मॉडल की क्रमिक प्रकिया है :**
(a) सामान्य वृद्धि दर (b) अभीष्ट वृद्धि दर
(c) वास्तविक वृद्धि दर (d) अपसारिता
कूट :
(a) d, c, b, a (b) c, b, a, d
(c) b, a, d, c (d) a, d, c, b

उत्तर (b) हैरॉड विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया निम्न है–
(c) वास्तविक वृद्धि दर।
(b) अभीष्ट वृद्धि दर।
(a) सामान्य वृद्धि दर।
(d) अपसारिता।

36. **सार्क (एसएएआरसी) सदस्यों के शिखर सम्मेलनों को जिस क्रम में आयोजित हुए उस क्रम में दर्शाइए**
(a) नई दिल्ली (b) बैंगलोर
(c) इस्लामाबाद (d) काठमांडू
कूट :
(a) a, c, d, b (b) a, b, c, d
(c) b, d, c, a (d) c, b, a, d

उत्तर (c) सार्क सदस्यों के शिखर सम्मेलनों को निम्नलिखित क्रम में आयोजित हुआ–
(b) बैंगलोर – नवम्बर, 1986 (भारत)
(d) काठमांडू – नवम्बर, 1987 (नेपाल)
(c) इस्लामाबाद – दिसम्बर, 1988 (पाकिस्तान)
(a) नई दिल्ली – मई, 1995 (भारत)

37. **अदायगी लेखा के बकाया संरचना में निम्न मदों को उनकी सम्मिलितता के अनुसार क्रमबद्ध कीजिए :**
(a) पूँजी लेखा (b) भूल और त्रुटियाँ
(c) चालू लेखा (d) कार्यालय निपटान लेखा
कूट :
(a) a, b, c, d (b) c, a, d, b
(c) d, c, b, a (d) c, d, a, b

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) अदायगी लेखा के बकाया संरचना में मदों की सम्मिलितता का क्रम निम्न है–
(c) चालू लेखा।
(a) पूंजी लेखा।
(d) कार्यालय निपटान लेखा।
(b) भूल और त्रुटियां।

38. निम्नलिखित के वित्त आयोग के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति की क्रमबद्धता को बताइये :

(a) के.सी. नियोगी (b) के.ब्रह्मानंद रेड्डी
(c) एन.के.पी.साल्वे (d) ए.के. चन्दा

कूट :

(a) a, c, b, d (b) a, d, b, c
(c) a, c, d, b (d) a, b, d, c

उत्तर (b) वित्त आयोग के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति की क्रमबद्धता का क्रम निम्न है–
(a) के.सी. नियोगी–गठन वर्ष–1951 तथा कार्यकाल 1952–57
(d) ए.के. चन्दा–गठन–1960 तथा कार्यकाल–1962–66
(b) के.ब्रम्हानंद रेड्डी–गठन–1972 तथा कार्यकाल–1974–79
(c) एन.के.पी. साल्वे–गठन–1987 तथा कार्यकाल–1989–95

39. निम्नलिखित को उनके लागू होने के कालानुसार क्रमबद्ध कीजिए :

(a) आयकर (b) व्यय कर
(c) मूल्य वर्धित कर (बैट) (d) अनुषंगी लाभ कर

कूट :

(a) a, c, b, d (b) a, b, c, d
(c) b, c, d, a (d) c, d, a, b

उत्तर (b) करों के लागू होने का कालानुक्रम निम्न है-
(a) आयकर
(b) व्यय कर
(c) मूल्य वर्धित कर (वैट)
(d) अनुषंगी लाभ कर

40. निम्नलिखित को उनके विकसित होने के क्रम में जमाइए:

(a) दो निदर्शनों से अधिक के माध्यों के बीच अंतर का फिशर का F सार्थकता परीक्षण
(b) दो निदर्शनों के माध्यों के बीच अंतर का गॉसेट का t परीक्षण
(c) पियरसन का सहसंबंध गुणांक
(d) स्पियरमैन का कोटि सहहसंबंध गुणांक

कूट :

(a) a, b, c, d (b) b, a, c, d
(c) c, b, a, d (d) d, a, b, c

उत्तर (c) दिये गये सिद्धान्तों का विकसित होने का क्रम निम्न है-
(c) पियर्सन का सह सम्बन्ध गुणांक
(b) दो निदर्शनों के माध्यों के बीच अंतर का गौसेट का t परीक्षण
(a) दो निदर्शनों के माध्यों के बीच अंतर का फिशर का F सार्थकता परीक्षण
(d) स्पियरमैन का कोटि सह सम्बन्ध गुणांक

41.

	सूची-I	**सूची-II**
(a)	कुँचित माँग वक्र परिकल्पना	1. विलियम बॉमोल
(b)	अल्पाधिकार का विक्रय अधिकतमीकरण मॉडल	2. पॉल स्वीजी
(c)	समाज कल्याण मानदण्ड	3. एडम स्मिथ
(d)	अदृश्य शक्ति नियम	4. बर्गसन

कूटः

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	4	3	1	2
(b)	2	1	4	3
(c)	2	3	1	4
(d)	1	4	3	2

उत्तर (b) सही रूप से सुमेलित क्रम है–
(a) विकुंचित मांग वक्र परिकल्पना – (2) पॉल एम. स्वीजी।
(b) अल्पाधिकार का विक्रय अधिकतमीकरण मॉडल–(1) विलियम बॉमोल।
(c) समाज कल्याण मानदण्ड – (4) बर्गसन
(d) अदृश्य शक्ति नियम – (3) एडम स्मिथ।

42.

	सूची I	**सूची II**
(a)	उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम	1. इरविंग फिशर
(b)	ब्याज का समय अधिमान सिद्धांत	2. जे.एम.किन्स
(c)	लोक विकल्प दृष्टिकोण	3. मुन्डेलएवं फ्लेमिंग
(d)	खुली अर्थव्यवस्था का IS-LM	4. गॉर्डेन टुल्लोक

कूटः

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	3	2	4	1
(b)	4	1	3	2
(c)	2	1	4	3
(d)	1	3	4	2

उत्तर (c) (a) उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम – (2) जे.एम.कीन्स
(b) ब्याज का समय अधिमान सिद्धान्त – (1) इरविंग फिशर
(c) लोक विकल्प दृष्टिकोण – (4) गॉर्डेन टुल्लोक
(d) खुली अर्थव्यवस्था का IS–LM मॉडल–(3) मुण्डेल एवं फ्लेमिंग

43.

	सूची I	**सूची II**
(a)	मध्याह्न भोजन स्कीम	1. 2006
(b)	M-NREGA क्रियान्वयन	2. 1995
(c)	नकदी रिजर्व अनुपात	3. वित्त आयोग
(d)	विभाज्य कर	4. भारतीय रिजर्व बैंक

कूटः

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	4	2	3	1
(d)	3	4	1	2

उत्तर (b) (a) मध्याह्न भोजन स्कीम – (2) 1995
(b) M–NREGA क्रियान्वयन – (1) 2006
(c) नकदी रिवर्ज अनुपात – (4) भारतीय रिजर्व बैंक
(d) विभाज्य कर – (3) वित्त आयोग।

44.

	सूची I	**सूची II**
(a)	मौद्रिक नीति	1. कर की दर
(b)	व्यापार नीति	2. मार्जिन मनी (सीमान्त मुद्रा
(c)	साख नीति	3. आयात तथा निर्यात
(d)	राजकोषीय नीति	4. बैंक दर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूटः

	a	b	c	d
(a)	4	3	2	1
(b)	4	2	3	1
(c)	3	2	1	4
(d)	2	1	4	3

उत्तर (a) (a) मौद्रिक नीति – (4) बैंक दर
(b) व्यापार नीति – (3) आयात तथा निर्यात
(c) साख नीति – (2) मार्जिन मनी (सीमांत मुद्रा)
(d) राजकोषीय नीति – (1) कर की दर।

45.

सूची I	सूची II
(a) जे.एम. बुकानन	1. लोक व्यय के नियम
(b) फिंडले शिरास	2. कार्यात्मक वित्त
(c) आर.एन. भार्गव	3. लोक-विकल्प सिद्धांत
(d) ए.पी. लर्नर	4. संघीय वित्त

कूट :

	a	b	c	d
(a)	3	2	1	4
(b)	3	1	4	2
(c)	2	3	1	4
(d)	1	4	3	2

उत्तर (b) (a) जे.एम. बुकानन– (3) लोक–विकल्प सिद्धान्त
(b) फिंडले शिराज – (1) लोक व्यय के नियम।
(c) आर.एन. भार्गव – (4) संघीय वित्त।
(d) ए.पी. लर्नर – (2) कार्यात्मक वित्त।

46.

सूची I	सूची II
(a) पूँजी की जैव रचना	1.हर्षमैन
(b) प्राकृतिक नियम का सिद्धांत	2.शुम्पीटर
(c) नवीनीकरण	3.मार्क्स
(d) असन्तुलित विकास का सिद्धांत	4.एडम स्मिथ

कूट :

	a	b	c	d
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	1	2
(c)	2	1	3	4
(d)	1	2	4	3

उत्तर (a) सही सुमेलित क्रम है–
(a) पूंजी की जैव रचना – (3) मार्क्स
(b) प्राकृतिक नियम का सिद्धान्त– (4) एडम स्मिथ
(c) नवीनीकरण – (2) शुम्पीटर
(d) असंतुलित विकास का सिद्धान्त – (1) हर्षमैन

47.

सूची I	सूची II
(a) निम्न आय संतुलन फंदा	1. कार्ल मार्क्स
(b) दरिद्रता माप	2. एडम स्मिथ
(c) अबंधता (मुक्त व्यापार)	3. नेल्सन
(d) औद्योगिक रिजर्व सेना	4. सुरेश तेंदुलकर

कूट :

	a	b	c	d
(a)	1	2	4	3
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	1	2
(d)	2	1	3	4

उत्तर (b) (a) निम्न आय संतुलन फंदा – (3) नेल्सन
(b) दरिद्रता का माप – (4) सुरेश तेन्दुलकर
(c) अबंधता (मुक्त व्यापार) – (2) एडम स्मिथ
(d) औद्योगिक रिजर्व सेना – (1) कार्ल मार्क्स

48.

सूची I	सूची II
(a) निरपेक्ष लागत लाभ नियम	1. हैबरलर
(b) तुलनात्मक लागत लाभ का सिद्धांत	2. हैक्सर ओहलिन
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत	3. एडम स्मिथ
(d) अवसर लागत सिद्धांत	4. रिकार्डो

कूट :

	a	b	c	d
(a)	4	2	1	3
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	4	1
(d)	1	4	3	2

उत्तर (b) (a) निरपेक्ष लागत लाभ नियम– (3) एडम स्मिथ
(b) तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त – (1) रिकार्डो
(c) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त–(2) हेक्शर–ओहलिन
(d) अवसर लागत सिद्धान्त – (1) हैबरलर

49.

सूची I	सूची II
(a) मौद्रिकवाद	1. आर.एफ. काह्न
(b) रोजगार गुणक	2. टी. हैवलमो
(c) संतुलित बजट का गुणक प्रभाव	3. जॉन मुथ
(d) तार्किक प्रत्याशा प्राक्कल्पना	4. मिल्टन फ्रीडमैन

कूट :

	a	b	c	d
(a)	2	4	3	1
(b)	4	1	2	3
(c)	1	3	4	2
(d)	3	2	1	4

उत्तर (b) (a) मौद्रिकवाद – (4) मिल्टन फ्रीडमैन
(b) रोजगार गुणक – (1) आर.एफ. कॉह्न
(c) संतुलित बजट का गुणक प्रभाव – (2) टी. हैवलमो।
(d) तार्किक प्रत्याशा प्राक्कल्पना – (3) जॉन मुथ

50.

सूची I	सूची II
(a) संभाव्यता सिद्धांत	1. वितरण को निरुपित करने वाला एकलमान
(b) माध्य	2. अनिश्चित घटनाएँ
(c) सामान्य वितरण	3. जनसंख्या का लघुप्रतिरूप
(d) प्रतिदर्श (सैम्पल)	4. M (माध्य) + 30 (sigma) के अन्दर लगभग कुल क्षेत्र के प्रति सममित

	a	b	c	d
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	4	3
(d)	4	1	2	4

उत्तर (c) (a) संभाव्यता सिद्धान्त – (2) अनिश्चित घटनाएं।
(b) माध्य – (1) वितरण को निरूपित करने वाला एकल मान।
(c) सामान्यत वितरण – (4) M (माध्य) ± 30 (sigma) के अन्दर लगभग कुल क्षेत्र के प्रति सममित।
(d) प्रतिदर्श – (3) जनसंख्या का लघु प्रतिरूप।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2012

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मांग वक्र, जो क्षैतिज अक्ष के सामान्तर है और मात्रा दर्शाती है, की कीमत लोच निम्नलिखित के बराबर होती है :

(a) शून्य (b) अंनन्त

(c) एक से कम (d) एक

Ans : (b) जब मांग वक्र क्षैतिज अक्ष के समानान्तर होता है तो कीमत लोच अनन्त होती है।

किसी वस्तु के मूल्य में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तु की मांगी गई मात्रा में होने वाली अनुक्रिया की माप ही मांग की कीमत लोच है।

$$e_P = -\frac{\Delta q}{\Delta_p} \times \frac{p}{q}$$

मांग की मूल्य लोच के पांच प्रकार होते है–

1. पूर्णतया लोचदार मांग ($e_p = \infty$)–जब किसी वस्तु के मूल्य में अल्पवृद्धि होते ही उस वस्तु की मांग शून्य हो जाये और अल्प कमी उसकी मांग में अपरिमित वृद्धि ला दे तो उसे पूर्णतया लोचदार मांग कहेंगे।

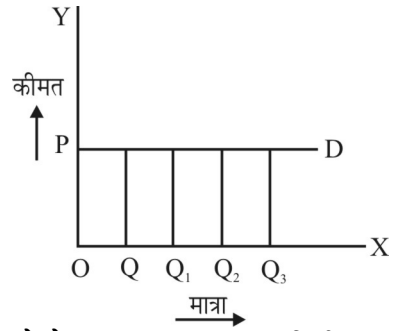

2. पूर्णतया बेलोचदार मांग ($e_p = 0$)–किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के बाद भी उसकी मांग में किसी प्रकार का परिवर्तन न हो तो मांग पूर्णतया बेलोचदार होगी।

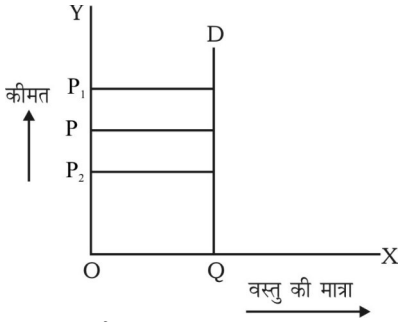

3. इकाई मांग की लोच ($e_p = 1$)–जब किसी वस्तु की मांग में सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य में सापेक्षिक परिवर्तन के बराबर हो तो समलोच मांग होगी।

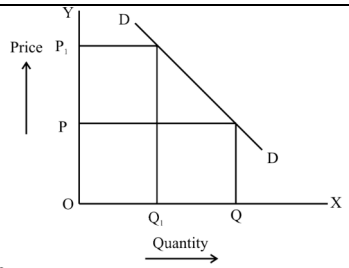

4. अधिक लोचदार मांग ($e_p > 1$)–जब किसी वस्तु की मांग में होने वाला सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन से अधिक हो तो उस वस्तु की मांग अधिक लोचदार होगी।

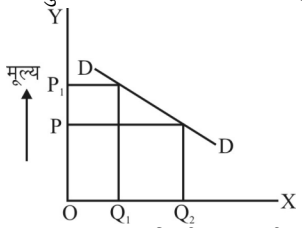

5. बेलोच मांग ($e_p < 1$)–जब किसी वस्तु की मांग में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन से कम हो तो उस वस्तु की मांग बेलोच कही जाएगी।

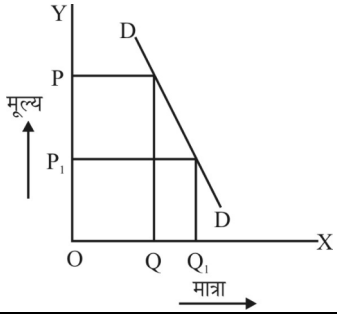

2. यद्यपि एकाधिकारी जो चाहे कीमत ले सकता है लेकिन वह संतुलन स्तर की कीमत से अधिक कीमत नहीं लेते क्योंकि

(a) अधिक कीमत का अर्थ है कुल राजस्व कम हो जाना।

(b) फर्म के माँग वक्र (कर्व) के बेलोच खंड में अधिक कीमत होती है अर्थात सीमान्त राजस्व नकारात्मक होगा।

(c) एकाधिकार के अंतर्गत उच्च कीमत लाभ अधिकतमीकरण के लक्ष्यों के असंगत होती है।

(d) उत्पादन की प्रासंगिक सीमा पर सीमान्त लागतें नकारात्मक होगीं।

Ans : (a) यद्यपि एकाधिकारी जो चाहे कीमत ले सकता है, लेकिन वह संतुलन स्तर की कीमत से अधिक कीमत नहीं लेते क्योंकि यदि अधिक कीमत लेंगे तो उपभोक्ता वस्तु का क्रय कम कर देंगे, जिससे एकाधिकारी का राजस्व कम हो जाएगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

3. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति न्यूनतम लागत आउटपुट संयोजन बताती है?

(a) $P_L/P_k = MRT_S$ (b) $P_L/P_k = MP_L/MP_K$
(c) $MP_K/MP_L = d_l/d_k$ (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) न्यूनतम लागत आउटपुट का अर्थ यह है कि एक निश्चित उत्पादन साधन के द्वारा अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करना है। संतुलन के बिन्दु पर न्यूनतम लागत संयोग प्राप्त होगा, जहां एक साधन की सीमांत उत्पादकता एवं उसकी कीमत का अनुपात दूसरे साधन की सीमांत उत्पादकता एवं उसकी कीमत के अनुपात के बराबर होती है। इसके साथ ही संतुलन के बिन्दु पर तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमांत दर (MRTS) भी साधनों की कीमत अनुपात के बराबर होने चाहिए।

इस प्रकार न्यूनतम लागत आउटपुट संयोजन निम्न स्थिति में होगा–

1. $MRTS_{LK} = \frac{P_L}{P_K} = \frac{MP_L}{MP_K}$

अर्थात् $\frac{MP_L}{P_L} = \frac{MP_K}{P_K}$

या, $\frac{MP_K}{MP_L} = \frac{P_L}{P_K}$

2. $MP_L = \frac{dQ}{dL}$

$MP_K = \frac{dQ}{dK}$

$\therefore \frac{MP_K}{MP_L} = \frac{dQ}{dK} \times \frac{dL}{dQ} = \frac{dL}{dK}$

4. 'स्वीजी के ऑलिगोपाली मॉडल' की स्थिति में निम्नलिखित में से कौन सा संगत नहीं है?

(a) एक फर्म द्वारा कीमत में कटौती का प्रतिस्पर्धी फर्म द्वारा अपनाया जाना।
(b) कीमत में बढ़ोतरी को प्रतिस्पर्धी फर्म द्वारा न अपनाना।
(c) इनमें से किसी एक द्वारा किए गए कीमत परिवर्तन पर फर्मों की प्रतिक्रिया न होना।
(d) प्रतिस्पर्धी द्वारा सभी प्रकार के कीमत परिवर्तनों का फर्मों पर असर होना।

Ans : (d) अल्पाधिकार में कीमत स्थिरता के सम्बन्ध में पॉल. एम. स्वीजी ने विकुंचित मांग सिद्धांत का प्रतिपादन किया। इस सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है, उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत से ऊपर है अत्यंत लोचदार होता है और वर्तमान स्तर से नीचे का भाग बेलोचदार होता है।

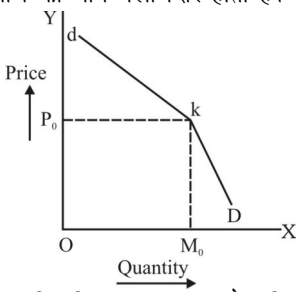

चित्र में dD एक विकुंचित मांग वक्र है। जिसमें k बिन्दु पर विकुंचन है।

विकुंचित मांग वक्र सिद्धांत में जिस प्रतिक्रिया की कल्पना की गई है वह यह है कि प्रत्येक अल्पाधिकारी यह विश्वास करता है कि यदि वह अपनी कीमत को वर्तमान स्तर से नीचे गिरा देता है तो उसके प्रतिद्वन्दी भी ऐसा ही करेंगे और अपनी-अपनी कीमतों को गिरा देंगे। परन्तु यदि वह कीमत में वृद्धि कर देता है तो उसके प्रतिद्वन्दी ऐसा नहीं करेंगे अर्थात् अपनी-अपनी कीमतों में बृद्धि नहीं करेगें। अपने प्रतिद्वन्दियों को दो प्रकार की प्रतिक्रियाओं का सामाना करना पड़ता है– एक कीमत बढ़ाने पर तथा दूसरा कीमत कम करने पर, के कारण मांग वक्र का वर्तमान कीमत स्तर से ऊपर का भाग अपेक्षाकृत लोचदार होता है तथा इसके नीचे का भाग अपेक्षाकृत बेलोचदार होता है।

5. आभासी लगान उत्पादन के कारक के लिये प्रतिफल है जो कि होता है

(a) अल्प-अवधि में आर्थिक लगान लेकिन दीर्घ-अवधि में अंतरण आय।
(b) अल्प-अवधि में अंतरण आय।
(c) अल्प तथा दीर्घ दोनों ही अवधियों में अंतरण आय ।
(d) अल्प तथा दीर्घ दोनों अवधियों में आर्थिक लगान।

Ans : (a) आभासी लगान का प्रतिपादन प्रो. मार्शल ने किया अल्पकाल में स्थिर साधनों द्वारा अर्जित आय को मार्शल ने आभास लगान कहा। मार्शल के अनुसार 'आभास लगान उस अतिरिक्त आय को कहते है जो उत्पादन के साधनों की पूर्ति के अल्पकाल में सीमित होने के कारण होती है।'

अल्पकाल में कुछ साधन स्थिर तथा कुछ परिवर्तनीय होते है व दीर्घकाल में सभी साधन परिवर्तनीय होते है। परिवर्तनीय साधनों का प्रतिफल उनकी सीमांत उत्पादकता के बराबर फर्म को देना पड़ता है इसलिए परिवर्तनीय साधनों को लगान प्राप्त नहीं होता, लगान केवल स्थिर साधनों को प्राप्त होता है। इसलिए इनको प्राप्त होने वाला प्रतिफल कुल आय में से परिवर्तनीय साधनों के दिये जाने वाले प्रतिफल के बाद का बचा हुआ भाग होगी। स्थिर साधनों को मिलने वाला यह अवशिष्ट या बचा हुआ भुगतान ही आभास लगान है।

आभास लगान = कुल आय (TR) - कुल परिवर्तनीय लागत (TVC)

6. ऋण देय निधि सिद्धांत (लोनेबल फंड थ्योरी) के अनुसार ब्याज दर निम्नलिखित में से किसका फलन है?

(a) निवेश (b) धन संग्रह की इच्छा
(c) धन की मात्रा (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) ऋण देय निधि सिद्धांत (Loanable fund theory) का प्रतिपादन सर्वप्रथम के विक्सेल ने किया। बाद में इसका विकास ओहलिन, मिर्डाल, राबर्टसन, लिण्डल आदि ने किया। ऋण कोष सिद्धांत के अनुसार ब्याज बचत तथा विनियोग के अतिरिक्त आसंचयन (Hoarding) तथा बैंक साख का फलन होता है। इसको निम्न प्रकार स्पष्ट कर सकते है–

$$V = f(I, S, M, L)$$

जहाँ V = ब्याज की दर।
I = विनियोग।
S = बचत।
M = बैंक-साख।
L = संचय करने की इच्छा।

इस सिद्धांत के अनुसार ब्याज दर का निर्धारण ऋण देय कोषों की मांग एवं पूर्ति की सापेक्ष शक्तियों द्वारा किया जाता है।

ऋण कोषों की मांग (D_L) = ऋण कोषों की पूर्ति (S_L)

निवेश + अबचत = बचत + बैंक साख + अपसंचय + अनिवेश।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धांत का विश्लेषण करते समय, क्लार्क ने निम्नलिखित में किस पर अधिक जोर दिया?

(a) श्रम के लिये माँग पर
(b) श्रम आपूति पर
(c) श्रम की आपूर्ति तथा माँग दोनों पर
(d) लाभ अधिकतमीकरण पर

Ans : (a) वितरण के सीमांत उत्पादकता सिद्धांत का विश्लेषण 1902 जे.बी. क्लार्क के 'The Distribution of wealth' में मिलता है। वितरण के सीमांत उत्पादकता सिद्धांत के अनुसार उत्पादन के विभिन्न साधनों का पारितोषिक उनकी सीमांत उत्पादकता के आधार पर निर्धारित होता है। क्लार्क ने प्रदर्शित किया कि, "स्थैतिक दशाओं में उत्पादक का प्रत्येक साधन, यहां तक कि साहसी भी, अपनी सीमांत उत्पादकता के बराबर पारितोषिक प्राप्त करेगा।

मान्यतायें–

1. उत्पादन के विभिन्न साधन पूर्णतया गतिशील है।
2. उत्पादन इकाई समान।
3. प्रत्येक उत्पादक की उत्पादकता ज्ञात की जा सकती है तथा एक साधन के स्थान पर दूसरे को प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
4. पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति वर्तमान है तथा उत्पादन में समता नियम लागू है।

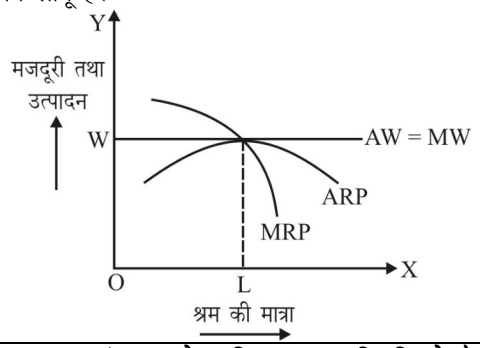

8. सामान्य संतुलन से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें सभी आर्थिक इकाइयाँ अपने-अपने वस्तुपरक कार्यों को अधिकतम करती हैं और साथ-साथ ही सभी कीमतें भी संतुलन में रहती है और सभी बाजारों में संतुलन हो जाता है। यह कथन :

(a) सहीं है। (b) सहीं नहीं है।
(c) पूर्ण रूप से सहीं है। (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) सामान्य संतुलन से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें सभी आर्थिक इकाईयां अपने-अपने वस्तुपरक कार्यों को अधिकतम करती है और साथ-साथ ही सभी कीमतें भी संतुलन में रहती है और सभी बाजारों में संतुलन हो जाता है। यह कथन सही है।

9. मुंडेल के अनुसार इष्टतम मुद्रा क्षेत्र में आन्तरिक और बाह्य संतुलन की उपलब्धि निम्नलिखित के जरिए संभावित है :

(a) पूँजी प्रवाह
(b) बाहर से निधियों का अंतर्वाह
(c) सरकारी विकास सहायता
(d) कारकों की गतिशीलता

Ans : (a/c) मुण्डेल (Mundell) के अनुसार इष्टतम मुद्रा क्षेत्र वह क्षेत्र है जो पूर्ण रोजगार तथा भुगतान शेष संतुलन के रूप में आंतरिक एवं बाहरी संतुलन में स्वतः तालमेल लाता है। इसमें न तो मौद्रिक, राजकोषीय तथा अन्य नीतियों का सरकारी हस्तक्षेप होता है और न ही लचीली विनिमय दरों की नीति का। आंतरिक एवं बाह्य संतुलन की प्राप्ति क्षेत्र के भीतर साधनों की गतिशीलता द्वारा संभव होती है। यदि साधन जैसे श्रम एवं पूँजी की देशों के बीच मुक्त गतिशीलता हो तो आंतरिक (पूर्णरोजगार) तथा बाह्य (भुगतान संतुलन) दोनों संतुलन स्वतः प्राप्त किये जा सकेंगे।

10. मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाए रखने और सामान्य बाह्य टैरिफ, पूँजी और श्रम की निर्बाध गतिशीलता और सरकारी नीतियों तथा मुद्रा नीति में कुछ सीमा तक एकीकरण बनाए रखने के लिये दो देशों के बीच होने वाले करार को कहा जाता है

(a) कॉमन मार्केट (b) मुक्त व्यापार क्षेत्र
(c) आर्थिक संघ (d) सीमा-शुल्क संघ

Ans : (c) मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाए रखने और सामान्य बाह्य टैरिफ, पूँजी और श्रम की निर्बाध गतिशीलता और सरकारी नीतियों तथा मुद्रा नीति में कुछ सीमा तक एकीकरण बनाए रखने के लिए दो देशों के बीच होने वाले करार को आर्थिक संघ कहा जाता है। इसका उदाहरण यूरोपीय संघ है, जिसकी स्थापना 1957 में रोम में हुई। इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में है।

11. बहुपक्षीय व्यापार पद्धति के मूल सिद्धांत है :

I. अभेदीकरण II. पारस्परिकता
III. संरक्षण वाद IV. घरेलू सुरक्षा उपाय

नीचे दी गई सूची से सही कोड चुनिए :

(a) I, II और IV सही है। (b) II और III सही है।
(c) II, III और IV सहीं है (d) I और II सहीं है।

Ans : (a) बहुपक्षीय व्यापार पद्धति के मूल सिद्धांत निम्न है–
I. अभेदीकरण। II. पारस्परिकता। IV. घरेलू सुरक्षा उपाय।

12. अभिकथन (A) : बहुत से विकासशील देशों का यह तर्क है कि श्रम मानक मुक्त व्यापार में बाधा बनते हैं।
कारण (R) : उसका प्रतियोगी लाभ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सस्ता श्रम है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य है, और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, और (R), (A) सहीं व्याख्या है।
(c) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।
(d) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है

Ans : (b) (A) और (R) दोनों सत्य है, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

13. विश्व व्यापार संगठन मंत्रियों की बैठकों को क्रम में व्यवस्थित करें :

I. जेनेवा II. दोहा
III. हाँग काँग IV. सीटेल

(a) II, IV, III, I (b) III, IV, I, II
(c) IV, II, III, I (d) I, IV, II, III

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई। दिये गये प्रश्न के अनुसार विश्व व्यापार संगठन के मंत्रियों की बैठकों का क्रम व्यवस्थित है–

I. जेनेवा – 18–20 मई, 1998
IV. सिएटल – 20 नवम्बर –3 दिसम्बर, 1999
II. दोहा – 9–14 नवम्बर, 2011 (कतर)
III. हाँगकाँग – 13–18 दिसम्बर, 2005

14. एस.डी.आर. यूनिट को मूल रूप से किस रूप में नामित किया गया था?

(a) यू.एस. डालर का विश्व बाजार मूल्य
(b) एक यू.एस. डॉलर के समतुल्य स्वर्ण-मूल्य
(c) पौंड-स्टर्लिंग
(d) जर्मन मार्क

Ans : (b) एस.डी.आर. की यूनिट का मूल रूप से एक यू.एस. डॉलर के समतुल्य स्वर्ण मूल्य के रूप में नामित किया गया था।

15. हेजिंग का तात्पर्य है

(a) विदेशी विनिमय जोखिम की स्वीकार्यता
(b) विदेशी विनिमय जोखिम की कवरिंग
(c) विदेशी विनिमय परिकल्पना
(d) विदेशी विनिमय विवाचन (आरबिटरेज)

Ans : (b) हेजिंग से अभिप्राय लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार के शेयर, प्रतिभूतियों या सम्पत्तियों को क्रय करना या रखना तथा बेचना है। जिससे कुछ के सम्बन्ध में होने वाली हानि दूसरों से मिलने वाली लाभ से पूरी हो सके जिससे हानि विनियोजन जोखिम न्यूनतम हो सके। इस प्रकार हम कह सकते है कि हेजिंग विदेशी विनिमय जोखिम की कवरिंग करता है।

16. निम्नलिखित में से किसका यूरों मुद्रा बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है?

(a) अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजार
(b) विश्व की अंकित मुद्रा आपूर्ति में कमी
(c) अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजारों का एकीकरण
(d) बी.ओ.पी. घाटे को पूरा करन

Ans : (b) विश्व की अंकित मुद्रा आपूर्ति में कमी का यूरो मुद्रा बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

17. रोजगार गारन्टी योजना सर्वप्रथम कहाँ आरम्भ हो गई?

(a) गुजरात (b) मध्य प्रदेश
(c) महाराष्ट्र (d) तमिलनाडु

Ans : (c) ग्रामीण बेरोजगारी, भुखमरी और गरीबी से निजात पाने के लिए रोजगार गारण्टी योजना का प्रारम्भ सर्वप्रथम 1972–73 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया था। बाद में केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री डा0 मनमोहन सिंह द्वारा 2 फरवरी, 2006 को आन्ध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से इसको नरेगा नाम से प्रारम्भ किया गया। 2006–07 के दौरान देश के 27 राज्यों के 200 जिलों में (वर्तमान में 29 राज्य) इस योजना का कार्यान्वयन किया गया। इसमें पहले से चली आ रही कई कार्यक्रम यथा काम के बदले अनाज, सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना का विलय इस योजना में कर दिया गया। 1 अप्रैल 2008 से सम्पूर्ण देश में इस योजना को लागू कर दिया गया। 2 अक्टूबर 2009 को नरेगा मनरेगा में तब्दील हो गयी।

18. वेबर थ्योरी ऑफ लोकेशन के अनुसार लोकेशन पर असर डालने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं

1. परिवहन लागत 2. भूमि लागत
3. श्रम लागत 4. नवीकरण लागत

कूटः

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1 और 4

Ans : (c) बेवर थ्योरी ऑफ लोकेशन के अनुसार लोकेशन पर असर डालने वाले महत्वपूर्ण कारक निम्न है–

1. परिवहन लागत। 2. श्रम लागत।

वेबर ने अपने औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत में उद्योग की स्थापना के सम्बंध में श्रम लागतों के प्रभाव की भी विवेचना की। वेबर माना उद्योगों की स्थापना श्रम लागत के बिन्दु पर होगी, जब श्रम लागत की बचत दर परिवहन लागत की बचत दर से अधिक हो। इनकी पुस्तक Theory of the location of industries है।

19. अभिकथन (A) : भारत के पब्लिक सेक्टर ने स्वस्थ औद्योगिक आधार के विकास में सहयोग दिया।
कारण (R) :पब्लिक सेक्टर राज्य के नियंत्रणधीन है। समुचित नीति तैयार करने और वित्तीय तथा अन्य सहयोग देने में राज्य की भूमिका से पब्लिक सेक्टर को बहुत मदद मिली है।

(a) (A) सही है पर (R) गलत है।
(b) दोनो (A) और (R) सही है।
(c) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans : (b) भारत के सार्वजनिक क्षेत्र ने स्वस्थ आधार के विकास में सहयोग दिया है। इस क्षेत्र के द्वारा ही सामाजिक समता स्थापित हुआ है। यह क्षेत्र राज्य के नियंत्रण में होता है। राज्य ही इस क्षेत्र की नीतियों का निर्माण करता है। इस क्षेत्र के विकास के लिए राज्य विभिन्न परियोजनाओं का निर्माण करता है।
इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही है।

20. 'श्रमशक्ति' का निम्नलिखित में से उपयुक्त मद से मिलान करें:

(a) कार्य बल (b) सभी शिक्षित
(c) रोजगार प्राप्त और बेराजगार (d) सभी ग्रामीण कार्यकर्त्ता

Ans : (c) श्रम शक्ति में रोजगार प्राप्त और बेरोजगार दोनों सम्मिलित होते है। यहां बेरोजगार से आशय ऐसे लोगों से है जो दिये गये मजदूरी पर कार्य करने को इच्छुक है, परन्तु उन्हें कार्य नहीं मिल रहा है।

21. व्यापार चक्र के चार चरण है। इन चरणों के घटित होने का सही अनुक्रम बताएँ :

(a) वसूली,अवमंदन,विस्तार,मंदी
(b) वसूली,विस्तार,मंदी,अवमंदन
(c) मंदी,विस्तार,अवमंदन,वसूली
(d) वसूली,विस्तार,अवमंदन,मंदी

Ans : (d) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं जैसे रोजगार, आय, उत्पादन तथा कीमतों इत्यादि में तरंग की तरह चक्रीय उतार-चढ़ाव आते रहते है, इन्हीं चक्रीय उतार-चढ़ावों को व्यापार चक्र कहते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्यापार चक्र के चार चरण होते है, जिनके घटित होने का क्रम निम्न है–1. वसूली, 2. विस्तार, 3. अवमंदन, 4. मंदी।

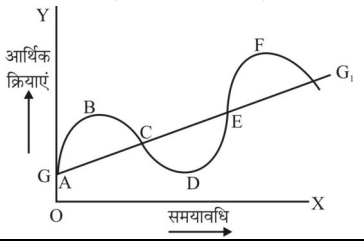

22. आजादी के बाद से भारत में 'तैयार स्टील' का उत्पादन कितना बढ़ा है?

(a) 10 गुना (b) 20 गुना
(c) 30 गुना (d) 50 गुना

Ans : (d) आजादी के बाद से भारत में 'तैयार स्टील' का उत्पादन 50 गुना बढ़ा है।

23. संघ बजट में 'प्रभावी राजस्व घाटा' प्रत्यय का प्रयोग सर्वप्रथम किस वर्ष किया गया ?

(a) 2009-10 में (b) 2010-11 में
(c) 2011-12 में (d) 2008-09 में

Ans : (c) वित्तमंत्री प्रणव मुखर्जी द्वारा संघ बजट 2011–12 में सर्वप्रथम प्रभावी राजस्व घाटा का प्रयोग किया गया।

प्रभावी राजस्व घाटा = Revenue Deficit - Grants to states for creatian of capital assets.

वर्ष 2015-16 में प्रभावी राजस्व घाटा 1.5% है।
वर्ष 2017-18 के केन्द्रीय बजट के अनुसार प्रभावी राजस्व घाटा वर्ष 2016-17 में 1.2% रहेगा।

24. वर्ष 2011-12 में केन्द्र सरकार के राजस्व में किस कर से सर्वाधिक आय संभावित है?

(a) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (b) सीमा शुल्क
(c) आयकर (d) निगम कर/कॉरपोरेट कर

Ans : (d) वर्ष 2011–12 में केन्द्र सरकार के राजस्व में निगम कर/कॉरपोरेट कर से सर्वाधिक आय संभावित है।
वर्ष 2016-17 के केन्द्रीय बजट के अनुसार केन्द्र सरकार के राजस्व में निम्न करों से सर्वाधिक आय संभावित है–

1. निगम कर	–	19%
2. आय कर	–	14%
3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	–	12%
4. सीमा शुल्क	–	9%

वर्ष 2017-18 के केन्द्रीय बजट के अनुसार केन्द्र सरकार के राजस्व में निम्नलिखित करों का योगदान है–

1. निगम कर	19%
2. आय कर	16%
3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	14%
4. सीमा शुल्क	9%

25. राज्य सरकारों का सकल राजकोषीय घाटा वित्तपोषित किया जाता है।

I. बाजार ऋण के द्वारा
II. करेन्सी के मुद्रण द्वारा
III. केन्द्र सरकार से ऋण के द्वारा
IV. विदेशी ऋण द्वारा

कूट :

(a) I, II व III सही है। (b) II, III व IV सही है।
(c) I, III सही है। (d) II व IV सही है।

Ans : (c) राज्य सरकारों का सकल राजकोषीय घाटा वित्तपोषित निम्न मदों से किया जाता है–
1. बाजार ऋण के द्वारा। 2. केन्द्र सरकार से ऋण के द्वारा।

26.

सूची – I	**सूची – II**
(i) कराधान के नियम	1. यू.के. हिक्स
(ii) सार्वजनिक व्यय के नियम	2. एडम स्मिथ
(iii) प्रभावी कराभार	3. फिण्डले शिराज
(iv) सार्वजनिक व्यय का लाभ प्राप्ति उपागम	4. एरिक लिन्डाल

कूट:

	i	ii	iii	iv
(a)	2	3	1	4
(b)	1	2	3	4
(c)	2	3	4	1
(d)	4	1	2	3

Ans : (a)

(a) कराधान के नियम	–	2. एडम स्मिथ
(b) सार्वजनिक व्यय के नियम	–	3. फिण्डले शिराज
(c) प्रभावी कराभार	–	1. यू.के. हिक्स
(d) सार्वजनिक व्यय का लाभ प्राप्ति उपागम	–	4. एरिक लिन्डाल

27. अभिकथन (A) : वित्तीय वर्ष 2011-12 में, केन्द्र सरकार विनिवेश की नीति द्वारा रू0 40,000 करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं दिखती है।
कारण (R) : राजकोषीय अन्तराल को पूरा करने के लिये सार्वजनिक ऋण की बढ़ोत्तरी की नीति को न्यायोचित माना जाता है

कूट :

(a) (A) व (R) दोनों सहीं है, व (R), (A) सही कारण है।
(b) (A) व (R) दोनो सही है,किन्तु (R), (A) का सहीं कारण नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
(d) (R) सही है, किन्तु (A) सही है।

Ans : (b) (A) व (R) दोनों सही है, और (R), (A) का सही कारण नहीं है।

28. निम्नलिखित प्रतिवेदनों को कालानुक्रमिक में व्यवस्थित करें:

I. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति अन्तिम रिपोर्ट
II. कर संरचना के औचित्य स्थापन और सरलीकरण पर अन्तिम रिपोर्ट
III. भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण की रिपोर्ट
IV. कराधान जाँच आयोग

कूट :

(a) IV, III, II, I (b) I, II, III, IV
(c) III, I, IV, II (d) II, III, I, IV

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a)
IV. काराधान जाँच आयोग।
III. भारतीय कर सुधार सर्वेक्षण की रिपोर्ट।
II. कर संरचना के औचित्य स्थापन और सरलीकरण पर अंतिम रिपोर्ट।
I. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति की अन्तिम रिपोर्ट।

29. किसी संघ की सर्वप्रमुख विशेषता है
(a) राज्यों के ऊपर केन्द्र की सर्वोच्चता
(b) केन्द्र एवं राज्य सरकारों के कार्यों एवं संसाधनों में असंवादिता
(c) केन्द्र एवं राज्य सरकारों के कार्यों एवं संसाधनों में पूर्ण सामंजस्य।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans : (b) किसी संघ की सर्वप्रमुख विशेषता केन्द्र व राज्य सरकारों के कार्यों एवं संसाधनों में असंवादिता है।

30. समीकरण $C = C_0 + C_1Y_d$, में जहाँ C योजनाबद्ध उपभोग व्यय, Y_d प्रयोज्य आय, C_0 अन्तरोंधन या स्वायत्त उपभोग (जब $Y_d = 0$ हो तब C का मूल्य), और C_1 = सीमान्त उपभोग की प्रवृत्ति है। निम्नलिखित में से अंतर्जात चर कौन-सा है?
(a) C_0 (b) $C_1C_1Y_d$
(c) C_1Y_d (D) उपर्युक्त में सें कोई नहीं

Ans : (c) समीकरण,

$$C = C_0 + C_1Y_d$$

जहाँ C = योजनाबद्ध उपभोग व्यय।
Y_d = प्रयोज्य आय।
C_0 = अर्न्तरोधन का स्वायत्त उपभोग।
C_1 = सीमांत उपभोग की प्रवृत्ति, हो तो अर्न्तजात चर C_1Y_d होगा।

31. किस परिकल्पना के अनुसार उपभोग अप्रत्यावर्तनीय है?
(a) निरपेक्ष आय परिकल्पना (b) सापेक्ष आय परिकल्पना
(c) स्थायी आय परिकल्पना (d) जीवन चक्र परिकल्पना

Ans : (d) जीवन चक्र परिकल्पना के अनुसार उपभोग अप्रत्यावर्तनीय अर्थात परिवर्तन के प्रति Responsive नहीं होगा। जीवन चक्र परिकल्पना मोदिग्लियानी तथा एण्डो द्वारा प्रतिपादित किया गया है, जिसे जीवन चक्र सिद्धान्त के रूप में जाना जाता है, जीवन चक्र सिद्धान्त के अनुसार किसी अवधि में उपभोग उस अवधि की वर्तमान आय का फलन नहीं होता बल्कि वह सम्पूर्ण जीवन अवधि में प्रत्याशित आय का फलन होता है।

32. निम्नलिखित में से कौन सा अभिकथन असत्य है?
(a) गतिक गुणक में उपभोग और प्रयोज्य आय में पश्चयिव संबंध होता है।
(b) गतिक गुणक प्रक्रिया को आगे आने वाली अवधि में आय में परिवर्तन की घटती ज्यामितीय श्रृंखला के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है।
(c) गुणक के प्रभाव के अधिक भाग को कम अवधियों में प्राप्त किया जा सकता है। जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति ज्यादा अल्प हो।
(d) गुणक प्रभाव के अधिक भाग को उन कम अवधियों में प्राप्त किया जा सकता है जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति ज्यादा हो

Ans : (b) गतिक गुणक प्रक्रिया को आगे आने वाली अवधि में आय में परिवर्तन की बढ़ती ज्यामितीय श्रृंखला के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है न कि घटती ज्यामितीय श्रृंखला के रूप में।

33. निम्नलिखित में से व्यापार चक्र का कौन सा मॉडल 'व्यवरूद्ध चक्रों' को उत्पन्न करता है?
(a) सैम्युलसन मॉडल (b) हिक्स मॉडल
(c) काल्डर मॉडल (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (b) हिक्स का व्यापार चक्र मॉडल 'व्यवरूद्ध चक्रों' को उत्पन्न करता है। जे.आर. हिक्स ने 1950 में प्रकाशित पुस्तक 'A contribution to the theory of trade cycle ' में यह प्रतिपादित किया व्यापार चक्र गुणक तथा त्वरक की अर्न्तक्रिया का परिणाम है। हिक्स का व्यापार चक्र मॉडल कीन्सियन गुणक विश्लेषण, जे.एम. क्लार्क के त्वरक व हैरॉड के आर्थिक संवृद्धि विश्लेषण पर आधारित है।

मान्यतायें–
1. बचत तथा विनियोग के गुणांकों के मूल्य ऐसे है कि संस्थिति से विचलन संस्थिति से और दूर ही लेता जायेगा।
2. पूर्णरोजगार स्तर पर विस्तार ऊपरी सीमा तथा संकुचन निचली सीमा द्वारा निर्धारित होती है।
3. गुणक-त्वरक के क्रियाशीलन के सम्बन्ध में हिक्स 'समय पश्चता' मानते है अर्थात् $C_t = f(y_{t-1})$

उपरोक्त मानयताओं के आधार पर हिक्स ने अपना सिद्धांत स्पष्ट किया, जो गुणक-त्वरक की अन्तक्रिया पर आधारित है। हिक्स के व्यापार चक्र की दो अवस्थायें है–
1. विस्तार की अवस्था। 2. संकुचन की अवस्था।

इसके अतिरिक्त दो मोड़ बिन्दु है–
1. विस्तार से संकुचन की ओर या ऊपरी मोड़ बिन्दु।
2. संकुचन से विस्तार की ओर या निचला मोड़ बिन्दु।

इन चारों अवस्थाओं के आधार पर हिक्स ने निम्न चित्र प्रस्तुत किया–

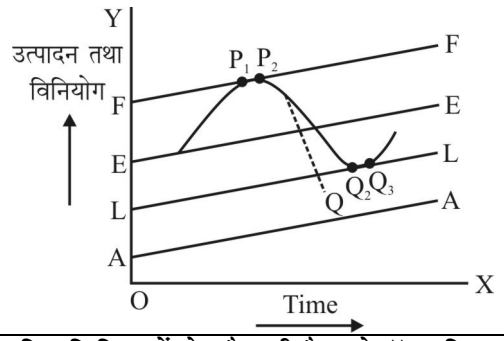

34. निम्नलिखित में से कौन सी हैरड के ''समृद्धि प्रारूप'' की मान्यता नहीं है?
(a) वांछित पूँजी उत्पाद अनुपात स्थिर है।
(b) अर्थव्यवस्था में बचत वास्तविक आय का स्थिर अनुपात है।
(c) श्रम बल का विकास उसी बहिर्जात निर्धारित स्थिर एक्सपोनेंशियल (घातीय) दर पर होता है।
(d) घटक मूल्य दीर्घकाल में नम्य होते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) हैरड का संवृद्धि मॉडल निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है–

1. आय का एक प्रारंभिक पूर्ण रोजगार संतुलन होता है।
2. सरकारी हस्तक्षेप का अभाव होता है।
3. ये मॉडल बन्द अर्थव्यवस्था में कार्य करते है।
4. निवेश तथा उत्पादक क्षमता निर्माण के बीच समायोजन में देर नहीं लगती।
5. APS = MPS।
6. $S_t = s.y_t$।
7. सीमांत बचत प्रवृत्ति स्थिर रहती है।
8. पूँजी गुणांक अर्थात् पूँजी-स्टॉक का आय से अनुपात स्थिर मान लिया जाता है।
9. सामान्य कीमत स्तर स्थिर रहता है अर्थात् मौद्रिक आय तथा वास्तविक आय समान होती है।
10. ब्याज की दरों में परिवर्तन नहीं होते।
11. उत्पादक प्रक्रिया में पूँजी तथा श्रम का अनुपात स्थिर होता है।
12. पूँजी में स्थिर तथा परिवर्तनशील दोनों प्रकार की पूँजी सम्मिलित है।

35. ग्रुप-(A) में दिये गये अभिकथनों का ग्रुप-(B) में दिये उनके प्रतिपादकों से मिलान करें :

	ग्रुप–A (अभिकथन)	ग्रुप –B (प्रतिप्रादित)
i	मुद्रा वेग इसके निर्धारको का स्थिर फलन है	1. कीन्सवादी
ii	मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है।	2. मौद्रिकवादी
iii	मुद्रा वेग स्थायी फलन होता है और यह आय या ब्याज की दरो पर निर्भर नहीं करता है।	3. क्लासिकल्स

कूटः

	i	ii	iii
(a)	2	3	1
(b)	1	2	3
(c)	2	1	3
(d)	3	2	1

Ans : (c)

(a) मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का स्थिर फलन है। – 2. मौद्रिकवादी

(b) मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है। – 1. कीन्सवादी

(c) मुद्रा वेग स्थायी फलन होता है और यह आय या ब्याज की दरों पर निर्भर नहीं करता है। – 3. क्लासिकल्स

36. 'ए.डब्ल्यू.फिलिप्स' का मजदूरी स्फीति बेरोजगारी ट्रेड ऑफ निम्नलिखित में से किस पर आधारित है?

(a) स्थैतिक अपेक्षाएँ परिकल्पना
(b) अनुकूली अपेक्षाएँ परिकल्पना
(c) बहिर्वेशित अपेक्षा परिकल्पना
(d) तर्कसंगत अपेक्षा परिकल्पना

Ans : (a) 'ए.डब्ल्यू फिलिप्स' का मजदूरी स्फीति बेरोजगारी ट्रेड आफ स्थैतिक अपेक्षाएं परिकल्पना पर आधारित है। फिलिप्स वक्र बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी परिवर्तनों की दर में संबंध का निरीक्षण करता है। प्रो. फिलिप्स ने ब्रिटेन में 1681 से 1957 के बीच बेरोगारी के प्रतिशतों तथा मौद्रिक मजदूरी की दरों में होने वाले परिवर्तनों के प्रतिशतों से सम्बन्धित आकड़ों का विश्लेषण किया और यह निष्कर्ष दिया कि बेरोजगारी की दर और मुद्रा मजदूरी दर के बीच विपरीत संबंध होता है। बाद में इसका प्रयोग मुद्रा स्फीति तथा बेरोजगारी की दर के मध्य संबंध दिखाने के लिए किया जाने लगा।

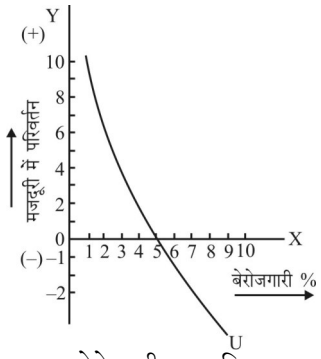

रेखाचित्र में x-अक्ष पर बेरोजगारी का प्रतिशतः तथा लम्ब अक्ष पर मजदूरी में परिवर्तन दिखाया गया है। इन दोनों के बीच अनुपात प्रदर्शित करने वाला वक्र फिलिप्स वक्र है, जो एक गैर रैखिक वक्र है।

37. मान लीजिये कि मुद्रा पूर्ति और कीमत स्तर स्थिर है, और मुद्रा की माँग आय और ब्याज दर का फलन है। जब आय का स्तर बढ़ता है तो निम्नलिखित में से क्या होता है?

(a) मुद्रा की माँग की मात्रा में वृद्धि और ब्याज दर में वृद्धि
(b) मुद्रा की माँग की मात्रा में वृद्धि और ब्याज की दर में कमी।
(c) मुद्रा की माँग की मात्रा में कमी और ब्याज की दर में कमी।
(d) मुद्रा की माँग की मात्रा में कमी और ब्याज दर में वृद्धि।

Ans : (a) मान लीजिए कि मुद्रा पूर्ति और कीमत स्तर स्थिर है, और मुद्रा की मांग आय तथा ब्याज दर का फलन है। इस स्थिति में जब आय का स्तर बढ़ता है तो मुद्रा की मांग की मात्रा में वृद्धि और ब्याज दर में वृद्धि होता है।

38. भारत में राजकोषीय सुधार उपायों में शामिल है

I. कर- जी.डी.पी. अनुपात बढ़ाना
II. व्यय प्रबन्धन
III. राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को व्यवस्थित करना
IV. अर्थव्यवस्था में तरलता में वृद्धि

कूट :

(a) I, II और III सही है। (b) I और IV सही है।
(c) II, III और IV सही है। (d) III और IV सही है।

Ans : (a) भारत में राजकोषीय सुधार में निम्नलिखित उपाय शामिल है–

1. कर जी.डी.पी. अनुपात बढ़ाना।
2. व्यय प्रबन्धन।
3. राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को व्यवस्थित करना।

39. दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निम्नलिखित कुछ बातें अनुभव की गई :

I. सेवा क्षेत्र में अधिकतम वृद्धि दर देखी गई है।
II. कृषि में न्यूनतम वृद्धि दर अनुभव की गई है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

III. औद्योगिक क्षेत्र में वृद्धि दर ऋणात्मक रही।

उपर्युक्त में से कौन सा अभिकथन सत्य है?

(a) I, II, और III सही है। (b) I, और II सही है।
(c) I और III सही है। (d) II और III सही है।

Ans : (b) 10वीं पंचवर्षीय योजना की समयावधि 1 अप्रैल, 2002 से 31 मार्च, 2007 तक थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय तथा समता के साथ आर्थिक विकास करना था। इस योजना में आर्थिक संवृद्धि का लक्ष्य 7.9% रखा गया जबकि प्राप्ति 7.74% थी जो अब तक किसी की योजना में सर्वाधिक है।
कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर का लक्ष्य 4% रखा गया तथा प्राप्ति 2.30% उद्योग में लक्ष्य 8.9% तथा प्राप्ति 9.17% एवं सेवा क्षेत्र में लक्ष्य 9.4% तथा प्राप्ति 9.3% की हुई।

40. अभिकथन (A) : संगठित क्षेत्रक में रोजगार वृद्धि (सरकारी और निजी दोनों में मिला कर) वर्ष 1994-2008 के दौरान बढ़ी है।
कारण (R) : निजी क्षेत्र में अपेक्षाकृत अधिक रोजगार वृद्धि हुई है।
कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही है, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, किन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

Ans : (a) 1990-91 में अपनाई गयी नई आर्थिक नीति के परिणामस्वरूप अनेक सुधारवादी कदम उठाये गये है। उद्योगों के विकास एवं तृतीयक क्षेत्र के विकास के लिए अनेक प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया एवं अनेक छूटे दी गई है। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों का विकास हुआ। भारत सेवाओं का निर्यातक देश बन गया है। जिसके परिणामस्वरूप भारत में संगठित क्षेत्र में रोजगार बढ़ा है। निजी क्षेत्र पर अधिक बल देने के कारण रोजगार का प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र की अपेक्षा निजी क्षेत्र में अधिक रहा है। इस प्रकार (A) और दोनों सही है, और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

41. वर्ष 2011 के अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन से राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र दोनों में न्यूनतम बाल लिंग अनुपात निम्नतम था?

(a) उत्तर प्रदेश (b) केरल
(c) जम्मू और कश्मीर (d) हरियाणा

Ans : (d) वर्ष 2011 के अन्तिम आकड़ों के अनुसार हरियाणा राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र दोनों में न्यूनतम बल लिंगानुपात था। हरियाणा में शिशु लिंगानुपात 834 है। इसके बाद पंजाब है, जहां शिशु लिंगानुपात 846 है।

42. भारत में निम्नलिखित में से किस क्षेत्रक में वर्ष 2009-10 के दौरान 2004-05 की कीमतों पर अधिकतम वृद्धि दर देखने में आई है?

(a) व्यापार होटल, परिवहन और संचार व्यवस्था
(b) विनिर्माण, निर्माण, बिजली, गैस और जल आपूर्ति
(c) वित्त पोषण, बीमा, रियल एस्टेट और व्यवसाय सेवाएँ
(d) कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन, खनन और उत्खनन

Ans : (a) भारत में 2009-10 के दौरान (2004-05 की कीमतों पर) अधिकतम वृद्धि दर व्यापार, होटल, परिवहन और संचार व्यवस्था इत्यादि में देखने में आई है।
वर्ष 2015-16 के (2011-12 की कीमतों पर) दौरान अधिकतम वृद्धि दर वित्त पोषण, रियल इस्टेट, पेशेवर सेवाएं आदि की है। इसकी वृद्धि दर 10.3% है। इसके विनिर्माण की 9.5% है। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार इत्यादि की वृद्धि दर 9.5% है।

43. निम्नलिखित में से किन वर्षों में जी.डी.पी. की प्रतिशत के रूप में सकल घरेलू बचत अधिकतम थी?

(a) 2009-10 (b) 2008-09
(c) 2007-08 (d) 2006-07

Ans : (c) सकल राष्ट्रीय उत्पाद किसी देश के नागरिकों द्वारा किसी दी हुई समयावधि में उत्पादित कुल अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मौद्रिक मूल्य होता है। इसी प्रकार देश के अन्दर विदेशियों द्वारा उत्पादित आय को सकल घरेलू उत्पाद में से घटा देना चाहिए।

$$GNP = GDP + X - M$$

आय का वह भाग जो उपभोग करने के बाद बचा रह जाय बचत कहलाता है। इसमें सकल घरेलू बचत अधिक थी। दिये गये प्रश्नानुसार 2007-2008 में जी.डी.पी. की प्रतिशत के रूप में सकल घरेलू बचत अधिकतम 28.41% थी।

44. उस वृद्धि प्रक्रिया को क्या कहा गया है जिसके कारण व्यापक लाभ और समान अवसर उपलब्ध हुए?

(a) तेजी से वृद्धि (b) समावेशी वृद्धि
(c) असमावेशी वृद्धि (d) टिकाऊ या धारणीय वृद्धि

Ans : (b) ऐसा विकास समावेशी विकास कहलाता है जिसमें आर्थिक विकास की उच्च दर से जनित राष्ट्रीय आय के वितरण में समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लोगों को उचित हिस्सा मिल सके। अर्थात राष्ट्रीय आय का रिसाव प्रभाव नीचे की ओर अधिक हो। समावेशी विकास की शुरूआत 9वीं पंचवर्षीय योजना से की गयी।

45. निम्नलिखित में से किस योजना में उच्चतम वृद्धि दर देखने में आई है?

(a) नवीं योजना (b) आठवीं योजना
(c) दसवीं योजना (d) सातवीं योजना

Ans : (c) योजना कार्य करने की एक सुविचारित व्यूह संरचना को कहते हैं। यह छोटी बड़ी कुछ भी हो सकती है। जैसे 1 माह, 1 वर्ष, 5 वर्ष, 7 वर्ष इत्यादि। यह अवधारणा पूर्व के सोवियत संघ से ली गयी है।
हमारे देश में पहली पंचवर्षीय योजना की शुरूआत 1 अप्रैल 1951 से की गई। इस समय 12वीं पंचवर्षीय योजना चल रही है। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में विकास की स्थिति क्या रही है इसका विवरण इस प्रकार है-
(1) पहली पंचवर्षीय योजना - 3.70%
(2) दूसरी पंचवर्षीय योजना - 4.22%
(3) तीसरी पंचवर्षीय योजना - 2.8%
(4) चौथी पंचवर्षीय योजना - 3.4%
(5) पाँचवी पंचवर्षीय योजना - 4.9%
(6) छठी पंचवर्षीय योजना - 5.4%
(7) सातवीं पंचवर्षीय योजना - 5.6%
(8) आठवीं पंचवर्षीय योजना - 6.6%
(9) नौंवी पंचवर्षीय योजना - 5.7%
(10) दसवीं पंचवर्षीय योजना - 7.6%
(11) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना - 7.9%
(12) बारहवीं पंचवर्षीय योजना - .....

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. चर X और Y के किसी भी युग्म के लिये दो प्रतिगमन समीकरण एक X पर Y का प्रतिगमन और दूसरा Y पर X का प्रतिगमन विद्यमान रहता है क्योंकि :

I. दो प्रतिगमन समीकरणों के कोण का स्पर्शी सहसंबंध का गुणांक निर्धारित करता है।

II. प्रतिगमन मॉडल समीकरण के आश्रित और स्वतंत्र चरों की पहचान करने में सहायक नहीं होता है।

III. प्रतिगमन और सहसंबंध गुणांक दो चरों के सहपरिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है।

IV. प्रतिगमन समीकरण दोनों X और Y से संबंधित मानों का प्रतिनिधित्व करता है।

कूट :

(a) I और II सही है (b) I और III सही है।
(c) I और IV सही है। (d) III और IV सही है

Ans : (a) चर X और Y के किसी भी युग्म के लिए दो प्रतिगमन समीकरण एक X पर Y का प्रतिगमन और दूसरा Y पर X का प्रतिगमन विद्यमान रहता है, क्योंकि–

1. दो प्रतिगमन समीकरणों के कोण का स्पर्शी सहसम्बन्ध का गुणांक निर्धारित करता है।
2. प्रतिगमन मॉडल समीकरण के आश्रित और स्वतंत्र चरों की पहचान करने में सहायक नहीं होता है।

47. निम्नलिखित में से कौन सा लिऔन्टिफ के स्थैतिक (स्टेटिक) प्रतिरूप (मॉडल) से संबंधित नहीं है?

I. अंतिम माँग संभावित आधारित (स्टोकेस्टिक) वेक्टर होती है।

II. पैरोन फ्रोबिनियस का मूल का विलोम अधिकतम वृद्धि दर देता है।

III. आदा/इनपुट गुणांक प्रविधि प्राचलों द्वारा निश्चित होते है।

IV. $(I - A - RB)^{1} WL = P$

निम्नलिखित में से सही कूट का चयन करें

कूट :

(a) I, II, III (b) I, III, IV
(c) I, III (d) I, II, IV

Ans : (d) लिओन्टिफ का स्थैतिक मॉडल आदा/इनपुट गुणांक प्रविधि प्राचलों द्वारा निश्चित होता है। लिओण्टिफ का स्थैतिक आगत-निर्गत मॉडल के दो रूप है–

1. स्थैतिक आगत-निर्गत खुला मॉडल।
2. स्थैतिक आगत-निर्गत बंद मॉडल।

n उत्पादक क्षेत्रों द्वारा निर्मित $n \times n$ क्रम के आगत-निर्गत ब्यूह में एक और खुला क्षेत्र सम्मिलित कर लेने पर इसके आगत-निर्गत विश्लेषण व्यूह को लिओण्टिफ का खुला मॉडल कहा जाता है।

लियोण्टिफ के आगत-निर्गत खुले मॉडल के अन्तर्गत अन्तिम मांग क्षेत्र को बाह्य रूप में प्रदर्शित किया गया। यदि इस क्षेत्र को एक उद्योग मानकर आर्थिक व्यवस्था में विलय कर दिया जाय तो कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं रह जाता है जिसका सम्बन्ध बाह्य क्षेत्र से हो। इस प्रकार प्रत्येक वस्तु माध्यमिक वस्तुओं की प्रकृति की होगी क्योंकि इस $(n + 1)$ उद्योग व्यवस्था से उत्पादित निर्गतों को इन्हीं निर्गतों के उत्पादन हेतु प्रयोग किया जाता है। इस दशा के अन्तर्गत निर्मित मॉडल को बन्द मॉडल कहा जाता है।

48. यदि $X_1 = f(P_1 P_2)$ और $X_2 = \phi(P_1, P_2)$, है तो दो वस्तुएँ एक दूसरे की प्रतिस्थापन्न होती है, यदि

(a) $(\delta X_1 / \delta P_2) < 0, (\delta X_2 / \delta P_1) > 0$
(b) $(\delta X_1 / \delta P_2) > 0, (\delta X_2 / \delta P_1) < 0$
(c) $(\delta X_1 / \delta P_2) > 0, (\delta X_2 / \delta P_1) > 0$
(d) $(\delta X_1 / \delta P_2) < 0, (\delta X_2 / \delta P_1) < 0$

Ans : (c) यदि $X_1 = f(P_1 P_2)$ और $X_2 = \phi(P_1, P_2)$, है तो दो वस्तुएं एक-दूसरे की प्रतिस्थापन्न होती है, यदि $(\delta X_1 / \delta P_2) > 0$, $(\delta X_2 / \delta P_1) > 0$ हो।

49. सहकालिक समीकरण अर्थमिति (इकोमेट्रिक) मॉडलों क संदर्भ में निम्नलिखित अभिकथनों पर विचार करें :

I. अभिज्ञान समस्या है जिसे आकलन से पहले मालूम किया जाना चाहिये।

II. अभिज्ञान के लिये क्रमबद्धता की शर्त आवश्यक है पर इसके लिये पर्याप्त नहीं है।

III. आकलन की द्विचरण न्यूनतम वर्ग प्रणाली संगत आकलक प्रदान करती है यदि समीकरण का पूर्ण अभिज्ञान नहीं हुआ हो।

IV. अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति के अंतर्गत न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति लघुकृत समीकरणों पर लागू होती है।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) I और II सही हैं, किन्तु III और IV सही नहीं है।
(b) I, II, III और IV सही है।
(c) I, II और III सही है, लेकिन IV सही नहीं है।
(d) I, II और IV सही है, लेकिन III सही नहीं है

Ans : (d) सहकालिक समीकरण अर्थमिति मॉडलों के संदर्भ में निम्नलिखित अभिकथन सही है–

I. अभिज्ञान समस्या है जिसे आकलन से पहले मालूम किया जाना चाहिए।

II. अभिज्ञान के लिए क्रमबद्धता की शर्त आवश्यक है पर इसके लिए पर्याप्त नहीं है।

IV. अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति के अन्तर्गत न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति लघुकृत समीकरणों पर लागू होती है।

50. यदि $r_{xy} = 0.3$ तो सूची–I और सूची–II की मदों का समायोजन कीजिये :

सूची–I	सूची–II
i. –1 से +1	1. 0.3
ii. –X और Y के बीच संहसंबध गुणांक	2. सहसंबंध गुणांक की सीमाएं
iii. सहसंबंध गुणांक का वर्ग (स्क्वेयर)	3. –0.3
iv. –X और –Y के बीच सहसंबंध का गुणांक	4. निर्धारण का गुणांक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	i	ii	iii	iv
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	1	2	4
(d)	4	1	2	3

Ans : (b)

(a) –1 से +1 — 2. सहसम्बन्ध गुणांक की सीमाएं।

(b) –X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक — 3. –0.3

(c) सहसम्बन्ध गुणांक का वर्ग (स्क्वेयर) — 4. निर्धारण का गुणांक

(d) –X और –Y के बीच सहसंबंध का गुणांक — 1. 0.3

51. निम्नलिखित का मिलान करें :

सूची–I	सूची–II
i. डरविन-वाटसन 'd' स्टेटिक्स	1. स्टैशनैरिटी
ii. R_2	2. गुणात्मक प्रभाव
iii. डिकी-फुलर टेस्ट	3. सीरियल सहसंबध
iv. डमी-मूकचर	4. प्रतिगमन फलन का सुमानकता

कूटः

	i	ii	iii	iv
(a)	1	2	4	3
(b)	2	1	3	4
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	1	2

Ans : (d)

(a) डरविन-वाटसन 'd' स्टेटिक्स — 3. सीरियल सहसंबंध।

(b) R^2 — 4. प्रतिगमन फलन का सुमानकता।

(c) डिकी-फुलर टेस्ट — 1. स्टैशनैरिटी।

(d) डमी-मूकचर — 2. गुणात्मक प्रभाव।

52. C.E.S. उत्पादन फलन मे :

$$Q = M\left[\alpha X^{-P} + (1-\alpha)X_2^{-P}\right]^{\frac{-1}{P}}$$

Q = प्रदा (आउटपुट) X_1 तथा X_2 श्रम एवं पूँजी है। प्रतिस्थापन लोच निम्नांकित के द्वारा दी है-

(a) –P (c) $\frac{-1}{p}$

(b) $\frac{1}{(1+P)}$ (d) M

Ans : (c) C.E.S. उत्पादन फलन में,

$$Q = M\left[\alpha X^{-P} + (1-\alpha)X_2^{-P}\right]^{\frac{-1}{P}} \text{ में,}$$

जहाँ Q = प्रदा

X_1 एवं X_2 श्रम एवं पूँजी है तो प्रतिस्थापन की लोच $\frac{1}{(1+P)}$ के द्वारा दी गई है।

53. दो चर के रेखित प्रोग्रामन समस्या में निम्नलिखित में से कोई एक व्यवरोध स्थिति होने पर बहुविध इष्टतम समाधान प्राप्त किये जाते है

(a) वस्तुपरक फलन उस अवरोध के समानांतर होना चाहिये जो साध्य क्षेत्र की सीमा बनाता है।

(b) वस्तुपरक फलन उस अवरोध के लम्ब होना चाहिये जो साध्य क्षेत्र की सीमा बनाता है।

(c) A और B दोनो में से कोई नहीं

(d) कोई भी दो अवरोध, एक दूसरे के समानांतर होने चाहिये।

Ans : (a) दो चर के रेखित प्रोग्रामन समस्या में वस्तुपरक फलन उस अवरोध के समानान्तर होना चाहिए जो साध्य क्षेत्र की सीमा बनाती है। इस प्रकार की व्यवरोध स्थिति पर दो चर के रेखित प्रोग्रामन समस्या में बहुविध इष्टतम साधन प्राप्त किये जा सकते है।

54. इनपुट-आउटपुट विश्लेषण के खुली अर्थव्यवस्था मॉडल में, यदि A आदा गुणांक मैट्रिक्स है और (I - A) प्रोद्योगिकी मैट्रिक्स है तो निम्नलिखित व्यवहार्य शर्त जिसे पूरा किया जाना चाहिये :

(a) $|I-A| \neq 0$

(b) $|I-A| > 0^{(I-A)^1}$

(c) $|I-A| < 0$

(d) मैट्रिक्स $(I-A)$ के सभी प्रधान माइर्न्स पॉजिटिव होने चाहिये।

Ans : (d) इनपुट-आउटपुट विश्लेषण के खुली अर्थव्यवस्था मॉडल में यदि A आदा गुणांक मैट्रिक्स है तो व्यवहार शर्त यह है कि मैट्रिक्स $(I-A)$ के सभी प्रधान माइनर्स पॉजिटिव होने चाहिए।

55. कॉब डग्लस का उत्पादन फलनः

$Q = AL^{\alpha}K^{1-\alpha}$ में, प्रतिस्थापना लोच निम्नांकित होगी

(a) शून्य (b) अनन्त

(c) एक (d) III और IV सही

Ans : (c) कॉब डग्लस उत्पादन फलन $Q = AL^{\alpha}K^{1-\alpha}$ में प्रतिस्थापन की लोच एक होगी।

कॉब डग्लस उत्पादन फलन की निम्न विशेषताएं है–

1. यदि आगतों को λ गुना बढ़ा दिया जाये तो निर्गत भी λ गुना बढ़ जाता है।
2. यह प्रथम कोटि का समरूप फलन होता है तथा पैमाने का स्थिर प्रतिफल व्यक्त करता है।
$$\boxed{\alpha + \beta = 1}$$
3. प्रतिस्थापन की लोच इकाई के बराबर होती है।
$$\boxed{\sigma = 1}$$
4. श्रम एवं पूँजी दोनों में से किसी एक की मात्रा शून्य होने पर कुल उत्पादन शून्य हो जाता है।
5. α, β क्रमशः उत्पादन में श्रम एवं पूँजी के अंश को व्यक्त करते है।
6. α तथा β क्रमशः पूँजी तथा श्रम के सापेक्ष उत्पादन की लोच को व्यक्त करते है।
7. Cob-Douglas Production Function का विस्तार पथ रेखीय समरूप होता है तथा मूल बिन्दु से होकर जाता है।
8. कॉब डग्लस उत्पादन फलन के समोत्पाद वक्र ऋणात्मक ढाल वाले तथा मूल बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

56. प्रतिगमन मॉडल निर्धारण के गुणांक :

1. आश्रित चर मे मानों में, कुल परिवर्तन के अनुपात की व्याख्या करता है।
2. आश्रित चर Y के परिवर्तनों पर दैविक घटकों के प्रभाव का आकलन किया जा सकता है।
3. स्वतंत्र और आश्रित चर के बीच अन्तःसंबंध की दिशा।
4. आश्रित चर पर अन्तःखण्ड के प्रभाव की व्याख्या करता है।

निम्नलिखित में से सही कूट का चयन करें:

(a) 1 2 3 4 (b) 1 2
(c) 2 4 3 (d) 4 1

Ans : (b) प्रतिगमन मॉडल निर्धारण के गुणांक–
1. आश्रित चर के मानों में, कुल परिवर्तन के अनुपात की व्याख्या करता है।
2. आश्रित चर Y परिवर्तनों पर दैविक घटकों के प्रभाव का आकलन किया जा सकता है।

57. निम्नलिखित में से किस मैट्रिक्स के इनपुट गुणांक/तत्व की व्याख्या प्रति इकाई अन्तिम माँग के लिये प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपेक्षित इनपुट के रूप में की जाती है।

(a) A (b) $(I - A)$
(c) $(I - A)^{-1}$ (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (c) $(I - A)^{-1}$ मैट्रिक्स के इनपुट गुणांक/तत्व की व्याख्या प्रति इकाई अन्तिम मांग के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपेक्षित इनपुट के रूप में की जाती है।

58. वर्ष 2010-11 के लिये कुल खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य क्या रखा गया है?

(a) 250 मिलियन टन (b) 240 मिलियन टन
(c) 244 मिलियन टन (d) 234 मिलियन टन

Ans : (c) वर्ष 2010–11 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 244 मिलियन टन रखा गया है।
वर्ष 2014–15 में भारत में कुल खाद्यान्न का उत्पादन 252.68 मिलियन टन हुआ है।

59. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अभियान (एन एफ एस एम) आरम्भ करने के वर्ष को इंगित कीजिये :

(a) 2001-02 (b) 2004-05
(c) 2010-11 (d) 2007-08

Ans : (d) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अभियान 2007–08 में आरंभ किया गया।

60. नीचे दिये गये कूट में से भारत में कृषि ऋण के स्त्रोतों को स्पष्ट कीजिए:

1. वाणिज्य बैंक
2. साहूकार
3. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
4. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 3, 4 और 1 (d) 1, 2, 3 और 4

Ans : (a) भारत में कृषि ऋण के निम्नलिखित स्रोत है–
1. वाणिज्यिक बैंक।
2. साहूकार।
3. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक।

61. भारत में कृषि में कम उत्पादकता के लिये कारण है

(a) अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएँ
(b) मानसून पर अत्यधिक निर्भर रहना
(c) नई प्रोद्योगिकी का अभाव
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) भारत में कृषि में कम उत्पादकता के लिए निम्नलिखित कारण है–
1. अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएं।
2. मानसून पर अत्यधिक निर्भरता।
3. नई प्रौद्योगिकी का अभाव।

62. खाद्य आर्थिक सहायता की मात्रा अधिकतम थी

(a) 2009-10 (b) 2008-09
(c) 2004-05 (d) 2001-02

Ans : (a) सब्सिडी का अर्थ किसी आर्थिक क्षेत्र, व्यवसाय या व्यक्ति को वित्तीय समर्थन देना है। यह आमतौर पर आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र को लाभ पहुंचाने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से दी जाती है। दिये गये प्रश्नानुसार यह आर्थिक सब्सिडी 2009–10 में अधिकतम रही है।
2017–18 के अनुसार
उर्वरक सब्सिडी – ₹ 70,000 करोड़
खाद्य सब्सिडी – ₹ 145339 करोड़
पेट्रोलियम सब्सिडी – ₹25000 करोड़

63. भारतीय कृषि उत्पादकता को निम्नलिखित द्वारा बढ़ाया जा सकता है:

1. बढ़ा हुआ लोक निवेश
2. बढ़ी हुई सिंचाई सुविधायें
3. कृषकों की उच्चतर सहायक कीमतें
4. कर्मिया को उद्योग से कृषि की ओर भेजकर

दिये गये कूट मे सें सही उत्तर का चयन करें:.
कूट:

(a) 1, 2 और 4 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) 3, 4 और 1

Ans : (b) भारतीय कृषि उत्पादकता को निम्नलिखित द्वारा बढ़ाया जा सकता है–
1. बढ़ा हुआ लोक निवेश।
2. बढ़ी हुई सिंचाई सुविधाएं।
3. कृषकों की उच्चतम सहायक कीमतें।

64. सशक्त मुद्रा में निहित है

(a) जनता के पास करेन्सी + बैंक के नकद रिजर्व
(b) जनता के पास करेन्सी मुद्रा + माँग और मियादी जमा + बैंक के नकद रिजर्व
(c) जनता के पास करेन्सी + बैंकों के नकद रिजर्व + रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अन्य निक्षेप
(d) जनता के पास करेंसी मुद्रा + रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अन्य निक्षेप

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) सशक्त मुद्रा में निहित है–
जनता के पास करेन्सी + बैंकों के नकद रिजर्व + रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अन्य निक्षेप।

65. बेसल-I फ्रेमवर्क के अन्तर्गत भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के जोखिम भारितपरिसम्पत्ति अनुपात के लिये न्यूनतम पूँजी क्या निर्धारित की गई है?

(a) 7% (b) 9%
(c) 12% (d) 14%

Ans : (b) बेसल-I फ्रेमवर्क के अन्तर्गत भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के जोखिम भारित परिसम्पत्ति अनुपात के लिए न्यूनतम पूँजी 9% निर्धारित की गई है।
बेसल-III को नवम्बर, 2010 में BCBS ने पारित किया। बेसल-III के मानक BASE-I, II से अधिक उच्चतर एवं व्यापक है। इन मानकों का उद्देश्य बैंकों की तरलता एवं पूँजी के अधिक सशक्त स्वरूप का अनुमोदन करना है ताकि आर्थिक एवं वित्तीय दबावों की अवस्था में उनका सामना करने के लिए बैंकों को तैयार किया जा सके।
बेसल-III में बफर सहित कुल आवश्यक पूँजी अनुपात 10.5% निर्धारित किया गया है, किन्तु आर.बी.आई. ने इसे 11.5% स्वीकार किया गया है। बेसल-III के मानकों को 1 अप्रैल, 2013 में प्रारंभ किया गया है तथा यह चरणबद्ध रूप से 6 वर्षों की अवधि में 1 जनवरी, 2019 तक पूर्ण रूप से अपनाया जायेगा।

66. मुद्रा बाजार में निम्नलिखित में से कौन से वित्तीय संस्थान प्रचालन में है ?

1. गैर बैंकिग वित्तीय संस्थान
2. स्वीकृति गृह
3. सेन्ट्रल बैंक
4. स्टॉक एक्सचेंज

दिये गये कोड में से सही उत्तर चयन करें:

(a) 2 और 3 (b) 1 और 3
(c) 1,2 और 4 (d) 1,2 और 3

Ans : (d) मुद्रा बाजार में निम्न वित्तीय संस्थान प्रचालन में है–
1. गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान।
2. स्वीकृति गृह।
3. सेन्ट्रल बैंक।

67. अभिकथन (A) : क्षेत्रीय ग्रामीणों बैंकों (आर.आर.बी) का पूँजी आधार कमजोर पाया गया है।

कारण (R) : आर.आर.बी की जमा गतिशीलता अपर्याप्त है।

उपर्युक्त दो अभिकथनों में से नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन करें :

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, लेकिन (R), (A) सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।
(d) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।

Ans : (b) (A) और (R) दोनों सही है, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

68. भारत में निम्नलिखित मे से कौन सी विस्तृत मुद्रा (M_3) है?

(a) जनता के पास करेन्सी + बैंकों में माँग निक्षेप
(b) करेन्सी + माँग जमा + रिजर्व बैंक के पास अन्य निक्षेप
(c) मुद्रा + माँग जमा + मियादी जमा
(d) करेन्सी + माँग जमा + मियादी जमा + आर.बी.आई के पास अन्य जमा

Ans : (d) भारत में आर.बी.आई. की परिभाषा के अनुसार M_3 को विस्तृत मुद्रा कहा जाता है।
M_3 = करेंसी + मांग जमा + मियादी जमा + आर.बी.आई. के पास अन्य जमा
या, $\boxed{M_3 = M_1 + \text{बैंकों में सावधि जमाएं}}$

69. भारतीय अर्थव्यवस्था में 2010-11 में स्फीति दबाव में निम्नलिखित में से किसका महत्त्वपूर्ण रूप से योगदान नहीं है?

(a) खाद्य मूल्य (b) विनिर्मित उत्पादों के मूल्य
(c) ईंधन मूल्य (d) धातु तथा खनिज मूल्य

Ans : (b) भारतीय अर्थव्यवस्था में 2010–11 में स्फीति दबाव में विनिर्मित उत्पादों के मूल्य का महत्वपूर्ण रूप से योगदान नहीं है जबकि अन्य शेष तीनों का स्फीति दबाव में योगदान है।
भारत में 2016 में मुद्रा स्फीति 5.1% है।

70. जॉन रोबिन्सन के ग्रोथ मॉडल में पूँजी संचय किस पर निर्भर करता है?

(a) बचत-आय अनुपात
(b) लाभ-मजदूरी संबध और श्रम उत्पादकता
(c) लाभ-आय अनुपात तथा पूँजी उत्पादकता
(d) बचत-निवेश अनुपात

Ans : (b) जॉन रोबिन्सन के ग्रोथ मॉडल में पूँजी संचय लाभ-मजदूरी सम्बन्ध तथा श्रम की उत्पादकता पर निर्भर करता है।
श्रीमती जॉन रोबिन्सन ने 1956 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'The Accumulation of capital' में पूँजी संचय सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसमें उन्होंने खेल के पूँजीवादी नियमों पर आधारित आर्थिक संवृद्धि के सरल मॉडल का निर्माण किया है। इस मॉडल में रोबिन्सन ने अर्थव्यवस्था के 'स्वर्ण युग' की बात की है।
रोबिन्सन के अनुसार शुद्ध राष्ट्रीय आय कुल मजदूरी व कुल लाभ का योग होता है अर्थात्–

$$\boxed{y = wN + p.K} \quad \text{.....(1)}$$

चूँकि पूँजी संचय में लाभ की दर महत्वपूर्ण है।
अतः $y - wN = pK$

या $P = \dfrac{y - wN}{K}$

दायें पक्ष में N से भाग देने पर,

$$P = \frac{y/N - \frac{wN}{N}}{K/N}$$

$$P = \frac{y/N - w}{K/N}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपरोक्त समी. में $y/N = \ell$ तथा $K/N = \theta$ रखने पर,

$$\boxed{P = \frac{\ell - w}{\theta}} \quad \text{.....(2)}$$

राष्ट्रीय आय के व्यय पक्ष में राष्ट्रीय आय उपभोग व्यय और निवेश व्यय के बराबर रहती है।

अतः $y = C + I$

उद्यमी निवेश लाभ के उद्देश्य से करते है। अतः

संतुलन में $I = S$

$\because$ $I = \Delta K$ – Change in capital

$S = p.K$

अतः, $\Delta K = p.K$

$$P = \frac{\Delta K}{K}$$

$\boxed{\frac{\Delta K}{K} = \frac{\ell - w}{\theta}.P}$ संतुलन की स्थिति

इस समी. से स्पष्ट है कि पूँजी संचय की दर ($\Delta K/K$) आर्थिक विकास का निर्णायक घटक है।

71. हिक्स तटस्थ तकनीकी प्रगति में, तकनीकी प्रगति है

(a) पूँजी को बढ़ाना
(b) श्रम को बढ़ाना
(c) श्रम तथा पूँजी दोनो को बढ़ाना
(d) श्रम की क्षमता तथा उत्पादकता में परिवर्तन

Ans : (c) हिक्स के अनुसार तटस्थ तकनीकी प्रगति श्रम एवं पूँजी के सीमांत उत्पादकता में समान अनुपात में वृद्धि करता है दूसरे शब्दों में, एक स्थिर पूँजी-श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूँजी के सीमांत उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है।

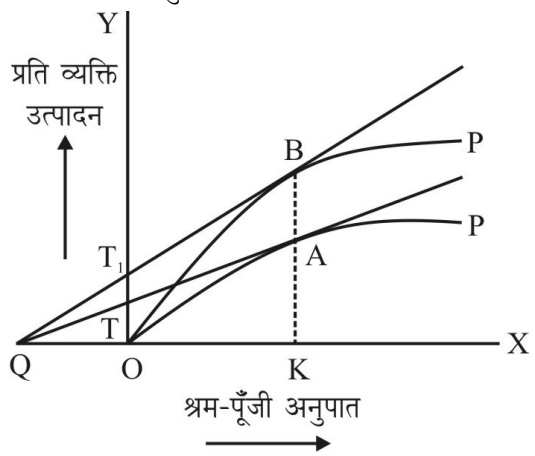

रेखाचित्र में तकनीकी प्रगति से पूर्ण उत्पादन फलन OP की स्पर्श रेखा QA तथा तकनीकी प्रगति के बाद उत्पादन फलन OP की स्पर्श रेखा QB दोनों एक ही बिन्दु Q से गई है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि अनुलम्ब रेखा KB पर श्रम एवं पूँजी के सीमांत उत्पाद के बीच अनुपात समान है अर्थात्– $\boxed{\frac{OT_1}{U_1} = \frac{OT}{U}}$

72. द्विअंतराल मॉडल में, अंतराल को निम्नलिखित के द्वारा भरा जा सकता है:

(a) बचत का स्तर उठाना
(b) निर्यात को बढ़ावा देना
(c) संवृद्धि की स्थायी दर
(d) विदेशी आर्थिक सहायता

Ans : (d) एच.बी. चेनरी ने द्वि-अन्तराल मॉडल दिया। चेनरी अर्थव्यवस्था में द्वि-अन्तराल की बात करते है–
1. विनियोग-बचत अन्तराल।
2. आयात निर्यात अन्तराल।

73. 'क्रिया द्वारा अधिगम' की अवधारणा किसने दी है?

(a) जे.आर.हिक्स (b) कैनेथ ऐरो
(c) जॉन रोबिन्स (d) निकोलस काल्डर

Ans : (b) सीखने से कार्य करना आर्थिक सिद्धांत की एक अवधारणा है जिसके द्वारा उत्पादकता अभ्यास आत्मनिर्भरता और मामूली नवाचारों के माध्यम से प्राप्त की जाती है। जैसे, एक कारखाना है जो कामगारों को बिना जोड़कर या पूँजी की महत्वपूर्ण मात्रा में निवेश किये बिना उपकरण का उपयोग करने के तरीके सीखने से उत्पादन बढ़ता है। नवाचार और तकनीकी प्रभावों को समझने के लिए कैनेथ ऐरो द्वारा अंतर्जात विकास सिद्धांत के अपने डिजाइनों में सीखने की अवधारणा का इस्तेमाल किया। अतः दिये गये विकल्पों में (b) विकल्प सही है।

74. निम्नलिखित मे से क्या मानव पूँजी की अवधारणा को निरूपित करता है?

(a) कुल मानव संसाधन
(b) कुल जनसंख्या
(c) उत्पादक गतिविधियों में लाभकारी ढंग से नियुक्त मानव संसाधन
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (c) पूँजी वित्तीय परिसम्पत्तियों का वित्तीय मूल्य जैसे नकद और जमा खातों में रखी गयी धन के साथ-साथ कारखानों और अन्य विनिर्माण सुविधाओं जैसे वातावण में इस्तेमाल किये जाने वाले ठोस मशीनरी और उत्पादन उपकरण को संदर्भित करता है इसके अतिरिक्त पूँजी में ये सुविधा शामिल की जाती है जैसे निर्मित वस्तुओं के उत्पादन और भंडार के लिए उपयोग की जाने वाली इमारते। दिये गये प्रश्नानुसार मानव पूँजी की अवधारणा को निरूपित करता है। उत्पादक गतिविधियों में लाभकारी ढंग से नियुक्त मानव संसाधन।

75. विकासशील देशों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिये अलाभकारी क्या है?

(a) संरक्षण
(b) स्वतंत्र व्यापार
(c) प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात तथा विनिर्मित वस्तुओं का आयात
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात तथा विनिर्मित वस्तुओं का आयात विकासशील देशों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए अलाभकारी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2013

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. द्विअधिकार के कूर्नो मॉडल के अन्तर्गत, प्रत्येक द्विअधिकारी कितना उत्पादन करेगा?

(a) उत्पादन का आधा
(b) उत्पादन/आऊटपुट का एक चौथाई
(c) उत्पादन का $\frac{1}{6}$
(d) कुल उत्पादन का एक तिहाई

Ans : (d) फ्रेंच अर्थशास्त्री Augesteen Cournot ने 1968 में सर्वप्रथम द्विअधिकारी मॉडल का प्रतिपादन किया। इनका मॉडल संधिरहित अल्पाधिकारी बाजार की प्रवृत्ति से संबंधित है। अपने मॉडल को समझाने के लिए दो फर्मों के उदाहरण को प्रस्तुत किया। मान्यताएँ–

(1) दो फर्मे है– A और B।
(2) सहजातीय वस्तुओं का उत्पादन हो रहा है।
(3) बाजार मांग वक्र समान है।
(4) उत्पादन एवं परिवहन लागत शून्य है।
(5) दोनों का उद्देश्य अपने लाभ को अधिकतम करना है।
(6) शून्य कल्पित परिवर्तनशीलता की मान्यता।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर क्रूनो ने बताया कि दो फर्मो A और B में A फर्म कुल बाजार मांग का आधा भाग $\left(\frac{1}{2}\right)$ उत्पादित करती है। इसके पश्चात् B बाजार में प्रवेश करती है और वह बचे हुए मांग का आधा $\left(\frac{1}{2}\left(1-\frac{1}{2}\right)\right)\frac{1}{4}$ उत्पादित करती है। इस प्रकार यह क्रिया प्रतिक्रिया तब तक चलती रहती है। जब तक कि दोनों का उत्पादन $\frac{1}{3}$ के बराबर नहीं हो जाता। अंततः दोनो कुल $\frac{1}{3}+\frac{1}{3}=\frac{2}{3}$ भाग का उत्पादन करते है। इस प्रकार फर्म द्वारा $\frac{1}{3},\frac{1}{3}$ भाग का उत्पादन किया जाएगा। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते है।

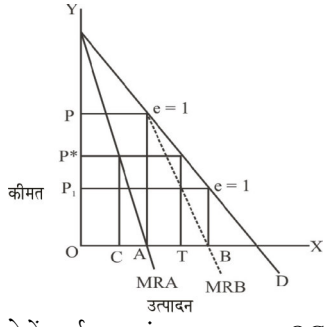

प्रस्तुत चित्र में दोनों फर्म का संतुलन उत्पादन OC = OT है तथा संतुलन कीमत OP* है। यह क्रूनों मॉडल में स्थायी संतुलन बिन्दु है।

2. जब तक प्रतिस्थापन प्रभाव आय प्रभाव पर छाया रहता है, श्रम आपूर्ति वक्र

(a) नकारात्मक रूप से ढलवाँ होती है।
(b) सकारात्मक रूप से ढलवाँ होती है।
(c) पीछे की ओर मुड़ी होती है।
(d) बांई ओर खिसक जाती है।

Ans : (b) मजदूरी में परिवर्तन होने से दो प्रभाव उत्पन्न होते है– **(1) प्रतिस्थापन प्रभाव–** मजदूरी में वृद्धि के कारण प्रतिस्थापन प्रभाव मजदूरी बढ़ने के कारण अधिक आय अर्जित करने की इच्छा के फलस्वरूप काम अधिक व आराम कम करे।

(2) आय प्रभाव–मजदूरी वृद्धि के कारण श्रमिक काम कम करे तथा आराम को अधिक महत्व दे।

यदि प्रतिस्थापन प्रभाव आय प्रभाव से अधिक शक्तिशाली हुआ तो मजदूरी बढ़ने पर पूर्ति बढ़ेगी और श्रम आपूर्ति वक्र सकारात्मक रूप से ढलवा होगा। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

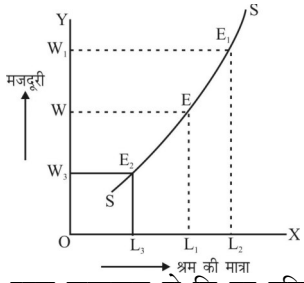

यदि आय प्रभाव इतना ऋणात्मक हो कि वह प्रतिस्थापन प्रभाव को समाप्त कर दे तो पूर्ति वक्र पीछे मुड़ जाएगा। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

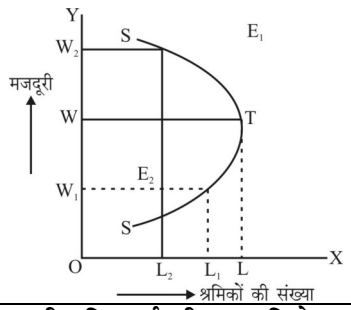

3. एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा की मुख्य विशेषता है :

I. उत्पाद विभेदीकरण
II. गैर कीमत प्रतिस्पर्धा
III. फर्मों की बड़ी संख्या और प्रवेश एवं बहिर्गमन की स्वतंत्रता
IV. फर्में अंतःनिर्भर होती हैं।

कूट :

(a) I और III सही हैं। (b) I, II और IV सही हैं।
(c) I, II और III सही हैं। (d) I, III और IV सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) श्रीमती जॉन रॉबिन्सन की 1933 में 'Economics of Imperfect competition तथा प्रो0 चैम्बर लिन की 'Theory of Monopolistic competition" प्रकाशित हुई। दोनों ने मूलतः यह प्रतिपादित किया कि शुद्ध प्रतियोगिता एवं शुद्ध एकाधिकार की स्थितियाँ दो काल्पनिक स्थितियाँ है जो व्यावहारिक जीवन में नहीं पायी जाती है। वास्तविक जीवन में तो इनके बीच की स्थिति पाई जाती है, जिन्हें अपूर्ण प्रतियोगिता कहा जाता है। चैम्बरलिन ने जिसे एकाधिकृत प्रतियोगिता कहा। चेम्बरलिन के अनुसार प्रत्येक उत्पादक एकाधिकारी है पर उसके प्रतियोगी भी है। इसीलिए इसे एकाधिकारिक प्रतियोगिता (एकाधिकार + प्रतियोगिता) कहा।

एकाधिकारिक प्रतियोगिता की निम्न विशेषताएँ है–

(1) समूह में क्रेताओं तथा विक्रेताओं की बहुत अधिक संख्या।
(2) विभेदीकृत परन्तु निकट स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन।
(3) समूह में फर्मों के प्रवेश तथा बर्हिगमन की स्वतंत्रता।
(4) विज्ञापन व्यय एवं विक्रय लागतों की उपस्थिति।
(5) क्रेताओं को बाजार का अपूर्ण ज्ञान।
(6) गैर–कीमत प्रतियोगिता।
(7) प्रत्येक फर्म की अपनी कीमत नीति होती है।

4. अभिकथन (A) : एकाधिकार पैरेटो अदक्ष या अप्रभावी होता है।
तर्क (R) : कीमत में कमियों के बदले में वह जो आय का भाग देने को तैयार होगा उसे सम्भव बनाने के लिये संसाधनों के आबंटन को बदलना सम्भव होगा।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(c) (A) की गलत व्याख्या है।
(d) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

5. यदि श्रम और पूँजी में किसी भी आनुपातिक परिवर्तन के साथ MP_L/MP_K नहीं बदलता है तो उत्पादन फलन निम्नलिखित होता है :
(a) रेखीय (b) अरेखीय
(c) एकरूप/समरूप (d) समस्थितिक

Ans : (d) यदि श्रम और पूंजी में किसी भी आनुपातिक परिवर्तन के साथ $\frac{MP_L}{MP_K}$ नहीं बदलता है तो उत्पादन फलन समस्थितिक (Homothetic) होता है।

6. सूची–I में दी मदों को सूची–II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची – I	सूची – II
I. फर्म की एजेन्सी थ्योरी (सिद्धान्त)	1. ओ.ई. विलियमसन
II. X- अकुशलता	2. एम.सी.जेन्सन एवं डब्ल्यू. जे. मेकलिंग
III. उपयोगिता अधिक-तमीकरण मॉडल	3. विलफ्रेडो परेटो
IV. एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र सर्वप्रथम किसने उपयोग किया?	4. हार्वे लीबेनस्टीन

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	3	2	1	4
(b)	2	4	1	3
(c)	2	3	4	1
(d)	3	4	1	2

Ans: (b) सही सुमेलित कीजिए

सूची –I		सूची –I	
I	फर्म की एजेन्सी थ्योरी (सिद्धान्त)	(2)	एम.सी.जेनसन एवं डब्ल्यू. जे. मेकलिंग
II	X- अकुशलता	(4)	हार्वे लीबेनस्टीन
III	उपयोगिता अधिकतमीकरण मॉडल	(1)	ओ.ई. विलियमसन
IV	एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र सर्वप्रथम किसने उपयोग किया	(3)	विलफ्रेडो परेटो

7. अल्पकालिक औसत कुल लागत और दीर्घकालिक औसत लागत के स्पर्श बिन्दु पर, अल्पकालिक सीमान्त लागत
(a) दीर्घकालिक सीमान्त लागत से बृहद होती है।
(b) दीर्घकालिक सीमान्त लागत से कम होती है।
(c) दीर्घकालिक सीमान्त लागत से काफी अधिक होती है।
(d) दीर्घकालिक सीमान्त लागत के बराबर होती है।

Ans : (d) अल्पकालिक औसत कुल लागत और दीर्घकालिक औसत लागत के स्पर्श बिन्दु पर, अल्पकालिक सीमांत लागत दीर्घकालिक सीमांत लागत के बराबर होती है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

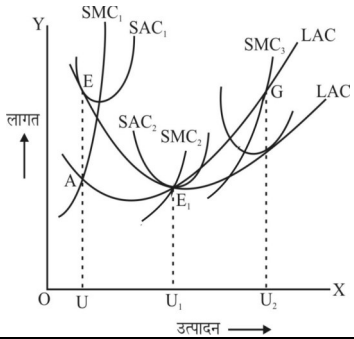

8. पैमाने के वर्धमान प्रतिफलों के साथ बाज़ार में संतुलन किस स्थिति में अधूरा है?
(a) अपूर्णतया प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार
(b) एकाधिकारी बाज़ार
(c) पूर्णतया प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) पैमाने के वर्धमान प्रतिफलों के साथ बाजार में संतुलन पूर्णतया प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में अधूरा है। पैमाने के वर्धमान प्रतिफल के अन्तर्गत जिस अनुपात में आगतों में वृद्धि की जाये, उससे अधिक अनुपात में निर्गत में वृद्धि हो। दूसरे शब्दों, में इसके अन्तर्गत उत्पादन की आनुपातिक वृद्धि उत्पादन के साधनों की अनुपातिक वृद्धि से अधिक होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

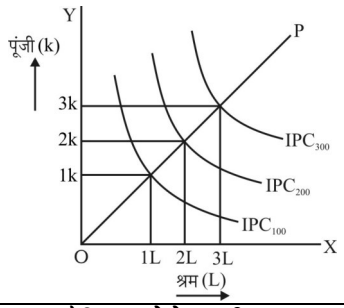

9. यदि 1 = अनैच्छिक बेरोजगारी;
2 = प्रच्छन्न बेरोजगारी;
3 = संघर्षजनित बेरोजगारी; और
4 = संरचनात्मक बेरोजगारी है, तो पूर्ण रोजगार निम्नलिखित से सामंजस्य रखता है :

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans : (c) पूर्णरोजगार संघर्षजनित बेरोजगारी और संरचनात्मक बेरोजगारी से सामंजस्य रखता है।

10. कीन्स के निरपेक्ष आय प्राक्कल्पना के समीकरण, $C = \alpha_0 + by$ में, जहाँ C = उपभोग व्यय; α_0 = उपभोग व्यय जब आय (Y) शून्य है; और b = उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (MPC) है, तो निम्नलिखित में से कौन सा कथन मिथ्या है?

(a) MPC आय के स्तर से स्वतंत्र है।
(b) MPC आय के स्तर पर आश्रित है।
(c) आय के बढ़ने पर APC गिरता है।
(d) APC > MPC

Ans : (b) कीन्स के निरपेक्ष आय परिकल्पना के अनुसार जब आय बढ़ती है तो उपभोग भी बढ़ता है परन्तु वह आय में वृद्धि की अपेक्षा कम अनुपात में बढ़ता है और विलोमशः। उपभोग तथा आय का सम्बन्ध गैर–आनुपातिक होता है। समस्त उपभोग समस्त चालू प्रयोज्य आय का फलन है–

$$C = a_0 + c.yd$$

इस प्रकार जब आय बढ़ती है तो उपभोग व्यय भी बढ़ता है, परन्तु अपेक्षा कृत कम मात्रा में, इस प्रकार APC > MPC तथा MPC धनात्मक होती है। अर्थात् MPC का मान O < MPC< । होगी। कीन्स के सिद्धान्त में उपभोग फलन गैर–आनुपातिक होता है, क्योंकि आय के बढ़ने के साथ MPC कम होती जाती है। जैसा चित्र से स्पष्ट है–

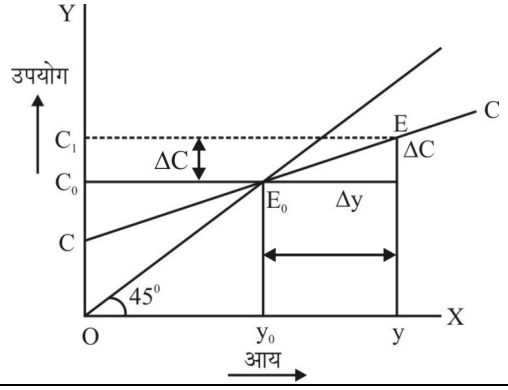

11. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा मिथ्या है?

(a) जब कर एकमुश्त कर है, संतुलित बजट गुणक इकाई के बराबर होता है।
(b) जब कर यथामूल्य कर है, संतुलित बजट गुणक इकाई से कम होता है।
(c) कर गुणक सरकारी व्यय गुणक से कम होता है।
(d) कर गुणक सरकारी व्यय गुणक से ज्यादा होता है।

Ans : (d) कर गुणक कुल GDP में परिवर्तन की माप को प्रस्तुत करता है।
यह सरकारी कर के प्रति उत्तरदायी होता है।
कर गुणक साधारण होगा की जटिल यह निर्भर करता है कराधान का प्रभाव उपभोग पर या GDP के सभी घटक पर।
दिये गये प्रश्नानुसार गलत कथन यह कि कर गुणक सरकारी व्यय गुणांक से ज्यादा होता है।

12. सूची–II में दिये निवेश निर्धारण के मानदंड/सिद्धान्त को सूची–I में दिये उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
I. डेल जॉर्गनसन	1. Q–सिद्धान्त
II. जे.एम. केन्स	2. नव-क्लासिकी सिद्धान्त
III. जेम्स कोहन	3. त्वरक सिद्धान्त
IV. जेम्स क्लार्क	4. वर्तमान मान/मूल्य मानदंड

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	a	d	b	c
(b)	b	d	a	c
(c)	c	d	a	b
(d)	c	a	d	b

Ans : (*)
(1) डेल जॉर्गनसन – सिद्धान्त
(2) जे.एम. कीन्स – वर्तमान मान/मूल्य मानदण्ड
(3) जेम्स कोहन – त्वरक सिद्धान्त
(4) जेम्स क्लार्क – नव–क्लासिकी सिद्धान्त

13. अभिकथन (A) : तरलता फंदे में, मुद्रा की माँग पूर्णतया ब्याज लोचनीय होती है।
तर्क (R) : क्योंकि इस स्थिति में, सभी निवेशकर्त्ता अपेक्षा करते हैं कि ब्याज की बाजार दर ब्याज की प्राकृतिक दर की ओर बढ़ेगी।
कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

14. कालावधि अनुसार निवल निवेश व्यय की दर निम्नलिखित की अधोमुखी ढलान की प्रवणता पर निर्भर करती हैं :

(a) निवेश अनुसूची की सीमान्त क्षमता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) पूँजी अनुसूची की सीमान्त क्षमता
(c) LM- अनुसूची
(d) IS अनुसूची

Ans : (a) कालावधि अनुसार निवल निवेश व्यय की दर निवेश अनुसूची की सीमांत क्षमता की अधोमुखी ढलान की प्रवणता पर निर्भर करती है।
विनियोग की सीमांत दक्षता कटौती की वह विशिष्ट दर है जो पूंजी संपत्ति की प्रत्याशित निवल प्रतिफल के वर्तमान मूल्य को उसके पूर्ति मूल्य के ठीक–ठीक बराबर कर दे, जबकि यह स्पष्ट हो कि इस पूर्ति मूल्य में अल्पकाल में वृद्धि होगी। विनियोग की सीमांत दक्षता की अनुसूची विनियोग के लिए मांग प्रदर्शित करती है। यह अनुसूची ब्याज दर तथा विनियोग की सीमांत दक्षता के बीच सम्बन्ध प्रदर्शित करती है। अल्पकाल में विनियोग को उस बिन्दु तक ले जाया जायेगा, जहाँ विनियोग की सीमांत दक्षता ब्याज दर के बराबर हो जाये।

15. मुद्रा की माँग के निर्धारक के रूप में किसका विशिष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है?
(a) सम्पदा
(b) वैकल्पिक परिसम्पत्तियों पर नाममात्र लब्धि
(c) मुद्रास्फीति की दर
(d) ब्याज की वास्तविक दर

Ans : (d) मुद्रा की मांग के निर्धारक के रूप में विशिष्ट रूप से निम्न चरों का उल्लेख किया जाता है–
(1) सम्पदा।
(2) वैकल्पिक परिसम्पत्तियों पर नाम मात्र लब्धि।
(3) मुद्रा स्फीति की दर।
जबकि ब्याज की वास्तविक दर का मुद्रा की मांग के निर्धारक के रूप में विशिष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।

16. व्यापार चक्रों की व्याख्या करने के लिए निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने स्टॉक समायोजन सिद्धान्त का उपयोग किया है?
(a) एन. कल्डोर (b) जे.आर. हिक्स
(c) पी. सैम्युलसन (d) जे.एम. केन्स

Ans : (a) अर्थव्यवस्था में आर्थिक उतार–चढ़ाव को व्यापार चक्र कहते हैं।
इसके सम्बन्ध में कई अर्थशास्त्रियों ने अपना अलग सिद्धांत दिये है। उसी क्रम में प्रो. एन केल्डार द्वारा स्टाक समायोजन का सिद्धांत दिया गया।

17. गरीबी के दुष्चक्र की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?
(a) जे.एम. केन्स (b) रेगनर नर्कसे
(c) कार्ल मार्क्स (d) जे.एस. मिल

Ans : (b) गरीबी के दुश्चक्र की अवधारणा रेगनर नर्क्स से संबंधित है। गरीबी के दुश्चक्र से अभिप्राय नक्षत्र–मण्डल के समान शक्तियों का इस प्रकार से घूमना है कि वे परस्पर क्रिया–प्रतिक्रिया करती हुई निर्धन देश को सदैव निर्धनता की अवस्था में बनाये रखती है। नर्क्स के अनुसार, "एक देश गरीब है क्योंकि वह गरीब है।" गरीबी के दुश्चक्र की व्याख्या प्रो0 नर्क्स ने मांग एवं पूर्ति दोनों पक्षों द्वारा की है जो निम्न है–
गरीबी के दुश्चक्र का मांग पक्ष–अल्पविकसित देशों में वास्तविक आय की कमी को विनियोग की प्रेरणा कम मिलती है, जो कि अर्थव्यवस्था में विनियोग की मात्रा में कमी लायेगा, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और पुनः आय में कमी दृष्टिगोचर होगी। इस प्रकार यही क्रिया निरन्तर चलती रहेगी।

मांग पक्ष

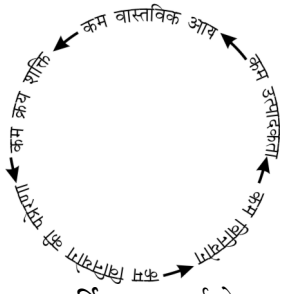

गरीबी के दुश्चक्र का पूर्ति पक्ष–नर्क्स ने कहा कि अल्पविकसित देशों में वास्तविक आय की मात्रा अत्यंत ही कम है, जिससे बचत की क्षमता अत्यंत ही कम होगी, जो विनियोग को कम करेगा, जिसका परिणाम कम उत्पादकता होगा और पुनः कम आय होगा।

पूर्ति पक्ष

18. औंधी 'U' आकारित (या आकार युक्त) आय वितरण परिकल्पना किससे सम्बन्धि है?
(a) जे.बी. क्लार्क (b) डेविड रिकार्डो
(c) साइमन कुज़नेट्स (d) एडम स्मिथ

Ans : (c) औंधी 'U' आकारित आय वितरण परिकल्पना साइमन कुजनेट्स से सम्बन्धित है। साइमन कुजनेट्स ने यह प्रतिपादित किया कि प्रारंभ में जब आर्थिक विकास होता है तो कुछ लोग ही लाभान्वित होता है तथा जैसे–जैसे आर्थिक विकास होता जाता है अन्य समूह भी लाभान्वित होते है और आय के वितरण की विषमता कम होने लगती है। इस प्रकार प्रारंभ में आर्थिक विकास में वृद्धि (प्रतिव्यक्ति आय) के साथ आय की विषमता बढ़ती है, परन्तु अन्त में आय की वृद्धि के साथ आय वितरण की विषमता समाप्त हो जाती है।

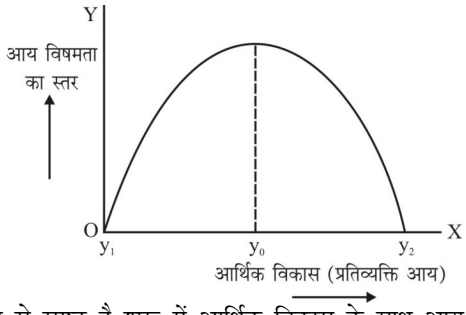

रेखाचित्र से स्पष्ट है शुरू में आर्थिक विकास के साथ आय वितरण की विषमता बढ़ती है पर एक स्थिति के बाद प्रति व्यक्ति की वृद्धि के साथ इसमें कमी आयेगी। इस वक्र को कुजनेट्स वक्र कहते है।

19. एच.डी.आई. (HDI) के संघटक हैं
I. दीर्घायु II. शिशु मृत्युदर
III. शैक्षिक उपलब्धि IV. मर्यादित जीवन स्तर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

(a) I, II और III सही हैं। (b) II, III और IV सही हैं।
(c) II, I और IV सही हैं। (d) I, III और IV सही हैं।

Ans : (d) HDI तीन चरों स्तंभों व चार संकेतकों पर आधारित है–
(1) जीवन–(i) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (life expectancy at birth)
(2) शिक्षा (Education)–
(i) स्कूली शिक्षा के माध्य वर्ष (Mean years of schooling)
(ii) स्कूली शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष (Expected years of schooling)
(3) आय (Income)–
(i) Per capita GNI (in us per annum at ppp)
अतः HDI में शिशु मृत्यु दर को नही शामिल किया जाता, शेष तीनों शामिल होंगे।

20. विकास के क्लासिकी सिद्धान्त के निम्नलिखित प्रतिपादकों को अनुवर्ती क्रम में व्यवस्थित करें :

I. डेविड रिकार्डो II. एडम स्मिथ
III. जे.एस. मिल IV. रॉबर्ट माल्थस

कूट :

(a) II IV III I (b) IV III I II
(c) III II IV I (d) I II III IV

Ans : (a) विकास को क्लासिकी सिद्धान्त के प्रतिपादकों का अनुवर्ती क्रम निम्नलिखित है–
(ii) एडम स्मिथ
(iv) रॉबर्ट माल्थस
(iii) जे.एस. मिल
(i) डेविड रिकार्डो

21. अभिकथन (A) : मार्क्सवादी योजना में, $M \rightarrow C \rightarrow M'$ है, जहाँ M' > M और M' – M अतिरेक मूल्य है।
तर्क (R) : इस अतिरेक मूल्य का मुख्य कारण कच्चा माल, मशीनें इत्यादि है।

कूट :

(a) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (b) मार्क्स वादी योजना में–
$M \rightarrow C \rightarrow M'$ है।
जहाँ M' > M और M' – M अतिरेक मूल्य है।
कार्ल मार्क्स के अनुसार अतिरेक मूल्य श्रम का शोषण है अतः

अतिरेक मूल्य = श्रमिकों द्वारा उत्पादित उत्पाद की कीमत -श्रमिक की मजदूरी

अतः कथन (A) सही है परन्तु (R) गलत है।

22. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
I. अल्पविकास का संरचनात्मक दृष्टिकोण	1. क्लासिकी अर्थशास्त्री
II. स्वतन्त्र व्यापार नीति	2. होलिस चिनेरी
III. विस्तारित पुनर्उत्पादन की विभागीय योजना	3. स्थायी राजकीय विकास
IV. संचय का स्वर्णिम युग	4. कार्ल मार्क्स

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	2	1	4	3
(b)	4	2	3	1
(c)	1	4	2	3
(d)	3	4	1	2

Ans : (a)

(a) अल्पविकास का संरचनात्मक दृष्टिकोण	2. होलिस चिनेरी।
(b) स्वतंत्र व्यापार नीति	1. क्लासिकी अर्थशास्त्री।
(c) विस्तारित पुर्नउत्पादन की विभागीय योजना	4. कार्ल मार्क्स
(d) संचय का स्वर्णिय युग	3. स्थायी राजकीय विकास

23. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
I. क्रान्तिक (Critical) न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त	1. आर.एफ.क्हान
II. छुरी धार सन्तुलन	2. रोज़नस्टीन रोडन
III. अमानक स्वर्णिम युग (बास्टार्ड गोल्डन ऐज)	3. लीबेनस्टीन
IV. प्रबल धक्का सिद्धान्त	4. हैरोड

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	3	4	1	2
(b)	1	3	4	2
(c)	2	1	3	4
(d)	4	2	1	3

Ans : (a)

(i) क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त	3. लीबेन्स्टीन
(ii) छुरी धार संतुलन	4. हैरॉड
(iii) अमानक स्वर्णिय युग (बास्टार्ड गोल्डन ऐज)	1. आर. एफ. कॉन (R.F. Kohn)
(iv) प्रबल धक्का सिद्धान्त	2. रोजेन्स्टीन रोडॉन

24. भारत में राष्ट्रीय आय की संवृद्धि की दर के सम्बन्ध में कौन से वर्ष श्रेष्ठ और सबसे बुरे थे?

(a) 2007-08 और 1997-98
(b) 2006-07 और 1966-67
(c) 1988-89 और 1979-80
(d) 2003-04 और 1957-58

Ans : (c) भारत में राष्ट्रीय आय की संवृद्धि की दर के सम्बन्ध में 1988–89 और 1979–80 वर्ष श्रेष्ठ और सबसे बुरे थे।

25. हाल ही के वर्षों में अशोधित जन्म दर के आरोही क्रम में राज्यों को श्रेणीगत करें :

I. आन्ध्र प्रदेश II. कर्नाटक
III. मध्य प्रदेश IV. उत्तर प्रदेश

कूट :

(a) I, II, III, IV
(b) II, III, I, IV
(c) I, II, IV, III
(d) II, I, IV, III

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) हाल ही के वर्षों में राज्यों का अशोधित जन्म दर के आधार पर आरोही क्रम निम्न है–

I. आन्ध्र प्रदेश II. कर्नाटक
III. मध्य प्रदेश IV. उत्तर–प्रदेश

26. भारत की किस पंचवर्षीय योजना में संवृद्धि दर के सम्बन्ध में सेवा क्षेत्र तथा औद्योगिक क्षेत्र के बीच सबसे बड़ा अन्तराल दर्ज किया गया?

(a) सातवीं योजना (b) आठवीं योजना
(c) नौवीं योजना (d) दसवीं योजना

Ans : (c) भारत की 9वीं पंचवर्षीय योजना में संवृद्धि दर के सम्बन्ध में सेवा क्षेत्र तथा औद्योगिक क्षेत्र के बीच सबसे बड़ा अन्तर दर्ज किया गया। 9वीं पंचवर्षीय योजना की समयावधि 1 April, 1997 से 31 March, 2002 तक थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय तथा समता के साथ आर्थिक विकास रखा गया। इस योजना में आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य 7% रखा गया। इस योजना में कृषि व ग्रामीण क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई।

27. भारत की राष्ट्रीय विनिर्माणकारी नीति के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र के मध्यकालिक अभीष्ट (डिजायर्ड) विकास लक्ष्य के बारे में सही उत्तर प्रदान करें :

(a) 6 – 8 प्रतिशत (b) 8 – 10 प्रतिशत
(c) 10 – 12 प्रतिशत (d) 12 – 14 प्रतिशत

Ans : (d) भारत की राष्ट्रीय विनिर्माणकारी नीति के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र के मध्यकालिक अभीष्ट विकास का लक्ष्य 12–14% रखा गया है।

28. एच.डी.आर. 2011 के अनुसार मानव विकास सूचकांक (HDI) निम्नलिखित में से किस देश का बेहतर है?

I. श्रीलंका II. पाकिस्तान
III. केन्या IV. मिस्र

कूट :

(a) श्रीलंका और मिस्र
(b) श्रीलंका और केन्या
(c) पाकिस्तान और श्रीलंका
(d) पाकिस्तान और केन्या

Ans : (a) H.D.R. 2011 के अनुसार मानव विकास सूचकांक (HDI) दिये गये देशों में श्रीलंका और मिस्र का बेहतर है।
वर्ष 2015 में 188 देशों में भारत का HDI में 130 वां स्थान है। BRICS देशों में भारत का स्थान HDI में सबसे नीचे है। BRICS देशों का HDI में स्थान निम्न है–
रूस – 50 वाँ स्थान है।
ब्राजील – 75 वां स्थान है।
चीन – 90वां स्थान है।
दक्षिण अफ्रीका – 116वां स्थान है।
भारत– 130 वां स्थान है।

29. भारत की सरकार द्वारा वर्ष 2011-12 में MGNREGA (एम.जी.एन.आर.इ.जी.ए.) के अंतर्गत परिव्यय की राशि क्या थी?

(a) Rs. 25,000 करोड़ (b) Rs. 30,000 करोड़
(c) Rs. 40,000 करोड़ (d) Rs. 55,000 करोड़

Ans : (c) भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011–12 में MGNREGA (मनरेगा) के अन्तर्गत परिव्यय की राशि 40,000 करोड़ थी।
वर्ष 2015–16 के केन्द्रीय बजट में मनरेगा पर परिव्यय के लिए 34619 करोड़ निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त 5000 करोड़ अतिरिक्त व्यवस्था किया गया है। वर्ष 2017-18 के केन्द्रीय बजट में मनरेगा पर खर्च करने के लिए 48000 हजार करोड़ रखा गया है।

30. वर्ष 2010 में विश्व व्यापारिक निर्यातों में भारत के हिस्से के बारे में सही उत्तर प्रदान करें :

(a) 0.5 प्रतिशत (b) 0.9 प्रतिशत
(c) 1.1 प्रतिशत (d) 1.5 प्रतिशत

Ans : (d) वर्ष 2010 में विश्व व्यापार निर्यातों में भारत की हिस्सेदारी 1.5% थी।
वर्ष 2014–15 में विश्व व्यापार में भारत के निर्यातों की हिस्सेदारी लगभग 1.7% रही है।

31. यदि दो देशों के बीच वस्तु ले जाने की परिवहन लागत दो देशों के बीच वस्तुओं के पूर्व लेनदेन अन्तर से अधिक होती है, तो उस वस्तु में लेनदेन

(a) संभावित है। (b) असंभावित है।
(c) प्रतिवर्ती है। (d) कह नहीं सकता/ती।

Ans : (b) यदि दो देशों के बीच वस्तु ले जाने की परिवहन लागत दो देशों के बीच वस्तुओं के पूर्व लेन–देन के अन्तर से अधिक होती है, तो उस वस्तु में लेन देन असंभावित है।

32. रिबेजिन्सकी प्रमेय के अनुसार, स्थिर सापेक्ष वस्तु कीमतों पर सिर्फ एक कारक निम्नलिखित के उत्पादन में पूर्ण विस्तार की ओर प्रवृत्त करता है :

(a) दोनों वस्तुएँ
(b) वृद्धिकारी कारक को गहन रूप से उपयोग करने वाली वस्तु
(c) गैर-वृद्धिकारी कारक को गहन रूप से उपयोग करने वाली वस्तु
(d) उपर्युक्त में से कोई एक

Ans : (b) रिब्जिस्की ने 1955 में एक लेख में अपने प्रमेय की चर्चा की। इस प्रमेय के अनुसार यदि दो देश व दो साधन वाली अर्थव्यवस्था में यदि एक की पूर्ति बढ़ा दी जाए और दूसरे साधन की पूर्ति स्थिर रखी जाए तो परिणाम यह होगा कि उस वस्तु का उत्पादन बढ़ जाएगा जो बढ़ाए गये साधन को गहनता से प्रयोग करती है और उस वस्तु का उत्पादन घट जाएगा। जैसे–यदि श्रम की पूर्ति बढ़ती है तो श्रम गहन वस्तु का उत्पादन बढ़ता है और पूंजी गहन वस्तु का उत्पादन घट जाता है। इसके विपरीत यदि पूंजी की पूर्ति बढ़ती है तो पूंजी गहन वस्तु का उत्पादन बढ़ जाता है और श्रम गहन वस्तु का उत्पादन घट जाता है।

33. बाजार के सभी भागों में विनिमय दर को किसके द्वारा एकसमान रखा जाता है?

(a) विनिमय विवाचन (b) ब्याज विवाचन
(c) हैजिंग (d) सट्टेबाजी

Ans : (a) बाजार के सभी भागों में विनिमय दर को विनिमय विवाचन द्वारा एकसमान रखा जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. कारक कीमत समकारी प्रमेय द्वारा किन शर्तों को प्रासंगिक माना गया है?

I. भिन्न उपादान एनडांउमेंट्स देशों की विशेषता है।
II. भिन्न उत्पादन फलन देशों की विशेषता है।
III. भिन्न साधन सघनताएँ उद्योगों की विशेषता है।
IV. प्रत्येक देश उसे वस्तु का निर्यात करेगा जो अपने प्रचुर साधन का तुलनात्मक रूप से गहनता से उपयोग करेगा।

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) I, III, IV
(c) I, II, IV (d) I, III, II

Ans : (b) कारक कीमत समानीकरण प्रमेय (factor price equilisation theorem) की व्याख्या सैमुलसन ने की है।
कारक कीमत समानीकरण प्रमेय द्वारा निम्नलिखित शर्तों को प्रासंगिक माना गया है–
(1) भिन्न उपादान एनडांउमेंट्स देशों की विशेषता है।
(3) भिन्न साधन सघनताएं उद्योगों की विशेषता है।
(4) प्रत्येक देश उस वस्तु का निर्यात करेगा, जो अपने प्रचुर साधन का तुलनात्मक रूप से उपयोग करेगा।
इस संबंध में हेक्शर–ओहलिन ने कहा कि यदि दो देशों में श्रम एवं पूंजी का स्वतंत्र प्रवाह होता है तो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में मजदूरी और साधन दोनों देशों में गतिशील न भी हो तो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं के स्वतंत्र प्रवाह के साधनों की निरपेक्ष और सापेक्ष कीमतों में समानता स्थापित होने की प्रवृत्ति होगी।

35. भुगतान सन्तुलन के मौद्रिक उपागम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

(a) यह भुगतान सन्तुलन को अनिर्वायतः मौद्रिक घटना के रूप में देखता है।
(b) भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा की अतिरिक्त माँग के फलस्वरूप होता है।
(c) अतिरेक भुगतान संतुलन मुद्रा की अतिरिक्त आपूर्ति के कारण होता है।
(d) भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वचालित रूप से ठीक नहीं होता है।

Ans : (a) भुगतान संतुलन एक देश का अन्य देशों के साथ समस्त आर्थिक लेन-देनों का व्यवस्थित रिकार्ड होता है। यह लेखांकन की दृष्टि से हमेशा संतुलित होता है।
दिये गये प्रश्नानुसार विकल्प (a) सही है क्योंकि भुगतान संतुलन का मौद्रिक उपागम भुगतान संतुलन को अनिवार्यतः मौद्रिक घटना के रूप में देखता है।

36. जब राष्ट्र आयात शुल्क लगाता है, तो राष्ट्र का देय वक्र कैसा होगा?

(a) अक्ष जो निर्यात वस्तु का माप करता है से दूर खिसक जाएगा।
(b) अक्ष जो आयात वस्तु का माप करता है से दूर खिसक जाएगा।
(c) नहीं खिसकेगा।
(d) उपर्युक्त में से कोई भी संभावित है।

Ans : (a) किसी देश द्वारा आयातों पर लगाए गए कर को प्रायः टैरिफ कहते है।
जब एक राष्ट्र आयात शुल्क लगाता है तो राष्ट्र का देय वक्र (Offer curve) अक्ष जो निर्यात वस्तु का आयात करता है से दूर खिसक जायेगा।

37. यदि व्यापार की अंतर्राष्ट्रीय शर्तें उस स्तर पर तय होती हैं जो प्रत्येक देश की अवसर लागत के बीच पड़ता है तो

(a) किसी भी देश के लिये लाभकारी व्यापार का कोई आधार नहीं है।
(b) दोनों देशों को व्यापार से लाभ होता है।
(c) केवल एक देश लाभ कमाता है।
(d) एक देश को व्यापार से लाभ होता है और दूसरे देश को हानि।

Ans : (b) यदि व्यापार की अन्तर्राष्ट्रीय शर्तें उस स्तर पर तय होती है जो प्रत्येक देश की अवसर लागत के बीच पड़ता है तो दोनों देशों को व्यापार से लाभ होता है।
व्यापार की शर्तों से आशय उस दर से है जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय होता है। यह दर किसी देश के आयातों के रूप में उस देश के निर्यात की क्रय शक्ति का माप है।
व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक–
(1) पारस्परिक मांग (2) साधन सम्पन्नताओं में परिवर्तन
(3) प्रौद्योगिकी परिवर्तन (4) रूचियों में परिवर्तन
(5) आर्थिक वृद्धि (6) प्रशुल्क
(7) अवमूल्यन

38. निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें:

I. अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति (झा समिति)
II. कर सुधार समिति (चलैया समिति)
III. कराधान जाँच आयोग (माथुर आयोग)
IV. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति (वांचू समिति)

कूट :

(a) III, II, IV, I
(b) III, I, IV, II
(c) II, III, I, IV
(d) III, IV, I, II

Ans : (d)
(iii) कराधान जांच आयोग (माथुर आयोग)
(iv) प्रत्यक्ष कर जांच समिति (वान्चू समिति)
(i) अप्रत्यक्ष कर जांच समिति (झा समिति)
(ii) कर सुधार समिति (चेलैया समिति)

39. शून्य बजटन में निम्नलिखित में से कौन सा प्रासंगिक है?

I. व्यय की प्रत्येक मद को पूर्व-बजट पुनरावलोकन में चुनौती दी जाती है।
II. व्यय के किसी भी न्यूनतम स्तर को प्रदत्त मान लेने की अनुमति नहीं है।
III. प्रत्येक मद के व्यय की हाशिये पर या सीमान्तिक वृद्धि की जाती है।
IV. जब अगले वर्ष का बजट तैयार किया जाता है तो व्यय की अधिकांश मदों को प्रदत्त मान लिया जाता है।

कूट :

(a) I, और III सही हैं। (b) II, II और IV सही हैं।
(c) I और II सही हैं। (d) I, III और IV सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) शून्य बजट का प्रतिपादन पीटर पायर ने 1970 में किया। शून्य बजट में बजट सम्बन्धी अनुमान शून्य से प्रारंभ किये जाते है तथा गत वर्षों के व्यय सम्बन्धी आकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता। इसके अन्तर्गत कार्य इस आधार पर प्रारंभ किया जाता है कि अगली अवधि के लिए बजट शून्य है जब तक कि प्रत्येक रूपये की मांग का किसी भी कार्य अथवा परियोजना का औचित्य नहीं दिया जाता। यह तकनीक विभिन्न विकल्पों में महत्वानुसार चयन करने का अवसर प्रदान करती है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक कार्य व प्रक्रिया में लागत करते समय उसका औचित्य बताना पड़ता है। इसमें कार्यात्मक व्यय विधि के स्थान पर कार्यक्रम प्रेरित व निर्णय प्रेरित व्यवस्था का पालन किया जाता है तथा व्यय के प्रत्येक मद का मूल्यांकन उसके गुण तथा वांछनीयता के आधार पर किया जाता है।

40. सूची–I में दी मदों को सूची–II में मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
I. इष्टतम आय कर	1. चार्ल्स टिबो
II. राजनीति का आर्थिक सिद्धान्त	2. पीटर ए. पायर
III. स्थानीय लोक वस्तुएँ	3. एफ. रामसे
IV. शून्य आधार बजटन	4. एन्थनी डाऊन्स

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	3	1	4	2
(b)	2	3	1	4
(c)	3	2	1	4
(d)	3	4	1	2

Ans : (d)

(a) इष्टतम आय कर – (3) एफ. रामसे
(b) राजनीति का आर्थिक सिद्धान्त – (4) एन्थनी डाउनस
(c) स्थानीय लोक वस्तुएं – (1) चार्ल्स टिबो।
(d) शून्य आधार बजट – (2) पीटर .ए. पायर

41. निम्नलिखित में से कौन सा कराधान की अनुपस्थिति के तुल्य है?

(a) कर का विचलन (b) कर का रूपान्तरण
(c) कर अपवंचन (d) कर का पूंजीकरण

Ans : (c) कर अपवंचन कराधान की अनुपस्थिति के तुल्य है। कर अपवंचन से आशय उस प्रक्रिया से है जिसके अन्तर्गत आय को छिपाकर अदायगी अवैध रूप से बचा ली जाती है।

42. निम्नलिखित में से कौन सा कर राज्यों के क्षेत्राधिकार में पड़ता हे जैसा कि भारतीय संविधान की अनुसूची VII की सूची–II में वर्णित है?

(a) रेलवे माल भाड़े और सवारी भाड़े पर कर
(b) समाचारपत्रों की बिक्री एवं खरीद और उसमें विज्ञापनों पर कर
(c) कुछ वित्तीय दस्तावेजों के सम्बन्ध में स्टाम्प शुल्क की दर
(d) मनोरंजन, बाजी (लगाने) और जूआ खेलने समेत विलासिताओं पर कर

Ans : (d) संविधान के अनुसूची 7 के सूची दो में राज्य सरकार को निम्नलिखित मदों पर कर लगाने का अधिकार है–

(1) भू–राजस्व।
(2) अखबार को छोड़कर अन्य वस्तुओं की खरीद एवं बिक्री पर कर।
(3) कृषि आय पर कर।
(4) भूमि तथा मकान पर कर।
(5) शराब तथा नशीली वस्तुओं पर कर।
(6) स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के प्रवेश पर कर।
(7) खनिज अधिकारों पर कर। (संसद कानून द्वारा ले सकती है।)
(8) बिजली के उपभोग या बिक्री पर कर।
(9) स्टाम्प शुल्क (केन्द्रीय सूची को छोड़कर)
(10) सड़क या आंतरिक जलमार्ग से जाने वाली वस्तुओं तथा यात्रियों पर कर।
(11) मनोरंजन तथा जुआ सहित विलास पर कर।
(12) चुंगी कर।
(13) पेशे तथा व्यापार पर कर।
(14) रोजगार तथा प्रतिव्यक्ति पर कर।
(15) अखबार में छपे विज्ञापन को छोड़कर अन्य विज्ञापन पर कर।
(16) सवारी, मवेशी तथा नाव पर कर।

43. कोहेन क्लार्क ने दावा किया कि विश्व के अधिकांश देशों के लिए कराधान की सुरक्षित उच्चतम सीमा है

(a) राष्ट्रीय आय का 40 प्रतिशत
(b) राष्ट्रीय आय का 30 प्रतिशत
(c) राष्ट्रीय आय का 25 प्रतिशत
(d) राष्ट्रीय आय का 20 प्रतिशत

Ans : (c) कोहेन क्लार्क ने दावा किया कि विश्व के अधिकांश देशों के लिए कराधान की सुरक्षित उच्चतम सीमा राष्ट्रीय आय का 25% है।

44. निम्नलिखित में से कौन सा कर आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है?

(a) एकाधिकारी पर लगाया गया एकमुश्त कर
(b) आवासीय मकान पर लगाया कर
(c) बिक्री योग्य पूँजीगत वस्तुएँ
(d) उत्तराधिकार सम्बन्धी शुल्क

Ans : (c) बिक्री योग्य पूंजी गत वस्तुओं पर लगाया गया कर आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है।

45. द्विपदीय बंटन में, माध्य और प्रसरण का योग 15 है और माध्य और प्रसरण का गुणनफल 54 है, तो प्रेक्षणों की संख्या (n) कितनी होगी?

(a) 27 (b) 30
(c) 24 (d) 33

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) माध्य (np) + प्रसरण (npq) = 15 .....(i)

माध्य (np) × प्रसरण (npq) = 54 .....(ii)

(माध्य (np) − प्रसरण (npq)^2 = $(15)^2 - 4 \times 54$

$= 225 - 216$

$= 9$

माध्य (np) − प्रसरण (npq) $= \sqrt{9} = 3$ .....(iii)

समी0 (i) और (iii) से,

np = 9 तथा npq = 6

$$q = \frac{npq}{np} = \frac{54}{81}$$

$$q = \frac{6}{9} = \frac{2}{3}$$

$$p = 1 - q = 1 - \frac{2}{3} = \frac{1}{3}$$

$\therefore$ np = 9 अतः

$$n\frac{1}{3} = 9$$

$$n = 9 \times 3$$

$$\boxed{n = 27}$$

46. यदि 'r' सहसम्बन्ध गुणांक है और byx और bxy प्रतिश्रयण रेखाओं x पर y और y पर x क्रमशः प्रतिश्रयण गुणांक हैं, तो r बराबर है :

(a) bxy × byx

(b) $\sqrt{bxy / byx}$

(c) $\sqrt{1 - bxy\ byx}$

(d) $\sqrt{bxy\ byx}$

Ans : (d) यदि 'r' सहसम्बन्ध गुणांक है और b_{yx} तथा b_{xy} प्रतिश्रयण रेखाओं x पर y और y पर x क्रमशः प्रतिश्रयण गुणांक है तो r बराबर $\sqrt{b_{xy}.b_{yx}}$ के होगा।

क्योंकि,

$$r^2 = b_{xy}.b_{yx}$$

$$r = \sqrt{b_{xy}.b_{yx}}$$

47. X^2 (काई स्क्वैयर) परीक्षण का क्या परीक्षण करने के लिए उपयोग किया जाता है?

(a) प्रसरण का विश्लेषण

(b) गुणात्मक चरों के बीच साहचर्य

(c) एक ही समग्र से लिए गये दो बंटन समूहों के माध्यों के बीच अन्तर

(d) भिन्न समग्र से लिये गये दो बंटन समूहों के माध्यों के बीच अन्तर

Ans : (b) x^2 (काई स्क्वैयर) परीक्षण का गुणात्मक चरों के बीच साहचर्य परीक्षण करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

48. यादृच्छिक प्रतिचयन का अभिप्राय है:

(a) प्रेक्षणों का चयन उद्देश्य के साथ किया गया है।

(b) प्रेक्षणों को व्यवस्थित ढंग से चयनित किया है।

(c) प्रेक्षणों का चयन मनमाने ढंग से किया है।

(d) प्रेक्षणों को गुच्छों में चयनित किया है।

Ans : (b) यादृच्छिक प्रतिचयन का अभिप्राय प्रेक्षणों को व्यवस्थित ढंग से चयनित किया जाना है।

49. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित करें :

	सूची–I		**सूची–II**
I.	विचरण का गुणांक	1.	μ_4 / σ^4
II.	सहसम्बन्ध का गुणांक	2	μ_3 / σ^3
III.	विषमता का गुणांक	3.	$\sigma / \bar{x}$
IV.	कुर्टोसिस (वक्रता-मात्रा) का गुणांक	4.	$\sum xy / \sigma_x \sigma_y$

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	1	2	3	4
(b)	3	2	4	1
(c)	3	4	2	1
(d)	3	4	1	2

Ans : (c)

(a) विचरण का गुणांक	(3)	$\sigma / \bar{x}$
(b) सहसम्बन्ध का गुणांक	(4)	$\sum xy / \sigma x.\sigma y$
(c) विषमता का गुणांक	(2)	μ_3 / σ^3
(d) कुर्टोसिस (वक्रता मात्रा) का गुणांक	(1)	μ_4 / σ^4

50. अभिकथन (A) : फिशर का अभिसूचक आदर्श अभिसूचक है।

तर्क (R) : फिशर का अभिसूचक समय विपर्यास तथा उपादान विपर्यास परीक्षणों को संतुष्ट करता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

Ans : (a) फिशर का सूचकांक लैस्पियर तथा पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर मध्य है। इसे इस प्रकार स्पष्ट किया गया है–

$$\boxed{F = \sqrt{L.P}}$$

फिशर सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण तथा तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण का पालन करता है। यही कारण है कि इसे आदर्श सूचकांक कहते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2013
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

सूचना : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. ऑस्ट्रियन स्कूल के सुप्रसिद्ध संस्थापक कौन हैं?

(a) डब्ल्यू, एस. जेवन्स (b) लिओ वालरस
(c) नट विकसल (d) कार्ल मेन्जर

Ans : (d) ऑस्ट्रियन स्कूल आर्थिक सोच का एक स्कूल है जो पद्धतिगत व्यक्तिवाद पर आधारित है। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि व्यक्तियों के उद्देश्य और कार्य समाजिक घटना का परिणाम है। यह 19वीं और 20वीं सदी में वियना के कार्लमेंजर ,यूजीन बोहमान ,बाबरक फ्रेडरिक ,वानवाइजर और अन्य के काम से उत्पन्न हुआ। वर्तमान में इस परम्परा में काम करने वाले अर्थशास्त्री कई अलग-अलग देशों में स्थित हैं लेकिन उनका काम अभी भी आस्ट्रियन अर्थशास्त्र के नाम से जाना जाता है। दिये गये प्रश्नानुसार आस्ट्रिय स्कूल के संस्थापक कार्ल मेंजर है।

2. स्थानापन्नों के लिए माँग की आड़ी लोच होती है

(a) धनात्मक (b) ऋणात्मक
(c) शून्य (d) हमेशा एक से कम

Ans : (a) मांग की आड़ी लोच पूरक स्थानापन्न व स्वतंत्र वस्तुओं की सापेक्षिक सम्बद्धता की माप है। इस प्रकार किसी सम्बन्धित वस्तु के मूल्य में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप किसी दी हुई वस्तु की मांगी गई मात्रा में जो सापेक्षिक परिवर्तन होता है, इसकी माप ही मांग की आड़ी लोच है।

$$AB = \frac{\text{A वस्तु की मांग में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{B वस्तु की मांग में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

यदि A और B दोनों परस्पर स्थानापन्न है तो मांग की आड़ी लोच धनात्मक होगी तथा यदि A और B एक दूसरे की पूरक है तो मांग की आड़ी लोच ऋणात्मक होगी।
इसके अतिरिक्त यदि मांग की आड़ी लोच का मान शून्य है अर्थात् $e_{AB} = 0$ तो ऐसी स्थिति में वस्तुएं न तो पूरक होंगी और न स्थानापन्न बल्कि अनाश्रित या स्वतंत्र होगी।

3. आरक्षित मजदूरी का अर्थ है

(a) उचित मजदूरी जिस पर मजदूर काम करने को इच्छुक है
(b) निर्वाह मजदूरी जिस पर व्यक्ति कार्य करने को तैयार है
(c) न्यूनतम मजदूरी जिस पर व्यक्ति कार्य करने को इच्छुक है
(d) अधिकतम मजदूरी जिस पर व्यक्ति कार्य करने को तैयार है

Ans : (c) आरक्षिक मजदूरी का अर्थ वह न्यूनतम मजदूरी दर जिस पर व्यक्ति कार्य करने को इच्छुक है।

4. उत्पादन के आर्थिक क्षेत्र में शामिल है

(a) सभी सम-उत्पाद वक्रो के धनात्मक रूप से ढलवाँ भाग
(b) सभी सम-उत्पाद वक्रो के ऋणात्मक रूप से ढलवाँ भाग
(c) सभी सम-उत्पाद वक्रो के मध्य भाग
(d) सभी सम-उत्पाद वक्रों के उच्चतम बिन्दु

Ans : (b) उत्पादन के आर्थिक क्षेत्र में सभी सम-उत्पाद वक्रों के ऋणात्मक रूप से ढलवां भाग सम्मिलित है। उत्पादन की प्रक्रिया में उत्पादक यह प्रयास करता है कि वह कम-से-कम लागत पर अधिक से अधिक उत्पादन करे। इसके लिए वह विभिन्न साधनों के अनुकूलतम संयोग की खोज करता है। साधनों के अनुकूलतम संयोग की खोज की समस्या का समाधान सम-उत्पाद वक्रों की सहायता से किया जा सकता है।
इस प्रकार सम-उत्पाद वक्र उत्पादन के दो साधनों के उन संभावित संयोगों को प्रदर्शित करते है, जिनके प्रयोग से उत्पादक को समान उत्पादन प्राप्त होता है, इन वक्रों को सममात्रा भी कहते है।

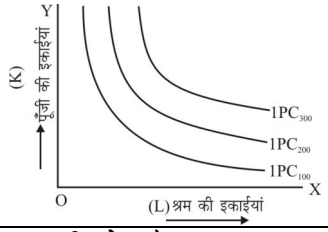

5. प्रतिस्थापन्न की लोच है

(a) मँहगे आगतों के लिए सस्ते आगतों का प्रतिस्थापन
(b) जिस दर पर आगतें (श्रम एवं पूँजी) प्रतिस्थापित की जाती है
(c) आगत-कीमत अनुपात में परिवर्तन के प्रति आगत अनुपात की प्रतिक्रियाशीलता का माप
(d) आगत कीमतों और सस्ते आगतों के प्रतिस्थापन की प्रतिक्रियाशीलता का माप

Ans : (c) प्रतिस्थापन की लोच लागत-कीमत अनुपात में परिवर्तन के प्रति आगत अनुपात की प्रतिक्रियाशीलता की माप है। दूसरे शब्दों में, प्रतिस्थापन की मांग लोच यह बताती है कि दो वस्तुओं की कीमतों का अनुपात परिवर्तित होने पर एक वस्तु का दूसरी वस्तु से कितना प्रतिस्थापन किया जाएगा।

$$e_s = \frac{\text{दो वस्तुओं की उपभोग मात्राओं के अनुपात में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{दोनों वस्तुओं की कीमतों के अनुपात में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

जब दो वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न होती है, तब प्रतिस्थापन की मांग लोच अनन्त होती है अर्थात् $e_s = \infty$
यदि दो वस्तुएं निकट स्थानापन्न हो तो प्रतिस्थापन की मांग लोच इकाई से अधिक होती है अर्थात् $e_s > 1$ और जब दो वस्तुएं स्वतंत्र हो तो प्रतिस्थापन की मांग लोच शून्य ($e_s = 0$) होती है।

6. गेम थ्योरी मॉडल के सामरिक नीतियों में शामिल है

I. कीमत बदलने के सम्भाव्य विकल्प
II. नूतन अथवा विभेदित उत्पाद को विकसित करना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

III. नूतन या भिन्न विज्ञापन अभियान को आरम्भ करना
IV. अतिरिक्त क्षमता निर्मित करना

कूट

(a) II और III सही हैं (b) I और II सही हैं
(c) I, II और III सही हैं (d) सभी सही हैं

Ans : (d) 'गेम थ्योरी मॉडल' के सामरिक नीतियों में निम्नलिखित शामिल है–
1. कीमत बदलने के संभाव्य विकल्प।
2. नूतन अथवा विभेदित उत्पाद को विकसित करना।
3. नूतन या भिन्न विज्ञापन अभियान को आरंभ करना।
4. अतिरिक्त क्षमता निर्मित करना।

प्रो. वॉन न्यूमन तथा मॉर गनस्टर्न ने 1944 में प्रकाशित पुस्तक 'The theory of Games and economic behaviour' में परस्पर विरोधी स्थितियों वाली विभिन्न समस्याओं के प्रति एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया। खेल सिद्धांत के अनुसार एक अल्पाधिकारी अपनी प्रविधि अपनाते समय यह मान लेता है कि उसका प्रतिद्वन्द्वी जिस प्रविधि का चयन करेगा वह उसके लिए सबसे अधिक हानिकारक होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि अल्पाधिकारी सुरक्षित खेल की नीति को अपनाएगा। अल्पाधिकारियों में संघर्ष की प्रवृत्ति 'पूर्णतः प्रतिद्वन्दी खेल की है तथा दोनों खिलाड़ियों के लिए खेल के परिणाम का जोड़ एक स्थिर राशि होती है इन मान्यताओं के साथ मॉरगनस्टर्न एवं न्यूमैन महाल्पिष्ठ तथा अल्पमहिष्ठ प्रविधियों द्वारा खेल सिद्धांत की व्याख्या करते है।

7. परेटों इष्टतम का तात्पर्य है

(a) संसाधन आबंटन जिसके लिये पैरेटो सुधार सम्भव है।
(b) संसाधन आबंटन जिसमें सामाजिक सुधार सम्भव है।
(c) संसाधन आबंटन जिसके लिये कम से कम एक बेहतर है और कोई भी बदतर नहीं है।
(d) संसाधन आबंटन जिसके लिये कोई पैरेटो सुधार नहीं है।

Ans : (d) परेटों अपने अनुकूलतम सिद्धांत में बतातें है कि सामाजिक कल्याण के लिए अनुकूलतम वितरण आवश्यक है। पैरेटो के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो, इसे परेटो अनुकूलतम कहते है।

मान्यताएं–
1. यह मॉडल 2 × 2× 2 पर आधारित है।
2. उपयोगिता की क्रमवाचक माप संभव है।
3. वस्तु तथा साधन बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पायी जाती है।
4. वस्तुएं तथा साधन पूर्णतया विभाज्य है।
5. प्रत्येक उपभोक्ता अपनी उपयोगिता को अधिकतम करना चाहता है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर पैरेटो अपने सिद्धांत को तीन सीमांत दशाओं की सहायता से प्रस्तुत करते है–

1. उपभोक्ताओं के बीच वस्तुओं का कुशलतम वितरण–

$$MRS_{XY} = MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$$

2. फर्मों के बीच उत्पादन के साधनों का कुशलतम वितरण–

$$MRS^{A}_{LK} = MRS^{B}_{LK}$$

3. रूपांतरण की सीमांत दर–

$$MRPT_{XY} = MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$$

8. अल्पाधिकार का मॉडल जिसमें एक व्यवसाय दूसरे व्यवसाय द्वारा उत्पादन करने से पहले अपना उत्पादन निर्धारित करता है।

(a) कूर्नो का अल्पाधिकार मॉडल
(b) बर्ट्रेन्ड का अल्पाधिकार मॉडल
(c) स्टेकलबर्ग का अल्पाधिकार मॉडल
(d) चैम्बरलिन का अल्पाधिकार मॉडल

Ans : (c) जर्मनी के अर्थशास्त्री स्टेकलबर्ग ने द्वयाधिकारी समस्या का हल इस मान्यता पर सुझाया कि प्रत्येक विक्रेता दूसरे की क्रियाओं की परस्पर निर्भरता को मानता है। प्रत्येक विक्रेता अपने-आपको नेता (Leader) अथवा अनुयायी समझता है। प्रत्येक विक्रेता नेता और अनुयायी दोनों होने पर अधिकतम लाभ, जो वह प्राप्त कर सकता है, निर्धारित करता है। तब वह वही भूमिका निभाएगा जो उसे अधिकतम लाभ प्रदान करती है। इस प्रकार यदि उनकी इच्छाएँ एक दूसरे के साथ मेल खाती हों तो बाजार सन्तुलन में होगा। स्टेकलबर्ग का हल प्रतिक्रिया वक्रों पर आधारित है। प्रत्येक प्रतिक्रिया वक्र प्रत्येक विक्रेता के उत्पादन को उसके प्रतिद्वन्दी के उत्पादन का फलन व्यक्त करता है।

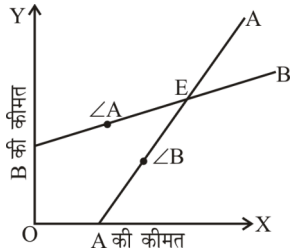

9. अभिकथन (A) : निमग्न लागतें आर्थिक निर्णयों के लिये प्रासंगिक नहीं है।

कारण (R): ऐसे संसाधनों की अवसर लागत शून्य होती है।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(c) (A)और (R) दोनों सही है, परन्तु (R). (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।

Ans : (a) निमग्न लागतें आर्थिक निर्णयों के लिए प्रासंगिक नहीं है। इनका प्रयोग सिर्फ एक क्रिया में किया जा सकता है, इन लागतों का कोई वैकल्पिक प्रयोग नहीं होता है, क्योंकि इनकी अवसर लागत शून्य होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. सूची-I में दिये कथनों को सूची-II में दिये नामों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें।

सूची-I	सूची-II
(I) किसके अनुसार, रोजगार और उत्पादन श्रम बाजार के आपूर्ति पक्ष में परिचालित कारकों द्वारा ही निर्धारित होते हैं?	(i) कार्ल मार्क्स
(II) 'क्लासीकल' पदबंध किसने प्रतिपादित किया?	(ii) परम्परावादी अर्थशास्त्री
(III) समग्र आपूर्ति फलन निकालने के लिए परम्परावादी उत्पादन फलन का उपयोग किसने किया?	(iii) जे.एम. केन्स
(IV) रेखीय समग्र उपभोग फलन का उपयोग किसने किया?	(iv) केन्सवादी अर्थशास्त्री

निम्नलिखित में से सही उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए।

कूट-

	a	b	c	d
(a)	ii	iii	i	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	i	iii	v	ii
(d)	ii	i	iii	iv

Ans : (d)

(I) किसके अनुसार, रोजगार और उत्पादन श्रम बाजार के आपूर्ति पक्ष में परिचालित कारकों द्वारा ही निर्धारित होते हैं? — (ii) परम्परावादी अर्थशास्त्री

(II) 'क्लासीकल' पदबंध किसने प्रतिपादित किया? — (i) कार्ल मार्क्स

(III) समग्र आपूर्ति फलन निकालने के लिए परम्परावादी उत्पादन फलन का उपयोग किसने किया? — (iii) जे.एम. केन्स

(IV) रेखीय समग्र उपभोग फलन का उपयोग किसने किया? — (iv) केन्सवादी अर्थशास्त्री

11. स्थायी आय परिकल्पना अनुप्रस्थ काट और समय सारिणी आँकड़ों के अनुरूप होती है क्योंकि

(a) उच्च-आय वर्गीय परिवार बचतकर्त्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में धनात्मक क्षणिक संघटक शामिल होता है

(b) उच्च-आय वर्गीय परिवार बचतकर्त्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में ऋणात्मक क्षणिक या अस्थायी संघटक होते हैं।

(c) निम्न-आय वर्गीय परिवार बचतकर्त्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में ऋणात्मक क्षणिक या अस्थायी संघटक होते हैं।

(d) निम्न-आय वर्गीय परिवार बचतकर्त्ता हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में धनात्मक क्षणिक/अस्थायी संघटक होते हैं।

Ans : (a) स्थायी आय परिकल्पना अनुप्रस्थ काट और समय सारिणी आंकड़ों के अनुरूप होती है क्योंकि उच्च आय वर्गीय परिवार बचतकर्त्ता होते, क्योंकि उनकी चालू आय में धनात्मक क्षणिक संघटक शामिल होता है।

स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन मिल्टन फ्रीडमैन ने किया। फ्रीडमैन के अनुसार किसी एक वर्ष में किसी परिवार की स्थायी आय उस वर्ष में प्राप्त चालू आय द्वारा नहीं निर्धारित होती है बल्कि इसका निर्धारण भविष्य में कई वर्षों में प्राप्त प्रत्याशित या संभावित आय द्वारा होता है। प्रत्येक उपभोक्ता अपनी स्थायी आय का अनुमान अपनी मानवीय तथा गैर-मानवीय सम्पत्ति के आधार पर करता है।

फ्रीडमैन ने किसी परिवार की मापित आय को दो भागों में बांटा है– स्थायी आय तथा अस्थायी आय।

$$y_m = y_p + y_t$$

इसी तरह उपभोग को भी दो भागों में बांटा है–स्थायी उपभोग तथा अस्थायी उपभोग।

$$c_m = c_p + c_t$$

काल श्रेणी के विश्लेषण के आधार पर फ्रीडमैन इस निष्कर्ष पर आते है कि स्थायी उपभोग (c_p) तथा स्थायी आय (y_p) के बीच आनुपातिकता का सम्बन्ध है। चूँकि दीर्घकाल में आय तथा उपभोग दोनों में ही अप्रत्याशित कमी तथा अप्रत्याशित वृद्धि परस्पर निरस्त हो जाते है इसलिए स्थायी उपभोग स्थायी आय का एक निश्चित भाग बना रहता है।

12. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

(a) जब प्रतिस्थापन निवेश समयोपरि स्थिर रहता है तो निवल निवेश सकल निवेश की तुलना में ज्यादा स्थिर होता है

(b) जब प्रतिस्थापन निवेश समयोपरि स्थिर रहता है तो सकल निवेश निवल निवेश की तुलना में ज्यादा स्थिर होता है

(c) प्रतिस्थापन निवेश उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि (V–Δy) गुना पूंजी-उत्पादन अनुपात के बराबर होता है।

(d) जब पूँजी-उत्पादन अनुपात (V) घटता है तो निवल निवेश V–Δy से अधिक होता है।

Ans : (b) पूँजी स्टाक में वृद्धि को निवेश कहते हैं। दिये गये प्रश्नानुसार यह कथन सही है कि जब प्रतिस्थापित निवेश समयोपरि स्थिर रहता है तो सकल निवेश निवल निवेश की तुलना में ज्यादा स्थिर होता है।

13. सूची-I में दिये गये मुद्रा माँग उपागम को सूची-II में दिये उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित करें तथा सही कोड का चयन करें।

सूची-I	सूची-II
(I) इन्वेंट्री थ्योरेटिक एप्रोच या उपागम	(i) मिल्टन फ्रीडमैन
(II) नकद शेष उपागम	(ii) जेम्स कोहन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(III) पोर्टफोलियो इष्टतमीकरण उपागम (iii) डब्ल्यू जे. बॉमोल

(IV) मुद्रा परिमाणात्मक सिद्धांत (iv) कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री

कूट-

	a	b	c	d
(a)	iv	ii	iii	i
(b)	iv	i	iii	ii
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	ii	iv	iii	i

Ans : (d)

(a) इन्वेंट्री थ्योरेटिक एप्रोच या उपागम (ii) जेम्स कोहन

(b) नकद शेष उपागम (iv) कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री

(c) पोर्टफोलियों इष्टतमीकरण उपागम (iii) डब्ल्यू.जे. बॉमोल

(d) मुद्रा परिमाणात्मक सिद्धांत (i) मिल्टन फ्रीडमैन

14. अभिकथन (A) : केन्स के अनुसार, व्यक्ति या तो नकद या समस्त बॉन्ड रखते हैं।

कारण (R): क्योंकि, उनके अनुसार, मुद्रा की सट्टा मांग अनिश्चितता के साथ सम्बन्धित है।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परन्तु (R). सही नहीं है।

(d) (A) और (R) दोनों सही नहीं है।

Ans : (c) केन्स ने मुदा को तरल या नकद रखने की इच्छा को तरलता अधिमान नाम दिया। केन्स के अनुसार व्यक्ति मुद्रा की मांग तीन उद्देश्य के लिए करता है–

1. व्यावसायिक अथवा लेन-देन उद्देश्य।
2. सर्तकता उद्देश्य।
3. सट्टा उद्देश्य।

सौदा और दूरदर्शिता हेतु मांग की जाने वाली मुद्रा की मांग अत्यंत आय लोचात्मक तथा अपेक्षाकृत ब्याज निरपेक्ष होती है। सट्टा हेतु मुद्रा की मांग और ब्याज की दर में विपरीत संबंध पाया जाता है।

मुद्रा की मांग के सम्बन्ध में केन्स ने दो परिसम्पत्तियों पर विचार किया–मुद्रा तथा बाण्ड। लोग मुद्रा को या तो नकद रूप में रखेगें या बाण्ड के रूप में।

15. संचय के स्वर्णिम नियम की सही व्याख्या निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है?

यह कि प्रति व्यक्ति पूँजी जहाँ पर

(a) प्रति व्यक्ति बचत और प्रति व्यक्ति निवेश अधिकतम है।

(b) पूँजी की सीमान्त उत्पादकता जनसंख्या की वृद्धि की दर के बराबर है।

(c) पूँजी की सीमान्त उत्पादकता बचत अनुपात के बराबर है।

(d) पूँजी के सापेक्ष उत्पादन की लोच बचत अनुपात के बराबर है।

Ans : (a) संचय के स्वर्णिम नियम का प्रतिपादन एडमंड फेल्प्स ने किया। इस नियम के अनुसार स्वर्ण युग में जब बचत दर, लाभ दर के बराबर होती है तो प्रति व्यक्ति उपभोग अधिकतम हो जाता है। यदि बचत दर लाभ दर से कम होती है तो प्रति व्यक्ति उपभोग प्राप्य अधिकतम उपभोग से कम रहता है। दूसरी ओर, यदि बचत दर लाभ दर से अधिक होती है तो प्रतिव्यक्ति उपभोग घट जाता है। अतः बचत की एक विशिष्ट लक्ष्य दर ही स्वर्णयुग में प्रति व्यक्ति उपभोग को अधिकतम करती है। इसे स्वर्णिम नियम बचत दर या इष्टतम बचत दर कहा जाता है। यदि वर्तमान तथा भविष्य की पीढ़ी को उसी मात्रा में उपभोग करने दिया जाए तो प्रति व्यक्ति उपभोग की अधिकतम मात्रा स्वर्णयुग पथ कहलाती है। यह उपभोग अधिकतमकरण युग पथ स्वर्णिम नियम पथ कहलाता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

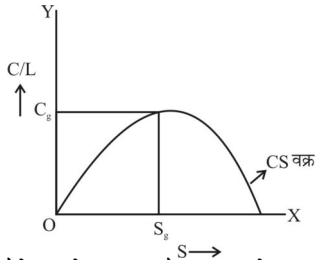

CS वक्र जैसे-जैसे आगे बढ़ता है, बचत के निम्न स्तर पर प्रति व्यक्ति उपभोग बढ़ता है और बचत के उच्च स्तर पर घटता है।

16. विशेषतया उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति और त्वरक गुणांक के उच्च मूल्य पर, विस्फोटक गैरदोलनी चक्र किसके द्वारा प्रतिपादित व्यापार चक्रों के मॉडल में पाये जाते हैं?

(a) पॉल ए. सैम्युलसन (b) जे.आर. हिक्स

(c) निकोलस कल्डोर (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (a) विशेषतया उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति और त्वरक गुणांक के उच्च मूल्य पर विस्फोटक गैर–दोलनी चक्र पॉल ए–सैम्युलसन द्वारा प्रतिपादित व्यापार चक्रों के मॉडल में पाये जाते हैं।

सैम्युलसन का व्यापार चक्र सिद्धान्त गुणक त्वरक की अन्तर्क्रिया पर आधारित है। यह सिद्धान्त निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है–

1. उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति स्थिर है तथा किसी समयावधि 't' में उपभोग का स्तर पिछली समयाधि (t–1) की आय पर निर्भर है।

अतः

$$c_t = c_0 + c.y_{t-1}$$

2. पूंजी उत्पाद अनुपात g एक स्थिरांक है तथा किसी समयावधि 't' में विनियोग का स्तर I_t इसी काल में हुई उपभोग मांग की वृद्धि $c_t – c_{t-1}$ पर आधारित है।

$$I_t = I_0 + g.(c_t - c_{t-1})$$

3. अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता शून्य है।
4. श्रम शक्ति उत्पादन के स्तर में किसी प्रकार का अवरोध नहीं उत्पन्न करता है।
5. उत्पाद कीमतें स्थिर है।
6. सरकारी व्यय Gt आय परिवर्तन से स्वतंत्र है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर यदि Gt का मूल्य स्थिर हो तो α तथा β के विभिन्न मूल्यों के अनुसार अधिगुणक के कारण आय में विभिन्न प्रकार के उच्चावचन दिखलायी पड़ते है जो निम्न है–

1. चक्रहीन पथ–यदि $\alpha = 0.5$ तथा $\beta = 0$ हो तो व्यापार की चक्रहीन अवस्था होगा–

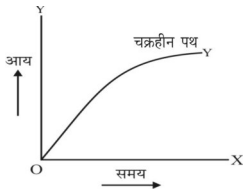

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2. परिमंदित चक्रीय पथ–यदि $\alpha = 0.5$ तथा $\beta = 1$ हो तो राष्ट्रीय आय के आकार में उत्तरोतर कमी होती जाएगी।

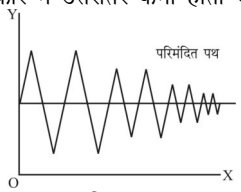

3. संतुलित विस्थार पथ–यदि $\alpha = 0.5, \beta = 2$ हो तो गुणक स्तर के चारों ओर नियमित चक्र को जन्म देगा अर्थात् राष्ट्रीय आय में उतार–चढ़ाव नियमित रूप से होगा।

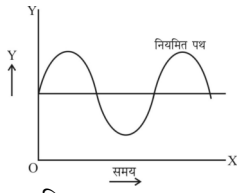

4. विस्फोटक चक्र–यदि $\alpha = 0.6$ तथा $\beta = 2$ हो तो विस्फोटक चक्र को जन्म देगें।

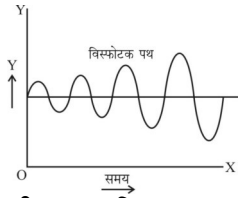

5. चक्रहीन उर्ध्वगामी पथ–यदि $\alpha = 0.8$ तथा $\beta = 0.4$ हो तो आय चक्र संवृद्धि दर को प्राप्त कर जाएगी।

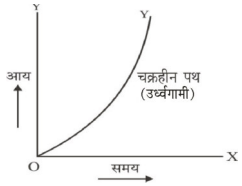

17. IS-LM रूपरेखा के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन मिथ्या है?

(a) केन्सवादी गुणांक का मूल्य जितना निम्न है और निवेश माँग की ब्याज संवेदनशीलता जितनी निम्न है, IS वक्र उतनी अतिप्रवण होगी।

(b) जब मुद्रा माँग पूर्णतया ब्याज बेलोचदार है और निवेश पूर्णतया ब्याज लोचदार है, तो 'क्राउड आऊट' प्रभाव पूर्ण होगा।

(c) जब मुद्रा माँग की ब्याज संवेदनशीलता उच्च है और निवेश माँग की ब्याज संवेदनशीलता निम्न है, तो राजकोषीय नीति कम से कम प्रभावी होती है और मौद्रिक नीति सर्वाधिक प्रभावी होती है।

(d) पीगू प्रभाव, तरलता जाल के अन्दर भी मौद्रिक नीति की प्रभावपूर्णता वापस ले आता है।

Ans : (c) IS–LM मॉडल का प्रतिपादन हिक्स एवं हैन्सन ने किया। IS–LM माडल के विश्लेषण में हम वस्तु बाजार तथा मुद्रा बाजार दोनों को एक साथ समन्वित करते है। IS–वक्र वस्तु बाजार तथा LM –वक्र मुद्रा बाजार में संस्थिति प्रदर्शित करता है।

ब्याज की विभिन्न दरों तथा उनसे सम्बन्धित आय के विभिन्न स्तरों जिन पर बचत विनियोग के बराबर हो, को प्रदर्शित करने वाला वक्र IS– वक्र होगा। इस प्रकार IS वक्र विभिन्न ब्याज दरों पर राष्ट्रीय आय का स्तर व्यक्त करेगा जिस पर नियोजित बचत नियोजित विनियोग के बराबर हो।

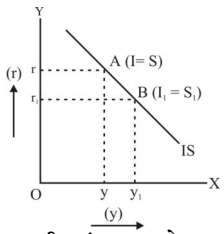

LM–वक्र मुद्रा बाजार की संतुलन को दर्शाता है। LM– वक्र विभिन्न ब्याज दरों पर राष्ट्रीय आय के स्तर को व्यक्त करेगा जिस पर मुद्रा की मांग मुद्रा की पूर्ति के बराबर हो।

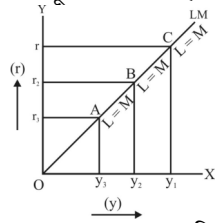

इस प्रकार स्पष्ट है कि IS तथा LM वक्र जिस बिन्दु पर एक–दूसरे को काटेंगे, वहाँ दिये हुए ब्याज दर एवं आय स्तर पर वस्तु बाजार तथा मुद्रा बाजार संस्थिति में होगे।

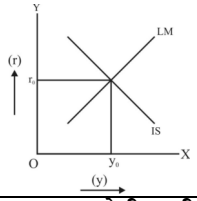

18. अभिकथन (A) : राजकोषीय नीति बन्द अर्थव्यवस्था की अपेक्षा खुली अर्थव्यवस्था में कम प्रभावी होती है।
कारण (R) : क्योंकि, खुली अर्थव्यवस्था में गुणांक का मूल्य बंद अर्थव्यवस्था की अपेक्षा कम होता है।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परन्तु (R). गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans : (b) राजकोषीय नीति के अन्तर्गत कारोपण, सार्वजनिक व्यय तथा सार्वजनिक ऋण के उन क्रिया–कलापों की विवेचना की जाती है जिनके द्वारा सरकार राष्ट्रीय आय, उत्पादन, रोजगार तथा मूल्य स्तर के सम्बन्ध में पूर्व निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का प्रयास करती है। राजकोषीय नीति बंद अर्थव्यवस्था में ज्यादा प्रभावी होती है। राजकोषीय नीति की प्रभावशीलता IS–LM वक्र के आकार पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही गुणक की क्रियाशीलता पर भी राजकोषीय नीति की सफलता निर्भर करती है। गुणक में रिसाव होने पर आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाती।

19. सम्मिलित (इमबोडिड) तकनीकी परिवर्तन मॉडल किस उत्पादन फलन पर आधारित है?

(a) सी ई एस (b) कॉब डूग्लस

(c) ट्रान्स-लॉग (d) वी इ एस

Ans : (b) सम्मिलित (Embodied) तकनीकी परिवर्तन मॉडल कॉब–डगलस उत्पादन फलन पर आधारित है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

20. ''यदि लाभ या ब्याज की स्थिर दर पर पूँजी उत्पादन अनुपात भी स्थिर रहता है, तो तकनीकि परिवर्तन तटस्थ रहता है।'' इस अवधारणा को किसने प्रतिपादित किया?

(a) कल्डोर (b) हिक्स
(c) सोलो (d) हैरोड

Ans : (d) ''यदि लाभ या ब्याज की दर पर पूंजी–उत्पादन अनुपात भी स्थिर रहता है, तो तकनीकि परिवर्तन तटस्थ रहता है।'' इस अवधारणा को हैरोड ने प्रतिपादित किया। हैरॉड की तटस्थ तकनीकी प्रगति की परिभाषा COR (Capital–Output Ratio) पर आधारित है। यदि तकनीकी प्रगति के पश्चात् एक स्थिर लाभ की दर पर COR बढ़ जाता है तो यह श्रम बचतकारी तकनीकी प्रगति होती है। इसके विपरीत यदि COR घट जाता है तो पूंजी बचतकारी तकनीकी प्रगति होगी। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

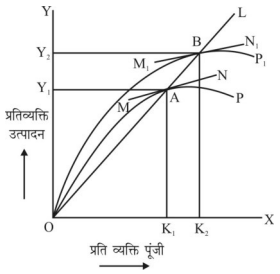

उत्पादन फलन OP के A बिन्दु पर पूंजी उत्पाद अनुपात $\frac{ok_1}{oy_1}$ तथा OP_1 के बिन्दु B पर COR $\frac{ok_2}{oy_2}$ है। चूंकि OL रेखा दोनों बिन्दुओं A तथा B से गुजरती है। इन दोनों पर COR समान है।

$$\frac{ok_1}{oy_1} = \frac{ok_2}{oy_2}$$

21. अंतर्जात संवृद्धि मॉडल किसके द्वारा विकसित किए गए हैं?

(I) कैनेथ जे. ऐरो (II) पॉल एम. रोमर
(III) रॉबर्ट इ. लुकास (IV) आर.एम. सोलो

कूट:

(a) I और II (b) I, II और III
(c) III और IV (d) II, III और IV

Ans : (b) अन्तर्जात संवृद्धि मॉडल निम्नलिखित अर्थशास्त्री द्वारा विकसित किया गया है–
1. कैनेथ जे. ऐरो।
2. पॉल एम. रोमर
3. रॉबर्ट इ. लुकास
1980 के दशक से व्यवहारिक अर्थशास्त्र के अन्तर्गत विश्व के विभिन्न देशों के मध्य उत्पादन वृद्धि दरों में व्याप्त विषमता के अध्ययन एवं विश्लेषण का प्रचलन बढ़ा है। इसके लिए ढेर सारे शोधकार्य किये गये है तथा साहित्य का प्रकाशन किया गया है। इस अन्तर्जात संवृद्धि के प्रति उत्तरदायी विभिन्न कारकों की विवेचना जिस सिद्धान्त पर आधारित है उसे अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त के नाम से जान जाता है। अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त में प्रौद्योगिकी एक अन्तर्जात तत्व है।

22. कल्डोर का संवृद्धि मॉडल निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है।

(I) उत्पादन में सिर्फ मजदूरी और लाभ पाये जाते हैं
(II) निवेश उत्पादन अनुपात एक स्वतंत्र चर है
(III) MP_S और MP_C स्थिरांक हैं।
(IV) यह पूर्ण रोजगार से कम होते हैं।

कूट:

(a) I और IV (b) II और III
(c) III और IV (d) I और II

Ans : (d) प्रो. निकोलस केल्डार ने 1960 में प्रकाशित अपनी प्रसिद्ध पुस्तक "Essay on Economic Stability and Growth" में अपने आर्थिक विकास मॉडल का प्रतिपादन किया, जो सतत् संवृद्धि के पश्चात् प्रावैगिक विश्लेषण से संबंधित माडल है। इस माडल का मुख्य उद्देश्य गैर–आर्थिक चरों की प्रकृति को प्रदर्शित करना है जो एक अर्थव्यवस्था के सामान्य उत्पादन स्तर को निर्धारित करते है जिससे अतिरेक बचतों की समस्या का हल आय की ज्यामितीय वृद्धि के माध्यम से किया जाता है।

मान्यताएँ –

1. उत्पादन के दो साधन – श्रम एवं पूजीं है।
2. आय भी दो प्रकार की है– लाभ तथा मजदूरी। लाभ पूरा बचत की जाती है तथा मजदूरी पूरा उपभोग कर ली जाती है।
3. तकनीकी प्रगति पूंजी संचय पर निर्भर करती है।
4. निवेश फलन पिछले तथा वर्तमान आय के वर्ष में परिवर्तन की दर तथा पिछले लाभ की दर पर निर्भर करती है।
5. मौद्रिक नीति की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है।
6. बचत फलन मजदूरों के बचत फलन तथा लाभ के बचत फलन का योग है। $S = Sw + Sp$
7. श्रम व पूंजी एक–दूसरे के पूरक है तथा उत्पादन में समप्रतिफल का नियम लागू है।
8. कीमते स्थिर है।
9. मजदूरों की सीमांत उपभोग प्रवृत्ति, उद्यमियों की सीमांत उपभोग प्रवृत्ति से अधिक है।
10. अर्थव्यवस्था में अनैच्छिक बेरोजगारी निवेश के बढ़ने के साथ दूर हो जाती है।
11. श्रमिकों की असीमित पूर्ति एक निश्चित मजदूरी दर पर है।

23. अभिकथन (A) : किसी क्षेत्र में नवप्रवर्तन या नवीकरण विरले ही सम्बन्धित क्षेत्रों में नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित करते हैं।
कारण (R) : एक बार नवप्रवर्तन लाभकारी बन जाता है तो अन्य पद्यमी ''झुण्ड नुमा गुच्छों'' में उसके पीछे-पीछे चलते हैं।

(a) (A) सही नहीं है और (R) सही है।
(b) (A) सही है, और (R) सही नहीं है।
(c) (A) और (R). दोनों सही नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही है।

Ans : (a) शुम्पीटर के अनुसार आर्थिक विकास का कार्य स्वतः नहीं होता बल्कि इस कार्य को विशेष प्रयास व जोखिमों के साथ शुरू करना होता है। यह कार्य नवप्रर्वतक या साहसी करता है नवप्रर्वतन जब एक बार सफल हो जाता और लाभ देने लगता है तब बड़ी संख्या में अन्य उद्यमी भी उसका अनुकरण करने लगते है। इस प्रकार एक क्षेत्र में नवप्रर्वतन सम्बद्ध क्षेत्रों में नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहन देता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. अंतर्जात संवृद्धि मॉडल की अवधारणाओं को आनुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करे

(I) शोध द्वारा विचारों की उत्पत्ति
(II) कार्य करते हुए सीखना
(III) निवेश द्वारा सीखना
(IV) देख कर सीखना

कूट:

(a) III, I, II, IV (b) IV, III, I, II
(c) I, II, Iv, III (d) II, Iv, III, I

Ans : (d) अन्तर्जात संवृद्धि मॉडल की अवधारणाओं का आनुक्रमिक क्रम निम्न है।
(ii) कार्य करते हुए सीखना।
(iv) देख कर सीखना।
(iii) निवेश द्वारा सीखना।
(i) शोध द्वारा विचारों की उत्पत्ति

25. सूची-I में दी मदों की सूची-II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
(I) शिक्षा पर अधिक परिव्यय तीव्र आर्थिक संवृद्धि की ओर अग्रसर करता है	(i) सी.पी. ब्लैकर
(II) प्रभावों का प्रसार करता है	(ii) कल्डोर
(III) जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धांत : जनसंख्या वृद्धि की पाँच अवस्थाएँ	(iii) शुल्ज एवं अन्य
(IV) विधवाओं का श्राप	(iv) गुनार मिर्डाल

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	ii	i	iii	iv
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	iii	iv	i	ii

Ans : (d)
(a) शिक्षा पर अधिक परिव्यय तीव्र आर्थिक संवृद्धि की ओर अग्रसर करता है। (iii) टी. डब्ल्यू. शुल्ज एवं अन्य
(b) प्रभावों का प्रसार करता है (iv) गुन्नार मिर्डाल
(c) जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त जनसंख्या वृद्धि की पांच अवस्थाएँ (i) सी. पी. ब्लैकर
(d) विधवाओं का श्राप (ii) केल्डॉर

26. सूची-I में दी मदों की सूची-II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
(I) खेल के पूँजीवादी नियम	(i) कार्ल मार्क्स
(II) सम्मिलित(इम्बोडिड) तकनीकी परिवर्तन	(ii) यू.एन.डी.पी.
(III) औद्योगिक रिजर्व सेना	(iii) रॉबर्ट सोलो
(IV) मानव विकास रिपोर्ट	(iv) जॉन रोबिन्सन

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	iv	iii	i	ii

Ans : (d)
(a) खेल के पूंजीवादी नियम (iv) जॉन रॉबिन्सन
(b) सम्मिलित (इम्बोडिड) तकनीकी परिवर्तन (iii) रॉबर्ट सोलों।
(c) औद्योगिक रिजर्व सेना (i) कार्ल मार्क्स
(d) मानव विकास रिपोर्ट (ii) यू.एन.डी. पी.

27. अभिकथन (A) : कम विकसित देशों की विकसित देशों पर निर्भरता उनके अल्प विकास का मुख्य कारण है।

कारण (R) : ''यह धनी-गरीब देशों के सम्बन्धों की अत्यधिक असमान अंतर्राष्ट्रीय पूँजीवादी व्यवस्था के ऐतिहासिक उद्विकास के कारण हुआ है।''

(a) (A) सही है और (R) का सही कारण है।
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R). दोनों गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों सही है।

Ans : (c) कम विकसित देशों की विकसित देशों पर निर्भरता उनके अल्पविकास का मुख्य कारण नहीं है बल्कि अल्पविकसित के अनेक कारण है, जो निम्नलिखित है–
1. पूंजी की कमी
2. प्रति व्यक्ति आय का कम होना
3. जनसंख्या का अधिक भार
4. कृषि पर अत्यधिक निर्भरता
5. तकनीकी की कमी
6. शिक्षा का अभाव
7. औद्योगिक पिछड़ापन
8. श्रम उत्पादिकता का नीचा स्तर
9. बेरोजगारी

28. वैगनर के वर्द्धमान राजकीय क्रियाओं के नियम के लिये निम्नलिखित में से क्या प्रासंगिक है?

(a) सार्वजनिक व्यय निर्बाध एवं सतत ढंग से नहीं बढ़ता है।
(b) सार्वजनिक व्यय सीढ़ीनुमा तरीके से बढ़ता है।
(c) सरकार की गतिविधियों की अंतर्जात प्रवृत्ति होती है कि वे गहन रूप से तथा विस्तारित रूप से बढ़ती है।
(d) सरकारी क्षेत्र की अपेक्षा अर्थव्यवस्था ज्यादा तेजी से बढ़ती है।

Ans : (c) बैगनर ने बढ़ती हुई राजकीय क्रियाओं का सिद्धान्त प्रतिपादित किया। जिसमें उन्होंने यह स्थापित किया कि सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है अर्थात् जैसे–जैसे आर्थिक विकास होता जाएगा, राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होता जाएगा।
वैगनर ने जो सिद्धान्त प्रतिपादित किया वह स्पष्ट रूप से यह सामने नहीं ला पाता है कि बढ़ती हुयी राज्य की क्रियाओं या सार्वजनिक व्यय के विस्तार से उनका आशय किससे था–
1. सार्वजनिक व्यय के निरपेक्ष स्तर से या
2. सकल राष्ट्रीय उत्पाद के सार्वजनिक व्यय के प्रतिशत से या
3. अर्थव्यवस्था के सार्वजनिक क्षेत्रों के अनुपात से था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. विक्रेता कर का ज्यादा भार वहन करेगा।

(a) यदि वस्तु की माँग कम लोचनीय है।
(b) यदि वस्तु की माँग बेलोचदार है।
(c) चदि वस्तु की माँग की लोच अधिक है।
(d) यदि वस्तु की आपूर्ति की लांच अधिक है।

Ans : (c) किसी वस्तु पर लगाए गये कर का प्रत्यक्ष मौद्रिक भार क्रेताओं तथा विक्रेताओं के बीच उस अनुपात में बंट जाता है जिस अनुपात में उस वस्तु की मांग की लोच एवं पूर्ति की लोच होती है। यदि अन्य बातें समान रहे तो करारोपित वस्तु के लिए मांग की लोच जितनी ही अधिक होगी करापात या कर का भार उतना ही अधिक विक्रेता के ऊपर होगा तथा पूर्ति की लोच जितनी अधिक होगी क्रेता के ऊपर कर–भार उतनी ही अधिक होगी। यदि मांग की लोच पूर्ति की लोच के बराबर हो तो कर का मौद्रिक बोझ क्रेता तथा विक्रेता के बीच बराबर बंट जाएगा।

30. केन्द्रीय सरकार के राजस्व खाते में गैर-योजना राजस्व व्यय में शामिल है।

(I) ब्याज भुगतान (II) उपदान
(III) सहायता अनुदान (IV) सार्वजनिक उद्यमों को ऋण

कूट:

(a) I और II सही है। (b) I, II और III सही हैं।
(c) I, II और IV सही हैं। (d) I, II, III और IV सही हैं।

Ans : (b) केन्द्रीय सरकार के राजस्व खाते में गैर–योजना राजस्व व्यय में निम्न शामिल है–

1. ब्याज भुगतान (Interest Payments)
2. उपदान (Subsidy)
3. रक्षा पर राजस्व व्यय (Revenue Exp. on defence)
4. ऋण की माफी
5. सहायता (Grants–Plan & Non–Plan)

31. भारत का संविधान केन्द्र से राज्यों को संसाधनों का हस्तान्तरण किस रूप में करने की व्यवस्था करता है?

(I) कर का बँटवारा
(II) ऋण
(III) सहायता-अनुदान
(IV) पंचवर्षीय योजना क्रियान्वित करने के लिये अनुदान

कूट:

(a) I और II और III सही है। (b) I और III सही हैं।
(c) I, III और IV सही हैं। (d) सभी सही हैं।

Ans : (a) भारत का संविधान केन्द्र से राज्यों को संसाधनों का हस्तान्तरण निम्नलिखित रूपों में करने की व्यवस्था करता है–,

1. कर का बंटवारा
2. ऋण
3. सहायता–अनुदान

32. भारत में निम्नलिखित करों के क्रियान्वयन का सही कालानुक्रम बताइये।

(I) सेवा कर (II) अनुषंगी लाभ कर
(III) व्यक्तिगत आय कर (IV) व्यय कर

कूट:

(a) III, I, II, IV (b) III, II, I, IV
(c) III, IV, I, II (d) IV, III, I, II

Ans : (c) (iii) व्यक्तिगत आय कर
(iv) व्यय कर
(i) सेवा कर
(ii) अनुषंगी लाभ कर

33. कर वंचन को रोकने के लिये वर्ष 1956 में भारत के लिये कल्डोर ने आयकर के पूरक के रूप में किन करों का प्रस्ताव रखा?

(I) पूँजी लाभ कर (II) सम्पदा पर वार्षिक कर
(III) व्यक्तिगत व्यय कर (IV) उपहार कर

कूट:

(a) II और III सही है। (b) I, II और III सही हैं।
(c) II, III और IV सही हैं। (d) सभी सही हैं।

Ans : (d) कर वंचन को रोकने के लिए वर्ष 1956 में भारत के लिए केल्डॉर ने आयकर के पूरक के रूप में निम्नलिखित करों का प्रस्ताव रखा–

i. पूंजी लाभ कर
ii. संपदा पर वार्षिक कर
iii. व्यक्तिगत व्यय कर
iv. उपहार कर

34. डम्पिंग (पाटना) की लागत आधारित परिभाषा के अनुसार, डम्पिंग उस समय की जाती है जब फर्म उत्पाद को विदेश में निम्नलिखित से कम कीमत पर बेचती है।

(a) औसत कुल लागत (b) औसत परिवर्ती लागत
(c) सीमान्त लागत (d) औसत स्थिर लागत

Ans : (a) डंपिंग की लागत आधारित परिभाषा के अनुसार डम्पिंग उस सयम की जाती है जब फर्म उत्पाद को विदेश में औसत कुल लागत से कम कीमत पर बेचती है।
डंपिंग एक अन्तर्राष्ट्रीय कीमत विभेद होता है जिसमें निर्यातक फर्म विदेशी मार्केट में अपनी वस्तु को कम कीमत पर बेचती है और घरेलू मार्केट में अधिक कीमत पर। विभेदात्मक एकाधिकार की तरह ही राशिपातन के अन्तर्गत कीमत निर्धारण होती है दोनों में अन्तर केवल यह होता है कि विभेदात्मक एकाधिकार में दोनों मार्केट घरेलू होती है जबकि राशिपातन में एक घरेलू और दूसरी विदेशी। डम्पिंग में एकाधिकारी घरेलू मार्केट में अधिक कीमत पर वस्तु बेचता और विदेशी मार्केट में कम कीमत पर।

35. निम्नलिखित में से सही कथन का चयन करें।

(a) बहुपक्षीय व्यापार समझौते सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रशुल्कों में वृद्धि करने की प्रक्रिया है।
(b) बहुपक्षीय व्यापार समझौते व्यापार के गैर-प्रशुल्क अवराधों को बढ़ाने की प्रक्रिया है।
(c) बहुपक्षीय व्यापार समझैते प्रशुल्कों को बढ़ाने परन्तु व्यापार के गैर-प्रशुल्क अवरोधों को घटाने की प्रक्रिया है।
(d) बहुपक्षीय व्यापार समझौते गेट (जी.ए.टी.टी.) अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रशुल्क और गैर-प्रशुल्क अवरोधों को कम करने की प्रक्रिया है।

Ans : (d) बहुपक्षीय व्यापार समझौते गेट (GATT) अथवा WTO के सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रशुल्क और गैर–प्रशुल्क अवरोधों को कम करने की प्रक्रिया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

व्यापार सम्बन्धित निवेश उपायों (टी.आर.आई.एम) के अनुसार

1. विदेशी पूँजी कम्पनियों परसमस्त प्रतिबन्धों को हटा देना है।
2. निवेश के किसी भी क्षेत्र पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया जायेगा।
3. कच्चे माल को आयात करने की खुली छूट देनी चाहिए।
4. उत्पादन का आंशिक निर्यात अनिवार्य होगा।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है?

कूट:

(1) 1, 3 और 4 (2) 1, 2 और 3
(3) 1, 2 और 4 (4) 2, 3 और 4

Ans : (b) व्यापार सम्बन्धित निवेश उपायों (TRIM) के अनुसार निम्न कथन सत्य है–
1. विदेशी पूंजी कम्पनियों पर समस्त प्रतिबंधों को हटा देना है।
2. निवेश के किसी भी क्षेत्र पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया जायेगा।
3. कच्चे माल को आयात करने की खुली छूट देनी चाहिए।

37. ब्रेटनवुड्स व्यवस्था के नाश होने का मूलभूत कारण था।

(a) तरलता की समस्या (b) समायोजन की समस्या
(c) विश्वास की समस्या (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) ब्रेटन वुड्स के नाश होने का मूलभूत कारण निम्न था–
1. तरलता की समस्या
2. समायोजन की समस्या
3. विश्वास की समस्या

38. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें।

सूची-I	सूची-II
(I) अग्रिम विनिमय	(i) विदेशी मुद्रा की कीमत वृद्धि के विरुद्ध विनिमय जोखिम से रक्षा करने की युक्ति
(II) हैजिंग	(ii) विदेशी मुद्रा को अभी तय की गई कीमत पर भविष्य में किसी स्थिरदर पर अन्य मुद्रा के बदले खरीदने एवं बेचने की संविदा
(III) विवाचन	(iii) एक से दूसरे देश स्वर्ण ले जाने की लागत द्वारा निर्धारित दो सीमाओं के बीच विनिमय दर का संचलन
(IV) धातु बिंदु	(iv) वो क्रियाविधि जो भौतिक रूप से दो पृथक बाजारों को आर्थिक रूप से एकल बाजार बनाती है।

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	ii	iii	iv	i

Ans : (b)

(a) अग्रिम विनिमय	(ii)	विदेशी मुद्रा को अभी तय की गई कीमत पर भविष्य में किसी स्थिर दर पर अन्य मुद्रा के बदले खरीदने एवं बेचने की संविदा।
(b) हैजिंग	(i)	विदेशी मुद्रा की कीमत वृद्धि के विरुद्ध विनिमय जोखिम से रक्षा करने की युक्ति।
(c) विवाचन	(iv)	वो क्रियाविधि जो भौतिक रूप से दो पृथक बाजारों को आर्थिक रूप से एकल बाजार बनाती है।
(d) धातु बिन्दु	(iii)	एक से दूसरे देश स्वर्ण ले जाने की लागत द्वारा निर्धारित दो सीमाओं के बीच विनिमय दर का संचलन।

39. डब्ल्यू टी.ओ. के मन्त्री समूह को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

(I) सीटल (II) कैनकन
(III) सिंगापुर (IV) हांगकांग

कूट:

(a) III, IV, I, II (b) III, I, II, IV
(c) II, III, IV, I (d) II, IV, I, III

Ans : (b) WTO के मंत्री समूह का कालानुक्रमिक क्रम निम्न है–

(iii) सिंगापुर	–	9–13 दिसम्बर, 1996
(i) सिएटल	–	30 नवम्बर–3 दिसम्बर, 1999
(ii) कैनकून	–	10–14 सितम्बर, 2003 (मैक्सिको)
(iv) हांगकांग	–	13–18 दिसम्बर, 2005।

40. यदि हांगकांग और ताइवान की उत्पादन सम्भाव्यता वक्र एकसमान है, जो बढ़ती अवसर लागतों के अनुसार बदलती है, तो

(a) व्यापार मांग की स्थितियों में अन्तर पर निर्भर करेगा
(b) व्यापार बड़े पैमाने के उत्पादन की मितव्ययिताओं पर निर्भर करेगा
(c) व्यापार भिन्न करेन्सियों के उपयोग पर निर्भर करेगा
(d) अर्जक व्यापार के लिए कोई आधार न होगा।

Ans : (a) यदि हांगकांग और ताइवान की उत्पादन संभाव्यता वक्र एक समान है जो बढ़ती अवसर लागतों के अनुसार बदलती है तो व्यापार मांग की स्थितियों में अन्तर पर निर्भर करेगा।
हैबरलर ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अवसर लागत सिद्धान्त बढ़ती, घटती एवं स्थिर अवसर लागत दशाओं के अन्तर्गत किया है।
स्थिर लागत दशाओं के अन्तर्गत उत्पादन संभावना वक्र एक सीधी रेखा के रूप में बायें से दाएं गिरती हुई होती है।

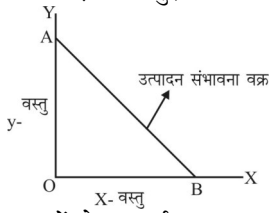

बढ़ती हुई अवसर लागतों के अन्तर्गत उत्पादन संभावना वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है क्योंकि जब कोई किसी ऐसी वस्तु के उत्पादन में विशिष्टीकरण प्राप्त करता है जिसके उत्पादन में उसे तुलनात्मक लाभ हो तो उसकी अवसर लागते बढ़ती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

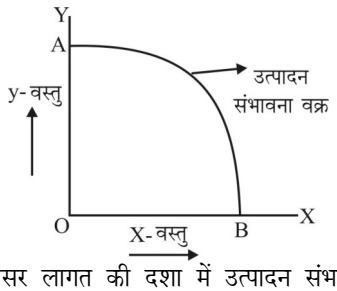

घटती हुई अवसर लागत की दशा में उत्पादन संभावना वक्र मूल बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होते हैं क्योंकि इस दशा में एक वस्तु की तुलना में दूसरी वस्तु की सीमांत अवसर लागत गिरती है।

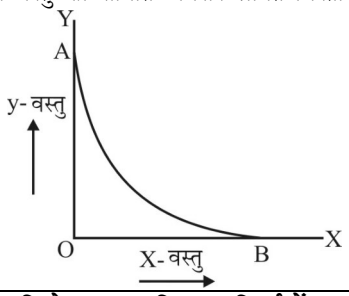

41. व्यापार विक्षेप का अभिप्राय निर्यातों का उस देश को मुड़ जाना है जो स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र में स्थित है जहाँ निम्नलिखित है।

(a) वस्तु पर उच्च प्रशुल्क (b) निर्यातों पर उच्च प्रशुल्क
(c) वस्तु पर कम प्रशुल्क (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) व्यापार विक्षेप का अभिप्राय निर्यातों का उस क्षेत्र की ओर मुड़ जाना है जो स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र में स्थित है जहाँ वस्तु पर कम प्रशुल्क है।

42. निम्नलिखित के बीच सही सम्बन्ध दर्शाने वाला सूत्र क्या है?

(i) कुल माँग एवं समय देयताएँ (L)
(ii) अतिरिक्त रिजर्व (ER)
(iii) अन्य बैंकों के पास चालू खाता शेष (CB)
(iv) अनभारग्रस्त सरकारी तथा अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में निवेश (I*)
(v) सार्वजनिक तरलता अनुपात (SLR)

कूट:

(a) $SLR = \frac{ER + I^* - CB}{L}$

(b) $SLR = \frac{ER + I^*}{L + CB}$

(c) $SLR = \frac{L + CB + ER}{I^*}$

(d) $SLR = \frac{ER + I^* + CB}{L}$

Ans : (d) $\boxed{SLR = \frac{ER + I^* + CB}{L}}$

43. निम्नलिखित पर विचार करें।

(I) आर.बी.आई. (II) एस.बी.आई.
(III) नाबार्ड (IV) एल.आई.सी.

उपर्युक्त में वित्तीय मध्यस्थ है।

कूट :

(a) उपर्युक्त सभी (b) II, III, IV
(c) II, III (d) II और IV

Ans : (d) SBI तथा L.I.C. वित्तीय मध्यस्थ है।

44. वास्तविक शेष प्रभाव किससे सम्बन्धित है?

(a) जनता के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
(b) वाणिज्यिक बैंकों के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
(c) बहु-राष्ट्रीय बैंकों के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
(d) एन.बी.एफ.आई. के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव

Ans : (a) वास्तविक शेष प्रभाव जनता के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव से सम्बन्धित है। पैटिन्किन के अनुसार मुद्रा बाजार एवं वस्तु बाजार केवल सापेक्ष कीमतों पर ही नहीं बल्कि वास्तविक शेषों पर भी निर्भर करते है। लोगों की नकदी धारकों की क्रय-शक्ति पर कीमत स्तर का प्रभाव पड़ता है जिससे वस्तुओं की मांग व पूर्ति प्रभावित होती है, यही वास्तविक शेष प्रभाव है। पैटिन्किन ने वास्तविक शेष का निम्न समीकरण दिया –

$$\boxed{M_d = Pf(y, r, m/p)}$$

जहाँ Md = मुद्रा की मांग
P = कीमत स्तर
y = आय
r = ब्याज की दर
m/p = वास्तविक शेष की मात्रा

45. अभिकथन (A) : भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा बाजार में प्रतिभूतियों की खरीद के जरिये मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि करता है।

कारण (R) : मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि का परिणाम निवेश तथा रोजगार में विस्तार का हो सकता है।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) और (R). दोनों गलत है।
(d) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।

Ans : (b) R.B.I. खुले बाजार की क्रियाओं के द्वारा प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय करता है। R.B.I अर्थव्यवस्था में तरलता में कमी करने के लिए प्रतिभूतियों को बेचती है, जिससे अर्थव्यवस्था में तरलता में कमी हो जाती है और ब्याज दर बढ़ जाता है व उत्पादन कम हो जाता है। इसके विपरीत R.B.I. अर्थव्यवस्था में तरलता में वृद्धि करने के लिए प्रतिभूतियों को खरीदती है। जिससे अर्थव्यवस्था में तरलता में वृद्धि हो जाती है और ब्याजदर गिर जाता है व निवेश, उत्पादन, रोजगार व आय बढ़ जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. सूची-I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों से उत्तर का चयन करें।

सूची-I		सूची-II	
(I)	साधारण जमा प्रणाली	(i)	धात्वीय रिजर्व का 100% प्रत्याभूति
(II)	अधिकतम न्यासीय या विश्वास्य प्रणाली	(ii)	कुल नोटों का कुछ प्रतिशत विशेष रिजर्वों में रखा जाता है।
(III)	प्रतिशत जमा प्रणाली	(iii)	अधिकतम नोट जारी करना सांविधिक रूप से निश्चित होता है।
(IV)	बोनस जमा प्रणाली	(iv)	आई.ओ.यू. के रिजर्व और अल्पकालिक ऋण

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	i	iii	ii	iv

Ans : (d)

(a) साधारण जमा प्रणाली (i) धात्वीय रिजर्व की 100% प्रत्याभूति।

(b) अधिकतम न्यासीय या विश्वास्य प्रणाली (iii) अधिकतम नोट जारी करना सांविधिक रूप से निश्चित होता है।

(c) प्रतिशत जमा प्रणाली (ii) कुल नोटों का कुछ प्रतिशत विशेष रिजर्वों में रखा जाता है।

(d) बोनस जमा प्रणाली (iv) I.O.U.s के रिजर्व और अल्पकालिक ऋण।

47. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 के अनुसार, सूक्ष्म उद्यम वह है जिनकी निवेश राशि होती है।

(a) < रु. 25 लाख
(b) रु. 25 लाख से रु. 5 करोड़
(c) रु. 5 करोड़ से रु0 10 करोड़
(d) > रु. 10 करोड़

Ans : (a) छोटे, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत उद्यमों को दो श्रेणी में बांटा गया – (1) विनिर्माण तथा (2) सेवा। इस आधार पर छोटे, लघु एवं मध्यम उद्यमों को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया गया है–

(1) विनिर्माण उद्यम –

छोटे उद्यम – 25 लाख रू0 तक का निवेश।
लघु उद्यम – 25 लाख रू से 5 करोड़ रु तक निवेश।
मध्यम उद्यम – 5 करोड़ रु से 10 करोड़ तक।

(2) सेवा उद्यम–

छोटे उद्यम – 10 लाख तक निवेश।
लघु उद्यम – 10 लाख रु0 में 2 करोड़ तक
मध्यम उद्यम – 2 करोड़ से 5 करोड़ तक।

48. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित करें

सूची-I		सूची-II	
(I)	रंगाराजन समिति	(i)	लघु उद्योग पर रिपोर्ट
(II)	कर्वे कमेटी	(ii)	पी.एस.ई. में अंशो का विनिवेश
(III)	डॉ. आर.के. हजारी कमेटी	(iii)	लोक उद्यम नीति का पुनरावलोकन
(IV)	अर्जुन सेन गुप्ता कमेटी	(iv)	औद्योगिक लाइसेन्सिंग

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	i	iii	iv	ii
(b)	iii	ii	iv	i
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	ii	iv	i	iii

Ans : (c)

(a) रंगराजन समिति (ii) पी.एस.ई. में अंशों का विनिवेश।
(b) कर्वे कमेटी (i) लघु उद्योग पर रिपोर्ट
(c) हजारी कमेटी (iv) औद्योगिक लाइसेन्सिंग
(d) अर्जुन सेन गुप्ता कमेटी (iii) लोक उद्यम नीति का पुनरावलोकन

49. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य कितने कार्य अवसर सृजन करता था?

(a) 15 मिलियन कार्य अवसर
(b) 35 मिलियन कार्य अवसर
(c) 58 मिलियन कार्य अवसर
(d) 100 मिलियन कार्य अवसर

Ans : (c) 11वीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य 58 मिलियन कार्य अवसर का सृजन करना था। 11वीं FYP की समयावधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2012 तक थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तीव्रता और अधिक समावेशी विकास था। आर्थिक संवृद्धि दर का लक्ष्य 9% रखा गया जबकि प्राप्ति 7.9% (लगभग) रही। कृषि की वृद्धि दर का लक्ष्य 4% तथा प्राप्ति 3.2% हुई।

50. असंगठित कामगार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम किस वर्ष में बना?

(a) 2001 (b) 2005
(c) 2008 (d) 2012

Ans : (c) असंगठित कामगार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 में बना। इसके अन्तर्गत ऐसे मजदूर जिन्हें जीवन एवं अपंगता, बीमा, स्वास्थ्य देखभाल और पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं है इत्यादि आते है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ तैयार करने के लिए धन की कमी न हो, इसके लिए जुलाई, 2011 में असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा निधि का गठन किया गया।

51. वर्ष 2006-07 में भारत के जी.डी.पी. में उद्योग के हिस्से क्या अनुमान लगाया गया था?

(a) 20% (b) 15%
(c) 45% (d) 26%

Ans : (d) एक वर्ष में उत्पादित घरेलू सीमा के भीतर वस्तुओं और सेवाओं में मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं। वर्ष 2006–07 में उद्योग क्षेत्र का हिस्सा GDP में उद्योग क्षेत्र के 26% था। वर्ष 2014-15 में GDP का हिस्सा कृषि, उद्योग तथा सेवा क्षेत्र में क्रमशः 17.5%, 31.8%, 50.7% है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

52. नि:शेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के बारे में होटलिंग नियम के अनुसार, नि:शेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के कीमत परिवर्तन के लिये निम्नलिखित में से किसका उपयोग किया गया?

(a) ब्याज की दर
(b) श्रम लागत
(c) खदानों का किराया एवं स्वत्व शुल्क
(d) उत्पादन लागत और खदानों का स्वत्व शुल्क

Ans : (a) नि:शेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के बारे में होटलिंग नियम के अनुसार, नि:शेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के कीमत परिवर्तन के लिए ब्याज की दर का उपयोग किया गया।

53. 'पीगू कर' के बारे में सही उत्तर बताइये।

(I) क्रिया की कुल लागतों का बाजार में आंतरीकरण करने के लिये समाधान प्रदान करना।
(II) सार्वजनिक नीति के जरिये प्रदूषकों के उत्पादन को कम करने का हल प्रदान करना।
(III) वास्तविक क्षेत्र में कारक की उत्पादकता को बढ़ाने में सहायता करता है।
(IV) यह निष्कर्षण कर की तरह कार्य करता है।

कूट :

(a) I और II (b) III और IV
(c) I, II, और IV (d) I, II, III और IV

Ans : (c) 'पीगू कर' के बारे में निम्न कथन सत्य है–
1. क्रिया की कुल लागतों का बाजार में आंतरीकरण करने के लिए समाधान प्रदान करता है।
2. सार्वजनिक नीति के जरिये प्रदूषकों के उत्पादन को कम करने का हल प्रदान करता है।
3. यह निष्कर्षण कर की तरह कार्य करता है।

पीगू का कहना है कि जब सामाजिक लागत/उत्पत्ति अनुपात निजी लागत/उत्पत्ति अनुपात से भिन्न होती है, बाह्यता का सृजन होता है तथा निजी एवं सामाजिक शुद्ध उत्पादन में अन्तर होगा एवं राष्ट्रीय आय उच्चतर स्तर पर नहीं होगी। इसलिए इन परिस्थितियों में सरकार को कर या सब्सिडी के माध्यम से नियमन करना चाहिए।

54. पर्यावरण अर्थशास्त्र में उपयोग किये जाने वाली प्रासंगिक मूल्यांकन प्रणाली (CVM) के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही है?

(a) यह केवल प्रदूषकों के लिए उपयोग किया जाता है।
(b) यह सिर्फ धनात्मक उपयोगिताओं युक्त मदों के लिये उपयोग किया जाता है।
(c) यह बाजार विफलताओं के अंतर्गत मदों के लिये उपयोग किया जाता है।
(d) यह सिर्फ प्राकृतिक संसाधनों के लिये उपयोग किया जाता है।

Ans : (c) पर्यावरण अर्थशास्त्र में उपयोग की जाने वाली प्रासंगिक मूल्यांकन प्रणाली बाजार विफलताओं के अन्तर्गत मदों के लिए उपयोग किया जाता है।

55. जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि किसका परिणाम है?

I. अशोधित जन्मदर II. अशोधित मृत्युदर
III. प्रवास IV. विवाह
(a) सिर्फ I (b) सिर्फ III
(c) I और IV (d) I और II

Ans : (d) जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर निम्न का परिणाम है–
1. अशोधित जन्मदर।
2. अशोधित मृत्युदर।

56. कुल प्रजनन दर और सकल पुनरुत्पादन दर के बीच सम्बन्ध के बारे में सही कथन बताइये:

(a) TFR > GRR सम्भव है (b) TFR = GRR सम्भव है
(c) TFR < GRR सम्भव है (d) उपर्युक्त सभी सम्भव है

Ans : (a) कुल प्रजनन दर और सकल पुनरूत्पादन दर के बीच TFR > GRR संभव है।
ASFR (Age Specific Fertility rate) के योग को TFR (Total Fertility rate) कहते है।

$$TFR = \sum_{15}^{49} \frac{bi}{pi} \times 1000$$

प्रजननशील स्त्रियों की केवल कन्या जन्म दर पर आधारित ASFR के योग को GRR कहते है।

$$GRR = \sum_{15}^{49} . \frac{bi(F)}{Pi} \times 100$$

57. जब राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही होती है तो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में कृषि का हिस्सा क्यों कम होता है?

(I) खाद्य निकृष्ट वस्तु सम बन जाते हैं।
(II) कृषि का विकास बहुत तेज नहीं हो सकता है।
(III) औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकास करता है।
(IV) कृषि क्षेत्र पर सार्वजनिक व्यय पर्याप्त नहीं होता है।

कूट :

(a) I , II III और IV (b) II, III और IV
(c) II और III (d) I, II और IV

Ans : (a) जब राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही हो तो विकासशील अर्थव्यवस्था में कृषि का हिस्सा निम्नलिखित कारणों से कम होता है–
1. खाद्य निकृष्ट वस्तु सम बन जाते है।
2. कृषि का विकास बहुत तेज नहीं हो सकता है।
3. औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकास करता है।
4. कृषि क्षेत्र पर सार्वजनिक व्यय पर्याप्त नहीं होता है।

58. भारत में जी.डी.पी. में मत्स्य पालन का हिस्सा हाल ही के वर्षों में लगभग कितना रहा?

(a) 0.8 प्रतिशत (b) 1.2 प्रतिशत
(c) 1.7 प्रतिशत (d) 2.1 प्रतिशत

Ans : (a) भारत में GDP में मत्स्य पालन का हिस्सा हाल के वर्षों में 0.8% रहा है। (प्रश्न काल के अनुसार)
वर्ष 2014–15 के दौरान मत्स्य उद्योग का GDP में हिस्सा लगभग 1% है तथा कृषि के GDP में 5.08% है। कृषिगत निर्यात में इसका हिस्सा 1.8% है।

59. भारत के खाद्य निगम के लिये खाद्यान्नों की आर्थिक लागत क्या है?

(a) न्यूनतम समर्थन कीमत और किसानों को दिया गया बोनस +परिवहन लागतें
(b) न्यूनतम समर्थन कीमत + बोनस + ब्याज की लागत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) न्यूनतम समर्थन कीमत + बोनस + प्रापण आकस्मिकताएँ + गोदामों का प्रभार
(d) न्यूनतम समर्थन कीमत (बोनस समेत यदि कुछ है)+ प्रापण आकस्मिकताएँ + वितरण लागत

Ans : (d) भारत के खाद्य निगम के लिए खाद्यान्नों की आर्थिक लागत न्यूनतम समर्थन कीमत (बोनस समेत यदि कुछ है) + प्रापण आकस्मिकताएँ + वितरण लागत।

60. कृषि यांत्रिकीकरण का क्या अभिप्राय है?
(a) खेती के कार्यों के लिये सिर्फ मशीनों का उपयोग करना।
(b) खेती के कार्यों के लिये ऊर्जा के यांत्रिक स्रोतों द्वारा ऊर्जा के जैविक स्रोतों का प्रतिस्थापन।
(c) कृषि उत्पादन के लिये मशीनों, ट्रैक्टरों, ट्यूबवेलो इत्यादि का उपयोग करना।
(d) कृषि उत्पादन के लिये मृदा परीक्षण और सत्यापन किये गये बीजों के उपयोग के अलावा मशीनों, ट्रैक्टरों, ट्यूबवेल, उर्वरकों का उपयोग।

Ans : (b) विभिन्न फसलोत्पादन की प्रक्रिया को कृषि कहते हैं। कृषि यांत्रिकीकरण का अभिप्राय खेती के कार्यों के लिए ऊर्जा के यांत्रिक स्रोतों द्वारा ऊर्जा के जैविक स्रोतों का प्रतिस्थापन है।

61. अर्थव्यवस्था में अंतरक्षेत्रीय व्यापार शर्तों का सम्बन्ध किससे है?
(a) किसानों द्वारा दी गई और प्राप्त कीमतों का अनुपात
(b) कृषि वस्तुओं की घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमत का अनुपात
(c) वो शर्तें जिन पर सरकार कृषि उत्पादन खरीदती है।
(d) विदेशी बाजारों में औद्योगिक उत्पादों का व्यापार

Ans : (a) आर्थिक समूहों के समुच्चय को अर्थव्यवस्था कहते हैं। जैसे खेत, स्कूल, वि0विद्यालय, घर इत्यादि।
वस्तुओं के लेनदेन को व्यापार कहते हैं। व्यापार के कई रूप होते हैं। जहाँ तक अंतरक्षेत्रीय व्यापार का क्षेत्र है किसानों द्वारा दी गयी और प्राप्त कीमतों के अनुपात से है।

62. यदि उपयोगिता फलन U = f(x, y) है और कुल उपयोगिता U है और x और y दो उपभोग वस्तुएँ हैं। यदि बजट निरोध C = p_x x + p_y y है, जहाँ p_x और p_y क्रमशः 'x' और 'y' की कीमतें हैं, तो उपयोगिता के अधिकतमीकरण की स्थिति क्या होगी?

(a) $\frac{\partial f}{\partial x}/\frac{\partial f}{\partial y}=\frac{p_y}{p_x}$ (b) $\frac{\partial f}{\partial x}/\frac{\partial f}{\partial y}=\frac{p_x}{p_y}$

(c) $\frac{\partial f}{\partial x}/\frac{\partial f}{\partial y}=\frac{P_x}{P_y}$ (d) $\frac{\partial f}{\partial x}/\frac{\partial f}{\partial y}=\frac{P_y}{P_x}$

Ans : (b) यदि उपयोगिता फलन U = f(x,y) है और कुल उपयोगिता U है तथा x एवं y दो उपभोग वस्तुएँ है। यदि बजट निरोध $C = P_x.x + P_y.y$ है, जहाँ P_x और P_y क्रमशः 'x' और 'y' की कीमते है तो उपयोगिता के अधिकतमीकरण की स्थिति $\frac{\partial f}{\partial x}/\frac{\partial f}{\partial y}=\frac{p_y}{p_x}$ होगी।

63. यदि प्रतियोगी फर्म के कुल लागत फलन और बाजार मांग फलन क्रमशः $C=\frac{1}{3}x^3-10x^2+9x+1000$ और x = (12–p)/9 है। बताइये कौन से लाभ पर उत्पादन का स्तर अधिकतम होगा?
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

Ans : (c) लागत फलन $(C)=\frac{x^3}{3}-10x^2+9x+1000$

मांग फलन $(x)\frac{12-p}{9}$

कुल आय $(TR)=p.x$

$$=p\times\frac{(12-p)}{9}$$

कुल लागत $(T.C)=\frac{x^3}{3}-10x^2+9x+1000$

$$=\frac{1}{3}\left(\frac{12-p}{9}\right)^3-10\left(\frac{12-p}{9}\right)^2+9\left(\frac{12-p}{9}\right)+1000$$

लाभ (π) = कुल आय – कुल लागत

$$=\frac{P.(12-p)}{9}-\left[\frac{1}{3}\left(\frac{12-p}{9}\right)^3-10\left(\frac{12-p}{9}\right)^2+9\left(\frac{12-p}{9}\right)+1000\right]$$

$$=\frac{p.(12-p)}{9}-\frac{1}{3}\left(\frac{12-p}{9}\right)^3+10\frac{(12-p)^2}{9}-12+p-1000$$

अधिकतम लाभ के लिए शर्त $\frac{d\pi}{dp}=0$

$$\frac{d\pi}{dp}=\frac{12-2p}{9}+\frac{1}{9}\left(\frac{12-p}{9}\right)^2-\frac{20}{9}\left(\frac{12-p}{9}\right)+1$$

$$=\frac{(12-p)^2-180(12-p)+81(12-2p)+729}{729}$$

$$=\frac{144+p^2-24p-2160+180p+972-16^2p+729}{729}$$

$$=\frac{p^2-6p-315}{729}$$

जब $\frac{dx}{dp}=0$

$$p^2-6p-315=0$$

$$p^2-21p+15p-315=0$$

$$(p-21)\ (p+15)=0$$

इस प्रकार p = +21 या p = –15
अब p = 21 को मांग फलन में रखने पर,

$$x=\frac{12-p}{9}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

$$= \frac{12-21}{9}$$
$$= -1$$

चूँकि इसका मान ऋणात्मक है, अतः यह उपयुक्त चर नहीं है।
अब p = –15 को मांग फलन में रखने पर,

$$x = \frac{12-(-15)}{9} = \frac{12+15}{9} = \frac{27}{9} = 3$$

$\boxed{x = 3}$

64. जिस आगत-निर्गत (इनपुट-आऊटपुट) मॉडल में अंतर्जात अन्तिम मांग सदिश होता है, वह क्या कहलाता है?

(a) खुला आगत-निर्गत मॉडल
(b) बंद आगत-निर्गत मॉडल
(c) स्थैतिक आगत-निर्गत मॉडल
(d) गत्यात्मक आगत-निर्गत मॉडल

Ans : (b) जिस आगत–निर्गत मॉडल में अंतर्जात अंतिम मांग सदिश होता है, वह बंद आगत निर्गत मॉडल कहलाता है। इस दशा में अर्थव्यवस्था में पूर्णप्रतियोगिता की स्थिति विद्यमान रहती है तथा सरकारी प्रतिक्रिया अथवा हस्तक्षेप अनुपस्थित रहता है। इसके अन्तर्गत विदेशी व्यापार तथा पूंजी निवेश सम्बन्धी समस्याओं एवं अन्य प्रावैगिक तत्वों की उपेक्षा कर दी जाती है। लिओंटिफ ने स्थैतिक आगत–निर्गत मॉडल का खुला एवं बंद मॉडल विकसित किया।

65. मान लीजिए दो समाश्रयण रेखाएँ क्रमशः 3x = 10 + 5y और 4y = 5 + 15x है तो फिर x और y के बीच समाश्रयण गुणांक होगा।

(a) −0.40 (b) 0.40
(c) 0.89 (d) ± 1.05

Ans : (b) $\sigma_{xy} = \frac{5}{3}$

$$\sigma_{yx} = \frac{15}{4}$$

$$\text{Correlation coefficient} = \frac{1}{\sqrt{6_{xy}.6_{yx}}}$$
$$= \frac{1}{\sqrt{\frac{5}{3}.\frac{15}{4}}}$$
$$= \frac{1}{\sqrt{\frac{25}{4}}}$$
$$= \frac{2}{5} = 0.4$$
$$= 0.4$$

66. मान लो कि $y = \alpha_0 + \alpha_1 x_1 + \alpha_2 x_2 + e$ स्वरूप का समीकरण $y = -6.79 + 1.79(x_1) + 0.97\ x_2$ है और SE (α_0) = 1.32 है, SE (α_1) = 0.41 है और SE (α_2) = 0.53 है। $H_0 : \alpha_1 \neq 0$ का परीक्षण करने के लिये परीक्षण सांख्यिकी |t| किसके बराबर होगा?

(a) 5.144 (b) 4.366
(c) 1.830 (d) 3.377

Ans : (b) मान लो $y = \alpha_0 + \alpha_1 x_1 + \alpha_2 x_2 + e$ स्वरूप का समी0 $y = -6.79 + 1.79(x_1) + 0.97\ (x_2)$ है और SE (α_0) = 1.32 है SE (α_1) = 0.41 और SE (α_2) = 0.53 है। $H_0 : \alpha_1 \neq 0$ का परीक्षण करने के लिए परीक्षण सांख्यिकी |t| 4.366 के बराबर होगा।

$$T_0 = \frac{\bar{\alpha}_j}{\text{S.E.}(\alpha_j)}$$
$$= \frac{1.79}{0.41} = 4.3658$$
$$= 4.366$$

67. मान लें कि कॉब डुगलस उत्पादन फलन निम्नलिखित है। $y = AL^{\alpha} K^{\beta}$, $\alpha, \beta > 0$ तो इस संदर्भ सूची-I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें।

सूची-I		सूची-II	
(I)	पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल	(i)	$\alpha + \beta = 1$
(II)	पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल	(ii)	$\alpha + \beta > 1$
(III)	पैमाने के स्थिर प्रतिफल	(iii)	$\alpha + \beta < 1$
(IV)	कारकों के ह्रासमान प्रतिफल	(iv)	$\alpha, \beta < 1$

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	i	iii	iv	ii
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	iv	ii	iii	i

Ans : (c)
(a) पैमाने के वर्धमान प्रतिफल – (ii) $\alpha + \beta > 1$
(b) पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल – (iii) $\alpha + \beta < 1$
(c) पैमाने के स्थिर प्रतिफल – (i) $\alpha + \beta = 1$
(d) कारकों के ह्रासमान प्रतिफल – (iv) $\alpha, \beta < 1$

68. विषमविसारिता की उपस्थिति में, सर्वोत्तम रेखीय अनभिनत या निष्पक्ष आकलक किस विधि द्वारा प्रदान होते हैं?

(a) साधारण न्यूनतम वर्ग (b) अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग
(c) भारित न्यूनतम वर्ग (d) साधक चर

Ans : (c) विषमविसारिता की उपस्थिति में सर्वोत्तम रेखीय अनभिनत या निष्पक्ष आकलक भारित न्यूनतम वर्ग विधि द्वारा प्रदान होते है।

69. समय सारिणी विश्लेषण में सारिणी का अचलता/अचरता का परीक्षण करने के लिये कौन से परीक्षण का उपयोग किया जायेगा?

(a) मात्रक मूल परीक्षण
(b) यादृच्छिक पगडंडी परीक्षण
(c) काकरिन आरकट पुनरावृत्तीय कार्यविधि परीक्षण
(d) डरबिन-वॉटसन सांख्यिकी परीक्षण

Ans : (a) समय सारिणी विश्लेषण में सारिणी अचलता/अचरता का परीक्षण करने के लिए मात्रक मूल परीक्षण का उपयोग किया जायेगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

70. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें।

सूची-I	सूची-II
(I) कॉयक का पश्चगामी (लैग्ड) मॉडल	(i) समायोजन समीकरण
(II) अलमॉन्स का पश्चगामी मॉडल	(ii) ज्यामितीय आरोहण
(III) नरलोव का मॉडल	(iii) अनुकूली प्रत्याशा
(IV) कॉगेन का मॉडल	(iv) सन्निकट बहुपदी

कूट-

	I	II	III	IV
(a)	iv	i	ii	iii
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	ii	iv	i	iii
(d)	iv	i	iii	ii

Ans : (c)
(a) कॉयक का पश्चगामी (लैगड) मॉडल (ii) ज्यामितीय आरोहण
(b) अलमॉन्स का पश्चगामी मॉडल (iv) सन्निकट बहुपदी
(c) नरलोव का मॉडल (i) समायोजन समीकरण
(d) कॉगेन का मॉडल (iii) अनुकूली प्रत्याशा।

71. जब वास्तविक संवृद्धि प्राप्ति, संवृद्धि लक्ष्य से अधिक थी तो पंचवर्षीय योजनाएँ कौन सी थी?

(I) पाँचवी योजना (II) सातवीं योजना
(III) नौवीं योजना (IV) दसवीं योजना
(a) I , II और III (b) II, III और IV
(c) I और II (d) III और IV

Ans : (c)

योजना	लक्ष्य	प्राप्ति
(1) पहली पंचवर्षीय योजना –	2.4%	3.5%
(2) दूसरी पंचवर्षीय योजना –	4.5%	4.2%
(3) तीसरी पंचवर्षीय योजना –	5.6%	2.8%
(4) चाथी पंचवर्षीय योजना –	5.7%	3.4%
(5) पाँचवी पंचवर्षीय योजना –	4.4%	4.9%
(6) छठीं पंचवर्षीय योजना –	5.2%	5.4%
(7) सातवीं पंचवर्षीय योजना –	5.0%	5.6%
(8) आठवीं पंचवर्षीय योजना –	5.6%	6.6%
(9) नौवीं पंचवर्षीय योजना –	6.5%	5.7%
(10) दसवीं पंचवर्षीय योजना –	7.9%	7.6%
(11) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना –	8.1%	7.9%
(12) बारहवीं पंचवर्षीय योजना –	8.0%	------

72. निम्नलिखित में से कौन सा विकास कार्यक्रम भारतीय सरकार से केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के रूप में 100 प्रतिशत निधिकरण प्राप्त कर रहा है?

(I) त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम (APDRM)
(II) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
(III) राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.)
(IV) महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम
(a) I , II, III और IV (b) I और II
(c) III और IV (d) I, II और III

Ans : (d) भारत सरकार से केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के रूप में 100% निधिकरण निम्नलिखित विकास कार्यक्रम प्राप्त कर रहा है–
1. त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम (APDRM)
2. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
3. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP)

73. निम्नलिखित राज्यों को, हाल ही के वर्षों में चालू कीमतों पर राजकीय घरेलू उत्पादों के आकार के अवरोही क्रम में, श्रेणीगत करे।

(I) कर्नाटक (II) महाराष्ट्र
(III) उत्तर प्रदेश (IV) तमिलनाडु
(a) I , IV, III और II (b) III, IV, I और II
(c) II, IV, I और III (d) II, III, IV और I

Ans : (d) (II) महाराष्ट्र।
(III) उत्तर-प्रदेश।
(IV) तमिलनाडू।
(I) कर्नाटक।

74. भारत में निजी अन्तिम उपभोग व्यय में 'खाद्य, पेय पदार्थ तथा तम्बाकू का हाल ही के वर्षों में क्या हिस्सा रहा है?

(a) 25 प्रतिशत (b) 33 प्रतिशत
(c) 45 प्रतिशत (d) 56 प्रतिशत

Ans : (b) भारत में निजी अंतिम उपभोग व्यय में खाद्य पेय पदार्थ तथा तम्बाकू का हाल ही के वर्षों में 33% हिस्सा रहा है।

75. निम्नलिखित कथनों में से गलत कथन ज्ञात करें।

(I) बचतें, ऋण और बीमासूक्ष्म वित्त के भाग है।
(II) भारत में, हाल ही में, जी.डी.पी. में कृषि का हिस्सा 11 प्रतिशत से कम हो गया है।
(III) सी.एस.ओ. ने उपभोक्ता कीमत सूचकांक श्रृंखला को नए आधार 2011 = 100 पर संशोधित किया है।
(IV) भारत में गरीबी का मूल्यांकन एन.एस.एस.ओ. आँकड़े के आधार पर किया जाता है।
(a) I और IV (b) I और II
(c) I और III (d) II और III

Ans : (d) दिये गये प्रश्नानुसार गलत कथन है यह कि जी.डी.पी. में कृषि का हिस्सा 11 प्रतिशत कम हुआ है
नोट– जी.डी.पी के कृषि का हिस्सा है 2014-15 के अनुसार 17.5%
दूसरा यह कि CSO का आधार वर्ष 2011 हो गया है उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
नोट–उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष इस समय (12फरवरी 2015) को 2012=100 कर दिया गया है। जो पहले 2010= 100 था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2013

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. एक फर्म द्वारा श्रम को भाड़े में रखने की लागत क्या कहलाती है?

(a) सुस्पष्ट लागत (b) अंतर्निहित लागत
(c) सीमान्त लागत (d) कुल लागत

Ans : (a) एक फर्म द्वारा श्रम को भाड़े में रखने की लागत सुस्पष्ट लागत कहलाती है।
मौद्रिक लागत = स्पष्ट लागतें + अस्पष्ट लागतें + सामान्य लाभ
स्पष्ट लागतें–स्पष्ट लागतें वे लागत है जो उत्पादक को उत्पत्ति के साधनों को एकत्र करने हेतु प्रत्यक्ष रूप से व्यय करना पड़ता है। जैसे–मजदूरी, भूमि व मकान का किराया, कच्चे माल पर व्यय, ब्याज का भुगतान, परिवहन एवं विज्ञापन पर व्यय इत्यादि।
अस्पष्ट लागतें–अस्पष्ट लागतें वे लागते है जिनका उत्पादक को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान नहीं करना पड़ता। जैसे–उत्पादक द्वारा स्वयं दी गई सेवा की मजदूरी, स्वयं की पूँजी पर ब्याज व स्वयं की जमीन व मकान का किराया आदि।
सामान्य लाभ–यह लाभ वह है जो फर्म या उत्पादक को कार्य में लगाए रखने के लिए आवश्यक होता है।

2. उत्पादन तथा उपभोग में पेरेटो इष्टतमता का बिन्दुपथ किसके द्वारा दर्शाया जाता है?

(a) समाज कल्याण फलन
(b) उपयोगिता सम्भाव्यता वक्र
(c) रूपान्तर वक्र
(d) महा उपयोगिता संभाव्यता वक्र

Ans : (d) उत्पादन तथा उपभोग में परेटो इष्टतमता का बिन्दु पथ महा उपयोगिता संभाव्यता वक्र द्वारा दर्शाया जाता है। महा उपयोगिता संभावना वक्र वस्तुओं के एक निश्चित समूह से दो व्यक्तियों द्वारा प्राप्त उपयोगिताओं के विभिन्न संयोगों का बिन्दु पथ है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है-

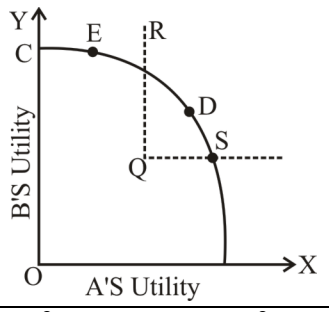

3.

सूची–I	सूची–II
a. चाय एवं कॉफी	1. वैबलन वस्तुएँ
b. कार एवं पेट्रोल	2. वैकल्पिक वस्तुएँ
c. स्वर्ण एवं हीरे	3. गिफिन वस्तुएँ
d. रागी एवं बाजरा	4. पूरक वस्तुएँ

कूट :

	a	b	c	d
(a)	2	1	3	4
(b)	2	4	1	3
(c)	4	1	2	3
(d)	4	3	1	2

Ans : (b) (a) चाय और कॉफी (2) वैकल्पिक वस्तुयें।
(b) कार एवं पेट्रोल (4) पूरक वस्तुयें।
(c) स्वर्ण एवं हीरे (1) वैबलन वस्तुएं।
(d) रागी एवं बाजरा (3) गिफिन वस्तुएं।

4. अभिकथन (A) : पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत अल्पकाल में, बाजार माँग एवं बाजार आपूर्ति प्रदत्त होने पर उद्योग में उस कीमत पर संतुलन होता है जो बाजार में माँग एवं पूर्ति को बराबर करती हैं।
कारण (R) : दीर्घ काल में उद्योग में सभी फर्में लाभ कमाती हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

Ans : (c) दीर्घ काल में फर्म केवल सामान्य लाभ कमाती है। पूर्ण प्रतियोगिता में साम्यावस्था के लिए दो शर्तें आवश्यक हैं-
(I) AR (P) = LAC and
(II) MC = MR जहाँ MR वक्र को MC वक्र नीचे से काटता है।

5. निम्नलिखित को विकास के आधार पर कालानुक्रमिक क्रम में रखें :

i. माँग का नियम
ii. अभिव्यक्त अधिमान विश्लेषण
iii. उदासीनता वक्र विश्लेषण
iv. ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम

कूट :

(a) i iii ii iv
(b) i iv iii ii
(c) i ii iv iii
(d) i iii iv ii

Ans : (b) i. मांग का नियम।
ii. ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम।
iii. उदासीनता वक्र विश्लेषण।
iv. अभिव्यक्त अधिमान विश्लेषण।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. यदि एक एकाधिकारी अल्पकाल में हानि उठाता है तो फिर दीर्घकाल में वह

(A) व्यवसाय खो बैठेगा।
(B) व्यवसाय में ही रहेगा।
(C) संतुलन स्तर रखेगा।
(D) उपर्युक्त में से कोई भी संभावित है।

(a) A और B (b) A और C
(c) केवल A (d) केवल D

Ans : (d) यदि एक एकाधिकारी अल्पकाल में हानि उठाता है तो दीर्घकाल में वह निम्न स्थितियों में से किसी में भी हो सकता है–
(A) व्यवसाय खो बैठेगा।
(B) व्यवसाय में ही रहेगा।
(C) संतुलन स्तर रखेगा।

7. पेरेटो इष्टतमता की स्थिति किसके अन्तर्गत सही रहती है?

(a) पूर्ण प्रतियोगिता (b) एकाधिकारी प्रतियोगिता
(c) अल्पाधिकार (d) एकाधिकार

Ans : (a) परेटो इष्टतमता की स्थिति पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत सही रहती है। परेटों ने तुष्टिगुण की मापनीयता तथा उसकी अन्तर्वैयक्तिक तुलना के विचार को गलत सिद्ध किया तथा स्पष्ट किया कि पूर्णप्रतियोगिता समाज को अनुकूलतम कल्याण की स्थिति को प्राप्त करने में सहायक होती है। परेटों अपने सिद्धांत में बताते है कि सामाजिक कल्याण के लिए अनुकूलतम वितरण आवश्यक है।
परेटों के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो, इसे परेटों अनुकूलतम कहते है।

8. अभिकथन (A) : व्यक्तिगत पूर्ति वक्र की तुलना में, समग्र पूर्ति वक्र ज्यादा लोचदार होता है।
कारण (R) : श्रम बल से बाहर होने तथा श्रम बल में होने के बीच आने-जाने की संभावना रहती है।
कूट :

(a) (A) सही है, (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

9. जीवन चक्र प्राक्कल्पना मानते हुए, मान लो एक व्यक्ति जब वह 20 वर्ष की आयु का होता है काम करना प्रारम्भ करता है, 60 वर्ष की आयु तक काम करता है और 70 वर्ष की आयु तक मरने की अपेक्षा करता है। यदि यह व्यक्ति, जब 20-30 वर्ष का होता है तो, मान लो, Rs. 1.50 लाख वार्षिक कमाता है, जब वह 30-45 वर्ष की आयु का है तो Rs. 2 लाख वार्षिक कमाता है, और जब वह 40-60 वर्ष का होता है तो Rs. 3 लाख वार्षिक कमाता है, तो उपभोग की उसकी जीवन कालिक औसत प्रवृत्ति क्या होगी?

(a) 0.60 (b) 0.70
(c) 0.80 (d) 0.90

Ans : (*) Here working life
$WL = 60 - 20 = 40$
Numbar of years of life
$NL = 70 - 20 = 50$
$\therefore \quad \frac{WL}{NL} = APC$
$APC = \frac{40}{50} = 0.8$

10. मुद्रा की माँग के सम्बन्ध में, सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित करें :

	सूची–I	**सूची–II**
a.	मुद्रा की माँग स्थिर है	1. जे.एम. कीन्स
b.	जोखिम के प्रति व्यवहार के रूप में तरलता वरीयता	2. डब्ल्यू. बॉमोल
c.	इंवेन्ट्री (मालसूची) सैद्धान्तिक उपागम	3. जेम्स टॉबिन
d.	कोई पोर्टफोलियो विविधता नहीं	4. मिल्टन फ्रीडमैन

कूट :

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	4	3	1	2
(b)	3	4	1	2
(c)	2	1	3	4
(d)	4	3	2	1

Ans : (d)

(a) मुद्रा की मांग स्थिर है	4. मिल्टन फ्रीडमैन
(b) जोखिम के प्रति व्यवहार के रूप में तरलता वरीयता	3. जेम्स टोबिन
(c) इंवेन्ट्री (माल सूची) सैद्धांतिक उपागम	2. डब्ल्यू बॉमोल
(d) कोई पोर्टफोलियों विविधता नहीं	1. जे.एम. कीन्स

11. वास्तविक जी.डी.पी. और उसके प्रवृत्ति मूल्य के बीच अन्तराल, तथा वास्तविक बेरोजगारी दर और उसके संतुलन मूल्य के बीच जो अन्तर है उन दोनों के बीच ऋणात्मक सम्बन्ध क्या कहलाता है?

(a) समग्र पूर्ति वक्र
(b) फिलिप्स वक्र
(c) बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की प्राक्कल्पना
(d) ओकन का नियम

Ans : (d) वास्तविक जी.डी.पी. और उसके प्रवृत्ति मूल्य के बीच अन्तराल, तथा वास्तविक बेरोजगारी दर और उसके संतुलन मूल्य के बीच जो अन्तर है, उन दोनों के बीच ऋणात्मक संबंध ओकुन का नियम कहलाता है।

12. यह प्रायः सत्य होता है कि जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है, तो बेरोजगारी की दर बढ़ती है क्योंकि

(a) जब अर्थव्यवस्था मंदी से प्रारम्भ में बाहर निकल आती है तो वस्तुओं एवं सेवाओं की माँग कम हो जाती है, इसलिये श्रमिकों की माँग कम हो जाती है।
(b) जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है, तो श्रमिक जो काम पाने के अपने अवसरों के बारे में निराश हो गये थे, अब फिर से काम के लिये प्रयास करने लगते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) अर्थव्यवस्था, डेटा एकत्रित करने के तरीके में त्रुटियों के कारण, मंदी से बाहर निकलने लगती हैं।

(d) जब अर्थव्यवस्था मंदी से शुरू में बाहर निकलती है, तो फर्में तुरन्त ही श्रमिकों की संख्या में वृद्धि नहीं करती हैं। फर्में ज्यादा व्यक्तियों को भाड़े पर काम में लगाने के लिये तब तक प्रतीक्षा करती हैं जब तक उन्हें अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ होने का विश्वास नहीं हो जाता है।

Ans : (b) प्रायः यह सत्य होता है कि जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है, तो बेरोजगारी की दर बढ़ती है, क्योंकि जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है तो श्रमिक जो काम पाने के अपने अवसरों के बारें में निराश हो गये थे, अब फिर से काम के लिये प्रयास करने लगते है।

13. जब अतिरिक्त सरकारी व्यय सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय के द्वारा वित्तपोषित होता है तो फिर सूची–II में दी गई स्थिति के सन्दर्भ में सूची–I में दिये गये क्राऊडिंग आऊट प्रभाव की प्रकृति क्या होगी?

सूची–I (क्राऊडिंग आऊट प्रभाव)	सूची–II (स्थिति)
a. पूर्ण	1. कीन्सवादी विस्तृति
b. आंशिक	2. क्लासिकल विस्तृति
c. शून्य	3. मध्यवर्ती विस्तृति

कूट :

	a	b	c		a	b	c
(a)	2	3	1	(b)	3	1	2
(c)	1	3	2	(d)	1	2	3

Ans : (a) जब अतिरिक्त सरकारी व्यय सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय के द्वारा वित्तपोषित होता है तो सूची–I में दी गई स्थिति के संदर्भ में सूची–II में दिये गये क्राउडिंग आउट प्रभाव की प्रकृति निम्नवत् होगी–

सूची–I (क्राउडिंग आउट प्रभाव)	सूची–II (स्थिति)
(a) पूर्ण	2. क्लासिकल विस्तृति
(b) आंशिक	3. मध्यवर्ती विस्तृति
(c) शून्य	1. कीन्सवादी विस्तृति

14. सूची–I में दी गई मदों को सूची–II में दी मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
a. विनिमय का समीकरण	1. जे.एम. कीन्स
b. नकद शेष उपागम	2. इरविंग फिशर
c. मुद्रा की माँग का प्रतिगामी प्रत्याशा मॉडल	3. डब्ल्यू.जे. बॉमोल
d. मुद्रा की माँग का वर्गमूल फॉर्मूला	4. ए.सी. पीगू एवं अल्फ्रेड मार्शल

कूट :

	a	b	c	d
(a)	2	4	1	3
(b)	3	2	4	1
(c)	4	3	1	2
(d)	1	3	2	4

Ans : (a)
(a) विनिमय का समीकरण — 2. इरविंग फिशर
(b) नकद शेष उपागम — 4. ए.सी.पीगू एवं अल्फ्रेड मार्शल
(c) मुद्रा की मांग का प्रतिगामी प्रत्याशा मॉडल — 1. जे.एम. कीन्स
(d) मुद्रा की मांग का वर्गमूल फॉमूला — 3. डब्ल्यू.जे. बॉमोल

15. यह धारणा कि आर्थिक संवृद्धि का लाभ जनसंख्या के सभी वर्गों को पहुँचेगा क्या कहलाती है?

(a) ट्रिकल अप प्रभाव (b) ट्रिकल डाऊन प्रभाव
(c) टेक-ऑफ प्रभाव (d) प्रति प्रभाव (बैकलैश प्रभाव)

Ans : (b) यह धारणा कि आर्थिक संवृद्धि का लाभ जनसंख्या के सभी वर्गों को पहुंचेगा, ट्रिकल डाऊन प्रभाव कहलाती है। आर्थिक विकास की यह स्ट्रेटजी यह मानती है कि सकल राष्ट्रीय उत्पाद की उच्च वृद्धि दर गरीबी का निवारण कर लेगी GNP का नीचे की ओर धीरे-धीरे रिसाव होगा जो गरीबों तक जायेगा। यह स्ट्रेटजी गरीबी पर प्रत्यक्ष आक्रमण न करके परोक्ष रास्ता लेती है। यह इस बात पर निर्भर करेगी कि आर्थिक विकास स्ट्रेटजी में रोजगार बहुल है या नहीं क्योंकि रोजगार ही नीचे की ओर रिसाव लाने का इंजिन होगा।

16. किसके ग्रोथ मॉडले में, उद्यमी का महत्त्व निर्णायक या धुराग्रीय होता है?

(a) कीन्स (b) शुम्पीटर
(c) हैरोड (d) डोमर

Ans : (b) प्रो. शुम्पीटर के 1911 में अपनी पुस्तक 'The Theory of Economic Developemnt' में आर्थिक विकास का सिद्धांत प्रस्तुत किया। शुम्पीटर के अनुसार आर्थिक विकास की प्रक्रिया असंगत, असतत् एवं उच्चावचपूर्ण होती है जो चक्रीय प्रवाह के रूप में आगे बढ़ती है जिसमें साहसी, नवप्रवर्तन और वित्तीय संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साहसी (उद्यमी) विकास प्रक्रिया के विश्लेषण का केन्द्रीय तत्व है, जो नवप्रर्वतनों को प्रयोग में लाता है। साहसी प्रबंधक व पूंजीपति से भिन्न होता है क्योंकि प्रबंधक केवल वर्तमान तकनीकी के अन्तर्गत उत्पादन का निर्देशन करता है तथा पूंजीपति केवल उद्योग का स्वामी होता है जबकि साहसी उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग सर्वथा नये कार्य नवप्रवर्तन के लिए प्रयोग में लाता है।

17. आर्थिक विकास का क्लासिकल मॉडल किस पर ज़ोर देता है?

(a) अहस्तक्षेप नीति (b) पूँजी संचय
(c) (a) और (b) (d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (c) आर्थिक विकास के प्रतिष्ठित सिद्धांत (क्लासिकल मॉडल) की निम्नलिखित विशेषताएं है–

1. आर्थिक विकास एक संचयी प्रक्रिया है।
2. पूंजी संचय आर्थिक विकास की कुंजी है।
3. प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री मुक्त व्यापार, पूर्णप्रतियोगिता तथा अपने आप चलने वाली अर्थव्यवस्था में विश्वास करते थे जिसमें किसी प्रकार का सरकारी हस्तक्षेप न हो।
4. लाभ पूंजी-निवेश का प्रमुख प्रेरणा स्रोत है।
5. प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार लाभ की प्रवृत्ति सदैव बढ़ने की नहीं होती क्योंकि पूंजीपतियों के बीच जब अधिक पूंजी संचय के लिए प्रतियोगिता बढ़ती है तो लाभ घटने लगते है।
6. यह पूर्ण रोजगार की धारणा पर आधारित है।
7. विकास हेतु भौतिक वस्तुओं का उत्पादक आवश्यक है।
8. प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार पूंजीवादी विकास व्यवस्था अन्ततः स्थिर अवस्था में पहुँच जाती है अर्थात् पूंजी-संचय की प्रक्रिया में अन्ततः स्थिर अवस्था अवश्य आती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही मेलित नहीं है?

लेखक		पुस्तक
(a) साइमन कुजनेट्स	:	एशियन ड्रामा
(b) जे. रोबिन्सन	:	असेस इन दी थ्योरी ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ
(c) कार्ल मार्क्स	:	दास कैपीटल
(d) ए. डब्ल्यू. लोविस	:	थ्योरी ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ

Ans : (a) 'एशियन ड्रामा' के लेखक गुन्नार मिर्डाल है। शेष अन्य सही सुमेलित है।

19. आर्थिक संवृद्धि में क्या परिवर्तित होता है?

(a) अर्थव्यवस्था की संरचना (b) लोगों की मानसिकता
(c) राष्ट्रीय आय (d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (c) आर्थिक संवृद्धि से अभिप्राय किसी समयावधि में किसी अर्थव्यवस्था में होने वाली वास्तविक आय में वृद्धि से है। सामान्यतया यदि किसी अर्थव्यवस्था में सकल राष्ट्रीय उत्पाद सकल घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति उत्पाद के आकार में वृद्धि हो रही है तो यह कहा जाता है कि आर्थिक संवृद्धि हो रही है। यह मात्रात्मक वृद्धि से सम्बन्धित है।

20. भारत सरकार द्वारा तैयार की गई जेंडर विकास सूचकांक सूची, 2006 में कौन से राज्यों/संघ क्षेत्रों को प्रथम तीन स्थानों पर रखा गया है?

(a) केरल, चंडीगढ़, गोआ (b) केरल, गोआ, चंडीगढ़
(c) चंडीगढ़, गोआ, केरल (d) गोआ, केरल, चंडीगढ़

Ans : (a) भारत सरकार द्वारा तैयार की गई जेंडर विकास सूचकांक सूची, 2006 में निम्नलिखित राज्यों/संघ क्षेत्रों को प्रथम तीन स्थानों पर रखा गया है–
(1) केरल (2) चण्डीगढ़ (3) गोआ।

21. अभिकथन (A) : लाभ अधिकतम करने वाले उत्पादक को सार्वजनिक वस्तुओं की आपूर्ति करने की कोई प्रेरणा नहीं होती है।
कारण (R) : यदि वह उनका उत्पादन करता है तो वह लोगों को उनका उपभोग करने से रोक नहीं पाता है और इसलिये वह कीमत वसूल नहीं कर सकता है।
कूट :

(a) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Ans : (d) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

22. कर देने के भार के वितरण को क्या कहते हैं?

(a) कर भार बाँटना (b) कर विवर्तन
(c) कर का प्रभाव (d) कर पूँजीकरण

Ans : (b) कर देने के भार के वितरण को कर विवर्तन कहते है।

23. चालू आवश्यकताओं को पूरा करने वाला, अर्थात् बजट में अस्थायी अन्तराल को भरने का अल्पकालिक ऋण कौन सा है?

(a) निधिबद्ध ऋण (b) अनिधिबद्ध ऋण
(c) शोधनीय ऋण (d) अशोधनीय ऋण

Ans : (b) चालू आवश्यकताओं को पूरा करने वाला अर्थात बजट में अस्थायी अन्तराल को भरने का अल्पकालिक ऋण अनिधिबद्ध ऋण है।

24. मौद्रिक घाटे का अर्थ है

(a) राजकोषीय घाटा-कम-ब्याज भुगतान
(b) सरकारी व्यय जो तदर्थ राजकोष पत्रों (हुँडी) की बिक्री के जरिये वित्तपोषित होता है।
(c) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा केन्द्रीय सरकार को ऋण में वृद्धि
(d) राजकोषीय घाटा-कम-ऋण एवं अग्रिम राशियाँ

Ans : (c) मौद्रिक घाटे का अर्थ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्रीय सरकार को ऋण में वृद्धि से है। दूसरे शब्दों में घाटे की वह राशि जिसकी व्यवस्था नोट निर्गमन के द्वारा हो उसे मौद्रीकरण कहते है और घाटे को मौद्रिक घाटा कहते है।

मौद्रिक घाटा = बजेटरी घाटा + सार्वजनिक ऋण के संबंध में RBI का योगदान

चूंकि बजेटरी घाटा की आपूर्ति एडहाक (Adhoc) ट्रेजरी बिल के निगर्मन द्वारा होता है, इसलिए बजेटरी घाटा = मौद्रीकृत घाटा। परन्तु यदि बजेटरी घाटा शून्य हो जाये तो मौद्रीकृत घाटा इस बात पर निर्भर करेगा कि सार्वजनिक ऋण में RBI की धारिता कितनी है।

25. कराधार में आनुपातिक वृद्धि के कारण राजस्व में आनुपातिक वृद्धि क्या कहलाती है?

(a) कर की लोचनीयता (b) कर की उत्प्लावकता
(c) कर की तटस्थता (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) किसी भी कर प्रणाली में लचीलेपन का अर्थ यह होता है कि करों में आय लोच काफी अत्यधिक है, वहीं करो की उत्प्लावकता (Buoyancy of Taxes) की अवधारणा व्यापक है। जब कर के दरों में परिवर्तन, कराधान के आधार में विस्तार, अर्थात् नए लोगों और नई वस्तुओं पर कराधान को भी ध्यान में रखकर आय के प्रति राजस्व की प्रतिक्रिया की जाँच होती है तो उत्प्लावकता कहलाती है।

26. 'वेंट फॉर सरप्लस एप्रोच' किस पर प्रयुक्त हो सकता है?

(a) धनी देश (b) अल्प विकसित देश
(c) तेल निर्यातक देश (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) 'वेंट फॉर सरप्लस एप्रोच' अल्पविकसित देशों पर प्रयुक्त हो सकता है।

27. मौद्रिक दृष्टिकोण के अनुसार, राष्ट्र की करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन

(a) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग बढ़ा देता है।
(b) मुद्रा के लिये राष्ट्र की आपूर्ति में वृद्धि करता है।
(c) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग को कम करता है।
(d) मुद्रा के लिये राष्ट्र की आपूर्ति घटा देता है।

Ans : (c) मौद्रिक दृष्टिकोण के अनुसार, राष्ट्रीय की करेंसी का पुर्नमूल्यांकन मुद्रा के लिये राष्ट्र की मांग को कम करता है।

28. ब्रेटन वुड्स व्यवस्था किस पर आधारित थी?

(a) स्वर्णमान (b) लचीली विनिमय दर प्रणाली
(c) स्वर्ण विनिमय मान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की स्थापना के लिए July, 1944 में अमेरिका के ब्रेटनवुड्स नामक स्थान पर एक अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सम्मेलन बुलाया गया जिसमें 44 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के परिणास्वरूप IMF की स्थापना 27 Dec, 1945 को वांशिगटन में हुई। ब्रेटवुड्स प्रणाली के अन्तर्गत विभिन्न देशों के बीच विनिमय दरें स्वर्ण के रूप में या 35 अमेरिकी डालर प्रति आउन्स स्वर्ण की दर पर कीलित (Peg) कर दी गई। इसका सम्बन्ध स्थिर विनिमय दर प्रणाली से था। जिसके अन्तर्गत विनिमय में सममूल्य से एक प्रतिशत अधिक या एक प्रतिशत कम की पट्टी अथवा रेंज में परिवर्तन हो सकता था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. एक बड़े राष्ट्र द्वारा आयात प्रशुल्क का आरोपण

(a) सामान्यतया राष्ट्र की व्यापार शर्तों को सुधारता है और व्यापार की मात्रा में वृद्धि करता है।

(b) राष्ट्र की व्यापार शर्तों को बदतर कर देता है परन्तु व्यापार की मात्रा में वृद्धि करता है।

(c) राष्ट्र की व्यापार शर्तों को बदतर कर देता है और व्यापार की मात्रा को कम करता है।

(d) सामान्यतया राष्ट्र की व्यापार शर्तों को सुधारता है परन्तु व्यापार की मात्रा को कम करता है।

Ans : (d) सामान्तया जो देश प्रशुल्क लगाता है उसकी व्यापार शर्ते बेहतर हो जाती है। वह अपने आयात अपेक्षाकृत कम दामों पर प्राप्त कर सकता है क्योंकि विदेशी निर्यातकर्त्ता को शुल्क के कुछ भाग अथवा सम्पूर्ण शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। परन्तु प्रशुल्क लगाने वाले देश की व्यापार शर्तो में कितना सुधार होगा यह दूसरे देश के प्रस्ताव वक्र (Offer Curve) की लोच पर निर्भर करेगा।

30. विदेशी व्यापार गुणक का मूल्य उच्च होगा जब

(a) बचत की सीमान्त प्रवृत्ति उच्च है।

(b) आयात की सीमान्त प्रवृत्ति उच्च है।

(c) निर्यातों में वृद्धि होती है।

(d) घरेलू वस्तुओं के उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति उच्च है।

Ans : (c) विदेशी व्यापार गुणक जिसे निर्यात गुणक भी कहा जाता है कीन्स के निवेश गुणक की भांति कार्य करता है। विदेशी व्यापार गुणक यह बताता है कि निर्यात में वृद्धि के फलस्वरूप राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि होती है जो कि निर्यात की तुलना में कई गुना होती है। निर्यात एवं राष्ट्रीय आय के बीच फलनात्मक संबंध बताने वाला तत्व विदेशी व्यापार गुणक कहलाता है। इसे k_f से प्रदर्शित करते है–

$$\Delta y = k_f . \Delta x$$

$$\boxed{k_f = \frac{\Delta y}{\Delta x}}$$

या $$\boxed{k_f = \frac{1}{MPS + MPM}}$$

31. सूची–I और सूची–II के बीच भिन्न उद्योग समूहों के भार को सुमेलित करें :

	सूची–I	सूची–II
a.	मूलभूत वस्तुओं का उद्योग	1. 45.7
b.	पूँजीगत वस्तुओं का उद्योग	2. 8.8
c.	मध्यवर्ती वस्तुओं का उद्योग	3. 15.7
d.	उपभोक्ता वस्तु उद्योग	4. 29.8

कूट :

	a	b	c	d
(a)	1	2	3	4
(b)	2	4	3	1
(c)	3	2	1	4
(d)	1	3	4	2

Ans : (a)

सूची–I	सूची–II
(a) मूलभूत वस्तुओं का उद्योग	(1) 45.7
(b) पूंजीगत वस्तुओं का उद्योग	(2) 8.8
(c) मध्यवर्ती वस्तुओं का उद्योग	(3) 15.7
(d) उपभोक्ता वस्तु उद्योग	(4) 29.8

32. भारत में हाल ही के वर्षों में थर्मल पावर स्टेशनों का प्लांट लोड फैक्टर लगभग कितना रहता है?

(a) 50 प्रतिशत (b) 60 प्रतिशत

(c) 70 प्रतिशत (d) 80 प्रतिशत

Ans : (c) भारत में हाल ही के वर्षों में थर्मल पावर स्टेशनों का प्लांट लोड फैक्टर लगभग 70% रहता है।

33. भारत में राष्ट्रीय टेलीकॉम नीति (NTP), 2012 का अंश निम्नलिखित में से क्या नहीं है?

(a) भिन्न सेवाओं एवं सेवा क्षेत्रों में एक-राष्ट्र-एक लाइसेंस सृजित करने का प्रयास करना।

(b) एक राष्ट्र-पूर्ण मोबाइल नंबर संवहनीयता प्राप्त करना।

(c) ब्राडबैंड अधिकार के लिये कार्य करना।

(d) टेलीकॉम को मूलभूत वस्तु उद्योग के रूप में मानना।

Ans : (d) नई दूरसंचार नीति (New Telecom Policy) को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 31 May, 2012 को मंजूरी प्रदान की थी। जिसने पुरानी दूरसंचार नीति 1999 का स्थान लिया। इसके निम्न प्रावधान है–

(1) भिन्न सेवाओं एवं सेवा क्षेत्रों में एक राष्ट्र एक लाइसेंस सृजित करने का प्रयास करना।

(2) एक राष्ट्र पूर्ण मोबाइल नम्बर संवहनीयता प्राप्त करना।

(3) ब्रॉडबैंड अधिकार के लिए कार्य करना।

(4) दूरसंचार के मामले में भारत को ग्लोबल हब बनाने के उद्देश्य से दूर संचार उपकरणों को देश में विनिर्माण को बढ़ावा देना।

(5) देश में ग्रामीण क्षेत्रों में 'टेलीफोन घनत्व' को 39 से बढ़ाकर 2017 तक 70 तथा 2020 तक 100 करने का लक्ष्य रखा गया।

34. सम्पूर्ण विश्व में भारत के विनिर्माण उत्पादन का प्रतिशत हिस्सा अब कितना है?

(a) 2.2 प्रतिशत (b) 3.9 प्रतिशत

(c) 6.2 प्रतिशत (d) 7.5 प्रतिशत

Ans : (a) सम्पूर्ण विश्व में भारत के विनिर्माण उत्पादन का प्रतिशत हिस्सा अब 2.2% है।

35. व्यापार संतुलन में भारत का चालू लेखा घाटा मुख्य रूप से किस कारण से है?

(a) तेल एवं पेट्रोलियम के वर्द्धमान आयात

(b) स्वर्ण एवं चाँदी का वर्द्धमान आयात

(c) खाद्यानों का वर्द्धमान आयात

(d) लौह एवं स्टील का वर्द्धमान आयात

कूट :

(a) (a), (b) और (c) (b) (a) और (c)

(c) (a) और (b) (d) (a) और (d)

Ans : (c) व्यापार संतुलन में भारत का चालू लेखा घाटा मुख्य रूप निम्न कारण से है–

(a) तेल एवं पेट्रोलियम के वर्द्धमान आयात।

(b) स्वर्ण एवं चांदी का वर्द्धमान आयात।

36. 1969 का एम.आर.टी.पी. (MRTP) अधिनियम-

(a) 2002 के प्रतिस्पर्धा अधिनियम द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

(b) 1978 के औद्योगिक नीति अधिनियम में विलयन कर दिया गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) मजदूर संघ (संशोधन) अधिनियम, 2001 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया।
(d) 1991 के औद्योगिक नीति अधिनियम में विलयन कर दिया गया।

Ans : (a) October, 1999 में एस.बी. एस राघवन की अध्यक्षता में सरकार ने प्रतिस्पर्धा नीति तथा कानून समिति गठित किया जिसका प्रमुख उद्देश्य एकाधिकारी प्रवृत्ति को रोकने के स्थान पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था। समिति ने अपनी रिपोर्ट 22 May, 2000 को दी जिसमें MRTP Act, 1969 तथा MRTP कमीशन को समाप्त करने एवं उसके स्थान पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) की स्थापना करने की संस्तुति की। समिति की संस्तुतियों के आधार पर प्रतिस्पर्धा एक्ट, 2002 पारित हुआ और उसके अनुसार 14 अक्टूबर, 2003 को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) का गठन हुआ।

37. कृषि सम्बन्धी विकास के संदर्भ में, ट्रिकल डाऊन थ्योरी की व्याख्या क्या बताने के लिये की गई है?

A. आमूलचूल सांस्थानिक सुधारों के बगैर कृषिक उत्पादन में संवृद्धि गरीबी का प्रभाव घटा देगी।
B. आमूलचूल सांस्थानिक सुधारों के साथ कृषिक उत्पादन में संवृद्धि गरीबी का प्रभाव कम कर देगी।
C. सिर्फ आमूल सांस्थानिक सुधार ही गरीबी का प्रभाव कम कर सकते हैं।
D. सिर्फ कृषिक उत्पादन में संवृद्धि ही गरीबी का प्रभाव कम करेगी।

(a) A और B दोनों (b) A और C दोनों
(c) केवल B (d) केवल D

Ans : (c) कृषि सम्बन्धी विकास के संदर्भ में, ट्रिकल डाउन थ्योरी यह बताती है कि आमूलचूल सांस्थानिक सुधारों के साथ कृषिक उत्पादन में संवृद्धि गरीबी का प्रभाव कम कर देगी।

38. कृषि मन्त्रालय के नवीनतम आँकड़े के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन खाद्यान्नों की उपलब्धता है

(a) 280 ग्राम (b) 440 ग्राम
(c) 580 ग्राम (d) 900 ग्राम

Ans : (b) कृषि मंत्रालय के नवीनतम आंकड़े के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रतिदिन खाद्यान्नों की उपलब्धता 440 ग्राम है।

39. किसान क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था किस वर्ष में प्रारम्भ की गई थी?

(a) 1978 (b) 1998
(c) 1988 (d) 2008

Ans : (b) किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरूआत अगस्त, 1998 में की गई जिससे किसानों को व्यापारिक बैंकों, सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से ऋण लेने में सुविधा हो सके। ऐसे किसान जो 5000 रूपये या अधिक मूल्य के उत्पादन ऋण के लिए अर्ह है वे किसान 'किसान क्रेडिट कार्ड' के हकदार होंगे। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा का निर्धारण प्रचालनात्मक जोत, फसल पैटर्न तथा वित्त के आधार पर होगा। वार्षिक समीक्षा की शर्त पर कार्ड तीन वर्ष के लिए वैध होता है। साख की सीमा का निर्धारण करते समय एक वर्ष भर में कृषि तथा उससे सम्बन्धित क्रियाओं के सम्बन्ध में सम्पूर्ण वित्तीय आवश्यकता को ध्यान में रखा जाता है। प्रत्येक निकासी का भुगतान 12 माह के भीतर करना होगा।
KCC योजना की व्यवस्था नाबार्ड द्वारा होती है पर इसका क्रियान्वयन तथा इसके अन्तर्गत किसानों को ऋण की व्यवस्था सहकारी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों व अनुसूचित व्यापारिक बैंकों द्वारा होती है।

40. अभिकथन (A) : पी.एल.–480 अनुदानों को खाद्यानों के आयात के लिये उपयोग किया गया था।
कारण (R) : पी.एल.–480 अनुदान सुविधा जापान द्वारा दी गई थी।
कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

Ans : (c) P.L.-480 अनुदानों को खाद्यान्नों के आयात के लिए उपयोग किया गया था। P.L.-480 कार्यक्रम शुरू करने में अमेरिकी सरकार का मुख्य उद्देश्य उसके कृषि उत्पादों के बढ़ते भण्डार का हिस्सा विदेशी दुकानों में स्थानांतरित करना था, जो इसकी मूल्य समर्थन नीति के तहत जमा हुआ था।

41. मूँगफली की उत्पादकता कहाँ उच्चतम है?

(a) यू.एस.ए. (b) मैक्सिको
(c) भारत (d) चीन

Ans : (a) मूंगफली की उत्पादकता U.S.A. की उच्चतम है। (प्रश्नकाल के अनुसार)
वर्ष 2014–2015 के आकड़ों के अनुसार मूंगफली के उत्पादन में चीन पहले स्थान पर, दूसरे स्थान पर भारत तीसरे पर नाइजीरिया तथा चौथे स्थान पर U.S.A. है।
भारत में 2014–15 के आकड़ों के अनुसार मूंगफली के उत्पादन में गुजरात का पहला स्थान है। दूसरे स्थान पर राजस्थान, तीसरे पर तमिलनाडु है।

42. नाफेड क्या है?

(a) कम्पनी (b) गैर-सरकारी संगठन
(c) सरकारी निकाय (d) सहकारी संगठन

Ans : (d) कृषि उपजों के विपणन कार्य हेतु सरकारी क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (National Agricultural Co–operative Marketing Federation of India Limited NAFED) की स्थापना 2 अक्टूबर 1958 में की गई।

43. भारत में, वर्ष 2010 के लिये एस.आर.एस. डेटा के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा गलत है?

(a) TFR = 2.5 (b) CDR = 7.2
(c) IMR = 48.9 (d) CBR = 24.2

Ans : (c, d) भारत में वर्ष 2010 में एस.आर.एस. डेटा के आधार पर CBR = 21.4 है तथा IMR 47 है अतः विकल्प (c) एवं (d) दोनों गलत है।

44. भारत में, किस जनगणना तक समकालिक वास्तविक पद्धति (de facto) को अपनाया जाता था जिसमें देश भर में एकल रात्रि में जनगणना की गई थी?

(a) 1901 (b) 1931
(c) 1951 (d) 1971

Ans : (b) भारत में वर्ष 1931 की जनगणना तक समकालिक वास्तविक पद्धति को अपनाया जाता था जिसमें देश भर में एकल रात्रि में जनगणना की गई थी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

समूह–I	समूह–II
a. टाईप- II त्रुटि	1. $P_{01} \times P_{10} = 1$
b. माध्य > बहुलक	2. जब वह सत्य नहीं है, तो H_0 को अस्वीकार नहीं करने की प्रायिकता
c. जनसंख्या समरूप है	3. धनात्मक रूप से विषम/ढलवाँ बंटन
d. समय विपर्यय परीक्षण	4. सरल यादृच्छिक प्रतिचयन

कूट :

	a	b	c	d
(a)	2	3	4	1
(b)	3	1	2	4
(c)	4	2	3	1
(d)	1	2	3	4

Ans : (a)
(a) टाईप–II त्रुटि (2) जब वह सत्य नहीं है तो H_0 को अस्वीकार नहीं करने की प्रायिकता
(b) माध्य > बहुलक (3) धनात्मक रूप से विषय/ढलवां बंटन।
(c) जनसंख्या समरूप है (4) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
(d) समय विपर्यय परीक्षण (1) $P_{01} \times P_{10} = 1$

46. अभिकथन (A) : सामान्य बंटन के लिये माध्य = माध्यिका = बहुलक है।
कारण (R) : सामान्य बंटन मेसोकुर्तिक (मध्यम वक्रता मात्रा) है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (a) इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की व्याख्या करता है।

47. दिये गये डेटा से अनुमानित दो समाश्रयण रेखाएँ :
$Y = 4 + 0.4\,X$, $X = -2 + 0.9\,Y$
दी गई होने पर, X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक होगा
(a) 0.4 (b) 0.5
(c) 0.6 (d) 0.8

Ans : (c) byx = 0.4
bxy = 0.9
Co–efficient of Correlation
$= \sqrt{byx.bxy} = \sqrt{0.4 \times 0.9} = \sqrt{0.36} = 0.6$

48. निम्नलिखित में से कौन सा समय विपर्यय परीक्षण को संतुष्ट करता है परन्तु कारक विपर्यय परीक्षण को संतुष्ट नहीं करता है?
(a) लेसपेयरस सूचकांक (b) फिशर सूचकांक
(c) पाशे का सूचकांक (d) मार्शल - एजवर्थ सूचकांक

Ans : (d) According to formula-
Marshall Edgwarth formula

$$Po_1 = \frac{\sum P_1 q_0 + \sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0 + \sum P_0 q_1}$$

Interchanging 0 to 1 and 1 to 0

$$P_{10} = \frac{\sum P_0 q_1 + \sum P_0 q_0}{\sum P_1 q_1 + \sum P_1 q_0}$$

$$Po_1 \times P_{10} = \frac{\sum P_1 q_0 + \sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0 + \sum P_0 q_1} \times \frac{\sum P_0 q_1 + \sum P_0 q_0}{\sum P_1 q_1 + \sum P_1 q_0}$$

$$= 1$$

Sinee $Po_1 \times P_{10} = 1$, Marshall Edgworth satisfies time reverssal test
Marshall Edgworth's formula does not satisty factor reverssal test this is show below-

$$Po_1 = \frac{\sum P_1 q_0 + \sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0 + \sum P_0 q_1}, \quad Qo_1 = \frac{\sum P_1 q_0 + \sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0 + \sum P_0 q_1}$$

$$\therefore \quad P_{01} \times Q_{01} = \frac{\sum P_1 q_0 + \sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0 + \sum P_0 q_0} \times \frac{\sum P_1 q_0 + \sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0 + \sum P_0 q_1}$$

$$\neq \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0}$$

Since $Po_1 \times Q_{10} \neq \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0}$, the test is not satisfied by Marshall Edgeworth forumula fisher's ideal farumla satisifies both tests.

49. 3 × 5 प्रासंगिकता तालिका में $\chi 2$ का मूल्य 8.0 परिकलित किया गया है। शून्य साहचर्य की शून्य प्राक्कल्पना को 5% के सार्थकता स्तर पर परीक्षण किया जायेगा, यदि यह मूल्य निम्नलिखित स्वातन्त्र्य कोटि पर, तालिका में दिये $\chi 2$ के मूल्य के बराबर या उससे कम है :
(a) 8 (b) 6
(c) 4 (d) 3

Ans : (a) 3×5 प्रासंगिकता तालिका में $\chi 2$ का मूल्य 8.0 परिकलित किया गया है। शून्य साहचर्य की शून्य प्राक्कल्पना को 5% के सार्थकता स्तर पर परीक्षण किया जायेगा, यदि यह मूल्य 8 स्वातन्त्र्य कोटि पर तालिका में दिये $\chi 2$ के मूल्य के बराबर या उससे कम है।

50. गैर-प्रायिकता आधारित प्रतिचयन पद्धति कौन सी है?
(a) व्यवस्थित प्रतिचयन
(b) स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन
(c) कोटा (नियतांश) प्रतिचयन
(d) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन

Ans : (c) Samples can be either probability samples or non- probability samples with probability samples each element has a known probability of being incheded in the sample but the Non- probability samples do not allow the rescarches to determine this probability.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2013

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

सूचना-इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रबन्धकीय उद्यम का मॉडल किससे सम्बन्धित है?

(a) आर.ए. गोर्डन (b) आर. मॉरिस
(c) बॉमोल (d) साइटॉर्सकी

Ans. (b) : प्रबन्धकीय उद्यम का मॉडल आर. मॉरिस से सम्बन्धित है। मैरिस इस प्रस्थापना पर विचार करता है कि आधुनिक बड़ी फर्में प्रबन्धकों द्वारा चलायी जाती है और शेयर धारक मालिक है जो फर्मों के प्रबन्ध के बारें में निर्णय लेते है। प्रबन्धक का उद्देश्य फर्म की वृद्धि दर को अधिकतम करना होता है, जबकि शेयर धारक का उद्देश्य अपने लाभांश और शेयर कीमतों में वृद्धि करना होता है। फर्म की ऐसी वृद्धि दर और शेयर कीमतों के बीच सम्बन्ध स्थापित करने के लिए मैरिस एक सतत् वृद्धि दर चुनता है जिस पर फर्म के विक्रय, लाभ परिसंपत्तियों आदि में वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें अपनी पूँजी पर उचित प्रतिफल प्राप्त होता है। इस तरह प्रबन्धक और शेयर धारक दोनों ही फर्म की संतुलित वृद्धि दर की प्राप्ति का प्रयास करते है।

2. निम्नलिखित में रेखीय आयोजन की मान्यता कौन सी नहीं है?

(a) उत्पादन की स्थिर कीमतें
(b) स्थिर आगत कीमतें
(c) पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल
(d) प्रौद्योगिकीय रूप से निर्धारित कारक अनुपात

Ans. (c) : रेखीय आयोजन की मान्यता निम्न है–
1. उत्पादन की स्थिर कीमतें।
2. स्थिर आगत कीमतें।
3. प्रौद्योगिकीय रूप से निर्धारित कारक अनुपात।
जबकि पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल रेखीय आयोजन की मान्यता नहीं है।

3. अल्पाधिकार के पॉल स्वीजी मॉडल में, विकुंचित माँग वक्र में कुंचन का बिन्दु क्या प्रकट करता है?

(a) मात्रा की अनम्यता
(b) कीमत की अनम्यता
(c) कीमत एवं मात्रा दोनों की अनम्यता
(d) केवल कीमत की अनम्यता

Ans. (c) : अल्पाधिकार के पॉल एम. स्वीजी मॉडल में विकुंचित मांग वक्र में कुंचन का बिन्दु कीमत एवं मात्रा दोनों की अनम्यता प्रकट करता है। विकुंचित मांग वक्र सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत से ऊपर है अत्यंत लोचदार होता है और वर्तमान कीमत स्तर से नीचे का भाग बेलोचदार होता है। लोचों में यह अन्तर उस विशेष प्रतियोगी प्रतिक्रिया ढाँचे के कारण होता है जिसकी कल्पना विकुंचित मांग वक्र में की गई है।

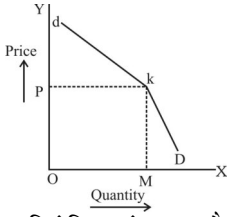

रेखाचित्र में d D एक विकुंचित मांग वक्र है, जिसमें k बिन्दु पर विकुंचन है। वर्तमान कीमत स्तर O P तथा मात्रा O M का उत्पादन व बिक्री कर रही है। d D भाग का ऊपर वाला भाग d k अपेक्षाकृत लोचदार है तथा निचला भाग k D अपेक्षाकृत बेलोचदार है।

4. सूची I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) देयता वक्र	(1) सार्वजनिक राजस्व
(b) लाफ़र वक्र	(2) दृढ़ कीमत
(c) लॉरेंज वक्र	(3) अन्योन्य माँग
(d) विकुंचित माँग वक्र	(4) असमानताएँ

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	3	1	4	2
(b)	1	3	2	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	2	3

Ans. (a) : (a) देयता वक्र (3) अन्योन्य मांग
(b) लाफर वक्र (1) सार्वजनिक राजस्व
(c) लॉरेंज वक्र (4) असमानताएं
(d) विकुंचित माँग वक्र (2) दृढ़ कीमत

5. सूची I में मदों को सूची -II मदों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) तकनीकी एकाधिकार	(1) स्वर्ण एवं चाँदी
(b) वैश्विक बाजार	(2) उत्पादक संघ
(c) विधिक एकाधिकार	(3) कोका कोला
(d) अल्पाधिकार	(4) एकस्व (पेटन्ट) एकाधिकार

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	3	1	4	2
(b)	3	2	1	4
(c)	4	3	1	2
(d)	4	1	2	3

Ans. (a) : (a) तकनीकी एकाधिकार (3) कोका कोला
(b) वैश्विक बाजार (1) स्वर्ण एवं चाँदी
(c) विधिक एकाधिकार (4) एकस्व (पेटेन्ट) एकाधिकार
(d) अल्पाधिकार (2) उत्पादक संघ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. **अभिकथन (A) : उपभोक्ता अतिरेक, संभावित कीमत तथा वास्तविक कीमत के बीच का अन्तर है।**
तर्क (R): कीमत और उपभोक्ता अतिरेक के बीच संबंध प्रतिलोमी होता है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

Ans. (b) इस प्रकार उपभोक्ता की बचत/अतिरेक वस्तु की संभावित कीमत (जो उपभोक्त देने को तत्पर है) तथा वास्तविक कीमत (वास्तव में उपभोक्ता जो भुगतान करता है) के बीच अंतर है, अर्थात

उपभोक्त अतिरेक = संभावित कीमत - वास्तविक कीमत

कीमत और उपभोक्ता अतिरेक के बीच प्रतिलोम संबंध पाया जाता है। कीमत घटने पर उपभोक्त का अतिरेक बढ़ जाता है जिससे वह वस्तु की अतिरिक्त मात्रा प्राप्त कर सकता है।

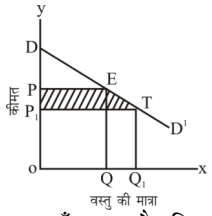

चित्र में, DD' उपभोक्त का माँग वक्र है, जिस पर OP बाजार कीमत तथा OQ माँगी गई मात्रा है।
OPEQ = कुल मूल्य
ODEQ = कुल उपयोगिता मूल्य
उपभोक्ता अतिरेक = ODEQ – OPEQ= PDE
कीमत घटने पर उपभोक्त का कुल
अतिरेक = $ODTQ_1 - OP_1TQ_1 = P_1DT$
उपभोक्ता अतिरेक में शुद्ध वृद्धि = $P_1DT - PDE = P_1PET$

7. **अभिकथन (A) : दीर्घकालिक लागत वक्र U आकार का होने के बजाय L आकार का होता है।**
तर्क (R) : दीर्घकाल में बड़े संयंत्रों के उत्पादन की नई तकनीक प्रति इकाई उत्पादन की कुल लागत कम करती है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(d) (R) असत्य है, परन्तु (A) सत्य है।

Ans. (a) : दीर्घकाल में माँग की बदली हुई स्थितियों को पूरा करने के लिए फर्म संगठन के परिमाण तथा पैमाने को बदलती है अर्थात् दीर्घकाल में उत्पादक के पास इतना अधिक समय रहता है कि वह उत्पादन क्रिया में प्रत्येक प्रकार का परिवर्तन ला सकता है, वह प्लांट के आकार में परिवर्तन ला सकता है, नयी मशीन व तकनीकी का क्रय कर सकता है, जिससे उसकी लागत कम हो जाती है। इस तरह दीर्घकाल में सभी लागते स्थिर न होकर परिवर्तनशील होती है। इस तरह दीर्घकाल में विभिन्न प्रकार की प्रति इकाई लागतों में से केवल दो तरह की ही लागते कुल औसत लागत तथा सीमांत लागत ही पायी जाती है। अतः दीर्घकालीन लागत वक्र 'L' आकार का होगा।

8. **निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?**

(A) उदासीनता (तटस्थ) वक्र बाएँ से दाएँ ढलवाँ होता है।
(B) उदासीनता (तटस्थ) वक्र दाएँ से बाएँ ढलवाँ होता है।
(C) उदासीनता (तटस्थ) वक्र दोनों अक्षों के मूल बिन्दु पर उत्तल होता है।
(D) उदासीनता (तटस्थ) वक्र कभी एक दूसरे को काटता नहीं है।

(a) A, B एवं C सत्य है। (b) B, C और D सत्य है।
(c) A, C और D सत्य है। (d) A और D सत्य है।

Ans. (c) : निम्नलिखित कथन सत्य है–
(A) उदासीनता (तटस्थ) वक्र बाएं से दाएं ढलवा होता है।
(C) उदासीनता (तटस्थ) वक्र दोनों अक्षों के मूल बिन्दु पर उत्तल होता है।
(D) उदासीनता (तटस्थ) वक्र कभी एक-दूसरे को काटता नहीं है।

9. **गुणक प्रभाव का बड़ा हिस्सा बहुत कम अवधियों में प्राप्त होता है जब उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति होती है।**

(a) इकाई (b) अधिक
(c) कम (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : गुणक प्रभाव का बड़ा हिस्सा बहुत कम अवधियों में प्राप्त होता है जब उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति कम होती है।
गुणक का प्रतिपादन R.F. Kohn ने 1931 में अपने एक लेख "The Relation of Home Investment to Unemployment" में की, जो एक रोजगार गुणक था। बाद में कीन्स ने विनियोग गुणक की चर्चा की।
विनियोग की प्रारंभिक वृद्धि कुल आय में कई गुनी वृद्धि लायेगी। विनियोग की प्रारंभिक वृद्धि तथा आय में होने वाली वृद्धि के बीच का गुणात्मक सम्बन्ध ही गुणक है। इस प्रकार यह बताता है कि विनियोग की प्रारंभिक वृद्धि के कारण आय में कितनी गुनी वृद्धि होगी।

$$\Delta y = K.\Delta I$$

$$\boxed{K = \frac{\Delta y}{\Delta I}}$$

गुणक का मूल्य उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति पर निर्भर करता है।

$$\boxed{K = \frac{1}{1 - MPC}}$$

$$K = \frac{1}{MPS}$$

इस तरह गुणक का मूल्य उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति के साथ प्रत्यक्ष तथा MPS के साथ विलोम सम्बन्ध होता है। गुणक का मूल्य सदैव एक और अनन्त के बीच होता क्योंकि $0 < MPC < 1$ होता है।

10. **इष्टतम पूँजी स्टॉक तब प्राप्त होता है जब पूँजी की उपयोक्ता लागत निम्नलिखित के बराबर होती है।**

(a) ब्याज की दर (b) मूल्य ह्रास की दर
(c) पूँजी का सीमान्त उत्पाद (d) टॉबिन का Q

Ans. (c) : इष्टतम पूँजी स्टॉक तब प्राप्त होता है जब पूँजी की उपयोक्ता लागत पूँजी के सीमांत उत्पाद के बराबर होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

11. यदि अर्थव्यवस्था संभावित जी डी पी पर कार्य कर रही है तो मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि निम्नलिखित की ओर अग्रसर करेगी।

(a) निस्पंद स्फीति (b) संरचनात्मक मुद्रा स्फीति
(c) माँग-पक्षीय मुद्रा स्फीति (d) आपूर्ति-पक्षीय मुद्रा स्फीति

Ans. (c) : यदि अर्थव्यवस्था संभावित GDP पर कार्य कर रही है तो मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि मांग पक्षीय मुद्रा स्फीति की ओर अग्रसर करेगी। वस्तुओं तथा सेवाओं की तेजी से बढ़ती मांग के फलस्वरूप तेजी से बढ़ती मुद्रा की सक्रियता के कारण कीमतों में होने वाली वृद्धि को मांग प्रेरित स्फीति कहते है। इस स्थिति में समग्र पूर्ति की अपेक्षा समग्र मांग को प्रभावित करने वाले कारक अधिक प्रभावी होते है। समग्र मांग में वृद्धि मौद्रिक कारकों में वृद्धि से हो सकती है जैसे मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि तथा वास्तविक चरों में परिवर्तन के कारण भी हो सकती है जैसे–सार्वजनिक व्यय में की जाने वाली वृद्धि।

12. रूढ़िवादी (प्रारम्भिक) कीन्सवादियों के मामले में निम्नलिखित में से क्या सत्य है?

1. मुद्रा के लिए माँग की ब्याज लोच अत्यन्त उच्च होती है।
2. मुद्रा के लिए माँग की ब्याज लोच निम्न होती है।
3. मुद्रा की मात्रा में परिवर्तनों का आर्थिक गतिविधि के स्तर पर महत्त्वपूर्ण पूर्वानुमेय प्रभाव नहीं पड़ते हैं।
4. मुद्रा की माँग अस्थिर होती है।

कोड :

(a) 1, 2, 3 (b) 1, 3, 4
(c) 1, 2, 4 (d) 2, 3, 4

Ans. (b) : रूढ़ीवादी कीन्सवादियों के मामले में निम्न कथन सत्य है–
1. मुद्रा के लिए मांग की ब्याज लोच अत्यंत उच्च होती है।
2. मुद्रा की मात्रा में परिवर्तनों का आर्थिक गतिविधि के स्तर पर महत्त्वपूर्ण पूर्वानुमेय प्रभाव नहीं पड़ते हैं।
4. मुद्रा की मांग स्थिर होती है।
जबकि मुद्रा की मात्रा में परिवर्तनों का आर्थिक गतिविधि के स्तर पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमेय प्रभाव नहीं पड़ते है।

13. निम्नलिखित में से कौन सा कथन मिथ्या है?

(a) कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना कम होगा और निवेश की ब्याज संवेदनशीलता जितनी कम होगी, आई.एस.वक्र उतना सपाट होगा।
(b) कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना कम होगा और निवेश की ब्याज संवेदशीलता जितनी कम होगी, आई.एस.वक्र उतना ढलवाँ (या प्रपाती) होगा।
(c) एल.एम. वक्र की स्थिति कीमत स्तर तथा आय में परिवर्तनों के प्रति मुद्रा की माँग की संवेदनशीलता पर ऋणात्मक रूप से निर्भर करती है।
(d) मुद्रा की माँग की ब्याज संवेदनशीलता जितनी अधिक होगी और मुद्रा की मांग की आय संवेदनशीलता जितनी कम होगी, उतना ही एल.एम. वक्र सपाट होता है।

Ans. (a) : कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना कम होगा और निवेश की ब्याज संवेदनशीलता जितनी कम होगी IS-वक्र उतना सपाट होगा।

14. निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं?

(a) सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र व्यय को ज्यादा शीघ्रता से प्रभावित करती है बजाय मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के।
(b) जब समग्र पूर्ति ऊर्ध्वाकार होती है तो समग्र माँग में वृद्धि का वास्तविक उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
(c) सरकारी व्यय में वृद्धि हमेशा निजी क्षेत्र के ब्याज संवेदनशील व्यय की समान मात्रा को 'क्राऊड् आऊट' करती है।
(d) मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि के बजाय सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र आपूर्ति को कम शीघ्रता से प्रभावित करती है।

Ans. (a) : निम्नलिखित कथन सत्य है–
सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र व्यय को ज्यादा शीघ्रता से प्रभावित करती है बजाय मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के।

15. आर्थिक संवृद्धि के सिद्धान्त के संदर्भ में सूची I में दिए सिद्धान्तो को सूची II में दिए उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) आर्थिक सवृद्धि के रूढ़िबद्ध कारक	(1) आर.एम. सोलो
(B) बहिर्जात संवृद्धि सिद्धांत	(2) एन. काल्डर
(C) संचय का स्वर्णिम सिद्धान्त	(3) रेडनर एवं सैम्यूलसन
(D) इष्टतम संवृद्धि 'टर्नपाइक्स	(4) ई.एस. फेल्प्स

कूट-

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	3	2	1	4
(c)	2	1	4	3
(d)	2	4	3	1

Ans. (c) :
(A) आर्थिक संवृद्धि के रूढ़िबद्ध कारक (2) एन.काल्डर
(B) बर्हिजात संवृद्धि सिद्धांत (1) आर.एम. सोलो
(C) संचय का स्वर्णिम नियम (4) ई.एस. फेल्प्स
(D) इष्टतम संवृद्धि 'टर्नपाइक्स (3) रेडनर एवं सैम्युलसन

16. अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त संवृद्धि के कौन से निर्धारक की व्याख्या प्रदान करने की चेष्टा करता है जिसे कि सोलो मॉडल ने स्पष्ट नहीं किया है।

(a) तकनीकी प्रगति
(b) श्रम संवृद्धि
(c) संवृद्धि को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (c) अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त में संवृद्धि को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका की व्याख्या करनेकी चेष्टा करता है जिसे कि सोलो मॉडल ने स्पष्ट नहीं किया है। सोलो ने निम्नलिखित मान्यताओं पर अपने मॉडल का निर्माण किया है-
(1) उत्पादन में केवल 2 साधनों श्रम तथा पूँजी का प्रयोग किया जाता है।
(2) पैमाने के स्थिर प्रतिफल होते है।
(3) श्रम-शक्ति की वृद्धि-दर बर्हिजनित निर्धारित होती है।
(4) तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
(5) बचत अनुपात स्थिर है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. 'बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक' (MPI) नवीन सूचकांक है जिसे निम्नलिखित में समाविष्ट किया जाता है।

(a) विश्व मानव रिपोर्ट
(b) मानव विकास रिपोर्ट
(c) विश्व विकास रिपोर्ट
(d) भारत का मानव विकास रिपोर्ट

Ans. (b) : बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक (MPI) नवीन सूचकांक है, जिसे मानव विकास रिपोर्ट में समाविष्ट किया जाता है। इसका विकास 2010 में किया गया। यह गरीबी की माप का अधिक व्यापक दृष्टिकोण है। क्योंकि इसमें गरीबी को आय वंचन के रूप में ही न लेकर बहु-आयामी वंचन के रूप में लिखा जाता है। जैसे–खराब स्वास्थ्य तथा कुपोषण, अल्प शिक्षा तथा कौशल, अपर्याप्त जीवन स्तर, खराब आवासीय व्यवस्था तथा सामाजिक अपवर्जन इत्यादि।

MPI उन्हीं तीन आयामों पर आधारित है जो HDI के है परन्तु इसमें इनके साथ 10 संकेतक भी है।

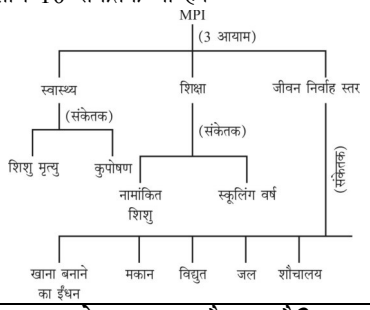

18. कल्याण का बेहतर माप कौन सा है?

(a) राष्ट्रीय आय (b) प्रति व्यक्ति आय
(c) प्रति व्यक्ति व्यय योग्य आय (d) सकल राष्ट्रीय उत्पाद

Ans. (c) : कल्याण का बेहतर माप व्यय योग्य वैयक्तिक आय करती है। व्यय योग्य वैयक्तिक आय ज्ञात करने के लिए वैयक्तिक आय में से वैयक्तिक प्रत्यक्ष करों को घटाया जाता है।

व्यय योग्य वैयक्तिक आय = वैयक्तिक आय –वैयक्तिक प्रत्यक्ष कर

19. 11वीं पंचवर्षीय योजना के किस वर्ष में उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की गई थी?

(a) 2007-08 (b) 2008-09
(c) 2009-10 (d) 1010-11

Ans. (a) : 11वीं पंचवर्षीय योजना के प्रारंभिक वर्ष 2007-08 में उच्चतम GDP वृद्धि दर दर्ज की गई थी। 11वीं पंचवर्षीय योजना की समयावधि 1 अप्रैल, 2007 से 3 मार्च, 2012 तक थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तीव्रता और अधिक समावेशी विकास था। इस योजना में आर्थिक संवृद्धि दर का लक्ष्य 9% रखा गया जबकि प्राप्ति 7.9% की हुई।

20. यू.एन.ई.पी. का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(a) समान विकास (b) आर्थिक विकास
(c) तापमान में कमी (d) धारणीय विकास

Ans. (d) : UNEP (United Nation Environment Programm) का मुख्य उद्देश्य धारणीय विकास है। इस कार्यक्रम की स्थापना 1972 में नैरोबी (केन्या) में हुई। यह संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है जो पर्यावरणीय गतिविधियों में समन्वय करती है तथा विकासशील देशों द्वारा उचित पर्यावरणीय नीतियों तथा क्रिया-कलापों को अपनाये जाने के लिए सहायता प्रदान करती है।

21. भारत में खाद्यान्नों को निम्नलिखित में किसके द्वारा सारणीबद्ध (केनलाइज) किया जाता है?

(a) ONGC (b) OIL
(c) FCI (d) MMTC

Ans. (c) : भारत में खाद्यान्नों को एफ.सी.आई. (Food Corporation of India) के द्वारा सारणीबद्ध किया जाता है। एफ.सी.आई. की स्थापना 1965 में की गई। एफ.सी.आई. खाद्यान्नों व अन्य सामग्री की खरीददारी, भण्डारण व संग्रहण, स्थानांतरण, वितरण तथा बिक्री का काम करता है। यह सार्वजनिक वितरण प्रणालियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने का भी काम करता है।

22. सी.एस.ओ. के द्वारा 2012-13 के प्रथम चतुर्थ के लिए जारी अनंतिम आँकड़ों के अनुसार जीडीपी वृद्धि का क्या अनुमान लगाया गया है?

(a) 5.1% (b) 5.5%
(c) 5.9% (d) 6.2%

Ans. (b) : सी.एस.ओ. के द्वारा 2012-13 के प्रथम चतुर्थ के लिए जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार जी.डी.पी. वृद्धि का 5.5% अनुमान लगाया गया है।

2015-16 के लिए भारत के विकास दर का अनुमान लगाया गया है–

RBI	–	7.4%
IMF	–	7.3%
World Bank	–	7.5%
ADB	–	7.4%

वित्त मंत्रालय ने 30 दिसम्बर, 2016 को कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.2% रही।

23. किसके आर्थिक सिद्धान्तों में माल्थस के सिद्धान्त मूल में रहते हैं?

(a) एडम स्मिथ (b) रिकार्डो
(c) कीन्स (d) रोबिन्स

Ans. (c) : कीन्स के आर्थिक सिद्धांत में माल्थस के सिद्धांत मूल में रहते है।

24. व्यापार चक्र के चार चरण हैं। इन चरणों के घटित होने का सही अनुक्रम बताएँ।

(a) वसूली, अवमंदन, विस्तार, मंदी
(b) वसूली, विस्तार, मंदी, अवमंदन
(c) मंदी, विस्तार, अवमंदन, वसूली
(d) वसूली, विस्तार, अवमंदन, मंदी

Ans. (d) : पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं जैसे रोजगार, आय, उत्पादन एवं कीमतों में तरंग की तरह चक्रीय उतार-चढ़ाव आते रहते है, इन्हीं चक्रीय उतार-चढ़ाव को व्यापार चक्र कहा जाता है। व्यापार चक्र के चार चरण होते है जो उनके घटित होने के क्रम में निम्न है–

1. वसूली 2. विस्तार
3. अवमंदन 4. मंदी

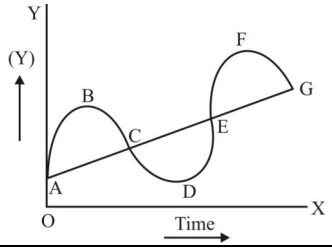

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. भारम में 11वीं योजना के दौरान कृषि क्षेत्र में कुल कारक उत्पादकता (TFP)

(a) बढ़ी थी। (b) कम हुई थी।
(c) अपरिवर्तित रही। (d) कोई विशेष पैटन नहीं था।

Ans. (a) : भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि क्षेत्र में कुल कारक उत्पादकता (TFP) बढ़ी थी।

26. विकसित देशों में खाद्य के लिए माँग की आय लोच किससे कम होती है?

(a) शून्य (b) 1
(c) 2 (d) 3

Ans. (b) : माँग की आय लोच $= \frac{\text{माँग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{आय में प्रतिशत परिवर्तन}}$

आय लोच के प्रकार–

1. $e_y>1$ आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि के कारण माँग की मात्रा में 20 प्रतिशत की वृद्धि
2. $e_y=1$ आय में 10 प्रतिशत वृद्धि के कारण माँग की मात्रा में 10 प्रतिशत की वृद्धि
3. $e_y<1$ आय में 10 प्रतिशत वृद्धि से माँग में 5 प्रतिशत की वृद्धि
4. $e_y= 0$ आय में 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ माँग में कोई बदलाव नहीं।
5. $e_y<0$ आय में 10 प्रतिशत वृद्धि के कारण माँग में 5 प्रतिशत की कमी।

इस प्रकार विकसित देशों में माँग की आय लोच इकाई से कम होती है।

27. 'अपना खेत, अपना काम' की स्कीम 'मनरेगा (MNREGA)' के अन्तर्गत नवीन स्कीम है, यह किस राज्य में प्रारम्भ की गई थी?

(a) पंजाब (b) गुजरात
(c) राजस्थान (d) मध्य प्रदेश

Ans. (a) : **नोटः- आयोग द्वारा इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) पंजाब माना गया है।**

28. 'कीमत कैंची' किससे सम्बन्धित है?

(a) ईधन एवं औद्योगिक वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत।
(b) कृषि वस्तुओं के सम्बन्ध में औद्योगिक वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत।
(c) निर्यातित वस्तुओं के सम्बन्ध में आयातित वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : 'कीमत कैंची' कृषि वस्तुओं के सम्बन्ध में औद्योगिक वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत से सम्बन्धित है।

29. अभिकथन (A) : पीली क्रान्ति से बीजों के उत्पादन में वृद्धि हुई है।
तर्क (R) : श्वेत क्रान्ति ने दूध के उत्पादन में वृद्धि की है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (R) असत्य है, परन्तु (A) सत्य है।

Ans. (b) : वर्ष 2021-22 (च.अ.अ.) में भारत में तिलहन का उत्पादन 36.1 मिलियन टन रहा है। जिसमें राजस्थान का प्रथम स्थान है। राजस्थान में 7.94 मिलियन टन तिलहन का उत्पादन हुआ है।

30. ब्रेटन वुड्स व्यवस्था के विध्वंस होने का तात्कालिक कारण क्या था?

(a) यह प्रत्याशा कि यू.एस. शीघ्र ही डॉलर का अवमूल्यन करने के लिए विवश हो जायेगा।
(b) यू.एस. से तरल पूँजी का भारी बाह्य प्रवाह।
(c) तीन छोटे यूरोपियन सेन्ट्रल बैंकों द्वारा अपनी डॉलर जमा पूँजी के कुछ भाग को फेडरल में स्वर्ण में बदलने का प्रयास
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : ब्रेटन वुड्स व्यवस्था के विध्वंस होने का तात्कालिक कारण निम्न था–

1. यह प्रत्याशा कि यू.एस. शीघ्र ही डॉलर का अवमूल्यन करने के लिए विवश हो जायेगा।
2. यू.एस. से तरल पूँजी का भारी बाह्य प्रवाह।
3. तीन छोटे यूरोपियन सेन्ट्रल बैंकों द्वारा अपनी डालर जमा पूँजी के कुछ भाग को फेडरल में स्वर्ण में बदलने का प्रयास।

31. स्थिर विनिमय दर व्यवस्था के मामले में भुगतान संतुलन किसके जरिये होता है?

(a) कीमत स्तर में परिवर्तन (b) विनिमय दर में परिवर्तन
(c) ब्याज की दर में परिवर्तन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : स्थिर विनिमय दर व्यवस्था के मामले में भुगतान संतुलन संतुलन कीमत स्तर में परिवर्तन के जरिये होता है।
स्थिर विनिमय दर के अन्तर्गत सभी विनिमय लेन-देन उस विनिमय दर पर होते है जिसे मौद्रिक अधिकारी निर्धारित करता है ये अधिकारी कानून बनाकर अथवा करेंसी बाजारों में हस्तक्षेप करके विनिमय दर निश्चित कर सकते है। मौद्रिक अधिकारी विदेशी करेंसी रिजर्व अपने पास रखता है ताकि मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर सके, जब स्थिर दर पर विदेशी मुद्रा की मांग और पूर्ति बराबर न हो।

32. हाजिर (स्पॉट) विदेशी मुद्रा विनिमय किससे सम्बन्धित है?

(a) दो व्यवसाय दिनों के अन्दर डिलीवरी के लिए विदेशी मुद्रा की खरीद या बिक्री।
(b) डिलीवरी के लिए विदेशी मुद्रा का विक्रय।
(c) डिलीवरी के लिए विदेशी मुद्रा की खरीद।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : स्पॉट विनिमय दर वह दर है जिस पर एक देश की करेंसी का दूसरे देश की करेंसी से वर्तमान अवधि में विनिमय किया जाता है। व्यवहार में सौदा दो दिन में हो जाता है। इस प्रकार तत्काल स्पॉट लेन-देन-देन के लिए प्रभावी विनिमय दर को तत्काल दर और ऐसे सौदों के लिए मार्किट को तत्काल मार्केट कहते है।

33. एम.एफ.एन. (मोस्ट फेवर्ड नेशन) धारा के सम्बन्ध में सही कथन ज्ञात कीजिए।

(a) यह संविदा करने वाले दलों को विशेष सुविधा की गारन्टी देता है।
(b) यह केवल समान व्यवहार की गारन्टी देता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) अप्रतिबन्धित एम.एफ.एन. धारा प्रतिबन्धित धारा की तुलना में ज्यादा न्यायसंगत या साम्यिक प्रतीत होती है।

(d) प्रतिबन्धित एम.एफ.एन. धारा संविदा करने वाले दलों को महत्त्वपूर्ण अधिकार प्रदान करती है।

Ans. (b) : किसी देश द्वारा जब किसी देश को आयात निर्यात प्रशुल्कों आदि से सम्बन्धित कुछ सुविधाएं या रियायतें दी जाती है तो ऐसी सुविधाएं प्राप्त करने वाला राष्ट्र अति इष्ट राष्ट्र कहलाता है। कुछ समय पहले भारत ने पाकिस्तान को एम.एफ.एन. (मोस्ट फेवर्ड नेशन) का दर्जा समाप्त कर दिया है। अति इष्ट राष्ट्र की धारा केवल समान व्यवहार की गारन्टी देता है।

34. सूची I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) हेमिल्टन-लिस्ट	(1) व्यापार सृजन एवं व्यापार विषयान्तर प्रभाव
(B) मार्शल-लर्नर	(2) भारतीय-उद्योग
(C) एफ. वाई. एजवर्थ	(3) लोच का दृष्टिकोण
(D) जेकोब वाइनर	(4) दरिद्रताजननीय संवृद्धि

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	2	3	1	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	2	4	1
(d)	3	2	1	4

Ans. (b) : दिये गये प्रश्नानुसार सही रूप से सुमेलित है–

(A) हेमिल्टन	(2) भारतीय उद्योग
(B) मार्शल-लर्नर	(3) लोच का दृष्टिकोण
(C) एफ.वाई. एजवर्थ	(4) दरिद्रताजननीय संवृद्धि
(D) जेकोब वाइनर	(1) व्यापार सृजन एवं व्यापार विषयान्तर प्रभाव

35. संचालित तैरती विनिमय दर व्यवस्था के अन्तर्गत, राष्ट्र के मौद्रिक प्राधिकारी विदेशी विनिमय बाजारों में किस लिये हस्तक्षेप करते हैं?

(a) विनिमय दरों में अल्पकालिक, उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए।

(b) विनिमय दरों में दीर्घकालिक उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए।

(c) विनिमय दरों में अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए।

(d) राष्ट्रों के समूह के बीच विनिमय दरों को स्थिर रखने के लिए।

Ans. (a) : संचालित तैरती विनिमय दर व्यवस्था के अन्तर्गत राष्ट्र के मौद्रिक प्राधिकारी विदेशी विनिमय बाजारों में विनिमय दरों में अल्पकालिक उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए हस्तक्षेप करते है।

36. निम्नलिखित में से कौन सा आदर्श करेन्सी क्षेत्र के साथ सम्बन्धित है?

(a) एकल करेन्सी के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र।

(b) कई करेन्सियों के लिए, जिनकी विनिमय दरें तुलनात्मक रूप से कीलित कर दी गई हैं, इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र।

(c) एकल करेन्सी या कीलित करेन्सियाँ अन्य करेन्सियों की तुलना में संयुक्त रूप से बदलती है या घटती-बढ़ती है।

(d) उपर्युक्त सभी।

Ans. (d) : इष्टतम (आदर्श) करेन्सी क्षेत्र का तात्पर्य ऐसे देशों के समूह से है जिन्होंने अपनी मुद्राओं को एक स्थिर विनिमय दर प्रणाली द्वारा स्थायी रूप से जोड़ दिया हो। परन्तु इन देशों की मुद्राओं की दर गैर सदस्य देशों के साथ लचीली विनिमय दर प्रणाली से जुड़ी होती है। जैसे–यूरोपीय देशों का समूह 'यूरों' से जुड़ा है।

37. भुगतान संतुलन के मौद्रिक उपागम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य है?

(a) भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा आपूर्ति के आधिक्य के परिणामस्वरूप होता है।

(b) भुगतान संतुलन अतिरेक मुद्रा की अतिरिक्त माँग से होता है।

(c) भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वतः ही ठीक हो जाता है।

(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : एक देश का अन्य सभी देशों के साथ या विश्व के साथ समस्त आर्थिक लेन देनों का व्यवस्थित रिकार्ड को भुगतान शेष कहते हैं।

लेखांकन की दृष्टि से भुगतान संतुलन हमेशा संतुलन में रहता हैं

दिये गये प्रश्नानुसार भुगतान संतुलन के मौद्रिक उपागम के रूप में सभी कथन सत्य है।

1. भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा आपूर्ति के आधिक्य के परिणामस्वरूप होता है।
2. भुगतान संतुलन अतिरेक मुद्रा की अतिरिक्त मांग से होता है।
3. भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वतः ही ठीक हो जाता है।

38. निम्नलिखित में से कौन सा कर केन्द्रीय सरकार के क्षेत्राधिकार के अन्दर आता है जैसा कि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची I में परिगणना की गई है?

(a) संसद द्वारा आरोपित किसी भी सीमा के आधार पर खनिज अधिकारों पर कर।

(b) बिजली के उपभोग एवं बिक्री पर कर।

(c) समाचार पत्रों एवं उसमें विज्ञापनों की बिक्री एवं खरीद पर कर।

(d) मानव उपभोग के लिए नशीली शराब, अफीम, भारतीय गांजा एवं अन्य स्वापकों पर उत्पाद शुल्क।

Ans. (c) : भारत के संविधान की 7वीं अनुसूची की सूची–I में केन्द्रीय सरकार को निम्न मदों पर कर लगाने का अधिकार है–

1. कृषि कर के अतिरिक्त आय पर कर।
2. निगम कर।
3. सीमा शुल्क।
4. शराब तथा नशीले पदार्थों (जैसे गांजा, भांग, अफीम) को छोड़कर अन्य वस्तुओं पर उत्पादक शुल्क।
5. व्यक्तियों तथा कम्पनियों की गैर-कृषि संपत्ति के पूंजी मूल्य पर कर।
6. कुछ वित्तीय दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क।
7. स्टॉक एक्सचेंज तथा भावी मार्केट के लेन-देन पर गैर-स्टाम्प कर।
8. अखबार तथा उनमें छपे विज्ञापनों की खरीद तथा बिक्री पर कर।
9. रेल भाड़ा तथा किराया पर कर।
10. रेल, समुद्र तथा वायुमार्ग से जाने वलो यात्रियों तथा वस्तुओं पर टरमिनल कर।
11. वे कर जो राज्य सूची या समवर्ती सूची में अंकित नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

39. वित्त आयोग की सिफारिशों के अन्तर्गत केन्द्र से राज्यों को अनुदानों को क्या कहते हैं?

(a) योजना अनुदान (b) विकास सहायता
(c) वैधानिक अनुदान (d) विवेकाधारी अनुदान

Ans. (c) : वित्त आयोग की सिफारिशों के अन्तर्गत केन्द्र से राज्यों को अनुदानों को वैधानिक अनुदान कहते है।
भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 280 के अन्तर्गत 2 जनवरी, 2013 को वाई.वी. रेड्डी की अध्यक्षता में 14वें वित्त आयोग का गठन किया। 14वें (F.C.) की अवधि 2015-2020 तक है। इसकी प्रमुख सिफारिशें निम्न है–
1. लम्बीय अंतरण–इस आयोग ने केन्द्रीय विभाज्य पूल में राज्यों का हिस्सा वर्तमान 32% बढ़ाकर 42% कर दिया।
2. राज्यों के बीच क्षैतिज बटवारा–केन्द्र से प्राप्त कुल आय का राज्यों के बीच बंटवारे के क्षैतिज असंतुलन को दूर करने के लिए एवं समता स्थापित करने के लिए नये क्षैतिज सूत्र का सुझाव दिया है–

13वें एवं 14वें एफ.सी. में क्षैतिज अंतरण

कारक	प्रदत्त भारांश	
	13वां एफ.सी.	14वां एफ.सी.
1. जनसंख्या (1971)	25%	17.5%
2. जनांकिकीय परिवर्तन	0%	10%
3. आय दूरी	47.5%	50%
4. क्षेत्रफल	10%	15%
5. वन क्षेत्र	0%	7.5%
6. राजकोषीय अनुशासन	17.5%	0%

40. सूची–I दी मदों की सूची–II में दी गई मदों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(a) कृषिक सम्पदा एवं आय कराधान समिति, 1972	(1) राजा जे. चेलैय्या
(b) प्रत्यक्ष कर जाँच समिति 1970	(2) एल.के. झा
(c) कर सुधार समिति,1991	(3) के.एन. वांछू
(d) अप्रत्यक्ष कर समिति 1976	(4) के.एन. राज

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	4	1	2	3
(b)	4	3	1	2
(c)	3	2	1	4
(d)	2	3	1	4

Ans. (b) :
(a) कृषि सम्पदा एवं आय कराधान समिति, 1972 (4) के.एन. राज
(b) प्रत्यक्ष कर जाँच समिति, 1970 (3) के.एन. वांछू
(c) कर सुधार समिति, 1991 (1) राजा जे. चेलैय्या
(d) अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति, 1976 (2) एल.के. झा

41. भारत सरकार की समयबद्ध प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक है।

(a) भारतीय रिजर्व बैंक (b) भारतीय जीवन बीमा निगम
(c) कर्मचारी भविष्य निधि (d) वाणिज्यिक बैंक

Ans. (d) : वाणिज्यिक बैंक वित्तीय संस्थाओं का एक प्रकार है। जो ऐसी जमाओं को स्वीकार करने व्यावसायिक ऋण बनाने और बुनियादी निवेश उत्पादों की पेशकश जैसे सेवाएं प्रदान करता है।
वाणिज्यिक बैंकों की सामान्य भूमिका अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता और अर्थ व्यवस्था के टिकाऊ विकास को सुनिश्चित करने, आम जनता और व्यापार के लिए वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है।
साख सृजन वाणिज्यिक बैंकों का सबस महत्वपूर्ण कार्य वाणिज्यिक बैंक भारत सरकार की समयबद्ध प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक भी है।

42. भारत में निम्नलिखित करों को लागू करने के कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

I. सेवा कर II. **आय कर**
III. **बैंकिंग रोकड़ लेने-देन कर** IV. **उपहार कर**

कोड-

(a) II, IV, I, III (b) II, I, III, IV
(c) II, III, I, IV (d) IV, II, I, III

Ans. (a) : (II) आय कर – 1860 ई.
(IV) उपहार कर – 1958 ई.
(I) सेवा कर – 1994 ई.
(III) बैंकिंग रोकड़ लेन-देन कर – 2005 ई.

43. भारत में काले धन का आकलन करने के लिए निम्नलिखित में से किसने काम नहीं किया है?

(a) एन. काल्डर (b) डॉ. डी.के. रंगनेकर
(c) ओ.पी. चोपड़ा (d) सुखमय चक्रवर्ती

Ans. (d) : जिस धन का हिसाब किताब कर अधिकारियों से छिपा कर रखा जाता है उसे काला धन कहते है है। हमारे देश में काले धन के आकलन के लिए कई समिति या कमेटियों का गठन किया गया। जैसे–
1. एन. काल्डर।
2. डॉ. डी.के. रंगनेकर।
3. ओ.पी. चोपड़ा।
4. एस.आई.टी. का गठन।
जबकि सुखमय चक्रवर्ती भारत में काले धन के आकलन करने से नहीं सम्बन्धित है। इसका सम्बन्ध मौद्रिक पद्धति के कार्यों की समीक्षा, बैंकिंग क्षेत्रों में सुधार से है।

44. भारत में पारिवारिक उपभोग व्यय की कौन सी मदों के लिए, एन.एस.एस.ओ. संदर्भ अवधि को 365 दिनों के रूप में लेता है?

(a) वस्त्र, जूते, बिस्तर, शिक्षा इत्यादि।
(b) खाद्य तेल, मछली एवं माँस, अण्डा।
(c) साग-सब्जी, फल, मसाले, पेय-पदार्थ एवं संसाधित खाद्य।
(d) अन्य सभी खाद्य पदार्थ, ईंधन एवं प्रकाश, विविध वस्तुएँ एवं सेवाएँ।

Ans. (a) : एन.एस.एस.ओ. भारत में पारिवारिक उपभोग व्यय की वस्त्र, जूते, बिस्तर, शिक्षा इत्यादि मदों के लिए संदर्भ अवधि को 365 दिनों के रूप में लेता है।

45. वर्ष 2009-10 में ग्रामीण भारत के लिए औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (संशोधित मिश्रित अनुस्मरण काल) क्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) रु. 845.54 (b) रु. 1053.64
(c) रु. 1322.25 (d) रु. 1984.46

Ans. (b) : वर्ष 2009-10 में ग्रामीण भारत के लिए औसत मासिक प्रतिव्यक्ति व्यय ₹1053.64 है।
वर्ष 2015-16 में वर्तमान कीमतों पर प्रतिव्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय ₹ 93231 रही। तथा स्थिर कीमतों (2011-12 आधार वर्ष) पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय ₹ 77431रही।

46. 2013-14 के संघीय बजट के मध्यकालिक राजकोषीय नीति कथन के अनुसार वर्ष 2015-16 के अन्त में कुल बकाया देयताओं के लिए लक्ष्य क्या है (जी.डी.पी. का प्रतिशत)?

(a) 42.3 (b) 44.5
(c) 41.1 (d) 47.8

Ans. (a) : 2013-14 के संघीय बजट के मध्यकालिक राजकोषीय नीति कथन के अनुसार वर्ष 2015-16 के अन्त में कुल बकाया देयताओं के लिए लक्ष्य 42.3% (जी.डी.पी. का प्रतिशत) है।

47. निम्नलिखित में से किन वर्षों में कृषि जी.डी.पी. की वृद्धि दर (स्थिर कीमतों पर) 5 प्रतिशत से ज्यादा दर्ज की गई?

(i) 2006-07 (ii) 2007-08
(iii) 2010-11 (iv) 2011-12

कोड-

(a) i और iii (b) i, ii और iii
(c) ii और iii (d) i और iv

Ans. (c) : 2010-11 तथा 2007-08 में कृषि जी.डी.पी. की वृद्धि दर (स्थिर कीमतों पर) 5% से ज्यादा दर्ज की गई।
वर्ष 2015-16 के आकड़ों के अनुसार कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की वृद्धि दर 1.1% रहने की संभावना व्यक्त की गई है। वर्ष 2014-15 के आकड़ों के अनुसार जी.डी.पी. में कृषि की हिस्सेदारी 17.4% है।

48. भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल ही के वर्षों में निजी अन्तिम उपभोग व्यय की कौन सी मदों का सबसे बड़ा हिस्सा (पी.एफ.सी.ई.) में रहा है?

(a) वस्त्र एवू जूते
(b) सकल भाड़ा, ईंधन एवं ऊर्जा
(c) परिवहन एवं संचार
(d) फर्नीचर, साज-समान इत्यादि

Ans. (c) : भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल ही के वर्षों में निजी अन्तिम उपभोग व्यय की परिवहन एवं संचार मदों का सबसे बड़ा हिस्सा (P.F.C.E. में) रहा है।

49. निम्नलिखित में से कौन सा भारत के तेरहवें वित्त आयोग का विचारार्थ विषय नहीं रहा है?

(a) करों की निवल प्राप्तियों का केन्द्र एवं राज्यों के बीच वितरण प्राप्तियों का केन्द्र एवं राज्यों के बीच वितरण जिन्हें उनके बीच वितरित किया जायेगा या वितरित किया जा सकता है।
(b) भारत की समेकित निधि से राज्यों के राजस्व के सहायता अनुदान को नियन्त्रित करने वाले सिद्धान्त
(c) राज्य में पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के संसाधनों को पूरकता प्रदान करने हेतु राज्य की समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय।
(d) राज्यों के बढ़ते हुए घाटों को देखते हुए उनके ऋण भारों को पुनर्नियोजित करने की पद्धति

Ans. (d) : केन्द्र से राज्यों को वित्तीय हस्तांतरण हेतु दिशा निर्देश व सुझाव देने हेतु वित्त आयोग का गठन किया जाता है। जिसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 280 में है। जिसका कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। दिये गये प्रश्नानुसार 13वें वित्त आयोग का विचारार्थ विषय निम्न रहा है–
1. करों की निवल प्राप्तियों का केन्द्र एवं राज्यों के बीच वितरण जिन्हें उनके बीच वितरित किया जायेगा या वितरित किया जा सकता है।
2. भारत की समेकित निधि से राज्यों के राजस्व के सहायता अनुदान को नियंत्रित करने वाले सिद्धांत।
3. राज्य में पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के संसाधनों को पूरकता प्रदान करने हेतु राज्य की समेकित विधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय।

जबकि राज्यों के बढ़ते हुए घाटों को देखते हुए उनके ऋण भारों के पुनर्नियोजित करने की पद्धति 13वें वित्त आयोग का विचारार्थ विषय नहीं रहा है।

50. सूची–I में दिये गये भारत में कीमत सूचकांकों को सूची–II में उनके नवीनतम आधार वर्षों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(a) थोक कीमत सूचकांक	(1) 2001 = 100
(b) औद्योगिक मजदूर (सी.पी. आई.आई. डब्ल्यू)	(2) 2010 = 100
(c) उपभोक्ता कीमत सूचकांक (नवीन श्रृंखला)	(3) 2004.05 = 100
(d) कृषिक मजदूर (सी.पी.आई. ए.एल)	(4) 1986–87 = 100

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	3	1	2	4
(b)	3	2	4	1
(c)	2	1	4	3
(d)	2	4	1	3

Ans. (a) :

(a) थोक कीमत सूचकांक	(3) 2004–05 = 100
(b) औद्योगिक मजदूर (C.P.I.–I.W.)	(1) 2001 = 100
(c) उपभोक्ता कीमत सूचकांक (नवीन श्रृंखला)	(2) 2010 = 100
(d) कृषिक मजदूर (C.P.I.–A.L.)	(4) 1986–87 = 100

51. केन्द्रीकरण एवं एकाधिकार शक्ति के डैमसेट्ज के विचार के बारे में क्या सही नहीं है?

(a) उत्कृष्ट क्षमता वर्द्धित केन्दीकरण एवं ज्यादा लाभ दोनों उत्पन्न करती है।
(b) केन्द्रीकरण से लाभकारिता तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
(c) दक्षता से केन्द्रीयकरण तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
(d) दक्षता से लाभ तक कारणात्मक सम्बन्ध है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : केन्द्रीकरण एवं एकाधिकार शक्ति के डैमसेट्ज के विचार के बारें निम्न कथन सही है–

1. उत्कृष्ट क्षमता वर्द्धित केन्द्रीकरण एवं ज्यादा लाभ दोनों उत्पन्न करती है।
2. दक्षता से केन्द्रीकरण तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
3. दक्षता से लाभ तक कारणात्मक सम्बन्ध है।

52. $G=\frac{1}{N}\sum_{i=1}^{N}(N-2i+1)S_i$ सूत्र का उपयोग करते हुए निम्नलिखित उद्योग के लिए औद्योगिक केन्द्रीकरण का आकलन करने के लिए गिनी गुणांक का मूल्य ज्ञात कीजिए। जहाँ सूत्र में N फर्मों की संख्या है और Si उद्योग की बिक्री के सम्बन्ध में फर्म i का हिस्सा है)

फर्म-1	फर्म-2	फर्म-3	फर्म-4	उद्योग
70	10	10	10	100

(a) 25 (b) 35
(c) 45 (d) 65

Ans. (c) :

$$G=\frac{1}{4}\left[(4-2\times1+1)70+(4-2\times2+1)10+(4-2\times3+1)10+(4-2\times4+1)10\right]$$

$$=\frac{1}{4}[210+10+(-10)+(-30)]$$

$$=\frac{1}{4}[210+10-10-30]=\frac{1}{4}.180$$

$$\boxed{G=45}$$

53. मजदूरी सिद्धान्त के सम्बन्ध में सूची–I की मदों को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(a) मजदूरी का लौह सिद्धांत	(1) जे.एस. मिल
(b) मजदूरी निधि सिद्धांत	(2) जॉन आर. हिक्स
(c) अतिरेक मूल्य सिद्धांत	(3) डेविड रिकार्डो
(d) सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त	(4) कार्ल मार्क्स

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	1	3	4	2
(b)	2	1	3	4
(c)	3	4	2	1
(d)	3	1	4	2

Ans. (d) : सही सुमुलित रूप है–

(a) मजदूरी का लौह सिद्धांत	(3) डेविड रिकार्डो
(b) मजदूरी-निधि सिद्धांत	(1) जे.एस. मिल
(c) अतिरेक मूल्य सिद्धांत	(4) कार्ल मार्क्स
(d) सीमांत उत्पादकता सिद्धांत	(2) जे.आर. हिक्स

54. निम्नलिखित में से कौन सी श्रम की सामाजिक सुरक्षा की मद नहीं है?

(a) मजदूरी (b) मातृ प्रासुविधा
(c) पेंशन (d) औद्योगिक चोट

Ans. (a) : श्रमिक को श्रम के प्रतिफल के बदले जो धन प्राप्त होता है उसे ही मजदूरी कहते हैं।

मजदूरी श्रम की सामाजिक सुरक्षा की मद नहीं है, जबकि अन्य शेष तीनों–मातृ प्रासुविधा, पेंशन एवं औद्योगिक चोट इत्यादि श्रम की सुरक्षा की मद है।

55. संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग (जुलाई, 1993) द्वारा अनुमोदित अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ कौन सी नहीं बताई गई हैं?

(a) निजी अनिगमित उद्यम
(b) कोई पूर्ण लेखा उपलब्ध नहीं हैं जो उद्यम की उत्पादन गतिविधियों का वित्तीय अलगाव होने देगा।
(c) आकस्मिक काम या सीमित अल्प समयावधि के काम।
(d) उद्यम का रोजगार आकार एक निश्चित अवसीमा से नीचे होता है।

Ans. (c) : संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग (जुलाई, 1993) द्वारा अनुमोदित अनौपचारिक क्षेत्र की निम्न विशेषताएं बताई गई है–

1. निजी अनिगमित उद्यम।
2. कोई पूर्ण लेखा उपलब्ध नहीं है जो उद्यम की उत्पादन गतिविधियों का वित्तीय अलगाव होने देगा।
3. उद्यम का रोजगार आकार एक निश्चित अवसीमा से नीचे होता है।

जबकि अकस्मिक काम या सीमित अल्प समयावधि के काम अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएं नहीं बताई गई है।

56. निम्नलिखित में से कौन सी तीन स्तरीय सहकारी ऋण ढाँचे में मध्यवर्ती कड़ी है?

(a) राज्य सहकारी बैंक
(b) केन्द्रीय सहकारी बैंक
(c) प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ
(d) नाबार्ड

Ans. (b) : केन्द्रीय सहकारी बैंक तीन स्तरीय सहकारी ऋण ढाँचे की मध्यवर्ती कड़ी है। भारत में सहकारी बैंक ऋण वितरण एवं जमा संग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। भारत में सहकारी बैंकों के तीन स्तर– ग्राम स्तर पर प्राथमिक सहकारी समितियां, जिला स्तर पर केन्द्रीय सहकारी बैंक तथा राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंक है। जो निम्न है–

1. प्राथमिक सहकारी समितियाँ–यह ग्रामीण स्तर पर कृषि क्षेत्र की अल्पकालीन ऋणों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गठित की जाती है। गाँव के कोई भी 10 आदमी मिलकर ऐसी समिति की स्थापना कर सकते है।

2. केन्द्रीय (जिला) सहकारी बैंक–भारत में यह दो प्रकार के है– प्रथम जिनकी सदस्यता केवल सहकारी प्राथमिक समितियों को ही मिल सकती है तथा दूसरा जिनकी सदस्यता प्राथमिक सहकारी समितियों तथा व्यक्तियों दोनों को ही मिल सकती है। इस बैंक द्वारा वे सभी कार्य किये जाते है जो एक व्यापारिक बैंक द्वारा किये जाते है।

3. राज्य सहकारी बैंक–यह राज्य का शीर्ष सहकारी बैंक होता है और राज्य के मुख्यालय पर स्थापित होता है। इसकी अंश पूँजी केन्द्रीय सहकारी बैंक, राज्य सरकार एवं जनता द्वारा मिलकर दी जाती है। इस बैंक का मुख्य कार्य केन्द्रीय सहकारी बैंक को ऋण सुविधाएं प्रदान करना है।

57. उच्च क्षमता मुद्रा है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) केन्द्रीय बैंक में बैंकों की प्रारक्षित राशि।
(b) बैंको के पास मुद्रा।
(c) बैंकों के समस्त ऋण एवं अग्रिम।
(d) जनता के पास करेन्सी एवं बैंकों के नकद रिजर्व।

Ans. (d) : उच्च शक्ति मुद्रा वह होती है जो व्यापारिक बैंकों के पास आरक्षितों और जनता के पास करेंसी के रूप में विद्यमान रहती है।

$$H = C + RR + ER$$

जहाँ H = उच्चशक्ति मुद्रा
C = करेन्सी (नोट + मुद्रा)
RR = आवश्यक रिजर्व
ER = अतिरिक्त रिजर्व

मांग जमा के निर्माण की गुणक प्रक्रिया का आधार होने के कारण H को आधार मुद्रा भी कहा जाता है।

58. अभिकथन (A) : भारत में निवेश कम्पनियाँ अधिक सार्वजनिक बचतें आकर्षित नहीं कर पाई हैं।
तर्क (R) : निवेश कम्पनियाँ शुद्ध वित्तीय मध्यस्थ हैं और कोरपोरेट प्रतिभूतियों में निवेश के लिए सार्वजनिक बचतों को जुटाने में विशेषज्ञता प्राप्त है।

(a) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

Ans. (b) : (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

59. नीचे दिए कोडों से सही उत्तर ज्ञात कीजिए :
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आर.आर.बी.) की मुख्य विशेषताएँ हैं।

I. आर.आर.बी. सामान्यतः सार्वजनिक वाणिज्यिक बैंकों के रूप में 'प्रायोजित बैंक' द्वारा स्थापित किये गये।
II. आर.आर.बी. केवल लघु एवं सीमान्त किसानों, ग्रामीण शिल्पकारों और कृषि श्रमिकों को ऋण एवं अग्रिम सीधे देते हैं।
III. आर.आर.बी. का कार्य क्षेत्र, राज्य में एक या ज्यादा जिलों के निश्चित क्षेत्रों तक सीमित है।
IV. आर.आर.बी. के उधार देने की दरें सहकारी समितियों की प्रचलित उधार दरों से अधिक नहीं होती हैं।

(a) II और III सही है (b) I और III सही है
(c) I, II और IV सही है (d) I, II और III सही है

Ans. (d) : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना 2 अक्टूबर, 1975 में की गई। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की मुख्य विशेषताएं निम्न है–
(I) आर.आर.बी. सामान्यतः सार्वजनिक वाणिज्यिक बैंकों के रूप में 'प्रायोजित बैंक' द्वारा स्थापित किये गये।
(II) आर.आर.बी. केवल लघु एवं सीमांत किसानों, ग्रामीण शिल्पकारों और कृषि श्रमिकों को ऋण एवं अग्रिम सीधे देते है।
(III) आर.आर.बी. का कार्य क्षेत्र, राज्य में एक या ज्यादा जिलों के निश्चित क्षेत्रों तक सीमित है।

60. नीचे दिये कोडों से सही उत्तर ज्ञात कीजिए :
भारतीय रिजर्व बैंक की चयनात्मक ऋण नियन्त्रण की तकनीक :

I. कुछ प्रतिभूतियों के आधार पर ऋणों के लिये अनिवार्य मार्जिन का निर्धारण
II. अग्रिमों की अधिकतम राशि या अन्य वित्तीय समायोजन का निर्धारण
III. कुछ प्रकार के अग्रिमों पर विवेकाधीन ब्याज दरों में परिवर्तन
IV. वाणिज्यिक बैंकों की नगद रिजर्व आवश्यकताओं में परिवर्तन

कोड :

(a) I और II सही है (b) I, II और III सही है
(c) I, II और IV सही है (d) I और IV सही है

Ans. (b) : भारतीय रिजर्व बैंक साख नियंत्रण के लिए दो विधियों का प्रयोग करता है–
1. परिमाणात्मक विधि 2. गुणात्मक विधि

1. मात्रात्मक या परिमाणात्मक तरीका–
(I) बैंक दर
(II) खुली बाजार की क्रियाएं
(III) CRR
(IV) SLR
(V) Repo- { repo rate / reverse repo rate

2. चयनात्मक तरीका–
1. न्यूनतम सीमा या मार्जिन निर्धारण
2. नैतिक दबाव
3. साख मापदण्ड का निर्धारण
4. साख स्वीकरण योजना

61. दो चर के समाश्रयण में Y आश्रित चर है और X स्वतन्त्र चर है। Y और X के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है। इसके लिये निम्नलिखित में से कौन सा परिणाम सही है?

(a) Y में 36% घट-बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।
(b) Y में 60% घट-बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।
(c) Y में 6% घट-बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : दो चरों के समाश्रयण में, Y आश्रित चर है और X स्वतंत्र चर है। Y और X के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है तो Y में 36% घट बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।

62. तीन स्वतन्त्र चरों के साथ बहु-चरीय समाश्रयण में, समाश्रयण गुणांकों का परीक्षण करना होता है। इसके लिए किस परीक्षण का उपयोग किया जायेगा?

(a) Z परीक्षण (b) F परीक्षण
(c) X^2 परीक्षण (d) t परीक्षण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : तीन स्वतंत्र चरों के साथ बहु-चरीय समाश्रयण में, समाश्रयण गुणांकों का परीक्षण करने के लिए t-Test का उपयोग किया जाता है।

63. आगत-निर्गत तकनीक की खोज किसने की है?

(a) गुन्नार मिरडाल (b) वासिली लियोनटीफ
(c) होलिस बी. चेनेरी (d) रोबर्ट सोलो

Ans. (b) : आगत-निर्गत तकनीक की खोज वासिली लियोनटीफ ने की है।

64. रैखिक मकडजाल मॉडल इस रूप में दिया जाता है।

आपूर्ति : $q_t = \alpha + \beta p_{t-1}$

माँग $p_t = \gamma + \delta q_t$

जहाँ $q(0) = q_0$ प्रारम्भिक शर्त है। इस मॉडल के लिए बाजार की स्थिरता इस शर्त की माँग करती है-

(a) $|\delta| < |\beta|$ (b) $|\delta| < \left|\frac{1}{\beta}\right|$

(c) $|\delta| > |\beta|$ (d) $|\delta| = \left|\frac{1}{\beta}\right|$

Ans. (b) : रैखिक मकड़जाल मॉडल–

आपूर्ति $q_t = \alpha + \beta p_{t-1}$

माँग $p_t = \gamma + \delta q_t$

जहाँ $q(0) = q_0$ प्रारंभिक शर्त हो तो इस मॉडल के लिए बाजार की स्थिरता $|\delta| < \left|\frac{1}{\beta}\right|$ शर्त की मांग करती है।

65. रैखिक कार्यक्रम, जिसके दो निर्णय चर हैं, के इष्टतम समाधान सम्बन्धी निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) रैखिक कार्यक्रम का केवल एक समाधान है।
(b) इष्टतम समाधान या तो उग्र बिन्दु है अथवा उस रेखा पर है जो उग्र बिन्दुओं को जोड़ता है।
(c) एक इष्टतम समाधान द्वारा सभी स्रोतों का प्रयोग होना चाहिए।
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (b) : रैखिक कार्यक्रम जिसके दो निर्णय चर है, के इष्टतम समाधान या तो उग्र बिन्दु है अथवा उस रेखा पर है जो उग्र बिन्दुओं को जोड़ता है।

66. उत्पादन फलन $Q=AL^{\alpha}K^{\beta}$, $\alpha, \beta > 0$ दिये जाने पर, स्केल पर आरोही प्रतिफल की माँग है कि

(a) $\alpha + \beta = 1$ (b) $\alpha + \beta = 0$
(c) $\alpha + \beta > 0$ (d) $\alpha + \beta > 1$

Ans. (d) : श्रम एवं पूँजी का उत्पादन के साथ व्यक्त करने वाले फलनात्मक सम्बन्ध को Cobb – Dougles production function कहते है।

$$Q = A.L^{\alpha}.K^{\beta}$$

जहाँ Q = Production
A = Constant
α, β = धनात्मक प्राचल (Positive Parametres)
L = Labour
K = Capital
तथा $\alpha, \beta, L, K > 0$ और $\alpha + \beta = 1$

α तथा β का योग का मान पैमाने के प्रतिफल पर भी निर्भर करता है।

1. $\alpha + \beta = 1$ पैमाने का समप्रतिफल अर्थात् पैमाने के प्रतिफल स्थिर रहते है।
2. $\alpha + \beta < 1$ पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल।
3. $\alpha + \beta > 1$ पैमाने के वृद्धिमान प्रतिफल।

67. माँग फलन के लिए $P = 10 - 3x - x^2$, $x=3$ पर उपभोक्ता अतिरेक क्या होगा?

(a) 16.25 (b) 20.50
(c) 07.50 (d) 12.50

Ans. **(*) :** $P = 10 - 3x - x^2$, $x = 3$
$P = 10 - 3 \times 3 - (3)^2$
$P = 10 - 9 - 9$
$P = 10 - 18$
$P = -8$

68. निम्नलिखित जीवन-तालिका से, 4 वर्ष की आयु (e_4) पर जीवन-संभावित का पता लगाइए।

आयु	q_x	l_x	d_x	L_x	T_x	e_x
4	0.00019 4	9920 8	1 9	99,19 9	?	?
5	0.00017 7	9918 9	1 8	?	7,246,66 3	73. 1

(a) 72.0 (b) 73.0
(c) 74.0 (d) 75.0

Ans. (c) : $L_x = \frac{\ell_x + \ell_{x+1}}{2} = \frac{99208 + 99189}{2}$

$= 148802.5$

$T_x = T_{x+1} + L_x$

$= 7,246663 + 148802.5 = 7395465.5$

$e_x = \frac{T_x}{\ell_x} = \frac{7395465.5}{99208} = 74.54 = 74$

जीवन तालिका से 4 वर्ष की आयु (e_4) पर जीवन संभावित 74.0 होगा।

69. परिकल्पित जनसंख्या प्रजनन अनुमानों के लिए सूची I और सूची II को सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) कुल दम्पति प्रजनन दर	(i) 4.0
(b) सामान्य प्रजनन दर	(ii) 1.3
(c) सकल पुनरोत्पादन दर	(iii) 39.1
(d) कुल प्रजनन दर	(iv) 0.7

कोड-

	a	b	c	d
(a)	1	2	3	4
(b)	4	2	3	1
(c)	2	4	3	1
(d)	1	3	4	2

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : (a) कुल दम्पत्ति प्रजनन दर (1) 4.0
(b) सामान्य प्रजनन दर (3) 39.1
(c) सकल पुनरोत्पादन दर (4) 0.7
(d) कुल प्रजनन दर (2) 1.3

70. वेरडून का नियम किसके बारे में है?

(a) जनसंख्या की वृद्धि, रोजगार और उत्पादन का प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि के बीच सकारात्मक सम्बन्ध है।
(b) जनसंख्या की वृद्धि, रोजगार और उत्पादन का प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि के बीच नकारात्मक सम्बन्ध है।
(c) जनसंख्या की वृद्धि और रोजगार के बीच सकारात्मक सम्बन्ध है।
(d) जनसंख्या की वृद्धि और रोजगार के बीच नकारात्मक सम्बन्ध है।

Ans. (a) : वेनडून का नियम जनसंख्या वृद्धि, रोजगार और उत्पादन का प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि के बीच नकारात्मक सम्बन्ध के बारें में बताता है।

71. मानक समाश्रवण मॉडल सम्बन्धी निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

(a) Y में संभाव्यता वितरण है।
(b) X में संभाव्यता वितरण है।
(c) त्रुटि पद X से सहसम्बन्धित माने जाते हैं।
(d) एक उपयुक्त मॉडल के लिए अवशेष $(\hat{u})$ सभी सेंपल डाटा बिन्दुओं के लिए शून्य होगा।

Ans. (a) : मानक समाश्रवण मॉडल Y में संभाव्यता वितरण है।

72. एक त्रिकोण अथवा पुनरावर्ति प्रणाली के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(i) प्रत्येक समीकरण के लिए ओ एल एस (OLS) के अलग अनुप्रयोग से पैरामीटरों का वैधता से अनुमान लगाया जा सकता है।
(ii) स्वतन्त्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पदों से सहसम्बन्धित हो सकते हैं।
(iii) 2 SLS का अनुप्रयोग पक्षपातहीन परन्तु अप्रभावी पैरामीटर अनुमानों की ओर ले जाएगा।
(iv) स्वतन्त्र चर समीकरणों के त्रुटि पदों, जिनमें वे स्वतन्त्र चर लगते हैं, से सहसम्बन्धित हो।

(a) केवल (ii) और (iv) सही है।
(b) केवल (ii) और (iii) सही है।
(c) केवल (i), (ii) और (iii) सही है।
(d) केवल (i), (ii), (iii) और (iv) सही है।

Ans. (c) : एक त्रिकोण अथवा पुनरावर्ति प्रणाली के सम्बनध में निम्नलिखित कथन सत्य है–
(i) प्रत्येक समीकरण के लिए OLS के अलग अनुप्रयोग से पैरामीटरों का वैधता से अनुमान लगाया जा सकता है।
(ii) स्वतंत्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पदों से सहसम्बन्धित हो सकते है।
(iii) 2 SLS का अनुप्रयोग पक्षपातहीन परन्तु अप्रभावी पैरामीटर अनुमानों की ओर ले जाएगा।

73. OLS आकलन के क्या परिणाम होंगे यदि समाश्रयण मॉडल में विषम विसारिता हो पर जिसे नजर-अन्दाज कर दिया गया हो?

(a) यह पक्षपातपूर्ण होगा।
(b) यह असंगत होगा।
(c) यह अक्षम होगा।
(d) (a), (b) और (c) सभी सही होंगे

Ans. (c) : OLS आकलक अक्षम होगा यदि समाश्रयण मॉडल में विषम विसारिता हो पर जिसे नजर-अन्दाज कर दिया गया हो।

74. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) एकम् मूल परीक्षण	(1) डरविन वाटसन परीक्षण
(b) आकस्मिक तालिका	(2) विद्यार्थियों का टी-परीक्षण
(c) समाश्रयण गुणांक	(3) स्थिरता
(d) स्वःसहसम्बन्ध	(4) χ^2 परीक्षण

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	2	3	1	4
(b)	4	2	3	1
(c)	3	4	2	1
(d)	3	2	1	4

Ans. (c) :
(a) एकम् मूल परीक्षण (3) स्थिरता
(b) आकस्मिक तालिका (4) χ^2 परीक्षण
(c) समाश्रयण गुणांक (2) विद्यार्थियों का T–परीक्षण
(d) स्वः सहसम्बन्ध (1) डरबिन–वाटसन परीक्षण

75. मानक संकेतन का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित समीकरणों के सिस्टम पर विचार कीजिए

$$Y_1 = \alpha_0 + \alpha_1 Y_2 + \alpha_3 Y_3 + \alpha_4 X_1 + \alpha_5 X_2 + u_1$$
$$Y_2 = \beta_0 + \beta_1 Y_3 + \beta_2 Y_1 + \beta_3 X_2 + u_2$$
$$Y_3 = \gamma_0 + \gamma_1 X_1 + \gamma_2 X_2 + \gamma_3 X_3 + u_3$$

क्रमानुसार प्रथम समीकरण है।

(a) अनिभिज्ञेय'
(b) अभी अभिज्ञेय
(c) अति अभिज्ञेय
(d) यह बताना संभव नहीं है कि समीकरण अभिज्ञेय है अथवा नहीं क्योंकि मॉडल का लघु रूप नहीं दिया गया है।

Ans. (a) : $y_1 = \alpha_0 + \alpha_1 y_2 + \alpha_3 + \alpha_4 x_1 + \alpha_5 x_2 + u_1$
$y_2 = \beta_0 + \beta_1 y_3 + \beta_2 y_1 + \beta_3 x_2 + u_2$
$y_3 = \gamma_0 + \gamma_1 x_1 + \gamma_2 x_2 + \gamma_3 x_3 + u_3$
यह समीकरण अनभिज्ञेय (Unidentified) है। क्योंकि समीकरण में कुल चर y_1, y_2, y_3, x_1, x_2 और x_3 है। पहले समीकरण में x_3 चर नहीं है, यह छूटा हुआ है।
अतः यह समीकरण अनभिज्ञेय है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2014
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से किसने उपयोग मूल्य और विनिमय मूल्य के बीच भेद किया है और हीरे और जल का प्रसिद्ध उदाहरण पेश किया?

(a) एडम स्मिथ (b) डेविड रिकार्डो

(c) अल्फ्रेड मार्शल (d) कार्ल मार्क्स

Ans. : (a) "उपयोगिता (Utility) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ब्रिटिश अर्थशास्त्री जेरेमी बेन्थम (1748-1832) ने किया। वही एडम स्मिथ (1723-1790) ने 'उपयोग' शब्द का प्रयोग मूल्य और विनिमय के बीच सम्बन्ध स्थापित करने के लिए किया तथा हीरा-पानी विरोधाभास (water-Diamond Paradox) का प्रसिद्ध उदाहरण दिया जिसका अभिप्राय यह है कि हीरे का मूल्य उच्च होता है जबकि ये जीवन के लिए अनावश्यक है वही पानी का मूल्य कम होता है जो जीवन के लिए अति आवश्यक है।

2. दो उपभोक्ता A और B और दो वस्तु X और Y की अर्थव्यवस्था में, उत्पादन और विनिमय का सामान्य संतुलन तब होगा जब :

(a) $MRT_{XY} = \left(\frac{P_X}{P_Y}\right)$

(b) MRT_{XY} A और B के लिए $= \left(\frac{P_X}{P_Y}\right)$

(c) $MRT^A_{XY} = MRS^B_{XY}$

(d) $MRT_{XY} = MRS^A_{XY} MRS^B_{XY}$

Ans. : (d) $MRT_{xy} = MRS^A_{xy} = MRS^B_{xy}$

यह सन्तुलन की स्थिति है तब प्रतिस्थापन की सीमान्त दर दो व्यक्तियों में समान होती है तथा तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर एक कारक तथा अन्य कारकों के लिए उत्पादन में समान होती हैं और जब दो वस्तुओं के बीच सीमांत दर का परिवर्तन, प्रत्येक व्यक्ति के दोनों वस्तुओं की खपत के बीच प्रतिस्थापन के बराबर होता है।

3. जब आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली बन जाता है, तो श्रम आपूर्ति वक्र

(a) धनात्मक रूप से ढलवाँ होगी।

(b) ऋणात्मक रूप से ढलवाँ होगी।

(c) पीछे की ओर मुड़ेगी।

(d) ऊपर की ओर चढ़ेगी।

Ans. : (c) जब आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली बन जाता है, तो श्रम आपूर्ति वक्र पीछे की ओर मुड़ जाती है (Backward Bending) हो जाती है।

बिन्दु आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक है।

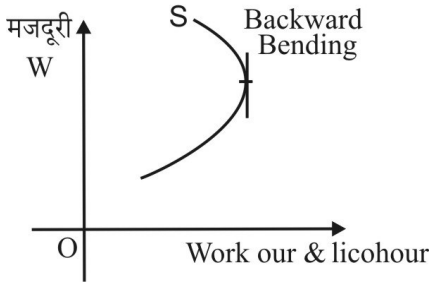

4. अभिकथन (A) : एकाधिकारी के लिये आपूर्ति वक्र की अवधारणा कोई अर्थ नहीं रखती है।

कारण (R) : एकाधिकारी गण मूल्य निर्धारक होते हैं, और विभिन्न कीमतों पर वे क्या उत्पादन करेंगे यह पूछना कोई मायने नहीं रखता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।

(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(d) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।

Ans. : (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है और (R) की (A) की सही व्याख्या करता है क्योंकि एकाधिकारी Price takers नहीं बल्कि Price makers होती है अर्थात एकाधिकारी अपनी उत्पाद विभिन्न कीमतों पर बेचती है इसलिये उनका कोई आपूर्ति वक्र नहीं है।

5. कीमत निर्धारण की स्वार्थचालित नीति किस लिये बनाई जाती है?

(a) प्रतियोगियों को कारोबार से बाहर निकालने के लिये

(b) लाभ अधिकतम करने के लिये

(c) प्रवेशियों को बाजार में प्रवेश हेतु प्रोत्साहित करने के लिए

(d) न्यूनतम लागत पर उत्पादन प्राप्त करने के लिए

Ans. : (a) स्वार्थचालित मूल्य निर्धारण नीति का प्रयोग एक उद्यमी तब करता है जब किसी प्रतियोगी को बाजार से निष्काषित करने के लिए लम्बे समय तक कम मूल्य लेता है या किसी को बाजार में प्रवेश करने से रोकता है और तब अपने घाटे को पूरा करने के लिए मूल्यवृद्धि कर देता है। उद्यम की गतिविधियों का विविधीकरण बाजार और उत्पाद के सम्बन्ध में और अधिक से अधिक वित्तीय संसाधन स्वार्थचालित प्रवृत्तियों को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I	सूची-II
a. पृथक्करण परिकल्पना	1. जॉर्ज ए.अकरलॉफ
b. कार्य बाजार (जॉब मार्किट) संकेतन	2. के.जे.एरो
c. चिकित्सा बीमा की स्थिति में नैतिक संकट की समस्या	3. एम.स्पेंसर
d. नीबूओं का बाजार	4. पॉल डब्ल्यू.मिल्लर तथा पॉल ए.वॉलकर

कूट :

	a	b	c	d		a	b	c	d
(a)	3	2	4	1	(b)	2	3	4	1
(c)	4	3	2	1	(d)	2	4	3	1

Ans. : (c)
(a) पृथक्करण परिकल्पना – (4) पॉल डब्ल्यू. मिल्लर तथा पॉल ए. वॉलकर।
(b) कार्य बाजार (जॉब मार्किट) संकेतन – (3) एम. स्पेंसर
(c) चिकित्सा बीमा की स्थिति में नैतिक संकट की समस्या – (2) के.जे.ऐरो
(d) नीबूओं का बाजार – (1) जॉर्ज ए. अकरलॉफ

7. जिस उद्योग की दीर्घकालिक आपूर्ति वक्र क्षैतिज होती है वो क्या कहलाता है?

(a) स्थिर लागत उद्योग (b) वर्धमान लागत उद्योग
(c) ह्रासमान लागत उद्योग (d) कार्यकुशल/दक्ष उद्योग

Ans. : (a) यदि किसी उद्योग की दीर्घकालिक आपूर्ति वक्र क्षैतिज है तो इसका मतलब यह हुआ कि आपूर्ति वक्र की लोच अनन्त होगी अर्थात् दी हुई कीमत पर उद्योग जितनी चाहे उतनी मात्रा बेच सकता है। जो कि स्पष्ट रूप से यह बताता है कि उद्योग की लागत स्थिर है।

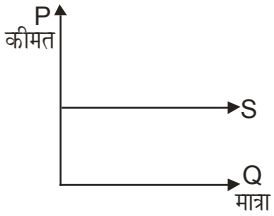

8. प्रत्येक उपभोक्ता से संरक्षित कीमत (रिज़र्वेशन प्राइस) लेने की प्रथा क्या है?

(a) चरम भार कीमत निर्धारण
(b) अंतःकालिक कीमत विभेदीकरण
(c) प्रथम कोटि का कीमत विभेदीकरण
(d) तृतीय कोटि का कीमत विभेदीकरण

Ans. : (c) संरक्षित कीमत (Reservation Price) प्रथम कोटि के विभेदीकरण का हिस्सा है। इसको पूर्ण कीमत विभेदीकरण (Perfect Price discrimination) के नाम से भी जाना जाता है। यह तब होता है जब वस्तु की कीमत और सीमान्त आय परस्पर बराबर होते हैं। पूर्ण विभेदीकरण (Perfect Price Disrimination) में एकाधिकारी के वस्तु का मांग वक्र (demand curve) उसका सीमान्त आय (Marginal Revenue) भी होता है।

9. संघर्षजनित या अस्थायी बेरोजगारी निम्नलिखित में से किस नाम से जानी जाती है?

(a) प्रच्छन्न बेरोजगारी
(b) पण्यावर्त (टर्नओवर) बेरोजगारी
(c) चक्रीय बेरोजगारी
(d) संरचनात्मक बेरोजगारी

Ans. : (b) संघर्ष (Frictional unemployment) या अस्थायी बेरोजगारी पाण्यावर्त (Turnover) बेरोजगारी के नाम से भी जानी जाती है।

10. निम्नलिखित उपभोग परिकल्पनाएँ जिस क्रम में अर्थशास्त्र के साहित्य में दिखाई पड़ती है उन्हें आरोही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

1. निरपेक्ष आय परिकल्पना 2. स्थायी आय परिकल्पना
3. जीवन चक्र परिकल्पना 4. सापेक्ष आय परिकल्पना

कूट :

(a) 1, 3, 4, 2 (b) 1, 2, 4, 3
(c) 1, 4, 3, 2 (d) 1, 3, 2, 4

Ans. : (c) निरपेक्ष आय परिकल्पना – 1935
सापेक्ष आय परिकल्पना – 1975
जीवन वक्र परिकल्पना – 1963
स्थायी आय परिकल्पना – 1949

11. निम्नलिखित प्रकार के आय निर्धारण मॉडल की कल्पना करें:

$C = a + b\,Y^d$

$Y^d = Y - T$

$T = T_0 + t_1.Y$

$I = \bar{I}$

$G = \bar{G}$

$Y = C + I = G$

जहाँ C = उपभोग व्यय, Y = आय, Y^d = प्रयोज्य आय, T = कर, T_0 = Tan

जहाँ $Y = 0$ है, t_1 = सीमान्त कर दर, I = निवेश व्यय, G = सरकारी व्यय, और चर

पर श्लाका सूचित करती है कि यह स्वचालित चर हैं। तो फिर T_0 सोपेक्ष कर गुणक है

(a) $\frac{1}{1-b+bt_1}$ (b) $\frac{-b}{1-b+bt_1}$

(c) $\frac{1-b}{1-b+bt_1}$ (d) $\frac{1}{1-b+bt_1}$

Ans. : (b) दिये गये मॉडल में T_0 के सापेक्ष कर गुणक $\frac{-b}{1-b+bt_1}$ है।

12. समग्र माँग के निम्नलिखित अवयवों में से कौन सा स्व-विरामी तथा स्व-वित्तपोषणीय है?

(a) निवेश व्यय (b) टिकाऊ
(c) गैर-टिकाऊ उपभोग व्यय (d) सरकारी व्यय

Ans. : (b) समग्र मांग के दिये गये अवयवों में से टिकाऊ उपभोग व्यय स्व–विरामी तथा स्व–वित्त पोषणीय है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. मुद्रा आपूर्ति की समस्त चार अवधारणाओं M_1, M_2, M_3 और M_4 को उनकी तरलता के सम्बन्ध में आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(a) M_3, M_2, M_1 और M_4 (b) M_1, M_2, M_3 और M_4

(c) M_4, M_2, M_3 और M_1 (d) M_4, M_3, M_2 और M_1

Ans. : (d) M (Money Supply) = $M_1 + M_2 + M_3 + M_4$

जहाँ M_1 = CC + DD + OD

$M_2 = M_1$ + डाकघर की बचत राशियाँ

$M_3 = M_1$ + बैंकों में आवर्त जमा

$M_4 = M_3$ + कुल डाकघर जमा

एवं तरलता के क्रम में,

$M_1 > M2 > M_3 > M_4$

14. मुद्रा की माँग को पोर्टफोलियों थ्योरी उपागम के रूप में निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने प्रस्तुत किया?

1. जे.एम.कीन्स 2. बामोल
3. जेम्स टोबिन 4. मिल्टन फ्रीडमैन

कूट :

(a) 1, 2 (b) 3, 4

(c) 1, 2, 3 (d) 2, 3, 4

Ans. : (b) James Tobin (1958) और Milton friedman (1956) ने मौद्रिक माँग के अन्तर्गत पोर्टफोलियों (Portfolio) Approach की नींव रखी।

15. फिलिप्स वक्र की विशेषता निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है?

(a) कीमत प्रत्याशाएँ अनुकूली होती हैं।

(b) जब मौद्रिक मजदूरी स्थिर होती है तो बेरोजगारी की दर $5\frac{1}{2}$ प्रतिशत होती है।

(c) कीमत प्रत्याशाएँ स्थिर होती है।

(d) फिलिप्स वक्र के इर्द-गिर्द फन्दा होता है।

Ans. : (a) फिलिप्स वक्र ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए.डब्ल्यू. फिलिप्स द्वारा 1958 में प्रस्तुत किया गया। फिलिप्स ने ब्रिटेन के 1861–1957 के बीच बेरोजगारी के प्रतिशतों तथा मौद्रिक मजदूरी दरों में होने वाले परिवर्तनों के प्रतिशतों से सम्बन्धित आकड़ों का विश्लेषण किया और सम्बन्धित आकड़ों के आधार पर प्रो0 फिलिप्स ने यह बताया कि बेरोजगारी की दर और मौद्रिक मजदूरी में विपरीत सम्बन्ध होता है। बाद में इसका प्रयोग बेरोजगारी तथा मुद्रा स्फीति में संबंध दिखाने के लिए किया जाने लगा।

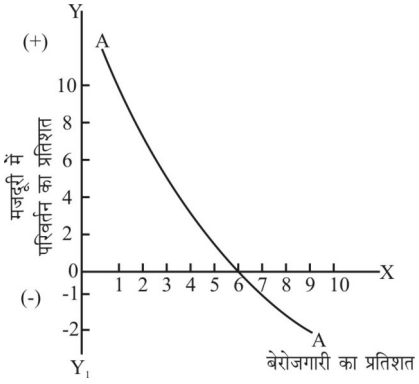

प्रस्तुत चित्र AA फिलिप्स वक्र के नाम से जाना जाता है। नीचे की ओर गिरता हुआ वक्र यह दर्शाता है कि बेरोजगारी का स्तर बढ़ाकर कीमतों की वृद्धि दर में कमी लाई जा सकती है। इस प्रकार फिलिप्स वर्क की निम्नलिखित विशेषताएँ है–

(1) फिलिप्स वक्र ने यह प्रदर्शित किया कि मुद्रा–स्फीति तथा बेरोजगारी दोनों साथ-साथ रह सकते है।

(2) जिस अवधि का विश्लेषण फिलिप्स ने किया उस अवधि में 'मांग प्रेरक तत्व' लागत वर्धक तत्व की अपेक्षा अधिक बलवान थे।

(3) फिलिप्स ने यह प्रदर्शित किया कि ब्रिटेन में बेरोजगारी की $5\frac{1}{2}\%$ की दर मजदूरी की स्थिरता बनाये रखने के लिये आवश्यक थी तथा बेरोजगारी की $2\frac{1}{2}\%$ की दर मूल्य स्थिरता के लिए आवश्यक थी।

(4) फिलिप्स ने यह सामने रखा कि मांग वृद्धि स्फीति की स्थिति को प्रतिबंधित मौद्रिक तथा राजकोषीय नीतियों के द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है पर 'लागत वृद्धि स्फीति' को नियंत्रित करने में ये नीतियां सफल नहीं होती है। मौद्रिक तथा राजकोषीय प्रतिबन्ध पर्याप्त मात्रा में बेरोजगारी सृजित करके 'मजदूरी वर्धित स्फीति' को नियंत्रित कर सकते है।

16. 'क्राऊडिंग आऊट इफेक्ट' शून्य हो जाता है जब

(a) तरलता जाल की स्थिति है, या निवेश पूर्णतया ब्याज बेलोचदार है।

(b) मौद्रिक माँग पूर्णतया ब्याज बेलोचदार है, या निवेश पूर्णतया ब्याज लोचदार है।

(c) आई.एस. वक्र गिर रही है और एल.एम. वक्र ऊपर की ओर बढ़ रही है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. : (a) "Crowding out effect" शून्य तब होता है जब-

(i) तरलता जाल की स्थिति हो,

(ii) निवेश ब्याज के पूर्वतया अलोचदार हो (IS लम्बवत हो)

(iii) मध्यवर्ती अलचीली स्थितियाँ हो अर्थात् IS वक्र गिर रहा हो तथा LM वक्र ऊपर की तरफ बढ़ रहा हो।

17. भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं को संकट में डाले बगैर वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करना क्या है?

(a) आर्थिक विकास (b) सामाजिक विकास

(c) धारणीय विकास (d) आर्थिक संवृद्धि

Ans. : (c) 1982 के दशक में प्रकृति के संरक्षण के लिए विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WCED) द्वारा अध्ययन कर 'Our Common Future' नाम से रिपोर्ट जारी की गई जिसे Brundtland रिपोर्ट भी कहते है। इसे UN ने 1987 में स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में धारणीय विकास की परिभाषा इस प्रकार दी– विकास को संपोषी बनाने की क्षमता यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया जाये किन्तु साथ ही भावी पीढ़ियों द्वारा उनकी अपनी आवश्यकताओं को पूरा करके आने वाली पीढ़ियों की क्षमताओं का अतिक्रमण न किया जाय। अतः यह एक बहुत ही व्यापक धारणा है। (S.D.) मुख्यतः अंतर–पीढ़ी संकल्पना है तथा यह अंतर पीढ़ी संतुलन की बात करता है।

$$S.D = \frac{Development + Environment}{Income + Non - income}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. हैरोड-डोमर मॉडल में पूर्ण क्षमता (या समर्थता) संवृद्धि दर को निम्नलिखित नाम से भी जाना जाता है:

(a) वास्तविक संवृद्धि दर
(b) समर्थित या अभीष्ट संवृद्धि दर
(c) प्राकृतिक संवृद्धि दर
(d) अपेक्षित संवृद्धि दर

Ans. : (b) हैरड-डोमर मॉडल में पूर्ण क्षमता (या समर्थता) संवृद्धि दर को समर्थित या अभीष्ट संवृद्धि दर नाम से जाना जाता है। अभीष्ट वृद्धि दर वह दर है जिस पर जो कुछ भी उत्पादक कर रहे है, सन्तुष्ट होगें। यह उधमीय सन्तुलन है, यह उन्नति की रेखा है जो यदि प्राप्त हो जाए तो लाभ प्राप्तकर्ताओं को सन्तुष्ट करेगी। अभीष्ट वृद्धि दर पर मांग इतनी ऊँची होती है कि व्यापारियों ने जितना उत्पादन किया है बेच सकते हैं और वे उसी वृद्धि को प्रतिशत दर से लगातार उत्पादन करते रहेंगे। इस प्रकार वृद्धि दर का समीरण है-
Gw.Cr = S

19. एच.डी.आई. (H.D.I.) के आविष्कारक है :

I. हेरिस-टुडैरो
II. मेघनाद देसाई
III. रॉबर्ट सोलो
IV. अमर्त्य सेन

कूट :

(a) I और II सही हैं।
(b) I और III सही हैं।
(c) III और IV सही हैं।
(d) II और IV सही हैं।

Ans. : (*) Human Development Index (HDI) के आविष्कारक महबूब उल हक, अमर्त्य सेन हैं। पहली HDI Report 1990 में प्रकाशित हुई इसके तीन कम्पोनेन्ट -जीवन प्रत्याशा, शिक्षा, और आय स्तर हैं। HDI इन तीनों का गुणात्मक मान होता है। जिसकी Value 0 से 1 के बीच होती है। उपर्युक्त उत्तर में कोई विकल्प सही नहीं है।

20. पी.क्यू.एल.आई.(PQLI) के संघटक है :

I. रूग्णता
II. शिशु मृत्यु
III. एक वर्ष की आयु पर जीवन प्रत्याशा
IV. 15 वर्ष की आयु पर मौलिक साक्षरता

कूट :

(a) I, III और IV सही हैं।
(b) III, II और IV सही हैं।
(c) I, II और III सही हैं।
(d) IV, I और II सही हैं।

Ans. : (b) जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक (PQLI) को मौलिक रूप से देने का विचार जॉन टिनवर्जन (1976) को जाता है पर इसे मारिश डी मारिश के नाम से जाना जाता है। जिन्होंने जीवन प्रत्याशा, बाल मृत्यु दर तथा साक्षरता तीनों को मिलाकर PQLI का निर्माण किया जिससे यह निष्कर्ष निकाला कि प्रति व्यक्ति ऊँची GNP इस बात का आश्वासन नहीं देती है कि कल्याण का स्तर ऊंचा है।
PQLI का अधिकतम मूल्य 100 तथा न्यूनतम मूल्य 1 होगा। PQLI का 100 की ओर बढ़ना उत्तम स्थिति का तथा 1 की ओर जाना खराब स्थिति का परिचालक होगा।

21. अभिकथन (A) : सभी आर्थिक घटनाएँ, समाज में भिन्न वर्गों और समूहों के बीच अनवरत आर्थिक संघर्ष का परिणाम होता हैं।
कारण (R) : इस संघर्ष का मुख्य कारण 'उत्पादन के तरीके' और 'उत्पादन के सम्बन्धों' के बीच संघर्ष है।
कूट :

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों सही है।

Ans. : (d) उपर्युक्त कथन में अभिकथन और कारण मार्क्स के आर्थिक विकास के ''इतिहास के भौतिकवादी व्याख्या'' के भाग हैं जिसके अर्न्तगत मार्क्स ने यह दर्शाने की कोशिश की है कि विभिन्न समूहों के बीच निरन्तर संघर्ष के कारण ही सभी ऐतिहासिक घटनाएँ निर्मित होती हैं और इन संघर्षों का प्रमुख कारण उत्पादन के साधन और उत्पादन के संबंधों के बीच असामंजस्य के कारण होता है।

22. सूची-I में दी मदों को सूची-II के साथ मिलान करें :

सूची-I	सूची-II
a. झुण्ड समान गुच्छ	1. ब्रंटलैण्ड रिपोर्ट
b. पूँजी का जैव संयोजन	2. रेगनर नर्स्के
c. धारणीय विकास	3. शुम्पीटर
d. गरीबी का दुष्चक्र	4. कार्ल मार्क्स

कूट :

	a	b	c	d
(a)	4	2	3	1
(b)	3	4	1	2
(c)	1	3	2	4
(d)	2	1	4	3

Ans. : (b) सही रूप में सुमेलित है–
(a) झुण्ड समान गुच्छ – (3) शुम्पीटर
(b) पूंजी का जैव संयोजन – (4) कार्ल मार्क्स
(c) धारणीय विकास – (1) ब्रंटलैण्ड रिपोर्ट
(d) गरीबी का दुष्चक्र – (2) रेगनर नर्क्स।

23. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें :

सूची-I	सूची-II
A. निम्न स्तरीय संतुलन फन्दा	1. साइमन कुज़नेट
B. औंधी 'V' आकार की आय आय वितरण परिकल्पना	2. नेल्सन
C. अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त	3. आर्थर लेविस
D. श्रम की असीमित आपूर्ति	4. रॉबर्ट सोलो

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	21	4	3		(b)	3	2	1	4
(c)	43	2		1	(d)	1	4	3	2

Ans. : (a)
(a) निम्न स्तरीय संतुलन फन्दा – (2) नेल्सन।
(b) औंधी 'V' आकार की आय वितरण परिकल्पना – (1) साइमन कुजनेट।
(c) अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त – (4) राबर्ट सोलो।
(d) श्रम की असीमित आपूर्ति – (3) आर्थर लेविस।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. हिन्दुओं की संवृद्धि दर के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही है?

(a) यह हिन्दुओं की जनसंख्या की आर्थिक संवृद्धि दर के बारे में है।

(b) भारत में भिन्न सामाजिक समूहों के बीच आर्थिक विषमताओं को दर्शाता है।

(c) भारतीय अर्थव्यवस्था की 1950-80 के दौरान निम्न संवृद्धि निष्पपन्नता प्रकट करता है।

(d) भारत में 1980 से त्वरित संवृद्धि का संकेत करता है।

Ans. : (c) प्रो0 राजकृष्णा ने स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम तीन दशकों में अर्थव्यवस्था के विभिन्न घटकों का विश्लेषण किया। उनका यह मानना था कि भारतीय अर्थव्यवस्था GDP के 3.5% वार्षिक संवृद्धि के निम्न स्तरीय संतुलन जाल में अवरूद्ध हो गई है जिसे हिन्दू वृद्धि दर की संज्ञा दी गई है। उनका मानना था कि हिन्दू वृद्धिदर, हिन्दू जीवन शैली की अंतर्निहित अपरिवर्तनीयता के समान थी। स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम तीन दशकों में भारत की GDP दर का औसत वार्षिक स्तर निम्न प्रकार था–

1950 – 1960 – 3.9%
1960 – 1970 – 3.7%
1970 – 1980 – 3.1%
1950 – 1980 – 3.5%

25. भारत में आर्थिक सुधारों की सफलता के बारे में गलत कथन ज्ञात करें।

(a) जनांकिकीय लाभांश के फायदे

(b) सकल घरेलू बचतों में कॉरपोरेट क्षेत्र का वर्धित हिस्सा

(c) चालू खाते के घाटे का संकुचित होना

(d) जनसंख्या वृद्धि दर का धीमा होना

Ans. : (d) भारत में आर्थिक सुधारों की सफलता के बारे में निम्न कथन सत्य है–

(1) जनांकिकीय लाभांश के फायदे।

(b) सकल घरेलू बचतों में कॉरपोरेट क्षेत्र का वर्धित हिस्सा।

(c) चालू खाते के घाटे का संकुचित होना।

जबकि जनसंख्या वृद्धि दर का धीमा होना। कथन गलत है।

26. भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में न सम्मिलित की जाने वाली गतिविधि बताएँ।

(a) विनिर्माण (b) निर्माण

(c) खदान (d) विद्युत

Ans. : (b) निर्माण (Construction), Service Section का भाग है।

27. किस उद्योग का अधिक विकास भविष्य में औद्योगिक विकास के लिए धनात्मक संकेत देता है?

(a) पूँजीगत वस्तुओं के उद्योग

(b) मूलभूत वस्तुओं के उद्योग

(c) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उद्योग

(d) मध्यवर्ती वस्तुओं के उद्योग

Ans. : (a) पूंजीगत वस्तुओं के उद्योग का अधिक विकास भविष्य में औद्योगिक विकास के लिए धनात्मक संकेत देता है।

28. वो पद्धति कौन सी है जो भारत में एन.एस.एस.ओ. द्वारा बेरोजगारी के आकलन के लिये उपयोग नहीं की जा रही है?

(a) चालू मासिक प्रास्थिति

(b) चालू दैनिक प्रास्थिति

(c) चालू साप्ताहिक प्रास्थिति

(d) प्रायिक प्रधान एवं गौण प्रास्थिति

Ans. : (a) भारत में बेरोजगारी की समस्या के अध्ययन एवं समाधान के सम्बन्ध में सुझाव के लिए 1973 में बी. भगवती की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। समिति ने बेरोजगारी के माप के संबंध में तीन धारणाओं को प्रस्तुत किया, जिसे NSSO के 27वें चक्र से प्रयोग में लाया जा रहा है–

(1) चालू दैनिक स्थिति– (CDS)–यदि कोई व्यक्ति संदर्भित दिन में कार्य नहीं पाया है और वह कार्य करने के लिए इच्छुक है तो वह दैनिक स्थिति का बेरोजगार है।

(2) चालू साप्ताहिक स्थिति (CWS)–यदि कोई व्यक्ति संदर्भित सप्ताह में एक घण्टा भी काम नहीं पाया हो पर काम ढूँढ रहा है तो उसे साप्ताहिक स्थिति के बेरोजगार कहेगें।

(3) सामान्य स्थिति (US)–यदि संदर्भित वर्षों में कोई व्यक्ति कोई कार्य नहीं पा रहा है या लम्बे समय तक रोजगार का प्रतीक्षा कर रहा हो तो हम उसे सामान्य स्थिति का बेरोजगार कहेंगे।

29. प्रत्येक वित्तीय वर्ष में व्यय की प्रत्येक मद के पुनर्मूल्यांकन करने के पश्चात् बजट बनाने की प्रक्रिया को कहते हैं।

(a) निष्पन्नता बजटन

(b) नव बजटन

(c) डेबिट (नामे) बजटन

(d) शून्य आधार बजटन

Ans. : (d) शून्य आधार बजट का प्रतिपादन पीटर पायर ने 1970 में किया। बजट की वह प्रक्रिया जिसमें किसी भी विभाग अथवा संगठन द्वारा प्रस्तावित प्रत्येक मद पर पुनर्विचार करके प्रत्येक मद कों बिल्कुल नूतन मद (शून्य) मानते हुए उसका नये सिरे से मूल्यांकन करना ही शून्य प्रणाली बजट कहलाता है। इसमें बजट अनुमान शून्य से प्रारंभ किये जाते है तथा गत वर्षों के व्यय सम्बन्धी आकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता। इस प्रणाली में कार्य इस आधार पर प्रारंभ किया जाता है कि अगली अवधि के लिए बजट शून्य है, जब तक कि प्रत्येक रूपये की मांग का किसी भी कार्य अथवा परियोजना या क्रिया का औचित्य नहीं दिया जाता। शून्य आधार बजट के अन्तर्गत प्रत्येक कार्य व प्रक्रिया में लागत–लाभ विश्लेषण किया जाता है तथा बजट निर्माण करते समय उसका औचित्य बताना पड़ता है। इस बजट प्रणाली में कार्यात्मक प्रेरित व्यय विधि के स्थान पर कार्यक्रम प्रेरित व निर्णय प्रेरित व्यवस्था का पालन किया जाता है तथा व्यय के प्रत्येक मद का मूल्यांकन उसके गुण तथा वांछनीयता के आधार पर किया जाता है।

30. भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार आरोही मानव विकास सूचकांक के सम्बन्ध में राज्यों की श्रेणी निर्धारित करें :

I. बिहार II. गुजरात

III. ओडिसा IV. तमिलनाडु

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) III, I, II, IV
(c) I, III, IV, II (d) III, II, I, IV

Ans. : (b) भारत मानव विकास रिपोर्ट वर्ष 2011 के अनुसार मानव विकास सूचकांक में राज्यों का आरोही क्रम निम्नवत् है–
(III) ओड़िशा
(I) बिहार
(II) गुजरात
(IV) तमिलनाडु
भारत मानव विकास रिपोर्ट वर्ष, 2015 के अनुसार मानव विकास सूचकांक में राज्यों का क्रम निम्नवत् है।
(1) केरल
(2) दिल्ली
(3) हिमांचल प्रदेश
(4) गोआ
2016 में UNDP के आकड़ों के अनुसार भारत का स्थान HDI में 131 वां है।

31. दो राष्ट्रों के बीच वस्तु की सापेक्ष कीमतों में अन्तर को निम्नलिखित में अन्तर पर आधारित किया जा सकता है :

(a) साधन उपलब्धता (b) प्रौद्योगिकी
(c) रूचि (d) उपर्युक्त सभी

Ans. : (d) दो राष्ट्रों के बीच वस्तु की सापेक्ष कीमतों में अन्तर को निम्नलिखित में अन्तर पर आधारित किया जा सकता है–
(1) साधन उपलब्धता।
(2) प्रौद्योगिकी।
(3) रूचि।

32. किस प्रकार के व्यापार की व्याख्या हैक्सचर-ओहलिन मॉडल द्वारा नहीं की गई है?

(a) बड़े पैमाने की किफायतों पर आधारित व्यापार
(b) अंतरा उद्योग व्यापार
(c) अनुकरणात्मक अंतराल तथा उत्पाद चक्र आधारित व्यापार
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. : (d) हैक्सर–ओहलिन मॉडल द्वारा निम्न प्रकार के व्यापार की व्याख्या नहीं की गई है–
(1) बड़े पैमाने की किफायतों पर आधारित व्यापार।
(2) अंतरा उद्योग व्यापार।
(3) अनुकरणात्मक अंतराल तथा उत्पाद चक्र आधारित व्यापार।
हैक्शर–ओहलिन सिद्धान्त यह बताता है कि उत्पादन, विशिष्टीकरण तथा प्रदेशों में व्यापार के ढांचे का प्रमुख निर्धारक तत्व साधन पूर्तियों की सापेक्ष प्राप्यता है। दो देशों के बीच साधन सम्पन्नताओं में अन्तरों के परिणामस्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति में अन्तरों द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अन्तर ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुरंत कारण है। जिन वस्तुओं में दुर्लभ साधनों की बड़ी मात्राएं प्रयोग होती है उन्हें आयात किया जाता है क्योंकि उनकी कीमतें ऊंची है जबकि उन वस्तुओं को निर्यात किया जाता है जिनमें प्रचुर साधन प्रयोग होते है क्योंकि उनकी कीमतें नीची है।

33. यूरो करेन्सी का उदाहरण है

(a) यू.एस.के बाहर डॉलर निक्षेप
(b) यू.के. के अन्दर पौंड स्टर्लिंग निक्षेप
(c) जर्मनी के पास मार्क निक्षेप
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. : (a) यूरो करेन्सी का उदाहरण यू.एस. के बाहर डॉलर निक्षेप है।

34. भारत के भुगतान संतुलन में घाटे या अतिरेक को निम्नलिखित के निवल संतुलन द्वारा मापा जाता है :

(a) चालू खाता
(b) पूँजीगत खाता
(c) एस.डी. आर्स का आवंटन और सांख्यिकीय विसंगति
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. : (d) भारत के भुगतान संतुलन में घाटे या अतिरेक को निम्नलिखित के निवल संतुलन द्वारा मापा जाता है–
(a) चालू खाता।
(b) पूंजीगत खाता
(c) S.D. R. का आवंटन और सांख्यिकीय विसंगति।

35. यदि घरेलू उपभोक्ताओं की माँग असीम मात्रा में लोचदार है और विदेशी उत्पादक की आपूर्ति पूर्णतयः बेलोचदार है, तो पूरा का पूरा शुल्क दिया जाएगा।

(a) घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा दिया जाएगा।
(b) विदेशी उत्पादक द्वारा दिया जाएगा।
(c) घरेलू उपभोक्ताओं और विदेशी उत्पादक द्वारा बराबर-बराबर दिया जाएगा।
(d) दोनों में से किसी के भी न तो आय और न सुरक्षा की प्राप्ति होगी।

Ans. : (b) यदि घरेलू उपभोक्ताओं की मांग असीम मात्रा में लोचदार है और विदेशी उत्पादक की आपूर्ति पूर्णतया बेलोचदार है तो पूरा का पूरा शुल्क विदेशी उत्पादक द्वारा दिया जाएगा।

36. भारतीय रिज़र्व बैंक ने किस वर्ष में भारतीय रूपये को वस्तुओं और सेवाओं के सम्बन्ध में चालू खाता लेनदेन में पूर्णतया परिवर्तनीय किया?

(a) 1985 (b) 2002
(c) 1994 (d) 2011

Ans. : (c) भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 1994 में भारतीय रूपये को वस्तुओं और सेवाओं के सम्बन्ध में चालू खाता लेन देन में पूर्णतया परिवर्तनीय किया। पूंजी खाते पर रूपये की पूर्णपरिवर्तनीयता के लिए ँ द्वारा 20 मार्च, 2006 को ए.ए. तारापोर समिति गठित की गई, जिसने 2010–11 तक रुपये की परिवर्तनशीलता को पूंजी खाते पर तीन चरणों में लागू करने का सुझाव दिया (1) पहला चरण 2006–07 (2) दूसरा चरण 2007–08 से 2008–09 (3) तीसरा चरण 2009–10 से 2010–11।

37. मौद्रिक उपागम के अनुसार, राष्ट्र की करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन

(a) मुद्रा के लिए राष्ट्र की माँग में वृद्धि करता है।
(b) राष्ट्र की मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि करता है।
(c) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग कम करता है।
(d) राष्ट्र की मुद्रा आपूर्ति कम करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. : (c) मौद्रिक उपागम के अनुसार राष्ट्र की करेन्सी का पुर्नमूल्यांकन मुद्रा के लिए राष्ट्र की मांग कम करता है।

38. निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें:

I. सरकार एवार्ड II. नीमीयर एवार्ड
III. देशमुख एवार्ड IV. मेस्टन एवार्ड

कूट :

(a) II, IV, III, I (b) IV, III, II, I
(c) III, II, IV, I (d) IV, II, I, III

Ans. : (d)
दिये गये एवार्ड का कालानुक्रमिक क्रम निम्न है–
(IV) मेस्टन एवार्ड – 1920
(II) नीमीयर एवार्ड – 1936
(I) सरकार एवार्ड – 1948
(III) देशमुख एवार्ड – 1950।

39. निम्नलिखित में से किसमें शून्य आधारित बजटन प्रारम्भ करना कठिन है?

I. स्थापना खर्च II. लोक निर्माण कार्य
III. सिंचाई परियोजनाएँ IV. फेडरल राजकोषीय अंतरण

कूट :

(a) I, III और IV सही हैं। (b) II, III और IV सही हैं।
(c) I, और IV सही हैं। (d) II और III सही हैं।

Ans. : (c) शून्य आधार बजट का प्रतिपादन 1970 में पीटर पायर ने किया। शून्य आधार बजट में अनुमान शून्य से प्रारंभ किये जाते है तथा गत वर्षों में व्यय सम्बन्धी आकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता है।
शून्य आधारित बजट निम्न में प्रारंभ करना कठिन है–
(I) स्थापना खर्च।
(IV) फेडरल राजकोषीय अंतरण।

40. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	**सूची-II**
a. क्लब का सिद्धांत	1. एंथनी डाऊन्स
b. प्रमेय की असंभाविता	2. चार्ल्स टिबूट
c. राजनीतिक निर्णयन का मॉडल	3. जेम्स बुचानन
d. स्थानीय लोक वस्तुओं की इष्टतम व्यवस्था	4. कैनेथ एरो

कूट :

	a	b	c	d
(a)	3	1	2	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	4	1
(d)	3	4	1	2

Ans. : (d) सही रूप से सुमेलित हैं–
(a) क्लब का सिद्धान्त –(3) जेम्स बुचानन।
(b) प्रमेय की असंभाविता–(4) कैनेथ ऐरो।
(c) राजनीतिक निर्णयन का मॉडल –(1) एंथनी डाऊन्स।
(d) स्थानीय लोक वस्तुओं की इष्टतम व्यवस्था –(2) चार्ल्स टिबूट।

41. निम्नलिखित में से किस कर का 'घोषणात्मक प्रभाव' होता है?

(a) आय कर (b) सम्पत्ति कर
(c) उत्पाद शुल्क (d) पूँजीगत लाभ कराधान

Ans. : (c) उत्पाद शुल्क कर 'घोषणात्मक प्रभाव' होता है। भारत में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सरकार की आय का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। संविधान के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार को अफीम, भांग, शराब इत्यादि जैसे मादक पदार्थो को छोड़कर अन्य सभी प्रकार की वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क लगाने का अधिकार है।

42. निम्नलिखित में से कौन सा कर भारतीय संविधान की अनुसूची-VII की सूची-I के अनुसार संघीय या केन्द्रीय सरकार के सीमा क्षेत्र में पड़ता है?

(a) विद्युत के उपभोग और बिक्री पर कर
(b) सड़क मार्ग से जाने वाले यात्रियों तथा वस्तुओं पर कर
(c) मनोरंजन समेत विलासिताओं पर कर
(d) समाचारपत्रों की बिक्री एवं खरीद तथा उसमें विज्ञापन पर कर

Ans. : (d) भारतीय संविधान की अनुसूची –VII की सूची–I के अनुसार संघीय या केन्द्रीय सरकार को निम्नलिखित मदों पर कर लगाने का अधिकार है–
(1) कृषि आय के अतिरिक्त आय पर कर।
(2) निगम कर।
(3) सीमा शुल्क
(4) शराब तथा नशीले पदार्थों जैसे, गंजा, भांग, अफीम इत्यादि को छोड़कर अन्य वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क।
(5) व्यक्तियों तथा कम्पनियों की गैर–कृषि सम्पत्ति को पूंजी मूल्य पर कर।
(6) कुछ वित्तीय दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क।
(7) स्टॉक एक्सचेंज तथा भावी मार्केट के लेन–देन व गैर–स्टॉम्प पर कर।
(8) अखबार तथा उनमें छपे विज्ञापनों की खरीद तथा बिक्री पर कर।
(9) रेल भाड़ा तथा किराया पर कर।
(10) रेल, समुद्र तथा वायु मार्ग से जाने वाले यात्रियों तथा वस्तुओं पर टरमिनल कर।
(11) वे कर जो राज्य सूची या समवर्ती सूची में अंकित नहीं है।

43. वस्तु के वजन, आकार या नाप के अनुसार लगाया गया कर क्या कहलाता है?

(a) यथामूल्य कर
(b) परिमाणपरक कर
(c) एकल कर
(d) दोहरा कराधान

Ans. : (b) वस्तु के वजन, आकार या नाप के अनुसार लगाया गया कर परिमाणपरक कर कहलाता है। इसे विशिष्ट कर भी कहते है। विशिष्ट करों का भार निर्धन वर्ग पर अधिक पड़ता है। इस कर का भार करदाताओं या उपभोक्ताओं पर सरलता से टाला जा सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. कर भार पर मसग्रेव का विचार निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) अन्तिम कर दाता पर कर निर्धारण
(b) औपचारिक तथा प्रभावपूर्ण कर भार
(c) बजट नीति में परिवर्तनों के कारण निजी उपयोग हेतु आय के वितरण में परिवर्तन
(d) कर का अन्तिम प्रत्यक्ष मौद्रिक भार

Ans. : (c) कर भार पर मसग्रेव का विचार है कि बजट नीति में परिवर्तनों के कारण निजी उपयोग हेतु आय के वितरण में परिवर्तन हो जाता है।

45. गणितीय माध्य = 45, बहुलक = 48, दिए गए होने पर माध्यिका होगी

(a) 46 (b) 45
(c) 48 (d) 49

Ans. : (a) माध्य = 45
बहुलक = 48
माध्यिका = ?
बहुलक = 3 माध्यिका − 2 माध्य
$48 = 3.\text{ माध्यिका} - 2 \times 45$
$3.\text{ माध्यिका} = 48 + 90$
$\text{माध्यिका} = \frac{138}{3}$
$\boxed{\text{माध्यिका} = 46}$

46. यदि दो घटनाएँ A और B पारस्परिक रूप से अपवर्जक (या एकान्तिक) हैं, तो P (A या B) है

(a) P(a) + P(b) – P(AB) (b) P(a) + P(b) + P(AB)
(c) P(a) + P(b) (d) P(a) P(b)

Ans. : (*) A और B अपवर्जी घटनाएं है।
$\therefore \quad A \cap B = \phi$
$P(A \cap B) = P(\phi) = 0$
P(A या B) = P (A∪B)
$P(A \cup B) = P(A) + P(B) - P(A \cap B)$
$= P(A) + P(B) - 0$
$\boxed{P(A \cup B) = P(A) + P(B)}$

47. प्रसरण का विश्लेषण निम्नलिखित का उपयोग करके किया जाता है :

(a) t-परीक्षण (b) Z-परीक्षण
(c) X^2-परीक्षण (d) F-परीक्षण

Ans. : (d) F–Test का प्रयोग प्रसरण अनुपात की सार्थकता की जांच करने के लिए किया जाता है। इसका Degree of Freedom = n–1 होता है।

48. व्यवस्थित प्रतिचयन का तात्पर्य है कि पहली मद का यादृच्छिक रूप से चयन किया जाता है और

(a) अन्य मदों का लॉटरी पद्धति द्वारा चयन किया जाता है।
(b) अन्य मदों को आनुपातिक रूप से चयनित किया जाता है।
(c) फिर प्रत्येक k वीं मद का चयन किया जाता है।
(d) अन्य मदों का अनुसंधानकर्ता की इच्छा के अनुसार चयन किया जाता है।

Ans. : (c) व्यवस्थित नमूने में (Systematic Sampling) नमूने के तत्वों का चयन निश्चित अन्तराल पर समय, क्रम या स्थान के आधार पर जनसंख्या से किया जाता है। सर्वप्रथम नमूने को पाने के लिए नमूने के अंश की गणना की जाती है। प्रथम चरण में, उसे अंश K की गणना करनी होगी जो $\frac{N}{n}$ के समान होता है जहाँ N जनसंख्या की इकाइयों की कुल संख्या तथा n नमूने का आकार है।

49. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	**सूची-II**
a. H_0 को अस्वीकार करना यदि वह सत्य है	1. β त्रुटि
b. H_0 को स्वीकार करना, यदि वह मिथ्या है	2. मानक त्रुटि
c. जब H_0 मिथ्या है उसे अस्वीकार करने की संभाविता	3. α त्रुटि
d. यादृच्छिक बल के कारण प्रतिचयन परिवर्तिता का मापन	4. 1– β त्रुटि

कूट :

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	3	1	2	4
(b)	2	1	4	3
(c)	2	4	1	3
(d)	3	1	4	2

Ans. : (d)
(a) H_0 को अस्वीकार करना, यदि वह सत्य है – (3) α– त्रुटि।
(b) H_0 को स्वीकार करना, यदि वह मिथ्या है – (1) β– त्रुटि।
(c) जब H_0 मिथ्या है उसे अस्वीकार करने की संभाविता – (4) 1– β त्रुटि।
(d) यादृच्छिक बल के कारण प्रतिचयन परिवर्तिता का मापन – (2) मानक त्रुटि।

50. अभिकथन (A) : सूचकांक निर्मित करने के लिए ज्यामितीय माध्य को सैद्धांतिक रूप से श्रेष्ठ औसत समझा जाता है।
कारण (R) : यदि प्रेक्षणों की परास (या सीमा) काफी बड़ी है तो ज्यामितीय माध्य का उपयोग किया जाता है।
कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(d) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।

Ans. : (a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2014
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गणनात्मक उपयोगिता सिद्धांत की मूलभूत मान्यताएँ क्या हैं?

I. उपयोगिता मापनीय तथा परिमाणनीय सत्व है।
II. मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता वास्तविक आय में परिवर्तनों के साथ परिवर्तित होती है।
III. विभिन्न वस्तुओं से व्युत्पन्न उपयोगिताएँ अंतरनिर्भर होती हैं।
IV. सीमान्त उपयोगिता के व्यवहार को समझने में अंतःनिरीक्षणात्मक पद्धति का उपयोग।

कूट :

(a) I और II सही हैं।
(b) I और III सही हैं।
(c) I और IV सही हैं।
(d) I, III और IV सही हैं।

Ans : (c) – गणनावाचक उपयोगिता सिद्धान्त का प्रतिपादन मार्शल ने किया। एक वस्तु के स्टॉक में वृद्धि होने से व्यक्ति को जो अतिरिक्त संतुष्टि प्राप्त होती है वह भण्डार में हुई प्रत्येक वृद्धि से कम होती है यह सिद्धान्त निम्नलिलिखित मान्यताओं पर आधारित है–

(1) उपयोगिता का परिमाणात्मक माप संभव है और इसको गणनावाचक संख्याओं में व्यक्त किया जा सकता है।
(2) तुष्टिगुण स्वतंत्र होते है अर्थात किसी वस्तु से उपभोक्ता को जो तुष्टिगुण प्राप्त होता है वह पूर्णतया उस वस्तु की मात्रा पर निर्भर होता है।
(3) मुद्रा के सीमांत तुष्टिगुण को स्थिर माना गया है।
(4) गणनावाचक तुष्टिगुण विश्लेषण में सीमांत तुष्टिगुण के व्यवहार की जांच करने के लिए आत्म परीक्षण पद्धति का प्रयोग है।

2. एंजिल वक्र क्या संकेत करता है?

(a) वस्तु की विभिन्न मात्राएँ जो कि उपभोक्ता विभिन्न कीमत स्तरों पर खरीदने का इच्छुक होगा।
(b) वस्तु की विभिन्न मात्राएँ जो कि उपभोक्ता आय के विभिन्न स्तरों पर खरीदने का इच्छुक होगा।
(c) वस्तु की खरीदी गई विभिन्न मात्राएँ जब उसकी स्थानापन्न वस्तुओं की कीमत बढ़ने लगती है।
(d) आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव के बीच सम्बन्ध।

Ans : (b) – एंजिल वक्र का प्रतिपादन जर्मन अर्थशास्त्री अर्नेस्ट एंजिल ने किया। एंजिल ने अलग–अलग आय समूह के पारिवारिक बजट का अध्ययन किया। उन्होंने यह निष्कर्ष दिया कि जैसे–जैसे आय बढ़ती है भोजन के व्यय अनुपात में कमी, मकान तथा कपड़ा पर होने वाले व्यय का अनुपात स्थिर एवं अन्य सभी वस्तुओं जैसे– शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन आदि के व्यय अनुपात में वृद्धि होती है। इसको निम्न रेखाचित्र के द्वारा स्पष्ट कर सकते है–

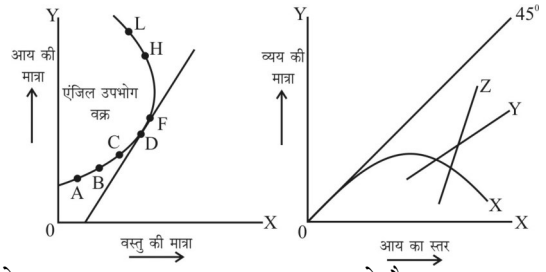

इसके आधार पर वस्तु का स्वभाव जान सकते है–

(1) यदि e_{xy} का मान 1 से अधिक ($e_{xy} > 1$) हो तो वस्तु उत्तम होगी।
(2) यदि e_{xy} का मान 1 से कम ($e_{xy} < 1$) हो तो वस्तु निकृष्ट कोटि की होगी।
(3) यदि e_{xy} का मान शून्य से अधिक ($e_{xy} > 0$) हो तो वस्तु सामान्य होगी।

3. उत्पादक अतिरिक्त क्षमता के साथ कार्य कर रहा होता है जब

(a) वह न्यूनतम औसत कुल लागत द्वारा दिये उत्पादन से अधिक उत्पादन करता है।
(b) वह अधिकतम औसत कुल लागत पर दिये गये उत्पादन से अधिक उत्पादन करता है।
(c) वह न्यूनतम औसत कुल लागत पर दिये उत्पादन के बराबर उत्पादन करता है।
(d) वह न्यूनतम औसत कुल लागत पर दिये गये उत्पादन से कम उत्पादन करता है।

Ans : (d) – 'क्षमता' से अभिप्राय है कि ऐसा उत्पादन जो बिना उचित औसत या प्रति यूनिट लागत को बढ़ाए पैदा किया जा सके। एक उत्पादक जो एक Output उत्पादित करता है जो न्यूनतम औसत कुल लागत से छोटा होता है। उस यूनिट को अतिरिक्त क्षमता के साथ संचालन होना कहा जाता है।

4. अभिकथन (A) : हार्वे लीबिन्स्टीन ने दृढ़तापूर्ण कहा कि आर्थिक क्षमता के लिए अपेक्षित सीमान्त स्थितियाँ सामान्यतया व्यवहार में संतुष्ट नहीं होती हैं।
कारण (R) : लोग अधिकतमीकरण अथवा न्यूनतमीकरण की दिशा में पूर्णतया अभिप्रेरित नहीं होते हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की गलत व्याख्या है।
(d) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।

Ans : (a) – (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. वो रेखाचित्र, जिसका उपयोग कुशलता की स्थितियों का वर्णन करता है और यह प्रदर्शित करता है कि किस प्रकार कुछ वस्तुओं तथा संसाधनों का आबंटन विनिमय के माध्यम से सुधारा जा सकता है, क्या कहलाता है?

(a) उत्पादन संभाविता वक्र
(b) सामाजिक उदासीनता वक्र
(c) एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र
(d) फिलिप्स वक्र

Ans : (c) – वो रेखाचित्र, जिसका उपयोग कुशलता की स्थितियों का वर्णन करता है और यह प्रदर्शित करता है कि किस प्रकार कुछ वस्तुओं तथा संसाधनों का आबंटन विनिमय के माध्यम से सुधारा जा सकता है, एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र कहलाता है। एजवर्थ ने दो वस्तु दो व्यक्ति मॉडल के अन्तर्गत दो वस्तुओं के दो व्यक्तियों के बीच वितरण के सामान्य साम्य की व्याख्या करने के लिए एजवर्थ बाक्स का उपयोग किया गया है। जैसे कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

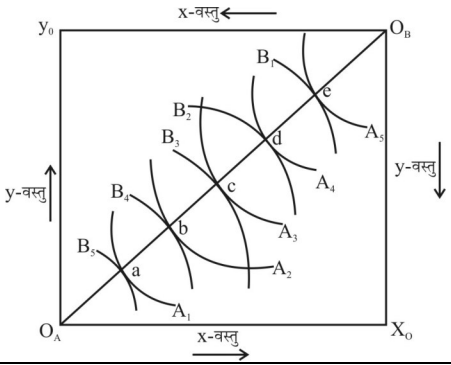

6. निम्नलिखित का मिलान करें :

सूची–I	सूची–II
a. दोहरा कल्डोर-हिक्स परीक्षण	1. ए. बर्गसन
b. क्षतिपूर्ति सिद्धांत	2. के.जे. ऐरो
c. सामाजिक कल्याण कार्य	3. टी. सीटोव्स्की
d. असंभाविता प्रमेय	4. कल्डोर-हिक्स

कूट :

	a	b	c	d
(a)	4	1	3	2
(b)	3	4	1	2
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	2	1

Ans : (b) –
(a) दोहरा केल्डार–हिक्स परीक्षण – (3) टी. सिटोवास्की
(b) क्षतिपूर्ति सिद्धान्त – (4) केल्डार–हिक्स
(c) सामाजिक कल्याण कार्य – (1) ए. बर्गसन
(d) असंभाविता प्रमेय – (2) के. जे. ऐरो

7. अल्पाधिकार मॉडल जिसमें व्यवसायी कल्पना करता है कि उसके प्रतिस्पर्धियों का उत्पादन स्थिर है और फिर निर्णय करता है कि कितना उत्पादन करे, क्या है?

(a) कूरनो का अल्पाधिकार मॉडल
(b) स्टेकबर्गका अल्पाधिकार मॉडल
(c) चैम्बरलिन का अल्पाधिकार मॉडल
(d) बर्टेंड का अल्पाधिकार मॉडल

Ans : (a) अल्पाधिकार मॉडल जिसमें व्यवसायी कल्पना करता है कि उसके प्रतिस्पर्धियों का उत्पादन स्थिर है और फिर निर्णय करता है कि कितना उत्पादन करें, कूर्नो का अल्पाधिकारी मॉडल है।
कूर्नो ने 1838 में सर्वप्रथम अल्पाधिकारी बाजार सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इनका मॉडल संधिरहित अल्पाधिकारी बाजार की प्रवृत्ति से सम्बन्धित है इन्होंने अपने मॉडल को समझाने के लिए दो फर्मो के उदाहरण को प्रस्तुत किया है, इसलिए इस सिद्धान्त को द्वयाधिकारी के सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है। यह सिद्धान्त निम्न मान्यताओं पर आधारित है–
(1) दो फर्मे – A व B है।
(2) सहजातीय वस्तुओं का उत्पादन हो रहा है।
(3) दोनों फर्मों अपने उत्पाद को एक ही बाजार में बेचती है अर्थात् बाजार मांग वक्र समान है।
(4) दोनों फर्मों का उद्देश्य अपने लाभ को अधिकतम करना है।
(5) उत्पादन एवं परिवहन लागत शून्य है।
(6) शून्य कल्पित परिवर्तनशीलता की मान्यता पर आधारित है।
क्रूनो के मॉडल में दो फर्मे A व B खनिज जल का उत्पादन करती है जब A फर्म बाजार में प्रवेश करती है तो वह कुल बाजार मांग का आधा भाग $\left(1\left(\frac{1}{2}\right)=\frac{1}{2}\right)$ उत्पादित करती है। इसके पश्चात् B फर्म प्रवेश करती है, वह बचे हुए बाजार मांग का आधा भाग $\left[\frac{1}{2}\left(1-\frac{1}{2}\right)=\frac{1}{4}\right]$ भाग उत्पादित करती है। इस प्रकार यह क्रिया–प्रतिक्रिया तब तक चलती है जब तक कि दोनों का उत्पादन $\frac{1}{3}$ के बराबर न हो जाये। अंततः दोनों कुल $\frac{1}{3}+\frac{1}{3}=\frac{2}{3}$ भाग का उत्पादन करते है जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

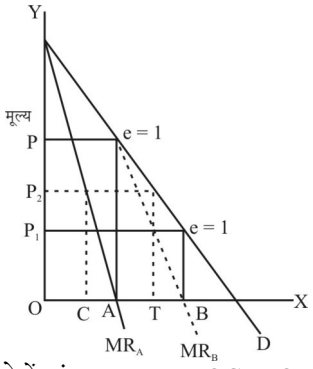

प्रस्तुत चित्र में दोनों संतुलन उत्पादन OC = OT है तथा संतुलन कीमत OP_2 है। यह क्रूनो मॉडल का स्थायी संतुलन बिन्दु है।

8. गेम थ्योरी के अनुसार, यदि विज्ञापन में वृद्धि लागतों को आय से ज्यादा बढ़ा देती है और दोनों फर्मों के लाभ कम हो जाते हैं, तो यह कौन सा खेल कहलाता है?

(a) धनात्मक-योग खेल (b) गैर शून्य-योग खेल
(c) शून्य-योग खेल (d) ऋणात्मक-योग खेल

Ans : (d) – गेम थ्योरी के अनुसार यदि विज्ञापन वृद्धि लागतों को आय से ज्यादा बढ़ा देती है और दोनों फर्मों के लाभ कम हो जाते है तो यह ऋणात्मक योग खेल कहलाता है। प्रो0 वॉन न्यूमैन तथा मॉरगनस्टर्न ने अपनी पुस्तक 'The theory of Game and Economic Behaviour' (1944) में खेल सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. ऐरो के असंभाव्यता प्रमेय का तात्पर्य है

(a) किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प की अपेक्षाओं का उल्लंघन करना चाहिए।

(b) किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प की कम से कम एक अपेक्षा का उल्लंघन करना चाहिए।

(c) किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प की सभी अपेक्षाओं का उल्लंघन करना चाहिए।

(d) सामाजिक निर्णय नियमों का उल्लंघन करना असम्भव है।

Ans : (b) – जे.के. ऐरो ने 1951 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'Social Choice and individual Values' में यह स्पष्ट किया कि यदि व्यक्तिगत अधिमान संगत भी हो, तब भी सामाजिक कल्याण फलन उपलब्ध करना असंभव है। उन्होंने व्यक्तियों के अधिमान को व्यक्त करने की पांच शर्तें बताई और मत व्यक्त किया कि एक के अभाव में भी व्यक्तिगत अधिमानों के प्रत्येक सेट के लिए सकर्मक सामाजिक चुनाव प्राप्त कर सकना संभव नहीं है जो निम्न है–

(1) यदि कुछ मतदाताओं के अधिमान में बहुत शिखर हो तो भी इस विधि द्वारा निश्चित परिणाम निकलेंगे।

(2) सभी संभव परिणाम क्रम में रखने योग्य है।

(3) परिणाम व्यक्तिगत अधिमान के अनुकूल हों।

(4) इसे संगत होना चाहिए अर्थात $A > B > C$ तो $A > C$ ।

(5) अधिनायकवाद पर विचार नहीं किया जाता है। सामूहिक अधिमान एकल व्यक्ति के अधिमान को प्रतिबिम्बित नहीं करता है।

10. बैण्डवैगन इफेक्ट/'अनुरूपता प्रभाव' किसमें पाया जाता है।

(a) सापेक्षिक आय परिकल्पना

(b) स्थायी आय परिकल्पना

(c) जीवन चक्र परिकल्पना

(d) निरपेक्ष आय परिकल्पना

Ans : (a) – बैण्डबैगन इफेक्ट/अनुरूपता प्रभाव सापेक्षिक आय परिकल्पना में पाया जाता है।

यदि किसी वस्तु की कीमत गिरे जिसके परिणामस्वरूप समुदाय के कुछ लोगों की तो उस वस्तु की मांग बढ़ जाय पर कुछ लोग कीमत गिरने के कारण नहीं बल्कि दूसरे लोगों की उपभोग में जो वृद्धि हुयी उसके अनुकरण के कारण मांग में वृद्धि कर दे तो इसे बैण्डवैगन प्रभाव कहते है। इस प्रकार मूल्य में परिवर्तन के कारण नहीं बल्कि अन्य व्यक्तियों के व्यवहार में परिवर्तन के कारण व्यवहार में परिवर्तन को बैण्डवैगन प्रभाव कहते है।

11. मान लें कि जीवन चक्र परिकल्पना में उपभोग :

फलन निम्नलिखित $C = \left(\frac{w}{w+e}\right)\bar{y}$ है।

जहाँ e = सेवानिवृत्ति उत्तरोत्तर वर्षों की संख्या

$\bar{y}$ = कार्यकाल के दौरान औसत वार्षिक आय

तो उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (MPC) किस समीकरण द्वारा बताई जा सकती है?

(a) $\frac{1}{w+e}(\Sigma y)$ (b) $\left(\frac{w}{w+e}\right)\left(\frac{\partial \bar{y}}{\partial y}\right)$

(c) $\left(\frac{w}{w+e}\right)\left(\frac{\bar{y}}{y}\right)$ (d) उपर्युक्त मे से कोई नहीं

Ans : (b) – MPC = $\left(\frac{w}{w+e}\right)\left(\frac{\partial \bar{y}}{\partial y}\right)$ द्वारा निकाला जा सकता है। जहाँ e = सेवानिवृति उत्तरोत्तर वर्षों की सं. तथा $\bar{Y}$ कार्यकाल के दौरान औसत वार्षिक आय है।

12. सूची–I में दिए गए कथनों की सूची–II में दिए गए कथनों के साथ सुमेलित करके पूर्ण करें :

सूची–I	सूची–II
a. में निवेश खर्च के साथ आय का तुरन्त समायोजन होता है	1. MPC कम है
b. में उपभोग एक अवधि आय के पीछे रहता है	2. निवेश खर्च में वृद्धि हमेशा के लिये हो जाती है
c. निवेश गुणांक का मूल्य शून्य होता है जब	3. स्थैतिक गुणांक
d. गुणांक का बड़ा भाग कम अवधि में चरितार्थ होता है जब	4. गत्यात्मक गुणांक

कूट :

	a	b	c	d
(a)	3	4	1	2
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	2	3	1	4

Ans : (b) – (a) में निवेश खर्च के साथ आय का तुरन्त समायोजन होता है– (3) स्थैतिक गुणांक

(b) में उपभोग एक अवधि आय के पीछे रहता है– (4) गत्यात्मक गुणांक

(c) निवेश गुणांक का मूल्य शून्य होता है जब – (2) निवेश खर्च में वृद्धि हमेशा के लिए हो जाती है।

(d) गुणांक का बड़ा भाग कम अवधि में चरितार्थ होता है जब – (1) MPC कम है।

13. अभिकथन (A) : मुद्रा की वैयक्तिक काल्पनिक माँग असतत होती है।

कारण (R) : क्योंकि मुद्रा फलन की समग्र सट्टा माँग अत्यन्त निम्न ब्याज दरों पर तरलता फन्दे के साथ निर्बाध अधोमुखी ढलवाँ होती है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की गलत व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (b) – (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. लेनदेन लागत को निम्नलिखित भी कहते हैं :

(a) शू लैदर लागत
(b) मेनू लागत
(c) नकद रखने की अवसर लागत
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (a) – Shoe Leather Cost से अभिप्राय लेनदेन के लिए किए गए अनावश्यक ऊर्जा की बर्बादी से है। इससे लोगों के अन्दर कैश को कम रखने की प्रवृत्ति पायी जाती है। इस तरह की स्थिति सामान्तया मुद्रास्फीति की दर अधिक होने पर पायी जाती है।

15. यदि उपभोग फलन C = 0.8Y है और निवेश फलन I = 102 – 0.2i है, तो IS वक्र क्या होगा?

(a) Y = 500 –10i (b) Y = 450 –i
(c) Y = 510 –i (d) Y = 505 –2i

Ans : (c) – For the Equilibrium Condition-

$Y = C + I$

$Y = 0.8Y + 102 - 0.2i$

$\Rightarrow \quad 0.2Y = 102 - 0.2\,i$

$Y = \frac{102}{0.2} - i$

$\therefore Y = 510 - i$

16. सूची–I में दी गई धारणाओं को सूची–II में दी मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
a. कीमत प्रत्याशाएँ स्थैतिक होती हैं।	1. ओकुन का नियम
b. कीमत प्रत्याशाएँ अनुकूली होती हैं।	2. फिलिप्स वक्र
c. लोग योजनाबद्ध तरीके से त्रुटियाँ नहीं करते हैं।	3. बेरोजगारी परिकल्पना की प्राकृतिक दर
d. चालू उत्पादन का प्राकृतिक दर से व्यतिक्रम बेरोजगारी के प्राकृतिक दर से उसके विचलन के साथ प्रतिलोमतः सम्बन्धित है।	4. युक्तिसंगत प्रत्याशा परिकल्पना

कूट :

	a	b	c	d
(a)	2	3	4	1
(b)	4	3	2	1
(c)	1	3	4	2
(d)	4	2	1	3

Ans : (a) – (a) कीमत प्रत्याशाएं स्थैतिक होती है– (2) फिलिप्स वक्र।
(b) कीमत प्रत्याशाएं अनुकूली होती है– (3) बेरोजगारी परिकल्पना की प्राकृतिक दर।
(c) लोग योजनाबद्ध तरीके से त्रुटियाँ नहीं करते है– (4) युक्तिसंगत प्रत्याशा परिकल्पना।
(d) चालू उत्पादन का प्राकृतिक दर से व्यतिक्रम बेरोजगारी के प्राकृतिक दर से उसके विचलन के साथ प्रतिलोमतः सम्बन्धित है– (1) ओकुन का नियम।

17. यदि प्रति समय इकाई t समग्र माँग में वृद्धि (Y) समीकरण : $\left[\frac{\partial Y}{\partial t}\right]_d = \frac{1}{1-\text{MPC}}\left[\frac{\partial I}{\partial t}\right]$ द्वारा प्रस्तुत है और उत्पादन की आपूर्ति में वृद्धि समीकरण $\left[\frac{\partial Y}{\partial t}\right]_s = \sigma\frac{\partial k}{\partial t}$ द्वारा प्रस्तुत की गई है। जहाँ MPC = उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति है, $\frac{\partial I}{\partial t}$ और $\frac{\partial k}{\partial t}$ प्रति समय इकाई निवेश और पूँजी स्टॉक में क्रमशः परिवर्तन है, तो वस्तु बाजार संतुलन होने पर, निवेश का क्षमता सृजनकारी प्रभाव या डोमर प्रभाव किसके बराबर होगा?

(a) $\sigma(1-\text{MPC})$ (b) $\sigma\left(\frac{1}{1-\text{MPC}}\right)$
(c) $\frac{1}{\sigma}(1-\text{MPC})$ (d) $\frac{1}{\sigma}\cdot\frac{1}{(1-\text{MPC})}$

Ans : (a) – मांग समीकरण $\left[\frac{\partial Y}{\partial t}\right]_d = \frac{1}{1-\text{MPC}}\left[\frac{\partial I}{\partial t}\right]$

आपूर्ति समीकरण $\left[\frac{\partial Y}{\partial t}\right]_s = \sigma\frac{\partial k}{\partial t}$

संतुलन में
मांग समीकरण =आपूर्ति समीकरण

$$\frac{1}{1-\text{MPC}}\left(\frac{\partial I}{\partial t}\right) = \sigma\frac{\partial K}{\partial t}$$

$$\frac{\partial I}{\partial k} = \frac{\sigma}{\frac{1}{(1-\text{MPC})}}$$

$$\frac{\partial I}{\partial K} = \sigma(1-\text{MPC})$$

दिये गये समीकरण में वस्तु बाजार के संतुलन में होने पर निवेश का क्षमता सृजनकारी प्रभाव या डोमर प्रभाव $\sigma(1–\text{MPC})$ के बराबर होगा।

18. समग्र आपूर्ति अनुसूची धनात्मक रूप से ढलवाँ है, यदि अन्य सब बातें पूर्ववत रहती हैं तो नाममात्र मुद्रा आपूर्ति में सतत् वृद्धि का परिणाम क्या होता है?

(a) कीमत स्तर में कोई परिवर्तन नहीं और वास्तविक उत्पादन में आनुपातिक वृद्धि
(b) वास्तविक उत्पादन में कोई परिवर्तन नहीं और कीमत स्तर में आनुपातिक वृद्धि
(c) कीमत स्तर और वास्तविक उत्पादन में वृद्धि
(d) कीमत स्तर में वृद्धि और वास्तविक उत्पादन में कमी

Ans : (c) – समग्र आपूर्ति अनुसूची धनात्मक रूप से ढलवां है, यदि अन्य सब बातें पूर्ववत रहती है तो नाममात्र मुद्रा आपूर्ति में सतत् वृद्धि होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. श्रीमती जॉन रोबिनसन के अनुसार ''स्वर्णिम युग'' होता है (जहाँ $\frac{\Delta N}{N}$ जनसंख्या की वृद्धि दर है और $\frac{\Delta K}{K}$ पूँजी की वृद्धि दर है)

(a) $\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{K}$ (b) $\frac{\Delta N}{N} > \frac{\Delta K}{K}$

(c) $\frac{\Delta N}{N} < \frac{\Delta K}{K}$ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) – श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने 1956 में अपनी पुस्तक 'The Accumulation of Capital' में पूंजी संचय सिद्धान्त' का प्रतिपादन किया जिसमें उन्होंने ने अर्थव्यवस्था के 'स्वर्ण युग' की बात की है।

मान्यताएँ –

(1) अर्थव्यवस्था एक बन्द अर्थव्यवस्था है।
(2) उत्पादन के दो साधन श्रम व पूंजी है।
(3) तकनीकी प्रगति तटस्थ होती है।
(4) श्रम की पूर्ति असीमित होती है।
(5) केवल दो ही वर्ग है– श्रमिक एवं उद्यमी। जिसके बीच आय का वितरण होता है।
(6) पूंजी–श्रम अनुपात (K/L) स्थिर है।
(7) कीमत स्तर में कोई वृद्धि नहीं होता है।
(8) जनसंख्या वृद्धि दर अस्थिर है।
(9) मजदूरी की सीमांत बचत शून्य एवं लाभ प्राप्तकर्ता की एक के बराबर है।

जॉन रॉबिन्सन के अनुसार पूंजी में वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta K}{K}\right)$ के अतिरिक्त जनसंख्या वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta N}{N}\right)$ दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर को निर्धारित करता है। जब जनसंख्या की वृद्धि दर पूंजी की वृद्धि दर के बराबर हो जाती है तो अर्थव्यवस्था पूर्णरोजगार संतुलन में होती है। इस स्थिति को रॉबिन्सन ने 'स्वर्ण युग' कहा।

$$\boxed{\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N} = \text{Cosntant}}$$ – Steady Growth rate

इसको निम्न रेखाचित्र के माध्यम से दिखाया जा सकता है।

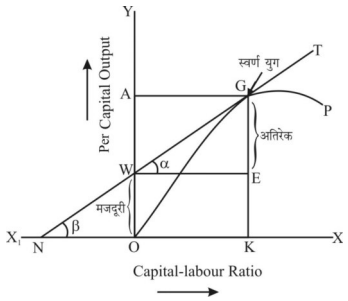

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि पूंजी की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta K}{K}\right)$ श्रम की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta N}{N}\right)$ के बराबर है अर्थात्

$$\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N}$$

या $\boxed{\frac{EG}{EW} = \frac{OW}{ON}}$ क्योंकि $\tan\alpha = \tan\beta$

यदि अर्थव्यवस्था 'स्वर्ण युग' के मार्ग से विचलित हो जाए तो कुछ शक्तियां पुनः संतुलन की स्थिति पर लाने का प्रयत्न करती है।

20. यदि $\frac{MP_K}{MP_L}$ स्थिर $\frac{K}{L}$ अनुपात पर अपरिवर्तित रहता है तो तकनीकी परिवर्तन तटस्थ रहता है

(a) हैरोड (b) हिक्स
(c) सोलो (d) कल्डोर

Ans : (b) – हिक्स के अनुसार तटस्थ तकनीक प्रगति श्रम एवं पूंजी के सीमांत उत्पादकता में समान अनुपात में वृद्धि करता है। अर्थात् एक स्थिर पूंजी–श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूंजी के सीमांत उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है।

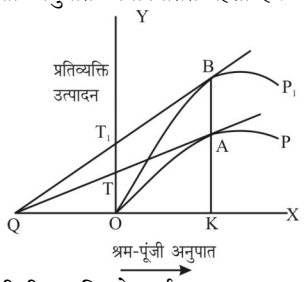

रेखाचित्र में तकनीकी प्रगति से पूर्व उत्पादन फलन OP की स्पर्श रेखा QA तथा तकनीकी प्रगति के बाद उत्पादन फलन OP_1 की स्पर्श रेखा QB दोनों एक ही बिन्दु Q से ली गई है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि अनुलम्ब रेखा KB पर श्रम तथा पूंजी के सीमांत उत्पाद के बीच अनुपात समान है अर्थात्

$$\boxed{\frac{OT_1}{U_1} = \frac{OT}{U}}$$

इस प्रकार कहा जा सकता है कि प्रति व्यक्ति उत्पादन AB के बराबर बढ़ जाता है जबकि पूंजी–श्रम अनुपात OK पर स्थिर रहता है। इस प्रकार हिक्स तटस्थ तकनीकी प्रगति समस्त उत्पादन फलन में परिवर्तन को प्रदर्शित करता है–

$$\boxed{Q = A(t)f(K,L)}$$

21. अमूर्त (डिसएमबॉडीड) तकनीकी परिवर्तन की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?

I. इब्रामोविट्ज़ II. कल्डोर
III. कैंड्रिक IV. सोलो
(a) I और II (b) III और IV
(c) I, III और IV (d) II, III और IV

Ans : (c) – अमूर्त (डिसएमबॉडीड) तकनीकी परिवर्तन की अवधारणा इब्रामोविट्ज़, कैंड्रिक एवं सोलों से सम्बन्धित है।

अमूर्त तकनीकी परिवर्तन अधिक समय तक उत्पादन कार्य का शिफ्ट है। उत्पादन के विशेष तत्व में अमूर्त तकनीकी परिवर्तन लागू नहीं होता है।

22. जॉन रॉबिन्सन के संवृद्धि मॉडल का सम्बन्ध किससे है?

I. इच्छित संवृद्धि दर II. संभावित संवृद्धि दर
III. प्राकृतिक संवृद्धि दर IV. अभीष्ट संवृद्धि दर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) I और III (b) II और IV
(c) I और II (d) III और IV

Ans : (c) – जॉन रॉबिन्सन के संवृद्धि मॉडल का सम्बन्ध निम्न से है–
(1) इच्छित संवृद्धि दर।
(2) संभावित संवृद्धि दर।

23. अभिकथन (A) : मार्क्स के अनुसार अतिरेक श्रम ही पूँजी संचय करता है।
कारण (R) : वास्तविक श्रम और निर्वाह के लिये किए श्रम, जिसके लिये मजदूर को कुछ नहीं मिलता है, के बीच अन्तर ही अतिरेक श्रम है।
कूट :
(a) (A) सही है, परन्तु (R), (A) की सही कारण नहीं है।
(b) (A) सही है, और (R) गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (c) – मार्क्स के अनुसार अतिरेक मूल्य द्वारा ही पूंजी संचय होता है। पूंजीपतियों का प्रमुख उद्देश्य अतिरेक मूल्य को बढ़ाना होता है जिससे अपना लाभ बढ़ा सके। वे अपने लाभ को तीन प्रकार से बढ़ा सकते है–
(i) श्रम के कार्यकारी घण्टे को बढ़ाकर।
(ii) निर्वाह मजदूरी में कमी करके।
(iii) श्रम की उत्पादकता को बढ़ाकर।
मार्क्स के अनुसार प्रथम दो विधियों की एक सीमा है। अतः पूंजीपति श्रम की उत्पादकता को बढ़ाने का रास्ता चुनेगा। इसके लिए वह अतिरेक मूल्य की बचत करता है और पूंजी का बड़ा स्टॉक प्राप्त करने के लिए पुनः निवेश करता है। इस प्रकार वे पूंजी संचय करते है जिससे छोटे पूंजीपति प्रतियोगिता के कारण बाहर हो जाते है तथा बड़े पूंजीपति उनके उद्यमों को हथिया लेते है। जिससे पूंजी संचय तथा संकेन्द्रण स्थिर पूंजी में वृद्धि और परिवर्तित पूंजी में कमी लाते है जिसके परिणामस्वरूप श्रम की भाग में सापेक्षिक रूप से कमी हो जाती है। इस प्रकार मशीनों द्वारा श्रम का स्थान ले लेने से इस प्रक्रिया में 'औद्योगिक रक्षित सेना' उत्पन्न हो जाती है जो पूंजी वादी व्यवस्था के साथ बढ़ती जाती है।

24. ''संरचनात्मक विकास प्रक्रियाओं'' को अनुवर्ती क्रम में व्यवस्थित करें :
I. संसाधन आबंटन प्रक्रिया II. संचय प्रक्रिया
III. वितरणात्मक प्रक्रिया IV. जनांकिकीय प्रक्रिया
(a) I, IV, II, III (b) II, I, IV, III
(c) III, II, I, IV (d) IV, III, I, II

Ans : (b) – 'संरचनात्मक विकास प्रक्रियाओं' का अनुवर्ती क्रम निम्न है–
(ii) संचय प्रक्रिया
(i) संसाधन आबंटन प्रक्रिया।
(iv) जनांकिकीय प्रक्रिया
(iii) वितरणात्मक प्रक्रिया

25. सूची–I के मदों को सूची–II के मदों के साथ सुमेलित करें :

	सूची–I	सूची–II
a.	अति आबादी वाली अर्थव्यवस्थाओं में MP_L शून्य होता है।	1. गुन्नार मिर्डाल
b.	दो अंतराल का मॉडल	2. जे.ई. मीड
c.	क्रान्तिक संवृद्धि दर	3. ऑर्थर लुईस
d.	प्रतिवाही प्रभाव	4. होलिस चेनरी एवं अन्य

कूट :

	a	b	c	d
(a)	1	3	4	2
(b)	3	4	2	1
(c)	2	1	3	4
(d)	4	2	1	3

Ans : (b) सही रूप से सुमेलित है–
(a) अति आबादी वाली अर्थव्यवसथाओं में MP_L शून्य होता है – (3) ऑर्थर लुईस।
(b) दो अंतराल का मॉडल – (4) होलिस चेनरी एवं अन्य
(c) क्रांतिक संवृद्धि दर – (2) जे.ई. मीड
(d) प्रतिवाही प्रभाव – (1) गुन्नार मिर्डाल।

26. सूची–I में प्रदत्त मदों को सूची–II के मदों के साथ सुमेलित करें :

	सूची–I	सूची–II
a.	कार्य करते हुए सीखना	1. कल्डोर
b.	अभिनत या एकतरफी तकनीकी प्रगति	2. कार्ल सैक्स
c.	आय वितरण की संवेदन-शीलता का गुणांक	3. कैनेथ जे. ऐरो
d.	जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धांत : जनसंख्या वृद्धि की चार अवस्थाएँ	4. जॉन रोबिनसन

कूट :

	a	b	c	d
(a)	3	4	1	2
(b)	1	3	2	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	2	3	1

Ans : (a) – (a) कार्य करते हुए सीखना – (3) कैनेथ जे. ऐरो।
(b) अभिनत या एक तरफी तकनीकी प्रगति – (4) जॉन रॉबिन्सन।
(c) आय वितरण की संवेदनशीलता का गुणांक – (1) केल्डार
(d) जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धांतः जनसंख्या वृद्धि की चार अवस्थाएँ –(2) कार्ल सैक्स

27. अभिकथन (A) : सोलो मॉडल, हैरोड-डोमर मॉडल की तुलना में काफी उन्नत है।
कारण (R) : सोलो ने उत्पादन में स्थिर अनुपात की मान्यता के बगैर दीर्घकालिक संवृद्धि मॉडल की रचना की।
कूट :
(a) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(b) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों सही नहीं हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) – राबर्ट सोलों के आर्थिक संवृद्धि मॉडल को आर्थिक संवृद्धि का नव–प्रतिष्ठित सिद्धान्त कहा जाता है। यह मॉडल हैरॉड–डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। अर्थात् इसमें एक स्थायी संतुलन की बात कही गई है, सोलों के अनुसार यदि तकनीकी गुणांक परिवर्तनशील हों, तब पूंजी–श्रम अनुपात कालपर्यन्त अपने आप को संतुलन अनुपात की दिशा में समायोजित कर लेगा।
सोलो ने अपने मॉडल में हैरॉड–डोमर की मुख्य मान्यताओं जैसे– समरूप पूंजी, समानुपातिक बचत फलन व श्रम शक्ति की वृद्धि दर प्राचलों को अंगीकार किया है।

28. पीकॉक-वाइज़मैन परिकल्पना में व्याख्यायित संकेन्द्रण प्रभाव का तात्पर्य है

(a) लोक व्यय निर्बाध तथा सतत ढंग से नहीं बढ़ता है।
(b) लोक व्यय अधिक राजस्व की आवश्यकता को बढ़ाता है।
(c) उप-राष्ट्रीय सरकारों की तुलना में केन्द्रीय सरकार की आर्थिक गतिविधि ज्यादा तेजी से बढ़ती है।
(d) लोक व्यय का निरपेक्ष स्तर बढ़ता है।

Ans : (c) वाइजमैन तथा पीकॉक ने 1890–1955 की अवधि में ब्रिटेन में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि यद्यपि युद्ध के बाद ब्रिटेन के राजकीय व्यय में कमी आयी, पर यह घटकर युद्ध के पूर्वस्तर पर नहीं आयी और राष्ट्रीय उत्पाद में सरकारी व्यय का अनुपात युद्ध के तुरन्त पहले के स्तर की तुलना में बहुत अधिक रहा। राष्ट्रीय उत्पाद में सार्वजनिक व्यय के अनुपात में इस स्थायी वृद्धि को इन लोगों ने विस्थापन प्रभाव कहा।
वाइजमैन–पीकॉक के अनुसार करारोपण से उत्पन्न भार की वहन–क्षमता के सम्बन्ध में लोगों में स्पष्ट तथा दृढ़ धारणा होती है जो शांति के समय लगभग स्थिर होती है पर राष्ट्रीय संकट की स्थितियों में जैसे युद्ध के छिड़ने की स्थिति में कर भार क्षमता बढ़ जाती है, जो कर नहीं देना चाहते थे, वे भी कर देने को तैयार हो जाते है फलस्वरूप कर आय में वृद्धि से सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होती है। पर युद्ध की समाप्ति के बाद युद्ध के दौरान लगाये गये सभी कर समाप्त नहीं हो जाते, कुछ लगे ही रह जाते है, जिससे सार्वजनिक व्यय भी घटकर युद्ध के पूर्व के स्तर पर नहीं आता। इस प्रकार करारोपण तथा सार्वजनिक व्यय दोनों ही पुराने स्तर को प्राप्त नहीं होते बल्कि कुछ उच्चतर स्तर पर स्थिर हो जाते है। समयावधि में सरकारी व्यय का ढांचा सीढ़ियों की तरह दिखाई पड़ता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

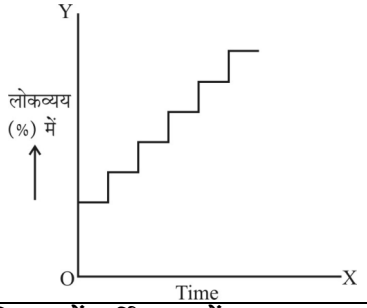

29. एकाधिकार में अर्जित लाभों पर लगाया कर

(a) आगे खिसकाया जा सकता है।
(b) पीछे की ओर खिसकाया जा सकता है।
(c) आगे तथा पीछे दोनों तरफ खिसकाया जा सकता है।
(d) खिसकाया नहीं जा सकता है।

Ans : (d) – एकाधिकारवादी अपने उत्पाद की वितरण राशि और उत्पादन को तय करता है ताकि अधिकतम संभव लाभ प्राप्त हो-

$$MC = MR$$

इस स्थिति में, किसी भी तरह का कर लगाना मांग व पूर्ति वक्र को विचलित नहीं करती है और इस प्रकार वस्तुओं का विक्रय मूल्य परिवर्तित नहीं होता है।

30. संघीय सरकार के राजस्व खाते में योजना व्यय में समाविष्ट है

I. आर्थिक सेवाएँ
II. सामाजिक तथा सामुदायिक सेवाएँ
III. राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों को सहायता-अनुदान
IV. लोक उद्यमों के वित्तपोषण हेतु ऋण और अग्रिम राशि

कूट :

(a) I और II सही हैं। (b) I और III सही हैं।
(c) I और IV सही हैं। (d) I, III और IV सही हैं।

Ans : (b) – संघीय सरकार के राजस्व खाते में योजना व्यय में निम्न समाविष्ट है–
(1) आर्थिक सेवाएं
(2) सामाजिक तथा सामुदायिक सेवाएँ
(3) राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों को सहायता अनुदान

31. भारत की सरकार के ऋण दायित्व (सरकारी देयताएँ)

I. राज्य भविष्य निधि
II. लघु बचतें
III. प्रारक्षित निधियाँ तथा जमा राशियाँ
IV. भारत की समेकित निधि

कूट :

(a) II और III सही हैं। (b) I, II और III सही हैं।
(c) II, III और IV सही हैं। (d) I, III और IV सही हैं।

Ans : (b) – भारत सरकार के ऋण दायित्व (सरकारी देयताएं) में निम्न सम्मिलित है–
(1) राज्य भविष्य निधि
(2) लघु बचतें
(3) प्रारक्षित निधियां तथा जमा राशियां

32. भारत में कर सुधारों से सम्बन्धित निम्नलिखित समितियों का कालानुक्रम बताइये :

I. कृषि आय तथा सम्पदा कर पर समिति
II. भारत में कर सुधार के लिये कल्डोर का प्रस्ताव
III. प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों पर कार्य बल
IV. प्रत्यक्ष कर प्रशासन जाँच समिति

(a) II, I, IV, III (b) II, IV, I, III
(c) II, III, I, IV (d) I, III, IV, II

Ans : (b) – भारत में कर सुधारों से सम्बन्धित समितियों का कालानुक्रम निम्नलिखित है–
(II) भारत में कर सुधार के लिए केल्डार का प्रस्ताव।
(IV) प्रत्यक्ष कर प्रशासन जांच समिति।
(I) कृषि आय तथा सम्पदा कर पर समिति।
(III) प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों पर कार्य बल।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. निम्न में से भारत में वित्त आयोग की भूमिका क्या हैं?

I. कर से प्राप्तियों का केन्द्र और राज्यों के बीच वितरण पर अनुशंसाएँ करना।
II. कर लगाने, समाप्त करने अथवा पुनःसंरचना पर अनुशंसाएँ करना।
III. संविधान के अनुच्छेद 275 के अंतर्गत सहायता-अनुदान की अनुशंसा करना।
IV. संविधान के अनुच्छेद 282 के अंतर्गत सहायता-अनुदान की अनुशंसा करना।

(a) I और II सही हैं। (b) I और III सही हैं।
(c) I, III और IV सही हैं। (d) सभी सही हैं।

Ans : (b) – भारत में वित्त आयोग की भूमिका निम्नवत है–
(I) कर प्राप्तियों का केन्द्र और राज्यों के बीच वितरण पर अनुशंसाएं करना।
(II) संविधान के अनुच्छेद 275 के अन्तर्गत सहायता अनुदान की अनुशंसा करना ।
(III) सुदृढ़ वित्त के हित में अन्य विषय जिस पर राष्ट्रपति वित्त आयोग की संस्तुति प्राप्त करना चाहे, संस्तुति देगा।
भारतीय संविधान की धारा 280 के अन्तर्गत वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। Art–280 के अनुसार राष्ट्रपति प्रत्येक पांचवर्ष के बाद या यदि आवश्यक हो तो इसके पूर्व वित्त आयोग का गठन करेंगे। वर्तमान में 14वां वित्त आयोग Y.V. Reddy की अध्यक्षता में गठित किया गया है, जिसका कार्यकाल 2015–2020 तक है।

34. प्रबन्धित अनिविष्ट विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत, राष्ट्र के मौद्रिक प्राधिकारी किस उद्देश्य से विदेशी विनिमय बाजारों में हस्तक्षेप करते हैं?

(a) विनिमय दरों में अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक उतार-चढ़ावों को समाप्त करने के लिए
(b) राष्ट्रों के समूह में विनिमय दरों को स्थिर रखने के लिए
(c) विनिमय दरों में अल्पकालिक उतार-चढ़ावों को समाप्त करने के लिए
(d) विनिमय दरों को लचीला रखने के लिए

Ans : (c) – प्रबन्धित अनिविष्ट विनिमय दर प्रणाली के अन्तर्गत राष्ट्र के मौद्रिक प्रधिकारी विनिमय दरों में अल्पकालिक उतार–चढ़ावों को समाप्त करने के लिए विदेशी विनिमय बाजारों में हस्तक्षेप करते है। इसके अन्तर्गत मौद्रिक प्राधिकारी मुद्रा की प्रवृत्ति को नियंत्रित करते है ताकि विक्रय द्वारा अवमूल्यन यह विदेशी मुद्रा भण्डार परिमाण को बदलने के लिए खरीद सके। विदेशी विनिमय बाजार में सरकारी हस्तक्षेप की प्रभावशीलता सीमित है।

35. यूरो करेन्सी बाजार ज्यादा बड़े वैश्विक बाजार जिसे यूरो डॉलर बाजार कहा जाता है, का हिस्सा है।

(a) उपर्युक्त कथन सही है।
(b) उपर्युक्त कथन सही नहीं है।
(c) उपर्युक्त कथन आंशिक रूप से सही है।
(d) उपर्युक्त कथन आंशिक रूप से गलत है।

Ans : (b) – यह कथन सही नहीं है कि यूरो करेन्सी बाजार ज्यादा बड़े वैश्विक बाजार जिसे यूरो डॉलर कहा जाता है, का हिस्सा है।

36. सूची–I का सूची–II के साथ सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
a. डब्ल्यू.टी.ओ.	1. भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक करने के लिये वित्त प्रदान करना।
b. आई.एम.एफ.	2. सामान्यतया व्यापार में मात्रात्मक प्रतिबंधों के उपयोग को निषिद्ध करता है।
c. सार्क	3. नम्य ऋणों की स्वीकृति
d. आई.डी.ए.	4. दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है।

कूट :

	a	b	c	d
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	2	1	4	3
(d)	3	2	4	1

Ans : (c) – (a) डब्ल्यू. टी. ओ. (WTO) –2 सामान्यतया व्यापार में मात्रात्मक प्रतिबंधों के उपयोग को निषिद्ध करता है।
(b) आई.एम.एफ (IMF) – (1) भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक करने के लिए वित्त प्रदान करना।
(c) सार्क (SAARC) – (4) दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है।
(d) आई. डी. ए. (IDA) – (3) नम्य ऋणों की स्वीकृति।

37. आयात शुल्कों से स्वतन्त्र व्यापार की दिशा में अकस्मात परिवर्तन निम्नलिखित में अल्पकालीन बेरोजगारी उत्पन्न कर सकता है :

(a) आयात प्रतिस्पर्धाकारी उद्योग।
(b) वे उद्योग जो सिर्फ निर्यातकर्त्ता हैं।
(c) वे उद्योग जो देशी बाजार में बेचते हैं और निर्यात भी करते हैं।
(d) वे उद्योग जो न तो आयात करते हैं और न निर्यात करते हैं।

Ans : (a) – इसका कारण यह है कि जब उत्पादन माल आयात से निर्यात की ओर जाता है, आयातित माल का उत्पादन करने वाले श्रमिक उद्योग से बाहर हो जाते हैं। Skill Enhancemantतक ये श्रमिक बेरोजगार की स्थिति में रहते हैं।

38. ब्रेट्टनवुड्स प्रणाली के अचानक विफल हो जाने का तात्कालिक कारण था

(a) यह प्रत्याशा कि यू.एस.ए. जल्दी ही डॉलर का अवमूल्यन करने को बाध्य हो जाएगा।
(b) तरल या चल पूँजी का भारी मात्रा में यू.एस.ए. से बहिर्गमन
(c) तीन छोटे यूरोपियन केन्द्रीय बैंकों का अपने धारित डॉलर के कुछ हिस्से को फेडरल रिज़र्व बैंक में स्वर्ण में परिवर्तित करने का प्रयास
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) – ब्रेटनवुड्स प्रणाली के अचानक विफल हो जाने का तात्कालिक कारण निम्नलिखित था–
(a) यह प्रत्याशा कि यू.एस.ए. जल्दी ही डॉलर का अवमूल्यन करने को बाध्य हो जाएगा।
(b) तरल या चल पूंजी का भारी मात्रा में यू.एस.ए. से बर्हिगमन।
(c) तीन छोटे यूरोपियन केन्द्रीय बैंकों का अपने धारित डॉलर के कुछ हिस्से को फेडरल रिजर्व बैंक में स्वर्ण में परिवर्तन करने का प्रयास।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

39. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का साध्य (या व्यवहार्य) प्रभाव यह है कि

(a) देशी बाजार का एकाधिकार विश्व बाजार में अल्पाधिकार बन जाता है।
(b) देशी बाजार का अल्पाधिकार विश्व बाजार में एकाधिकार बन जाता है।
(c) देशी बाजार में शुद्ध प्रतिस्पर्धात्मक फर्म विश्व बाजार में अल्पाधिकार बन जाती है।
(d) देशी बाजार में शुद्ध प्रतियोगी फर्म एकाधिकारी बन जाती है।

Ans :(a) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का साध्य (या व्यवहार्य) प्रभाव यह है कि देशी बाजार का एकाधिकार विश्व बाजार में अल्पाधिकार बन जाता है।

40. यूरोपियन संघ ने निम्नलिखित को छोड़ कर सब कुछ प्राप्त कर लिया है :

(a) सदस्य राष्ट्रों के लिये सर्वसामान्य राजकोषीय नीति को अपनाया है।
(b) कृषि कीमत सहायता की सर्वसामान्य प्रणाली स्थापित की।
(c) अपने सदस्य राष्ट्रों के बीच प्रशुल्कों को समाप्त किया।
(d) गैर-सदस्यों से आयातित उत्पादों पर सर्वसामान्य प्रशुल्क लगाए।

Ans : (a) – यूरोपियन संघ ने सदस्य राष्ट्रों के लिए सर्वसामान्य राजकोषीय नीति को अपनाया है, को छोड़कर सब प्राप्त कर लिया है। अर्थात् यूरोपीयन संघ ने कृषि कीमत सहायता की सर्वसामान्य प्रणाली स्थापित की, अपने सदस्य राष्ट्रों के बीच प्रशुल्कों को समाप्त किया व गैर–सदस्यों से आयातित उत्पादों पर सर्वसामान्य प्रशुल्क लगाए।

41. विदेशी व्यापार अंचल (एफ.टी.जैड.) क्या है?

(a) प्रादेशिक क्षेत्र जिसमें विदेशी राष्ट्रों के साथ व्यापार की अनुमति है।
(b) कई राष्ट्रों के बीच स्वतन्त्र व्यापार समझौता
(c) मध्यवर्ती आगतों (इनपुट) पर आयात शुल्कों को आस्थगित और यदि अन्तिम उत्पाद देशी बाजार में बेचने के बजाय पुनः निर्यात किया जाता है तो ऐसे आयात शुल्क टाल कर, निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु बनाया गया।
(d) अंचल के अन्दर बनाई वस्तुओं पर आयात कर लगा कर विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात को सीमित करने के लिये बनाया गया।

Ans : (c) – विदेशी व्यापार अंचल (F.T.Z) मध्यवर्ती आगतों (इनपुट) पर आयात शुल्कों को आस्थगित और यदि अन्तिम उत्पाद देशी बाजार में बेचने के बजाय पुनः निर्यात किया जाता है तो ऐसे आयात शुल्क टाल कर, निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु बनाया गया है।

42. निम्नलिखित के बीच सही सम्बन्ध दर्शाने वाला सूत्र बताइये :

I. उच्च शक्ति मुद्रा की आपूर्ति (H)
II. करेन्सी (c)
III. मुद्रा आपूर्ति (M)
IV. अपेक्षित आरक्षितियाँ (RR)
V. अतिरिक्त आरक्षितियाँ (ER)
VI. माँग निक्षेप (d)

(a) $\frac{M}{H}=\frac{D+C}{C+RR+ER}$
(b) $\frac{H}{M}=\frac{D+C}{C+RR+ER}$
(c) $\frac{M}{D+C}=\frac{C+RR+ER}{H}$
(d) $\frac{H}{M}=\frac{C+RR+ER}{D}$

Ans : (a) – $\boxed{H=C+RR+ER}$

जहाँ H = उच्च शक्ति मुद्रा,
RR = आवश्यक रिजर्व
ER = अतिरिक्त रिजर्व
C = करेन्सी (नोट+ सिक्के)

इस प्रकार उच्च शक्ति मुद्रा वह है जो व्यापारिक बैंकों के पास आरक्षितों और जनता के पास करेन्सी के रूप में विद्यमान रहती है।

$\boxed{\text{मुद्रा पूर्ति}(M)=D+C}$

अब,

$$\frac{M}{H}=\frac{D+C}{C+RR+ER}=\frac{\frac{D}{D}+\frac{C}{D}}{\frac{C}{D}+\frac{RR}{D}+\frac{ER}{D}}$$

या

$$\frac{M}{H}=\frac{1+C_r}{C_r+RR_r+ER_r}$$

जहाँ

$$\frac{C}{D}=C_r,\frac{RR}{D}=RR_r,\frac{ER}{D}=ER_r$$

$$M=\frac{1+C_r}{C_r+Rr_r+ER_r}.H$$

$\boxed{M=m.H}$ $\left(\therefore \frac{1+C_r}{C_r+RR_r+Er_r}\right)=m$

43. 'मध्यवर्ती आश्रय के ऋणदाता' के रूप में निम्नलिखित में से कौन कार्रवाई करेगा।

(a) आर.बी.आई. (b) नाबार्ड
(c) एस.बी.आई. (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) – SBI अपने विकट तरल स्थिति के कारण हमेशा ऋणदाताओं के पक्ष में रहता है। यह मध्यवर्ती आश्रय के ऋणदाता के रूप में उसी आशय से खर्च करता है कि RBI जाने से पूर्व SBI से सम्पर्क कर सके।

44. गुरले एवं शॉ के अनुसार, करेन्सी के विभिन्न स्थानापन्नों और वाणिज्यिक बैंक माँग निक्षेपों को निम्नलिखित में से किसके अनुसार भिन्न भार निर्दिष्ट करने चाहिए?

(a) प्रतिस्थापन की उनकी कोटि
(b) उनकी प्रतिस्थापिता की कोटि
(c) मुद्रा बाजार में उनका हिस्सा
(d) मुद्रा आपूर्ति में उनका हिस्सा

Ans : (b) – गुर्ले एवं शॉ के अनुसार करेन्सी के विभिन्न स्थापन्नों और वाणिज्यिक बैंक मांग निक्षेपों को उनकी प्रतिस्थापिता की कोटि के अनुसार भिन्न भार निर्दिष्ट करने चाहिए।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45. अभिकथन (A) : प्राथमिक वित्तीय बाजार नूतन वित्तीय दावों में लेनदेन करते हैं।
कारण (R) : यह बचतों को गतिशील करते हैं और व्यावसायिक इकाइयों को नई पूँजी की आपूर्ति करते हैं।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(d) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।

Ans : (a) – (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

46. उपान्तिक आवश्यकता (मार्जिन रिक्वायरमेंट) का मौद्रिक नीति के किस लिखत के अंतर्गत ब्यौरा दिया गया है?
(a) परिवर्तनीय रिज़र्व आश्यकता
(b) सांविधिक चलनिधि आवश्यकता
(c) चयनात्मक ऋण नियन्त्रण
(d) खुला बाजार कार्रवाईयाँ

Ans : (c) – मौद्रिक नीति के अन्तर्गत चयनात्मक साख नियंत्रण के तरीके वे तरीके है जो साख की मात्रा या परिमाण को नहीं बल्कि उसके प्रवाह को अधिक प्रभावपूर्ण ढंग से नियंत्रित करते है। इसका प्रमुख उद्देश्य व्यापारिक बैंकों द्वारा अवांछित आर्थिक क्रियाओं के लिए साख देने पर रोक लगाना या उन्हें हतोत्साहित करना है। इसके अन्तर्गत निम्न तरीके अपनाये जाते है–
(1) न्यूनतम सीमा या मार्जिन निर्धारण।
(2) नैतिक दबाव।
(3) साख मापदण्ड का निर्धारण।
(4) साख स्वीकृतिकरण योजना।

47. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अनुसार, कितनी निवेश राशि वाले उद्यमों को मध्यम उद्यमों के रूप में परिभाषित किया जाता है?
(a) < 25 लाख (b) 25 लाख से 5 करोड़
(c) 5 करोड़ से 10 लाख (d) > 10 करोड़

Ans : (c) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग विकास अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत उद्यमों को दो वर्गों में बांटा गया–
(i) विनिर्माण क्षेत्र।
(ii) सेवा क्षेत्र।
इन उद्यमों में निवेश की सीमा इस प्रकार है–

	विनिर्माण उद्यम	सेवा उद्यम
सूक्ष्म	₹25 लाख तक	₹10 लाख तक
लघु	₹25 लाख से ₹ 5 करोड़ तक	₹ 10 लाख से ₹ 2 करोड़ तक
मध्यम	₹ 5 करोड़ से ₹10 करोड़ तक	₹ 2 करोड़ से ₹ 5 करोड़ तक।

48. औद्योगिक अवस्थिति का सिद्धांत किसके नाम के साथ सम्बन्धित है?
I. लॉश II. वेबर
III. क्रिस्टॉलर IV. लर्नर
कूट :
(a) I और II (b) केवल I
(c) I, II और III (d) I, II, III और IV

Ans : (c) – **केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त**-यह सिद्धांत क्रिस्टालर (1966) व लॉश (1954) द्वारा प्रतिपादित Central Place Theory है जो विपणन संवेदनशील क्रियाओं पर आधारित है। यह सिद्धांत, विपणन केन्द्रों का श्रेणीबद्ध तरीका है।
औद्योगिक स्थिति सिद्धान्त-इस सिद्धान्त को पहले वेबर (1928) और बाद में होवर (1948), इसार्ड (1956) और मॉसेस (1958) द्वारा विकसित किया गया। यह मुख्यतः परिवहन लागत पर केन्द्रित है। स्थान का चुनाव शिपिंग के इनपुट और आउटपुट की अपेक्षित लागत पर निर्भर करता है।

49. औद्योगिक लाइसेन्सिंग नीति से सम्बन्धित समितियाँ हैं
I. अर्जुन सेनगुप्ता समिति II. डी.जी. कर्वे समिति
III. सुबिमल दत्त समिति IV. आर.के. हज़ारी समिति
(a) I और II (b) I और III
(c) III और IV (d) I, II और III

Ans : (c) – औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति से निम्न समितियां संबंधित है–
(i) सुबिमल दत्त समिति
(ii) आर. के हजारी समिति

50. किस औद्योगिक नीति प्रस्ताव ने सार्वजनिक क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक महत्त्व की भूमिका दी है?
(a) 1948 के (b) 1956 के
(c) 1977 के (d) 1980 के

Ans : (b) – औद्योगिक नीति, 1956 ने सार्वजनिक क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक महत्व की भूमिका दी है। इस नीति में उद्योगों को तीन वर्गों में बांटा गया।
(1) प्रथम वर्ग में 17 उद्योगों को रखा गया, जिनका विकास सरकार को करना था।
(2) द्वितीय वर्ग में 12 उद्योग रखे गये, जिनके विकास में अधिक से अधिक भागीदारी सरकार को देने का प्रावधान किया गया।
(3) तृतीय वर्ग में उन शेष सभी उद्योगों को रखा गया, जो दोनों वर्गों के अन्तर्गत नहीं आते थे। इनका विकास करने के लिए निजी क्षेत्र को प्राथमिकता प्रदान की गई।

51. दसवीं योजना अवधि के दौरान औसत औद्योगिक संवृद्धि दर थी
(a) 5.3% (b) 8.8%
(c) 10.2% (d) 15.3%

Ans : (b) – 10वीं योजना अवधि के दौरान औसत औद्योगिक संवृद्धि दर 8.8% थी। 10वीं F.Y.P.की समयावधि 1 अप्रैल, 2002 से 31 मार्च, 2007 थी। 10वीं योजना में आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य 7.9% रखा गया तथा प्राप्ति 7.7% हुई। इसके अन्तर्गत 5 करोड़ रोजगार अवसरों का सृजन करना था। 10वीं योजना के दौरान GDP प्रतिशत के रूप में निवेश दर 28.42%, घरेलू बचत दर 26.8% तथा विदेशी पूंजी पर निर्भरता 1.6% रखा गया। इस योजना में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर का लक्ष्य 4%, उद्योग का 8.9%, सेवा क्षेत्र का 9.4% रखा गया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

52. पर्यावरणीय अर्थशास्त्र की प्रकृति के बारे में सही विकल्पों का सुझाव दें :

I. लोक वित्त के अंतर्गत लोक वस्तुओं के जैसी ही बाजार असफलता की प्रकृति होती है।

II. भुगतान की इच्छाशक्ति नकारात्मक हो सकती है।

III. यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है, जिनका उपयोग नहीं किया जाता है।

IV. यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है, जिनका उपयोग किया जाता है।

कूट :

(a) I, II, III और IV (b) I, II और III

(c) II, III और IV (d) II और IV

Ans : (c) – पर्यावरणीय अर्थशास्त्र की प्रकृति के बारे में निम्न कथन सत्य है–

(I) भुगतान की इच्छाशक्ति नकारात्मक हो सकती है।

(II) यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है जिनका उपयोग नहीं किया जाता है।

(IV) यह उनमदों से सम्बन्ध रखता है, जिनका उपयोग किया जाता है।

53. प्रदूषण या अच्छे वातावरण जैसे कि पार्क और दृश्यात्मक सौन्दर्य के कारण घर (मकान) की कीमत में परिवर्तन का आकलन करने हेतु निम्नलिखित में से किस पद्धति का उपयोग किया जायेगा?

(a) सुखवाद पद्धति

(b) आपात्तिक मूल्यांकन पद्धति

(c) बाह्यीकरण प्रभाव

(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (a) – प्रदूषण या अच्छे वातावरण जैसे कि पार्क और दृश्यात्मक सौन्दर्य के कारण घर (मकान) की कीमत में परिवर्तन का आकलन करने हेतु सुखवाद पद्धति का उपयोग किया जायेगा।

सुखवाद मूल्यांकन पद्धति उन वातावरणीय सेवाओं का आर्थिक मूल्यांकन करती है जो सीधे–सीधे कुछ अन्य बाजारू उत्पादों के मूल्यों को प्रभावित करती है। इसे घरों के मूल्यों में भिन्नताओं पर लागू किया जाता है जो स्थानीय वातावरण के गुण को दर्शाते है।

54. जीवन सारिणी में निम्नलिखित में से कौन सा उपयुक्त नहीं बैठेगा?

(a) जीवन सारिणी में आठ स्तम्भ होते हैं।

(b) यह आयु-विशिष्ट मृत्यु दर बताती है।

(c) आयु-विशिष्ट जन्म दर जीवन सारिणी से निकाली जा सकती है।

(d) आयु-विशिष्ट जीवन प्रत्याशा का आकलन किया जा सकता है।

Ans : (c) – जीवन तालिका (Life Table) विभिन्न आयु–वर्ग के व्यक्तियों के जीवित रहने और उनकी मृत्यु की संभावनाओं को व्यक्त करता है। यह विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों के जीवन–प्रत्याशा और मृत्यु की गणितीय माप प्रस्तुत करता है। इसके अन्तर्गत दो माप तालिका आती है–

(1) पूर्ण जीवन तालिका–पूर्ण जीवन तालिका में मृत्यु क्रम को एक वर्षीय वर्गो में प्रदर्शित किया जाता है।

(2) संक्षिप्त जीवन तालिका–इसमें मृत्युक्रम को एक वर्षीय वर्ग में न रखकर बल्कि 5 वर्षीय वर्गों में प्रदर्शित किया जाता है।

जीवन तालिका (Life Table) में आठ स्तम्भ (Collum) होते है– x, l_x, d_x, q_x, P_x, L_x, T_x, e_x आदि।

55. जनसंख्या का इष्टतम सिद्धांत निम्नलिखित में से किसके बीच सम्बन्ध बतलाता है?

(a) जनसंख्या और खाद्य आपूर्ति

(b) जनसंख्या और सम्पूर्ण संसाधन

(c) आश्रित जनसंख्या और कार्यशील जनसंख्या

(d) वर्तमान जनसंख्या और जनसंख्या की वृद्धि दर

Ans : (b) – जनसंख्या का इष्टतम सिद्धान्त जनसंख्या और सम्पूर्ण संसाधन के बीच सम्बन्ध बतलाता है।

अनुकूलतम जनसंख्या से अभिप्राय उस जनसंख्या से है जो किसी देश में एक निश्चित समय पर दिए हुए साधनों का अधिकतम उपयोग तथा उत्पादन के लिए आवश्यक है। जब देश की जनसंख्या का आकार आदर्श रहता है तो प्रति व्यक्ति आय अधिकतम होती है। इस प्रकार विशेष समय तथा परिस्थितियों में वही जनसंख्या सर्वोत्तम होती है जिसमें प्रति व्यक्ति आय अधिकतम होती है। अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त प्रत्याय नियमों (Laws of Returns) पर आधारित है।

56. 'जनसंख्या तटस्थतावाद' का क्या अभिप्राय है?

(a) आर्थिक संवृद्धि पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव नगण्य होता है।

(b) जनसंख्या की वृद्धि की दर स्थिर जनसंख्या के आगे-पीछे रहती है।

(c) खाद्य आपूर्ति पर जनसंख्या में वृद्धि का असर निष्प्रभावी रहता है।

(d) जनसंख्या वृद्धि के कारण, आयु संरचना में परिवर्तन लगभग तटस्थ रहता है।

Ans : (a) – जनसंख्या तटस्थतावाद उदासीनीकरण के दृष्टिकोण पर आधारित है अर्थात् एक ऐसा दृष्टिकोण जो कि जनसंख्या वद्धि तथा आर्थिक प्रदर्शन के बीच लिंक के समानुपातिक विश्लेषण पर आधारित हो। इस दृष्टिकोण के अनुसार आर्थिक विकास पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव नगण्य होता है।

57. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, प्रो. पी.आर. ब्रह्मानंद द्वारा व्याख्यायित मजदूरी-वस्तु मॉडल का सार क्या है?

(a) यह कृषि में निम्न मजदूरी दर के बारे में बताता है।

(b) यह अर्थव्यवस्था में श्रम के लिये निम्न मजदूरी दर के बारे में कहता है।

(c) यह कृषि से उद्योग में श्रम के जाने की बात कहता है।

(d) यह मजदूरी की दर और अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर पर खाद्य पदार्थों की कमी के प्रभाव के बारे में बताता है।

Ans : (d) – भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में प्रो0 पी.आर. ब्रह्मानंद द्वारा व्याख्यायित मजदूरी–वस्तु मॉडल मजदूरी की दर और अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर पर खाद्य पदार्थों की कमी के प्रभाव के बारे में बताता है।

58. सूची–I में प्रदत्त मदों को सूची–II के मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची–I (राज्य)	सूची–II (उच्चतम फसल पैदावार)
a. पश्चिम बंगाल	1. कुल मोटा अनाज
b. उत्तर प्रदेश	2. धान
c. महाराष्ट्र	3. आलू
d. गुजरात	4. मूँगफली

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	a	b	c	d
(a)	2	3	1	4
(b)	3	2	1	4
(c)	4	2	3	1
(d)	1	3	4	2

Ans : (a) – (a) पश्चिम बंगाल – (2) धान।
(b) उत्तर– प्रदेश – (3) आलू।
(c) महाराष्ट्र – (1) कुल मोटा अनाज।
(d) गुजरात – (4) मूंगफली।

59. न्यूनतम समर्थन कीमत के बारे में, सही संयोजन ज्ञात करें :

I. यदि बाजार मूल्य ज्यादा है, तो किसान सरकार को बेचेंगे।
II. यह किसानों की पैदावार के लिये न्यूनतम निश्चित कीमत सुनिश्चत करती है।
III. यह खाद्य सुरक्षा लक्ष्य में सहायता करती है।
IV. यह किसानों के लिये अत्यन्त लाभदायक है क्योंकि वे अपनी पैदावार पर बड़ा लाभ कमाते हैं।

कूट :

(a) I, II, और IV (b) II, III और IV
(c) II, और III (d) II और IV

Ans : (c) – न्यूनतम समर्थन मूल्य वह मूल्य है जिस पर सरकार किसानों द्वारा बेची जाने वाली अनाज की पूरी मात्रा क्रय करने के लिए तैयार हो। जब बाजार में अनाजों का मूल्य गिर रहा हो तो सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीद कर उनके हित की रक्षा करती है। इस प्रकार यह वह न्यूनतम मूल्य है जो किसानों को अपनी फसल के लिए आवश्यक रूप से प्राप्त होगा।
न्यूनतम समर्थन मूल्य की संस्तुति कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) द्वारा वर्ष में दो बार रबी एवं खरीफ फसल के लिए की जाती है। CACP 24 मुख्य फसलों के लिए MSP की घोषणा करती है।

60. भारत में हरित क्रान्ति कार्यक्रम प्रारम्भ करने के बाद धान तथा गेंहूँ के उत्पादन में वृद्धि के लिये निम्नलिखित में से क्या महत्त्वपूर्ण रहा है?

I. फसल संरचना में परिवर्तन
II. उन्नत उत्पादकता
III. फसल का बीमा
IV. फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि

कूट :

(a) II, III और IV (b) I, II और IV
(c) I, II और III (d) I, III और IV

Ans : (b) – भारत में हरित क्रान्ति कार्यक्रम प्रारंभ करने के बाद धान तथा गेहूँ के उत्पादन में वृद्धि के लिए निम्न महत्वपूर्ण रहा है–
(1) फसल संरचना में परिवर्तन।
(2) उन्नत उत्पादकता।
(3) फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि।

61. 'हरित खेती' अंतर्ग्रस्त करती है

(a) जैविक खेती और बागवानी पर जोर
(b) बागवानी तथा पुष्पकृषि पर ध्यान केन्द्रित करते समय कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों से बचना
(c) एकीकृत कीट प्रबन्धन, एकीकृत पोषक पदार्थ आपूर्ति और एकीकृत प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन
(d) खाद्य फसलों, बागवानी और पुष्पकृषि पर जोर

Ans : (c) – 'हरित खेती' के अन्तर्गत एकीकृत कीट प्रबन्धन, एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन और एकीकृत संसाधन प्रबन्धन के तहत खेती की जाती है।

62. मान लो औसत लागत फलनः $AC = \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9$ है। उत्पादन के किस स्तर पर औसत लागत सीमान्त लागत के बराबर होगी?

(a) 18 (b) 12
(c) 15 (d) 21

Ans : (c) – $\because \quad AC = \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9$

$\therefore \quad TC = \frac{1}{3}x^3 - 10x^2 + 9x$

$\therefore \quad MC = \frac{d(TC)}{dx}$

$= \frac{d}{dx}\left(\frac{1}{3}x^3 - 10x^2 + 9x\right)$

$= x^2 - 20x + 9$

$AC = MC$

$\therefore \quad \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9 = x^2 - 20x + 9$

$-10x + 20x = x^2 - \frac{1}{3}x^2$

$10x = x^2\left(\frac{2}{3}\right)$

$\frac{2x}{3} = \left(\frac{2}{3}\right)$

$\frac{2x}{3} = 10 \Rightarrow x = \frac{10 \times 3}{2} = 15$

63. यदि माँग और आपूर्ति फलन क्रमशः $P\alpha = 30 - 5x$ एवं $P_s = +3x - 10$ हैं, जहाँ x = मात्रा है। तो उपभोक्ता की बचत है :

(a) 125 (b) −62.5
(c) 62.5 (d) −125

Ans : (c) – for the Equilibrium-

$P\alpha = Ps$

$30 - 5x = 3x - 10$

$8x = 40$

$x = 5$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

$\because \quad P\alpha = 30 - 5x \Rightarrow 30 - 25 = 5$

and, $P\alpha \times x = 5 \times 5 = 25$

So, $= \int_0^5 f(x)dx - x$

$= \int_0^5 (30 - 5x)dx - 25$

$= \left[30x - \frac{5x^2}{2}\right]_0^5 - 25$

$= \left(30 \times 5 - \frac{5 \times 25}{2}\right) - 25$

$= \left(150 - \frac{125}{2}\right) - 25$

$= (150 - 62.5) - 25$

$= 87.5 - 25 = 62.5$

64. यदि रेखीय प्रोग्रामन समस्या निम्नलिखित है :

$\text{Max} : Z = 3x_1 + 5x_2 + 10x_3$

बशर्ते $: x_1 + x_2 + x_3 \le 100$

$: 9x_1 + x_2 + 8x3 \le 95$

$: x_1 + 8x_2 + 3x_3 \le 60$

$: 2x_1 + 7x_2 + x_3 \le 150$

और $x_1 \ge 0, x_2 < 0$ और $x_3 > 0$ तो हल होगा

(a) साध्य हल (b) इष्टतम हल

(c) बहु हल (d) कोई हल नहीं

Ans : (d) – दिये गये रेखीय प्रोग्रामन समस्या समीकरण का कोई हल नहीं निकलता है।

65. स्कूटर के टायर विनिर्मित करने वाली फर्म का आनुमानित समाश्रयण समीकरण :

$\text{In } y = -3.56 + 0.31 \text{ In } X_1 - 0.05 \text{ In } X_2 + 0.53 \text{ In } X_3 + 0.37 \text{ In } X_4$ है और $\bar{R}^2 = 0.89$ है (जहाँ Y = उत्पादन और X_1 से X_4 कारक आगतें हैं) यह मानते हुए कि समस्त अनुमानित प्राचल शून्य से सांख्यिकीय रूप से सार्थक है, तो फर्म में

(a) पैमाने के स्थिर प्रतिफल होंगे।

(b) पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल होंगे।

(c) पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल होंगे।

(d) पैमाने के तटस्थ प्रतिफल होंगे।

Ans : (c) – पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल होंगे।

66. बहुचर निर्धारण का समायोजित गुणांक ($\bar{R}^2$) की सार्थकता का परीक्षण करने के लिए किस परीक्षण सांख्यिकी का उपयोग होता है?

(a) t-परीक्षण (b) Z-परीक्षण

(c) χ^2-परीक्षण (d) F-परीक्षण

Ans : (d) –बहुचर निर्धारण का समायोजित गुणांक (R^2) की सार्थकता का परीक्षण करने के लिए F–परीक्षण का उपयोग होता है।

67. यदि सी.इ.एस. उत्पादन फलन निम्नलिखित है :

$$Y = A[\alpha L^{-\beta} + (1-\alpha)K^{-\beta}]^{-\frac{\gamma}{\beta}}$$

तो इस संदर्भ में सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची–I	सूची–II
a. A	1. कारक गहनता
b. α	2. प्रतिस्थापन की लोच
c. β	3. कारक समरूपता
d. γ	4. क्षमता प्राचल

कूट :

	a	b	c	d
(a)	1	4	2	3
(b)	2	4	1	3
(c)	1	2	3	4
(d)	1	4	3	2

Ans : (*) –

(a) A– (4) क्षमता प्राचल।

(b) α – (1) कारक गहनता।

(c) β – (2) प्रतिस्थापन की लोच।

(d) γ – (3) कारक समरूपता या फलन की समांगता का अंश।

68. युगपद समीकरणों की अति तदात्मीकृत प्रणाली का आकलन करने के लिये उपयोग की जाने वाली तकनीक है

(a) साधारण न्यूनतम वर्ग

(b) अधिकतम संभाविता

(c) सीमित सूचना अधिकतम संभाविता

(d) द्वि अवस्था न्यूनतम वर्ग

Ans : (d) – युगपद समीकरणों की अति तदात्मीकृत प्रणाली का आकलन करने के लिए द्वि–अवस्था न्यूनतम वर्ग तकनीक का उपयोग किया जाता है।

69. OLS आकलन की संगतता, अनभिनतता (निष्पक्षता) और क्षमता दर्शाने के लिये निम्नलिखित में से किन मान्यताओं की आवश्यकता हैं?

I. $E(v_t) = 0$

II. $\text{Var}(v_t) = \sigma^2$

III. $\text{cov}(v_t, v_{t_j}) = 0$ सभी मानों के लिए $j \neq 0$ है

IV. $v_t \sim N(0, \sigma^2)$

कूट :

(a) केवल II और IV

(b) केवल I और III

(c) केवल I, II और III

(d) उपर्युक्त सभी चारों

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d)– सूचीबद्ध मान्यताओं को प्रदर्शित करने हेतु आकलनकर्ता OLS के पास निष्पक्षता, वांछनीय नियतांक तथा दक्षता का गुण है। परीक्षण के आंकलन में ऐसी अवधारणा की आवश्यकता होती है जो मानक सांख्यिकीय वितरण का अनुपालन करती हों। अन्य शब्दों में, यह केवल परिकल्पना परीक्षण के लिए आवश्यक है, गुणांक के आकलन के लिए नहीं।

70. निम्नलिखित के बीच स्वतः सहसम्बन्ध के स्त्रोत हैं :

I. छूटे हुए व्याख्यात्मक चर
II. सांख्यिकीय प्रेक्षण में अन्तर्वेशन
III. यथार्थ यादृच्छिक पद v का त्रुटिपूर्ण लक्षण-निरूपण
IV. समयोपरि आर्थिक चरों का इकट्ठे चलना

कूट :

(a) केवल I और II
(b) केवल I, II और III
(c) केवल I, III और IV
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (b) – निम्नलिखित के बीच स्वतः सहसम्बन्ध के स्त्रोत है–
(I) छूटे हुए व्याख्यात्मक चर।
(II) सांख्यकीय प्रेक्षण में अन्तर्वेशन।
(III) यथार्थ यादृच्छिक पद v का त्रुटिपूर्ण लक्षण निरूपण।

71. भारतीय अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्षेत्रों को, हाल ही के वर्षों में जी.डी.पी. में उनके योगदान के आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

I. व्यापार, होटल एवं रेस्तराँ
II. परिवहन, भंडारण और संचार
III. वित्तपोषण, बीमा, स्थावर सम्पदा और कारोबार सम्बन्धी सेवाएँ
IV. सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएँ

कूट :

(a) I, II, III और IV
(b) II, IV, III और I
(c) II, I, III और IV
(d) I, III, IV और II

Ans : (b) – भारतीय अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र के उपक्षेत्रों का हाल के वर्षों में GDP में उनके योगदान का आरोही क्रम निम्नलिखित है–
(II) परिवहन, भंडारण और संचार।
(IV) सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं।
(III) वित्तपोषण, बीमा, स्थावर सम्पदा और कारोबार सम्बन्धी सेवाएँ।
(I) व्यापार, होटल एवं रेस्तरां।

72. निम्नलिखित में से किसे उससे सम्बन्धित किया जा सकता है जो भारत में काले धन का आकलन करने की विधि बताता है?

I. कल्डोर का उपागम
II. एन.आई.पी.एफ.पी. पद्धति
III. ओ.पी. चोपड़ा की पद्धति
IV. अर्जुन सेनगुप्ता

कूट :

(a) I, II और III
(b) II, III और IV
(c) I, III और IV
(d) I और II

Ans : (a) – भारत में Parallel Economy के रूप में काला धन एक काले अध्याय के रूप में है जिससे निपटने के लिए भारत सरकार ने निम्न प्रयास किए-
I. Kaldor की विधि पर काले धन का आकलन
II. वांचू समिति का आकलन
III. चोपड़ा का आकलन
IV. NIPFP का अध्ययन तथा
V. S.B. Gupta का अध्ययन।
अभी हाल ही में SIT भी गठित की गई है।

73. राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लम्बाई में एकल मार्ग/मध्यवर्ती मार्ग का भाग क्या है?

(a) 12 प्रतिशत (b) 15 प्रतिशत
(c) 22 प्रतिशत (d) 29 प्रतिशत

Ans : (c)–राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लम्बाई में एकल मार्ग/मध्यवर्ती मार्ग का भाग 22% है।

74. भारतीय अर्थव्यवस्था में जन क्षेत्र की सकल घरेलू बचतें किस वर्ष के दौरान ऋणात्मक हो गई थी?

I. 1990–91 II. 1995–96
III. 1999–2000 IV. 2002–2003

कूट :

(a) I और II (b) II और III
(c) III और IV (d) I और IV

Ans : (c) – भारतीय अर्थव्यवस्था में जन क्षेत्र की सकल घरेलू बचतें वर्ष 1999–2000 एवं 2002–2003 के दौरान ऋणात्मक हो गई थी।

75. भारत की ग्याहरवीं पंचवर्षीय योजना के लिये बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए प्रक्षेपित निवेश अनुपात क्या रहा है?

(a) 5.43 प्रतिशत
(b) 6.53 प्रतिशत
(c) 7.60 प्रतिशत
(d) 9.34 प्रतिशत

Ans : (c) – भारत की 11वीं पंचवर्षीय योजना के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रक्षेपित निवेश अनुपात 7.60% रहा है। 12वीं पंचवर्षीय योजना की समयावधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च 2012 तक है। 12वीं F.Y.P. की थीम 'तीव्रतर और अधिक समावेशी विकास की ओर है। 11वीं पंचवर्षीय योजना में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का लक्ष्य 9% तथा प्राप्ति 8.02%, कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर का लक्ष्य 4% तथा प्राप्ति 3.2%, औद्योगिक विकास दर का लक्ष्य 10.5% तथा सेवाक्षेत्र का 9.9% रहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2014

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. गॉसेन का द्वितीय नियम किसे कहा जाता है?

(a) सम-सीमांत उपयोगिता का नियम
(b) ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम
(c) प्रकटित अधिमानता सिद्धांत
(d) तटस्थता वक्र अभिगम

Ans : (a) एच.एच. गॉसेन द्वारा पहली बार सम सीमांत उपयोगिता के नियम सम्बन्धी अवधारणा को उल्लिखित किया गया। इसलिए इसे "Principals of economics" में अल्फ्रेड मार्शल ने इस नियम का सार्थक परिमार्जन किया है। इस नियम के अनुसार जब बाजार में विकल्प मौजूद हों तो उपभोक्ता अपनी संतुष्टी को उच्चतम सीमा तक बढ़ा देगा। अतः वह एक वस्तु को बदलकर दूसरी वस्तु ले आएगा। यह इस प्रकार कि उसकी सीमांत उपयोगिता मूल्य का आनुपातिक हो। सम सीमांत उपयोगिता का नियम एक उपभोक्ता के व्यवहार की व्याख्या करता है जब वह एक से अधिक वस्तु की खपत करता है। इच्छाएँ असीमित हैं लेकिन अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए उपभोक्ता के पास सीमित आय है। प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता अपनी सीमित आय को खर्च करता है।

2. जब कोई उपभोक्ता साम्यावस्था में है, MRS_{XY} 2.5 होता है। अगर वस्तु Y का मूल्य 16 है, तो वस्तु X का मूल्य क्या होगा?

(a) 40 (b) 6.4
(c) 23.2 (d) 24

Ans : (a) $\because \quad MRS_{xy} = \frac{P_x}{P_Y}$

From Question,

$MRS_{xy} = 2.5$

$P_y = 16$

$\Rightarrow \quad 2.5 = \frac{Px}{Py}$

$P_x = 2.5 \times 16 = 40$

3. एकाधिकार वाली प्रतिस्पर्धा में निम्नांकिम में से कौन-सी शर्त दीर्घकालीन साम्य का समर्थन करती है?

(a) MR = MC, AR = AC
(b) P = MC, AR = AC
(c) MR = MC = AR = AC
(d) AR = MC = AC

Ans : (a) दीर्घकाल में, प्रत्येक फर्म एकाधिकार वाली प्रतिस्पर्धा में केवल सामान्य मुनाफा अर्जित करेगा जो कारोबार में बने रहने के लिए पर्याप्त है। ज्ञातव्य है कि सामान्य मुनाफा औसत लागत का हिस्सा है। दीर्घकाल में, एकाधिकार प्रतिस्पर्धा में साम्यावस्था की स्थिति प्राप्त करने के लिए फर्म को निम्नलिखित दो शर्ते पूरी करनी होगी-

(a) MR = MC, AR = AC

इस प्रकार, फर्म की दोहरी साम्यावस्था वाली शर्तों को पूरा करना होगा जैसा कि उपरोक्त वर्णित है लेकिन जब एक पूर्ण प्रतिस्पर्धी फर्म के दीर्घकालीन साम्यावस्था की स्थिति की तुलना की जाती है, यहाँ तक कि AR = AC हालांकि, AC उत्पादन के संतुलन के स्तर पर इसकी न्यूनतम बिन्दु पर नहीं होगा। MR भी या तो AC या फिर AR के बराबर नहीं है एकाधिकार वाली प्रतिस्पर्धा फर्म के संबंध में MR, AR से काफी नीचे है।

4. पहली बार मूल्य निर्धारण में समय कारकों के महत्व को किसने स्पष्ट किया?

(a) चैम्बरलिन (b) स्टिगलर
(c) मिसेज जॉन राबिन्सन (d) मार्शल

Ans : (d) मार्शल ने मूल्य निर्धारण में समय कारक की भूमिका की व्याख्या की क्योंकि आपूर्ति की स्थिति विचाराधीन अवधि के लम्बाई के साथ बदलती हैं अतिरिक्त आपूर्ति की अनुक्रिया के आधार पर मांग में स्थायी रूप से परिवर्तन हो जाता है। मार्शल ने तीन समय की अवधियों का सुझाव दिया, यथा-बाजार अवधि, लघु अवधि और दीर्घ अवधि।

5. ह्रासमान प्रतिलाभ का नियम तब लागू होता है जबः

(a) कुल उत्पादन में वृद्धि शुरू हो जाती है
(b) कुल उत्पादन में गिरावट आने लगती है
(c) सीमांत उत्पाद में वृद्धि होने लगती है
(d) सीमांत उत्पाद में गिरावट आने लगती है

Ans : (d) ह्रासमान प्रतिफल का नियम कहता है कि कुछ बिन्दुओं पर जैसा कि फर्म अधिक परिवर्तनीय निवेश (Variable Input) किराये पर लेता है जबकि अन्य निवेश में कोई परिवर्तन नहीं होता है। Variable Input का सीमांत उत्पाद इस तरह गिरना शुरू हो जाता है कि पिछली इकाइयों की तुलना में क्रमिक इकाइयाँ उत्पाद में कम जोड़ती है। सीमान्त उत्पाद के लिए सीमांत प्रतिलाभ एक पुराना शब्द है। यह नियम केवल अल्पावधि में लागू होता है जबकि कुछ निवेश अपरिवर्तित रहता हैं इसे दीर्घकाल में लागू करने की आवश्यकता नहीं है।

6. एजवर्थ ड्यूयोपॉली मॉडल के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार करें:

I. इसमें प्रतिस्पर्धी का उत्पाद निर्णय दिया गया माना जाता है।
II. इसमें प्रतिस्पर्धी के मूल्य निर्णय को दिया गया माना जाता है।
III. यह मूल्य कठोरता की व्याख्या है।

निम्नांकित में से कौन-सा उत्तर सही है?

(a) केवल कथन I सही है
(b) I और II दोनों सही हैं
(c) II और III दोनों सही हैं
(d) केवल III सही है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एफ.वाई. एजवर्थ कूनों एवं ब्रण्ट्रलैंड मॉडल के सुधार के रूप में अपना मॉडल प्रस्तुत करते है। ये कूनों मॉडल की प्रतिद्वन्दी के उत्पादन को स्थिर रहने वाली मान्यता की आलोचना करते है तथा ब्रण्ट्रलैंड की मान्यता को स्वीकार करते है कि प्रतिद्वन्दी अपनी कीमत को स्थिर रखेगा तथा निष्कर्ष अपने मॉडल में बताते है कि द्विअधिकार में कोई भी संतुलन स्थापित नहीं हो सकता है, क्योंकि कीमत लगातार एकाधिकारी कीमत और पूर्ण प्रतियोगी कीमत के बीच चक्कर लगाती रहती है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

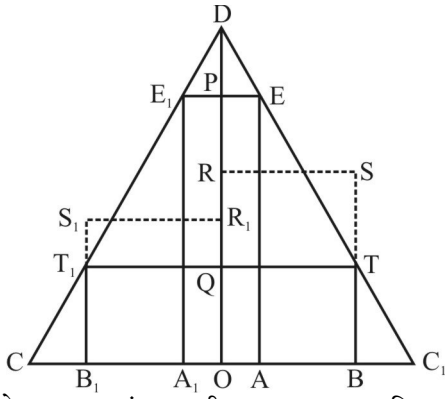

एजवर्थ के अनुसार संतुलन कीमत OQ पर स्थापित नहीं होगी क्योंकि कीमत में वृद्धि उत्पादकों के हित में है। उत्पादक सोचता है कि दूसरा उत्पादक आधे उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहा है, इससे ज्यादा वह अपने उत्पाद बढ़ा नहीं सकता। अतः A सोचता है कि आधे उपभोक्ताओं को वह उस कीमत पर अपने उत्पाद को बेच सकता है जो उसको सर्वाधिक लाभप्रद हो। अतः वह पुनः कीमत को बढ़ाकर OP कर देगा। इसी प्रकार दूसरा भी कीमत को OR कर देगा। इस प्रकार स्थायी संतुलन नहीं होगा। कीमत OP तथा OR_1 के मध्य में ही तैरती रहेगी। OQ कीमत पूर्णप्रतियोगी कीमत तथा OP कीमत एकाधिकारी कीमत है।

7. सार्वजनिक वस्तु की विशेषता होती है

1. सामूहिक उपयोग
2. विभाज्यता
3. बहिर्वेशन नहीं किया जाता
4. प्रतिस्पर्धी उपभोग

नीचे दिए गए कूट में सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) 1 और 2 सही हैं (b) 1 और 3 सही हैं
(c) 1 और 4 सही हैं (d) 2 और 4 सही हैं

Ans : (b) एक शुद्ध सार्वजनिक वस्तु भले ही किसी एक व्यक्ति द्वारा उत्पादित हो, समाज के सभी सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से इसका उपभोग किया जाता है। किसी को भी छोड़ा नहीं जा सकता चाहे उसने कीमत अदा की हो या नहीं। जैसे- राष्ट्रीय रक्षा, प्रदूषण रहित वातावरण आदि। इसकी तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-
1. सामूहिक खपत, 2. गैर-प्रतिस्पर्धी खपत, और 3. गैर अपवर्जन। शुद्ध सार्वजनिक वस्तुओं की अन्य विशेषताओं से ये तीन विशेषताएँ निकली हैं, जो हैं उनके संयुक्त खपत को अपनी अविभाज्यता के लिए बाध्य करना।

8. निम्नांकित में कौन बाजार विफलता का कारण है?

1. बाह्यता
2. सूचना की असममितता
3. पूर्ण प्रतिस्पर्धा

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) 1, 2 और 3 सही हैं (b) केवल सही है
(c) 1 और 2 सही हैं (d) 2 और 3 सही हैं

Ans : (c) बाजार विफलता से अभिप्राय कुछ निश्चित वस्तुओं की आपूर्ति में या तो पूरी तरह से या अत्यन्त वांछनीय या सर्वोत्कृष्ट स्तर पर तन्त्र की असमर्थता है। सामान्यतः चार मुख्य कारणों से बाजार की विफलता होती है: पहला बाजार की अपूर्णता, जिसका अर्थ उत्पाद और बाजार के कारकों में पूर्ण प्रतियोगिता के लिए आवश्यक शर्तो से विचलन है। इस प्रकार, यदि जिस बाजार में एकाधिकार शक्ति या श्रम बाजार में अधिक संगठित है, तो परिणाम बाजार की विफलता है।
बाजार की विफलता का दूसरा कारण सूचना की असममितता (Asymetric Information) है जिसका अर्थ है कि बाजार में लेन-देन सम्बन्धी जानकारियों में अन्तर। तीसरा है उत्पादन में बाह्यता दुष्प्रभाव जो हानिकारक (बाहरी लागत या बाहरी अलाभकारी स्थिति के रूप में जाना जाता है) या समाज के सदस्यों के प्रति लाभदायक (बाह्य लाभ या बाह्य अर्थव्यवस्था के रूप में जाना जाता है)। वस्तुओं और सेवाओं के अधिक उत्पादन या अल्प उत्पादन की ओर बाह्यता उन्मुख होती है और परिणाम आर्थिक क्षति तथा बाजार की विफलता हैं

9. परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मजदूरी-मूल्य लोचशीलता को मानते हुए इस बात पर बल दिया है कि मुद्रा मजदूरी और मूल्य में गिरावट से निम्न स्थिति पैदा होती है

(a) बेरोजगारी
(b) अवस्फीति
(c) रोजगार और उत्पादन का उच्च स्तर
(d) बरोजगारी और उत्पादन में गिरावट

Ans : (c) Classical Economists स्वतन्त्र बाजार के समर्थक थे। उनका मानना था कि अर्थव्यवस्था मांग और आपूर्ति की ताकत के जरिए हमेशा पूर्ण रोजगार प्राप्त करेगा। रोजगार के पूर्ण रोजगार स्तर का परिणाम एक निश्चित कुल उत्पादन/आय में होता था। अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति द्वारा मूल्य स्तर निर्धारित किया जाता था। वहीं वास्तविक ब्याज दर भी बाजार में रकम के लिए जो ऋण के रूप में लिया जा सकता था, की मांग और पूर्ति की सामर्थ्य पर निर्धारित किया जाता था। वास्तविक ब्याज दर और प्रचलित मुद्रास्फीति की दर का योग उस समय नाममात्र था। Classical Economists को खुद को समायोजित करने हेतु बाजार तन्त्र में अटूट विश्वास था। हालांकि बाजार तन्त्र की कार्यप्रणाली के लिए यह महत्वपूर्ण है कि बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता, मजदूरी तथा कीमते पूर्णतया लचीली हों।

10. ब्याज अभिधारणा का परम्परावादी सिद्धांत है कि बचत और निवेश दोनों निम्नलिखित में से एक के फलन हैं:

(a) राष्ट्रीय आय का स्तर
(b) रोजगार और उत्पादन का स्तर
(c) मौद्रिक और राजकोषीय नीति
(d) ब्याज दर

Ans : (d) ब्याज अभिधारणा का परम्परावादी सिद्धान्त अर्थशास्त्री जे.एस.मिल, वालरस, मार्शल, पीगू आदि द्वारा प्रतिपादित किया गया। इस सिद्धान्त के अनुसार कुछ वास्तविक तत्वों जैसे-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्पादकता, मितव्ययिता, परिवर्तन इत्यादि के कारण ब्याज बढ़ता है। इस तरह, परम्परावादी सिद्धान्त के पक्ष में ब्याज एक वास्तविक तथ्य हैं इस सिद्धान्त के अनुसार पूँजी की आपूर्ति (बचत) और पूँजी की मांग (निवेश) के द्वारा ब्याज की दर निर्धारित की जाती है।

11. ड्यूसेनबेरी की सापेक्ष आय अवधारणा यह बताती है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है वैसे-वैसे उपभोग प्रकार्य वक्र ऊपर की ओर बढ़ता जाता है और इसलिए

(a) औसत उपभोग प्रवृति बढ़ती है
(b) औसत उपभोग प्रवृति घटती है
(c) औसत उपभोग प्रवृति स्थिर रहती है
(d) औसत-उपभोग प्रवृति 1 के बराबर रहती है

Ans : (c) सापेक्ष आय अवधारणा (Absolute Income Hypothesis)–सर्वप्रथम यह अवधारणा डोराथी ब्रैडी और रोज फ्रीडमैन द्वारा रखी गई। बाद में, ड्यूजेनबरी (1952) ने विकसित किया। इस सिद्धान्त के अनुसार- 1. एक व्यक्ति की खपत अन्य लोगों की खपत पर निर्भर है (प्रदर्शन प्रभाव), और
2. खपत के सम्बन्ध समय के साथ अपरिवर्तनीय है (Ratchet effect)। इस सिद्धांत के अनुसार, यदि वर्तमान और अधिकतम आय साथ-साथ बढ़ती है तो खपत हमेशा आय में परिवर्तन के आनुपातिक है। इस स्थिति में, उपभोग करने के लिए APC सदैव नियति रहती है। उपरोक्त प्रभावों की सहायता से ड्यूजनबेरी ने खपत कार्य को निम्नानुसार पुनः परिभाषित किया-

$$C = f(Y_E, Y_{MT})$$

Where, Y_t = वर्तमान आय, Y_{MT} = पिछली अधिकतम आय
1. यदि $Y_t > Y_{MT}$ इसके के तहत खपत सापेक्ष आय से सम्बन्धित है (प्रदर्शन प्रभाव)
2. यदि $Y_t > Y_{MT}$ खपत पिछली अधिकतम आय (Ratchet effect) से सम्बन्धित है।

12. निम्नलिखित में से किसने कहा था कि ''मुद्रास्फीति हर जगह होती है और यह हमेशा ही एक मौद्रिक घटना है''?

(a) जेम्स टोबिन (b) जेन एम. कीन्स
(c) मिल्टन फ्रीडमैन (d) अन्ना जे. श्वार्ज

Ans : (c) मिल्टन फ्रीडमैन ने कहा है कि मुद्रास्फीति हर जगह होती है और यह एक मौद्रिक घटना है। अर्थात् किसी देश में मुद्रास्फीति इसलिए होती है कि क्योंकि मुद्रा की आपूर्ति मांग से ज्यादा हो जाती है। बाद में फ्रीडमैन ने संशोधन भी किया-''पर्याप्त मुद्रास्फीति हमेशा और हर जगह एक मौद्रिक घटना है।'' इसका अभिप्राय यह है कि अति मुद्रास्फीति (मासिक मुद्रास्फीति की दर 50% या उससे अधिक) प्रणाली में अत्यधिक पैसे के कारण होती है और यह सामान्यतः केन्द्रीय बैंक द्वारा सरकारी कार्य के वित्तपोषण के लिए अत्यधिक मुद्रा की छपाई का परिणाम होता है।

13. त्वरक का निम्नलिखित में से किससे निकट संबंध है?

(a) ब्याज दर (b) रहतिया
(c) बेकार पड़ी क्षमता (d) प्रेरित निवेश

Ans : (d) जे.आर. हिक्स ने अपनी पुस्तक ''Contribution to the theory of trade cycles'' में व्यापार चक्र के महत्वपूर्ण सिद्धान्त का सूत्रपात किया। इस सिद्धान्तानुसार, निवेश में परिवर्तन के कारण गुणक व त्वरक के बीच आदान-प्रदान होता है जिसका परिणाम चक्रीय उतार चढ़ाव है। उन्होंने माना कि अर्थव्यवस्था में साम्यावस्था है। निवेश दो प्रकार के है- स्वायत्त निवेश तथा प्रेरित निवेश। अर्थव्यवस्था में स्वायत्त निवेश किया जा रहा। आय का उत्पादन में परिवर्तन से स्वायत निवेश सम्बद्ध नही है। इसके विपरीत, प्रेरित निवेश आय या उत्पादन में परिवर्तन का प्रतिउत्तर देता है। स्वायत्त निवेश एक गुणक का मूल है जबकि प्रेरित निवेश त्वरण के सिद्धान्त का आधार है।

14. सूची–I और सूची–II को सुमेलित करें ओर नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें:

सूची–I अवधारणा	सूची–II अर्थशास्त्री
(A) तरलता जाल	1. मिल्टन फ्रीडमैन
(B) प्रदर्शन प्रभाव	2. ए.सी.पीगू
(C) स्थायी आय परिकल्पना	3. जे. ड्यूसेनबेरी
(D) सम्पदा प्रभाव	4. जे.एम. कीन्स

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	4	3	1	2
(b)	1	2	4	3
(c)	4	2	1	3
(d)	1	3	4	2

Ans : (a) (a) तरलता जाल – 4. जे.एम. कीन्स
(b) प्रदर्शन प्रभाव – 3. जे. ड्यूजेनबरी
(c) स्थायी आय परिकल्पना – 1. मिल्टन फ्रीडमैन
(d) सम्पदा प्रभाव – 2. ए.सी. पीगू

15. मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता के संबंध में कीन्स के विचार से निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मेल नहीं खाता है?

(a) मुद्रा वेग तुलनात्मक रूप से स्थिर है
(b) मुद्रा की मांग अस्थिर है
(c) मुद्रा की मांग ब्याज संवेदी है
(d) निवेश की मांग अस्थिर है

Ans : (a) मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता के संबंध में कीन्स ने निम्न विचार दिया–
1. मुद्रा की मांग अस्थिर है।
2. मुद्रा की मांग ब्याज संवेदी है।
3. निवेश की मांग अस्थिर है।
अतः मुद्रा वेग तुलनात्मक रूप से स्थिर है। यह कथन मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता के संबंध में कीन्स के विचार से मेल नहीं खाता है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) छुट-पुट अल्प मूल्य विक्रय, वस्तुओं के स्टॉक को हटाने के लिए विदेशी बाजार में उनको कम कीमत पर बेचना है
(b) आक्रामक अल्प मूल्य विक्रय, शुरूआत में घाटे में बेचकर प्रतिस्पर्धियों को बर्बाद करना और उन्हें हटाने के पश्चात् उत्पादों को उच्च मूल्य पर बेचना है
(c) सतत् अल्प मूल्य विक्रय, घरेलू बाजार और विदेशी बाजार में मांग की लोच में अंतर के कारण वस्तुओं को विदेशी बाजारों में कम मूल्य पर बेचना है
(d) उपर्युक्त सभी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) नीचे लिखे सभी कथन सत्य है–
(a) छुट-पुट अल्प मूल्य विक्रय, वस्तुओं के स्टॉक को हटाने के लिए विदेशी बाजार में उनको कम कीमत पर बेचना है।
(b) आक्रामक अल्प मूल्य विक्रय, शुरूआत में घाटे में बेचकर प्रतिस्पर्धियों को बर्बाद करना और उन्हें हटाने के पश्चात् उत्पादों को उच्च मूल्य पर बेचना है।
(c) सतत् अल्प मूल्य विक्रय, घरेलू बाजार और विदेशी बाजार में मांग की लोच में अंतर के कारण वस्तुओं को विदेशी बाजारों में कम मूल्य पर बेचना है।

17. तुलनात्मक लाभ सिद्धांत के अनुसार निम्नलिखित स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नहीं होगा
(a) कोई देश दोनों ही उत्पादों के उत्पादन में दक्ष है
(b) कोई देश दोनों ही उत्पादों के उत्पादन में अदक्ष है
(c) दोनों देशों में दोनों ही उत्पादों की अवसर लागत समान है
(d) उपर्युक्त में से कोई होगा।

Ans : (c) तुलनात्मक लाभ सिद्धान्त के अनुसार यदि उत्पादन की तुलनात्मक लागत भिन्न हो तो देशों को व्यापार करने में पारस्परिक रूप से लाभ होगा। यदि तुलनात्मक लागत समान हो तो व्यापार से कोई लाभ न होगा।

18. प्रशुल्क के अधिरोपण से निम्नलिखित में क्या होगा?
(a) व्यापार शर्तों में ह्रास होगा
(b) व्यापार शर्तों में सुधार होगा
(c) व्यापार शर्तो में कोई सुधार नहीं होगा
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans : (b) एक बड़े राष्ट्र द्वारा प्रशुल्क का अधिरोपण व्यापार की शर्तों को बेहतर बनाता है। व्यापार के परिमाण को कम कर देता है। और राष्ट्र के कल्याण को बेहतर भी बना सकता हैं चूँकि राष्ट्र की स्थिति में बेहतरी व्यापार के साझेदार के खर्च पर आती है। इसलिए व्यापार साझेदार प्रतिकार करता है और अंत में दोनों देश घाटे में चले जाते है। इन प्रभावों को ऑफर कर्व (offer curve) की सहायता से अच्छी तरह विश्लेषित किया जाता है।

19. मुक्त विनियम दर प्रणाली के अंतर्गत किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन खाते में कमी निम्न द्वारा स्वतः ही पूरी हो जाती है
(a) उसकी मुद्रा के मूल्यह्रास से
(b) उसकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि से
(c) घरेलू मुद्रास्फीति से
(d) अवस्फीति ओर राष्ट्रीय आय में वृद्धि से

Ans : (a) किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन खाते में कमी का अर्थ है कि विदेशी मुद्रा की दी गई विनिमय दर में कुछ कमी (आपूर्ति की गई मात्रा से ज्यादा की मांग) है। यदि विनिमय दर स्वतंत्र रूप से लचीला या अस्थिर है, तो विनिमय दर तब तक बढ़ेगें जब तक कि विदेशी मुद्रा की मात्रा की माँग आपूर्ति की मात्रा के बराबर होती है। और घाटा पूर्णतया दूर हो जाता है विनिमय दर में वृद्धि का अर्थ है कि घरेलू मुद्रा का सापेक्ष मूल्य गिर रहा हैं या अवमूल्यन हो रहा है। इसके ठीक उलट तब घटित होता है जब अधिशेष हो और राष्ट्रीय मुद्रा का सापेक्ष मूल्य बढ़ता है।

20. मैस्ट्रिच संधि से निम्न में से किसका सृजन हुआ?
(a) यूरोपीय संसद का
(b) यूरो का
(c) यूरोपीय न्यायालय का
(d) यूरोपीय संघ का

Ans : (d) मैस्ट्रिच संधि (फरवरी 1992 में हस्ताक्षर, नवम्बर 1993 में लागू) यूरोपीय समुदाय की संधियों में संशोधनः यूरोपीय संघ का सृजन किया जो तीन स्तम्भों में बना पहला स्तम्भ (यूरोपीय समुदाय) में निहित था यूरोपीय समुदाय की संधियों में संशोधन इसमें EP की शक्तियों का विस्तार किया और QMV ने अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य नीतियों का विस्तार किया और एकल मुद्रा प्रणाली का सृजन किया। अन्य दो स्तम्भों ने विदेश और सुरक्षा नीतियों में सहयोग और न्याय तथा गृह मंत्रालय संस्थापित किया।

21. अभिकथन (A): मुन्डेल के अनुसार, ''साधनों की इकाई लागत में शुरूआती अंतर के कारण भुगतान संतुलन में असंतुलन आता है।''
तर्क (R) : वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही से दो देशों के भुगतान संतुलन में होने वाला असंतुलन सही होगा।
दोनों कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है
(d) (A) गलत हे, किंतु (R) सही है

Ans : (c) मुण्डेल ने भुगतान संतुलन का सामान्य सिद्धांत दिया। उनके अनुसार, ''साधनों की इकाई लागत में शुरूआती अंतर के कारण भुगतान संतुलन में असंतुलन आता है।'' अतः कथन (A) सही है। जबकि कथन (R) गलत है क्योंकि वस्तुओं के निर्बाध आवाजाही से दो देशों के भुगतान संतुलन में असंतुलन नहीं होगा।

22. स्टोप्लर-सेमुएल्सन प्रमेय के अनुसार राष्ट्र द्वारा अध्यारोपित प्रशुल्क द्वारा देश की वास्तविक आय में निम्नलिखित में क्या होता है?
(a) प्रचुर साधन की आय बढ़ती है
(b) दुर्लभ साधन की आय बढ़ती है
(c) दुर्लभ साधन की आय घटती है
(d) उपर्युक्त A तथा B दोनों संभव हैं

Ans : (b) स्टोप्लर-सेमुएल्सन प्रमेय के अनुसार राष्ट्र द्वारा अध्यारोपित प्रशुल्क द्वारा देश की वास्तविक आय में दुर्लभ साधन की आय बढ़ती है। अर्थात् यदि व्यापार के कारण किसी एक वस्तु के उत्पादन में वृद्धि होती है तो उस वस्तु के उत्पादन में जिस साधन को सापेक्षिक रूप से गहनता के साथ प्रयुक्त किया जाता है, उसकी आय का सापेक्षिक एवं निरपेक्ष अंश बढ़ जाएगा। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सापेक्षिक रूप से प्रचुर साधन को लाभ होगा तथा सापेक्षिक रूप से दुर्लभ साधन को हानि होगी।

23. संदर्भी योजना क्या है?
(a) योजना का समग्र मूल्यांकन
(b) विभिन्न क्षेत्रों में योजना की समीक्षा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) विगत अनुभवों का अवलोकन और उस आलोक में भविष्य की समीक्षा
(d) देश में विकास की दीर्घवधि जरूरतों को पूरा करने हेतु भविष्य की योजना तैयार करना

Ans : (d) संदर्भी योजना– जे. टिनबर्जन के शब्दों में- ''संदर्भी योजना का मुख्य उद्देश्य अल्प अवधीय योजनाओं के लिए पृष्ठभूमि तैयार करना है। ताकि समस्याएं जो काफी लम्बी अवधि के बाद हल की जानी है अल्प अवधि में ही योजना बनाने के क्रम में हल हो जाए।'' प्रो. महालनोबिस का विचार है कि संदर्भी योजना अनिवार्य रूप से एक सतत प्रक्रिया है।

24. वर्ष 1944 में भारत के लिए 'जनता योजना' किसने तैयार की थी?
(a) जे.एल. नेहरू (b) एम.एन.राय
(c) सुभाष चन्द्र बोस (d) महात्मा गांधी

Ans : (b) जनता योजना 1944 भारतीय श्रमिक संघ के युद्धोत्तर पुनर्निर्माण समिति द्वारा अप्रैल 1944 में जनता योजना का प्रारूप तैयार किया गया और भारतीय श्रमिक संघ के महासाचिव एम.एन.राय द्वारा जारी किया गया इस योजना का उद्देश्य 10 वर्ष की अवधि के भीतर भारतीय लोगों की तात्कालिक बुनियादी आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा प्रदान करना था।

25. ''ट्रिकल डाउन'' रणनीति लागू होती है
(a) बढ़ते हुए सकल राष्ट्रीय उत्पाद के द्वारा निर्धनता निवारण
(b) सुविचारित पुनर्वितरण के माध्यम से उच्च वर्ग की आय घटाना
(c) सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि करने के स्थान पर बेहतर पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में प्रत्यक्षतः उपलब्धि हासिल करना
(d) अर्थव्यवस्था के विशेष क्षेत्र को सुलाभ हेतु लक्ष्यांकित करना

Ans : (a) ट्रिकल डाउन एक राजनीतिक आर्थिक शब्द है जिसका प्रयोग कुछ निश्चित आर्थिक सिद्धांतों और नीतियां जो समृद्धों को सीधे तौर पर मदद करेगीं वही मध्यम, निम्न और गरीबों पर भी मूल उदारता के साथ सकारात्मक प्रभाव डालेंगी।

26. विकास के निम्नलिखित दृष्टिकोणों का उनके आविर्भाव के कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?
1. मूलभूत आवश्यकता दृष्टिकोण
2. प्रति व्यक्ति आय दृष्टिकोण
3. मानव विकास सूचकांक दृष्टिकोण

निम्नांकित दिये कूटों में से सही उत्तर चुनें:
कूट:
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 1, 3
(c) 2, 3, 1 (d) 1, 3, 2

Ans : (b) विकास के दृष्टिकोणों का उनके आविर्भाव के कालाक्रमानुसार सही क्रम निम्न है–
2. प्रति व्यक्ति आय दृष्टिकोण।
1. मूलभूत आवश्यकता दृष्टिकोण– 1970 World Bank द्वारा।
3. मानव विकास सूचकांक दृष्टिकोण– 1990 UNDP द्वारा।

27. आर्थिक विकास के लिए सही वक्तव्य का चयन करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:
वक्तव्य:
I. सतत प्रक्रिया
II. अल्पावधि प्रक्रिया
III. दीर्घावधि प्रक्रिया
कूट:
(a) सिर्फ II (b) I और III
(c) सिर्फ III (d) I और II

Ans : (b) आर्थिक विकास एक शुद्ध राष्ट्रीय आय में निरंतर वृद्धि है। यह अल्पावधि के लिए राष्ट्रीय आय बढ़ाती हैं इसे आर्थिक विकास नहीं कहा जा सकता हैं आर्थिक विकास उस अवस्था को कहते है जिसमें राष्ट्रीय आय निरन्तर रूप से कम से कम 25 वर्षों तक बढ़ती रहे।

28. निम्नलिखित में से कौन अर्थशास्त्री विकास के डिपेन्डेंसी सिद्धांत के प्रतिपादक है?
नीचे दिए गए कूट से चयन करें:
I. रैगनर नर्क्स II. आन्द्रे गुन्नार फ्रैंक
III. रॉल प्रैबिस IV. जॉन केनेथ गालब्रेथ
कूट:
(a) I, II और III सही हैं (b) II और III सही हैं
(c) II, III और IV सही हैं (d) III और IV सही हैं

Ans : (b) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद उत्पन्न हुई विचारधाराओं में Dependency Theory एक प्रमुख विचारधारा है। इस विचारधारा का सम्बन्ध सामान्य रूप से अविकसित देशों से सम्बन्धित है जिसके अर्न्तगत इसका प्रयोग क्षेत्रीय अन्तर की तुलना में राष्ट्रों के बीच विभेद करने के लिए किया गया। इसके प्रमुख समर्थक राल प्रेबिश (Roul Prebisch) एन्ड्रयू फ्रैंक, समीर आमीन, स्टुअर्ट हालैण्ड तथा फ्रांसेस सांडर्स हैं।

29. नियो-क्लासिकल विकास मॉडलों के बारे में क्या सही है?
I. ब्याज दर तथा लाभ लोचशील है।
II. पूँजी असमांगी है।
III. पूर्ण प्रतिस्पर्धा होती है।
IV. पूँजी तथा श्रम प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।
निम्नलिखित दिये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट :
(a) केवल I, II और III सही हैं
(b) केलव II और III सही हैं
(c) केलव I, III और IV सही हैं
(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans : (c) Robert M. Solow एक प्रसिद्ध New Classical अर्थशास्त्री है। इनका मॉडल हैरोड-डोमर मॉडल के विकल्प के रूप में जाना जाता है। सोलो प्रारूप के अनुसार, अर्थव्यवस्थाएँ शर्तानुसार एक ही स्तर की आय के लिए एकाग्र होगा, माना कि उनके पास बचत मूल्यहास, श्रम शक्ति वृद्धि और उत्पादकता वृद्धि का एक ही दर हैं इस प्रकार, सोलो प्रारूप देशों में अभिसरण के अध्ययन के लिए बुनियादी ढाचा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

मान्यताएँ–रॉबर्ट सोलो का विकास प्रारूप निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है।

1. केवल एक समग्र वस्तु यानी राष्ट्रीय उत्पाद का उत्पादन है।
2. उत्पादन के केवल दो कारक है श्रम और पूँजी
3. अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार की अवस्था पायी जाती है।
4. श्रम आपूर्ति बहिर्जात रूप से तय की जाती है। और श्रम निरंतर तेज गति से बढ़ता है ताकि
$$L(t) = Loe^{nt}$$
5. श्रम और पूँजी एक-दूसरे के लिए स्थानापन्न किया जा सकता है।
6. यह मान्यता है कि हासमान प्रतिलाभ अलग से श्रम और पूँजी के लिए लागू होता है।
7. नियत प्रतिलाभ उत्पादन के पैमाने पर होता है। उत्पादन कार्य पहली डिग्री की एक रेखीय सजातीय उत्पादन कार्य है।
8. बचत के लिए प्रवृत्ति स्थिर है और सभी बचत निवेश में परिवर्तित हो जाती है कोई जमाखोरी नहीं है।
9. उत्पादन, शुद्ध उत्पादन को संदर्भित करता है। यह सकल उत्पादन (आउटपुट) और मूल्यहास के बीच अन्तर है।
10. कीमते और मजदूरी लचीली होती है।
11. अर्थव्यवस्था में पर्याप्त प्रतिस्पर्धा है।
12. प्रोद्योगिकी विकास तटस्थ है।

30. वर्ष 2013 -14 में भारत के तीन शीर्ष व्यापार भागीदार कौन थे?

I. संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.)
II. कोरिया
III. चीन
IV. संयुक्त राज्य अमेरिका

सही कूट का चयन कीजिए :

कूट :

(a) I, II, III (b) II, III, IV
(c) I, III, IV (d) II, I, IV

Ans : (c) वर्ष 2013-14 में भारत के तीन शीर्ष व्यापार भागीदार देश निम्न थे–
I. संयुक्त अरब अमीरात।
III. चीन।
IV. संयुक्त राज्य अमेरिका।
वर्ष 2014-15 में भारत के शीर्ष व्यापार भागीदार देश है–
1. चीन।
2. संयुक्त राज्य अमेरिका।
3. संयुक्त अरब अमीरात।

31. निम्नांकित में से कौन-सा घाटा युग्म भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

(a) राजकोषीय घाटा और राजस्व घाटा
(b) राजस्व घाटा और प्राथमिक घाटा
(c) बजट घाटा और राजकोषीय घाटा
(d) चालू खाता घाटा और राजाकोषीय घाटा

Ans : (d) भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चालू खाता घाटा और राजकोषीय घाटा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। चालू खाते के अन्तर्गत ऐसे मदों से संबंधित प्राप्तियों तथा व्ययों को शामिल किया जाता है, जो सरकार के नहीं होते तथा जो सरकार की भौतिक परिसंपत्तियो में परिवर्तन नहीं लाते, ये सरकार की वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देन दारियों में परिवर्तन लाते है।
राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्वास्थ्य का सूचक माना जाता है। यह एक वित्तीय वर्ष में सरकार के व्यय एवं आय के वास्तविक अंतराल को व्यक्त करता है। इसका तात्पर्य सरकार पर ऋणों के बोझ में होने वाली शुद्ध वृद्धि से है।

32. वर्ष 2013-14 के दौरान निम्नांकित में किस क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि दर दर्ज की गई?

(a) कृषि, वानिकी ओर मत्स्ययन
(b) खनन और खदान
(c) विनिर्माण
(d) निर्माण

Ans : (a) वर्ष 2013-14 के दौरान कृषि, वानिकी और मत्स्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि दर दर्ज की गई।
वर्ष 2015-16 में प्राथमिक क्षेत्र की वृद्धि दर 1.1% (कृषि, वानिकी एवं मत्स्यन) द्वितीय क्षेत्र (विद्युत गैस, विनिर्माण, निर्माण, खनन-उत्खनन), की वृद्धि दर 7.3% तथा तृतीय क्षेत्र (वित्त पोषण, बीमा, स्थावर सम्पदा, व्यवसाय, समुदाय-सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा, व्यापार होटल, रेस्तरां, परिवहन) की वृद्धि दर 9.2% रहीं है।

33. निम्नांकित में किसने हमारे देश के लिए पी.यू.आर.ए. (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ प्रदार किया जाना) की अवधारणा की वकालत की?

(a) ए.जी.जे. अब्दुल कलाम (b) मनमोहन सिंह
(c) चरण सिंह (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans : (a) फरवरी 2004 के खाद्य सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने गांवों के आर्थिक उत्थान के अग्रदूत के रूप में (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु पुरा (PURA) की अवधारणा को रेखांकित किया।

34. इकोमार्क लेबल किससे संबंधित है?

(a) निर्यात वस्तुओं
(b) आयात वस्तुओं
(c) पर्यावरण के लिए सुरक्षित वस्तुओं
(d) सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुओं

Ans : (c) पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के निर्माण के लिए भारत सरकार ने एक योजना की शुरूआत फरवरी 1991 में की जिसे ''इकोमार्क'' (Ecomark) के नाम से जाना जाता है।
योजना भारतीय ब्यूरों (बी.आई.एस) द्वारा प्रबंधित है। यह योजना घरेलू और अन्य उपभोक्ता उत्पादों के लिए लेबलिंग प्रदान करता है। जो कुछ विशिष्ट पर्यावरण मानदंडो द्वारा निर्धारित गुणवत्ताओं, जो भारतीय मानको में प्रासंगिक हैं को पूरा करता है।

35. निम्नांकित देशों को उनके मानव-विकास सूचकांक (एच.डी.आई.) स्थान के अनुसार घटते हुए क्रम में व्यवस्थित करें (मानव विकास संबंधी यू.एन.डी.पी. रिपोर्ट, 2013 के आधार पर) :

1. वियतनाम 2. चीन
3. भारत 4. श्रीलंका

निम्नांकित दिये कूटों में से सही उत्तर का चुनाव करें :

(a) 4, 2, 1, 3 (b) 2, 1, 4, 3
(c) 2, 4, 3, 1 (d) 1, 2, 3, 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) UNDP रिपोर्ट, 2013 के अनुसार मानव, विकास सूचकांक में दिये हुए दोनों का घटते हुए क्रम निम्न है–
4. श्रीलंका, 2. चीन, 1. वियतनाम, 3. भारत।
वर्ष 2015 में मानव विकास सूचकांक में भारत का स्थान 130वां है। दिये हुए देश का स्थान निम्न है–
1. नार्वे (0.944)
2. आस्ट्रेलिया (0.935)
73. श्रीलंका (0.757)
90. चीन (0.727)

36. वर्ष 2013-14 के लिए भारत से निम्नांकित निर्यात समूहों पर विचार करें:
1. कृषि एवं सम्बद्ध उत्पाद
2. इंजीनियरिंग वस्तुएँ
3. रत्न और आभूषण
4. वस्त्र एवं सिले सिलाए कपड़े

इन्हें कुल निर्यात के प्रतिशत के रूप में इनकी घटती मात्रा के अनुसार व्यवस्थित करें :
(a) 2, 1, 4, 3 (b) 2, 1, 3, 4
(c) 4, 2, 1, 3 (d) 3, 4, 2, 1

Ans : (b) वर्ष 2014-15 में भारत के निर्यात राशि में विनिर्मित मालों के प्रतिशत के रूप घटते हुए क्रम में निम्न मद है–
1. रत्न एवं आभूषण (13.3%)
2. परिवहन उपस्कर (7.9%)
3. मशीनरी एवं उपकरण (5.9%)
4. सिले सिलाए वस्त्र (5.4%)
5. धातुओं के उत्पाद (5.4%)

37. सकारात्मक बाह्य प्रभावों का सृजन करने वाले उत्पादन तथा उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों को कहा जाता हैं
(a) कर प्रोत्साहन तथा वाउचर्स (b) शुल्क तथा दंड
(c) कर तथा प्रभार (d) विशेष आकलन

Ans : (a) कर प्रोत्साहन (tax inceutives) (कटौती, बहिष्करण या क्रेडिट सामान्यतः आयकर पर) और बाउचर्स दो तकनीक है जो सकारात्मक बाह्य प्रभावों का सृजन करने वाले उत्पादन तथा उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए अमल में लाए जाते है। दोनों स्थितियों में ये लेखपत्र सीमांत सामाजिक लाभ के मूल्य का मोटे तौर पर अनुमान लगाते है। ऐसा करने के पीछे उद्देश्य होता है। इस तरह के वांछनीय उपभोग वाली वस्तुओं और सेवाओं जैसे शिक्षा, सौंदर्यीकरण ऊर्जा कुशल आवास, और निजी सामाजिक कल्याण एजेसियों (धर्मार्थ कटौती के माध्यम से) को बढ़ाना। कुछ विशिष्ट प्रकार के उत्पादन या खपत को बढ़ावा देने के क्रम में राजस्व कर के मूल्य को माफ करना, कर व्यय के रूप में जाना जाता है।

38. एडम स्मिथ द्वारा कराधान के किन नियमों का प्रतिपादन किया गया है?
(a) मितव्ययिता, लोचशीलता, सरलता तथा पर्याप्तता
(b) समता, निश्चितता, सुविधा तथा मितव्ययिता
(c) निश्चितता, सुविधा, मितव्ययिता तथा लोचशीलता
(d) मितव्ययिता, समन्वय, सुविधा तथा आवश्यकता

Ans : (b) एडम स्मिथ आधुनिक अर्थशास्त्र के जनक, ने एक अच्छे कराधान प्रणाली के नियमों का प्रतिपादन किया जिसे एडम स्मिथ का कराधान के नियम के रूप में जाना जाता है।
एडम स्मिथ द्वारा प्रतिपादित कराधान के चार नियमों का वर्णन इस प्रकार है-
1. समता-देय कर का भुगतान करने की क्षमता या कर देने योग्य क्षमता के साथ सहमति होनी चाहिए।
2. निश्चितता-करदाता को यह ज्ञात होना चाहिए कि क्या कर लगाया जा रहा है। उन्हें कितना भुगतान करना होगा और कैसे और कब उन्हें इसका भुगतान करना होगा। कहने का अर्थ है कि प्रावधान स्पष्ट और संदेह रहित होना चाहिए और इसके बारे में कर अधिकारियों की व्याख्या आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए।
3. सुविधा-कर इस तरीके से देय होना चहिए कि करदाता सुविधाजनक समय में दे सके।
4. मितव्ययिता-प्रवर्तन और संग्रह की लागत प्राप्तियों को उचित अनुपात में होना चाहिए। इस अवधारणा को प्रशासनिक दक्षता के रूप में भी उल्लिखित किया गया है।

39. पीकॉक-वाइजमैन अवधारणा में वर्णित विस्थापन प्रभाव का अर्थ है
(a) उच्च आर्थिक वृद्धि के अनुसार लोक व्यय का उर्ध्वगामी प्रतिस्थापन
(b) लोक व्यय तथा कराधान के पुराने रूझान से नए तथा उच्चतर स्तर की ओर गमन
(c) लोक व्यय में स्थिर दर से वृद्धि होती है तथा यह उच्चतर स्तर पर पहुँचता है
(d) सरकार अधिकाधिक नए कार्यकलाप शुरू करती है तथा इस प्रकार लोक व्यय में तेजी से वृद्धि होती है।

Ans : (b) वाइजमैन और पीकॉक के अनुसार सार्वजनिक व्यय सुचारू और निरंतर रूप से नहीं बढ़ता है समय के साथ सार्वजनिक व्यय चरणबद्ध तरीके से बढ़ता है। उन्होंने United Kingdom के धर्मनिरपेक्ष काल (1890-1955) के अनुभवों का अध्ययन किया। सार्वजनिक व्यय के रूझान का अध्ययन करने के बजाय उन लोगों ने समय के साथ सरकार के व्यय में उतार-चढ़ाव का अध्ययन किया। परिकल्पना का सामान्य दृष्टिकोण तीन संबंधित अवधारणाओं को संदर्भित करता है।
1. विस्थापन प्रभाव, 2. निरीक्षण प्रभाव, 3. एकाग्रता प्रभाव
पुराने स्तर पर होने वाले खर्च और कराधान से नए स्तर की ओर झुकाव विस्थापन प्रभाव कहलाता है। युद्ध और अन्य सामाजिक बाधाएं जनता और सरकार को महत्वपूर्ण समस्याओं के सुझाव को हल करने के लिए बाध्य करता है जो पूर्व से उपेक्षित रहा था।
इसे निरीक्षण प्रभाव कहा जाता है। जो ऋण बाजार में बृद्धि और युद्ध पेंशन आदि के रूप में राज्य पर नए दायित्वों को अधिरोपित करता है। एकाग्रता प्रभाव कुल सार्वजनिक क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ता अनुपात बनने के लिए स्पष्ट प्रवृत्ति को दर्शाता है। जब समाज आर्थिक विकास भोग रहा होता है।

40. किसी परिसंघ की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है
(a) केंन्द्र तथा राज्य सरकारों के कार्यों तथा संसाधनों के बीच पूर्ण मिलान
(b) केंद्र तथा राज्य सरकारों के कार्यों तथा संसाधनों के बीच तदनुरूपता नहीं होना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) राज्यों पर केंद्र की सर्वोच्चता
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans : (b) राबर्ट गैरान के अनुसार "एक परिसंघ सरकार का एक प्रकार है जिसमें संप्रभुता अथवा राजनीतिक शक्ति केन्द्र और स्थानीय सरकारों के बीच बाँटी जाती है। ताकि प्रत्येक सरकार अपने क्षेत्र में एक दूसरे से स्वतन्त्र हो" इस प्रकार परिसंघ में केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों, कार्यों और संसाधनों का संवैधानिक विभाजन होता है। आर.एन. भार्गव के शब्दों में "परिसंघ वित्त व्यवस्था शब्द परिसंघ के वित्त के साथ ही साथ राज्य सरकारों और उन दोनों के संबंधों को निरूपित करता है" परिसंघीय सरकार जैसे- अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और स्विटजरलैंड पुराने परिसंघ है। जबकि भारत, पाकिस्तान, मलेरिया और नइजीरिया के परिसंघीय सरकार अपने वातावरण की उपयुक्तता के अनुसार कुछ अलग प्रकार के है।

41. केंद्र में वित्तीय समेकन किया जा सकता है
(a) केवल प्रमुख सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाकर
(b) रक्षा व्यय में कटौती कर
(c) कर-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में वृद्धि कर तथा सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाकर
(d) राज्य को केंद्रीय सहायता न्यूनतम करके

Ans : (c) केन्द्र में वित्तीय समेकन कर-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में वृद्धि कर तथा सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाकर किया जा सकता है।

42. निम्नांकित रिपोर्टों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें:
I. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति, अंतिम रिपोर्ट
II. कर संरचना को युक्तिसंगत तथासरल बनाए जाने संबंधी अंतिम रिपोर्ट
III. भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण की रिपोर्ट
IV. कर जाँच आयोग
कूट:
(a) IV, III, II, I (b) I, II, III, IV
(c) III, I, IV, II (d) II, III, I, IV

Ans : (a) – कर जाँच आयोग (1935-54)
भारतीय कर सुधार सर्वेक्षण की रिपोर्ट (1956)
कर संरचना को युक्ति संगत तथा सरल बनाए जाने संबधी अंतिम रिपोर्ट (1967)
प्रत्यक्ष कर जाँच समिति अंतिम रिपोर्ट (1971)

43. भारतीय संविधान में राज्य सूची (सूची-II) में करों की सही पहचान करें:
I. खनिज अधिकार पर कर
II. विलासिता वस्तुओं पर कर
III. विनिमय बिलों, चेकों और प्रॉमिसरी नोट्स के संदर्भ में स्टाम्प शुल्क की दर
IV. तम्बाकू पर उत्पाद शुल्क
निम्नांकित दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनें:
कूट:
(a) I और III सही हैं
(b) I और II सही हैं
(c) I, III और सही हैं
(d) II, III, और IV सही हैं

Ans : (b) भारतीय संविधान के अनुसूची-7 के सूची दो में राज्य सरकारों को निम्न मदो पर कर लगाने का अधिकार है–
1. भू-राजस्व।
2. अखबार को छोड़कर अन्य वस्तुओं की खरीद एवं बिक्री पर कर।
3. कृषि आय पर कर।
4. भूमि तथा मकान पर कर।
5. शराब तथा नशीली वस्तुओं पर कर।
6. स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के प्रवेश पर कर।
7. खनिज अधिकारों पर कर। (संसद के अधिकार क्षेत्र में)
8. बिजली के उपभोग या बिक्री पर कर।
9. सवारी, मवेशी तथा नाव पर कर।
10. केन्द्रीय सूची में अंकित को छोड़कर अन्य स्टाम्प शुल्क।
11. सड़क या आंतरिक जलमार्ग से जाने वाली वस्तुओं तथा यात्रियों पर कर।
12. मनोरंजन तथा जुआ सहित विलास पर कर।
13. पेशे तथा व्यापार पर कर।
14. रोजगार तथा प्रतिव्यक्ति पर कर।
15. अखबार में छपे विज्ञापनों को छोड़कर अन्य विज्ञापनों पर कर।

44. एकमुश्त अनुदान का तात्पर्य है:
(a) ऐसा अनुदान जिसकी राशि व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त है
(b) एक तुल्य तथा सशर्त अनुदान
(c) एक विशेष उद्देश्य हेतु प्रदत्त अनुदान जिसे मात्र उसी उद्देश्य के लिए व्यय किया जा सकता हो
(d) ऐसा अनुदान जिसकी राशि प्राप्तकर्ताओं के तुल्य प्रयास पर निर्भर नहीं हो

Ans : (d) एक विशेष कार्यक्रम के लिए निर्धारित अनुदान संघ और राज्य सरकारों द्वारा की गई पेशकश का सबसे प्रचलित प्रकार है। प्रमुख राज्य सुनिश्चित कार्यक्रम के अधीन स्थानीय शिक्षा के लिए अनुदान प्रदान करता है। विभिन्न प्रकार के सुनिश्चित अनुदान होते है। अनुदान एक मुश्त या गैर मिलान है। यदि राशि में परिवर्तन नहीं होता है। जबकि प्रापक सरकार अपने करो वा खर्चों में परिवर्तन करता है। इसके विपरीत मिलान अनुदानों को प्रापक सरकार की अनुक्रिया पर निर्भर अनुदान के आकार के साथ प्रापक सरकार के करो या खर्चों की आवश्यकता होती है।

45. लैस्पेर और पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य प्रदान करता है:
(a) मार्शल-एजवर्थ सूचकांक
(b) बाउले का सूचकांक
(c) फिशर का सूचकांक
(d) केली का सूचकांक

Ans : (c) फिशर की सूचकांक संख्या लैस्पेर और पाशे के सूचकांको का गुणोत्तर माध्य है। इस सूत्र का प्रयोग कर फिशर के सूचकांक की गणना की जा सकती है।

$$P_{01} = \sqrt{L \times P}$$

$$= \sqrt{\frac{\Sigma P_1 Q_0}{\Sigma P_0 Q_0} \times \frac{\Sigma P_1 Q_1}{\Sigma P_0 Q_1}} \times 100$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

इसे आदर्श सूचकांक माना जा सकता है क्योंकि :
सैद्धांतिक तौर पर गुणोत्तर माध्य को सूचकांक के निर्माण का सर्वश्रेष्ठ औसत माना जाता है। और फिशर का सूचकांक गुणोत्तर माध्य का उपयोग करता है
यह पूर्वाग्रह से मुक्त है जैसा कि लैस्पेर का सूचकांक उर्ध्वागामी रूप से और पाशे का सूचकांक नीचे की ओर से पूर्वाग्रसित है फिर भी काफी हद तक संतुलित है।
इस सूत्र में दोनों आधार अवधि तथा वर्तमान अवधि के परिमाणों पर विचार किया जाता है।

46. अभिकथन (A) : चल औसत पद्धति का प्रयोग समय श्रृंखला में प्रवृत्ति का आकलन करने हेतु किया जा सकता है।
तर्क (R) : चल औसत समय श्रृंखला में उतार-चढ़ाव को निष्कोणित बनाने का एक साधन है।
निम्नांकित दिये गये कूटों में से सही कूट का चयन कीजिए:
कूट:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है
(d) (R) गलत हे, किंतु (A) सही है

Ans : (a) चल औसत पद्धत्ति का प्रयोग समय श्रृंखला में प्रवृत्ति का आकलन करने हेतु किया जा सकता है क्योंकि चल औसत समय श्रृंखला में उतार-चढ़ाव का निष्कोणित बनाने का एक साधन है।
अतः (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

47. निम्नलिखित में से कौन परीक्षण की शक्ति को इंगित करता है? (α प्रकार I त्रुटि की संभाव्यता है और β प्रकार II त्रुटि की संभाव्यता है)
(a) α (b) β
(c) I - α (d) I - β

Ans : (d) एक असत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करने की संभावना को परीक्षण की शक्ति कहा जाता है। इसलिए शक्ति एक सही निष्कर्ष निकालने की परीक्षण द्वारा संभावना है। जब शून्य परिकल्पना असत्य है। मानदण्ड के एक निश्चित मूल्य के लिए वैकल्पिक परिकल्पना सुसंगत है।
शक्ति = 1- टाइप या त्रुटि की संभावना
यदि शक्ति को सभी निर्दिष्ट विकल्पों के विरुद्ध रेखांकन द्वारा स्थापित किया जाता है, प्राप्त वक्र को शक्ति वक्र के रूप में जाना जाता है। परीक्षण की शक्ति यह निर्धारित करती कि एक परीक्षण सत्य और असत्य शून्य परिकल्पना के बीच किस हद तक अंतर मालूम कर सकती है। 1- α का परिमाण परीक्षण के विश्वास स्तर के रूप में जाना जाता है। और 1- β को परीक्षण की शक्ति कहा जाता है। परीक्षण की शक्ति एक असत्य परिकल्पना को अस्वीकार करने के लिए परीक्षण आँकड़ों की क्षमता को दर्शाता है।

48. एक आवृत्ति वितरण में जिसका प्रमाप विचलन 15.8 है, जिसकी माध्यिका उसके माध्य से 4 अधिक है, तो इसका विषमता गुणांक कितना होगा?
(a) −0.76 (b) +0.76
(c) −0.86 (d) +0.86

Ans : (a) कार्ल पियरसन का विषमता गुणांक-कार्ल पियरसन की विषमता की सापेक्ष माप दिये गए माध्य और माध्यिका के अन्तर पर आधारित है।

$$\text{विषमता गुणांक (skp)} = \frac{\text{माध्यिका माध्य}}{\text{प्रमाप विचलन}}$$

एक शुद्ध संख्या है। इस सूत्र का तब तक प्रयोग नहीं किया जा सकता है। जब तक माध्य ठीक से परिभाषित न हो। इस तरह की स्थिति में माध्यिका का प्रयोग होता है। चूकि एक सामान्य विषम वितरण उनके निम्नलिखित सम्बन्धों में अवस्थित होता है।
इस प्रकार सूत्र बनता है।

$$\text{विषमता गुणांक (skp)} = \frac{3(\text{माध्यिका माध्य})}{\text{प्रमाप विचलन}}$$

$$\text{प्रमाप विचलन} = 15.8$$

और (माध्यिका-माध्य) = −4

$$\text{विषमता गुणांक} = \frac{3\times(-4)}{15.8}$$

$$= \frac{-12}{15.8} = -0.76$$

49. तीन सिक्कों को एक साथ उछाला जाता है, इन सिक्कों के 2 चित्त और 1 पट होने की क्या प्रायिकता होगी?
(a) $\frac{1}{2}$ (b) $\frac{1}{4}$
(c) $\frac{3}{4}$ (d) $\frac{3}{8}$

Ans : (d) एक सिक्के के चित्त (heads) गिरने की प्रायिकता p या $\frac{1}{2}$ हैं। 3 सिक्कों में से ठीक दो चित्त और एक पट होने की प्रायिकता होगी।
प्रायिकता का अर्थ और परिभाषा–

$$= 3C_2P^2q$$

$$= 3\times\frac{1}{2}\times\frac{1}{2}\times\frac{1}{2} = \frac{3}{8}$$

50. आवृत्ति बंटन में यदि प्रत्येक मद को 5 से गुणा किया जाता है तो विचलन गुणांक
(a) अपरिवर्तित रहेगा (b) 5 द्वारा गुणित होगा
(c) 25 द्वारा गुणित होगा (d) 1/5 द्वारा गुणित होगा

Ans : (a) आवृत्ति बंटन में यदि प्रत्येक मद को 5 से गुणा किया जाता है तो विचलन गुणांक अपरिवर्तित रहेगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2014

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. प्रकटित अधिमान सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य सही है? नीचे दिए गए कूटों में सही उत्तर चुनें:

वक्तव्य:

I. माँग की आय लोच धनात्मक होनी चाहिए।

II. उपभोक्ता अधिमान प्रबल क्रमांकन को तुष्ट करता है।

कूट:

(a) दोनों सही हैं (b) कोई भी सही नहीं है

(c) सिर्फ I सही है (d) सिर्फ II सही है

Ans : (a) उपभोक्ता के व्यवहार का प्रकटित या व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण (Revealed preference approach) का प्रतिपादन प्रो.पॉल सेमुएल्सन ने 1948 में किया। प्रो. सेमुएल्सन ने मांग के सिद्धांत का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रों के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यात्मक या क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाये हुए प्रत्यक्ष रूप से व्यक्त अधिमान के आधार पर किया। इस प्रकार सेमुएल्सन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है।

मान्यताएँ–

1. विवेकपूर्ण व्यवहार।
2. सकर्मकता– A > B तथा B > C तो निश्चित रूप से A > C होगा।
3. व्यक्त अधिमान की अवधारणा।
4. उपभोक्ता की रूचि दी हुई है।
5. सबल क्रमबद्धता की मान्यता।
6. स्थिर व्यवहार की अवधारणा।
7. मांग की धनात्मक आय लोच।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर सेमुएल्सन ने व्यक्त अधिमान सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार जब कोई उपभोक्ता बाजार से वस्तुओं के एक संयोग के क्रय का निर्णय करता है तो इसके दो कारण हो सकते है–

(A) वह वस्तुओं के अन्य संयोग की अपेक्षा उस विशिष्ट संयोग को अधिक चाहता है।

(B) वह संयोग अन्य संयोगों की तुलना में सस्ता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

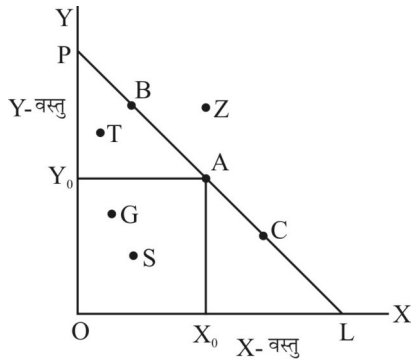

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि उपभोक्ता ने A संयोग को चुना है जबकि बजट सीमा के भीतर सभी संयोग A की तुलना में अधिक व्यय करने वाले नहीं थे। ऐसी स्थिति में A बिन्दु को POL बजट क्षेत्र के भीतर सभी संयोगों की तुलना में वरीयता प्राप्त होगी।

2. खाद्य-वस्तुओं की माँग आय बेलोच होती है। निम्नलिखित में से किसके द्वारा इस सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है?

(a) गिफेन विरोधाभास (b) एन्जिल्स नियम

(c) गॉसेन नियम (d) रिकार्डो नियम

Ans : (b) जर्मन सांख्यिकीविद एन्जिल (Engel) ने घरेलू आय स्तर तथा खाद पदार्थों पर खर्च (food consumption Expenditure) की आय के अनुपात के मध्य प्रतिलोम सम्बन्ध को स्थापित किया। जिसमें खाद्य वस्तुओं की मांग आय बेलोच थी जिससे कुल औद्योगिक उत्पादन में खाद्य उत्पादन के अंश गिर जाएगे फलतः आय ऊपर उठेगा।

3. निम्नलिखित कारकों पर विचार करें:

I. स्वतंत्र प्रवेश

II. विज्ञापन

III. संतोषजनक लाभ का लक्ष्य

इनमें से कौन चैम्बरलिन के एकाधिकारी प्रतियोगिता का भाग है?

कूट:

(a) उपर्युक्त तीनों (b) सिर्फ I और II

(c) सिर्फ II और III (d) सिर्फ III

Ans : (b) एकाधिकारिक प्रतियोगिता की धारणा चैम्बरलिन की देन है। चैम्बरलिन के अनुसार एकाधिकारिक प्रतियोगिता अर्थशास्त्र के इस परम्परागत दृष्टिकोण के लिए एक चुनौती है कि प्रतियोगिता और एकाधिकार वैकल्पिक है तथा किसी वस्तु के मूल्यों का स्पष्टीकरण इन दोनों में से किसी एक के रूप में किया जाना चाहिए। चूँकि प्रत्येक उत्पादक एकाधिकारी है पर उसके प्रतियोगी भी है। यही कारण है कि चैम्बरलिन ने इस स्थिति को एकाधिकारिक प्रतियोगिता कहा अर्थात् एकाधिकार + प्रतियोगिता।

मान्यतायें–

1. समूह में क्रेताओं तथा विक्रताओं की संख्या बहुत ही अधिक है।
2. समूह में विभिन्न क्रेताओं के उत्पाद परस्पर विभेदित होते है पर ये एक-दूसरे के उत्पाद के नजदीकी स्थानापन्न होते है।
3. समूह में फर्मों के प्रवेश तथा बर्हिगमन की स्वतंत्रता रहती है।
4. उत्पादन के साधनों के मूल्य तथा प्रौद्योगिकी दी हुयी है।
5. अल्पकाल तथा दीर्घकाल दोनों में ही फर्म का प्रमुख उद्देश्य अपने लाभ को अधिकतम करना है।
6. चैम्बरलिन यह 'साहसंपूर्ण मान्यता (Heroic assumption) लेकर चलते है कि पूरे समूह में सभी कार्यों के उत्पादों के लिए मांग तथा लागत वक्रें एक रूप है।
7. विज्ञापन व्यय।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

4. असममित जोखिम का अभिप्राय है

(a) वह जोखिम जिसे विविधीकरण माध्यम से समाप्त किया जा सकता है

(b) वह जोखिम जिसे विविधीकरण के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता है

(c) वह जोखिम जिसे विविधीकरण के बगैर समाप्त किया जा सकता है

(d) वह जोखिम जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता

Ans : (*) सभी आर्थिक लेन-देन में जोखिम का तत्व सम्मिलित रहता है। जहाँ कहीं अनिश्चितता होती है, वहाँ जोखिम होता है, जोखिम एक ऐसी स्थिति है, जिसमें किसी घटना के घटित होने या न होने की संभावना को मापा जा सकता है। वास्तविक जीवन में अनिश्चितता होती है तथा बहुत सी वस्तुओं और सेवाओं में जोखिम सम्मिलित होता है जैसे कि शेयरों अथवा स्टॉक में निवेश, बीमा तथा जुआ आदि।

5. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने फर्मो के 'प्रवेश में बाधाएँ' अवधारणा विकसित की?

(a) जे.एस.बेन (b) डब्ल्यू.जे.बॉमोल

(c) अल्फ्रेड मार्शल (d) डब्ल्यू. एस. जेवन्स

Ans : (a) प्रकृति और प्रवेश के लिए बाधाओं की हद का गहन अध्ययन करने के लिए जे.एस. बैन द्वारा 1956 में ''नई प्रतिस्पर्धा में बाधाये'' में संकलित किया गया, जिसमें उन्होंने प्रवेश बाधाओं को तकनीको के एक समूह या उत्पादन की स्थितियों के रूप में परिभाषित किया।

6. स्थिर औसत लागत में गिरावट के चलते औसत परिवर्ती लागत बढ़ने लगती है क्योंकि

(a) साधनों का प्रतिफल ह्रासमान होने लगता है

(b) साधनों का प्रतिफल बढ़ने लगता है

(c) लागत मूल्य बढ़ने लगते हैं

(d) उत्पादक का बजट संकुचित होने लगता है

Ans : (a) कुल औसत लागत वक्र (TVC) U आकृति का होता है क्योंकि उत्पादन के निम्नतम स्तर पर, कुल औसत लागत अधिक होती है। उत्पादन स्तर बढ़ने के साथ-कुल औसत लागत गिरने लगती है क्योंकि उत्पादन की अतिरिक्त इकाइयों में निर्धारित लागत भी है। यद्यपि, कुल बिन्दुओं पर लाभ असमान, औसत परिवर्ती लागत में वृद्धि का कारण बनता है जो औसत लागत में वृद्धि की शुरूआत करता है। जब कभी कुल औसत लागत से सीमांत लागत कम होती है। कुल औसत लागत गिरने लगती है और बढ़ने के साथ बढ़ने लगती है। इसलिए कुल औसत लागत वक्र को कुशल पैमाने पर सीमांत लागत वक्र पर पार करती है।

7. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें:

I. दीर्घावधि औसत लागत वक्र का न्यूनतम बिन्दु न्यूनतम सुदक्ष पैमाना के रूप में जाना जाता है।

II. यह वह निर्गत होता है जहाँ पर दीर्घावधि औसत लागत वक्र का नीचे आना रूक जाता है।

नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प चयन करें:

कूट:

(a) I और II दोनों सही हैं (b) दोनों गलत हैं

(c) सिर्फ I सही है (d) सिर्फ II सही है

Ans : (a) दीर्घकाल में उत्पादक के पास इतना अधिक समय रहता है कि वह उत्पादन-क्रिया में प्रत्येक प्रकार का परिवर्तन ला सकता है, AS–वह प्लांट के आकार में परिवर्तन ला सकता है, नयी मशीन क्रय कर सकता है। इसकी निम्न विशेषताएं है–

1. LAC वक्र एक स्पर्श बिन्दु पथ है जिसके प्रत्येक बिन्दु किसी न किसी SAC के स्पर्श बिन्दु को छूता होता है।
2. दीर्घावधि औसत लागत (LAC) वक्र का न्यूनतम बिन्दु न्यूनतम सुदक्ष पैमाने के रूप में जाना जाता है।
3. यह वक्र निर्गत होता है, जहाँ पर दीर्घावधि औसत लागत वक्र का नीचे आना रूक जाता है।
4. SAC की तरह 'U' आकार का पर SAC की अपेक्षा चपटा होता है।
5. LAC वक्र SAC को काटता नही, स्पर्श करता है। स्पर्श तो करता है पर प्रत्येक SAC के न्यूनतम बिन्दु पर नहीं बल्कि 'अनुकूलतम उत्पादन के स्तर' के बिन्दु पर। पहले यह SAC के गिरते हुए भाग को तथा इसके बाद दाहिनी ओर SAC के ऊपर उठते हुए भाग को स्पर्श करेगा। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

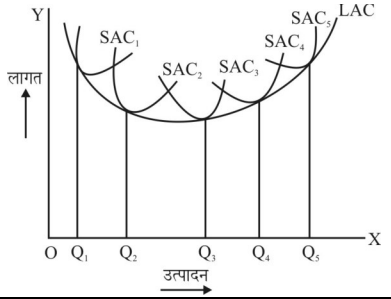

8. निम्नलिखित में से कौन अपूर्ण प्रतिस्पर्धा की एक विशेषता नहीं है?

(a) पूर्ण ज्ञान (b) निःशुल्क परिवहन

(c) फर्मों का मुक्त प्रवेश (d) देशी उत्पाद

Ans : (a) अपूर्ण प्रतियोगिता की धारणा का प्रतिपादन श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने किया। उन्होंने यह बताया कि व्यावहारिक जीवन में न तो पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति होगी और न ही एकाधिकार की बल्कि इनके बीच अपूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति होगी जिसमें क्रेता तथा विक्रेता को बाजार का पूर्ण ज्ञान नहीं है पर वस्तुयें सहजातीय है, विभेदित नहीं है। अपूर्ण प्रतियोगिता में फर्मों का मुक्त प्रवेश, देशी उत्पाद एवं परिवहन लागत का अभाव होता है।

इस प्रकार पूर्ण ज्ञान अपूर्ण प्रतियोगिता की विशेषता नहीं है।

9. इष्टतम पूँजी संचय हेतु एडमंड फेल्प्स के संचय संबंधी स्वर्णिम नियम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी शर्त सही है? निम्न कूट से चयन करें:

I. बचत दर अद्वितीय होती है।

II. पूँजी की सीमांत उत्पादकता पूँजी मूल्यह्रास के समान हो।

कूट:

(a) दोनों सही हैं

(b) इन दोनों में से कोई सही नहीं है

(c) केवल I सही है

(d) केवल II सही है

Ans : (a) फेल्प्स ने 1961 में सर्वप्रथम ''स्वर्णिम नियम'' शब्द के बारे में जिक्र किया था जिसका अभिप्राय इष्टतम विकास के मार्ग के वर्णन से है जो प्रति व्यक्ति खपत के अधिकतम स्तर को प्रदान करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. रोजगार संबंधी केन्ज के सिद्धांत द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सा उपेक्षित था?

(a) अपेक्षाओं की भूमिका (b) पूंजी स्टॉक की भूमिका
(c) उपभोग की भूमिका (d) सरकार की भूमिका

Ans : (b) पूँजी स्टाक की भूमिका को कीन्स ने उपेक्षित रखा अतः विकल्प b सही है।

11. ड्यूसेनबेरी की भूतकाल की आय संबंधी अवधारणा के कौन से कथन सही हैं? निम्न कूट से चयन कीजिए:

कथन:

I. वर्तमान उपभोग न सिर्फ वर्तमान आय बल्कि पूर्व आय का फलन है।
II. संकुचन और विस्तार के दौरान आय और उपभोग के बीच असममित संबंध होता है।
III. उपभोग-आय संबंध अपरिवर्तनीय होता है।
IV. दबाव के दौरान आय की अपेक्षा उपभोग में थोड़ी कमी आती है किंतु विस्तार के दौरान उपभोग में अधिक वृद्धि होती है।

कूट:

(a) I और III (b) I, II और IV
(c) I, II और IV (d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

Ans : (d) जेम्स ड्यूजेनबरी ने सापेक्ष आय परिकल्पना का प्रतिपादन किया। इस परिकल्पना के अनुसार व्यक्ति उपभोग के संबंध में अपनी आय के साथ-साथ अपने आस-पास रहने वाले पड़ोसियों के उपभोग व्यय से भी प्रभावित होता है। ड्यूजेनबरी के परिकल्पना के बारे में निम्न कथन सत्य है–

I. वर्तमान उपभोग न सिर्फ वर्तमान आय बल्कि पूर्व आय का फलन है।
II. संकुचन और विस्तार के दौरान आय और उपभोग के बीच असममित संबंध होता है।
III. उपभोग-आय संबंध अपरिवर्तनीय होता है।
IV. दबाव के दौरान आय की अपेक्षा उपभोग में थोड़ी कमी आती है किंतु विस्तार के दौरान उपभोग में अधिक वृद्धि होती है।

12. परम्परावादी समष्टि प्रणाली में धन की प्रमात्रा में वृद्धि के परिणामस्वरूप क्या परिवर्तन होगा?

I. मूल्य स्तर में वृद्धि ।
II. मूल्य स्तर में कोई बदलाव नहीं।
III. उत्पादन स्तर में कोई बदलाव नहीं और रोजगार में कोई बदलाव नहीं।
IV. रोजगार और उत्पादन में वृद्धि।

कूट:

(a) II और IV (b) I और II
(c) I और IV (d) I और III

Ans : (d) परम्परागत अर्थशास्त्री मुद्रा को मूल्य स्तर तथा वास्तविक आय का फलन मानते थे अरस्तु, परम्परागत अर्थशास्त्रियों के लिए धन एक महज माध्यम है जो मूल्यों को निर्धारित करता है जिसमें हम इस तरह के परिवर्ती की माप आर्थिक गतिविधि के स्तर पर कर सकते हैं।

13. नीचे सुप्रद्धि एल.एम. वक्र दिया गया है और और इसके परास को तीन भागों में चिह्नित किया गया है। चिह्नित परास के किस भाग में केन्ज प्रभाव लागू नहीं होता है?

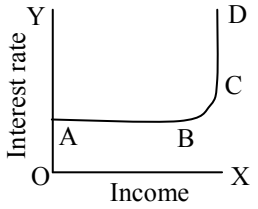

(a) AB परास में (b) AC परास में
(c) CD परास में (d) AB और BC परास में

Ans : (a)

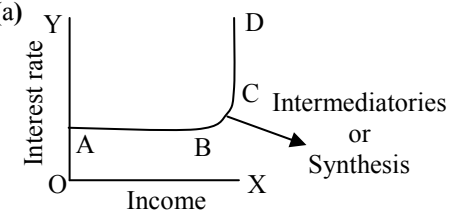

14. मुद्रा वेग के स्थायित्व की सैद्धांतिक धारणा हाल की शोध से कमजोर पड़ रही है। यह निम्न में से किसकी स्थिति के कमजोर होने का संकेत है?

(a) केन्सियन्स (b) मुद्रावादी
(c) नए परंपरावादी (d) आदर्शवादी

Ans : (b) दरअसल मुद्रावादी धारणा के अनुसार मुद्रा की मांग MV = PT से निर्धारित होती है जहाँ इन्होंने V अर्थात् मुद्रा वेग को स्थिर माना हैं परन्तु हाल के शोध में यह पाया गया कि बाजार तरलता अर्थात् मुद्रा की उपलब्धता मुद्रा वेग को प्रभावित करता है। यदि बाजार में मुद्रा की उपलब्धता कम होगी तो मुद्रा वेग बढ़ जायेगा.

15. लेविस के द्विक्षेत्रीय मॉडल में निम्नलिखित में से कौन-सी मान्यता सही है?

(a) शहरी क्षेत्र में उच्च बेरोजगारी
(b) बढ़ती वास्तविक मजदूरी
(c) ग्रामीण क्षेत्र में उच्च सीमांत उत्पादकता
(d) ग्रामीण क्षेत्र में श्रम आधिक्य

Ans : (d) ग्रामीण क्षेत्र में श्रम आधिक्य व उनकी शून्य या कम सीमान्त उत्पादकता लेविस के द्विक्षेत्रीय मॉडल की Basic मान्यता है। लेविस ने अपना मॉडल ''असीमित श्रम अपूर्ति'' सिद्धान्त 1954 में दिया। जो विकासशील देशों पर लागू होता हैं इसके अनुसार कम उत्पादकता वाले ग्रामीण श्रम आधिक्य को उच्च उत्पादकता वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लगाकर उनकी उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है तथा उनका पुर्नआबंटन किया जा सकता है।

16. निम्नलिखित में से कौन रोजेंस्टीन विकास मॉडल की एक बड़ी अविभाज्यता है?

(a) सेवाएँ (b) कृषि
(c) अवसंरचना (d) आपूर्ति

Ans : (d) रोजेंस्टीन रोडॉन ने अपने विकास मॉडल में-3 अविभाज्यताओं की बात की है जो अल्पविकसित देशों के विकास पथ में अवरोधक का काम करते हैं। ये तीन अविभाज्यताये इस प्रकार है-

1. पूँजी की आपूर्ति की अविभाज्यता।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2. माँग की अविभाज्यता।
3. बचत की आपूर्ति की अविभाज्यता
यदि इन तीनों अविभाज्यताये दूर करली जाये तो विकासशील देशों के विकास को गति प्रदान किया जा सकता है।

17. निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन विकास के मार्क्सवादी मॉडल के लिए सही है?
(a) उत्पादन-रीति में परिवर्तन तथा उत्पादन में संबंध साथ-साथ घटित होते हैं।
(b) उत्पादन-रीति में परिवर्तन उत्पादन में संबंधों में परिवर्तन का अनुगमन करता है।
(c) उत्पादन-रीति में परिवर्तन 'उत्पादन में संबंधों' में परिवर्तन से पहले घटित होता है।
(d) 'उत्पादन में संबंध' महत्वपूर्ण नहीं है।

Ans : (c) कार्ल मार्क्स का आर्थिक विकास सम्बन्धी विश्लेषण राजनीतिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र तथा इतिहास का सम्मिश्रण है, जो संयुक्त रूप से उनकी पुस्तक 'Das Capital' में मिलता है। मार्क्स के अनुसार सभी सामाजिक जीवन का आधार एवं क्रमिक विकास का कारण भौतिकवाद है तथा सभी ऐतिहासिक घटनाएं आर्थिक शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है तथा अनार्थिक शक्तियां ऐतिहासिक विकास को बहुत कम प्रभावित करती है।
मार्क्स सामाजिक व्यवहार का मुख्य आधार उत्पादन की विधि तथा उत्पादन के संबंध से है। उत्पादन की विधि समाज में विशिष्ट प्रबंध की ओर संकेत करती है जो जीवन के समस्त सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक ढांचे को निर्धारित करती है जबकि उत्पादन के संबंध समाज के वर्ग ढाँचे से संबंध रखते है।
मार्क्स का कथन है कि वस्तुओं का उत्पादन पूँजीपतियों के नियंत्रण में होता है तथा उत्पादन की इस सामान्य प्रक्रिया में कोई परिवर्तन नहीं होता है। मार्क्स के अनुसार उत्पादन का निर्धारण सामाजिक एवं ऐतिहासिक होता है।
अतः उत्पादन फलन–

$$y = f(K, L, N, S, U)$$

जहाँ y = उत्पादन।
N = भूमि।
K = पूँजी।
L = श्रम।
U = सम्पूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थागत समूह।
S = तकनीकी व सामाजिक आर्थिक संगठन के बीच के संबंध को दर्शाता है, जो मार्क्स के उत्पादन संबंध के विचार को प्रकट करता है।

18. काल्डर के आर्थिक विकास के मॉडल के संबंध में के निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें:
I. निवेश लाभ दर का फलन है।
II. पूँजी समांग होती है।
III. बचत की सीमांत प्रवृत्ति मजदूरों और लाभ अर्जित करने वालों दोनों के लिए समान होती है।
उपर्युक्त वक्तव्यों में से कौन से सही हैं? नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये:
कूट:
(a) उपर्युक्त तीनों वक्तव्य सही हैं (b) II और III सही हैं
(c) सिर्फ I सही है (d) I और III सहीं है

Ans : (c) निकोलस काल्डर ने सन् 1960 में अपनी पुस्तक "Essay on Economic Stability and Growth" में विकास का मॉडल दिया था। इस मॉडल का मुख्य उद्देश्य उन गैर आर्थिक कारकों की प्रवृत्ति का विश्लेषण करना है जो सन्तुलन विकास की दीर्घकालीन दर निर्धारित करते हैं। इस मॉडल में काल्डार ने विकास की प्रक्रिया को समझाने के क्रम में पूँजी संचय को तकनीकी प्रगति से जोड़ने का प्रयास किया है।

19. प्रच्छन्न बेरोजगारी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही है?
(a) इसके पास बचत क्षमता होती है
(b) इसके पास निवेश क्षमता होती है
(c) यह उत्पादन का विस्तार करने का स्रोत है
(d) यह सामाजिक असंतोष का स्रोत है

Ans : (a) प्रच्छन्न बेरोजगारी (Disguised unemployment) वह बेरोजगारी जिनकी सीमान्त उत्पादकता (Marginal Praductivity) शून्य होती या जीरो। प्रच्छन्न बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में पाई जाती है जहाँ आवश्यकता से अधिक श्रमिकों को लगा दिया जाता है। अर्थात् यदि इन श्रमिकों को हटा भी लिया जाये तो उत्पादन में कमी नहीं आती है। अर्थात् प्रच्छन्न बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में एक 'बचत क्षमता' की तरह है।

20. सोलो के संवृद्धि मॉडल के अंतर्गत सहज संवृद्धि अवस्था परिस्थिति में विकास की ऊपरी सीमा निम्नलिखित में से किसकी वृद्धि दर से निर्धारित होगी?
(a) जनसंख्या (श्रम आपूर्ति) (b) पूँजी
(c) उत्पादन (d) पूँजी और उत्पादन

Ans : (a) सोलों के संवृद्धि मॉडल के अन्तर्गत सहज संवृद्धि अवस्था परिस्थिति में विकास की ऊपरी सीमा जनसंख्या (श्रम आपूर्ति) वृद्धि दर से निर्धारित होती है।

21. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

अवधारणा	**अर्थशास्त्री**
(a) करो और सीखो	I. बी.एस. मिन्हाज्
(b) सर्वव्यापी तकनीकी प्रगति	II. जॉन रॉबिन्स
(c) स्वर्णिम युग	III. केनिथ एरो
(d) सी.ई.एस. उत्पादन फलन	IV. आर.एम.सोलो

कूट:

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	I	II	III	IV
(b)	IV	I	II	III
(c)	II	III	I	II
(d)	III	IV	II	I

Ans : (d) (a) करो और सीखों — III. केनिथ ऐरो।
(b) सर्वव्यापी युग — IV. आर.एम. सोलो।
(c) स्वर्णिम युग — II. जॉन रॉबिन्सन।
(d) सी.ई.एस. उत्पादन फलन — I. बी.एस. मिन्हाज्

22. किसी कर को तब प्रगामी कहा जाता है, जब कर की सीमांत दर
(a) औसत दर से अधिक हो (b) औसर दर से कम हो
(c) औसत दर के बराबर हो (d) सीमांत त्याग के बराबर हो

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) जब औसत दर से सीमांत दर अधिक होती है तो कराधान उन्नतिशील है अर्थात् आय के अनुपात में कर का भुगतान बढ़ जाता है। कर प्रतिगामी तब होता है जब कर भुगतान की राशि आय के अनुपात में कम बढ़ती है।

23. अभिकथन (A) : सापेक्षित रूप से कुछ निजी वस्तुएँ पूर्णतः प्रतिस्पर्धी और निकालने योग्य होती हैं।
तर्क (R) : अधिकांश उपभोग (और उत्पादन) में कम से कम कुछ साझे पहलू होते हैं।
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(c) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है
(d) (A) सही है, और (R), (A) का सही कारण है

Ans : (c) निजी वस्तुओं विभाज्य होती है तथा इनके सम्बन्ध में अपवर्जन सिद्धांत लागू होता है। दूसरे शब्दों में, निजी वस्तुओं का सामूहिक उपभोग नहीं होता, इनके लाभ को बाजार में मूल्य पर बेचा एवं खरीदा जा सकता है तथा ऐसे व्यक्ति को, जो मूल्य का भुगतान नहीं करता है, इनके उपभोग से वंचित किया जा सकता है। इस प्रकार निजी वस्तुओं के संबंध में अपवर्जन का सिद्धांत (Exclusion Principle) तथा प्रतिद्वंद्विता का नियम लागू होता है।
इस प्रकार यदि किसी वस्तु की बाजार पूर्ति W हो तथा अर्थव्यवस्था में A एवं B दो उपभोक्ता हो और यदि $W_a = A$ का उपभोग तथा $W_b = B$ का उपभोग तो W निश्चित रूप से $W_a + W_b$ के बराबर होगा। इस दशा में A यदि W की अधिक मात्रा का उपभोग करे तो B को आवश्यक रूप से कम उपभोग करना होगा। दोनों के उपभोग में प्रतिद्वंदिता होगी। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

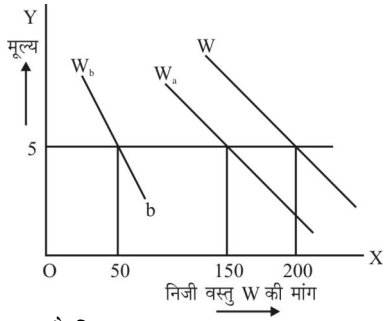

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि वस्तु का कुल उत्पादन W = 200 है। मूल्य 5 पर A की मांग 150 तथा B की मांग 50 है। मांग रेखा W_a तथा W_b को क्षैतिज रूप से जोड़ कर मांग वक्र W खींची गई है।

24. ऋण-प्रतिदान की पद्धतियों में शामिल है :
(a) पूँजी लेवी (b) शोधन निधि
(c) ऋण इनकार (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) – ऋण पुर्नभुगतान राष्ट्रीय साख को बनाए रखता है और उसे सशक्तता प्रदान करता है। साथ ही व्यापार और उद्योग के लिए मुद्रा प्रदान करता है। ऋण प्रतिदान की निम्नलिखित कुछ विधियाँ है-
1. ऋण इन्कार (यानी मूलधन के साथ-साथ ब्याज का भुगतान कर देने से मना कर देना)
2. ऋणों का रूपान्तरण (पुराने ऋणों को नए ऋणों में रूपान्तरित करना)
3. क्रमिक ऋण पत्र प्रतिदान (यानी ऋण पत्र जो पूर्व में जारी किया गया, के एक निश्चित भाग प्रत्येक वर्ष भुगतान करना)।

25. अभिकथन (A) : राजकोषीय अनुशासन के लिए व्यय सीमा अति वांछनीय है।
तर्क (R) : बढ़ता हुआ राजकोषीय घाटा केन्द्र सरकार के वित्त को प्रतिकूलतः प्रभावित करता है।
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का सही व्याख्या नहीं है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, (R), (A) का सही व्याख्या है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(d) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है

Ans : (a) अभिकथन (A) सही है क्योंकि यदि राजकोषीय अनुशासन अर्थात् राजकोषीय घाटा एक व्यय सीमा से अधिक होने पर इसके अपने बहुआयामी नकारात्मक प्रभाव होते है जैसे मुद्रास्फीति का बढ़ जाना, निवेश का कम होना आदि। यह भी बात सही है कि बढ़ता हुआ राजकोषीय घाटा केन्द्र सरकार के वित्त को प्रतिकूलतः प्रभावित करता है। घाटे को पूरा करने की चिंताये सताने लगती है।

26. अभिकथन (A) : राज्य सरकारों के ऋण- सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में वर्ष 2004 में उसके शीर्ष स्तर पर पहुँचने के बाद से गिरावट देखी गई है।
तर्क (R) : 'ऋण अदल-बदल' योजना लागू की गई और ब्याज दरें घटायी गई।
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(d) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है

Ans : (a) 'ऋण अदल-बदल' योजना के लागू होने और ऋण पर ब्याज दरे घटने से 2004 के बाद राज्य सरकारों के ऋण उनके सकल घरेलू उत्पाद अनुपात (GDP- ratio) में गिरावट आयी है।

27. भारत के संविधान के अनुसार, केन्द्र सरकार की सूची-I में शामिल कर हैं:
I. बिजली के उपभोग और बिक्री पर लगने वाला कर
II. समाचारपत्रों की खरीद या बिक्री और उनमें प्रकाशित विज्ञापनों पर लगने वाला कर
III. परिसम्पत्तियों के पूँजी-मूल्य पर लगने वाला कर
IV. सम्पत्ति के उत्तराधिकार के संबंध में लगने वाले शुल्क
उपर्युक्त वक्तव्यों में से कौन से सही हैं? नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये:
कूटः
(a) I, II और IV सही हैं (b) I,II और III सही हैं
(c) II, III और IV सहीं है (d) II और III सही है

Ans : (c) भारत के संविधान की अनुसूची-7 के सूची-I के अनुसार केन्द्र सरकार निम्न मदों पर कर लगा सकती है–
1. कृषि आय के अतिरिक्त आय पर कर।
2. निगम कर।
3. सीमा शुल्क।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

4. शराब तथा नशीले पदार्थों (गांजा, भांग, अफीम) को छोड़कर अन्य वस्तुओं पर उत्पादन शुल्क।
5. व्यक्तियों तथा कंपनियों की गैर-कृषि सम्पत्ति के पूँजी मूल्य पर कर।
6. कुछ वित्तीय दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क।
7. स्टॉक एक्सचेंज तथा भावी मार्केट के लेन-देन पर गैर-स्टाम्प कर।
8. अखबार तथा उनमें छपे विज्ञापनों की खरीद तथा बिक्री पर कर।
9. रेल भाड़ा तथा किराया पर कर।
10. रेल, समुद्र तथा वायुमार्ग से जाने वाले यात्रियों तथा वस्तुओं पर टरमिनल कर।
11. वे कर जो राज्य सूची या समवर्ती सूची में अंकित नहीं है।

28. अभिकथन (A) : जब उत्पादन मात्रा में बदलाव होता है तब शुद्ध कर आय में स्वतः परिवर्तन होता है।
तर्क (R) : स्वचालित स्थायित्व कारक तेजी और मंदी में समग्र व्यय को परिवीक्षित करते हैं।
कूटः
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) का सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, पर (R) गलत है
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है

Ans : (a) दोनों कथन सत्य है तथा (R), (A) की सही व्याख्या करते है क्योंकि हम जानते है कि जब उत्पादन मात्रा में कमी या बढ़ोत्तरी होती है तो उस पर लगने वाला उत्पाद कर कर आय में स्वतः परिवर्तन ले आता है।

29. निम्नलिखित का मिलान करें:

सूची-I	**सूची-II**
(A) आयात और निर्यात की माँग तथा कीमत लोच का योग एक से अधिक होता है।	1. J-वक्र प्रभाव
(B) भुगतान संतुलन राष्ट्रीय आय और व्यय के बीच का अंतर है।	2. आयात कोटा प्रणाली
(C) अनुभवाश्रित साक्ष्य के अनुसार निर्यात और आयात की कीमत लोचों का अल्पकालीन का कम मान	3. मार्शल-लर्नर प्रणाली
(D) आयात को कम करने के तरीके	4. अवशोषण दृष्टिकोण

सही कूट का चयन करें:

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	4	3	1	2
(b)	4	1	3	2
(c)	3	1	4	2
(d)	3	4	1	2

Ans : (d)

(A) आयात और निर्यात की मांग तथा कीमत लोच का योग एक से अधिक होता है	3. मार्शल-लर्नर प्रणाली
(B) भुगतान संतुलन राष्ट्रीय आय और व्यय के बीच का अंतर है।	4. अवशोषण दृष्टिकोण
(C) अनुभवाश्रित साक्ष्य के अनुसार निर्यात और आयात की कीमत लोचों का अल्पकालीन का कम मान	1. J–वक्र प्रभाव
(D) आयात को कम करने के तरीके	2. आयात कोटा प्रणाली

30. निम्नलिखित में से कौन इष्टतम मुद्रा क्षेत्र में संबंधित है?
(a) एकल मुद्रा के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र
(b) कई मुद्राएँ जिनका विनियम दर सापेक्ष रूप से निश्चित है, के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र
(c) एकल मुद्रा या निश्चित दर वाली मुद्राओं में अन्य मुद्राओं की तुलना में साझा रूप से उतार-चढ़ाव आता है
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) इष्टतम मुद्रा क्षेत्र से निम्न कथन संबंधित है–
1. एकल मुद्रा के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र।
2. कई मुद्राएं जिनका विनिमय दर सापेक्ष रूप से निश्चित है, के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र।
3. एकल मुद्रा या निश्चित दर वाली मुद्राओं में अन्य मुद्राओं की तुलना में साझा रूप से उत्तार-चढ़ाव आता है।

31. निम्नलिखित में से कौन डब्ल्यू.टी.ओ. विनियमों में सम्मिलित नहीं है?
(a) औद्योगिक लाइसेंसों को समापत करना
(b) आयात प्रशुल्क को समाप्त करना
(c) विदेशी पोर्टफोलियों निवेश को समाप्त करना
(d) कीमत नियंत्रण को समाप्त करना

Ans : (c) WTO विनियमों में निम्न सम्मिलित है–
1. औद्योगिक लाइसेंसों को समाप्त करना।
2. आयात प्रशुल्क को समाप्त करना।
3. कीमत नियंत्रण को समाप्त करना।
जबकि विदेशी पोर्टफोलियों निवेश को समाप्त करना WTO के विनियमों में सम्मिलित नहीं होता है।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(a) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि ''थाई व्हाट'' के अवमूल्यन के साथ 2 जुलाई, 1997 को एशियाई वित्तीय संकट शुरू हुआ
(b) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि रूसी संकट के साथ 2 अगस्त, 1998 को एशियाई वित्तीय संकट शुरू हुआ
(c) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि ब्राजील के 1999 का संकट एशियाई वित्तीय संकट का मुख्य कारण है
(d) उपर्युक्त सभी सही हैं

Ans : (a) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि ''थाई व्हाट'' के अवमूल्यन के साथ-साथ जुलाई, 1997 को एशियाई वित्तीय संकट शुरू हुआ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. निम्नलिखित का मिलान करें:

सूची-I	सूची-II
(a) बैंक जो यूरो मुद्रा के लिए बाजार में ट्रेडिंग करते हैं	1. यूरो मुदाएँ
(b) यू.एस.ए. के बाहर बैंकों में डॉलर तथा अन्य विदेशी मुद्राओं में मूल्यांकित और भुगतान योग्य जमा	2. एस.डी.आर.
(c) यू.एस. से बाहर स्थित बैंकों में जमा डॉलर	3. यूरो बैंक
(d) आई.एम.एफ. के सदस्य देशों की पाँच मुद्राओं से बना मुद्रा बास्केट	4. यूरो डॉलर

कूट:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	3	4	1	2
(b)	3	1	4	2
(c)	3	4	2	1
(d)	1	3	4	2

Ans : (b)

(a) बैंक जो यूरों मुद्रा के लिए बाजार में ट्रेडिंग करते है।	3. यूरो बैंक
(b) यू.एस.ए. के बाहर बैंकों में डॉलर तथा अन्य विदेशी मुद्राओं में मूल्यांकित और भुगतान योग्य जमा	1. यूरों मुद्राएं
(c) यू.एस. से बाहर स्थित बैंकों में जमा डॉलर	4. यूरो डॉलर
(d) आई.एम.एफ. के सदस्य देशों की पाँच मुद्राओं से बना मुद्रा बॉस्केट	2. S.D.R.

34. यूरोपीय संघ के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है?

(a) सभी सदस्य देशों की यूरो मुद्रा है
(b) सभी सदस्य देशों की एक समान रक्षा नीति है
(c) सदस्य देशों के बीच कोई प्रशुल्क नहीं है।
(d) सभी सदस्य देशों की समान कराधान नीति है।

Ans : (c) द्वितीय विश्व युद्ध (1939- 1045) के युद्ध परिणाम के फलस्वरूप यूरोपीय शक्तियों का संगठन एक प्रमुख परिणाम रहा जिसने यूरोपीय परिषद की नींव रखी। इसने 1951 में मानव अधिकार के कन्वेशन के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया तथा साझा बाजार सिद्धान्त पर कार्य करना शुरू किया जो काफी हद तक सफल भी रहा। अभी हाल ही में U.K. का इससे अलग होना चर्चा का विषय भी रहा।

35. जब कोई देश आयात प्रशुल्क लगता है तो देश का प्रस्ताव वक्र

(a) निर्यात मापने वाली धुरी से अलग हटेगा
(b) निर्यात मापने वाली धुरी से निकट आएगा
(c) कोई बदलाव नहीं आएगा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a)

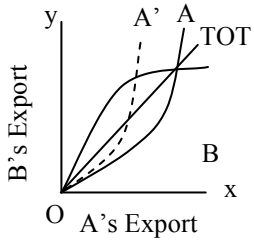

अतः निर्यात नापने वाली धुरी से अलग हटेगा।

36. ऐसा बाजार जिसमें लेनदेन भविष्य में किसी खास समय पर सम्पन्न होगा को कहा जाता है

(a) हाजिर बाजार (b) चालू बाजार
(c) पूँजी बाजार (d) वायदा बाजार

Ans : (d) ऐसा बाजार जिसमें लेन देन भविष्य में किसी खास समय पर सम्पन्न होता है, बायदा बाजार कहा जाता है।

37. भारत में सभी वाणिज्यिक बैंकों का पूँजी पर्याप्तता अनुपात

(a) 9% की वांछित दर से नीचे है
(b) 9% की वांछित दर के समान है
(c) 9% की वांछित दर से काफी अधिक है
(d) 9% की वांछित दर से काफी कम है

Ans : (c) प्रदत्त पूँजी और आरक्षित निधि का अनुपात, पूँजी पर्याप्तता अनुपात है जो बैंकों की परिसम्पतियों के रूप में होता है। सर्वप्रथम निर्धारित जोखिम के आधार पर विभिन्न मदों को वरीयता दी जाती है और फिर पूंजी पर्याप्तता अनुपात की गणना की जाती है। BASEL NORMS के आधार पर RBI ने बैंकों के जोखिम भारित अनुपात प्रणाली का आरम्भ किया।

38. निम्नलिखित में से कौन वाणिज्यिक बैंकों की देयताएँ हैं?

I. पूँजी और आरक्षित निधि
II. नकद तथा भारतीय रिजर्व बैंक के पास अवशेष
III. निवेश
IV. उधारी

कूट:

(a) I और III (b) I और IV
(c) I, II और III (d) II, III और IV

Ans : (b) वाणिज्यिक बैंक की देयतायें- वे सभी देयतायें जो बैंकों को देनी होती हैं। यह बैंकों की निधि के प्रमुख स्त्रोतों में होता है। **मुख्यतः**-1. चुकता पूँजी, 2. आरक्षित निधि व अधिशेष, 3. जमा राशियाँ, 4. उधार राशिया, 5. अन्य देयताएँ- कारोबार के दौरान बैंकों द्वारा व्यय किया जाता है। इसमें मुख्यतः ड्राफ्ट, यात्री चेक, देय हुंडी, पे-स्लिप्स आदि आते है।

39. अभिकथन (A) : 1969 में 14 वाणिज्यिक बैंको के राष्ट्रीयकरण के बाद वाणिज्यिक बैंकों के जमा संग्रहण में बहुत तेजी आयी थी।
तर्क (R) : शाखाओं की संख्या में भारी विस्तार हुआ, ब्याज दर में वृद्धि हुई तथा कई नवोन्मेषी बचत योजनाएँ शुरू हुई।
नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) (A) सही है, किन्तु (R) सही नहीं है ।
(b) (A) और (R) दोनों सही नहीं है ।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Ans : (d) सरकार ने यह महसूस किया कि सामाजिक नियंत्रण के द्वारा सामाजिक लाभ के अधिकतमीकरण के उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। अतः 19 जुलाई, 1969 को उपराष्ट्रपति श्री वी.वी.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

गिरी ने कार्यवाहक राष्ट्रपति की हैसियत से बैंकिंग कम्पनीज अध्यादेश जारी किया। जिसके द्वारा 14 व्यापारिक बैंकों का राष्ट्रीय करण कर दिया गया, जिनके पास कुल जमा का 85% था। 15 अप्रैल, 1980 को 6 और बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। 1969 में 14 वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद वाणिज्यिक बैंकों के जमा संग्रहण में बहुत तेजी आयी थी। इसके बाद शाखाओं की संख्या में भारी विस्तार हुआ, ब्याज दर में वृद्धि हुई तथा कई नवोन्मेषी बचत योजनाएं शुरू हुई।

40. भारत में निम्नलिखित की स्थापना के आधार पर कालक्रमानुसार सजाएँ:

I. भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक
II. विकास वित्तीय संस्थाओं संबंधी आर.बी.आई. कार्य दल
III. भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक
IV. बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आई.आर. डी.ए.)

कूट:

(a) I, IV, III, II (b) III, I, IV, II
(c) III, IV, I, II (d) IV, I, III, II

Ans : (*)
(I) भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक - 1971
(II) भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (SIDBI) - अप्रैल 1990
(III) बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDA) - 1999
(IV) विकास वित्तीय संस्थाओं सम्बन्धी RBI कार्यदल

41. भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी सावधि ऋणदाता संस्थाएँ हैं?

I. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
II. एक्जिम बैंक
III. भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक
IV. नाबार्ड

कूट:

(a) I, और III (b) I, III और IV
(c) I, और II (d) I, IIऔर III

Ans : (*) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) सावधि ऋणदाता संस्था है, जो ऋण लेने वाले को एक निश्चित अवधि के लिए ऋण देता है, जबकि एक्जिम बैंक, भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक और नाबार्ड सावधि ऋण नहीं देती है।

42. भारत में निम्नलिखित में से कौन विस्तृत मुद्रा (M_3) में शामिल किए जाते हैं?

(a) जनता के पास मुद्रा
(b) बैंक के पास माँग जमा
(c) बैंक के पास सावधि जमा
(d) आर.बी.आई. के पास 'अन्य जमा'

कूट:

(a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

Ans : (d) M_3 को व्यापक या विस्तृत मुद्रा कहते है। भारत में M_3 में निम्न तत्वों को सम्मिलित किया जाता है–
1. जनता के पास मुद्रा।
2. बैंक के पास मांग जमा।
3. बैंक के पास सावधि जमा।
4. आर.बी.आई. के पास अन्य जमा।

$M_3 = M_1 +$ बैंकों तथा सरकारी बैंकों की समय जमाएं

M_3 में पोस्ट ऑफिस की कोई भी जमा नहीं सम्मिलित की जाती है। मौद्रिक नीति के क्रियाशीलन के लिए सबसे व्यापक तथा व्यावहारिक आधार यही धारणा देती है। सामान्यतया मुद्रा की पूर्ति के रूप में M_3 को ही लिया जाता है।

43. अभिकथन (A) : वह न्यूनतम दर जिस पर केन्द्रीय बैंक ऋण देने को तैयार हो, उसे बैंक दर कहते हैं।
तर्क (R) : बैंक दर मुद्रा की माँग और आपूर्ति पर निर्भर करता है।
कूट:

(a) (A) और (R) दोनों अलग-अलग सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों अलग-अलग सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

Ans : (c) बैंक दर वह दर है जिस दर पर देश का केन्द्रीय बैंक अपने सदस्य बैंकों के बिलों की पुर्नकटौती करता है अथवा प्रथम श्रेणी की प्रतिभूतियों के बदले में उधार देता है।
आर.बी.आई.एक्ट1934 सेक्टर 49 के अन्तर्गत बैंक दर को परिभाषित किया गया है। यह वह दर होती है जिस दर पर आर.बी.आई. बैंकों को उधार देती है। व्यापक अर्थों में यह साख की उपलब्धता एवं लागत दोनों को प्रभावित करती है, क्योंकि यह वह आधार निर्मित करती है, जिस पर ऋणों की उपलब्धतायें निर्भर करती है।

44. अभिकथन (A) : दिल्ली में जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है।
तर्क (R) : ग्रामीण क्षेत्रों से लोग दिल्ली पलायन कर रहे हैं।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करे:
कूट:

(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं (R), (A) का सही कारण है
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) के लिए पर्याप्त कारण नहीं है

Ans : (b) दिल्ली में जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है इसके कई कारण है। जिनमें एक कारण यह भी है कि ग्रामीण क्षेत्रों से लोग दिल्ली पलायन कर रहे है।

45. स्थिर जनसंख्या की निम्न विशेषता होती है

(a) स्थिर जन्म-दर
(b) अपरिवर्तनशील आयु ढांचा
(c) उपर्युक्त में से कोई सही नहीं है
(d) उपर्युक्त दोनों सही हैं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) जनसंख्या जोंकि अपरिवर्तनीय प्रजनन और मृत्यु दर की अनुसूची एक लम्बी अवस्था द्वारा स्थापित किया जाता है, स्थिर आबादी कहलाता है। एक निश्चित उम्र संयोजन, नियत जन्म और मृत्यु दरों और वृद्धि का एक स्थिर दर द्वारा यह चित्रित है।

46. निवल पुनर्प्रजनन दर के संबंध में निम्न में कौन सही है?

(a) यह किसी महिला से उत्पन्न हुई पुत्रियों की औसत संख्या से संबंधित है
(b) यह किसी महिला की जीवन अवधि से संबंधित है
(c) A और B दोनों सही हैं
(d) A और B में से कोई सही नहीं है

Ans : (a) कुल वैवाहिक प्रजनन दर-प्रजनन आयु समूह में प्रति विवाहित महिला द्वारा जन्म लिए बच्चों की औसत संख्या।
सकल प्रजनन दर-एक महिला द्वारा जन्म लिए बेटियों की संख्या जो प्रजनन आयु के माध्यम से बचती है और वर्तमान प्रजनन दर पैदा होती है।
निवल पुर्नप्रजनन दर-प्रजनन काल (15-44 वर्ष) बेटियों की औसत संख्या मृत्यु दर की अनुपात में।

47. प्रदर्शित होने वाले जनांकिकीय लाभांश के संदर्भ में कौन-सा विकल्प सही है?

(a) 0-7 वर्ष के आयु वर्ग वाले बच्चों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है
(b) 8-15 वर्ष के आयु वर्ग वाले बच्चों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है
(c) 15-64 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है
(d) 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है

Ans : (c) जनांकिकीय लाभांश का सम्बंध कार्यशील जनसंख्या (Working Population) से है, अर्थात् 15-64 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों की जनसंख्या में वृद्धि से है।

48. स्वतंत्रता पश्चात भारत में क्षेत्र विकास को सही क्रम निम्नलिखित में से क्या है?

(a) कृषि, उद्योग, सेवा (b) सेवा, कृशि, उद्योग
(c) उद्योग, कृषि, सेवा (d) कृषि, सेवा, उद्योग

Ans : (d) सामान्यतः विकास का सही क्रम- कृषि, उद्योग और सेवा परन्तु भारत इस नियम का अपवाद है। भारत में सेवा उद्योग से पहले विकसित हुआ है। अर्थात् क्रम इस प्रकार है- कृषि, सेवा, उद्योग।

49. नई कृषि रणनीति में एच.वाय.वी.पी. निम्नलिखित में से किसका संक्षिप्त रूप है?

(a) हाई यील्डिंग वैराइटी पेस्टिसाइड्स
(b) हाई यील्डिंग वॉल्यूम प्रोडक्शन
(c) हाई यील्डिंग वैराइटीस प्रोग्राम
(d) हाई यील्डिंग वॉल्यूम प्रोग्राम

Ans : (c) New agriculture Scheme (NAS) सन् 1966 में प्रारम्भ की गई थी जिसके तहत IADP और IAAP योजनाओं के अधीन सभी जिलों में फसलों की उच्च पैदावार वाली किस्मों को बढ़ावा देने एवं उपयोग करने के लिए नीतियाँ बनायी गई। सन् 1966 में पहली बार यह लागू हुआ इसे HYVP के रूप में भी जाना जाता है।

50. यदि किसी नियत भूखंड पर अधिकाधिक पूँजी और श्रम का प्रयोग किया जाता है, तो कृषि की इस पद्धति को कहा जाता है

(a) गहन कृषि (b) विस्तृत कृषि
(c) सहकारी कृषि (d) द्विफसली कृषि

Ans : (a) यदि किसी नियत भू-खंड पर अधिकाधिक पूँजी और श्रम का प्रयोग किया जाता है, तो कृषि की इस पद्धति को गहन कृषि कहा जाता है। इसके अन्तर्गत छोटे-छोटे खेतों का उपयोग शारीरिक श्रम, खाद्य एवं उर्वरक इत्यादि के सहयोग के साथ प्रचुरता से किया जाता है। यह प्रणाली चूँकि श्रमिकों की बड़ी संख्या के लिए होता है इसलिए इस प्रकार की खेती वहां की जाती है, जहां आबादी अधिक है। प्रति हेक्टेयर उत्पादन में वृद्धि पर जोर दिया जाता है।

51. फसल का नाम बताएँ जिनके संदर्भ में हरित क्रांति सर्वाधिक सफल रही है।

(a) चाय और कॉफी (b) गेहूँ और चावल
(c) गेहूँ और दलहन (d) ज्वार और तिलहन

Ans : (b) खाद्यान्न संमस्या को दूर करने के लिए भारत में हरित क्रान्ति चलाई गई। इस कार्यक्रम के तहत गेहूँ और चावल के उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में आशातीत वृद्धि हुई जो कि पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर- प्रदेश में केन्द्रित रही।

52. निम्नलिखित में से कौन-सा श्रम का सामाजिक सुरक्षा मद नहीं है?

(a) मजदूरी (b) मातृत्व लाभ
(c) पेंशन (d) औद्योगिक चोट प्रतिपूर्ति

Ans : (a) सामाजिक सुरक्षा कानून के निम्नलिखित अधिनियम है-
1. कामकार क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923।
2. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948।
3. कोयला खदानों भविष्य निधि और विविध अधिनियम 1948।
4. कर्मचारी भविष्य निधि 1952।
5. मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।
6. ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम।

53. निम्नलिखित में से कौन-सा पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में उपयोग में लाए जाने वाले आकस्मिक मूल्यांकन प्रणाली (सी.बी.एम.) के बारे में सही है?

(a) इसका प्रयोग केवल प्रदूषणकारी के लिए किया जाता है
(b) इसका प्रयोग केवल सकारात्मक उपयोगिता की मदों के लिए किया जाता है
(c) इसका प्रयोग बाजार विफलता की मदों के लिए किया जाता है
(d) इसका प्रयोग केवल प्राकृतिक संसाधनों के लिए किया जाता है

Ans : (c) आकस्मिक मूल्यांकन प्रणाली Contingency Valuation Method CVM का उपयोग बाजार विफलताओं (बाह्यताये- externality) की मदों के लिए किया जाता है।

54. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में औद्योगिक इकाइयों की रूग्णता का कारण नहीं है?

(a) पुरातन प्रौद्योगिकी
(b) पूंजी लेखा परिवर्तनीयता का अभाव
(c) श्रमिक समस्याएँ
(d) त्रुटिपूर्ण कार्यस्थल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) पूँजी लेखा परिवर्तनीय (capital account convertibility) भारत में औद्योगिक इकाइयों की रूग्णता का कारण नहीं है। यह पूँजी के flow बहाव को प्रभावित करेगा।

55. अभिकथन (A) : भारत में आधुनिक लघु उद्योग की तुलना में परंपरागत लघु उद्योग की रोजगार उपलब्ध कराने की क्षमता अधिक है।
तर्क (R) : परंपरागत लघु उद्योग में प्रति श्रमिक पूंजी का मूल्य, आधुनिक लघु उद्योग में प्रति श्रमिक पूंजी के मूल्य की तुलना में कम होता है।
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत हैं, किन्तु सही है

Ans : (a) दोनों कथन सत्य है तथा तर्क (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है क्योंकि परंपरागत लघु उद्योगों में कम कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है जो कि भारत में कम मजदूरी दर पर आसानी से उपलब्ध हो जाते है। जबकि आधुनिक औद्योगिक इकाईयों में ठीक उलटा है।

56. निम्नलिखित राज्यों में से किस राज्य द्वारा वर्ष 2012-13 दौरान गेहूँ का सर्वाधिक प्रापण हुआ?
(a) पंजाब और उत्तर प्रदेश (b) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
(c) उत्तर प्रदेश और हरियाणा (d) पंजाब और हरियाणा

Ans : (d) पंजाब और हरियाणा द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान गेहूँ का सर्वाधिक प्रापण हुआ।
वर्ष 2014-15 में गेहूँ का सर्वाधिक उत्पादन उत्तर-प्रदेश (25.20 मिलियन टन) तथा इसके बाद पंजाब (15.80 मिलियन टन) व मध्य प्रदेश (14.20 मिलियन टन) है।

57. वर्ष 2013-14 के लिए निम्नलिखित करों को सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत योगदान के आधार पर अवरोही क्रम से सजाएँ:
1. आय कर 2. सेवा कर
3. निगम कर 4. उत्पाद शुल्क
कूटः
(a) 4, 2, 3, 1 (b) 3, 1, 4, 2
(c) 2, 3, 1, 4 (d) 1, 2, 3, 4

Ans : (b) वर्ष 2013-14 में करों का सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत योगदान के आधार पर अवरोही क्रम निम्न है–
3. निगम कर, 1. आय कर, 4. उत्पाद शुल्क, 2. सेवा कर।
वर्ष 2015-16 में सकल घरेलू उत्पाद में करों का प्रतिशत में योगदान का अवरोही क्रम निम्न है–
1. निगम कर, 2. आय कर, 3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, 4. सीमा शुल्क।

58. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के संबंध में निम्नलिखित तथ्यों में से कौन-सा सही है?
I. इसकी स्थापना वर्ष 2003 में हुई थी।
II. इसकी स्थापना राघवन समिति की सिफारिशों पर हुई थी।
कूटः
(a) I और II दोनों सही हैं
(b) I और II दोनों सही नहीं हैं
(c) केवल I सही है
(d) केवल II सही है

Ans : (a) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग MRTP Act 1969 को खत्म करके प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने हेतु किया गया जो 2002 में अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना 14 October, 2003 को हुई तथा May, 2009 से सम्पूर्ण रूप में कार्यशील हुआ।

59. नवसृजित अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूंचकांक, ग्रामीण सी.पी.आई. तथा शहरी सी.पी.आई. के लिए आधार वर्ष है
(a) 2004–05 (b) 2006–07
(c) 2009–10 (d) 2010

Ans : (d) $CPI \rightarrow \begin{cases} \rightarrow CPI(Rural \\ \rightarrow CPI(Urban) \\ \rightarrow CPI(Rurel + Urbon) \end{cases}$
वर्ष 2010 को आधार वर्ष मानकर जनवरी, 2011 से प्रभावी।
इस समय आधार वर्ष 2012 हो गया है।

60. 'व्यवसाय करने में सुगमता' के 10 मानदण्डों के आधार पर विश्व बैंक के हाल की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2013 से मई 2014 की अवधि के दौरान भारत अब किस स्थान पर आ गया है?
(a) 138 (b) 142
(c) 144 (d) 146

Ans : (b) 'Ease of doing business' रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है। 'व्यवसाय करने में सुगमता' के 10 मानदण्डों के आधार पर विश्व बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार 2013 से मई, 2014 की अवधि के दौरान भारत का स्थान 142 है। वर्ष 2015 में 140वां स्थान है। 2016 की रिपोर्ट के अनुसार 189 देशों में 134वां स्थान है।

61. निम्नलिखित में से कौन गलत है?
(a) दसवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 2002-2007 थी
(b) भारतीय भूमि प्रणाली का आरंभ लॉर्ड डलहौजी द्वारा किया गया था
(c) जमींदारी प्रणाली का आरंभ लॉर्ड डलहौजी द्वारा किया गया था
(d) महलवाड़ी भूमि कालवधि प्रणाली आगरा और अवध में शुरू की गयी थी।

Ans : (c) जमींदारी प्रणाली का प्रारंभ लार्ड कार्नवालिस ने 1793 ई. में सर्वप्रथम बंगाल में किया। इसके अन्तर्गत भू-राजस्व एकत्रित करने के लिए जमींदार नियुक्त किए गये। जमींदार भू-राजस्व एकत्र करने के लिए सरकार और किसानों के बीच मध्यस्थ बन गए। सरकारी लगान सरकार द्वारा तय किया जाता था, जिसे जमींदार सरकारी खजाने में जमा करते थे। बंगाल के साथ-साथ बिहार, उड़ीसा तथा उत्तरी मद्रास में यह प्रथा विकसित हुई।

62. वित्तीय क्षेत्र विधायी सुधार आयोग 2013 ने निम्नलिखित पहलुओं पर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की:
I. विधायी II. गैर-विधायी
III. विपणन IV. विज्ञापन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट:

(a) I, II, IV (b) I, II, III
(c) II, III, IV (c) I, II

Ans : (d) FSLRC का गठन March 2011 में वित्तिय क्षेत्रों के कानूनों को नए तरीके से नियमन के लिए स्थापित किया गया। इसने एक गैर-क्षेत्रीय सिद्धान्त पर आधारित विधायी नियामक की अनुशंसा की।

63. वर्ष 2013-14 के दौरान '' मनरेगा'' कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखत में से किन राज्यों में महिला रोजगार का प्रतिशत सबसे कम था?

(a) उत्तर प्रदेश और राजस्थान
(b) ओडिशा और मध्य प्रदेश
(c) उत्तर प्रदेश और ओडिशा
(d) राजस्थान और पश्चिम बंगाल

Ans : (c) वर्ष 2013-14 के दौरान ''मनरेगा'' कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर-प्रदेश और ओडिशा राज्यों में महिला रोजगार का प्रतिशत सबसे कम था।
'मनरेगा' की शुरूआत 2 फरवरी, 2006 से की गई। इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार के वयस्क सदस्य को वर्ष में न्यूनतम 100 दिन अकुशल श्रम वाले रोजगार प्राप्त करने का कानूनी अधिकार है तथा योजना का 33% लाभ महिलाओं को मिलेगा।

64. नीचे दिए गए विकास मॉडल में:

$S_t = \alpha Y_t : 0 < \alpha < 1$
$I_t = \beta[Y_t - Y_{t-1}] : \beta > 0$
$S_t \equiv I_t$
विकास के लिए निम्न कौन-सी शर्त अपेक्षित है?

(a) $\frac{\beta}{\beta-\alpha} > 0$ (b) $\frac{\beta}{\beta-\alpha} < 0$

(c) $\frac{\alpha}{\beta-\alpha} > 0$ (d) $\frac{\alpha}{\beta-\alpha} < 0$

Ans : (a) $S_t = \alpha Y_t \quad o < \alpha < 1$
$I_t = \beta[Y_t - Y_{t-1}] ; \beta > 0$
$S_t \equiv I_t$
Condition for development-
वांछित संवृद्धि दर = S_t/I_t
दिया है $S_t = I_t$
तब $\alpha Y_t = \beta [Y_t - Y_{t-1}]$
$\alpha Y_t = \beta Y_t - \beta Y_{t-1}$
$\beta Y_{t-1} = \beta Y_t - \alpha Y_t$
$\beta Y_{t-1} = Y_t(\beta - \alpha)$
$\beta/(\beta - \alpha) = Y_t/Y_t - 1 = S_t/I_t$
अतः $\beta/(\beta - \alpha)$; जीरो से अधिक होना चाहिए।

65. दिया गया कुल लागत कार्य $C = 5Q^2 + 20Q + 5$, यदि कीमत = रु5, तो सीमांत लागत निम्न में से क्या होगा?

(a) 100 (b) 200
(c) 85 (d) 70

Ans : (*) कुल लागत $C = 5Q^2 + 20Q + 5$ दिया है। तो हम जानते है कि किसी कीमत पर सीमान्त कुल लागत का प्रथम अवकलन होता है।

$$MC = \frac{dc}{dQ} = 10Q + 20$$
$$MC_{P=5} = 10 \times 5 + 20 = 50 + 20 = 70$$

66. समग्र प्रतिगमन की सार्थकता के परीक्षण हेतु निम्नलिखित में से किस परीक्षण का प्रयोग किया जाएगा?

(a) t परीक्षण (b) F परीक्षण
(c) X^2 परीक्षण (d) d परीक्षण

Ans : (b) समग्र प्रतिगमन की सार्थकता के परीक्षण हेतु F–Test का प्रयोग किया जाता है।

67. प्रतिफलन समीकरण के दायी तरफ आश्रित चर के संगत पश्च मूल्य जोड़ दिये जाएँ तो निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति आएगी?

(a) अभिनत किन्तु संगत गुणांकों का आकलन
(b) अभिनत और असंगत गुणांकों का आकलन
(c) अनभिनत और असंगत गुणांकों का आकलन
(d) अनभिनत और संगत गुणांकों का आकलन

Ans : (b) अनभिनत और असंगत होगा।

68. उत्पादन कार्य में $Q = AL^aK^b$, निम्नलिखत को सुमेलित करें:

	सूची–I	**सूची–II**
(a)	a + B =1	(i) a
(b)	प्रतिस्थापन की लोच	(ii) b
(c)	उत्पादन की श्रम लोच	(iii) पैमाने का स्थिर प्रतिफल
(d)	उत्पादन की पूँजी लोच	(iv) एक

कूट:

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans : (c)

(a) a + b = 1	(iii) पैमाने का स्थिर प्रतिफल
(b) प्रतिस्थापन की लोच	(iv) एक
(c) उत्पादन की श्रम लोच	(i) a
(d) उत्पादन की पूँजी लोच	(ii) b

69. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

	सूची-I	**सूची-II**
(a)	बॉक्स-जेनकिंस	(i) आपात विधि
(b)	इकाई-मूल परीक्षण	(ii) पूर्वानुमान
(c)	डर्बिन-वाटसन 'd' सांख्यिकी	(iii) स्थैतिकता
(d)	ग्रैजर परीक्षण	(iv) स्वतः सहसंबंध

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans : (b) (a) बॉक्स-जेनकिंस — (ii) पूर्वानुमान
(b) इकाई-मूल परीक्षण — (iii) स्थैतिकता
(c) डर्बिन-वाटसन 'd' सांख्यिकी — (iv) स्वतः सहसंबंध
(d) ग्रैंजर परीक्षण — (i) आपात विधि

70. स्वतः सहसंबंध की उपस्थिति में यदि OLS का प्रयोग किया जाता है, तो निम्नलिखित में से कौन-सा संभावित परिणाम होगा?

(i) गुणांक प्राक्कलन भ्रामक हो सकते हैं।
(ii) परिकल्पना परीक्षण गलत निष्कर्ष पर पहुँच सकता है।
(iii) मॉडल के आधार पर किया गया पूर्वानुमान अभिनतयुक्त हो सकता है।
(iv) मानत त्रुटियाँ अनुपयुक्त हो सकती हैं।

(a) सिर्फ (ii) और (iv)
(b) सिर्फ (i) और (iii)
(c) सिर्फ (i), (ii) और (iii)
(d) (i), (ii), (iii) और (iv)

Ans : (a) OLS की यह मान्यता है कि इसमें स्वतः सहसम्बन्ध नहीं पाया जाता है यदि इसकी उपस्थिति पाई गई तो परिकल्पना परीक्षण (hypothesis testing) गलत निष्कर्ष दे सकता है। साथ ही मानक त्रुटिया अनुपयुक्त हो सकती है।

71. युगपद समीकरणयुक्त अर्थमितीय मॉडलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(i) आकलन से पूर्व तादाम्यता की समस्या से निपटना होता है।
(ii) क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पहचान के लिए पर्याप्त नहीं है।
(iii) आकलन की द्विस्तरीय न्यून वर्ग विधि संगत आकलक देगी यदि समीकरण अल्पभिज्ञ हो।
(iv) अप्रत्यक्ष न्यून वर्ग विधि के अंतर्गत न्यून वर्ग विधि लगायी जाती है, यदि समीकरणों का ह्रासित प्रारूप हो।

निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) (i) और (ii) (b) (i), (ii), (iii) और (iv)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) (i), (ii) और (iv)

Ans : (d) युगपद समीकरणयुक्त अर्थमितीय मॉडलों के संदर्भ में निम्न कथन सत्य है–
(i) आकलन से पूर्व तादाम्यता की समस्या से निपटना होता है।
(ii) क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पहचान के लिए पर्याप्त नहीं है।
(iv) अप्रत्यक्ष न्यून वर्ग विधि के अंतर्गत न्यून वर्ग विधि लगायी जाती है, यदि समीकरणों का ह्रासित प्रारूप हो।

72. निम्नलिखित में से किसकी समस्या का समाधान करने के लिए 'सिम्पलेक्स' प्रणाली का प्रयोग किया जाता है?

(a) रैखिक प्रोग्रामन
(b) लागत उत्पादन विश्लेषण
(c) प्रतिगमन
(d) सहसंबंध

Ans : (a) रैखिक प्रोग्रामन की समस्या का समाधान करने के लिए 'सिम्पलेक्स' प्रणाली का प्रयोग किया जाता है।

73. निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य गलत है?

(a) t- बंटन का प्रतिपादन डब्ल्यू. गॉसेट द्वारा किया गया।
(b) टिपेट तालिका का प्रयोग यादृच्छिक प्रतिचयन हेतु किया जाता है
(c) द्विपदीय बंटन सममिति होता है, यदि $p = q$ हो
(d) x पर y प्रतिगमन गुणांक $r\frac{\sigma_x}{\sigma_y}$ के बराबर होता है

Ans : (d) x पर y का प्रतिगमन गुणांक $r\frac{\sigma_y}{\sigma_x}$ होना चाहिए न कि $r\frac{\sigma_x}{\sigma_y}$

74. दिया है कि LM फलन है $Y = 100+10i$ तथा IS फलन है $Y = 160-20i$, तो संतुलन में आय व ब्याज दर ज्ञात कीजिये। उत्तर निम्न कूट से चुनिये:

(a) 120 व 2 (b) 90 व 3
(c) 150 व 2 (d) 120 व 3

Ans : (a) दिया है; LM फलन $Y = 100+10i$ तथा IS फलन $Y = 160-20i$ तब संतुलन की अवस्था में आय और ब्याज होगा-

$LM = IS$ (संतुलन की शर्त)
$100 + 10i = 160 - 20i$
$10i + 20i = 160 - 100$
$30i = 60$
$i = 2$
आय $Y = 100 - 10i$
$= 100 + 10\times2$
$Y = 120$

75. दो उद्योगों के प्रसंग में साइमन-हाकिन्स सार्थकता शर्त के लिए निम्नलिखित में कौन-सा कथन सत्य है?
(a_{ij} i = 1, 2 और j = 1, 2)

(a) $\begin{bmatrix} 1-a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & 1-a_{22} \end{bmatrix} < 0$

(b) $\begin{bmatrix} 1-a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & 1-a_{22} \end{bmatrix} > 0$

(c) $\begin{bmatrix} a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & a_{22} \end{bmatrix} > 0$

(d) $(1-a_{11})(1-a_{22}) - a_{12}\,a_{21} < 0$

Ans : (b) तकनीकि आव्यूह का मान शून्य से बड़ा अर्थात् धनात्मक होना चाहिये।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2015
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित बाजार स्थितियों में से किस एक में फर्मे उत्पादन और कीमत निर्धारण निर्णयों में पारस्परिक रूप से निर्भर होती है?

(a) अल्पाधिकार (b) क्रेता-एकाधिकार
(c) एकाधिकार (d) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा

Ans : (a) अल्पाधिकार बाजार की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है पारस्परिक निर्भरता (Mutual Interdepency)। इसका अभिप्राय यह है कि फर्म एक-दूसरे की कीमत और उत्पादन निर्णयों से प्रभावित होते है। एकाधिकार और प्रतिस्पर्धा में, फर्म बिना विचार किए कि कैसे ये अन्य फर्मों को प्रभावित करेगे, अन्य फर्मो की प्रतिकियाएँ उन्हें बदलें में कैसे प्रभावित करेंगे, स्वतन्त्र निर्णय लेते है। लेकिन एक अल्पाधिकारी फर्म स्वतन्त्र निर्णय नहीं ले सकते। चूँकि अल्पाधिकार में एक छोटी फर्म एक-दूसरे के साथ पूर्ण होते है। एक फर्म का विक्रय फर्म की कीमत और अन्य फर्मों के आरोपित मूल्य पर निर्भर करता है। यदि एक फर्म कीमत को कम करती है, उसके स्वयं की बिक्री बढ़ेगी, लेकिन उद्योग में अन्य फर्मों का विक्रय घटेगा। इस तरह की परिस्थिति में, अन्य फर्मे भी अपनी कीमतों को कम करेंगी। तब अन्य फर्मों की कीमत में कटौती पहले वाले फर्म के मुनाफे को कम करेगी। अतः इसके मूल्यों की कटौती का निर्णय लेने से पहले दूसरे फर्म का अनुमान लगाने की कोशिश की जाती है कि कैसे प्रतिक्रिया देगी और अपने स्वयं के लाभ की गणना की जाती है।

2. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने ''वैल्यू एंड कैपिटल'' शीर्षक की पुस्तक लिखी है?

(a) हानसन (b) फिलिप्स
(c) उरसुला (d) जे.आर.हिक्स

Ans : (d) जे.आर. हिक्स एक ब्रिटिश अर्थशास्त्री थे जिन्होंने 1939 में ''वैल्यू एण्ड कैपिटल'' नामक किताब लिखी थी।

3. गिफन विरोधाभास तब होता है, जब आय का प्रभाव :

(a) प्रतिस्थापन प्रभाव की तुलना में अधिक होता है
(b) प्रतिस्थापन प्रभाव के समान होता है
(c) प्रतिस्थापन प्रभाव से कम होता है
(d) नकारात्मक और प्रतिस्थापन से अधिक होता है

Ans : (d) नकारात्मक प्रतिस्थापन प्रभाव का अभिप्राय यह है कि Y वस्तु के बदले X वस्तु को अत्यधिक खरीदा जाना चाहिए, जब X वस्तु सस्ता हो जाता है या X वस्तु, Y वस्तु के लिए प्रतिस्थापित हो। घटिया माल के मामले में, आय प्रभाव नकारात्मक होता है। नकारात्मक आय प्रभाव का तात्पर्य यह है कि वस्तु की कीमतों में गिरावटों के कारण जब एक वस्तु की मांग की मात्रा कम हो जाती है तो उपरोक्त की वास्तविक आय बढ़ जाती है।

4. निम्नलिखित में से कौन सा वक्र श्रम के आपूर्ति वक्र की अनुक्रिया करेगा?

(a) श्रम का सीमांत उत्पाद वक्र
(b) श्रम का सीमांत आय उत्पाद वक्र
(c) श्रम के सीमान्त उत्पाद का मूल्य वक्र
(d) श्रम का औसत उत्पाद वक्र

Ans : (b) श्रमिकों की मांग एक व्युत्पन्न मांग है क्योंकि यह माल और सेवाओं के लिए उपभोक्ता की मांग पर निर्भर करता है। अन्य कामगार को काम पर रखने के परिणामस्परूप एक फर्म द्वारा अतिरिक्त उत्पादन उत्पादित होता है। इसे श्रम का सीमांत उत्पाद कहा जाता है। एक और कामगार के नियोजन से वह मात्र जिसके द्वारा फर्म का राजस्व बढ़ेगा, श्रम का सीमांत राजस्व उत्पादन कहलाता है।

5. परिसीमन कीमत का तात्पर्य है :

(a) वह कीमत, जो फर्म का मुनाफा अधिकतम बढ़ाती है
(b) वह कीमत, जो नई फर्मों का प्रवेश रोकती है
(c) वह कीमत, जिस पर फर्म लागत से अधिक आय का उपार्जन शुरू कर देती है
(d) वह अधिकतम कीमत, जिसे वसूलने की फर्म को अनुमति दी जाती है

Ans : (b) जब एक फर्म या कई फर्म कम्पनियों के प्रवेश को रोकने के क्रम में मुनाफा वसूली के अधिकतम स्तर से नीचे मूल्य निर्धारण का चयन करती है तब परिसीमन कीमत घटित होती है। परिसीमन कीमत एक उच्चतम कीमत है जिसे मौजूदा फर्म प्रवेश की अनुमति के बिना प्राप्त कर सकती है।

6 पैरेटो संबंधी इष्टतमता वहाँ पाई जाती है, जहाँ पर :

(a) $MRTS_{LK}^{X} = MRTS_{K}^{Y}$

(b) $MRTS_{XY} = MRS_{XY}^{A} = MRS_{Xy}^{B}$

(c) $MRTS_{XY}^{L} = MRTS_{XY}^{K}$

(d) $\frac{MP_L}{MP_K} = \frac{P_L}{P_K}$

Ans : (b) प्रसिद्ध कल्याणकारी अर्थशास्त्री परेटो ने सामाजिक कल्याण के संदर्भ में जो सिद्धांत प्रस्तुत किया उसे परेटो अनुकूलतम सिद्धांत कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है, जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो इसे परेटो अनुकूलतम कहते है।

परेटो अपने सिद्धांत को प्रस्तुत करने के लिए तीन सीमांत दशाओं की सहायता लिये है–

1. उपभोक्ताओं के बीच वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण।
2. फर्मों के बीच उत्पादन के साधनों का अनुकूलतम वितरण।
3. रूपांतरण की सीमांत दर।

1. उपरोक्ताओं के बीच वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण को प्रस्तुत करने के लिए परेटो एजवर्थ-बाउले का Box-Diagram तथा Indifference curve की सहायता लिये है–

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

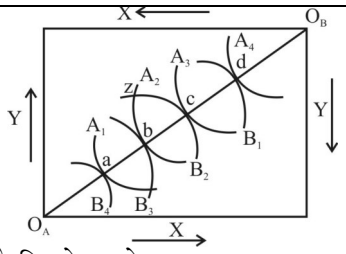

परेटो मानते है कि दो उपभोक्ता A तथा B तथा उनके बीच दो वस्तु X और Y का वितरण किया जा रहा है, दोनों के Indifference curve दिये हुए है। A_1, A_2, A_3, A_4 व्यक्ति A के तथा B_1, B_2, B_3, B_4 व्यक्ति B के IC वक्र है। दोनों एक-दूसरे को बिन्दु a, b, c, d पर स्पर्श करते है, इनको मिलाकर बनने वाला वक्र प्रसंविदा वक्र (Contract curve) है, जहाँ पर परेटो अनुकूलतम दशा पायी जाती है।

अतः हम कह सकते है कि संविदा वक्र परेटो अनुकूलतम की दशा को प्रदर्शित करता है। इस पर किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि नहीं लाया जा सकता है अर्थात् वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण होता है–

$$MRS_{XY} = MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$$

2. परेटो के अनुसार समाज कल्याण अनुकूलतम होने के लिए फर्मो के बीच उत्पादन के साधनों का वितरण अनुकूलतम होना चाहिए। अर्थात्–

$$MRTS^{A}_{LK} = MRTS^{B}_{LK}$$

3. परेटों अनुकूलम उस अवस्था में प्राप्त होती है, जहाँ फर्म A द्वारा Y वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए त्यागी जाने वाली X की मात्रा तथा फर्म B द्वारा X-वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करने के लिए Y-वस्तु की त्यागी जाने वाली मात्रा समान हो। अर्थात्–

$$MRPT_{XY} = MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$$

7. निम्नलिखित बाजारों में से किसमें विज्ञापन आम बात होती है?

(a) अल्पाधिकार (b) पूर्ण प्रतिस्पर्धा
(c) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा (d) एकाधिकार

Ans : (a) पूर्ण प्रतियोगिता के तहत् उपभोक्ता संभावित न्यूनतम मूल्य पर उत्पाद की खरीद करते हैं, लेकिन विज्ञापनरहित होते है जबकि एकाधिकार में लोग एकल उत्पाद खरीदते हैं इसलिए विज्ञापन अस्तित्वहीन होते हैं। लेकिन एकाधिकार प्रतिस्पर्धा की मुख्य विशेषता वस्तु विभेदीकरण है जबकि अल्पाधिकार के अंतर्गत विज्ञापन सामान्यतः एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

8. किसके द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था का प्रबंधन किया जाता है?

(a) आई.एम.एफ. (b) डब्ल्यू.टी.ओ.
(c) यूरोपियन यूनियन (d) सार्क

Ans : (b) बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था का प्रबंधन WTO द्वारा किया जाता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार विचारों, आविष्कारों तथा सृजनात्मक अभिव्यक्तियों तथा उनको सम्पत्ति का दर्जा दिए जाने के सम्बन्ध में जनता को सहमति तथा उसके स्वामित्वधारी को अधिकार दिये जाने से संबंधित है जिससे वह दूसरे को उसे प्रयोग में लाने से रोक सके। पेन्टेन्ट, कॉपीराइट, औद्योगिक डिजाइन, ट्रेडमार्क तथा भौगोलिक संकेतों के द्वारा IPR को वैधानिक रूप से संरक्षित किया जा सकता है।

TRIPS के अन्तर्गत सात (7) बौद्धिक संपदा अधिकार आते है–
1. कॉपी राइट एवं इससे सम्बन्धित अधिकार।
2. ट्रेडमार्क।
3. भौगोलिक संकेतक।
4. औद्योगिक रूपरेखा।
5. पेटेन्ट।
6. इन्टिग्रेटेड सर्किट की रूपरेखा।
7. व्यापार संबंधी गुप्त सूचना।

9. यूरो-मुद्रा बाजार के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? निम्नलिखित कूट में से उत्तर दें :

(i) इसका अस्तित्व मौद्रिक नीति के प्रभावोत्पादक संचालन को प्रभावित करता है।
(ii) यह एक अत्यंत विनियमित बाजार है।

कूट :

(a) (i) और (ii) दोनो सही है
(b) (i) और (ii) में से कोई भी सहीं नहीं है
(c) केवल (i) सही है
(d) केवल (ii) सही है

Ans : (c) यूरो मुद्रा बाजार एक प्रकार की "COMMON ECONOMY MARKET" का प्रतिनिधित्व करता है जिसकी वजह से मौद्रिक नीति प्रभावी संचालन को प्रभावित करता है।

10. हेक्शर-ओहलिन प्रमेय के अनुसार कोई भी देश किसी वस्तु का निर्यात करेगा :

(a) जिसमें अपेक्षाकृत प्रचुर साधन के प्रयोग की तीव्रता है।
(b) जिसमें अपेक्षाकृत सस्ते साधन के प्रयोग की तीव्रता है।
(c) दोनों (a) और (b) आवश्यक है
(d) (a) और (b) दोनों में से कोई भी आवश्यक नहीं है।

Ans : (c) हेक्शर-ओहलिन या कारक-विन्यास (Factor Endowment) प्रमेय के अनुसार, एक राष्ट्र अपने अपेक्षाकृत विपुल और सस्ते साधन सहित गहन वस्तु का निर्यात और अपने अपेक्षाकृत दुर्लभ तथा कीमती साधन सहित गहन वस्तु का आयात करेगा जबकि साधन मूल्य समीकरण प्रमेय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार देश भर में सहजातीय साधनों के लिए सापेक्ष और निरपेक्ष वापसी माल लाएगा।

11. तटकर संघ सदैव किसका मार्ग प्रशस्त करता है?

(a) केवल व्यापार विपथन प्रभाव
(b) केवल व्यापार सृजन प्रभाव
(c) व्यापार सृजन और व्यापार विपथन दोनों प्रभाव
(d) व्यापार विपथन और व्यापार सृजन प्रभाव में से कोई भी नहीं

Ans : (c) तटकर संघ के अधीन मुक्त व्यापार की ओर आन्दोलन दो विरोधी मायनों में विश्व कल्याण को प्रभावित करता है। बढ़ते कल्याणकारी व्यापार का सृजन प्रभाव और घटते कल्याणकारी व्यापार विपथन प्रभाव। व्यापार सृजन तब गठित होता है जब एक तटकर संघ का घरेलू उत्पादन दूसरे सदस्य के कम लागत के आयात द्वारा प्रतिस्थापित होता है। व्यापार सृजन द्वारा सदस्य देशों का कल्याण बढ़ा है क्योंकि तुलनात्मक लाभ के सिद्धान्त के अनुसार यह उत्पादन विशेषज्ञता में वृद्धि की अगुवाई करता है।

12. निम्नलिखित धारणाओं में से कौनसी धारणा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की हेक्शर-ओहलिन प्रमेय में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

(a) दो-कारक मॉडल (b) दो वस्तुएँ
(c) कोई प्रशुल्क नहीं (d) निरतंर प्रशुल्क

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) हेक्शर-ओहलिन सिद्धांत को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत कहा जाता है।
इस सिद्धांत के अनुसार दो देशों के बीच व्यापार वस्तुओं की लागतों में सापेक्षिक अन्तर के कारण होता है तथा यह अन्तर दो कारणों से उत्पन्न होता है–
1. प्रथम यह कि उत्पत्ति के साधनों की कीमत में सापेक्षिक अन्तर होता है।
2. द्वितीय यह कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में उत्पत्ति के साधनों की आवश्यकता में भी सापेक्षिक भिन्नता पाई जाती है।

इस आधार पर कहा जा सकता है कि एक देश उन वस्तुओं का विशिष्टीकरण एवं निर्यात करता है जिनके उत्पादन में सापेक्षिक रूप से उन साधनों की अधिक आवश्यकता होती है, जो उस देश में सापेक्षिक रूप से प्रचुर मात्रा में है और इसलिए सापेक्षिक रूप से सस्ते होते है। हेक्शर-ओहलिन ने सापेक्षिक साधन प्रचुरता को दो प्रकार से स्पष्ट किया–
1. भौतिक कसौटी पर साधन प्रचुरता।
2. कीमत कसौटी पर साधन प्रचुरता।

13. द्वय अंतराल मॉडल में दो अंतरालों का तात्पर्य है :
(a) मुद्रास्फीतिकारी अंतराल और निवेश अंतराल
(b) बचत अंतराल और अपस्फीतिकारी अंतराल
(c) बचत बाध्यता और विदेशी मुद्रा बाध्यता
(d) निवेश अंतराल और बचत अंतराल

Ans : (c) चेनरी और ब्रुनों (1962) ने एक द्वय अन्तराल (बचत/निवेश और विदेश विनिमय) प्रारूप को विकसित किया है जिसमें वे बाह्य पूंजी प्रवाह की स्वीकृति विकासशील देशों को घरेलू बचत से ज्यादा निवेश करने के लिए देने के रूप में आर्थिक वृद्धि को निवेश हेतु आवश्यक संसाधन के साथ जोड़ते हैं। इस प्रारूप के अनुसार, विकासशील देशों के दूरगामी आर्थिक वृद्धि दर के निर्धारण हेतु दो विषयो ''बचत बाधा'' और ''विदेशी मुद्रा बाधा'' के बीच एक परस्पर क्रिया है। आर्थिक विकास और विकासशील देशों के निवेश सामान्यतः आयातित मध्यवर्ती वस्तुओं पर निर्भर करता है।

14. आय की समग्र समानता द्वारा वर्णित किसी आय के बटंन के गिनी गुणांक का मान क्या है ?
(a) शून्य (b) 0.5
(c) 1 (d) ∞ (अनन्तता)

Ans : (a) गिनी गुणांक 0 और 1 (या 0% से 100%) के रेंज के साथ अनुपात के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। एक निम्न गिनी गुणांक अत्यधिक समान आय या धन वितरण की ओर इस आशय से इंगित करता है कि परिपूर्ण समानता के लिए शून्य के साथ जबकि उच्च गिनी गुणांक सर्वाधिक असमान वितरण, पूर्णता असमानता को 1 सूचित करता है।

15. ग्लोबल वार्मिंग के निम्नलिखित दूरगामी परिणामों में से किस एक बड़े दूरगामी परिणाम की पहचान नहीं की गई है ?
(a) कृषि उपज में गिरावट (b) बीमारी का फैलना
(c) परमाणु ऊर्जा का उपयोग (d) समुद्री जल स्तर में वृद्धि

Ans : (c) विश्वस्तर पर परमाणु ऊर्जा का प्रयोग अभी व्यापक नहीं हैं। अतः इसके अभी दुष्परिणामों का अध्ययन संज्ञान में नहीं लिया जा रहा।

16. अभिकथन (A) : अनेक अल्प-विकसित देशों की विशेषताओं में से एक यह है कि उनमें अल्प बचत दर और अल्प पूंजी निर्माण होता है।
कारण (R) : अल्प विकसित देशों में यह मुख्य रूप से उपभोग के उच्च स्तर के कारण होता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही है, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है

Ans : (b) अल्प विकसित देशों के अल्प बचत दर और अल्प पूँजी निर्माण के लिए केवल उपभोग उच्च स्तर के कारण नहीं होता है अपितु इसकी मुख्य कारणों में से एक हैं आधारभूत ढाँचा में कम निवेश अपर्याप्त मानव पूँजी और अशिक्षा का व्यापक फैलाव भी है।

17. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री द्वारा 'अधिशेष मूल्य' की अवधारणा विकसित की गई?
(a) जे. शूमपीटर (b) कार्ल मार्क्स
(c) जे.आर. हिक्स (d) आर.ए. फिशर

Ans : (b) अधिशेष मूल्य का उल्लेख कार्ल मार्क्स ने किया था जिसके अनुसार अधिशेष मूल्य वह मूल्य है जो व्यक्तिगत श्रम द्वारा सृजित होता है। कामगार की लागत का भुगतान नियोक्ता द्वारा करने के बाद जो बाकी है या उत्पादित उत्पादों या सेवाओं में पूर्ववत् रहा है।

18. मौद्रिक नीति सर्वाधिक प्रभावोत्पादक होती है, जब निवेश व्यय :
(a) ब्याज - लोचदार और मुद्रा की मांग में भी ब्याज-लोचदार होता है
(b) ब्याज - बेलोचदार और मुद्रा की माँग में भी ब्याज-बेलोचदार होता है
(c) ब्याज - बेलोचदार और मुद्रा की मांग में ब्याज-लोचदार होता है
(d) ब्याज - लोचदार और मुद्रा की मांग में ब्याज-बेलोचदार होता है

Ans : (d) मौद्रिक नीति सर्वाधिक प्रभावोत्पादक होती है जब - निवेश व्यय ब्याज लोचदार और मुद्रा के मांग में ब्याज बेलोचदार होती है। IS वक्र फ्लैटर है क्योंकि ब्याज परिवर्तन में कोई बदलाव निवेश में अत्यधिक आनुपातिक परिवर्तन कराता है।
मुद्रा की मांग ब्याज लोचदार है। इसका अर्थ यह है कि LM वक्र निमज्जक है। यहाँ मुद्रा आपूर्ति में कोई बदलाव सन्तुलन ब्याज दरो में काफी बदलाव डालता है। अर्थात् मुद्रा आपूर्ति में परिवर्तन LM में एक बड़ा लम्बवत् परिवर्तन करता है।
जितना अधिक गुणक होता है, IS वक्र उतना ही फ्लैटर होता है जो यह संकेत करता है कि निवेश में किसी भी परिवर्तन के लिए उत्पादन की अनुक्रिया ब्याज दरों में परिवर्तन से प्रेरित हो जाएगा।

19. एल.एम. वक्र का ढाल निम्नलिखित में से किस पर निर्भर करता है?
(a) निवेश की ब्याज - लोच
(b) आय की ब्याज - लोच
(c) मुद्रा की मांग की ब्याज - लोच
(d) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans : (c) एल.एम. वक्र मुद्रा बाजार में संतुलन प्रदर्शित करती है। एल.एम. वक्र वास्तविक आय तथा ब्याज दर के उन विभिन्न संयोगों को प्रदर्शित करती है जिसपर मुद्रा की मांग तथा मुद्रा की पूर्ति बराबर हो। एल.एम. वक्र बायें से दाये और ऊपर को ढलान वाला

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

होता है क्योंकि मुद्रा की पूर्ति दी होने पर आय के स्तर में वृद्धि मुद्रा की मांग में भी वृद्धि लाती है, जिससे ब्याज दर बढ़ती है। यह मुद्रा की मांग को मुद्रा की पूर्ति के बराबर रखती है। मुद्रा की मांग की आय के साथ सापेक्षता जितनी कम होगी और मुद्रा की मांग की ब्याज दर के साथ सापेक्षता जितनी अधिक होगी, उतना ही एल.एम. वक्र चपटा होगा। इसका मतलब यह है कि एल.एम. वक्र का ढाल मुद्रा की मांग की ब्याज लोच पर निर्भर करता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

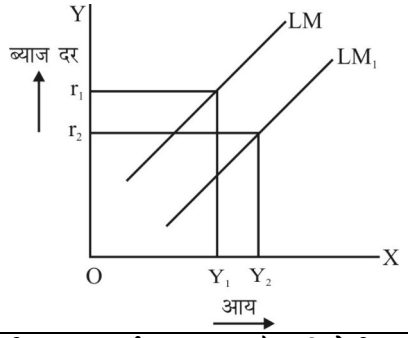

20. किसी बंद अर्थव्यवस्था और त्रिक्षेत्रीय मॉडल में निम्नलिखित में से कौनसा सही है?

(a) पारिवारिक बचतें = निवल निवेश
(b) पारिवारिक बचतें = सकल निवेश
(c) पारिवारिक बचतें + मूल्यह्रास, = सकल निवेश + सरकारी व्यय
(d) पारिवारिक बचते + कर + मूलह्रास = सकल निवेश + सरकारी व्यय

Ans : (d) परिवारिक बचते + कर + मूल्यह्रास = सकल निवेश + सरकारी व्यय

21. कीन्स के अनुसार पूँजी की सीमान्त कुशलता है प्रत्याशित

(a) वित्तीय परिसम्पत्तियों पर प्रतिफल दर
(b) वास्तविक निवेश से मुनाफा
(c) वित्तीय निवेश से मुनाफा
(d) वास्तविक निवेश पर प्रतिफल दर

Ans : (d) पूंजी की सीमांत कुशलता-यह छूट की दर को दर्शाता है जो एक पूँजी परिसम्पति की आपूर्ति के मूल्य को इसके क्रमिक उत्पादन के समान बनाता है। इसे एक नए परिकल्पित निवेश परियोजना पर अनुमानित प्रतिफल दर भी कहा जाता है। इसके निम्न निर्धारक तत्व है- 1. प्रत्याशित उत्पादन 2. पूजी परिसंपत्तियों की आपूर्ति कीमत।

22. परम्परागत समष्टि प्रणाली में मुद्रा निर्धारित करती है :

(a) रोजगार
(b) वास्तविक उत्पादन
(c) (a) और (b) दोनों
(d) (a) और (b) में से कोई भी नहीं

Ans : (d) क्लासिकल मुद्रा को विनिमय का साधन मानते है। क्लासिकल अर्थशास्त्रियों के अनुसार मुद्रा की मांग विनिमय कार्य के लिए की जाती है। अतः मुद्रा की मांग व्युत्पन्न मांग होती है।
कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री मुद्रा की मांग के निर्धारण में मुद्रा के मूल्य संचय कार्य को महत्व प्रदान करते है।

23.

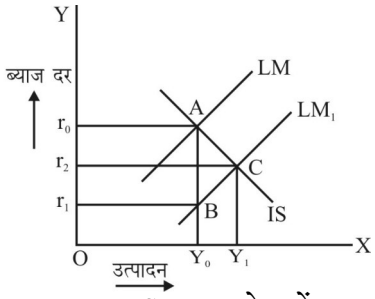

परम्परागत IS-LM आरेख में LM वक्र LM_1 की ओर चला जाता है तो निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) तरलता प्रभाव है - $r_0 r_1$
(b) तरलता प्रभाव है - $r_0 r_2$
(c) तरलता प्रभाव है - $r_2 r_1$
(d) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans : (b) तरलता प्रभाव $r_0 r_2$ है क्योंकि चलन में मुद्रा की मात्रा अधिक आ जाएगी जिससे ब्याज दर कम हो जाता है।

24. फिलिप्स वक्र के बारे में निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें :

(i) मुद्रा स्फीति की दर और बेरोजगारी की दर के बीच विलोम संबंध होता है।
(ii) आर्थिक व्यवहार मौद्रिक प्रतिफल का फलन होता है।
(iii) आर्थिक व्यवहार वास्तविक प्रतिफल का फलन होता है।
(iv) आर्थिक व्यवहार वास्तविक प्रतिफल का फलन होता है।

उपरोक्त कथनो में से कौनसे कथन मुद्रावादियों के विचार की दृष्टि से सही है

(a) उपरोक्त सभी कथन सही है
(b) केवल (i) और (ii) सही है
(c) केवल (ii) सही है
(d) केवल (iii) सही है

Ans : (b) फिलिप्स वक्र के बारे में मुद्रावादियों के विचार की दृष्टि से निम्न कथन सही है-
(i) मुद्रा स्फीति की दर और बेरोजगारी की दर के बीच विलोम सम्बन्ध होता है।
(ii) आर्थिक व्यवहार वास्तविक प्रतिफल का फलन होता है।

25. ब्याज दर जोखिम का तात्पर्य है :

(a) जब उधारकर्ता ऋण संविदा की शर्तें पूरी करने में असफल रहते हैं
(b) ब्याज दर में वृद्धि का तात्पर्य यह है कि द्वितीयक बाजार में वित्तीय प्रतिभूतियों के मूल्य में गिरावट होगी
(c) ब्याज दर में वृद्धि द्वितीयक बाजार में वित्तीय प्रतिभूतियों के मूल्य में वृद्धि करेगी
(d) जब अनभिप्रेत मुद्रास्फीति बढ़ती है

Ans : (b) ब्याज दर जोखिम से अभिप्राय द्वितीय बाजार में वित्तीय प्रतिभूतियों के मूल्य में गिरावट होने के जोखिम से है।

26. क्लासिकीय समष्टि निकाय में मुद्रा द्वारा क्या निर्धारित किया जाता है?

(a) उत्पादन एवं कीमतें (b) रोजगार एवं कीमतें
(c) रोजगार एवं उत्पादन (d) कीमतें

Ans : (d) क्लासिकल अर्थशास्त्री मुद्रा को कीमत निर्धारण का प्रमुख कारक मानते थे।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. जब मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद रू 11000 करोड़ और वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद रू 10000 करोड़ है, तब सकल घरेलू अपस्फीतिकारक है :

(a) 9.09 (b) 90.91
(c) 1.11 (d) 110

Ans : (d) सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक

$$= \frac{\text{मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद}}{\text{वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद}} \times 100$$

प्रश्न से,

$$\frac{11000}{10000} \times 100 = 110$$

28. अभिकथन (A) : भारत में जनांकिकी लाभांश की व्यापक संभावना है
कारण (R) : भारत की जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आ रही है
कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य है, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) सत्य हैं, परंतु (R) असत्य है
(c) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(d) (R) सत्य है, परंतु (A) असत्य है

Ans : (c) जनांकिय लाभांश से तात्पर्य जनसंख्या की बढ़ती हुई दर से है जिसमें कार्यशील जनसंख्या (15-59) की प्रतिशतता अधिक हो जबकि कारण (R) किसी और तथ्य को इंगित कर रहा है। अतः विकल्प (c) सही है।

29. हाल ही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की गणना करने के लिये आधार वर्ष को निम्नानुसार परिवर्तित किया गया है :

(a) 2009-10 (b) 2011-12
(c) 2014-15 (d) 2004-05

Ans : (b) सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (Ministry of Stastics and Programme Implementation) ने राष्ट्रीय गणना की नई श्रृंखला जारी की है। इसी नयी श्रृंखला में दो महत्वपूर्ण बदलावों को चिन्हित किया गया-

1. आधार वर्ष 2004-05 से 2011-12 के लिए संशोधित किया गया।
2. श्रृंखला बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू कीमत को संदर्भित करता है, उत्पादन लागत पर पूर्व के सकल घरेलू उत्पाद के उपयोग पर विचार किया जाएगा।

30. निम्नलिखित में से किस राज्य की भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन में सबसे अधिक हिस्सेदारी है?

(a) पंजाब (b) उत्तर प्रदेश
(c) हरियाणा (d) मध्य प्रदेश

Ans : (b) वर्ष 2014-15 के आकड़ों के अनुसार भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन में सबसे अधिक हिस्सेदारी उत्तर-प्रदेश की है, जो भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 16.43% उत्पादित करता है। इसके बाद दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जो 12.15% तथा तीसरे स्थान पर राजस्थान है, जो कुल खाद्यान्न का 10.53% उत्पादित करता है।

31. ''जे.ए.एम.'' त्रयी से क्या तात्पर्य है?

(a) जनधन खाता धन
(b) जन,आवास,धन
(c) जनधन योजना,आधार,मोबाइल नम्बर
(d) ज्योति,आधार,मोबाइल

Ans : (c) JMM- Jan Dhan Yojana, Aadhar और Mobile Numbers का प्रयोग मुख्य आर्थिक सलाहाकार अरविन्द सुब्रमण्यन द्वारा सर्वप्रथम 2014-15 आर्थिक सर्वेक्षण में किया गया। जो लक्षित और कम विकृत तरीके से गरीब परिवारों की मदद की पेशकश के लिए राज्य को स्वीकृति प्रदान करता है।

32. 'बुद्धवादी अर्थशास्त्र' के जन्मदाता कौन है?

(a) ली कुआं यू (b) दलाई लामा
(c) ई.एफ. शुमाकर (d) शिंजो एबे

Ans : (c) ब्रिटिश अर्थशास्त्री ई.एफ. शुमाकर ने 1970 के दशक में बुद्धवादी अर्थशास्त्र को लोकप्रिय बनाया जिनकी उत्कृष्ट पुस्तक 'स्माल इज ब्यूटीफुलः इकोनॉमिक्स एज एफ पिपुल मैटर्ड (1973) थी। बुद्धवादी अर्थशास्त्र खपत को कम करते हुए अधिकतम कल्याण का सिद्धान्त है।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा साख रेटिंग निर्धारण अभिकरण नहीं है?

(a) मूडी (b) स्टैंडर्ड एंड पूअर
(c) फिच (d) नास्देक

Ans : (d) इस अवधारणा की उत्पत्ति 1909 ई. में अमेरिका में हुई थी जब मूडी इनवेस्टर सर्विस के संस्थापक जॉन मूडी ने यू.एस.रेल रोड ब्रॉन्डस का निर्धारण किया। विश्व की सबसे बड़ी एजेन्सियों में मूडी की इनवेस्टर सर्विस और स्टैण्डर्ड एण्ड पूअर्स (S & P) हैं।

34. निम्नलिखित में से किसका उपयोग मुद्रास्फीति के मापने में नहीं किया जाता है?

(a) थोक मूल्य सूचकांक
(b) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
(c) क्रय-शक्ति समता मूल्य
(d) सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक

Ans : (c) क्रय शक्ति समता (PPP) एक ऐसा सिद्धान्त है जो यह कहता है कि मुद्राओं के बीच विनियम दरों में सन्तुलन तब होता है जब उनकी क्रयशक्ति दो देशों में समान हो। इसका अभिप्राय यह है कि दो देशों के बीच विनिमय दर को माल और सेवाओं के निश्चित टोकरी से दोनों देशों के मूल्य स्तर का अनुपात बराबर होना चाहिए। जब एक देश का घरेलू मूल्य स्तर बढ़ता है तो उस देश की विनिमय दर PPP को लौटाने के क्रय में मूल्य को घटाना होगा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर फरवरी 2017 को मुद्रा स्फीति 2.62% थी।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा एक जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

(a) एक संवर्गीय व्यक्तियों पर एकसमान कर लगाया जाना चाहिये-समस्तरीय साम्य
(b) ब्याज भुगतान की कटौती राजकोषीय घाटे से की जाती है - प्राथमिक घाटा
(c) विभाज्य वस्तुएँ और बहिष्करण के सिद्धांत पूर्णतः लागू होते है-शुद्ध निजी वस्तुएँ
(d) वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर उनके मूल्य के अनुसार लगाया जाता है-राज्य उत्पाद शुल्क

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) भारतीय संविधान के अनुसूची–7 के सूची एक में केन्द्र सरकार द्वारा लगाये जाने वाले करों का उल्लेख है।
अतः वस्तुओं और सेवाओं पर कर केन्द्र सरकार लगाती है। इस प्रकार विकल्प (d) सही सुमेलित नहीं है।

36. वर्ष 2012-13 के दौरान निम्नलिखित में से कौन-सा एक केन्द्र सरकार के व्यय का सबसे बड़ा मद था?

(a) प्रमुख राजसहायता (b) रक्षा व्यय
(c) ब्याज अदायगी (d) पूंजीगत व्यय

Ans : (c) आर्थिक सर्वे 2012-13 के अनुसार केन्द्र सरकार का सबसे बड़ा व्यय मद ब्याज अदायगी पर था। आपातकालीन स्थिति को छोड़ दिया जाए तो विगत कई वर्षों से सबसे बड़ा व्यय मद यही रहता है।

37. चौदहवें वित्त आयोग ने निम्नलिखित में से किस रूप में निधियों की सिफारिशों की थी?

(a) राज्यों को केन्द्रीय सहायता (सी.एस.एस.)
(b) राज्य विकास निधि
(c) बिक्री कर में राज्यों की हिस्सेदारी
(d) केन्द्र को राज्यों का योगदान

Ans : (a) भारत के संविधान के अनुच्छेद 280 के अन्तर्गत वित्त आयोग के गठन का उल्लेख किया गया है। 14वें वित्त आयोग का गठन 2 जनवरी, 2013 को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने वाई.वी. रेड्डी की अध्यक्षता में किया। 14वें वित्त आयोग ने निम्न सिफारिशें की है–
1. लंबीय अंतरण–इसके अन्तर्गत केन्द्रीय विभाज्य पूल में राज्यों का हिस्सा वर्तमान 32% से बढ़ाकर 42% कर दिया है।
2. राज्यों के बीच क्षैतिजीय बटवारा–केन्द्र से प्राप्त कुल आय का राज्यों के बीच बंटवारे के क्षैतिज असंतुलन को दूर करने के लिए एवं समता स्थापित करने के लिए नये क्षैतिज सूत्र का सुझाव दिया है। 14वें एफ.सी. ने दो नये परिवर्तन कारक जोड़े है–
1. जनांकिकीय परिवर्तन।
2. वन क्षेत्र।
जबकि राजकोषीय अनुशासन को निकाल दिया है।

38. एफ.आर.बी.एम. अधिनियम, 2012 ने सकल घरेलू उत्पाद की राजकोषीय घाटा की उच्चतम सीमा निर्धारित की है :

(a) 6 प्रतिशत (b) 5 प्रतिशत
(c) 4 प्रतिशत (d) 3 प्रतिशत

Ans : (d) एफ.आर.बी.एम. एक्ट, 2012 ने सकल घरेलू उत्पाद की राजकोषीय घाटा की उच्चतम सीमा 3% निर्धारित की है, जो पहले से ही एफ.आर.बी.एम. एक्ट, 2003 के अन्तर्गत निर्धारित सीमा है।

39. रोस्टोव, आर्थिक विकास के पाँच विभिन्न अवस्थाओं को निम्न प्रकार श्रेणीबद्ध करते है :

1. उड़ान भरने की पूर्व दशाएं
2. परिपक्वता की ओर अग्रसर
3. उच्च जन उपभोग का स्तर
4. परम्परागत समाज
5. उड़ान भरना

निम्नलिखित में से कौन सा एक विकास के चरणों का सही क्रम है-

(a) 1,2,3,4,5 (b) 2,1,3,4,5
(c) 4,1,2,3,5 (d) 4,1,5,2,3

Ans : (d) W.W. Rostoow (रोस्टोव) ने अपने आर्थिक वृद्धि की अवस्थाओं (1960) में आर्थिक इतिहास का व्यवस्थित रूप प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार, पाँच अवस्थाओं पर विकास की प्रक्रिया आधारित है जिसपर प्रत्येक देश पूर्ण आर्थिक विकास प्राप्त करने के पहले गुजरा हैं पाँच अवस्थाएँ-
1. परम्परागत समाज (कृषि प्रधान)।
2. अनुकरण करने के लिए विकास की पूर्व शर्ते।
3. अनुकरणशीलता।
4. परिपक्वता के लिए अभियान, और।
5. अंत में बड़े पैमाने पर उपभोग का युग।

40. कैम्ब्रिज विकास मॉडल को रेखांकित करने वाला बचत फलन है :

(a) आनुपातिक बचत फलन (b) क्लासिकीय बचत फलन
(c) विभेदात्मक बचत फलन (d) निरपेक्ष बचत फलन

Ans : (c) कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्रियों ने अपने विकास मॉडल में बचत फलन को रेखांकित करने के लिए विभेदात्मक फलन (Purpostional function) का प्रयोग किया है।

41. कीन्सवादियों के अनुसार, रेंगती हुई मुद्रास्फीति सहायक होगी:

(a) बेरोजगारी को कम करने में
(b) वास्तविक उत्पादन को बढ़ाने में
(c) उपर्युक्त (a) अथवा (b) में से कोई नहीं
(d) उपर्युक्त (a) और (b) दोनों

Ans : (d) रेंगती हुई मुद्रास्फीति (Creeping Inflation) से अभिप्राय है कि सामान्य मूल्य स्तर में वृद्धि 1%, 2%, या 3% हैं । रेंगती हुई मुद्रास्फीति सामान्तया विकास और पूर्ण रोजगार से जुड़ा हैं। अधिकांश अर्थशास्त्री इस मुद्रास्फीति में रोजगार और आर्थिक विकास के साथ मूल्य स्थिरता को वरीयता देते है। रघुराम जी राजन (RBI Governer) उनमें प्रमुख हैं।

42. प्रसिद्ध समीकरण M = P K Y में K निम्नलिखित में से किसके लिये है :

(a) लेनदेन के लिए किए गए वास्तविक उत्पादन का भाग
(b) व्यक्तियों द्वारा किए गए मुद्रा आपूर्ति का भाग
(c) जनता द्वारा किये गये उत्पादन (लेनदेन) के मौद्रिक मूल्य का भाग
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) M = PKY मार्शल का कैश बैलेन्स अप्रोच का समीकरण है जहाँ P मूल्य, Y वास्तविक आय तथा K जनता द्वारा किए गए लेनदेन के मौद्रिक मूल्य के भाग को दिखाता हैं।

43. 2,6 और x का ज्यामितीय माध्य 6 के सामान है। x का मान क्या है?

(a) 2 (b) 18
(c) 9 (d) 3

Ans : (b) $GM = \sqrt[3]{2\times6\times x}$

$6 = \sqrt[3]{12x}$

$6^3 = 12x$

$12x = 216$

$x = \frac{216}{12} = 18$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. जनसंख्या के आकार के एक बड़े नमूने n की मानक त्रुटि (S.E.) जिसका विचरण σ^2 है, वह है :

(a) $SE = \frac{\sigma^2}{n}$ (b) $SE = \frac{\sigma}{n}$

(c) $SE = \frac{\sigma^2}{\sqrt{n}}$ (d) $SE = \frac{\sigma}{\sqrt{n}}$

Ans : (d) मानक त्रुटि (Standard Erros) की गणना n के वर्गमूल द्वारा मानक विचलन/विचलनों को विभाजित कर की जाती है।

x का $SE = \frac{\sigma}{\sqrt{n}}$

45. दो पाँसों के एकबार फेंकने पर 8 आने की कुल प्रायिकता क्या है?

(a) $\frac{1}{8}$ (b) $\frac{2}{9}$

(c) $\frac{5}{36}$ (d) $\frac{3}{36}$

Ans : (c) दो पॉसो के फेकने में, 6×6 = 36 सम्भावित परिणाम निम्न हो सकते है-

(1,1)	(1,2)	(1,3)	(1,4)	(1,5)	(1,6)
(2,1)	(2,2)	(2,3)	(2,4)	(2,5)	(2,6)
(3,1)	(3,2)	(3,3)	(3,4)	(3,5)	(3,6)
(4,1)	(4,2)	(4,3)	(4,4)	(4,5)	(4,6)
(5,1)	(5,2)	(5,3)	(5,4)	(5,5)	(5,6)
(6,1)	(6,2)	(6,3)	(6,4)	(6,5)	(6,6)

$6 \times 6 \cdot 36$

निम्नलिखित पॉच तरीको से कुल योग 8 आ सकता है-

(6,2), (5,3), (4,4), (3,5), (2,6)

∴ 8 के कुल योग की सम्भावना

$P(A) = \frac{5}{36}$

46. प्राक्कलित प्रतिगमन रेखाएं निम्नानुसार दी गई है :

$Y = 10 + 0.4X$

$X = -4 + 1.6Y$

तब, X और Y के बीच सहसंबंध का गुणांक है :

(a) 0.64 (b) 0.40

(c) 0.20 (d) 0.80

Ans : (d) $byx = 0.4$, $bxy = 1.6$

सहसंबंध गुणांक $= \sqrt{byx.bxy}$

$= \sqrt{0.4 \times 1.6} = \sqrt{0.64} = 0.80$

47. किसी बंटन के लिए, माध्य = 26,माध्यिका = 14 और बहुलक = 7 है, तब बंटन होगा :

(a) धनात्मक रूप से विषम (b) ऋणात्मक रूप से विषम

(c) सममित (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) धनात्मक विषम बंटन के लिए माध्य हमेशा केन्द्रीय प्रवृति का उच्चतम आकलन होगा और बहुलक हमेशा केन्द्रीय प्रवृति का न्यूनतम आकलन होगा। अर्थात

धनात्मक रूप से विषम के लिए

माध्य > माध्यिका > बहुलक

जहाँ (26) > माध्यिका (14) > बहुलक (7) होगा।

48. प्रसामान्य बंटन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) इसमें नति परिवर्तन के दो बिन्दु होते है

(ii) इन नति परिवर्तन बिन्दुओं की शून्य माध्य से दूरी $\pm\sigma$ है।

कूट :

(a) (i) और (ii) दोनों सही हैं

(b) (i) और (ii) में से कोई सही नहीं है

(c) केवल (i) सही हैं

(d) केवल (ii) सही हैं

Ans : (a) यह यादृच्छिक चरो का वह बंटन है जो दो स्वतन्त्र मानक प्रसामान्य यादृच्छिक चरों का अनुपात है। इसका प्राचल x_0 स्थान (वास्तविक), Y > O पैमाना (वास्तविक) तथा आधार $x \leftarrow (-\infty, +\infty)$ तक होता है।

49. सूची-I तथा सूची-II की मदों को सुमेलित कीजिये तथा दिये हुये कूटों के आधार पर उत्तर दीजिये :

सूची-I	**सूची-II**
a. सरल यादृच्छिक प्रतिदर्श	i. अप्रायिकता प्रतिदर्श
b. क्रमबद्ध प्रतिदर्श	ii. प्रत्येक स्तर के सभी मदो का यादृच्छिक विकल्प
c. कोटा प्रतिदर्श	iii. प्रथम का यादृच्छिक चयन और शेष का क्रमबद्ध चयन
d. स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्श	iv. सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान प्रायिकता

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

Ans : (c)

(a) सरल यादृच्छिक प्रतिदर्श — iv. सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान प्रायिकता।

(b) क्रमबद्ध प्रतिदर्श — iii. प्रथम का यादृच्छिक चयन और शेष का क्रमबद्ध चयन।

(c) कोटा प्रतिदर्श — i. अप्रायिकता प्रतिदर्श।

(d) स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्श — ii. प्रत्येक स्तर के सभी मदों का यादृच्छिक विकल्प।

50. यदि किसी गाँव में सभी किसानों को तीन वर्गों– सीमांत, छोटे एवं बड़े किसानों में विभाजित किए जाते है, और तत्पश्चात् प्रत्येक वर्ग से 20 किसानों को एक प्रतिदर्श यादृच्छिक रूप से लिया जाता है, तो इसे कहा जा सकता है:

(a) व्यवस्थित प्रतिचयन (b) स्तरीय प्रतिचयन

(c) समूह (क्लस्टर) प्रतिचयन (d) बहुचरण प्रतिचयन

Ans : (b) इसे स्तरीय प्रतिचयन कहा जाएगा क्योंकि प्रतिचयन का विभाजन वर्ग आधारित है जो स्तर को प्रदर्शित करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2015
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अवसादी-अंतराल निम्न में से किसे मापता है?

(a) पूर्ण रोजगार प्राप्त करने हेतु व्यय परिमाण से स्वतंत्र व्यय कितना कम रहा।

(b) पूर्ण रोजगार को प्राप्त करने हेतु व्यय से सकल व्यय कितना अधिक रहा।

(c) कलासिकीय मॉडल में वास्तविक उत्पादन तथा केन्स्कीय मंदी मॉडल में वास्तविक उत्पादन में अंतर।

(d) मितव्ययता से विरोधाभास की माप

Ans : (a) अवसादी अन्तराल तब होता है जब राष्ट्रीय आय का सन्तुलन स्तर, पूर्ण रोजगार स्तर के नीचे रहता है। पूर्णरोजगार स्तर की प्राप्ति के लिए वह रकम जिससे कुल व्यय में अवश्य वृद्धि हो, उसे अवसादी अन्तराल कहते हैं। अवसादी अन्तराल को सरकारी व्यय बढ़ाकर खत्म किया जा सकता है।

2. यूरोपियन यूनियन के अब कितने सदस्य हैं?

(a) 25 (b) 28
(c) 26 (d) 15

Ans : (b) रोम में मार्च, 1957 में 6 देशों फ्रांस, इटली, जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैण्ड और लक्जमबर्ग ने एक सन्धि पर हस्ताक्षर किये जिसके परिणामस्वरूप यूरोपीय आर्थिक समुदाय या यूरोपीय साझा बाजार का निर्माण हुआ। वर्तमान में इसका नाम यूरोपीय संघ है। इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में है तथा इसकी मुद्रा यूरो है। वर्तमान में इंग्लैण्ड के ब्रेक्जिट हो जाने अर्थात् यूरोपीय यूनियन से अलग हो जाने के बाद इसकी सदस्य संख्या 27 हो गई है।
यूरोपी संघ का मुख्य उद्देश्य एक साझा बाजार स्थापित करना था ताकि सदस्य देशों में विकास और स्थिरता के साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।

3. उन कारकों को इंगित कीजिये जो भारत की बाह्य आर्थिक स्थिति के लिए जोखिम का कार्य कर सकते हैं:

(a) यू. एस. फेडरल रिजर्व द्वारा इस वर्ष (2015) के उत्तरार्ध में मौद्रिक कसाव की संभावना

(b) ग्रीक के यूरोज़ोन से बाहर निकलने पर यूरोज़ोन की व्यवहार्यता

(c) तेल कीमतों में उछाल

(d) विश्वनिर्यात में भारतीय निर्यात के हिस्से में वृद्धि

इनमें सही संयोग को नीचे लिखे कूट से बताइये :

(a) (a) तथा (b) (b) (a) (b) तथा (c)
(c) (b) (c) तथा (d) (d) (a) व (d)

Ans : (b) भारत की बाह्य आर्थिक स्थिति के लिए जोखिम का कार्य निम्नलिखित कारक कर सकते है–
(a) यू.एस. फेडरल रिजर्व द्वारा इस वर्ष (2015) के उत्तरार्ध में मौद्रिक कसाव की संभावना।
(b) ग्रीक के यूरोजोन से बाहर निकलने पर यूरोजोन की व्यवहार्यता।
(c) तेल की कीमतों में उछाल।
जबकि विश्व निर्यात में भारतीय निर्यात के हिस्से में वृद्धि देश की अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल होता है।

4. भारत में मौद्रिक नीति का लक्ष्य अब है :

(a) मुद्रा पूर्ति की वृद्धि

(b) उपभोक्ता कीमत मुद्रास्फीति

(c) न तो (a) और न (b)

(d) (a) तथा (b) दोनों

Ans : (b) नई मौद्रिक नीति ने अपना लक्ष्य संशोधित करते हुए नया लक्ष्य उपभोक्ता कीमत मुद्रास्फीति को बनाया है।

5. सूची–I को सूची–II से व्यापार चक्र तथा लाभ की स्थिति को सुमेलित कर नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये।

सूची–I	सूची–II
(a) अवसाद	(i) निम्न
(b) उत्कर्ष	(ii) धनात्मक
(c) पुनरुत्थान	(iii) सर्वोच्च स्तर
(d) मंदी	(iv) ऋणात्मक (निगेटीव)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans : (b) (a) अवसाद – (i) निम्न
(b) उत्कर्ष – (iii) सर्वोच्च स्तर
(c) पुनरूत्थान – (ii) धनात्मक
(d) मंदी – (iv) ऋणात्मक

6. सापेक्ष आय परिकल्पना में उपभोग आधारित होता है :

(a) सर्वोच्च विगत उपभोग

(b) समकक्ष समूह के वर्तमान उपभोग का माध्यिका मान

(c) न तो (a) और न ही (b)

(d) (a) तथा (b) दोनों

Ans : (d) दो प्रकार के सापेक्ष आय उपभोग व्यय पर प्रभाव डालते है-
1. पिछला सर्वोच्च आय वर्तमान की तुलना में (Peak Income)।
2. पड़ोसी/राष्ट्र से खुद की आय औसत आय की तुलना में।
उपभोग जीवन स्तर निर्धारित करता है और स्वभावतः उपभोक्ता अगर ऊँचा उपभोग कर लेता है तो वह नीचे नहीं आना चाहता। यह उपभोक्ता के असममित व्यवहार को दर्शाता है अर्थात् जब उनकी आय बढ़ती है तो उपभोग बढ़ा देते हैं लेकिन आय कम होने से उपभोग का स्तर नहीं घटाते। यह व्यवहार यह संकेत देता है कि परिवार या इकाई द्वारा पूर्व में अर्जित आय (सर्वोच्च) और वर्तमान आय का अनुपात इसकी वर्तमान खपत का एक अतिरिक्त कारक के रूप में कार्य करता है। यदि अनुपात में कमी आती है तो वर्तमान खपत बढ़ जाती है और विलोमतः।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. तरलता जाल से निकलने में मौद्रिक विस्तार तब भी सहायक हो सकता है जब वह जोड़ा जाये :

(a) बैंक ऋणों पर प्रतिबंधों से
(b) बढ़े हुए करों से
(c) संकुचनशील राजकोषीय नीति
(d) विस्तार युक्त राजकोषीय नीति

Ans : (d) तरलता जाल का विचार कीन्स द्वारा दिया गया है जिसके अनुसार इस जाल में जब अर्थव्यवस्था फंस जाती है तो मौद्रिक नीति अप्रभावी हो जाती है जिससे बाहर निकलने के लिए विस्तार युक्त राजकोषीय नीति की आवश्यकता होगी।

8. रैखिक उपभोग फलन मूल बिंदु से गुजरेगा जब :

(a) ए पी सी > एम पी सी (b) ए पी सी < एम पी सी
(c) ए पी सी = एम पी सी (d) ए पी सी = एमपीसी = 0

Ans : (c)

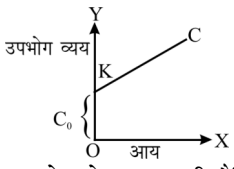

चित्र से स्पष्ट है कि उपभोग के फलन की रैखिकता हमेशा नियत APC देती है क्योंकि इस तरह के फलन की प्रवणता हमेशा नियत होती है लेकिन इसका हमेशा यह अर्थ नहीं होता है कि APC एक नियतांक ही है। सिर्फ आनुपातिक आय-उपभोग सम्बन्ध जो रैखिक उपभोग फलन की विशेष स्थिति में एक्सेस के मूलबिन्दु से होकर गुजरता है, एक नियत APC देता है।

9. केन्स के अनुसार अवसाद में सकल पूर्ति वक्र हो सकता है :

(a) क्षैतिज (b) ऊर्ध्व
(c) दाईं ओर को झुकता हुआ (d) बाईं ओर को चढ़ता हुआ

Ans : (a) कीन्स पूर्ति वक्र को स्थिर मानते थे अर्थात् Short Run हो या Long run पूर्ति वक्र हमेशा क्षैतिज ही रहेगा। कीन्स Short Run को ज्यादा केन्द्र में रखते थे। उनका कहना था कि हो सकता है Long run (दीर्घकाल) में कोई जिन्दा ही ना बचे।

10. नीचे लिखे कूट में हस्तांतरित आय को चिन्हित कर उत्तर दें :

(1) वेतन में वार्षिक वृद्धि
(2) कामगारों का बोनस भुगतान
(3) सार्वजनिक ऋण पर ब्याज
(4) पेंसन भुगतान

कूट :

(a) (3) तथा (4) (b) (2), (3) तथा (4)
(c) (1) तथा (2) (d) (1) तथा (3)

Ans : (b) हस्तांतरित आय में निम्न मदों को सम्मिलित किया जाता है–
2. कामगारों का बोनस भुगतान।
3. सार्वजनिक ऋण पर ब्याज।
4. पेंशन भुगतान।
1. बेरोजगारी भत्ता।
जबकि वेतन में वार्षिक वृद्धि को हस्तांतरित आय में शामिल नहीं किया जाता है।

11. तकनीकी प्रगति को हिक्स पूंजी प्रधान कहा जायेगा, जब स्थिर पूंजी श्रम अनुपात पर श्रमकी पूंजी के प्रति प्रतिस्थापन दर हो

(a) अचर
(b) घट जाए
(c) बढ़ जाए
(d) (a), (b) तथा (c) में कोई प्रासंगिक नहीं है।

Ans : (b) तकनीकी प्रगति पूँजी को मजबूत बनाने के लिए एक नियत K/L अनुपात है तो $MRTS_{LK}$ का पतन होता है। यह प्रदर्शित करता है कि साम्यावस्था पर w/r अनुपात का पतन होता है। अर्थात r, w के सापेक्ष बढ़ता है जबकि K/L हमेशा नियत रहता है। परिणामतः

$$\begin{bmatrix}\text{नया कारक}\\ \text{शेयर अनुपात}\end{bmatrix} = \frac{(w/r)}{(K/L)} < \begin{bmatrix}\text{आरम्भिक कारक}\\ \text{शेयर अनुपात}\end{bmatrix}$$

अतः यह कहा जा सकता है कि आय के अंश में कमी आती है और पूँजी के अंश में वृद्धि होती है।

12. निवेश निर्णय के सिद्धान्त में सबसे उपयुक्त प्रतिफल दर वह है जो बनाती है

(a) निवल वर्तमान आय को अधिकतम
(b) सकल वर्तमान आय को अधिकतम
(c) निवल वर्तमान मूल्य को शून्य
(d) सकल वर्तमान मूल्य को शून्य

Ans : (c) NPV निवेश की लाभप्रदता की माप करता है। एक घनात्मक NPV इंगित करता है कि निवेश फर्म की परिसम्पत्ति को बढ़ाता है। जब एक परियोजना के लिए NPV की गणना की जाती है तो इसका उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है कि निवेश किया जाए अथवा नहीं-
यदि NPV शून्य से ज्यादा बड़ा हो तो निवेश लाभप्रद है और, इसलिए स्वीकार योग्य है। एक घनात्मक NPV इंगित करता है कि 1. आरंभिक निवेश की उगाही की जा चुकी है, 2. वांछित प्रतिफल दर की उगाही हो चुकी है, और 3. अधिक मात्रा में 1 ओर 2 की वापसी प्राप्त की जा चुकी है।
यदि NPV शून्य के बराबर हो, तो निर्णयकर्ता समान रूप से पाते हैं कि निवेश को स्वीकार करें अथवा अस्वीकार।
यदि NPV शून्य से कम हो, तो अस्वीकृत कर देना चाहिए। इस स्थिति में, प्रतिफल दर से कम अर्जन है।

13. काब-वेब माडल का सही निरूपण निम्नलिखित में कौन है:

(a) $S_t = a_0 + b_0 p_t ; D_t = -c_0 - d_0 p_t$
(b) $S_t = a_0 + b_0 p_{t-1} ; D_t = c_0 - d_0 p_t$
(c) $S_t = a_0 - b_0 p_{t-1} ; D_t = c_0 + d_0 p_t$
(d) $S_t = a_0 - b_0 p_{t-1} ; D_t = c_0 - d_0 p_{t-1}$

Ans : (b) काब-वेब मॉडल का सही निरूपण है–

$$S_t = a_0 + b_0 p_{t-1} ; D_t = c_0 - d_0 p_t$$

14. 'प्रतिकूल चयन' उत्पन्न होता है जब ;

(a) सूचना का अभाव हो (b) गलत सूचना
(c) असममित सूचना उपलब्ध हो (d) भविष्य अनिश्चित हो

Ans : (c) प्रतिकूल चयन तब दिखता है जब क्रेता और विक्रेता के पास अलग-अलग सूचनाएँ होती हैं जिसे असममित सूचना कहते हैं। जब असममित सूचना अस्तित्व में आती हैं, तो बाजार कुशलता के सामानों का बंटन नहीं कर सकता है और उच्च मूल्य की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. प्रतिछाया कीमतों को कहा जा सकता है :

(a) आरोपित लागत
(b) अवसर लागत
(c) (a) और (b) दोनों
(d) (a) और (b) में से कोई भी नहीं

Ans : (c) जे. टिनबर्गन ने 1854 वें में पहली बार परिभाषित किया। जिसके अनुसार, प्रतिछाया कीमतें हैं जो संतुलन मूल्यों के अर्थ में किसी कारक अथवा उत्पाद के अंतर्भूत अथवा सही मूल्यों के रूप में इंगित करती है। ये कीमतें विभिन्न समयावधियों के साथ ही भौगोलिक रूप से अलग-अलग हो सकती हैं। वे बाजार की कीमतों से अलग हो सकती हैं।'' पुनः सन् 1858 वें में बताया कि प्रतिछाया कीमते अंतर्भूत मूल्यों के अनुरूप हैं और वे प्रचलित होंगे यदिः-
1. चर्चा के तहत् निवेश पद्धति को वास्तव में अंजाम दिया गया और।
2. बाजार में संतुलन आ गया जिसका उल्लेख अभी किया गया (श्रम, पूँजी, विदेशी मुद्रा विपणन में)।

16. वालरा के सामान्य संतुलन मॉडल में किसका उपयोग किया जाता है?

(a) समीकरण प्रणाली
(b) युगपत् रेखीय समीकरण प्रणाली
(c) युगपत् समीकरण प्रणाली
(d) रेखीय समीकरण प्रणाली

Ans : (c) लिओन वालरा (1834-1810) पहले अर्थशास्त्री थे जिन्होंने औपचारिक सामान्य सन्तुलन स्थापित करने के लिए नवशास्त्रीय सिद्धान्त का उसमें समावेश किया। वालरा ने यह प्रदर्शित करने की कोशिश की कि अनेक वस्तुओं के साथ अर्थव्यवस्था कैसे साथ-साथ सही बैठती है और संतुलन की स्थिति में पहुचाती है। इस उद्देश्य के लिए वालरा ने एक आर्थिक सन्तुलन का मॉडल का वर्णन के लिए युगपत् समीकरण प्रणाली विकसित की।

17. निम्नलिखित में से कौनसी एक निकृष्ट वस्तु है?

(a) केरोसिन (b) रसोई गैस
(c) बिजली (d) रसायनिक उर्वरक

Ans : (a) केरोसीन एक निकृष्ट वस्तु है।
यदि आय बढ़ने पर कोई उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करें तो वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जाती है।

18. निम्नलिखित में किसमें उत्पादन में पैरेटो की इष्टतमता प्राप्त की जाती है?

(a) $MRTS^{X}_{LK} = MRTS^{Y}_{LK}$ (b) $MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$
(c) $MRS^{K}_{XY} = MRT^{L}_{XY}$ (d) $\frac{MP_L}{P_L} = \frac{MR_K}{P_K}$

Ans : (a) प्रसिद्ध कल्याणकारी अर्थशास्त्री परेटो ने सामाजिक कल्याण के संदर्भ में जो सिद्धांत प्रस्तुत किया, उसे परेटो अनुकूलतम सिद्धांत कहा जाता है। परेटो के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है, जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो, इसे परेटो अनुकूलतम कहते है। परेटो अपने सिद्धांत को प्रस्तुत करने के लिए तीन दशाओं की चर्चा करते है–

1. उपभोक्ताओं के बीच वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण–

$$MRS_{XY} = MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$$

2. फर्मों के बीच उत्पादन के साधनों का अनुकूलतम वितरण–

$$MRTS^{A}_{LK} = MRTS^{B}_{LK}$$

3. रूपांतरण की सीमांत दर–

$$MRPT_{XY} = MRS^{A}_{XY} = MRS^{B}_{XY}$$

19. सूची–I (उपभोक्ता व्यवहार अभिगम) का सूची–II (अर्थशास्त्रीयों, जिनके साथ यह संबद्ध है) के साथ मिलान करें और नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करते हुए सही उत्तर चुनें।

सूची–I	सूची–II
(a) मापनीय उपागम	(i) वॉन न्यूमैन मोरजेन्स्टेन
(b) अनधिमान वक्र	(ii) अल्फ्रेड मार्शल
(c) प्रकटित अधिमान सिद्धांत	(iii) जे. आर. हिक्स
(d) जोखिमयुक्त चयन का नव-उपयोगिता सिद्धांत	(iv) पी.ए. सैमुअलसन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

Ans : (c)

(a) मापनीय उपागम	(ii) अल्फ्रेड मार्शल
(b) अनधिमान वक्र	(iii) जे.आर. हिक्स
(c) प्रकटित अधिमान सिद्धांत	(iv) पी.ए. सैमुएल्सन
(d) जोखिम चयन का नव–उपयोगिता सिद्धांत	(i) वॉन-न्यूमैन मोरजेन्स्टेन

20. निम्नलिखित में से प्राकृतिक बेरोजगारी दर की कौनसी अवधारणा सही है?

(a) घर्षणात्मक रूप से और संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
(b) घर्षणात्मक रूप से और चक्रीय रूप से बेरोजगार
(c) संरचनात्मक रूप से और चक्रीय रूप से बेरोजगार
(d) घर्षणात्मक, चक्रीय और संरचनात्मक रूप से बेरोजगार

Ans : (a) प्राकृतिक बरोजगारी-घर्षणात्मक बेरोजगारी दर और संरचनात्मक बेरोजगारी दर को मिलाने पर प्राकृतिक बेरोजगारी दर प्राप्त होती है, जिसे बेरोजगारी की प्राकृतिक दर भी कहते हैं। प्राकृतिक बेरोजगारी दर को नामित करने के लिए हम लोग U_n चिन्ह का प्रयोग करते हैं। वर्तमान में अधिकांश अर्थशास्त्री प्राकृतिक बरोजगारी दर का अनुमान 4 और 6.5% के बीच लगाते हैं।
प्राकृतिक बेरोजगारी दर (U_n) = घर्षणात्मक बरोजगारी दर (U_f) + संरचनात्मक बेरोजगारी दर (U_s)

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

(a) IS वक्र के बाईं तरफ के बिंदु वस्तुओं की अत्यधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं
(b) LM वक्र के दाईं तरफ के बिंदु मुद्रा की अत्यधिक मांग को इंगित करते हैं
(c) IS वक्र के दाईं तरफ के बिंदु मुद्रा की अत्यधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(d) IS वक्र के दाईं तरफ के बिंदु वस्तुओं की अत्यधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं

इन कथनों में से :

(a) (b) और (d) सही हैं (b) (a) और (c) सही हैं
(c) (b) और (c) सही हैं (d) (c) और (d) सही हैं

Ans : (a) आय और ब्याज का संयोजन जो IS वक्र पर अवस्थित है, एक वस्तु विपणन संतुलन को प्रदर्शित करता है। हालांकि, अन्य सभी बिन्दुओं पर वस्तु विपणन असन्तुलन मौजूद होता है।

1. आय और ब्याज के सभी संयोजन जो ऊपर और IS वक्र के दायी ओर होते हैं एक परिस्थिति को इंगित करते हैं, जहाँ Y>C+I या सुनियोजित निवेश से बचत बड़ी होती है। अतः आय के स्तर में गिरावट आएगी।

2. आय और ब्याज के सभी संयोजन जो नीचे IS वक्र के बायी। ओर होते हैं, एक परिस्थिति को इंगित करते हैं, जहॉ Y<C+I या सुनियोजित निवेश से बचत कम होती है। अतः आय के स्तर में बढ़ोत्तरी होगी।

दूसरी तरफ LM वक्र के विषय में, आय और ब्याज का संयोजन जो LM वक्र पर अवस्थित है, एक वस्तु विपणन सन्तुलन को प्रदर्शित करता है।

1. आय और ब्याज के सभी संयोजन जो नीचे और LM वक्र के दायी ओर होते हैं, एक परिस्थिति को इंगित करते हैं, जहॉ मुद्रा की मांग, मुद्रा की आपूर्ति से ज्यादा होती है। अथवा मुद्रा की अत्यधिक मांग होती हैं, अतः ब्याज की दर बढ़ेगी।

22. सूची–I का सूची–II के साथ मिलान करें और नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर दें :

सूची–I	सूची–II
(a) $C = 40 + 0.7y$	(i) LM फलन
(b) $I = 90 – 6\ i$	(ii) IS फलन
(c) $0.3y\ 20i – 160 = 0$	(iii) उपभोग फलन
(d) $0.3y + 20i – 150 = 0$	(iv) निवेश फलन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans : (a)

(a) $C = 40 + 0.7y$	(iii) उपभोग फलन
(b) $I = 90 – 6\ i$	(iv) निवेश फलन
(c) $0.3y\ 20i – 160 = 0$	(i) LM फलन
(d) $0.3y + 20i – 150 = 0$	(ii) IS फलन

23. रेखीय प्रोगमन समस्या में एक इष्टतम समाधान होगा :

(a) मूल समाधानों में से एक
(b) साध्य समाधानों में से एक
(c) मूल साध्य समाधानों में से एक
(d) गैर-मूल समाधानों में से एक

Ans : (c) एक LP समस्या के लिए साध्य समाधान जो मूल समाधान भी है "मूल साध्य समाधान" कहलाता है अर्थात् सभी मूल चरो को गैर नकारात्मक मूल माना जाता है। ये दो प्रकार के होते हैं।

1. अपकृष्टः-मूल साध्य समाधान को अपकृष्ट तब कहा जाता है जब कम से कम एक मूल चर का मान 0 होता है।

2. गैर-अपकृष्टः-जब सभी M मूल चरो का मान गैर-शून्य या घनात्मक होता है तब गैर उपकृष्ट कहलाता है।

इष्टतम मूल साध्य समाधानः-एक मूल साध्य समाधान जो दी गई LP समस्या के वस्तुनिष्ठ कार्य मूल्य को इष्टतम (अधिकतम या न्यूनतम) करता है, "इष्टतम मूल साध्य समाधान" कहलाता है।

24. मानव पूंजी निर्माण में तेजी लाई जा सकती है :

(a) कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर
(b) ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में चिकित्सीय और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर
(c) हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उद्योग को मजबूत बना कर
(d) उपरोक्त (a) और (b)

Ans : (d) मानव पूँजी की अवधारण मूलतः मानव विकास सूचकांक के आने के बाद केन्द्र में आयी। इसका तात्पर्य उस भाग से है जो पूँजी अर्थात् कुशल श्रमिक के रूप में योगदान दे सके। इसका निर्माण मूलभूत ढाँचा में निवेश करके ही किया जा सकता है। अतः विकल्प D सही है क्योंकि A और B ही इस तथ्य को समर्थन देते हैं।

25. कार्ल मार्क्स के अनुसार समाज के विकास का सही क्रम क्या है?

(a) समाजवाद (b) दासता
(c) सामंतवाद (d) पूंजीवाद

कूट :

(a) (a), (b), (c) और (d) (b) (d), (c), (b) और (a)
(c) (b), (c), (d) और (a) (d) (c), (d), (b) और (a)

Ans : (c) कार्ल मार्क्स अर्थशास्त्रियों के बीच सबसे चर्चित अर्थशास्त्री हैं अपितु आज भी प्रासंगिक है। इन्होंने समाज को एक क्रम दिया जो निम्नवत् है-

दासता → सामंतवाद → पूँजीवाद → समाजवाद

पूँजीवाद को कार्ल मार्क्स एक आवश्यक phase मानते थे। उनका कहना था कि समाजवाद लाने के लिए पूँजीवाद का होना अत्यन्त आवश्यक है।

26. असंतुलित संवृद्धि रणनीति आधारित है :

(a) बाह्य और आंतरिक मितव्यताओं पर
(b) विस्तार और पश्चगामी प्रभाव पर
(c) बढ़ते हुए और स्थिर पैमाने के प्रतिफल पर
(d) पश्चगामी और अग्रगामी अनुबंधन पर

Ans : (d) हर्षमैन ने 1858 में अपनी पुस्तक में "The Stretagy of Ecomomic Development" में असंतुलित संवृद्धि का समर्थन किया है। यदि एक या एक से अधिक अग्रणी क्षेत्र में संवृद्धि होती है, तब ये क्षेत्र अर्थशास्त्र में दोनों पश्चवर्ती और अग्रवर्ती सहलग्नताएँ सृजित करेंगे। जब एक उद्योग अन्य उद्योगों से उत्पादक सामग्री खरीदता है तो पश्चवर्ती सहलग्नता अस्तित्व में आ जाती है। एक अग्रवर्ती सहलग्नता तब अस्तित्व में आती है जब किसी उद्योग का उत्पाद अन्य उद्योगों द्वारा खरीदा जाता है। ये दोनों प्रक्रियाएँ अंतिम उपभोक्ता के अलावा है। खरीदी गई उत्पादक सामग्री के प्रतिशत द्वारा दोनों सहलग्नताओं की माप की जा सकती है। उदाहरणार्थ, कम्प्यूटर के फ्लैट स्क्रीन विनिर्माण में, एक पश्चवर्ती सहलग्नता डिस्प्ले पैनल की खरीद होगी, और एक अग्रवर्ती सहलग्नता लैपटाप के पुर्जो को एकत्रित करने वाली कम्पनी को परिष्कृत स्क्रीन की बिक्री होगी।

27. वित्तीय द्वैतवाद सिद्धान्त किसके द्वारा विकसित किया गया :

(a) बी. हिग्गिन्स (b) एच. माइन्ट
(c) डब्ल्यू. ए. लेवीज़ (d) आर. नरक्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) विकासशील देशों की मुद्रा बाजार की महत्वपूर्ण विशेषता को एच.माइन्ट (1871) ने '' वित्तीय द्वैतवाद का सिद्धान्त'' कहा। यह संगठित एवं असंगठित मुद्रा बाजार में विषम ब्याज दरो के साथ-साथ सहअस्तित्व की ओर संकेत करता है।

28. निम्नलिखित में से कौनसा उत्पादन फलन, हिक्स और हेरोड दोनों की तटस्थ तकनीकी प्रगति प्रदर्शित करेगा :

(a) लिओन्टिफ उत्पादन फलन
(b) कॉब-डगलस उत्पादन फलन
(c) ए.सी.एम.एस.उत्पादन फलन
(d) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans : (b) कॉब-डगलग उत्पादन फलनः- तकनीकी प्रगति के लिए हिक्स तटस्थ और हैराड-तटस्थ दोनों होना सम्भव है। यह तभी सम्भव है जब यदि प्रतिस्थापन की लोच पूँजी और श्रम के बीच हो। इस विशेषता के साथ उत्पादन फलन को कॉब-डगलस उत्पादन फलन कहा जाता है।

29. एक्स-दक्षता की अवधारणा किसके द्वारा विकसित की गई :

(a) एच. सिंगर (b) एच. लीबेन्स्टेन
(c) आर. रोडन (d) सी. किंडलबर्जर

Ans : (b) हार्वे लेबेन्स्टीन (1866) ने American Economic Review' में "Allocative Efficiency Vs X- Efficiency" शीर्षक के अर्न्तगत लेख प्रकाशित किया जिसके अनुसार पारम्परिक सूक्ष्म आर्थिक आवंटन दक्षता पर बल देता हैं। इसका कारण दक्षता के अन्य स्त्रोतो के निर्माण से है जिसे वो बहुत महत्वपूर्ण मानते थे और जिसमें अभिप्रेरण और प्रोत्साहन एक मुख्य स्थान पर स्थित होता है। X-दक्षता वही प्रबन्धीकीय गुण (अच्छा या बुरा) का एक प्रतिबिम्ब है।

30. निम्नलिखित मदों में से किसका 2013-15 के दौरान भारत के निर्यात में विशालतम मूल्य रहा है :

(a) इंजिनियरिंग वस्तुओं का निर्यात
(b) परिधान (गारमेंट्) का निर्यात
(c) रत्न और आभूषणों का निर्यात
(d) कृषि-प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात

Ans : (a) वर्ष 2013–15 के दौरान भारत के निर्यात में विशालतम मूल्य इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात का ही रहा है।
वर्ष 2016 के आर्थिक सर्वेक्षण के आकड़ों के अनुसार वर्ष 2014–15 में भारत के विनिर्मित मात्रों में शीर्ष निर्यात हिस्सेदारी वाली मदें निम्न है–

1. रत्न एवं आभूषण	–	13.3%
2. परिवहन उपस्कर	–	7.9%
3. मशीनरी एवं उपकरण	–	5.9%
4. सिले-सिलाए वस्त्र	–	5.4%

31. निम्नलिखित में से किसका मिलान सही नहीं है?

(a) स्वर्ण युग : श्रीमती जॉन रॉबिन्सन
(b) संचयन का स्वर्णिम नियम : एडमंड फैल्प्स
(c) सहज अवस्था में संवृद्धि : राबर्ट सोलो
(d) न्यून आय संतुलन जाल : टी. आर. माल्थस

Ans : (d)
(a) स्वर्ण युग : श्रीमती जॉन रॉबिन्सन
(b) संचयन का स्वर्णिम नियम : एडमंड फैल्प्स
(c) सहज अवस्था में संवृद्धि : राबर्ट सोलो
(d) न्यून आय संतुलन जाल : नेल्सन है।

32. निम्नलिखित में से कौन सा अर्थशास्त्री 'निर्भरता सिद्धान्त' से संबद्ध नहीं है?

(a) एस. अमीन (b) पी. बेरन
(c) रॉल प्रिबिश (d) ए.जी. फ्रैंक

Ans : (*) पॉल बेरन (The Political Economy and Growth [1957)
निर्भरता सिद्धान्त से सम्बन्धित अर्थशास्त्री एस. अमीन, पी. बेरन तथा ए. जी. फ्रैंक है, जबकि रॉल प्रिबिश इस सिद्धान्त से सम्बन्धित अर्थशास्त्री नहीं हैं। किन्तु आयोग ने इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

33. निम्नलिखित में से कौनसी नव-क्लासिकल अर्थशास्त्र की विशेषता नहीं है?

(a) लचीली मजदूरी और ब्याज दर
(b) भौतिक और वित्तीय रूप में पूंजी
(c) पूर्ण प्रतियोगिता
(d) मुद्रा की तटस्थता

Ans : (b) नव-क्लासिकल अर्थशास्त्र निम्न मान्यताओं पर आधारित है-

1. एक क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और केवल एक ही उत्पाद का निर्माण।
2. पूँजी एक समरूपीय (Homogeneous) है अर्थात् बिना क्षरण के किसी भी रूप में परिवर्तित हो सकता है।
3. उत्पादन फलन पर अधिक महत्व दिया गया जोकि एक Supply Side Concept है।
4. कॉब-डगलस उत्पादन फलन का प्रयोग।
5. समय पश्चता का अभाव। सारे परिवर्तन तत्काल होते है।
6. Constant Return to Scale
7. कीमत, मजदूरी, ब्याज दर परिवर्तनशील हैं।
8. मुद्रा तटस्थ है।
8. कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं।
10. पूर्ण प्रतियोगिता।

34. महिलाओं के दृष्टिकोण से बढ़ती जनसंख्या के नियंत्रण पर नवीन तरीके से अत्यधिक ध्यान देना जरूरी है क्योंकि :

(a) महिलाओं के प्रजननीय स्वास्थ्य अधिकार को ध्यान में रखते हुए परिवार नियोजन कार्यक्रमों को नई दिशा देना आवश्यक है।
(b) महिलाओं को गुणवत्तायुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए बजट में वृद्धि आवश्यक है।
(c) स्वास्थ्य और युवा-हितैषी सेवाओं के लिए महिला परामर्शदाताओं की संख्या में वृद्धि आवश्यक है।
(d) उपरोक्त सभी

Ans : (d) महिलाओं के दृष्टिकोण से बढ़ती जनसंख्या के नियंत्रण पर नवीन तरीके से अत्यधिक ध्यान देना जरूरी है क्योंकि–
(a) महिलाओं के प्रजननीय स्वास्थ्य अधिकार को ध्यान में रखते हुए परिवार नियोजन कार्यक्रमों को नई दिशा देना आवश्यक है।
(b) महिलाओं को गुणवत्तायुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए बजट में वृद्धि आवश्यक है।
(c) स्वास्थ्य और युवा-हितैषी सेवाओं के लिए महिला परामर्शदाताओं की संख्या में वृद्धि आवश्यक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और सही उत्तर का चयन चुनें।

सूची–I	सूची–II
(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्ति पक्ष	(i) डैविड रिकार्डो
(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का मांग पक्ष	(ii) बास्टेबल एवं अल्फ्रेड मार्शल
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत	(iii) जी. हैबरलर
(d) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की वास्तविक लागत सिद्धान्त	(iv) अल्फ्रेड मार्शल एवं एजवर्थ

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(b)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

Ans : (b)

(a) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्ति पक्ष	(i) डेविड रिकार्डो
(b) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का मांग पक्ष	(iv) अल्फ्रेड मार्शल एवं एजवर्थ
(c) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत	(iii) जी. हैबरलर
(d) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की वास्तविक लागत सिद्धांत	(ii) बास्टेबल एवं अल्फ्रेड मार्शल

36. कराधान में न्याय निम्नलिखित में से किस सिद्धांत के अनुप्रयोग द्वारा सर्वाधिक सुनिश्चित होता है?

(a) समान सीमांत त्याग (b) समान आनुपातिक त्याग
(c) समान समग्र त्याग (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) समान सीमान्त त्याग-इस सिद्धान्त के अनुसार, सभी करदाताओं द्वारा किया गया त्याग समान होना चाहिए। जब सीमान्त त्याग सभी करदाताओं के लिए समान है, कुल त्याग अधिकतम होगा। अतः इस सिद्धान्त को कराधान का न्यूनतम सकल त्याग सिद्धान्त के रूप में भी जाना जाता है। इसे एजवर्थ और पीगू द्वारा समर्थन भी दिया गया।

37. सरकार से संबंद्ध सभी निधियां किसमें जाती हैं :

(a) लोक लेखा (b) समेकित निधि
(c) आकस्मिकता निधि (d) राजस्व लेखा

Ans : (b) भारत सरकार के आर्थिक मामले "Bible of Governance" संविधान से निर्धारित होते है जिसके अन्तर्गत समेकित निधि का प्रावधान किया गया है।

38. 2004 और 2013 की अवधि के दौरान वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी निम्नलिखित रूप में बढ़ी है :

(a) 0.8 प्रतिशत से 1.7 प्रतिशत
(b) 1.0 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत
(c) 1.0 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत
(d) 1.2 प्रतिशत से 2.1 प्रतिशत

Ans : (a) 2004 से 2013 की अवधि के दौरान वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.8% से बढ़कर 1.7% (लगभग) हो गई है।

39. 'जेंडर बजटिंग' से तात्पर्य है :

(a) महिलाओं के लिए एक पृथक बजट
(b) महिला सशक्तीकरण के लिए एक उपकरण
(c) महिलाओं के प्रति भेदभाव के लिए एक उपकरण
(d) पुरुषों एवं महिलाओं के लिए पृथक बजट

Ans : (b) "Gender Budgeting" की अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग आस्ट्रेलिया ने 1884 में किया था जिसका अभिप्राय सार्वजनिक व्यय और नीति के ज्ञान में जेंडर से सम्बन्धित मुद्दों की खोज से था।

40. विकास के कॉलिन क्लार्क क्रम को तोड़कर भारत में किस क्षेत्र का विकास हुआ है?

(a) निर्यात क्षेत्र (b) प्राथमिक क्षेत्र
(c) द्वितीयक क्षेत्र (d) सेवा क्षेत्र

Ans : (d) कॉलिन क्लार्क ने तीन व्यवसायिक चरणों के माध्यम से आर्थिक विकास का अवलोकन किया। राष्ट्र की शुरूआत आरम्भिक प्राथमिक माल उत्पादकों (कृषि और मत्स्य पालन) के रूप में उच्च स्तरीय विकास की ओर विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन के साथ अग्रसर होता है। ज्ञान और दक्षता की उन्नति के साथ द्वितीय चरण आता है वहीं तृतीय चरण में प्रतिनिधि रूप में परिवहन, वितरण और लोक प्रशासन के क्षेत्र है। गैर सामग्री उत्पादन के माध्यम से आय के उच्चतम स्तर प्राप्त किए जा सकते हैं।

41. नीचे दिए गए कूटों में से सही कटों का चयन करते हुए सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें :

सूची–I	सूची–II
(a) तरलता जाल	(i) एम. फ्रीडमैन
(b) प्रदर्शन प्रभाव	(ii) ए.सी. पिगू
(c) स्थायी आय परिकल्पना	(iii) जे ड्यूजेनबेरी
(d) सम्पदा प्रभाव	(iv) जे.एम. कीन्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

Ans : (a) सही रूप से सुमेलित है–

(a) तरलता जाल	(iv) जे.एम. कीन्स
(b) प्रदर्शन प्रभाव	(iii) जेम्स ड्यूजेनबेरी
(c) स्थायी आय परिकल्पना	(i) एम. फ्रीडमैन
(d) सम्पदा प्रभाव	(ii) ए.सी. पिगू

42. अधिमूल्यित मुद्रा का निम्नलिखित में से कौन-सा प्रभाव होगा :

(a) निर्यात और आयात समान रूप से महंगा होना
(b) निर्यात और आयात समान रूप से सस्ता होना
(c) आयात को सापेक्षिक रूप से महंगा होना
(d) आयात को सापेक्षिक रूप से सस्ता होना

Ans : (d) अधिमूल्यित मुद्रा में देश की मुद्रा का अधिमूल्यन किया जाता है। जिसमें वह International Currency Basket की तुलना में सस्ता हो जाता है और उस देश का आयात भी सस्ता हो जाता है।

43. प्रिबिश-सिंगर शोध के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सही है?

(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ने अंतर्राष्ट्रीय असमानता को बढ़ाया है और विकासशील देशों के विकास को अवरुद्ध किया है।
(b) आयात प्रतिस्थापन की कार्यनीति के परिणामस्वरूप विकासशील देश में त्रुटिपूर्ण आबंटन हुआ है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :
(a) (a) और (b) दोनों सही हैं
(b) केवल (a) सही है
(c) केवल (b) सही है
(d) (a) और (b) दोनों सही नहीं हैं

Ans : (b) राल प्रेबिश तथा एचः सिंगर द्वारा प्रतिपादित शोध कहता है कि अन्ततः व्यापार स्थिति प्राथमिक उत्पादक देशों के विरूद्ध संचालित होता है। यह शोध केन्द्र और परिधि के बीच व्यापार-स्थिति के धर्मनिरपेक्ष गिरावट की भविष्यवाणी करता है। यह एक मुख्य कारक है जो LDC_s के विकास को अवरूद्ध करता है। उनके अनुसार ''व्यापार'' शब्द LDC_s के पक्ष में चला जाता है। प्रेबिश ने सामान्यीकृत किया कि LDC_s की व्यापार स्थिति में लम्बी अवधि के बाद गिरावट केन्द्र और उसकी परिधि के बीच व्यापार और वृद्धि का परिणाम है, जो अवश्यभावी है।

44. अभिकथन (A) : यदि अवमूल्यन को सफल होना है तो मार्शल-लर्नर शर्त पूरी होनी चाहिए।
कारण (R) : अवमूल्यन निर्यात को महंगा और आयात को सस्ता करता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही है।
(b) (A) और (R) दोनों सही नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं हैं।
(d) (A) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या हैं।

Ans : (c) अवमूल्यन के अन्तर्गत देश की मुद्रा के आन्तरिक मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं होता है जबकि देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य में अन्य देशों की मुद्राओं की अपेक्षा कमी हो जाती है। जिसके परिणामस्वरूप निर्यात सस्ते हो जाते है और आयात महंगे हो जाते है।
अवमूल्यन की सफलता निर्यात एवं आयात वस्तुओं की मांग एवं पूर्ति लोचों पर निर्भर करती है। मार्शल-लर्नर शर्त के अनुसार यदि निर्यातों एवं आयातों की लोच इकाई से अधिक हो तो अवमूल्यन से देश का भुगतान संतुलन सुधरेगा।
अर्थात्– $\boxed{e_x + e_m > 1}$

45. घरेलू निर्यात उद्योग में उत्पादकता परिवर्तन व्यापार की किन शर्तों में समाविष्ट होते हैं?
(a) आय की व्यापार शर्तें
(b) एकल साधन व्यापार शर्तें
(c) सकल वस्तु-विनिमय व्यापार शर्तें
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) घरेलू निर्यात उद्योग में उत्पादकता परिवर्तन व्यापार की एकल साधन शर्तों में समाविष्ट होते है। व्यापार की एकल घटकीय शर्तों का प्रतिपादन वाइनर ने किया।

$$\boxed{T_S = \frac{P_x}{P_m}.F_x}$$

जहाँ S = व्यापार की एकल घटकीय शर्त।
$\frac{P_x}{P_m}$ = शुद्ध वस्तु विनिमय व्यापार शर्त।
F_x = निर्यातों की उत्पादकता सूचकांक।

46. प्रस्तावित जी.एस.टी. विधेयक में शामिल होगा:
(a) मनोरंजन कर (b) मूल्यवर्धित कर
(c) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (d) उपर्युक्त में से सभी

Ans : (d) GST केन्द्रीय करों जैसे - उत्पाद शुल्क और सेवा कर तथा राज्य करारोपण जैसे- बिक्री, मूल्यवर्धित और खरीद करो की जगह लेगा। सभी प्रवेश करों जैसे- चुंगी भी GST के अन्तर्गत शामिल होगा। विधेयक राजस्व और स्वायत्तता के नुकसान पर राज्य की चिंताओं को संतुलित करने की कोशिश करता है और कर संरचना की आवश्यकता को पूरा करता है जो बाधाओं को दूर और पूरे देश के अंतर माल और सेवाओं के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करेगा।

47. अर्थशास्त्रियों के उस युग्म का चयन करें जिन्होंने पहली बार कराधान एवं सार्वजनिक व्यय के नियमों ('केनन') का प्रतिपादन किया :
(a) आर.एन. भार्गव एवं आर.ए. मसग्रेव
(b) एडम स्मिथ एवं फिन्डले शिराज़
(c) ए.सी. पिगू एवं डेविड रिकार्डो
(d) ए.आर. प्रेस्ट एवं उर्शुला के. हिक्स

Ans : (b) एडम स्मिथ तथा फिण्डले शिराज ने पहली बार कराधान एवं सार्वजनिक व्यय के नियमों का प्रतिपादन किया।

48. निम्नलिखित में से कुछ भारत में समानान्तर अर्थव्यवस्था के प्रभाव हैं।
(a) सरकार को राजस्व का घाटा
(b) ईमानदार करदाताओं पर अधिक बोझ
(c) सम्पत्ति और आय के समान वितरण
(d) प्रदर्शन उपभोग की अनावश्यक मदों को प्रोत्साहन
दिए गए कूट से सही युग्म का पता करें :
(a) (a), (b) और (c) (b) (a), (b) और (d)
(c) (b), (c) और (d) (d) (a) और (d)

Ans : (b) भारत मं समानान्तर अर्थव्यवस्था के कुछ प्रभाव निम्न है–
(a) सरकार को राजस्व का घाटा।
(b) ईमानदार करदाताओं पर अधिक बोझ।
(d) प्रदर्शन उपभोग की अनावश्यक मदों को प्रोत्साहन।

49. भारत में नवजात शिशु मृत्यु-दर की संदर्भ अवधि क्या है?
(a) जन्म के बाद तीन महीने (b) जन्म के बाद एक महीने
(c) जन्म के बाद 28 दिन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) नवजात शिशु मृत्यु दर-

$$= \frac{\text{28 दिनों की उम्र के अंतर्गत शिशु की मत्यु की संख्या}}{\text{जीवित शिशुओं की संख्या}} \times 1000 \text{ जीवित शिशुओं की संख्या (1 वर्ष)}$$

$$\text{नवजात शिशु मत्यु दर} = \frac{\text{जन्म के बाद 28 दिनों से 367 दिनो तक शिशु की मत्यु की सं.}}{\text{जीवित शिशुओं की सं}} \times 1000 \text{ जीवित शिशु}$$

50. हाल में आरंभ किया गया ''इन्द्रधनुष'' कार्यक्रम निम्नलिखित में से किससे संबंधित हैं :
(a) औषधियों का उत्पादन
(b) घातक बीमारियों से बचाव के लिए टीकारण
(c) किशोरियों के लिए बहु व्यावसायिक प्रशिक्षण
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) मिशन 'इनद्रधनुष', इन्द्रधनुष के 7 रंगों को चित्रित करता है जिसका उद्देश्य 2020 तक सभी बच्चों को टीकाकरण के दायरे में लेना है। 7 रंगों से अभिप्राय 7 जानलेवा बीमारी के नियन्त्रण है जिनमें डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस, पोलियो, टी.बी., खसरा और हेपेटाइटिस बी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

51. निम्नलिखित में से किसने भारत सरकार को व्यय कर को आरंभ करने का सुझाव दिया?
(a) एन. काल्डर (b) जे.आर. हिक्स
(c) बी. हैन्सन (d) उर्शुला हिक्स

Ans : (a) भारत सरकार को व्यय कर को प्रारंभ करने का सुझाव एन. काल्डर ने दिया।

52. निम्नलिखित में से कौन सी नयी वित्तपोषण एजेंसी सूक्ष्म एवं लघु व्यापार के लिए वित्त मुहैया कराती है
(a) सिडबी (b) मुद्रा
(c) नाबार्ड (d) किसान क्रेडिट कार्ड (के.सी.सी.)

Ans : (b) 8 अप्रैल 2015 को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने Micro Units Development and Refinance Agency Limited (MUDRA) बैंक का शुभारम्भ छोटे उद्यमियों को फंड प्रदान करने के लिए किया। यह बैंक प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMIDY) के अधीन शुरू किया गया। छोटे उद्यमियों को रु. 10 लाख का ऋण प्रदान करेगा तथा MFI_s के लिए एक नियामत के रूप में काम करेगा।

53. किसने कहा ''मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और विस्फीति अहितकर है''?
(a) ए.के. सेन (b) जे.आर. हिक्स
(c) ए.सी. पिगू (d) जे.एम. कीन्स

Ans : (d) कीन्स की तरह ही कुछ अर्थशास्त्रीयों ने विस्फीति को मुद्रास्फीति से ज्यादा घातक बताया है। कीन्स के शब्दों में, ''मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और विस्फीति अहितकर है। इन दोनों में शायद विस्फीति और भी बुरा है।''

54. भारत में औसत जोत के आकार में निरंतर गिरावट के निम्नलिखित कारणों पर विचार करें। नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर दें।
(a) उत्तराधिकार कानून (b) समेकन
(c) खेती का मशीनीकरण (d) भूमि स्वामित्व की इच्छा
कूट :
(a) (a) और (b) (b) (a) और (d)
(c) (a), (b), (c) और (d) (d) (a), (c) और (d)

Ans : (b) भारत में औसत जोत के आकार में निरंतर गिरावट के निम्नलिखित कारण है–
(a) उत्तराधिकार कानून
(b) भूमि स्वामित्व की इच्छा
(c) जनसंख्या वृद्धि
(d) कृषि पर बढ़ती आश्रितता

55. केन्द्र सरकार की राजकोषीय स्थिति के खराब रहने की सम्भावना किन कारणों से है :
(a) सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफरिशों का कार्यान्वयन
(b) चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के कारण राज्यों को ज्यादा आबन्टन
(c) वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन के कारण राज्यों को क्षतिपूर्ति
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) केन्द्र सरकार की राजकोषीय स्थिति के खराब रहने की संभावना निम्नलिखित कारणों से है–
(a) सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों का कार्यान्वयन
(b) चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के कारण राज्यों को ज्यादा आबन्टन
(c) वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन के कारण राज्यों को क्षतिपूर्ति

56. कौन सा कर केवल भारत सरकार द्वारा लगाया जाता है?
(a) बिक्री कर (b) उत्पाद कर
(c) सीमा शुल्क (d) चुंगी

Ans : (c) संविधान की अनुसूची सात के सूची एक के अन्तर्गत निम्न मदों पर भारत सरकार द्वारा कर लगाया जाता है–
1. कृषि आय के अतिरिक्त आय पर कर।
2. निगम कर।
3. सीमा शुल्क।
4. शराब तथा नशीले पदार्थ (जैसे–अफीम, गांजा, भांग) को छोड़कर अन्य वस्तुओं पर उत्पादन शुल्क।
5. व्यक्तियों तथा कंपनियों की गैर-कृषि संपत्ति के पूँजी मूल्य पर कर।
6. कृषि भूमि को छोड़कर अन्य संपत्ति पर मृत्यु एवं संपदा कर।
7. कुछ वित्तीय दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क।
8. स्टॉक एक्सचेंज तथा भावी मार्केट के लेन-देन पर गैर-स्टाम्प कर।
9. अखबार तथा उनमें छपे विज्ञापनों की खरीद तथा बिक्री पर कर।
10. रेल भाड़ा तथा किराया पर कर।
11. रेल, समुद्र तथा वायुमार्ग से जाने वाले यात्रियों तथा वस्तुओं पर टरमिनल कर।
12. वे कर जो राज्य सूची या समवर्ती सूची में अंकित नहीं है।

57. भारत में वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) की निम्नलिखित में से क्या विशेषताएं हैं?
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :
(a) केन्द्र और राज्यों की दोहरी जीएसटी व्यवस्था होगी।
(b) उदगम् आधारित कर के विरूद्ध यह गंतव्य आधारित कर होगा।
(c) यह मानव उपभोग के लिए अल्कोहल को छोड़कर सभी वस्तुओं और सेवाओं पर लागू होगा।
कूट :
(a) उपर्युक्त सभी सत्य है।
(b) केवल (a) सत्य हैं।
(c) (a) और (b) दोनों सत्य हैं।
(d) केवल (b) और (c) सत्य हैं।

Ans : (a) भारत में वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) की निम्न विशेषताएं है–
(a) केन्द्र और राज्यों की दोहरी जीएसटी व्यवस्था होगी।
(b) उदगम् आधारित कर के विरूद्ध यह गंतव्य आधारित कर होगा।
(c) यह मानव उपभोग के लिए अल्कोहल को छोड़कर सभी वस्तुओं और सेवाओं पर लागू होगा।

58. निम्नलिखित पर विचार करें :
(a) बाँड पर ब्याज दर (b) मुद्रास्फीति की दर
(c) बचत-निवेश अनुपात
फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा वेग किन उपर्युक्त तथ्यों पर निर्भर करता है? सही उत्तर के लिए कूटों का चयन करें।
कूट :
(a) (a), (b) और (c) (b) (b) और (c)
(c) (a) और (b) (d) केवल (c)

Ans : (c) फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा वेग निम्न तथ्यों पर निर्भर करता है–(a) बाँड पर ब्याज दर। (b) मुद्रा स्फीति की दर।

59. किस देश ने विश्व में सर्वप्रथम कागजी मुद्रा का प्रचलन आरम्भ किया?
(a) इंग्लैंड (b) सं.रा.अ.
(c) भारत (d) स्वीडन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (*) विश्व में सबसे पहले कागजी मुद्रा जारी करने वाला देश चीन है, चीनियों ने 9वीं सदी में कागजी मुद्रा का आविष्कार किया, इसे ''फ्लाइंग मनी'' कहा जाता था जिसका उपयोग चीन के तांग राजवंश (618-907 ई.) में धनी व्यपारियों और सरकारी अधिकारीयों द्वारा किया जाता था।

60. वर्ष 2014 में अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार किसे प्रदान किया गया था?

(a) लार्स पीटर हैन्सेन (b) ज्यां ट्राउले
(c) एल्वीन ई. रोथ (d) पॉल क्रुगमैन

Ans : (b) 13 अक्टूबर, 2014 के फ्रांस के अर्थशास्त्री Jean Tirole ने नोबेल पुरस्कार जीता। उनको यह सम्मान विपणन शक्ति और विनियमन के विश्लेषण पर मिला था।
2016 में यह पुरस्कार ब्रिटिश मूल के अर्थशास्त्री अलीवर हार्ट और फीनलैण्ड के बेंग्ट हॉमस्ट्राग को दिया गया।

61. पर्यावरणीय अर्थव्यवस्था में हरमन डेली ने प्रतिपादित किया है:

(a) स्टेपअप उपागम (b) स्थान प्रयोग उपागम
(c) पारिस्थितिकी उपागम (d) सतत-अवस्था उपागम

Ans : (d) हरमन डेली ने 1870 के दशक की (डेली, 1877, 1873) वृद्धि अर्थव्यवस्था के विकल्प के रूप में 'सतत् अवस्था की अर्थव्यवस्था की अवधारणा का वर्णन किया। जिसके अर्न्तगत एक निम्न दर की प्रवाह क्षमता द्वारा नियत जनसंख्या और नियत पूंजी स्टॉक के साथ अर्थव्यवस्था को संघारित किया गया जो पारिस्थितकी तंत्र के पुनर्योजी सदृश्यकरण क्षमता के भीतर है।

62. सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के चयन के लिए किसकी अध्यक्षता में उच्चाधिकार पैनल गठित की है :

(a) सी. रंगराजन (b) रघुराम राजन
(c) विमल राजन (d) वाई.वी. रेड्डी

Ans : (b) सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के चयन के लिए रघुराम राजन की अध्यक्षता में उच्चाधिकार पैनल गठित किया है।

63. अभिकथन (A) : निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है।
कारण (R) : महिलाओं के ज्यादा शामिल होने का तात्पर्य लिंगाधारित बजट की सामान्य बजट में ज्यादा हिस्सेदारी है।
उपर्युक्त कथनों में से क्या सही है :

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या हैं।
(b) A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता हैं।
(c) (A) सत्य है लेकिन (R) असत्य है।
(d) (R) सत्य है लेकिन (A) असत्य है।

Ans : (a) महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लिंग आधारित बजट अर्थात् जेंडर बजट की व्यवस्था की गई है ताकि महिलायें आत्म निर्भर एवं सशक्त हो सके। इसी का परिणाम है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है।

64. भारत के 'ग्रीन एक्शन' को प्रभावकारी बनाया जा सकता है :

(a) पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि कर
(b) कोयला उपकर को 'कार्बन कर' में परिवर्तित कर।
(c) ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों को प्रोत्साहित कर।
(d) उपयुक्त सभी

Ans : (d) प्रदूषण के नियन्त्रण के लिए भारत सरकार ने जो कदम उठाए उसे ग्रीन एक्शन कहा गया जिनमें प्रमुखतः पेट्रोलियम पदार्थों पर उच्च कराधान, नवीनीकरण ऊर्जा को केन्द्र में रखना तथा कार्बन कराधान व्यवस्था-एक नकारात्मक मूल्य से कार्बन उत्सर्जन पर अंतर्निहित सकारात्मक मूल्य तक ली है।

65. निम्नलिखित में से क्या लियोन्टिक की स्थैतिक मॉडल की आर्थिक व्यवहार्यता और प्रौद्योगिकीय साध्यता की शर्तें हैं?

(a) कुन-टुकर शर्तें (b) हॉकिन्स-साइमन शर्तें
(c) क्लीन-रूबिन शर्तें (d) वॉन न्यूमैन-मोगेन्टर्न शर्तें

Ans : (b) हॉकिन्स-साइमन शर्तें लियोन्टिफ की स्थैतिक मॉडल की आर्थिक व्यवहार्यता और प्रौद्योगिकीय साध्यता की शर्तें है।
साइमन-हॉकिन्स प्रतिबंध के अनुसार अर्थशास्त्र की दृष्टि से व्यावहारिकता हेतु व्यूह [I–A] के मुख्य कर्ण के समस्त कोटि के लघु-सारणिकों का धनात्मक होना आवश्यक है। दूसरे शब्दों में कर्ण के समस्त अवयव– $(1-a_{11})$, $(1-a_{22})$, $(1-a_{33})$, ...$(1-a_{nn})$ धनात्मक होना चाहिए अर्थात् $a_{11}, a_{22}, a_{33}, \ldots\ldots a_{nn}$ का मान इकाई से कम होना चाहिए।

66. दिया गया मांग फलन है $p=\frac{1}{4}q^{-1/2}, q=25$ पर उपभोक्ता के अधिशेष है :

(a) 1.12 (b) 1.25
(c) 1 (d) 0.5

Ans : (b) Demand function $p=\frac{1}{4}q^{-1/2}$

जब $q=25, p=\frac{1}{4}(25)^{-1/2}=\frac{1}{4}(5)^{-1}=\frac{1}{4\times5}=0.05$

$$c.s.=\int_0^q p.dq-0.05\times q \Rightarrow \int_0^{25}\frac{1}{4}(q)^{1/2}.dq-0.05q$$

$$=\frac{2}{4}\left[q^{1/2}\right]_0^{25}-0.05\times25=\frac{1}{2}\times5-1.25$$

$$=2.5-1.25=1.25$$

67. मांग फलन के $p=20-2q$ के दिए होने पर $q=3$ पर औसत सीमान्त आगम का मान क्रमशः होगा:

(a) 6 और 12 (b) 7 और 12
(c) 8 और 14 (d) 11 और 15

Ans : (c) demand function $P=20-2q=20-2\times3=14$

$$TR=p.q=14\times3=42$$

$$MR=\frac{42}{3}=14$$

$$AR=\frac{d(TR)}{dq}=\frac{d}{dq}\left(20q-2q^2\right)$$

$$=20-4q=20-4\times3=8$$

68. दो चर रैखीय समाश्रयण मॉडल के लिए परिकल्पना के सांख्यिकी परीक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है?

(a) $t^2>F$ (b) $t^2<F$
(c) $t^2=F$ (d) $t=F$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) दो चर रैखीय समाश्रयण मॉडल के लिए परिकल्पना के सांख्यिकीय परीक्षण के संदर्भ में $t^2 = F$ सही है।

69. डिकी-फूलर परीक्षण के माध्यम से कालश्रेणी की स्थिरता को जांचने के लिए कौन सा मॉडल सही है?

(a) $Y_t = \lambda Y_{t-1} + \mu_t$ (b) $Y_t = Y_{t-1} + \lambda\mu_t$

(c) $Y_t = \lambda_{t+1} + \mu_t$ (d) $\Delta Y_t = \lambda Y_{t-1} + \mu_t$

Ans : (a) डिकी-फूलर परीक्षण के माध्यम से कालश्रेणी की स्थिरता को जाँचने के लिए $Y_t = \lambda Y_{t-1} + \mu_t$ मॉडल सही है।

70. रैखीय निष्पक्ष आकलक (बी एल यू ई) में 'सर्वोत्तम' पद का तात्पर्य है :

(a) आकलक का अधिकतम विचरण

(b) आकलक का न्यूनतम विचरण

(c) आकलक का औसत विचरण

(d) आकलक का निष्पक्ष विचरण

Ans : (b) परिमित और अपरिमित जनसंख्याओं के मामले में सैम्पल मीन जनसंख्या का एक निष्पक्ष अनुमान है। इसके अलावा सैम्पल मीन एक रैखिक फलन है। सैम्पल मूल्य का $a_1 x_1 + a_2 x_2 + \ldots\ldots\ldots + a_n x_n$, $x_1, x_2, \ldots\ldots, x_n$ स्थिति का विषय है।
$\Sigma a_i = 1$, where $i = 1, 2, \ldots\ldots n$ के लिए।
सैम्पल मूल्यों के रैखिक फलन ज्ञात a_i को $\Sigma a, x,$ के रूप में प्रदर्शित करता है। इस तरह $\Sigma a_i = 1$ को निष्पक्ष रैखीय आकलन कहा जाता है। रैखीय आकलन के रैखीय निष्पक्ष आकलक का न्यूनतम विचरण कहा जाता है। सामान्यतः इसे सर्वक्षेष्ठ रैखीय निष्पक्ष आकलक (BLUE) कहा जाता है। विशेषण 'सर्वश्रेष्ठ' न्यूनतम विचरण को इंगित करता है।

71. निम्नलिखित को सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची–I		**सूची–II**
(a)	डार्विन का एच परीक्षण	(i)	विषम विचालिका
(b)	गोल्डफेल्ड-क्रेन्डट परीक्षण	(ii)	प्रतिगमन की समग्र सार्थकता
(c)	एफ-परीक्षण	(iii)	श्रेणी की स्थिरता
(d)	डिकी फूलर परीक्षण में	(iv)	स्वतः प्रतिगामी मॉडल स्वतः सहसंबंध

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans : (c)

(a) डार्विन का एच परीक्षण — (iv) स्वतः प्रतिगामी मॉडल में स्वतः सहसंबंध।

(b) गोल्डफेल्ड-क्वेन्डट परीक्षण — (i) विषय विचालिका।

(c) F-परीक्षण — (ii) प्रतिगमन की समग्र सार्थकता।

(d) डिकी-फूलर परीक्षण — (iii) श्रेणी की स्थिरता।

72 एक युगपत् समीकरण निकाय में किसी अति-निर्धारित समीकरण के आकलन की उचित विधि है :

(a) साधारण न्यूनतम वर्ग पद्धति

(b) अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग पद्धति

(c) द्वि-चरणीय न्यूनतम वर्ग पद्धति

(d) सीमित सूचना अधिकतम सम्भाव्यता पद्धति

Ans (c) एक युगपत समीकरण निकाय में किसी अति-निर्धारित समीकरण के आकलन को द्वि-चरणीय न्यूनतम वर्ग पद्धति उचित विधि है।

73. रिकर्सिव प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

(a) प्रत्येक समीकरण के लिए न्यूनतम वर्ग को पृथक अनुप्रयोग करते हुए प्राचलों को वैधता से आकलित किया जा सकता है।

(b) स्वतंत्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पद के साथ सहसंबधित हो सकता है।

(c) 2SLS के अनुप्रयोग से निष्पक्ष लेकिन अकुशल प्राचलों का आकलन होगा।

(d) स्वतंत्र चरों की उन समीकरणों में जिसमें वे स्वतंत्र चर के रूप में प्रकट होते हैं त्रुटि पद के साथ सहसंबंधित किया जा सकता है।

(a) केवल (b) और (d) (b) केवल (a) और (c)

(c) केवल (a), (b) और (c) (d) (a), (b), (c) और (d)

Ans : (c) रिकर्सिव प्रणाली के संबंध में निम्न कथन सत्य है–

(a) प्रत्येक समीकरण के लिए न्यूनतम वर्ग को पृथक अनुप्रयोग करते हुए प्राचलों को वैधता से आकलित किया जा सकता है।

(b) स्वतंत्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पद के साथ सहसंबंधित हो सकता है।

(c) 2SLS के अनुप्रयोग से निष्पक्ष लेकिन अकुशल प्राचलों का आकलन होगा।

74. बहु चर प्रतिमान में प्रतिगमन गुणांको का परीक्षण किया जाना है। किस परीक्षण का प्रयोग होगा?

(a) F परीक्षण (b) X^2 परीक्षण (काई वर्ग) परीक्षण

(c) d परीक्षण (d) t परीक्षण

Ans : (a) बहुचर प्रतिगमन में प्रतिगमन गुणांको का परीक्षण किया जाता है। जिसके लिए F Test प्रयोग होगा।

75. सी.ई.एस. उत्पादन फलन में

$$Q = A\left[\alpha X_1^{-\rho} + (1-\alpha)X_2^{-\rho}\right]^{-\frac{\mu}{\rho}}$$

जहां Q उत्पादन और X_1 और X_2 श्रम और पूंजी है नीचे दिए गए कूटों से सही विकल्प का चयन करें।

(a) दक्षता प्राचल (i) μ

(b) वितरण प्राचल (ii) ρ

(c) प्रतिस्थापन प्राचल (iii) α

(d) पैमाने के प्रतिफल का प्राचल (iv) A

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans : (c) (a) दक्षता प्राचल (iv) A

(b) वितरण प्राचल (iii) α

(c) प्रतिस्थापन प्राचल (ii) ρ

(d) पैमाने के प्रतिफल का प्राचल (i) μ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2015
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नांकित कथनों पर विचार करें–

I. केंस के अनुसार, आय बढ़ने के साथ, आय का अल्प अनुपात उपभोग पर व्यय किया जाता है ।

II. कुजनेट्स के अनुसार, आय बढ़ने के साथ, बचत की औसत प्रवृत्ति स्थिर और सतत बनी रहती हैं?

उपरोक्त में से कौन–से कथन सही हैं?

(a) I और II दोनों सही है
(b) न तो I और न ही II सही है
(c) सिर्फ I सही है
(d) सिर्फ II सही है

Ans : (a) नीचे लिखे दोनों कथन सत्य है–
(1) केन्स के अनुसार जब आय बढ़ती है तब उपभोग व्यय भी बढ़ता है परन्तु उपभोग व्यय में होने वाली वृद्धि आय की अपेक्षा कम मात्रा में होती है। इसे कीन्स ने अपने उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम में स्पष्ट किया। आय वृद्धि के परिणामस्वरूप बचत भी बढ़ जाता है। उपभोग तथा आय के मध्य गैर–आनुपातिक सम्बन्ध होता है।
(2) कुजनेट्स के अनुसार आय बढ़ने के साथ बचत की औसत प्रवृत्ति स्थिर और सतत बनी रहती है।

2. यदि आय (Y) के सभी स्तरों पर उपयोग की सीमांत प्रवृत्ति (MPC) उपभोग की औसत प्रवृत्ति (APC) के बराबर हो तो सही तत्संबंधी उपभोग (C) फलन होगा–

(a) $C = a + bY$ (b) $C = a + \frac{b}{Y}$
(c) $C = bY$ (d) $C = bY^2$

Ans : (c) – यदि आय (Y) के सभी स्तरों पर उपयोग की सीमांत प्रवृत्ति (MPC) उपभोग की औसत प्रवृत्ति (APC) के बराबर हो तो उपभोग फलन C = b.y होगा।

3. सरकार द्वारा अंतरण भुगतान, निवल घरेलू उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता क्योंकि–

(a) ये लाभार्थियों को सरकार द्वारा प्रदत्त उपहार होते हैं
(b) वस्तुओं के रूप में इनकी गणना नहीं की जाती
(c) उक्त भुगतानों की बराबरी करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं का कोई तत्संबंधी उत्पादन नहीं हुआ है
(d) उक्त भुगतानों में निःसरण संभव है

Ans : (c) सरकार द्वारा अंतरण भुगतान निवल घरेलू उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता क्योंकि उक्त भुगतानों की बराबरी करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं का कोई तत्संबंधी उत्पादन नहीं हुआ है। हस्तांतरण भुगतान (Transfer Payment) का अर्थ ऐसे भुगतानों से है जो व्यक्तियों, संस्थाओं, संगठनों, कंपनियों, सरकारों आदि के द्वारा दिया जाय किन्तु इन्हें प्राप्त करने वाले लोग उसके बदले सम्बन्धित समयावधि में किसी उत्पादक कार्य में योगदान नहीं करते। जैसे– उपहार व दान, एक पक्षीय धन प्रेषण, बेरोजगारी भत्ता, पेंशन स्कॉलरशिप पुरस्कार राशि, इंश्योरेंस क्लेम, दावा भुगतान इत्यादि।

4. फिलिप्स वक्र निम्नांकित में से किसके मध्य संबंध स्थापित करता है।

(a) कर और मुद्रास्फीति
(b) मुद्रास्फीति और बेरोजगारी
(c) मुद्रा आपूर्ति और कुल मांग
(d) उत्पादन का मूल्य और लागत

Ans : (b) फिलिप्स वक्र का प्रतिपादन 1958 में ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए. डब्ल्यू. फिलिप्स द्वारा किया गया। फिलिप्स वक्र बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी की दर में सम्बन्ध बताता है। फिलिप्स ने ब्रिटेन में 1861–1957 की अवधि में मौद्रिक मजदूरी की दरों तथा बेरोजगारी की दरों में होने वाले परिवर्तनों के प्रतिशतों से संबंधित आकड़ों का विश्लेषण किया और इसके आधार यह निष्कर्ष दिया कि बेरोजगारी की दर और मुद्रा मजदूरी बढ़ने की दर के बीच विपरीत सम्बन्ध होता है। बाद में फिलिप्स वक्र का प्रयोग मुद्रा स्फीति और बेरोजगारी में सम्बन्ध दिखाने के लिए किया जाने लगा।

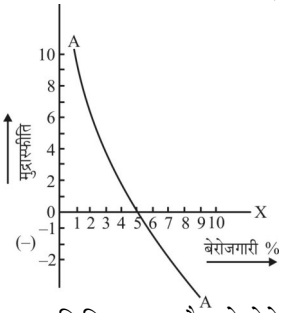

प्रस्तुत चित्र में AA वक्र फिलिप्स वक्र है, जो बेरोजगारी की दर तथा मुद्रास्फीति में सम्बन्ध दिखाता है। नीचे की ओर गिरता हुआ वक्र यह दर्शाता है कि बेरोजगारी का स्तर बढ़ाकर कीमतों की वृद्धि दर में कमी लाई जा सकती है या स्फीति का त्याग कर बदले में बेरोजगारी प्राप्त कर सकते है।

5. यदि अर्थव्यवस्था सम्भावित जी.डी.पी. पर प्रचालित हो रही है तो मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोत्तरी का परिणाम होगा–

(a) अवसादी स्फीति (b) संरचनात्मक मुद्रा स्फीति
(c) मांगजन्य मुद्रा स्फीति (d) लागतजन्य मुद्रा स्फीति

Ans : (c) यदि अर्थव्यवस्था संभावित GDP पर प्रचालित हो रही है तो मुद्रा में बढ़ोतरी से मांग जन्य मुद्रा स्फीति होगी।
वस्तुओं तथा सेवाओं की तेजी से बढ़ती मांग के फलस्वरूप तेजी से बढ़ती मुद्रा की सक्रियता के कारण कीमतों में होने वाली वृद्धि को मांग प्रेरित स्फीति कहते है। इस स्थिति में समग्र पूर्ति की अपेक्षा समग्र मांग को प्रभावित करने वाले कारक अधिक प्रभावी होते है। समग्र मांग में वृद्धि मौद्रिक कारकों में वृद्धि से हो सकती है, जैसे मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि तथा वास्तविक चरों में परिवर्तन के कारण भी हो सकती है जैसे– सार्वजनिक व्यय में की जाने वाली वृद्धि।

6. दीर्घ अवधि में, अस्थायी उपभोग–

(a) अनंत होगा (b) अपरिवर्तित होगा
(c) उसमें गिरावट होगी मगर वह धनात्मक बना रहेगा
(d) शून्य होगा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) अल्पकाल में स्थायी एवं अस्थायी उपभोग दोनों उपस्थित होते हैं जबकि दीर्घकाल में अस्थायी उपभोग शून्य हो जाता है।

7. केंस के अनुसार निवेश मांग निम्नांकित में से किन दो कारकों पर निर्भर करती है?

(1) ब्याज दर
(2) उपभोक्ता की आय
(3) पूंजी की सीमांत कुशलता
(4) उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति

निम्नांकित कूटों में से उत्तर दें–

(a) (1) और (4) (b) (2) और (4)
(c) (1) और (3) (d) (3) और (4)

Ans : (c) केन्स के अनुसार निवेश मांग ब्याज की दर और पूंजी की सीमांत कुशलता पर निर्भर करती है। कीन्स कहते है कि कोई भी विनियोजक निवेश करने के लिए पूंजी की सीमान्त उत्पादकता की तुलना बाजार ब्याज दर (r) से करता है। यदि पूंजी की सीमांत उत्पादकता 1 > r तभी विनियोग लाभप्रद होगा और विनियोजक उस स्थिति में विनियोग नहीं करेगा जबकि पूंजी की सीमांत उत्पाद 1<r। इस प्रकार कोई भी विनियोजक उस स्थिति में विनियोग करेगा जब MEC = r हो।

8. मांग फलन D = P(p) और आपूर्ति फलन S = S(p) के लिए मांग आधिक्य निम्न में से किस दशा में बाजार संतुलन सुनिश्चित करता है?

(a) $\frac{dE(p)}{dp} > 0$ (b) $\frac{dE(p)}{dp} < 0$
(c) $\frac{dE(p)}{dp} = 0$ (d) $\frac{dE(p)}{dp} = \infty$

Ans : (b) – मांग फलन D = P (p) और आपूर्ति फलन S = S(p) के लिए मांग आधिक्य $\frac{dE(P)}{dp} < 0$ की दशा में बाजार संतुलन में होगा।

9. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिये–

(1) एक उत्पादक द्वारा लाभ महत्तमीकरण
(2) कूर्नो का द्वैताधिकार साम्य

इनमें से कौन नैश साम्य का उपयुक्त उदाहरण है? नीचे दिए गए कूटों में सही उत्तर चुनें–

(a) सिर्फ (1) (b) सिर्फ (2)
(c) (1) और (2) दोनों (d) न तो (1) और न ही (2)

Ans : (b) क्रूर्नो का द्वैताधिकार साम्य नैश साम्य का उपयुक्त उदाहरण है। स्टैकलबर्ग ने प्रतिक्रिया वक्रों के माध्यम से क्रूर्नो माडल में संतुलन को स्थापित किया। प्रतिक्रिया वक्र विक्रेता की स्वयं की प्रतिक्रिया को बताता है। जो उसके प्रतिद्वन्द्वी की क्रिया के परिणामस्वरूप होता है। दोनों प्रतिक्रिया वक्र एक–दूसरे को जिस बिन्दु पर काटते है वही नैश संतुलन स्थापित होता है तथा इस बिन्दु पर संतुलन कीमत एवं उत्पादन का निर्धारण होता है।

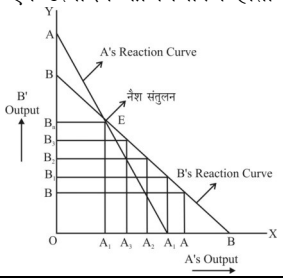

10. निम्नांकित में से किस बाजार स्थितियों/स्वरूपों में फर्में अपने लाभ का महत्तमीकरण कर पाते हैं?

(a) मूल्य नेतृत्व (b) कार्टेल (Cartel)
(c) विकुंचन बिंदु (d) एकाधिकारवादी प्रतिस्पर्धा

Ans : (d) एकाधिकारवादी प्रतिस्पर्धा वाले बाजार स्थितियों/ स्वरूपों में फर्में अपने लाभ का महत्तमीकरण कर पाती है।

11. मजदूरी के निर्धारण में निम्नांकित कारकों पर विचार करें–

(1) श्रम की मांग और आपूर्ति
(2) श्रम की एम.आर.पी. = सीमांत मजदूरी
(3) श्रम की एम.आर. पी. = श्रम की औसत उत्पादकता
(4) एम.आर.पी. = औसत मजदूरी

उपरोक्त में से कौन सत्य है? नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर दें–

(a) (1) और (2) (b) (2) और (4)
(c) (1) और (3) (d) (3) और (4)

Ans : (a) मजदूरी के निर्धारण में निम्न कथन सत्य है–
1. श्रम की मांग और आपूर्ति
2. श्रम की MRP = सीमांत मजदूरी
कुल उत्पादन का वह भाग जो मजदूर को उत्पादन की क्रिया में उसकी सेवाओं के लिए दिया जाता है उसे मजदूरी कहते है। यह श्रम के त्याग का प्रतिफल है।
मजदूरी के सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त के अनुसार किसी मजदूर की मजदूरी उसकी सीमांत उत्पादकता के आधार पर निर्धारित होता है। प्रत्येक उत्पादक किसी भी श्रमिक को मजदूरी उसकी सीमांत उत्पादन से अधिक नहीं देगा।
मजदूरी = सीमांत आगम उत्पादकता (MRP) = सीमांत उत्पादकता का मूल्य
मजदूरी निर्धारण का आधुनिक सिद्धान्त श्रम एवं पूर्ति का सिद्धान्त है। श्रम की इकाई का मूल्य अथवा पारितोषिक निर्धारण भी उसकी मांग एवं पूर्ति के द्वारा होता है। जहाँ श्रम की मांग एवं पूर्ति बराबर होंगे, वहीं मूल्य निर्धारित होगा।

12. दोनों अक्षों को स्पर्श कर रहे एक सीधी रेखा वाले मांग वक्र के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सत्य है? मांग लोचदार है–

(a) मध्य बिन्दु के नीचे (b) मध्य बिन्दु के ऊपर
(c) वक्र के मध्य बिन्दु पर (d) संपूर्ण मांग वक्र की लंबाई पर

Ans : (b) दोनों अक्षों को स्पर्श कर रहे एक सीधी रेखा वाला मांग वक्र मध्य बिन्दु के ऊपर लोचदार है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

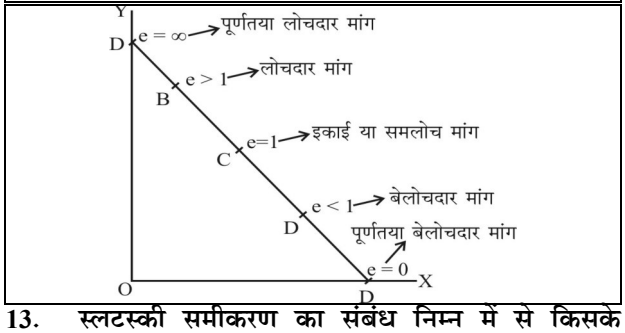

13. स्लटस्की समीकरण का संबंध निम्न में से किसके अपघटन से संबंधित है–

(a) मूल्य प्रभाव को प्रतिस्थापन और आय प्रभावों में
(b) वस्तुओं को उत्कृष्ट और निकृष्ट वस्तुओं में
(c) वस्तुओं को आवश्यकताओं और विलासिता में
(d) उपभोक्ता और उत्पादन अधिशेष

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) स्लटस्की समीकरण का संबंध मूल्य प्रभाव को प्रतिस्थापन और आय प्रभाव में अपघटन से संबंधित है। स्लट्स्की के अनुसार उपभोक्ता के पास उतनी मुद्रा रहने दिया जाय जिससे वह मूल्य के परिवर्तन के बावजूद भी वस्तुओं का वही संयोग क्रय कर सके जो पहले क्रय करता था।

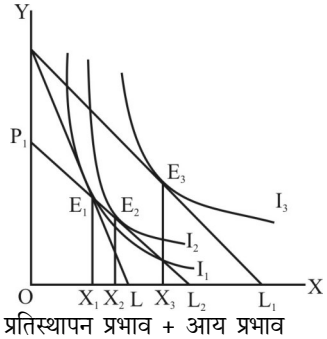

मूल्य प्रभाव = प्रतिस्थापन प्रभाव + आय प्रभाव
$X_1 - X_3$ $X_1 - X_2$ $X_2 - X_3$

14. एक विभेदात्मक एकाधिकारवादी बाजार में उच्चतर मूल्य आरोपित करेगा जिसमें–
(a) मांग की मूल्य ज्यादा होगी
(b) आपूर्ति की मूल्य लोच कम होगी
(c) आपूर्ति की मूल्य लोच ज्यादा होगी
(d) मांग की मूल्य लोच कम होगी

Ans : (d) एक विभेदात्मक एकाधिकारी बाजार में उच्चतर मूल्य आरोपित करेगा जिसमें मांग की मूल्य लोच कम होगी।
कीमत विभेदीकरण के अन्तर्गत एकाधिकारी अपनी बाजार के विभिन्न भागों से वस्तु की भिन्न-भिन्न कीमतें वसूल करता है। इसके लिए एकाधिकारी अपनी वस्तु के समस्त बाजार को विभिन्न भागों में मांग की मूल्य लोचों में अन्तर के आधार पर बांटता है। इस प्रकार संतुलन प्राप्त करने के लिए विभेदीकरण कर रहे एकाधिकारी को तीन निर्णय लेने होते हैं–
1. वह वस्तु की कितनी मात्रा का उत्पादन करे।
2. वह वस्तु के कुल उत्पादन को बाजार के दो भागों में किस प्रकार बांटे।
3. उन दोनों भागों में कितनी-कितनी कीमतें प्राप्त करें।

15. समावेशी विकास का लक्ष्य प्रथम बार भारत की किस योजना में दिया गया है?
(a) नवीं पंच वर्षीय योजना
(b) दसवीं पंच वर्षीय योजना
(c) ग्यारहवीं पंच वर्षीय योजना
(d) बारहवीं पंच वर्षीय योजना

Ans : (c) समावेशी विकास का लक्ष्य प्रथम बार भारत की 11वीं पंचवर्षीय योजना में दिया गया। इस योजना का मुख्य थीम तीव्रतर और अधिक समावेशी विकास था। यह योजना 1 अप्रैल 2007 से 31 मार्च, 2012 तक चली। इस योजना में आर्थिक विकास का लक्ष्य 9% (बाद में संशोधित करके) रखा गया तथा प्राप्ति लगभग 7.9% हुई)।

16. सूची– I को सूची–II से सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

	सूची –I	सूची–II
(1)	पृष्ठगामी और अग्रगामी श्रृंखलाएँ	(i) वॉन न्यूमॉन मॉडल
(2)	टर्नपाइक प्रमेय	(ii) असंतुलित विकास
(3)	पूंजी की जैविक संरचना	(iii) मार्क्सवादी मॉडल
(4)	ए.के. उत्पादन फलन	(iv) अंतर्जात संवृद्धि मॉडल

कूट :

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

Ans : (c)

(a) पृष्ठगामी और अग्रगामी श्रृंखलाएँ	(ii) अंसतुलित विकास
(b) टर्नपाइक प्रमेय	(i) वॉन न्यूमॉन मॉडल
(c) पूंजी की जैविक संरचना	(iii) मार्क्सवादी
(d) ए.के. उत्पादन फलन	(iv) अन्तर्जात संवृद्धि मॉडल

17. भारत के मानव विकास सूचकांक के गठन में निम्न में से किन परिवृत्तियों/कारकों का उपयोग किया जाता है?
(1) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
(2) वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (GDP)
(3) रोगग्रस्तता
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें–
(a) उपरोक्त तीनों (b) (1) और (2)
(c) (2) और (3) (d) (1) और (3)

Ans : (b) – भारत के मानव विकास सूचकांक के गठन में निम्न परिवृत्तियों/कारकों का उपयोग किया जाता है–
1. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।
2. वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

18. भारत में आर्थिक संवृद्धि के एल.पी.जी. मॉडल के प्रवर्तन का श्रेय निम्न में से किसे दिया जाता है?
(a) डॉ. सी. रंगराजन
(b) डॉ. मोंटेक सिंह अहलूवालिया
(c) डॉ. अमर्त्य सेन
(d) डॉ. मनमोहन सिंह

Ans : (d) भारत में आर्थिक संवृद्धि के एल.पी.जी. मॉडल के प्रवर्तन का श्रेय डॉ. मनमोहन सिंह को दिया जाता है। L.P.G. मॉडल के अन्तर्गत 1991 में उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण पर जोर दिया गया।

19. बढ़ती शहरी रोजगार के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण–शहरी पलायन से संबंधित विरोधाभास की निम्न से कौन–सा मॉडल व्याख्या करता है?
(a) सोलो मॉडल (b) लेविस मॉडल
(c) वकील और ब्रह्मानंद मॉडल (d) टोडरो मॉडल

Ans : (d) हैरिस–टोडारो का मॉडल ग्राम–शहरी स्थानांतरण और शहरी बेरोजगारी की समस्याओं का सामना करने हुए उष्ण कटबंधी अफ्रीका के अनुभवों पर आधारित है। श्रम स्थानांतरण का कारण औसत प्रत्याशित मजदूरी में ग्राम शहरी अंतर है। न्यूनतम शहरी मजदूरी ग्राम मजदूरी से पर्याप्त ऊँची होती है। यदि न्यूनतम मजदूरी पर शहरी क्षेत्र में अधिक रोजगार के अवसर निर्मित किए जाते हैं तो प्रत्याशित मजदूरी में वृद्धि होगी और ग्राम–शहरी स्थानांतरण प्रोत्साहित होगा, जिससे शहरी बेरोजगारी में वृद्धि होगी। इसको दूर करने के लिए हैरिस टोडारो एक युक्त कर द्वारा सब्सिडी दी गई न्यूनतम मजदूरी का सुझाव देते है।

20. संवृद्धि के हैरोड मॉडल में यदि वांछित संवृद्धि दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे हो तो निम्न में से किस प्रकार से स्थिर अवस्था संवृद्धि को बरकरार रखा जा सकता है–

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) सतत बढ़ती हुई बेरोजगारी
(b) बेरोजगारी की स्थिर दर
(c) सतत घटती हुई बेरोजगारी
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) संवृद्धि के हैरॉड मॉडल में यदि वांछित संवृद्धि दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे हो तो अर्थव्यवस्था में सतत् बढ़ती हुई बेरोजगारी से स्थिर अवस्था संवृद्धि को बरकरार रखा जा सकता है।

21. राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के लिए केलकर समिति की अध्यक्षता में गठित कार्य बल की रिपोर्ट में कुछ निम्नांकित सुझाव दिए गए हैं–

I. राजकोषीय घाटा 2008–09 तक खत्म किया जाएगा।
II. राजस्व घाटा जी.डी.पी. का 3 प्रतिशत होना चाहिए।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य है?

(a) सिर्फ I (b) सिर्फ II
(c) I और II दोनों (d) न तो I और न ही II

Ans : (c) राजकोषीय प्रणाली एवं बजट प्रबंधन पर सुझाव देने के लिए 1985 में सुखमय चक्रवर्ती कमेटी का गठन किया गया। 1997 में राजा जे चैलेय्या की अनुशंसा पर FRBM Act, 2003 लाया गया।
FRBM Act को कार्यान्वित करने तथा उसके लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु एक सुनिश्चित मार्ग व नियम अपनाने के लिए विजय केलकर की अध्यक्षता में एक दल का गठन किया गया। जिसने जुलाई, 2004 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जो 5 जुलाई, 2004 से प्रभावी हुआ। FRBM Act के प्रावधान निम्न है–

1. राजस्व घाटे को 2004–05 से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 0.5% कमी करते हुए 2009 तक शून्य (0) स्तर तक लाना।
2. राजकोषीय घाटे को 2008–09 तक GDP के 3% तक लाना।
3. यदि किसी कारण से सरकार इसके लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल रहती है तो संसद में इसके कारण को बताना होगा।
4. केन्द्र सरकार द्वारा R.B.I. से उधार नहीं लिये जाएंगे।
5. वित्तमंत्री को सरकार के आय–व्यय के आकड़ों को त्रैमासिक प्रस्तुत करना होगा, जिससे सरकार के घाटे का पता चलता रहे।
6. R.B.I. सरकार के घाटे का वित्त पोषण नहीं करेगा। सरकार को सीमित अवधि 90 दिनों के लिए Reporate पर ऋण दे सकती है।
7. R.B.I. सरकारी प्रतिभूतियों पर पैसा नहीं लगाएगी।

22. टोबिन कर निम्न में से किसपे लगाया जाने वाला कर है–

(a) शेयर बाजार के सौदे (b) मुद्रा बाजार के सौदे
(c) सामग्री बाजार के सौदे (d) विदेशी मुद्रा बाजार के सौदे

Ans : (d) टोबिन कर विदेशी मुद्रा बाजार के सौदे पर लगाया जाने वाला कर है। जेम्स टोबिन ने 1978 में इसको लगाने का सुझाव दिया। इसीलिए इन्हीं के नाम पर इसका नाम टोबिन कर पड़ गया।

23. बजट प्रभाव से आशय है–

(a) आय के वितरण पर सरकारी व्यय और कर नीतियों का प्रभाव
(b) संसाधनों के आवंटन पर सरकारी व्यय का प्रभाव
(c) निजी क्षेत्र की आय और संपत्ति के वितरण पर कर नीतियों का प्रभाव
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) बजट प्रभाव से आशय आय के वितरण पर सरकारी व्यय और कर नीतियों का प्रभाव है।

24. घाटे के बजट की स्थिति में, जब घाटा की भरपाई करों से की जाती है, वह बजट कहलाता है–

(a) असंतुलित बजट (b) अधिशेष बजट
(c) संतुलित बजट (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) घाटे के बजट की स्थिति में जब घाटा की भरपाई करों से की जाती है तो वह बजट संतुलित बजट कहलाता है।

25. निम्नांकित को सुमेलित करें–

सूची –I	सूची–II
(1) राजकोषीय घाटा	(i) राजस्व व्यय को घटाकर राजस्व और ब्याज प्राप्ति
(2) राजस्व घाटा	(ii) कुल व्यय और कुल उधारियों को घटा कर राजस्व प्राप्तियां और ऋणों की वसूली व अन्य प्राप्तियां
(3) घाटे का बजट	(iii) पूंजी लेखा में संवितरण को घटा कर प्राप्तियाँ
(4) पूँजी घाटा	(iv) कुल प्राप्तियां और कुल संवितरण

कूट :

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans : (b)
(a) राजकोषीय घाटा – (2) कुल व्यय और कुल उधारियों को घटाकर राजस्व प्राप्तियां और ऋणों की वसूली व अन्य प्राप्तियां।
(b) राजस्व घाटा – (1) राजस्व व्यय को घटाकर राजस्व और ब्याज प्राप्ति
(c) घाटे का बजट – (4) कुल प्राप्तियां और कुल संवितरण
(d) पूंजी घाटा – (3) पूंजी लेखा में संवितरण को घटाकर प्राप्तियां।

26. दक्षता यह अपेक्षा रखती है कि पूर्णतया सार्वजनिक वस्तुओं का उत्पादन ऐसे बिन्दु पर हो जहाँ–

(a) सीमांत निजी लाभ का योग उत्पादन की सीमांत सामाजिक लागत के समान हो
(b) सीमांत निजी लाभ, उत्पादन की सीमांत सामाजिक लागत के समान हो
(c) सीमांत सामाजिक लागत, सीमांत निजी लाभ के योग से अधिक हो
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) दक्षता यह अपेक्षा रखती है कि पूर्णतया सार्वजनिक वस्तुओं का उत्पादन ऐसे बिन्दु पर हो जहाँ सीमांत निजी लाभ का योग उत्पादन की सीमांत सामाजिक लागत के समान हो।

27. निम्नलिखित में से कौन–सा युग्म सुमेलित नहीं है–

(a) रेखी समिति – निर्यात और आयात प्रक्रियाओं का सरलीकरण
(b) नान्जुनडप्प समिति – रेल भाड़ा
(c) रंगराजन समिति – भुगतान शेष
(d) गोईपोरिया समिति – बैंकिंग सेवा सुधार

Ans : (a) रेखी समिति का गठन 1992 ई0 में अप्रत्यक्ष कर पर सुझाव देने हेतु किया गया था। जबकि शेष अन्य सही सुमेलित है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–

I. रेपो रेट वह दर है जिस पर अन्य बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से उधार लेते हैं।

II. किसी राष्ट्रमें गिनीं गुणांक के लिए 1 के मूल्य का निहितार्थ यह है कि आय वितरण में पूर्णतया समानता है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है?

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) न तो I और न ही II

Ans : (c) निम्नलिखित कथन सही है–
1. रेपोरेट वह दर है जिस पर अन्य बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से उधार लेते है।
2. किसी राष्ट्र में गिनी गुणांक के लिए एक के मूल्य का निहितार्थ यह है कि आय वितरण में पूर्णतया समानता है।

29. खुदरा बैंकिंग निम्नलिखित में से किसको बैंकिंग सुविधाएँ मुहैया कराती है–

(a) समेकित ढंग से केवल एकल उपभोक्ताओं को
(b) पूर्णतया कृषि क्षेत्र को ही
(c) केवल स्वं–सहायता समूहों को उनकी उत्तरजीविता के लिए
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) खुदरा बैंकिंग समेकित ढंग से केवल एकल उपभोक्ताओं को बैंकिंग सुविधाएं मुहैया कराती है।

30. श्रम बाजार सुधार का लक्ष्य है–

(a) रोजगार की सुरक्षा (b) न्यूनतम पारिश्रमिक
(c) श्रम बाजार का लचीलापन (d) रोजगार बीमा

Ans: (c) श्रम बाजार सुधार का लक्ष्य श्रम बाजार का लचीलापन है।

31. जन धन योजना निम्नलिखित में से किससे संबंधित है–

(a) ऋण (b) कर भुगतान
(c) बैंक जमा (d) बीमा प्रीमियम

Ans : (c) जन–धन योजना बैंक जमा से सम्बन्धित है। देश में सभी परिवारों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन–धन योजना की औपचारिक शुभांरभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त, 2014 को नई दिल्ली में किया। इस योजना का लक्ष्य बैंकिंग सेवाओं की पहुंच से दूर 7.5 करोड़ परिवारों को बैंक खातों की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत बैंक खाता खोलने वालों को स्वदेशी रूपे (डेबिट कार्ड) के साथ-साथ एक लाख रु0 की दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है (26 जनवरी, 2015 तक खाता खोलने वालों को)। खाता खुलने के 6 माह के पश्चात् 500 रु0 तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा आधार सम्बद्ध खाते में उपलब्ध होगी जिसे 6 माह पश्चात् 5000 रु0 तक बढ़ाया जा सकेगा।

32. निम्नलिखित में से कौन–सा समुच्चय भारतीय श्रम बाजार की विशेषताओं को नहीं दर्शाता है?

(a) प्रच्छन्न बेरोजगारी, कौशल का अभाव, गतिशीलता की कमी
(b) प्रच्छन्न बेरोजगारी, पूर्ण गतिशीलता, कौशल का अभाव
(c) प्रच्छन्न बेरोजगारी, प्रवासी श्रम, पूर्ण गतिशीलता
(d) गरीबी, निरक्षरता, एकरूपता

Ans : (a) प्रच्छन्न बेरोजगारी, कौशल का अभाव, गतिशीलता की कमी भारतीय श्रम बाजार की विशेषताओं को नहीं दर्शाता है।

33. चार संख्याओं 2, X, 16, 32 का ज्यामित्तीय माध्य 8 है। X का मूल्य क्या है?

(a) 2 (b) 4
(c) 6 d) 8

Ans : (b) –
$$8 = \sqrt[4]{2 \times x \times 16 \times 32}$$
$$= \sqrt[4]{1024.x}$$
$$8^4 = 1024 \times x$$
$$x = \frac{4096}{1024}$$
$$\boxed{x = 4}$$
अतः x का मूल्य 4 है।

34. यदि माध्य = 28 तथा बहुलक = 25 तो माध्यिका का मूल्य होगा–

(a) 27 (b) 29
(c) 24 (d) 25

Ans : (a) बहुलक (Z) = 3 माध्यिकता – 2 माध्य
$25 = 3$ माध्यिका $- 2 \times 28$
3 माध्यिका $= 25 + 56$
3 माध्यिका $= 81$
$$\text{माध्यिका} = \frac{81}{3}$$
$$\boxed{\text{माध्यिका} = 27}$$

35. यदि A द्वारा किसी सांख्यकीय प्रश्न को हल करने की प्रायिकता $\frac{1}{4}$ तथा B द्वारा $\frac{1}{3}$ है, तो यह प्रश्न यदि दोनों को हल करने के लिए दिया जाता है, तो इस बात की प्रायिकता क्या है कि प्रश्न हल हो जाएगा?

(a) $\frac{1}{2}$ (b) $\frac{7}{12}$
(c) $\frac{1}{12}$ (d) $\frac{2}{3}$

Ans : (a) प्रश्न (A) को हल करने की प्रायिकता $P(A) = \frac{1}{4}$
प्रश्न B को हल करने की प्रायिकता $P(B) = \frac{1}{3}$
प्रश्न A को हल नहीं करने की प्रायिकता $P(\bar{A}) = 1 - \frac{1}{4} = \frac{3}{4}$
प्रश्न B को हल नहीं करने की प्रायिकता $P(\bar{B}) = 1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$
इस प्रकार सारी घटनाएँ स्वतंत्र है। अतः प्रश्न हल होने की प्रायिकता $= P(\bar{A}).P(\bar{B})$
$$= \frac{3}{4} \times \frac{2}{3} = \frac{1}{2}$$
इस प्रकार $\frac{1}{2}$ प्रश्न हल होने की प्रायिकता है। इसी प्रकार प्रश्न हल न होने की प्रायिकता $= 1 - \frac{1}{2} = \frac{1}{2}$

36. टाईप–I त्रुटि को निम्नलिखित में से किस रूप में परिभाषित किया गया है?

(a) अस्वीकार शून्य – परिकल्पना जब यह गलत है
(b) अस्वीकार शून्य – परिकल्पना जब यह सही है
(c) स्वीकार शून्य – परिकल्पना जब यह सही है
(d) स्वीकार शून्य – परिकल्पना जब यह गलत है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) वह सांख्यिकीय परिकल्पना जिसको सत्य मान कर परीक्षण किया जाता है, शून्य परिकल्पना कहलाती है। इसे H_0 से प्रदर्शित करते है।

Type–I Error–यदि शून्य (H_0) परिकल्पना सत्य है और उसे अस्वीकार (Rejected) कर दिया जाये तो उसे Type–I Error कहते है।

Type–II Error–यदि कोई परिकल्पना असत्य है और उसे स्वीकार कर लिया जाये तो इसे Type–II Error कहते है।

37. यदि $\sqrt{xy} = 0.6, \sigma_Y = 50, \sigma_X = 10\bar{X} = 30$ तथा $\bar{Y} = 140$ तो X पर Y का सही समाश्रयण निम्नलिखित में से कौन–सा होगा–

(a) $Y = 50 + 3X$ (b) $Y = 110 + 0.6X$
(c) $Y = 140 + 3X$ (d) $Y = 140–3X$

Ans : (a) प्रश्न गलत है।

38. निम्नलिखित में से कौन–सा निर्देशन का तरीका नहीं है?

(a) व्यवस्थित निर्देशन (b) कोटा निदर्शन
(c) स्नोबॉल निदर्शन (d) बृहत् निदर्शन

Ans : (d) जब किसी समग्र में से कुछ इकाईयों का चयन करके उनकी जांच की जाती है तथा समग्र के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो उसे निदर्शन कहा जाता है।
निर्दशन को मुख्यतः दो वर्गों प्रायिकता तथा अप्रायिकता में बांटा जाता है इस आधार पर निदर्शन के निम्न तरीके है–
1. सोद्देश्य/उद्देश्यात्मक निदर्शन (Purposive sampling)
2. दैव या यादृच्छिक निदर्शन (Random sampling)
3. स्तरित यादृच्छिक निर्दशन (Stratified random sampling)
4. व्यवस्थित निदर्शन (Systematic Sampling)
5. बहुचरणी निर्दशन (Collection of Data)
6. कोटा निदर्शन
7. कलस्टर निदर्शन
8. मिश्रित निदर्शन

39. भारत में साफ्टवेयर उद्योग में वृद्धि को निम्नलिखित में से किसके द्वारा श्रेष्ठ ढंग से वर्णित किया जा सकता है–

(a) पोर्टर का दृष्टिकोण (b) रिकार्डो का दृष्टिकोण
(c) वरनोन का दृष्टिकोण (d) बेला बैलसा का दृष्टिकोण

Ans : (a) पोर्टर

40. बहु–उत्पाद व्यापार की शर्तों के रूप में निम्नलिखित में से किससे सर्वाधिक निकट है–

(a) लेसपीयर का सूचकांक (b) पाशे का सूचकांक
(c) एजवर्थ– मार्शल सूचकांक (d) फिशर का सूचकांक

Ans : (a) लेस्पियर का सूचकांक बहु–उत्पाद व्यापार की शर्तों के सर्वाधिक निकट है।

$$(L) = \frac{\sum_1 q_0}{\sum p_0 q_0} \times 100$$

यहाँ आधार वर्ष की मात्रा q_0 को भार प्रदान किया गया।

41. यदि विदेशी प्रस्ताव वक्र में ऐकिक लोच है, तो ईष्टतम प्रशुल्क होगा–

(a) इकाई (एक) (b) अनन्त
(c) शून्य (d) −1

Ans : (c) यदि विदेशी प्रस्ताव वक्र में ऐकिक लोच है तो इष्टतम प्रशुल्क शून्य होगा।
जो प्रशुल्क देश के कल्याण को अधिकतम बनाएं इष्टतम प्रशुल्क कहलाता है। प्रायः प्रशुल्क लगाने से प्रशुल्क लगाने वाले देश की व्यापार में सुधार होता है। प्रशुल्क लगाने के बाद व्यापार की शर्तों में सुधार दूसरे देश के प्रस्ताव वक्र की लोच पर निर्भर करता है। यदि दूसरे देश का प्रस्ताव वक्र पूर्णतया लोचदार है तो प्रशुल्क के बाद व्यापार मात्रा में संकुचन होगा और व्यापार शर्त में बिल्कुल सुधार नहीं होगा। ऐसी दशा में शून्य प्रशुल्क वांछनीय है। इस प्रकार जब विदेशी प्रस्ताव वक्र की लोच–
$e = 1$ हो तो इष्टतम प्रशुल्क अनन्त होगा।
$e = \infty$ हो तो इष्टतम प्रशुल्क शून्य होगा ।
$e < 1$ हो तो इष्टतम प्रशुल्क का मूल्य ऋणात्मक होगा
$e > 1$ हो तो इष्टतम प्रशुल्क का मूल्य गिर जाता है।

42. विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अधिमूल्यांकित भारतीय रूपये का निम्नलिखित में से कौन–सा प्रभाव होगा?

(a) आयात सस्ता होगा, निर्यात महंगा हो जाएगा
(b) आयात महंगा होगा, निर्यात सस्ता हो जाएगा
(c) घरेलू उद्योग को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिलेगा
(d) भुगतान संतुलन में सुधार होगा

Ans : (a) विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अधिमूल्यांकित भारतीय रूपये के कारण आयात सस्ता हो जाएगा। तथा निर्यात महंगा हो जाएगा।

43. उरूग्वे शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित में से कौन–से मुद्दे का समाधान नहीं किया गया?

(a) प्रवजन (b) बौद्धिक संपदा अधिकार
(c) सेवाएं (d) प्रशुल्क

Ans : (a) उरूग्वें चक्र में 15 अप्रैल, 1994 को मराकेश नगर में GATT के 124 सदस्यों ने डंकल प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए हस्ताक्षर किया। जिसके परिणामस्वरूप 1 जनवरी, 1995 को विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना हुई।
उरूग्वे शिखर सम्मेलन में निम्न मुद्दे का समाधान किया गया –
1. बौद्धिक सम्पदा अधिकार
2. सेवाएं
3. प्रशुल्क
जबकि प्रवजन का इसमें समाधान नहीं किया गया।

44. व्यापार की शर्तों का आशय निम्नलिखित में से किससे है?

(a) निर्यात आय से निर्यात व्यय का आधिक्य
(b) दो राष्ट्रों के बीच व्यापार करार
(c) निर्यात और आयात कीमतों के बीच अनुपात
(d) वे शर्तें और दशाएं जिन पर किसी राष्ट्र को भुगतान संतुलन की कठिनाई की स्थिति में ऋण दिया जाता है

Ans : (c) व्यापार की शर्तें उस दर को बताती है जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय होता है। यह दर किसी देश के आयातों के रूप में उस देश के निर्यात की क्रय शक्ति की माप है और उस देश की निर्यात कीमतों तथा आयात कीमतों के बीच सम्बन्ध के रूप में व्यक्त की जाती है।

$$\text{व्यापार की शर्तें} = \frac{\text{आयात का कुल मूल्य}}{\text{निर्यात का कुल मूल्य}}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्यापार की शर्तें 7 प्रकार की होती है–

1. व्यापार की वस्तु विनिमय शर्तें।
2. सकल वस्तु–विनिमय व्यापार की शर्तें।
3. व्यापार की आय शर्तें।
4. व्यापार की एकल घटकीय शर्तें।
5. व्यापार की द्विघटकीय शर्तें।
6. व्यापार की वास्तविक लागत शर्तें।
7. व्यापार की उपयोगी शर्तें।

45. भारतीय नियोजन में ''योजना अवकाश'' किस अवधि में रहा है–

(a) 1966–69 (b) 1979–81
(c) 1985–87 (d) 1991–93

Ans : (a) भारतीय नियोजन में योजना–अवकाश 1966–69 तक रहा है। इस अवधि में तीन वार्षिक योजना चलाई गई।

अनुदेश : प्रश्न संख्या 46 से 50 में अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में दो कथन दिए गए हैं। दोनों कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन–सा सही है–

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) सही है, (R) गलत है
(d) (R) सही है, (A) गलत है

46. अभिकथन (A) : लोगों के कल्याण स्तर को मापने के लिए केवल परेटो की अनुकूलता कसौटी को ही उपयोग नहीं किया जा सकता है।

कारण (R) : परेटो अनुकूलता का प्रत्यय, बाह्यताओं, सार्वजनिक वस्तुएँ और लुप्त बाजारों के मामले में सफल नहीं हो पाता।

Ans : (b) परेटो ने सामाजिक कल्याण के माप के लिए अनुकूलतम वितरण सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। परेटो के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो। इसके लिए परेटों तीन सीमांत दशाओं की सहायता लिए है–

1. उपभोक्ताओं के बीच वस्तुओं का कुशलतम वितरण।
2. फर्मों के बीच उत्पादन के साधनों का कुशलतम वितरण।
3. रूपांतरण की सीमांत दर।

परेटों का सिद्धान्त ऐसे सामाजिक परिवर्तन का मूल्यांकन नहीं कर सकता जिसमें समाज में कुछ लोगों को लाभ और कुछ लोगों को हानि हो तथा अधिकतम सामाजिक कल्याण की गारण्टी नहीं देता। इनका सिद्धांत वास्तविक अर्थव्यवस्था में लागू नहीं होता है।

47. अभिकथन (A) : औसत उपभोग प्रवृत्ति कभी भी शून्य नहीं हो सकती जब कि यह 1 से अधिक हो सकती है।

कारण (R) : उपभोग व्यय हमेशा धनात्मक रहता है भले ही आय शून्य हो।

Ans : (a) कीन्स के अनुसार समस्त उपभोग समस्त चालू प्रयोज्य आय का फलन होता है।

$$\boxed{C = a + b.Yd}$$

कीन्स का उपभोग तथा आय के मध्य संबंध उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम पर आधारित है, जो यह बताता है कि जब आय बढ़ती है तो उपभोग भी बढ़ता है पर आय की तुलना में कम अनुपात में बढ़ता है। यह एक गैर आनुपातिक उपभोग फलन है जहाँ पर $APC \neq MPC$ तथा $APC > MPC$ । और MPC का मान $0< MPC < 1$ होता है।

आय की वृद्धि के साथ उपभोग व्यय में वृद्धि होगी पर यह वृद्धि आय के वृद्धि के बराबर नहीं होगी।

$$\Delta y = \Delta c + \Delta s$$

या, $$\frac{\Delta c}{\Delta y} + \frac{\Delta s}{\Delta y} = 1$$

इसलिए $$\frac{\Delta c}{\Delta y} \leq 1$$

अर्थात् $\frac{c}{y}(APC)$ इकाई से कम होगा या बराबर होगा।

48. अभिकथन (A) : अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त उत्पादन फलन का परीक्षण करता है जो कि बढ़ते हुए प्रतिफलन को दर्शाता है।

कारण (R) : ज्ञान पूंजी में विशेषज्ञता और निवेश होता है।

Ans : (a) अन्तर्जात संवृद्धि के प्रति उत्तरदायी विभिन्न कारकों की भूमिका की विवेचना जिस सिद्धान्त पर आधारित है, उसे अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त कहा जाता है। इस सिद्धान्त में प्रौद्योगिकी एक अन्तर्जात तत्व है। रोमर ने सुझाव दिया कि जो विचार अथवा आविष्कार प्रौद्योगिकी का प्रतिनिधित्व करते है, वे अन्य वस्तुओं के समान ही पूंजी तथा श्रम की सहायता से उत्पादित किए जा सकते है।

49. अभिकथन (A) : घंटाकार वक्र के माध्य, माध्यिका और बहुलक सदृश होंगे।

कारण (R) : इस प्रकार के वक्र में विषमता नहीं होती।

Ans : (b) घंटाकार वक्र में माध्य, माध्यिका और बहुलक सदृश होगें। अर्थात् आवृत्ति वितरण का वक्र घण्टाकार का हो तो विषमता का अभाव होता तथा वक्र सममित होता है जैसे रेखाचित्र से स्पष्ट है–

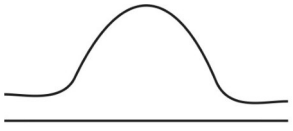

विषमता का अभाव

इस स्थिति में जब विषमता का अभाव हो तो माध्य = माध्यिका = बहुलक

50. अभिकथन (A) : 2002 का प्रतिस्पर्धा अधिनियम प्रभावी हुआ और एम.आर.टी.पी. अधिनियम प्रतिस्थापित हुआ था ।

कारण (R) : एम.आर.टी.पी. अधिनियम अत्यधिक विनियामक था और इससे बाजार में समुचित प्रतिस्पर्धा में कमी आई।

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2015
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. एक रेखीय मांग वक्र के लिए निम्नांकित में से कौन सही है?

(a) मांग की लोच सभी बिन्दुओं पर इकाई होती है
(b) मांग की लोच सभी बिन्दुओं पर स्थिर रहती है
(c) मांग वक्र पर नीचे की ओर जाने पर लोच बढ़ती है
(d) मांग वक्र पर नीचे की ओर जाने पर लोच घटती है

Ans : (d) एक रेखीय मांग वक्र पर नीचे की ओर जाने पर लोच घटती है। इसको प्रदर्शित करने के लिए हम मांग वक्र के किसी बिन्दु पर मांग की लोच ज्ञात करते हैं–

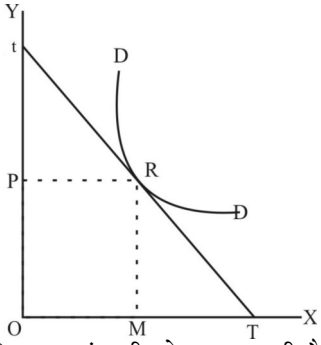

रेखाचित्र में R बिन्दु पर मांग की लोच ज्ञात करनी है।

बिन्दु R पर वक्र का ढाल $= \frac{-RM}{MT}$

$$e_P = \frac{-\Delta q}{\Delta p} \times \frac{p}{q}$$

बिन्दु R पर वस्तु का मूल्य = RM, मात्रा = OM

बिन्दु R पर $\frac{-\Delta q}{\Delta p} = -\frac{MT}{RM}, \frac{\Delta p}{\Delta q} = \frac{-RM}{MT}$

अतः $e_P = -\left(-\frac{MT}{RM}\right) \times \frac{RM}{OM}$

$$= \frac{MT}{OM} = \frac{MT}{PR} = \frac{RT}{tR}$$

$$e_P = \frac{RT}{tR}$$

इस प्रकार मांग वक्र के बिन्दु R मांग रेखा का मध्य बिन्दु है। अतः मांग रेखा पर मांग की लोच की गणना की जा सकती है–

(i) बिन्दु t पर $e_P = \frac{\text{tबिन्दु के नीचे का भाग}}{\text{t बिन्दु के ऊपर का भाग}}$

नीचे रेखाचित्र में t बिन्दु के ऊपर मांग वक्र का भाग शून्य के बराबर है तथा t बिन्दु के नीचे मांग वक्र का भाग tT के बराबर है अतः –

$$\boxed{e_P = \frac{tT}{O} = \infty}$$

(ii) बिन्दु A पर $e_p = \frac{AT}{tA}$

नीचे रेखाचित्र में बिन्दु A मध्य बिन्दु R के ऊपर स्थित है। अतः AT का मान tA से अधिक होगा–

$$\boxed{e_p > 1}$$

(iii) बिन्दु R पर $e_p = \frac{RT}{tA}$

रखाचित्र में स्पष्ट है कि R मांग रेखा का मध्य बिन्दु है।अतः–

RT = tR अर्थात्

$$\boxed{e_p = 1}$$

(iv) बिन्दु B पर $e_p = \frac{BT}{tB}$ अतः

$$\boxed{e_p < 1}$$

(v) बिन्दु T पर $e_p = \frac{0}{tT}$

अतः $\boxed{e_p = 0}$

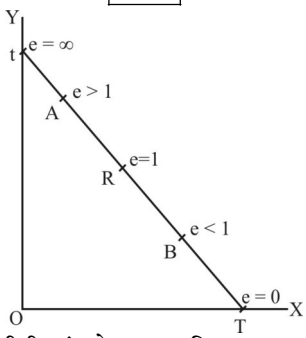

इस प्रकार एक सीधी मांग रेखा पर, जिसका ढाल प्रत्येक बिन्दु पर समान नहीं है, अलग–2 बिन्दुओं पर मांग की लोच अलग–2 होगी।

2. एक भेदभावपूर्ण एकाधिकारवादी उस बाजार में कम मूल्य पर आरोपित करेगा जिसमें मूल्य लोच–

(a) मांग की ज्यादा है (b) आपूर्ति की कम है
(c) मांग की कम है (d) आपूर्ति की ज्यादा है

Ans : (a) एक भेदभाव पूर्ण एकाधिकारी उस बाजार में कम मूल्य आरोपित करेगा जिसमें मूल्य लोच मांग की ज्यादा है।
कीमत–विभेदीकरण के अन्तर्गत एकाधिकारी अपनी मार्किट के विभिन्न भागों में वस्तु की भिन्न–2 कीमते वसूल करता है। इसके लिए एकाधिकारी समस्त बाजार को विभिन्न भागों में मांग की मूल्य लोचों में अन्तर के आधार पर बांटता है।

3. एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी क्या होती है?

(a) सरकार के स्वामित्व वाली
(b) शेयर धारकों के स्वामित्व वाली
(c) वित्तीय संस्थानों के स्वामित्व वाली
(d) एम.एन.सी.ज के स्वामित्व वाली

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) एक पब्लिक लिमिटेड कम्पनी शेयर धारकों के स्वामित्व वाली होती है। भारत में कंपनी से संबंधित अधिनियम, 1956 में भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 आया। इस अधिनियम में दो प्रकार की कंपनियों को मान्यता दी गई है–
(1) Private Limited Company
(2) Public Limited Company
(1) Public Limited Company – पब्लिक लिमिटेड कंपनी के गठन के लिए कम से कम 7 शेयर धारकों की आवश्यकता होती है। इसके मालिक शेयर धारक कहलाते है। एक शेयर धारक की देयता उनके मूल्य तक सीमित है, जो उनके पास है।
(2) Private Limited Company – इसका गठन कम से कम 2 तथा अधिकतम 50 शेयरधारकों की सहायता से किया जा सकता है।

4. किसी संस्थान के लिए दो स्थितियों, लाभ महत्तमीकरण और विक्रय आय महत्तमीकरण, के मध्य विक्रय आय महत्तमीकारक की अपेक्षा लाभ महत्तमीकारक के लिए साम्य में निम्न में से क्या घटित होता है?
(a) उच्चतर उत्पाद और निम्नतर मूल्य
(b) निम्नतर उत्पाद और उच्चतर मूल्य
(c) निम्नतर उत्पाद और निम्नतर मूल्य
(d) उच्चतर उत्पाद और उच्चतर मूल्य

Ans : (b) किसी संस्थान के लिए दो स्थितियों लाभ महत्तमीकरण और विक्रय आय महत्तमीकरण के मध्य विक्रय आय महत्तमीकरण की अपेक्षा लाभ महत्तमीकरण के लिए साम्य में उच्चतर उत्पाद और उच्चतर मूल्य होगा लाभ अधिकमीकरण मॉडल में फार्मों का मुख्य उद्देश्य लाभ अधिकतम करना होता है। इसके लिए फर्म अपने उत्पाद को बढ़ाता है और साथ ही साथ मूल्य को भी बढ़ाता है।
प्रो0 बॉमल ने इसके स्थान पर विक्रय आय अधिकमीकरण मॉडल दिया। बॉमोल ने बताया कि फर्मों का मुख्य उद्देश्य लाभ अधिकतम करने के स्थान पर विक्रय आय अधिकतम करना होता है।

5. नव–क्लासिकीय उत्पादन फलन की निम्न में से क्या विशेषताएँ हैं?
(1) साधनों की धनात्मक और घटती हुई सीमांत उत्पादकतायें
(2) पैमाने के स्थिर प्रतिफल
(3) इनाडा शर्तों को संतुष्ट करती है
(a) (1) और (2) (b) (1) और (3)
(c) (2) और (3) (d) (1), (2) और (3)

Ans: (d) नव क्लासिकीय उत्पादन फलन की निम्नलिखित विशेषताएँ है–
1. साधनों की धनात्मक और घटती हुई सीमांत उत्पादकताएँ।
2. पैमाने के स्थिर प्रतिफल।
3. इनाडा शर्तों को संतुष्ट करती है।

6. दिए गए आरेख में निम्न में से कौन घटक एक उत्पादक के आपूर्ति वक्र को सही ढंग से प्रदर्शित करता है?

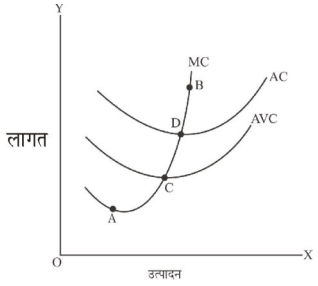

(a) DE (b) CB
(c) AB (d) DB

Ans : (*) दिये गये आरेख में एक उत्पादक के आपूर्ति वक्र को CB घटक सही ढंग से प्रदर्शित करता है।

7. निम्नांकित में से किस बाजार स्वरूप के समूहों पर वस्तु विभेद लागू होता है?
(a) एकाधिकार, एकाधिकारी, प्रतियोगिता, अल्पाधिकार
(b) पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार अल्पाधिकार
(c) एकाधिकारी प्रतियोगिता, अल्पाधिकार, अल्पक्रेताधिकार
(d) पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार और द्विपक्षीय एकाधिकार

Ans : (c) एकाधिकारी प्रतियोगिता, अल्पाधिकार एवं अल्पक्रेताधिकार बाजार स्वरूप के समूह पर वस्तु विभेद लागू होता है।

8. अपूर्ण साधन और उत्पाद बाजारों में, श्रम शोषण का निम्न में से क्या प्रतिनिधित्व करता है?
(1) जब औसत आगम उत्पादकता > औसत मजदूरी
(2) जब औसत आगम उत्पादकता > सीमांत मजदूरी
(3) जब औसत आगम उत्पादकता < एम.आर.पी.
(4) जब औसत आगम उत्पादकता < सीमांत मजदूरी
(a) (1), (4) (b) (1), (3)
(c) (1), (2) (d) (4), (3)

Ans: (c) श्रम शोषण का तात्पर्य श्रमिकों को उनकी सीमांत उत्पादकता से कम पारितोषिक देना है अर्थात् जब मजदूरी दर श्रम की सीमांत उत्पादकता से कम हो। इसके सम्बन्ध में दो विचारधाराएँ मिलती हैं–
1. पीगू एवं श्रीमती जॉन रॉबिन्सन की विचार धारा।
2. चैम्बरलिन की विचार धारा।

1. पीगू एवं श्रीमती जॉन रॉबिन्सन की विचार धारा–पूर्ण प्रतियोगिता की दशा में शोषण की समस्या नहीं होती है। शोषण तब उत्पन्न होता है। जब वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता तथा श्रम बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता विद्यमान हो, इसे एकाधिकारिक अपूर्ण प्रतियोगिता तथा वस्तु बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता हो तो इसे क्रेता एकाधिकारिक शोषण कहते है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

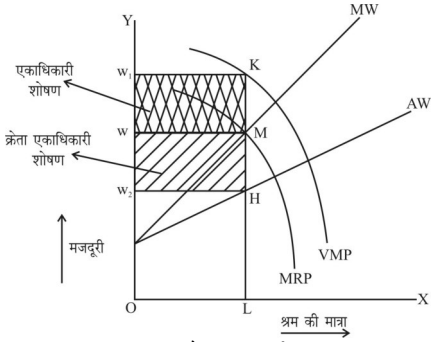

2. चैम्बरलिन का विचार–चैम्बरलिन के अनुसार श्रम का शोषण तब उत्पन्न होता है जब श्रमिक की मजदूरी दर सीमांत आगम उत्पादन (MRP) से कम हो जाती है। इस प्रकार श्रम बाजार में क्रेता एकाधिकार के कारण शोषण उत्पन्न होता है।

9. निम्न में से किस अर्थशास्त्री ने संवृद्धि की व्याख्या में गैर–आर्थिक साधनों की भूमिका पर बल दिया?
(a) आर.एम. सोलो (b) रॉय हैरोड
(c) एन. केल्डर (d) ई. डोमर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) एन. केल्डार ने संवृद्धि की व्याख्या में गैर–आर्थिक साधनों की भूमिका पर बल दिया। प्रो0 निकोलस केल्डार ने 1960 में प्रकाशित अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Essay on Economic stability and Growth" में आर्थिक विकास मॉडल का प्रतिपादन किया। इस मॉडल का मुख्य उद्देश्य गैर–आर्थिक चरों की प्रकृति को प्रदर्शित करना है जो एक अर्थव्यवस्था के सामान्य उत्पादन स्तर को निर्धारित करते है जिसमें अतिरेक बचतों की समस्या का हल आय की ज्यामितीय वृद्धि के माध्यम से किया जाता है।

10. एक सुव्यवहारित उत्पादन फलन के लिए निम्न में से कौन एक हिरोफुमी उजावा अवस्था नहीं है?

(a) सतत अवकलनीय
(b) जब $x = 0, f(x) = 0$
(c) फलन का द्वितीय अवकलज ऋणात्मक है
(d) फलन अवतल है

Ans : (d) एक सुव्यवहारित उत्पादन फलन के लिए हिरोफुमी उजावा अवस्था है–
1. सतत् अवकलनीय
2. जब $x = 0, f(x) = 0$
3. फलन का द्वितीय अवकलज ऋणात्मक है।
जबकि फलन अवतल हिरोफुमी उजावा अवस्था नहीं है।

11. कॉब–डगलस उत्पादन के घातांक दर्शाते हैं–

(a) घटकों का उत्पाद लोच
(b) कुल आय में घटक का हिस्सा
(c) उपरोक्त में से (a) और (b) दोनों
(d) उपरोक्त में से न तो (a) और न ही (b)

Ans : (c) कॉब–डगलस उत्पादन के घातांक घटकों का उत्पाद लोच तथा कुल आय में घटक आय का हिस्सा दर्शाते है।

$$\boxed{Q = A.L^{\alpha}.K^{\beta}}$$

जहाँ Q = उत्पादन
L = श्रम
K = पूंजी
A = स्थिरांक
α, β = धनात्मक प्राचल

विशेषताएँ–
1. आगत को जिस अनुपात में बढ़ाते है निर्गत भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है।
2. यह प्रथम कोटि का समरूप फलन है तथा पैमाने का स्थिर प्रतिफल व्यक्त करता है।

$$\boxed{\alpha + \beta = 1}$$

3. प्रतिस्थापन की लोच इकाई के बराबर होती है।

$$\boxed{\sigma = 1}$$

4. श्रम एवं पूंजी दोनों में से किसी एक की मात्रा शून्य होने पर कुल उत्पादन शून्य हो जाता है।
5. α, β क्रमशः उत्पादन में श्रम एवं पूंजी के अंश को व्यक्त करता है।
6. α तथा β क्रमशः श्रम तथा पूंजी के सापेक्ष उत्पादन की लोच को व्यक्त करते है।
7. इसका विस्तार पथ रेखीय समरूप होता है तथा मूलबिन्दु से होकर जाता है।
8. कॉब–डगलस उत्पादन फलन के समोत्पाद वक्र ऋणात्मक ढाल वाले तथा मूल बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होते है।

12. पैमाने की मितव्ययिताओं की अवधारणा निम्नलिखित में से लागू होती है?

(a) दीर्घकाल में स्थिर तकनीकी गुणांक
(b) दीर्घकाल में परिवर्तनशील प्रौद्योगिकी
(c) अल्पकाल में स्थिर प्रौद्योगिकी
(d) अल्पकाल में परिवर्तनशील तकनीकी गुणांक

Ans : (a) पैमाने की मितव्ययिताओं की अवधारणा दीर्घकाल में स्थिर तकनीकी गुणांक में लागू होती है।

13. दो आगतों–पूंजी और श्रम के साथ कॉब–डगलस उत्पादन फलन के प्रकार वाली अर्थव्यवस्था पर विचार करें। कुल उत्पादन में पूंजी और श्रम का हिस्सा क्रमशः $\frac{1}{4}$ और $\frac{3}{4}$ है। पूंजी और श्रम की वृद्धि की दर क्रमशः 8% और 4% प्रतिवर्ष है। 3% प्रतिवर्ष की दर से तटस्थ तकनीकी प्रगति होती है। ऐसी अर्थव्यवस्था में प्रतिवर्ष उत्पादन की वृद्धि दर क्या होगी?

(a) 5% (b) 7%
(c) 9% (d) 8%

Ans : (d) उत्पादन की वृद्धि दर $= 3 + \frac{1}{4} \times 8 + \frac{3}{4} \times 4$
$= 3 + 2 + 3 = 8$
उत्पादन की वृद्धि दर 8% होगी।

14. नवीन क्लासिकीय आर्थिक परिदृश्य में निम्नलिखित में से ऋणी को किसमें लाभ होने की संभावना सर्वाधिक है?

(a) प्रत्याशित अपस्फीति (b) प्रत्याशित मुद्रास्फीति
(c) अप्रत्याशित अपस्फीति (d) अप्रत्याशित मुद्रास्फीति

Ans : (d) नवीन क्लासिकीय आर्थिक परिदृश्य में ऋणी को अप्रत्याशित मुद्रास्फीति में लाभ होने की संभावना सर्वाधिक है। अप्रत्याशित मुद्रा स्फीति से तात्पर्य उस मुद्रास्फीति से है जिसका जनता द्वारा सही ढंग से पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है। यह स्फीति अप्रत्याशित रूप से किसी कारण से घटित होती है।

15. कौन–सा सिद्धान्त यह मानता है कि धन के स्टॉक में होने वाली वृद्धि प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं पर खर्च होती है?

(a) धन का मात्रा सिद्धान्त
(b) आई.एस.– एल.एम. (IS–LM वक्र) सिद्धान्त
(c) केन्स
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) धन का मात्रा सिद्धान्त यह मानता है कि धन के स्टॉक में होने वाली वृद्धि प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं पर खर्च होती है। यह कहता है कि अर्थव्यवस्था में उपलब्ध धन की मात्रा, धन का मूल्य निर्धारित करता है। इस प्रकार यदि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मात्रा ज्यादा है तो मुद्रा का मूल्य कम होगा तथा इसके विपरीत यदि मुद्रा की मात्रा कम है तो मुद्रा का मूल्य ज्यादा होगा। अतः मुद्रा की मात्रा और मुद्रा के मूल्य में विपरीत एवं आनुपातिक संबंध होता है। इसके साथ मुद्रा की मात्रा और वस्तु की कीमत में प्रत्यक्ष आनुपातिक संबंध होता है।

16. हैरॉड के आर्थिक वृद्धि प्रारूप में यदि अपेक्षित दर वृद्धि की प्राकृतिक दर से कम है तो निम्न में से किसके साथ वांछित दर पर वृद्धि की निरंतर स्थिर दर को बनाए रखना संभव है?

(a) निरंतर बढ़ती बेरोजगारी (b) बेरोजगारी की स्थिर दर
(c) निरंतर घटती बेरोजगारी (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) हैरॉड के आर्थिक वृद्धि प्रारूप में यदि अपेक्षित दर वृद्धि की प्राकृतिक दर से कम है तो निरंतर बढ़ती बेरोजगारी के साथ वांछित दर पर वृद्धि की निरंतर स्थिर दर को बनाये रखना संभव है।

17. मजदूरी का निर्धारण किया जाता है जहाँ –

(1) श्रम की मांग = श्रम की आपूर्ति
(2) श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = सीमांत पारिश्रमिक
(3) श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = औसत आगम उत्पादकता
(4) श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = औसत पारिश्रमिक

(a) (1) और (2) (b) (3) और (4)
(c) (1) और (3) (d) (1) और (4)

Ans : (a) मजदूरी का निर्धारण वहां किया जाता है, जहाँ–
1. श्रम की मांग = श्रम की आपूर्ति।
2. श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = सीमांत पारिश्रमिक।
मजदूरी की सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त के अनुसार किसी मजदूर की मजदूरी उसकी सीमांत उत्पादकता के बराबर निर्धारित होगी। कोई भी उत्पादक किसी भी श्रमिक को मजदूरी उसके सीमांत उत्पादन से अधिक नहीं देगा। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है।

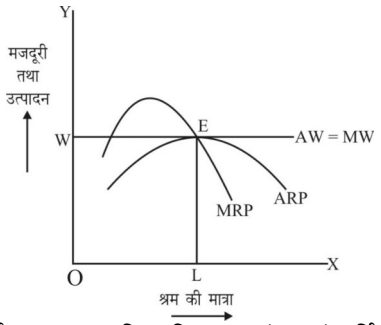

मजदूरी निर्धारण का आधुनिक सिद्धान्त मांग एवं पूर्ति का सिद्धान्त है इस सिद्धांत के अनुसार श्रम की इकाई का मूल्य निर्धारण उसकी मांग एवं पूर्ति के द्वारा होता है, जहाँ दोनों बराबर होंगे वही मजदूरी का निर्धारण होगा।

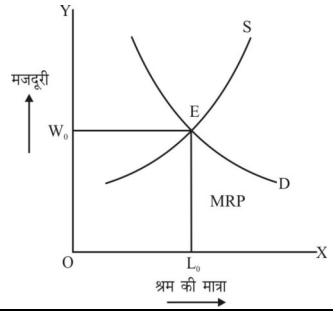

18. हैरोड के अनुसार तटस्थ तकनीकी प्रगति को कहा जाता है–

(a) पूंजी संवर्धन वाली
(b) श्रम संवर्धन वाली
(c) दोनों श्रम और पूंजी संवर्धन वाली
(d) उत्पादकता बढ़ाने संबंधी

Ans : (b) हैरोड के अनुसार तटस्थ तकीकी प्रगति को श्रम संवर्धन वाली प्रगति कहा जाता है। हैरड की तटस्थ तकनीकी की परिभाषा COR (Capital–Output Ratio) पर आधारित है। इनके अनुसार तकनीकी प्रगति तब तटस्थ होती है जब लाभ की एक स्थिर दर पर पूंजी उत्पाद अनुपात स्थिर हो।

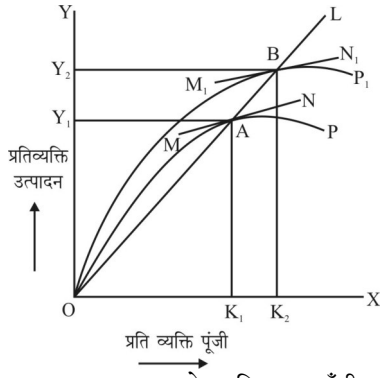

रेखाचित्र में उत्पादन फलन OP को A बिन्दु पर पूँजी उत्पाद अनुपात $(COR)\frac{OK_1}{OY_1}$ तथा OP_1 के B बिन्दु पर पूँजी उत्पाद अनुपात $(COR)\frac{OK_2}{OY_2}$ है। चूंकि OL रेखा दोनों बिन्दुओं A तथा B से गुजरती है। अतः इन दोनों बिन्दुओं पर COR समान है।

अर्थात् – $\boxed{\frac{OK_1}{OY_1}=\frac{OK_2}{OY_2}}$

19. संवृद्धि सिद्धान्त में निवेश के क्षमता सृजन पहलू को किसके द्वारा विस्तार से बताया गया है?

(a) आर.एफ. हैरोड (b) ई.डी. डोमर
(c) आर.एम. सोलो (d) पी.ए. सैमुअलसन

Ans : (b) संवृद्धि सिद्धान्त में निवेश के क्षमता सृजन पहलू को ई.डी. डोमर द्वारा विस्तार से बताया गया।
डोमर के अनुसार विनियोग से एक ओर तो अर्थव्यवस्था में उत्पादन क्षमता का विकास होता है तथा दूसरी ओर आय के फलस्वरूप मांग का भी सृजन होता है। इसलिए ऐसी स्थिति में संस्थिति को कायम रखने के लिए विनियोग में वृद्धि की दर क्या होनी चाहिए जिससे आय में वृद्धि तथा उत्पादन क्षमता में वृद्धि बराबर हो जाए।

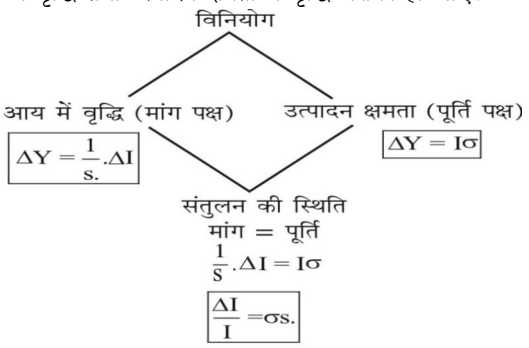

20. जिस दर पर बैंक भा.रि.बै. को उधार देते हैं वह कहलाती है–

(a) बैंक दर (b) रेपो दर
(c) विलोम रेपो दर (d) ब्याज दर

Ans : (c) जिस दर पर बैंक RBI को उधार देते है, वह विलोम रेपो दर कहलाती है इसके अन्तर्गत R.B.I. प्रतिभूतियों का विक्रय एक निश्चित अनुबंध के साथ करती है कि एक निश्चित समय पर पुनः वापस खरीद लेगी, इसे Reverse Repo कहा जाता है और जिस दर पर यह अनुबंध होता है, उसे Rerverse Repo rate कहते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. अभिकथन (A) : ए. के. (AK) मॉडल अन्तर्व्याप्त मॉडल है।
कारण (R) : ऐसा पूंजी के पैमाने के प्रतिफल की गिरती दर की अनुपस्थिति के कारण होता है
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) सही हैं परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

22. अभिकथन (A) : मार्क्स के अनुसार पूंजीवादी समाज में पूंजी की जैविक संरचना समय के साथ बढ़ती है
कारण (R) : प्रौद्योगिकी प्रगति निरन्तर और अधिक पूंजी सघन होती रहती है।
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें–
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) सही हैं परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

Ans : (a) मार्क्स का कथन है कि समाज दो वर्गों में बँटा होता है– पूंजी पति वर्ग तथा श्रमिक वर्ग। पूंजीपति वर्ग का वस्तुओं के उत्पादन में नियंत्रण होता है। पूंजीपति उन वस्तुओं का उत्पादन करते है जिनमें अतिरेक मूल्य संभव है। श्रम का विस्तार अतिरेक का निर्माण करता है तथा अतिरेक का पुर्ननिवेश सामाजिक प्रक्रिया को पूंजीवाद के अन्तर्गत व्यवस्थित करता है।
स्थिर पूंजी व परिवर्तनशील पूंजी के अनुपात को पूंजी का समवायी संयोजन कहा जाता है। लाभ की दर का अतिरेक मूल्य से प्रत्यक्ष आनुपातिक तथा पूंजी की समवायी संयोजन से विपरीत आनुपतिक संबंध होता है। इस प्रकार अतिरेक मूल्य द्वारा ही पूंजी संचय होता है, जो पूंजीवाद के विनाश का कारण है।

23. कम लोचदार आई.एस. (IS) वक्र का आशय है कि–
(a) मौद्रिक नीति अधिक प्रभावी है
(b) मौद्रिक नीति कम प्रभावी है
(c) राजकोषीय नीति कम प्रभावी है
(d) (a) और (c) दोनों सही है।

Ans : (b) मौद्रिक नीति की प्रभाविता IS–LM वक्र की आकृति एवं लोचों पर भी निर्भर करती है। यदि LM वक्र अधिक ढालू है और मौद्रिक नीति जितना अधिक चपटा होगा मौद्रिक नीति उतनी ही कम प्रभावी होगी।
इसी प्रकार यदि IS वक्र अधिक चपटा होगा तो मौद्रिक नीति उतनी ही अधिक प्रभावी होती है। यदि IS वक्र अनुलंब है तो मौद्रिक नीति पूर्णरूप से अप्रभावी होती है क्योंकि निवेश व्यय पूर्णतया ब्याज बेलोच होता है। IS वक्र समानांतर हो तो मौद्रिक नीति अत्यधिक प्रभावी होती है क्योंकि निवेश व्यय पूर्णतया ब्याज लोच होता है।

24. निम्नलिखित पर विचार करें–
(a) मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद
(b) कीमत स्तर
(c) ब्याज की दर
मुद्रावाद में मुद्रा की आपूर्ति उपरोक्त में से किसका निर्धारण करती है? नीचे दिए गए कूटों से उत्तर चुनें–
(a) उपरोक्त सभी (b) केवल (c)
(c) (a) और (b) (d) (b) और (c)

Ans : (c) मुद्रावाद में मुद्रा आपूर्ति निम्न को निर्धारित करती है–
1. मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद।
2. कीमत स्तर।

25. केनसियन ढांचे में पूर्ण रोजगार की स्थिति में निम्नलिखित में से कौन–सा/से सही है/हैं?
(1) आपूर्ति वक्र अल्पावधि में लचीला नहीं होता
(2) मुद्रा की मात्रा में वृद्धि से आपूर्ति प्रभावित होती है
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें–
कूट :
(a) (1) और (2) दोनों सही हैं
(b) न तो (1) और न ही (2) सही है
(c) केवल (1) सही है
(d) केवल (2) सही है

Ans : (c) केन्सीयन ढांचे में पूर्णरोजगार की स्थिति में आपूर्ति वक्र अल्पावधि में लचीला नहीं होता है।
कीन्स के रोजगार सिद्धान्त में केन्द्रीय बिन्दु प्रभावी मांग का सिद्धान्त है अर्थव्यवस्था में प्रभावी मांग का निर्धारण वहाँ होगा जहाँ समग्र मांग समग्र पूर्ति के बराबर हो। जिस बिन्दु पर समग्र मांग एवं समग्र पूर्ति वक्र एक–दूसरे को काटते है वही रोजगार के संतुलन स्तर का निर्धारण होता है।

$$E.D = Y = C + I + G$$

इस प्रकार C, I एवं G ही प्रभावी मांग के निर्धारक चर है। इनके परिवर्तनों से ही समर्थ मांग और रोजगार को बढ़ाया जा सकता है।

26. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने मुद्रा के लिए मांग के पोर्टफोलियो दृष्टिकोण पर विचार किया?
(a) जे.एम. केन्स
(b) एम. फ्रिडमन
(c) जेम्स टोबिन
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनें–
कूट :
(a) उपरोक्त सभी (b) केवल (2) और (3)
(c) केवल (2) (d) केवल (1)

Ans : (b) मिल्टन फ्रीडमैन एवं जेम्स टोबिन ने मुद्रा के लिए मांग के पोर्टफोलियो दृष्टिकोण पर विचार किया।

27. जब एल. एम (LM) वक्र ऊर्ध्वाधर होता है, तो ऐसी स्थिति में निम्नलिखित में से कौन–सा सही है? मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि से होता है–
(a) ब्याज दर में कमी
(b) आय के स्तर में गिरावट
(c) ब्याज दर में वृद्धि
(d) आय के स्तर में कोई परिवर्तन नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) जब LM वक्र उर्ध्वाधर होता है तो ऐसी स्थिति में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि करने से ब्याज दर में कमी होती है। जैसा रेखाचित्र से स्पष्ट है–

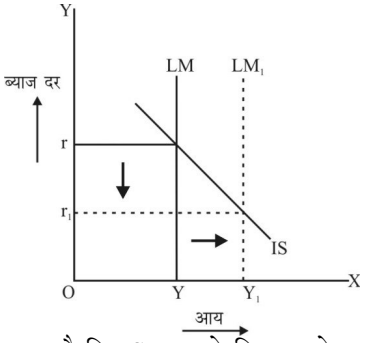

रेखा चित्र से स्पष्ट है कि IS वक्र को स्थिर रखते हुए मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि से आय में वृद्धि तथा ब्याज दर में कमी होती है।

28. निम्नलिखित में से कौन यह मानता है कि मुद्रा का वेग स्थिर है?

(a) क्लासिकीय (b) केनसियन्स
(c) मोनीटेरिस्ट (मुद्रावादी) (d) (a) और (c) दोनों

Ans : (d) क्लासिकीय तथा मुद्रावादी दोनों यह मानते है कि मुद्रा का वेग स्थिर है।

29. निम्नलिखित में से कौन–सा सही सुमेलित नहीं है?–

(a) दीर्घावधि उपभोग फलन : स्थायी आय परिकल्पना
(b) रखे जाने हेतु मुद्रा कोष की मांग : फिशर का समीकरण
(c) वास्तविक शेष प्रभाव : टोबिन का पोर्टफोलियो सिद्धान्त
(d) मूल्य का श्रम सिद्धान्त : रिकार्डो का वितरण सिद्धान्त

Ans : (b) रखे जाने हेतु मुद्रा कोष की मांग फिशर का समीकरण नहीं है। यह मार्शल के समीकरण का है। फिशर का समीकरण निम्न है–

$$\boxed{MV = PT}$$

बाद में साख मुद्रा तथा उसकी चलन गति को सम्मिलित करते हुए–

$$MV + M'V' = PT$$

$$\boxed{P = \frac{MV + M'V'}{T}}$$

30. मुद्रा के लिए केनसियन मांग हेतु निम्नलिखित में से कौन–सा सही है? धन को लोग किस रूप में रखना चाहते हैं?

(a) नकद
(b) बांड्स
(c) नकद और बांड्स दोनों
(d) न तो नकद और न ही बांड्स

Ans : (d) कीन्स के अनुसार मुद्रा की मांग से अभिप्राय मुद्रा की उस मात्रा से है जो लोग अपने पास रखते है। कीन्स के अनुसार लोग मुद्रा की मांग तीन उद्देश्यों के लिए करते हैं–
1. सौदा या लेन–देन उद्देश्य
2. सतर्कता या दूरदर्शिता उद्देश्य
3. सट्टा उद्देश्य

31. अर्थव्यवस्था में क्राऊडिंग आउट की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी, यदि

(a) सरकारी व्यय बढ़ता रहे
(b) घाटे का वित्तपोषण नियंत्रण में हो
(c) (a) और (b) दोनों संगत हैं
(d) न तो (a) और न ही (b) संगत है

Ans : (a) अर्थव्यवस्था में 'Crowding out' की स्थिति तब उत्पन्न हो जाएगी यदि सरकारी व्यय बढ़ता रहे। सरकारी व्यय में यह वृद्धि करों में कटौती करके या मुद्रा की पूर्ति बढ़ाकर या बॉण्ड जारी कर की जा सकती है। सरकारी व्यय में वृद्धि कुल मांग, राष्ट्रीय आय तथा ब्याज दर को बढ़ा देती है। जिससे निजी निवेश कम हो जाता है। इसे राजकोषीय नीति का क्राउडिंग आउट इफेक्ट कहते है।

32. सामान्य Y = AK मॉडल के लिए निम्नलिखित में से कौन–सा/से सही नहीं है/हैं?

(a) स्थिर बाह्यनिर्धारित बचत दर
(b) पैमाने के गिरते प्रतिफल का सक्रिय न होना
(c) स्थिर अन्तर्निधारित बचत दर

नीचे दिए गए कूटों के उत्तर चूनें–

कूट :

(a) (1) और (2) दोनों सही हैं
(b) न तो (2) और न ही (3) सही है
(c) केवल (3) सही है
(d) केवल (2) सही है

Ans : (b) सामान्य Y = AK मॉडल के लिए निम्न सही नहीं है–
(b) पैमाने के गिरते प्रतिफल का सक्रिय न होना।
(c) स्थिर अन्तर्निर्धारित बचत दर।

33. 'मेक इन इन्डिया' कार्यक्रम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–

(a) इसमें 25 उद्योगों/क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिया गया है
(b) रेल अवसंरचना परियोजनाओं में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं? नीचे दिए गए कूटों से उत्तर दें–

कूट :

(a) (1) और (2) दोनों सही हैं
(b) न तो (2) और न ही (3) सही है
(c) केवल (3) सही है
(d) केवल (2) सही है

Ans:(a) 'मेंक इन इंडिया' कार्यक्रम के संबंध में निम्न कथन सत्य है–
1. इसमें 25 उद्योगों/क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिया गया है।
2. रेल अवसंरचना परियोजनाओं में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है।

34. जनसंख्या प्रतिस्थापन की कुल प्रजननता दर है–

(a) 2.1 (b) 1.0
(c) 2.5 (d) 4.0

Ans : (a) – जनसंख्या प्रतिस्थापन की कुल प्रजननता दर 2.1 है। प्रजनना का प्रतिस्थापन स्तर प्रजननता का वह स्तर है जिस पर जनसंख्या वास्तव में अपने आप को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी में प्रतिस्थापित करती है।

35. प्रतिछाया बैंकिंग के संबंध में निम्नलिखित पर विचार करें–

(1) एन. बी. एफ.सी. वैश्विक वित्तीय प्रणाली में जुड़े संस्थानों को ऋण की सुविधा मुहैया कराता है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(2) ये संस्थान केन्द्रीय बैंकों के पर्यावेक्षी नियंत्रण के अध्याधीन हैं।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं? नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें–

कूट :

(a) (1) और (2) दोनों सही है
(b) न तो (1) और न ही (2) सही है
(c) केवल (1) सही है
(d) केवल (2) सही है

Ans : (c) प्रतिछाया बैंकिंग N.B.F.C. वैश्विक वित्तीय प्रणाली से जुड़े संस्थानों को ऋण की सुविधा मुहैया कराती है।

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–

(1) एशिया में भारत ऐसा पहला राष्ट्र है जिसने निर्यात प्रसंस्करण जोन की प्रभावशीलता को मान्यता प्रदान की है
(2) एशिया का पहला निर्यात प्रसंस्करण जोन कांडला भारत में 1965 में स्थापित हुआ था

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन–सा/से कथन सही/ हैं?

(a) केवल (1) (b) केवल (2)
(c) (1) और (2) दोनों (d) न तो (1) और न ही (2)

Ans : (c) निम्नलिखित कथन सत्य है–
1. एशिया में भारत ऐसा पहला राष्ट्र है जिसने निर्यात प्रसंस्करण जोन की प्रभावशीलता को मान्यता प्रदान की है।
2. एशिया का पहला निर्यात प्रसंस्करण जोन कांडला, भारत में 1965 में स्थापित हुआ था।

37. सीमांत उत्पाद का मूल्य (VMP) है–

(a) एम.पी.पी. × एम.आर. (b) एम.पी.पी. × ए. आर.
(c) ए.पी.पी. × एम. आर. (d) ए. पी. पी. × ए. आर

Ans : (b) जब सीमांत भौतिक उत्पादन को मूल्य या औसत आय से गुणा कर दिया जाये तो जो गुणनफल प्राप्त होगा, उसे सीमांत उत्पाद का मूल्य कहते है।

$$VMP = MPP \times AR(P)$$

38. निम्नलिखित में से कौन–सा भारत निर्माण का भाग नहीं है?

(a) ग्रामीण आवास (b) कृषि आधारित उद्योग
(c) ग्रामीण विद्युतीकरण (d) ग्रामीण टेलीफोनी

Ans : (b) ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के निर्माण एवं विकास हेतु इस योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 16 दिसम्बर, 2005 को नई दिल्ली में किया। इस योजना के अन्तर्गत 6 घटकों को सम्मिलित किया गया है–
1. ग्रामीण आवास।
2. सिंचाई क्षमता।
3. पेय जल।
4. सड़के।
5. विद्युतीकरण।
6. ग्रामीण दूर संचार।

39. बाल लिंग–अनुपात की गणना के लिए संगत आयु समूह है–

(a) 0–1 वर्ष (b) 0–4 वर्ष
(c) 0–6 वर्ष (d) 0–7 वर्ष

Ans : (c) बाल लिंगानुपात प्रति एक हजार पुरुष बच्चों पर महिला की संख्या की माप करता है। भारत में बाल लिंगानुपात की गणना करने के लिए 0–6 वर्ष के आयु समूह को लिया जाता है।

40. किस समिति ने आय कर अधिनियम की धारा 88 के अन्तर्गत कर–राहत के उन्मूलन की सिफारिश की थी?

(a) चेल्लैय्या समिति (b) केलकर समिति
(c) शोम समिति (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) केलकर समिति ने आय कर अधिनियम की धारा 88 के अन्तर्गत कर राहत के उन्मूलन की सिफारिश की थी।

41. संयुक्त राष्ट्र के पावर्टी एण्ड इनवायरमेन्ट पर कन्वेनंशन रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित में क्या एक असत्य है?

(a) प्राकृतिक आपदाएं हमेशा गरीब वर्ग को अधिक प्रभावित करती हैं
(b) गरीबी में तीव्र वृद्धि से पर्यावरण क्षरण होता है
(c) पर्यावरण क्षरण जीवन निर्वाह को विपरीत प्रभावित करता है
(d) पर्यावरण क्षरण गरीबी को कम करता है

Ans : (d) संयुक्त राष्ट्र के पावर्टी एण्ड इनवायरनमेन्ट पर कन्वेनंशन रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित कथन सत्य है–
1. प्राकृतिक अपदाएं हमेशा गरीब वर्ग को अधिक प्रभावित करती है।
2. गरीबी में तीव्र वृद्धि से पर्यावरण क्षरण होता है।
3. पर्यावरण क्षरण जीवन–निर्वाह को विपरीत रूप से प्रभावित करता है।

42. निम्नलिखित में से कौन–सा 'महिला सशक्तिकरण' से संबंधित नहीं है?

(a) जेंडर विकास सूचकांक (b) जेंडर सशक्तिकरण उपाय
(c) जेंडर बजटिंग (d) जेंडर भेद–भाव

Ans : (d) 'महिला सशक्तिकरण' से निम्नलिखित संबंधित है–
1. जेंडर बजटिंग।
2. जेंडर विकास सूचकांक।
3. जेंडर सशक्तिकरण उपाय।

43. किसी राष्ट्र की 'जनांककीय लाभांश' की घटना किससे संबंधित है?

(a) कुल जनसंख्या में तेज गिरावट
(b) शिशु मृत्यु दर में गिरावट
(c) लिंग अनुपात में वृद्धि
(d) कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या वृद्धि

Ans : (d) किसी राष्ट्र की 'जनांकिकीय लाभांश' की घटना कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या में वृद्धि से संबंधित है।

44. कृषि संबंधी जनगणना निम्नलिखित में से किस अंतराल पर की जाती है?

(a) प्रति वर्ष (b) तीन वर्षों में एक बार
(c) पांच वर्षों में एक बार (d) दस वर्षों में एक बार

Ans : (*) एक मुश्त अनुदान का तात्पर्य है- ऐसा अनुदान जिसकी राशि व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, एक तुल्य तथा सशर्त अनुदान, एक विशेष उद्देश्य हेतु प्रदत्त अनुदान जिसे मात्र उसी उद्देश्य के लिए व्यय किया जा सकता हो तथा ऐसा अनुदान जिसकी राशि प्राप्तकर्ताओं के तुल्य प्रयास पर निर्भर नहीं हो।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45. अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार, 2015 एन्गस डेटन को निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में कार्य के लिए दिया गया?

(a) उपभोग, गरीबी और कल्याण
(b) जनसंख्या, गरीबीर और विकास
(c) उपभोग, बचत और कल्याण
(d) उपभोग, मानव विकास और शिक्षा

Ans : (a) अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार, 2015 यंगस डिएटन को उनके उपभोग, गरीबी और कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए दिया गया। वर्ष 2016 का पुरस्कार अमेरिका के ओलिवार हार्ट और बेंग्ट होल्मस्ट्रॉम को संविदा सिद्धान्त में योगदान हेतु दिया गया।

46. कर को उत्प्लावक कहा जाता है यदि कर राजस्व अनुपात हो–

(a) उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील
(b) उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति कम संवेदनशील
(c) कर आधार में परिवर्तनों के प्रति समान रूप से संवेदनशील
(d) कर आधार में परिवर्तनों के प्रति कम संवेदनशील

Ans : (a) कर को उत्प्लावक उस स्थिति में कहा जाता है यदि कर राजस्व अनुपात उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील हो। अर्थात् कर राजस्व राष्ट्रीय आय में वृद्धि की तुलना में आनुपातिक रूप से अधिक बढ़ता है।

47. वित्तीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन अधिनियम के कार्यान्वयन पर केलकर की अध्यक्षता वाले कार्य बल द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं–

(1) प्राथमिक घाटा 2008–09 तक समाप्त किया जाए।
(2) वित्तीय घाटा जी.डी.पी. के 3% तक कम किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं? नीचे दिए गए कूट से चयन करें–

कूट :

(a) केवल (1) (b) केवल (2)
(c) (1) और (2) दोनों (d) न तो (1) और न ही (2)

Ans : (c) FRBM Act, 2003 को कार्यान्वित करने तथा उसके लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु एक सुनिश्चित मार्ग व नियम अपनाने के लिए विजय केलकर की अध्यक्षता में एक दल का गठन किया गया जिसने जुलाई, 2004 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जो 5 जुलाई, 2004 से प्रभावी हुआ जिसने निम्न संस्तुतियां की–

1. राजस्व घाटे में 2004–2005 से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 0.5% की कमी करते हुए 2009 तक शून्य स्तर तक लाना है।
2. राजकोषीय घाटे को 2008–09 में GDP के 3% तक लाना।
3. केन्द्र सरकार द्वारा R.B .I से उधार नहीं लिये जायेंगे।
4. वित्तमंत्री को सरकार के आय व्यय के आकड़ों को त्रैमासिक प्रस्तुत करना होगा जिससे सरकार के घाटे का पता चलता रहे।
5. R.B.I. सरकार के घाटे का वित्त पोषण नहीं करेगा। सरकार को सीमित अवधि 90 दिनों के लिए Repo rate पर ऋण दे सकती है।
6. R.B.I. सरकारी प्रतिभूतियों पर पैसा नहीं लगाएगी।

48. गरीबी नापने के लिए 2013 में गठित उच्चाधिकार समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(a) सुरेश तेंदुलकर (b) सी. रंगराजन
(c) डी.टी. लकड़ावाला (d) वाई के अलघ

Ans : (b) गरीबी नापने के लिए 2013 में गठित उच्चाधिकार समिति के अध्यक्ष सी. रंगराजन थे। समिति ने एक नये उपभोग समूह की अनुशंसा की जिसमें खाद्य घटक तथा गैर–खाद्य घटक सम्मिलित किये जाते है। खाद्य घटक के अन्तर्गत पर्याप्त पोषाहार जैसे– कैलोरी, प्रोटीन एवं वसा इत्यादि तथा गैर–खाद्य घटक के अन्तर्गत कुछ महत्वपूर्ण क्रियाकलाप जैसे– शिक्षा, वस्त्र, परिवहन, मकान इत्यादि सम्मिलित किये जाते है।
समिति के अनुसार भारत में कुल निर्धनों का प्रतिशत 29.5% है। रंगराजन समिति ने ग्रामीण क्षेत्रों में 32.4 प्रतिदिन व 972 रु0 मासिक उपभोग व्यय करने वाले को निर्धन माना।

49. विभाजित श्रम बाजार का अर्थ है–उपर्युक्त में से कौन सा कथन गलत है-

(a) श्रम भेद–भाव
(b) श्रम को एम.आर.पी. से कम मजदूरी का भुगतान
(c) बाजार निष्कर्ष निर्धारित करने में मजदूरों के एम.पी. सिद्धान्त का विफल होना
(d) विभिन्न प्रकार के श्रमों की मजदूरी में एक समानता

Ans : (d) विभाजित श्रम बाजार का निम्न अर्थ है–

1. श्रम भेदभाव।
2. श्रम को MRP से कम मजदूरी का भुगतान।
3. बाजार निष्कर्ष निर्धारित करने में मजदूरी के एम.पी. सिद्धान्त का विफल होना।

50. भारत में उन किसानों को 'सीमांत किसान' कहा जाता है जिनके पास भूमि हो–

(a) 1 हैक्टेयर तक (b) 1 हैक्टेयरों तक
(c) 3 हैक्टेयरों तक (d) 4 हैक्टेयरों तक

Ans : (a) भारत में उन किसानों को 'सीमांत किसान' कहा जाता है। जिनके पास एक हेक्टेयर तक भूमि हो।

1. सीमांत जोत	–	1 हेक्टेयर से कम
2. लघु जोत	–	1–2 हेक्टेयर तक
3. अर्द्धमध्यम जोत	–	2–4 हेक्टेयर तक
4. मध्यम जोत	–	4–10 हेक्टेयर
5. वृहद् जोत	–	10 हेक्टेयर से अधिक

51. अभिकथन (A) : भारतीय विकास कार्यक्रम सामाजिक न्याय के साथ विकास उन्मुख हैं
कारण (R) : भारतीय अर्थव्यवस्था गरीबी और आय असमानताओं से संतृस्त है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) सही हैं परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

52. यदि भुगतान संतुलन में घाटा हो तो परिवर्तनीय विनिमय दर प्रणाली में–

(a) मुद्रा की बाह्य कीमत कम हो जाएगी
(b) मुद्रा की बाह्य कीमत बढ़ जाएगी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) व्यापार से अंतःक्षेप आहरणों से अधिक हैं
(d) कुल माँग बढ़ रही है

Ans : (a) यदि भुगतान संतुलन में घाटा हो तो परिवर्तनीय विनिमय दर प्रणाली में मुद्रा की बाह्य कीमत कम हो जाएगी।

53. अवमूल्यन से भुगतान संतुलन घाटे में सुधार होगा, यदि अवमूल्यन करने वाले देश की निर्यात लोच और आयात लोच का जोड़ है–

(a) एक से अधिक (b) एक से कम
(c) शून्य के समकक्ष (d) नकारात्मक

Ans : (a) मार्शल लर्नर शर्त यह बताती है कि अवमूल्यन से भुगतान संतुलन घाटे में सुधार होगा, यदि अवमूल्यन करने वाले देश की निर्यात लोच और आयात की मांग लोच का जोड़ एक से अधिक हो। अर्थात–

$$e_x + e_m > 1$$

इसके विपरीत, यदि आयातों एवं निर्यातों की मांग लोचों का जोड़ इकाई से कम है तो अवमूल्यन भुगतान शेष को बिगाड़ देगा।

$$e_x + e_m < 1$$

यदि निरपेक्ष रूप से आयातों एवं निर्यातों की मांग लोचों का जोड़ इकाई के बराबर है तो अवमूल्यन का भुगतान शेष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

$$e_x + e_m = 1$$

54. आर्थिक एकीकरण के उदाहरण है–

(1) मुक्त व्यापार क्षेत्र (2) सीमाशुल्क यूनियन
(3) साझा बाजार (4) उत्पादक संघ (Cartel)

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें–

(a) (1) और (2) (b) (2) और (3)
(c) (1), (2) और (4) (d) (1), (2) और (3)

Ans : (d) आर्थिक एकीकरण के उदाहरण निम्न है–
1. मुक्त व्यापार क्षेत्र।
2. सीमा शुल्क यूनियन।
3. साझा व्यापार।

55. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–

(1) भारत की व्यापार नीति समीक्षा (टी.पी.आर) प्रत्येक चार वर्षों में की जाती है।
(2) विश्व व्यापार संगठन के पास सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की नियमित समीक्षा के लिए एक तंत्र है

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/कथन सही है/हैं?

(a) केवल (1) (b) केवल (2)
(c) (1) और (2) दोनों (d) (1) और (2) में कोई नहीं

Ans : (c) निम्नलिखित कथन सत्य है–
1. भारत की व्यापार नीति समीक्षा (TPR) प्रत्येक चार वर्षों में की जाती है।
2. विश्व व्यापार संगठन के पास सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की नियमित समीक्षा के लिए एक तंत्र है।

56. निम्नलिखित में से कौन–सा देश वर्ष 2013–14 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था?

(a) संयुक्त अरब अमीरात (b) चीन
(c) संयुक्त राज्य अमेरिका (d) जापान

Ans : (b) वर्ष 2013–14 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार चीन था।
वर्ष 2014–15 में आकड़ों के अनुसार भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार देश चीन था। भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 13.5% है तथा निर्यात में 3.8% है।

57. नई व्यापार नीति 2015–20 में एक नई स्कीम शुरू की गई है, जिसे कहा जाता है–

(a) मर्चेन्डाइज एक्सपोर्ट फ्राम इंडिया स्कीम
(b) एक्सपोर्ट फ्राम इंडिया स्कीम
(c) मर्चेन्डाइज ट्रेड फ्राम इंडिया स्कीम
(d) ट्रेड फ्राम इंडिया स्कीम

Ans : (a) केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योगों मंत्री निर्मला सीता रमण द्वारा भारत की नई विदेशी व्यापार नीति 2015–2020 की घोषणा 1 अप्रैल, 2015 को की गई। इस नीति में निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए 2 अलग–2 स्कीमें शुरू की गई–
1. MEIS (Merchandise Export from India Scheme)
2. SEIS (Service Export from India Scheme)
MEIS स्कीम में वर्तमान में चल रही 5 स्कीमों – Focus Product Scheme, Focus Market Scheme, Market linked focus scheme, Agriculture infrastructure insentive scheme तथा विशेष कृषि ग्रामीण योजना को मिलाकर चालू किया गया। जबकि Served from India Scheme के स्थान पर SEIS शुरू की गई। दोनों स्कीमों के तहत Duty Credit Scrips किये जाने वाले निर्यात के बदले उपहार के रूप में प्राप्त होगी। MEIS के अन्तर्गत मिलने वाले उपहार की दर 2–5% के बीच होगी जबकि SEIS के अन्तर्गत मिलने वाले उपहार की दर 3–5% के बीच होगी।

58. कीमत कैंची (प्राइस सीजर्स) निम्नलिखित में किसकी ओर संकेत करता है?

(a) मार्शल द्वारा मांग और पूर्ति की ताकतों का उदाहरण
(b) एक सह–देश से दो रणनीतिक कच्चे मालों का निर्यात
(c) एक प्रमुख आयात की कीमत में तीव्र वृद्धि के द्वारा रणनीतिक निर्यात मद की कीमत में तीव्र गिरावट
(d) प्रतिस्पर्धात्मक स्थानीय विनिर्माताओं की निर्यात टोकरी (एक्सपोर्ट बास्केट)

Ans : (c) कीमत कैंची (प्राइस सीजर्स) एक प्रमुख आयात की कीमत में तीव्र वृद्धि के द्वारा रणनीतिक निर्यात मद की कीमत में तीव्र गिरावट की ओर संकेत करता है। इसके अन्तर्गत एक खास समूह या उत्पादक जनसंख्या के क्षेत्र के लिए इस समूह के बाहर बिक्री के लिए अपने उत्पादन से समग्र मूल्यांकन उचित संतुलन अवधि के बाद समूह के बाहर उत्पादित माल के लिए इस समूह की मांग के मूल्यांकन के नीचे चला जाता है।

59. विदेशी विनिमय बाजार में हैजिंग निम्नलिखित में किसकी ओर संकेत करती है?

(a) अवमूल्यन का एक कृत्य
(b) भविष्य में विदेशी विनिमय की जोखिम को शामिल न करना
(c) भविष्य में विदेशी विनिमय की जोखिम को शामिल करना
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) हेजिंग से अभिप्राय लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार के शेयर प्रतिभूतियों या सम्पत्तियों को क्रय करना या रखना तथा बेचना जिससे कुछ के सम्बन्ध में होने वाली हानि दूसरे से मिलने वाले लाभ से पूरी हो सके। इस प्रकार हानि विनियोजन जोखिम न्यूनतम हो सके।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

60. वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के लिए निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनें–

(1) यह प्रमुख देशों की मुद्राओं के बास्केट के मूल्य सूचकांक की तुलना में किसी देश की मुद्रा के औसत मूल्य की ओर संकेत करता है

(2) यह मुद्राओं की बास्केट के औसत मूल्य और किसी देश की मुद्रा के मौद्रिक मूल्य के अंकित अनुपात की ओर संकेत करता है

कूट :

(a) केवल (1) सही है (b) केवल (2)

(c) (1) और (2) दोनों (d) (1) और (2) में कोई नहीं

Ans : (a) वास्तविक प्रभावी विनिमय दर प्रमुख देशों की मुद्राओं के बास्केट के मूल्य सूचकांक की तुलना में किसी देश की मुद्रा के औसत मूल्य की ओर संकेत करता है।

61. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–

(1) क्लासिकल मॉडल के संदर्भ में ऋण द्वारा वित्तीयन, भावी पीढ़ियों पर भार के अंतरण का एक साधन है

(2) विदेशी ऋण वर्तमान पीढ़ी पर बिना कोई भार डाले, सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण को संम्भव करता है

(3) विदेशी ऋण भावी पीढ़ियों के लिए भारस्वरूप नहीं होता यदि निधियों का प्रयोग अनुत्पादक रूप से भी क्यों न किया गया हो

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल (1) सही है (b) (1) और (2) सही हैं

(c) (2) और (3) सही हैं (d) (1) और (3) सही हैं

Ans : (b) निम्नलिखित कथन सही है–

1. क्लासिकल मॉडल के संदर्भ में ऋण द्वारा वित्तीयन, भावी पीढ़ियों पर भार के अंतरण का एक साधन है।
2. विदेशी ऋण वर्तमान पीढ़ी पर बिना कोई भार डाले, सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण को संभव करता है।

62. करापात निम्नलिखित में से किसकी ओर संकेत करता है?

(a) क्या कोई कर प्रगामी, अनुपातिक या प्रतिगामी है

(b) कोई कर कितनी बार एकत्र किया जाता है

(c) व्यक्ति या समूह जो अंततः कर का भुगतान करता है

(d) कोई कर कैसे एकत्र किया जाता है

Ans : (c) – करापात से आशय कर के प्रत्यक्ष मौद्रिक भार से लगाया जाता है। जब सरकार द्वारा कोई कर लगाया जाता है तो जो व्यक्ति कर का भुगतान करता है उस पर कर का दबाव पड़ता है। परन्तु जिस व्यक्ति पर अन्तिम रूप से कर का भार पड़ता है उसे करापात कहा जाता है। इस प्रकार करापात कर का अंतिम भार है।

63. अभिकथन (A) : प्रगतिशील आय कर समान सीमांत त्याग पर आधारित है।

कारण (R) : आय जितनी अधिक होगी करदाताओं को मुद्रा की सीमांत उपयोगिता उतनी ही कम होगी।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) सही हैं परन्तु (R) गलत है

(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही ह

Ans : (a) प्रगतिशील कर प्रणाली के अन्तर्गत आय बढ़ने के साथ-साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है अर्थात् इस कर का भार गरीबों पर कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है। इस प्रकार यह कर समान सीमांत त्याग पर आधारित है। आय बढ़ने के साथ–2 उसकी सीमांत उपयोगिता कम होती जाती है जबकि आय घटने पर उसकी सीमांत उपयोगिता बढ़ती जाती है।

64. निम्नलिखित करों में से कौन सा एक राज्य सरकारों के क्षेत्राधिकार में आता है जैसा भारतीय संविधान की सूची–II सूचीबद्ध किया गया है?

(a) स्टॉक एक्सचेंजों और वायदा बाजारों में लेन–देन हेतु स्टांप ड्यूटी से अतिरिक्त कर

(b) रेलवे मालभाड़ा और भाड़ा पर कर

(c) संसद द्वारा अधिरोपित किसी सीमा के अधीन खनिज अधिकारों पर कर

(d) कुछ वित्तीय दस्तावेजों के मामजले में स्टांप ड्रूटी की दर

Ans : (c) भारतीय संविधान की अनुसूची सात के सूची II में राज्य सरकारों को निम्न मदों पर कर लगाने का अधिकार है–

1. भू–राजस्व
2. अखबार को छोड़कर अन्य वस्तुओं की खरीद एवं बिक्री पर कर।
3. कृषि आय पर कर।
4. भूमि तथा मकान पर कर
5. शराब तथा नशीली वस्तुओं पर कर।
6. कृषि भूमि पर सम्पदा एवं मृत्यु कर।
7. शराब तथा नशीली वस्तुओं पर कर।
8. स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के प्रवेश पर कर।
9. खनिज अधिकार पर कर (संसद कानून बनाकर ले सकती है)।
10. बिजली के उपभोग एवं बिक्री पर कर।
11. सवारी, मवेशी तथा नाव पर कर।
12. स्टाम्प शुल्क
13. सड़क या आंतरिक जलमार्ग से जाने वाली वस्तुओं तथा यात्रियों पर कर।
14. मनोरंजन तथा जुआ सहित विलास पर कर।
15. चुंगी कर
16. पेशे तथा व्यापार पर कर।
17. रोजगार तथा प्रतिव्यक्ति आय पर कर।
18. अखबार में छपे विज्ञापनों को छोड़कर अन्य विज्ञापनों पर व्यय

65.

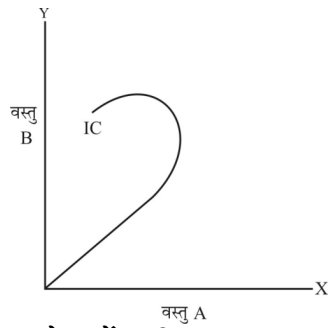

उपर्युक्त आरेख में, यदि IC वक्र आय–उपभोग वक्र प्रदर्शित करता है तो इसका अर्थ है कि–

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) केवल (A) निकृष्ट वस्तु है
(b) केवल (B) निकृष्ट वस्तु है
(c) (A) और (B) दोनों निकृष्ट वस्तु है
(d) (A) सामान्य वस्तु है

Ans : (a) दिये गये आरेख में IC आय–उपभोग वक्र प्रदर्शित करता है कि A निकृष्ट वस्तु है।
यदि आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करे तो वह वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जाएगी। आय–उपभोग वक्र का ढाल यह प्रदर्शित करता है कि वस्तु सामान्य है या निकृष्ट कोटि की।

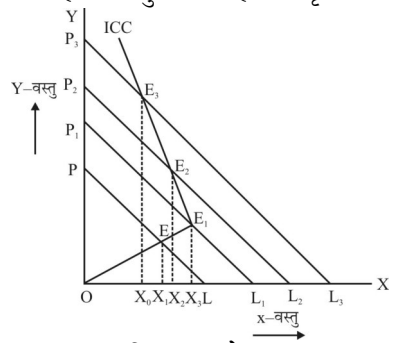

रेखाचित्र में ICC वक्र E_1 बिन्दु तक तो धनात्मक ढाल की है क्योंकि OP_1 आय स्तर तक आय में वृद्धि उपभोग में वृद्धि लाती है। OP_1 स्तर तक तो वस्तु सामान्य है, उसके बाद निकृष्ट कोटि को हो जाती है। क्योंकि E_1 के बाद इसका ढाल ऋणात्मक हो जाता है क्योंकि आय में वृद्धि (OP_3) X वस्तु के उपभोग में कमी लाती है।

66.

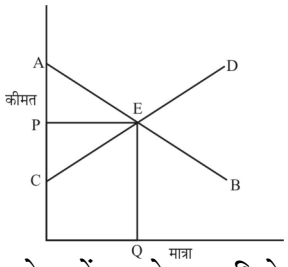

उपर्युक्त आरेख में उपभोक्ता अधिशेष को किस क्षेत्र द्वारा दर्शाया गया है?

(a) Δ PCE (b) Δ APE
(c) Δ ACE (d) चतुर्भुज OPEQ

Ans : (b) मार्शल ने उपभोक्ता की बचत को उपयोगिता विश्लेषण द्वारा स्पष्ट किया। इसके लिए सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम को आधार बनाया। मार्शल के अनुसार किसी वस्तु को बिना प्राप्त किये हुए रहने की अपेक्षा वह मूल्य, जो एक व्यक्ति उस वस्तु हेतु देने को तैयार रहता है और जो मूल्य वह वास्तव में देता है, उन दोनों का अन्तर ही उपभोक्ता की बचत कहलाती है।

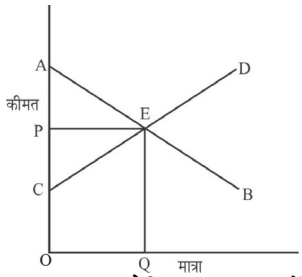

उपभोक्ता की बचत = कुल उपयोगिता – वास्तव में दी गई कीमत
APE = OAEQ – OPEQ

67. साईमन–हॉकिन्स की दशाएँ निम्नलिखित में से किससे संबंधित हैं?

(1) लियोनटिफ का स्थैतिक मॉडल
(2) लियोनटिफ का गत्यात्मक मॉडल
(3) ये मॉडल के हल के लिए आवश्यक और पर्याप्त दशाएँ हैं

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चूनें–

कूट :

(a) (1) और (2)
(b) (2) और (3)
(c) (1), (2) और (3)
(d) (1) और (3)

Ans : (d) साईमन हॉकिन्स की दशाएं निम्न से सम्बन्धित है।
1. लियोण्टिफ का स्थैतिक मॉडल।
2. ये मॉडल के हल के लिए आवश्यक और पर्याप्त दशाएं है।
यदि आगत निर्गत मॉडल के हल में कुलोत्पाद सदिश का कोई अवयव ऋणात्मक हो तो यह अर्थशास्त्र की दृष्टि से व्यवहारिक नहीं होगा।
क्योंकि व्यवहार में कोई भी अर्थशास्त्रीय निर्गत ऋणात्मक नहीं होता है। अतः अर्थशास्त्र की दृष्टि से व्यवहारिकता हेतु व्यूह [I–A] के मुख्य कर्ण के समस्त कोटि के लघु सारणिकों का धनात्मक होना आवश्यक है। अन्य शब्दों में, कर्ण के समस्त अवयव $(1-a_{11})$, $(1-a_{22})$, $(1-a_{33})$,. ..... $(1-a_{nn})$ धनात्मक होना चाहिए अर्थात् a_{11}, a_{22}, a_{33}.....a_{nn} का मान इकाई से कम होना चाहिए यही साइमन हाकिन्स प्रतिबन्ध है।

68. दिए गए उत्पादन फलन $Q = 2.K^{1/3}.L^{2/3}$ में उत्पादन स्तर बताएँ, जबकि पूंजी की 8 इकाइयों और श्रमिकों की 27 इकाइयों का उपयोग हुआ है–

(a) 36 (b) 54
(c) 18 (d) 24

Ans : (a) $Q = A.L^{\alpha}.K^{\beta}$

$$Q = 2\times 8^{\frac{1}{3}}.27^{\frac{2}{3}}$$

$$= 2\times\left(2^3\right)^{\frac{1}{3}}.\left(3^3\right)^{\frac{2}{3}} = 2\times 2\times 3^2$$

$$\boxed{Q = 36}$$

69. जब किसी वस्तु की कीमत 15 रु0 होती है तो उपभोक्ता 240 रु0 खर्च करता है और जब उस वस्तु की कीमत बढ़कर 20 रु हो जाती है तो वह 300 रु खर्च करता है। मांग की लोच का मान निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) $\frac{2}{3}$ (b) 1
(c) $\frac{3}{20}$ (d) $\frac{1}{30}$

Ans : (*) प्रश्न गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

70. निम्नलिखित समाश्रयण मॉडल के लिए –

$$Y = \beta_0 + \beta_1 X_1 + \beta_2 X_2 + ... + \beta_* X_k + u,$$

'n' प्रेक्षणों के साथ |t| सांख्यिकी परीक्षण हेतु स्वातंत्र्य कोटि है–

(a) n–k (b) n–k+1
(c) n–k–1 (d) n+k+1

Ans : (c) बहुखंडीय समाश्रयण मॉडल में त्रुटि के लिए स्वतंत्रता के स्तर है–

$$\boxed{n-(K+1)}$$

71. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर चुनिए–

सूची–I	**सूची–II**
(a) वाल्ड टेस्ट	(i) स्थिर अवस्था
(b) यूनिट रूट टेस्ट	(ii) चरों में त्रुटि मॉडल
(c) स्टूडेन्टस 'टी' टेस्ट	(iii) कारणता
(d) ग्रैंजर टेस्ट	(iv) समाश्रयण गुणांकों की सार्थकता

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans : (a)
(a) वाल्ट टेस्ट – (2) चरों में त्रुटि मॉडल
(b) यूनिट रूट टेस्ट – (1) स्थिर अवस्था
(c) स्टूडेन्टस 'टी' टेस्ट – (4) समाश्रयण गुणांकों की सार्थकता
(d) ग्रैंजर टेस्ट – (3) कारणता

72. निम्नलिखित मॉडल/लों में यदि आवश्क हो तो रूपान्तरण कर किस/न को सामान्य न्यूनतम विधि से आकलित किया जा सकता है? नोट करें कि (e) घातीयचर को संकेतित करता है–

(a) $Y_t = \alpha + \beta X_t + u_t$
(b) $Y_t = \alpha - \beta^{X_t} + u_t$
(c) $Y_t = \alpha + \beta\ \ln(X_t) + u_t$
(d) $Y_t = \alpha + \beta\ X_t^2 + u_t$

Ans : (d) निम्नलिखित नीचे दिये मॉडल में जहाँ आवश्यक है वहाँ रूपांतरण करते हुए सामान्य न्यूनतम विधि से आकलित किया जा सकता है–
(a) यह एक मानक प्रतिदर्श है।
(b) इसके लिए एक नया चर सृजित किया जाता है। अर्थात Z = eX
(c) इसमें प्रतिस्थापन Y = (y) और x में एक नियतांक पर (x) और y समाश्रयण में और x पुनः मानक प्रतिदर्श देगा।
(d) इसके आकलन के लिए $Z = x^2$ और एक नियतांक पर समाश्रयित y और z ।

73. यदि एक सह– निर्भर युगपतीय प्रणाली की प्रत्येक समीकरण के आकलन हेतु सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि (OLS) का उपयोग किया जाता है, तो प्राप्त आकलक होंगे–

(a) निष्पक्ष और सुसंगत
(b) पक्षपातपूर्ण और सुसंगत
(c) पक्षपातपूर्ण और असंगत
(d) जो समीकरण एक युगपतीय प्रणाली के अंग हैं, उनका का अकलन, सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि (OLS) द्वारा असम्भव है

Ans : (c) यदि एक सह–निर्भर युगपतीय प्रणाली की प्रत्येक समीकरण के आकलन हेतु सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि (OLS) का उपयोग किया जाता है, तो प्राप्त आकलन पक्षपातपूर्ण और असंगत होंगे।

74. निम्नलिखित में से कौन बहु–समरेखिकता का औचित्यपरक उपाय नहीं है?

(a) प्रिंसिपल कम्पोनेन्टस विश्लेषण का प्रयोग
(b) किसी एक समरेखिक चर को हटाना
(c) दीर्घकालिक आंकड़ों का प्रयोग
(d) प्रत्येक चर के लघुगणकीय रूपांतकरण को लेना

Ans : (d) प्रत्येक चर के लघुगणकीय रूपांतकरण को लेना बहु–समरेखिकता का औचित्य परक उपाय नहीं है। जबकि अन्य शेष बहु–समरेखिकता का औचित्य परक उपाय है, जो निम्न है–
1. प्रिसिंपल कम्पोनेन्टस विश्लेषण का प्रयोग ।
2. किसी एक समरेखिक चर को हटाना
3. दीर्घकालिक आकड़ों का प्रयोग।

75. दो समाश्रयण मॉडलों पर विचार कीजिए।

मॉडल 1 : $Y_t = \beta_1 + \beta_2 X_{2t} + u_t$

मॉडल 2 : $Y_t = \alpha_1 + \alpha_2 X_{2t} + \alpha_3 X_{3t} + u_t$

निम्नलिखित कथनों में से कौन–से सही है?

(a) मॉडल 2 में R^2 का मान कम से कम मॉडल 1 से अधिक होना चाहिए
(b) मॉडल 2 में समायोजित R^2 का मान कम से कम मॉडल 1 के मान के समकक्ष होना चाहिए
(c) मॉडल 1 और 2 में R^2 का मान समान होना चाहिए यदि α_3 का आकलित समाश्रयण गुणांक शून्य है।
(d) मॉडल 1 और 2 में, समायोजित R^2 का मान समान होना चाहिए यदि α_3 का आकलित समाश्रयण गुणांक शून्य है

(a) केवल (2) और (4) (b) केवल (1) और (3)
(c) केवल (1), (b) और (3) (d) (1), (2), (3) और (4)

Ans : (b) दिये गये दो समाश्रय मॉडल में निम्नलिखित कथन सही है–
(a) मॉडल 2 में R^2 का मान कम से कम मॉडल 1 से अधिक होना चाहिए।
(c) मॉडली 1 और 2 में R^2 का मान समान होना चाहिए यदि r_3 का आकलित समाश्रयण गुणांक शून्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जुलाई-2016
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दिए गए मानक आरेख में उपभोक्ता अधिशेष की माप है:

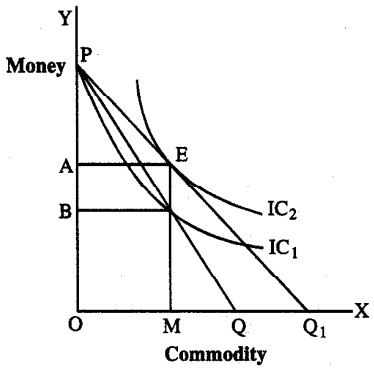

(a) PA (b) OB
(c) AO (d) AB

Ans : (d) अनधिमान वक्र द्वारा उपभोक्ता बचत की माप का विचार हिक्स ने दिया, जो उपभोक्ता की बचत सिद्धांत का आधुनिक रूप है। अनधिमान वक्र द्वारा उपभोक्ता अधिशेष की माप की व्याख्या तब की जाती है, जब उपयोगिता मापनीय नहीं हो। हिक्स के अनुसार उपभोक्ता की बचत, मुद्रा की वह मात्रा है, जो उसकी आर्थिक दशा में कुछ परिवर्तन के बाद या तो उपभोक्ता को दी जानी चाहिए अथवा उससे ले ली जानी चाहिए, जिससे उपभोक्ता या तो ऊपर उठ जाये अथवा नीचे आ जाये तथा उसी अनधिमान वक्र पर बना रहे जिस पर वह इस प्रकार के परिवर्तन के पहले था। जैसा कि चित्र से स्पष्ट है-

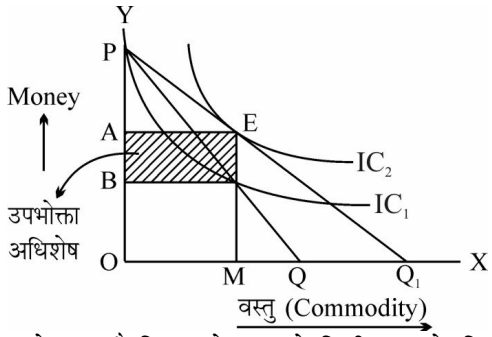

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि उपभोक्ता पहले किसी वस्तु के लिए PB मुद्रा देने के लिए तैयार था, लेकिन उसे PA मुद्रा ही देनी पड़ी। अतः उपभोक्ता की बचत या उपभोक्ता अतिरेक = PB- PA = AB.

2. उत्पादक-संघ (कार्टेल) का उद्देश्य किसे अधिकतम करना है?

(a) व्यक्तिगत लाभ (b) उद्योग का लाभ
(c) सदस्यों के उत्पादन का हिस्सा (d) सदस्यों की ख्याति

Ans : (b) एक ही उद्योग की स्वतंत्र फर्मों के संगठन को कार्टेल कहा जाता है। कार्टेल का उद्देश्य उद्योग की फर्मों के मध्य प्रतियोगी प्रवृत्तियों पर रोक लगाकर फर्मों के लाभ को बढ़ाना होता है। कार्टेल की फर्में कीमत, उत्पादन तथा विक्रय के क्षेत्रों में समान नीतियों का अनुसरण करती है। अल्पाधिकार में लाभ विभाजन कार्टेल मॉडल फर्मों के मध्य पूर्ण गठबन्धन को स्वीकार करता है। फर्मों के उत्पादन का कोटा कार्टेल इस तरह निर्धारित करता है कि फर्मों का लाभ अधिकतम हो जाये।

3. ''किसी को बदतर बनाए बिना किसी को बेहतर नहीं बनाया जा सकता है'' यह कथन निम्नांकित में किसका वर्णन करता है?

(a) पेरेटो इष्टतम (b) नैश संतुलन
(c) निम्न स्तरीय संतुलन जाल (d) कूर्नो संतुलन

Ans : (a) प्रसिद्ध कल्याणकारी अर्थशास्त्री पैरेटो ने सामाजिक कल्याण के संदर्भ में जो सिद्धांत प्रस्तुत किये है, उसे पैरेटो अनुकूलतम सिद्धांत कहा जाता है। अर्थात् सामाजिक कल्याण के लिए अनुकूलतम वितरण आवश्यक है।
पैरेटो के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण उस समय पाया जाता है जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो। इसे परेटो अनुकूलतम कहते है।
मान्यताएं:-
(1) यह सिद्धांत 2×2×2 मॉडल पर आधारित है अर्थात् दो वस्तु, दो साधन, दो देश।
(2) वस्तु तथा साधन बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पायी जाती है।
(3) प्रत्येक उपभोक्ता अपनी उपयोगिता को अधिकतम करना चाहता है।
(4) उपयोगिता की क्रमवाचक माप संभव है।
(5) वस्तुएं तथा साधन पूर्णतया विभाज्य है।
उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर पैरेटो अपने सिद्धांत को प्रस्तुत करने के लिए तीन सीमांत दशाओं की सहायता लिये है-
(1) उपभोक्ताओं के बीच वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण।
(2) फर्मो के बीच उत्पादन के साधनों का कुशलतम वितरण।
(3) रूपांतरण की सीमांत दर।

4. स्लट्स्की समीकरण व्याख्या करता है

(a) टिकाऊ वस्तुओं की माँग की
(b) टिकाऊ वस्तुओं की आपूर्ति की
(c) मूल्य, आय तथा प्रतिस्थापन प्रभावों के बीच विभाजन की
(d) विरल अथवा अपुर्नउत्पादनीय वस्तुओं की माँग की

Ans : (c) स्लट्स्की समीकरण मूल्य, आय तथा प्रतिस्थापन प्रभावों के बीच विभाजन की व्याख्या करता है। स्लट्स्की के प्रतिस्थापन प्रभाव में मौद्रिक आय में परिवर्तन लागत अन्तर के आधार पर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

किया जाता है अर्थात् उपभोक्ता की आय में परिवर्तन पूर्ण कीमत पर वस्तु की क्रय की गई मात्रा की लागत और नई कीमत पर उसी मात्रा की लागत में अन्तर के बराबर किया जाता है।

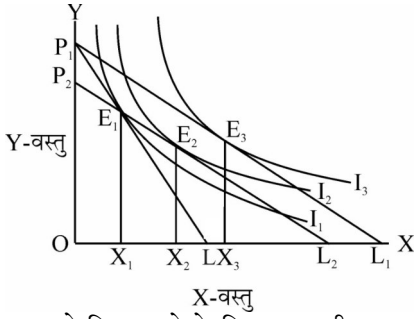

वास्तविक आय को स्थिर रखने के लिए स्लट्स्की यह सुझाव देते है कि उपभोक्ता के पास उतनी मुद्रा रहने दिया जाये जिससे वह, मूल्य के परिवर्तन के बावजूद भी वस्तुओं का वही संयोग क्रय कर सके जो पहले करता था। जैसा कि रेखाचित्र में उपभोक्ता का E_1 से E_3 पर जाना या X_1- X_3 मूल्य प्रभाव प्रदर्शित करता है। E_1 से E_2 पर जाना या $X_1 - X_2$ प्रतिस्थापन प्रभाव तथा E_2 से E_3 पर जाना या $X_2 - X_3$ आय प्रभाव होगा।

मूल्य प्रभाव = प्रतिस्थापन प्रभाव + आय प्रभाव

$(X_1 - X_3) = (X_1 - X_2) + (X_2 - X_3)$

5. L आकार का औसत लागत वक्र बड़े फर्मों में देखा जाता है क्योंकि

(a) केवल वृद्धिशील प्रतिफल का नियम कार्य करता है।
(b) पैमाने के प्रति स्थिर प्रतिफल का नियम कार्य करता है
(c) केवल स्थिर प्रतिफल का नियम कार्य करता है।
(d) ह्रासमान प्रतिफल के नियम की क्रियाशीलता सतत रूप से स्थगित होती रहती है।

Ans : (d) L-आकार का औसत लागत वक्र बड़े फर्मों में देखा जाता है क्योंकि ह्रासमान प्रतिफल के नियम की क्रियाशीलता सतत रूप से स्थगित होती रहती है।

6. एकाधिकारिक बाजार में दीर्घावधिक संतुलन के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार करें:

I. फर्म 'न लाभ न हानि' की स्थिति में हैं।
II. फर्मों का प्रवेश अथवा निकास नहीं है।

उक्त कथनों में कौन सही है? नीचे दिए गए कूट से उत्तर दें:

कूट:

(a) केवल I सही है।
(b) केवल II सही है।
(c) I और II दोनों सही हैं।
(d) I और II में कोई भी सही नहीं है।

Ans : (c) चैम्बरलिन ने एकाधिकारिक बाजार में दीर्घावधिक संतुलन के सम्बन्ध में कहा है कि दीर्घकालीन संतुलन की अवस्था में फर्म न तो लाभ की स्थिति में होती है और न ही हानि की स्थिति में है तथा फर्मों का न प्रवेश होता है और न ही बर्हिगमन अर्थात् फर्मों का प्रवेश अथवा निकास नहीं होता है।

7. निम्नांकित में से कौन बीमा बाजार की समस्या नहीं है?

(a) प्रतिकूल चयन (b) नैतिक संकट
(c) असममितीय सूचना (d) मुख्यकर्ता-अभिकर्ता समस्या

Ans : (d) मुख्यकर्ता- अभिकर्ता समस्या बीमा बाजार की समस्या नहीं है। शेष अन्य बीमा बाजार की समस्या है।

8. उपभोग में निकृष्ट वस्तुओं में होता है

(a) ऋणात्मक आय प्रभाव (b) धनात्मक आय प्रभाव
(c) शून्य आय प्रभाव (d) असीमित आय प्रभाव

Ans : (a) यदि आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करे तो वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जायेगी। सामान्य वस्तु के सम्बन्ध में आय प्रभाव धनात्मक होगा जबकि निकृष्ट कोटि की वस्तु के सम्बन्ध में आय प्रभाव ऋणात्मक होता है। जैसा रेखाचित्र से स्पष्ट है-

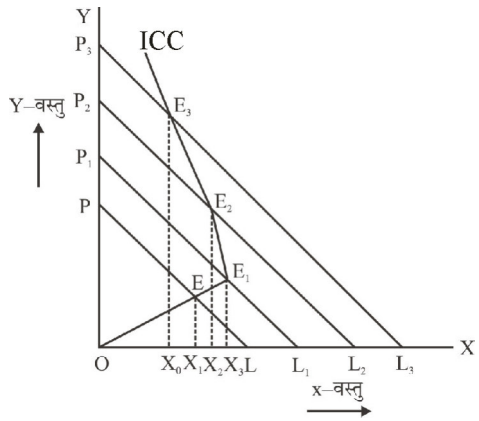

रेखाचित्र में ICC वक्र E_1 बिन्दु तक या आय के OP_1 स्तर तक तो धनात्मक ढाल की है अर्थात् वस्तु सामान्य है पर उसके बाद निकृष्ट कोटी की हो जाती है क्योंकि E_1 के बाद इसका ढाल ऋणात्मक हो जाता है।

9. निम्नांकित कथनों पर विचार करें:

I. मुद्रास्फीति कर्जदारों के लिए लाभदायक है।
II. मुद्रास्फीति बांडधारकों के लिए लाभदायक है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में कौन सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) I और II में कोई भी नहीं

Ans : (a) सामान्य अर्थों में मुद्रा स्फीति वह स्थिति है जिसमें कीमत स्तर में वृद्धि होती है तथा मुद्रा का मूल्य गिरता है। मुद्रा स्फीति का प्रभाव निम्नलिखित है-

(1) मुद्रास्फीति से ऋणी (कर्जदार) को लाभ तथा ऋणदाता (कर्जदाता) को हानि होती है।
(2) निश्चित आय वाले वर्ग को हानि तथा परिवर्तित आय वाले वर्ग को लाभ होता है।
(3) उत्पादक वर्ग को लाभ होता है।
(4) व्यापार संतुलन प्रतिकूल में हो जाता है क्योंकि आयात में वृद्धि तथा निर्यात में कमी हो जाती है।
(5) नैतिक पतन तथा सामाजिक विघटन होने लगता है।

10. 'निकट मुद्रा' की सही परिभाषा है

(a) परिसंपत्ति जिसमें 100% तरलता है।
(b) परिसंपत्ति जिसमें मूल्य संचय कार्य नहीं है।
(c) परिसंपत्ति जो विनिमय का माध्यम है।
(d) परिसंपत्ति जो मूल्य संचय का कार्य पूरा करता है तथा जिसे अल्प सूचना पर विनिमय के साधन में रूपांतरित किया जा सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) 'निकट मुद्रा' वह परिसम्पत्ति है जो मूल्य संचय का कार्य पूरा करता है तथा जिसे अल्प सूचना पर विनिमय के साधन में रूपांतरित किया जा सकता है।

11. निम्नांकित को सुमेलित करें:

सूची-I	सूची-II (गुणक)
A. MPC = 0.2	(i) K = 2
B. MPS = 0.5	(ii) K = 1.66
C. MPS = 0.75	(iii) K = 1.33
D. MPC = 0.4	(iv) K = 1.25

निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर का चुनाव करें:

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

Ans : (c) (A) MPC = 0.2 (iv) K = 1.25
(B) MPS = 0.5 (i) K = 2
(C) MPS = 0.75 (iii) K = 1.33
(D) MPC = 0.4 (ii) K = 1.66

12 सोलो मॉडल में सतत संवृद्धि की स्थिति के संदर्भ में समयोपरि उत्पादन वृद्धि दर होगी

(a) वर्धमान (b) ह्रासमान
(c) स्थिर (d) उतार-चढ़ाव वाली

Ans : (c) सोलो मॉडल में सतत संवृद्धि की स्थिति के संदर्भ में समयोपरि उत्पादन वृद्धि दर स्थिर होगी।

13. निम्नांकित में किन अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में द्वैतवाद की परिकल्पना की?

I. फाई-रेनिस II. डी. रिकार्डो
III. राबर्ट सोलो IV. आर. हैरोड

नीचे दिए गए कूट से उत्तर दें:

कूट:

(a) उपर्युक्त चारों (b) केवल I और II
(c) केवल IV (d) I, II और III

Ans : (b) फाई-रेनिस तथा डेविड रिकार्डो ने अर्थव्यवस्था में द्वैतवाद की परिकल्पना की।

14. निम्नांकित में किसने मूल रूप से 'टर्नपाइक प्रमेय' का प्रतिपादन किया?

(a) डार्फमैन, सैम्युएलसन एवं सोलो
(b) रैडनर
(c) कूपमान्स
(d) वान न्यूमैन एवं मार्गेन्स्टर्न

Ans : (a) डार्फमैन, सैम्युएलसन एवं सोलो ने मूल रूप से टर्नपाइक प्रमेय का प्रतिपादन किया।

15. पश्चगामी एवं अग्रगामी संयोजन (लिंकेज) निम्नांकित में किस प्रकार की संवृद्धि रणनीति के लिए प्रासंगिक हैं?

(a) असंतुलित संवृद्धि
(b) अधोरिसाव (ट्रिकल डाउन) संवृद्धि
(c) संतुलित संवृद्धि
(d) साम्य संवृद्धि

Ans : (a) पश्चगामी एवं अग्रगामी संयोजन (लिंकेज) असंतुलित संवृद्धि रणनीति के लिए प्रासंगिक है। असंतुलित विकास सिद्धांत का प्रतिपादन हर्षमैन ने किया। हर्षमैन असंतुलन पैदा करने के लिए दो रास्तों की बात करते है-

(1) अर्थव्यवस्था को सामाजिक उपरिव्यय पूंजी (SOC) या अधो संरचना के विकास द्वारा असंतुलित करना।

(2) प्रत्यक्ष उत्पादक क्रियाओं (DPA) के द्वारा विकास।

इस प्रकार असंतुलन पैदा करने या पिछड़ी अर्थव्यवस्था को विकसित करने के दो रास्ते हुए- पहला क्षमता- आधिक्य के द्वारा विकास तथा दूसरा रास्ता जिसमें DPA विनियोजन SOC विनियोजन से पहले हो। किसी भी विनियोग से दो प्रकार के शृंखला प्रभाव हो सकते है-

(1) अग्रगामी शृंखला प्रभाव-इसमें उत्पादन के आगे आने वाले चरणों में विनियोग प्रोत्साहित होता है।

(2) पश्चगामी शृंखला प्रभाव-इसमें उत्पादन के पिछले चरणों में विनियोग प्रोत्साहित होता है।

16. 'श्रम की आरक्षित सेना' का उपयोग निम्नांकित में से किस अर्थशास्त्री द्वारा किया गया है?

(a) जे. शुम्पीटर (b) जे.आर. हिक्स
(c) कार्ल मार्क्स (d) टी.आर. माल्थस

Ans : (c) 'श्रम की आरक्षित सेना' का उपयोग कार्ल मार्क्स द्वारा किया गया है। मार्क्स के अनुसार किसी वस्तु के मूल्य में तीन अवयव शामिल होते है-

(1) स्थिर पूंजी।
(2) परिवर्तनशील पूंजी।
(3) अतिरेक मूल्य।

परिवर्तनीय पूंजी एवं अतिरेक मूल्य के अनुपात को शोषण की दर कहते है।

$$\text{शोषण की दर} = \frac{S}{V}$$

शोषण की दर बढ़ने से लाभ की दर बढ़ने लगती है, जिससे पूंजी संचय एवं पूंजी निर्माण की दर दोनों बढ़ने लगती है। जिसके फलस्वरुप उत्पादन प्रणाली पूंजी प्रधान हो जाती है। लोगों में लाभ बढ़ाने की प्रतियोगिता शुरू हो जाती है। इसमें जो असफल होता है, वह सर्वहारा वर्ग में शामिल हो जाता है, जिससे बेरोजगारी बढ़ने लगती है, जिसे मार्क्स ने 'औद्योगिक रिजर्व सेना' कहा है।

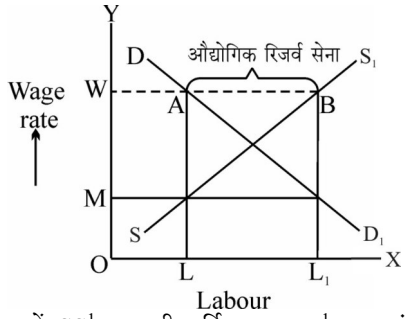

उपरोक्त चित्र में SS^1 श्रम की पूर्ति तथा DD^1 श्रम मांग वक्र है। OW मजदूरी स्तर पर AB औद्योगिक रिजर्व सेना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. निम्नांकित में से किस उत्पादन फलन में हैरोड-तटस्थ तथा हिक्स-तटस्थ दोनों तकनीकी प्रगति को स्वीकार किया गया है?

(a) कॉब-डगलस (b) सी.ई.एस.
(c) वी.ई.एस. (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) कॉब-डगलस उत्पादन फलन में हैरोड-तटस्थ तथा हिक्स तटस्थ दोनों तकनीकी प्रगति को स्वीकार किया गया है। काब-डगलस उत्पादन फलन में केवल दो उपादानों श्रम एवं पूंजी को सम्मिलित किया गया है।

$$Q = A. L^{\alpha}. K^{\beta}$$

जहां Q = Production
A = Constant
L = Labour
K = Capital
α, β = धनात्मक प्राचल

काब-डगलस उत्पादन फलन प्रथम कोटि का समरूप उत्पादन फलन है तथा पैमाने का स्थिर प्रतिफल व्यक्त करता है। इसमें प्रतिस्थापन की लोच एक के बराबर होती है।

18. निम्नांकित को सुमेलित करें:

सूची-I (योजना मॉडल)	**सूची-II (योजना प्रस्तावकर्ता)**
A. बॉम्बे प्लान	(i) श्रीमन नारायण
B. गांधीयन प्लान	(ii) एम. एन. राय
C. पीपुल्स प्लान	(iii) जय प्रकाश नारायण
D. सर्वोदय उपागम	(iv) बिरला एवं टाटा ग्रुप

निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर का चुनाव करें:

कूट:

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

Ans : (a) A. बॉम्बे प्लान (i) बिरला एवं टाटा ग्रुप
B. गांधीयन प्लान (ii) श्रीमन नारायण
C. पीपुल्स प्लान (iii) एम.एन. राय
D. सर्वोदय उपागम (iv) जय प्रकाश नारायण

19. निम्नांकित में से कौन 'विशेष श्रेणी का राज्य' घोषित किए जाने के लिए मानदंड नहीं है?

(a) अधिक जनसंख्या (b) खराब अवसंरचना
(c) पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्र (d) अव्यवहार्य राज्य वित्त

Ans : (a) 'विशेष श्रेणी का राज्य' घोषित किये जाने के लिए अधिक जनसंख्या मापदंड नहीं है, शेष अन्य विशेष श्रेणी का राज्य घोषित किये जाने के लिए मापदंड है।

20. किसी नियोजन परियोजना की संगतता एवं व्यवहार्यता की जाँच के लिए निम्नांकित में से किस मूल्य का उपयोग किया जाता है?

(a) बाजार मूल्य (b) छाया मूल्य
(c) प्रशासित मूल्य (d) नियंत्रित मूल्य

Ans : (b) किसी नियोजन परियोजना की संगतता एवं व्यवहार्यता की जांच के लिए छाया मूल्य का उपयोग किया जाता है। बाजार द्वारा निर्धारित मूल्य को उत्पादन क्रिया में नही रखा जाता है। यदि इनकों ध्यान में रखकर बाजार कीमत को समायोजित कर दे तो उसे छाया मूल्य कहते है टिनवर्जन छाया मूल्य के समर्थक अर्थशास्त्री थे।

21. निम्नांकित में किस पंचवर्षीय योजना में भारत में पहली बार व्यापक आगत-निर्गत मॉडल का उपयोग किया गया था?

(a) प्रथम योजना (b) द्वितीय योजना
(c) तृतीय योजना (d) सातवीं योजना

Ans : (c) तृतीय पंचवर्षीय योजना में भारत में पहली बार व्यापक आगत-निर्गत मॉडल का उपयोग किया गया था। तीसरी पचंवर्षीय योजना में उद्योगों के विस्तार कार्यक्रम को अत्यधिक महत्व दिया गया। इस उद्देश्य के लिए उन बड़े उद्योगों की स्थापना और विस्तार पर जोर दिया गया जो अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग दे सकते थे जैसे इस्पात, मशीन-निर्माण, उत्पादक वस्तुओं का उत्पादन करने वाले उद्योग इत्यादि।

22. निम्नांकित में से किस अर्थशास्त्री ने पुनर्निवेश कसौटी को विकसित किया?

(a) वॉल्टर गैलेन्सन एवं हार्वे लेबन्स्टिन
(b) ए.के. सेन
(c) मौरिस डॉब
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) वॉल्टर गैलेन्सन एवं हार्वे लेबन्स्टिन ने पुनर्निवेश कसौटी को विकसित किया।

23. निम्नांकित में किसने भारत में विकेंद्रीकृत योजना के लिए 'क्षेत्र उपागम' की वकालत की?

(a) डी.आर. गाडगिल (b) के.एन. राज
(c) राज कृष्ण (d) प्रणव मुखर्जी

Ans : (a) भारत में विकेंद्रीकृत योजना के लिए 'क्षेत्र उपागम' की वकालत डी. आर. गाडगिल ने की।

24. भुगतान संतुलन के पूँजी खाते में निम्नलिखित में किनको शामिल किया जाता है?

I. विदेशी ऋण
II. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
III. निजी प्रेषण

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) उपर्युक्त सभी (b) I और III
(c) II और III (d) I और II

Ans : (d)

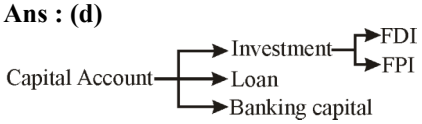

25. 'उकसाने वाले ऋण' (टीजर लोन) के बारे में निम्नांकित में से कौन सा विकल्प सही है?

(a) यह ब्याज की शुरुआती दर होती है।
(b) यह दर स्थायी प्रकृति की होती है।
(c) (a) और (b) दोनों सही हैं।
(d) (a) और (b) दोनों में से कोई भी सही नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) ब्याज की शुरूआती दर को 'उकसाने वाले ऋण' (टीज़र लोन) कहते है।

26. निम्नांकित में से किन उद्योगों में मुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के फलस्वरूप अल्पावधिक बेरोजगारी के सृजन की सर्वाधिक संभावना है?

(a) उद्योग जिनमें न तो आयात और न ही निर्यात होता है।
(b) आयात प्रतिस्पर्धी उद्योग।
(c) वे उद्योग जो घरेलू तथा विदेशी क्रेताओं को बिक्री करते है।
(d) वे उद्योग जो केवल विदेशी क्रेताओं को बिक्री करते हैं।

Ans : (b) आयात प्रतिस्पर्धी उद्योग में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के फलस्वरूप अल्पावधिक बेरोजगारी के सृजन की सर्वाधिक संभावना है।

27. निम्नांकित में किसे गैर-प्रशुल्क अवरोध के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा?

I. 'फाइटो सैनिटरी' उपाय
II. आयात एवं निर्यात लाइसेंसिंग
III. प्रतितुल्यकारी शुल्क
IV. पर्यावरणीय मानक

नीचे दिए गए कूट से उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) उपर्युक्त चारों (b) I और II
(c) I और IV (d) III और IV

Ans : (c) गैर-प्रशुल्क अवरोध के रूप में निम्नांकित को वर्गीकृत किया गया-
I. 'फाइटो सैनिटरी' उपाय।
II. पर्यावरणीय मानक।
शेष अन्य गैर-प्रशुल्क अवरोध के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जायेगा।

28. निम्नांकित में किसने व्यापार सिद्धांत के विश्लेषण में व्यापार तटस्थता वक्रों के उपयोग को विकसित किया?

(a) जे.ई. मीड
(b) ए. मार्शल
(c) ए.पी. लर्नर
(d) बी. ओहलिन

Ans : (a) जे. ई. मीड ने व्यापार सिद्धांत के विश्लेषण में व्यापार तटस्थता वक्रों के उपयोग को विकसित किया।
व्यापार तटस्थता वक्र (Trade Indifference curve) को किसी देश के उत्पादन संभावना वक्र और समुदाय उदासीनता वक्र से उस देश का प्रस्ताव वक्र व्युत्पन्न करने के लिए जेम्स मीड ने विकसित किया। यह वक्र घरेलू उत्पादन तथा उपभोग में होने वाले परिवर्तन तो दर्शाता ही है, साथ ही व्यापार की शर्तों और व्यापार के परिमाण में परिवर्तनों से वास्तविक आय में होने वाले परिवर्तन भी दिखाता है।

29. निम्नलिखित में से कौन एक बेसल III मानकों का मुख्य कार्यक्षेत्र नहीं है?

(a) जोखिम आच्छादन
(b) बैंक शाखा विस्तार
(c) पर्याप्त पूँजी प्रबंधन
(d) पर्याप्त तरलता

Ans : (b) वर्ष 2008 के वित्तीय संकट तथा उसके परिणाम-स्वरूप बैंको तथा वित्तीय संस्थाओं के लिए उत्पन्न होने वाले वित्तीय आघातों की पृष्ठभूमि में BCBS ने Nov, 2010 में Basel-III की रूपरेखा पारित की। BASEL-III की आधारभूत संरचना तीन पारस्परिक स्फूर्तिवान स्तंभों के पूर्ववत स्वरूप की है। इसके अतिरिक्त इसमें पूंजी संरक्षण बफर तथा प्रतिचक्रीय बफर सम्मिलित किये गये है। Basel-III का उद्देश्य निम्न है-
(1) किसी भी कारण से उत्पन्न होने वाले वित्तीय या आर्थिक दबावों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले आघातों का सामना करने के लिए बैंकिंग क्षेत्र की क्षमता में वृद्धि करना।
(2) जोखिम प्रबंधन तथा संचालन को सुधारना।
(3) बैंकों की पारदर्शिता तथा उद्घोषणा को सशक्त बनाना।
BCBS के द्वारा BASEL-III के अन्तर्गत निर्धारित CACR 10.5% है जबकि RBI ने 11.5% निर्धारित किया है।

30. निम्नांकित में से कौन विदेशी मुद्रा का सर्वाधिक उतार-चढ़ाव वाला प्रवाह है?

(a) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
(b) विदेशी वाणिज्यिक उधार
(c) विदेशी पोर्टफोलियो निवेश
(d) आई.एम.एफ तथा विश्व बैंक द्वारा विदेशी सहायता

Ans : (c) विदेशी पोर्टफोलियो निवेश विदेशी मुद्रा का सर्वाधिक उत्तार-चढ़ाव वाला प्रवाह है।

31. भारत में राज्य सरकारें अपने सकल वित्तीय घाटे का वित्तीयन करती हैं:

I. केन्द्र सरकार से ऋण लेकर
II. बाज़ार से ऋण लेकर
III. बाह्य स्रोतों से ऋण लेकर

सही उत्तर का चुनाव निम्नलिखित कूटों से करें:

कूट:

(a) I एवं II (b) II एवं III
(c) केवल II (d) केवल I

Ans : (c) भारत में राज्य सरकारे अपने सकल वित्तीय घाटे का वित्तीयन बाजार से ऋण लेकर करती है।

32. भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए उद्योगपतियों को आकृष्ट करने के उद्देश्य से 'मेक इन इंडिया' अभियान को किस तिथि को आरम्भ किया गया?

(a) 25 सितम्बर, 2014 (b) 20 मार्च, 2015
(c) 25 फरवरी, 2016 (d) 30 दिसम्बर, 2015

Ans : (a) भारत को वैश्विक विनिर्माण केन्द्र बनाने के लिए उद्योगपत्तियों को आकृष्ट करने के उद्देश्य से 'मेक इन इंडिया' अभियान को 25 सितम्बर, 2014 को आरंभ किया गया।

33. भारत में दूसरी हरित क्रांति की आवश्यकता किस कारण से है?

I. कृषि की उत्पादकता स्थिरता में है।
II. कृषि के विविधीकरण में अधिक प्रगति नहीं हुई है।
III. कृषि वस्तुओं के निर्यातों में कमी आई है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:
कूट:
(a) I और II (b) II और III
(c) I और III (d) केवल I

Ans : (a) भारत में दूसरी हरित क्रांति की आवश्यकता निम्नलिखित कारण से है-
(1) कृषि की उत्पादकता की स्थिरता के कारण।
(2) कृषि के विविधीकरण में अधिक प्रगति नहीं हुई है।
25 Jan, 2006 को M.S. Swaminathan ने कोयम्बटूर में हरित क्रांति के बाद अब सतत् हरित क्रांति Revolution का नाम दिया। जिससे भारत का खाद्यान्न उत्पादन वर्तमान उत्पादन की तुलना में दुगुना 450 मिलियन टन हो सके। IInd green revolution की बात सबसे पहले स्व. डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 93वें (2006) विज्ञान कांग्रेस में की। द्वितीय हरित क्रांति की संकल्पना को दो अर्थों में प्रयोग में लाया जा सकता है-
(1) पोषणीय या हरित कृषि के रूप में।
(2) कृषि वस्तुओं विशेष रूप से खाद्यान्न उत्पादन में तेज वृद्धि।

34. निम्नांकित में से कौन लघु बचत योजना में शामिल नहीं है?
(a) यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (b) राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र
(c) किसान विकास पत्र (d) सुकन्या समृद्धि खाता योजना

Ans : (a) यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (UTI) लघु बचत योजना में शामिल नहीं है। जबकि राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना इत्यादि लघु बचत योजना में शामिल है।

35. निम्नांकित में किस वर्ष से केन्द्र की सभी कर आय केंद्र तथा राज्यों के बीच विभाजनीय हो गयी है।
(a) 2000 ए.डी. (b) 2003 ए.डी.
(c) 2007 ए.डी. (d) 1998 ए.डी.

Ans : (a) 80वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2000 के अनुसार सभी केन्द्रीय करों तथा शुल्कों की निवल प्राप्तियों में राज्यों को हिस्सा मिलेगा। इस संशोधन ने संविधान की धारा 269 को बदल दिया।

36. निम्नलिखित में से कौन सी अवस्था सही जनांकिकीय परिवर्तन को प्रदर्शित करती है जिसका संबंध सामान्यतौर पर आर्थिक विकास से जुड़ा हुआ है?
I. उच्च मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर
II. निम्न मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर
III. निम्न मृत्यु दर के साथ निम्न जन्म दर
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:
कूट:
(a) I, II और III (b) II, I और III
(c) III, II और I (d) I, III और II

Ans : (a) (i) उच्च मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर।
(ii) निम्न मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर।
(iii) निम्न मृत्यु दर के साथ निम्न जन्म दर।
उपरोक्त सभी अवस्था सही जनांकिकीय परिवर्तन को प्रदर्शित करती है जिसका सम्बन्ध सामान्य तौर पर आर्थिक विकास से जुड़ा हुआ है।

37. यदि आय में वृद्धि के साथ कर के रूप में संग्रहीत आय का प्रतिशत स्थिर रहता है, तो कर क्या कहलाएगा?
(a) प्रतिगामी (b) प्रगामी
(c) आनुपातिक (d) तटस्थ

Ans : (c) यदि आय में वृद्धि के साथ कर के रूप में संग्रहीत आय का प्रतिशत स्थिर रहता है तो आनुपातिक कर कहलाएगा। आनुपातिक कर प्रणाली के अन्तर्गत आय के प्रत्येक स्तर पर समान दर से कर लगाया जाता है।

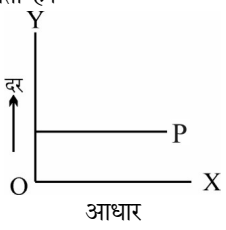

38. निम्नलिखित तरल परिसंपत्तियों पर विचार करें:
I. बैंकों में माँग जमा
II. बैंकों में सावधि जमा
III. बैंकों में बचत जमा
IV. मुद्रा
तरलता के आधार पर इसका सही आरोही क्रम क्या है?
कूट:
(a) IV, III, II, I (b) I, IV, III, II
(c) II, III, I, IV (d) IV, I, III, II

Ans : (c) तरलता के आधार पर तरल परिसम्पत्तियों का आरोही क्रम निम्नलिखित है-
II. बैंकों में सावधि जमा
III. बैंकों में बचत जमा
I. बैंकों में माँग जमा
IV. मुद्रा

39. बजट के प्राचलों जिसमें सार्वजनिक व्यय सम्मिलित है के स्थिर रहने पर कर के रोपण करने पर यदि आय के वितरण की संरचना में परिवर्तन होता है, तो ऐसे कर के करापात को कहा जाएगा:
(a) प्रभावी करापात (b) मौद्रिक करापात
(c) सापेक्ष करापात (d) विशिष्ट कर करापात

Ans : (d) बजट के प्राचलों जिसमें सार्वजनिक व्यय सम्मिलित है, के स्थिर रहने पर कर के रोपण करने पर यदि आय के वितरण की संरचना में परिवर्तन होता है, तो ऐसे कर के करापात को विशिष्ट कर करापात कहा जाएगा।

40. अभिकथन (A) : नीलामी के माध्यम से टी-बिलों की बिक्री की जाती है।
कारण (R) : इस तरीके से मूल्य जानने में सहायता मिलती है।
निम्न कूटों में से सही उत्तर का चयन करें:
कोड:
(a) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है।
(c) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(d) (A) और (R) दोनों असत्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) नीलामी के माध्यम से टी-बिलों की बिक्री की जाती है, क्योंकि इस तरीके से मूल्य जानने में सहायता मिलती है।

41. निम्नलिखित में से किस मामलें में निर्माता हेतु सामाजिक लागत वक्र निजी लागत वक्र से ऊपर रहता है?

(a) सकारात्मक बाह्यता (b) नकारात्मक बाह्यता
(c) सार्वजनिक संपत्ति (d) निकट-सार्वजनिक वस्तुएँ

Ans : (b) नकारात्मक बाह्यता में निर्माता हेतु सामाजिक लागत वक्र निजी लागत वक्र से ऊपर रहता है।

42. निम्नांकित में से कौन निष्पादन एवं कार्यक्रम बजटिंग। प्रणाली के मामले में सही है?

(a) इसमें केवल परिणाम पर जोर दिया जाता है।
(b) इसमें परिणाम पर अधिक तथा व्यय आबंटन पर कम जोर दिया जाता है।
(c) इसमें केवल व्यय आबंटन पर जोर दिया जाता है।
(d) इसमें व्यय आबंटन पर अधिक और परिणाम पर कम जोर दिया जाता है।

Ans : (b) निष्पादन एवं कार्यक्रम बजटिंग प्रणाली के अन्तर्गत परिणाम पर अधिक तथा व्यय आबंटन पर कम जोर दिया जाता है।

43. निम्नलिखित में से किसने कर के 'प्रभावी करापात' सिद्धांत को विकसित किया?

(a) उर्सला के. हिक्स (b) जे.आर. हिक्स
(c) एच. डाल्टन (d) ए.सी. पीगू

Ans : (a) कर के 'प्रभावी करापात' सिद्धांत को उर्सुला के. हिक्स ने विकसित किया।

44. किसी सार्वजनिक वस्तु के दक्ष मात्रा के निर्माण में चुनाव असफल होता है क्योंकि

(a) लोगों के मत में बदलाव हेतु 'लॉबिगं ग्रुप' घूस देते हैं।
(b) उपभोग से सार्वजनिक वस्तुओं का ह्रास नहीं होता है।
(c) सार्वजनिक वस्तुओं को उपभोग से नहीं रोका जा सकता।
(d) मतदान सार्वजनिक वस्तुओं के लाभ की महत्ता को सही ढंग से नहीं दर्शाता है।

Ans : (d) किसी सार्वजनिक वस्तु के दक्ष मात्रा के निर्माण में चुनाव असफल होता है क्योंकि मतदान सार्वजनिक वस्तुओं के लाभ की महत्ता को सही ढंग से नहीं दर्शाता है।

45. निम्नलिखित में से व्यय की कौन सी मद योजना व्यय का हिस्सा नहीं है?

(a) कृषि (b) सेना
(c) उद्योग (d) समाज सेवाएँ

Ans : (b) सेना व्यय की मद योजना व्यय का हिस्सा नहीं है। सेना पर किया गया व्यय गैर-राजस्व योजना व्यय के अन्तर्गत आता है।

46. उत्पादन की समय श्रृंखला निम्नलिखित उपनति समीकरण बनाती है :

$$Y = 136\, e^{0.021T}$$

जहाँ Y = उत्पादन, T = समय

इस समीकरण से Y की वृद्धिदर की प्रतिशत कितनी होगी?

(a) 0.021 (b) 2.1
(c) 21 (d) 0.21

Ans : (b) उत्पादन की समय श्रृंखला निम्नलिखित उपनति समीकरण बनाती है:-

$$Y = 136\, e^{0.021T}$$

जहाँ Y = उत्पादन,
T = समय तो
इस समीकरण में Y की वृद्धिदर की 2.1% होगी।

47. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रतिदर्शी बंटन नहीं है?

(a) स्टूडेन्ट t बंटन (b) फिशर का F बंटन
(c) प्वांसों बंटन (d) χ^2 (chi square) बंटन

Ans : (c) प्वांसों बंटन (Poisson distribution) एक प्रतिदर्शी बंटन नहीं है।

48. सहसंबंध का गुणांक निम्न में से किसमें स्वतंत्र होता है?

(a) केवल मूलबिंदु में बदलाव
(b) केवल अनुमाप में बदलाव
(c) मूलबिंदु और अनुमाप में बदलाव
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (c) सहसंबंध का गुणांक मूलबिन्दु और अनुमाप में बदलाव से स्वतंत्र होता है।

49. A और B दो घटनाओं की स्वतंत्रता हेतु निम्न में से कौन सा कथन संतुष्ट नहीं होता है?

(a) P (A/B) = P(A)
(b) P (B/A) = P(B)
(c) P (A, B) = P(A) P(B)
(d) P (A, B) = P(A) + P(B)

Ans : (d) A और B दो घटनाओं की स्वंत्रता हेतु निम्न कथन संतुष्ट नही होता है-

$$P(A, B) = P(A) + P(B)$$

50. सूची-I की मदों का सुमिलान सूची-II से करें और नीचे दिए गए कूट से उत्तर दें:

सूची-I	सूची-II
(a) मानक विचलन	(i) धनात्मक विषमता युक्त बंटन
(b) स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन	(ii) गुण विश्लेषण
(c) एसोसिएशन का गुणांक	(iii) अपकिरण माप
(d) माध्य > बहुलक	(iv) प्रायिकता आधारित प्रतिचयन

कूट:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans : (d)

(a) मानक विचलन (iii) अपकिरण माप
(b) स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन (iv) प्रायिकता आधारित प्रतिचयन
(c) एसोसिएशन का गुणांक (ii) गुण विश्लेषण
(d) माध्य बहुलक (i) धनात्मक विषमता युक्त बंटन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जुलाई-2016
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश: इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश तब प्राप्त होता है जब सरकार निम्न में किसे बढ़ावा देती है?

(a) अधिक सामाजिक सुरक्षा (b) अधिक गहन वृद्धि
(c) अधिक कौशल विकास (d) अधिक पूँजी बाजार

Ans. (c) : पूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश तब प्राप्त होता है जब सरकार अधिक कौशल विकास को बढ़ावा देती है।

2. सामान्य प्रजननता दर के लिए निम्न में से कौन सा सत्य है?

(a) यह प्रजननता का एक वास्तविक माप है।
(b) यह प्रजननता का एक संभाव्य माप है।
(c) यह स्त्री जनसंख्या की संरचना का एक वास्तविक माप है।
(d) यह परिकल्पित आयु विशिष्ट जन्म दर नमूने पर आधारित है।

Ans. (b) : सामान्य प्रजनन दर (GFR) किसी वर्ष विशेष में कुल सजीव जन्मे बच्चों तथा संतानोत्पादक आयु वर्ग की प्रति हजार स्त्रियों का अनुपात होता है जो यह दर्शाता है कि संतानोत्पादक आयु वर्ग की स्त्रियां सजीव बच्चों को जन्म देकर किस प्रकार जनसंख्या में वृद्धि करती है। Pro. Bogele के अनुसार-GFR का तात्पर्य किसी विशेष वर्ष में प्रजननशील आयु वर्ग की प्रति हजार स्त्रियों को उस विशेष वर्ष में जन्म लिये बच्चों की संख्या के अनुपात से होता है।''

$$GFR = \frac{B}{\sum_{w_1}^{w_2} .FP_x}$$

जहाँ FP_x = Mid-Year Population of women in reproduction agegroup
B = Birth rate
W_1 = 15 years
W_2 = 49 years

3. निम्नलिखित में किस वक्र का इस्तेमाल जनसंख्या विकास की दीर्घकालीन वृद्धि को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है?

(a) प्रसामान्य वक्र (b) लॉजिस्टिक वक्र
(c) घातांकीय वक्र (d) संचयी आवर्ती वक्र

Ans. (a) **:** लॉजिस्टिक वक्र का इस्तेमाल जनसंख्या विकास की दीर्घकालीन वृद्धि को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है।

4. भारत में उच्च जन्म दर हेतु जिम्मेदार सामाजिक आर्थिक कारकों में से हम किन्हें शामिल कर सकते हैं?

(i) अधिक गरीबी
(ii) गरीब अभिभावकों के बच्चों की उच्च मृत्यु दर
(iii) अल्प आयु विवाह की मौजूदगी
(iv) विषम लिंग अनुपात

(a) (i) और (ii) (b) (i), (ii) और (iv)
(c) (i), (iii) और (iv) (d) (i), (ii) और (iii)

Ans. (c) (ii) विषम लिंग अनुपात

5. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूट में से उत्तर दे :

सूची-I (गतिविधि)	सूची-II (तिथि)
A. विश्व पर्यावरण दिवस	(i) 11 जुलाई
B. विश्व वन्य जीव दिवस	(ii) 5 जून
C. विश्व जल दिवस	(iii) 3 मार्च
D. विश्व जनसंख्या दिवस	(iv) 22 मार्च

सही उत्तर नीचे लिखे कूट से दीजिये:

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (d) सही रूप में सुमेलित है–

(A) विश्व पर्यावरण दिवस	(ii) 5 जून
(B) विश्व वन्य जीव दिवस	(iii) 3 मार्च
(C) विश्व जल दिवस	(iv) 22 मार्च
(D) विश्व जनसंख्या दिवस	(i) 11 जुलाई

6. कोज प्रमेय यह सुझाता है कि निजी समझौते से बाजार असफलता उस समय कम हो जाती है जब

(i) केवल कुछ लोग इसमें शामिल होते हैं।
(ii) संपत्ति के अधिकार की सही पहचान हो जाती है।
(iii) समझौता लागत कम होती है।
(iv) लोगों के पास असममित सूचना होती है।

नीचे दिए गए कूटों में सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) (i), (ii) और (iii) को आवश्यक रूप से सत्य माना जाए।
(b) (i) और (iv) को आवश्यक रूप से सत्य माना जाए।
(c) (i), (ii) और (iv) को आवश्यक रूप से सत्य माना जाए।
(d) (iv) और (iii) को आवश्यक रूप से सत्य माना जाए।

Ans. (c) **(iv) लोगों के पास असममित सूचना होती है।**

7. संरचना उपकर किस पर एक प्रशुल्क/कर है?

(a) बिल्डर (b) रेल
(c) मोटरगाड़ियाँ (d) सार्वजनिक परिवहन

Ans. (d) सार्वजनिक परिवहन

8. SLR को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

(a) $SLR = \frac{ER + I - CB}{L}$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) $SLR = \frac{ER - IS + CAB}{L}$

(c) $SLR = \frac{ER + IS + CAB}{L}$

(d) $SLR = \frac{L + CB + ER}{IS}$

जहाँ ER = रिजर्व (आरक्षित) आधिक्य; IS = सरकारी और अन्य मान्यता प्राप्त प्रतिभूतियों में निवेश, CAB = चालू खाता शेष, L = कुल माँग और सावधि जमा, CB = चालू शेष, I = निवेश, SLR = वैधानिक तरलता अनुपात

Ans. (c) R.B.I संशोधन अधिनियम, 1962 के अनुसार व्यापारिक बैंको को अपने पाक्षिक NDTL का एक निश्चित अनुपात सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में अपने पास बनाये रखना होता है, जिसे सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) कहते है। R.B.I को यह अधिकार है कि वह SLR की अधिकतम सीमा 40% तक निर्धारित कर सकती है, लेकिन Nov, 2008 से इसकी कोई न्यूनतम निर्धारित सीमा नहीं है जो कि इससे पूर्व 25% थी।

SLR को इस प्रकार परिभाषित किया गया-

$$SLR = \frac{ER + IS + CAB}{L}$$

जहाँ, ER = रिजर्व (आरक्षित) आधिक्य।

IS = सरकारी और अन्य मान्यता प्राप्त प्रतिभूतियों में निवेश

CAB = चालू खाता शेष।

L = कुल मांग और सावधि जमा।

9. निम्न में से किस उपाय का परिणाम यह निकलता है कि अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोत्तरी होती है?

I. केन्द्रीय बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की लोगों से खरीदारी।

II. लोगों द्वारा वाणिज्यिक बैंको में मुद्रा को जमा करना।

III. सरकार द्वारा केन्द्रीय बैंक से उधार लेना।

IV. केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों को लोगों को बेचना।

कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) केवल I (b) II और IV

(c) I और III (d) II, III और IV

Ans. (c) (i) केन्द्रीय बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की लोगों से खरीदारी।

(ii) सरकार द्वारा केन्द्रीय बैंक से उधार लेना।

उपरोक्त उपाय द्वारा अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोतरी होती है।

10. वे बैंक जो स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) से संबंधित लघु वित्तीय कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रहे हैं, वे है

(a) केवल वाणिज्यिक बैंक और को-ऑपरेटिव बैक

(b) केवल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और वाणिज्यिक बैंक

(c) केवल को-ऑपरेटिव बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

(d) वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और को-ऑपरेटिव बैक

Ans. (d) वे बैंक जो स्वयं सहायता समूहों (S.H.G) से संबंधित लघु वित्तीय कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रहे है, वे वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और को-ऑपरेटिव बैंक है।

11. निम्न में से किसे आमतौर पर मुद्रा आपूर्ति का सकल मौद्रिक माप कहा जाता है?

(a) M_4 (b) M_1

(c) M_2 (d) M_3

Ans. (d) M_3 को मुद्रा आपूर्ति का सकल मौद्रिक माप कहा जाता है। अर्थात् M_3 को व्यापक मुद्रा कहते है

$M_3 = M_1$ + बैंकों के पास लोगों की समय जमाएं।

12 निम्न में से किसके माध्यम से व्यापारी मुद्रा उच्चावचन ह्रास के जोखिम को कम करते हैं?

(a) सट्टेबाजी (b) विवाचन

(c) हैजिंग (Hedging) (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) हैजिंग (Hedging) के माध्यम से व्यापारी मुद्रा उच्चावचन ह्रास के जोखिम को कम करते है। हैजिंग का तात्पर्य जोखिम को कम करने या नियंत्रित करने से है। दूसरे शब्दों में हम यह कह सकते है कि हैजिंग के द्वारा विदेशी विनिमय जोखिम की कवरिंग होती है।

13. भारत में वर्ष 2015 में उच्च मुद्रास्फीति दर के जिम्मेवार कारकों में से निम्न में से कौन सा/कौन से सत्य हैं?

(i) पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य में वृद्धि

(ii) खाद्य मूल्य में वृद्धि

(iii) घरेलू उपभोग की मांग में वृद्धि

(iv) वर्ष 2015-16 में भारतीय निर्यात में वृद्धि

नीचे दिए गए कूट में से उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) (i), (ii) और (iv) (b) (i), (ii) और (iii)

(c) (iii) और (iv) (d) (ii) और (iii)

Ans. (d) भारत में वर्ष 2015 में उच्च मुद्रास्फीति दर के जिम्मेवार कारक निम्नलिखित है-

(1) खाद्य मूल्य में वृद्धि।

(2) घरेलू उपभोग की मांग में वृद्धि।

14. भारत में निर्धारित वैधानिक तरलता अनुपात की अधिकतम और न्यूनतम सीमा प्रारंभ में क्या थी?

(a) 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत

(b) 40 प्रतिशत और 25 प्रतिशत

(c) 30 प्रतिशत और 25 प्रतिशत

(d) 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत

Ans. (b) भारत में निर्धारित वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) की प्रारंभ में अधिकतम सीमा 40% और न्यूनतम सीमा 25% थी। नवम्बर, 2008 से इसकी कोई न्यूनतम निर्धारित सीमा नहीं है।

15. निम्नलिखित, में से कौन उर्जित पटेल कमेटी की मौद्रिक नीति संबंधी सिफारिश सही है?

I. राजकोषीय घाटे को सीमित करना

II. स्फीति आधारक को 4 प्रतिशत पर रखना

III. मुद्रा एवं पूँजी बाजार में पर्याप्त तरलता की व्यवस्था

IV. भारतीय रूपयों के विनिमय मूल्य की अपरिवर्तित रखना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये:

कूट:

(a) I, II व III (b) II व IV
(c) III व IV (d) I, II व IV

Ans. (a) उर्जित पटेल कमेटी (Sep.2013–Jan. 2014) ने निम्नलिखित संस्तुतियां दी है-
(i) मौद्रिक नीति की संरचना के लिए मुद्रा स्फीति को निर्धारक स्तर के रूप में अपनाया जाना चाहिए। R.B.I द्वारा नये CPI Combined (R & U) को इस प्रमुख निर्धारक तत्व के रूप में मौद्रिक नीति के संचालन के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए तथा इसका लक्ष्य 6 ± 2% होना चाहिए।
(ii) कीमतों, मजदूरियों तथा ब्याज दरों का प्रशासनिक निर्धारक मौद्रिक नीति के कार्यान्वयन तथा प्रभावों एवं कीमत स्थिरता के उद्देश्य के मार्ग में बाधक है। इनके समापन के लिए सरकार से एक वचनबद्धता आवश्यक है।
(iii) FRBM संशोधन अधिनियम, 2012 पर विचार करते हुए केन्द्र सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि GDP के अनुपात में राजकोषीय घाटे का स्तर 2016-17 तक 3% तक किया जायेगा।
(iv) मौद्रिक नीति के निर्धारण संबंधी निर्णय लेने की प्रक्रिया एक पांच सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति के द्वारा होनी चाहिए। इस समिति की बैठके सामान्यतः 2 माह में एक बार होनी चाहिए। RBI द्वारा मुद्रास्फीति के अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट को लोगों के लिए सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

16. अभिकथन (A): मुद्रावादी, फिलिप्स वक्र विश्लेषण से असहमत थे।

कारण (R) : प्रतिशत बेरोजगारी दर के साथ प्रतिशत मुद्रा स्फीति दर का कोई अद्वितीय तदअनुरूप मान नहीं है।

नीचे दिए गए कूट से उत्तर दें:

कूट:

(a) (A) और (R) दोनों साथ हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों साथ हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नही।
(c) (A) सत्य है, और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, और (R) सत्य है।

Ans. (a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

17. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने मुद्रा हेतु लेन-देन की माँग को प्रभावित करने के लिए ब्याज दर का कारण माना है?

(a) पी. सैम्युअलसन (b) डब्ल्यू जे. बॉमल
(c) केन्स (d) आई. फिशर

Ans. (b) डब्ल्यू. जे. बॉमल ने मुद्रा हेतु लेन-देन की मांग को प्रभावित करने के लिए ब्याज दर को कारण माना है। प्रो. बॉमोल ने अपने स्टॉक सैद्धांतिक आधार पर मुद्रा की मांग का विश्लेषण किया है। बॉमोल का विचार है कि कोई फर्म या व्यक्ति सौदे के लिए मुद्रा का अनुकूलतम स्टॉक अपने पास रखता है और अपने नकद शेष को अधिक लाभप्रद प्रयोग में लगाता है, जैसे-बांड क्रय करने में। बॉण्डों पर जितनी अधिक ब्याज की दर होगी फर्मे उतनी ही कम नकद शेषों को रखेगी। बॉमोल का सिद्धांत वास्तविक शेषों के लिए लेन-देन मांग का विश्लेषण करता है और फलतः मुद्रा-भ्रांति के अभाव पर बल देता है।

18. भारत में बैंकों के बढ़ते हुए गैर-निष्पादनीय आस्तियों के बारे में निम्न कथनों पर ध्यान दें।

I. बढ़ते हुए गैर-निष्पादनीय आस्तियों विश्व अर्थव्यवस्था के शिथिल होने का परिणाम है।
II. भारत में निजी बैकों की, सार्वजनिक बैकों के मुकाबले, गैर-निष्पादनीय आस्तियाँ कम है।
III. बढ़ते हुए गैर-निष्पादनीय आस्ति भारत में सूखे की समस्या का परिणाम है।

इनमें से कौन से कथन सही हैं? नीचे लिखे कूट से उत्तर दें।

(a) केवल I (b) I व III
(c) I व II (d) I, II व III

Ans. (c) भारत में बैंकों के बढ़ते हुए गैर-निष्पादनीय आस्तियों के बारे में निम्न कथन सत्य है-
(1) बढ़ते हुए गैर-निष्पादनीय आस्तियां विश्व अर्थव्यवस्था के शिथिल होने का परिणाम है।
(2) भारत में निजी बैंको की, सार्वजनिक बैंकों के मुकाबले, गैर-निष्पादनीय आस्तियां कम है।

19. अन्य बातों के साथ-साथ दीपक पारेख समिति के गठन हेतु निम्न में से क्या उद्देश्य था?

(a) अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक दशा के अध्ययन हेतु।
(b) संरचना विकास को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले उपायों का सुझाव देने हेतु।
(c) अनुवांशिक रूप से संबंधित बीजों हेतु नीति बनाना।
(d) केन्द्रीय बजट में राजकोषीय घाटे को कम करने वाले उपायों को बताने हेतु।

Ans. (b) अन्य बातों के साथ-साथ, दीपक पारेख समिति के गठन का उद्देश्य संरचना विकास को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले उपायों का सुझाव देने हेतु था। (2007 में गठित की गयी थी)

20. निम्न कथनों पर विचार करें:

(i) किसी रुग्ण कम्पनी को परिभाषित करने के लिए पिछले चार वित्तीय वर्षों में एकत्रित घाटा उसकी 50 प्रतिशत औसत निवल आस्तियों के बराबर या उससे अधिक होता है।
(ii) सरकार ने 1987 में औद्योगिक और वित्तीय विनिर्माण बोर्ड की स्थापना की।

उपरोक्त में से कौन से/सा कथन सही है?

(a) केवल (I) (b) केवल (II)
(c) (I) और (II) (d) न तो (I) और न ही (II)

Ans. (c) (i) किसी रुग्ण कम्पनी को परिभाषित करने के लिए पिछले चार वित्तीय वर्षों में एकत्रित घाटा उसकी 50% औसत निवल आस्तियों के बराबर या उससे अधिक होता है।
(ii) सरकार ने 1987 में औद्योगिक और वित्तीय विनिमय बोर्ड की स्थापना की। उपरोक्त दोनों सही है।

21. निम्नलिखित करों पर विचार करें:

(i) निगम कर
(ii) आय कर
(iii) सेवा कर
(iv) संघ उत्पाद शुल्क

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित में कौन सा विकल्प सही ढंग से केन्द्र सरकार के सकल कर राजस्व में महत्ता के हिसाब से अवरोही क्रम में योगदान को वर्णित करता है?

(a) (i), (ii), (iv), (iii) (b) (ii), (i), (iii), (iv)
(c) (iii), (ii), (i), (iv) (d) (iv), (i), (ii), (iii)

Ans. (a) केन्द्र सरकार के सकल कर राजस्व में महत्ता के हिसाब से अवरोही क्रम में योगदान निम्नलिखित है-
(i) निगम कर।
(ii) आय कर।
(iv) संघ उत्पाद शुल्क।
(iii) सेवा कर।

22. वन आच्छादित क्षेत्र को किस वित्त आयोग ने भारत में संसाधनों का क्षैतिज आबंटन की एक कसौटी माना है?

(a) 10वीं वित्त आयोग (b) 12वीं वित्त आयोग
(c) 13वीं वित्त आयोग (d) 14वीं वित्त आयोग

Ans. (d) वन आच्छादित क्षेत्र को 14वें वित्त आयोग ने भारत में संसाधनों का क्षैतिज आबंटन की एक कसौटी माना है। और वन क्षेत्र को 7.5% भार प्रदान किया है। वन क्षेत्र के अलावा 14वें वित्त आयोग ने जनांकिकीय परिवर्तन को भी शामिल किया है और इसे 10% भार प्रदान किया है जबकि राजकोषीय अनुपालन कारक को निकाल दिया है।

23. निम्नलिखित पर विचार करें:

अभिकथन (A): पीकॉक-वाइसमैन के सिद्धांन्त के अनुसार लोक व्यय स्टेप बाई स्टेप बढ़ता है।

कारण (R): यह सिद्धांत विस्थापन प्रभाव और निरीक्षण प्रभाव पर आधारित है।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें:

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही है परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

Ans. (d) पीकॉक तथा वाइजमैन ने अपनी पुस्तक The Growth of Public Expenditure in the United Kingdom में युद्ध, आर्थिक मंदी जैसी संकटकालीन अवस्था की भूमिका पर विचार किया जो लोक व्यय में वृद्धि करने में सहायक होती है। सामान्य समय में लोक व्यय का आकार सीमित होगा क्योंकि आम लोग अधिक कर के भुगतान के लिए तैयार नहीं होंगे। अतः कर का स्तर नीचा ही होता है। लेकिन युद्ध जैसे किसी बड़े संकट में लोगों के कर के भार को सहन करने का स्तर ऊंचा हो जाता है अर्थात् लोग अधिक कर देने को तैयार हो जाते है। युद्ध समाप्त हो जाने पर कर पुराने स्तर पर वापस लौट नहीं पाते क्योंकि कुछ नये कर लगे ही रह जाते है। इससे सरकार की आय तथा व्यय में स्थायी वृद्धि हो जाती है। इसे 'विस्थापन प्रभाव' कहते है। इस प्रभाव के कारण लोक व्यय में स्थिर वृद्धि नहीं होती है बल्कि अनियमित रूप से छलांग लगाते हुए, जैसे मकान की सीढ़ी।

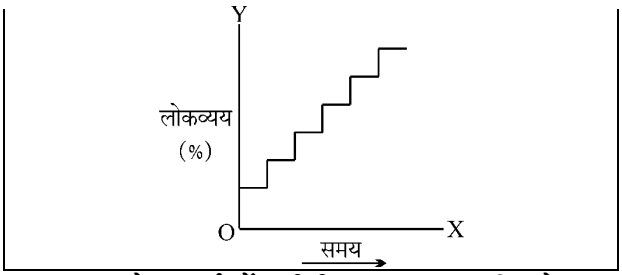

24. भारत के संदर्भ में गरीबी का अध्ययन किसके द्वारा किया गया?

(i) दान्डेकर और रथ
(ii) पी. के. बर्धन
(iii) बी. एस मिनहास
(iv) आई. जे. अहलुवालिना

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) (i), (ii), (iii) और (iv)

Ans. (c) भारत के संदर्भ में गरीबी का अध्ययन निम्नांकित द्वारा किया गया है-
(i) दान्डेकर और रथ।
(ii) पी. के. बर्धन।
(iii) बी. एस. मिन्हास।
UGC के Answer key अनुसार।

25. निम्न में से कौन अनुकूलतम करारोपण (ऑपटिमल टैक्सेशन) के सिद्धांत से संबंधित है?

(a) एच. डाल्टन (b) आर. ए. मसग्रेव
(c) यू. के. हिक्स (d) जी. मैनक्यू

Ans. (d) जी. मैनक्यू अनुकूलतम करारोपण (optimal taxation) के सिद्धांत से संबंधित है।

26. आर्थिक रूप से कुशल उत्पादन स्तर प्राप्त करने के लिए ऋणात्मक बाह्यता का सृजन करने वाली किसी फर्म पर लगाए जाने वाले उत्पाद कर का आकार होना चाहिए:

(a) फर्म की सीमांत लागत
(b) सामाजिक सीमांत लागत
(c) सामाजिक सीमांत लागत तथा फर्म की सीमांत लागत के बीच अंतर
(d) सामाजिक सीमांत लागत तथा फर्म की सीमांत लागत का योग

Ans. (c) आर्थिक रूप से कुशल उत्पादन स्तर प्राप्त करने के लिए ऋणात्मक बाह्यता का सृजन करने वाली किसी फर्म पर लगाये जाने वाले उत्पाद कर का आकार सामाजिक सीमांत लागत तथा फर्म की सीमांत लागत के बीच अंतर के बराबर होना चाहिए।

27. निम्नांकित में से कौन सोलो के संवृद्धि मॉडल द्वारा प्रदर्शित सम्मिलन (कन्वर्जेन्स) का कारण है

(a) स्थिर पूँजी-श्रम अनुपात
(b) पूँजी की घटती हुई सीमांत उत्पादकता
(c) तटस्थ तकनीकी प्रगति
(d) जनसंख्या वृद्धि की स्थिर दर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) सोलों के संवृद्धि मॉडल द्वारा प्रदर्शित सम्मिलन (कन्वर्जेन्स) का कारण पूंजी की घटती हुई सीमांत उत्पादकता है। सोलों द्वारा प्रस्तुत आर्थिक संवृद्धि मॉडल हैरड-डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया में पूर्ति पक्ष के तत्वों पर अधिक बल देने के कारण इसे आर्थिक संवृद्धि का नव प्रतिष्ठित सिद्धांत कहा जाता है।

सोलों का मौलिक समीकरण- $\frac{dr}{dt} = s.\phi(r) - nr$ मौलिक समीकरण

जहाँ, $\frac{dr}{dt}$ = समय के सापेक्ष पूंजी-श्रम अनुपात में परिवर्तन दर है।

nr = श्रम शक्ति में वृद्धि दर।

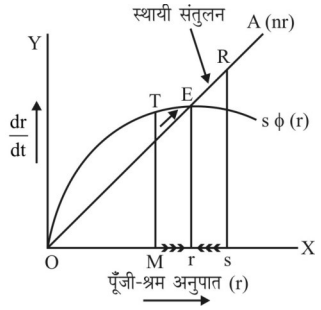

रेखाचित्र में E बिन्दु पर अर्थव्यवस्था संतुलन में है अगर इसमें विचलन होता है तो पूंजी-श्रम अनुपात (K/L) पुनः इसको संतुलन में ला देगी। अतः E बिन्दु पर स्थायी संतुलन होगी।

28. निम्नांकित में से कौन अर्थशास्त्री अधिशेष श्रम की समस्या से संबंधित नहीं था?

(a) डब्ल्यू. ए. लेविस (b) गुस्टाव रेनिस एंड फे
(c) आर. नक्से (d) जे. एस. मिल

Ans. (d) जे. एस. मिल अधिशेष श्रम की समस्या से संबंधित नहीं है, जबकि डब्ल्यू. ए. लेविस, फाई-रेनिस एवं आर. नर्क्से अधिशेष श्रम की समस्या से संबंधित है।

29. निम्नांकित सूची को सुमेलित करें:

सूची-I	सूची-II
A. समग्र माँग	(i) – a + by
B. उपभोग फलन	(ii) C + I
C. समग्र पूर्ति	(iii) a + by
D. बचत फलन	(iv) C + S

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (d) (A) समग्र मांग (ii) C + I
(B) उपभोग फलन (iii) a + by
(C) समग्र पूर्ति (iv) C + S
(D) बचत फलन (i) –a + by

30. निम्नांकित में से कौन ''कैपिटल इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी'' पुस्तक के लेखक है?

(a) थॉमस पिकेटी (b) जोसेफ स्टिगलिज
(c) ए. के. सेन (d) जगदीश भगवती

Ans. (a) ''कैपिटल इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी'' (Capital in the Twenty first Century) पुस्तक के लेखक थॉमस पिकेटी है।

31. सूची-I की सूची-II के साथ सुमेलित करें:

सूची-I (आर्थिक विचार)	सूची-II (अर्थशास्त्री)
A. जीवन चक्र प्राकल्पना	(i) कार्ल मार्क्स
B. टैबलू एकोनोमिक	(ii) अल्फ्रेड मार्शल
C. नकदी शेष उपागम	(iii) फैंकोई कुने
D. पूँजी की जैविक संरचनो	(iv) एफण मोदीग्लियानी

नीचे लिखे कूट से उत्तर दें:

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

Ans. (b) (a) जीवन चक्र प्राकल्पना (iv) एफ. मोदीग्लियानी।
(b) टैबलू एकोनोमिक (iii) फैंकोई कुने।
(c) नकदी शेष उपागम (ii) अल्फ्रेड मार्शल।
(d) पूंजी की जैविक संरचना (i) कार्ल मार्क्स।

32. हिक्स व्यापार चक्र सिद्धान्त की व्याख्या करने के लिए दिए गए मानक आरेख में यदि एम.पी.सी. तथा त्वरक का वास्तविक मूल्य क्षेत्र C में पड़ता है, तो निम्नांकित में कौन सा सही होगा?

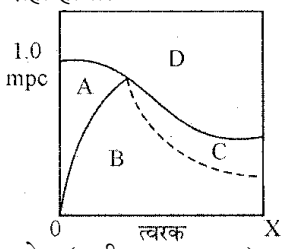

(a) घट-बढ़ होगा (चक्रीय उतार-चढ़ाव)
(b) स्फोटी उर्ध्वगामी संचलन होगा।
(c) सतत वृद्धि होगी।
(d) (2) और (3) दोनों संभव हैं।

Ans. (a) हिक्स व्यापार चक्र सिद्धांत की व्याख्या करने के लिए दिए गये मानक आरेख में यदि MPC तथा त्वरक का वास्तविक मूल्य क्षेत्र C में पड़ता है, तो घट-बढ़ (चक्रीय उतार-चढ़ाव) होगा।

33. संवृद्धि के हैरोड मॉडल में निम्नांकित में से कौन उत्पादन फलन मॉडल की मान्यताओं के सर्वाधिक अनुरूप है?

(a) लियोनटिफ उत्पादन फलन
(b) समांगी उत्पादन फलन
(c) सी. ई. एस. उत्पादन फलन
(d) सुआचरणित उत्पादन फलन

Ans. (a) संवृद्धि के हैरोड मॉडल में उत्पादन फलन मॉडल की मान्यताओं के सर्वाधिक अनुरूप लियोनटिफ उत्पादन फलन है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. निम्नांकित कॉब-डगलस उत्पादन फलन में $Q = A L^{\alpha} K^{B}$, यदि $\alpha + \beta > 1$, तो श्रम का हिस्सा होगा:

(a) α (b) $\frac{\beta}{\alpha+\beta}$

(c) $\frac{\alpha}{\alpha+\beta}$ (d) $\frac{\alpha.\beta}{\alpha+\beta}$

Ans. (c) कॉब-डगलस उत्पादन फलन में $Q = AL^{\alpha}K^{\beta}$ हो तो यदि $\alpha + \beta > 1$, तो श्रम का हिस्सा $\frac{\alpha}{\alpha+\beta}$ होगा।

कॉब-डगलस उत्पादन फलन द्वारा स्केलगत तीनों प्रतिफलों का अध्ययन किया जा सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि $\alpha + \beta$ का मूल्य क्या है। यदि $\alpha + \beta > 1$ तब पैमाने के वृद्धिमान प्रतिफल की स्थिति होगी तथा यदि $\alpha + \beta = 1$ तब पैमाने के स्थिर प्रतिफल होगा।

डॉब-डगलस उत्पादन फलन की विशेषताएं-

(1) कॉब-डगलस फलन में यदि आगतों को λ गुना बढ़ा दिया जाए तब उत्पादन भी λ गुना बढ़ जाता है।

(2) यह प्रथम कोटि का समरुप उत्पादन फलन है।

(3) इसमें प्रतिस्थापन की लोच इकाई के बराबर होती है।

(4) कॉब-डगलस उत्पादन फलन में श्रम अथवा पूंजी या दोनों की मात्रा शून्य होने की दशा में उत्पादन भी शून्य होगा।

(5) रेखीय समरूप उत्पादन फलन ($Q = A L^{\alpha} K^{B}$) में α तथा β कुल उत्पादन में क्रमशः पूंजी तथा श्रम के अंश को व्यक्त करते है।

(6) α तथा β क्रमशः पूंजी तथा श्रम के सापेक्ष उत्पादन की लोचों को व्यक्त करते है।

(7) कॉब-डगलस उत्पादन फलन के समोत्पाद वक्र ऋणात्मक ढाल वाले तथा मूल बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होते है।

(8) कॉब-डगलस उत्पादन फलन का विस्तार पथ रेखीय समरूप होता है तथा मूल बिन्दु से होकर जाता है।

35. नवीन केन्सवादी अर्थशास्त्र आर्थिक एजेंटों द्वारा नीति परिवर्तन की पूर्ण अनुकूलनता के संबंध में निम्नांकित में किस विचारधारा को चुनौती देता है?

(a) नवीन क्लोसिकीय अर्थशास्त्र
(b) नव केन्सवादी
(c) मुद्रावादी
(d) उपर्युक्त (1) और (2) दोनों

Ans. (a) नवीन केन्सवादी अर्थशास्त्र आर्थिक एजेंटों द्वारा नीति परिवर्तन की पूर्ण अनुकूलता के संबंध में नवीन क्लासिकीय अर्थशास्त्र विचारधारा को चुनौती देता है।

36. निम्नांकित में से किसने योजना के 'मजदूरी-वस्तु मॉडल' का प्रतिपादन किया?

(a) ए. के. सेन
(b) पी. सी. महालनोबिस
(c) आर. नर्क्से
(d) सी. एन. वकील एवं पी. आर. ब्रह्मानंद

Ans. (d) सी. एन. वकील एवं पी. आर. ब्रह्मानंद ने योजना के 'मजदूरी वस्तु मॉडल' का प्रतिपादन किया। उपभोग वस्तु गुणक के आधार पर पूंजी-निर्माण के स्त्रोत के रूप में प्रच्छन्न बेरोजगारी के संबंध में अत्यंत ही आशावादी दृष्टिकोण सामने रखा। इन अर्थशास्त्रियों का यह मत है कि स्थानान्तरण की प्रारंभिक अवस्था में यदि सरकार किसी तरह से उपभोग-वस्तुओं की व्यवस्था कर दे तो ऐसी स्थिति में उपभोग गुणक के क्रियाशीलन के कारण इन देशों में व्याप्त गरीबी का कुचक्र टूट जायेगा और आर्थिक विकास त्वरित गति से होने लगेगा। किसी भी श्रमिक को पूंजी-परियोजनाओं पर प्रयुक्त तभी किया जा सकता है जब इन पूंजी-परियोजनाओं पर उपभोग वस्तुओं की व्यवस्था की जा सके। पर इन योजनाओं पर उपभोग वस्तुओं का अभाव रहता है। ये अर्थशास्त्री यह मत रखते है कि जब कभी भी उपभोग वस्तुओं के अतिरेक में वृद्धि हो तो, अन्य बातों के स्थिर रहने पर अर्थव्यवस्था के लिए यह संभव है कि वह विनियोग तथा रोजगार को उस वृद्धि की अपेक्षा अधिक बढ़ा ले जो उस अतिरेक के बराबर रोजगार में होती है। कहने का अभिप्राय यह है कि उपभोग वस्तुओं के अतिरेक में हुई वृद्धि की अपेक्षा अधिक वृद्धि रोजगार तथा विनियोग में होगी और यही उपभोग वस्तुओं की वृद्धि तथा विनियोग एवं रोजगार के वृद्धि के बीच का सम्बन्ध ही उपभोग गुणक है।

37. ए. के. मॉडल की एक महत्वपूर्ण विशेषता है

(a) पूँजी के संबंध में ह्रासमान प्रतिफल की अनुपस्थिति
(b) स्वतः निवेश की बड़ी मात्रा
(c) नियंत्रित आर्थिक प्रणाली
(d) अपेक्षाकृत गरीब अर्थव्यवस्थाओं की विकसित अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति में आने की उच्च संभावना

Ans. (a) ए. के. मॉडल की एक महत्वपूर्ण विशेषता पूंजी के संबंध में ह्रासमान प्रतिफल की अनुपस्थिति है।

38. संवृद्धि के पैसिनेटि मॉडल में किन चरों की अंतःक्रिया महत्वपूर्ण है?

(a) लाभ दर, आर्थिक संवृद्धि, बचत
(b) लाभ दर, आय का वितरण और आर्थिक संवृद्धि
(c) लाभ दर, स्वतः निवेश तथा आर्थिक संवृद्धि
(d) बचत, निवेश और प्रौद्योगिकी

Ans. (b) संवृद्धि के पैसिनैटि (Pasinetti) मॉडल में लाभ दर, आय का वितरण और आर्थिक संवृद्धि की अंतःक्रिया महत्त्वपूर्ण है।

39. लाभ दर के कार्ल मार्क्स के सिद्धांत के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार करें:

I. लाभ दर पूँजी की जैविक संरचना के मूल्य पर प्रत्यक्ष, निर्भर करती है।

II. लाभ दर शोषण की दर के मूल्य पर प्रत्यक्षतः निर्भर करती है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं? नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें।

कूट:

(a) I और II दोनों सही है।
(b) I और II में से कोई भी सही नहीं है।
(c) केवल I सही है।
(d) केवल II सही है।

Ans. (d) मार्क्स अपने सिद्धांत में अतिरेक मूल्य को अत्यंत महत्व प्रदान किये है। यह परिवर्तनीय पूंजी पर निर्भर करता है। परिवर्तनीय पूंजी एवं अतिरेक मूल्य के अनुपात को शोषण की दर कहते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

शोषण की दर = $\frac{S}{V}$

लाभ की दर एवं पूंजी संचय की दर दोनों शोषण की दर पर निर्भर करता है। शोषण की दर बढ़ने से लाभ की दर बढ़ने लगती है, जिससे पूंजी संचय एवं पूंजी निर्माण की दर दोनों बढ़ने लगती है।

40. निम्नांकित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

	अर्थशास्त्री	**विषय**
(a)	एडम स्मिथ	बाजार का आकार
(b)	जे. बी. से	पूर्ति और माँग में संतुलन
(c)	टी. आर. माल्थस	अति उत्पादन की स्थिति
(d)	डी. रिकार्डो	कृषि का आधुनिकीकरण

Ans. (d) एडम स्मिथ- बाजार का आकार, जे. बी. से पूर्ति और मांग में संतुलन एवं टी. आर. माल्थस अति उत्पादन की स्थिति इत्यादि तीनों सही सुमेलित है। जबकि चौथा सही सुमेलित नहीं है।

41. त्रिभुज (ट्राइंगल) मॉडल के संबंध में निम्नांकित में से कौन से कथन सही हैं?

I. यह नवीन केंसवादी अर्थशास्त्रियों द्वारा विकसित मॉडल है।

II. इस विश्लेषण में 'अन्तः निहित मुद्रास्फीति' को शामिल किया जाता है।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही है? नीचे दिए गए कूट से उत्तर दें:

कूट:

(a) I और II (b) कोई नहीं
(c) केवल I (d) केवल II

Ans. (a) त्रिभुज (ट्राइंगल) मॉडल के संबंध में निम्न दोनों कथन सत्य है-
(1) यह नवीन केंसवादी अर्थशास्त्रियों द्वारा विकसित मॉडल है।
(2) इस विश्लेषण में 'अन्तः निहित मुद्रास्फीति' को शामिल किया जाता है।

42. एशियाई विकास बैंक के संदर्भ में निम्नांकित कथनों पर विचार करें।

I. मतदान प्रणाली के लिए अमेरीका के पास अधिकतम हिस्सा है।

II. मतदान प्रणाली के लिए चीन और भारत के पास शेयरों का प्रतिशत समान है।

उपर्युक्त कथनों में कौन सही है?

कूट:

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) I और II में से कोई भी नहीं

Ans. (d) एशियाई विकास बैंक की स्थापना (ADB) 19 Dec. 1966 को मनीला में हुई। एशियाई विकास बैंक की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विकास बैंक द्वारा दिए जा रहे कार्य की एशियाई देशों में आपूर्ति करना है। मतदान प्रणाली में सबसे अधिक हिस्सा जापान का है, क्योंकि 50% से अधिक अंशदान जापान का है। तथा मतदान प्रणाली के लिए चीन और भारत के पास शेयरों का प्रतिशत समान नहीं है।

43. निम्नांकित में से कौन विदेशी प्रत्यक्ष निवेश होगा?

(a) लक्ष्यांकित देश में किसी कंपनी को खरीदना
(b) उस देश में विद्यमान व्यवसाय के कार्यो का विस्तार
(c) पूँजी बाजार में कंपनियों के शेयरों तथा स्टॉकों में निवेश करना
(d) (a) और (b) दोनों

Ans. (d) (a) लक्ष्यांकित देश में किसी कंपनी को खरीदना।
(b) उस देश में विद्यमान व्यवसाय के कार्यो का विस्तार।
उपरोक्त दोनों विदेशी प्रत्यक्ष निवेश होगा।

44. विकासशील देशों में अंतर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण द्वारा नीचे दिए गए किन क्षेत्रों में मुख्यतया निधिपोषण किया जाता है?

I. अवसंरचना
II. शिक्षा
III. पर्यावरण अनुकूल परियोजनाएँ
IV. स्वास्थ्य पश्चिर्या

नीचे दिए गए कूटों का उपयोग कर सही उत्तर का चयन करें:

(a) I, II और IV (b) I, II और III
(c) I, III और IV (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (a) विकासशील देशों में अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण (IDA) द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में मुख्यतया निधिपोषण किया जाता है-
(1) अवसंरचना (Infrastructure)
(2) शिक्षा (Education)
(3) स्वास्थ्य परिचर्या (Health Care)

45. जब दो अथवा अधिक देश अपने मध्य व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आयात अभ्यांश (कोटा) तथा प्रशुल्क समाप्त करने के लिए समझौता करते हैं, तो इस प्रकार के देशों के समूह के गठन को कहा जाता है

(a) मुक्त व्यापार क्षेत्र (b) सीमाशुल्क संघ
(c) साझा बाजार (d) (2) और (3) दोनों

Ans. (a) जब दो अथवा अधिक देश अपने मध्य व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आयात अभ्यांश (कोटा) तथा प्रशुल्क समाप्त करने के लिए समझौता करते हैं तो इस प्रकार के देशों के समूह के गठन को मुक्त व्यापार क्षेत्र कहा जाता है।

46. निम्नांकित में से कौन किसी देश की मुद्रा के वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के बारे में सही है?

(a) यह लेनदेन वाली मुद्राओं के मूल्य का भारित औसत है।
(b) यह कीमतों की मुद्रास्फीति दर के लिए समायोजित होता है।
(c) यह कीमतों की मुद्रास्फीति के लिए समायोजित नहीं होता है।
(d) (a) और (b) दोनों सही है।

Ans. (d) किसी देश की मुद्रा के वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के बारे में निम्न कथन सत्य है-
(a) यह लेन-देन वाली मुद्राओं के मूल्य का भारित औसत है।
(b) यह कीमतों की मुद्रास्फीति दर के लिए समायोजित होता है।

47. वर्ष 2015 के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट के दौरान निम्नांकित में से कौन ओपेक देशों द्वारा मूल्य निर्धारण रणनीति की सर्वोत्तम व्याख्या करता है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) अंतरण मूल्य निर्धारण
(b) आक्रामक (प्रिडेटरी) मूल्य निर्धारण
(c) रक्षात्मक मूल्य निर्धारण
(d) लाभ अधिकतम करने वाला मूल्य

Ans. (c) वर्ष 2015 के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट के दौरान रक्षात्मक मूल्य निर्धारण ओपेक (OPEC) देशों द्वारा मूल्य निर्धारण की सर्वोत्तम व्याख्या करता है।

48. व्यापार की व्याख्या के लिए गुरुत्वाकर्षण मॉडल के संबंध में निम्नांकित में से कौन से कथन सही है?

I. इसका उपयोग द्विपक्षीय संदर्भ में किया जाता है?
II. इसे जॉन टिंबरजन द्वारा 1962 में विकसित किया गया था।
III. यह व्यापार करने वाले देशों के बीच दूरी को शामिल करता है।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) II और III सही है। (b) केवल I और III सही है।
(c) केवल II सही है। (d) उपर्युक्त सभी कथन सही है।

Ans. (d) व्यापार की व्याख्या के लिए गुरुत्वाकर्षण मॉडल के सम्बन्ध में निम्न कथन सत्य है-
(1) इसका उपयोग द्विपक्षीय संदर्भ में किया जाता है।
(2) इसे जॉन टिनबर्जन (Jan Tinbergen) द्वारा 1962 में विकसित किया गया था।
(3) यह व्यापार करने वाले देशों के बीच दूरी को शामिल करता है।

49. यदि व्यापार करने वाले देशों के प्रस्ताव वक्र स्थिर ढाल वाले हैं, तो उनके बीच व्यापार की शर्तें होंगी।

(a) स्थिर (b) घटती हुई
(c) बढ़ती हुई (d) अनिश्चित

Ans. (d) यदि व्यापार करने वाले देशों के प्रस्ताव वक्र स्थिर ढाल वाले है, तो उनके बीच व्यापार की शर्तें अनिश्चित होंगी। किसी देश का प्रस्ताव वक्र उस सापेक्ष वस्तु कीमत को निर्धारित करता है जिस पर व्यापार होता है। यह उस देश की निर्यात-योग्य वस्तु की उन विविध मात्राओं को प्रदर्शित करता है जिन्हें वह देश विविध अन्तर्राष्ट्रीय कीमतें जिस बिन्दु पर दोनों प्रस्ताव वक्र एक-दूसरे को काटेंगे, वह बिन्दु अन्तराष्ट्रीय कीमतों पर दोनों देशों द्वारा प्रत्येक वस्तु के प्रस्तावित निर्यातों तथा आयातों की मात्राओं को निर्धारित करेगा। जैसा कि रेखा चित्र से स्पष्ट है-

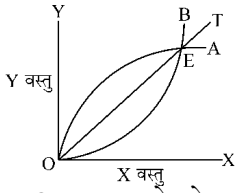

प्रस्ताव वक्र OA तथा OB एक दूसरे को E बिन्दु पर काटते है, जोकि अन्तराष्ट्रीय कीमतों पर व्यापार संतुलन निर्धारित करता हैं

50. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सा विकल्प विदेशी मुद्रा भंडार की संरचना की सही व्याख्या करता है?

(a) विदेशी मुद्रा + विश्व बैंक से ऋण + एस डी आर + भारतीय रिजर्व बैंक की स्वर्ण धारिता
(b) विदेशी मुदा आस्तियाँ + भारतीय रिजर्व बैंक की स्वर्ण धारिता + विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
(c) एस डी आर + भारतीय रिजर्व बैंक को स्वर्ण धारिता + विदेशी मुद्रा आस्तियाँ
(d) अनिवासी भारतीयों द्वारा प्रेषण + किसी वर्ष में निर्यात अर्जन + अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण

Ans. (c) भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में निम्न विकल्प विदेशी मुद्रा भण्डार की संरचना की सही व्याख्या करता है–
एस डी आर+भारतीय रिजर्व बैंक को स्वर्ण धारिता+विदेशी मुद्रा आस्तियाँ

51. निम्नांकित में कौन किसी व्यक्ति के माँग आधिक्य फलन के लिए सही है?

(a) सभी कीमतों में शून्य कोटि समांग
(b) ये वालरा के नियम का अनुपालन करते हैं।
(c) (1) और (2) दोनों सही हैं।
(d) (1) और (2) में कोई भी सही नहीं है।

Ans. (c) किसी व्यक्ति के मांग आधिक्य फलन के लिए निम्न कथन सही है–
(1) सभी कीमतों में शून्य कोटी समांग।
(2) ये वालरा के नियम का अनुपालन करते है।

52. निम्नांकित में से कौन एकाधिकार की मात्रा की माप करता है? नीचे दिए गए संकेताक्षरों के अर्थ सामान्य है।

(a) $\frac{AR - MR}{AR}$ (b) $\frac{AR}{AR - MR}$
(c) $\frac{MR}{AR - MR}$ (d) $\frac{AR - MR}{MR}$

Ans. (a) नीचे लिखे वाक्यों में एकाधिकार की मात्रा की माप निम्नलिखित करता है-

$$\frac{AR - MR}{AR}$$

53. कोई फर्म इष्टतम आकार की होगी जबकि

(a) सीमांत लागत न्यूनतम है।
(b) औसत लागत न्यूनतम है।
(c) सीमांत लागत सीमांत राजस्व के बराबर है।
(d) फर्म द्वारा अपने उत्पादन को अधिकतम किया जाता है।

Ans. (b) कोई फर्म इष्टतम आकार की तब होगी जबकि औसत लागत न्यूनतम हो।

54. ब्याज का समय अधिमान सिद्धान्त किसके द्वारा विकसित किया गया?

(a) विक्सेल (b) बॉम बॉवर्क
(c) इरविंग फिशर (d) जे. एम. केन्स

Ans. (c) ब्याज का समय अधिमान सिद्धांत इरविंग फिशर द्वारा विकसित किया गया। फिशर का समय अधिमान सिंद्धान्त बावर्क के एजियो-सिद्धांत का ही एक संशोधित रुप है। समय अधिमान से तात्पर्य यह है कि मनुष्य वर्तमान को भविष्य की अपेक्षा अधिक पसंद करता है। जितनी समय-पसन्दगी की तीव्रता अधिक होगी ब्याजदर उतनी ही ऊँची होगी पर यदि वर्तमान संतुष्टि के सम्बन्ध के समय पसंदगी कम है तो ब्याज की दर कम होगी। इस प्रकार ब्याज दर उस मूल्य के बराबर होगी जो लोग भविष्य की तुलना में वर्तमान

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

आय को प्राप्त करने के लिए देने को इच्छुक है। फिशर के अनुसार समय-पसंदगी निम्नलिखित चार तथ्यों पर निर्भर करती है।
(1) आय का आकार।
(2) समयोपरी आय का वितरण।
(3) भविष्य में आय मिलने की निश्चितता।
(4) व्यक्ति का स्वभाव।

55. सामान्य संतुलन के ऐरो-डेब्रू मॉडल के बारे में निम्नांकित में कौन से कथन सही हैं?
(a) वस्तुओं की पहचान वहाँ की जाती है जहाँ दिया जाना है।
(b) वस्तुओं की पहचान उस समय की जाती है जब उन्हें दिया जाना होता है।
(c) (1) और (2) दोनों
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) सामान्य संतुलन के ऐरो-डेब्रू मॉडल यह बताता है कि वस्तुओं की पहचान वहां की जाती है जहां उन्हें दिया जाता है।

56. यदि किसी वस्तु पर बिक्री कर में वृद्धि की जाती है, किंतु इसकी बिक्री से प्राप्त होने वाले राजस्व में तेजी से कमी आती है, तो इस वस्तु की प्रकृति के बारे में निम्नांकित में से कौन सा कथन सही है?
(a) इसके लिए माँग की मूल्य लोच इकाई के बराबर होती है।
(b) यह एक आवश्यक वस्तु होगी।
(c) इसके लिए माँग की मूल्य लोच उच्च है।
(d) इसके लिए माँग की मूल्य लोच निम्न है।

Ans. (c) यदि किसी वस्तु पर बिक्री कर में वृद्धि की जाती है, किन्तु इसकी बिक्री से प्राप्त होने वाले राजस्व में तेजी से कमी आती है तो इसके लिए मांग की मूल्य लोच उच्च है।

57. उपर्युक्त आरेख में दो व्यक्तियों का जोखिम विमुख व्यवहार को अनधिमान वक्र की सहायता से दिखाया गया है। तब आरेखों का अध्ययन कर सही उत्तर लिखें:

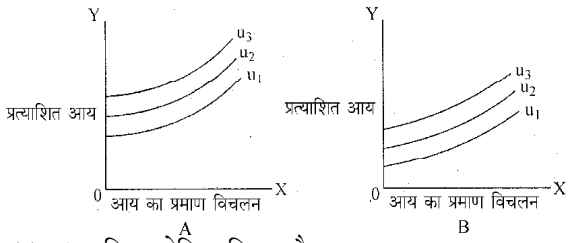

(a) A अधिक जोखिम विमुख है।
(b) B अधिक जोखम विमुख है।
(c) A और B दोनों समान जोखिम विमुख है।
(d) इनके मध्य जोखिम विमुखता अनिर्धारित है।

Ans. (b) आरेख में (b) अधिक जोखिम विमुख है।

58. एकाधिकारी प्रतियोगिता की आवश्यक शर्तों में से एक निम्नांकित है:
(a) समरूप उत्पाद (b) उत्पाद विभिन्नता
(c) मूल्य विभेद (d) अनेक क्रेता किंतु एक विक्रेता

Ans. (b) एकाधिकारिक प्रतियोगिता की धारणा चैम्बरलिन की देन है। शुद्ध प्रतियोगिता तथा शुद्ध एकाधिकार की स्थितियां दो काल्पनिक स्थितियां है जो व्यावहारिक जीवन में नहीं पायी जाती है। वास्तविक जीवन में जो स्थितियां पायी जाती है, वे इनके बीच की स्थितियां होती है। जिसे चैम्बरलिन ने एकाधिकारिक प्रतियोगिता (एकाधिकार + प्रतियोगिता) कहा।
चैम्बरलिन की एकाधिकारिक प्रतियोगिता की धारणा का वस्तु विभेद सबसे महत्वपूर्ण तत्व है क्योंकि वस्तु विभेद के कारण ही एक साथ प्रतियोगिता तथा एकाधिकार के गुण संयुक्त होते है और वस्तु विभेद का अंश जितना ही अधिक होता जायेगा, एकाधिकारिक प्रतियोगिता में एकाधिकार का तत्व उतना ही अधिक होता जायेगा। समूह में क्रेताओं तथा विक्रेताओं की संख्या बहुत ही अधिक है तथा समूह में फर्मों के प्रवेश तथा बर्हिगमन की स्वतंत्रता रहती है। चैम्बरलिन ने विक्रय लागत की धारण को अपने सिद्धांत में सम्मिलित किया।

59. कूर्नो मॉडल का तार्किक विस्तार है
(a) बटेण्ड मॉडल (b) स्टैकलबर्ग मॉडल
(c) स्वीजी मॉडल (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) कूर्नो मॉडल का तार्किक विस्तार स्टैकलबर्ग मॉडल है। स्टैकलबर्ग ने प्रतिक्रिया वक्रों की सहायता से क्रूनों मॉडल में संतुलन को स्थापित किया। प्रतिक्रिया वक्र विक्रेता की स्वयं की प्रतिक्रिया को बताता है जो उसके प्रतिद्वन्द्वी, को क्रिया के परिणामस्वरुप होता है। दोनों प्रतिक्रिया वक्र जब एक-दूसरे को जिस बिन्दु पर काटते हैं, वही संतुलन कीमत एवं उत्पादन का निर्धारण होता है।

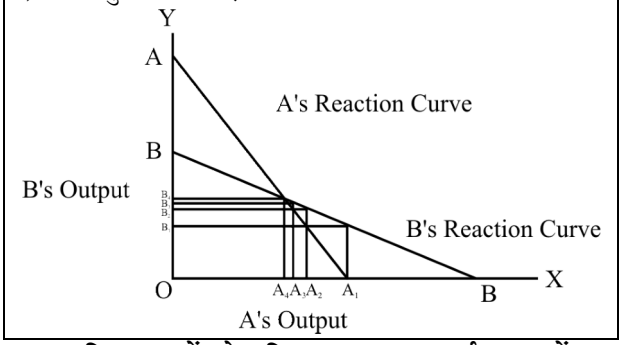

60. कृषि वस्तुओं के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों का निर्धारण किस निकाय की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है?
(a) कृषि मंत्रालय
(b) खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय
(c) नीति आयोग
(d) कृषि मूल्य एवं लागत आयोग (सीएसीपी)

Ans. (d) कृषि वस्तुओं के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों का निर्धारण कृषि मूल्य एवं लागत आयोग (CACP) की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। 1965 में कृषि कीमत आयोग की स्थापना की गई, जिसे 1985 में कृषि लागत एंव कीमत आयोग का नाम दिया गया। यह आयोग, वसूली कीमतों तथा निर्गमन कीमतों की घोषणा करता है। समर्थन कीमतें उत्पाद को यह गारण्टी देती है कि यदि अत्यधिक उत्पादन हुआ तो भी सरकार कीमतों को इनसे नीचे नहीं गिरने देगी। इस उद्देश्य के लिए सरकार न्यूनतम समर्थन कीमतों पर बड़े पैमाने पर खाद्यान्नों की खरीददारी करने के लिए वचनबद्ध है। वसूली कीमते वे कीमते हैं जिन पर सरकार आम वर्षों में खाद्यान्नों को मंडियों से खरीदती है। निर्गमन कीमत वह कीमत है जिस पर उचित दर दुकानों के माध्यम से सरकार उपभोक्ताओं को खाद्यान्न बेचती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

61. कृषि के विविधीकरण से आशय है:

(a) फसल सघनता में वृद्धि।
(b) कृषि से श्रमिकों का अन्य क्षेत्रों में विस्थापित करना।
(c) कुटीर एवं ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देना।
(d) फसल पैटर्न को उद्यान कृषि तथा पुष्प कृषि फसलों के पक्ष में बदलना।

Ans. (d) कृषि के विविधीकरण से आशय फसल पैटर्न को उद्यान कृषि तथा पुष्प कृषि फसलों के पक्ष में बदलना है।

62 निम्नांकित में से कौन योजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई.) में शामिल नहीं है?

(a) राष्ट्रीय प्रोटीन संपूरण मिशन
(b) केसर कृषि मिशन
(c) त्वरित चारा विकास कार्यक्रम
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (R.K.V.Y.) में निम्नलिखित योजना शामिल नहीं है-
(1) राष्ट्रीय प्रोटीन संपूरण मिशन।
(2) केसर कृषि मिशन।
(3) त्वरित चारा विकास कार्यक्रम।
Note : UGC के Answer key के अनुसार।

63. अभिकथन (A) : भारत में कृषि उत्पादकता काफी कम है।
कारण (R) : भारत में जनसंख्या वृद्धि की दर उच्च है।
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:
कोड:

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

Ans. (b) भारत में कृषि उत्पादकता कम तथा जनसंख्य वृद्धि की दर उच्च है। अतः दोनों कथन सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

64. निम्नांकित में किस अतंराल में कृषि संगणना की जाती है?

(a) प्रति वर्ष (b) 3 वर्षों में एक बार
(c) 5 वर्षों में एक बार (d) 10 वर्षों में एक बारे

Ans. (c) भारत में कृषि संगणना 5 वर्षों में एक बार की जाती है। भारत में विश्व कृषि संगणना कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रथम विस्तृत कृषि संगणना संदर्भ वर्ष 1970-71 के साथ कराई गई थी तथा उसके पश्चात् प्रत्येक 5 वर्ष के अन्तराल पर कृषि संगणना कराई जाती है। भारत में कृषि तीन चरणों में कराई जाती हैं।
(1) प्रथम चरण के दौरान सभी क्रियाशील जोतों की सूची उनके अवस्थिति कोड तथा मुख्य विशेषताओं यथा- क्षेत्र, धारक के लिंग और सामाजिक समूह आदि के आकड़ो के साथ तैयार की जाती हैं।
(2) द्वितीय चरण के दौरान सिंचाई स्तर, काश्तकारी विवरणों, फसल प्रतिरुप, ली गई फसलों की संख्या आदि पर विस्तृत आकड़ों का संकलन किया जाता है।
(3) तृतीय चरण जिसे इनपुट सर्वे के नाम से भी जाना जाता है, विभिन्न फसलों, क्षेत्रों और जोतो के आकार वर्गों में प्रयुक्त इनपुट के प्रतिरुप पर आकड़ों के संकलन से संबंधित होता है।
9 दिसम्बर, 2015 को कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा 9वीं (वर्ष 2010-11 की) कृषि संगणना पर अखिल भारतीय रिपोर्ट जारी किया गया है।

65. भारत में (1987-88) में शहरी उपभोक्ताओं एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए कुल व्यय में खाद्य व्यय का हिस्सा क्रमशः 56% तथा 64% था जो (2009-10) में घटकर क्रमशः 41% तथा 54% हो गया। निम्नांकित में किसके द्वारा इसकी उपयुक्त रूप से व्याख्या हो सकती है?

(a) खाद्य उत्पादन में कमी।
(b) उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति में कमी।
(c) एंजेल के नियम का लागू होना।
(d) ह्रासमान सीमांत उपयोगिता के नियम का लागू होना।

Ans. (c) एंजेल के नियम का लागू होना।

66. माँग फलन $P = 15 - 2X - X^2$ के लिए $X = 2$ पर उपभोक्ता अधिशेष क्या है?

(a) 6 (b) 28/3
(c) 7/4 (d) 11/3

Ans. (b) मांग फलन $P = 15 - 2x - x^2$ के लिए $x = 2$ पर उपभोक्ता अधिशेष 28/3 होगा।

67. सी. ई. एस. उत्पादन फलन $y = \left[a_1 x^p + a_2 x_2^p\right]^{\frac{1}{p}}$ दिया गया है, तो कारकों के बीच प्रतिस्थापन की लोच होगी:

(a) 1 (b) p
(c) 1/p (d) $\frac{1}{1-p}$

Ans. (d) CES उत्पादन फलन $y = \left[a_1 x_1^P + a_2 x_2^P\right]^{\frac{1}{P}}$ दिया गया है, तो कारकों के बीच प्रतिस्थापन की लोच $\frac{1}{1-p}$ होगी।

68.

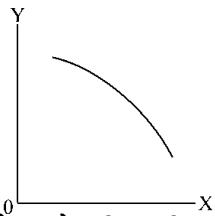

दिए गए आरेख के लिए निम्नांकित में से कौन अवकलनों के पदों में सही वर्णन है?

(a) $\frac{dy}{dx} > 0; \frac{d^2y}{dx^2} < 0$ (b) $\frac{dy}{dx} < 0; \frac{d^2y}{dx^2} < 0$
(c) $\frac{dy}{dx} > 0; \frac{d^2y}{dx^2} > 0$ (d) $\frac{dy}{dx} < 0; \frac{d^2y}{dx^2} > 0$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) दिये गये आरेख में अवकलनों के पदों में सही वर्णन निम्न है-

$$\frac{dy}{dx} < 0; \frac{d^2y}{dx^2} < 0$$

69. किसी रेखिक प्रोग्राम ने समस्या के इष्टतम समाधान के लिए निम्नांकित में कौन सही है?

(a) अशून्य मूल्य वाले न्यूनतापूरक चरों की संख्या बाध्यताओं की संख्या के बराबर है।

(b) अशून्य मूल्य वाले चरों (न्यूनतापूरक सहित) की संख्या बाध्यताओं की संख्या के बिलकुल समान होती है।

(c) अशून्य मूल्य वाले न्यूनतापूरक चरों की संख्याबद्ध बाध्यताओं के बराबर होती है।

(d) अशून्य मूल्य वाले चरों की संख्यो अबद्ध बाध्यताओं के बराबर होती है।

Ans. (b) किसी रैखिक प्रोग्रामन समस्या के इष्टतम के लिए अशून्य मूल्य वाले चरों (न्यूनतापूरक सहित) की संख्या बाध्यताओं की संख्या के बिल्कुल समान होती है।

70. यदि किसी अर्थव्यवस्था के लिए लक्ष्यों को अंतिम माँग सदिश F के रूप में निश्चित किया जाता है, तब आगत-निर्गत विश्लेषण के रूप में निर्गत सदिश X का अनुरूपी स्तर निम्नांकित में किसके अनुसार निर्धारित किया जाएगा?

(a) $A + F = X$ (b) $A X - F = X$
(c) $(I - A)^{-1} F = X$ (d) $(I - A) F = X$

Ans. (c) यदि किसी अर्थव्यवस्था के लिए लक्ष्यों को अंतिम मांग सदिश F के रुप में निश्चित किया जाता है, तब आगत-निर्गत विश्लेषण के रुप में निर्गत सदिश X का अनुरुपी स्तर $(I - A)^{-1} F = X$ द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

71. किसी द्विचर समाश्रयण में Y आश्रित चर है और X स्वतंत्र चर है। Y और X के बीच सहसंबंध गुणांक 0.8 है। इसके लिए निम्नांकित में कौन कथन सही है?

(a) Y में 8% विचलन की व्याख्या X द्वारा होती है।

(b) Y में 64% विचलन की व्याख्या X द्वारा होती है।

(c) Y में 0.8% विचलन की व्याख्या X द्वारा होती है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) Y में 64% विचलन की व्याख्या X द्वारा होती है।

72. यदि किसी युगपत समीकरण समूह के प्रत्येक समीकरण के लिए ओ एल एस का प्रयोग पृथक रूप से प्रत्येक समीकरण के लिए किया जाता है, तो प्राक्कलक प्राप्त होंगे:

(a) अनभिनत और संगत (b) अभिनत और संगत
(c) अभिनत और असंगत (d) अनभिनत और असंगत

Ans. (b) यदि किसी युगपत समीकरण समूह के प्रत्येक समीकरण के लिए ओ.एल.एस. का प्रयोग पृथक रूप से प्रत्येक समीकरण के लिए किया जाता है, तो अभिनत और संगत प्राक्कलक प्राप्त होंगे।
नोट–UGC के Answer key के अनुसार।

73. सामान्य रैखिक मॉडल में प्राचलों के प्राक्कलन के लिए सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग विधि किस समस्या का समाधान करने के लिए है?

(i) मापन त्रुटि

(ii) स्वः सहसंबंध त्रुटियाँ

(iii) बहुसंरेखता

(iv) विषमविसारिता

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

(a) (i), (ii), (iii), (iv) (b) (i), (iii), (iv)
(c) (ii), (iv) (d) (i), (iii)

Ans. (c) सामान्य रैखिक मॉडल में प्राचलों के प्राक्कलन के लिए सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग विधि निम्नलिखित समस्या का समाधान करने के लिए है-
(1) स्वः सहसंबंध त्रुटियाँ। (Autocorrilated Disturbances)
(2) विषमविसारिता (Heteroscelasticity)

74. निम्नांकित को सुमेलित करें तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

	सूची-I	**सूची-II**
a.	**गोल्डफेल्ड-क्वान्ट परीक्षण**	**(i) चरों में त्रुटि**
b.	**डरबिन-वाटसन परीक्षण**	**(ii) विषमविसारिता**
c.	**फेरर-ग्लोबर परीक्षण**	**(iii) स्वः सहसंबंध**
d.	**वाल्ड-बार्टलेट विधि**	**(iv) बहुसंरेखता**

कूट:

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (d) a. गोल्डफेल्ड-क्वान्ट परीक्षण - (ii) विषमविसारिता
b. डरबिन-वाटसन परीक्षण - (iii) स्वः सहसंबंध
c. फेरर-ग्लोबर परीक्षण - (iv) बहुसंरेखता
d. वाल्ड-बार्टलेट विधि - (i) चरों में त्रुटि

75. मानक निरूपण का उपयोग करते हुए समीकरणों की निम्नांकित प्रणाली पर विचार करें:

$$Y_1 = \alpha_0 + \alpha_1 Y_2 + \alpha_3 Y_3 + \alpha_4 X_1 + u_1$$
$$Y_2 = \beta_0 + \beta_1 Y_3 + \beta_2 Y_1 + \beta_3 X_2 + u_2$$
$$Y_3 = \gamma_1 X_1 + \gamma_2 X_2 + \gamma_3 X_3 + u_3 + r_0$$

क्रम शर्तों के अनुसार दूसरा समीकरण है।

(a) अ-अभिनिर्धारित

(b) सही अभिनिर्धारित

(c) अति अभिनिर्धारित

(d) अपूर्ण सूचना के कारण अभिनिर्धारण का अनुमान करना संभव नहीं है।

Ans. (b) उपरोक्त शर्तों के अनुसार दूसरा समीकरण सही अभिनिर्धारित है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जनवरी-2017

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. दो वस्तुओं X और Y के बीच रूपान्तरण की सीमान्त दर को किस रूप में परिभाषित किया जाता है?

(a) $MRT_{X,Y} = \frac{MC_X}{MC_Y}$

(b) $MRT_{X,Y} = MRS_{X,Y}$

(c) $MRT_{X,Y} = MRS_{X,Y} = \frac{P_X}{P_Y}$

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) रूपांतरण वक्र दो वस्तुओं के उन वैकल्पिक संयोगों को प्रदर्शित करता है जो साधनों की दी हुई स्थिर मात्रा के द्वारा उत्पादित की जा सकती है। प्रसंविदा वक्र के विभिन्न बिन्दुओं से संबंधित उत्पादन क्षेत्र में दो वस्तुओं के विभिन्न उत्पादन संयोगों को प्रत्यक्ष रूप से अंकित करने के द्वारा उस क्षेत्र में उत्पादन के प्रसंविदा वक्र से रूपांतरण वक्र व्युत्पादित किया जाता है।

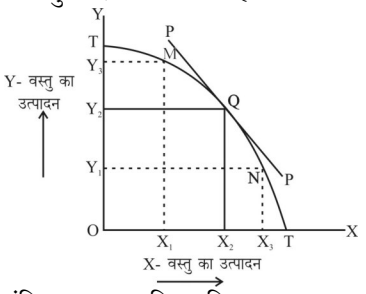

रेखाचित्र में प्रसंविदा वक्र पर स्थित बिन्दु M, Q, N को मिलाने से हमे रूपांतरण वक्र T T प्राप्त होता है।

रूपांतरण वक्र के दो पहलुओं पर ध्यान देना जरूरी है–

(1) रूपांतरण वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है।

(2) किसी बिन्दु विशेष पर रूपांतरण वक्र का ढाल दो वस्तुओं के बीच रूपांतरण की सीमांत दर मापता है। Y वस्तु के लिए Xवस्तु के रूपांतरण की सीमांत दर उस मात्रा को प्रदर्शित करती है जिस मात्रा से Y वस्तु के उत्पादन में कमी से मुक्त साधनों की सहायता से X वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई का उत्पादन करने के लिए Y वस्तु के उत्पादन में कमी करनी पड़ती है अर्थात–

$$MRT_{XY} = \frac{MC_X}{MC_Y}$$

2. किसी फर्म के विस्तार पथ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. यह उत्पादन के विभिन्न स्तर को बनाने हेतु न्यूनतम लागत संयोजन को दर्शाता है।

II. आदान मूल्य स्थिर रहते हैं।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं ?

नीचे दिए गए कूट से Ans : दीजिए।

कूट :

(a) I और II दोनों सही हैं

(b) केवल I सही है

(c) केवल II सही है

(d) I और II दोनों ही सही नहीं है

Ans : (a) किसी फर्म के विस्तार पथ के संबंध में निम्नलिखित कथन सत्य है–

(1) यह उत्पादन के विभिन्न स्तर को बनाने हेतु न्यूनतम लागत संयोजन को दर्शाता है।

(2) आदान मूल्य स्थिर रहते है।

3. कल्याण अर्थशास्त्र के पहले मौलिक प्रमेय के लिए अपेक्षित है–

(a) उत्पादक और उपभोक्त कीमत स्वीकार करने वाले हों

(b) कि अर्थव्यवस्था उपयोगिता संभाव्यता वक्र के किसी बिन्दु पर काम करती है

(c) कि प्रत्येक वस्तु के लिए प्रभावी बाजार हो

(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) कल्याण अर्थशास्त्र के पहले मौलिक प्रमेय के लिए निम्न अपेक्षित है–

(1) उत्पादक और उपभोक्ता कीमत स्वीकार करने वाले हो।

(2) अर्थव्यवस्था उपयोगिता संभाव्यता वक्र के किसी बिन्दु पर काम करती है।

(3) प्रत्येक वस्तु के लिए प्रभावी बाजार हो।

4. निम्नलिखित में से कौन सा आबंटन/वितरण समता की रॉलसियन अवधारणा के अनुरूप है?

(a) समाज के सभी सदस्य वस्तुओं की समान मात्रा प्राप्त करते हैं

(b) सबसे कम संपन्न लोगों की उपयोगिता को अधिकतम करना

(c) बाजार परिणाम सर्वाधिक उचित हैं

(d) समाज के सभी सदस्यों की कुल उपयोगिता को अधिकतम करना

Ans : (b) आबंटन/वितरण समता की रॉलसियन अवधारणा के अनुरूप निम्न कथन है–

सबसे कम सम्पन्न लोगों की उपयोगिता को अधिकतम करना।

5. विभेदकारी एकाधिकार के अंतर्गत यदि बाजार I में माँग की लोच 2 है और बाजार II में 1 है (लोच के निरपेक्ष मान हैं) तब एकाधिकारी का मूल्य व्यवहार होगा–

(a) बाजार I में उच्चतर कीमत लेना

(b) बाजार II में उच्चतर कीमत लेना

(c) दोनों बाजारों में समान कीमत लेना

(d) बाजार I में बाजार II में ली गई कीमत से दोगुना लेना

Ans : (b) विभेदकारी एकाधिकार के अन्तर्गत यदि बाजारI में मांग की लोच 2 है और बाजारII में एक है तब एकाधिकारी बाजारII में उच्चतर कीमत लेगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

साधारण एकाधिकार के अन्तर्गत वस्तु के समस्त उत्पादन की केवल एक ही कीमत वसूल की जाती है परन्तु कीमत–विभेदीकरण के अन्तर्गत एकाधिकारी अपनी बाजार के विभिन्न भागों से वस्तु की भिन्न–भिन्न कीमतें वसूल करता है। इसलिए सर्वप्रथम एकाधिकारी को अपनी वस्तु की समस्त बाजार को भिन्न भागों में मांग की मूल्य–लोचों में अन्तरों के आधार पर बांटना होता है। एकाधिकारी अपने समस्त मार्केट को उतने विभिन्न भागों में बांट सकता है जितने भागों में मांग की मूल्य लोचों में अन्तर है। संतुलन स्थिति को प्राप्त करने के लिए विभेदीकरण कर रहे एकाधिकारी को तीन निर्णय लेने होते हैं–

(1) वह वस्तु की कितनी मात्रा उत्पादित करें।

(2) वस्तु के कुल उत्पादन को मार्किट के दो भागों में किस प्रकार बांटें।

(3) उन दो भागों में कितनी –कितनी कीमतें प्राप्त करें।

6. दिए गए माँग फलन $Q=\frac{20}{P}$ में, जहाँ चिन्हों का अपना सामान्य अर्थ है, किस कीमत पर माँग की लोच एक होगी ?

(a) 20 (b) 10
(c) 5 (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) मांग की मूल्य लोच किसी वस्तु की कीमत में सापेक्ष परिवर्तन के परिणामस्वरूप उसकी मांग–मात्रा में सापेक्ष परिवर्तन है। कीमत व वस्तु की मांग–मात्रा में सापेक्ष परिवर्तन का अर्थ उनमें आनुपातिक अथवा प्रतिशत परिवर्तन से है। अर्थात–

$$e_p = -\frac{\Delta q}{\Delta p}.\frac{p}{q}$$

गणितीय दृष्टि में मूल्य लोच ऋणात्मक होती है क्योंकि कीमत और मांग–मात्रा में परिवर्तन विपरीत दिशा में होता है अर्थात वस्तु की कीमत और उसकी मात्रा में विपरीत सम्बन्ध होता है।

7. भारत की किस पंचवर्षीय योजना में निर्देशात्मक आयोजन के विचार को पहली बार अपनाया गया ?

(a) दूसरी योजना (b) पाँचवी योजना
(c) सातवीं योजना (d) आठवीं योजना

Ans : (d) भारत की 8वीं पंचवर्षीय योजना में निर्देशात्मक आयोजन के विचार को पहली बार अपनाया गया। इस योजना की समयावधि 1 अप्रैल, 1992 से 31 मार्च,1997 तक थी। यह योजना 'जॉन डब्ल्यू. मुलर' मॉडल पर आधारित थी। इस योजना में विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए 'मानव संसाधन विकास' को मूलभूत उद्देश्य माना गया। इस योजना में विकास दर का लक्ष्य 5.6% रखा गया तथा प्राप्ति 6.68% हुई। इसी योजना में भारत 1 जनवरी, 1995 को WTO का सदस्य बना। देश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण यह योजना दो वर्ष विलम्ब से शुरू हुई।

8. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आर एस बी वाई) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) आर एस बी वाई के अंतर्गत केन्द्र और राज्य सरकारों के द्वारा 85 : 15 के आधार पर प्रीमियम में हिस्सेदारी की जाती है।

(2) पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू तथा कश्मीर के मामलों में आर एस बी वाई के अंतर्गत 90 : 10 के अनुपात में प्रीमियम में हिस्सेदारी की जाती है।

ऊपर दिए गए कथन (कथनों) में से कौन सा (से) सही है/हैं ?

(a) सिर्फ (2) (b) सिर्फ (1)
(c) (1) और (2) दोनों (d) (1) और (2) में कोई नहीं

Ans : (a) राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना 1 अप्रैल, 2008 से चालू की गई (औपचारिक रूप से 1 अक्टुबर, 2007 से शुरू)। इस योजना में असंगठित क्षेत्र के गरीबी रेखा से नीचे के श्रेणी के सभी कामगारों और उनके परिवारों को योजना में शामिल किया गया है। इस योजना में लाभार्थियों को स्मार्ट कार्ड जारी किया जाता है। प्रति परिवार कुल बीमित राशि 30,000 प्रतिवर्ष है। इसमें केन्द्र व राज्य सरकारों की हिस्सेदारी 75 : 25 है। पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू कश्मीर में यह अनुपात 90 : 10 का है।

स्मार्ट कार्ड की लागत केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जाती है। पूर्वोत्तर राज्यों में नागालैण्ड स्मार्ट कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य है।

9. नीचे दी गई सूचियों में से निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–

सूची–I	सूची–II
(a) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एन.आर.ई.पी)	**i. 2001**
(b) सुकन्या समृद्धि योजना (एस.एस.वाई.)	**ii. 1980**
(c) काम के लिए अनाज कार्यक्रम (एफ.डब्ल्यू.पी)	**iii. 1983**
(d) ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम (आर.एल.ई.जी.पी)	**iv. 2015**

सही कूट चुनिए :

कूट :

	a	b	c	d
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	ii	iv	i	iii
(d)	iii	ii	iv	i

Ans : (c)
(a) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (N.R.E.P.) (ii) 1980
(b) सुकन्या समृद्धि योजना (S.S.Y) (iv) 2015
(c) काम के लिए अनाज कार्यक्रम (F.W.P.) (i) 2001
(d) ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम (R.L.E.G.P.) (iii) 1983

10. मार्च 2015 के अंत में भारत के बाह्य ऋण में निम्नलिखित में से किसका अधिकतम हिस्सा है ?

(a) रूपया ऋण (b) एन आर आई जमा
(c) वाणिज्यिक उधारियाँ (d) निर्यात साख

Ans : (c) मार्च, 2015 के अन्त में भारत के बाह्य ऋण में वाणिज्यिक उधारियों का हिस्सा अधिकतम है।

11. आर.बी.आई. किस मूल्य तक के मुद्रा नोटों का मुद्रण कर सकता है?

(a) ₹ 25, 000 (b) ₹ 10, 000
(c) ₹ 5, 000 (d) ₹ 1, 000

Ans : (b) R.B.I. ₹ 10,000 मूल्य तक के मुद्रा नोटों का मुद्रण कर सकता है।

12. केन्द्रीय बजट 2016–17 ने कितनी आय से अधिक पर 15% का अधिभार लगाया है?

(a) ₹ 2 करोड़ (b) ₹ 75 लाख
(c) ₹ 10 लाख (d) ₹ 1 करोड़

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) केन्द्रीय बजट 2016–17 में 1 करोड़ की आय से अधिक पर 15% अधिभार लगाया गया है। वर्ष 2017–18 के केन्द्रीय बजट में ₹ 50 से ₹ 1 करोड की वार्षिक आय तक 10 प्रतिशत अधिभार तथा ₹ 1 करोड से अधिक वार्षिक आय पर 15 प्रतिशत अधिभार लगाया गया है।

13. पम्परागत कृषि विकास योजना का उद्देश्य निम्नलिखित में से किसे बढ़ावा देना है?

(a) ड्रिप सिंचाई (b) जैविक कृषि
(c) बागवानी फसल (d) सब्जी का उत्पादन

Ans : (b) परम्परागत कृषि विकास योजना जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए व्यापक केन्द्र प्रायोजित योजना है। इसकी शुरूआत केन्द्रीय सरकार ने वर्ष 2015–16 में एक क्लस्टर आधारित कार्यक्रम के रूप में की जिसमें किसानों को गठन समूहों तथा पीजीएस प्रभावीकरण द्वारा जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नलिखित है–

(1) इसका लक्ष्य अगले तीन वर्षों में जैविक खेती के तहत 5 लाख एकड़ क्षेत्र को कवर करके 10,000 समूहों के गठन का लक्ष्य रखा गया है।
(2) जैविक खेती के तहत चुने गए क्लस्टर की सीमा 50 एकड़ तक होगी।
(3) प्रत्येक किसान को बीज, फसलों की कटाई तथा बाजार में उपज की ढुलाई हेतु तीन वर्षों में 20,000 रुपये तक प्रति एकड़ प्रदान किया जाएगा।
(4) इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए सरकार पारंपरिक संसाधनों का इस्तेमाल करके पर्यावरण अनुकूल कम लागत की प्रौद्योगिकियों को अपनाकर जैविक खेती को बढ़ावा देगी।

सिक्किम राज्य आधिकारिक रूप से एक जैविक राज्य है। सिक्किम फूलों की भूमि के नाम से भी जाना जाता है।

14. निम्नलिखित में से कौन क्लासिकल द्वैधता को संदर्भित करता है?

(a) अर्थव्यवस्था के दो सेक्टर हैं नामतः कृषि और उद्योग
(b) मुद्रा का प्रभाव वास्तविक चरों जैसे रोजगार और उत्पादन पर नहीं अपितु कीमत स्तर पर होता है
(c) बचत सिर्फ लाभ से आती है न कि मंजूरी से
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (b) मुद्रा का प्रभाव वास्तविक चरों जैसे रोजगार और उत्पादन पर नहीं अपितु कीमत स्तर पर होता है। यह क्लासिकल द्वैधता को संदर्भित करता है।

15. 'बिग–पुश' सिद्धान्त का मूल तर्काधर निम्नलिखित में से किस विचार पर आधारित है?

(a) जनसंख्या का आकार (b) बाह्य मितव्ययिताएँ
(c) आंतरिक मितव्ययिताएँ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) 'बिग–पुश' (बड़े धक्के) सिद्धान्त का प्रतिपादन रोजेन्स्टीन रोडान ने किया। रोडॉन संतुलित विकास के समर्थक थे। उनके अनुसार गरीबी के दुश्चक्र और स्थिरता के भंवरजाल में फंसी अल्पविकसित अर्थव्यवस्था को आत्म–निर्भर बनाने के लिए विनियोग रूपी बड़े धक्के की आवश्यकता होती है। उनकी दृष्टि में दीर्घकालीन एवं स्थायी विकास के लिए नियोजन का उद्देश्य अर्थव्यवस्था को उसके निम्न संतुलन स्तर से झटके के साथ बाहर निकाल कर संचयी विकास के पथ पर लाना होना चाहिए। रोडॉन ने तीन प्रकार की अविभाज्यताओं एवं बाह्य बचतों का उल्लेख किया है–

(1) उत्पादन फलन की अविभाज्यता या पूंजी की अविभाज्यता।
(2) मांग की अविभाज्यता
(3) बचत की पूर्ति में अविभाज्यता।

16. ''आर्थिक विकास के सिद्धान्त में केन्द्रीय समस्या उस प्रक्रिया को समझना है जिसके द्वारा कोई समुदाय जो पहले अपनी राष्ट्रीय आय का 4 से 5 प्रतिशत या उससे भी कम बचत कर रहा था, अपने आपको ऐसी अर्थव्यवस्था में बदल लेता है जब स्वैच्छिक बचत राष्ट्रीय आय का लगभग 12 से 15 प्रतिशत या अधिक हो रही है।'' निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने यह विचार व्यक्त किया?

(a) रैगनर नर्क्स (b) पी.एन. रोजेन्स्टीन–रोडन
(c) गुन्नार मिर्डाल (d) डब्ल्यू. आर्थर लेविस

Ans : (d) डब्ल्यू. आर्थर लेविस ने विचार व्यक्त किया कि आर्थिक विकास के सिद्धान्त में केन्द्रीय समस्या उस प्रक्रिया को समझना है जिसके द्वारा कोई समुदाय जो पहले अपनी राष्ट्रीय आय का 4 से 5% या उससे भी कम बचत कर रहा था, अपने आपको ऐसी अर्थव्यवस्था में बदल लेता है जब स्वैच्छिक बचत राष्ट्रीय आय का लगभग 12 से 15% या अधिक हो रही है।

17. हैरोड–डोमर समीकरण g = s/v में v किस प्रकार परिभाषित है?

(a) देश के पूँजी–स्टॉक का मूल्य
(b) वृद्धिशील पूँजी निर्गत अनुपात
(c) देश के पूँजी–स्टॉक में परिवर्तन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) हैरोड–डोमर समीकरण $g = \frac{S}{V}$ में 'V' वृद्धिशील पूंजी निर्गत अनुपात के रूप में परिभाषित है।

18. लाइबेन्स्टीन अपने क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त में जनसंख्या को कौन सा कारक मानते हैं?

(a) निवेश प्रेरक (b) आय सृजक
(c) बाजार विस्तारक (d) आय मंदक

Ans : (d) प्रो0 हार्वे लीबिन्स्टीन ने अल्पविकसित देशों को जड़ताबद्धता की अवस्था से छुटकारा दिलाने के लिए 'क्रांतिक न्यूनतम प्रयास' सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है। उनके अनुसार अल्पविकसित देशों में निर्धनता का दुष्चक्र पाया जाता है जो उन्हें प्रति व्यक्ति निम्न आय संतुलन की स्थिति में बनाए रखता है। इस दुष्चक्र से छुटकारा पाने का एकमात्र उपाय आवश्यक न्यूनतम मात्रा में निवेश किया जाना है ताकि प्रति व्यक्ति आय उस स्तर तक बढ़ सके जिससे कि अर्थव्यवस्था सतत विकास की स्थिति में बनी रहे। प्रत्येक अर्थव्यवस्था झटकों तथा प्रोत्साहनों से घिरी होती है। झटके अर्थव्यवस्था में प्रतिव्यक्ति आय को घटाते है जबकि प्रोत्साहन उसे बढ़ाते है। जनसंख्या की वृद्धि दर राष्ट्रीय आय का फलन होती है जो आर्थिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं से गहरा सम्बन्ध रखती है।
लीबिन्स्टीन ने उद्यमी, निवेशकर्ता बचतकर्ता, तथा नव प्रवर्तकों को विकास का दूत कहा है।

19. निम्नलिखित में से कौन से अर्थशास्त्री विकास की निर्भरता सिद्धान्त से संबंध नहीं थे/हैं?

(a) राउल प्रेबिश (b) टी.डी. सान्तोस
(c) आन्द्रे गन्डर फ्रैंक (d) गुन्नार मिर्डाल

Ans : (d) विकास की निर्भरता सिद्धान्त (Dependency Theory) का प्रतिपादन पॉल ए बरन ने 1957 में किया। ए.जी. फ्रैंक, समीर आमिन, टी.डी. सान्तोस, रॉल–प्रेबिश इत्यादि इसके समर्थक अर्थशास्त्री है। इस सिद्धान्त के अनुसार अल्पविकसित देशों के

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

पिछड़ेपन के लिए पश्चिम के पूंजीवादी देश उत्तरदायी है जिनमें से अधिकांश 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में शक्तिशाली साम्राज्यवादी राष्ट्र थे इन विचारकों ने अल्पविकसित देशों के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों का भी उल्लेख किया है जो इन देशों की आर्थिक प्रगति में बाधक रहे।

20. नव क्लासिकल संवृद्धि मॉडल में किस बचत फलन का प्रयोग किया गया है?

(a) क्लासिकल बचत फलन (b) समानुपातिक बचत फलन
(c) विभेदक बचत फलन (d) स्थिर बचत फलन

Ans : (b) नव–क्लासिकल संवृद्धि मॉडल में समानुपातिक बचत फलन का प्रयोग किया गया है।

21. भारत में भुगतान संतुलन में निम्नलिखित मदों पर विचार कीजिए–

I. एन आर आई जमा

II. प्रेषित धन

उपर्युक्त में से कौन भुगतान संतुलन के पूँजी खाता का हिस्सा है?

कूट :

(a) सिर्फ I (b) सिर्फ II
(c) I और II दोनों (d) I और II में से कोई नहीं

Ans : (a) भारत में भुगतान संतुलन के पूंजीखाते के अन्तर्गत निम्नलिखित मदें आती है–
(1) विदेशी सहायता।
(2) विदेशी वाणिज्यिक उधार।
(3) अल्पावधिक ऋण।
(4) बैंकिंग पूंजी (N.R.I. जमा)।
(5) विदेशी निवेश F.D.I. पोर्टफोलियों निवेश।
(6) अन्य प्रवाह।

22. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा नहीं है ?

(a) टौसिग : व्यापार की वस्तु–विनिमय शर्तें
(b) प्रेबिश : व्यापार की पतनोन्मुखी शर्तें
(c) मार्शल : प्रस्ताव वक्र
(d) वालरस : पाटन शर्तें

Ans : (d) वालरस ने पाटन शर्तों का सिद्धांत नहीं दिया है। वालरा ने सामान्य संतुलन सिद्धांत (General equilibrium model) दिया है।

23. निम्नलिखित में से कौन विवेकाधीन राजकोषीय कार्रवाई के बारे में सही है?

(a) बेरोजगारी बीमा का भुगतान
(b) सेवानिवृत्त व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
(c) सरकार के खर्च और/अथवा निवल कर–राजस्व के स्तर में व्यवस्थित परिवर्तन
(d) आयकर संरचना के परिणामस्वरूप होने वाले निवल कर–राजस्व में स्वतः परिवर्तन

Ans : (c) विवेकाधीन राजकोषीय कार्रवाई के बारे में निम्न कथन सत्य है– सरकार के खर्च और/अथवा निवल कर–राजस्व के स्तर में व्यवस्थित परिवर्तन।

24. निम्नलिखित में से किसने व्यापार को 'संवृद्धि का उपकरण' (हैंड मेडेन) कहा है?

(a) जे. वाइनर (b) इर्विंग बी. क्रेविस
(c) एन. क्रूगर (d) जे. भगवती

Ans : (b) इर्विंग बी.क्रेविस ने व्यापार को संवृद्धि का उपकरण (Hand maiden) कहा है।

25. 1950 के दशक में लैटिन अमरीकी देशों की आयात प्रतिस्थापन नीति के बारे में निम्नलिखित में से कौन सही है/हैं?

I. इसके परिणामस्वरूप विनिमय दर का अधिमूल्यन हुआ।

II. इसने विकास को स्वाभाविक प्रक्रिया माना।

नीचे दिए गए कूट से Ans : दीजिए।

कूट :

(a) I और II दोनों सही हैं (b) सिर्फ I सही है
(c) सिर्फ II सही है (d) I और II कोई सही नहीं है

Ans : (b) 1950 के दशक में लैटिन अमरीकी देशों की आयात प्रतिस्थापन नीति के परिणात्मस्वरूप विनिमय दर का अधिमूल्यन हुआ।

26. निम्नलिखित अवधारणाओं पर विचार कीजिए–

I. लियोण्टिफ विरोधाभास

II. लिन्डर परिकल्पना

निम्नलिखित में से किसे हेक्सचर–ओहलिन सिद्धान्त के निष्कर्षों का अपवाद माना जा सकता है। निम्नलिखित कूट से Ans : दीजिए।

कूट :

(a) I और II दोनों अपवाद हैं
(b) I और II में से कोई भी अपवाद नहीं है
(c) सिर्फ I अपवाद है
(d) सिर्फ II अपवाद है

Ans : (a) लियोण्टिक विरोधाभास तथा लिन्डर परिकल्पना दोनों को हेक्सचर ओहलिन सिद्धान्त के निष्कर्षों का अपवाद माना जा सकता है।

27. निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन भारत में प्रस्तावित जी एस टी व्यवस्थाओं के लिए सही है/हैं ?

I. केन्द्रीय और राज्य कर दोनों बिक्री के बिन्दु पर संग्रह किए जाएँगे।

II. केन्द्रीय और राज्य जी एस टी विनिर्माण लागत पर वसूले जाएँगे।

उपयुक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? नीचे दिए गए कूट से Ans : दें–

(a) I और II में से कोई सही नहीं है
(b) सिर्फ I सही है
(c) सिर्फ II सही है
(d) I और II दोनों सही है

Ans : (d) भारत में प्रस्तावित जी.एस.टी. (GST) व्यवस्थाओं के लिए निम्न कथन सत्य है–
(1) केन्द्रीय और राज्य कर दोनों बिक्री के बिन्दु पर संग्रह किये जाऐंगे।
(2) केन्द्रीय और राज्य जी.एस.टी. विनिर्माण लागत पर वसूले जाएगे।

28. अर्थशास्त्री अप्रत्याशित स्फीति, जो बकाया सरकारी ऋण के वास्तविक मूल्य को कम करता है, को कहते हैं–

(a) स्फीतिक का भार (b) अप्रत्याशित चूक
(c) टकसाली लाभ (d) स्फीति कर

Ans : (d) अर्थशास्त्री अप्रत्याशित स्फीति, जो बकाया सरकारी ऋण के वास्तविक मूल्य को कम करता है, को स्फीति कर कहते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. लोक वस्तु है–

(i) अवर्जनीय प्रकृति की

(ii) उपभोग में प्रतिद्वंद्विता रहित

(iii) वर्जनीय प्रकृति की

(iv) वस्तु जो जनता के पास अवश्य हो

निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही Ans : चुनिए –

कूट :

(a) (i) और (ii) दोनों (b) केवल (iii)

(c) (iii) और (iv) दोनों (d) केवल (iv)

Ans : (a) लोक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और जब इनकी पूर्ति होती है तो यह उस समुदाय के सभी लोगों के लिए समान रूप होती है। इन वस्तुओं का संयुक्त उपभोग होता है तथा इनके सम्बन्ध में अपवर्जन सिद्धान्त नहीं लागू होता है ये वस्तुयें अविभाज्य होती है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तिगत वस्तुओं की तरह इनसे उत्पन्न लाभ को बाजार में मूल्य पर खरीदा या बेचा नहीं जा सकता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते है। किसी भी व्यक्ति को इनके उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता है चाहे वह इसके लिए भुगतान कर रहा हो अथवा नहीं।

मसग्रेव ने निजी व लोकवस्तुओं के मध्य अन्तर करने के लिए दो आधारों को चुना है–

(1) आवश्यकता के निर्धारण का आधार तथा आवश्यकता की प्रकृति।

(2) उपभोग में वर्जन तथा प्रतिद्वन्द्विता की उपस्थिति तथा अनुपस्थिति।

30. अग्र–अंतरित कर निम्नलिखित में से किसे प्रभावित करेगा ?

(a) विक्रेता से अधिक खरीदार को

(b) खरीदार से अधिक विक्रेता को

(c) खरीदार और विक्रेता को बराबर–बराबर

(d) सरकारी राजस्व को नकारात्मक रूप में

Ans : (a) कर का मौलिक भार अंतिम कर दाता से भुगतान कर्ता तक टालने की क्रिया ही कर विवर्तन कहलाती है। प्रत्यक्ष कर का विवर्तन संभव नहीं है जबकि अप्रत्यक्ष कर को दूसरे पर टाला जा सकता है। कर–विवर्तन में प्रायः तीन ढंग है–

(1) मूल्य के माध्यम से विवर्तन।

(2) कर पूंजीकरण।

(3) **अग्रगामी तथा प्रतिगामी विवर्तन–**जब अग्रगामी कर विवर्तन होता है तो मूल्य, जिसके माध्यम से कर विवर्तन किया जाता है, उसमें वृद्धि होती है। यदि कर का पूर्ण विवर्तन हुआ तब तो कर की पूरी राशि से मूल्य में वृद्धि होगी। पर जब कर का प्रतिगामी विवर्तन होता है तो मूल्य, जिसके माध्यम से कर विवर्तन होता है उसमें कमी होती है। इस स्थिति में हो सकता है कि क्रेता कर का कुछ भार विक्रेता पर विवर्तित कर दे। जैसे यदि सरकार मजदूर की सेवाओं को क्रय करने वाले नियोक्ता को बाध्य करे कि वह मजदूरों की सुरक्षा के लिए अंशदान करे तो नियोक्ता उस अंश का कुछ भाग तो उत्पादित वस्तु के मूल्य में वृद्धि के द्वारा उपभोक्ताओं पर टाल देगा, जो अग्रगामी कर विवर्तन होगा तथा वह कुछ भाग मजदूरों को दिये जाने वाले मजदूरी में कमी करके भी विवर्तित करेगा, जो प्रतिगामी विवर्तन है।

31. मान लीजिए B सामाजिक लाभ है, C सामाजिक लागत है, r सामाजिक बट्टा दर है, t समय है और T निवेश परियोजना का जीवन काल है। परियोजना का निवल वर्तमान मूल्य (NPV) कितना है–

(a) $NPV = \sum_{t=0}^{T} \frac{B_t - C_t}{(1+r)^t}$ (b) $NPV = \sum_{t=0}^{T} \frac{C_t - B_t}{(1+r)^t}$

(c) $NPV = \sum_{t=0}^{T} \frac{(1+r)^t}{B_t - C_t}$ (d) $NPV = \sum_{t=0}^{T} \frac{B_t - C_t}{(C_t)^t}$

Ans : (a) मान लीजिए B सामाजिक लाभ है, c सामाजिक लागत है, r सामाजिक बट्टा दर है t समय है और T निवेश परियोजना का जीवन काल है तो इस स्थिति में परियोजना का निवल वर्तमान मूल्य है।

$$NPV = \sum_{t=0}^{T} \frac{B_t - C_t}{(1+r)^t}$$

32. 'वर्जनीयता–रहित' और 'प्रतिद्वंद्विता रहित' की विशेषताओं के संदर्भ में ''विधि और व्यवस्था'' किसका क्लासिक उदाहरण है ?

(a) नकारात्मक बाह्यता (b) सकारात्मक बाह्यता

(c) वृद्धिशील प्रतिलाभ (d) लोक वस्तु

Ans : (d) 'वर्जनीयता–रहित' और 'प्रतिद्वन्द्विता रहित' की विशेषताओं के संदर्भ में 'विधि और व्यवस्था' लोक वस्तु का क्लासिक उदाहरण है। Public goods में अपवर्जन का सिद्धांत लागू नहीं होता।

33. जे.आर. हिक्स के व्यापार चक्र सिद्धान्त में निम्नलिखित में से किसके द्वारा दीर्घकालिक साम्य संवृद्धि निर्धारित होती है?

(a) प्रौद्योगिकी (b) जनसंख्या

(c) स्वायत्त निवेश (d) (a) और (b) दोनों

Ans : (c) प्रो0 जे.आर. हिक्स ने 1950 में प्रकाशित पुस्तक 'A Contribution To the theory of Trade Cycle' में यह प्रतिपादित किया कि व्यापार चक्र गुणक तथा त्वरक की अन्तक्रिया का परिणाम है। हिक्स का व्यापार चक्र मॉडल कीन्सियन गुणक विश्लेषण, क्लार्क के त्वरक विश्लेषण तथा हैरॉड के आर्थिक संवृद्धि विश्लेषण तीनों पर आधारित है।

मान्यताएँ (1) बचत तथा विनियोग के मूल्य ऐसे है कि संस्थिति से विचलन संस्थिति से और दूर ही लेता जायेगा।

(2) पूर्णरोजगार स्तर पर विस्तार की ऊपरी सीमा निर्धारित होती है तथा संकुचन निचली सीमा द्वारा निर्धारित होगी।

(3) गुणक–त्वरक के क्रियाशीलन के संबंध में हिक्स 'समय पश्चता' मानते है अर्थात

$$C_t = f(y_{t-1})$$

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर हिक्स ने अपना सिद्धान्त स्पष्ट किया जो गुणक–त्वरक की अन्तक्रिया पर आधारित है। हिक्स के व्यापार चक्र की दो अवस्थायें है–

(1) विस्तार की अवस्था

(2) संकुचन की अवस्था ।

इसके अतिरिक्त दो मोड़ बिन्दु भी है–

(1) विस्तार से संकुचन की ओर या ऊपरी मोड़ बिन्दु।

(2) संकुचन से विस्तार की ओर या निचला मोड़ बिन्दु।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. निम्नलिखित में से कौन स्फीति–गतिरोध की विशेषता नहीं है?

(a) उच्च स्फीति (b) उच्च बेरोजगारी
(c) निम्न संवृद्धि (d) उच्च रोजगार

Ans : (d) उच्च रोजगार स्फीति गतिरोध की विशेषता नहीं है जबकि अन्य उच्च स्फीति, उच्च बेरोजगारी व निम्न संवृद्धि इत्यादि स्फीति गतिरोध की विशेषता है।

35. वर्ष 1869 से 1929 की अवधि के लिए अमरीकी आर्थिक आँकड़ों में साइमन कुटनेट्ज द्वारा आसंजित किये गए उपभोग फलन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. इस प्रकार असंजित किये गए रैखिक उपभोग फलन में कोई भी स्थिर पद नहीं प्रतीत हुआ।

II. ए पी सी और एम पी सी में बहुत अधिक भिन्नता नहीं थी ?

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं ? निम्नलिखित कूट से Ans : दीजिए–

कूट :

(a) दोनों कथन सही नहीं है
(b) केवल I सही है
(c) केवल II सही है
(d) दोनों कथन I और II सही हैं

Ans : (d) वर्ष 1869 से 1929 की अवधि के लिए अमरीकी आर्थिक आंकड़ों में साइमन कुजनेट्स द्वारा आसंजित किये गये उपभोग फलन के संबंध में निम्नलिखित कथन सत्य है–
(1) इस प्रकार आसंजित किये गये रैखिक उपभोग फलन में कोई भी स्थिर पद नहीं प्रतीत हुआ।
(2) ए.पी.सी. (APC) और एम.पी.सी. (MPC) में बहुत अधिक भिन्नता नहीं थी।

36. निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धान्त/उपागम उपभोग को प्रत्याशित आय पर निर्भर नहीं मानता है?

(a) केन्ज उपागम (b) फ्रीडमैन का उपागम
(c) जीवनचक्र (d) उपर्युक्त (b) और (c) दोनों

Ans : (a) फ्रीडमैन का स्थायी आय उपागम व एण्डो–मोदिग्लियानी का जीवन चक्र उपागम उपभोग को प्रत्याशित आय पर निर्भर मानता है जबकि कीन्स का निरपेक्ष आय उपागम उपभोग को प्रत्याशित आय पर निर्भर नहीं मानता है। निरपेक्ष आय परिकल्पना में आय और उपभोग के बीच गैर–आनुपातिक सम्बन्ध होता है।

37. एक अर्थव्यवस्था में बचत और निवेश फलन निम्नवत् दिए गए हैं–

S = –100 + 0.2 y
1 = –30 + 0.1 y
आय का साम्य स्तर क्या होगा?

(a) 1000 (b) 900
(c) 600 (d) 700

Ans : (d) संतुलन की स्थिति में –
S = I
(–100) + 0.2y = (–30) + 0.1y
0.2y – 0.1y = (–30) + 100
0.1y = 70
y = 700

38. दिए गए आँकड़े, : 0, 4, 5, 7, 100 के सेट के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सबसे उपयुक्त माध्य है?

(a) गणितीय माध्य (b) ज्यामितीय माध्य
(c) माध्यिका (d) हरात्मक माध्य

Ans : (c) दिये गये आकड़े, 0, 4, 5, 7, 100 के सेट के लिए माध्यिका सबसे उपयुक्त माध्य है।

39. निम्नलिखित में से कौन यादृच्छिक प्रतिचयन पद्धति है?

(a) कोटा प्रतिचयन (b) सोद्देश्य प्रतिचयन
(c) व्यवस्थित प्रतिचयन (d) क्लस्टर प्रतिचयन

Ans : (c & d) व्यवस्थित प्रतिचयन और क्लस्टर प्रतिचयन दोनों यादृच्छिक प्रतिचयन पद्धति है।

40. स्टेण्डर्ड प्रसामान्य वक्र के अंतर्गत -3σ और $+3\sigma$ के बीच क्षेत्र है–

(a) 1 (b) 0.9973
(c) 0.95 (d) 0.6826

Ans : (b) स्टेण्डर्ड प्रसामान्य वक्र के अन्तर्गत -3σ और -3σ के बीच 0.9973 क्षेत्र है।

41. सममित वितरण में विषमता का मान होगा–

(a) 3 (b) 0
(c) 1 (d) 2

Ans : (b) यदि आवृत्ति वितरण का वक्र घण्टी के आकार का हो तो विषमता का अभाव होता है अर्थात वक्र सममित होता है। इस स्थिति में विषमता का मान शून्य होता है। अर्थात्–

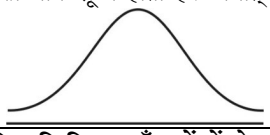

42. दिए गए निम्नलिखित आँकड़ों में से –

अवलोकन की संख्या = 100
गणितीय माध्य = 180
प्रसरण = 324
तब विचरण का गुणांक का मान होगा–

(a) 32.4% (b) 10%
(c) 18% (d) 1.8%

Ans : (b) दिये गये आकड़ों में विचरण गुणांक का मान 10% होगा।

43. निम्नलिखित में से कौन सा समय उत्क्रमण परीक्षण को पूरा करता है किन्तु कारक उत्क्रमण परीक्षण को नहीं ?

(a) लेस्पीयर्स (b) मार्शल–एजवर्थ
(c) फिशर (d) पॉशे

Ans : (b) मार्शल–एजवर्थ सूचकांक समय उत्क्रमण परीक्षण को पूरा करता है किन्तु कारक उत्क्रमण परीक्षण को पूरा नहीं करता है।

$$M_{10},= \frac{\sum P_1\left(\frac{q_0+q_1}{2}\right)}{\sum P_0\left(\frac{q_0+q_1}{2}\right)} \times 100$$

या $$\boxed{M_{10} = \frac{\sum P_1(q_0+q_1)}{\sum P_0(q_0+q_1)}}$$

यहाँ $q_0 + q_1$ को आधार माना गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. गुणों के संबंध के परीक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौन सा परीक्षण उपयुक्त है?

(a) t परीक्षण (b) F परीक्षण
(c) χ^2 परीक्षण (d) z परीक्षण

Ans : (c) गुणों के संबंध के परीक्षण के लिए χ^2 परीक्षण उपयुक्त है। इसके अतिरिक्त χ^2–Test का प्रयोग छोटे न्यादर्श की स्थिति में प्रसरण की सार्थकता की जांच में, सहजातीयता की जांच (Test of Homogenity) व आसंजन की उत्कृष्टता की जांच (Test of Goodness of fit) में इसका प्रयोग किया जाता है।

नोट : प्रश्न 45 से 50 अभिकथन (A) और तर्क (R) प्रकार के हैं। प्रश्नों की कुंजी इस प्रकार है–

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही है, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, किन्तु (R) सही नहीं है
(d) (A) सही नहीं है, किन्तु (R) सही है

45. अभिकथन (A) : लम्बी अवधि में और पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म केवल प्रसामान्य लाभ अर्जित करती है।
तर्क (R) : इस प्रणाली में परिवहन की कोई लागत नहीं है।

Ans : (b) पूर्णप्रतियोगिता के अन्तर्गत दीर्घकाल में समयावधि इतनी अधिक होती है कि फर्म उत्पादन के सभी साधनों में समुचित परिवर्तन कर सकती है। दीर्घकाल में नई फर्में उद्योग में प्रवेश कर सकती है व बाहर भी जा सकती है। इसलिए दीर्घकाल में अधिकतम लाभ प्रदान करने की उत्पादन मात्रा का निर्णय करने के लिए फर्म की दीर्घकालीन औसत लागत वक्र और दीर्घकालीन सीमांत लागत वक्र को ध्यान में रखना होता है। इस प्रकार दीर्घकाल में फर्म केवल सामान्य लाभ ही प्राप्त करती है। दीर्घकाल में फर्म के संतुलन की निम्न शर्तें हैं–
(1) MR = AR तथा
(ii) AC = MC
या $\boxed{MR = MC = AR = AC}$
इस प्रणाली में परिवहन की कोई लागत नहीं है। अतः (A) और (R) दोनों सही है पर (R), (A) की व्याख्या नहीं करता है।

46. अभिकथन (A) : एक श्रमिक ओवर टाइम काम करने के लिए तत्पर होता है।
तर्क (R) : उद्योग अपने कर्मचारियों को दक्षता–मजदूरी का भुगतान करता है।

Ans : (b) किसी भी फर्म के मालिक अपने श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान उनकी उत्पादन क्षमता के आधार पर करते है। यदि श्रमिक को भुगतान उनकी क्षमता के आधार पर किया जाता है तो वह उसे कार्य करने को प्रेरित करता है, जिससे उत्पादन बढ़ता है व उसकी आय बढ़ती है जिसके परिणामस्वरूप उसका जीवन स्तर सुधरता है। कोई श्रमिक ओवर टाइम काम करने के लिए तत्पर तब होता है जब उसकी मजदूरी कम हो या उसकी आवश्यकता अधिक हो। इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही है पर (R), (A) की व्याख्या नहीं करता है।

47. अभिकथन (A) : प्रगतिशील कराधान का सिद्धान्त सामान्यतया स्वीकार्य राज्यनीति है।
तर्क (R) : प्रगतिशील कराधान आय और सम्पत्ति के वितरण को प्रभावित नहीं करता है।

Ans : (c) प्रगतिशील कर प्रणाली के अन्तर्गत आय में वृद्धि के साथ–साथ कर की दर में वृद्धि होती जाती है तथा एक ऐसी स्थिति आती है जबकि आय की वृद्धि का बहुत अधिक भाग सरकार को प्राप्त होने लगती है।
इसमें कर का भार गरीबों पर कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है। इस प्रकार (A) सही है, किन्तु (R) गलत है, क्योंकि प्रगतिशील कराधान आय तथा सम्पत्ति के वितरण को प्रभावित करता है।

48. अभिकथन (A) : बाजार की अपूर्णता के कारण गतिरोध–स्फीति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
तर्क (R) : मजदूरी नम्यता से गतिरोध –स्फीति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

Ans : (b) गतिरोध स्फीति (Stagflation) की स्थिति में अर्थव्यवस्था में एक ओर तो कीमतें बढ़ती है तथा दूसरी ओर आर्थिक विकास अवरूद्ध होकर अर्थव्यवस्था में निष्क्रियता और जड़ता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है अर्थात् इस स्थिति में अर्थव्यवस्था में मन्दी तथा स्फीति दोनों साथ–साथ बनी रहती है। इस स्थिति में अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में एक ओर ऊंचे मूल्य तथा अधिपूर्ण रोजगार की स्थिति दृष्टिगोचर होती है तथा दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में गतिहीनता की स्थिति अर्थात् औद्योगिक तथा कृषि उत्पादन की कमी, बेरोजगारी, प्रतिकूल भुगतान संतुलन अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता इत्यादि दिखाई देता है।
गतिहीन स्फीति होने के कारण–
(1) मुद्रा की मात्रा में तेजी से वृद्धि।
(2) मजदूरी दरों में तीव्र वृद्धि।
(3) प्राकृतिक प्रकोप।
(4) विदेशी व्यापार में घाटा।
(5) उत्पादन लागत में वृद्धि।
(6) लम्बे समय तक मुद्रा स्फीति की स्थिति का बने रहना।

49. अभिकथन (A) : फ्रीडमैन मुद्रा को विलासिता की वस्तु मानता है।
तर्क (R) : यह विनिमय के माध्यम के रूप में काम करती है।

Ans : (b) क्लासिकल अर्थशास्त्री मुद्रा को विनिमय के रूप में प्रयुक्त करते है। अतः इनके अनुसार मुद्रा की मांग व्युत्पन्न मांग होती है। कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री मुद्रा की मांग के निर्धारण में मुद्रा के मूल्य संचय को महत्व प्रदान करते है। कीन्स के अनुसार मुद्रा की मांग से अभिप्राय मुद्रा की उस राशि से है जो लोग अपने पास रखते है।
फ्रीडमैन मुद्रा को बिलासिता की वस्तु मानते है अर्थात् मुद्रा को उपभोग वस्तु के रूप में महत्व देते है और उसकी मांग के वास्तविक स्तर पर न कि मौद्रिक स्तर पर ध्यान केन्द्रित करते है।
इस प्रकार (A) और (R) दोनों कथन सत्य है, किन्तु (R), (A) की व्याख्या नहीं करता है।

50. अभिकथन (A) : चल माध्य विधि उपनति अनुमान का तरीका है।
तर्क (R) : समाश्रयण विधि का प्रयोग काल श्रृंखला में उच्चावचन के अनुमान के लिए किया जाता है।

Ans : (c) चल माध्य विधि उपनति अनुमान का तरीका है। यह कथन सत्य है जबकि कथन (R) गलत है क्योंकि समाश्रयण विधि का प्रयोग काल श्रृंखला में उच्चावचन के अनुमान के लिए किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जनवरी-2017

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से कौन 'कार्टेल' के लिए सही है/हैं?

I. यह फर्म के अपने लाभ को अधिकतम करने का लक्ष्य करता है।

II. यह उद्योग, जिसका प्रतिनिधित्व कार्टेल करता है, में कुल उत्पादन के बारे में निर्णय करता है।

III. यह कीमत निर्धारित नहीं करता है जिस पर सदस्य अपना उत्पाद बेचते हैं।

नीचे दिए गए कूट से उत्तर दीजिए–

(a) उपर्युक्त सभी सही हैं (b) I और II सही हैं

(c) केवल II सही है (d) केवल I और III सही हैं

Ans. (c) – एक ही उद्योग की स्वतंत्र फर्मों के संगठन को कार्टेल कहा जाता है। कार्टेल का उद्देश्य उद्योग की फर्मों के मध्य प्रतियोगी प्रवृत्तियों पर रोक लगाकर फर्मों के लाभ को बढ़ाना होता है। कार्टेल की फर्में कीमत, उत्पादन तथा विक्रय के क्षेत्रों में समान नीतियों का अनुसरण करती है। अल्पाधिकार में लाभ विभाजन कार्टेल मॉडल फर्मों के मध्य पूर्ण गठबन्धन को स्वीकार करता है। फर्मों के उत्पादन का कोटा कार्टेल इस प्रकार निर्धारित करता है कि फर्मों का लाभ अधिकतम हो जाये। अल्पाधिकार में फर्मों के मध्य अपूर्ण गठबंधन कार्टेल मॉडल में उद्योग की सभी फर्मे एक चुनी हुई फर्म के द्वारा निर्धारित मार्ग का अनुसरण करती है। इस गठबन्धन में फर्में उद्योग की नेता फर्म द्वारा निर्धारित कीमत पर अपनी–अपनी वस्तुएं बेंचती है।

2. माँग वक्र में ऋणात्मक ढाल क्यों होता है?

I. केवल आय प्रभाव के कारण

II. प्रतिस्थापन प्रभाव के कारण

नीचे दिए गए कूट से उत्तर दीजिए–

(a) I और II दोनों (b) केवल I

(c) केवल II (d) I और II में कोई नहीं

Ans. (c) – मांग वक्र में ऋणात्मक ढाल प्रतिस्थापन प्रभाव के कारण होता है। प्रतिस्थापन प्रभाव से आशय X–वस्तु के मूल्य में सापेक्षिक परिवर्तन के कारण Y–वस्तु की मांगी गई मात्रा में परिवर्तन से है जबकि उपभोक्ता की वास्तविक आय पूर्ववत रखी गयी हो। मूल्य में कमी के कारण प्रतिस्थापन प्रभाव हमेशा वस्तु की मांग में वृद्धि लायेगा। जिससे प्रतिस्थापन प्रभाव हमेशा ऋणात्मक रहेगा।

प्रतिस्थापन प्रभाव के सन्दर्भ में दो प्रकार की धारणाएँ प्रस्तुत की गयी है–

(1) हिक्स का प्रतिस्थापन प्रभाव।

(2) स्लट्स्की का प्रतिस्थापन प्रभाव।

प्रतिस्थापन प्रभाव के इन दोनों धारणाओं में अन्तर इस बात पर निर्भर करता है वस्तु की कीमत में परिवर्तन से उत्पन्न उपभोक्ता की वास्तविक आय में परिवर्तन को उसकी मौद्रिक आय में कमी या वृद्धि करके नष्ट कर दिया जाये जिससे उपभोक्ता की वास्तविक आय पूर्ववत बनी रहे। हिक्स की धारणा में वास्तविक आय से अभिप्राय उपभोक्ता के संतुष्टि स्तर से है जबकि स्लट्स्की की धारणा में वास्तविक आय का अर्थ उपभोक्ता की क्रय शक्ति है।

3. बेन के प्रवेश निवारण मॉडल में फर्म किस पर प्रीमियम वसूलती है?

(a) दीर्घावधिक प्रतिस्पर्धात्मक कीमत

(b) अल्पावधिक प्रतिस्पर्धात्मक कीमत

(c) न्यूनतम औसत लागत

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) – बेन के प्रवेश निवारण मॉडल में फर्म दीर्घावधिक प्रतिस्पर्धात्मक कीमत पर प्रीमियम वसूलती है। बेन के अनुसार अल्पाधिकारी फर्में अल्पकालीन लाभों को इस डर के कारण अधिकतम नहीं करती है कि अल्पकाल में बहुत अधिक या असामान्य लाभ उन नई फर्मों के प्रवेश को प्रेरित करेगा जो उनके लाभ को दीर्घकाल में बड़ी मात्रा में कम कर देगी। अल्पाधिकारी फर्में अल्पकालीन लाभ अधिकतम करने वाली कीमतें नहीं निर्धारित करेंगी बल्कि इसके बजाय अपेक्षाकृत कम कीमत वसूल करेगी और इस प्रकार उद्योग में नई फर्मों के प्रवेश को रोकेगी। सीमा कीमत निर्धारण सिद्धान्त अथवा प्रवेश अवरोध सिद्धान्त को साइलोस लाबिनी, मोदिग्लियानी तथा जगदीश भगवती द्वारा और विकसित किया गया।

4. निम्नलिखित में से कौन–सा सुमेलित नहीं है?

वस्तु	**प्रकृति**
(a) बड़ी झील में मत्स्यन	–अपवर्जी किंतु प्रतिद्वंदी
(b) वायु	–अपवर्जी और अप्रतिद्वंद्वी
(c) प्रकाशस्तम्भ का प्रयोग	– प्रतिद्वंद्वी
(d) वाशिंग मशीन का स्टॉक	– अपवर्जी

Ans. (c) – प्रकाशस्तम्भ का प्रयोग प्रतिद्वन्द्विता रहित होता है, क्योंकि यह एक लोक वस्तु है। लोकवस्तु की दो महत्वपूर्ण विशेषता होती है–अपवर्जन का सिद्धान्त का लागू नहीं होना तथा प्रतिद्वन्द्विता की अनुपस्थिति।

5. उत्पादन संभाव्यता वक्र की ढाल होती है–

(a) विनिमय की सीमांत दर

(b) प्रतिस्थापन की सीमान्त दर

(c) रूपांतरण की औसत दर

(d) रूपांतरण की सीमान्त दर

Ans. (d) – उत्पादन संभाव्यता वक्र की ढाल रूपांतरण की सीमांत दर के समान होती है। Y–वस्तु के लिए X–वस्तु के रूपांतरण की सीमांत दर उस मात्रा को प्रदर्शित करती है, जिस मात्रा से Y– वस्तु के उत्पादन में कमी से युक्त साधनों की सहायता से X –वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई का उत्पादन करने के लिए Y– वस्तु के उत्पादन में कमी करनी पड़ती है अर्थात

रूपांतरण की सीमांत दर वह दर होती है जिस पर एक वस्तु का दूसरी में रूपांतरण होता है तथा यह दो वस्तुओं के उत्पादन की सीमांत लागतों के अनुपात के बराबर होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. दिए गए आरेख में आप्रवास में वृद्धि से लाभ आय में वृद्धि इस प्रकार है–

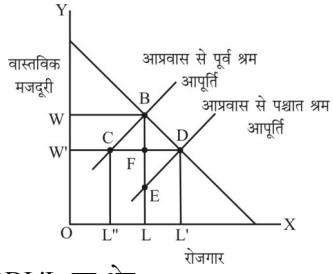

(a) BDL'L का क्षेत्र
(b) WBDW' का क्षेत्र
(c) WBFW' और FDL'L दोनों का क्षेत्र
(d) WBDW' और FDL'L दोनों का क्षेत्र

Ans. (b) – दिए गये आरेख में आप्रवास में वृद्धि से लाभ आय में वृद्धि WBDW' के क्षेत्र का है।

7. दुर्लभ चित्रों, दुर्लभ टिकटों इत्यादि की माँग की व्याख्या निम्नलिखित में से किस प्रभाव से की जा सकती है?

(a) स्नॉब प्रभाव (b) बैंडवैगन प्रभाव
(c) वेबलेन प्रभाव (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans. (a) – दुर्लभ चित्रों, दुर्लभ टिकटों इत्यादि की मांग की व्याख्या स्नॉब प्रभाव (Snob effect) से की जा सकती है।
किसी वस्तु के मूल्य गिरने पर समुदाय के कुछ लोग तो मूल्य में गिरावट के कारण मांग में वृद्धि लाये पर कुछ लोग सामान्य लोगों से अपने को अलग रखने के लिए कीमत में गिरावट के बाद भी उस वस्तु का मांग कम करें, बढाये नहीं तो इसे स्नॉब प्रभाव कहते है।

8. किसी बाजार को आर्थिक दृष्टि से दक्ष कहा जाता है यदि वह अधिकतम करता है–

(a) उपभोक्ता अधिशेष को
(b) उत्पादक अधिशेष को
(c) उपभोक्ता और उत्पादक अधिशेष के समुच्चय को
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) किसी बाजार को आर्थिक दृष्टि से दक्ष कहा जाता है यदि वह उपभोक्ता और उत्पादक अधिशेष के समुच्चय को अधिकतम करता है।

9. निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों में से किनका संबंध आभासी लगान की अवधारणा से है ?

I. ए. मार्शल
II. जे. रॉबिन्सन
III. डी. रिकार्डो
नीचे दिए गए कूट से उत्तर दीजिए–

(a) केवल I और III (b) I और II
(c) उपर्युक्त सभी (d) केवल III

Ans. (a) आर्थिक साहित्य में आभास-लगान के सिद्धान्त का समावेश मार्शल ने किया था। उसने रिकार्डो के भूमि-लगान सिद्धान्त को अल्पकाल में, अन्य स्थिर पूर्ति वाले साधनों पर लागू किया। मार्शल के शब्दो में "आभास लगान मानव द्वारा बनाई गई मशीनों और उपकरणों से प्राप्त आय है।"
अतः ए. मार्शल और डी. रिकार्डो आभासी लगान से सम्बन्धित अर्थशास्त्री हैं।

10. दिए गए आरेख में कौन सी रेखा प्रतिफल के नियम को निरूपित करती है?

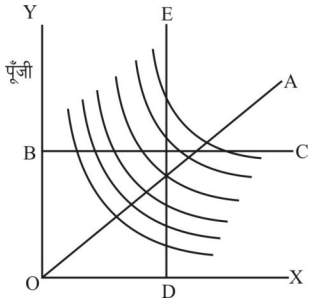

(a) OA
(b) BC
(c) DE
(d) उपर्युक्त (b) और (c) दोनों

Ans. (d) – दिये गये आरेख में OA तथा BC दोनों रेखा प्रतिफल के नियम को निरूपित करती है।

11. दिए गए आरेख में निम्नलिखित में से कौन सा प्रभाव सकल माँग वक्र AD को परिवर्तित करेगा ?

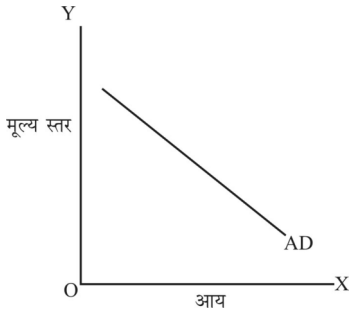

(a) व्यापार प्रभाव (b) तरलता प्रभाव
(c) सम्पत्ति प्रभाव (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) – दिये गये आरेख में निम्नलिखित प्रभाव सकल मांग वक्र AD को परिवर्तित करेगा–
(1) व्यापार प्रभाव
(2) तरलता प्रभाव
(3) सम्पत्ति प्रभाव।

12. सूची – I और सूची – II को सुमेलित कीजिए।

सूची –I	**सूची – II**
(a) केन्ज	i. ब्याज वास्तविक प्रघटना है।
(b) इरविग फिशर	ii.ब्याज अमौद्रिक प्रघटना है
(c) विकसेल	iii. ब्याज मौद्रिक और अमौद्रिक प्रघटना दोनों हैं
(d) क्लासिकल अर्थशास्त्री	iv. ब्याज मौद्रिक प्रघटना

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iv	ii	iii	i
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	ii	i	iv	iii

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a)

(a) केन्ज	(iv)	ब्याज मौद्रिक प्रघटना है।
(b) इरविग फिशर	(ii)	ब्याज अमौद्रिक प्रघटना है।
(c) विक्सेल	(iii)	ब्याज मौद्रिक और अमौद्रिक प्रघटना दोनों है।
(d) क्लासिकल अर्थशास्त्री	(i)	ब्याज वास्तविक प्रघटना है।

13. 1973 के तेल संकट में अमरीका और कुछ यूरोपीय राष्ट्रों में व्यापक आर्थिक संकट को भी जन्म दिया। इस संदर्भ में कौन सा कथन सही है?

(a) इसके कारण केन्ज के अर्थशास्त्र पर आधारित स्थापित नीतियों से मोहभंग हुआ।
(b) अवरोध–स्फीति नामक व्याधि उत्पन्न हो गई
(c) केन्ज के आर्थिक विचारों को चुनौती के रूप में नवीन क्लासिकल अर्थव्यवस्थाओं का प्रादुर्भाव हुआ।
(d) उपर्युक्त सभी सही है

Ans. (d) – 1973 के तेल संकट ने अमरीका और कुछ यूरोपीय राष्ट्रों में व्यापक आर्थिक संकट को भी जन्म दिया। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथन सत्य है–
(1) इसके कारण केन्ज के अर्थशास्त्र पर आधारित स्थापित नीतियों से मोहभंग हुआ।
(2) अवरोध–स्फीति नामक व्याधि उत्पन्न हो गई।
(3) केन्ज के आर्थिक विचारों को चुनौती के रूप में नवीन क्लासिकल अर्थव्यवस्थाओं का प्रादुर्भाव हुआ।

14. आई एस–एल एम प्रारूप के अनुसार सरकारी व्यय में वृद्धि के परिणामस्वरूप क्या होगा?

(a) आय और ब्याज दर दोनों में वृद्धि होगी
(b) केवल आय में वृद्धि होगी
(c) निवेश और ब्याज पर दोनों में कमी होगी
(d) आय और ब्याज दर दोनों में कमी होगी

Ans. (a) – IS–LM प्रारूप के अनुसार सरकारी व्यय में वृद्धि के परिणामस्वरूप आय और ब्याज दर दोनों में वृद्धि होगी।

15. निम्नलिखित में से कौन गुणक प्रभाव में रिसाव के रूप में माना जा सकता है?

(a) आयात की उच्चतर प्रवृत्ति
(b) बचत करने की उच्चतर प्रवृत्ति
(c) उपर्युक्त (a) और (b) दोनों
(d) उपर्युक्त (a) और (b) में कोई नहीं

Ans. (c) आयात की उच्चतर प्रवृत्ति तथा बचत करने की उच्चतर सीमांत प्रवृत्ति गुणक प्रभाव में रिसाव के रूप में माना जा सकता है।

16. रॉबिन्सन–एजावा प्रमेय के अनुसार धीर संवृद्धि अवस्था तभी संभव होगी जब तकनीकी प्रगति :

(a) केवल हिक्स तटस्थ हो
(b) केवल हैरोड तटस्थ हो
(c) केवल सोलो तटस्थ हो
(d) हिक्स और हैरोड तटस्थ दोनों हो

Ans. (b) रॉबिन्सन–उजावा प्रमेय के अनुसार धीर संवृद्धि अवस्था (steady state growth) तभी संभव होगी जब तकनीकी प्रगति केवल हैरॉड तटस्थ हो।
हैरॉड ने अपनी पुस्तक 'Towards a dynamic economics' में तटस्थ तकनीकी प्रगति को परिभाषित किया है। इनके अनुसार तकनीकी प्रगति तब तटस्थ होती है जब लाभ की एक स्थिर दर पर पूंजी उत्पाद अनुपात भी स्थिर रहे। यदि तकनीकी प्रगति के पश्चात् एक स्थिर लाभ की दर पर COR बढ़ जाता है तो यह श्रम बचतकारी तकनीकी प्रगति होती है इसके विपरीत यदि COR घट जाता है तो पूंजी बचतकारी तकनीकी प्रगति होगी।

17. निम्नलिखित में से कौन स्थायी आय परिकल्पना की मान्यता नहीं है?

(a) अस्थायी आय धनात्मक और ऋणात्मक दोनों हो सकती है
(b) स्थायी आय मानवीय और गैर–मानवीय सम्पत्ति पर निर्भर करती है
(c) अस्थायी उपभोग धनात्मक और ऋणात्मक दोनों हो सकता है
(d) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति उपभोग करने की सीमान्त प्रवृत्ति से अधिक होती है

Ans. (d) – स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन मिल्टन फ्रीडमैन ने किया। इस परिकल्पना के अनुसार किसी परिवार की स्थायी आय उसकी उस वर्ष की चालू आय से प्रभावित नहीं होती है बल्कि दीर्घकाल में प्राप्य प्रत्याशित आय से प्रभावित होती है। स्थायी आय या दीर्घकालीन प्रत्याशित आय 'मानवीय तथा गैर–मानवीय धन' दोनों से अर्जित की जाती है।

मान्यताएँ –

(i) $C_P = K.Yp$ अर्थात् स्थायी उपभोग स्थायी आय के K अनुपात के बराबर होता है जहाँ K स्थायी औसत उपभोग प्रवृत्ति है।
(ii) $Y_m = Y_p + Y_t$ अर्थात् मापित आय स्थायी व अस्थायी आय का योग होती है।
(iii) $R_1 (Y_t, Y_p) = 0$ अर्थात् स्थायी आय और अस्थायी आय के बीच सहसंबंध गुणांक शून्य (0) होगा।
(iv) $R_2 (C_t , C_p) = 0$ स्थायी उपभोग और अस्थायी उपभोग के बीच सहसम्बन्ध गुणांक शून्य होता है।
(v) $R_3 (Y_t, C_t) = 0$ अस्थायी आय और अस्थायी उपभोग के बीच सहसंबंध गुणांक शून्य होता है।
फ्रीडमैन ने आय का विभाजन तीन भागों में किया –
(i) मापित आय (y_m) (ii) स्थायी आय (y_p)
(iii) अस्थायी आय (y_t)
और बताया कि मापित आय स्थायी व अस्थायी आय का योग है–

$$\boxed{y_m = y_p + y_t}$$

मापित व अस्थायी आय परिवर्तनीय है जबकि स्थायी आय में कोई परिवर्तन नहीं होता है। इसलिए फ्रीडमैन ने उपभोग का निर्धारण स्थायी आय के द्वारा किया ।
इसी प्रकार फ्रीडमैन उपभोग का भी विभाजन तीन भागों में किया –
(1) मापित उपभोग (c_m) (2) स्थायी उपभोग (c_p)
(3) अस्थायी उपभोग (c_t)
और कहा कि मापित उपभोग स्थायी व अस्थायी उपभोग का योग है–

$$\boxed{c_m = c_p + c_t}$$

फ्रीडमैन ने बताया कि स्थायी उपभोग का निर्धारण अस्थायी आय द्वारा होता है। यानि स्थायी उपभोग स्थायी आय का फलन होता है।

$$\boxed{c_p = k, y_p}$$

जहाँ K, c_p व y_p के बीच आनुपातिक गुणांक है तथा इसका मान शून्य और एक के बीच होता है अर्थात् $0 < k < 1$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. त्वरक मॉडल निम्नलिखित किनमें परिवर्तन के द्वारा निवेश में परिवर्तन के निर्धारण का पूर्वकथन करता है?

(a) ब्याज (b) उत्पादन
(c) पूँजी (d) माल सूची

Ans. (b) – त्वरक के मूल विचार का प्रतिपादन फ्रांसीसी अर्थशास्त्री अफ्तालियन द्वारा 1913 में किया गया परन्तु इस धारणा को विकसित करने का श्रेय जे.एम. क्लार्क को है। इसे व्युत्पन्न मांग का त्वरण सिद्धान्त भी कहा जाता है।

त्वरक सिद्धान्त विनियोग व्यय तथा उत्पादन के बीच सम्बन्ध की व्याख्या करता है यह पूंजी के स्टॉक तथा उत्पादन की वृद्धि के बीच सम्बन्ध व्यक्त करता है तथा यह प्रतिपादित करता है कि यदि मूल्य स्तर में कोई परिवर्तन नहीं हो तो उत्पादन में वृद्धि विनियोग में वृद्धि लायेगी। विनियोग उत्पादन या आय की वृद्धि का फलन है। उत्पादन में वृद्धि विनियोग में वृद्धि लायेगी।

मान्यतायें–

(i) उपभोग वस्तुओं के उद्योगों में अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता का अभाव है।
(ii) पूंजीगत वस्तुओं के उद्योगों में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विद्यमान हो।
(iii) पूंजी उत्पाद अनुपात स्थिर है।
(iv) उत्पादन के साधन सहजातीय तथा पूर्णतया विभाज्य है।
(v) वित्त तथा अन्य आगतों की पूर्ति बहुत अधिक लोचदार है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर त्वरक उपभोग के परिवर्तन का निवेश पर प्रभाव व्यक्त करता है।

$$\alpha = \frac{\Delta I}{\Delta C}$$

त्वरक गुणांक स्थिर नहीं रहता बल्कि इसमें परिवर्तन होता रहता है जो पूंजी–उत्पाद अनुपात पर निर्भर करता है।

19. शुम्पीटर के विकास सिद्धान्त के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर ध्यान दें–

I. विकास उद्भववादी होता है।
II. विकास का वित्तीयन वास्तविक बचत द्वारा होता है
III. पूंजीवाद समयोपरांत अपना स्वरूप यथावत रखता है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य हैं/हैं? नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये–

कूट :

(a) केवल I (b) केवल I तथा II
(c) उपर्युक्त सभी (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans. (d) – प्रो0 शुम्पीटर ने अपनी पुस्तक 'The Theory of Economic Development' में आर्थिक विकास का सिद्धान्त प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने आर्थिक विकास की प्रक्रिया की व्याख्या किया तथा यह माना कि आर्थिक विकास की प्रक्रिया असंगत, असतत् एवं उच्चावचनपूर्ण होती है जो चक्रीय प्रवाह के रूप में आगे बढ़ती है जिसमें साहसी, नवप्रवर्तन और वित्तीय संस्थाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शुम्पीटर के अनुसार विकास का कारण चक्रीय प्रवाह में असतत् विचलन है जो नवप्रवर्तन के रूप में आता है और इस नवप्रवर्तन को साहसी लाता है। साहसी को शुम्पीटर के विकास प्रक्रिया में केन्द्रीय स्थान प्राप्त है। साहसी नवप्रर्वतक होता है जो उत्पादन के साधनों के नवीन संयोगों को अपनाता है, जिससे नवप्रर्वतन होता है। नवप्रर्वतन निम्न रूपों में होता है।

(i) नयी वस्तुओं या उत्पाद का प्रवेश।
(ii) उत्पादन की नयी विधि
(iii) नये बाजारों की खोज
(iv) कच्चे माल की पूर्ति का नया स्त्रोत
(v) नये संगठन का क्रियान्वयन।

शुम्पीटर के अनुसार साहसी अपनी वर्तमान आय में से बचत का निवेश में प्रयोग करने के बजाय बैंक द्वारा सृजित साख का प्रयोग करता है। जो कि शुम्पीटर को क्लासिकल तथा नव–क्लासिकल से अलग करता है। सारांश रूप में शुम्पीटर के विकास सिद्धान्त का मुख्य तत्व साहसी है, जो राष्ट्रीय आय में वृद्धि लाने में अग्रणी भूमिका निभाता है और राष्ट्रीय उत्पाद में यह वृद्धि सपाट एवं सतत् प्रक्रिया के तहत नहीं अपितु असमान, असतत् व उच्चावचनपूर्ण होती है।

शुम्पीटर के अनुसार पूंजीवाद की सफलता ही उसके पतन के लिए जिम्मेदार है।

20. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने असीमित श्रम आपूर्ति की संकल्पना पर आधारित अपना मॉडल नहीं बनाया है?

(a) डी.डब्ल्यू. जोरगेन्सन (b) रेनिस फेई
(c) डब्ल्यू. आर्थर. लेविस (d) गुन्नार मिर्डाल

Ans. (d) – गुन्नार मिर्डाल ने असीमित श्रम आपूर्ति की संकल्पना पर आधारित अपना मॉडल नहीं बनाया है जबकि शेष अन्य डी.डब्ल्यू. जोरगेन्सन, फाई–रेनिस व डब्ल्यू. आर्थर लेविस ने असीमित श्रम आपूर्ति की संकल्पना पर आधारित अपना मॉडल बनाया है।

21. गुन्नार मिर्डाल ने आर्थिक विकास के किस पहलू पर ध्यान केन्द्रित किया ?

(a) पूँजी दुर्लभता (b) मानव संसाधन दुर्लभता
(c) क्षेत्रीय विषमताएँ (d) जनसंख्या विस्फोट

Ans. (c) – अल्पविकसित देशों के अल्पविकास के कारणों की व्याख्या करते हुए गुन्नार मिर्डाल ने अपनी पुस्तक Economic Theory and Under development Regions में प्रस्तुत दृष्टिकोण का वर्णन किया है। मिर्डाल के अनुसार चक्रीय संचयी क्रिया तथा प्रत्यस्त प्रभाव के कारण अल्पविकसित तथा विकसित देशों के बीच व्यापार से असंस्थिति की स्थिति पैदा होती है और जो संचयी रूप से संस्थिति से दूर होती जाती है। इसको निम्नलिखित उदाहरण के द्वारा स्पष्ट कर सकते है–

माना दो देश A व B है। दोनों देशों में मजदूरी का निर्धारण मांग व पूर्ति की शक्तियों द्वारा होता है। जो वर्तमान में $W_A = W_B$ दोनों देशों में बराबर है। किसी कारण से देश A में मजदूर की मांग बढ़ जाती है। जिससे मजदूरी दर बढ़कर OWA_1 हो जाती है जो कि B देश से अधिक है जिससे मजदूर B देश से A देश की ओ जाने लगेंगे और B देश में कमी होगी। इस क्रम में देश B के ऊपर प्रतिकूल प्रभाव निरंतर संचयी रूप से बढ़ता चला जायेगा, जिसे मिर्डाल ने Back wash effect कहा तथा A देश विकसित होता चला जायेगा जो कि spread effect है। इसके परिणामस्वरूप B देश में विद्यमान पहले से छोटे–मोटे उद्योगों का गला घोटा जायेगा।

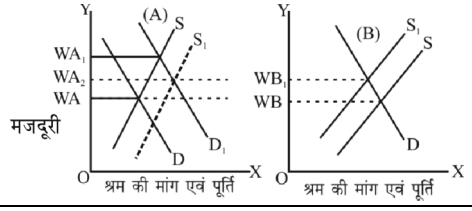

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. फेई रेनिस का आर्थिक विकास का सिद्धान्त निम्नलिखित में से किस पर आधारित है ?

(a) विकास के प्रति द्वैत उपागम
(b) प्रच्छन्न बेरोजगारी की उपस्थिति
(c) कृषि विकास का महत्त्व
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) – फाई–रेनिस ने अपने एक लेख 'A Theory of Economic Development' में द्वैत अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित मॉडल का प्रतिपादन किया जिसे आर्थर लेविस के मॉडल के सुधार के रूप में जाना जाता है जिसमें श्रम आधिक्य एवं सीमित संसाधन तथा अधिकतर जनसंख्या कृषि कार्य में संलग्न है और अर्थव्यवस्था में प्रच्छन्न बेरोजगारी व उच्च जनसंख्या वृद्धि दर विद्यमान है। इस दशा में विकास कृषि के अतिरिक्त मजदूरों को औद्योगिक क्षेत्र में हस्तांतरण से संभव होता है।

मान्यताएँ –

(1) बन्द अर्थव्यवस्था है।
(2) द्वैत अर्थव्यवस्था है जिसमें कृषि क्षेत्र तथा औद्योगिक क्षेत्र विद्यमान है।
(3) कृषि क्षेत्र का उत्पादन केवल भूमि तथा श्रम का फलन है।
(4) भूमि की पूर्ति स्थिर है।
(5) भूमि के सुधार के अतिरिक्त कृषि में पूंजी का संचय नहीं होता है।
(6) कृषि में ह्रासमान प्रतिफल का नियम पाया जाता है जिसमें श्रम एक परिवर्तनीय साधन है।
(7) श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य होने पर श्रम को कृषि उत्पादन में हानि के बिना औद्योगिक क्षेत्र में हस्तान्तरण किया जा सकता है।
(8) औद्योगिक क्षेत्र का उत्पादन केवल पूंजी तथा श्रम का फलन है।
(9) जनसंख्या की वृद्धि को एक बर्हिजात चर माना गया है।
(10) औद्योगिक क्षेत्र में वास्तविक मजदूरी की दर स्थिर रहती है। जो कृषि क्षेत्र में औसत उत्पादकता के बराबर है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर फाई–रेनिस ने एक श्रम आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था के विकास की तीन अवस्थायें बतायी –

(1) प्रथम अवस्था में, प्रच्छन्न बेरोजगार श्रमिकों को कृषि क्षेत्र से औद्योगिक क्षेत्र में स्थिर संस्थागत मजदूरी दर पर हस्तनांतरण कर दिया जाता है क्योंकि वे कृषि क्षेत्र में योगदान नहीं करते है।
(2) द्वितीय अवस्था में, ऐसे कृषि श्रमिकों का हस्तानांतरण किया जाता है जो संस्थानिक मजदूरी से कम योगदान करते है। यदि श्रमिकों का निरंतर हस्तांतरण किया जाता रहता तो अन्ततः ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जब श्रमिक संस्थानिक मजदूरी के बराबर उत्पादन करते है।
(3) तृतीय अवस्था में, जो कि उत्कर्ष की अन्तिम स्थिति तथा आत्मजनक वृद्धि का प्रारंभ है तथा श्रमिक संस्थानिक मजदूरी से अधिक उत्पादन करने लगते है। इस अवस्था में श्रम अतिरेक समाप्त हो जाता है और कृषि का वाणिज्यिकरण हो जाता है।

फाई–रेनिस का मॉडल उत्कृष्ट प्रक्रिया के दौरान अर्थव्यवस्था की संतुलित संवृद्धि की शर्तों को पूरा करता है। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था की संतुलित संवृद्धि के लिए कृषि तथा औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में एक साथ निवेश आवश्यक है।

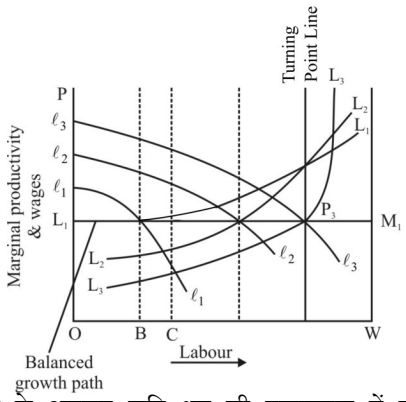

फाई–रेनिस के अनुसार कृषि श्रम की उत्पादकता में प्रत्येक वृद्धि लेविस द्वारा वर्णित Turning Point को स्थगित करती जायेगी। जैसे–जैसे कृषि में निवेश होगा, वैसे-वैसे कृषि उत्पादकता में वृद्धि होती है जिससे श्रम की पूर्ति बढ़ जाती है जिसे औद्योगिक क्षेत्र में हस्तान्तरित किया जा सकता है।

23. आन्द्रे गुन्डर फ्रैंक जो एक प्रमुख निर्भरता सिद्धान्तवादी हैं सुझाव देते हैं कि निम्नलिखित आर्थिक कार्यकलापों ने अल्पविकसित में योगदान किया हैं :

(i) स्वदेशी उपक्रमों को अधिक उन्नत प्रौद्योगिकी वाले भूमंडलीय अनुषंगी कंपनियों से प्रतिस्थापित करना।

(ii) अर्थव्यवस्था को विकसित देशों के साथ व्यापार और उनके निवेश के लिए बंद करना।

(iii) गाँवों से विदेशी प्रभुत्व वाले नगरीय परिसरों की ओर श्रमिकों का प्रवास

(iv) फैक्टरियों और खानों और बागानों में काम करने के लिए अकुशल श्रमबल का निर्माण करना

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए–

कूट :

(a) (i), (iii) और (iv) (b) (i), (ii) और (iii)
(c) (ii), (iii) और (iv) (d) (i), (ii), (iii) और (iv)

Ans. (a) – आन्द्रे गुन्डर फ्रैंक जो एक प्रमुख निर्भरता सिद्धान्तवादी है, सुझाव देते है कि निम्नलिखित आर्थिक कार्यकलापों ने अल्पविकसित में योगदान किया है–

(1) स्वदेशी उपक्रमों को अधिक उन्नत औद्योगिकी वाले भूमंडलीय अनुषंगी कंपनियों से प्रतिस्थापित करना।
(2) गावों से विदेशी प्रभुत्व वाले नगरीय परिसरों की ओर श्रमिकों का प्रवास।
(3) फैक्टरियों खानों और बागानों में काम करने के लिए अकुशल श्रमबल का निर्माण करना।

24. हैरोडियन अर्थव्यवस्था में आई सी ओ आर 4.5: 1 है, जनसंख्या संवृद्धि 2% प्रतिवर्ष है और निवेश की दर 27% है। परिणामतः प्रतिव्यक्ति वार्षिक संवृद्धि होगी –

(a) 2.5% (b) 9%
(c) 6% (d) 4%

Ans. (d) $G = \frac{S}{Cr} = \frac{27}{4.5} = 6$

प्रति व्यक्ति वार्षिक समृद्धि 6–2 = 4%

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. निम्नलिखित में से कौन सही–सही सुमेलित नहीं है?

	लेखक	पुस्तक
(a)	एम. फ्रीडमैन	–कैपिटलिज्म एंड फ्रीडम
(b)	अमर्त्य सेन	–आर्गुमेन्टेटिव इंडियन
(c)	जोसेफ स्टिग्लिट्ज	–इन डिफेन्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन
(d)	रुचिर शर्मा	–द राज एण्ड फॉल ऑफ नेशन्स

Ans. (c) सुमेलित नहीं है
जोसेफ स्टिग्लिट्ज –इन डिफेन्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन
सही सुमेलित है
एम. फ्रीडमैन –कैपिटलिज्म एंड फ्रीडम
अमर्त्य सेन –आर्गुमेन्टेटिव इंडियन
रुचिर शर्मा –द राज एण्ड फॉल ऑफ नेशन्स
नोट– इन डिफेन्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन बुक के लेखक प्रो0 जगदीश भगवती है। यह पुस्तक 2004 में लिखी गयी।

26. निम्नलिखित में से कौन सा कथन श्रीमती जॉन रॉबिन्सन की संवृद्धि मॉडल में स्वर्णयुग साम्य के लिए सही नहीं है?

(a) लाभ के दर के बढ़ने की प्रवृत्ति होती है
(b) वास्तविक मजदूरी का स्तर प्रति व्यक्ति उत्पादन के साथ बढ़ता है
(c) तकनीकी प्रगति तटस्थ है
(d) जनसंख्या स्थिर दाब पर बढ़ रही है।

Ans. (a) – श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने अपनी पुस्तक "The Accumulation of Capital" में पूंजीवादी नियमों पर आधारित आर्थिक संवृद्धि के एक सरल मॉडल का निर्माण किया है। इस मॉडल में उन्होंने अर्थव्यवस्था के स्वर्णयुग की बात की है। यह मॉडल दो आधारभूत तथ्यों पर आधारित है–
(1) पूंजी निर्माण की दर आय के वितरण पर निर्भर करती है।
(2) श्रम के प्रयोग की दर पूंजी की पूर्ति तथा श्रम की पूर्ति पर निर्भर करती है।

मान्यताएँ
(1) अर्थव्यवस्था एक बन्द अर्थव्यवस्था है।
(2) उत्पादन के दो साधन है– श्रम व पूंजी।
(3) तकनीकी प्रगति तटस्थ होती है।
(4) श्रम की पूर्ति असीमित है।
(5) केवल दो ही वर्ग होते है जिनके बीच आय का वितरण होता है– श्रमिक तथा उद्यमी।
(6) उद्यमी अपने बचत तथा लाभ को केवल पूंजी–निर्माण के लिए निवेश करते है।
(7) कीमत स्तर में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
(8) पूंजी–श्रम अनुपात स्थिर है।
(9) जनसंख्या वृद्धि दर अस्थिर है।
(10) मजदूरी की सीमांत बचत शून्य तथा उद्यमी की एक के बराबर होती है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर श्रीमती रॉबिन्सन ने अपना मॉडल दिया। उनके अनुसार पूंजी में वृद्धि दर के अतिरिक्त जनसंख्या वृद्धि दर दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर को निर्धारित करता है। जब जनसंख्या की वृद्धि दर पूंजी की वृद्धि दर के बराबर हो जाती है तो अर्थव्यवस्था पूर्णरोजगार संतुलन में होती है। इस स्थिति को रॉबिन्सन ने 'स्वर्ण युग' कहा। अर्थात्

$\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N} = \text{constant}$ – steady growth rate

यदि अर्थव्यवस्था 'स्वर्ण युग' के मार्ग से विचलित हो जाये तो कुछ आर्थिक शक्तियां पुनः संतुलन की स्थिति पर लाने का प्रयत्न करती है। रॉबिन्सन का कहना है कि अल्पविकसित देशों की अपेक्षा विकसित देशों की 'स्वर्ण युग' संतुलन मार्ग पर लौटने की संभावना अधिक होती है।

27. केन्द्रीय बजट 2015–16 के लिए निम्नलिखित को जी डी पी में उनके प्रतिशत के आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए –
(i) राजस्व घाटा (ii) प्रभावी घाटा
(iii) प्राथमिक घाटा (iv) राजकोषीय घाटा
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(a) (iii), (ii), (i), (iv) (b) (ii), (iii), (iv), (i)
(c) (i), (iv), (iii), (ii) (d) (iv), (i), (ii), (iii)

Ans. (a) – केन्द्रीय बजट 2015–16 के अनुसार घाटों का GDP में उनके प्रतिशत के अनुसार आरोही क्रम निम्नलिखित है–
(iii) प्राथमिक घाटा (ii) प्रभावी घाटा
(i) राजस्व घाटा (iv) राजकोषीय घाटा

28. क्षैतिज वितरण की अनुशंसा करते समय 14वें वित्त आयोग ने निम्नलिखित में से किस मापदंड को सबसे कम भार दिया ?
(a) जनसांख्यिकीय परिवर्तन (b) क्षेत्रफल
(c) जनसंख्या (d) आय दूरी

Ans. (a) – क्षैतिज वितरण की अनुशंसा करते समय 14वें वित्त आयोग ने विभिन्न कारक (Factor) को निम्नवत् भार प्रदान किया–

कारक (Factor)	प्रदत्त भारांश
(1) जनसंख्या (1971)	17.5%
(2) जनांकिकीय परिवर्तन	10%
(3) आय दूरी	50%
(4) क्षेत्रफल	15%
(5) वन क्षेत्र	7.5%
(6) राजकोषीय अनुशासन	0

29. यदि किसी वर्ष सरकार का सकल राजकोषीय घाटा ₹ 3,00,000 करोड़ है, राजस्व घाटा घाटा ₹ 1,50,000 करोड़ है और ब्याज भुगतान ₹ 80,000 करोड़ है, उस वर्ष सरकार का प्राथमिक घाटा कितना है?
(a) ₹ 70, 000 करोड़ (b) ₹ 23, 000 करोड़
(c) ₹ 2, 20,000 करोड़ (d) ₹ 1, 50, 000 करोड़

Ans. (c) – प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा-ब्याज भुगतान
प्रश्नानुसार,
सकल राजकोषीय घाटा = ₹ 3,00,000 करोड़
राजस्व घाटा = ₹ 1,50,000 करोड़
ब्याज भुगतान = ₹ 80,000 करोड़
प्राथमिक घाटा = 300000 – 80000
= 2.20000 करोड़

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. केन्द्रीय बजट 2016–17 के प्रस्तावों के अनुसार निम्नलिखित में से किस कर का हिस्सा कुल राजस्व संग्रह में अधिकतम योगदान करता है?

(a) कार्पोरेशन कर (b) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
(c) सीमा शुल्क (d) आयकर

Ans. (a) – केन्द्रीय बजट 2016–17 के प्रस्तावों के अनुसार निगम कर (Corporation Tax) का हिस्सा कुल राजस्व संग्रह में अधिकतम योगदान करता है।
केन्द्रीय बजट 2017–18 के आंकड़ों के अनुसार कुल राजस्व संग्रह में करों का योगदान निम्नवत् है–
(1) निगम कर (2) आय कर
(3) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (4) सीमा शुल्क

31. सार्वजनिक व्यय में संकेन्द्रण और विस्थापन प्रभाव की अवधारणा का श्रेय किसे दिया जाता है?

(a) एलन टी पीकॉक एंड जैक वाइजमैन
(b) ए.आर.प्रेस्ट एंड आई.एम.डी. लिट्टल
(c) ए.सी.पीगू एंड जे.के. मेहता
(d) केनेथ ऐरो एंड पॉल.ए. सैमुअलसन

Ans. (a) सार्वजनिक व्यय में संकेन्द्रण और विस्थापन प्रभाव की अवधारणा का श्रेय एलन टी पीकॉक एवं जैक वाइजमैन को दिया जाता है। वाइजमैन तथा पीकॉक ने 1890–1955 की अवधि में ब्रिटेन में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि लोकव्यय में वृद्धि इसलिए होती है क्योंकि सरकार की आय में वृद्धि होती है। सामान्य समय में लोक व्यय का आकार सीमित होगा क्योंकि आम लोग अधिक कर के भुगतान के लिए तैयार नहीं होंगे। अतः कर स्तर नीचा ही होता है। लेकिन युद्ध, आर्थिक मन्दी जैसे किसी बड़े संकट में लोगों के भार को सहन करने का स्तर ऊंचा हो जाता है। युद्ध के समाप्त हो जाने पर सभी कर समाप्त नहीं होते, क्योंकि कुछ नये कर लगे ही रह जाते है। इससे सरकार की आय तथा व्यय में स्थायी वृद्धि हो जाती है। जिसे 'विस्थापन प्रभाव' कहा गया। इस प्रभाव के कारण लोक व्यय में स्थिर वृद्धि नहीं होती है बल्कि अनियमित रूप से छलांग लगाते हुए वृद्धि होती है जैसे मकान की सीढ़ी।

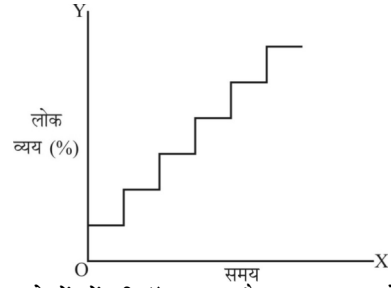

विकासशील देशों में पीकॉक–वाइजमैन अवधारणा के सदृश ही 'प्लीज़ प्रभाव' (Please effect) है। इन देशों में लोक व्यय विशेषकर उपभोग संबंधी लोक व्यय में वृद्धि इसलिए होती है क्योंकि ऐसे व्यय के लिए साधन उपलब्ध है। कर राजस्व में वृद्धि होने पर सार्वजनिक बचत में वृद्धि होने के स्थान पर सरकारी उपभोग व्यय में ही अधिक वृद्धि होती है। पीकॉक–वाइजमैन अवधारणा का अनुमोदन मस्ग्रेव ने किया है।

32. निम्नलिखित में से कौन सा कथन वरदूर्न नियम के लिए सही है?

(a) दीर्घावधिक उत्पादकता सामान्यतया उत्पादन वृद्धि के वर्गमूल के समानुपातिक बढ़ती है
(b) अल्पावधिक उत्पादकता सामान्यतया उत्पादन वृद्धि के समानुपातिक बढ़ती है
(c) वरदूर्न गुणांक का मूल्य 1 के लगभग होता है
(d) वरदूर्न का नियम सोलो मॉडल के कार्यकरण के अनुरूप होता है

Ans. (a) – विनिर्माण उत्पाद की संवृद्धि दर तथा विनिर्माण उद्योग की उत्पादकता के बीच मजबूत धनात्मक सहसम्बन्ध को वरदूर्न नियम (Verdoorn's law) कहते है।

33. निम्नलिखित में से कौन सा किसी क्षेत्र के औद्योगिक वातावरण में सुधार में योगदान कर सकता है?

(a) विकास बैंक (b) ट्रेड युनियन
(c) प्राकृतिक संसाधन (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (a) – विकास बैंक किसी क्षेत्र के औद्योगिक वातावरण में सुधार में योगदान कर सकता है।

34. शोधकर्त्ता बताते हैं कि मुद्रा की आय वेग समय के साथ निम्नलिखित में से किसके कारण गिर रहा है?

(a) मुद्रा की माँग की आय लोच इकाई से अधिक है
(b) मुद्रा की माँग की आय लोच इकाई से कम है
(c) मुद्रा की माँग की आय लोच इकाई के बराबर है
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (a) – शोधकर्ता बतातें है कि मुद्रा की आय वेग समय के साथ मुद्रा की मांग की आय लोच इकाई से अधिक होने के कारण गिर रहा है।

35. मुद्रावासियों के अनुसार मुद्रा फलन के लिए माँग होती है–

(a) स्थिर और ब्याज लोचहीन
(b) सतत और ब्याज लोचदार
(c) स्थिर और ब्याज लोचदार
(d) अस्थिर और ब्याज लोचहीन

Ans. (a) – मुद्रावादियों के अनुसार मुद्रा फलन के लिए मांग स्थिर और ब्याज लोचहीन होती है।

36. निम्नलिखित तरल परिसम्पत्तियों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए–

(1) सावधि जमा
(2) बचत जमा
(3) करेंसी
(4) माँग–जमा

निम्नलिखित कूटों से उत्तर दीजिए–

(a) 4, 1, 2, 3 (b) 3, 4, 2, 1
(c) 1, 2, 4, 3 (d) 2, 1, 3, 4

Ans. (b) – दिये गये तरल परिसम्पत्तियों का अवरोही क्रम निम्नवत् है–
(3) करेंसी।
(4) मांग जमा।
(2) बचत जमा।
(1) सावधि जमा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–

सूची–I	सूची–II
(a) अल्फ्रेड मार्शल	i. M = PKT
(b) इर्विंग फिशर	ii. M = PKY
(c) रॉबर्टसन	iii. N = PK
(d) केन्ज	iv. MV = PT

निम्नलिखित कूटों से उत्तर दीजिए।

कूट :

	a	b	c	d
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	ii	iv	i	iii
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	iii	i	iv	ii

Ans. (b) – (a) अल्फ्रेड मार्शल ..... (ii) M = PKY
(b) इर्विंग फिशर ..... (iv) MV = PT
(c) राबर्टसन ..... (i) M = PKT
(d) केन्ज ..... (iii) N = PK

38. जेम्स टॉबिन मुद्रा के अपने सिद्धान्त में लॉर्ड केन्ज द्वारा प्रतिपादित तरलता की वरीयता के लिए मुद्रा की माँग के निम्नलिखित निष्कर्षों/मान्यताओं के साथ सहतम नहीं था
I. भावी ब्याज दरों की प्रत्याशा की लोच
II. व्यक्ति या तो मुद्रा रखते हैं या बॉण्ड
उपर्युक्त में से कोई सा सही है?

कूट :

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) I और II में कोई नहीं

Ans. (c) – जेम्स टोबिन ने अपने लेख 'Liquidity Preference as Behaviour Towards Risk' में विनियोग सूची चयन पर आधारित जोखिम निवारण तरलता पसंदगी सिद्धान्त प्रस्तुत किया। यह सिद्धान्त यह मान कर चलता है कि ब्याज धारक परिसम्पत्तियां रखने से पूंजी लाभ अथवा हानि का प्रत्याशित मूल्य सदैव शून्य होता है। मुद्रा की मांग एवं ब्याज दर में विपरीत सम्बन्ध है। मुद्रा की मांग मुद्रा की ब्याज दर के अनुसार घटती–बढ़ती है परन्तु यह तरलता जाल की चर्चा नहीं करता है। टोबिन मुद्रा के विविध विनियोग पर ध्यान देते है। यह अनिश्चितता की स्थिति में मुद्रा की मांग से सम्बन्धित है।

39. किसी देश की जनसंख्या पिरामिड प्रदर्शित करता है–

(a) पुरुष एवं महिला जनसंख्या की आयु संरचना
(b) पुरुष जनसंख्या की आयु संरचना
(c) महिला जनसंख्या की आयु संरचना
(d) ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या की आयु संरचना

Ans. (a) – जनसंख्या पिरामिड का प्रतिपादन डब्ल्यू. एम. थाम्सन एवं आर्थर लेविस ने किया। यह विभिन्न आयु वर्ग की जनसंख्या का एक त्रिकोणात्मक प्रदर्शन है। जब हम सबसे नीचे आधार पर निम्नतम आयु वर्ग की जनसंख्या (पुरुष तथा महिला को) प्रदर्शित करते हैं, जो सबसे बड़ी संख्या होती है तथा क्रमशः घटते हुए आयु वर्ग पर चलते हैं, तो उच्चतम आयु वर्ग की जनसंख्या, जो आकार में सबसे कम होगी, ऊपर प्रदर्शित होगी। इस प्रकार बड़े आधार से हम क्रमशः ऊपर घटते आकार पर चलते है और इस प्रकार बनी आकृति पिरामिड की तरह होगी, इसे जनसंख्या पिरामिड कहते है। इसके दोनों किनारे क्रमशः शीर्ष बिन्दुओं की ओर झुके रहते है जो प्रत्येक अगली आयु वर्ग में होने वाली मृत्यु के कारण कमी प्रदर्शित करते है।

40. यदि वास्तविक बेरोजगारी दर बेरोजगारी की प्राकृतिकदर से नीचे है तो यह प्रत्याशा की जाएगी कि–

(a) स्फीति की दर बढ़ेगी
(b) मजदूरी घटेगी
(c) फिलिप्स वक्र दाहिनी ओर खिसकेगा
(d) बेरोजगारी की प्राकृतिक दर घटेगी

Ans. (a) – यदि वास्तविक बेरोजगारी दर बेरोजगारी की प्राकृतिक दर से नीचे है तो यह प्रत्याशा की जाएगी कि स्फीति की दर बढ़ेगी।

41. जनसांख्यिकीय संक्रमण का अभिप्राय है–

(a) कम जन्म दर और उच्च मृत्यु दर की स्थिति से उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर की स्थिति की ओर बढ़ना
(b) उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर की स्थिति से कम जन्म दर और कम मृत्यु दर की स्थिति की ओर बढ़ना
(c) उच्च मृत्यु दर और कम जन्म दर की स्थिति से उच्च मृत्यु दर और उच्च जन्म दर की स्थिति की ओर बढ़ना
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) – जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का प्रतिपादन 1929 में डब्ल्यू.एम. थामसन ने किया पर इसे व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक स्वरूप देने का श्रेय फ्रैंक नोटेन्स्टीन को (1945) है, जिन्हें 'जनांकिकी का जनक' कहा जाता है। बाद में सी.पी. ब्लेकर तथा हुबर ने विकसित किया।
सी.पी. ब्लेकर जनसंख्या परिवर्तन के आधार पर पांच अवस्थाओं की बात करते हैं–
(1) प्रथम अवस्था– इस अवस्था में जन्म दर तथा मृत्यु दर दोनों ऊँची।
(2) दूसरी अवस्था– इस अवस्था में मृत्यु दर में कमी तथा जन्मदर का ऊंचा बना रहना जिसे जनसंख्या विस्फोट की अवस्था मानते है।
(3) तीसरी अवस्था– इस अवस्था में जन्मदर में मृत्युदर की अपेक्षा तेजी से गिरावट आती है।
(4) चौथी अवस्था– इस अवस्था में जन्मदर बहुत तेजी से गिरता है और यहाँ तक कि यह मृत्यु दर के लगभग बराबर हो जाता है।
(5) पांचवी अवस्था–इस अवस्था में मृत्यु दर जन्म दर से ऊँची हो जाती है।

42. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में पाटन (डम्पिंग) का अभिप्राय है–

(a) विकसित देशों द्वारा प्रयोग में लाए गए उत्पादों का विकासशील देशों में मुफ्त वितरण।
(b) किसी वस्तु को विदेशों में सस्ती और घरेलू बाजार में महँगी बेचना
(c) विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों में सस्ती वस्तुएँ भेजना
(d) उपर्युक्त कोई नहीं

Ans. (b) – राशिपातन (Dumping) से आशय अन्तर्राष्ट्रीय कीमत विभेद से है जिसमें निर्यातक फर्म विदेशी मार्केट में अपनी वस्तु को कम कीमत पर बेचती है और घरेलू मार्केट में अधिक कीमत पर। वाइनर के अनुसार, "राशिपातन दो मार्केट के बीच कीमत विभेद है जिसमें एकाधिकारी अपनी उत्पादित वस्तु का एक भाग विदेशी मार्केट में अधिक कीमत पर बेचता है।"
राशिपातन को तीन प्रकार से बांटा जाता है–
(1) आकस्मिक राशिपातन।
(2) स्थायी राशिपातन।
(3) लुटेरा राशिपातन।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलिक करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

सूची–I	सूची–II
(a) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष	i. निजीक्षेत्र को उधार देना
(b) इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन	ii. भुगतान संतुलन रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट समस्याएँ
(c) इंटरनेशनल डेवलपमेंट	iii. निर्धन देशों को आसान शर्तों पर ऋण (साफ्ट लोन)
(d) अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम	iv. सामाजिक–आर्थिक अवसंरचना

कूट :

	a	b	c	d
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	ii	iv	iii	i

Ans. (d) –

(a) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (ii) भुगतान संतुलन रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट समस्याएँ

(b) इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन (iv) सामाजिक–आर्थिक अवसंरचना

(c) इंटरनेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन (iii) निर्धन देशों को आसान शर्तों पर ऋण (साफ्ट लोन)

(d) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (i) निजी क्षेत्र को उधार देना।

44. भुगतान संतुलन में घाटे को निम्नलिखित में से किसके द्वारा सही किया जा सकता है?

(a) ब्याज दर में कटौती
(b) पूँजी अर्न्तप्रवाह को हतोत्साहित करना
(c) ब्याज दर में वृद्धि
(d) विप्रेषण पर प्रतिबंध लगाना

Ans. (c) – भुगतान संतुलन में घाटे को निम्नलिखित के द्वारा सही किया जा सकता है।
(1) अवमूल्यन (Devaluation)
(2) विनिमय मूल्यह्रास (Exchange Depreciation)
(3) प्रत्यक्ष नियंत्रण
(4) पूंजी गतियाँ
(5) आयात प्रतिस्थापन की नीति
(6) विदेशी पर्यटकों को प्रोत्साहन
(7) निर्यात को प्रोत्साहन
(8) विनिमय नियंत्रण

45. विश्व व्यापार संगठन की शब्दावली में निम्नलिखित में से कौन सा पीत पेटिका राजसहायता नहीं है?

(a) अनाज का न्यूनतम समर्थन मूल्य
(b) बीजों पर राजसहायता
(c) सिंचाई दरों पर राजसहायता
(d) सरकारी कीट नियंत्रण और प्रबंधन लागत

Ans. (d) – अम्बर बाक्स सब्सिडी व्यापार को सबसे प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है। कोई भी सदस्य अपनी सब्सिडी नीति से अन्य सदस्यों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं कर सकता। ये ऐसी सब्सिडी है जो बिल्कुल मना तो नहीं है पर इनके विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है।

46. पुराने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार 1993–94) में विनिर्माण का भार 76.36% था जो नए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार 2004–05) में बदलकर ..... हो गया है–

(a) 75.53% (b) 76.36% पर अपरिवर्तित
(c) 78.22% (d) 79.39%

Ans. (a) – पुराने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार 1993–94) में विनिर्माण का भार 76.36% जो नये औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार 2004–05) में बदलकर 75.53% हो गया है।

47. निम्नलिखित में से कौन–सा कृषि जोत भारत में सर्वाधिक प्रतिशत में है?

(a) सीमांत जोत
(b) लघु जोत
(c) बड़े जोत
(d) अर्द्ध–मध्यम (सेमी मिडियम) जोत

Ans. (a) – कृषि संगणना में क्रियाशील जोतो को निम्न तरह से वर्गीकृत किया जाता है–
(1) सीमांत जोत – 1 हेक्टेयर से कम।
(2) लघु जोत – 1–2 हेक्टेयर।
(3) अर्द्धमध्यम जोत – 2–4 हेक्टेयर।
(4) मध्यम जोत – 4–10 हेक्टेयर।
(5) वृहद जोत – 10 हेक्टेयर से अधिक।
वर्ष 2010–11 (9वीं कृषि संगणना) की कृषि संगणना के अनुसार क्रियाशील जोतों में सीमांत जोत का हिस्सा 67.10%, लघु जोत 17.91%, अर्द्धमध्यम जोत 10.04%, मध्यम जोत 4.25 तथा वृहद जोत का हिस्सा 0.70% है।

48. वर्ष 2013–14 में भारत में धान की सर्वाधिक उत्पादकता वाले प्रथम दो राज्य/क्षेत्र ..... थे–

(a) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पंजाब
(b) पंजाब और पश्चिम बंगाल
(c) आंध्र प्रदेश और हरियाणा
(d) पंजाब और उत्तर प्रदेश

Ans. (a) – 2013–14 में भारत में धान की सर्वाधिक उत्पादक वाले राज्य निम्न है–
(1) पश्चिम बंगाल– 14.7 मिलियन टन।
(2) उत्तर प्रदेश – 12.2 मिलियन टन
(3) आंध्र प्रदेश – 11.6 मिलियन टन।
नोट-आयोग की उत्तरकुंजी के अनुसार विकल्प (a) सही है, परन्तु विवरणों के अनुसार, व्याख्या में दिए गए आंकड़ों में यह स्पष्ट होता है कि चारों विकल्प सही नहीं है।

49. निम्नलिखित में से कौन–सी दर/दरें भारत में स्वतंत्र रूप से निर्धारित होती है/हैं ?

(a) रेपो रेट
(b) रिवर्स रेपो रेट
(c) (a) और (b) दोनों
(d) (a) और (b) में से कोई भी नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) – यदि मौद्रिक प्रणाली में तरलता का स्तर वांछित स्तर से कम हो तो R.B.I. निश्चित मात्रा में तरलता में वृद्धि करने के लिए प्रतिभूतियों का क्रय करती है। R.B.I. प्रतिभूतियों का क्रय एक निश्चित अनुबंध के साथ करती है कि एक निश्चित अवधि के बाद प्रतिभूतियों को लौटाकर राशि वापस ले लेगी जिसे Repo कहा जाता है तथा जिस दर पर अनुबंध होता है, उसे Repo rate कहा जाता है। Repo rate 6.25% है।

यदि मौद्रिक प्रणाली में तरलता का स्तर वांछित स्तर से अधिक रहता है तो R.B.I. प्रतिभूतियों का विक्रय करती है और विक्रय एक अनुबंध के साथ करती है कि एक निश्चित समय पर पुनः खरीद लेगी, इसे Reverse repo कहा जाता है और जिस दर पर यह अनुबंध होता है, उसे Reverse repo rate कहा जाता है। Reverse repo rate 6% है।

इन दोनों की अवधि 1–14 दिन की होती है।

50. 12वीं पंचवर्षीय योजना के मुख्य उद्देश्य हैं–

(a) समावेशी विकास और गरीबी में कमी लाना
(b) समावेशी और सतत विकास
(c) तेज, सतत तथा और अधिक समावेशी विकास
(d) गरीबी और बेरोजगारी कम करने हेतु सतत और समावेशी विकास

Ans. (c) – 12वीं पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य तेज, सतत तथा और अधिक समावेशी विकास है।

51. सूची– I और सूची–II को सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

	सूची–I (सूचकांक)	**सूची–II (आधार वर्ष)**
(a)	बी एस ई सेंसेक्स	i. 2012
(b)	निफ्टी	ii. 2011–12
(c)	सी पी आई	iii. 1978–79
(d)	जी डी पी	iv. 1995

कूट :

	a	b	c	d
(a)	iii	iv	i	ii
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	iii	ii	iv	i

Ans. (a) –

(a) बी.एस.ई. सेंसेक्स ..... (iii) 1978–79
(b) निफ्टी ..... (iv) 1995
(c) सी.पी. आई. ..... (i) 2012
(d) जी.डी.पी. ..... (ii) 2011–12

52. वर्ष 2013 की सूचना के अनुसार, शिशु मृत्यु दर के घटते हुए क्रम में निम्नलिखित राज्यों का क्रम सजाएँ–

I. उत्तर प्रदेश
II. राजस्थान
III. मध्य प्रदेश
IV. ओडिशा

नीचे दिए गएकूट से उत्तर दें–

(a) III, IV, I, II (b) IV, III, II, I
(c) I, II, III, IV (d) III, I, II, IV

Ans. (a) – वर्ष 2013 की सूचना के अनुसार शिशु मृत्यु दर के घटते हुए क्रम में राज्यों का स्थान निम्नवत् है–

(iii) मध्य प्रदेश
(iv) ओडिशा
(i) उत्तर–प्रदेश
(ii) राजस्थान

53. निम्नलिखित में से किस चर को आर्थिक विश्लेषण में प्रवाह चर नहीं माना जाता है?

(a) पूर्ति तथा माँग
(b) बचत तथा निवेश
(c) मुद्रा पूर्ति तथा सार्वजनिक ऋण
(d) निर्यात तथा आयात

Ans. (c) – मुद्रा पूर्ति तथा सार्वजनिक ऋण को आर्थिक विश्लेषण में प्रवाह चर नहीं माना जाता है।

54. रिजर्व बैंक मुद्रा आपूर्ति घटाना चाहती है, इसे निम्नलिखित में से क्या करना चाहिए?

(a) वैधानिक तरलता अनुपात को बढ़ाना चाहिए
(b) खुले बाजार में ट्रेजरी बिल खरीदनी चाहिए
(c) बट्टा दर में वृद्धि करनी चाहिए
(d) आरक्षी कोष में कमी

Ans. (b) – खुले बाजार की क्रियाओं से तात्पर्य देश के केन्द्रीय बैंक द्वारा विभिन्न प्रकार की परिसंपत्तियों जैसे–स्वर्ण, विदेशी मुद्रा, सरकारी प्रतिभूतियों एवं निजी प्रतिभूतियों के क्रय–विक्रय से है। 'Open' शब्द का अर्थ है कि यहाँ कोई बाध्यता नहीं है लोग अपनी इच्छानुसार क्रय–विक्रय की क्रिया में भाग लेते है। इसमें कोई बाध्यता नहीं होती है। R.B.I. बाजार में तरलता में वृद्धि करने के लिए प्रतिभूति खरीदेगी तथा तरलता में कमी करने के लिए प्रतिभूति बेचेगी।

55. M_1 में निम्नलिखित में से कौन सा शामिल होता है?

(a) बचत जमा
(b) माँग जमा
(c) स्वर्ण भंडार
(d) मुद्रा बाजार म्युचुअल फंड के अधीन अस्तियाँ

Ans. (b) – M_1 = चलन में मुद्रा + बैंकों के पास लोंगों की मांग जमाएं + RBI की अन्य जमाएँ

या $\boxed{M_1 = C + DD + OD}$

56. भारत में गठित निम्नलिखित समितियों को कालक्रमानुसार सजाएँ –

I. उर्जित पटेल समिति
II. गोयपुरिया समिति
III. नरसिम्हन समिति
IV. चक्रवर्ती समिति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर दें–

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) IV, II, III, I
(c) III, I, II, IV (d) II, IV, I, III

Ans. (b) – भारत में गठित समितियों का क्रम निम्नवत है–
(iv) चक्रवर्ती समिति
(ii) गोयपुरिया समिति
(iii) नरसिम्हन समिति
(i) उर्जित पटेल समिति।

57. भारतीय रिवर्ज बैंक की निम्नलिखित नीति दरों (30.9.2016के अनुसार) के लिए उन्हें उनके परिमाण के घटते क्रम में सजाएँ और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

I. बैंक दर **II. रेपो दर**
III. एस एल आर **IV. रिवर्स रेपो दर**

नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर दें–

कूट :

(a) III, II, IV, I (b) III, I, IV, II
(c) I, II, III, IV (d) III, I, II, IV

Ans. (d) भारतीय रिजर्व बैंक के नीति दरों 5-7 दिसंबर 2022 के अनुसार विभिन्न दरें निम्नलिखित है-
SLR : 18.00%
CRR : 4.50%
MSF : 6.50%
रेपो दर : 6.25%
रिवर्स रेपो दर : 3.35%

बैंक दर : 6.50%

58. निम्नलिखित जलवायु संबंधी सम्मेलनों को उनके कालक्रमानुसार सजाएँ–

I. क्योटो प्रोटोकॉल **II. अर्थ सम्मिट**
III. बाली सम्मिट

नीचे दिए गए कूट उत्तर दें–

कूट :

(a) II, I, III (b) II, III, I
(c) III, I, II (d) I, II, III

Ans. (a) – जलवायु संबंधी सम्मेलन का कालक्रम अनुसार क्रम निम्न है–
(ii) अर्थ सम्मिट – 1992
(i) क्योटो प्रोटोकॉल – 2005
(iii) वाली सम्मिट – 2007

59. सहकारिता क्षेत्र में एकल खिड़की प्रणाली निम्न में से किसका समन्वय करती है?

(A) ग्रामीण ऋण की आपूर्ति
(B) कृषि आदानों की आपूर्ति
(C) विपणन सुविधाओं के विस्तार
(D) भण्डारण सुविधाओं के निर्माण

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

कूट :

(a) A और B (b) A, B, C और D
(c) A, B और C (d) C और D

Ans. (b)–सहकारिता क्षेत्र में एकल खिड़की प्रणाली निम्नलिखित कार्यों का समन्वय करती है–
(A) ग्रामीण ऋण की आपूर्ति
(B) कृषि आदानों की आपूर्ति
(C) विपणन सुविधाओं के विस्तार
(D) भण्डारण सुविधाओं के निर्माण

60. भारत में औसत भू–जोत के सतत घटते आकार के निम्नलिखित कारणों पर विचार करें–

(A) कृषि का यंत्रीकरण (B) चकबंदी
(C) भू–स्वामित्व की इच्छा (D) उत्तराधिकारी का कानून

कूट :

(a) A, B, C (b) A, B, C और D
(c) B, C और D (d) C और D

Ans. (d) – भारत में औसत भू–जोत के सतत घटते आकार के निम्न कारण है–
(1) भू–स्वामी की इच्छा
(2) उत्तराधिकार का कानून

(प्रश्न सं. 61–65) नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R)। प्रश्नों के उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करके करें–

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

61. अभिकथन (A) : व्यापार की आय शर्तों में सुधार का होना आयात की क्षमता में वृद्धि का सूचक होता है।
तर्क (B) :व्यापार की सतह वस्तु–विनिमय शर्तों में आयात की मात्रा से गुणा करके व्यापार की आय शर्तों को ज्ञात किया जा सकता है।

Ans. (c) – व्यापार की आय शर्तों को आयात करने की क्षमता कहा जाता है। इस शर्त का विकास डोरेन्स ने किया। व्यापार की आय शर्तों में वृद्धि से अभिप्राय है कि देश अपनी निर्यातों के बदले अधिक वस्तुएं आयात कर सकता है। व्यापार की आय शर्तें किसी देश की शुद्ध विनिमय व्यापार शर्तों तथा उसके निर्यात मात्रा सूचक का गुणनफल होती है अर्थात्
$Ty = Tc. Qx$

$$T_y = \frac{P_x}{P_m}.Q_x$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

जहाँ

Ty = व्यापार की आय शर्तें

Tc = वस्तु विनिमय व्यापार शर्तें

Qx = निर्यात मात्रा

इस प्रकार (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

62. अभिकथन (A) : भारत में औद्योगिक विकास रणनीति में पैमाने की पंसद, आकार और साधन प्रयोग की तीव्रता का ध्यान रखना पड़ता है।

तर्क (B) : साधन असंतुलन और संसाधन प्रवाह भारत में सतत औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल नहीं है।

Ans. (a) – (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

63. अभिकथन (A) : भारत में कृषि उत्पादन के लक्षण विकास और अस्थिरता है।

तर्क (B) : भारत में कृषि उत्पादन में स्पष्ट रूप से अंतर–क्षेत्रीय और अंतर–फसली अंतर पाया जाता है।

Ans. (a) – भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यद्यपि देश के GDP में कृषि एवं संबंध क्षेत्र का हिस्सा 1950–51 में 56.7% से कम होकर 2015–16 में 17.4% रह गया है। लेकिन फिर भी कृषि अभी भी विकास का मुख्य आधार है। देश के कार्यबल का लगभग 49% कृषि कार्य में लगा हुआ है।

भारतीय कृषि को मानसून का जुआ कहा जाता है क्योंकि कृषि क्षेत्रफल का लगभग 45% भाग ही सिंचित है क्षेत्रफल की प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक सिंचित राज्य पंजाब (97.8%) तथा सबसे कम मिजोरम (7.3%) है। भारतीय कृषि के पिछड़ेपन के कई कारण है जिससे कृषि उत्पादकता अन्य देशों की अपेक्षा बहुत कम है।

भारतीय कृषि के पारम्परिक स्वरूप में परिवर्तन करने एवं उत्पादकता बढ़ाने, फसल चक्र अपनाने, नवीन बीजों का प्रयोग वैज्ञानिक ढंग से खेती करने एवं सिचाई सुविधाओं का विकास करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा भारतीय मौसम विज्ञान के वैज्ञानिक महत्वपूर्ण योगदान कर रहे है। नयी कृषि प्रौद्योगिकी एवं वैश्वीकरण के फलस्वरूप देश में कृषि प्रणाली में परिवर्तन आया है। भारतीय कृषि अब निर्यातोन्मुख स्वरूप धारण कर रही है।

64. अभिकथन (A) : क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक मुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बाधक है।

तर्क (B) : ये गैर–सदस्य देशों के साथ भेदभाव करते हैं।

Ans. (a) – (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

65. अभिकथन (A) : प्रगामी आयकर सम–सीमांत त्याग पर आधारित होता है।

तर्क (B) : आय जितनी अधिक होती है करदाता के लिए मुद्रा की सीमांत उपयोगिता उतनी कम होती है।

Ans. (a) – प्रगतिशील कर से आशय उस कर से है जिसमें आय की वृद्धि के साथ–साथ कर की दर में वृद्धि आती जाती है तथा एक ऐसी स्थिति आती है जबकि आय की वृद्धि का बहुत अधिक भाग सरकार को प्राप्त हो जाये। डाल्टन के अनुसार, "प्रगतिशील करारोपण में करदाता की आय जितनी अधिक होती है उतने ही अधिक अनुपात में वे कर अदा करते है।

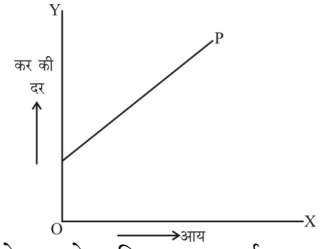

प्रगतिशील करारोपण को अधिक न्याय पूर्ण माना जाता है क्योंकि इसका बोझ आय की उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ बढ़ता जाता है अर्थात् इस कर का भार गरीबों पर कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है।

66. उत्पादन फलन $Q = 150\ L^{0.7}\ K^{05}$ निम्नलिखित में से किस प्रकार के पैमाने का प्रतिफल करता है?

(a) स्थिर प्रतिफल (b) वृद्धिमान

(c) ह्रासमान (d) घट–बढ़ होते हुए

Ans. (b) – उत्पादन फलन $Q = 150L^{0.7}.\ K^{05}$ वृद्धिमान पैमाने का प्रतिफल प्रदर्शित करता है।

वृद्धिमान पैमाने के प्रतिफल के अन्तर्गत उत्पादन की आनुपातिक वृद्धि उत्पादन के साधनों की आनुपातिक वृद्धि से अधिक होती है।

67. किसी मुक्त अर्थव्यवस्था आगत–निर्गत मॉडल में A आगत–गुणांक मेट्रिक्स है, व्यवहार्यता स्थिति निम्नलिखित में से किसको संतुष्ट करेगी ?

(a) $|I - A| \neq 0$

(b) $|I - A| > 0$

(c) $|I - A| < 0$

(d) मैट्रिक्स (I–A) के सभी मुख्य उप–सारणिक धनात्मक होंगे

Ans. (d) – किसी मुक्त अर्थव्यवस्था आगत निर्गत मॉडल में A आगत–गुणांक मैट्रिक्स है, इस स्थिति में मेट्रिक्स (I–A) के सभी मुख्य उप–सारणिक धनात्मक होंगे।

68. निम्नलिखित को सुमेलित करें–

	सूची–I	**सूची–II**
(a)	ग्रेजर परीक्षण	i. स्व–सहसंबंध
(b)	डिक्की–फुलर परीक्षण	ii. कारणीयता
(c)	F –परीक्षण	iii. स्थिरता
(d)	डरबिन वाट्सन 'd' परीक्षण	iv. समाश्रयण का समग्र महत्त्व

कूट :

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	i	iv	ii
(b)	iv	ii	iii	i
(c)	i	iii	ii	iv
(d)	ii	iii	iv	i

Ans. (d) –

(a) ग्रेंजर परीक्षण .....(ii) कारणीयता

(b) डिक्की–फुलर परीक्षण ..... (iii) स्थिरता

(c) F–परीक्षण .....(iv) समाश्रयण का समग्र महत्व

(d) डरबिन–वाटसन 'd' परीक्षण .... (i) स्वः सहसंबंध

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

69. **आकलन की अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग विधि का प्रयोग युगपत् समीकरण प्रणाली के समीकरणों के लिए किया जाता है। इस प्रकार से प्राप्त आकलन ..... होगा–**

(a) अनभिनत और संगत (b) अभिनत और संगत
(c) अभिनत और असंगत (d) अनभिनत और असंगत

Ans. (a) – आकलन की अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग विधि का प्रयोग युगपत समीकरण प्रणाली के समीकरणों के लिए किया जाता है। इस प्रकार से प्राप्त आकलन अनभिनत और संगत होगा।

70. **नीचे दी गयी किसी फर्म की कुल लागत और माँग फलन के अनुसार, यह बताएँ कि किस कीमत पर लाभ अधिकतम होगा –**

$C = 5Q^2 + 20Q + 10$
$P = 100 - 3Q$
जहाँ C = कुल लागत
Q = उत्पादन
P = कीमत

(a) 95 (b) 85
(c) 100 (d) 5

Ans. (b) – $TC = 5Q2 + 20Q + 10$

$P = 100–3Q$ $\pi = ?\ P = ?$

$\pi = TR - TC$

$TR = P.Q. = (100–3Q)\ Q$

$TR = 100\ Q - 3Q^2$

$\pi = 100Q - 3Q^2 - 5Q^2 - 20\ Q - 10$

$\pi = 80\ Q - 8Q^2 - 10$

$\frac{d\pi}{dQ} = 80 - 16Q, \frac{d\pi}{dQ} = 80 - 16Q = 0 \Rightarrow 80 = 16Q \Rightarrow Q = 5$

$\frac{d^2\pi}{dQ^2} = -16 \qquad Q = 5$

$\therefore P = 100 - 3 \times 5 = 100–15$

$P = 85$

71.

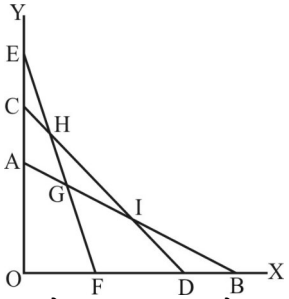

एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के उपर्युक्त आरेख पर विचार कीजिए। यदि बिन्दु A पर इष्टतम हल है, तो किस प्रतिबंध के संबंध ''स्लैक'' चर गैर–शून्य है/हैं?

(a) केवल AB (b) AB और CD
(c) केवल EF (d) CD और EF

Ans. (d) –दिये गये आरेख में, यदि बिन्दु A पर इष्टतम हल है तो CD और EF प्रतिबंध से संबद्ध 'स्लैक' चर गैर शून्य है।

72. **दो चर समाश्रयण में Y आश्रित चर और X स्वतंत्र चर है। यदि Y और X के बीच सह–संबंध गुणांक 0.7 है, तो निम्नलिखित में से कौन सा परिणाम सही है?**

(a) X द्वारा Y में 7% विचलन की व्याख्या की जाती है।
(b) X द्वारा Y में 70% विचलन की व्याख्या की जाती है।
(c) X द्वारा Y में 49%विचलन की व्याख्या की जाती है।
(d) X द्वारा Y में 0.7% विचलन की व्याख्या की जाती है।

Ans. (c) – दो समाश्रयण में Y आश्रित चर और X स्वतंत्र चर है। यदि Y और X के बीच सहसंबंध गुणांक 0.7 हो तो X द्वारा Y में 49% विचलन की व्याख्या की जाती है।

73. **अर्थमिति विश्लेषण का कोयक उपागम किनके संबंधों के बारे में हैं?**

(a) विलंबित व्याख्यात्मक चर
(b) गुणात्मक व्याख्यात्मक चर
(c) घातीय व्याख्यात्मक चर
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans. (a) – अर्थमिति विश्लेषण का कोयक उपागम विलंबित व्याख्यात्मक चर के संबंधों के बारे में है।

74. **माँग फलन $P = 10 - 2x - 0.5\ x^2$ के लिए x =2 के मान का माँग की कीमत लोच कितनी होगी?**

(a) शून्य (b) 0.5
(c) 1 (d) 1.5

Ans. (b) – मांग फलन $P = 10 - 2x - 0.5x^2$ के लिए $x = 2$ के मान पर मांग की कीमत लोच 0.5 होगी।

$e_p = -\frac{dQ}{dP}.\frac{P}{Q}$ $\qquad P = 10 - 2x - 0.5x^2 \Rightarrow x = 2$

$P = 10 - 4 - 2.0$

$P = 4$

$P = 10 - 2\ x - 0.5\ x^2$

$\frac{dp}{dx} = (-2 - x) \Rightarrow -(2 + x)$

$\frac{1}{e_p} = -\frac{dp}{dx}.\frac{x}{p} = -\left[-(2+x)\right]\frac{2}{4} = (2+2)\frac{2}{4} = \frac{8}{4} = 2$

$\frac{1}{e_p} = \frac{2}{1} \Rightarrow e_p = \frac{1}{2} = 0.5$

$e_p = 0.5$

75. **3 स्वतंत्र और 20 अवलोकनों के समाश्रयण में गणना किए गए F मूल्य की जाँच करनी है। जाँच की प्रक्रिया में अंश और हर के लिए स्वतंत्रय कोटि क्या होगी ?**

(a) 2, 18 (b) 3, 17
(c) 3, 16 (d) 3, 20

Ans. (c) – 3 स्वतंत्र चरों और 20 अवलोकनों के समाश्रयण में गणना किये गये F मूल्य की जांच करनी है । जांच की प्रक्रिया में अंश और हर के लिए स्वतंत्रय कोटि 3, 16 होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, नवम्बर-2017
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. दो समानांतर माँग वक्र रेखाओं AB और CD के साथ निम्नलिखित आरेख पर विचार कीजिए:

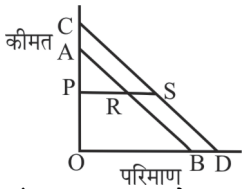

माँग की कीमत लोच:

(a) बिन्दु R और S पर समान है।
(b) बिन्दु R पर बिन्दु S से ज्यादा है।
(c) बिन्दु R पर बिन्दु S से कम है।
(d) बिन्दु R और S पर अनंत है।

UGC NET/JRF Nov. -2017 Paper- II

Ans. (b) : किसी वस्तु के मूल्य में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तु की मांगी गई मात्रा में होने वाली सापेक्षिक अनुक्रिया की माप ही मांग की कीमत लोच है अर्थात् यह वस्तु की मांग तथा वस्तु के मूल्य के बीच परिवर्तन का अनुपात या दर प्रदर्शित करता है।

$$e_p = -\frac{\Delta q}{\Delta p} \times \frac{p}{q}$$

मांग की कीमत लोच के पांच प्रकार होते है। यदि मांग रेखा समतल है तो मांग की मूल्य लोच अधिक होती तथा यदि रेखा अधिक ढालू है तो मांग की मूल्य लोच कम होगी। जैसा कि निम्न रेखा चित्र से स्पष्ट है-

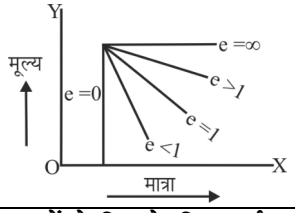

2. निम्नलिखित में से किसके लिए वर्ष 2016 में अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था?

(a) व्यापार प्रतिमान और आर्थिक गतिविधि के स्थान निर्धारण का विश्लेषण
(b) परिसम्पत्ति - कीमतों का विश्लेषण
(c) वैश्वीकरण का विश्लेषण
(d) संविदा सिद्धांत में योगदान

Ans. (d) : वर्ष 2016 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के ओलिवर हार्ट तथा बेंग्ट हॉल्मस्ट्रॉम को संविदा सिद्धांत (Contract Theory) में उल्लेखनीय योगदान हेतु दिया गया। संविदा सिद्धांत यह बताता है कि संविदा किस प्रकार लोगों को हितों के टकराव से निपटने में मददगार होते हैं।

अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार का प्रारंभ 1968 में हुआ। यह पुरस्कार 'रॉयल 'स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस' द्वारा दिया जाता है।

3. निम्नलिखित में से कौन सा एक पूर्ण प्रतियोगिता के लिए सही नहीं है?

(a) कीमत = एल ए सी (LAC)
(b) एक वस्तु के लिए बाज़ार माँग वक्र X अक्ष के प्रति क्षैतिज होता है
(c) फर्में सामान्य लाभ अर्जित करती है
(d) दीर्घकालिक अवधि में, फर्में औसत लागत के न्यूनतम बिन्दु पर परिचालन करती हैं

Ans. (b) : पूर्ण प्रतियोगिता से आशय बाजार की एक ऐसी स्थिति से है, जिसमें व्यक्तिगत रूप से कोई भी क्रेता अथवा विक्रेता इतना शक्तिशाली नहीं होता है कि वह बाजार में प्रचलित मूल्य को प्रभावित कर सके। इसमें क्रेताओं तथा विक्रेताओं की संख्या बहुत अधिक होती है तथा प्रत्येक क्रेता एवं विक्रेता को बाजार का पूर्ण ज्ञान रहता है।

विशेषताएं-

1. क्रेताओं एवं विक्रेताओं की संख्या अधिक होती है।
2. इसमें क्रेता तथा विक्रेता निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होता है।
3. एक उद्योग में आने वाली सभी फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं में किसी प्रकार का भेद नहीं होता है तथा सभी समान एवं सहजातीय है।
4. क्रेता एवं विक्रेताओं को बाजार का पूर्ण ज्ञान होता है।
5. इसमें फर्मों का स्वतंत्र प्रवेश तथा बर्हिगमन होता है।
6. उत्पादन के साधनों में पूर्ण गतिशीलता होती है।
7. वस्तुओं की परिवहन लागत तथा विक्रय लागत का अभाव होता है।
8. पूर्ण प्रतियोगिता में मूल्य का निर्धारण किसी एक फर्म द्वारा नहीं होता है, बल्कि उद्योग द्वारा होता है।

4. निम्नलिखित कथनों में से कौन सही है?

(a) औसत परिवर्तनशील लागत और सीमांत लागत का न्यूनतम बिन्दु एक ही उत्पादन स्तर पर समान होते हैं।
(b) औसत परिवर्तनशील लागत का न्यूनतम, सीमांत लागत के न्यूनतम की तुलना में कम उत्पादन पर प्राप्त होता है।
(c) औसत परिवर्तनशील लागत का न्यूनतम, सीमांत लागत के न्यूनतम की तुलना में अधिक उत्पादन पर प्राप्त होता है।
(d) प्रतिफल के नियमों के क्रियाशील होने के कारण उपर्युक्त में से कोई भी संभव है।

Ans. (c) : कुल परिवर्तनशील लागत को वस्तु की कुल उत्पादित मात्रा से भाग देने पर प्राप्त औसत परिवर्तनशील लागत कहलाता है।

$$AVC = \frac{TVC}{Q}$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

औसत परिवर्तनशील लागत उत्पादन की प्रति इकाई परिवर्तनशील लागत है। कुछ सीमा तक औसत लागत बढ़ते प्रतिफल के कारण सामान्यतया घटती है लेकिन उसके पश्चात् उत्पादन बढ़ने पर औसत लागत ह्रासमान प्रतिफल के कारण बड़ी तेजी से बढ़ती है।

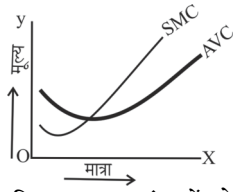

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि AVC आरंभ में तो नीचे गिरता है और फिर निम्नतम बिन्दु पर पहुंचकर ऊपर को चढ़ता है।

5. एक एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में एक फर्म निम्नलिखित में से किस लिये विज्ञापन करती है?

(a) अपने उत्पाद को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक कंपनियों के अधिक समान बनाने हेतु
(b) अपने उत्पाद के लिए माँग वक्र को बायीं ओर स्थानांतरित करने हेतु
(c) अपने उत्पाद के लिए माँग की कीमत लोच को कम करने हेतु
(d) उद्योग की कीमत को घटाने हेतु

Ans. (c) : एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता (Monopolistic Competition) में एक फर्म विज्ञापन के द्वारा उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से अपने पदार्थ में विभेद करना तथा अपने ब्राण्ड को दूसरों की अपेक्षा अधिक उत्कृष्ट प्रमाणित करने का प्रयास किया जाता है। जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता पदार्थ के किसी विशेष ब्राण्ड को दूसरों की अपेक्षा अधिक उत्कृष्ट समझने लगेंगे, जिससे प्रतिस्थापन की लोच में कमी, विज्ञापन के प्रभाव के कारण मांग वक्र के दाहिनी ओर सरकने पर, प्रत्येक मूल्य पर मांग की मूल्य-लोच में कमी लायेगी। मूल्य लोच किस सीमा तक कम होगी, यह वास्तव में अनिश्चित होता है।

6. प्रभावी न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि का रोजगार पर कम प्रभाव के लिए निम्नलिखित में से कौन सही है?

(a) श्रमिक की माँग अपेक्षाकृत बेलोचदार होती हैं।
(b) श्रमिक की माँग अपेक्षाकृत लोचदार होती है।
(c) श्रमिक की माँग व्युत्पन्न माँग होती है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल a (b) केवल c
(c) a और b (d) a और c

Ans. (d) : प्रभावी न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि का रोगजार पर कम प्रभाव के लिए निम्न कथन सत्य हैं-
1. श्रमिक की मांग अपेक्षाकृत बेलोचदार होती है।
2. श्रमिक की मांग व्युत्पन्न मांग होती है।

7. माना कि लोग अपने हैमबर्गरों को प्याज़ के साथ पसंद करते हैं, यदि हैमबर्गरों की आपूर्ति में कमी आती हैं, तो प्याज की माँग में निम्नलिखित में से सर्वाधिक संभाव्यता किस की होगी?

(a) अपरिवर्तित बनी रहेगी क्योंकि हैमबर्गर और प्याज अलग-अलग वस्तुएँ हैं।
(b) वृद्धि होगी क्योकि हैमबर्गर और प्याज स्थानापन्न है।
(c) वृद्धि होगी क्योकि हैमबर्गर और प्याज एक दूसरे के पूरक हैं।
(d) कमी आएगी क्योंकि हैमबर्गर और प्याज एक दूसरे के पूरक है।

Ans. (d) : माना कि लोग अपने हैमबर्गरों को प्याज के साथ पसंद करते है, यदि हैमबर्गरों की आपूर्ति में कमी आती है तो प्याज की मांग में कमी आएगी, क्योंकि हैमबर्गर और प्याज एक-दूसरे के पूरक है।

जब दो वस्तुओं की मांग किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए साथ-साथ की जाती है तो वे पूरक वस्तुएं कहलाती है अन्य शब्दों में, जब एक वस्तु के मूल्य में कमी दूसरी वस्तु की मांग में वृद्धि ला दे तो ऐसी वस्तुएं पूरक वस्तुये कहलाती है। जैसे- पेन और स्याही।

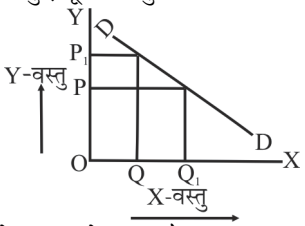

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि जब Y - वस्तु का मूल्य OP_1 से घटकर OP हो जाता है तो X- वस्तु की मांग OQ से बढ़कर OQ_1 हो जाती है।

8. जब उत्पादन में वृद्धि होती है, तो अल्पावधि में, निम्नलिखित लागतों में से कौन सी लागत में निरंतर कमी आनी चाहिए?

(a) कुल परिवर्तनशील लागत
(b) कुल स्थिर लागत
(c) औसत परिवर्तनशील लागत
(d) औसत स्थिर लागत

Ans. (d) : कुल स्थिर लागत को उत्पादन की कुल उत्पादित इकाइयों से भाग देने पर जो प्राप्त होता है, वह औसत स्थिर लागत (Average fixed cost) कहलाता है। यह उत्पादन की प्रति इकाई स्थिर लागत है।

$$AFC = \frac{TFC}{Q}$$

चूंकि कुल स्थिर लागत एक स्थिर मात्रा होती है, इसलिए औसत स्थिर लागत उत्पादन बढ़ने पर लगातार घटती जाएगी। इसलिए औसत स्थिर लागत का वक्र बायीं ओर से दायीं ओर नीचे को गिरता हुआ होता है। जैसे उत्पादन बढ़ता है तो कुल स्थिर लागत वस्तु की अधिक इकाइयों पर फैलती है और इसलिए औसत स्थिर लागत लगातार घटती जाती है। जब उत्पादन बहुत अधिक हो जाता है तो औसत स्थिर लागत बहुत न्यून हो जाती है। जैसे कि रेखाचित्र से स्पष्ट है-

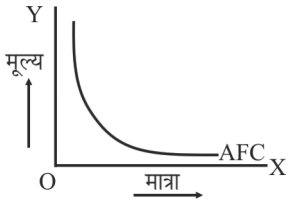

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि AFC वक्र X - अक्ष के निकट है, परन्तु कभी X - अक्ष को स्पर्श नहीं करेगा। अतः इसका आकार आयताकार अतिपरवलय वक्र की तरह होता है।

9. यदि निर्यात कीमते 5 प्रतिशत बढ़े और आयत कीमतों में 20 प्रतिशत वृद्धि हो तो वस्तु व्यापार शर्तें होंगी।

(a) 0.91 (b) 0.87
(c) 0.25 (d) 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : वस्तु व्यापार शर्तें किसी देश की निर्यात कीमतों तथा आयात कीमतों का अनुपात होती है।

$$T_C = \frac{P_X}{P_m}$$

जहां P_X = निर्यात

P_m = आयात

T_C = वस्तु व्यापार शर्ते

माना निर्यात कीमतें व आयात कीमतें क्रमशः 100 हैं।

निर्यात में वृद्धि 5% है

अतः $1 + \frac{5}{100} = \frac{105}{100}$

आयात में वृद्धि 20% है

अतः $1 + \frac{20}{100} = \frac{120}{100}$

$\therefore T_c = \frac{P_x}{P_m} = \frac{\frac{105}{100}}{\frac{120}{100}} = \frac{105}{120} = 0.87$

यदि आयात मूल्य की तुलना में निर्यात मूल्य अधिक होता है तो व्यापार की शर्तें देश के अनुकूल होती है तथा इसके विपरीत यदि आयात मूल्य की तुलना में निर्यात मूल्य कम होता है तो व्यापार की शर्तें देश के प्रतिकूल होती है। वस्तु व्यापार शर्तों का प्रतिपादन टॉजिग ने किया।

10. यदि आर्थिक अभिकर्ता नीति परिवर्तनों का पूर्ण रूप से पूर्वानुमान लगा लेते हैं और यदि मज़दूरी सहित सभी कीमतें पूर्ण रूप से लोचशील हैं तो निम्नलिखित में से दीर्घकालिक अवधि में कौन सा सही हैं?

(a) मुद्रास्फीति और बेराज़गारी के बीच कोई ट्रेड-ऑफ नहीं होगा
(b) बेरोज़गारी दर, बेराज़गारी की वास्तविक दर से कम होगी
(c) कीमत स्तर स्थिर होगा
(d) मुद्रा आपूर्ति में परिवर्तन से कीमत स्तर में परिवर्तन नहीं होगा

Ans. (a) : यदि आर्थिक अभिकर्ता नीति परिवर्तनों का पूर्ण रूप से पूर्वानुमान लगा लेते है तथा मजदूरी सहित सभी कीमतें पूर्ण रूप से लोचशील है तो दीर्घकाल में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के बीच कोई ट्रेड-ऑफ नहीं होगा।

11. निम्नलिखित में से यह किसका कथन था कि ''मुद्रास्फीति प्रत्येक स्थल पर और सदैव एक मौद्रिक घटना है?''

(a) मिल्टन फ्रीडमैन (b) जेम्स टोबिन
(c) टी.डब्ल्यू. स्वान (d) ए.डब्ल्यू. फिलिप्स

Ans. (a) : मिल्टन फ्रीडमैन ने कहा है कि ''मुद्रास्फीति प्रत्येक स्थल पर और सदैव एक मौद्रिक घटना है।''

12. निम्नलिखित में से कौन सा सही रूप से सुमेलित नहीं है?

	प्रत्यय	**अर्थशास्त्री**
(a)	नवीन क्लासिकी अर्थशास्त्र	रॉबर्ट लुकास
(b)	संतुलित बजट के बहुआयामी प्रभाव	टी. एच. हैवेल्मो
(c)	नवीन केन्सीयन अर्थशास्त्र	पॉल रोमर
(d)	स्थायी आय परिकल्पना	एम. फ्रीडमैन

Ans. (c) : पॉल रोमर नवीन केंसीय अर्थशास्त्री नहीं है।

13. निम्नलिखित में से यह किसका तर्क है केन्स का अनैच्छिक बेरोज़गारी के साथ संतुलन का सिद्धांत सामान्य संतुलन मॉडल जिसमें मुद्रा भी शामिल है, का विशेष मामला है?

(a) डब्ल्यू. लियोनतीफ (b) जे.आर. हिक्स
(c) एम. फ्रीडमैन (d) डी. पेटिनकिन

Ans. (d) : डॉन पैटिनकिन ने यह तर्क दिया कि केन्स का अनैच्छिक बेरोजगारी के साथ संतुलन का सिद्धांत सामान्य संतुलन मॉडल, जिसमें मुद्रा भी शामिल है, का विशेष मामला है।

14. एडम स्मिथ ने निम्नलिखित में से किसका समर्थन किया है?

(1) मुक्त अर्थव्वस्था (2) अदृश्य शक्ति
(3) मुक्त व्यापार नीति (4) पतिस्पर्धात्मक बाज़ार

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

Ans. (d) : एडम स्मिथ ने निम्न का समर्थन किया है-

1. मुक्त अर्थव्यवस्था 2. अदृश्य शक्ति
3. मुक्त व्यापार नीति 4. प्रतिस्पर्धात्मक बाजार

15. निम्नलिखित को उनके कार्यान्वयन की अवधि के क्रम में इंगित कीजिए, (भारतीय संदभ में):

(1) आय कर (2) व्यय कर
(3) राज्य स्तर पर मूल्य-संवर्धित कर (4) सेवा कर

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1, 3, 2, 4 (b) 1, 2, 4, 3
(c) 2, 3, 4, 1 (d) 3, 4, 1, 2

Ans. (b) : भारतीय करों का उनके कार्यान्वयन की कालावधि के आधार पर क्रम निम्न है-

1. आयकर - 1860
2. व्यय कर - 1956
3. सेवा कर - 1994 - 95
4. राज्य स्तर पर मूल्य वर्धित कर - 2005

16. निम्नलिखित देशों के समूहन को एकीकरण के न्यून से उच्चतर के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(1) एफ.टी.ए. (2) आर्थिक संघ
(3) साझा बाजार (4) तटकर संघ

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1, 4, 3, 2 (b) 1, 3, 2, 4
(c) 2, 1, 4, 3 (d) 2, 1, 4, 1

Ans. (a) : अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देशों के समूहों के एकीकरण का न्यून से उच्चतर क्रम निम्न है-

1. एफ.टी.ए. (Free Trade Area)
2. तटकर संघ (Custom Union)
3. साझा बाजार (Common, Market)
4. आर्थिक संघ (Economic Union)

17. निम्नलिखित में से किसके परिणाम स्वरूप एक देश अपने व्यापार शेष में बढ़ता हुआ अतिरेक प्राप्त कर सकता है:

(a) आयात में कमी और नियात में वृद्धि करके

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) व्यापारिक साझेदारों के द्वारा उच्च प्रशुल्क लगाने पर
(c) घरेलू मुद्रास्फीति में वृद्धि करके
(d) पूँजी अन्तर्वाह में वृद्धि करके

Ans. (a) : आयात में कमी और निर्यात में वृद्धि करके एक देश अपने व्यापार शेष में बढ़ता हुआ अतिरेक प्राप्त कर सकता है।

18. निम्नलिखित कथनों में से कौनसे/सा एक देश के चालू खाते के लिए सही है?
(a) यह विदेशी व्यापार क्षेत्र में शुद्ध सृजित आय को प्रदर्शित करता है।
(b) यह वित्तीय प्रकृति में दावों और दायित्वों से संबंधित है।
नीचे दिए गए कूट में से ही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल a सही है
(b) केवल b सही है
(c) दोनों a और b सही हैं
(d) न ही a न ही b सही है

Ans. (a) : चालू खाते के अन्तर्गत लेन - देन के फलस्वरूप किये जाने वाले अथवा प्राप्त होने वाले उन भुगतानों का समावेश होता है जो चालू वर्ष में पूरे किये जाते है। चालू खाते के अन्तर्गत वस्तुओं एवं सेवाओं, ब्याज एवं लाभांश और एक पक्षीय हस्तांतरणों को शामिल किया जाता है।

19. निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों में से कौन संरक्षणवादी व्यापार नीति का मज़बूती से समर्थन करते है?
(a) एफ. लिस्ट और ए. हेमिल्टन
(b) एडम स्मिथ और डेविड रिकर्डो
(c) जे.एस. मिल और पी. क्रूगमैन
(d) ए. हेमिल्टन और जे. एस. मिल

Ans. (a) : फ्रेडरिक लिस्ट एवं ए. हैमिल्टन संरक्षणवादी व्यापार नीति का समर्थन करते है। संरक्षण से तात्पर्य उस नीति से है, जिसके अन्तर्गत घरेलू उद्योग को विदेशी प्रतियोगिता से बचाया जाता है। इसमें कम कीमत वाली वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाया जाता है ताकि ऊंची कीमत वाली वस्तुओं का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योगों को बचाया जा सके।
लिस्ट तथा हैमिल्टन ने संरक्षण के शिशु उद्योग सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उन्होने तर्क दिया कि यदि उद्योगों को उनकी शैशव अवस्था में स्थापित विदेशी उत्पादकों से नहीं बचाया जाता है तो वे तुलनात्मक लाभ उठाने के लिए विकास नहीं कर सकेंगे। इसके लिए आवश्यक है कि वे इष्टतम आकार तक विकसित हों ताकि वे अत्यधिक दक्षता तथा प्रतियोगितापूर्वक कार्य करे और अपेक्षाकृत कम लागत पर उत्पादन करें।
दीर्घकाल में प्रतियोगिता मूलक बनने के लिए शिशु उद्योगों को कुछ समय चाहिए जिसमें वे अनुभव से सीखने की प्रक्रिया में से गुजर सकें। जैसा कि निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट है -

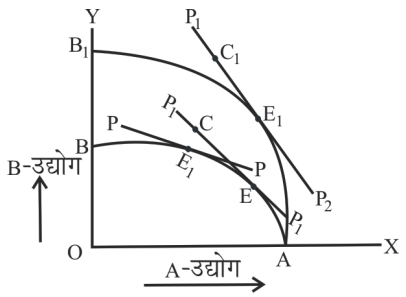

20. निम्नलिखित में से कौन सी मद को विकासशील देशों में सर्वाधिक दीर्घकालिक वृद्धि कारक माना जाता है:
(a) आयातित पूँजी वस्तुओं पर प्रशुल्क
(b) पूँजी वस्तुओं की खरीद के लिए व्यवसाय में सहायकी
(c) बेरोज़गारी भत्ते
(d) पेंशन भुगतान

Ans. (b) : पूंजीगत वस्तुओं की खरीद के लिए व्यवसाय मद को विकासशील देशों में सर्वाधिक दीर्घकालिक वृद्धिकारक माना जाता है।

21. एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका में अल्प विकास के लिए बरन की क्या व्याख्या है?
(a) विदेशों से एकाधिकारी व्यवसाय
(b) रूढ़िवादी शासक गठबंधन
(c) कमज़ोर घरेलू मध्यम वर्ग
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका में अल्प-विकास के लिए बरन की व्याख्या निम्न है-
1. विदेशों से एकाधिकारी व्यवसाय
2. रूढ़िवादी शासक गठबंधन
3. कमजोर घरेलू मध्यम वर्ग

22. निम्नलिखित में से किसके द्वारा कर भार के आबंटन का लाभ सिद्धांत दिया गया है?
(a) सेलिग्मैन (b) लिनढाल
(c) डाल्टन (d) पीगू

Ans. (b) : कर-भार के आबंटन का लाभ सिद्धांत लिन्ढाल द्वारा दिया गया। लिन्ढाल ने कर में न्याय प्राप्त करने के लिए समस्या को दो वर्गों में विभाजित किया-
1. सामाजिक - राजनीतिक समस्या
2. पूर्णतः राजकोषीय समस्या
लिंढाल ने अपने को दूसरी समस्या के साथ ही सम्बद्ध किया। उपभोक्ता के अधिमान के आधार पर इस समस्या के समाधान के लिए निम्न तीन प्रक्रियाओं की जरूरत है-
1. लोकव्यय एवं कर की कुल मात्रा का निर्धारण
2. सार्वजनिक आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं के बीच कुल लोक व्यय का आबंटन।
3. व्यक्तियों के बीच कुल करों का आबंटन
लिन्ढाल के अनुसार जिस प्रकार बाजार में संयुक्त उत्पत्ति की वस्तुओं का मूल्य निर्धारण होता है, उसी प्रकार उपरोक्त समस्या का समाधान हो सकता है।

23. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:
(a) अल्पाधिकारी बाजार संरचना
(b) पैमाने की मितव्ययताएं
उपरोक्त में से विकास के बारे में रोजेन्टीन रोडान के दृष्टिकोण की कौनसी विशिष्ट विशेषताएं है?
नीचे दिए गए कूट में से उत्तर दीजिए:
(a) उपरोक्त a और b दोनों
(b) उपरोक्त a और b में से कोई भी नहीं
(c) केवल a
(d) केवल b

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : रोजेन्स्टीन रोडॉन ने अल्प-विकसित अर्थव्यवस्थाओं को आत्म-निर्भर बनाने के उद्देश्य से 'बिग पुश थिअरी' का विकास किया। उनके अनुसार गरीबी के दुश्चक्र और स्थिरता के भंवरजाल में फंसी अल्पविकसित अर्थव्यवस्था को आत्म-निर्भर बनाने के लिए विनियोग रूपी बड़े धक्के की आवश्यकता होती है। इसके लिए रोडॉन ने तीन प्रकार की अविभाज्यताओं की बात की है-

1. उत्पादन फलन की अविभाज्यता
2. मांग की अविभाज्यता
3. बचतों की पूर्ति की अविभाज्यता

इस प्रकार रोडॉन ने 'बाह्य बचतों' को प्राप्त करने की संभावना को बड़े धक्के के सिद्धांत का प्रमुख आधार माना है।

24. आय (Y) के सभी स्तरों के लिए उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति (एम.पी.सी.) = उपभोग की औसत प्रवृत्ति (ए.पी.सी.) है तो संगत उपभोग फलन होगा

(a) $C = a + bY$ (b) $C = bY$
(c) $C = bY^2$ (d) $C = a + bY^2$

Ans. (b) : आय (Y) के सभी स्तरों के लिए उपभोग की सीमांत प्रतृत्ति (MPC) = उपभोग की औसत प्रवृत्ति (APC) है तो संगत उपभोग फलन निम्न होगा -

$$\boxed{C = b.Y}$$

25. निम्नलिखित में से किस माल को सन्दर्भ एक जुलाई, 2017 जी.एस.टी. के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है?

(a) बिजली (b) तरलीकृत पैट्रोलियम गैस
(c) हाई स्पीड डीज़ल (d) पेट्रोलियम क्रूड

Ans. (b) : भारत में वस्तु एवं सेवा कर (GST) की शुरूआत 1 जुलाई 2017 से हुआ। तरलीकृत पेट्रोलियम गैस को 1 जुलाई 2017, GST के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है।

26. आपूति में जितना अधिक लोच होगा, उतना ही अधिक होगा :

(a) क्रेता पर करापात (b) विक्रेता पर करापात
(c) विक्रेता पर कराघात (d) क्रेता पर कराघात

Ans. (a) : किसी वस्तु की पूर्ति जितनी अधिक लोचदार होती है, कर का उतना ही अधिक भार क्रेताओं पर पड़ता है और वस्तु की पूर्ति जितनी अधिक बेलोचदार होती है, कर का उतना ही अधिक भार विक्रेताओं को वहन करना पड़ता है।

27. कराधान के भुगतान की योग्यता का सिद्धान्त किस आदर्शवादी धारणा के साथ तार्किक रूप से सर्वाधिक संगत है?

(a) कर निरपेक्षता (b) क्षैतिजीय समता
(c) मूल्य संवर्धित कराधान (d) उर्ध्वाधर समता

Ans. (d) : कराधान के भुगतान की योग्यता का सिद्धांत उर्ध्वाधर समता (Vertical Equity) धारणा के साथ तार्किक रूप से सर्वाधिक संगत है।

28. अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत किससे संबंधित है:

(a) केवल कराधान
(b) केवल सार्वजनिक व्यय
(c) केवल सार्वजनिक ऋण
(d) कराधान और सार्वजनिक व्यय दोनों

Ans. (d) : अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत डाल्टन तथा पीगू द्वारा दिया गया। यह सिद्धांत सम-सीमांत उपयोगिता नियम पर आधारित है। एक व्यक्ति की तरह ही राज्य भी अपनी क्रियाओं द्वारा समाज को मिलने वाले सामाजिक कल्याण को अधिकतम करने का प्रयास करता है। डाल्टन के अनुसार ''राजकीय व्यय प्रत्येक दिशा में उस सीमा तक बढ़ाते रहना चाहिए जब तक कि इस व्यय से उत्पन्न होने वाला संतोष राज्य द्वारा लगाए गये करों से उत्पन्न होने वाले संतोष के बराबर न हो जाये।

इस प्रकार अधिकतम सामाजिक लाभ की प्राप्ति हेतु यह आवश्यक है कि करों तथा सरकारी व्यय को उसी सीमा तक बढ़ाया जाये जिस पर कि कर की एक अतिरिक्त इकाई के कारण उत्पन्न त्याग व्यय की एक अतिरिक्त इकाई से उत्पन्न उपयोगिता के बराबर हो जाये जैसा कि निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट है-

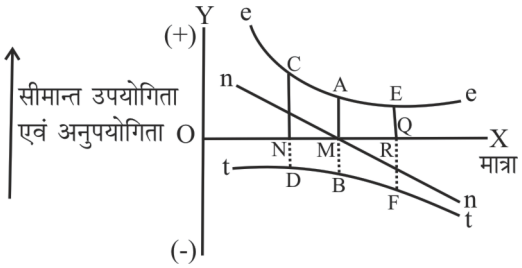

29. इष्टतम प्रशुल्क के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(a) लाभार्थी देश विश्व बाजार में किसी विशेष वस्तु के बारे में बड़ा उत्पादक देश होता है।
(b) इष्टतम प्रशुल्क में विचलन से कल्याण में गिरावट प्राप्त होगी।

उपरोक्त में से कौनसा कथन सही है? नीचे दिए गए कूट में से उत्तर दीजिए:

(a) a और b दोनों सहीं है।
(b) a और b में से कोई भी सही नहीं है।
(c) केवल a सही है।
(d) केवल b सही है।

Ans. (a) : जो प्रशुल्क देश के कल्याण को अधिकतम बनाए, इष्टतम प्रशुल्क कहलाता है। यदि इष्टतम स्तर से अधिक प्रशुल्क लगाया जाता है तो व्यापार की शर्तों में सुधार से जो लाभ होगा उसकी तुलना में व्यापार की मात्रा घट जाने से हानि अधिक होगी। प्रो. किण्डलबर्गर ने इष्टतम प्रशुल्क का निम्न सूत्र दिया है-

$$\boxed{T_y = \frac{1}{e-1}}$$

प्रशुल्क लगाने से व्यापार शर्त में सुधार दूसरे देश के प्रस्ताव वक्र की लोच पर निर्भर करता है। यदि दूसरे देश का प्रस्ताव पूर्णतया लोचदार है तब प्रशुल्क के बाद व्यापार मात्रा में संकुचन होगा और व्यापार शर्त में बिल्कुल सुधार नहीं होगा। ऐसी स्थिति में शून्य प्रशुल्क वांछनीय है।

30. मेलिट्ज़ द्वारा विकसित नए व्यापार सिद्धांत का निम्नलिखित में से कौनसा विशिष्ट निहितार्थ नए व्यापार सिद्धांत से भिन्न है?

(a) व्यापार से औसत उत्पादकता में वृद्धि होती है क्योंकि अधिक उत्पादक फर्मों का विस्तार होता है।
(b) राज्य का सहायक हस्तक्षेप

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) व्यापार आर.एंड डी. को प्रोत्साहित करता है और नए उत्पादों का मार्ग प्रशस्त होता है

(d) देश एक ही उद्योग के माल का निर्यात और आयात कर सकता है।

Ans. (a) : मेलिट्ज द्वारा विकसित नए व्यापार सिद्धांत के अनुसार व्यापार से औसत उत्पादकता में वृद्धि होती है क्योंकि अधिक उत्पादक फर्मों का विस्तार होता है।

31. यह विचार कि विकास के साथ आय की असमानताएं पहले बढ़ती हैं और उसके आगे के विकास के साथ कम होती हैं तथा इसको 'उलटी यू' परिकल्पना के रूप में भी जाना जाता है, जिसका/ जिसको:

(a) सभी आनुभविक अध्ययनों में समर्थन किया गया है।

(b) मुख्य रूप से अनुप्रस्थ काट अध्ययनों में समर्थन किया गया है, जबकि काल श्रेणी अध्ययनों में समर्थन नहीं किया गया है।

(c) काल श्रेणी अध्ययनों में समर्थन किया गया है, जबकि अनुप्रस्थ काट अध्ययनों में समर्थन नहीं किया गया है।

(d) आनुभविक अध्ययनों में आम तौर पर निरस्त किया गया है।

Ans. (b) : प्रो. साइमन कुजनेट्स के अनुसार प्रारंभ में जब आर्थिक विकास होता है तब कुछ लोग ही आय की वृद्धि से लाभान्वित होते है। आर्थिक विकास के साथ-साथ आय के वितरण की प्रक्रिया बढ़ती है, अन्य समूह भी लाभान्वित होने लगते है और आय के वितरण की विषमता कम होने लगती है। यदि हम आर्थिक विकास को प्रतिव्यक्ति आय से प्रदर्शित करें तो हम पायेगे कि प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि के साथ शुरू में आय की विषमता बढ़ती है तथा अन्त में आय की वृद्धि के साथ आय वितरण की विषमता समाप्त हो जाती है। जैसे कि निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट है-

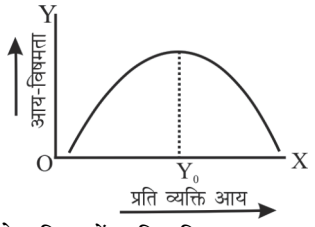

रेखाचित्र में प्रतिव्यक्ति आय तथा आय वितरण के बीच संबंध प्रदर्शित करने वाला वक्र उल्टे 'U' आकार का है।

32. एडम स्मिथ के 'अदृश्य हाथ' (इनविजिबल हैंड) का अंतिम प्रभाव यह है कि एक प्रतिस्पर्धात्मक अर्थव्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति:

(a) यदि वह अपने हित में कार्य करता है तो लाभ पाता है।

(b) वह एक मुक्त बाजार में अपने लाभ में वृद्धि करेगा।

(c) उसे आर्थिक संवृद्धि को अधिकतम बनाने का कार्य करना चाहिए।

(d) उसे सार्वजनिक हित को प्रोत्साहन देने का कार्य करना चहिए।

Ans. (a) : एडम स्मिथ ने अहस्तक्षेप नीति पर आधारित बाजार अर्थव्यवस्था के विरोधाभास को व्यक्त करने के लिए इस धारणा को 1776 में विकसित किया। इसके अनुसार बाजार प्रणाली, जबकि प्रत्येक भागीदार अपने निजी हित की रक्षा की दृष्टि से काम करे, सभी के लाभ के लिए कार्य करेगी, जैसे कि कोई उदार अदृश्य हाथ सम्पूर्ण प्रक्रिया को निर्देशित कर रहा है।

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

सूची–I (निवेश कसौटियाँ)	**सूची–II (अर्थशास्त्री)**
1. काल श्रेणी कसौटी	i. ओटो एकस्टीन
2. सामाजिक सीमांत उत्पादकता कसौटी	ii. ए.के.सेन
3. सीमांत संवृद्धि योगदान कसौटी	iii. ए.ई. कॉन
4. सीमांत प्रति व्यक्ति पुनर्निवेश कसौटी	iv. गालेन्स्टीन-लिबेन्स्टीन

कूट :

	1	**2**	**3**	**4**
(a)	ii	i	iv	iii
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	iii	ii	iv	i

Ans. (c) : निवेश कसौटियां	**अर्थशास्त्री**
काल श्रेणी कसौटी	ए. के. सेन
सामाजिक सीमांत उत्पादकता कसौटी	ए. ई. कॉन
सीमांत संवृद्धि योगदान कसौटी	ओटो एकस्टीन
सीमांत प्रति व्यक्ति पुनर्निवेश कसौटी	गैलेन्स्टीन - लिवेन्स्टीन

34. यदि सोलो के संवृद्धि मॉडल की मुख्य भविष्यवाणी वैध है तो:

(a) देशों के बीच प्रति व्यक्ति वास्तविक जी.डी.पी. के अन्तरों में वृद्धि होगी।

(b) देशों के बीच प्रति व्यक्ति वास्तविक जी.डी.पी. के अन्तरों में कमी होगी।

(c) आर्थिक स्वतंत्रता कम होगी, जैसा कि हेरीटैज फाउंडेशन सूचकांक में मापा गया है।

(d) अमीर देशों में जनसंख्या वृद्धि दर में वृद्धि होगी।

Ans. (b) : यदि सोलों के संवृद्धि मॉडल की मुख्य भविष्यवाणी वैध है तो देशों के बीच प्रति - व्यक्ति वास्तविक GDP के अन्तरों में कमी होगी।

35. उपभोग फल C = 0.75 Y और निवेश फलन, I = 110 - 0.25 i दिए होने पर IS फलन का समीकरण होगा:

(a) Y = 110 - 0.75 i (b) Y = 440 - i

(c) Y = 500 - 0.25 i (d) Y = 400 - 0.75 i

Ans. (b) : उपभोग फलन C = 0.75 Y और निवेश फलन I = 110 - 0.25 i दिए होने पर IS फलन का समीकरण निम्न होगा-

$Y=C+I$

$Y= 0.75Y + 110 – 0.25i$

$Y = \frac{110}{0.25} – i$

$Y=440–i$

36. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में अवधि (2004-05 से 2009-10) के दौरान रोजगार लोच का अनुमान इकाई से अधिक किया गया है :

(a) कृषि (b) निर्माण (कन्सट्रक्शन)

(c) विनिर्माण (d) खनन और खान

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : निर्माण (Construction) क्षेत्र में अवधि (2004 - 05 से 2009-10) के दौरान रोजगार लोच का अनुमान इकाई से अधिक किया गया है।

37. निम्नलिखित को कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(1) महालानोबिस मॉडल
(2) अनवरत योजना का प्रारंभ
(3) योजना अवकाश की घोषणा
(4) समावेशी संवृद्धि रणनीति

नीचे दिए गए कूट में से उत्तर चुनिए:

(a) 2, 1, 3, 4 (b) 1, 3, 2, 4
(c) 3, 1, 2, 4 (d) 1, 3, 4, 2

Ans. (b) : महालनोबिस मॉडल - 1956
योजना अवकाश - 1966-1969
अनवरत योजना का प्रारंभ - 1978-1979
समावेशी संवृद्धि रणनीति - 2007

38. निम्नलिखित में से कौनसा कथन 2014 - 16 की अवधि के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में सही है?

(a) निर्यात उत्साहजनक रहे हैं।
(b) निजी पूंजी निवेश तेज गति से हुआ।
(c) a और b दोनों सही है।
(d) a ओर b में से कोई भी सही नहीं है।

Ans. (d) : वर्ष 2014 - 16 की अवधि के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में दिये गये कथनों से कोई कथन सत्य नहीं है।

39. जी.एस.टी. के अंतर्गत माल के वर्गीकरण के लिए प्रयुक्त कोड है:

(a) एन.आई.सी. (b) एच.एस.एन.
(c) जी.एस.टी.एन. (d) आई.टी.सी.

Ans. (b) : GST के अन्तर्गत माल के वर्गीकरण के लिए एच.एस.एन. कोड (Harmonized system of Nomenclature code) का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः ये कोड 6 अंकों के होते हैं जो विश्व के सीमा शुक्ल संगठन (WCO) द्वारा जारी किए गये हैं।

40. यदि देश में सी.पी.आई. आधारित मुद्रास्फीति दर इस प्रकार दी गई है :

वर्ष :	**2017**	**2016**	**2015**	**2014**	**2013**
मुद्रास्फीति दर (प्रतिशत):	2	5	6	7	9

इस प्रवृत्ति को कहा जाएगा:

(a) विस्फीति (b) अवस्फीति
(c) रेंगती हुई स्फीति (d) अवरोधात्मक स्फीति

Ans. (a) : यदि देश में सी.पी.आई. आधारित मुद्रास्फीति दर इस प्रकार दी गई है

वर्ष :	**2017**	**2016**	**2015**	**2014**	**2013**
मुद्रास्फीति दर (प्रतिशत):	2	5	6	7	9

इस प्रवृत्ति को विस्फीति (Disinflation) कहा जाएगा।

41. जनगणना 2011 के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य से सबसे कम प्रतिशत शहरी जनसंख्या है?

(a) बिहार (b) ओडिशा
(c) हिमाचल प्रदेश (d) मेघालय

Ans. (c) : जनगणना 2011 के अनुसार हिमाचल प्रदेश राज्य में सबसे कम प्रतिशत शहरी जनसंख्या है।

42. यदि वर्ष 1980 और 2000 के लिए मूल्य आंकड़े दिए गए हैं और वर्ष 2000 के लिए केवल मात्रा आंकड़े दिए गए हैं तो 1980 को आधार मानने पर किस प्रकार के सूचकांक की रचना की जा सकती है?

(a) लैसपेयर का सूचकांक (b) पाशे सूचकांक
(c) फिशर सूचकांक (d) केली सूचकांक

Ans. (b) : पाशे सूचकांक का सूत्र निम्न है-

$$P_{I_0} = \frac{\Sigma P_1 q_1}{\Sigma P_0 q_1} \times 100$$

यहां चालू वर्ष की मात्रा q_0 को भार माना गया है।

43. यदि दो घटनाएं, A और B परस्पर अपवर्जी हैं तो निम्नलिखित में से कौनसा सही है?

(a) P (A + B) = P(A) +P(B)
(b) P(AB) = P(A).P(B)
(c) P(AB) = P(A) / P(B)
(d) P(A / B) = P(A) - P(B)

Ans. (a) : यदि दो घटनाएं, A एवं B परस्पर अपवर्जी है तो निम्न सत्य है-
P (A + B) = P (A) + P (B)

44. यदि 10,000 सीमांत, लघु और बड़े कृषकों के समग्र से 100 कृषकों का नमूना लिया जाना है तो निम्नलिखित में से कौन-सा नमूना-चयन सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

(a) सरल यादृच्छिक नमूना-चयन
(b) क्लस्टर नमूना-चयन
(c) स्तरित यादृच्छिक नमूना-चयन
(d) व्यवस्थित नमूना-चयन

Ans. (c) : यदि 1000 सीमांत, लघु और बड़े कृषकों के समग्र से 100 कृषकों का नमूना लिया जाना है तो स्तरित यादृच्छिक नमूना चयन सर्वाधिक उपयुक्त होगा।

45. मूल्यों के एक समुच्च्य के विचरण के वर्गों का योग न्यूनतम है तो किससे विचरण लिए जायेगे:

(a) समानांतर माध्य से (b) हरात्मक माध्य से
(c) माध्यिका से (d) ज्यामितीय माध्य से

Ans. (a) : किसी श्रेणी के समस्त पदों के मूल्यों के योग में उनकी संख्या से भाग देने पर प्राप्त मूल्य को समान्तर माध्य कहते है।

$$\overline{X} = \frac{X_1 + X_2 + X_3 - - - - - X_n}{n}$$

समान्तर माध्य के दो प्रकार होते है-
1. सरल समान्तर माध्य
2. भारित समान्तर माध्य।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

सूची–I	सूची–II
1. नमूना-चयन बंटन	i. पॉयसन बंटन
2. असतत बंटन	ii. काई वर्ग (X^2) का बंटन
3. केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप	iii. गैर-संभावना आधारित नमूना-चयन
4. उद्देश्यात्मक नमूना-चयन	iv. बहुलक

कूट :

	1	2	3	4
(a)	ii	ii	iii	iv
(b)	iii	i	ii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iv	iii	i	ii

Ans. (c) :
(a) नमूना चयन बंटन — (ii) X^2 बंटन
(b) असतत बंटन — (i) पॉयसन बंटन
(c) केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप — (iv) बहुलक
(d) उद्देश्यात्मक नमूना चयन — (iii) गैर-सम्भावना आधारित नमूना चयन

प्रश्न संख्या 47 से 50 अभिकथन (A) और तर्क (R) प्रकार के हैं। प्रश्नों की कुंजी इस प्रकार है:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R), दोनों सही हैं, किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R), सही नहीं हैं।
(d) (A) सही नहीं है, किंतु (R), सही है।

47. अभिकथन (A) : अनेक विकासशील देशों की माँग है कि प्राकृतिक व्यक्तियों का देशों के पार आवागमन को प्रोत्साहित किया जाना चहिए।

तर्क(R) : विकासशील देशों के पास श्रम-बहुल सेवाओं में प्रस्पिर्धात्मक लाभ होता हैं।

Ans. (a) : विकासशील देशों के पास श्रमशक्ति अधिक होती है तथा पूँजी की कमी होती है। जबकि विकसित देशों के पास पूँजी एवं उन्नति तकनीक होती है। अतः यदि श्रमशक्ति का आदान-प्रदान मुक्त रूप से हो तो इससे विकासशील देशों को लाभ होगा।

48. अभिकथन (A) : प्रकटित अधिमान सिद्धांत गिफिन वस्तु को बहिष्कृत करता है।

तर्क(R) : प्रकटित अधिमान सिद्धांत केवल माँग के ऋणात्मक आय लोच पर विचार करता है।

Ans. (c) : प्रकटित अधिमान सिद्धांत का प्रतिपादन प्रो. पॉल सेमुएल्सन ने 1938 में किया जो माँग के सिद्धान्त के संबंध में एक युगान्तकारी घटना के रूप में स्वीकार किया जाता है, क्योंकि इसने माँग सिद्धान्त का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रों के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यावाचक या क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाये हुए प्रत्यक्ष रूप से व्यक्त अधिमान के आधार पर किया।

मान्यतायें:–
(1) विवेकपूर्ण व्यवहार
(2) सकर्मकता
(3) व्यक्त प्राथमिकता की अवधारणा
(4) उपभोक्ता की रुचि दी हुई है
(5) सबल क्रमबद्धता की मान्यता
(6) स्थिर व्यवहार की अवधारणा

सेमुएल्सन के अनुसार जब कोई उपभोक्ता बाजार में जाता है और किसी वस्तु को क्रय करता है तो इसके दो कारण हो सकते हैं:–
(1) वह वस्तुओं के अन्य संयोगों की अपेक्षा उस विशिष्ट संयोग को अधिक चाहता है।
(2) वह संयोग अन्य संयोगों की तुलना में सस्ता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है:–

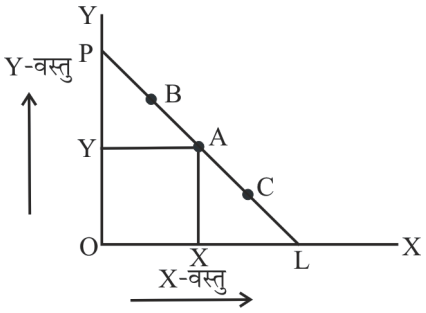

49. अभिकथन (A) : भारतीय कृषि में अभी भी श्रमिकों के एक बड़े भाग का उपयोग होता है।

तर्क (R) : कृषि क्षेत्र में रोजगार लोच उच्च है।

Ans. (c) : भारत कृषि प्रधान देश है। भारत में कृषि क्षेत्र से लगभग 46% जनसंख्या रोजगार प्राप्त करती है। जिसके कारण कृषि क्षेत्र में जनसंख्या का दबाव अधिक है और अदृश्य बेरोजगारी की स्थिति उच्च रहती है।

50. अभिकथन (A) : फ्रीडमैन का तर्क है कि मुद्रा माँग फलन एक स्थायी फलन है।

तर्क (R) : फ्रीडमैन मुद्रा को एक प्रकार की परिसम्पत्ति मानते हैं, जिसमे संपदा धारक अपनी संपदा का एक भाग रख सकते हैं।

Ans. (b) : फ्रीडमैन मुद्रा को एक उपभोग वस्तु के रूप में मानते हैं और उसकी माँग के वास्तविक स्तर पर न कि मौद्रिक स्तर पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। फ्रीडमैन ने वास्तविक आय को मुद्रा की माँग का प्रमुख निर्धारक तत्व माना है। वास्तविक आय में परिवर्तन होने पर मुद्रा की माँग में अनुपात से अधिक परिवर्तन होता है। फ्रीडमैन ने मुद्रा माँग फलन को निम्न प्रकार व्यक्त किया है:–

$$\frac{Md}{P} = f\left(r_m, r_b, r_e, w, \frac{1}{P}, \frac{dP}{dt}, r_p, u\right)$$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, नवम्बर-2017

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित आरेख पर विचार कीजिए जिसमें किसी वस्तु की बाजार माँग और पूर्ति वक्रों को दर्शाया गया है। यदि सरकार बाजार संतुलित करने वाली P_0 के बाजाए कीमत P_1 को निर्धारित करती है तो 'कुल भार हानि' निम्नलिखत में से किसके द्वारा दर्शायी जाएगी?

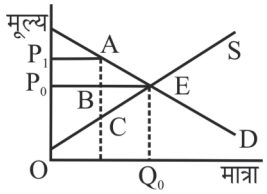

(a) ABE त्रिभुज का क्षेत्रफल
(b) EBC त्रिभुज का क्षेत्रफल
(c) ABE त्रिभुज का क्षेत्रफल +EBC त्रिभुज का क्षेत्रफल
(d) P_1 A B P_0 आयत का क्षेत्रफल

UGC NET/JRF Nov. -2017 Paper- III

Ans. (c) : उपरोक्त चित्र में वस्तु की बाजार मांग और पूर्ति वक्रों को दर्शाया गया है। यदि सरकार बाजार संतुलित करने वाली कीमत P_0 के बजाय कीमत P_1 को निर्धारित करती है तो 'कुल भार हानि' ABE त्रिभुज का क्षेत्रफल + EBC त्रिभुज का क्षेत्रफल द्वारा दिखाया जाएगा।

2. निम्नलिखिता में कैन सी विशेषताएँ कुर्नो के द्वयाधिकर मॉडल से संबंधित हैं?

1. इसके द्वारा द्वयाधिकारियों को निर्धाय और स्थायी संतुलन प्राप्त होता है।
2. यह नैश संतुलन का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है
3. यदि द्वयाधिकारी मिलकर एकाधिकार बनाते हैं तो उनके द्वारा कीमत में परिवर्तन उनके एक साथ मिले बिना संतुलन कीमत से कम होगी

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है? नीचे दिए गए कूट से चुनिए :

(a) उपर्युक्त सभी सही हैं (b) 1 और 3 सही हैं
(c) 1 अैर 2 सही हैं (d) 2 ओर 3 सही है

Ans. (c) : अल्पाधिकार के मॉडल का सर्वप्रथम प्रतिपादन फ्रेंच अर्थशास्त्री ऑगस्टीन कूर्नो ने किया। कूर्नो ने अपना सिद्धांत दो खनिज झरनों का उदाहरण देकर समझाया है। कूर्नो ने समान पदार्थ, उत्पादन लागत शून्य तथा शून्य कल्पित परिवर्तनशीलता की मान्यता लेकर अपना सिद्धांत प्रस्तुत किया है।

कूर्नो के अनुसार द्विअधिकारी यह मानकर कि उसके प्रतिद्वन्द्वी का उत्पादन वर्तमान स्तर पर बना रहेगा, अपने लिए उस उत्पादन मात्रा का चयन करेगा जो उसको अधिकतम लाभ प्रदान करे। इसको निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट कर सकते हैं।

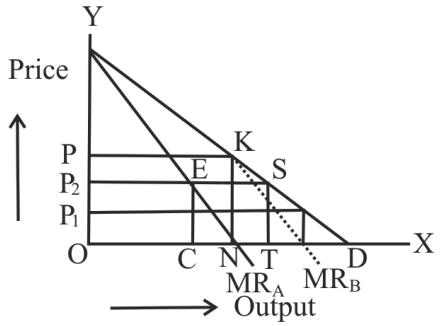

कूर्नो की धारणा के अनुसार नया उत्पादक यह मान लेता है कि पहला उत्पादक कुल बाजार मांग का 1/2 भाग का उत्पादन करेगा। वह आधे बाजार को अपनी मांग मात्रा मान कर उत्पादन प्रारंभ करता है। यह क्रिया-प्रतिक्रिया तब तक चलती है, जब तक कि दोनों उत्पादक 1/3-1/3 भाग के उत्पादन पर न पहुंचे। दोनों फर्में 1/3-1/3 मात्रा का उत्पादन करती है तथा दोनों मिलकर 2/3 भाग का उत्पादन करती है और 1/3 भाग अनुउत्पादित रह जाता है।

3. किसी वस्तु के 'गिफिन वस्तु' तब कहा जाता है जब आय प्रभाव निम्नलिखित में से कौन सा होता है?

(a) धनात्मक और प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक होता है
(b) प्रतिस्थापन प्रभाव के बराबर
(c) प्रतिस्थापन प्रभाव से कम
(d) ऋणात्मक और प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक

Ans. (d) : ऐसी निम्न वस्तुएं जिनकी दशा में उपभोक्ता उनकी कीमत गिरने पर उनके उपभोग को घटा देता है और उनकी कीमत बढ़ने पर उनके उपभोग को बढ़ा देता है, गिफिन वस्तु कहलाती हैं गिफिन पदार्थ की मांग-मात्रा उसकी कीमत में परिवर्तन की दिशा में ही बदलती है अर्थात् गिफिन पदार्थ की मांग और उसकी कीमत में सीधा संबंध होता है। गिफिन पदार्थ के लिए तीन शर्तों का पूरा होना आवश्यक है-

1. वस्तु निम्न पदार्थ हो जिसका ऋणात्मक आय प्रभाव शक्तिशाली हो।
2. उस वस्तु का प्रतिस्थापन प्रभाव कम हो।
3. उस वस्तु पर आय का एक अधिक बड़ा भाग व्यय किया जाता हो। जैसा कि निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट है-

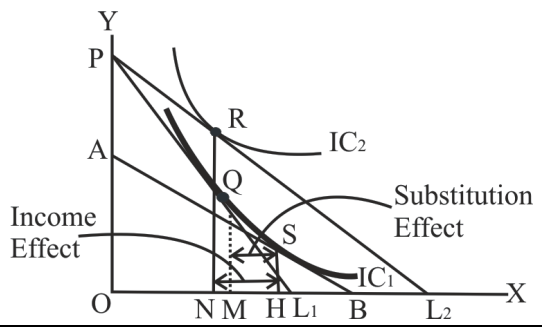

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

4. एजवर्थ बॉक्स में अकुशल आवंटन से कुशल आवंटन में जाने से निम्नलिखित में से क्या होगा?

(a) सभी व्यक्तियों की उपयोगिता में वृद्धि
(b) कम से कम एक व्यक्ति की उपयोगिता में वृद्धि लेकिन दूसरे व्यक्ति का उपयोगित का स्तर कम हो सकता है
(c) किसी एक व्यक्ति की उपयोगिता में वृद्धि लेकिन किसी अन्य व्यक्ति की उपयोगित नहीं बढ़ सकती है
(d) सभी व्यक्तियों की उपयोगित में कमी

Ans. (b) : एजवर्थ बॉक्स में अकुशल आवंटन से कुशल आवंटन में जाने से कम से कम एक व्यक्ति की उपयोगिता में वृद्धि लेकिन दूसरे व्यक्ति का उपयोगित का स्तर कम हो सकता है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है-

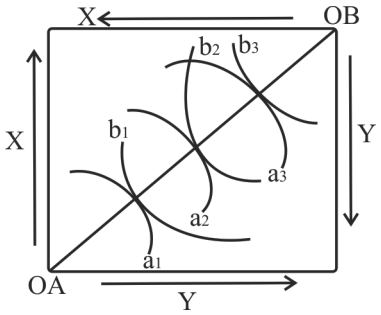

5. कीमत प्रभाव के स्पष्टीकरण में निम्नलिखित में से कौन स्थित रहत/रहते हैं?

A. वास्तविक आय
B. मौद्रिक आय
C. कीमत अनुपात

नीचे दिए गए कूट में सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A (b) केवल B
(c) B और C दोनों (d) A और C दोनों

Ans. (b) : कीमत प्रभाव उपभोक्ता की किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उस समस्त प्रभाव को मापता है जो कि उस वस्तु की क्रय मात्रा पर पड़ता है। कीमत प्रभाव में उपभोक्ता की आय में कोई क्षतिपूरक परिवर्तन नहीं किया जाता। जब किसी वस्तु की कीमत में कमी या वृद्धि होती है तो उपभोक्ता की संतुष्टि में भी परिवर्तन होगा। अर्थात् यदि वस्तु की कीमत गिरती है तो वह उच्चतर अनधिमान वक्र पर होगा तथा यदि वस्तु की कीमत बढ़ती है तो वह इसके कारण नीचे के अनधिमान वक्र पर आ जाएगा।

6. निम्नलिखित में से कौन सामान्य संतुलन विश्लेषण से संबंधित एक समस्या है?

(a) अस्तित्व समस्या (b) विशिष्ट समस्या
(c) स्थायित्व समस्या (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : सामान्य संतुलन विश्लेषण के अन्तर्गत सभी कीमतों को परिवर्तनशील माना जाता है तथा सभी बाजारों में साम्य का एक साथ निर्धारण का विश्लेषण किया जाता हैं वस्तुतः जब हम महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवस्था पर दृष्टि डालते है तो वस्तुओं तथा साधनों के विभिन्न बाजारों के बीच बहुत अधिक अंशों तक पारस्परिक संबंध तथा पारस्परिक निर्भरता पायी जाती है तथा बहुत बड़ी संख्या में निर्णय करने वाले एजेंट जैसे उपभोक्ता, उत्पादक, श्रमिक तथा साधनों के स्वामी होते है ये सभी कार्यकर्ता स्वार्थपूर्ण होते है तथा अपने लक्ष्य को अधिकतम करने का व्यवहार करते है, उपभोक्ता अपनी उपयोगिता को अधिकतम करते है तथा उत्पादक अपने लाभ को अधिकतम करते हैं जब सभी वस्तुओं तथा साधनों की कीमतों तथा मात्राओं को परिवर्तनशील माना जाता है तथा जब सभी परस्परिक संबंधों तथा पारस्परिक निर्भरताओं को ध्यान में रखा जाता है तो यह एक विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से ही किया जा सकता है।
सामान्य संतुलन विश्लेषण से संबंधित निम्न समस्यायें है-
1. अस्तित्व समस्या 2. विशिष्ट समस्या 3. स्थायित्व समस्या

7. दिए गए आरेख 1 और 2 में, माँग वक्र DD और पूर्ति वक्र SS को दिखाया गया है। बिन्दु E और F संतुलन बिंदुओं को दर्शाते हैं, तो निम्नलिखित में से कौन सही है?

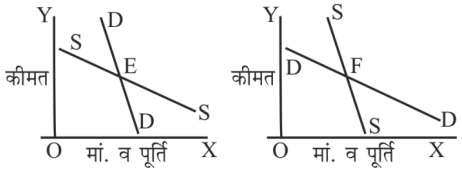

चित्र 1 चित्र 2

(a) E आौर F दोनों स्थायी संतुलन के बिन्दु हैं
(b) E और F दोनों अस्थायी संतुलन के बिन्दु हैं
(c) बिन्दु E पर संतुलन स्थायी है और बिन्दु F पर अस्थायी है
(d) बिन्दु E पर संतुलन अस्थायी और बिन्दु F पर स्थायी है

Ans. (d) : दिये गये आरेख 1 और 2 में मांग वक्र DD एवं पूर्ति वक्र SS से दिखाया गया है। यदि बिन्दु E और F संतुलन बिन्दु को दर्शाये है तो बिन्दु E पर संतुलन अस्थायी और बिन्दु F पर स्थायी है।

8. निम्नलिखित में से कौन सा कथन पेरेटो इष्टतम के बारे में सही है?

(A) आय वितरण में परिवर्तन से यह बदलता है
(B) पेरेटो इष्टतम पर, उपभोग में एम आर एस = उत्पादन में एम आर टी
(C) यह विशिष्ट नहीं है
(D) यह पूर्ण प्रतियोगिता में प्राप्त होता है

कूट :

(a) A, C और D (b) B और C
(c) A, B और D (d) A और B

Ans. (c) : पटेटो इष्टतम (Pareto optimum) के बारे में निम्न कथन सत्य है-
1. आय वितरण में परिवर्तन से यह बदलता है
2. परेटो इष्टतम पर, उपभोग में एम.आर.एस. = उत्पादन में एम.आर.टी
3. यह पूर्ण प्रतियोगिता से प्राप्त होता है।

9. सामाजिक लागत लाभ और निजी लागत लाभ के बीच अंतर की गणना के लिए बाजार कीमतों को निम्नलिखित में से किसके लिए समायोजित किया जाता है?

(a) उपभोक्ता अतिरेक (b) कीमत विरूपण
(c) विनिमय दरें (d) प्रतिछाया कीमतें

Ans. (d) : प्रतिछाया कीमत के समर्थक अर्थशास्त्री जॉन टिनवर्जन हैं बाजार द्वारा निर्धारित मूल्य में उत्पादन क्रिया में उत्पन्न सामाजिक लागत तथा सामाजिक लाभ या बाह्यताओं को ध्यान में नहीं रखा जाता है। यदि हम इनकों ध्यान में रखकर बाजार कीमत को समायोजित कर दे तो इसे हम छाया मूल्य भी कहते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. 'बैंडवैगन प्रभाव' निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?

(a) जीवन चक्र परिकल्पना (b) स्थायी आय परिकल्पना
(c) निरपेक्ष आय परिकल्पना (d) सापेक्ष आय परिकल्पना

Ans. (d) : यदि किसी वस्तु की कीमत गिरे जिसके परिणामस्वरूप समुदाय के कुछ लोगों की तो उस वस्तु की मांग बढ़ जाय पर कुछ लोग कीमत गिरने के कारण नहीं बल्कि दूसरे लोगों की उपभोग में जो वृद्धि हुयी उसके अनुकरण के कारण मांग में वृद्धि कर दे तो इसे बैण्डबैगन प्रभाव कहते है। इस प्रकार मूल्य में परिवर्तन के कारण नहीं बल्कि अन्य व्यक्तियों के व्यवहार में परिवर्तन के अनुकरण के कारण व्यवहार में परिवर्तन को बैंडबैगन प्रभाव कहते है।

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(A) फिलिप्स वक्र अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी की दर और मुद्रास्फीति की दर के बीच प्रतिलोम संबंध है।
(B) ऐंजिल लॉ के अनुसार जैसे आय बढ़ती है भोजन पर वास्तविक खर्च बढ़ने पर भी भोजन पर खर्च की जाने वाली आय का अनुपात कम हो जाता है।

निम्नलिखत में से कौन सा कथन सही है/हैं?

(a) केवल A (b) केवल B
(c) A और B दोनों (d) A और B में से कोई नहीं

Ans. (c) : नीचे दिया गया दोनों कथन सत्य है-
1. फिलिप्स वक्र अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी की दर और मुद्रास्फीति की दर के बीच प्रतिलोम संबंध है।
2. ऐंजिल लॉ के अनुसार जैसे आय बढ़ती है भोजन पर वास्तविक खर्च बढ़ने पर भी भोजन पर खर्च की जाने वाली आय का अनुपात कम हो जाता है।

12. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है/हैं?

अवधारणा	**अर्थशास्त्री**
(a) द्वि-निर्णय परिकल्पना	- आर.डब्ल्यू क्लोवर
(b) बेरोजगारी की प्राकृतिक दर	- ई. फेल्प्स एवं एम. फ्रीडमैन
(c) परिसीमन कीमत सिद्धान्त	- जे. भगवती
(d) नियोजित विक्रय वक्र	- श्रीमती जे. रॉबिन्सन

Ans. (d) : द्वि-निर्णय परिकल्पना- आर.डब्ल्यू क्लोवर, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर - ई. फेल्प्स एवं एम. फ्रीडमैन व परिसीमन कीमत सिद्धांत - जे. भगवती ने दिया है जबकि श्रीमती जॉन रबिन्सन ने आधुनिक लगान सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

13. निम्नलिखित में से कौन, आरेख में दर्शाए गए समग्र मांग फलन के संबंध में सही है?

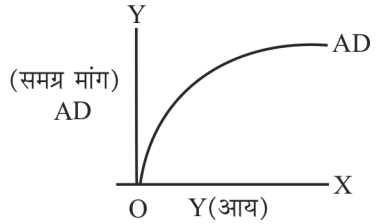

(A) $\frac{d(AD)}{dY} > 0$ (B) $\frac{d(AD)}{dY} < 0$
(C) $\frac{d^2(AD)}{dY^2} > 0$ (D) $\frac{d^2(AD)}{dY^2} < 0$

निम्नलिखित दिए गए कूट से उत्तर चुनिए:

(a) A और D सही है (b) A और C सही है
(c) B और C सही हैं (d) B और D सही हैं

Ans. (a) : आरेख में दिये गये समग्र मांग फलन के संबंध में सत्य है- $\frac{d(AD)}{dY} > 0$, $\frac{d^2(AD)}{dY^2} < 0$

14. स्थायी आय परिकल्पना के अनुसार निम्नलिखित किन चरों के युग्मों के बीच धनात्मक सह-सम्बन्ध होता है?

(a) स्थायी आय और अस्थायी आय
(b) स्थायी आय और अस्थायी उपभोग
(c) स्थायी आय और स्थायी उपभोग
(d) अस्थायी आय और अस्थायी उपभोग

Ans. (c) : स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन मिल्टन फ्रीडमैन द्वारा किया गया। फ्रीडमैन ने उपभोग तथा आय को स्थायी व अस्थायी रूपों में विभाजित किया है-
$Y = Y_P + Y_t$---------(i)
$C = C_P + C_t$--------(ii)
फ्रीडमैन के अनुसार स्थायी उपभोग, स्थायी आय और स्थायी औसत उपभोग प्रवृत्ति का गुणनफल है, अर्थात-
$\boxed{C_P = K.Y_P}$ स्थायी तथा अस्थायी आय के मध्य सम्बन्ध को निम्न प्रकार स्पष्ट किया है-
1. स्थायी तथा अस्थायी आय में कोई सहसंबंध नहीं होता है
2. स्थायी तथा अस्थायी उपभोग में कोई सहसंबंध नहीं है।
3. अस्थायी आय तथा अस्थायी उपभोग में सहसंबंध नहीं होता है
4. स्थायी आय में होने वाले परिवर्तन उपभोग को प्रभावित करते है
फ्रीडमैन के अनुसार स्थायी औसत उपभोग तीन तत्वों पर निर्भर है-
1. ब्याज की दर (r)
2. सम्पत्ति एवं गैर-सम्पत्ति तथा राष्ट्रीय आय का अनुपात (w)
3. उपभोक्ता की उपभोग प्रवृत्ति (u)
$\boxed{K = F(r,w,u)}$ स्थायी आय परिकल्पना को प्रत्याशित आय परिकल्पना भी कहा जाता है।

15. निम्नलिखित में से अर्थव्यवस्था में क्या प्रारंभिक प्रभाव होगा जब मजदूरी में मजदूर की उत्पादकता से अधिक वृद्धि की जाती है?

(a) रोजगार बढ़ेगा जिससे समग्र माँग वक्र दायीं ओर शिफ्ट होगा
(b) समग्र माँग वक्र बायीं ओर होगा जिससे कीमत स्तर में वृद्धि होगी
(c) अल्पकालिक समग्र आपूर्ति वक्र बायीं ओर शिफ्ट होगा इससे कीमत स्तर में वृद्धि होगी
(d) रोजगार घटेगा जिससे समग्र माँग वक्र दायीं ओर शिफ्ट होगा।

Ans. (c) : जब मजदूरी में मजदूर की उत्पादकता से अधिक वृद्धि की जाती है तो अर्थव्यवस्था में अल्पकालिक समग्र आपूर्ति वक्र बायीं ओर शिफ्ट होगा, इससे कीमत स्तर में वृद्धि होगी।

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए जिनमें उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (M.P.C.) और गुणक के मान के बीच संबंध की व्याख्या की गई है।

(A) एम.पी.सी. (M.P.C.) जितना अधिक होगी गुणक का मान उतना ही कम होगा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) एम.पी.सी. (M.P.C.) जितना अधिक होगी गुणक का मान उतना ही अधिक होगा

(C) यदि एम.पी.सी. (M.P.C.) = 1 है तो गुणक का मान अनन्त (∞) होगा

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

(a) केवल (B) (b) (B) और (C)

(c) केवल (C) (d) केवल (A)

Ans. (b) : उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति (MPC) और गुणक के मान के बीच संबंध में निम्न कथन सत्य है-

2. MPC जितना अधिक होगी गुणक का मान उतना ही अधिक होगा।

3. यदि MPC = 1 है तो गुणक का मान अनन्त (∞) होगा।

17. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची–I (वक्र)	सूची–II (संबंध)
1. एंजेल वक्र	i. कर राजस्व - कर दर
2. रॉहन वक्र	ii. आय- उपभोग
3. लैफर वक्र	iii. पर्यावरण- प्रति व्यक्ति आय
4. कूज़नेट्स वक्र	iv. सरकारी व्यय- प्रति व्यक्ति आय

कूट :

	1	2	3	4
(a)	iv	ii	i	iii
(b)	i	iii	iv	ii
(c)	ii	iv	i	iii
(d)	iii	i	ii	iv

Ans. (c) : एंजेल वक्र - आय - उपभोग
रॉहन वक्र - सरकारी व्यय - प्रति व्यक्ति आय
लैफर वक्र - कर राजस्व - कर दर
कुजनेट्स वक्र - पर्यावरण - प्रति व्यक्ति आय

18. 'संचयन का स्वर्णिय नियम' बचत दर को इंगित करता है जो :

(a) उत्पादन की वृद्धि दर को अधिकतम करता है

(b) अर्थव्यवस्था में निवेश को अनुकूलन करता है

(c) वृद्धिमान, प्रति व्यक्ति उपभोग को अधिकतम करता है

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : 'संचयन का स्वर्णिम नियम' बचत दर को इंगित करता है जो वृद्धिमान प्रति व्यक्ति उपभोग को अधिकतम करता है।

19. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शुम्पीटर के विकास मॉडल के संबंध में सही है/हैं?

(A) बैंकों द्वारा साख सृजन के कारण विकास सम्भव है

(B) लोकतंत्र में विकास फलना-फलना है

(C) व्यापार चक्र के माध्यम से पूँजीवादी अर्थव्यवस्था विकसित होती है

उपर्युक्त में कौन सा कथन सही है? नीचे दिए गए कूट से उत्तर दीजिए :

(a) उपर्युक्त सभी सही हैं (b) A और B सही हैं

(c) B और C सही हैं (d) A और C सही है

Ans. (d) : प्रो. शुम्पीटर ने 'The Theory of Economic Development' में आर्थिक विकास का सिद्धांत प्रस्तुत किया। शुम्पीटर के अनुसार आर्थिक विकास की प्रक्रिया असंगत, असतत् एवं उच्चावचपूर्ण होती है जो चक्रीय प्रवाह के रूप में आगे बढ़ती है जिसमें साहसी, नवप्रर्वतन और वित्तीय संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

शुम्पीटर साख को महत्वपूर्ण मानते हुए कहते है कि यह विकास के लिए आवश्यक है और चक्रीय प्रवाह तोड़ने के लिए साहसी को साख की आवश्यकता पड़ती है विकास कार्य के लिए दिया साख केवल विकास की प्रारंभिक अवस्था में स्फीतिकारी होती है जब तक नये निवेश से उत्पादन का प्रवाह शुरू न हो जाए जबकि उपभोग उद्देश्य के लिए दिये गये साख से कीमते निरन्तर बढ़ती है

शुम्पीटर के अनुसार पूंजीवाद की सफलता ही उसके पतन के लिए जिम्मेदार है। पूंजीवाद अपने आप को तभी तक बनाये रख सकता है जब तक साहसी की भूमिका प्रमुख होती है। आधुनिक फर्म के लिए वित्तीय आवश्यकता इतनी बढ़ जाती है कि वह दूर-दूर से पूंजी जुटाने के लिए बाध्य हो जाती है, इसलिए शेयर, बैंक से उधार जनता से उधार आदि के माध्यम से पूंजी जुटाती है, जिसके फलस्वरूप शेयर धारक उसके मालिक की भूमिका निभाते है जिससे साहसी की भूमिका द्वितीयक हो जाती है और पूंजीवाद का नाश होने लगता है।

20. मार्क्सवादी मॉडल में, पूँजी पर लाभ की दर निम्न में से क्या है?

(a) शोषण की दर और पूँजी की जैविक संरचना के प्रत्यक्ष अनुपातिक

(b) शोषण की दर और पूँजी की जैविक संरचना के प्रतिलोम अनुपातिक

(c) शोषण की दर के प्रतिलोम अनुपातिक और पूँजी की जैविक संरचना के प्रत्यक्ष अनुपातिक

(d) शोषण की दर के प्रत्यक्ष आनुपातिक और पूँजी की जैविक संरचना के प्रतिलोम अनुपातिक

Ans. (d) : मार्क्सवादी मॉडल में, पूँजी पर लाभ की दर शोषण की दर के प्रत्यक्ष आनुपातिक और पूँजी की जैविक संरचना के प्रतिलोम अनुपातिक संबंध है।

21. निम्नलिखित में से कौन विकास के ए.के. मॉडल के लिए सही है/हैं?

(A) यह नियत बचत दर धारित करता है

(B) इस बचत दर का बहिर्जात रूप से निर्धारण किया जाता है

(C) उत्पादन बढ़ने के साथ पूँजी के सीमांत उत्पाद कें ह्रास होता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा कथन सही है?

(a) उपर्युक्त सभी सही हैं।

(b) केवल A और B सही हैं

(c) A और C सही हैं

(d) केवल B और C सही है

Ans. (b) : विकास का ए. के. मॉडल यह मानता है कि यदि अर्थव्यवस्था की वास्तविक संवृद्धि दर इतनी हो कि वह अर्थव्यवस्था में हमेशा पूँजी स्टॉक तथा श्रम की वृद्धि को पूर्णतया प्रयुक्त रख सके तो अर्थव्यवस्था सतत रूप से पूर्ण रोजगारीय संतुलन पथ से विकसित होती रहेगी, पर इसकी संभावना बहुत कम है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. फिशर-क्लार्क थीसिस के अनुसार निम्नलिखित में से कौन विकास की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन का सही अनुक्रम है?

(a) कृषि, सेवाएँ, उद्योग
(b) कृषि, उद्योग, सेवाएँ
(c) कृषि, उद्योग, विदेशी, व्यापार
(d) कृषि, विदेशी, व्यापार, सेवाएँ

Ans. (b) : फिशर-क्लार्क थीसिस के अनुसार विकास की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन का सही अनुक्रम निम्नलिखित है-
कृषि, उद्योग, सेवाएं

23. हेगेन का सामाजिक परिवर्तन सिद्धांत इस बात को स्पष्ट करने के लिए मनोविज्ञान, समाज विज्ञान और नृविज्ञान का उपयोग करता है कि किस प्रकार एक पारम्परिक कृषि समाज:

(a) निंतर तकनीकी प्रगति हासिल करता है।
(b) अपनी नियति को स्वीकार करना सीख लेता हैं
(c) में एक सामाजिक संरचना होती है जिसमें उचच हैसियत बरकरार रहती हैं।
(d) उपलब्धि की अत्यधिक जरूरत के साथ एक समायोजी व्यक्तित्व पैदा करता हैं

Ans. (a) : हेगेन का सामाजिक परिवर्तन सिद्धांत इस बात को स्पष्ट करने के लिए मनोविज्ञान, समाज विज्ञान और नृविज्ञान का उपयोग करता है कि किस प्रकार एक पारम्परिक कृषि समाज निरंतर तकनीकी प्रगति हासिल करता है।

24. लेविस मॉडल के अनुसार दोहरी अर्थव्यवस्था केवल तभी बढ़ती है जब:

(a) आधुनिक सेक्टर पारम्परिक सेक्टर के सापेक्ष अपना उत्पादन हिस्सा बढ़ाता है।
(b) कृषि सेक्टर आधुनिक उपस्कर का इस्तेमाल करता है
(c) कृषि सेक्टर श्रम को किफायती रूप से भाड़े पर लेता है।
(d) आधुनिक विनिर्माण सेक्टर पूँजी प्रधान होता है।

Ans. (a) : प्रो. लेविस ने 'श्रम की असीमित आपूर्ति' का सिद्धांत प्रस्तुत किया। लेविस अल्पविकसित देशों में 'आर्थिक द्वैत' का विश्लेषण करते है जिसका आशय है कि इन देशों में अर्थव्यवस्था दो क्षेत्रों में विभाजित है- 1. औद्योगिक क्षेत्र तथा 2. कृषि क्षेत्र।
औद्योगिक क्षेत्रों में वस्तुओं का विनिर्माण किया जाता है जिसमें आधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया जाता है तथा इस क्षेत्र में मजदूरी अधिक होती है। पूंजीपति लाभ के उद्देश्य से श्रमिकों का प्रयोग करता है तथा लाभ को पुनः विनियोजित करता है। कृषि क्षेत्र को परम्परागत क्षेत्र कहा जाता है जहां परम्परागत उत्पादन तकनीकी का प्रयोग किया जाता है तथा श्रम की उत्पादकता बहुत कम होती है। इस क्षेत्र में जो भी अतिरेक होता है उसे उपभोग पर व्यय करते है, इसलिए पूंजी निर्माण नहीं होता है। जीवन निर्वाह क्षेत्र में श्रम की असीमित पूर्ति पायी जाती है तथा भूमि की मात्रा सीमित होने के कारण क्रमागत उत्पादन ह्रास नियम लागू होता है, जिससे श्रम की सीमांत उत्पादकता नीची बनी रहती है।
लेविस मानते है कि आर्थिक विकास की प्रक्रिया में 'पूंजीवादी पुनः विनियोजन युक्त आधिक्य' की भूमिका महत्वपूर्ण है। जीवन -निर्वाह क्षेत्र से पूंजीवादी क्षेत्र को श्रम की असीमित पूर्ति प्राप्त होगी, किन्तु जब जीवन - निर्वाह क्षेत्र में श्रमातिरेक समाप्त हो जाएगा तो जीवन - निर्वाह क्षेत्र से पूंजीवादी क्षेत्र की ओर श्रम की पूर्ति पूर्णतया लोचदार नहीं रह जाएगी। ऐसी स्थिति में श्रम साधन के लिए पूंजीवादी क्षेत्र तथा जीवन-निर्वाह क्षेत्र के मध्य परस्पर प्रतिस्पर्धा प्रारंभ हो जाती है और जीवन- निर्वाह क्षेत्र में भी व्यापारीकरण प्रारंभ हो जाता है और अर्थव्यवस्था में द्वैत समाप्त होने लगता है।

25. परनिर्भरता सिद्धांतवादियों में से एक, आंद्रे गुंदर फ्रैंक सुझाव देते हैं कि निम्नलिखित आर्थिक कार्यकलापों ने अल्प विकास में योगदान किया है:

(A) गाँवों से विदेशी-प्रधानता वाले शहरी परिसरों में प्रवास करने वाले कामगार।
(B) कारखानों और खानों एवं बगानों में काम करने के लिए अकुशल श्रमिक बल का निर्माण करना।
(C) देशीय उद्यमों को प्रौद्योगिकीय रूप से अधिक उन्नत, वैश्विक अनुषंगी कम्पनियों से प्रतिस्थापित करना।
(D) अर्थव्यवस्था को विकसित देशों के साथ व्यापार करने और निवेश करने से रोक देना (बंद करना)

नीचे दिए कूट में से सही उत्तर चुने:

(a) A और B (b) B और C
(c) A, B और C (d) A, B, C और D

Ans. (c) : विकास के निर्भरतापरक सिद्धांत (Dependency Theory) का प्रतिपादन 1960 के दशक के अंतिम वर्षों तथा 1970 के दशक के प्रारंभिक वर्षो में लैटिन अमेरिकी देशों के संदर्भ में किया गया। इस सिद्धांत के अनुसार अल्पविकसित देशों के पिछड़ेपन के लिए पश्चिम के पूंजीवादी देश उत्तरदायी है, जिनमें से अधिकांश 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में शक्तिशाली राष्ट्र थे। अल्पविकसित देशों का जो अपर्याप्त विकास हुआ, उसका प्रमुख कारण इन साम्राज्यवादी राष्ट्रो की उपनिवेशवादी नीति थी।
ए. जी. फ्रैक के अनुसार विकास एवं अल्पविकास एक ही सिक्के के दो पहलू है। वैश्विक प्रणाली की ऐसी ही रीति है कि एक व्यवस्था का विकास दूसरे के विकास की कीमत पर होता है। फ्रेंच सुझाव देते है कि निम्न आर्थिक कार्यकलापों ने अल्पविकास में योगदान दिया है-
1. गांवों से विदेशी- प्रधानता वाले शहरी परिसरों में प्रवास करने वाले कामगार
2. कारखानों और खानों एवं बगानों में काम करने के लिए अकुशल श्रमिक बल का निर्माण करना।
3. देशीय उद्यमों को प्रौद्योगिकीय रूप से अधिक उन्नत, वैश्विक अनुषंगी कंपनियों से प्रतिस्थापित करना।

26. हैरोडियन अर्थव्यवस्था में Ga = 10% और GW = 8% तो इसके परिणामस्वरूप क्या होगा/होगी?

(a) मुद्रास्फीति (b) बेरोजगारी
(c) अवस्फीति (d) अवरोधात्मक स्फीति

Ans. (a) : यदि वास्तविक दर वांछित दर से अधिक हो तो उत्पादक यह सोचेगा तथा विश्वास करेगा कि अर्थव्यवस्था में संवृद्धि की संभावना अधिक है और उसने अर्थव्यवस्था के विकसित होने की क्षमता का कम अनुमान लगाया है। ऐसी स्थिति में अगली अवधि में वे अर्थव्यवस्था में वांछित संवृद्धि दर का ऊंचा अनुमान लगायेंगे और उच्चतर वांछित संवृद्धि दर के साथ अधिक विनियोग करेंगे। विनियोग की यह वृद्धि गुणक प्रभाव के कारण आय में और अधिक वृद्धि लायेगी और पुनः नयी वांछित दर वास्तविक दर से कम रह जायेगी। यदि एक बार वास्तविक संवृद्धि दर (Ga) वांछित संवृद्धि दर (Gw) से अधिक हुयी तो यह संचयी रूप से इससे दूर ही हटती जाएगी। इस स्थिति में मांग की तुलना में वस्तुओं की पूर्ति कम होगा, मुद्रा स्फीति की स्थिति होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिये और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची–I (लेखक)	सूची–II (पुस्तक)
1. गुन्नर मर्डल	i. दी राइज एंड फॉल ऑफ नेशन्स
2. रूचिर शर्मा	ii. इन डिफेंस ऑफ ग्लोबलाइजशन
3. जगदीश भगवती	iii. कैपिटलिज्म, सोशलिज्म एण्ड डेमोक्रेसी
4. जोसेफ शुम्पीटर	iv. एशियन ड्रामा

कूट :

	1	2	3	4
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iv	ii	i	iii
(d)	i	iii	ii	iv

Ans. (b) : गुन्नार मिर्डल - एशियन ड्रामा
रूचिर शर्मा - दी राइज एंड फॉल ऑफ नेशन्स
जगदीश भगवती - इन डिफेंस ऑफ ग्लोबलाइजेशन
जोसेफ शुम्पीटर - कैपिटलिज्म, सोशलिज्म एण्ड डेमोक्रेसी

28. 'ट्विन डेफिसिट' समस्या का अर्थ एक देश में निम्नलिखित का होना है:

(a) उच्च राजकोषीय घाटा और उच्च चालू खाता घाटा
(b) उच्च राजकोषीय घाटा और उच्च राजस्व घाटा
(c) उच्च राजकेषीय घाटा और उच्च शासन (गवर्नेन्स) घाटा
(d) उच्च राजकोषीय घाटा और उच्च प्राथमिक घाटा

Ans. (a) : 'ट्विन डेफिसिस्ट' समस्या का अर्थ एक देश में उच्च राजकोषीय घाटा और उच्च चालू खाता घाटा का होना है।

29. बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ निम्नलिखित में विकासशील देशों की किस प्रकार सहायता कर सकते हैं:

(A) उत्पादकता बढ़ाने के लिए विदेशी प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषी पद्धतियाँ हासिल करना।
(B) ग्रामीण बेरोजगार श्रम को नियोजित करना।
(C) बचत अंतर या भुगतान शेष घाटे का वित्तपोषण करना
(D) मौजूदा प्रक्रियाओं के प्रति अनुकूलन करके उपयुक्त प्रौद्योगिकी तैयारी करना।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर क चुनाव करें:

(a) केवल A और C (b) केवल B और C
(c) केवल A, B और D (d) A, B, C और D

Ans. (a) : बहुराष्ट्रीय कम्पनियां विकासशील देशों की निम्न प्रकार सहायता कर सकते है-
1. उत्पादकता बढ़ाने के लिए विदेशी प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषी पद्धतियां हासिल करना।
2. बचत अंतर या भुगतान शेष घाटे का वित्त-पोषण करना।

30. निम्नलिखित में से कौन कृषि पर डब्ल्यू.टी.ओ. करार (ए.ओ.ए) का हिस्सा नहीं है?

(a) 'इनपुट' सबसिडी (b) निर्यात सबसिडी
(c) घरेलू समर्थन (d) बाजार अभिगम्यता

Ans. (a) : कृषि पर WTO करार का हिस्सा निम्न है-
a. निर्यात सब्सिडी
b. घरेलू समर्थन
c. बाजार अधिगम्यता
जबकि 'इनपुट सब्सिडी' कृषि पर WTO करार का हिस्सा नहीं है।

31. यू.एस. अर्थव्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन 'ट्रिफिन दुविधा' के लिए सही है?

(A) यू.एस. को अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत करेंसी के रूप में काम करने के लिए बड़ी मात्रा में डॉलर की आपूर्ति का समर्थन करना पड़ता है।
(B) यू.एस. व्यापार नीति के अल्पावधि घरेलू और दीर्घावधि उद्देश्यों में विरोध है जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा होता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा कथन सही है? नीचे दिए गए कूट में से चयन करें:

(a) A और B दोनों सही है।
(b) न तो A और न ही B सही है।
(c) केवल A सही है।
(d) केवल B सही है।

Ans. (a) : यू. एस. अर्थव्यवस्था के संदर्भ में 'ट्रिफिन दुविधा' के लिए निम्न कथन सत्य है-
a. यू.एस. को अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत करेंसी के रूप में काम करने के लिए बड़ी मात्रा में डॉलर की आपूर्ति का समर्थन करना पड़ता है।
b. यू. एस. व्यापार नीति के अल्पावधि घरेलू और दीर्घावधि उद्देश्यों में विरोध है जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा होता है।

32. निम्नलिखित में से कौन भारत के विदेशी मुद्रा रिजर्व का हिस्सा नहीं बनता है?

(a) स्वर्ण
(b) एस.डी.आर.
(c) विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियाँ
(d) बैंकों और कारपोरेट निकायों द्वारा धारित विदेशी मुद्रा एवं प्रतिभूतियाँ

Ans. (d) : भारत के विदेशी मुद्रा रिजर्व का हिस्सा निम्न है-
1. स्वर्ण
2. S.D.R.
3. विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियां
जबकि बैकों और कॉरपोरेट निकायों द्वारा धारित विदेशी मुद्रा एवं प्रतिभूतियां भारत के विदेशी मुद्रा रिजर्व का हिस्सा नहीं बनता है।

33. 'दी रीजनल कम्प्रीहेनिसव इकोनामिक पार्टनरशिप' (आर.सी.ई.पी.) निम्नलिखित के सदस्यों के बीच एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार करार है?

(a) सार्क (SAARC)
(b) आसियान (ASEAN)
(c) ब्रिक्स (BRICS)
(d) यूरोपीय संघ (EUROPEAN UNION)

Ans. (b) : 'दी रीजनल कम्प्रीहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप' (RCEP) आसियान सदस्यों के बीच एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार करार है।
आसियन की स्थापना 1967 में हुआ इसका मुख्यालय जकार्ता में है। वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 10 है। जुलाई, 1996 को भारत को आसियान में पूर्ण वार्तालाप का दर्जा प्राप्त हुआ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. सूची-I (संकल्पनाएँ) को सूची-II (अर्थशास्त्रियों) से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची–I (संकल्पनाएँ)	सूची–II (अर्थशास्त्री)
1. सकल अदल-बदल व्यापार शर्तें	i. जैकब बाईनर
2. एकल साधन व्यापार शर्तें	ii. डोरेंस
3. आय व्यापार शर्तें	iii. एफ.डब्ल्यू. टासिग
4. विकासशील देशों की व्यापार शर्तों में दीर्घकालिक ह्रास	iv. प्रेबिश - सिंगर

कूट :

	1	2	3	4
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	i	ii	iv
(d)	iv	iii	i	ii

Ans. (c) : सकल अदल-बदल व्यापार शर्तें - एफ.डब्ल्यू. टॉजिग
एकल साधन व्यापार शर्तें - जैकब वाइनर
आय व्यापार शर्तें - डोरेंस
विकासशील देशों की व्यापार शर्तों में दीर्घकालिक ह्रास - प्रेबिश-सिंगर

35. एक उद्योग में पैमाने के बढ़ते प्रतिफल की मौजूदगी में किस बात की प्रवृत्ति होती है?

(a) उत्पादको को नियात करने से निरूत्साहित करना
(b) उस उद्योग में बड़े देशों को तुलनात्मक फायदा देना
(c) उस उद्योग को पूरी तरह प्रतिस्पर्धी बनाना
(d) उस उद्योग में उत्पादन के साथ कीमत का बढ़ना कारित करना

Ans. (b) : एक उद्योग में पैमाने के बढ़ते प्रतिफल की मौजूदगी उस उद्योग में बड़े देशों की तुलनात्मक फायदा देने की प्रवृत्ति होती है।

36. विदेश विनिमय बाजार में हेजिंग निम्नलिखित में किसकी ओर संकेत करती है?

(a) अवमूलन करना
(b) भविष्य मे विदेशी विनिमय दरों में उच्चावचनों के जोखिम से प्रतिरक्षित करना
(c) भविष्य में विदेशी विनिमय दरों में उच्चावचनों के जोखिम से प्रतिरक्षित नहीं करना
(d) पुनर्मूल्यन करना

Ans. (b) : हेजिंग का अर्थ अपने को विविध प्रकार के जोखिमों से उत्पन्न हानि से सुरक्षित करना। विदेशी विनिमय के संदर्भ में हेजिंग का आशय निर्यात जोखिम से सुरक्षित करना है। यह एक व्यवस्था प्रदान करता है जिससे आयातक तथा निर्यातक विदेशी विनिमय दरों में होने वाले उच्चावचनों से उत्पन्न हानियों से अपने को सुरक्षित कर सके।

37. निम्नलिखित अधिनियमों को उनके प्रवृत्त होने के अनुक्रम में व्यवस्थित करे:

(A) प्रतिस्पर्धा अधिनियम
(B) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम
(C) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम
(D) कारखाना अधिनियम

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करे:

(a) B, A, D, C (b) D, B, C, A
(c) D, C, B, A (d) C, D, B, A

Ans. (c) : नीचे दिये गये अधिनियमों का कालक्रमानुसार क्रम निम्न है-
d. कारखाना अधिनियमय –1948
c. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम –1986
b. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम –1999
a. प्रतिस्पर्धा अधिनियम –2002

38. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित करें:

सूची–I (समिति)	सूची–II (अध्यक्ष)
1. औद्योगिक रूग्णता	i. आबिद हुसैन
2. लोक उद्यम स्वायत्तता	ii. ओंकार गोस्वामी
3. लघु उद्योग	iii. राकेश मोहन
4. अवसंरचना विकास	iv. अर्जुन सेन गुप्ता

कूट :

	1	2	3	4
(a)	iii	ii	i	iv
(b)	ii	iv	i	iii
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	i	iii	ii	iv

Ans. (b) : a. औद्योगिक रूग्णता - ओंकार गोस्वामी
b. लोक उद्यम स्वायत्तता - अर्जुन सेन गुप्ता
c. लघु उद्योग - आबिद हुसैन
d. अवसंरचना विकास - राकेश मोहन

39. निम्नलिखित सेक्टरों को, 2011 - 12 के आधार वर्ष के साथ, औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक (आई. आई. पी.) में उनके भार के आधार पर आरोही क्रम में व्यवस्थित करें। नीचे दिए गए कूट में से उत्तर हैं :

(A) बिजली
(B) विनिर्माण
(C) खनन

कूट

(a) C, B और A (b) A, C और B
(c) B, A और C (d) A, B और C

Ans. (b) : नीचे दिये गये सेक्टरों का वर्ष 2011-12 के आधार वर्ष के साथ औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में उनके भार के आधार पर आरोही क्रम निम्न है-
a. बिजली
c. खनन
b. विनिर्माण

40. एक वित्तीय परिसम्पत्ति के लिए निम्नलिखित में से कौन रिटर्न की दर और उससे प्राप्ति के संबंध में सही है/हैं?

(A) प्रतिफल की दर पूर्वव्यापी होती है जबकि प्राप्ति भविष्य प्रभावी होती है।
(B) प्रतिफल की दर में पूँजीगत लाभ नहीं शामिल होता है जबकि प्राप्ति में पूँजीगत लाभ शामिल होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित कूट से उत्तर का चयन करें :

(a) A और B दोनों सही हैं।
(b) न तो A और न ही B सही है।
(c) केवल A सही है।
(d) केवल B सही है।

Ans. (c) : एक वित्तीय परिसम्पत्ति के लिए रिटर्न की दर और उससे प्राप्ति के संदर्भ में निम्न सत्य है-
1. प्रतिफल की दर पूर्वव्यापी होती है जबकि प्राप्ति भविष्य प्रभावी होती है।

41. जब भारतीय रिजर्व बैंक नकद आरक्षित अनुपात में वृद्धि की घोषणा करता है तो उसका क्या अर्थ होता है?

(a) वाणिज्यिक बैंकों के पास उधार देने के लिए कम धन होगा।
(b) भारतीय रिजर्व बैंक के पास उधार देने के लिए कम धन होगा
(c) संघ सरकार के पास उधार देने के लिए कम धन होगा
(d) वाणिज्यिक बैंकों के पास उधार देने के लिए अधिक धन होगा।

Ans. (a) : R.B.I. संशोधन अधिनियम - 1962 के अन्तर्गत इसको परिभाषित किया गया है बैंक अपने कुल NDTL (कुल सावधि मांग जमा) का एक निश्चित भाग नकद रूप में R.B.I के पास बनाये रखना होता है, जिसे नकद आरक्षित अनुपात (CRR) कहते है। RBI, CRR नकद जमाओं पर कोई ब्याज भी नहीं देती है। जब RBI नकद आरक्षित अनुपात में वृद्धि की घोषणा करता है तो वाणिज्यिक बैकों के पास उधार देने के लिए कम धन होगा।

42. 'कोर' मुद्रास्फीति को किस रूप में वर्णित किया गया है?

(a) 'हेडलाइन' मुद्रास्फीति - खाद्य मुद्रास्फीति
(b) 'हेडलाइन' मुद्रास्फीति - (खाद्य मुद्रास्फीति + ईंधन मुद्रास्फीति)
(c) हेडलाइन मुद्रास्फीति - ईंधन मुद्रास्फीति
(d) खाद्य मुद्रास्फीति + ईंधन मुद्रास्फीति

Ans. (b) : कोर मुद्रास्फीति को मापने के लिए CPI का प्रयोग किया जाता है, इसमें ईंधन तथा खाद्य घटको को समाविष्ट नहीं किया जाता। अर्थात् -
हेडलाइन मुद्रास्फीति - (खाद्य मुद्रास्फीति + ईंधन मुद्रास्फीति)

43. टी.डब्ल्यू. शुल्ज के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) विकासशील देशों में किसान सरकार द्वारा नियत कृषि मूल्यों के प्रति अनुक्रियाशील होते हैं।
(B) विकासशील देशों में किसान नवोन्मेषण करने और खेती की नई पद्धतियां अपनाने के इच्छुक होते हैं।

निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर का चयन करें।

(a) A और B दोनों सही हैं।
(b) न तो A और न ही B सही है
(c) केवल A सही हैं
(d) केवल B सही है।

Ans. (d) : टी.डब्ल्यू. शुल्ज के अनुसार विकासशील देशों में किसान नवोन्मेषण करने और खेती की नई पद्धतियां अपनाने के इच्छुक होते है।

44. सरकार द्वारा प्रदूषकों पर कर उद्ग्रहित करने या कीटनाशकों के उपयोग पर अधिभार प्रभारित करने का क्या अर्थ है?

(a) नकारात्मक अधिप्लावन प्रभावों का आभ्यंतरीकरण
(b) सीमांत उपशमन लागत
(c) मुफ्तखोर के उदाहरण
(d) कोसे (Coase) प्रमेय के उदाहरण

Ans. (a) : सरकार द्वारा प्रदूषकों पर कर उद्ग्रहीत करने या कीटनाशकों के उपयोग पर अधिभार प्रभारित करने का अर्थ नकारात्मक अधिप्लावन प्रभावों का आभ्यतरीकरण है।

45. भारत में 4% प्रति वर्ष की कृषि विकास दर मान कर, जीडीपी में कृषि सेक्टर के 20% योगदान के साथ देश की जीडीपी विकास दर में इसका क्या योगदान होगा?

(a) 8% (b) 5%
(c) 2% (d) 0.8%

Ans. (d) : भारत में 4% प्रति वर्ष की कृषि विकास दर मान कर जी.डी.पी में कृषि सेक्टर के 20% योगदान के साथ, देश की GDP विकास दर में इसका योगदान 0.8% होगा।

Ag = 4%
GDP of Ag=20

$$\text{GDP विकास दर में योगदान} = 20 \times \frac{4}{100}$$
$$= 0.8\%$$

46. इष्टतम जनसंख्या उस बिन्दु पर होगी जब :

(a) राष्ट्रीय आय अधिकतम हो।
(b) प्रति व्यक्ति आय अधिकतम हो।
(c) जनसंख्या अधिकतम हो।
(d) प्रति व्यक्ति उपभोग अधिकतम हो।

Ans. (b) : इष्टतम जनसंख्या उस बिन्दु पर होगी जब प्रति व्यक्ति आय अधिकतम हो।

47. निम्नलिखित कथन निम्न में से किसका है?
''प्रकृति की दावत थोड़े लोगों के लिए है। जो बिना निमंत्रण के आएंगे वे भूखे रहेंगे।''

(a) जुलियस सिमाँग (b) ई. बोसरप
(c) टी.डब्ल्यू. माल्थस (d) एच.डाल्टन

Ans. (c) : 'प्रकृति की दावत थोड़े लोगों के लिए है, जो बिना नियंत्रण के आएंगे वे भूखे रहेंगे' यह कथन टी. डब्ल्यू. माल्थस का है।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा जीवन-सारणी का भाग नहीं है?

(a) यह आयु-विशिष्ट मृत्यु दर दर्शाती है।
(b) आयु-विशिष्ट जीवन प्रत्याशा का आकलन किया जा सकता है
(c) किसी खास वर्ष तक जीवित रहने की संभावना का आकलन किया जा सकता है
(d) आयु-विशिष्ट जन्म दर का आकलन किया जा सकता है।

Ans. (d) : जीवन सारिणी के अन्तर्गत विभिन्न आयु-वर्ग के व्यक्तियों के जीवित रहने और उनकी मृत्यु की संभावनाओं को व्यक्त किया जाता है। यह विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों के जीवन प्रत्याशा और मृत्यु की गणितीय माप प्रस्तुत करता है इसको दो भागों में बांट सकते है–

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

1. पूर्ण जीवन तालिका- इसमें मृत्यु क्रम को एक वर्षीय वर्गों में प्रदर्शित किया जाता है।

2. संक्षिप्त जीवन तालिका- इसमें मृत्यु क्रम को एक वर्षीय वर्ग में न रखकर बल्कि 5 वर्षीय वर्गों में प्रदर्शित किया जाता है।

जीवन तालिका के 8 कम्पोनेंट होते है।

49. एन.एफ.एच.एस - 4 के अनुसार भारत से संबंधित निम्नलिखित आँकड़े पर विचार करें और सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें। नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन करें:

सूची–I (संकेतक)	सूची–II (मूल्य)
1. कुल प्रजनन दर	i. 2.2
2. शिशु मृत्यु दर	ii. 50
3. 5 वर्ष से कम मृत्यु दर	iii. 79
4. संस्थागत प्रसवित जन्म	iv. 41

कूट :

	1	2	3	4
(a)	i	iii	ii	iv
(b)	i	iv	ii	iii
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	i	ii	iii	iv

Ans. (b) : कुल प्रजनन दर - 2.2
शिशु मृत्यु दर - 41
5 वर्ष से कम मृत्यु दर - 50
संस्थागत प्रसवित जन्म - 79

50. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, लिंग अनुपात के संदर्भ में निम्नलिखित राज्यों को घटते हुए क्रम में सजाए :

(A) मध्य प्रदेश (B) पंजाब
(C) उत्तर प्रदेश (D) बिहर

कूट:

(a) A, C, D, B (b) B, A, C, D
(c) A, B, C, D (d) C, D, B, A

Ans. (*) : वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात के संदर्भ में राज्यों का घटता हुआ क्रम निम्न है-
मध्य - प्रदेश - 931
बिहार - 918
उत्तर - प्रदेश - 912
पंजाब - 895

51. प्रदूषण बाजार विफलता का एक उदाहरण है क्योंकि:

(a) बाजार मूल्य कुशल मूल्य से कम होता है
(b) बाजार मूल्य कुशल मूल्य से अधिक होता है
(c) सम्पत्ति के अधिकार का खराब वितरण होता है
(d) प्रदूषण से प्रभावित व्यक्ति की बाजार के बाहर क्षतिपूर्ति की जाती है।

Ans. (a) : प्रदूषण बाजार विफलता का एक उदाहरण है, क्योंकि बाजार मूल्य, कुशल मूल्य से कम होता है।

52. ''वे वस्तुएँ जो उपभोग में संबंधित नहीं है, उनकी दक्षता के लिए यह अपेक्षित होता है कि कर दरें, माँग की लोच के प्रतिलोम अनुपात में हो।'' यह परिभाषा किसकी है?

(a) सुलाभ प्राप्ति सिद्धांत (b) द्वितीय श्रेष्ठतम सिद्धांत
(c) प्रतिलोम लोच नियम (d) रैम्से नियम

Ans. (d) : यह कर के कुशल सिद्धांत से सम्बन्धित है जो यह प्रतिपादित करता है कि सरकार को उन आगतों तथा निर्गतों पर भारी करारोपण करना चाहिए जिनकी मांग तथा पूर्ति अधिक मूल्य-बेलोच हैं इसके पीछे तर्क यह है कि यदि कोई वस्तु ऐसी है जिसकी पूर्ति या मांग अधिक बेलोच है तो इस पर कर उसके उपभोग तथा उत्पादन को बहुत कम प्रभावित करेगा। ऐसी स्थिति में सरकार आर्थिक कुशलता को न्यूनतम हानि पहुंचाते हुए अधिक राजस्व प्राप्त कर सकती है, जैसे सिगरेट पर कर।

53. अग्र-स्थानांतरित कर का प्रभाव होगा:

(a) क्रेताओं और विक्रेताओं पर समान रूप से
(b) क्रेताओं की अपेक्षा विक्रेताओं पर अधिक
(c) सरकार के राजस्व पर नकारात्मक
(d) विक्रेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर अधिक

Ans. (d) : अग्र - स्थानांतरित कर (Forward Shifting tax) का प्रभाव विक्रेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर अधिक होगा।
वह प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत कर का भार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति पर हस्तांतरित किया जाता है, कर - विवर्तन कहलाता है। यदि कर-विवर्तन नहीं होगा तो ऐसी स्थिति में करापात व कराघात दोनों एक ही व्यक्ति पर पड़ेगा। कर - विवर्तन दो प्रकार का होता है-
1. अग्रगामी कर विवर्तन
2. प्रतिगामी कर विवर्तन

54. प्रगतिशील कर दरों का मामला निम्नलिखित में से किस पर निर्भर करता है?

(a) प्राप्त लाभ (b) सेवा लागत
(c) भुगतान योग्यता (d) उपुर्यक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : प्रगतिशील कर प्रणाली के अन्तर्गत आय बढ़ने के साथ-साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। आरोही कर का भार गरीबों पर कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है।

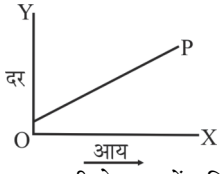

फैगन ने प्रगतिशील कर प्रणाली के पक्ष में प्रतिपादित सिद्धांतों को 5 वर्गों में बांटा है-
1. त्याग का सिद्धांत
2. योग्यता का सिद्धांत
3. अतिरेक आय का सिद्धांत
4. सामाजिक महत्व का सिद्धांत
5. सामाजिक-राजनीतिक सिद्धांत

55. प्राथमिक घाटे की माप निम्नलिखित में से किसके द्वारा की जाती है?

(a) राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान
(b) बजट घाटा - ब्याज भुगतान

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) बजट घाटा + कुल उधार-राशि
(d) कुल राजस्व व्यय - कुल राजस्व प्राप्ति

Ans. (a) : यदि राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगी को घटा दिया जाय तो प्राप्त होने वाले घाटे को प्राथमिक घाटा कहते है, जिसके लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष (Current Financial Year) प्राथमिक रूप से उत्तरदायी नहीं होता है। यदि ब्याज भुगतान का आकार राजकोषीय घाटे के समान हो तो प्राथमिक घाटा शून्य होगा।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

योजना	**योजना की रणनीति**
(a) ग्यारहवीं योजना	समावेशी विकास
(b) दूसरी योजना	भारी उद्योग निवेश
(c) तीसरी योजना	संतुलित संवृद्धि
(d) आठवीं योजना	बुनियादी आवश्यकताएँ

Ans. (c) : तीसरी पंचवर्षीय योजना भारतीय अर्थवयवस्था का आत्म-निर्भर बनाने तथा स्वतः स्फूर्त बनाने के उद्देश्य के साथ प्रारंभ की गयी थी, न कि संतुलित संवृद्धि पर।
8वीं पंचवर्षीय योजना में मानव संसाधन विकास' को मूलभूत उद्देश्य माना गया, न कि बुनियादी आवश्यकताओं को।

57. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री/किन अर्थशास्त्रियों का टी.एफ.पी. अध्ययन में महत्ती योगदान रहा है?

(A) बी.एन.गोल्डर (B) ए.विरमानी
(C) डी.के. दास (D) ए.सेन

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें :

(a) उपर्युक्त सभी (b) C और D
(c) A, B और C (d) B और D

Ans. (c) : भारत के संदर्भ में निम्न अर्थशास्त्रियों का टी.एफ.पी. (T.F.P.) अध्ययन में महत्ती योगदान रहा है-
1. बी.एन. गोल्डर
2. ए. विरमानी
3. डी.के.दास

58. 'जेंडर बजटींग' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए कूट की सहायता से उत्तर दें:

(A) बजट का 'जेंडर विश्लेषण'
(B) महिलाओं के लिए एक अलग बजट तैयार करना
(C) भारत सरकार ने वर्ष 2005 - 06 में 'जेंडर बजटींग' अपनाया था।

कूट :

(a) A, B सही हैं (b) A, C सही हैं
(c) B, C सही हैं (d) A, B, C सही हैं

Ans. (b) : 8वीं पंचवर्षीय योजना में पहली बार इस बात पर बल दिया गया कि बजट में लैंगिक दृष्टिकोण को व्यक्त किया जाय तथा सामान्य विकासात्मक क्षेत्रों में निर्धारित कोषों का एक निश्चित भाग महिलाओं के लिए सुनिश्चित किया जाय। 10वीं पंचवर्षीय योजना में पहली बार वर्ष 2005-06 में देश का पहला लैंगिक बजट प्रस्तुत किया गया।
एक लैंगिक बजट का अर्थ एक ऐसी प्रणाली से है जिसमें बजट के आंकड़ों को इस प्रकार व्यक्त किया जाता है जिससे लैंगिक संवेदनशीलताएं स्पष्ट रूप से व्यक्त होती है। भारत में लैंगिक बजट के लिए बजट के आकड़ों को दो अलग-अलग प्रकारों से व्यक्त किया जाता है-
1. ऐसे कार्यक्रम जहां कुल आवंटित राशि का कुल 30% भाग महिलाओं के लिए आवंटित किया गया हो।
2. ऐसे कार्यक्रम जहां कुल आवंटन 100% महिलाओं के लिए किया गया हो।

59. निम्नलिखित सूचकांकों को कालक्रमानुसार सजाएं और नीचे दिये कूट की सहायता से उत्तर दें:

(A) बहुआयामी निर्धनता सूचकांक
(B) मानव निर्धनता सूचकांक
(C) क्षमता निर्धनता माप
(D) मानव विकास सूसचकांक

कूट :

(a) D, C, B, A (b) D, B, C, A
(c) B, A, D, C (d) A, B, C, D

Ans. (a) : नीचे दिए गए सूचकांकों का कालक्रम निम्न है–
(d) मानव विकास सूचकांक
(c) क्षमता निर्धनता माप
(b) मानव निर्धनता सूचकांक
(a) बहुआयामी निर्धनता सूचकांक

60. भारत के किस संगठन को संधारणीय विकास लक्ष्यों की निगरानी करने का दायित्व सौंपा गया है?

(a) भारतीय रिज़र्व बैंक
(b) केन्द्रीय सांख्यिकी आफिस
(c) नीति आयोग
(d) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण आफिस

Ans. (c) : योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग 1 जनवरी, 2015 से अस्तित्व में आई। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाला यह आयोग सरकार के थिंक टैंक के रूप में कार्य करेगा तथा केन्द्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों के लिए भी नीति निर्माण करने वाले संस्थान की भूमिका निभाएगा। केन्द्र व राज्य सरकारों को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के महत्वपूर्ण मुद्दों, रणनीतिक व तकनीकी सलाह भी देगा।

61. भारत सरकार के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा लघु बचत योजनाओं के अंतर्गत नहीं आता है?

(a) डाकघर जमा (b) लोक भविष्य निधि
(c) जनधन खाते (d) सुकन्या समृद्धि योजना

Ans. (c) : भारत सरकार के अनुसार निम्न लघु बचत योजनाओं के अंतर्गत आता हैः–
(1) डाकघर जमा
(2) लोक भविष्य निधि
(3) सुकन्या समृद्धि योजना।
जबकि जन धन खाते लघु बचत योजनाओं के अन्तर्गत नहीं आता है।

62. निम्नलिखित में से किस योजना के अंतर्गत 18 - 70 वर्ष के आयु - समूह के लोगों को ₹ 2 लाख रूपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा दिया जाता है?

(a) अटल पेंशन योजना
(b) प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
(c) प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना
(d) अटल जीवन बीमा योजना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत 18 से 70 वर्ष आयु के नागरिकों को जिनका बैंक में खाता है, पात्र होंगे। इसमें 12रु. प्रतिवर्ष प्रीमियम खाते में सीधा जमा होगा। इसमें दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण अपंगता पर 2 लाख रु. तथा आंशिक अपंगता पर 1लाख रु. बीमा दिया जायेगा।
इस योजना का क्रियान्वयन सार्वजनिक क्षेत्र की सभी सामान्य बीमा कंपनियाँ अनिवार्य रूप से तथा सामान्य बीमा कंपनियाँ स्वेच्छा से करेंगी। प्रीमियम धारा 80C के अन्तर्गत कर मुक्त होगी।

प्रश्न संख्या 63 से लेकर 66 तक अभिकथन (A) और तर्क (R) प्रकार के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों की कुंजी इस प्रकार है:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R), दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R), गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R), सही है।

63. अभिकथन (A) : सरकारी कम्पनियाँ लाभ अधिकतम करने की नीति नहीं अपनाती हैं।
तर्क(R) : इससे क्षमता का अल्प उपयोग होता है

Ans. (b) : सरकारी कंपनियों पर स्वामित्व राज्य का होता है। राज्य का मुख्य उद्देश्य कल्याण अधिकतम करना होता है। अत; सरकारी कंपनियाँ लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं स्थापित की जाती हैं। कभी-कभी इन कंपनियों की क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता है, क्योंकि इनके द्वारा प्रतिद्वन्द्वितापूर्ण कार्य नहीं किया जाता है।

64. अभिकथन (A) : वृद्धिमान पैमाने के प्रतिफल पर आधारित उद्योग का अस्तित्व व्यापार से लाभ का एक अतिरिक्त अवसर उत्पन्न करता है।
तर्क (R) : अपेक्षाकृत कम उद्योगों में ही विशिष्टीकरण के माध्यम से, देश प्रत्येक उद्योग में अधिक उत्पादन कर सकता है और इस प्रकार, उत्पादन लागत कम होगी।

Ans. (b) : वृद्धिमान पैमाने के प्रतिफल के अन्तर्गत उत्पादन की आनुपातिक वृद्धि उत्पादन के साधनों की आनुपातिक वृद्धि से अधिक होती है। अतः इसके अन्तर्गत उद्योग का अस्तित्व व्यापार से लाभ का एक अतिरिक्त अवसर उत्पन्न करेगी, क्योंकि कम लागत में अधिक वस्तुओं का उत्पादन करके अतिरेक वस्तुओं का निर्यात लाभप्रद होगा।
प्रत्येक देश को उसी वस्तु के उद्योग में विशिष्टीकरण करना चाहिए, जिसमें उसकी लागत अपेक्षाकृत अन्य उद्योगों से कम आये। क्योंकि यदि सभी उद्योगों में विशिष्टीकरण किया जाएगा तो इससे लागत बढ़ जायेगी और विशिष्टीकरण का लाभ नहीं मिलेगा।

65. अभिकथन (A) : 'रिकर्सिव' मॉडल का ओ.एल.एस. पद्धति के द्वारा समुचित रूप से अनुमान लगाया जा सकता है
तर्क (R) : 'रिकर्सिव' मॉडल अभिनिर्धारण शर्तों को संतुष्ट करते हैं।

Ans. (a) : 'रिकर्सिव' मॉडल का ओ.एल.एस. पद्धति के द्वारा समुचित रूप से अनुमान लगाया जा सकता है क्योंकि यह मॉडल अभिनिर्धारण शर्तों को संतुष्ट करते हैं।

66. अभिकथन (A) : क्लासिकल समष्टि मॉडल को वास्तविक और मौद्रिक क्षेत्रों के बाँटा जा सकता है।
तर्क (R) : मुद्रा आय और रोजगार दोनों को प्रभावित करती है

Ans. (b) : (A) और (R) दोनों सही है, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

67. किसी उद्यमी का अल्पावधि कुल लागत फलन $C = q^3 - 10q^2 + 17q + 66$ हैं यदि $p = 5$ है तो उक्त उद्यमी द्वारा निम्नलिखित में से किस उत्पादन पर लाभ अधिकतम किया जाएगा?

(a) 7 (b) 6
(c) 5 (d) 2/3

Ans. (b) : $TC = q^3 - 10q^2 + 17q + 66$
$TR = p.q. \quad P = 5$
$= 5q$
$\pi = TR - TC$
$\pi = 5q - q^3 + 10q^2 - 17q - 66$
$\frac{d\pi}{dq} = 5 - 3q^2 + 20q - 17$
$0 = 5 - 3q^2 + 20q - 17$
$q = 6, 2/3$
$\frac{d^2\pi}{dq^2} = -6q + 20, \quad q = 6$
$= -6 \times 6 + 20$
$\frac{d^2\pi}{dq^2} = -16$
अतः उद्यमी द्वारा $q = 6$ उत्पादन पर लाभ अधिकतम किया जायेगा।

68. एक बाजार मॉडल में माँग और आपूर्ति फलन निम्नवत दिए गए हैं :

$\mathbf{D_t = ap_t + b}$ $\quad$ $\mathbf{a < 0}$
$\mathbf{S_t = Ap_{t-1} + B}$ $\quad$ $\mathbf{A > 0}$

यहाँ स्थायी साम्य हेतु शर्त होगी:

(a) $a < A$ (b) $|a| < \left|\frac{1}{A}\right|$
(c) $\left|\frac{1}{a}\right| < \left|\frac{1}{A}\right|$ (d) $\left|\frac{1}{a}\right| > \left|\frac{1}{A}\right|$

Ans. (c) : एक बाजार मॉडल में माँग और आपूर्ति फलन निम्न हैं–
$D_t = ap_t + b \quad a < 0$
$S_t = Ap_{t-1} + B \quad A > 0$
यहाँ स्थायी साम्य हेतु शर्त $\left|\frac{1}{a}\right| < \left|\frac{1}{A}\right|$ होगी:

69. आगत निर्गत विश्लेषण में उत्पादन फलन जिसे डब्ल्यू.डब्ल्यू. लियोन्टिफ ने प्रतिपादित किया था, के अंतर्गत आगतों के बीच प्रतिस्थापन की लोच का क्या मान रखा गया है?

(a) एक (b) शून्य
(c) स्थिर (d) अनंत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : आगत निर्गत विश्लेषण में उत्पादन फलन जिसे डब्ल्यू.डब्ल्यू. लियोन्टिफ ने प्रतिपादित किया था, के अंतर्गत आगतों के बीच प्रतिस्थापन की लोच का मान शून्य रखा गया है।

70. जहाँ माँग फलन $p = 16 - q - 0.5q^2$ है वहाँ $q = 4$ होने पर माँग की मूल्य लोच होगी:

(a) + 0.5 (b) + 0.2
(c) + 0.7 (d) + 0.3

Ans. (b) : यदि माँग फलन $p = 16 - q - 0.5q^2$ है तो $q = 4$

$P = 16 - q - 0.5q^2$

$P = 16 - 4 - 0.5 \times 16$

$P = 4$

$$e_d = \frac{-dq}{dP} \times \frac{P}{q},$$

$$\frac{dP}{dq} = 0 - 1 - q$$

$$= -1 - 4$$

$$= -5$$

$$= -\left(\frac{-1}{5} \times \frac{4}{4}\right)$$

$$\frac{dq}{dP} = -\frac{1}{5}$$

$$= \frac{1}{5}$$

$= 0.2$

71. कॉब -डगलस उत्पादन फल $Q = AL^a K^{1-a}$ $(a > 0)$ की निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं है?

(a) पैमाने के स्थिर प्रतिफल
(b) प्रतिस्थापन की ईकाई लोच
(c) प्रतिस्थापन की परिवर्तनीय लोच
(d) रैखिक समांगता

Ans. (c) : श्रम तथा पूँजी का उत्पादन के साथ व्यक्त करने वाले फलनात्मक सम्बन्ध को 'कॉब-डगलस' उत्पादन-फलन कहते हैं।

$$\boxed{Q = A.L^{\alpha}.K^{\beta}}$$

'कॉब-डगलस' उत्पादन-फलन की निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

(1) यदि आगतों को λ गुना बढ़ा दिया जाये तो निर्गत भी λ गुना बढ़ जाता है।
(2) यह प्रथम कोटि का समरूप फलन होता है तथा पैमाने का स्थिर प्रतिफल व्यक्त करता है।
(3) प्रतिस्थापन की लोच इकाई के बराबर होती है।
(4) श्रम तथा पूँजी दोनों में से किसी एक की मात्रा शून्य होने पर कुल उत्पादन शून्य हो जाएगा।
(5) α, β क्रमशः उत्पादन में श्रम एवं पूँजी के अंश को व्यक्त करता है।
(6) इसका विस्तार पथ-रेखीय समरूप होता है तथा मूल-बिन्दु से होकर जाता है।
(7) इसके समोत्पाद वक्र ऋणात्मक ढाल वाले तथा मूल-बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होते हैं।

72. 30 से अधिक, आकार वाले प्रतिदर्श में कोटि सहसंबंध गुणांक के प्रतिचयन बंटन हेतु निम्न में से कौन-सा निकटतम बंटन होगा?

(a) 't' (टी) (b) द्विपद
(c) काई - वर्ग (d) प्रसामान्य

Ans. (d) : 30 से अधिक, आकार वाले प्रतिदर्श में कोटि सहसंबंध गुणांक के प्रतिचयन बंटन हेतु प्रसामान्य बंटन निकटतम होगा।

73. यदि डर्बिन वाट्सन स्टैटिस्टिक शून्य के निकट का मूल्य धारण करता है तो प्रथम कोटि स्वसहसंबंध गुणांक का मूल्य क्या होगा?

(a) शून्य के निकट
(b) +1 के निकट
(c) -1 के निकट
(d) -1 और +1 में से किसी के निकट

Ans. (b) : यदि डर्बिन वाट्सन स्टैटिस्टिक शून्य के निकट का मूल्य धारण करता है तो प्रथम कोटि स्वसहसंबंध गुणांक का मूल्य +1 के निकट होगा।

74. यदि समाश्रयण मॉडल में विषमविसारिता मौजूद हो परन्तु उसे नजरअंदाज कर दिया जाए तो 'ओ.एल.एस' आकलक पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

(a) यह अभिनत होगा
(b) यह असंगत होगा
(c) यह अकुशल होगा
(d) (a), (b), और (c) सभी सही होंगे

Ans. (c) : यदि समाश्रयण मॉडल में विषमविसारिता मौजूद हो परन्तु उसे नजरअंदाज कर दिया जाए तो 'ओ.एल.एस' आकलक पर यह अकुशल होगा।

75. निम्नलिखित को सुमेलित करें और सही कूट का चयन करें :

सूची–I	**सूची–II**
1. कोयाक	i. स्वसहसंबंधित त्रुटिपद
2. डरबिन वाट्सन	ii. पश्चतायुक्त चर
3. फिशर का (एफ) ('F') परीक्षण	iii. कारणीयता
4. ग्रैंजर	iv. समग्र समाश्रयण की सार्थकता का परीक्षण

कूट :

	1	**2**	**3**	**4**
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	i	iii	iv	ii

Ans. (b) :

1. कोयाक	i.	पश्चतायुक्त चर
2. डरबिन वाट्सन	ii.	स्वसहसंबंधित त्रुटिपद
3. फिशर का 'F' परीक्षण	iii.	समग्र समाश्रयण की सार्थकता का परीक्षण
4. ग्रैंजर	iv.	कारणीयता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जुलाई-2018
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्न-पत्र में सौ (100) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अल्पकालिक अवधि में एकाधिकारी और एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा दोनों के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सही होगा?

(a) कीमत सीमांत आय से अधिक है।
(b) कीमत सीमांत आय के बराबर है।
(c) कीमत सीमांत लागत के बराबर है।
(d) कीमत औसत लागत के बराबर है।

UGC-NTA July-2018

Ans. (a) : अल्पकालिक अवधि में एकाधिकारी तथा एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा दोनों के लिए कीमत सीमान्त आय से अधिक होती है।

एकाधिकारी प्रतियोगिता-एकाधिकारी प्रतियोगिता में मांग वक्र का ढाल ऋणात्मक होता है जिससे मूल्य लोच भी ऋणात्मक होती है।

एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म के लिए संतुलन की अवस्था

1. MC = MR
2. P > MR, MC

जहां MC = सीमान्त लागत
MR= सीमान्त आय
P = कीमत

कीमत, सीमान्त लागत से कितनी अधिक होगी यह संतुलन उत्पादन पर औसत आय वक्र की लोच पर निर्भर करेगा। एकाधिकारिक प्रतियोगिता - सर्वप्रथम प्रो. चम्बरलिन ने "the theory of monopolistic competition" नामक पुस्तक में एकाधिकारिक प्रतियोगिता की बात की।

एकाधिकारिक प्रतियोगिता में फर्म के लिए संतुलन की अवस्था-

MR = MC
P/AR = AC
AR > MC

अल्पकाल में एकाधिकार तथा एकाधिकारिक प्रतियोगिता में फर्मों की तीन स्थितियां हो सकती है।

(1) सामान्य लाभ-

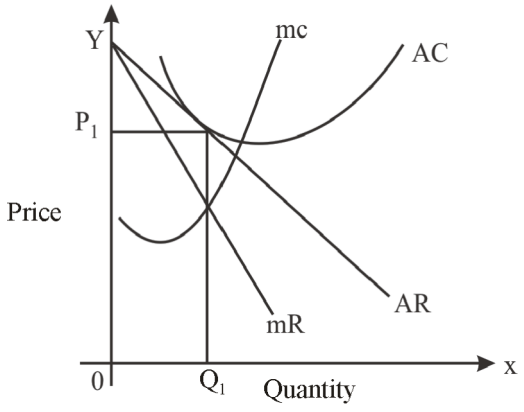

∴ यहाँ AC = AR है।

(2) असामान्य लाभ-

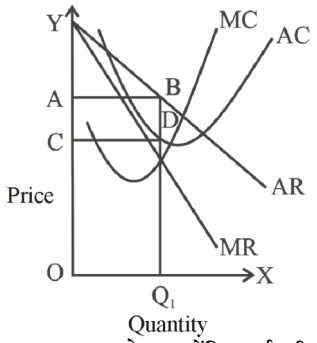

ABCD पर असामान्य लाभ होगा क्योंकि फर्म की कीमत AB तथा औसत लागत (AC) CD है।

हानि की स्थिति-

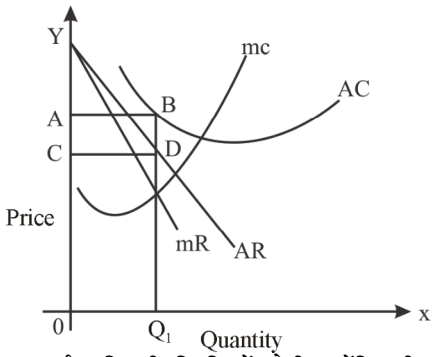

ABCD पर फर्म हानि की स्थिति में होगी क्योंकि कीमत CD है तथा औसत लागत (AC) AB है।

2. निम्नलिखित आव्यूह पर विचार कीजिए जो द्विअधिकार में कार्य कर रहे फर्म A और B की संबंधित रणनीतियों और तदनुरूपी भुगतानों का वर्णन करता है:

फर्म B

फर्म A		विज्ञापन करना	विज्ञापन नही करना
	विज्ञापन करना	11,6	16,0
	विज्ञापन नही करना	7,9	20,2

उपर्युक्त क्रीड़ा के लिए निम्नलिखित में से कौन से कथन सही है/ हैं? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) फर्म A की कोई प्रबल रणनीति नहीं है।
(b) फर्म B की प्रबल रणनीति है।
(c) क्रीड़ा में नैश संतुलन है।
(d) न तो फर्म A के पास, न ही फर्म B के पास कोई प्रबल रणनीति है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट:

(a) (a), (c) (b) (b), (c)
(c) केवल (d) (d) (a), (b) और (c)

Ans. (d) :

		फर्म B	
		विज्ञापन करना	विज्ञापन नही करना
फर्म A	विज्ञापन करना	11,6	16,0
	विज्ञापन नही करना	7,9	20,2

इस स्थिति में फर्म A के पास कोई प्रबल रणनीति नहीं है। क्योंकि यदि फर्म A विज्ञापन करे तो उसका उत्पादन क्रमशः 11, 16 इकाई होगा। तथा विज्ञापन न करने पर उसका उत्पादन क्रमशः 7, 20 इकाई होगा।

किन्तु फर्म B के पास प्रबल रणनीति है क्योंकि यदि फर्म B विज्ञापन करे तो उसका उत्पादन क्रमशः 6, 9 इकाई होगा किन्तु विज्ञापन न करने पर उसका उत्पादन क्रमशः 0,2 होगा, जो दोनों ही स्थितियों में विज्ञापन करने की तुलना में कम है।

इस खेल में नैश संतुलन है।

नैश संतुलन- नैश संतुलन वह रणनीति है जिसमें संतुलन की अवस्था में हटने से किसी न किसी व्यक्ति को निश्चित रूप से हानि प्राप्त होगी। इस खेल में 11, 6 में नैश संतुलन है। इस स्थिति में हटने पर निश्चित रूप से किसी एक फर्म को हानि होगी।

3. अल्पाधिकार के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(a) कूर्नो का संतुलन एक नैश संतुलन है।
(b) स्टेकलबर्ग संतुलन एक नैश संतुलन है।

नीचे दिए गए कूट में सही उत्तर चुनें:

(a) केवल (a) (b) केवल (b)
(c) (a) और (b) दोनों (d) न तो (a) न (b)

Ans. (c) : कूर्नो मॉडल- कूर्नो मॉडल में यदि द्वि-अधिकारी आपस में प्रतियोगिता करते हैं तो कीमत तथा लाभ कम होते हैं तथा पूर्ण प्रतियोगिता से उत्पादन कम होता है। यदि पूर्ण प्रतियोगिता हो तो उत्पादन अधिकतम होगा तथा कीमत शून्य।

कूर्नो मॉडल में द्वि-अधिकारी समाधान में उत्पादन, अधिकतम सम्भव उत्पादन का 2/3 होगा।

स्टेकल बर्ग मॉडल- इस मॉडल में प्रथम प्रवेशी को विशेष लाभ प्राप्त होता है। प्रथम प्रवेशी फर्म-Leader firm होती है तथा दूसरी फर्म Follower firm होती है। इस मॉडल में उत्पादन का निर्धारण Leader firm द्वारा किया जाता है।

- स्टेकलबर्ग मॉडल में कीमत बरट्रेण्ड मॉडल की तुलना में अधिक किन्तु कूर्नो मॉडल की तुलना में कम होती है।
- स्टेकलबर्ग मॉडल में प्रतियोगिता कूर्नो मॉडल की तुलना में अधिक किन्तु एकाधिकार प्रतियोगिता से कम होगी।
- स्टेकलबर्ग मॉडल में कुल उत्पादन एकाधिकार की तुलना में अधिक किन्तु पूर्ण प्रतियोगिता की तुलना में कम होता है।
- स्टेकलबर्ग मॉडल में उपभोक्ता की बचत कूर्नो मॉडल की तुलना में अधिक किन्तु बरट्रेण्ड मॉडल की तुलना में कम होती है।
- स्टेकलबर्ग मॉडल में कुल उत्पादन कूर्नो मॉडल की तुलना में अधिक किन्तु बरट्रेण्ड मॉडल की तुलना में कम होता है।

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चनिए:

सूची-I (संकल्पना)	**सूची-II (अर्थशास्त्री)**
(a) प्रावैगिक अधिशेष के रूप में लाभ	**(i) जे. शुम्पीटर**
(b) नवप्रवर्तन के लिए पुरस्कार के रूप में लाभ	**(ii) एम.केलेस्की**
(c) अनिश्चितता वहन करने के पुरस्कार के रूप में लाभ	**(iii) एफ.एच. नाइट**
(d) उत्पादक को प्राप्त एकाधिकारी शक्तियों के कारण होने वाला लाभ	**(iv) जे.बी. क्लार्क**

कूट:

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (b) :

(a) प्रावैगिक अधिशेष के रूप में लाभ -(iv) जे.बी. क्लार्क
(b) नवप्रवर्तन के लिए पुरस्कार के रूप में लाभ -(i) जे. शुम्पीटर
(c) अनिश्चितता वहन करने के पुरस्कार के रूप में लाभ -(iii) एफ.एच. नाइट
(d) उत्पादक को प्राप्त एकाधिकारी शक्तियों के कारण होने वाला लाभ -(ii) एम.केलेस्की

5. जब सीमांत लागत औसत लागत के बराबर है तो, औसत लागत का ढाल होगा:

(a) धनात्मक (b) ऋणात्मक
(c) शून्य (d) अनन्त

Ans. (c) : सीमांत लागत औसत लागत के मध्य सम्बन्ध जब MC, AC से कम होती है तो AC घटती है और जब MC, AC से अधिक होती है तो AC बढ़ने लगती है।

MC, AC को न्यूनतम बिन्दु पर काटता है।

किन्तु AC के बदलने से MC का निर्धारण नहीं होता है। सिर्फ इतना कहा जा सकता है कि जब AC घट रही हो तो MC, AC के नीचे होगी और जब AC बढ़ रही हो तो MC अवश्य बढ़ेगी। तथा जब AC घट रही है तो MC घट-बढ़ दोनों सकती है।

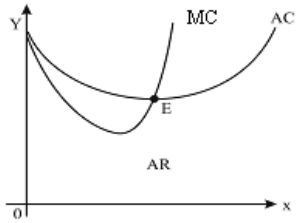

जब MC, AC के बराबर हो तो AC का ढ़ाल शून्य होगा। जैसे-कि रेखाचित्र में बिन्दु E से स्पष्ट है।

यहां AC = औसत लागत
MC = सीमान्त लागत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. फलन $Q = A.K^{\alpha}.L^{\beta}$ के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) समांगता की कोटि 1 है
(b) प्रतिस्थापन को लोच $\alpha + \beta$ के समान है
(c) पूँजी के प्रति उत्पादन लोच α है
(d) साधन की सीमांत उत्पाद = साधन की औसत उत्पाद

Ans. (c) :

$$Q = A.K^{\alpha}.L^{\beta}$$

$$mp_k = \frac{dQ}{dk}$$

$$= A.\alpha K^{\alpha-1}.L^{\beta}$$

$$mp_k = A.\alpha k^{\alpha}.L^{\beta}$$

$$Mp = \frac{mpk}{Q}$$

$$= \frac{A.\alpha k^{\alpha}.L^{\beta}}{A.k^{\alpha}.L^{\beta}}$$

$$mp = \alpha$$

7. जब व्यक्तियों के बीच करार के पश्चात सूचना असममितता पाई जाती है तो उसे कहा जाता है,:

(a) संकेतन
(b) नैतिक खतरे
(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(d) उपर्युक्त (a) और (b) दोनों

Ans. (b) : जब व्यक्तियों के मध्य करार के पश्चात सूचनाओं में असमितता पाई जाती है तो उससे नैतिक खतरे उत्पन्न होते हैं।
असममित सूचना- जब दो पार्टीयों के मध्य में किसी एक पार्टी को दूसरे पार्टी की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक सूचनाएँ प्राप्त होती है तो इसे असममित सूचना कहते हैं। असममित सूचना में बाजार के विश्लेषण के लिए जार्ज अकरलॉफ को नोबेल प्राप्त हुआ था।
नैतिक खतरे- असममित सूचना से व्यक्ति समाज के हित को ध्यान में न रखकर निजीहित में कार्य करते हैं। जिससे नैतिक खतरे उत्पन्न होते हैं।

8. दिए गए आरेख में कीमत परिवर्तन के पश्चात कीमत रेखा PQ से PQ' पर चली जाती है और उपभोक्ता बिन्दु A की बजाय बिन्दु B पर संतुलन प्राप्त करता है। इस स्थिति में आलू (Potatoes) के संबंध में क्या सही है?

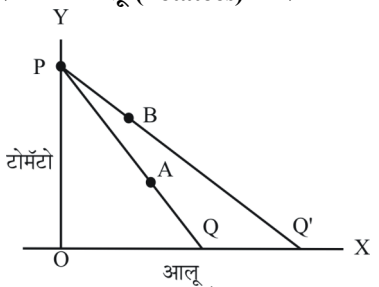

(a) यह एक सामान्य वस्तु है।
(b) यह निकृष्ट वस्तु है।
(c) यह गिफिन वस्तु है।
(d) वस्तु की प्रकृति के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है।

Ans. (c) : गिफेन वस्तु- ''जब किसी वस्तु के कीमत में वृद्धि के परिणामस्वरूप मांग की मात्रा में भी वृद्धि हो जाए तो उसे गिफेन वस्तु कहते हैं। गिफेन वस्तु की आय लोच ऋणात्मक'' होती है किन्तु मूल्य लोच धनात्मक होती है।
अन्य शब्दों में- जब आय प्रभाव इतना अधिक शक्तिशाली हो,जो प्रतिस्थापन प्रभाव की ऋणात्मकता समाप्त कर दे तो उसे गिफेन वस्तु कहते हैं।

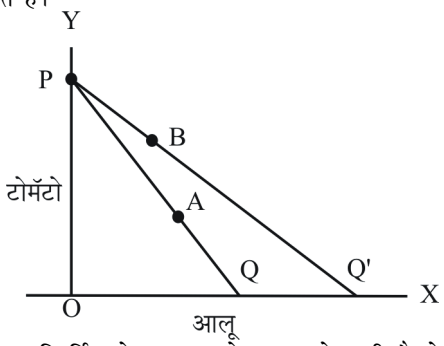

जब कीमत परिवर्तित होकर PQ से PQ' हो जाती है तो आलू के सम्बन्ध में गिफेन वस्तु होगी क्योंकि प्रारम्भिक स्थिति में आलू का उपभोग A बिन्दु पर है किन्तु जब कीमत में कमी होकर PQ से PQ' होती है तो आलू का उपभोग A से कम होकर B हो जाता है। अर्थात् कीमत $\downarrow \Rightarrow$ मांग होती है जो गिफेन वस्तु की विशेषता है।

9. निम्नलिखित में से कौन सा प्रतिलोम मांग फलन का सही वर्णन करता है?

(a) $p = f(D)$ (b) $D = f(p)$
(c) $D = f\left(\frac{1}{p}\right)$ (d) $p = f\left(D, \frac{1}{y}\right)$

जहाँ p = कीमत, D = मांग और y = वृद्धि

Ans. (a) : $\therefore$ मांग फलन $\Rightarrow$ d= f(P)
$\because$ प्रतिलोम मांग फलन $\Rightarrow$ P = f(D) होगा।

10. कल्याणकारी अर्थशास्त्र के पहले मूल सिद्धांत में अपेक्षित है:

(a) प्रत्येक वस्तु के लिए एक कुशल बाजार है।
(b) अर्थव्यवस्था उपयोगिता सम्भाव्यता वक्र पर किसी बिन्दु पर क्रियाशील होती है।
(c) उत्पादक और उपभोक्ता कीमत स्वीकारक होते हैं।
(d) उपर्युक्त सभी।

Ans. (d) : अर्थशास्त्र का आदर्शात्मक पहलू ही कल्याणकारी अर्थशास्त्र का आधार है।
कल्याणकारी अर्थशास्त्र का विचार सर्वप्रथम जे. बेन्थ ने उपयोगिता के नाम से दिया था। कल्याणकारी अर्थशास्त्र में परेटो, हिक्स, केल्डार, सिटोस्वस्की, लिटिक, बर्गसन का नाम विशेष उल्लेखनीय है। कल्याणकारी अर्थशास्त्र की विशेषताएं निम्नलिखित हैं।
1. यह पूर्ण रोजगार की मान्यता पर आधारित है।
2. यह पूर्ण प्रतियोगिता की मान्यता पर आधारित है।
3. एक सामान्य संतुलन विश्लेषण पर आधारित है।
4. इसमें प्रत्येक वस्तु के लिए कुशल बाजार उपलब्ध होता है।
5. अर्थव्यवस्था उपयोगिता सम्भाव्यता वक्र पर किसी भी बिन्दु पर क्रियाशील होती है।
6. अर्थव्यवस्था में उत्पादक और उपभोक्ता कीमत स्वीकारक होते हैं।
7. बाह्यताओं, असममित सूचनाओं का अभाव होता है।

11. जब वांछित निवेश की तुलना में वास्तविक निवेश अधिक्य के कारण व्यापार चक्र सृजित होता है तो यह सिद्धान्त निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया?

(a) आर.जी.हाट्रे (b) एफ. हायक
(c) पी.सेमुअलसन (d) जे. शुम्पीटर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : F.A हेयक के अनुसार- वांछित निवेश की तुलना में वास्तविक निवेश में जब आधिक्य होता है तो उससे व्यापार चक्र का सृजन होता है।
हेयक ने व्यापार के मौद्रिक अधिविनियोग सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इनके अनुसार बैंक साख की अस्थिरता मौद्रिक प्रणाली में असंतुलन को जन्म देती है जिससे व्यापार चक्र उत्पन्न होते हैं।
हेयक ने विकसेल के द्वारा दिए गए प्राकृतिक ब्याजदर तथा बाजार ब्याजदर के माध्यम से संस्थिति का विश्लेषण किया। हेयक ने ऐच्छिक तथा बलात बचतों का भी प्रयोग किया।
हेयक ने व्यापार के निम्न अवस्थाओं की व्याख्या की-
1. विस्तार अथवा अभिवृद्धि की स्थिति
2. अधोमुखी प्रवृत्ति तथा अवसाद

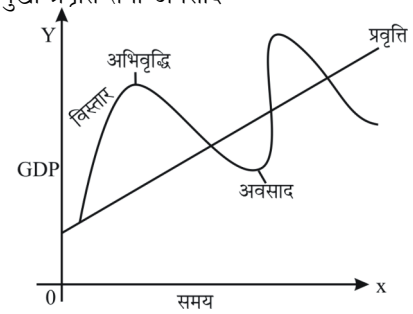

12. निम्नलिखित कथनों पर विचाज कीजिए:
(1) 'तरलता जाल' वह स्थिति होती है जिसमें लोग मुद्रा को निवेश करने की बजाय अपने पास ही रखना पसंद करते हैं।
(2) 'तरलता अधिमान' वह स्थिति होती है जिसमें लोग मुद्रा को अपने पास रखने की बजाय निवेश करना पसंद करते हैं।
(3) 'तरलता अभाव' वह स्थिति होती है जिसमें मुद्रा बाजार में मुद्रा की अल्प आपूर्ति होती है।
(4) 'साख अभाव' वह स्थिति होती है जिसमें ऋण बाजार में मुद्रा की अल्प आपूर्ति होती है।
नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही कथन चुनिए:
(a) (1), (2) और (4) (b) (1), (3) और (4)
(c) (2), (3) और (4) (d) (1), (2) और (3)

Ans. (b) : तरलता जाल- सामान्यतः मौद्रिक अधिकारी मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि करके ब्याजदर में कमी ला सकते हैं।
कीन्स के अनुसार- ''ब्याजदर में कमीं होने से तरलता की मांग में वृद्धि होती है, ब्याज दर गिरते-गिरते एक ऐसी स्थिति में आ जाती है कि सभी विनियोजक मन्दडिये की प्रवृत्ति के हो जाते हैं। कोई बाण्ड रखना ही नहीं चाहेगा। जिससे निम्न ब्याजदर पर तरलता की मांग पूर्णतः लोचदार हो जाती है।''

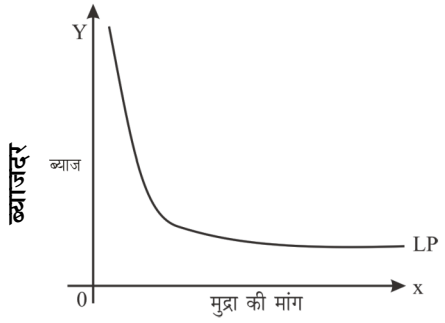

13. मुद्रास्फीति के संदर्भ में ''मेन्यु लागत'' का संबंध है:
(a) मुद्रा के पुनर्मूल्यांकन की लागत
(b) कीमत सूची में परिवर्तन करने की लागत
(c) मौद्रिक आधार के रखरखाव की लागत
(d) प्रतिफल की बेहतर दर प्राप्त करने की लागत

Ans. (b) : क्लासिकल तथा नवक्लासिकल अर्थशास्त्रीयों के अनुसार अर्थव्यवस्था में सदैव बाजार संतुलन रहेगा। नवीन कीन्सीयन अर्थशास्त्री अल्पकाल में कीमत स्थिरता की बात करते हैं क्योंकि कीमतों के समायोजन की कुछ लागते होती है। ∴ एकाधिकार या अपूर्ण प्रतियोगी बाजार में फर्में वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण स्वयं करती है। इस प्रकार कीमतों के समायोजन की जो लागत होती है। उसे menu cost कहते है। menu cost की अवधारणा का प्रतिपादन मैनक्यू ने किया था।
Menu cost के कारण अल्पकाल में कीमतों में स्थिरता पायी जाती है क्योंकि कीमतों में परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाला लाभ लागतों से कम होता है। यही कारण है कि होटलों, रेस्तराओं में कीमतों में बार-बार परिवर्तन नहीं किया जाता।

14. एम.फ्रीडमेन के अनुसार मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, किसका सिद्धांत है?
(a) मुद्रा के मूल्य का (b) कीमत निर्धारण का
(c) मौद्रिक आय का (d) मुद्रा की माँग का

Ans. (d) : फ्रीडमैन के अुसार- मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त मुद्रा की मांग का सिद्धान्त है। फ्रीडमैन मुद्रा की मांग को केवल पूंजीगत परिसम्पत्तियों की मांग के सामान्य सिद्धान्त के रूप में मानते हैं। अर्थात् सट्टा तथा क्रय-विक्रय उद्देश्य में कोई अन्तर नहीं स्पष्ट करते। फ्रीडमैन- मानवीय तथा गैर मानवीय दोनों परिसम्पत्तियों को स्वीकार करते हैं। मानवीय आय को मुद्रा के रूप में परिवर्तित करने में अधिक कठिनाई होती है जबकि गैर मानवीय सम्पत्ति को आसानी से मुद्रा के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। इसलिए यदि कुल सम्पत्ति में मानवीय सम्पत्ति का भाग अधिक हो तो तरलता की पूर्ति के लिए मुद्रा की मांग अधिक होगी।

$$M_d = f(Y_p, h, r_m, r_b, r_e, \frac{\Delta p}{p}, \mu)$$

जहाँ M_d = मुद्रा की मांग
Y_p = स्थायी आय
h = मानवीय पूंजी
r_m = मुद्रा पर प्रतिफल की दर
r_b = ब्रांड पर प्रतिफल की दर
r_e = शेयर पर प्रतिफल की दर
μ = संस्थागत परिवर्तन
$\frac{\Delta P}{P}$ =
स्फीति फ्रीडमैन नकद मुद्रा संचय तथा वास्तविक नकद शेष के मध्य अन्तर स्पष्ट करते हैं। वास्तविक नकद शेष का तात्पर्य मुद्रा की क्रयशक्ति से होता है।

$$\text{वास्तविक नकद शेष} = \frac{\text{मुद्रा की मात्रा}}{\text{कीमत स्तर}}$$

15. गिल्ट-एज्ड बाजार का अर्थ है :
(a) बुलियन बाजार (b) शुद्ध धातु बाजार
(c) सरकारी प्रतिभूति बाजार (d) वस्तु-बाजार

Ans. (c) : भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में गिल्ट-एज्ड बाजार से तात्पर्य सरकार द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों जैसे कि ट्रेजरी बिल, बांड, आदि के लेन-देन से है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. निम्नलिखित में से किसका प्रभाव सबसे अधिक मुद्रास्फीतिकारी हो सकता है?

(a) सार्वजनिक ऋण का भुगतान।
(b) बजट घाटा पूरा करने के लिए जनता से ऋण लेना।
(c) बजट घाटा पूरा करने के लिए बैंकों से ऋण लेना।
(d) बजट घाटा पूरा करने के लिए नई मुद्रा जारी करना।

Ans. (d) : जब बजट घाटे को पूरा करने के लिए नई मुद्रा जारी की जाती है तो उसका प्रभाव सर्वाधिक मुद्रा स्फीति लाता है। सरकार के बजेटरी व्यवहार से उत्पन्न घाटे को हम बजट घाटा कहते हैं इसके लिए जब नई मुद्रा जारी की जाती है तो उसे हीनार्थ प्रबन्धन कहते हैं। चूँकि मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि पूर्णरोजगार की स्थिति में आवश्यक रूप से तथा सामान्यतया मूल्य स्तर में वृद्धि लायेगी, इसलिए इस प्रकार के वित्तीयन को हम मुद्रा प्रसारीय वित्त व्यवस्था कहते हैं। **हीनार्थ प्रबन्धन के प्रभाव-**

1. मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि
2. हीनार्थ प्रबन्धन के परिणामस्वरूप संसाधनों की क्राउडिंग आउट जिससे निजी क्षेत्र के लिए धन ऊंची ब्याजदर पर उपलब्ध होंगे।
3. मूल्य स्तर में वृद्धि आदि।

17. सीमांत स्थायी सुविधा (एम.एस.एफ.) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(1) सीमांत स्थायी सुविधा वर्तमान तरलता समायोजन सुविधा (एल.ए.एफ.) की तर्ज पर है और इसका भाग है।
(2) सीमांत स्थायी सुविधा रेपो से अधिक महंगा उपाय है।
(3) सीमांत स्थायी सुविधा बैंकों के लिए अल्पावधिक ऋण लेने के अंतिम उपाय के रूप में कार्य करता है।
(4) सीमांत स्थायी सुविधा बैंकों की निवल मांग और समय देयताओं से जुड़ी है।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही कथन चुनिए:

(a) (2), (3) और (4) (b) (1), (2) और (3)
(c) (1), (3) और (4) (d) (1), (2), (3) और (4)

Ans. (a) : RBI द्वारा 9 मई 2011 को सीमान्त स्थायी सुविधा की नई अवधारणा विकसित की गई। M.S.F. यूरोपीय सेन्ट्रल बैंक की तरह सुविधा प्रदान करता है। इसे डिस्काउन्ट विन्डो सिस्टम कहते हैं। इसके तहत व्यापारिक बैंक अपनी निवल मांग तथा सावधि देयताओं के 1% तक 1 रात के लिए ऋण प्राप्त कर सकता है। इस पर देय ब्याजदर चालू रीपो रेट से 1% अधिक होती है। M.S.F के अन्तर्गत बैंको द्वारा प्रतिभूतियां गारण्टी के रूप में रखी जाती हैं जो SLR सीमा के भीतर हो सकती हैं। M.S.F के अन्तर्गत उधारी की न्यूनतम राशि 1 करोड़ रूपये है। उच्चतम सीमा का निर्धारण बैंक द्वारा S.L.R. के अन्तर्गत रखी जाने वाली प्रतिभूतियों के मूल्य द्वारा होता है।

18. भुगतान संतुलन विश्लेषण के 'अवशोषण उपागम' का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया?

(a) एम.फ्रीडमैन (b) मार्शल और लर्नर
(c) सिडनी एलेक्जेंडर (d) हेबरलर

Ans. (c) : भुगतान संतुलन विश्लेषण के 'अवशोषण उपागम' का प्रतिपादन सिडनी एलेक्जेंडर ने किया था। यह सिद्धान्त समष्टि प्रत्यागम पर आधारित है अर्थात् अवमूल्यन न केवल प्रत्यक्ष रूप से व्यापार शेष को प्रभावित करता है बल्कि राष्ट्रीय आय, उपभोग तथा निवेश को भी प्रभावित करता है। $B = Y-A$

जहाँ B = व्यापार शेष
y = राष्ट्रीय आय
A = अधिशोषण

अधिशोषण/अवशोषण प्रत्यागम के अनुसार = अवमूल्यन के कारण होने वाली निर्यात में वृद्धि आय में वृद्धि लायेगी, आय में वृद्धि आयात में वृद्धि लायेगी जो आयात की प्रवृत्ति पर निर्भर करेगी तथा आय की वृद्धि अर्थव्यवस्था में उपभोग तथा निवेश में वृद्धि लायेगी। उपभोग में वृद्धि उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति, विनियोग की वृद्धि त्वरक पर निर्भर करेगी।

19. भुगतान संतुलन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही रूप से सुमेलित नहीं है?

मद	प्रकृति
(a) वस्तुओं और सेवाओं का आयात	चालू खाता नामे
(b) अंतरण भुगतानों की प्राप्ति	चालू खाता जमा
(c) प्रत्यक्ष निवेश प्राप्तियां	पूँजी खाता जमा
(d) पोर्टफोलियो निवेश प्रतिदान	चालू खाता नामे

Ans. (d) : भुगतान शेष से तात्पर्य एक दी हुई अवधि में (सामान्यतः 1 वर्ष) किसी देश के सम्पूर्ण आर्थिक व्यवहारों के व्यवस्थित लेखा-जोखा से है अन्तर्राष्ट्रीय व्यवहारों को दो वर्गों में रखा जाता है। Credit transaction- वस्तुओं-सेवाओं के आयात, विदेशियों को एक पक्षीय हस्तान्तरण, पूंजी का बर्हिप्रवाह। भुगतान संतुलन विवरण के मुख्यतः दो भाग है।

(1) चालू खाता (2) पूंजी खाता

दृश्य खाता/ व्यापार खाता/ वस्तु खाता

अदृश्य खाता
1. सेवा खाता
2. एक पक्षीय हस्तान्तरण

(2) पूंजी खाता

(i) दीर्घकालिक पूंजी खाता (1 वर्ष से अधिक)- इसमें F.D.I. F.I.I., वाणिज्यिक उधारी, बैंकिंग पूंजी, N.R.I. जमा आदि को शामिल करते हैं।

(ii) अल्पकालिक पूंजी खाता में 1 वर्ष से कम अवधि के लेनदेन को शामिल किया जाता है।

इस प्रकार पोर्टफोलियो निवेश प्रतिदान पूंजी खाता में शामिल किया जाता है न कि चालू खाता नामे में।

20. प्रेबिश सिंगर परिकल्पना किससे संबंधित है?

(a) विकासशील देशों की भुगतान संतुलन की समस्या।
(b) विकासशील देशों की व्यापार की शर्तें।
(c) विकासशील देशों में निर्धनता की व्याप्ति।
(d) विकासशील देशों में आय की असमानता।

Ans. (b) : रॉल प्रेविश प्रथम अर्थशास्त्री थे जिन्होंने सबसे पहले यह बात सामने रखी कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से प्राप्त होने वाला लाभ विकसित देशों को प्राप्त हुआ है। प्रेबिश के अनुसार-मूल्य पर आधारित होने के कारण अदल-बदल व्यापार की शर्त को सैद्धान्तिक रूप से अल्पविकसित देशों के पक्ष में होनी चाहिए क्योंकि मूल्य लागत से सम्बन्धित होता है और अल्पविकसित देशों की लागतें अधिक होती हैं। किन्तु वास्तव में व्यापार से लाभ विकसित देशों को प्राप्त हुआ है। इसके दो कारण हैं-

1. तकनीकी प्रगति से प्राप्त होने वाले लाभ का हस्तान्तरण अल्पविकसित देशों से विकसित देशों की ओर हुआ है।
2. प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच इकाई से कम होती है। इसलिए अल्पविकसित देशों द्वारा प्राथमिक वस्तुओं का अधिक मात्रा में उत्पादन किया जाता है किन्तु प्राथमिक वस्तुओं की आय मांग की लोच कम होने के कारण आय में वृद्धि होने से इन वस्तुओं के उपभोग में कमी आती है जिससे व्यापार से इन वस्तुओं की मांग में कमी आती है और अल्पविकसित देशों को व्यापार से हानि होती है। अपनी इस व्याख्या के लिए प्रेबिश ने ऐंजिल के उपभोग नियम की मान्यता को स्वीकारा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. भारत के भुगतान संतुलन के बारे में कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) यदि कोई विदेशी नागरिक भारत में किसी बैंक में कुछ धन जमा करता है तो लेखा में यह जमा माना जाएगा।

(b) चालू खाता सन्तुलन केवल वस्तुओं और सेवाओं में, व्यापार के सन्तुलन को दर्शाता है।

(c) भूल चूक को लेकर खाते हमेशा संतुलित रहते है।

(d) यदि देश के विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि होती है तो इस प्रविष्टि में ऋण चिह्न होगा।

Ans. (b) : चालू खाता संतुलन केवल वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार के संतुलन को ही नहीं दर्शाता बल्कि एक पक्षीय हस्तान्तरण को भी शामिल करता है चालू खाता वह खाता है जिसमें हम पूंजी के अन्तर्प्रवाह तथा बर्हिप्रवाह (दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन) को छोड़कर सभी अन्तर्राष्ट्रीय व्यवहारों की प्रदर्शित करते हैं। इस प्रकार चालू खाते के अन्तर्गत निम्न लेन-देन शामिल किए जाते हैं-

(1) व्यापार खाता या दृश्य खाता।

(2) अदृश्य खाता

सेवा खाता — एक पक्षीय हस्तान्तरण

भुगतान संतुलन = चालू खाता + पूंजी खाता

= (व्यापार खाता + अदृश्य खाता) + पूंजी खाता

22. मान लीजिए किसी देश के लिए निर्यात के लिए मांग की लोच ex है और आयात के लिए मांग की लोच em है। मान लिया जाए कि देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करता है तो उसके भुगतान संतुलन में निश्चित रूप से सुधार को दर्शाएगा यदि:

(a) $e_x + e_m > 1$ (b) $e_x + e_m < 1$

(c) $e_x + e_m = 1$ (d) $e_x = e_m = 1$

Ans. (a) : अवमूल्यन के लोच प्रत्यागम का प्रतिपादन मार्शल ने 1923 में तथा लर्नर ने 1944 में किया था। बाद में रॉबिन्सन ने 1947 में तथा मैकलप ने 1955 में और विकसित किया। यह आंशिक संस्थिति विश्लेषण पर आधारित है।

मार्शल लर्नर के अनुसार- यदि पूर्ति लोच अपरिमित दी हुई हो तो व्यापार शेष के सुधार के सम्बन्ध में अवमूल्यन की सफलता मांग की लोचों के योग के ऊपर निर्भर करेगा।

$e_x + e_m > 1$ हो तो अवमूल्यन प्रभावी तथा सफल होगा।

$e_x + e_m = 1$ हो अवमूल्यन का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

$e_x + e_m < 1$ हो तो अवमूल्यन न केवल अप्रभावी होगा बल्कि इसमें घाटा होगा।

23. अन्य बातों के समान रहने पर निम्नलिखित में से कौन सा यू.एस. डालर के मुकाबले रुपए का मूल्यह्रास करेगा?

(a) भारत में ब्याज दरों में वृद्धि

(b) यू.एस.ए.में आय में गिरावट

(c) रुपए के बाह्य मूल्य में प्रत्याशित वृद्धि

(d) भारत में विदेशी निवेश के प्रवाह में वृद्धि

Ans. (b) : यदि U.S.A. डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्यह्रास होता है तो U.S.A. की आय में गिरावट होगी।

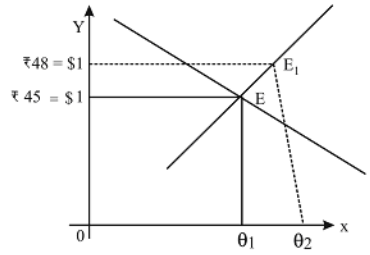

रेखाचित्र में प्रारम्भिक स्थिति E है जिस पर $1 = ₹ 45 है। अब यदि ₹ के मूल्य में गिरावट हो तो $1 = ₹ 48 हो जाता है। i.e. $ के मूल्य में वृद्धि होती है। जिससे U.S.A. के निर्यात में कमी तथा आयात में वृद्धि होगी जिससे U.S.A. की आय में गिरावट होगी।

24. वाणिकवादियों के अनुसार व्यापार है एक :

(a) धनात्मक योग क्रीड़ा (b) अनंत योग क्रीड़ा

(c) शून्य योग क्रीड़ा (d) ऋणात्मक योग क्रीड़ा

Ans. (c) : वाणिकवादियों के अनुसार व्यापार एक शून्य योग क्रीड़ा है।

शून्य योग क्रीड़ा- यदि किसी व्यापार में दो व्यक्ति हों तो एक व्यक्ति को जितनी मात्रा में लाभ होगा दूसरे व्यक्ति को उतनी ही मात्रा में हानि होगी। जैसे- यदि A तथा B नामक दो व्यापारी हो तथा कुल लाभ दोनों का 100 इकाई हो अर्थात् A का लाभ 50 इकाई तथा B का लाभ 50 इकाई हो। अब यदि कुल लाभ 100 इकाई स्थिर हो तो यदि A का लाभ बढ़कर 50 से 70 इकाई हो जाए तो B का लाभ घटकर 30 इकाई हो जायेगा।

वणिकवादियों के अनुसार- एक व्यक्ति अपने देश का विकास दूसरे देश की हानि पहुँचाकर ही प्राप्त कर सकता है।

25. उत्पादन में अपूर्ण विशिष्टिकरण होता है जब देश के सन्मुख होती है :

(a) स्थिर अवसर लागत (b) गिरती हुई अवसर लागत

(c) बढ़ती हुई अवसर लागत (d) अनिश्चित अवसर लागत

Ans. (c) : यदि उत्पादन अपूर्ण विशिष्टीकरण हो तो बढ़ती हुई अवसर लागतें होंगी।

बढ़ती हुई अवसर लागत के अन्तर्गत संस्थिति- इस स्थिति में IPC वक्र नतोदर (Concave) होगा। यदि उत्पादन सम्भावना वक्र के कटान बिन्दु का ढाल अधिक हो तो लम्ब अक्ष की वस्तु सस्ती (कम लागत) होगी तथा यदि कटान बिन्दु का ढ़ाल कम हो तो x-अक्ष की वस्तु सस्ती (कम लागत) होगी।

बढ़ती हुई अवसर लागत के अन्तर्गत देश आंशिक विशिष्टीकरण की स्थिति में होगा।

PP -production possibility curve

E_2 पर Y वस्तु सस्ती होगी

E_1 पर x वस्तु सस्ती होगी।

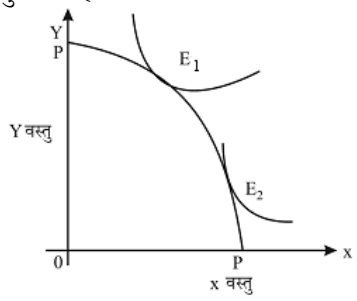

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. कर उत्प्लावलता को इस रूप में दर्शाया जाता है-

(a) $E^b_{TY} = \frac{\Delta T^b}{\Delta Y} \times \frac{Y}{T^b}$

(b) $E^b_{TY} = \frac{\Delta Y}{\Delta T^b} \times \frac{T^b}{Y}$

(c) $E^b_{TY} = \frac{\Delta Y}{\Delta T^b} \div \frac{T^b}{Y}$

(d) $E^b_{TY} = \frac{\Delta T^b}{\Delta Y} \div \frac{Y}{T^b}$

जहाँ E^b_{TY} = आय के प्रति कर राजस्व की उत्प्लावलता

T^b = कुल कर राजस्व

$\sqcup T^b$ = कुल कर राजस्व में परिवर्तन

Y= आय

$\sqcup Y$ आय में परिवर्तन

Ans. (a) : कर उत्प्लावलता-राष्ट्रीय आय तथा सरकार द्वारा कर के सम्बन्ध में उठाये गए अन्य सभी विवेकाधीन कदम जैसे कर ढ़ाचे में सुधार, कर की दर का युक्तीकरण, कर वसूली सम्बन्धी प्रभावी कदम, के परिणामस्वरूप कर राजस्व में होने वाले परिवर्तनों के बीच पाये जाने वाले सम्बन्ध को कर उत्प्लावलता कहते हैं।

$$E^b_{TY} = \frac{\Delta T^b}{\Delta Y} \times \frac{Y}{T^b}$$

27. सामान्यतः आयकर किस सिद्धांत पर आधारित होता है?

(a) लाभ प्राप्ति का सिद्धांत
(b) करदेय क्षमता का सिद्धांत
(c) कर देने की इच्छा का सिद्धांत
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : सामान्यतः आयकर सिद्धान्त करदेय क्षमता सिद्धान्त पर आधारित है। कर देय क्षमता सिद्धान्त का प्रतिपादन जे.एस. मिल ने किया था। उनके अनुसार कर का न्याय पूर्ण वितरण तभी होगा जब करदाता कर का भुगतान करने में समान त्याग करते हों।
करदेय क्षमता सिद्धान्त का प्रगतिशील करारोपण पर आधारित है तथा आयकर में भी प्रगतिशीलता का गुण पाया जाता है अतः आयकर सिद्धान्त करदेय क्षमता सिद्धान्त पर आधारित है।

28. कल्याणकारी सुधार प्राप्ति में कौन सी पद्धति सहायक होती है यदि बाह्यताएं विद्यमान है?

(a) विनियमन
(b) संपत्ति अधिकारों का समनुदेशन और सौदेबाजी की अनुमति
(c) पीगू कर
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : बाह्यताएं- बाह्यताओं का सृजन उस समय होता है जब उत्पादन तथा उपभोग के लिए पार्श्व प्रभाव (side effect) बाजार कीमत में शामिल न हों। बाह्यताओं के कारण सीमान्त निजी राजस्व एवं सीमान्त सामाजिक लागत में अन्तर होता है।
बाह्यताएं विद्यमान होने पर कल्याणकारी सुधार हेतु निम्न पद्धतियां सहायक होती हैं।
1. नियमन
2. सम्पत्ति अधिकारों का समानुदेशन और सौदेबाजी की अनुमति
3. पीगू कर
4. पूर्ण सूचनाएँ पूर्ण प्रतियोगिता

29. सरकारी बजट में निम्नलिखित में से कौन सी पूँजी प्राप्तियाँ हैं?

(a) सरकार द्वारा अन्य पक्षों को दिए गए ऋण पर ब्याज प्राप्तियां
(b) लोक उद्यमों का लाभांश और लाभ
(c) जनता से सरकार द्वारा लिया गया ऋण
(d) संपत्ति कर प्राप्तियां

Ans. (c) : भारत में बजट प्रणाली की शुरुआत का श्रेय वायसराय कैनिंग को जाता है। 1860 में सर्वप्रथम जेम्स विल्सन ने बजट प्रस्तुत किया था। संविधान के अनुच्छेद 112 के अन्तर्गत 'वार्षिक वित्तीय विवरण' का उल्लेख है जिसे बजट कहा जाता है।
सरकारी बजट में निम्नलिखित पूंजीगत प्राप्तियों को शामिल किया जाता है।
1. ऋणों की प्राप्ति
2. विनिवेश
3. जनता से लिया गया ऋण
4. भविष्य निधि (Provident funds)

30. निम्नलिखित में से कौन बाह्यता के प्रभाव को कम करने के लिए सबसे अधिक प्रभावशाली होगी?

(a) वित्तीय नीति
(b) एकाधिकार का विनियमन
(c) सक्रिय मौद्रिक नीति
(d) बाजार को नियंत्रण मुक्त करना

Ans. (a) : बाह्यताओं के प्रभाव को कम करने के लिए वित्तीय नीति सबसे अधिक प्रभावशाली होगी। वित्तीय नीति के माध्यम से सरकार बाह्यताओं को कम करने के लिए सम्पत्ति के अधिकारों को परिभाषित कर सकती है, मानकीकरण निर्धारित कर सकती है तथा उभयनिष्ठ की त्रासदी की समस्या के निराकरण के लिए लोगों को लाइसेसिंग प्रदान करके बाह्यताओं के प्रभाव को समाप्त किया जा सकता है।

31. अधिकतम सामाजिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है जब-

(a) कुल सामाजिक त्याग = कुल सामाजिक लाभ
(b) सीमांत सामाजिक त्याग = सीमांत सामाजिक लाभ
(c) निबल सामाजिक त्याग = निवल सामाजिक लाभ
(d) औसत सामाजिक त्याग = औसत सामाजिक लाभ

Ans. (b) : अधिकतम सामाजिक लाभ उस स्थिति में होगा जब सीमान्त सामाजिक त्याग = सीमान्त सामाजिक लाभ हो।

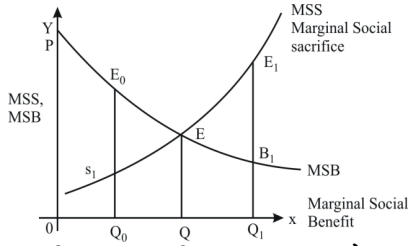

E बिन्दु पर अधिकतम सामाजिक लाभ प्राप्त होगा क्योंकि यदि उत्पादन Q_1 किया जाए तो mssE_1 तथा MSB B_1 है। i.e. MSS>MSB होगा जिससे उत्पादन में कमी करने की आवश्यकता होगी। उसी प्रकार यदि उत्पादन Q_0 हो तो MSB>MSS होगा जिससे उत्पादन में वृद्धि की आवश्यकता होगी। क्योंकि MSB E_0 तथा MSS S_1 है। अर्थात् MSB>MSS होगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. कर का वैधानिक करापात किससे संबंधित है?-

(a) व्यक्ति जो कर का भुगतान करने के लिए कानूनी तौर पर उत्तरदायी है

(b) कर के भुगतान के पश्चात बची हुई आय की रकम

(c) मुद्रास्फीति को हिसाब में लेने के पश्चात भुगतान किए गए कर की रकम

(d) कर लगाए जाने के पश्चात् सृजित कर-राजस्व की रकम

Ans. (a) : राजस्व प्राप्तियां दो प्रकार की होती हैं-

1. कर राजस्व 2. गैर कर राजस्व

कर एक प्रकार का अनिवार्य भुगतान है, जो उस व्यक्ति को अनिवार्य रूप से सरकार को देना पड़ता है जो कर आधार से सम्बन्धित होता है, जिसके बदले करदाता को आवश्यक रूप से कोई लाभ नहीं प्राप्त होता।

33. प्रत्याशा-वर्धित फिलिप्स वक्र द्वारा वर्णित संबंध निम्नलिखित में से किसमें सही है?

(a) केवल दीर्घ अवधि में

(b) केवल अल्प अवधि में

(c) अल्प अवधि और दीर्घ अवधि दोनों में

(d) न तो अल्प अवधि में और न दीर्घ अवधि में

Ans. (a) : फिलिप्स ने 1858-1958 तक के काल सारणी के आंकड़ों के आधार पर व्यक्त किया कि मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी की दर में विपरीत सम्बन्ध होता है। यह सम्बन्ध स्थिर, व्युत्क्रम, गैर रैखिक होता है।

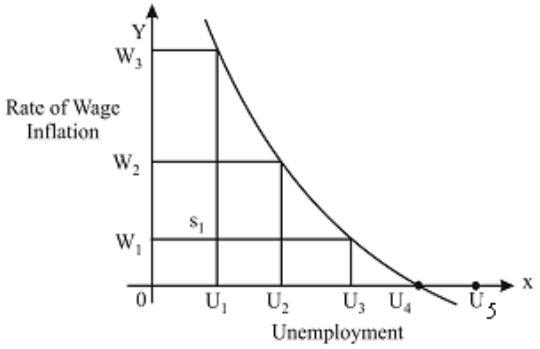

U_4 पर Wage inflation (मजदूरी स्फीति) शून्य होगी, मजदूरी शून्य नहीं होगी।

U_5 पर Wage inflation ऋणात्मक होगी।

मिल्टन फ्रीडमैन तथा फेलेप्स ने अनुकूलतम प्रत्याशा सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

फ्रीडमैन के अनुसार-दीर्घकाल में फिलिप्स वक्र का निर्माण नहीं होगा। क्योंकि वे पूर्ण प्रत्याशा की मान्यता को स्वीकार करते हैं। i.e. दीर्घकाल में मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी में कोई सम्बन्ध नहीं होता। अल्पकाल में हो सकता है कि आर्थिक अभिकर्त्ता कुछ समय के लिए गलत प्रत्याशों का निर्माण कर लें जिससे अल्पकाल में फिलिप्स वक्र का निर्माण हो सकता है।

$w_t = f(ut)+\alpha pt$

μ= unemployment

w= wage inflation

α= information

फिलिप्स α को शून्य मानते हैं तथा फ्रीडमैन α को 1 मानते हैं।

34. बेरोजगारी की गैर त्वरित स्फीति दर (एन.ए.आई. आर.यू.) का अर्थ है-

(a) बेरोजगारी की दर जिसके लिए स्फीति दर में परिवर्तन शून्य है।

(b) स्फीति की दर जो बेरोजगारी की दर को शून्य करती है।

(c) स्फीति की दर जिसके लिए बेरोजगारी की दर में परिवर्तन शून्य है।

(d) बेरोजगारी की दर जो स्फीति की दर के बराबर है।

Ans. (a) : NAIRU= "Non Accelerating Inflation Rate of Unemployment" है।

1975 में NAIRU "Natural Rate of Unemployment" को सुधार करके Non Inflationary Rate of Unemployment कहा गया बाद में यह NAIRU के नाम से जाना गया।

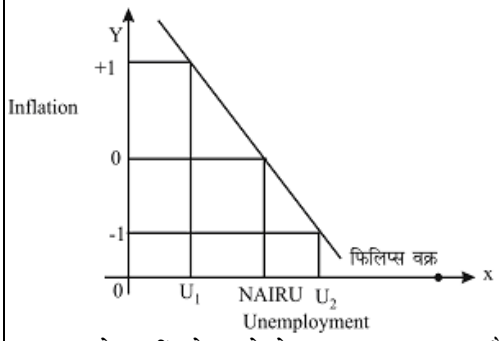

NAIRU के बायीं ओर जाने से Inflation बढ़ जाता है, बेरोजगारी घट जाती है तथा दाहिने ओर जाने से Inflation घट जाता है जबकि बेरोजगारी बढ़ जाती है।

35. नव केन्जवादी कीमत और मजदूरी जड़ता की व्याख्या के लिए निम्नलिखित में से किसका उपयोग करते हैं?

(a) छितरे हुए श्रम संविदाएं

(b) मैन्यू लागत

(c) परिसीमित युक्ति पर आधारित व्यवहार

(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : नव केन्सवादी कीमत तथा मजदूरी दृढ़ता/जड़ता के लिए निम्न मान्यताएं प्रस्तुत करते हैं।

1. Staggered labour contracts= विभिन्न फर्में अपने समीपवर्ती फर्मों के समान संविदा पर मजदूरियां निर्धारित करते हैं।
2. मेन्यू लागत- कीमत सूची में परिवर्तन के लिए कुछ लागते उठानी पड़ती है जिन्हे मेन्यू लागत कहते हैं। मेन्यू लागतें अल्पकाल में स्थिर रहती हैं क्योंकि कीमतों के परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ, लागतों के परिवर्तन से कम होते हैं जिससे अल्पकाल में कीमतों में स्थिरता पायी जाती है।
3. आर्थिक अभिकर्ताओं के पास सीमित सूचनाएं उपलब्ध रहती है।
4. Sticky wage model
5. असममित सूचना मॉडल
6. Insider- outsider theory
7. Implicit contract theory

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. किसी बाजार में किसी उत्पाद या सेवा के लिए प्रभावी मांग उस समय उत्पन्न होती है जब किसी अन्य बाजार में क्रेताओं का व्यवहार प्रतिबंधित होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2. प्रतीकात्मक मांग उस समय उत्पन्न होती है जब किसी अन्य बाजार में क्रेताओं का व्यवहार प्रतिबंधित नहीं होता है।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही है? नीचे दिए गए कूट की सहायता से उत्तर दीजिए-

(a) केवल (1) सही है
(b) केवल (2) सही है
(c) (1) और (2) दोनों सही हैं
(d) न तो (1) और न (2) सही है

Ans. (c) : किसी बाजार में किसी उत्पाद या सेवा के लिए प्रभावी मांग उस समय उत्पन्न होती है जब किसी अन्य बाजार में क्रेताओं का व्यवहार प्रतिबंधित होता है।
प्रभावी मांग का प्रतिपादन जॉन मेनार्ड कीन्स ने किया था
प्रभावी मांग = समग्र मांग = समग्र पूर्ति

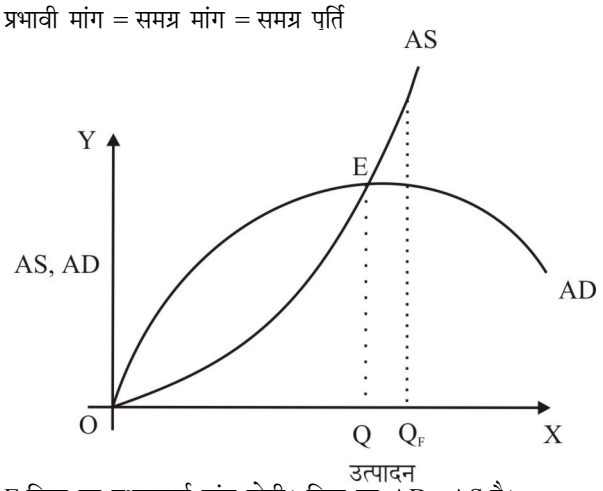

E बिन्दु पर प्रभावपूर्ण मांग होगी। जिस पर AD= AS है।
साथ ही प्रतीकात्मक मांग उस समय उत्पन्न होती है जब किसी अन्य बाजार में क्रेताओं का व्यवहार प्रतिबंधित नहीं होता है।।

37. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के लिए, नवीन प्रतिष्ठित अर्थशास्त्र का प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित में से किसकी व्याख्या करना है?

(a) व्यापार चक्र घटना
(b) अल्प बेरोजगारी
(c) मजदूरी-कीमत जड़ता
(d) सरकारी नीतियों की प्रभावकारिता

Ans. (a) : पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के लिए नवीन क्लासिकल अर्थशास्त्रियों का प्राथमिक उद्देश्य व्यापार चक्र की व्याख्या करना है।
नवीन क्लासिकल अर्थशास्त्र का उद्भव शिकागो स्कूल में हुआ था। इसके प्रमुख अर्थशास्त्री राबर्ट लुकास तथा थामस सारजेण्ट थे। इन्होनें वास्तविक व्यापार चक्र के सिद्धान्त की मान्यता को स्वीकार किया।
इनके अनुसार मौद्रिक तथा राजकोषीय नीतियां अर्थव्यवस्था में असंतुलन पैदा कर देती हैं।
इनकी तीन प्रमुख मान्यताएँ थीं-
1. बाजार सतत् रूप से संतुलन में रहेंगी।
2. विवेकशील प्रत्याशा की मान्यता।
3. समग्र पूर्ति की अवधारणा।

38. निम्नलिखित में से कौन से संवृद्धि माडल में तटस्थ तकनीकी प्रगति को मान लिया जाता है?

(a) हैरड माडल (b) सोलो माडल
(c) (a) और (b) दोनों (d) न तो (a) और न (b)

Ans. (c) : हैराड तथा सोलो दोनों मॉडलों में तकनीकि प्रगति को दिया हुआ माना गया है।
हैरॉड ने चाकू धार समस्या का प्रतिपादन किया इनके अनुसार अर्थव्यवस्था जब एक बार संतुलन के पथ से विचलित हो जाती है तो पुनः संतुलन में नहीं आती क्योंकि वे अधिकांश आर्थिक चरों को स्थिर मान लेते हैं।
जैसे-
1. पूंजी उत्पाद अनुपात
2. श्रम उत्पाद अनुपात
3. बचत आय अनुपात

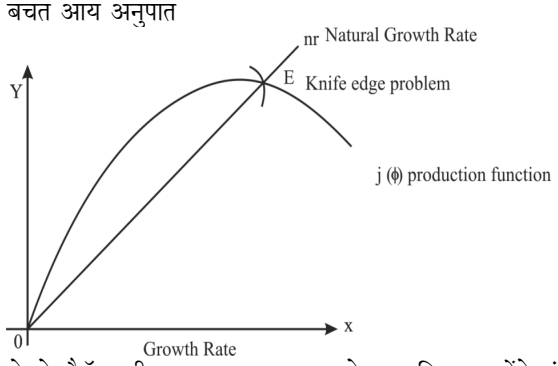

सोलो ने हैरॉड की चाकू धार समस्या को हल किया उन्होंने पूंजी श्रम अनुपात, श्रम उत्पाद अनुपात, को परिवर्तनशील माना तथा Steady state Growth की व्याख्या की। सोलो के अनुसार दीर्घकाल में विभिन्न अर्थव्यवस्थाएं अपने-अपने steady state Growth को प्राप्त कर लेंगी।

39. चालू वर्ष के लिए किसी अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद अवस्फीतिक 110 है। यदि इसी वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद में 15 प्रतिशत की दर से वार्षिक वृद्धि हुई हो, तो वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर होगी-

(a) 5 % (b) 1.5%
(c) 25% (d) 2.5%

Ans. (a) : G.D.P. Deflator = nominal G.D.P.- Real G.D.P.
= 110%-115% या 115%-110%
=5%

40. IS-LM माडल में संतुलन की प्रकृति क्या होगी?

(a) स्टॉक संतुलन (b) प्रवाह संतुलन
(c) स्टॉक और प्रवाह संतुलन (d) दोलन संतुलन

Ans. (c) : IS-LM मॉडल में स्टॉक एवं प्रवाह दोनों में संतुलन होगा।
IS-LM मॉडल का प्रतिपादन हिक्स तथ हेन्सन ने किया था। IS-वस्तु बाजार की संस्थिति तथा Lm मुद्रा बाजार की संस्थिति को दर्शाता है। समग्र अर्थव्यवस्था में उस स्थिति में संतुलन होगा जब IS-Lm दोनों में संतुलन हों राष्ट्रीय आय का स्तर वस्तु बाजार संतुलन द्वारा निर्धारित होता है मुद्रा बाजार संतुलन मुद्रा की मांग तथा मुद्रा की पूर्ति द्वारा निर्धारित होता है।
IS वक्र का ढाल नीचे गिरता हुआ होता है क्योंकि ब्याज दर में कमी से निवेश में वृद्धि होती है (अन्य बातें समान रहने पर)
IS वक्र के ढ़ाल की तीव्रता गुणक के मूल्य पर भी निर्भर करती है गुणक mpc पर निर्भर करता है। ब्याजदर में परिवर्तन होने से

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तरलता अधिमान के वक्र की लोच (मुद्रा की मांग फलन) जितनी कम होगी LM वक्र का ढाल उतना ही अधिक होगा।

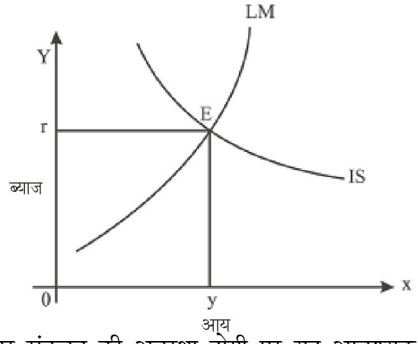

E बिन्दु पर संतुलन की अवस्था होगी पर यह आवश्यक नहीं है कि यह संतुलन पूर्णरोजगारीय स्तर का ही हो।

41. यदि सीमांत निर्यात प्रवृत्ति 0.1 और सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.7 है, आय गुणक का मान होगा-

(a) 1.25 (b) 2.33
(c) 2.5 (d) 3.33

Ans. (c) : आय गुणक $= \frac{1}{1 - mpc + mpi}$

$= \frac{1}{1 - 0.7 + 0.1} = \frac{1}{0.4}$

$= 2.5$

चूँकि U.G.C. NET पेपर के हिन्दी प्रक्रम में सीमान्त निर्यात प्रवृत्ति दिया है किन्तु English version में marginal propensity to Import दिया है इसलिए English version को वरीयता देते हुए उत्तर 2.5 माना गया है।

42. वितरण के नव प्रतिष्ठित सिद्धांत के अनुसार राष्ट्रीय आय में मजदूरी के हिस्से में स्थिरता आएगी जब साधन प्रतिस्थापन की लोच होगी-

(a) एक से कम (b) एक के बराबर
(c) शून्य (d) एक से अधिक

Ans. (b) : वितरण के नव प्रतिष्ठित सिद्धान्त के अनुसार राष्ट्रीय आय में मजदूरी के हिस्से में स्थिरता आयेगी जब साधन प्रतिस्थापन की लोच एक के बराबर होगी। जब साधनों के मध्य प्रतिस्थापन की लोच 1 के बराबर होती है श्रम तथा पूंजी के सापेक्षिक भाग स्थिर रहते हैं तथा पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्राप्त होते हैं। साधनों को प्राप्त होने वाली मजदूरी उनकी सीमान्त उत्पादकता के बराबर होती है। यह यूलर प्रमेय की मान्यता को संतुष्ट करता है।

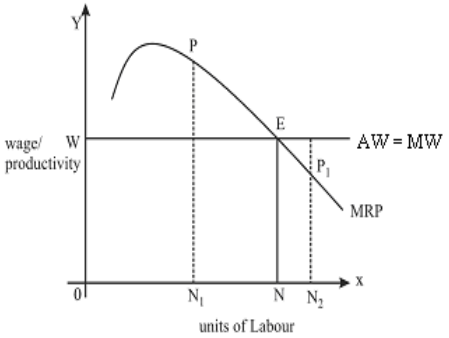

AW = Average wage
MW = marginal wage
संतुलन की स्थिति E बिन्दु पर होगी जहां
MRP = AW= MW

43. निम्नलिखित में से कौन सा जे.ई. मीड के मॉडल की विशेषता नहीं है?

(a) पूर्ण प्रतिस्पर्धा विद्यमान है।
(b) अर्थव्यवस्था उपभोक्ता वस्तुओं और उत्पादक वस्तुओं का उत्पादन करती है।
(c) उपभोग और पूंजीगत वस्तुओं के बीच पूर्ण प्रतिस्थापन्नता संभव है।
(d) यह जनसंख्या वृद्धि दर और बचत वृद्धि दर के बीच संबंध की जांच करता है।

Ans. (d) : इन्होंने अपनी पुस्तक A Neo classical theory of Economic growth में आर्थिक वृद्धि का नव प्रतिष्ठित सिद्धान्त प्रतिपादित किया। इन्होनें वृद्धि को मुख्य रूप से पूंजी संचय, श्रम शक्ति की वृद्धि, तकनीकि प्रगति से सम्बन्धित किया। पूंजी संचय बचतों के द्वारा सम्भव होता है जो वर्तमान आय से प्राप्त होती है।

मीड के सिद्धान्त की मान्यताएं

1. बंद अर्थव्यवस्था
2. अहस्ताक्षेप नीति
3. पैमाने के स्थिर प्रतिफल
4. अर्थव्यवस्था में दो वस्तुओं का उत्पादन होता है। दोनों के मध्य पूर्ण प्रतिस्थापन सम्भव है।
5. मशीन पूंजी का एकमात्र रूप है।
6. उपभोग वस्तु की मौद्रिक कीमतें स्थिर हैं। जीवन लागत निर्देशांक को स्थिर माना गया है। इन्होनें क्रांतिक संवृद्धि दर की व्याख्या की।

44. तकनीकी प्रगति पद A(t) के साथ निम्नलिखित उत्पादन फलनों के स्वरूपों पर विचार कीजिए-

1. $Q = f(K_t, A(t).L_t)$ (2) $Q = f(A(t).K_t, L_t)$
3. $Q = A(t)f(Kt, Lt)$

उपर्युक्त में से कौन सा उत्पादन फलन, श्रम वर्धित प्रौद्योगिकी के साथ, श्रम और पूँजी के बीच निर्गत के वितरण को स्थिर बनाए रखता है। नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए-

(a) केवल (1) (b) (1) और (2) दोनों
(c) केवल (3) (d) (1) और (3)

Ans. (a) : $Q = f(K_t, A(t), L_t)$
ऐसी तकनीकि जहां पूंजी एवं श्रम के मध्य प्रतिस्थापन की सीमान्त दर अल्प है, पूंजी प्रयोग करने वाली तकनीकि कहलाती है। अर्थात् साधन गहनता पूंजी के प्रति अधिक रहेगी। ऐसी तकनीकि जहाँ पूंजी तथा श्रम के मध्य प्रतिस्थापन की दर अधिक है वह श्रम बचत तकनीकि कहलाती है।

45. संवृद्धि के AK मॉडल (Y=AK) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) यह अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धांतों का एक भाग है।
(b) मॉडल यह मानता है कि पूँजी के भौतिक स्टॉक में वृद्धि से उत्पादन फलन ऊपर की ओर परिवर्तित होगा।
(c) मॉडल पूँजी के सापेक्ष ह्रासमान प्रतिफल को मानता है।
(d) मॉडल यह सुझाता है कि यदि निवेश का स्तर मूल्यह्रास से अधिक है तो सतत वृद्धि होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : A.K. मॉडल एक Endogeneous Growth Model है जो Neo classical की अवधारणा को अस्वीकार करता है। क्योंकि वह पूंजी के बढ़ते प्रतिफल को स्वीकार करता है। यह रैखिक मॉडल पर आधारित है, जहाँ उत्पादन पूंजी का रैखिक फलन है। यह मानता है कि पूंजी के भौतिक स्टॉक में वृद्धि से उत्पादन फलन ऊपर की ओर विवर्तित होता है। साथ ही यदि निवेश का स्तर मूल्य ह्रास से अधिक हो तो सतत वृद्धि होगी।

46. निम्नलिखित में से कौन सा लक्षण निरपेक्ष अभिसरण के अस्तित्व के लिए सही नहीं है?

(a) समान जनसंख्या वृद्धि दर (b) समान बचत प्रवृत्ति
(c) समान पूँजी-श्रम अनुपात (d) भिन्न पूँजी-श्रम अनुपात

Ans. (c) : निरपेक्ष अभिसरण (Absolute convergence) जब निर्धन देशों, धनी देशों के मध्य बचत दर, जनसंख्या दर, तकनीकि दर, ह्रास दर समान मान लिया जाए और निर्धन देश धनी देशों की ओर केन्द्राभिमुख हों तो इसे Absolute convergence कहते हैं। निरपेक्ष अभिसरण में भिन्न पूंजी-श्रम अनुपात होता है।

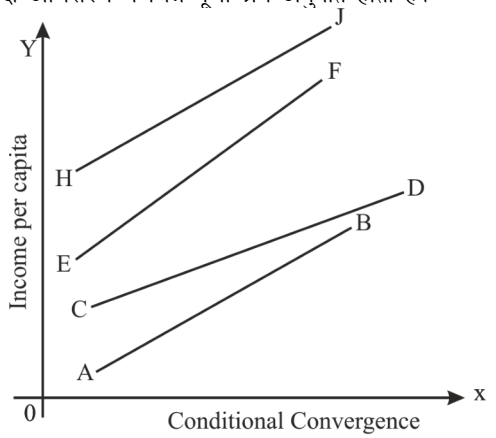

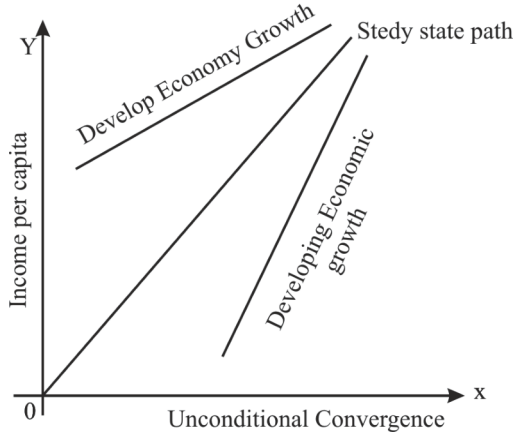

Conditional convergence सशर्त अभिसरण- जब निर्धन देशों तथा धनी देशों के मध्य बचत दर, जनसंख्या दर, तकनीकि दरों में, ह्रास में अन्तर हो तब भी यदि निर्धन देश धनी देशों की तुलना में तेजी से वृद्धि करें तो यह Conditional convergence होगा सशर्त अभिसरण में समान पूंजी श्रम अनुपात होता है।

47. सोलो के वृद्धि मॉडल में, प्रति व्यक्ति निर्गत किसका फलन होगा?

(a) श्रम उत्पाद अनुपात (b) पूँजी-निर्गत अनुपात
(c) तकनीकी प्रगति (d) पूँजी-श्रम अनुपात

Ans. (d) : सोलो मॉडल में प्रति व्यक्ति निर्गत पूंजी श्रम अनुपात का फलन होगा। सोलो मॉडल एक स्वचालित समायोजन को प्रस्तुत करता है जिससे संतुलन वृद्धि पथ को प्राप्त किया जा सकता है। सोलो के अनुसार जब उत्पादन परिवर्तित अनुपातों एवं पैमाने के स्थिर प्रतिफल की अवस्था में होता है तो Gw तथा Gn (वांछित दर, प्राकृतिक दर) में कोई अन्तर नहीं रह जाता। सोलो मॉडल में साधन कीमतों की पूर्ण लोचशीलता समायोजन प्रक्रिया के क्रियान्वित होने के लिए आवश्यक है।

48. डूसनबरी की यह राय थी कि अल्प विकसित देशों में निम्नलिखित में से किस कारण से उनके भुगतान संतुलन पर गंभीर और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा?

(a) प्रदर्शन प्रभाव (b) गुणक प्रभाव
(c) 'बैकवॉश' प्रभाव (d) छितराव प्रभाव

Ans. (a) : जे.एस. ड्यूसेनबरी के अनुसार देशों में भुगतान संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव प्रदर्शन प्रभाव के कारण होगा।
ड्यूसेनबरी ने उपभोग के सापेक्ष आय के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार-एक व्यक्ति का उपभोग वर्तमान आय स्तर पर नहीं निर्भर करता बल्कि पहले से प्राप्त की गई निश्चित आय स्तर पर निर्भर करता है। इन्होने समयपश्चता की बात की। यदि सभी व्यक्तियों की आय समान प्रतिशत से बढ़ती है तो प्रत्येक व्यक्ति की सापेक्ष आय पूर्ववत बनी रहेगी यद्यपि निरपेक्ष आय, निरपेक्ष उपभोग, निरपेक्ष बचतें बढ़ रही होगी। जिससे उपभोग व्यय में वृद्धि नहीं होगी। APC स्थिर रहेगी। आय में वृद्धि के साथ उपभोग फलन वक्र ऊपर की ओर विवर्तित हो जाता है ताकि APC स्थिर बनी रहे। ड्यूसेबरी ने प्रदर्शन प्रभाव तथा रैचेट प्रभाव की व्याख्या की।

49. लिबेन्स्टिन ने अपने क्रान्तिक न्यूनतम प्रयास सिद्धांत में जनसंख्या को ऐसे रूप में माना है, जो है-

(a) आय-सृजक (b) निवेश-उत्प्रेरक
(c) आय-अवसादक (d) बाजार-विस्तारक

Ans. (c) : लिबेन्सिटन ने क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त में जनसंख्या को आय अवसादक माना है। लेबेन्सटीन ने व्यक्त किया कि विकासशील देशों मे प्रति व्यक्ति आय अत्यन्त कम तथा जनसख्या वृद्धि दर ऊंची होती है, जिससे ये हमेशा निम्न आय स्तर पर संतुलन की स्थिति में होते हैं। इन देशों में आय अवसादक शक्तियां (जनसंख्या) इतनी प्रबल होती है कि इन्हें निम्न संतुलन पाश से अलग नहीं होने देती। जिससे विकासशील देश निम्न संस्थिति पास में जकड़े रहते हैं। इस दृष्टिकोण के समर्थक अर्थशास्त्री- रोजेन्सटीन रोडां, रेग्नर, नर्क्स, आर्थर लेविस एस0 लेबेन्सटीन तथा नेल्सन थे।

50. 'कामगारों के पास उस पूँजी का स्वामित्व होना चाहिए जो उनकी बचत से हुई है'। यह किसके द्वारा दिए गए संवृद्धि मॉडल की एक महत्वपूर्ण मान्यता है?

(a) एल.पसिनेती (b) एन.कैलडर
(c) आर.सोलो (d) जे.ई. मीड

Ans. (a) : एल. पसिनेती के अनुसार "कामगारों के पास उस पूंजी का स्वामित्व होना चाहिए जो उनकी बचत से हुई है।" पेसिनेती मॉडल केल्डार मॉडल का विस्तार है। इस मॉडल की अन्य विशेषताएं-
1. पूर्ण रोजगार का स्तर विद्यमान है।
2. राष्ट्रीय आय में मजदूरी तथा लाभ सम्मिलित हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

3. मजदूरी श्रमिकों को उनके श्रम के योगदान में बांटे जाते हैं तथा लाभों का वितरण पूंजीपतियों को उनके स्वामित्व के आधार पर किया जाता है।
4. पूंजीपतियों की बचत प्रवृत्ति श्रमिकों से अधिक होती है।
5. बचत पूंजीपति तथा श्रमिक दोनों करेंगे।
6. ब्याज की दर = लाभ की दर

51. गरीबी के दुष्चक्र के मांग पक्ष के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) निम्न आय→ निम्न मांग→ निम्न निवेश→ पूँजी की अल्पता→ निम्न उत्पादकता→ निम्न आय

(b) निम्न उत्पादकता→ निम्न आय→ निम्न बचत→निम्न निवेश→पूँजी की अल्पता

(c) निम्न आय→निम्न निवेश→निम्न माँग→पूँजी की निम्न अल्पता

(d) निम्न माँग→निम्न बचत→निम्न उत्पादकता→निम्न निवेश→पूँजी की अल्पता

Ans. (a) : गरीबी के दुष्चक्र का प्रतिपादन रेग्नर नर्क्स ने किया था। उनके अनुसार-विषम दुष्चक्र अल्पविकसित देशों में आर्थिक विकास की सम्भावनाओं को असम्भव बना देता है। निर्धनता का मूल कारण पूंजी का अभाव है। अतः पूंजी निर्माण का न्यून होना पूंजी की पूर्ति एवं पूंजी की मांग के पक्षों से सम्बन्धित होता है। पूंजी का मांग पक्ष विनियोग की प्रेरणाओं पर निर्भर करता है। पूंजी का पूर्ति पक्ष बचत की इच्छा व क्षमता पर निर्भर रहता है।
मांग पक्ष- निम्न आय-निम्न मांग-निम्न निवेश-पूंजी की अल्पता-निम्न उत्पादकता-निम्न आय।

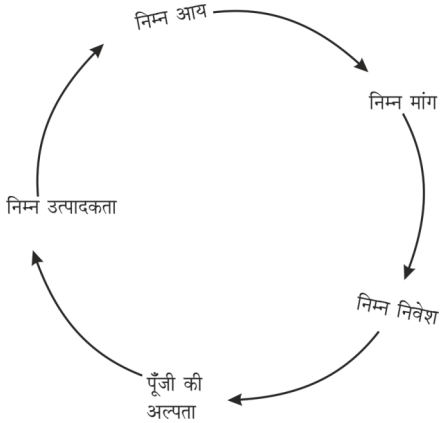

52. हैरोड मॉडल में निम्नलिखित में से कौन सा वांछित वृद्धि दर और वास्तविक वृद्धि दर के बीच असंतुलन का कारण है?

(a) प्रत्याशित निवेश और वास्तविक निवेश के बीच विसंगति

(b) प्रत्याशित निवेश और प्रत्याशित बचत के बीच विसंगति

(c) प्रत्याशित बचत और वास्तविक बचत के बीच विसंगति

(d) वास्तविक निवेश और वास्तविक बचत के बीच विसंगति

Ans. (a) : हैरॉड मॉडल में वांछित वृद्धि दर और वास्तविक वृद्धि दर के मध्य असंतुलन का कारण प्रत्याशित निवेश और वास्तविक निवेश के मध्य विसंगति है।
हैरॉड ने तीन संवृद्धि दरों की बात की-
1. वृद्धि की वास्तविक दर- यह बचत की दर एवं पूंजी उत्पाद दर के द्वारा निर्धारित होती है। यह वृद्धि की दर में अल्पकालीन चक्रीय परिवर्तनों को सूचित करती है।
2. वृद्धि की आवश्यक दर- यह पूर्ण क्षमता वृद्धि दर है एक बार प्राप्त होने पर निवेशक इसी प्रगति को बनाए रखना चाहते है।
3. वृद्धि की प्राकृतिक दर- यह उत्पादन की ऐसी प्रवृत्ति को सूचित करती है जब पूर्ण रोजगार की अवस्था होती है तथा मुद्रा प्रसार नहीं होता। यह जनसंख्या वृद्धि व तकनीकि सुधारों द्वारा प्राप्त की जाती है।

53. निम्नलिखित में से किस समिति ने भारत में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना किए जाने की सिफारिश की?

(a) नरसिंहम समिति (b) चक्रवर्ती समिति
(c) अभिजीत सेन समिति (d) शिवरामन समिति

Ans. (d) : भारत में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना शिवरामन समिति की सिफारिश पर 12 जुलाई 1982 को की गई थी। इसका मुख्यालय मुम्बई में है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं सम्बन्धित क्रियाकलापों की सहायता प्रदान करने, एकीकृत एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

54. जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना के बारे में निम्नलिखित में से क्या विकल्प सही है/हैं?

(a) इसे 2008 में आरंभ किया गया
(b) इसमें प्रदूषण नियंत्रण हेतु 8 ऊर्ध्व मिशन हैं
(c) (1) व (2) दोनों सही हैं
(d) न तो (1) और न (2) सही है।

Ans. (c) : भारत सरकार ने जल, नवीनीकरणीय ऊर्जा एवं कृषि के विकास हेतु 30 जून 2008 को राष्ट्रीय कार्य योजना जारी की। जिसके तहत 8 मिशन निर्धारित किए गए जो प्रदूषण नियंत्रण के लिए कार्यरत हैं। ये 8 मिशन निम्नलिखित हैं-
1. राष्ट्रीय सौर मिशन
2. एनर्जी मिशन फॉर एनहांस्ड एनर्जी एफिशिएंसी
3. सस्टेनेबल हैबिटेट पर राष्ट्रीय मिशन
4. राष्ट्रीय जल मिशन
5. हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन
6. ग्रीन इण्डिया के लिए राष्ट्रीय मिशन
7. सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन
8. जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान पर राष्ट्रीय मिशन

55. निम्नलिखित में से कौन सी योजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई.) में शामिल नहीं है?

(a) प्रोटीन पूरक के लिए राष्ट्रीय मिशन
(b) सेफरन मिशन
(c) त्वरित चारा विकस कार्यक्रम
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (*) : राष्ट्रीय कृषि एवं विकास योजना में निम्नलिखित मदें शामिल हैं-
1. प्रोटीन पूरक के लिए राष्ट्रीय मिशन
2. सेफरन मिशन
3. त्वरित चारा विकास कार्यक्रम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

56. देश के जनसंख्या पिरामिड से निम्नलिखित में से क्या प्रदर्शित होता है?

(a) जनसंख्या का ग्रामीण-शहरी वितरण
(b) जनसंख्या का युवा-वृद्ध वितरण
(c) जनसंख्या का आयु और लिंग के अनुसार वितरण
(d) जनसंख्या का लिंगानुसार वितरण

Ans. (c) : जनसंख्या पिरामिड का प्रतिपादन W. थामसन ने किया था। जब किसी देश की जनसंख्या की आयु तथा लिंग संरचना को एक साथ ग्राफ में अंकित किया जाता है तो हमें पिरामिड प्राप्त होता है। यदि पिरामिड का आधार चौड़ा तथा ऊंचाई कम हो तो दीर्घायु में कमीं, जन्म दर में अधिकता होगी जो सामान्यतः विकासशील देशों की विशेषता है। यदि पिरामिड का आधार कम चौड़ा तथा ऊंचाई अधिक हो तो जन्म दर में कमीं तथा दीर्घायु में वृद्धि होगी। जो सामान्यतः विकसित देशों की विशेषता है। पिरामिड के निर्माण में बाएं अक्ष पर पुरुषों की संख्या दाहिने अक्ष पर स्त्रियों की संख्या को दर्शाया जाता है।

57. दीर्घ अवधि में निम्नलिखित में से कौन सा वक्र विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए जनसंख्या के समय पथ का सटीक प्रतिनिधित्व करता है?

(a) चरघातांकी वक्र (b) लॉजिस्टिक वक्र
(c) लॉरेन्ज वक्र (d) अतिपरवलयिक वक्र

Ans. (b) : दीर्घकाल में लॉजिस्टिक वक्र विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए जनसंख्या के समय पथ का सटीक प्रतिनिधित्व करता है। लॉजिस्टिक वक्र की प्रतिपादन सर्वप्रथम Pierre Francois Verhulst ने किया था।

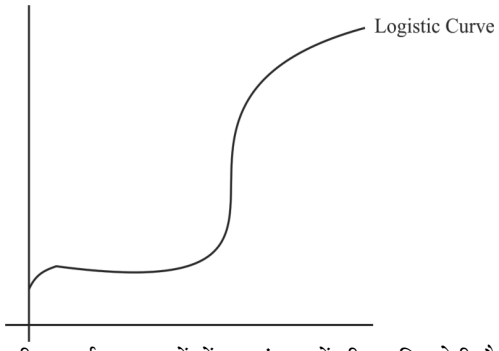

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि होती है तथा दीर्घकाल के बाद स्थिर होने की प्रवृत्ति होती है।

58. कुल प्रजनता दर और सकल पुनर्जनन दर के बीच संबंध के बारे में सही कथन को चुनें।

(a) TFR<GRR (b) TFR= GRR
(c) TFR>GRR (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : कुल प्रजनता दर सदैव सकल पुनर्जनन दर से अधिक होती है।

कुल प्रजनन दर (TFR)- TFR बच्चों की वह संख्या है जो किसी भी स्त्री के सम्पूर्ण प्रजनन काल (15-49 वर्ष) में पैदा हों TFR 2.1 को प्रजननता की प्रतिस्थापन दर कहा जाता है।

सकल पुनर्जनन दर (GRR)- पुनरूत्पादनीय आयु के दौरान पैदा हुई तथा जीवित लड़कियों की संख्या ÷ देश में कुल स्त्रियों की संख्या। GRR में यदि मातृ मुत्यु दर घटा दें तो हमें NRR प्राप्त हो जाता है। जहां NRR ⇒ Net reproductive rate (निवल पुनरुत्पादनीय दर)

59. निम्नलिखित में से किसे पर्यावरणीय आस्तियों के मूल्यांकन के लिए ''हेडोनिक कीमत'' के रूप में प्रायः संदर्भित किया जाता है?

(a) किसी पर्यावरणीय आस्ति की इन-हाउस कीमतों और भौगोलिक समीपता में भिन्नता के बीच योजकों का उपयोग करना।
(b) किसी पर्यावरणीय आस्ति के मूल्य के आकलन के लिए 'वर्तमान मूल्य' का उपयोग करना।
(c) किसी पर्यावरणीय आस्ति के मूल्य के आकलन के लिए यात्रा लागतों का उपयोग करना।
(d) किसी पर्यावरणीय आस्ति के मूल्यांकन के लिए ''भुगतान करने की इच्छा'' का उपयोग करना।

Ans. (a) : सर्वप्रथम 1974 में शेरविन रोसेन ने हेडोनिक कीमत की व्याख्या की।
एक उत्पादन की कुल कीमत को अपने समरूप गुणों की कीमत के योग के रूप में माना जा सकता है। हेडोनिक मूल्य निर्धारण मॉडल आधार कारकों की पहचान करता है इसके अन्तर्गत जो वस्तु किसी आधार कीमत द्वारा बेची जा रही है वह आन्तरिक एवं बाह्य दोनों कारकों द्वारा प्रभावित होती है। इनका प्रयोग पारिस्थितिक तंत्र के मात्रात्मक मूल्यों का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।

60. निम्नलिखित में से कौन-सी योजना भारत में महिलाओं के उत्थान के लिए नहीं है?

(a) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
(b) सुकन्या समृद्धि योजना
(c) जेन्डर बजटिंग
(d) उजाला (UJALA) योजना

Ans. (d) : उजाला योजना का सम्बन्ध महिलाओं के उत्थान से सम्बन्धित नहीं है। उजाला योजना बचत लैम्प योजना के स्थान पर 1 मई 2015 को प्रारम्भ की गई। इस योजना के तहत ऊर्जा संरक्षण हेतु L.E.D. बल्ब कम दाम में वितरित किए जाते हैं।

61. कृषकों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) लक्ष्य वर्ष 2022-23 है।
(b) यह वास्तविक आय है जिसे दोगुना किया जाना है।
(c) केवल खेती बाड़ी से होने वाली आय को दोगुना किया जाना है।
(d) इस उद्देश्य से कृषि के विविधिकरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

Ans. (c) : कृषकों की आय को दोगुना करने के लिए ''केवल खेती बाड़ी से होने वाली आय को दोगुना किया जाना।'' कथन सत्य नहीं है।
कृषकों की आय को दोगुना करने के निम्न उद्देश्य हैं-
1. लक्ष्य वर्ष 2022-23 है।
2. यह वास्तविक आय है जिसे दोगुना किया जाना है।
3. इसके लिए कृषि विविधिकरण को प्रोत्साहित करना है।
4. इसके लिए M.S.P. Rate को 1.5 गुना किया गया है।
5. कृषकों को ऋण हेतु ब्याजदर में छूट प्रदान की गई है।

62. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) ग्रीन हाउस प्रभाव को साधारणतया ग्लोबल वार्मिंग भी कहा जाता है।
(b) ग्लोबल वार्मिंग पूर्णतः प्राकृतिक घटना है।
(c) ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ है हिमखण्डों का पिघलना।
(d) ग्लोबल वार्मिंग में पृथ्वी की सतह के औसत तापमान में वृद्धि होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : ग्लोबल वार्मिंग में पृथ्वी की सतह के औसत तापमान में वृद्धि होती है।

औद्योगिक तथा अन्य मानवीय क्रियाओं के कारण धीरे-धीरे क्रमिक रूप से वायुमण्डल के औसतन तापमान में वृद्धि को हम ग्लोबल वार्मिंग कहते है। ग्रीन हाउस गैसें- मुख्यतः CO_2, मीथेन, जलवाष्प पृथ्वी के तापमान को 1.5^0C के ग्लोबल स्तर पर बनाए रखती है। ग्रीन हाउस प्रभाव की धारणा का प्रतिपादन जोसेफ फुरियर ने किया था। ग्रीन हाउस प्रभाव के अन्तर्गत निम्न गैंसे उत्तरदायी है।

CO_2, मीथेन, नाइट्रस आक्साइड, CFC ओजोन, SO_2, जलवाष्प।

63. आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था और अधिक औपचारिक बनती जा रही है। इसे निम्नलिखित में से किस परिवर्तन द्वारा दर्शाया गया है? नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

1. वस्तु एवं सेवा कर लगाए जाने से और अधिक फर्में अप्रत्यक्ष कर के दायरे में आ गई हैं।

2. विमुद्रीकरण के पश्चात आयकर विवरणी भरने वाले व्यक्तियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

3. औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में बचत में वृद्धि हुई है।

कूट-

(a) (1) और (2) (b) केवल (2)

(c) (1),(2) और (3) (d) (2),(3)

Ans. (c) : 1. वस्तु एवं सेवा कर लगाए जाने से और अधिक फर्में अप्रत्यक्ष कर के दायरे में आ गई हैं।

2. विमुद्रीकरण के पश्चात् आयकर विवरणी भरने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

3. औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में बचत में वृद्धि हुई है।

4. अप्रत्यक्ष कर दाताओं की संख्या 50% बढ़ गई है।

5. गैर कृषि क्षेत्र में 30% रोजगार बढ़ा है साथ ही G.S.T के अन्तर्गत 50% रोजगार बढ़ा है।

64. भारत के वित्त आयोग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

1. वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 275 के अंतर्गत हुआ है।

2. राज्यों को अनुदान-सहायता का प्रावधान अनुच्छेद 280 के अंतर्गत उपबंधित किया गया है। उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं। नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें-

(a) केवल (1) (b) केवल (2)

(c) (1) और (2) (d) न तो (1) और न (2)

Ans. (d) : वित्त आयोग का गठन 22 नवम्बर 1951 को संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत किया गया। इसके प्रथम अध्यक्ष के.सी. नियोगी थे। वर्तमान में 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष N.K. Singh हैं।

वित्त आयोग अनु. 275 के तहत राज्यों की अनुदान सहायता प्रदान करता है।

65. भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि के हिस्से में पिछले वर्षों में कमी आई है। निम्नलिखित में से कौन-सा इसका सही कारण नहीं है?

(a) अर्थव्यवस्था में गैर-कृषि क्षेत्रों की अपेक्षतया तीव्र वृद्धि दर

(b) कृषि वस्तुओं की पैदावार में स्थिरता या धीमी वृद्धि

(c) शिक्षित ग्रामीण युवा कृषि को व्यवसाय के रूप में नहीं अपना रहे हैं

(d) कृषि वस्तुओं के संदर्भ में निम्न मूल्य वर्धन

Ans. (c) : भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में पिछले वर्षों में कृषि के हिस्से में लगातार कमी आयी है, जिसके निम्नलिखित कारण हैं।

1. अर्थव्यवस्था में गैर-कृषि क्षेत्रों में अपेक्षाकृत तीव्र वृद्धि दर जैसे- सेवा क्षेत्र।

2. कृषि वस्तुओं की पैदावार में स्थिरता या धीमी वृद्धि

3. कृषि वस्तुओं के सन्दर्भ में निम्न मूल्य संवर्धन

अतः शिक्षित ग्रामीण युवा कृषि को व्यवसाय के रूप में नहीं अपना रहे हैं, GDP में कृषि के हिस्से में कमी का कारण नहीं है।

66. पिछले दशक में, भारत में, निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में, सबसे अधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) आया?

(a) दूरसंचार क्षेत्र (b) रक्षा क्षेत्र

(c) सेवा क्षेत्र (d) बीमा क्षेत्र

Ans. (c) : पिछले दशक में सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक FDI आया है।

विभिन्न मदें	**FDI अर्न्तप्रवाह %**
सेवा मदें	18%
निर्माण, अवस्थापना क्षेत्र	11%
दूरसंचार क्षेत्र	6%
कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर	6%

67. भारत में द्वि-तुलन-पत्र की समस्या के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. अति उत्तोलित कार्पोरेट ऋण।

2. राष्ट्रीय कृत बैंकों की गैर निष्पादनकारी आस्तियों की अत्याधिकता।

3. उच्च वित्तीय घाटा।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें-

(a) (1) और (3)

(b) (1) और (2)

(c) (2) और (3)

(d) (1), (2) और (3)

Ans. (b) : भारत में द्वि-तुलन पत्र की समस्या के निम्न कारण हैं-

1. अति उत्तोलित कार्पोरेट ऋण

2. राष्ट्रीय कृत बैंकों की गैर निष्पादनकारी आस्तियों की अत्याधिकता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

68. 2016-2017 में भारत सरकार ने केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं (सी.एस.एस.एस.) को पुनः संरचित किया पुनर्संरचना से संबंधित सही कथनों का चयन नीचे दिए गए कूटों की सहायता से करें-

1. **नीति आयोग की शासी परिषद् द्वारा पुनर्संरचना का निर्णय लिया गया।**
2. **इससे व्यय की अतिव्याप्ति नहीं होगी और केन्द्र द्वारा प्रयोजित योजनाओं में पारदर्शिता और प्रभावीपन आएगा।**
3. **केन्द्र द्वारा प्रयोजित योजनाओं को प्रमुख (फ्लेगशिप) और गैर-प्रमुख (एक्स्ट्रा फ्लेगशिप) श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।**
4. **वर्तमान में केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं की संख्या 37 है।**

कूटः

(a) (1), (2), (3) और (4)
(b) (2), (3) और (4)
(c) (1) और (2)
(d) (1), (2), और (3)

Ans. (c) :
(a) नीति आयोग की शासी परिषद् द्वारा पुनर्संरचना का निर्णय लिया गया है।
(b) इससे व्यय की अतिव्याप्ति नहीं होगी और केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं में पारदर्शिता और प्रभावीपन आयेगा।

69. 2011 की जनगणना के अनुसार शहरीकरण के अंश के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को घटते क्रम में लगाए-

(1) तमिलनाडु (2) महाराष्ट्र
(3) गोवा (4) पंजाब
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें-

(a) (2), (1), (4), (3)
(b) (3), (1), (2), (4)
(c) (1), (3), (4), (2)
(d) (4), (2), (1), (3)

Ans. (b) : गोवा
तमिलनाडु
महाराष्ट्र
पंजाब
भारत में नियमित जनगणना की शुरुआत 1881 ई. में लार्ड रिपन के कार्यकाल में हुई थी। 1881 में जनगणना आयुक्त डब्ल्यू.डब्ल्यू. प्लोडन थे। 2011 में जनगणना आयुक्त डॉ.सी. चन्द्रमौली थे। 2011 में देश में पहली बार राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तैयार किया जा रहा है।
जनगणना 2011 से सम्बन्धित अन्य आंकड़े-
1. भारत में कुल जनसंख्या विश्व की 17.5% है।
2. जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.64% है।
3. जनसंख्या की दशकीय वृद्धि 17.7% है।
4. नागालैण्ड की दशकीय वृद्धि ऋणात्मक (-6%) है।
5. लिंगानुपात 943 है।
6. शिशु लिंगानुपात 918 है।

70. 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार भारत का बाह्य ऋण (सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत रूप में) निम्नलिखित में से किस सीमा में था?

(a) 14 से 16 प्रतिशत (b) 16 से 18 प्रतिशत
(c) 18 से 20 प्रतिशत (d) 20 से 22 प्रतिशत

Ans. (d) : 31 मार्च 2017 तक भारत का बाह्य ऋण (सकल घरेलू उत्पाद %) 20 से 22% के मध्य था। यह ल. 20% था। जो मार्च 2018 तक 20.5% हो गया था।

71. जनांकिकीय लाभांश पर विचार के संदर्भ में भारतीय राज्यों में 'जनांकिकीय द्वैतता' प्रदर्शित हो रही है। इस संबंध में निम्नलिखित कारकों पर विचार करें-

(1) कुल प्रजनन दर (2) लिंग अनुपात
(3) प्रति व्यक्ति आय
उपर्युक्त में से कौन-सा कारक सही है/हैं। नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें-

(a) केवल (1) (b) (1) और (2) दोनों
(c) (2) और (3) दोनों (d) केवल (2)

Ans. (a) : कुल प्रजनन दर भारत में जनांकिकीय द्वैतता प्रदर्शित करने का प्रमुख कारण है।
जनांकिकीय द्वैतता- जब किसी देश में दो आर्थिक क्षेत्रों का अस्तित्व होता है, दोनों क्षेत्रों की विकास दर भिन्न-2 होती है, भिन्न-2 तकनीकि, मांग फलन होते हैं तो उसे जनांकिकीय द्वैतता कहते हैं। जनांकिकीय द्वैतता का प्रतिपादन जूलियस हरमन बोंके ने किया था।

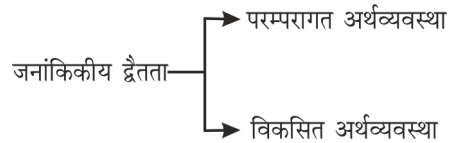

72. भारतीय अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें-

(1) 14 बैंकों के राष्ट्रीयकरण का पहला चरण
(2) बैंकिंग प्रणाली पर नरसिंहम प्रथम समिति का गठन
(3) फेमा (FEMA) अधिनियम को अधिनियमित करना
(4) भारतीय निर्यात आयात बैंक की स्थापना
कूटः

(a) (1), (3), (4), (2)
(b) (1), (4), (2), (3)
(c) (1), (3), (2), (4)
(d) (1), (4), (3), (2)

Ans. (b) :
(a) 14 बैंको का राष्ट्रीयकरण का प्रथम चरण - (1969)
(b) भारतीय निर्यात-आयात बैंक की स्थापना - (1982)
(c) बैंकिंग प्रणाली पर नरसिंहम प्रथम समिति का गठन - (1991)
(d) फेमा (FEMA) अधिनियम को अधियमित करना - (1999)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

73. निम्नलिखित में से कौन-सी जोड़ी सही रूप से सुमेलित नहीं है?

(संकल्पना)	(संगठन)
(a) महिला विकास सूचकांक	- यू.एन.डी.पी.
(b) व्यापार करने में सरलता	- विश्व बैंक
(c) समावेशी सूचकांक	- विश्व आर्थिक फोरम
(d) विश्व भूखमरी सूचकांक	- संयुक्त राष्ट्र संघ

Ans. (d) : विश्व भुखमरी सूचकांक की रिपोर्ट अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित की जाती है। विश्व भुखमरी सूचकांक 2006 में बनाया गया। वार्षिक विश्व भुखमरी सूचकांक के अलावा भारतीय राज्यों के लिए 2008 में भुखमरी सूचकांक प्रकाशित किया गया।

74. निम्नलिखित आरेख पर विचार कीजिए जो बढ़ रही लागत के अंतर्गत वस्तु के उत्पादन को दर्शाता है। यदि वस्तु पर इकाई कर अधिरोपित किया जाता है तो क्रेता पर पड़ने वाले कर भार की राशि क्या होगी?

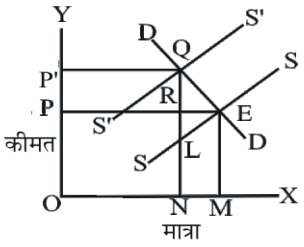

(a) NL (b) LQ
(c) LR (d) RQ

Ans. (d) :

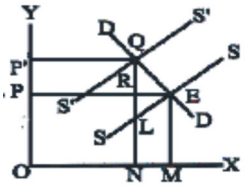

रेखाचित्र में SS प्रारम्भिक वक्र है तथा DD मांग वक्र है। E बिन्दु पर संतुलन की अवस्था है जिस पर कीमत P है। यदि लागत बढ़ रही हो तथा वस्तु पर प्रति इकाई कर आरोपित किया जाता है तो नई कीमत P' होगी संतुलन बिन्दु Q होगा। जिस पर LR क्रेता पर पड़ने वाले कर भार की राशि होगी तथा RQ बढ़ी हुई कीमत होगी।

75. निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सत्य है/हैं?

(1) साझे संसाधन प्रतिद्वंदी और अ-अपवर्जनीय होते हैं।

(2) सार्वजनिक वस्तु अ-प्रतिद्वंदी और अ-अपवर्जनीय है।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

(a) (1) और (2) दोनों (b) केवल (1)
(c) केवल (2) (d) न तो (1) और न (2)

Ans. (a) : (a) साझे संसाधन प्रतिद्वंदी और अ-अपवर्जनीय होते हैं।
(b) सार्वजनिक वस्तु अ-प्रतिद्वंदी और अ-अपवर्जनीय है।
NOTE- निजी वस्तु प्रतिद्वंदी और अपवर्जनीय होती है।

76. निम्नलिखित पुस्तकों को उनके प्रकाशन के कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें। नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

(1) दी एफल्युएंट सोसाइटी

(2) एशियन ड्रामा

(3) दी जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लायमेंट, इन्टरेस्ट एण्ड मनी

(4) डेवलपमेंट एज फ्रीडम

(a) (3), (2), (1), (4) (b) (3), (1), (2), (4)
(c) (1), (2), (3), (4) (d) (4), (3), (2), (1)

Ans. (b) : (c) दी जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लायमेंट इन्टरेस्ट एण्ड मनी। (1936)
(a) दी एफल्युएंट सोसाइटी (1958)
(b) एशियन ड्रामा (1968)
(d) डेवलपमेंट एज फ्रीडम (1999)

77. किन कारणों से बाजार विफलता हो सकती है-

(a) अपूर्ण प्रतिस्पर्धा
(b) बाह्यतायें
(c) (a) और (b) दोनों
(d) न तो (a) और न तो (b)

Ans. (c) : बाजार विफलताएं निम्न कारणों से हो सकती है-

1. अपूर्ण प्रतिस्पर्धा	2. बाह्यताएं
3. असममित सूचनाएं	4. उभयनिष्ठ की त्रासदी
5. एकाधिकार प्रतियोगिता	6. सम्पत्ति के अधिकारों का परिभाषित न होना।
7. अपूर्ण रोजगार	8. श्रमातिरेक

78. पूँजीगत लाभ का अर्थ है-

(a) आस्ति के मूल्य में वृद्धि
(b) पूँजी स्टॉक में वृद्धि
(c) आस्ति की आय में वृद्धि
(d) विदेशी पूँजी की राशि में वृद्धि

Ans. (a) : कोई प्रतिभूति शेयर, डिवेन्चर या मकान या अन्य कोई सम्पत्ति जब अपनी क्रय लागत या निर्माण लागत से अधिक मूल्य पर बिकती है तो इस प्रकार के होने वाले लाभ को पूंजी लाभ कहते हैं। यदि कोई प्रतिभूति जैसे- शेयर अपने क्रय के 1 वर्ष के भीतर बिकती है तो इस पर होने वाले लाभ की अल्पकालीन पूंजी-लाभ कहते हैं। 1 वर्ष से अधिक अवधि की प्रतिभूति को बेचने से प्राप्त लाभ को दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कहते हैं।

79. पाल्मा अनुपात किसका माप है?

(a) आय की असमानता
(b) स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव
(c) किसी क्षेत्र में रुग्णता
(d) फसल की कीमतों में उतार-चढ़ाव

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : पाल्मा अनुपात आय की असमानता को व्यक्त करता है। पाल्मा अनुपात = जब 40% GDP का भाग 10% समृद्ध लोगों के पास रहता है तो इसे पाल्मा अनुपात कहा जाता है।

निर्देश (प्रश्न 80 से 84)- में अभिकथन (A) और कारण (R) से संबंधित है। इन प्रश्नों के उत्तरों की कुंजी निम्नानुसार है-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

80. (A) : सोलो के वृद्धि मॉडल के अनुसार संतुलन की दशा में पूँजी श्रम अनुपात में परिवर्तन नहीं होता है।

(R) : पूँजी और श्रम के बीच प्रतिस्थापन संभव है।

Ans. (d) : (A) गलत है, परंतु (R) सही है।
सोलो के अनुसार- उत्पादन के दोनों साधनों पूँजी और श्रम को एक दूसरे से प्रतिस्थापित किया जा सकता है साथ ही इन दोनों के अनुपात में परिवर्तन होता है।

81. (A) : तुलनात्मक लाभ की तर्ज पर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वर्तमान संसाधनों की वितरणात्मक दक्षता में सुधार लाता है।

(R) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संवृद्धि का इंजन है।

Ans. (b) : (A) और (B) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
तुलनात्मक लाभ की तर्ज पर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से वर्तमान संसाधनों के वितरणात्मक कुशलता में लाभ होता है।
हैबरलर के अनुसार = अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आर्थिक संवृद्धि का इंजन है।
इस प्रकार उपर्युक्त दोनों में कोई सम्बन्ध नहीं है। जबकि दोनों कथन सत्य हैं।

82. (A) : उत्पादन संभावना सीमा वक्र एक सीधी रेखा हो सकती है।

(R) : संसाधन विशेषीकृत नहीं है और बिना किसी अतिरिक्त लागत के इनका प्रतिस्थापन किया जा सकता है।

Ans. (a) : (A) और (B) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। उत्पादन सम्भावना वक्र की तीन दशाएं हो सकती हैं।
1. सीधी रेखा के रुप में उत्पादन सम्भावना वक्र-

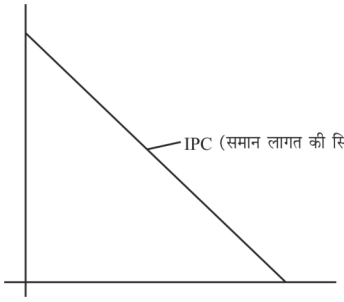

2. उन्नतोदर उत्पादन सम्भावना वक्र-

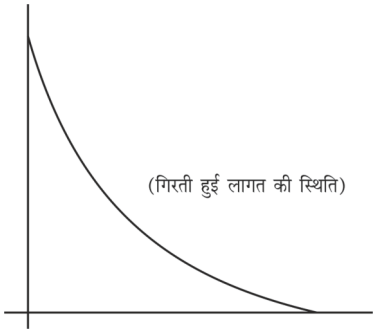

3. नतोदर उत्पादन सम्भावना वक्र

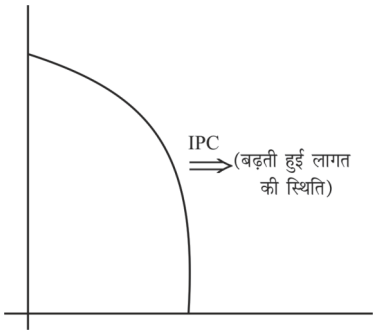

यदि संसाधनों में पूर्ण विशिष्टीकरण न हो तो संसाधनों को आपस में प्रतिस्थापित किया जा सकता है। सीधी रेखा के सन्दर्भ में साधनों के मध्य पूर्ण प्रतिस्थापन सम्भव होता है।

83. (A) : अवमूल्यन के परिणामस्वरूप किसी अर्थव्यवस्था में व्यय परिवर्तन होता है।

(R) : अवमूल्यन भुगतान संतुलन के चालू खाते की संरचना को परिवर्तित करता है।

Ans. (a) : (A) और (B) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। अवमूल्यन के परिणामस्वरूप किसी अर्थव्यवस्था के व्यय में परिवर्तन होता है जिससे निर्यात में वृद्धि तथा आयात में कमी आती है।
अवमूल्यन भुगतान संतुलन के चालू खाते की संरचना में परिवर्तन करता है। जिसके अन्तर्गत वस्तु सेवा व्यापार एवं एकपक्षीय हस्तान्तरण को शामिल किया जाता है।

84. (A) : विकासशील देशों के आर्थिक कार्यकलापों पर बाह्य दबावों का विशिष्ट महत्व होता है।

(R) : प्रबल और निर्भर देशों के बीच संबंध असमान पैटर्न को मजबूत करने के लिए गत्यात्मक होते हैं।

Ans. (b) : (A) और (B) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। अन्तरनिर्भरता सिद्धान्त के अनुसार- विकासशील देशों के आर्थिक क्रियाकलापों पर बाह्य दबाओं का विशिष्ट महत्व होता है।
प्रबल और निर्भर देशों के मध्य सम्बन्ध असमान पैटर्न को मजबूत करने के लिए गत्यात्मक होते हैं।
इस प्रकार दोनों कथन सत्य है किन्तु दोनों में कोई सम्बन्ध नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

85. यदि किसी उपभोक्ता का माँग फलन D= 10-2p है तो कीमत = 2 पर उपभोक्ता अतिरेक क्या होगा?

(a) 2 (b) 10
(c) 9 (d) 15

Ans. (c) : $C.S.= \int_0^q p.dx - p.q$

$D = 10 - 2P$
$= 10 - 2 \times 2$
$= 6$

$= \int_0^q \left(5 - \frac{x}{2}\right)dx - 2 \times 6$

$= \int_0^q \left(5 - \frac{x}{2}\right)dx - 12$

$= \left[5x - \frac{x^2}{2^2}\right]_0^6 - 12$

$= 30 - \frac{36}{4} - 12$

$= 30 - 9 - 12$

$= 30 - 21$

$= 9$

86. किसी उत्पादक का कुल लागत फलन $C= 10+5Q+2Q^2$ है। यदि कीमत 15 है तो समीकरण में उत्पादक की सीमांत लागत क्या होगी?

(a) 10 (b) 5
(c) 15 (d) 4

Ans. (c) :

$Tc = 10+5Q+2Q^2$

$P = 15$

$TR= P.Q$

$= 15 \times Q$

$=15Q$

$MR= \frac{d(TR)}{dQ}$

$MR = 15$

$MC = \frac{d(TC)}{dQ}$

$= \frac{d}{dQ}(10+5Q+2Q^2)$

$MC = 5+4Q$

संतुलन के लिए $\Rightarrow MC = MR$

$5+4Q= 15$

$4Q= 10$

$Q= 2.5$

$MC= 5+4Q$

Q का मान रखने पर

$MC = 5+4 \times 2.5$

$MC = 15$

87. लिओन्तिफ की स्थैतिक प्रणाली की आर्थिक व्यवहार्यता और प्रौद्योगिकी साध्यता की निम्नलिखित में से कौन सी शर्त है?

(a) मार्शल-एजवर्थ शर्तें
(b) कुन-टुकर शर्तें
(c) हॉकिन्स-साइमन शर्तें
(d) प्राथमिक समस्या के लक्ष्य फलन का मान प्राथमिक द्वेत के लक्ष्य फलन के मान के बराबर होना चाहिए

Ans. (c) : हॉकिन्स-साइमन शर्तें-

1. $|(I-A) \geq 0|$ लियोन्तिफ आव्यूह के सभी अवयव धनात्मक होते हैं।

2. आव्यूह के मुख्य विकर्ण के प्रत्येक अवयव के भी निश्चित रूप से धनात्मक होना चाहिए।

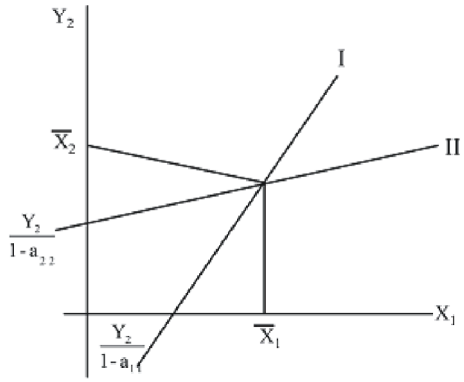

88. रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के समाधान के लिए निम्नलिखित में से किसने सिम्प्लेक्स विधि को विकसित किया था?

(a) कूपमन्स (b) डान्जिग
(c) लिओन्तिफ (d) सोलो

Ans. (b) : डान्जिग ने रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के समाधान के लिए सिम्पलेक्स विधि का प्रतिपादन किया। वास्तव में रैखिक प्रोग्रामिंग का विचार सर्वप्रथम एल.वी. कटोरोविच ने दिया था। रेखीय प्रायोजना- रेखीय से तात्पर्य ऐसे सम्बन्ध से है जिसे एक सरल रेखा द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है, प्रयोजना जिसका अर्थ सुव्यवस्थित योजना से होता है। i.e. उत्पादन को अधिकतम करने के लिए सुव्यवस्थित योजना एक फर्म द्वारा बनाई जाती है। जिसमें किसी निश्चित उत्पादन के लिए न्यूनतम लागत संयोग का चुनाव किया जाता है।

89. एक थैले में 5 लाल, 7 सफेद और 3 हरी गेंद हैं। इस थैले से एक गेंद यादृच्छिक रूप से निकाली जाती है तो उसमें हरी गेंद होने की क्या संभाव्यता है?

(a) $\frac{12}{15}$ (b) $\frac{1}{5}$
(c) $\frac{7}{15}$ (d) $\frac{1}{3}$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : हरी गेंद की प्रायिकता $= \frac{3}{15} = \frac{1}{5}$

$\therefore$ प्रायिकता $= \frac{\text{सम्भाव्य परिणाम}}{\text{कुल परिणाम}}$

90. यदि पाँच वर्ष तक प्रतिवर्ष किसी गाँव-विशेष में उन्हीं 100 परिवारों का एक प्रतिदर्श सर्वेक्षण किया जाता है तो उसमें संग्रहित किए गए आँकड़ों का वर्णन किस रूप में किया जाएगा-

(a) काल श्रेणी आँकड़े
(b) अनुप्रस्थ काट आँकड़े
(c) पैनल आँकड़े
(d) संग्रहित काल श्रेणी और अनुप्रस्थ-काट आंकड़े

Ans. (c) : पैनल आँकड़े- जब आय, रोजगार, लिंग शिक्षा आदि के आंकड़े अलग-अलग वर्षों के लिए निकाले जाते हैं।

91. यदि वितरण मान 40 है, बहुलक 60 है और मानक विचलन 10 है तो विषमता का गुणांक क्या होगा?

(a) -2 (b) 2
(c) -20 (d) 5

Ans. (a) : विषमता गुणांक $= \frac{\text{वितरण मान - बहुलक}}{\text{मानक विचलन}}$

$= \frac{40-60}{10}$

$= \frac{-20}{10} \Rightarrow -2$

92. किसी बहुरैखिक समाश्रयण में जिसमें 4 स्वतंत्र चर है, समग्र समाश्रयण की महत्ता का परीक्षण किया जाना है। किस परीक्षण का उपयोग किया जाएगा

(a) Z परीक्षण (b) F परीक्षण
(c) x^2 परीक्षण (d) t परीक्षण

Ans. (b) : समग्र समाश्रयण की महत्ता का परीक्षण के लिए F परीक्षण का प्रयोग किया जाता है। F परीक्षण का प्रतिपादन फिशर ने किया था।

93. 1000 कृषकों की जनसंख्या से 100 का प्रतिदर्श लिया जाता है जिसमें सीमांत, छोटे और बड़े कृषक शामिल किए जाने हैं, निम्नलिखित में से कौन सी सबसे अधिक उपयुक्त प्रतिदर्श पद्धति होगी?

(a) साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्श
(b) कलस्टर प्रतिदर्श
(c) स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्श
(d) प्रणालीगत प्रतिदर्श

Ans. (c) : स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्श- इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण जनसंख्या को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया जाता है जिसे Strata कहते है। जैसे- B.A., B.Sc. B.Com, बुद्धि के आधार पर आदि वर्गों में विभाजित करते हैं तथा साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्श के द्वारा प्रतिदर्शों का चुन लिया जाता है।

94. रिकर्सिव सिस्टम के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

1. प्रत्येक समीकरण में OLS का पृथक अनुप्रयोग करके प्राचलों का तर्क संगत आकलन किया जा सकता है।
2. अन्य समीकरणों में स्वतंत्र चर अन्य पदों के साथ सहसंबंधित हो सकते हैं।

कूटः

(a) केवल (1)
(b) केवल (2)
(c) (1) और (2) दोनों
(d) न तो (1) और न (2)

Ans. (c) :
प्रत्येक समी. में OLS का पृथक अनुप्रयोग करके प्राचलों का तर्क संगत आंकलन किया जा सकता है तथा अन्य समीकरणों में स्वतंत्र चर अन्य पदों के साथ सहसम्बंधित हो सकते हैं।

95. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए:

सूची- I	सूची-II
A. आकस्मिकता तालिका	(i) स्थिरता
B. इकाई मूल परीक्षण	(ii) कारणत्व
C. फिशर का F परीक्षण	(iii) x^2 परीक्षण
D. ग्रेंगर परीक्षण	(iv) समग्र समाश्रयण के महत्व का परीक्षण

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

Ans. (a) :
आकस्मिकता तालिका - x^2 परीक्षण
इकाई मूल परीक्षण - स्थिरता
फिशर का F परीक्षण - समग्र समाश्रयण के महत्व का परीक्षण
ग्रेंगर परीक्षण - कारणत्व

96. आकलन की सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग विधि निम्नलिखित में से किस समस्या से निपटने में उपयुक्त नहीं होगी?

(1) स्व-सह संबंध
(2) विषम विचालिका त्रुटिपद
(3) बहुसमरैखिकता
(4) चरों में त्रुटियाँ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूटः

(a) केवल (1)

(b) कवेल (2)

(c) (3) और (4)

(d) (1) और (2)

Ans. (c) :

(c) बहुसमरैखिकता (d) चरों में त्रुटियां

97. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	सूची-II
A. सोलो	(i) $\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{k}$
B. डोमर	(ii) Gw.Cr = S
C. जान रॉबिन्सन	(iii) sf(k)=(δ +n)k
D. हैरोड	(iv) $\frac{\Delta I}{I} = \sigma\alpha$

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

Ans. (a) :

सोलो - Sf(K)= (δ +n)K

डोमर - $\frac{\Delta I}{I} = \sigma\alpha$

जॉन रॉबिन्सन - $\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{k}$

हैरॉड - Gw.Cr = S

98. सामने दिए गए आरेख में सरकार द्वारा निम्नलिखित में से किस बिंदु पर कीमत निर्धारित करनी चाहिए जिससे एकाधिकार में एक सामाजिक इष्टतम प्राप्त हो?

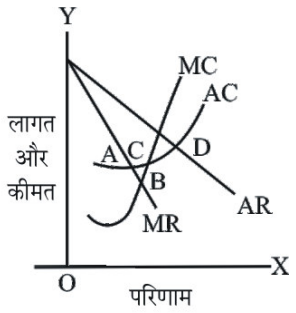

(a) बिंदु 'A' पर

(b) बिंदु 'B'पर

(c) बिंदु 'C'पर

(d) बिंदु 'D'पर

Ans. (c) :

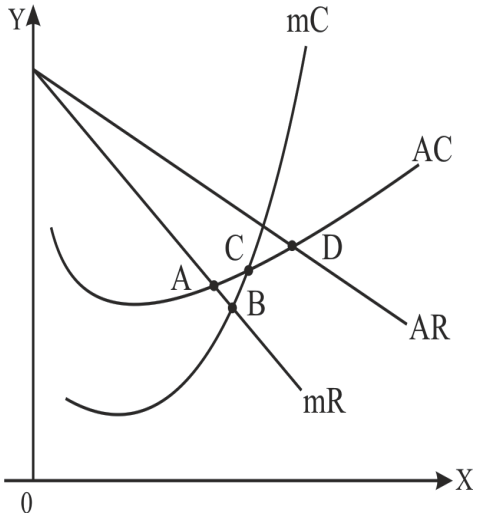

एकाधिकार के अन्तर्गत संतुलन-

MC = MR

P > MR, MC

सरकार द्वारा C बिन्दु पर कीमत निर्धारित की जायेगी क्योंकि इस बिन्दु पर लोगों का न्यूनतम शोषण होगा। क्योंकि C बिन्दु पर MC, AC को नीचे से काट रही है, जो संतुलन की आवश्यक दशा है।

99. यदि उत्पादक द्वारा उपभोग में लाए गए प्रत्येक आगत के लिए भुगतान की गई कीमत उसके सीमांत उत्पाद के मूल्य के बराबर है तो वह निम्नलिखित में से क्या अर्जित करेगा?

(a) शून्य अतिप्रसामान्य लाभ

(b) एकाधिकार लाभ

(c) धनात्मक अति प्रसामान्य लाभ

(d) ऋणात्मक अतिप्रसामान्य लाभ

Ans. (a) : यदि उत्पादक द्वारा लगाए आगत की लागत उनके सीमान्त उत्पादन के बराबर हो तो शून्य अतिप्रसामान्य लाभ या सामान्य लाभ प्राप्त होता है।

100. दिनांक 01.02.2018 को घोषित 2018-19 के केन्द्रीय बजट के संबंध में निम्नलिखत में से कौन सा सही रूप से सुमेलित नहीं है?

(सकल घरेलू उत्पाद के % के रूप में)

(a) वित्तीय घाटा	3.5
(b) राजस्व घाटा	2.2
(c) प्राथमिक घाटा	1.2
(d) प्रभावी राजस्व घाटा	0.3

Ans. (*) : उपर्युक्त में से कोई कथन सत्य नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2018
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. बौद्धिक सम्पदा अधिकार में सम्मिलित है

(a) ट्रेडमार्क (b) उपर्युक्त सभी
(c) पेटेन्ट (d) कॉपीराइट

Ans : (b) बौद्धिक सम्पदा अधिकार = बौद्धिक सम्पदा मानव मस्तिष्क की उपज है जब किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा कोई एक दम नई कृति विकसित की जाती है, तो उसके लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रदान किए जाते हैं। यह एक नकारात्मक अधिकार है इसके अन्तर्गत कॉपीराइट, पेटेन्ट, ट्रेडमार्क खोज, प्रतीक, चिन्ह आदि अधिकार शामिल होते हैं।

2. केन्द्रीय बजट के अनुसार, वर्ष 2018-19 के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सही है?

(a) सकल घरेलू उत्पाद का 5.3 %
(b) सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 %
(c) सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 %
(d) सकल घरेलू उत्पाद का 4.5 %

Ans : (b) केन्द्रीय बजट के अनुसार, वर्ष 2018-19 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य
सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 % है। जबकि
राजस्व घाटा 2.2 % है।
प्रभावी राजस्व घाटा =1.2% तथा
प्राथमिक घाटा = 0.3% है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सी भारतीय अर्थव्यवस्था के सम्मुख इस समय समष्टि आर्थिक चुनौती नहीं है ?

(a) चालू खाते के घाटे का बढ़ना
(b) विश्व में बढ़ता हुआ संरक्षणवाद
(c) भारतीय रूपए का अवमूल्यन
(d) सोने का अधिक आयात

Ans : (d) भारतीय अर्थव्यवस्था के सम्मुख सोने का अधिक आयात समष्टि आर्थिक चुनौती नहीं है, क्योंकि सोने के आयात से विदेशी विनिमय रिजर्व में वृद्धि होती है, जो आर्थिक विकास की प्रगति में सहायक होता है। इससे देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य में मजबूती आती है।

4. 1 जुलाई, 2017 से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) के अन्तर्गत भारत में वस्तुओं तथा सेवाओं पर चार (04) कर स्लैब लागू हैं। निम्नलिखित में से कर स्लैब सही हैं?

(a) 8%, 12%, 18% और 28%
(b) 8%, 12%, 15% और 18%
(c) 5%, 8%, 12% और 18%
(d) 5%, 12%, 18% और 28%

Ans : (d) 1 जुलाई, 2017 को G.S.T. लागू किया गया । G.S.T. एक परोक्षकर है जिसमें 17 करों तथा 26 उपकरों को समाहित कर लिया गया है। भारत का G.S.T. मॉडल कनाडा के उपभोग वैट मॉडल पर आधारित है। 101वें संविधान संशोधन के अनुसार - पीने योग्य एल्कोहल को छोड़कर किसी वस्तु एवं सेवा पर लगने वाला कर G.S.T. कहलायेगा। G.S.T. एक गन्तव्य आधारित कर है यह कैसकेडिंग प्रभाव को समाप्त करता है।

5. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य नहीं है?

(a) जन्म दर तीव्रता से गिरती है
(b) जनसंख्या वृद्धि दर शून्य हो जाती है
(c) मृत्यु दर शनैः शनैः कम होती है
(d) जनसंख्या वृद्धि दर एक सीमित दायरे में लगभग स्थिर हो जाती है

Ans : (b) जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त के लिए जनसंख्या वृद्धि दर शून्य हो जाती है, सही नहीं है। जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का प्रतिपादन W. थामसन ने किया था। किन्तु इसका वैज्ञानिक प्रतिपादन नोटेस्टीन ने किया था जिन्हे जनांकिकी का जनक कहा जाता है। जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त में मूलतः तीन अवस्थायें हैं किन्तु सी. पी. ब्लैकर ने 5 अवस्थाओं की बात की है।

प्रथम अवस्था - उच्च जन्म एवं उच्च मृत्यु दर (जनसंख्या वृद्धि दर नीची)
द्वितीय अवस्था - उच्च जन्मदर एवं निम्न मृत्यु दर (जनसंख्या विस्फोटक)
तृतीय अवस्था - निम्न जन्म दर एवं निम्न मृत्यु दर

6. सितम्बर 2017 के एस. आर. एस. बुलेटिन के अनुसार, केरल में अनुमानित मृत्यु दर 7.6 है, जबकि बिहार में यह 6 है। इन आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष सही है ?

(a) बिहार की तुलना में केरल में जनसंख्या का वयोवृद्धिकरण अधिक है।
(b) केरल में आत्महत्या दर काफी अधिक है।
(c) बिहार के लोगों की स्वास्थ्य स्थिति केरल के लोगों से बेहतर हैं
(d) केरल की तुलना में बिहार में जीवन प्रत्याशा उच्च है।

Ans : (a) बिहार की तुलना में केरल में जनसंख्या का वयोवृद्धिकरण अधिक है।

7. सूची-I (लेखकों) को सूची-II (पुस्तकों) के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
(A) मिल्टन फ्रीडमैन	(i) दास कैपिटल
(B) ज़ोसेफ शुम्पीटर	(ii) कैपिटलिज़्म एण्ड फ्रीडम
(C) कार्ल मार्क्स	(iii) कैपिटिल इन द 21st सेन्चुअरी
(D) टॉमस पिकेटी	(iv) कैपिटिलिज़्म,सोशियलिज़्म एण्ड डेमोक्रेसी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

Ans. (c) : मिल्टन फ्रीडमैन - कैपिटलिज़्म एण्ड फ्रीडम
ज़ोसेफ शुम्पीटर - कैपिटिलिज़्म,सोशियलिज़्म एण्ड डेमोक्रेसी
कार्ल मार्क्स - दास कैपिटल
टॉमस पिकेटी - कैपिटल इन द 21st सेन्चुअरी

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) भारत की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम. एस. पी.) नीति केवल गेहूँ, धान और मोटे अनाज को शामिल करती है।

(ii) ग्रेड-A धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम. एस. पी.) सामान्य धान के न्यूनतम समर्थन से सदा ही अधिक होता है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) न तो (i) और न ही (ii)
(b) (i) और (ii) दोनों
(c) केवल (i)
(d) केवल (ii)

Ans : (d) केवल (ii) सही है क्योंकि M.S.P. नीति 23 फसलों के लिए जारी की जाती है।

9. निम्नलिखित में से किसके कारण सामान्य मूल्य स्तर में वृद्धि हो सकती है?

(i) मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि
(ii) उत्पादन के कुल स्तर में वृद्धि
(iii) प्रभावी माँग की वृद्धि

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (i) और (ii)
(c) केवल (iii) (d) (i) और (iii)

Ans : (d) सामान्य मूल्य स्तर में वृद्धि -
(i) मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि
(ii) प्रभावी माँग में वृद्धि

कारण (i) मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि से वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि होगी मुद्रा के वास्तविक मूल्य या क्रय शक्ति में कमीं आयेगी जिससे मूल्य स्तर में वृद्धि होगी।

(ii) प्रभावी मांग-समग्र मांग = समग्र पूर्ति (प्रभावी मांग) में वृद्धि से उत्पादन में वृद्धि तुरन्त नहीं की जा सकती कुछ समय के लिए स्फीतिक अन्तराल की दशा उत्पन्न होती है जिससे कीमत स्तर में वृद्धि होती है।

10. शुम्पीटर के विकास सिद्धान्त के अनुसार, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

(a) उपर्युक्त सभी सही है
(b) लोकतंत्र एक आर्थिक प्रणाली की दक्षता को बढ़ाता है।
(c) उपर्युक्त में से कोई सहीं नहीं है
(d) आर्थिक उत्पादन का विस्तार अर्थव्यवस्था की वास्तविक बचतों द्वारा सीमित होता है।

Ans : (c) उपर्युक्त में से कोई सही नहीं है।
क्योंकि लोकतंत्र आर्थिक प्रणाली में जड़ता लाता है जिससे आर्थिक क्रियायें अवरूद्ध होती हैं, साथ ही आर्थिक उत्पादन का विस्तार अर्थव्यवस्था की वास्तविक बचतों द्वारा नहीं बल्कि साख द्वारा होता है।

11. आर्थिक विकास के कार्ल मार्क्स के सिद्धान्त के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(b) उत्पादन में संबंध स्वतंत्र रूप से बदलते हैं।
(c) उत्पादन के तरीके स्वतंत्र रूप से बदलते हैं।
(d) उपर्युक्त दोनों

Ans : (c) कार्ल मार्क्स ने मूल्य के श्रम अतिरेक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'दास कैपिटल' है। मार्क्स के सिद्धान्त की मान्यताएं
(1) समाज में दो प्रधान वर्ग हैं-
1. पूंजीपति 2. सर्वहारा
(2) श्रमिकों को जीवन-निर्वाह स्तर पर मजदूरी प्रदान की जाती है।
(3) पूंजी दो प्रकार की होती है-स्थिर पूंजी और परिवर्तनशील पूंजी।
(4) श्रमिक सहजातीय है।
(5) अर्थव्यवस्था में पूर्ण प्रतियोगिता है।

12. ऐतिहासिक रूप से विकासशील देशों की व्यापार की शर्तें इस कारण प्रतिकूल रही हैं कि जब विकसित देशों में आय बढ़ती है तब प्राथमिक वस्तुओं की माँग घटती है, क्योंकि

(a) प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच निम्न होती है।
(b) प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच शून्य होती है
(c) प्राथमिक वस्तुओं की मांग की कीमत लोच अधिक होती है।
(d) प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच अधिक होती है।

Ans : (a) प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच निम्न होती है। विकासशील देशों के लिए प्रतिकूल व्यापार की शर्तों का प्रतिपादन रॉल प्रेविस ने किया था। जिसमें उन्होंने एंजिल के नियम का अनुकरण किया जिसके कारण प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच निम्न होती है।
एंजेल नियम-जैसे-जैसे आय में वृद्धि होती है भोजन पर खर्च की गई आय का अनुपात गिरता है, कपड़े, भवन पर व्यय अपरिवर्तित रहता है तथा मनोरंजन, शिक्षा, स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ता है।
इस प्रकार भोजन एक प्राथमिक वस्तु है अतः प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच निम्न होगी।

13. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(A) पूँजी की अवशोषण क्षमता	(i) एम. कलैकी
(B) तकनीकी द्वैतता	(ii) ए. ओ. हर्षमैन
(C) जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक	(iii) डी. मॉरिस
(D) उद्योगों के विस्तार हेतु अनुमेय एवं अनिवार्य क्रम	(iv) बी. हिगिंस

कूट :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b)

पूँजी की अवशोषण क्षमता	-	एम. कलैकी
तकनीकि द्वैतता	-	बी. हिगिंस
जीवन का भौतिक गुणवत्ता सूचकांक	-	डी. मौरिस
उद्योगों के विस्तार हेतु अनुमेय एवं अनिवार्य क्रम	-	हर्षमैन

14. निम्नलिखित में से किस समिति ने भारत में सार्वभौमिक बैंकिंग की अवधारणा की सिफारिश की थी?

(a) वाई. एच. मालेगाम समिति
(b) एस. पद्मनाभन समिति
(c) आबिद हुसैन समिति
(d) आर. एच. खान समिति

Ans : (d) सार्वभौमिक बैंकिग - व्यापारिक बैंकिंग, निवेश बैंकिंग, विकास बैंकिग, बीमा तथा अन्य वित्तीय क्रियाओं का एक मिला रूप है। R.B.I. द्वारा दिसम्बर 1997 में आर. एच. खान की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया । इस समिति ने सार्वभौमिक बैंकिग के विकास की अवधारणा प्रस्तुत की।

15. एस. आर. एस. मई, 2018 के विशेष बुलेटिन के अनुसार मातृ-मृत्यु अनुपात (एम. एम. आर.) के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(i) असम
(ii) बिहार
(iii) मध्य प्रदेश
(iv) उत्तर प्रदेश

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (iii), (ii), (i), (iv)
(b) (ii), (iv), (iii), (i)
(c) (i), (iv), (iii), (ii)
(d) (iv), (i), (ii), (iii)

Ans : (c) असम-237, उत्तर प्रदेश-201, म.प्र.-173, बिहार-165

16. उत्पादन का आर्थिक क्षेत्र कौन-सा होता है?

(a) सभी समोत्पाद वक्रों के धनात्मक ढाल वाले भाग
(b) सभी समोत्पाद वक्रों के मध्य भाग
(c) सभी समोत्पाद वक्रों के उच्चतम बिन्दु
(d) सभी समोत्पाद वक्रों के ऋणात्मक ढाल वाले भाग

Ans : (d) सभी समोत्पाद वक्रों के ऋणात्मक ढाल वाले भाग।
समोत्पाद वक्र-दो संसाधनों के विभिन्न संयोजनों को दिखाता है जिसके साथ एक फर्म समान मात्रा में उत्पादन कर सकती है।
समोत्पादक वक्र की विशेषताएँ -
(1) यह बाएं से दाएं नीचे की ओर ऋणात्मक ढ़ाल वाला होता है अर्थात् जब हम श्रम की मात्रा में वृद्धि करते हैं तो हमे उत्पादन के समान स्तर को प्राप्त करने के लिए पूंजी की मात्रा में कमीं करनी पड़ती है। इसमें तकनीकि प्रतिस्थापन की सीमान्त दर घटती हुई होती है।

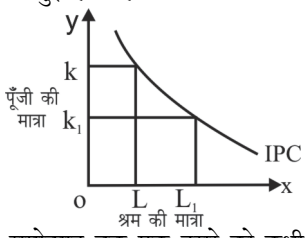

(2) दो समोत्पाद वक्र एक दूसरे को कभी काट नहीं सकते।
(3) समोत्पाद वक्र मूल बिन्दु की ओर उत्तल या उन्नतोदर होते हैं।
(4) ऊंचा समोत्पाद वक्र उच्च उत्पादन स्तर को सूचित करता है।

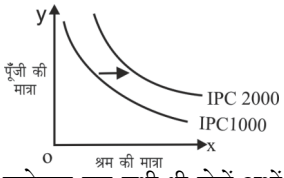

5. समोत्पाद वक्र कभी भी दोनों अक्षों को स्पर्श नहीं कर सकता।
6. समोत्पाद वक्रों में उत्पादन की मात्रा को दर्शाया जा सकता है, जबकि अनधिमान वक्र में संतुष्टि की मात्रा को नहीं दर्शाया जा सकता है।

17. निम्नलिखित में से यह कथन किसका है "मुद्रा एक अस्थायी क्रय शक्ति है ?

(a) इरविंग फिशर (b) विलियम जे. बॉमल
(c) जेम्स टोबिन (d) मिल्टन फ्रीडमैन

Ans : (d) "मुद्रा एक अस्थायी क्रय शक्ति है"-मिल्टन फ्रीडमैन मिल्टन फ्रीडमैन एक अमेरिकी अर्थशास्त्री और सांख्यिकीविद् थे जो स्वतंत्र बाजार में पूंजीवाद के समर्थक थे।

फ्रीडमैन के अनुसार- 'मुद्रा क्रयशक्ति के अस्थायी निवास के रूप में कार्य कर सकती है।' इसे नकदी, डिमांड डिपोजिट या किसी अन्य परिसम्पत्ति के रूप में रखा जाता है जो मुद्रा के समीप है, इसे निकट मुद्रा कहते हैं। यह मुद्रा की व्यापक माप प्रस्तुत करता है।
फ्रीडमैन ने अपने निबन्ध- the Quantity theory of money A- Restatement में कहा कि मुद्रा की मात्रा का सिद्धान्त मुद्रा की मांग का सिद्धान्त है न कि आय व कीमतों का।
फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा की मांग निम्न कारणों हेतु की जाती है-
(1) लेन-देन के उद्देश्य हेतु।
(2) क्योंकि मुद्रा एक सम्पत्ति है। इसलिए इनके सिद्धान्त को सम्पत्ति का सिद्धान्त भी कहते हैं।
(3) मुद्रा भी एक टिकाउ उपभोग वस्तु की तरह है।
फ्रीडमैन धन को मानवीय एवं गैर मानवीय दोनों रूपों में लिया इन्होने धन को बांड, इक्विटी, शेयर,मानवीय व गैर मानवीय रूपों में विभाजित किया।

18. यदि $\left(\frac{K}{L}\right)_A > \left(\frac{K}{L}\right)_B$ है, तो

(a) देश A श्रम प्रचुर है
(b) देश A पूँजी प्रचुर है
(c) देश A में पूँजी महँगी है
(d) देश A में श्रम सस्ता है

Ans : (b) इसका अर्थ यह होगा कि A देश में पूंजी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। जिस देश में पूंजी की मात्रा अधिक होती है वहाँ $\left(\frac{K}{L}\right)$ Ratio अधिक होता है i.e. उत्पादन में पूंजी की अधिक मात्रा का प्रयोग किया जाता है।

पूंजी श्रम अनुपात $\left(\frac{K}{L}\right)$ एक फर्म की पूंजी तीव्रता को माप सकता है यदि उत्पादन हेतु श्रम की लागत अधिक हो तो फर्म श्रम के स्थान पर पूंजी का अधिक प्रयोग करेगी। इसके अतिरिक्त यदि श्रम का अधिक कुशल उपयोग हो तो भी पूंजी की मात्रा अधिक लगती है जैसे-मोबाइल उपकरणों द्वारा आर्डर कर वस्तुओं का क्रय करना। अल्पावधि में पूंजी स्टॉक की तुलना में श्रम को अलग करना आसान होता है साथ ही उच्च पूंजी श्रम अनुपात वाले क्षेत्रों में उच्च वास्तविक मजदूरी होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. निम्नलिखित में से कौन-सा मुद्रा बाज़ार का उपकरण नहीं है?

(a) अधिमान शेयर (b) जमा का प्रमाण पत्र
(c) ट्रेज़री बिल (d) वाणिज्यिक प्रपत्र

Ans : (a) मुद्रा बाजार एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें वित्तीय संस्थान उधारकर्ताओं और निवेशकों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध रहती है। जिसमें अल्पकालिक प्रतिभूतियों का लेन-देन किया जाता है।
मुद्रा बाजारों पर बेंची जाने वाली अल्पकालिक प्रतिभूतियों को जिन्हें मुद्रा बाजार के साधन के रूप में जाना जाता है। मुद्रा बाजार में 1 दिन से लेकर 1 वर्ष से कम अवधि तक के लेन देन शामिल किए जाते है। ये अत्यन्त तरल होते हैं। इनके उपकरणों में ट्रेजरी बिल, फेडरल एजेन्सी नोट्स, जमा प्रमाण पत्र, व्यापारिक प्रपत्र, आदि उपकरण शामिल किये जाते हैं। जबकि अधिमान शेयर स्टॉक मार्केट से सम्बन्धित है।
अधिमान शेयर - यह वित्त का एक दीर्घकालिक स्रोत है, इन शेयरों पर देय लाभांश आमतौर पर डिबेंचर ब्याज से अधिक होता है। इन्हे लाभांश की एक निश्चित दर मिलती है। ये कर कटौती योग्य व्यय नहीं है। इनके शेयर धारकों को मतदान का अधिकार नहीं होता है।

20. पैरेटो अनुकूलता के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) उपभोक्ताओं के मात्रात्मक उपयोगिता फलन है।
(b) सभी वस्तुओं के उत्पादन में सभी साधनों का प्रयोग किया जाता है।
(c) उपभोक्ता अपनी संतुष्टि को अधिकतम करते हैं।
(d) साधन और वस्तु बज़ारों में पूर्ण प्रतियोगिता है।

Ans : (a) पैरेटो अनुकूलता - पैरेटो अनुकूलता संसाधनों के आवंटन की एक ऐसी स्थित है जिसमें से किसी भी एक व्यक्ति के कल्याण को कम किए बिना किसी अन्य व्यक्ति के कल्याण को नहीं बढ़ाया जा सकता। यदि किसी भी व्यक्ति के कल्याण को कम किए बिना किसी भी व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि होती है तो इसे पैरेटो सुधार कहा जायेगा।
पैरेटो ने निम्न प्रकार के कुशलता की बात की ।
1. उपभोग की कुशलता
2. उत्पादन की कुशलता
3. उत्पादन वितरण की कुशलता

पैरेटो अनुकूलता को first fundamental of Economic theorem कहा जाता है।

पैरेटो अनुकूलतम की मान्यताएं -
1. प्रत्येक व्यक्ति का अपना उपयोगिता फलन होता है जो क्रमागत उपयोगिता फलन है।
2. तकनीकि प्रगति स्थिर है
3. आगत स्थिर हैं।
4. पूर्ण प्रतियोगिता है
5. पूर्ण रोजगार की अवस्था है।
6. सभी वस्तुओं के उत्पादन में सभी साधनों का प्रयोग किया जाता है।
7. उपभोक्ता दिये हुए आय स्तर पर अपनी संतुष्टि को अधिकतम करना चाहता है।
8. उत्पादक दिये हुये तकनीकि स्तर पर अपने लाभ को अधिकतम करना चाहता है।
9. अन्तरव्यैक्तिक तुलना सम्भव नहीं है।

21. ''असममित सूचनाओं के साथ बाज़ारों के विश्लेषण'' हेतु निम्नलिखित में से किसे 'अर्थशास्त्र' में नोबल पुरस्कार दिया गया है ?

(a) रॉबर्ट ए. मुण्डेल (b) पॉल क्रूगमेन
(c) रिचर्ड थेलर (d) जार्ज ए. अकरलॉफ

Ans : (d) ''असममित सूचनाओं के साथ बाज़ारों के विश्लेषण'' हेतु जार्ज ए. अकरलॉफ को नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ।
असममित सूचना - जब दो पार्टीयों में किसी एक पार्टी को अपेक्षाकृत अधिक सूचनाएं प्राप्त होती हैं तो उसे असममित सूचना कहते हैं। इसके परिणाम स्वरूप बाजार में अधि या अल्प उत्पादन प्राप्त होता है। प्रो. जार्ज अकरलॉफ ने नींबू बाजार के विश्लेषण द्वारा असममित सूचनाओं की व्याख्या की।
अर्थशास्त्र में स्विडिश संस्था द्वारा नोबेल जारी किया जाता है सर्वप्रथम 1969 में आर्थर लेविस व जॉन टिनवर्जन को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया था।

22. टी. डब्ल्यू शुल्ज़ ने आर्थिक संवृद्धि के लिए शिक्षा के संबंध में निम्नलिखित अनुपात दिया है :

(a) शिक्षा-श्रम अनुपात
(b) शिक्षा-श्रम अनुपात, शिक्षा-आय अनुपात और शिक्षा-निवेश अनुपात
(c) शिक्षा-पूँजी और श्रम अनुपात
(d) शिक्षा-आय अनुपात

Ans : (b) टी. डब्ल्यू शुल्ज़ ने आर्थिक संवृद्धि हेतु-शिक्षा श्रम अनुपात, शिक्षा आय अनुपात और शिक्षा निवेश अनुपात को दिया।
T.W. शुल्ज प्रथम अर्थशास्त्री थे जिन्होंने सर्वप्रथम वैज्ञानिक रूप से मानवीय शिक्षा पर बल दिया।
शुल्ज ने अपनी पुस्तक The Economic Value of Education में मानवीय पूंजी पर बल दिया। इन्हे 1979 में अर्थशास्त्र में नोबेल प्राप्त हुआ था।
शुल्ज के अनुसार - ज्ञान और कौशल दोनों पूंजी का एक रूप है। मानव पूंजी में निवेश में वृद्धि और श्रमिकों की आय में वृद्धि के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। शुल्ज के अनुसार मानवीय पूंजी में निवेश से आशय लोगों में निवेश से है।

23. अवमूल्यन अधिक प्रभावी होगा जब-

(i) अंतर्राष्ट्रीय पूँजी का प्रवाह निर्बाध होता है।
(ii) अंतर्राष्ट्रीय पूँजी का प्रवाह निर्बाध नहीं होता है।
(iii) आयात की सीमांत प्रवृत्ति अधिक है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :

(i) केवल (iii) (ii) केवल (ii)
(iii) (i) और (iii) (iv) (ii) और (iii)

Ans : (b) अंतर्राष्ट्रीय पूँजी का प्रवाह निर्बाध नहीं होता है।
अवमूल्यन-अवमूल्यन से तात्पर्य जब किसी देश द्वारा सुनियोजित योजना के परिणामस्वरूप मुद्रा के बाह्य मूल्य को कम कर दिया जाता है जिसका उद्देश्य संरक्षणवादी नीति के तहत निवेश को बढाना, निर्यातों में वृद्धि एवं आयातों में कमी करना होता है।
मार्शल-लर्नर शर्त के अनुसार किसी भी देश का अवमूल्यन तभी प्रभावशाली होगा जब निर्यात, आयात की मांग लोच इकाई से अधिक हो।
$e_x+e_m > 1$ - अवमूल्यन प्रभावी होगा
$e_x+e_m = 1$ - अवमूल्यन का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
$e_x+e_m < 1$ - अवमूल्यन से सम्बन्धित देश को हानि होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सिड़नी अलेक्जेन्डर के अनुसार–

C.P.M.P. > 1-अवमूल्यन से हानि होगी (B.O.P. में हानि)
C.P.M.P. < 1-अवमूल्यन से लाभ होगा (B.O.P. में सुधार)
C.P.M.P. = 1 =अवमूल्यन का कोई प्रभाव नहीं होगा
(B.O.P. में तटस्थता)

जहाँ CP उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति
MP आयात की सीमान्त प्रवृत्ति

24. 'सतत आर्थिक कल्याण के सूचकांक' की गणना हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा संशोधन सकल घरेलू उत्पाद में किया जाता है?

(a) रक्षा पर किए गए व्यय के मौद्रिक मूल्य को घटाया जाता है
(b) पर्यावरणीय क्षरण की लागत को घटाया जाता है
(c) मूल्यह्रास का मौद्रिक मान घटाया जाता है
(d) बाढ़ और सूखे से हुई हानि के मौद्रिक मूल्य को घटाया जाता है।

Ans : (b) 'सतत आर्थिक कल्याण सूचकांक की गणना हेतु पर्यावरणीय क्षरण की लागत को सकल घरेलू उत्पाद में घटाया जाता है।
सतत आर्थिक कल्याण सूचकांक की धारणा का प्रतिपादन रहमान डेली, जॉन कॉब तथा क्लीफोर्ड कॉब ने विकसित किया। यह धारणा जी.डी.पी. में मापित उपभोग को पहले लेती है तथा उसमें आय में वितरण की विषमता, घरेलू उत्पाद तथा क्रियायें, आर्थिक विकास के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव कम करने के सम्बन्ध में किए गए व्यय, लोक हानि, पर्यावरणीय लागत तथा क्षति आदि को समायोजित कर लेते है।

25. वर्ष 2015-16 में, भारत निम्नलिखित उत्पादों में से किसका निवल आयातक रहा है?

(i) सेब
(ii) चावल
(iii) दाल

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (ii) और (iii) (b) (i), (ii) और (iii)
(c) (i) और (iii) (d) केवल (ii)

Ans : (d) नोट - NTANET के अंग्रेजी प्रक्रम में NET Export उल्लेखित था। कारणवश सही उत्तर निवल निर्यात को माना गया है अतः सही उत्तर चावल होगा।
भारत में 2015-16 में कृषि निर्यातों में 10% की गिरावट आयी इसका मुख्य कारण चावल, भैंस के मांस, ग्वारगम जैसी प्रमुख निर्यात योग्य वस्तुओं में गिरावट रही है। हलांकि भैंस के मांस का निर्यात बासमती चावल से अधिक रहा है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद और निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के आंकड़ों के अनुसार कृषि उत्पाद के निर्यात का वित्त वर्ष 2015 में 1.31 लाख करोड़ के मुकाबले 1.05 लाख करोड़ तक गिर गया है।
भारत में 2015-16 में निवल निर्यात की मदें-बासमती चावल (हरियाणा, पंजाब), भैंस का मांस (पश्चिमी उत्तर प्रदेश), अंगूर और शराब (नासिक), अनार (महाराष्ट्र के सतारा और पूणे क्षेत्र), निर्जलित प्याज लहसुन (गुजरात) मुर्गी या अण्डा, आम का गूदा (उ. प्र. और महाराष्ट्र) आदि है।
भारत में निवल आयात की मदें-सेब, दालें हैं।
नोट- भारत ने गेहूँ, मक्का और गैर बासमती चावल जैसे अनाज के आयात की अनुमति दी है 2014-17 के बीच इन अनाजों के आयात की मात्रा में 110 गुना वृद्धि हुई है।

26. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन निम्नलिखित में से किस वर्ष शुरू किया गया?

(a) 2005 (b) 1998
(c) 2009 (d) 1991

Ans : (a) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन - राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरूआत 12 अप्रैल 2005 में की गई थी। यह सम्पूर्ण भारत के ग्रामीणों के स्वास्थ्य सुधार हेतु कार्यक्रम है।
दृष्टि - NRHM (2005-12) ग्रामीण क्षेत्र के लिए प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा।
इसमें प्रभावी उपचारात्मक देखभाल के लिए और संस्थागत प्रसव को मजबूत बनाने के लिए ग्रामीण अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण किया जायेगा।
यह स्वास्थ्य के लिए एक जिला योजना के माध्यम से सफाई और स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ जल जैसे स्वास्थ्य मानकों की समस्याओं को निपटान करेगा।
उद्देश्य
1. शिशु मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर में कमी लाना।
2. संचारी व गैर संचारी रोगों का नियंत्रण।
3. व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल करना।
4. स्वास्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना।

27. नए व्यापार सिद्धान्त के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) यह इस बात की व्याख्या करता है कि देश क्यों सदृश वस्तुओं में व्यापार करते हैं।
(ii) यह मुक्त व्यापार मानता है
(iii) यह मानता है कि व्यापार एकाधिकारी दशाओं में होता है।
(iv) यह उत्पादन में पैमाने की मितव्ययिता का लाभ उठाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही है?

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (iii) और (iv) (b) (ii) और (iv)
(c) (i) और (ii) (d) (i) और (iii)

Ans : (a) नए व्यापार सिद्धान्त में इस बात की व्याख्या की गई है कि देश क्यों सदृश वस्तुओं में व्यापार करते हैं।

- यह मानता है कि व्यापार एकाधिकारी दशाओं में होता है
- यह उत्पादन में पैमाने की मितव्ययिता का लाभ उठाता है।

नया व्यापार सिद्धान्त 1970-80 के दशक में प्रारम्भ हुआ नया व्यापार सिद्धान्त मार्क मेलिट्ज और पोल एंटूस ने प्रतिपादित किया था। इसमें मध्यवर्ती वस्तुओं के बढ़ते चलन पर जोर दिया गया। यह एकाधिकार प्रतियोगिता, पैमाने के बढ़ते प्रतिफल की धारणाओं पर आधारित है, सभी फर्में सममित हैं अर्थात सभी के उत्पादन गुणांक समान है।

28. वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा जारी किया जाता है ?

(a) विश्व व्यापार संगठन (b) विश्व बैंक
(c) यूरोपियन संघ (d) विश्व आर्थिक मंच

Ans : (d) वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट World Economic Forum (विश्व आर्थिक मंच) द्वारा जारी की जाती है।
विश्व आर्थिक मंच की स्थापना 1971 में यूरोपियन प्रबन्धन के नाम से जिनेवा विश्वविद्यालय में कार्यरत प्रो. क्लॉस एम श्राब द्वारा की

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

गई थी। वर्ष 1987 में इसका नाम विश्व आर्थिक मंच कर दिया गया। तब से प्रतिवर्ष जनवरी माह में इसके बैठक का आयोजन होता है।
विश्व आर्थिक मंच एक गैर लाभकारी संस्था है इसका मुख्यालय जिनेवा में है। इसका मिशन विश्व के व्यवसाय, राजनीति, शैक्षिक और अन्य क्षेत्रों में अग्रणी लोगों को एक साथ ला कर वैश्विक, क्षेत्रीय और औद्योगिक दिशा तय करना है।
विश्व आर्थिक मंच में सदस्यता के लिए वे कम्पनियां चुनी जाती है। जो विश्व भर में अग्रणी है।
विश्व आर्थिक मंच निम्न रिपोर्ट / सूचकांक को प्रकाशित करता है।

वैश्विक सूचना एवं तकनीकि रिपोर्ट	-	WEF
वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट	-	WEF
यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट	-	WEF
वैश्विक सक्षम व्यापार रिपोर्ट	-	WEF
वैश्विक ऊर्जा एवं वास्तुकला प्रदर्शन सूचकांक	-	WEF
वैश्विक पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक	-	WEF
समावेशी विकास सूचकांक	-	WEF
वैश्विक शक्तिशाली भाषा सूचकांक	-	WEF
मानव पूंजी सूचकांक	-	WEF
वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक	-	WEF

WEF 2019 की वार्षिक बैठक दाओस में सम्पन्न होती है।
जो 22.01 2019 - 25.01 2019 तक होगी।

व्यवस्था करने वाला	-	CGIAR
चुनौतियां	-	समृद्धि

29. निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों में से किसने प्रकृति को कृपणता युक्त माना है?

(a) जे. एस. मिल (b) डेविड रिकार्डो
(c) कार्ल मार्क्स (d) थॉमस रॉबर्ट माल्थस

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (ii) और (iv)
(c) (ii) और (iii) (d) (iii) और (iv)

Ans : (b) डेविड रिकार्डो, थॉमस रॉबर्ट माल्थस
डेविड रिकार्डो ने लाभ के सिद्धान्त, मूल्य के श्रम सिद्धान्त, तुलनात्मक लाभ सिद्धान्त तथा लगान के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक Principles of Political Economy and taxation थी।
रिकार्डो ने लगान सिद्धान्त में कहा-लगान भूमि की मौलिक एवं अविनाशी शक्तियों के परिणामस्वरूप प्राप्त होता है।
लगान भूमि की उर्वरता में भिन्नता के कारण प्राप्त होता है। भूमि के प्रत्येक खण्ड में उत्पादन लागत समान होती है अतः सीमान्त भूमि लगान रहित भूमि होगी।
प्रो. माल्थस - प्रो. माल्थस ने अपनी पुस्तक "An Essay on the Principle of population" में जनसंख्या सिद्धान्त का प्रतिपादन किया । जिसमें उन्होंने कहा कि-प्रकृति की दावत सीमित बेंचों के लिए लगी है जो बिना बुलाये आयेगा वह भूखा जायेगा उन्होंने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि ज्यामितीय अनुपात में होती है।
2, 4, 8, 16, 32 ---------
जबकि खाद्यान्नों में वृद्धि (2,4,6,8) अंकगणितीय अनुपात में होती है।

30. पूँजी खाता-भुगतान संतुलन में निम्नलिखित में से कौन-सा सम्मिलित नहीं है?

(a) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का संतुलन
(b) विदेशी सरकारों का सरकारी ऋण
(c) निवल आय अंतरण
(d) विदेशी पोर्टफोलियो निवेश

Ans : (c) पूँजी खाता-भुगतान संतुलन में
निवल आय अंतरण को नहीं शामिल किया जाता है।
भुगतान संतुलन के अन्तर्गत - दो खाते शामिल होते हैं- पूंजी खाता तथा चालू खाता।
चालू खाते के अन्तर्गत - व्यापार शेष (माल और सेवा के आयात-निर्यात, निवल आय अन्तरण, लाभांश, ब्याज और अन्तरण भुगतान) शामिल किया जाता है।
चालू खाते में न केवल वस्तुओं के आयात-निर्यात को शामिल किया जाता है बल्कि इसके अतिरिक्त अदृश्य लेन-देनों को भी शामिल किया जाता है। अदृश्य लेन-देन को तीन भाग में बांटते है-
(1) सेवायें जिनमें यात्रा, यातायात, अन्य सम्मिलित सरकार शामिल है।
(2) आय
(3) अन्तरण, अनुदान, उपहार, विप्रेषण आदि जिनके बदले कुछ देय नहीं होता।

पूंजी खाता - यह पूंजी का वित्तीय प्रवाह प्रदर्शित करता है। इसके अन्तर्गत स्वर्ण सहित अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक अन्तर्राष्ट्रीय पूंजीगत हस्तान्तरण सम्मिलित होते हैं। इसके अन्तर्गत सम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए कोषों के हस्तान्तरण सम्बन्धित सभी भुगतानों, सभी ऋणों तथा सभी विनियोगों को सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार के लेन-देन निजी व्यक्तियों या संस्थाओं या सरकारों द्वारा अथवा दोनों के द्वारा हो सकता है।
पूंजी खाते के प्रमुख अवयवों में विदेशी निवेश, ऋण तथा बैंकिग पूंजी शामिल किए जाते हैं। विदेशी निवेश के दो रूप होते है- F.D.I., F.I.I.

31. निम्नलिखित में से किसको रोस्टोव के आर्थिक संवृद्धि के चरण मॉडल में तीसरा चरण माना जाता है ?

(a) उड़ान
(b) उड़ान की अवस्था के लिए पूर्व शर्त
(c) परम्परागत समाज अवस्था
(d) उच्च जन उपभोग अवस्था

Ans : (a) प्रो. रोस्टोव ने कार्ल मार्क्स की पुस्तक Communist Manifesto के विरोध में अपनी पुस्तक The Stages of Economic Growth : A Non Communist Manifesto का प्रतिपादन किया। जिसमें उन्होंने आर्थिक संवृद्धि के 5 चरणों की व्याख्या की ।
1. पारम्परिक समाज।
2. आत्मस्फूर्ति की पूर्ववर्ती अवस्था।
3. आत्मस्फूर्ति की अवस्था।
4. उच्च तकनीकि की अवस्था।
5. उच्च जन उपभोग की अवस्था।

पारम्परिक समाज - यह न्यूटन के सिद्धांत के पूर्व का समाज है। जहां तकनीकि पिछड़ापन, कृषि पर निर्भरता, बच्चों को सम्पत्ति समझा जाता है।
आत्मस्फूर्ति की पूर्ववर्ती अवस्था - धीरे-धीरे समाज में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन होते हैं, उत्पादन की प्रकृति में परिवर्तन होता है, लोग कृषि क्षेत्र से औद्योगिक क्षेत्र की ओर उत्पादन के लिए उन्मुख होते हैं।
आत्म स्फूर्ति की अवस्था $\Rightarrow$ **उड़ान** = यह वह अवस्था है, जबकि स्थिर संवृद्धि की विरोधी परम्परागत तथा प्राचीन शक्तियां पूर्णतः समाप्त हो जाती हैं, आर्थिक संवृद्धि लाने वाली शक्तियां अधिक प्रबल हो जाती हैं। यह वह अवस्था होगी जब राष्ट्रीय आय 10% से अधिक विनियोजित हो।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उच्च तकनीकि की अवस्था-इसमें आधुनिक तकनीकों को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू किया जाता है। राष्ट्रीय आय का 10-20% निवेश किया जाता है। जिससे जनसंख्या में वृद्धि को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से उत्पादन की अनुमति मिलती है।

उच्च जन उपभोग की अवस्था - यह आराम की अवधि को सन्दर्भित करती है, जिसमें उपभोक्त टिकाऊ वस्तुओं पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।

32. किसी रेखीय समघातीय कॉब-डगलस उत्पादन फलन वाली अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन में पूँजी तथा श्रम का हिस्सा क्रमशः 40% तथा 60% है। पूँजीगत स्टॉक तथा श्रम शक्ति में क्रमशः 8% तथा 3% वार्षिक की दर से वृद्धि हो रही है। यदि उत्पादन की वृद्धि दर 7% वार्षिक दर्ज की गई है, तो कुल साधन उत्पादकता की वृद्धि दर क्या होगी?

(a) 2 %
(b) 11%
(c) 4 %
(d) 10%

Ans : (a) $Q = AK^{\alpha}L^{\beta}$

$$\frac{\Delta Q}{Q} = \frac{\Delta A}{A}\cdot A\times 100 + \frac{\Delta L}{L}\cdot L\times 100 + \frac{\Delta K}{K}\cdot K\times 100$$

$$7\% = A + \frac{60}{100}\times\frac{3}{100}\times 100 + \frac{40}{100}\times\frac{8}{100}\times 100$$

$$7\% = A + \frac{18}{1000}\times 100 + \frac{32}{1000}\times 100$$

$$7\% = A + 1.8\% + 3.2\%$$

$$\frac{\Delta A}{A} = 7\% - 5\%$$

$$= 2\%$$

33. प्रतिकूल चयन की समस्या निम्नलिखित में से किस कारण से उत्पन्न होती है ?

(a) कोई सूचना नहीं
(b) पूर्ण सूचना
(c) असममित सूचना
(d) गलत सूचना

Ans : (c) प्रतिकूल चयन की समस्या-
प्रतिकूल चयन सामान्यतः अर्थशास्त्र, बीमा और जोखिम प्रबन्धन में उपयोग किया जाता है। जहाँ बाजार भागीदार असममित जानकारी से प्रभावित होते हैं।

प्रतिकूल चयन सामान्यतः - ऐसी स्थिति को सन्दर्भित करता है जहां विक्रेताओं तथा क्रेताओं दोनों में से विक्रेताओं के पास अधिक सूचना एकत्र होती है। तथा बीमा कम्पनियों के सन्दर्भ में क्रेताओं के पास अधिक सूचना उपलब्ध होती है। जिसके कारण नैतिक दुष्वारियां जैसी समस्यायें उत्पन्न होती है।

नैतिक दुष्वारियां - जब कोई व्यक्ति दूसरे के हितों को ध्यान में न रखकर निजी हित में कार्य करता है। तो उसे नैतिक दुष्वारियां कहते हैं। जैसे कि बैंक का प्रबन्धक बैंक के हित में कार्य न करके निजी हित में कार्य करने लगे।

असममित सूचना-दो पक्षों में से किसी एक पक्ष को अधिक जानकारी उपलब्ध होना।

34. कीन्सियन मॉडल के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) यह संसाधनों का पूर्ण उपयोग मानता है।
(b) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(c) यह मुद्रा बाज़ार की उपेक्षा करता है
(d) यह आपूर्ति निर्धारित है।

Ans : (b) प्रो. जॉन मेनार्ड कीन्स ने क्लासिकल अर्थशास्त्रीयों की आलोचना करते हुये प्रभावी मांग के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।
प्रभावी मांग $\Rightarrow$ समग्र मांग = समग्र पूर्ति
इनके अनुसार प्रभावी मांग में वृद्धि होने से कुल रोजगार, आय, उत्पादन में वृद्धि होती है।

कीन्सियन सिद्धान्त की मान्यताएँ-

1. अल्पकालिक मॉडल
2. अपूर्ण प्रतियोगिता
3. कुल मूल्य स्तर दिया हुआ है अर्थात् सभी चर वास्तविक चर हैं।
4. अर्थव्यवस्था में अतिरेक उत्पादन क्षमता विद्यमान है।
5. अर्थव्यवस्था एक बंद अर्थव्यवस्था है।
6. पूर्ति दी हुई है।
7. अपूर्ण रोजगार की अवस्था है।
8. सभी करों का भुगतान घरेलू क्षेत्र द्वारा किया जाता है।

35. वर्ष 2017 के लिए विश्व बैंक आँकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) वर्ष 2017 के अंत में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन डॉलर है।
(b) उपर्युक्त दोनों
(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(d) भारत इस समय विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

Ans : (d) वर्ष 2017 के लिए विश्व बैंक आँकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 6वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।

विश्व बैंक के अनुसार-1.2 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। पिछले 1 दशक में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में देश का एकीकरण आर्थिक विकास के साथ हुआ है। भारत में प्रति वर्ष 7% से अधिक वृद्धि होने के उम्मीद है।
भारत में 176 मिलियन लोग गरीब हैं। भारत अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के साथ-साथ 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यरत है।

36. अन्य सभी बातों के समान होने की दशा में सरकार के खर्चे के स्तर में वृद्धि का IS-LM मॉडल के अन्तर्गत निम्नलिखित में से क्या प्रभाव पड़ेगा?

(a) सभी ब्याज दरों में वृद्धि LM वक्र का बायीं ओर अन्तरण
(b) अर्थव्यवस्था को सदैव पूर्ण रोज़गार की ओर ले जाना
(c) ब्याज दरों में कमी, LM वक्र का दायी ओर अन्तरण
(d) सभी ब्याज दरों पर संतुलन आय के स्तर में वृद्धि, IS वक्र का दायीं ओर अन्तरण

Ans : (d) IS-LM Model के अन्तर्गत यदि अन्य बातें समान रहें तथा सरकार के व्यय में वृद्धि हो तो सभी ब्याजदरों पर संतुलन आय के स्तर में वृद्धि, IS का वक्र का दायीं ओर अन्तरण होगा।
IS-LM Model का प्रतिपादन हिक्स तथा हेन्सन ने किया था। IS-LM मॉडल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय आय की क्रिया को स्पष्ट करना है तथा वस्तु बाजार तथा मुद्रा बाजार को समन्वित कर संस्थिति की समस्या का निराकरण करना है वस्तु बाजार उस समय संस्थिति में होगा जब बचत तथा विनियोग बराबर (S=I) हो, तथा मुद्रा बाजार तब संस्थिति में होगा जब मुद्रा की मांग तथा मुद्रा की पूर्ति बराबर हो सम्पूर्ण बाजार तक संस्थिति होगा जब दोनों बाजारों में संस्थिति की स्थिति हो।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

IS वक्र बाये से दायें नीचे गिरता हुआ होता है क्योंकि ब्याजदर कम होने से निवेश में वृद्धि होती है।

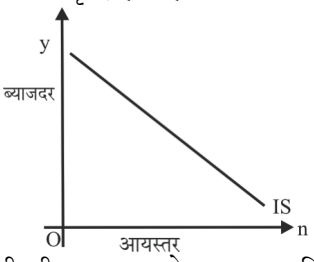

IS-वक्र की तीव्रता गुणक के मूल्य पर निर्भर करती है, गुणक MPC पर निर्भर करता है।

सार्वजनिक व्यय, उपभोग, निवेश निर्यात में वृद्धि होने से IS-वक्र दाहिने ओर विवर्तित होगा। और यदि मुद्रा की पूर्ति स्थिर हो तो ब्याजदर में वृद्धि होगी।

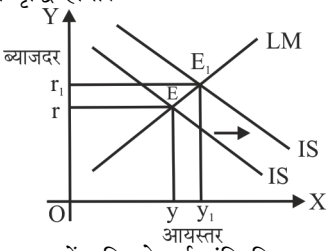

सार्वजनिक व्यय में वृद्धि से नई संस्थिति E_1 प्राप्त होती है जिस पर आय तथा ब्याजदर दोनों बढ़कर y से y_1 तथा r से r_1 हो गई है।

37. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में निम्नलिखित घटनाओं को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(i) बैंको के राष्ट्रीयकरण का प्रथम चरण
(ii) बैंको के सुधार हेतु नरसिम्हन समिति
(iii) FEMA Act
(iv) EXIM बैंक की स्थापना

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (i) (iv) (ii) (iii)
(c) (i) (iii) (iv) (ii)
(d) (i) (ii) (iii) (iv)

Ans : (b)

1. बैंको के राष्ट्रीयकरण का प्रथम चरण - 1969
2. EXIM बैंक की स्थापना - 1982
3. बैंको के सुधार हेतु नरसिम्हन समिति - 1991
4. FEMA Act - 1999

38. अप्रत्यक्ष करों को प्रतिगामी क्यों कहा जाता है?

(a) उपर्युक्त में से कोई भी सही नहीं है
(b) ये प्रत्यक्ष कर की तुलना में उच्चतर दरों पर प्रभारित किए जाते हैं।
(c) उपर्युक्त दोनों सही हैं
(d) ये सभी आय समूहों के लिए समान दर पर प्रभारित किए जाते है।

Ans : (d) ये सभी आय समूहों के लिए समान दर पर प्रभारित किए जाते हैं अप्रत्यक्ष कर जैसे-बिक्री कर, प्रति इकाई कर, मूल्य वर्धित कर, माल और सेवा कर आदि। अप्रत्यक्ष कर में VAT की अवधारणा का प्रतिपादन 1918 में विल्हेम वॉन सीमेंस ने किया था। अप्रत्यक्ष कराधान आमतौर पर कर राजस्व उत्पन्न की जाने वाली रणनीति है। यह समाज के सभी वर्गों के लिए समान रूप से लागू किया जाता है। चूंकि कर की लागत आय के अनुसार अलग-अलग नहीं होती इसलिए अप्रत्यक्ष कर में मूल्यानुसार कर व विशिष्ट कर शामिल किए जाते हैं। चूंकि प्रतिगामी करों की प्रकृति में आय में वृद्धि के अनुसार कर की दर में गिरावट होती जाती है जिससे आय के असमान वितरण में वृद्धि होती है क्योंकि अमीर की अपेक्षा गरीब पर अधिक कर लगाया जाता है। इसी प्रकार अप्रत्यक्ष कर आय स्तर को ध्यान में न रखकर उपभोग पर आधारित होते हैं जिससे आय के वितरण में विषमता आती है। अतः अप्रत्यक्ष कर प्रतिगामी प्रकृति के होते हैं।

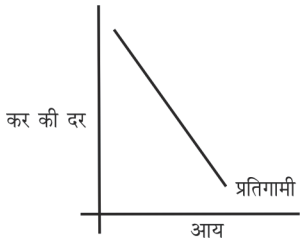

39. यह धारणा कि निजी क्षेत्र द्वारा महँगे नए ज्ञान की कम आपूर्ति की जाएगी, नए ज्ञान की आवश्यक विशेषता पर आधारित है?

(a) (A) गैर-प्रतिस्पर्धी (B) अपवर्जनीय
(b) (A) प्रतिस्पर्धी (B) गैर-अपवर्जनीय
(c) (A) गैर-प्रतिस्पर्धी (B) गैर-अपवर्जनीय
(d) (A) प्रतिस्पर्धी (B) अपवर्जनीय

Ans : (c) गैर प्रतिस्पर्धी तथा गैर अपवर्जनीय
सार्वजनिक वस्तुओं की प्रकृति गैर प्रतिस्पर्धी व गैर अपवर्जनीय होती है जिसमें व्यक्तियों को इसलिए उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता कि वे उपभोग के व्यय के लिए समर्थ नहीं हैं।

40. नव-क्लासिक संवृद्धि मॉडल के संबंध में क्या सही है?

(i) ब्याज की दर और लाभ नम्य हैं
(ii) पूँजी विषमांग है
(iii) पूर्ण प्रतियोगिता होती है
(iv) पूँजी और श्रम प्रतिस्थापनीय हैं

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) उपर्युक्त सभी
(c) (i), (iii) और (iv) (d) (ii) और (iii)

Ans : (c) नव क्लासिकल अर्थशास्त्री क्लासिकल विचारधारा को त्यागकर नए विचार को प्रस्तुत किया। उनके अनुसार दिये गये तकनीकि स्तर में पूंजी और श्रम के निश्चित संयोग की आवश्यकता होती है। उन्होंने श्रम के लिए पूंजी के प्रतिस्थापन की सम्भावना को स्वीकार किया।

नव क्लासिकल अर्थशास्त्रीयों के अनुसार - ब्याजदर और आय का स्तर समाज में बचत की दर का मुख्य निर्धारक है। अनिश्चितताओं और भविष्य के जोखिमों के कारण एक व्यक्ति आमतौर पर भविष्य के लिए वर्तमान को प्राथमिकता देता है इस प्रकार लोगों के बचतों में वृद्धि के लिए ब्याजदर सकारात्मक होना चाहिए।

नव क्लासिकल संवृद्धि मॉडल की मान्यताएं

(1) ब्याजदर और लाभ नम्य हैं।
(2) पूर्ण प्रतियोगिता होती है।
(3) पूंजी व श्रम प्रतिस्थापनीय हैं।

अन्य मान्यताएं -

1. संयुक्त वस्तु का उत्पादन होता है।
2. कीमतें, मजदूरीयां लचीली हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

3. पूर्ण रोजगार की अवस्था है।
4. तकनीकि स्थिर है
5. बचत अनुपात स्थिर है।
6. सामान्य संतुलन विश्लेषण है।

41. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में 'राउंड ट्रिपिंग' एक पद्धति है

(a) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश बढ़ाने की
(b) निर्यात को बढ़ाने की
(c) 'स्टार्ट अप' के वित्तपोषण की
(d) कर अपवंचन की

Ans : (d) इसे राउण्ड ट्रिप को (जाना तथा पुनः वापस लौटना) व्यवहार भी कहते हैं। बाल स्ट्रीट जर्नल इसे अदल-बदल व्यवहार के रूप में लेता है। जिसमें एक कम्पनी अपनी अप्रयुक्त सम्पत्ति को दूसरी कम्पनी को बेंचने का समझौता करती है तथा साथ ही यह भी स्वीकार करती है कि किसी भावी तिथि पर वह उसका क्रय कर लेगी इस प्रकार उसकी सम्पत्ति उसी के पास आ जायेगी। पर सामान्यतः इसका प्रयोग मनी लॉड्रिंग ब्लैक मनी के सन्दर्भ में करते हैं भारत में जनित ब्लैक मनी को भारत में ही पुनः विदेशी निवेश के रूप में वापस लौटाना राउण्ट ट्रिपिंग का उदाहरण है। ऐसा माना जाता है कि ADR, GDR का अधिकांश भाग वह ब्लैकमनी है जिसे टैक्स हैवेन देश के रास्ते से विदेशी निवेश के रूप में भारत White Money बनाकर लाया जाता है।

42. किसी परिकल्पित अर्थव्यवस्था में, मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) की वृद्धि दर 15% वार्षिक है, सकल घरेलू उत्पाद अवस्फीतक की वार्षिक वृद्धि दर 5% है। यदि जनसंख्या में 2% प्रतिवर्ष की दर से वृद्धि हो रही हो, तो प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि दर क्या होगी?

(a) 8% (b) 10%
(c) 7% (d) 3%

Ans : (a) Nominal GDP Growth Rate = 15%
Deflator = 5%
Population growth Rate = 2%

$$\text{Deflator} = \frac{\text{Nominal GDP}}{\text{real GDP}} \times 100$$

$$\text{Deflator} = \frac{115}{105} \times \frac{115}{\textit{RealG.D.P.}} \times 100$$

Real G.D.P. $\Rightarrow$ Deflator — Increamental of Population

$$\text{real G.D.P} = \frac{115}{105} \times 100$$
$$= 1.095 \times 100$$
$$= 10\ \% \text{ लगभग}$$
$$= 10\% - 2\%$$
$$= 8\% \text{ Ans}$$

∴ Real G.D.P = में जनसंख्या वृद्धि को घटा दिया जाता है।

43. निम्नलिखित में से कौन-सा सरकार द्वारा ऋण लेने में उपकरण के रूप में कार्य करता है?

(i) पुनः खरीद दर (रेपो रेट)
(ii) प्रत्यावर्ती पुनः खरीद दर (रिवर्स रेपो रेट)
(iii) आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सी. आर. आर.)
(iv) वैधानिक तरलता अनुपात (एस. एल. आर.)

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) और (iv) (b) (i) और (iii)
(c) (iii) और (iv) (d) केवल (iv)

Ans : (d) वैधानिक तरलता अनुपात भारत में वाणिज्यिक बैंको को ऋण प्रदान करने से पहले नकदी, स्वर्ण भण्डार, सरकार द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियों के रूप में बनाये रखने के लिए आवश्यक है। वैधानिक तरलता अनुपात RBI द्वारा निर्धारित किया जाता है वर्तमान समय में SLR 19.5% है। यह भारत में ऋण वृद्धि को नियंत्रित करता है। SLR द्वारा बांड, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने के लिए वाणिज्य बैंको को मजबूर किया जा सकता है।

REPO Rate - यह वह दर है जिस पर किसी देश का केन्द्रीय बैंक किसी भी तरह की तरलता की कमीं में वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है जो इस अनुबन्ध के साथ देता है कि वह इसे एक निश्चित समयावधि के बाद पुनः क्रय कर लेगा।

Reverse Repo Rate - यह वह दर है जिस पर किसी देश का केन्द्रीय बैंक तरलता आधिक्य की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों से ऋण प्राप्त करता है जो इस अनुबन्ध के तहत प्राप्त करता है कि एक निश्चित समयावधि के बाद पुनः वापस लौटा देगा।

C.R.R. - आरक्षित नकदी निधि अनुपात वह अनुपात है जिसमें वाणिज्यिक बैंको को अपनी आय का एक निश्चित अनुपात R.B.I. में रखना होता है।

44. निम्नलिखित पर विचार कीजिए :

(i) अनुषंगी लाभ कर
(ii) पूँजीगत अभिलाभ कर
(iii) प्रतिभूति लेन-देन कर

उपर्युक्त में से कौन सा /से प्रत्यक्ष कर है/हैं?

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूटः

(a) (i) और (iii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) केवल (i)

Ans : (c) अनुषंगी लाभ कर, प्रतिभूति लेनदेन कर, पूंजीगत अभिलाभ कर ये तीनों प्रत्यक्ष कर हैं।

अनुषंगी लाभ कर - भारत में 2005 के वित्त अधिनियम ने एक नये शुल्क की शुरुआत की जिसे अनुषंगी लाभ कर कहा गया। यह आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय 12H में अर्न्तनिहित है। अनुषंगी लाभ कर उन नियोक्ताओं द्वारा देय होता है जो एक कम्पनी, एक फर्म, व्यक्तियों का एक संगठन, एक स्थानीय प्राधिकरण, एकल व्यापारी या कृत्रिम न्यायिक व्यक्ति है।

पूंजी अभिलाभ कर- कोई प्रतिभूति, शेयर, मकान या अन्य कोई सम्पत्ति जब अपनी क्रय लागत या निर्माण लागत से अधिक पर बिकती है तो इस प्रकार के होने वाले लाभ को पूंजी लाभ कहते हैं। शेयर तथा प्रतिभूतियों के सम्बन्ध में अल्पकालीन पूंजी लाभ की दर 15% है। तथा दीर्घकाल में 20% की दर से लाभ कर लगाया जाता है। 14 वर्ष के अन्तराल के बाद बजट 2018-19 में इक्विटी शेयर के सम्बन्ध में उत्पन्न दीर्घकालीन पूंजी लाभ को 10% की दर से करारोपित करने की बात की गई।

प्रतिभूति लेन-देन कर-इसे आवर्त कर कहा जाता है यह 2004 से प्रारम्भ किया गया प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय से उत्पन्न लाभ में जो कर लगाया जाता है उसे प्रतिभूति लेन-देन कर कहते हैं।

45. प्रसामान्य लाभ के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) यह केवल दीर्घ अवधि में अर्जित किया जाता है।
(b) यह केवल अल्प अविध में अर्जित किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) यह केवल पूर्ण प्रतियोगिता में अर्जित किया जाता है।
(d) यह दीर्घ अवधि और अल्प अवधि दोनों में अर्जित किया जाता है।

Ans : (d) प्रसामान्य लाभ-दीर्घ अवधि और अल्प-अवधि दोनों में अर्जित किया जाता है।
पूर्ण प्रतियोगिता, अल्पाधिकार, एकाधिकार, अपूर्ण प्रतियोगिता आदि बाजारों में एक फर्म अल्पकाल में तीन प्रकार की स्थितियों में हो सकती है।
(1) सामान्य लाभ
(2) असामान्य लाभ
(3) हानि की स्थिति
पूर्ण प्रतियोगिता में दीर्घकाल में एक फर्म केवल सामान्य लाभ प्राप्त करेगी जबकि एकाधिकारी बाजार में दीर्घकाल में फर्म असमान्य लाभ प्राप्त करेगी। अतः उपरोक्त कथनों में सर्वाधिक उपर्युक्त कथन सही है।
असामान्य लाभ-

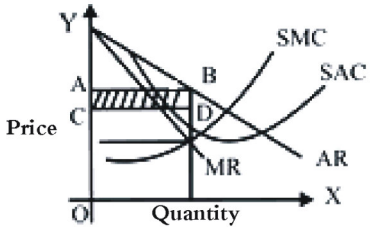

ABCD = असामान्य लाभ है क्योंकि AR >AC है।
सामान्य लाभ =

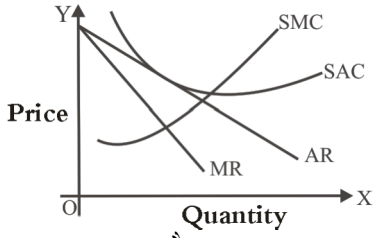

∴ SAC = AR है।
हानि की स्थिति

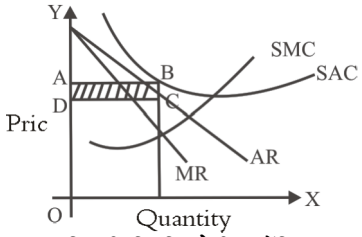

ABCD = हानि की स्थिति होगी क्योंकि SAC >AR

46. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
(i) आगत अनुपात अपरिवर्तित रहता है।
(ii) अंततः परिवर्तनशील आगत की सीमांत और औसत उत्पादकता ऋणात्मक हो जाती है।
(iii) निर्गत पर तकनीकी परिवर्तन का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए :
कूट :
(a) केवल (ii) सही है
(b) (i) और (ii) सही है
(c) उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है
(d) (ii) और (iii) सही है

Ans : (c) उत्पादन फलन ⇒ आगतों, निर्गतों के मध्य पाये जाने वाले तकनीकि सम्बन्ध को उत्पादन फलन कहते हैं।
परिवर्तनशील अनुपात के नियम की मान्यताएं -
(1) उत्पादन फलन का सम्बन्ध किसी निश्चित समयावधि से होता है।
(2) उत्पादन फलन के सभी साधन अल्पकाल में परिवर्तित नहीं किए जा सकते । अर्थात् अल्पकाल में फर्म के कुछ साधन स्थिर तथा अन्य परिवर्तनशील होते हैं।
(3) दीर्घकाल में उत्पादन फलन के सभी साधन परिवर्तनशील होते हैं।
(4) तकनीकि तटस्थ है
(5) उत्पत्ति साधनों को छोटी-छोटी इकाईयों में विभाजित किया जा सकता है।

47. निम्नलिखित में से कौन-सा कोष की सीमान्त लागत आधारित उधारी दर (एम. सी. एल. आर.) का उद्देश्य नहीं है।
(a) स्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने में आर. बी. आई. को समर्थ करना
(b) नीति दरों के बैंकों की उधारी दरों पारेषण को सुधारना
(c) ब्याज दरों, जो उधारकर्ताओं और बैंकों दोनों के लिए ही समुचित हैं, पर बैंक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
(d) बैंकों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में समर्थ बनाना

Ans : (a) स्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने में R.B.I. को समर्थ करना। M.C.L.R. न्यूनतम ब्याजदर है, जिसके नीचे एक बैंक को ऋण देने की अनुमति नहीं है। इसे 1 अप्रैल 2016 को प्रारम्भ किया गया था। यह बैंकों के लिए ऋण की ब्याज दरों को निर्धारित करने के लिए आन्तरिक सन्दर्भ दर है। इसके निम्न उद्देश्य हैं-
(1) नीति दरों के बैंको की उधारी दरों में पारेषण को सुधारना
(2) ब्याजदरों, जो उधारकर्ताओं और बैंको दोनों के लिए ही समुचित है, पर बैंक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
(3) बैंकों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में समर्थ बनाना।

48. किसी फर्म की औसत स्थिर लागत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
(a) इसका ढाल सदैव ऋणात्मक होता है।
(b) इसका ढाल सदैव इकाई से अधिक होता है।
(c) इसका ढाल सदैव इकाई के बराबर होता है।
(d) उत्पादन के संबंध में लोच इकाई के बराबर होता है।
नीचे दिए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) केवल (i) (b) (ii) और (iii)
(c) (i) और (iv) (d) केवल (iii)

Ans : (c) इसका ढ़ाल (AFC) सदैव ऋणात्मक होता है। तथा उत्पादन के सम्बन्ध में लोच इकाई के बराबर होती है।

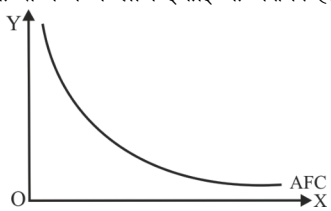

AFC = AFC सदैव इसलिए गिरती रहती है क्योंकि TFC स्थिर होती है। तथा $TFC = \frac{TFC}{Q}$ होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अतः उत्पादन में वृद्धि होने से AFC में गिरावट होती जाती है AFC में गिरावट इस कारण भी होती है क्योंकि AVC तथा AC में गिरावट होती है। जिसके कारण AFC में भी गिरावट होती है।

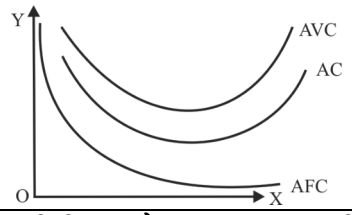

49. निम्नलिखित आरेख तथा कथन पर विचार कीजिए:

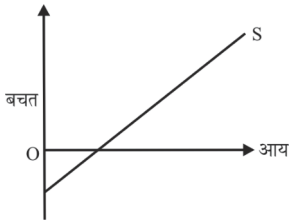

(i) बचत आय से धनात्मक रूप से संबंधित है।

(ii) बचत की सीमान्त प्रवृत्ति धनात्मक है, परन्तु 1 से कम है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) केवल (i) (b) न तो (i) और न ही (ii)

(c) केवल (ii) (d) (i) और (ii) दोनों

Ans : (d)

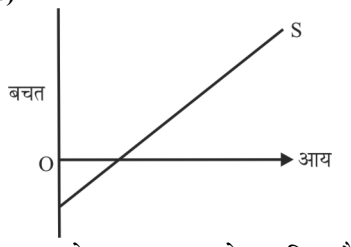

(1) बचत आय से धनात्मक रूप से सम्बन्धित है

(2) बचत की सीमान्त प्रवृत्ति धनात्मक है, परन्तु 1 से कम है S बचत के ढाल को प्रदर्शित करता है जिसका ढ़ाल धनात्मक है अतः बचत धनात्मक रूप से सम्बन्धित है। साथ ही बचत वक्र मूल बिन्दु के दाहिनी ओर है। अतः इसकी MPC धनात्मक होगी परन्तु 1 से कम होगी।

50. पुस्तक 'आई ड् ह्वाट आई ड्रू' के लेखक कौन हैं?

(a) रघुराम जी. राजन (b) जगदीश एन. भगवती

(c) अरविन्द पनगढ़िया (d) अमर्त्य सेन

Ans : (a) यह 2017 में हार्पर कोलिस इण्डिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक है। इसमें रघुराम राजन के कार्यकाल के दौरान राजन द्वारा दिये गए भाषणों का संग्रह है।

51. निचले स्तर से नियोजन को कहते हैं

(a) विकेन्द्रित नियोजन (b) क्रियात्मक नियोजन

(c) संरचनात्मक नियोजन (d) केन्द्रित नियोजन

Ans : (a) निचले स्तर से नियोजन को विकेन्द्रित नियोजन कहते है।

विकेन्द्रित नियोजन - विकेन्द्रीकृत नियोजन में कार्यों का विकेन्द्रीकरण होता है। इसमें सरकार, स्थानीय निकाय, व्यक्तिगत उद्यमी आदि मिलकर योजना सम्बन्धी निर्णय लेते हैं इसे नीचे से ऊपर की ओर नियोजन भी कहते हैं। जनता सरकार द्वारा (1977-79) में विकेन्द्रीकृत योजना मॉडल को प्रयोग में लाया गया।

क्रियात्मक नियोजन- क्रियात्मक नियोजन समय विशेष पर प्रचलित सामाजिक आर्थिक ढांचे को बनाये रखने तथा उसको मजबूती देने को अपना लक्ष्य मानता है। सामान्यतया इसका सम्बन्ध विकसित देशों से है।

संरचनात्मक नियोजन-यह आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक ढांचे में वांछित परिवर्तन को महत्व प्रदान करता है। इस नियोजन का उद्देश्य ऐसी सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था को प्राप्त करना है जो आर्थिक विकास की प्रकिया को गति प्रदान कर सके। यह तुलनात्मक रूप से दीर्घकालिक नियोजन है और सामान्यतः विकासशील देशों, समाजवादी देशों से सम्बन्धित है।

केन्द्रीय नियोजन- केन्द्रीय नियोजन में योजना को बनाने, पूरा कराने निरीक्षण करने आदि का उत्तरदायित्व एक केन्द्रीय संगठन पर होता है।

52. निम्नलिखित में से किस पर कीन्सीय और मुद्रावादी सहमत होते हैं?

(a) मुद्रा की माँग ब्याज लोचनीय होती है।

(b) माँग आघात का सबसे महत्वपूर्ण कारण आपूर्ति में परिवर्तन होता है।

(c) जब मंदी का अंतराल होता है, नम्य मज़दूरी शीघ्र ही श्रम बाज़ार को पुनः संतुलन में ले आएगी।

(d) माँग आघातों के कारण उत्पादन, संभाव्य उत्पादन से कभी-कभी विचलित होता है।

Ans : (a) कीन्सीय और मुद्रावादी सहमत होते हैं
मुद्रा की मांग ब्याज लोचनीय होती है।

मुद्रावादी		**कीन्सवादी**
मुद्रापूर्ति समस्त मांग का मुख्य निर्धारक है	-	केन्सवादी राष्ट्रीय आय तथा रोजगार के निर्धारण में समग्र मांग के महत्व पर बल देते हैं।
मुद्रापूर्ति का राष्ट्रीय आय तथा रोजगार में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है।	-	मुद्रा आपूर्ति का राष्ट्रपति आय तथा रोजगार पर अप्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है।
मुद्रावादी मुद्रा वेग को स्थिर व पूर्वानुमानीय मानते हैं ।	-	मुद्रा वेग परिवर्तनीय एवं पूर्वानुमानेय है मुद्रा वेग मुद्रा पूर्ति तथा ब्याज के दर से प्रभावित होता है।
कीमतें तथा मजदूरीयां परिवर्तनशील हैं।	-	कीमतें तथा मजदूरीयां स्थिर है
मौद्रिक नीति की भूमिका पर बल	-	राजकोषीय नीति की भूमिका पर बल।
मुद्रा की मांग ब्याज लोचनीय होती है।	-	मुद्रा की मांग ब्याज लोचनीय होती है।

53. निम्नलिखित में से कौन सा जैव ईंधन (बायो-फ्यूल) की श्रेणी में नहीं है ?

(a) संपीडित प्राकृतिक गैस (b) बायोडीजल

(c) बायोइथनॉल (d) गोबर गैस

Ans : (a) Bio-fuels की श्रेणी में
Compressed Natural Gas (संपीडित प्राकृतिक गैस) शामिल नहीं है। जीवाश्म ईंधन की तरह जैव ईंधन कई रूपों में आते हैं और विभिन्न ऊर्जा जरूरतों को पूरा करते हैं। जैव ईंधन का वर्ग दो पीढ़ियों में विभाजित है, जिनमें से प्रत्येक में कई अलग-अलग ईंधन शामिल हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रथम पीढ़ी

(1) बायोएल्कोहल (2) इथेनॉल
(3) प्रोपोनॉल (4) बायोडीजल
(5) हरा डीजल (6) वनस्पति तेल
(7) रेंडी का तेल (8) जैतून का तेल
(9) सूरजमुखी का तेल (10) गोबर गैस

दूसरी पीढ़ी

(1) सेलुसोलिक इथेनॉल (2) शैवाल
(3) बायोहाइड्रोजन (4) मेथेनॉल
(5) फिशर टोप्स बायोडीजल

54. कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी.ए.सी.पी.) के उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन-से है?

(i) किसानों के लिए सार्थक वास्तविक आय स्तर सुनिश्चित करना
(ii) कृषि मूल्यों को स्थिर करना
(iii) उपभोक्ताओं के हित की रक्षा करना

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूट :

(a) उपर्युक्त सभी (b) (i) और (iii)
(c) (i) और (ii) (d) (ii) और (iii)

Ans : (a) उपर्युक्त में से सभी हैं।
प्रमुख कृषि वस्तुओं के सम्बन्ध में वसूली मूल्य या न्यूनतम समर्थित मूल्य की घोषणा वर्ष में दो बार, रबी और खरीफ के मौसम में की जाती है। वसूली या न्यूनतम मूल्य की घोषणा, सरकार कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) की संस्तुति पर करती है। उल्लेखनीय है कि 1965 में कृषि मूल्य आयोग की स्थापना हुई थी जिसके अध्यक्ष प्रो. M.L. दंतेवाला थे, 1985 में इसी का नामकरण CACP कर दिया गया। पहली बार न्यूनतम समर्थित मूल्य की घोषणा 1966-67 में गेहूँ के सम्बन्ध में की गई थी। प्रारम्भ में हरित क्रांति में गेहूँ के उत्पादन में सर्वाधिक वृद्धि हुई थी। CACP उत्पादन लागत, आगतों के मूल्य में परिवर्तन, बाजार मूल्य की प्रवृत्ति, मांग तथा पूर्ति की दशा, सामान्य मूल्य स्तर पर पड़ने वाला प्रभाव, जीवन निर्वाह लागत तथा प्रभाव आदि आगतों के सन्दर्भ में आगत मूल्य निर्देशांक तैयार करता है जिसमें वह उर्वरक, विद्युत, कीटनाशक, ट्रैक्टर डीजल शामिल करता है। वर्तमान में 23 फसलों के लिए CACP घोषित किया जाता है।

55. कोई आयकर प्रगतिशील होगा यदि

(a) कर की सीमांत दर, कर की औसत दर के समान है।
(b) कर की सीमांत दर, कर की औसत दर से कम है।
(c) कर की सीमांत दर, कर की औसत दर से अधिक है।
(d) कर की सीमांत दर शून्य है।

Ans : (c) कर की सीमान्तदर, कर की औसत दर से अधिक है।
प्रगतिशील कर-यह वह कर है जिसमें आय की वृद्धि के साथ कर की दर में वृद्धि हो। यदि आय की वृद्धि दर की अपेक्षा कर की दर उत्तरोत्तर तेजी से बढ़े तो इसे प्रगतिशील कर कहते हैं। प्रगतिशील कर को अधिक न्यायपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसका बोझ आय की उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ बढ़ता है।

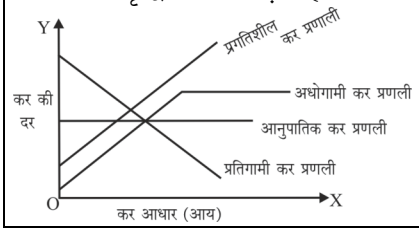

56. अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित में से किसके परिणामस्वरूप 'अंतर्गमन' प्रभाव होगा ?

(i) आधारभूत संरचना पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी
(ii) वेतन और मजदूरी पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी
(iii) स्वास्थ्य और शिक्षा पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी
(iv) कौशल विकास पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (iii) और (iv) (b) (i) और (ii)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) (iii) और (iv)

Ans : (a)
(1) आधारभूत संरचना पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी।
(2) स्वास्थ्य और शिक्षा पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी।
(3) कौशल विकास पर व्यय के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक उधारी।

57. नव क्लासिकल अर्थशास्त्र के अनुसार, वास्तविक व्यापार चक्र निम्नलिखित में से किसके परिणाम हैं ?

(a) नव प्रवर्तन (b) खराब मौसम
(c) कर नीति (d) ऋण नीति

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) और (iii) (b) (iii) और (iv)
(c) (i) और (ii) (d) (ii) और (iv)

Ans : (c) वास्तविक व्यापार चक्र सिद्धान्त मौलिक धारणा बताता है कि एक अर्थव्यवस्था प्रौद्योगिकी के झटके के कारण व्यापार चक्र के निम्न चरणों को देखती है। जिसमें तकनीकी झटकों में नवप्रवर्तन, खराब मौसम, सख्त सुरक्षा नियम आदि शामिल हैं।
RBC व्यापार चक्रों में उच्चावचनों में वास्तविक कारकों की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हैं जिनमें तकनीकि प्रमुख चर है।

58. भारत में सार्वजनिक व्यय को पूँजी तथा राजस्व में वर्गीकृत किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा/से राजस्व व्यय है/हैं?

(a) राज सहायता
(b) सार्वजनिक ऋण पर ब्याज का भुगतान
(c) मजदूरी और वेतन

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) और (iii) (b) (i) और (ii)
(c) (i) (ii) और (iii) (d) (ii) और (iii)

Ans : (c) भारत में सार्वजनिक व्यय को पूँजी तथा राजस्व में वर्गीकृत किया गया है इसमें से राजस्व व्यय है-
(1) राज सहायता
(2) सार्वजनिक ऋण पर ब्याज का भुगतान
(3) मजदूरी और वेतन
पूंजीगत व्यय-पूंजीगत व्यय वे व्यय होते हैं जिनसे परिसम्पत्तियों का निर्माण होता है। ये दैनिक प्रकृति के नहीं होते। साथ ही ऐसे व्ययों को लौटाने का उत्तरदायित्व होता है। इसमें भौतिक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

परिसम्पत्तियों, वित्तीय परिसम्पत्तियों, सम्पत्तियों का अधिग्रहण आदि वाले व्यय पूंजीगत व्यय कहलाते हैं।
जैसे Arms, हवाई जहाज आदि।

पूंजीगत व्यय - (1) बाजार उधारी
(2) अन्य देयताएं
(3) प्रतिरक्षा पर पूंजीगत व्यय
(4) सरकार के विभिन्न क्रिया कलापों पर पूंजीगत व्यय

राजस्व व्यय - ऐसे व्यय जिनसे परिसम्पत्तियों का निर्माण नहीं होता ये उपभोग प्रकृति के व्यय होते हैं, ऐसे व्ययों से देनदारियों में कमीं नहीं आती जैसे-रख-रखाव व्यय, नियमित क्रियाकलाप व्यय, वार्षिक प्रकृति के व्यय डेन्टिंग, पेन्टिंग व्यय आदि।

Revenue Expenditure- राजस्व व्यय

(1) **Scheme Expenditure** - विभिन्न सरकारी योजनाओं (कार्यक्रमों) में व्यय, मनरेगा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मिड्डे मील

ब्याज **- Other then Scheme**
ब्याज भुगतान
रक्षा व्यय

समस्त सहायता, अनुदान, बीमा, किसानों को छूट, ऋण माफी मजदूरी तथा वेतन

59. आर. बी. आई. के प्रारूप दिशा-निर्देशों के अंतर्गत किसी नए बैंक के लिए लाइसेन्स का आवेदन करने हेतु अपेक्षित पूँजी पर्याप्तता अनुपात कितना है ?

(a) 10 प्रतिशत (b) 11 प्रतिशत
(c) 9 प्रतिशत (d) 12 प्रतिशत

Ans : (d) R.B.I. के प्रारूप दिशा-निर्देशों के अंतर्गत किसी नए बैंक के लिए लाइसेन्स का आवेदन करने हेतु अपेक्षित पूंजी पर्याप्तता अनुपात =12% है।

R.B.I. द्वारा BASEL III के मानकों को वर्ष 2019 तक पूरा करने हेतु नए सार्वजनिक बैंक के लिए CAR 12% निर्धारित किया है तथा पहले से स्थापित वाणिज्यिक बैंकों के लिए CAR 9% निर्धारित किया है।

BASEL III के तहत बैंकों के लिए न्यूनतम CAR 8% है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात अपनी जोखिम-भारित सम्पत्ति के सम्बन्ध में एक बैंक की पूंजी को मापता है। जो पूंजी से जोखिम भारित सम्पत्ति अनुपात सम्पूर्ण विश्व में आर्थिक प्रणालियों में वित्तीय स्थिरता और दक्षता को बढ़ावा देता है।

BASEL III के तहत 8% पूंजी पर्याप्तता अनुपात तथा 2.5% पूंजी संरक्षण बफर रखना आवश्यक है। इस प्रकार न्यूनतम पूंजी पर्याप्तता अनुपात 10.5 है।

BASEL का गठन 1974 में 10 देशों के समूह ने किया था जो बैंकिंग पर्यवेक्षण से सम्बन्धित समिति है। समिति का सचिवालय स्विटजरलैण्ड में स्थित है।

60. ''बहुत ज्यादा मुद्रा बहुत ही कम वस्तुओं का पीछा करती है'' यह कथन निम्नलिखित में से किस सैद्धान्तिक विचारों पर आधारित है ?

(a) वास्तविक शेष प्रभाव
(b) मुद्रा की माँग का मालसूची सैद्धान्तिक उपागम
(c) मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त
(d) कीमतों का परिमाण सिद्धान्त

Ans : (c) ''बहुत ज्यादा मुद्रा बहुत ही कम वस्तुओं का पीछा करती है।'' यह कथन ''मुद्रा का परिणाम सिद्धान्त'' विचारों पर आधारित है।

मुद्रा परिणाम सिद्धान्त की व्याख्या सर्वप्रथम 1867 में क्वांट विक्सेल ने अपनी पुस्तक ''Demand for money''में की थी। तथा 1911 में इरविंग फिशर ने अपनी पुस्तक ''the purchasing power of money'' में किया। तथा कहा कि यदि अन्य बातें समान रहें तो अचानक यदि मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि कर दी जाए तो वस्तु की कीमतें बढ़ जायेगी।

मुद्रा की मात्रा, वस्तु की कीमतों में एक पूर्ण आनुपातिक सम्बन्ध है। कीमत स्तर मुद्रा की पूर्ति पर निर्भर करेगा।

61. बेंट हेन्सन के अनुसार, निम्नलिखित में से किन्हें प्रभावी माँग बढ़ाने के साधन के रूप में माना जाता है?

(i) सार्वजनिक व्यय
(ii) बढ़ती हुई जनसंख्या
(iii) बैंकिंग और वित्तीय व्यवस्था

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) और (iii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i) और (ii) (d) (i),(ii) और (iii)

Ans : (c)

बेंट हेन्सन के अनुसार-प्रभावी मांग बढ़ाने के साधन के रूप में।

(1) सार्वजनिक व्यय
(2) बढ़ती हुई जनसंख्या

बेंट हेन्सन के अनुसार-सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होने से उत्पादन, रोजगार, आय में वृद्धि होती है जिसे व्यय में वृद्धि होती है तथा प्रभावी मांग में भी वृद्धि होती है।

बढ़ती हुई जनसंख्या से जीवन निर्वाह हेतु उपभोग में वृद्धि होती है तथा प्रभावी मांग में वृद्धि होती है।

डेनिश अर्थशास्त्री बेट हेन्सन ने मुद्रास्फीति का एक प्रावैगिक अतिरिक्त मांग मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें दो अलग-अलग मूल्य स्तर शामिल हैं।

एक वस्तु बाजार के लिए तथा दूसरा श्रम बाजार के लिए

मान्यताएं-

(1) वस्तु बाजार तथा साधन बाजार दोनों में प्रतियोगिता है।
(2) श्रम कारक द्वारा केवल एक वस्तु का उत्पादन किया जाता है।
(3) पूर्ण रोजगार की अवस्था है।

अतिरिक्त मांग उस स्थिति को सन्दर्भित करती है जहां समग्र मांग अर्थव्यवस्था में उत्पादन के पूर्ण रोजगार स्तर के अनुरूप समग्र पूर्ति से अधिक होती है। अतिरिक्त मांग मुद्रा स्फीति को जन्म देती है।

अतिरिक्त मांग में वृद्धि के कारण -

(1) उपभोग करने की प्रवृत्ति में वृद्धि
(2) करों में कमी
(3) सरकारी व्यय में वृद्धि
(4) निवेश की वृद्धि
(5) आयात में गिरावट
(6) निर्यात में वृद्धि
(7) घाटे की वित्त व्यवस्था बार-बार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

62. भारत में बार-बार किसानों की ऋण माफी के कारण क्या समस्या उत्पन्न हो सकती है ?

(a) ऋण आधिक्य (डेट ओवरहैंग)
(b) नैतिक संकट
(c) जोखिम विमुखता
(d) प्रतिकूल चयन

Ans : (b)
नैतिक संकट - जब उत्पादक, उपभोक्ता कृषक, प्रबन्धक आदि समाज के हित को ध्यान में न रखते हुए निजी हित को ध्यान में रखकर कार्य करते हैं तो इससे नैतिक संकट उत्पन्न होता है।
जैसे यदि किसानों की बार-बार ऋण माफी की गई तो वे इसका अधिक दुरुपयोग करेंगे। क्योंकि उनकी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति बन जाती है कि जो ऋण उन्होंने लिया है वह राशि ऋण मुक्त हो जायेगी। नचिकेत मोर समिति की अनुसंशा के अनुसार किसानों की ऋण माफी समाप्त कर दी जानी चाहिए।

63. 'आकांक्षापूर्ण जिलों के कायाकल्प' कार्यक्रम के सदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

(i) इस कार्यक्रम में 115 जिले शामिल हैं।
(ii) इस कार्यक्रम की प्रमुख रणनीति है अभिसरण, सहयोग और स्पर्धा।
(iii) इन जिलों की प्रगति का आकलन करने हेतु 49 मुख्य निष्पादन संकेतक हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (ii) और (iii) (b) (i) और (ii)
(c) (i) और (iii) (d) (i),(ii) और (iii)

Ans : (d) आकांक्षापूर्ण जिलों के कायाकल्प कार्यक्रम-हेतु उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।
(1) इस कार्यक्रम में 115 जिले शामिल हैं
(2) इस कार्यक्रम की प्रमुख रणनीति है अभिसरण, सहयोग, स्पर्धा।
(3) इन जिलों की प्रगति का आकलन करने हेतु 49 मुख्य निष्पादन संकेतक हैं।
इस कार्यक्रम में पिछड़े जिलों में सम्बन्धित 115 जिलों को शामिल किया गया है जिसका उद्देश्य इन जिलों का उत्थान करना तथा समावेशी विकास लक्ष्य हेतु अन्य उच्च जिलों के स्तर पर स्थापित करना है।

64. विवेकपूर्ण प्रत्याशा के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा गलत है?

(a) इसका अर्थ है कि मांग में प्रत्याशित परिवर्तनों का बेरोजगारी पर कोई प्रभाव नहीं होता है।
(b) इसका अर्थ है कि मांग में अप्रत्याशित परिवर्तनों का बेरोजगारी और कीमत स्तर पर दोनों पर स्थायी प्रभाव होता है।
(c) यह मानता है कि जनता द्वारा लगाए गए पूर्वानुमान औसतन सही होते हैं।
(d) यह मानता है कि लोग सभी सूचनाओं पर विचार कर काम करते हैं।

Ans : (b) इसका अर्थ है कि मांग में अप्रत्याशित परिवर्तनों का बेराजगारी और कीमत स्तर दोनों पर स्थायी प्रभाव होता है, कथन गलत है।
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री राबर्ट लुकास ने समष्टि सिद्धान्त प्रस्तुत किया जो व्यक्तियों तथा फर्मों की विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं पर आधारित है। इस सिद्धान्त के अनुसार आर्थिक अभिकर्ता अपने निर्णय भविष्य में अपनी प्रत्याशाओं के आधार पर करते हैं। विवेकशील प्रत्याशा से अभिप्राय यह है कि आर्थिक अभिकर्ता समस्त सूचनाओं के आधार पर सर्वोत्तम सम्भव पूर्वानुमान लगाते हैं। व्यक्ति अप्रत्याशित मुद्रा में परिवर्तन द्वारा थोड़े समय के लिए भ्रम में पड़ सकते हैं कि उनकी मजदूरियां वास्तव में बढ़ गई हैं, इसी प्रकार उत्पादक यह समझते हैं कि उनके द्वारा बेचे जाने वाले पदार्थों की कीमतें अन्य वस्तुओं की तुलना में बढ़ गई हैं इन माध्यमों द्वारा मुद्रा में विस्तार से अस्थायी तेजी उत्पन्न हो सकती है किन्तु शीघ्र ही आर्थिक अभिकर्ता को अपनी प्रत्याशाओं में गलतियों का अनुभव होगा इस प्रकार अल्पकाल में फिलिप्स वक्र का निर्माण नहीं होगा।
वास्तविक समग्र पूर्ति वास्तविक तथा प्रत्याशित कीमत स्तर पर निर्भर करती है।

$$y = y^* + \alpha(P - P^e)$$

y = वास्तविक समग्र पूर्ति
y^* = सम्भाव्य समस्त पूर्ति
P = वास्तविक कीमत स्तर
P^e = प्रत्याशित कीमत स्तर
α = समस्त पूर्ति वक्र की ढ़ाल को मापता है।
लुकास के अनुसार आर्थिक अभिकर्ता कीमत स्तर के पूर्वानुमानों में नियमित रूप से गलतियां नहीं करते फलस्वरूप वास्तविक-प्रत्याशित कीमतों में अन्तर नहीं होता।

65. केन्द्र सरकार के विकास व्यय में सम्मिलित नहीं है

(i) केन्द्र द्वारा प्रायोजित स्कीमों के अन्तर्गत राज्यों को अनुदान
(ii) सामाजिक और सामुदायिक सेवाओं पर व्यय
(iii) आर्थिक सेवाओं पर व्यय
(iv) रक्षा व्यय

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (ii) और (iii) (b) (iii) और (iv)
(c) केवल (iv) (d) (i) और (ii)

Ans : (c) केन्द्र सरकार के विकास व्यय में रक्षा व्यय शामिल नहीं है।
केन्द्र सरकार के द्वारा रक्षा व्यय विकास व्यय नहीं हैं बल्कि विकास में सहयोग किय जाने वाले व्यय है।
विकास व्यय से सम्बन्धित व्यय -
सामाजिक और विकास सेवाओं पर व्यय अब केन्द्र सरकार के विकास व्यय का सबसे महत्वपूर्ण व्यय है इसमें दो व्यापक समूहों का शामिल किया जाता है।
(क) सामाजिक और सामुदायिक सेवाएँ, जो देश की मानव पूंजी और सामाजिक बुनियादी ढ़ाचे में सुधार और निर्माण करना चाहती हैं।
(ख) आर्थिक सेवाएं जो देश में आर्थिक अवसंरचना और अन्य आर्थिक गतिविधियों के विकास और मजबूती की ओर निर्देशित हैं
गैर विकास व्यय-
(1) रक्षा सेवाएं (2) विकास सेवाएं
(3) प्रशासनिक सेवाएं (4) ऋण सेवाएं
(5) राज्यों को सहायता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

इस प्रकार उपरोक्त विवरण से स्पष्ट होता है कि विकास व्यय में सामाजिक और समुदायिक सेवाओं पर व्यय, आर्थिक सेवाओं पर व्यय शामिल हैं किन्तु NTA NET ने सही उत्तर में केन्द्र द्वारा प्रायोजित स्कीमों के अन्तर्गत राज्यों के अनुदान को भी शामिल किया है।

66. निम्नलिखित में से कौन - सा पीकॉक-वाइजमैन परिकल्पना का भाग नहीं है ?

(a) विस्थापन प्रभाव (b) निरीक्षण प्रभाव
(c) संकेन्द्रण प्रभाव (d) घोषणा प्रभाव

Ans : (d) जैक वाइजमैन तथा एलीन टी पीकॉक ने 1890 - 1955 की अवधि में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया।

वाइजमैन - पीकॉक मूलतः सार्वजनिक व्यय के वृद्धि के स्वरूप तथा ढ़ांचे के परिवर्तन के विश्लेषण से सम्बन्धित थे। उनके अनुसार युद्ध के बाद ब्रिटेन के राजकीय व्यय में कमीं आयी पर यह घटकर युद्ध के पूर्व स्तर तक नहीं आयी और उत्पाद में सरकारी व्यय का अनुपात युद्ध के तुरन्त पहले के स्तर की तुलना में बहुत अधिक रहा। राष्ट्रीय उत्पाद में सार्वजनिक व्यय के आकार में इस स्थायी वृद्धि को विस्थापन प्रभाव कहा।

करारोपण से उत्पन्न भार की वहन क्षमता के सम्बन्ध में लोगों में स्पष्ट दृढ़ धारणा होती है जो शांति के समय स्थिर रहती है पर राष्ट्रीय संकट (युद्ध) की स्थिति में इसमें परिवर्तन होते हैं।

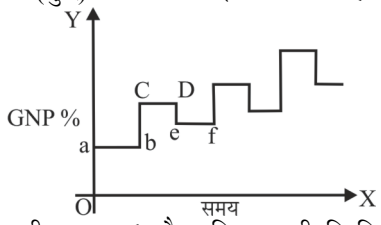

प्रारम्भ में राष्ट्रीय आय ab है, यदि युद्ध की स्थिति हो तो सरकारी व्यय तथा करों दोनों में वृद्धि होगी माना CD है। किन्तु युद्ध की स्थिति समाप्त हो जाने पर सार्वजनिक व्यय तथा कर पुनः ab पर नहीं आयेंगे बल्कि ef पर होंगे। जो विस्थापन प्रभाव होगा।

निरीक्षण प्रभाव-उथल-पुथल के समाप्ति के बाद क्रियाशील होता है इस प्रभाव के अन्तर्गत करदाता एवं सरकार अपनी स्थिति एवं प्राथमिकताओं पर पुनः विचार करते हैं। इसमें ऐसी आवश्यकताओं की खोज हो सकती है जिन पर पूर्व में ध्यान नहीं दिया गया था।

प्लीज प्रभाव-विकासशील देशों में कर राजस्व में वृद्धि होने पर सार्वजनिक बचत में वृद्धि होने के स्थान पर सरकारी उपभोग व्यय से अधिक वृद्धि होती है।

67. उज़ावा प्रमेय के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) तकनीकी प्रगति केवल 'हैरड-तटस्थ' है।
(b) उपर्युक्त सभी
(c) प्रति श्रमिक उत्पादन, प्रति श्रमिक उपभोग और प्रति व्यक्ति पूँजी की वृद्धि दर समाज है और समय सापेक्ष स्थिर है।
(d) उत्पादन फलन रैखिक समजातीय है।

Ans : (b) उजावा मॉडल दो क्षेत्र वृद्धि मॉडल है
एक क्षेत्र जो समरूप उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करता है जिसे उपभोग क्षेत्र कहते हैं तथा दूसरा समरूप पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन करता है यह उत्पादन फलन रैखिक समजातीय है इसमें पूंजी तथा श्रम के मध्य सतत प्रतिस्थापन रखते हैं। यह एक प्रावैगिक मॉडल है।
इसमें तकनीकि प्रगति केवल हैरड तटस्थ है।
श्रम शक्ति में स्थिर आनुपातिक वृद्धि दर की मान्यता है।
दिये गए उत्पादन तथा निवेश क्षेत्र के अन्तर्गत शुद्ध पूंजी स्टॉक में वृद्धि ह्रास को पूंजी स्टॉक का अनुपाती माना गया है। यह यूलर, इनाडा शर्तें भी पूर्ण करता है।

68. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) n=Pk	(i) ए. सी. पीगू
(b) M=PkT	(ii) कीन्स
(c) $P = \frac{kR}{M}$	(iii) अल्फ्रेड मार्शल
(d) M =kPY	(iv) डी. एच. रॉबर्ट्सन

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans : (b)

n =Pk	-	कीन्स
M=PkT	-	डी. एच. रॉबर्ट्सन
$P = \frac{kR}{M}$	-	ए. सी. पीगू
M =kPY	-	अल्फ्रेड मार्शल

69. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रत्यय-अर्थशास्त्री युग्म सही सुमेलित नहीं है।

(a) टर्नपाईक प्रमेय - डॉर्फमैन, सैम्युएलसन और सोलो
(b) अति गुणक - जे. एम. कीन्स
(c) चाकूधार समस्या - हैरॉड डोमर
(d) संचय का स्वर्णिम नियम - ई. एस. फेलप्स नियम

Ans : (b) अति गुणक का प्रतिपादन J.M. कीन्स ने नहीं किया था बल्कि सैमुएलसन तथा हिक्स ने किया था।

70. नकद शेष उपागम के अनुसार, मुद्रा की माँग की लोच है

(a) स्फीति के चरणों में परिवर्तन के साथ उतार-चढ़ाव करती हुई
(b) एक से अधिक
(c) एक के बराबर
(d) एक से कम

Ans : (c) नकद शेष उपागम के अनुसार-मुद्रा की मांग लेन-देन के कारण नहीं बल्कि मूल्य के संचय के कारण उत्पन्न होती है। इसका प्रतिपादन लॉक, पेटी के लेख में पाया गया जिसे राबर्टसन, मार्शल, पीगू ने विकसित किया।

मान्यताएं -

1. कीमत स्तर के द्वारा क्रय शक्ति का निर्धारण किया जाता है।
2. मुद्रा की मांग की लोच इकाई के बराबर होगी।
3. मुद्रा की मांग वास्तविक वस्तु के ग्रहण करने की क्षमता के कारण है
4. मुद्रा एक वैधानिक दस्तावेज है
5. कोई भी व्यक्ति अपनी आय को निम्न रूपों में रख सकता है- खेत, बांड, सावधि जमा आदि।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

71. स्थिर प्रतिस्थापन लोच उत्पादन फलन के संदर्भ में यदि प्रतिस्थापन प्राचल (ρ) का मान = -1 हो, तो प्रतिस्थापन की लोच होगी :

(a) अनन्त (b) अनिधार्य
(c) शून्य (d) इकाई

Ans : (a) अनन्त

$$\alpha \quad \therefore \quad = \quad \frac{1}{1+P}$$

α = प्रतिस्थापन की लोच

$$= \frac{1}{1-1}$$

$$= \frac{1}{0} = \text{अनन्त}$$

CES उत्पादन फलन Constant Elasticity of Subsititution production function का प्रतिपादन एरो, मिनहास ने किया था। CES समरूप उत्पादन फलन की डिग्री 1 होती है। इसका न्यूनतम मान 0 तथा अधिकतम मान ∞ के मध्य होता है।

72. The Inada conditions are applicable to

(a) A well -behaved investment function
(b) A well-behaved production function
(c) A well-behaved consumption function
(d) A well-behaved technical progress function

Ans : (b) एक A well-behaved production function को संतुष्ट करती है।
इनाडा शर्तें नव क्लासिकल मान्यताओं को संतुष्ट करती हैं।
अगर किसी एक साधन में परिवर्तन किया जायेगा तो जितना ज्यादा साधन को बढ़ायेंगे उत्पादन शून्य की ओर उन्मुख होगा और जितना कम उस साधन को प्रयोग करेंगे उत्पादन उतना ही ज्यादा होगा अन्ततः अनन्त होगा।

$$\lim_{K=0} \left(\frac{\partial F}{\partial K}\right) = \lim_{L=0} \left(\frac{\partial F}{\partial L}\right) = \infty$$

$$\lim_{K=\infty} \left(\frac{\partial F}{\partial K}\right) = \lim_{L=\infty} \left(\frac{\partial F}{\partial L}\right) = 0$$

73. मूल नव-क्लासिकीय संवृद्धि मॉडल में संवृद्धि संतुलन कहाँ होता है?

(a) जहाँ प्रति कामगार निवेश प्रति कामगार बचतों के बराबर होता है।
(b) जहाँ प्रति कामगार निवेश प्रति कामगार पूँजी के बराबर होता है।
(c) जहाँ प्रति कामगार निवेश प्रति कामगार पूँजी-ह्रास के बराबर होता है।
(d) जहाँ प्रति कामगार पूँजी प्रति कामगार उत्पादन के बराबर होती है।

Ans : (a) जहाँ प्रति कामगार निवेश प्रति कामगार बचतों के बराबर होता है। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री आर्थिक विकास की गति असतत् व अनियमित मानते थे। जबकि नव प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रीयों ने अल्पकालिक समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित किया।

मान्यताएं-

(1) बचत विनियोग को निर्धारित करती है। संतुलन की दशा में साधनों कीमतों के परिवर्तन द्वारा पूर्ण रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।
(2) पूर्ण प्रतियोगिता व स्वतंत्र बाजार प्रणाली है।
(3) मूल्य स्थिर रहते हैं।
(4) तकनीकि दी हुई होने पर पूंजी संचय की प्रत्येक वृद्धि के साथ पूंजी की सीमान्त उत्पादकता गिरती है।
(5) आर्थिक विकास हेतु पूंजी आवश्यक है जिसके लिए बचत की जानी चाहिए।

74. मूल बिन्दु से गुज़रती हुई रैखिक आपूर्ति वक्र की कीमत लोच होगी

(a) इकाई (b) शून्य
(c) इकाई से कम (d) अनन्त

Ans : (a) मूल बिन्दु से गुज़रती हुई रैखिक आपूर्ति वक्र की कीमत लोच इकाई होगी

$e_s = 1$

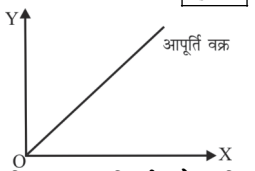

आपूर्ति में किए गए परिवर्तन के परिणामस्वरूप मूल्य में आनुपातिक वृद्धि होती है तो उसे इकाई लोचदार पूर्ति करते है।

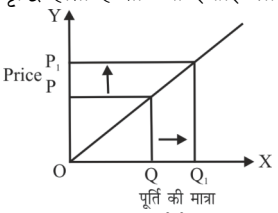

पूर्ति की मात्रा Q होने पर कीमत स्तर P है तथा Q_1 होने पर कीमत स्तर P_1 है। अतः दोनों में समान अनुपात में वृद्धि हुई है।
पूरी तरह लोचदार आपूर्ति = इसमें मूल्य में थोड़ी सी भी कमीं पूर्ति शून्य हो जाती है।

$e_s = \infty$

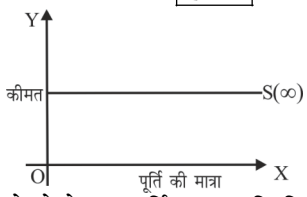

पूरी तरह से बेलोच आपूर्ति = इस स्थिति में कीमत में कोई भी परिवर्तन हो आपूर्ति स्थिर रहती है।

$e_s = 0$

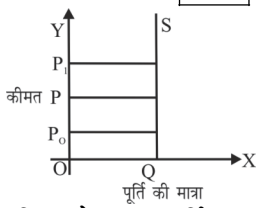

इकाई से अधिक लोचदार आपूर्ति =

$e_s > 1$

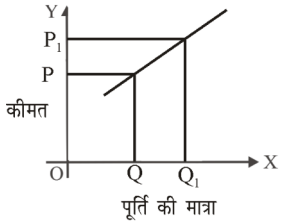

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

जब कीमत में थोड़ा सा परिवर्तन होने पर पूर्ति में अधिक वृद्धि हो।

$e_s < 1$

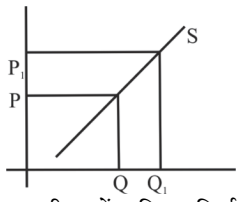

जब कीमत में अधिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप पूर्ति में अल्पवृद्धि हो।

75. तकनीकी द्वैतवाद का अर्थ है

(a) अल्पविकसित देशों में कृषि क्षेत्र में विभिन्न तकनीकों का प्रचलन

(b) अल्पविकसित देशों के औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत तथा पारम्परिक क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादन फलनों का प्रचलन

(c) अल्पविकसित देशों में औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न उत्पादन फलनों का प्रचलन

(d) अल्पविकसित देशों में घरेलू तथा निर्यात क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादन फलनों का प्रचलन

Ans : (b) अल्पविकसित देशों के औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत तथा पारम्परिक क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादन फलनों का प्रचलन-

तकनीकि द्वैतता का प्रतिपादन बेन्जामिन हिंगिन्स ने अपनी पुस्तक Economic Development 1966 में प्रतिपादित किया था।

बेन्जामिन ने साधन अनुपात की समस्या को मुख्य माना तथा यह स्पष्ट किया कि अर्द्धविकसित देशों में उत्पादक रोजगार के अवसरों का बेलोचदार होना समर्थ मांग का कमजोर होना नहीं बल्कि तकनीकि रूप से द्वैत प्रकृति का होना है।

कृषि क्षेत्र में उत्पादन में तकनीकि गुणांक परिवर्ती होते हैं अर्थात् वस्तुओं के उत्पादन के विभिन्न वैकल्पिक संयोग उपलब्ध होते हैं। जिसमें श्रम साधन बहुल होता है तथा पूंजी दुर्लभ साधन होता है। अतः श्रम गहन तकनीकि प्रयुक्त होती है। साधनों के मध्य प्रतिस्थापन अनन्त के समीप होता है।

आधुनिक क्षेत्र के उत्पादन में स्थिर तकनीकि गुणांक का प्रयोग होता है अतः साधनों के मध्य प्रतिस्थापन लोच शून्य के समीप होती है।

76. निम्नलिखित फसल बीमा योजनाओं को उनके शुरू किए जाने का कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

(a) व्यापक फसल बीमा योजना

(b) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना

(c) संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना

(d) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii), (iii), (iv) (b) (ii), (iii), (i), (iv)

(c) (iii), (ii), (iv), (i) (d) (i), (iii), (ii), (iv)

Ans : (a) फसल बीमा योजना कार्यक्रम-का कालानुक्रम

(1) व्यापक फसल बीमा योजना - 1985

(2) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना - 1999-2000

(3) संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना - 2010-11

(4) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना - 2016

77. निम्नलिखित में से कौन-सा मसग्रेव और थीन के कर प्रगतिशीलता के मान को सही रूप में दर्शाता है?

G_a = कर पश्चात् गिनी गुणांक,

G_b कर पूर्व गिनी गुणांक।

(i) $M = \frac{1-G_a}{1-G_b}$ (ii) $M = \frac{G_a}{G_b}$

(iii) $M = \frac{G_b}{G_a}$ (iv) $M = \frac{1-G_b}{1-G_a}$

Ans : (a) मसग्रेव और थीन के कर प्रगतिशीलता के मान को सही रूप में दर्शाता है ।

$$M = \frac{1-G_a}{1-G_b}$$

मसग्रेव और थीन सूत्र-

$$\frac{\text{कुल उत्पादन में वृद्धि}}{\text{कुल उत्पादन में वृद्धि से कर की प्राप्ति}}$$

78. संतुलित संवृद्धि की मूल व्याख्या निम्नलिखित में से किससे संबंधित है ?

(a) निजी और सामाजिक लाभों के बीच अपसरण दूर करने हेतु कार्यकलापों का व्यापक स्तर पर विस्तार

(b) कमी या अधिक्य का नहीं होना

(c) समस्त क्षेत्र एक ही दर से बढ़ रहे हैं

(d) सभी क्षेत्रों में समान मात्रा में निवेश

Ans : (a) निजी और सामाजिक लाभों के बीच अपसरण दूर करने हेतु कार्यकलापों का व्यापक स्तर पर विस्तार-

संतुलित वृद्धि प्रत्यागम अन्तर-उद्योग सम्बन्ध प्रणाली को ध्यान में रखता है। ये राज्य हस्ताक्षेप पर बल देता है।

फ्रेडरिक लिस्ट ने कृषि उद्योग तथा वाणिज्य एवं उद्योग की विभिन्न शाखाओं के मध्य संतुलित विकास की नींव रखी।

रोजन्सटीन रोडान ने प्रबल धक्का सिद्धान्त में, रेगनर नर्क्स संतुलित विकास प्रत्यागम में संतुलन संवृद्धि की व्याख्या की।

नर्क्स ने संतुलित विकास को बाजार के आकार एवं विनियोग के लिए प्रदान की जाने वाले प्रेरणा के सन्दर्भ में विश्लेषित किया।

संतुलन वृद्धि से आशय यह नहीं है कि सभी उद्योग में वृद्धि एक समान दर से हो। संतुलन वृद्धि से आशय है अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में समरूप वृद्धि जिसमें विभिन्न उद्योगों एवं क्षेत्रों के उत्पाद सुविधा से बाजार पहुँच सकें, किसी उद्योग या क्षेत्र में अतिरेक या कमीं की समस्या न रहे।

79. अवसर लागत सिद्धान्त की मान्यता है कि

(a) श्रम सजातीय होता है।

(b) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(c) वस्तु की लागत केवल श्रम की लागत के बराबर है।

(d) श्रम उत्पादन का एकमात्र साधन है।

Ans : (b) जी. हैबरलर ने 1936 में अवसर लागत सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार-वस्तुओं की तुलनात्मक कीमतों का निर्धारण उनकी लागत की दशाओं द्वारा निर्धारित होता है तथा लागतों का आशय वस्तु के उत्पादन में निहित श्रम की मात्रा से नहीं बल्कि उत्पादन के लिए किए गए वैकल्पिक परित्याग से है।

हैबरलर के अनुसार-मजदूरी दर तथा विनिमय दर दो महत्वपूर्ण चर हैं जो उन वस्तुओं को निर्धारित करते हैं जिन्हे दो देश तुलनात्मक लाभ के आधार पर एक-दूसरे से निर्यात-आयात कर सकते हैं।

मान्यताएं-

1. विश्व में केवल दो देश हैं
2. प्रत्येक देश के पास उत्पादन के दो साधन हैं-श्रम, पूंजी
3. प्रत्येक देश दो वस्तुओं का उत्पादन कर सकता है।
4. साधन, वस्तु बाजार दोनों में पूर्ण प्रतियोगिता है।
5. प्रत्येक वस्तु की कीमत उसकी सीमान्त मुद्रा लागातों के बराबर है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. प्रत्येक साधन की कीमत रोजगार में उसके सीमान्त उत्पादकता मूल्य के बराबर है।
7. प्रत्येक साधन की पूर्ति स्थिर है।
8. देश के भीतर साधन पूर्ण गतिशील है तथा देश के बाहर पूर्ण अगतिशील।

80. निम्नलिखित में से कौन-सा अर्थव्यवस्था के खुलेपन का उपयुक्त मापक है?

(a) $\frac{\text{निर्यात + आयात}}{\text{सकल घरेलू उत्पाद}}$ (b) $\frac{\text{निर्यात − आयात}}{\text{जनसंख्या}}$

(c) $\frac{\text{निर्यात}}{\text{आयात}}$ (d) $\frac{\text{निर्यात − आयात}}{\text{जनसंख्या}}$

Ans : (a)

$$\frac{\text{निर्यात + आयात}}{\text{सकल घरेलू उत्पाद}}$$

खुली अर्थव्यवस्था से तात्पर्य एक देश से अन्य देश के मध्य किए जो वाले आयात-निर्यात से है। खुली अर्थव्यवस्था के लिए प्रशुल्क तथा अभ्यंश (Quota) बाधा के रूप में कार्य करते हैं। इस प्रकार यदि एक देश को खुले बाजार की क्रियाओं के प्रोत्साहन के लिए प्रशुल्क तथा कोटा में कमीं की जानी चाहिए। खुले बाजार की क्रियाओं के अन्तर्गत पूंजी की गतिशीलता को उदार बनाया जाता है। वणिकवादी अर्थशास्त्री खुले बाजार की क्रियाओं को शून्य क्रीड़ा (जीरो सम गेम) के रूप में परिकल्पित करते है। अर्थात् व्यापार से एक देश को लाभ होगा तथा दूसरे देश को हानि होगी। उनके अनुसार एक देश अपने व्यापार में लाभ दूसरे देश को हानि पहुँचाकर ही प्राप्त कर सकता है। जिसकी आलोचना एडम स्मिथ ने की थी उनके अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से दोनों देशों को लाभ प्राप्त होगा।

हैबरलर-''अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आर्थिक संवृद्धि का इंजन है।''

81. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A): एक प्रगतिशील आय कर समसीमांत त्याग पर आधारित होता है

तर्क (R) : एक करदाता के लिए आय जितनी अधिक होगी मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता में उतनी ही कमी होगी।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(c) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans : (a) (A) तथा (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है। क्योंकि (R), (A) की व्याख्या तभी करता जब यह तर्क सार्वभौमिक रूप से सत्य होता है। प्रगतिशील आय कर समसीमान्त त्याग पर आधारित होता है इसका एकमात्र कारण यह नहीं है बल्कि अन्य कारण भी हैं जैसे कि प्रगतिशील कर आय की विषमता को कम करते हैं।

82. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : पी. एन. रोजेन्स्टीन-रोडान मॉडल में उत्पादन में अविभाज्यता की धनात्मक भूमिका का विश्लेषण किया गया है।

तर्क (R) : अविभाज्यता को हटाने के पणिामस्वरूप उत्पादन में पैमाने के प्रतिफल स्थिर (समानुपातिक) होते है।

कूट :

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

Ans : (a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है। क्योंकि अविभाज्यता को हटाने के परिणामस्वरूप उत्पादन में पैमाने के बढ़ते प्रतिफल प्राप्त होते हैं।

रोडान $\Rightarrow$ एक विनियोग का सामाजिक सीमान्त उत्पाद उसके निजी सीमान्त उत्पाद से भिन्न होता है यदि किसी एक देश में उद्योगों के एक समूह को अनेक सामाजिक सीमान्त उत्पाद के अनुरूप स्थापित किया जाए तो अर्थव्यवस्था वृद्धि की उच्चदर को प्राप्त करती है। जो अन्य किसी प्रकार से सम्भव नहीं होता।

83. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : भारत की अर्थव्यवस्था सेवा क्षेत्र द्वारा चालित है।

तर्क (R) : कुल रोजगार में सेवा क्षेत्र का अंश सर्वाधिक है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

Ans : (c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व की 6वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

कृषि व सम्बन्धित क्षेत्र में 2016-17 के आंकड़ों के अनुसार कुल G.D.P. में 17.32% हिस्सा है। जिसमें ल. 53% लोग रोजगार प्राप्त करते हैं।

उद्योग क्षेत्र में 2016-2017 के आंकड़ों के अनुसार कुल G.D.P. में हिस्सा 31% है। उद्योग क्षेत्र में खनन, उत्खनन, विनिर्माण, गैस, बिजली, निर्माण, जल आपूर्ति आदि शामिल है।

सेवा क्षेत्र में 2016-17 के आंकड़ों के अनुसार कुल G.D.P. में हिस्सा 53.66% है। सेवा क्षेत्र में वित्तीय, अचल सम्पत्ति, पेशेवर सेवाएं. लोक प्रशासन, रक्षा, व्यापार, होटल, परिवहन, संचार, प्रसारण से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

84. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : नव क्लासिकल अर्थशास्त्र के अनुसार व्यापार-चक्रों की प्रकृति मौद्रिक है।

तर्क (R) : ये वास्तविक मजदूरी दर में गिरावट के परिणाम है।

कूट :

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Ans : (b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
नव क्लासिकल अर्थशास्त्र के अनुसार व्यापार-चक्रों की प्रकृति वास्तविक है। अर्थात् व्यापार चक्र वास्तविक कारकों बचत, विनियोग, तकनीकि, रोजगार आदि में होने वाले परिवर्तनों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते है।

85. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : अल्पाधिकारी बाज़ार में मूल्य अनम्यता होती है।

तर्क (R) : स्पर्धी फर्मे मूल्य वृद्धि का अनुसरण न करके मूल्य गिरावट का अनुसरण करती है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है ।
अल्पाधिकारी बाजार में विकुंचित मांग वक्र का निर्माण पॉल स्वीजी ने किया था जिसमें उन्होंने मूल्य तथा उत्पादन दोनों में अनम्यता की व्याख्या की।

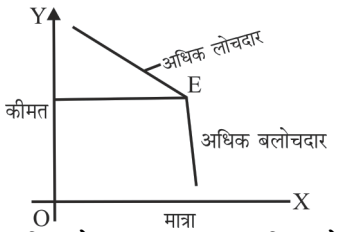

E बिन्दु के ऊपर मांग वक्र अधिक लोचदार होने के कारण यदि एक व्यापारी मूल्य में वृद्धि करता है तो अन्य व्यापारी इसका अनुसरण नहीं करेंगे किन्तु E बिन्दु के नीचे मांग वक्र अधिक बेलोचदार होने के कारण यदि एक व्यापारी मूल्य में गिरावट करता है तो अन्य व्यापारी भी इसका अनुसरण करेंगे। अतः उपरोक्त कथन सत्य है।

86. समाश्रयण विश्लेषण में यदि मात्रात्मक चर में 'm' वर्ग हैं, तो कितने मूक चर सम्मिलित किए जा सकते हैं?

(a) केवल m + 1 मूक चर (b) केवल m मूक चर
(c) केवल m - 1 मूक चर (d) केवल 2m चर

Ans : (c) प्रतीपगमन विश्लेषण में मात्रात्मक विश्लेषण किया जाता है जबकि मूक चर में गुणात्मक विश्लेषण किया जाता है। गुण की उपस्थिति में 1 तथा गुण मूल्य की अनुपस्थिति को 0 से निरूपण किया जाता है।
दो गुण वर्गों में विभेद करने के लिए 1 एक ही मूक चर पर्याप्त है।
जिस वर्ग का 0 मान नियत किया जाता है, उसे आधार वर्ष कहते हैं।
मूक चर के साथ के गुणांकों (β_2) को विभेदीकृत अतः खण्ड गुणांक कहा जाता है।

87. अर्थमिति मॉडल में सहजातीय समीकरण के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

(i) आकलन से पूर्व अभिनिर्धारण की क्रम और कोटि दोनों शर्तों को पूरा करता है।
(ii) अभिनिर्धारण के लिए क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पर्याप्त शर्त नहीं है।
(iii) अति अभिनिर्धारित समीकरणों के लिए द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग विधि उपयुक्त है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :

(a) (i) और (iii) (b) (i),(ii) और (iii)
(c) केवल (ii) (d) केवल (i)

Ans : (b) उपरोक्त तीनों कथन सत्य हैं।
(1) आकलन से पूर्व अभिनिर्धारण की क्रम और कोटि दोनों शर्तों का पूरा करता है।
(2) अभिनिर्धारण के लिए क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पर्याप्त शर्त नहीं है।
(3) अति अभिनिर्धारित समीकरणों के लिए द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग विधि उपयुक्त है।

88. नीचे दिए गए आरेख के लिए, निम्नलिखित में से कौन-सा अवकलजों के पदों में सही है?

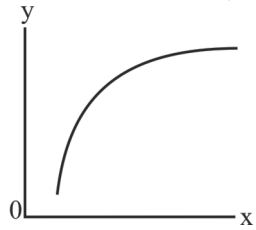

(a) $\frac{dy}{dx} < 0, \frac{d^2y}{dx^2} > 0$ (b) $\frac{dy}{dx} > 0, \frac{d^2y}{dx^2} < 0$
(c) $\frac{dy}{dx} > 0, \frac{d^2y}{dx^2} > 0$ (d) $\frac{dy}{dx} < 0, \frac{d^2y}{dx^2} < 0$

Ans : (b)

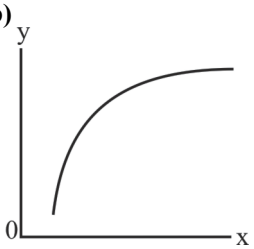

$\frac{dy}{dx} > 0, \frac{d^2y}{dx^2} < 0$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

89. **यदि उपभोक्ता का माँग फलन** $p = 27 - 3x - x^2$ **(जहाँ** x = **माँग की मात्रा,** p = **कीमत) है,** x = 3 **पर उपभोक्ता अतिरेक है?**

(a) 31.5 (b) 50.5
(c) 49.5 (d) 32.5

Ans : (a) $p = 27 - 3x - x^2$

$x = 3$

$p = 27 - 3 \times 3 - 3 \times 3$

$= 27 - 9 - 9$

$\boxed{P = 9}$

$C.S. = \int_0^3 P.dx - P.x$

$\int_0^3 (27 - 3x - x^2)dx - 9 \times 3$

$\left[27x - \frac{3x^2}{2} - \frac{x^3}{3}\right]_0^3 - 27$

$81 - \frac{27}{2} - \frac{27}{3} - 27$

$54 - \frac{27}{2} - \frac{27}{3} = \frac{54 \times 6 - 27 \times 3 - 27 \times 2}{6}$

$= \frac{324 - 81 - 54}{6} = \frac{189}{6} = 31.5$

90. **द्वि-चर समाश्रयण में, यदि आश्रित और स्वतंत्र चरों Y और X के बीच सहसंबंध गुणांक 0.7 है, तो X के द्वारा Y में कितने प्रतिशत विचरण की व्याख्या होती है।**

(a) 0.7 % (b) 7 %
(c) 49 % (d) 70%

Ans : (c) 49%

$\therefore$ 0.7 = 7%

आश्रित तथा स्वतंत्र चरों के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक $= r^2$

$7^2 = 49$ % उत्तर

91. **किसी वस्तु की माँग फलन** $q = kp^{-r}$ **(यहाँ** p **कीमत है,** q **माँग की मात्रा और** k **तथा** r **धनात्मक अचर है) के लिए माँग की कीमत लोच निम्नलिखित में से कौन-सी है?**

(a) 1
(b) $\frac{1}{r}$
(c) r
(d) अचर नहीं क्योंकि फलन ग़ैर-रैखिक है

Ans : (c) $\Rightarrow$ $q = kp^{-r}$ --------- (i)

$e_d = -\frac{dq}{dp}.\frac{p}{q}$ --------- (ii)

समी. (i) p के सापेक्ष अवकलन करने पर

$\frac{dq}{dp} = -krp^{-r-1}$

समी. (ii) से

$e = -(-krp^{-r-1}) \cdot \frac{P}{kp^{-r}}$

$= krp^{-r} p^{-1} \times \frac{p^{+1}}{kp^{-r}}$

$\boxed{e = r}$

92. **किसी फर्म के दस वर्षों के बिक्री संबंधी वार्षिक आँकड़ों की समय श्रृंखला के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**

(i) श्रृंखला में मौसमी विचरण होगा।
(ii) श्रृंखला में दीर्घकालीन प्रवृत्ति होगी
(iii) श्रृंखला में चक्रीय विचरण होगा।

नीचे दिए गए कूट में से उत्तर को चुनिए :

(a) (i) और (iii) (b) (i), (ii) और (iii)
(c) (ii) और (iii) (d) (i) और (ii)

Ans : (c) श्रृंखला में दीर्घकालीन प्रवृत्ति होगी।
श्रृंखला में चक्रीय विचरण होगा

93. **निम्नलिखित सूचकांक संख्या की श्रृंखला पर ध्यान दीजिए :**

वर्ष	**: 2014**	**2015**	**2016**
सूचकांक संख्या	**: 100**	**120**	**126**

यदि आधार वर्ष बदल कर 2015 कर दिया जाता है, तो नई श्रृंखला में वर्ष 2016 में सूचकांक का मान कितना होगा?

(a) 95.2 (b) 106
(c) 151.2 (d) 105

Ans : (d) आधार वर्ष = 100

120 = 100

$1 = \frac{100}{120} = \frac{100}{120} \times 126$

$= 21 \times 5 = 105$ उत्तर

94. **एक एकाधिकारी का रैखिक माँग वक्र** $p = 100 - 4q$ **है, जबकि उसका लागत फलन** $C = 50 + 20q$ **है। इस एकाधिकारी के लिए लाभ अधिकतम करने हेतु उत्पादन है।**

(a) 20 (b) 5
(c) 40 (d) 10

Ans : (d) $P = 100 - 4q$

$TC = 50 + 20q$

$TR = P.Q$

$= (100 - 4q) \times q$

$TR = 100q - 4q^2$

$\therefore MR = \frac{d(TR)}{Q}$

$MR = 100 - 8q$

$MC = \frac{d(TC)}{Q}$

$TC = 50 + 20q$

$MC = +20$

लाभ (π) $\Rightarrow$ MC = MR

$20 = 100 - 8q$

$-80 = -8q$

$\frac{-80}{-8} = q$

$\boxed{q = 10}$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

95. स्वतः सहसंबंध का अर्थ है

(a) समाश्रयण मॉडल के त्रुटि पद स्वतंत्र नहीं होते हैं।
(b) समाश्रयण मॉडल के त्रुटि पदों के वर्ग समान रूप से फैले नहीं होते हैं।
(c) समाश्रयण मॉडल के त्रुटि पद एक या अधिक समाश्रयकों के साथ संबंधित होते हैं।
(d) समाश्रयण मॉडल के त्रुटि पदों का प्रसरण सभी आँकड़ों के लिए अचर नहीं है।

Ans : (a) स्वतः सहसम्बन्ध क्रमिक समय अन्तरालों पर होता है। यह दो अलग-अलग समय श्रृंखलाओं के बीच सहसम्बन्ध की गणना करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

$r = +1.0 \Rightarrow$ एक पूर्ण धनात्मक स्वतः सहसम्बन्ध

$r = -1.0 \Rightarrow$ एक पूर्ण ऋणात्मक स्वतः सहसम्बन्ध

यदि स्वतः सहसम्बन्ध नकारात्मक है तो श्रृंखला के मध्य गैर रैखिक स्वतः सम्बन्ध हो सकता है।

96. हैरॉड की संवृद्धि मॉडल निम्नवत् दिया गया है :

$S_t = \alpha Y_t \qquad 0 < \alpha < 1$

$I_t = \beta[Y_t - Y_{t-1}] \qquad \beta > 0$

$S_t = I_t$

जहाँ S_t = बचत, Y_t = आय, I_t = निवेश, t = समय

आर्थिक संवृद्धि के इस मॉडल में, आर्थिक संवृद्धि की शर्त है

(a) $\frac{\beta}{\alpha - \beta} > 0$ (b) $\frac{\beta}{\beta - \alpha} > 1$

(c) $\frac{\beta}{\alpha} > 0$ (d) $\frac{\beta}{\beta - \alpha} < 0$

Ans : (b) $St = \alpha Y_t$

$It = \beta\ (Y_t - Y_{t-1})$

$St = It$

$\alpha Y_t = \beta(Y_t - Y_{t-1})$

$\alpha Y_t = \beta Y_t - \beta Y_{t-1})$

$(\beta - \alpha) Y_t = \beta Y_{t-1}$

$(\beta - \alpha) Y_t = \beta Y_{t-1}$

$\frac{Y_t}{Y_t - 1} = \frac{\beta}{(\beta - \alpha)}$

$\frac{Y_t}{Y_{t-1}} > 0 \alpha 1$

$\frac{\beta}{\beta - \alpha} > 1$

97. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिये :

सूची-I	सूची-II
(a) हॉकिन्स-साइमन शर्ते	(i) क्रीडा सिद्धान्त
(b) सैडल बिन्दु	(ii) ग़ैर रैखिक प्रोग्रामिंग
(c) सिम्प्लेक्स विधि	(iii) आगत-निर्गत विश्लेषण
(d) कुन-टकर शर्ते	(iv) रैखिक प्रोग्रामिंग

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

Ans : (c)

हॉकिन्स-साइमन शर्ते	-	आगत निर्गत विश्लेषण
सैडल बिन्दु	-	क्रीडा सिद्धान्त
सिम्प्लेक्स विधि	-	रैखिक प्रोग्रामिंग
कुन-टकर शर्ते	-	गैर-रैखिक प्रोग्रामिंग

98. सूची-I को सूची-II का सही मिलान करें ?

सूची-I	सूची-II
(A) डॉल्फी-प्रमेय	(i) भविष्यता
(B) डिक्की-फुलर टेस्ट	(ii) स्थिरता
(C) डार्विन-वाटसन टेस्ट	(iii) स्वतः सहसम्बन्ध
(D) स्टूडेन्ट टी टेस्ट	(iv) प्रतीमगमन गुणांक में सार्थकता का माप

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans : (c)

डॉल्फी प्रमेय	-	भविष्यता
डिक्की-फुलर टेस्ट	-	स्थिरता
डार्बिन वाटसन टेस्ट	-	स्वतः सहसम्बन्ध
स्टूडेन्ट टी टेस्ट	-	प्रतीपगमन गुणांक में सार्थकता की माप

99. एक बाक्स में 10 बल्ब रखे हैं, जिनमें से 4 खराब हैं। यदि 3 बल्बों को बिना बदले हुए यादृच्छिक रूप से निकाला जाता है, तो सभी तीन बल्बों के खराब होने की प्रायिकता कितनी होगी?

(a) $\frac{1}{30}$ (b) $\frac{4}{10}$

(c) $\frac{3}{4}$ (d) $\frac{3}{10}$

Ans : (a) $\frac{4C_3}{10C_3}$

$= \frac{4C_3}{10C_3}$

$= \frac{\frac{|4}{|4-3.|3}}{\frac{|10}{|10-3|3}}$

$= \frac{|4}{|4} = \frac{|4}{10 \times 9 \times 8 \times 7} = \frac{4 \times 3 \times 2 \times 1}{10 \times 9 \times 9} = \frac{1}{30}$

100. यदि दो समय श्रृंखलाएं अलग-अलग अस्थैतिक हैं पर उनकी रैखिक संयुक्ति स्थैतिक है यह किसका उदाहरण है।

(a) नकली समाश्रयण (b) सहएकीकरण
(c) उपनति स्थैतिकता (d) रैंडम वाक (यादृच्छिक चाल)

Ans : (b) सहएकीकरण इसका उदाहरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2019
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. कॉब-डगलस उत्पादन फलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(A) यह लंबी अवधि का उत्पादन फलन है

(B) यह लघु अवधि का उत्पादन फलन है

(C) यह पैमाने पर बढ़ते प्रतिफल पर आधारित है

(D) कारकों के सापेक्ष उत्पाद लोच स्थिर होते हैं

सही विकल्प चुनिए :

(a) (A) और (C) (b) (A) और (D)

(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

UGC- NTA Economic June 2019

Ans. (b) : कॉब-डॉग्लस उत्पादन फलन का प्रतिपादन कॉब तथा डग्लस नामक अर्थशास्त्रीयों ने किया था। जिसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं–

(1) उत्पादन के साधनों में पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्राप्त होते हैं। अर्थात् उत्पादन फलन में समता पैमाने के नियम प्राप्त होते हैं।

(2) किसी वस्तु के उत्पादन में न्यूनतम दो साधनों की आवश्यकता होती है जैसे–पूँजी तथा श्रम।

(3) किसी एक उत्पादन के साधन की मात्रा शून्य कर दी जाए तो कुल उत्पादन शून्य होगा।

(4) यूलर प्रमेय की सार्थकता को सिद्ध करता है।

(5) प्रतिस्थापन की लोच 1 के बराबर होती है।

(6) औसत उत्पादकता तथा सीमान्त उत्पादकता सदैव धनात्मक होगी।

(7) उत्पादन की द्वितीय अवस्था में ही उत्पादन सम्भव होगा।

(8) उत्पादन फलन बाएं से दाएं नीचे गिरता हुआ होगा।

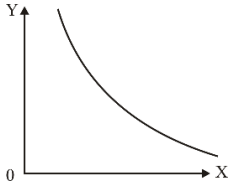

2. निम्नलिखित में से रणनीति के चयन की कौन-सी विधि जोखिम निवारण व्यवहार के साथ संगत है?

(a) यदि दो रणनीतियों का प्रत्याशित समान लाभ हो, तो लघुतर मानक विचलन वाले को चुनें

(b) यदि दो रणनीतियों का समान विचलन हो, तो प्रत्याशित लघुतर लाभ वाले को चुनें

(c) यदि दो रणनीतियों का समान मानक विचलन हो, तो विचरण के दीर्घतर गुणांक वाले को चुनें

(d) यदि दो रणनीतियों के प्रत्याशित भिन्न लाभ हों, तो दीर्घतर मानक विचलन वाले को चुनें

Ans. (a) : रणनीति चयन का सम्बन्ध खेल सिद्धान्त से है। खेल सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो. न्यूमॉन मॉर्गेस्टन ने "The theory of Gams" नामक पुस्तक में किया था। खेल सिद्धान्त जीवन की एक विशेष परिस्थिति की तरह होता है, जिसमें क्रेता तथा विक्रेता आपस में परस्पर क्रिया-प्रतिक्रिया करते हैं तथा एक-दूसरे की क्रिया प्रतिक्रिया से प्रभावित होते हैं। इसके अन्तर्गत क्रेता तथा विक्रेता जोखिम निवारण हेतु रणनीतियों का चयन करते हैं जिसके लिए आवश्यक है कि यदि दो रणनीतियों का प्रत्याशित लाभ समान हो, तो लघुत्तर मानक विचलन को चुना जाना चाहिए।

3. असयोगात्मक क्रीडाओं के अंतर्गत

(a) अपने प्रतिपक्षी के दृष्टिकोण को समझना आवश्यक है

(b) अपने प्रतिपक्षी के दृष्टिकोण को समझना आवश्यक नहीं है

(c) अपने प्रतिरक्षी के दृष्टिकोण को समझना और उसकी संभावित अनुक्रियाओं के अनुसार निगमन करना आवश्यक है

(d) अपने प्रतिपक्षी की संभावित अनुक्रियाओं को समझना आवश्यक है

Ans. (c) : खेल सिद्धान्त के अन्तर्गत जब परस्पर प्रतिद्वन्दी आपस में सहयोग स्थापित नहीं करते हैं, तो उनके लिए आवश्यक है उन्हें अपने अनुकूलतम स्तर को प्राप्त करने के लिए अपने प्रतिद्वन्दी के दृष्टिकोण से अवगत होना चाहिए तथा उसके द्वारा लिए जा सकने वाले समस्त निर्णयों के प्रति सचेत रहना चाहिए। सामान्यतः यह स्वीकार किया जाता है कि सहयोग, संघर्ष से बेहतर होता है अर्थात् यदि दो प्रतिद्वन्दी आपस में मिलकर रणनीतियों का निर्माण करें तो परस्पर प्रतिद्वन्दिता की तुलना में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

4. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(A)	विभिन्न संयोजन, जिन्हें क्रेता क्रय कर सकता है	(i)	अनधिमान मानचित्र
(B)	दो वस्तुओं के विभिन्न संयोजन, जो उपभोक्ता को समान अभिपुष्टि प्रदान करते हैं	(ii)	अनधिमान वक्र
(C)	अनधिमान वक्रों का समुच्चय	(iii)	बजट रेखा
(D)	अनधिमान वक्र पर बजट रेखा का स्पर्श-बिन्दु	(iv)	उपभोक्ता का संतुलन

सही विकल्प चुनिए :

(a) (a) - (i); (b) - (ii); (c) - (iv); (d) - (iii)
(b) (a) - (iv); (b) - (iii); (c) - (i); (d) - (ii)
(c) (a) - (ii); (b) - (iii); (c) - (iv); (d) - (i)
(d) (a) - (iii); (b) - (ii); (c) - (i); (d) - (iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d)	
सूची–I	**सूची–II**
विभिन्न संयोजन, जिन्हें क्रेता क्रय कर सकता है।	बजट रेखा
दो वस्तुओं के विभिन्न संयोजन, जो उपभोक्ता को समान अभिपुष्टि प्रदान करते हैं	अनधिमान वक्र
अनधिमान वक्रों का समुच्चय	अनधिमान मानचित्र
अनधिमान वक्र पर बजट रेखा का स्पर्श बिन्दु	उपभोक्ता का संतुलन

निर्देश : (5-7) : निम्नलिखित अनुच्छेद और आरेख को पढ़िए तथा दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एकाधिकारी सीमांत लागत से अधिक मूल्य वसूलते हैं। वे सभी उपभोक्ता, जो वस्तु की लागत की तुलना में वस्तु को महत्त्व देते हैं, उसको खरीदते हैं। अतः एकाधिकारी द्वारा उत्पादित और विक्रय की गई मात्रा सामाजिक रूप से कुशल स्तर से नीचे होती है। मांग वक्र और सीमांत लागत वक्र के बीच त्रिकोण को क्षेत्र 'डेड वेट लॉस' (डेड वेट हानि) का प्रतिनिधित्व करता है।

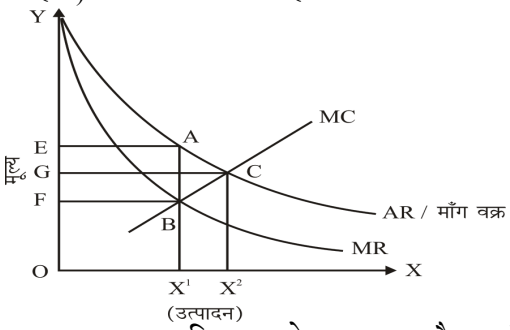

5. उदाहरण का सामाजिक रूप से कुशल स्तर कौन-सा है?

(a) OX^1 (b) OX^2
(c) AX^1 (d) CX^2

Ans. (b)

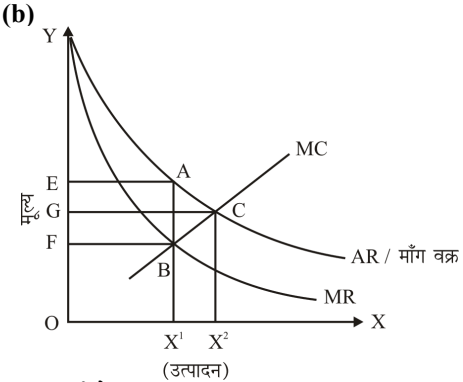

एकाधिकारी फर्म के लिए
सामाजिक रूप से कुशल उत्पादन स्तर के लिए निम्न शर्तें आवश्यक हैं–

(1) सीमान्त लागत वक्र औसत आय वक्र को नीचे से काटे तथा ऊपर उठती हुई हो।
(2) AR > MR
(3) MR = MC

उपरोक्त विशेषताएं बिन्दु C पर संतुष्ट होती है जहाँ पर अनुकूलतम उत्पादन स्तर OX^2 है तथा मूल्य OG है। इस बिन्दु पर सामाजिक रूप से कुशलतम उत्पादन स्तर प्राप्त होगा।

6. किसका क्षेत्र 'डेड वेट लॉस' का प्रतिनिधित्व करता है?

(a) X^1X^2CA (b) X^1BCX_2
(c) OX^1AE (d) BAC

Ans. (d)

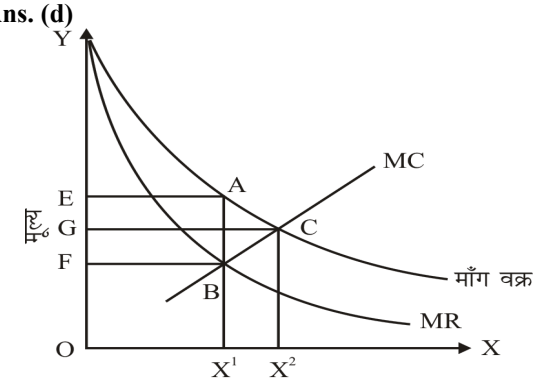

जब किसी भी अर्थव्यवस्था में सरकार द्वारा स्वतंत्र बाजार नीति में अनुदान या करारोपण के माध्यम से हस्ताक्षेप किया जाता है तो उससे 'डेड वेट लॉस' उत्पन्न होती है अर्थात् ऐसे परिव्यय जिससे समाज के किसी भी वर्ग को लाभ नहीं प्राप्त होता उसे "Ded weight loss" कहा जाता है।
रेखाचित्र में बिन्दु ABC डेड वेट लॉस को व्यक्त करते हैं।

7. एकाधिकारी के अंतर्गत क्या मूल्य वसूल किया जाएगा?

(a) OF (b) X^2C
(c) OE (d) OG

Ans. (c)

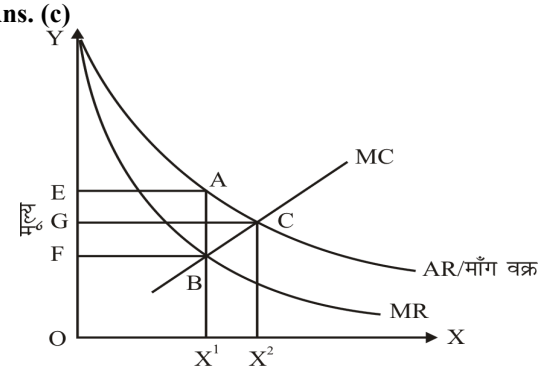

एकाधिकारी का अधिकतम लाभ उस बिन्दु पर होगा जहाँ

(1) MC = MR
(2) AR > AC
(3) AR > MC

अर्थात् रेखाचित्र के OE बिन्दु या X'A बिन्दु पर उपरोक्त तीनों शर्तें संतुष्ट होती हैं, इस प्रकार एकाधिकारी OE मूल्य प्राप्त कर अधिकतम लाभ प्राप्त करेगा।

8. सामान्य संतुलन विश्लेषण निर्धारित करता है

(a) सभी बाजारों में एक साथ मूल्यों और मात्राओं को
(b) सभी बाजारों में एक साथ मूल्यों और मात्राओं को और स्पष्ट रूप से प्रतिपुष्टि (फीडबैक) को दृष्टिगत रखता है
(c) प्रतिपुष्टि प्रभावों को
(d) सभी बाजारों में मूल्यों को

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सामान्य संतुलन विश्लेषण का प्रतिपादन प्रो. लियोन वालरा ने किया था जिसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं–

(1) सामान्य संतुलन विश्लेषण के अन्तर्गत सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में एक साथ संतुलन की व्याख्या की जाती है।

(2) यह पूर्ण प्रतियोगिता की अवधारणा पर आधारित है।

(3) यह 2×2×2 मॉडल पर आधारित है अर्थात् दो वस्तुओं, दो श्रम तथा दो पूँजी पर आधारित है।

(4) सभी बाजारों में एक साथ मूल्यों और मात्राओं को और स्पष्ट रूप से प्रतिपुष्टि (फीडबैक) की दृष्टिगत रखता है।

(5) संतुलन की अवस्था में अज्ञात चरों की संख्या तथा अज्ञात समी. की संख्या समान रहती है।

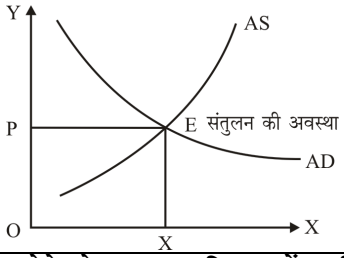

9. बीमित होने के बाद व्यक्ति क्यों अधिक जोखिम तरीकों से कार्य करते हैं?

(a) प्रतिकुल चयन की समस्या के कारण
(b) मिथ्या आत्मविश्वास की समस्या के कारण
(c) नैतिक खतरे की समस्या के कारण
(d) जांच-लागतों की समस्या के कारण

Ans. (3) : अर्थव्यवस्था में आर्थिक अभिकर्ताओं द्वारा असममित सूचनाओं के कारण नैतिक निर्णय नहीं लिए जाते हैं जिसके कारण नैतिक दुष्चारियाँ उत्पन्न होती हैं जब आर्थिक अभिकर्ताओं द्वारा किसी भी मद के सन्दर्भ में बीमा कराया जाता है तो ऐसे में उनके द्वारा नैतिक निर्णय नहीं लिए जाते क्योंकि बीमित वस्तु के खराब होने पर उसका भुगतान बैंक द्वारा किया जाता है। इसी समस्या को नैतिक दुष्चारियाँ या नैतिक खतरे की समस्या कहते हैं।

10. The inconsistency of which one of the following criteria is labelled as Scitovsky Paradox?
निम्नलिखित में से किस कसौटी की असंगतता को सिटोवस्की पैरेडॉक्स (सिटोवस्की विरोधाभास) के रूप में नाम दिया गया है?

(a) Little criterion/ लिटिल कसौटी
(b) Pareto criterion/ पैरेटो कसौटी
(c) Bergson criterion/ बर्गसन कसौटी
(d) Kaldor-Hicks criterion/ कैल्डार-हिक्स कसौटी

Ans. (d) : प्रो. टी. सिटोस्वस्की ने अपने दोहरे मापदण्ड के आधार पर हिक्स-केल्डार के मापदण्ड की आलोचना की तथा यह व्यक्त किया कि यदि दो उत्पादन सम्भावना वक्र एक-दूसरे को काटें तो हिक्स–केल्डार का मापदण्ड असफल हो जायेगा।

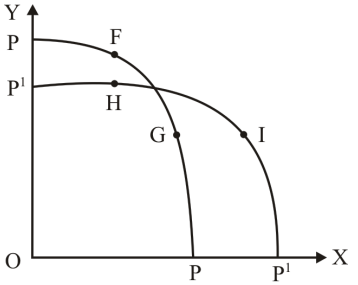

रेखाचित्र में PP तथा P^1P^1 दो उत्पादन सम्भावना वक्र हैं बिन्दु F पर PP उत्पादन सम्भावना वक्र, P^1P^1 उत्पादन सम्भावना वक्र के H बिन्दु से श्रेष्ठ है किन्तु बिन्दु G से बिन्दु I श्रेष्ठ है। इस प्रकार दो उत्पादन सम्भावना वक्र जब एक-दूसरे को स्पर्श करते हैं तो हिक्स-केल्डार मानदण्ड उपयुक्त नहीं है।

11. फर्में प्रतिस्पर्धी और अधिकतम लाभ बनाने वाली हैं तो किसके द्वारा श्रम का मांग वक्र निर्धारित किया जाता है?

(a) मजदूर के समय की अवसर-लागत द्वारा
(b) श्रम के सीमांत उत्पाद के मूल्य द्वारा
(c) प्रतिकारक आय और स्थानापन्नता प्रभाव द्वारा
(d) पूंजी के सीमांत उत्पाद के मूल्य द्वारा

Ans. (b : यदि फर्में परस्पर प्रतिस्पर्धी तथा अधिकतम लाभ प्राप्त करने वाली हों तो उनके द्वारा साधनों का तब तक प्रयोग किया जाता है, जब तक उनके द्वारा किया गया सीमान्त उत्पादन उनके सीमान्त मजदूरी के समान न हो। क्योंकि यदि सीमान्त उत्पादन, सीमान्त मजदूरी से अधिक हो तो फर्मों द्वारा साधनों को लगाने में लाभ होगा जिससे वे और अधिक साधन उत्पादन क्रिया में लगायेंगे किन्तु साधनों की गिरती हुई सीमान्त उत्पादकता के कारण एक समय बाद साधनों की सीमान्त उत्पादकता उनके सीमान्त मूल्य के बराबर हो जायेगी। यही अधिकतम लाभ का बिन्दु होगा क्योंकि इस बिन्दु के बाद सीमान्त मूल्य, सीमान्त उत्पादकता से अधिक होगा जिससे फर्मों को हानि प्राप्त होगी।

12. निर्गत (वस्तु-मिश्रण) की संरचना में पैरेटो की सीमांत दशा के लिए आवश्यक है:

(a) $MRTS^X_{L,K} = MRTS^Y_{L,K} = MRTS^Z_{L,K}$
(b) $MRS^A_{X,Y} = MRS^A_{X,Z} = MRS^B_{X,Z}$
(c) $MRTP_{X,Y} = MRS^A_{X,Y} = MRS^B_{X,Y}$
(d) $MRTS^X_{L,K} = MRTS^Y_{L,K} = MRTS^Z_{L,K}$

Ans. (c) : प्रो. वी. पैरेटो ने अपने कल्याणवादी सिद्धान्त में तीन प्रकार के संतुलन की व्याख्या की।

(1) उपभोक्ता का संतुलन

$$MRS_{xy} = \frac{P_x}{P_y} \text{ या } \frac{MU_x}{MU_y}$$

(2) उत्पादन का संतुलन

$$MRTS_{LK} = \frac{P_L}{P_K} \text{ या } \frac{w}{r}$$

(3) उत्पाद वितरण की कुशलता

$$MRTP_{xy} = MRS^A_{xy} = MRS^B_{xy}$$

निर्देश : प्रश्न (13-15) : निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए -

मान लो, एक विशेष अर्थव्यवस्था में कुछ समयावधि के लिए निवेश 100 के बराबर था, सरकारी व्यय 75 के बराबर था, निवल करो को 100 पर नियत किया गया था और उपभोग फलन द्वारा उपभोग (C) दिया गया था :

$$C = 25 + 0.8Y_D$$

जहाँ Y_D निपदान आय और Y जी.डी.पी. है।

13. सरकारी व्यय गुणक $\left(\frac{\Delta Y}{\Delta G}\right)$ का मूल्य क्या है?

(a) 5 (b) 4
(c) 6 (d) 3

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सरकारी व्यय गुणक $= \frac{1}{1-\text{MPC}}$

$= \frac{1}{1-0.8}$

$= \frac{1}{0.2}$

$= 5$

14. संतुलन आय (Y) का क्या स्तर है?

(a) 700 (b) 600

(c) 850 (d) 800

Ans. (b)

$Y = C + I + G + (Y-T)$

$Y = 25+0.8(Y-100)+100+75$

$Y = 25+0.8Y-80+175$

$= 200-80+0.8Y$

$Y - 0.8Y = 120$

$Y(1-0.8) = 120$

$0.2Y = 120$

$Y = \frac{120}{0.2}$

$= \frac{1200}{2}$

$\boxed{Y = 600}$

15. कर गुणक का मूल्य $\left(\frac{\Delta Y}{\Delta T}\right)$ क्या है?

(a) -3 (b) -2

(c) -5 (d) -4

Ans. (d) : कर गुणक $= \frac{-b \text{ या } \text{MPC}}{1-\text{MPC}}$

$= \frac{-0.8}{1-0.8}$

$= \frac{-0.8}{+0.2} = -4$

16. निम्नांकित में से कौन-सा आधुनिक नौकरी पाने के लिए एक व्यक्ति के लिए आवश्यक स्कूलिंग के वर्ष की संख्या निर्धारित नहीं करता है?

(a) मजदूरी अथवा आय विभेदक

(b) आधुनिक क्षेत्र का रोजगार प्राप्त करने सफलता की संभाव्यता

(c) स्कूलिंग की अवसर लागत

(d) शहरी क्षेत्र में स्वास्थ सुविधा अवसंरचना का विकास

Ans. (d) : आधुनिक नौकरी पाने के लिए आवश्यक स्कूलिंग के लिए निम्नलिखित मदों को शामिल किया जाता है–

(1) मजदूरी अथवा आय विभेदक

(2) आधुनिक क्षेत्र का रोजगार प्राप्त करने में सफलता की सम्भाव्यता

(3) स्कूलिंग की अवसर लागत

अतः शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा अवसंरचना के विकास को नहीं शामिल किया जाता।

17. Match List-I with List - II
सूची–I तथा सूची–II का मिलान करें–

List - I **सूची–I** **(Institutions)** **संस्थायें**	**List - II** **सूची–II** **(Established)** **स्थापना**
(A) ICICI	(i) 1985
(B) IRBI	(ii) 1964
(C) IFCI	(iii) 1955
(D) IDBI	(iv) 1948

Choose the correct option from those given below :
दिये गए विकल्पों में सही विकल्प का चयन करें :

(a) (A) - (i); (B) - (ii); (C) - (iii); (D) - (iv)

(b) (A) - (ii); (B) - (iii); (C) - (iv); (D) - (i)

(c) (A) - (iii); (B) - (i); (C) - (iv); (D) - (ii)

(d) (A) - (iii); (B) - (ii); (C) - (i); (D) - (v)

Ans. (c)

सूची–I	सूची–II
ICICI	1955
IRBI	1985
IFCI	1948
IDBI	1964

18. Under which system the central bank is authorised by law to issue a fixed amount of notes against government securities and any excess is to be fully backed by gold/silver?
किस प्रणाली के अन्तर्गत केन्द्रीय बैंक को विधिक रूप से यह अधिकार प्राप्त है कि वह सरकारी प्रतिभूतियों के बदले एक नियत मात्रा में मुद्राएं जारी कर सकता है और किसी भी अधिकता के बदले स्वर्ण/चाँदी रखनी पड़ती है?

(a) Maximum fiduciary system
अधिकतम प्रत्ययी प्रणाली

(b) Minimum reserve system
न्यूनतम आरक्षित प्रणाली

(c) Fixed fiduciary system
नियत प्रत्ययी प्रणाली

(d) Maximum and minimum fiduciary system
अधिकतम और न्यूनतम प्रत्ययी प्रणाली

Ans. (c) : नियत प्रत्ययी प्रणाली के अन्तर्गत केन्द्रीय बैंक को कानूनी रूप से यह अधिकार प्राप्त है कि वह सरकारी प्रतिभूतियों के बदले एक निश्चित मात्रा में मुद्राएं जारी कर सकता है और किसी भी अधिकता के बदले स्वर्ण/चाँदी रखनी पड़ती है। नियत प्रत्ययी प्रणाली की शुरुआत 1957 ई. में हुई थी।

19. निम्नांकित में से कौन-सा संवृद्धि मॉडल प्रौद्योगिकी को बहिर्जात पर मानता है?

(a) सोलो मॉडल (b) रॉबिंसन मॉडल

(c) ल्यूकास मॉडल (d) टोडेरो मॉडल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : प्रो. रॉबर्ट सोलो ने सतत् सम्वृद्धि दर की व्याख्या की जिसमें उन्होंने हैरॉड-डोमर द्वारा प्रतिपादित चाकू धार समस्या की आलोचना की। सोलो मॉडल की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं–

(1) तकनीकी बर्हिजात चर है।
(2) पूँजी तथा श्रम में पूर्ण प्रतिस्थापन सम्भव है।
(3) बचत दर स्थिर है।
(4) बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता है।
(5) अर्थव्यवस्था में सिर्फ 1 वस्तु का उत्पादन होता है।
(6) मजदूरी तथा कीमतें पूर्णतः लोचदार होती हैं।
(7) पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्राप्त होते हैं।

20. Which of NOT the main objective of credit control?
निम्नलिखित में से कौन-सा साख नियंत्रण का मुख्य उद्देश्य नहीं है?

(a) Stabization of general price level
सामान्य मूल्य स्तर का स्थिरीकरण
(b) Promoting economic growth
आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन देना
(c) Ensuring adequate flow of credit to productive sectors
उत्पादक क्षेत्रों के साख के पर्याप्त प्रवाह को सुनिश्चित करना
(d) Promoting economic welfare
आर्थिक कल्याण को प्रोत्साहन देना

Ans. (d) : अर्थव्यवस्था में साख नियंत्रण मौद्रिक नीति का उपागम है जिसके तहत निम्नलिखित उद्देश्य शामिल हैं–

(1) कीमत स्थिरता।
(2) धीमी स्फीति के साथ निरन्तर बढ़ती हुई आर्थिक संवृद्धि।
(3) उत्पादक वर्ग की पर्याप्त साख सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
(4) वित्तीय समावेशन

आर्थिक कल्याण को प्रोत्साहित करना राजकोषीय नीति का प्रमुख उद्देश्य है अतः मौद्रिक नीति के तहत इसको नहीं शामिल किया जाता।

21. Which one of the following items is included in the Capital Account of the balance of payment of a country?
एक देश के भुगतान संतुलन के पूँजीगत लेखा में निम्नलिखित में से कौन-सी मद सम्मिलित नहीं की जाती है?

(a) Investment income / निवेश आय
(b) Invisibles / अदृश्य
(c) Commercial borrowings / वाणिज्यिक उधारियाँ
(d) Private transfer / निजी अंतरण

Ans. (b) : पूँजी खाता पूँजी का वित्तीय प्रवाह प्रदर्शित करता है। इसके अन्तर्गत स्वर्ण सहित अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक अन्तर्राष्ट्रीय पूँजीगत हस्तान्तरण सम्मिलित होते हैं। इसके अन्तर्गत सम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए कोषों के हस्तान्तरण से सम्बन्धित सभी भुगतानों, सभी ऋणों तथा सभी विनियोगों को सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार के लेन-देन निजी व्यक्तियों तथा संस्थाओं या सरकारों द्वारा अथवा दोनों के द्वारा हो सकता है। इसके अन्तर्गत अदृश्य लेन-देनों को नहीं शामिल किया जाता है। क्योंकि अदृश्य लेन-देन चालू खाते का भाग है।

22. अर्थशास्त्री 'फाइनेन्शियल क्राउडिंग आउट' से क्या अर्थ मानते हैं?

(a) साख-राशनिंग
(b) सरकार जो उधार लेती है, उसका निजी निवेश के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता
(c) सरकार द्वारा उधार राशियां लेने से ब्याज दर बढ़ती है
(d) भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंक द्वारा उधार देने पर नियंत्रण करता है

Ans. (c) : जब सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है, यदि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति स्थिर हो, तो सरकार द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए निवेश से मुद्रा की पूर्ति में कमी होगी जिससे ब्याज दर में वृद्धि होगी, कारणवश निजी निवेशक हतोत्साहित होंगे जिसे क्राउड आउट कहा जाता है।

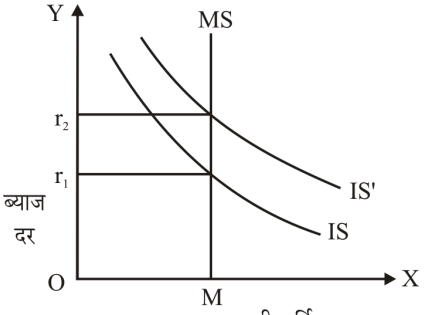

रेखाचित्र में प्रारम्भिक ब्याज दर or_1 है, सरकार द्वारा किए गए व्यय के परिणामस्वरूप IS वक्र विवर्तित होकर IS' होने पर ब्याज दर or_2 हो जाती है।

23. The liquidity aggregates are classified as
तरलता समग्रों को किस रूप में वर्गीकृत किया गया है?

(a) L_1, L_2 and L_3 (b) M_1, M_2 and M_3
(c) NM_3 (d) M_1, M_2, M_3 and M_4

Ans. (a) : समग तरलता समुच्चय

$L_1 \Rightarrow M_3$ + सम्पूर्ण पोस्ट ऑफिस बचत बैंक जमा (जिसमें राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र सम्मिलित है)

$L_2 \Rightarrow L_1$ + दीर्घकालीन ऋण देने वाली संस्थाओं तथा पुनर्वित्तीयन-संस्थाओं के साथ सावधि जमा + पुनर्वित्तीयन संस्थाओं द्वारा दीर्घकालीन उधारी + गैर वित्तीय संस्थाओं द्वारा निर्गत जमा प्रमाण-पत्र

$L_3 \Rightarrow L_2$+गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा धारित सार्वजनिक जमा।

24. A foreign exchange risk involves the transaction exposure, the accounting exposure and
विदेशी मुद्रा जोखिम में लेन-देन उद्रासन, लेखा उद्रासन और ---- सम्मिलित हैं

(a) the translation exporsure/अनुवाद उद्रासन
(b) the flexibility exporsure/लोच उद्रासन
(c) the rigidity exporsure/अनम्यता उद्रासन
(d) the economic exporsure/आर्थिक उद्रासन

Ans. (d) : विदेशी मुद्रा जोखिम में लेन-देन उद्रासन, लेखा उद्रासन तथा आर्थिक उद्रासन को शामिल किया जाता है। विदेशी मुद्रा की एक इकाई का मूल्य अपने देश की मुद्रा के रूप में विदेशी विनिमय दर कहलाता है। विदेशी विनिमय दरों में होने वाले उच्चावचनों से उत्पन्न हानियों से अपने को सुरक्षित करना हेजिंग (Hedging) कहलाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. In J. Robinson's growth model, capital accumulation depends on
जे. रॉबिन्सन के संवृद्धि मॉडल में, पूँजी संचयन किस पर निर्भर करता है?

(a) saving-income ratio
बचत-आय अनुपात

(b) profit-wage ralation and labour productivity
मुनाफा-मजदूरी सम्बन्ध और श्रम उत्पादकता

(c) profit-income ratio and capital productivity
मुनाफा-आय अनुपात और पूँजी उत्पादकता

(d) saving-investment ratio/बचत-निवेश अनुपात

Ans. (b) : प्रो. जॉन रॉबिन्सन ने the golden rule of accumulation में आर्थिक संवृद्धि मॉडल प्रस्तुत किया। उनके अनुसार पूँजी संचयन मुनाफा-मजदूरी सम्बन्ध और श्रम उत्पादकता पर निर्भर करती है। प्रो. जॉन रॉबिन्स Golden Age की बात की थी–

$$\text{Golden Rule} \Rightarrow \boxed{\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N}}$$

जहाँ = K ⇒ पूँजी
N = जनसंख्या
Δ = परिवर्तन की दर

26. सूची - I को सूची - II सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची - II
(A) बिग पुश का सिद्धान्त	(i) जे.एच.बेके
(B) अभीष्ट संवृद्धि दर	(ii) पॉल रोमर
(C) सामाजिक द्वैतवाद	(iii) रोसेंस्टीन रोडन
(D) अंतर्जात संवृद्धि दर	(iv) आर.एफ. हैरोड

सही विकल्प चुनिए -

(a) (A) - (ii); (B) - (iii); (C) - (iv); (D) - (i)
(b) (A) - (iii); (B) - (i); (C) - (iv); (D) - (ii)
(c) (A) - (iii); (B) - (iv); (C) - (i); (D) - (ii)
(d) (A) - (iv); (B) - (ii); (C) - (iii); (D) - (i)

Ans. (c)

सूची–I	सूची–II
बिग पुश का सिद्धान्त	रोजेन्सटीन रोडान
अभीष्ट संवृद्धि दर	आर.एफ. हैरोड
सामाजिक दैतवाद	जे.एच. बोंके
अन्तर्जात संवृद्धि दर	पॉल रोमर

27. As income falls, consumption declines but proportionately less than the decrease in income because the consumer desires to sustain standard of living. This is called
आय में गिरावट होने पर उपभोग में कमी आती है, लेकिन वह आय में कमी की तुलना में आनुपातिक रूप से कम होती है क्योंकि उपभोक्ता पिछले जीवन स्तर को बनाए रखने की इच्छा रखता है। इसे कहा जाता है

(a) ratchet effect/रैचेट प्रभाव
(b) wealth effect/सम्पत्ति प्रभाव
(c) demonstration effect/प्रदर्शन प्रभाव
(d) income effect/आय प्रभाव

Ans. (a) : रैचेट प्रभाव ⇒ प्रो. ड्यूसेनबरी ने रैचेट प्रभाव की व्याख्या की थी उनके अनुसार आय में गिरावट होने पर उपभोग में कमी आती है, लेकिन वह आय में कमी की तुलना में आनुपातिक रूप से कम होती है क्योंकि उपभोक्ता पिछले जीवन स्तर को बनाए रखने की इच्छा रखते हैं।

28. The rational expectations gypothesis suggests that the forecasts that people make concerning future inflation rates
तार्किक प्रत्याशा परिकल्पना मानती है कि व्यक्ति भावी मुद्रास्फीति दरों से सम्बन्धित जो भविष्वाणी करते हैं, उसमें वे

(a) consistently overestinates the actual rate of inflation in the future
भविष्य में मुद्रास्फीति की वास्तविक दर के बारे में निरन्तर अधिक अनुमान करते हैं

(b) are always correct / सदैव सही होते हैं

(c) consistently understimates the actual rate of inflaction in the future
भविष्य में मुद्रास्फीति की वास्तविक दर के बारे में कम अनुमान करते हैं

(d) are correct on an average but are subject to errors that are distributed randomly
औसत रूप से सही है लेकिन उन त्रुटियों के अध्याधीन है, जो यादृच्छिक रूप से वितरित है

Ans. (d) : विवेक पूर्ण प्रत्याशा का प्रतिपादन प्रो. रॉबर्ट लुकास के अनुसार आर्थिक अभिकर्ता विवेकशील होते हैं, जो अपने भूत, वर्तमान तथा भावी पूर्वानुमानों के आधार पर निर्णय लेते हैं, तथा भविष्यवाणी करते हैं जिसमें वे औसत रूप से सही हैं लेकिन उन त्रुटियों के अध्याधीन हैं, जो यादृच्छिक रूप से वितरित हैं। इस परिकल्पना के मतानुसार सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों का अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दर में परिवर्तन का निस्प्रभावी परिणाम प्राप्त होते हैं।

29. Liquidity approach is also known by the name
तरलता प्रत्यागम के नाम से भी जाना जाता है–

(a) Gurley-Shaw approach/गुर्ले-शा दृष्टिकोण
(b) Radcliffe approach/रेडक्लिफ दृष्टिकोण
(c) Traditional approach/परम्परागत दृष्टिकोण
(d) Monetarist approach/मुद्रावादी दृष्टिकोण

Ans. (b) : तरलता दृष्टिकोण को रेडक्लिफ कमेटी दृष्टिकोण के नाम से जाना जाता है।
रेडक्लिफ कमेटी के अनुसार–मुद्रा में वे सभी सम्पत्तियाँ सम्मिलित हैं जिन्हें क्रय की वित्तीय व्यवस्था के रूप में लाया जा सके या परिवर्तित किया जा सके। मुद्रा के अन्तर्गत करेन्सी के अतिरिक्त बैंक साख को बकाया हो, शामिल किया जाता है।

30. Assume that an economy begins in macroeconomic equilibrium, then taxes are significantly decreased. As a result of this change/मान लो एक अर्थव्यवस्था का समष्टि आर्थिक संतुलन में प्रारम्भ होता है, इसके बाद करों में महत्वपूर्ण कमी की जाती है इस परिवर्तन का परिणाम किस रूप में होता है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) there is expansion and deflation in the economy
अर्थव्यवस्था में विस्तार और अपस्फीति होते हैं
(b) there is recession and deflation in the economy
अर्थव्यवस्था में मंदी और अपस्फीति होते हैं
(c) there is expansion and inflation in the economy
अर्थव्यवस्था में विस्तार और मुद्रास्फीति होते हैं
(d) there is stagflation in the economy
अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीतिजनित मंदी होते हैं

Ans. (c) : यदि अर्थव्यवस्था में समष्टि भावी संतुलन विद्यमान हो तथा सरकार द्वारा करारोपण में कमी की जाए तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की जाए तो अर्थव्यवस्था में विस्तार की क्रिया प्रारम्भ होगी। लोगों के व्यय में वृद्धि होगी मुद्रा के मूल्य में कमी आयेगी तथा मुद्रास्फीति में वृद्धि होगी। अर्थव्यवस्था में धीरे-धीरे Boom की अवस्था आ जायेगी।

31. The commodity or Net Barter Terms of trade are represented by the formula/वस्तु अथवा शुद्ध अदल-बदल व्यापार की शर्तों का सूत्र क्या है?

(a) $\frac{\text{quantity of exports}}{\text{quantity of imports}} \times 100$

$\frac{\text{निर्यात की मात्रा}}{\text{आयात की मात्रा}} \times 100$

(b) $\frac{\text{Price} \times \text{quantity of exports}}{\text{Price} \times \text{quantity of imports}} \times 100$

$\frac{\text{मूल्य} \times \text{निर्यात की मात्रा}}{\text{मूल्य} \times \text{आयात की मात्रा}} \times 100$

(c) $\frac{\text{volume of exports}}{\text{volume of imports}} \times 100$

$\frac{\text{निर्यात का परिमाण}}{\text{आयात का परिमाण}} \times 100$

(d) $\frac{\text{price index of exports}}{\text{price index of imports}} \times 100$

$\frac{\text{निर्यात का मूल्य सूचकांक}}{\text{आयात का मूल्य सूचकांक}} \times 100$

Ans. (d) : वस्तु या शुद्ध विनिमय व्यापार की शर्त का सूत्र–

$$\frac{\text{निर्यात का मूल्य सूचकांक}}{\text{आयात का मूल्य सूचकांक}} \times 100$$

विदेशी विनिमय दर–विदेशी मुद्रा की एक इकाई का मूल्य अपने देश की मुद्रा के रूप विदेशी विनिमय दर कहलाता है।

32. इनमे से कौन अंतर्जात संवृद्धि. से संबंधित नहीं है?

(a) रॉबर्ट सोलो (b) पॉल रोमर
(c) रिबेलो (d) रॉबर्ट लुकास

Ans. (a) : प्रो. रॉबर्ट सोलो अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त से सम्बन्धित नहीं है। अन्तर्जात या नव आर्थिक संवृद्धि सिद्धान्त का प्रतिपादन पॉल रोमर ने किया था। बॉमल, रॉबर्ट लुकास इससे सम्बन्धित अर्थशास्त्री हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार आर्थिक विकास उत्पादन प्रक्रिया में निहित आन्तरिक कारकों द्वारा जनित होता है। यह दृष्टिकोण मानवीय पूँजी निर्माण में प्रत्यक्ष तथा निवेशों, विदेशी पूँजी को आकर्षित करने तथा सरकारी हस्ताक्षेप पर बल देता है।

33. 'Immiserizing growth' is the term given by संतापकारी संवृद्धि का प्रतिपादन किसने किया था

(a) Amartya Sen/अमर्त्य सेन
(b) N. Kaldor/एन. केल्डार
(c) Paul Krugman/पॉल क्रुगमैन
(d) Jagdish Bhagwati/जगदीश भगवती

Ans. (d) : संतापकारी संवृद्धि सिद्धान्त का प्रतिपादन 1958 में प्रो. जगदीश भगवती ने किया था। प्रो. जगदीश भगवती विदेशी पूँजी अन्तरप्रवाह के प्रमुख आलोचक थे।

34. Which of the following is an example of a public good?
दिये गए विकल्पों में सार्वजनिक वस्तु का उदाहरण है

(a) Residential building/आवासीय भवन
(b) National defence/राष्ट्रीय सुरक्षा
(c) Restaurant meals/रेस्टोरेन्ट
(d) Swimming pool of a house
एक मकान का स्विमिंग पुल

Ans. (b) : राष्ट्रीय सुरक्षा सार्वजनिक वस्तु का उदाहरण है। राज्य का अस्तित्व ही सामाजिक तथा मेरिट वस्तुओं तथा सेवाओं की आपूर्ति के लिए होता है जिन्हें या तो बाजार के द्वारा लोगों को नहीं पहुँचाया जा सकता या जिनके सम्बन्ध में बाजार असफल होता है जैसे–रक्षा, स्वास्थ्य, प्राइमरी शिक्षा, प्रशासनिक सेवा आदि। सार्वजनिक वस्तुओं की विशेषताएँ–
(1) गैर अपवर्जनीय (2) गैर प्रतिद्वन्दी (3) गैर अस्वीकार्यता

35. In the Balance of Payment Account, the tranfer payments are included in which one of the following?/भुगतान संतुलन खाते में अंतरण व्यय निम्नलिखित में से किसमें सम्मिलित किए जाते हैं?

(a) Capital Account/पूँजीगत खाता
(b) Sarvice Account/सेवागत खाता
(c) Current Account/चालू खाता
(d) Official Reserves Accountss
आधिकारिक आरक्षित खाता

Ans. (c) : भुगतान संतुलन–एक देश के निवासियों का विश्व के अन्य देशों के निवासियों के साथ सामान्यतया एक वर्ष के दौरान, जो अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवहार या लेन-देन होते हैं, उनकी प्रविष्टि जिस विवरण या खाते में करते हैं उसे भुगतान संतुलन कहते हैं।

भुगतान संतुलन में दो खाते शामिल होते हैं–

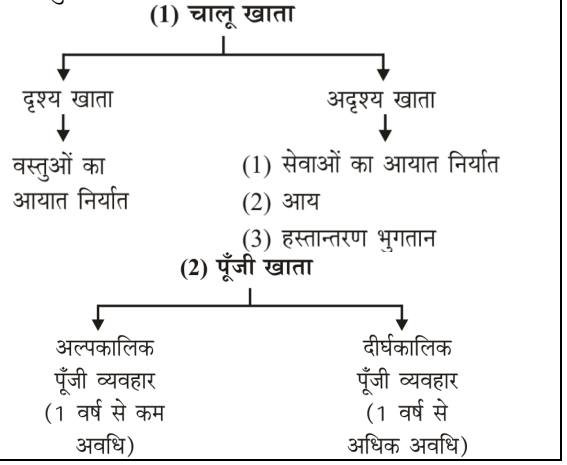

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. राजकोषीय व्यय में वृद्धि से

(a) फिलिप्स वक्र में बाई अंतरण होता है
(b) फिलिप्स वक्र में दाई ओर अंतरण होता है
(c) फिलिप्स वक्र पर ही संचलन इस प्रकार होता है कि बेरोजगारी बढ़ती है और मुद्रास्फीति भी बढ़ती है
(d) फिलिप्स वक्र पर ही संचलन इस प्रकार होता है कि बेरोजगारी में गिरावट आती है और मुद्रास्फीति बढ़ती है

Ans. (*) : राजकोषीय व्यय में वृद्धि से फिलिप्स वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होगा जिससे कि बेरोजगारी में गिरावट तथा मुद्रास्फीति में वृद्धि होती है। किन्तु NTANET के अंग्रेजी प्रक्रम में यह विकल्प उल्लेखित नहीं था अतः NTANET ने इस प्रश्न को हटा दिया है।

37. सूत्र $g = \frac{t - a_1 t_1}{1 - a_1}$ का उपयोग करते हुए प्रभावी संरक्षण दर की गणना कीजिए, यदि $g = 0.3, a_1 = 0.8$ और $t_1 = 0$ है, तो t के मान की गणना कीजिए :

(a) 0.2 (b) 0.3
(c) 0.1 (d) 0.4

Ans. (*)

$$0.3 = \frac{t - 0.8 \times 0}{1 - 0.8}$$

$$0.3 = \frac{t}{0.2} \quad t = 0.3 \times 0.2$$

$$t = 0.06$$

उत्तरमाला में उपर्युक्त कोई विकल्प नहीं है अतः NTA ने इस प्रश्न को हटा दिया है।

38. Which consideration a commercial bank does NOT keep in mind to manage its assets and liabilities?/एक वाणिज्यिक बैंक अपनी परिसम्पत्तियों और देयताओं के प्रबन्धन में किसको दृष्टिगत नहीं रखता है

(a) Liquidity/तरलता
(b) Profitability लाभप्रदाता
(c) Solvency/शोधनसमता
(d) Equity/समता

Ans. (d) : एक वाणिज्यिक बैंक अपनी परिसम्पत्तियों और देयताओं के प्रबन्धन में समता पूँजी को नहीं शामिल करता।
समता पूँजी का सम्बन्ध शेयर बाजार से है। समता पूँजी या अंश वे अंश हैं जिन्हें कम्पनी से मताधिकार प्राप्त होता है, ये अंशधारी ही धारित अंशों के अनुपात में ही कम्पनी के स्वामित्वधारी होते हैं इन्हें लाभांश प्राप्ति की कोई वरीयता नहीं प्राप्त होती।

39. सूचा–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची - II
(A) त्वरक और गुणक अंतःक्रिया	(i) मोडिग्लियानी एंडो एंड ब्लूमबर्ग
(B) कैम्ब्रिज उपागम	(ii) एकरलॉफ येलिन
(C) जीवन चक्र परिकल्पना	(iii) पॉल सैमुअल्सन
(D) कुशल मजदूरी	(iv) अल्फ्रेड मार्शल और ए.सी.पिगू

सही विकल्प चुनिए -

(a) (A) - (i); (B) - (iv); (C) - (ii); (D) - (iii)
(b) (A) - (iii); (B) - (iv); (C) - (i); (D) - (ii)
(c) (A) - (ii); (B) - (i); (C) - (iii); (D) - (iv)
(d) (A) - (iv); (B) - (iii); (C) - (ii); (D) - (i)

Ans. (b)

सूची–I	सूची–II
त्वरक और गुणक अन्तःक्रिया	पॉल सैमुएल्सन
कैम्ब्रिज उपागम	अल्फ्रेड मार्शल, ए.सी. पिगू
जीवन चक्र परिकल्पना	मोडिग्लियानी, एंडो एंड ब्लूमबर्ग
कुशल मजदूरी	एकरलॉफ येलिन

40. A toll tax is a tax based on which of the following?/एक टोल कर निम्नांकित में से किस पर आधारित होता है?

(a) The benefit principle/लाभ का सिद्धान्त
(b) Horizontal equity/क्षैतिज समानता
(c) Vertical equity/उर्ध्व समानता
(d) Tax progressively/प्रगतिपरक कर

Ans. (a) : चुंगी कर लाभ सिद्धान्त पर आधारित है। चुंगी कर एक प्रकार का परोक्ष कर है जिसे प्रवेश कर भी कहते हैं। सामान्यतया इसे स्थानीय निकायों द्वारा लगाया जाता है। एल.के.झा कमेटी ने इसे समाप्त करके टर्न ओवर टैक्स लगाने की बात की, यह अधिकांशतः समाप्त कर दिया गया है।
लाभ सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो. एडम स्मिथ ने किया था। इस सिद्धान्त के अनुसार–लोगों को करारोपण उसी आधार पर करना चाहिए, जिस आधार पर सार्वजनिक वस्तुओं से लाभ प्राप्त करते हैं। अर्थात् जो व्यक्ति सार्वजनिक वस्तुओं से अधिक लाभ प्राप्त करेगा उसे उतनी ही अधिक मात्रा में करों का भुगतान करना चाहिए।

41. An increase in money supply will increase the demand for goods and services by
मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि किस प्रकार वस्तुओं और सेवाओं की माँग में वृद्धि करेगी?

(a) reducing government spending
सरकारी व्यय में कमी लाकर
(b) lowering the interest rate so that investment spending increases
ब्याज दर को घटा कर ताकि निवेश व्यय में वृद्धि हो
(c) raising interest rate so that investment spending reduces
ब्याज दर को बढ़ाकर ताकि निवेश व्यय में कमी हो
(d) increasing government spending on goods and services
वस्तुओं और सेवाओं पर सरकारी व्यय में वृद्धि करना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होने से ब्याज दर में कमी होती है तथा निवेश व्यय में वृद्धि होती है जिससे अर्थव्यवस्था में आय, उत्पादन, रोजगार में वृद्धि होती है। जिससे कि वस्तुओं तथा सेवाओं की माँग में वृद्धि होती है।

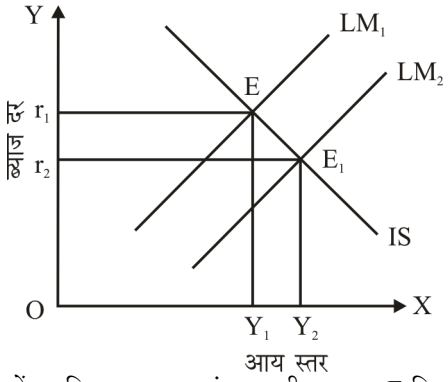

रेखाचित्र में प्रारम्भिक स्तर पर संतुलन की अवस्था E बिन्दु पर है। जिस पर IS–LM बराबर है। ब्याज दर r_1 तथा आय स्तर oy_1 है। मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होने पर LM वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होगा जिससे ब्याज दर कम होकर or_2 हो जायेगी तथा आय स्तर बढ़कर oy_2 हो जायेगा।

42. A tax is said to be direct, when
एक कर, प्रत्यक्ष कहलाता है, यदि

(a) impact and incidence fall upon the same person/प्रभाव और करापात एक ही व्यक्ति पर हो
(b) only incidence falls upon the same person
एक ही व्यक्ति पर सिर्फ करापात होता है
(c) impact is shifted to another person
प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर अंतरित हो जाता है
(d) person escapes from paying tax
व्यक्ति कर देने से बच जाता है

Ans. (a) : प्रत्यक्ष कर उन करों को कहते हैं जिनके मौद्रिक बोझ को दूसरों पर विवर्तित नहीं किया जा सके जिनके सम्बन्ध में कर से उत्पन्न कराघात (Impact) तथा करापात (Incidence) उसी व्यक्ति पर पड़ते हैं जिनके ऊपर सरकार कर लगाती है जैसे– आयकर।

43. During recession which of the following measures is initiated?
मंदी के दौरान निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय आरम्भ किया जाता है?

(a) Cutting taxes and boosting government spending
करों में कटौती और सरकारी व्यय में वृद्धि करना
(b) Increasing taxes and decreasing government spending
करों में वृद्धि और सरकारी व्यय में कमी लाना
(c) Keeping tax rates constant and increasing govenment spending/कर दरों को स्थिर रखना और सरकारी व्यय में वृद्धि करना
(d) Increasing tax rates and keeping government spending constant
कर दरों में वृद्धि और सरकारी व्यय को स्थिर रखना

Ans. (a) : जब अर्थव्यवस्था में मंदी की अवस्था रहती है तो सरकार द्वारा करों में कटौती तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की जाती है। इसके विपरीत जब अर्थव्यवस्था में स्फीति की स्थिति रहती है तो सरकार द्वारा कर की दरों में वृद्धि तथा सार्वजनिक व्यय में कमी की जाती है।
मंदी की अवस्था में घाटे की वित्त व्यवस्था का सहारा लिया जाता है तथा स्फीति की अवस्था में बजट अतिरेक की स्थिति होती है।

44. करारोपण में उर्ध्व समता का क्या अर्थ है?

(a) अलग-अलग आय समूहों के लोगों पर समान कर लगना चाहिए
(b) अलग-अलग आय समूहों के लोगों पर अलग-अलग कर लगना चाहिए
(c) अलग-अलग समूहों के लोगों से आनुपतिक शुल्क लिया जाना चाहिए
(d) असमान व्यक्तियों के साथ एकसमान व्यवहार किया जाना चाहिए

Ans. (b) : करारोपण के सन्दर्भ में दो दृष्टिकोण हैं– (1) क्षैतिज समता, (2) उर्ध्व समता
क्षैतिज समता के अन्तर्गत समान आय वाले व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार किये जाते हैं। जबकि उर्ध्व समता के अन्तर्गत अलग-अलग आय समूहों के व्यक्तियों पर अलग-अलग कर लगाया जाता है।

45. बाह्य प्रवाह वाणिज्कि बैंक पर किस प्रकार का प्रभाव छोड़ते हैं?

(a) बैंक की आरक्षित निधि को घटाते हैं
(b) जमाओं में और वृद्धि करते हैं
(c) साख सृजन में वृद्धि करते हैं
(d) मांग जमा का सृजन करते हैं

Ans. (a) : बाह्य प्रवाह वाणिज्यिक बैंकों की आरक्षित निधि को घटाते हैं। व्यापारिक बैंक एक वित्तीय संस्था है जो मुद्रा तथा साख में व्यापार करती है, जो न केवल मुद्रा को लोगों से जमा के रूप में स्वीकार करती है तथा आवश्यकता पड़ने पर उद्यमियों तथा साहसियों को उधार देती है साथ ही ये साख का सृजन करते हैं।

46. मार्शल-लर्नर दशा के अनुसार विदेशी मुद्रा का बाजार स्थिर होने के लिए, आयात मांग और निर्यात मांग की लोच का योग क्या होना चाहिए?

(a) 1 से कम (b) शून्य के बराबर
(c) 1 के बराबर (d) 1 से अधिक

Ans. (d) : मार्शल लर्नर प्रमेय व्यष्टि भावी आर्थिक भुगतान संतुलन की व्याख्या करता है, जो इकाई लोच की मान्यता पर आधारित है। मार्शल-लर्नर प्रमेय के अनुसार विदेशी मुद्रा बाजार के स्थिर होने के लिए आयात तथा निर्यात की मांग की लोच का योग 1 से अधिक होना चाहिए–
मार्शल-लर्नर दशा–
$e_x + e_m > 1$ = भुगतान संतुलन में सुधार
$e_x + e_m = 1$ = भुगतान संतुलन तटस्थ
$e_x + e_m < 1$ = भुगतान संतुलन में घाटा

47. शून्य व्यापार संतुलन मूल्य से ऊपर एक वस्तु की अतिरिक्त आपूर्ति एक देश की क्या प्रदान करती है?

(a) वस्तु की आयात माँग
(b) वस्तु की निर्यात आपूर्ति और आयात माँग
(c) वस्तु की निर्यात आपूर्ति
(d) वस्तु की आयात आपूर्ति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : शून्य व्यापार, संतुलन मूल्य से ऊपर एक वस्तु की अतिरिक्त आपूर्ति एक देश को वस्तु की निर्यात आपूर्ति प्रदान करेगी।

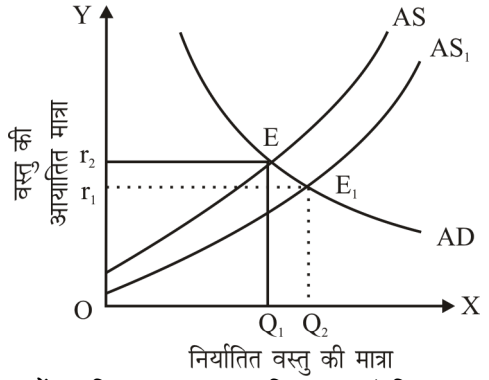

रेखाचित्र में प्रारम्भिक स्तर पर E बिन्दु पर संतुलित व्यापार की स्थिति है। E पर निर्यातित वस्तु की मात्रा OQ_1, है यदि एक वस्तु की अतिरिक्त आपूर्ति प्रदान कर दी जाती है तो निर्यातित वस्तु की मात्रा OQ_2 हो जाती है। तथा पूर्ति वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होकर A_{s1} हो जाती है।

48. निम्नांकित कारकों में कौन-सा बाजार विफलता का कारण नहीं है?

(a) असंगत सूचना (b) सार्वजनिक वस्तुएं
(c) बाह्यता (d) माँग की कमी

Ans. (d) : जब अर्थव्यवस्था में अनुकूलतम स्तर से अल्प या अधिक उत्पादन स्तर प्राप्त होता है तो इसे बाजार विफलता कहते हैं सामान्यतः जब कीमत यंत्र स्वतंत्र रूप से कार्य करना बंद कर देता है तो बाजार असफलता की दशा उत्पन्न होती है। बाजार असफलता के निम्नलिखित कारण हैं–

(1) असंगत सूचना
(2) सार्वजनिक वस्तुएं
(3) बाह्यता
(4) सम्पत्ति के अधिकारों का परिभाषित न होना
(5) प्राकृतिक एकाधिकार
(6) राजनैतिक दुष्वारियां
(7) वैधानिक तंत्र का विफल होना

इस प्रकार मांग में कमी बाजार विफलता का कारक नहीं है।

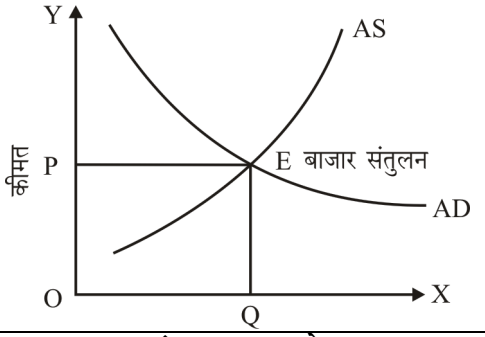

49. शून्य व्यापार संतुलन मूल्य से ऊपर एक वस्तु को अतिरिक्त आपूर्ति एक देश की क्या प्रदान करती है?

(a) वस्तु की आयात मांग
(b) वस्तु की निर्यात और आयात मांग
(c) वस्तु की निर्यात आपूर्ति
(d) वस्तु की आयात आपूर्ति

Ans. (c) : आई.एम.एफ. के सदस्यता सम्बन्धी खण्ड के अन्तर्गत प्रावधान है कि कोई भी देश सदस्य बन सकता है यदि–

1. वह देश विश्व बैंक का एक सदस्य बनने का इच्छुक है और स्वर्ण में समस्त योगदान देने का इच्छुक है
2. वह देश W.T.O. का सदस्य बनने का इच्छुक है और स्वर्ण में समस्त योगदान को देने का इच्छुक है।
3. वह देश विश्व बैंक का एक सदस्य बनने का इच्छुक है और योगदान को देने का इच्छुक है।
4. वह देश संयुक्त राष्ट्र का एक सदस्य बनने का इच्छुक है और योगदान देने का इच्छुक है।

आई.एम.एफ. में सदस्यता सम्बन्धी प्रावधान के अन्तर्गत आवश्यक है कि सदस्य देश की–

1. विश्व बैंक में सदस्यता हो।
2. मुद्राकोष में अनिवार्य अंशदान या कोटा हो।

यह अंशदान मुख्यतः 24 सदस्यीय बोर्ड ऑफ एकोक्यूटिव डाइरेक्टर्स द्वारा सदस्य देश के सापेक्षिक आकार पर निर्भर करता है जो तीन बातों पर निर्भर करता है–

1. विश्व व्यापार में भागीदारी
2. प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय
3. आर्थिक विकास की दर

50. बाजार में मजदूरों के कौशल और अन्य विशेषताओं के बीच असंतुलन से होने वाली दीर्घकालिक क्रोनिक बेरोजगारी और कर्मचारियों की आवश्यकताओं को किस रूप में जाना जाता है?

(a) चक्रीय बेरोजगारी (b) प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी
(c) संरचनात्मक बेरोजगारी (d) मौसमी बेरोजगारी

Ans. (c) : संरचनात्मक बेरोजगारी–अर्थव्यवस्था में पाये जाने वाले संस्थागत, ढाँचागत, अवस्थापना के पिछड़ेपन के कारण जो बेरोजगारी उत्पन्न होती है उसे संरचनात्मक बेरोजगारी कहते हैं। जब बाजार में, श्रमिकों में कुशलता का अभाव होता है, तकनीकि पिछड़ापन होता है तो संरचनात्मक बेरोजगारी उत्पन्न होती है। सामान्यतः विकासशील देशों में संरचनात्मक बेरोजगारी पायी जाती है।

51. Which of the following is NOT part of Wiseman and Peacock hypothsis?
वाइजमैन और पिकॉक परिकल्पना का निम्नलिखित में से कौन-सा भाग नहीं है?

(a) Concentration effect/संकेन्द्रण प्रभाव
(b) Displacement effect/विस्थापन प्रभाव
(c) Inspection effect/निरीक्षण प्रभाव
(d) Taxation effect/कराधान प्रभाव

Ans. (d) : प्रो. वाइजमैन पीकॉक परिकल्पना–सार्वजनिक व्यय की प्रवृत्ति के सम्बन्ध में वाइजमैन पीकॉक परिकल्पना वैगनर परिकल्पना को स्वीकार नहीं करती। वैगनर राष्ट्रीय उत्पाद के सम्बन्ध में सार्वजनिक व्यय की दीर्घकालीन वृद्धि से सम्बन्धित थे जबकि पीकॉक तथा वाइजमैन मूलतः सार्वजनिक व्यय की वृद्धि के स्वरूप तथा ढाँचे के परिवर्तन के विश्लेषण से सम्बन्धित थे। इनका प्रमुख निष्कर्ष यह था कि युद्ध के दौरान जो सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होती है युद्ध के बाद उसमें कमी तो होती है पर लौटकर मूल स्तर नहीं प्राप्त होता। इसे रैचेट प्रभाव कहते हैं। वाइजमैन पीकॉक ने करारोपण प्रभाव की व्याख्या नहीं की थी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

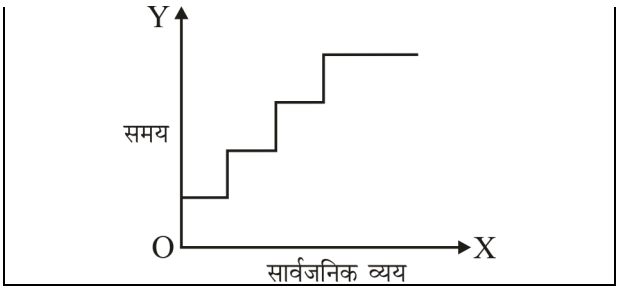

52. The concept of fiscal dificit implies which of the following?
राजकोषीय घाटे की अवधारणा का निम्नलिखित में से कौन-सा निहितार्थ है?

(a) Reveme3 and interest receipts minus revenue expenditure/राजस्व और ब्याज प्राप्तियों में से राजस्व व्यय को घटाएं

(b) Revenue receipts and recovery of loans and other receipts minus total expenditure
राजस्व प्राप्तियों और ऋणों की वसूली और अन्य वसूलियों में से कुल व्यय को घटाएं

(c) Receipts minus disuursement in Capital Accouont/प्राप्तियों में से पूँजीगत लेखा में संवितरण को घटाएं

(d) Total receipts minus total expenditure
कुल प्राप्तियों में से कुल व्यय को घटाएं

Ans. (b) : राजकोषीय घाटा–राजस्व प्राप्तियाँ, ऋणों की वसूली और अन्य वसूलियों में से कुल व्यय को घटाना। अन्य शब्दों में (सम्पूर्ण व्यय–सम्पूर्ण प्राप्तियाँ) + सरकारी दायित्व

53. कुशलता मजूदरी मॉडल में वास्तविक मजदूरी किसको नियत करती है?

(a) प्रति रुपए की प्राप्त वास्तविक मजदूरी के संदर्भ में मजदूरी की कुशलता को न्यूनतम करती है

(b) श्रम बाजार को संतुलित करती है

(c) श्रम बाजार को संतुलित नहीं करती है

(d) प्रति रुपये की प्राप्त वास्तविक मजदूरी के संदर्भ में मजदूर की कुशलता को अधिकतम करती है

Ans. (d) : कुशलता मजदूरी मॉडल का प्रतिपादन प्रो. स्टिगलिस्ट ने किया था। इस सिद्धान्त के अनुसार निवेशक कर्मचारियों को बाजार संतुलन से अधिक मजदूरी प्रदान करते हैं। जिससे कि कर्मचारियों की कार्यकुशलता, गुणवत्ता में वृद्धि हो, वे कामचोरी न करें। इससे उत्पादनस्तर में वृद्धि होती है निवेशक को लाभ प्राप्त होता है। कर्मचारी भी बार-बार job परिवर्तन नहीं करते।

54. Which of the following is NOT the method of dept redemption?/निम्नांकित में से कौन-सी ऋण शोधन की विधि नहीं है?

(a) Refunding/पुनर्निधियन

(b) Repudiation/प्रत्याख्यान

(c) Sinking fund/निक्षेप निधि

(d) Capital levy/पूँजी लेवी

Ans. (*) : उपर्युक्त चारों विकल्पों द्वारा ऋण वापस किया जाता है किन्तु NTA ने प्रत्याख्यान को सत्य विकल्प चुना है।

55. Which one is NOT axiom of inequality measurres?/निम्नांकित में से कौन-सा असमानता मापों का एक स्वयंसिद्ध तथ्य नहीं है?

(a) Principle of scale invariancer
पैमाने के प्रति अपरिवर्तनीयता का सिद्धान्त

(b) Principle of equity/समता का सिद्धान्त

(c) Principle/अनुवाद अपरिवर्तनीयता का सिद्धांत

(d) Axiom of decomposibility
वियोजनीयता का स्वयंसिद्ध तथ्य

Ans. (b) : समता का सिद्धान्त असमानता मापों का एक स्वयंसिद्ध तथ्य नहीं है। समता का सिद्धान्त इस बात पर आधारित है कि करारोपण न्यायपूर्ण होना चाहिए और यह तभी होगा जब कर से होने वाला त्याग समान हो। एडम स्मिथ के अनुसार–प्रत्येक राज्य की प्रजा को सरकार के पालन-पोषण के लिए, जहाँ तक सम्भव हो अपना अंशदान अपनी-अपनी योग्यताओं के अनुपात में देना चाहिए, अर्थात् उस आय में जिसका आनन्द वे राज्य की संरक्षता में प्राप्त करते हैं।

56. During a depression which of the following policy instruments should be used?
मंदी के दौरान निम्नांकित में से कौन-सा नीतिगत उपाय किया जाना चाहिए?

(a) Taxes should be increased
कर बढ़ा दिए जाने चाहिए

(b) Taxes are kept unchanged and public expenditure is increased / करों में कोई बदलाव नहीं किया जाता और सार्वजनिक व्यय बढ़ाया जाता है।

(c) Public exenditure is reduced
सार्वजनिक व्यय घटाया जाता है

(d) There should be a balanced budget
एक संतुलित बजट होना चाहिए

Ans. (b) : अवसाद की अवस्था में नीतिगत उपकरणों में करों की दरों को अपरिवर्तित करके सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की जाती है। किन्तु यदि सरकार द्वारा करों में कटौती तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की जाए तो अवसाद की समस्या से निपटने का यह अधिक प्रभावशाली कदम होगा।

57. Direct credit programmes introduced
निर्देशित साख कार्यक्रमों ने किसको प्रारम्भ किया था?

(a) security-oriented credit/सुरक्षा-उन्मुखी साख

(b) development-oriented credit/विकास-उन्मुखी साख

(c) purpose-oriented credit/प्रयोजन-उन्मुखी साख

(d) welfare-oriented credit/कल्याण-उन्मुखी साख

Ans. (c) : निर्देशित साख कार्यक्रमों में प्रयोजन–उन्मुखी साख कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया था। प्रयोजन उन्मुखी साख कार्यक्रम किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति हेतु स्थापित किये जाते हैं। यह वित्तीय समावेशन का एक नया उपागम है।

58. According to Marxian analysis the surplus value depends upon
मार्क्सवादी विश्लेषण के अनुसार अधिशेष मान किस पर निर्भर करता है?

(a) surplus and necessary labour time
अधिशेष और आवश्यक श्रम समय

(b) necessary labour time only
सिर्फ आवश्यक श्रम समय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) surplus labour time only
सिर्फ अधिशेष श्रम समय

(d) nominal wage rate
नाममात्र मजदूरी दर

Ans. (a) : प्रो. कार्ल मार्क्स ने श्रम अतिरेक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया, उन्होंने अपनी पुस्तक 'दास कैपिटल' में साम्यवाद की व्याख्या की। उनके अनसार श्रमिक उत्पादन का एकमात्र साधन है जो श्रमातिरेक उत्पन्न करता है किन्तु श्रमातिरेक का लाभ पूँजीपति को प्राप्त होता है।

तीन कारणों के कारण श्रमिकों का शोषण किया जाता है–

1. कार्य के घण्टों में वृद्धि करके
2. वेतन या मजदूरी में कमी करके
3. तकनीकि परिवर्तन द्वारा

मार्क्स के अनुसार–श्रमिकों को जीवन निर्वाह स्तर पर वेतन या मजदूरी दी जाती है किन्तु उनके द्वारा जीवन निर्वाह स्तर से अधिक उत्पादन किया जाता है अर्थात् पूँजीपतियों के द्वारा श्रमिकों का शोषण किया जाता है।

प्रो. मार्क्स के अनुसार–जैसे-जैसे पूँजीवाद का विकास होगा पूँजीपति मशीनों का अधिक प्रयोग करेंगे जिससे रोजगारविहीन सेना में वृद्धि होगी, साथ ही मशीनों के प्रयोग में अतिरेक नहीं प्राप्त होगा जिससे धीरे-धीरे पूँजीवाद का विध्वंश हो जायेगा।

59. एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (ए.पी.ई.सी.) के तीन स्तम्भ हैं

(A) व्यापार और निवेश संबंधी उदारीकरण

(B) व्यापार सुगमीकरण

(C) आर्थिक और तकनीकी सहयोग

(D) सैनिक सहयोग

सही विकल्प चुनिए :

(a) (A), (B), (D) (b) (A), (B), (C)
(c) (A), (C), (D) (d) (B), (C), (D)

Ans. (b) : एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग (A.P.E.C.) की स्थापना 1989 में हुई थी। इसका मुख्यालय सिंगापुर में है। सन् 2020 तक एशिया प्रशान्त क्षेत्र को स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र बनाने की घोषणा की गई है, यह विश्व का सबसे बड़ा स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र होगा। इसके तीन आधार स्तम्भ हैं–

1. व्यापार और निवेश सम्बन्धी उदारीकरण
2. व्यापार सुगमीकरण
3. आर्थिक एवं तकनीकि सहयोग स्थापित करना।

60. Which of the following is NOT the function of a capital market?
निम्नांकित में से कौन-सा एक पूँजी बाजार का कार्य नहीं है?

(a) Mobilising saving into investment
यह बचत को निवेश में बदलता है

(b) Channelising funds from less profitable to more profitable
निधियों को कम लाभकारी से ज्यादा लाभकारी बनाता है

(c) Mobilising funds from surplus units to deficit units/निधियों को अधिशेष इकाई से हानि इकाई में बदलता है

(d) Providing better returns to direct investors
प्रत्यक्ष निवेशकों को बेहतर मुनाफा दिलाता है

Ans. (d) : पूँजी बाजार–पूँजी बाजार एक व्यापक धारणा है जिसमें प्राइमरी मार्केट, सेकेन्डरी मार्केट दीर्घकाल के लिए ऋण देने वाली संस्थायें, दीर्घकालीन डिबेन्चर्स तथा ब्रांड मार्केट, बैंक, निवेशक तथा अन्य सभी जो औद्योगिक क्षेत्र के लिए दीर्घकालीन फण्ड प्रदान करते हैं, सम्मिलित होते हैं।

पूँजी बाजार का प्रमुख कार्य उन क्षेत्रों से जहाँ बचत आधिक्य है, बचत को निकालकर उन क्षेत्रों तक पहुँचाना है जहाँ बचत की मांग है। इस प्रकार यह बचत के गतिशीलन के द्वारा आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण मदद करता है। इसके कार्यों में प्रत्यक्ष निवेशकों को बेहतर प्रतिफल दिलाना शामिल नहीं है।

निर्देश : प्रश्न सं. 61 से 63 तक देखें–निम्नांकित सारणी पर विचार करें जिसमें आठ घरों का मासिक प्रति व्यक्ति उपयोग व्यय (एम.पी.सी.ई.) दिया गया है और दिए गए प्रश्न के उत्तर दें :

सारणी

राज्य	8 घरों का एम.पी.सी.ई. (रुपये में)							
	1	2	3	4	5	6	7	8
राज्य - A	950	1100	1000	975	750	775	790	1400
राज्य - B	1250	1150	1150	1100	550	600	490	1200

Z का मान (गरीबी रेखा एम.पी.सी.ई. कटऑफ) का 800 है

61. राज्य- A और राज्य - B में व्यक्ति संख्या अनुपात का अनुपात है

(a) राज्य - A : 0.375; राज्य - B : 0.375
(b) राज्य - A : 0.475; राज्य - B : 0.375
(c) राज्य - A : 0.575; राज्य - B : 0.575
(d) राज्य - A : 0.385; राज्य - B : 0.425

Ans. (c) राज्य A : 0.575, राज्य B : 0.575

62. सारणी के राज्य - A और राज्य- B के गरीबी अंतराल अनुपात (पी.जी.आर) के अनुमान की गणना करें और सही विकल्प चुनें :

(a) राज्य- A : 0.133, राज्य- B : 0.0119
(b) राज्य- A : 0.153, राज्य- B : 0.0135
(c) राज्य- A : 0.0133, राज्य- B : 0.119
(d) राज्य- A : 0.0153, राज्य- B : 0.135

Ans. (c) राज्य A : 0.0133, राज्य B : 0.119

63. सारणी से गरीबी वर्ग अंतराल अनुपात (एस.पी.जी.आर) के अनुमान की गणना करें और फिर यह दर्शायं कि राज्य - A का एस.टी.जी.आर.

(a) राज्य - B के बराबर है
(b) राज्य - B के एस.पी.जी.आर से ज्यादा है
(c) राज्य - B के एस.पी.जी.आर. से कम है
(d) शून्य से काफी अलग है

Ans. (a) राज्य B के बराबर है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

64. **Second National Commission on Labour has reconmmended a three tiee system including**
श्रम पर द्वितीय राष्ट्रीय आयोग ने त्रि-स्तरीय प्रणाली की अनुशंसा की है, जिसमें सम्मिलित है

(a) Lok Adalats, Labour Courts and Labour Commission
लोक अदालतें, श्रम अदालतें और श्रम आयोग

(b) Lok Adalats, Labour Courts and Labour Relations Commission/लोक अदालतें, श्रम अदालतें और श्रम सम्बन्ध आयोग

(c) Lok Adalats, Labour Courts and Judicial Courts
लोक अदालतें, श्रम अदालतें और न्यायिक अदालतें

(d) Lok Adalats, Labour Courts and Labour Inspectors
लोक अदालतें, श्रम अदालतें और श्रम निरीक्षक

Ans. (b) : श्रम पर द्वितीय राष्ट्रीय आयोग ने त्रि-स्तरीय प्रणाली की अनुशंसा की। जिसमें लोक अदालतें, श्रम अदालतें और श्रम सम्बन्ध आयोग को सम्मिलित किया गया है।

65. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :**

सूची-I	सूची-II
(A) विश्व पर्यावरण दिवस	(i) 11 जुलाई
(B) विश्व वन्यजीव दिवस	(ii) 5 जून
(C) विश्व जल दिवस	(iii) 3 मार्च
(D) विश्व जनसंख्या दिवस	(iv) 22 मार्च

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(b) (A)-(iii); (B)-(i); (C)-(iv); (D)-(ii)
(c) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(ii); (D)-(i)
(d) (A)-(ii); (B)-(iii); (C)-(iv); (D)-(i)

Ans. (d)	
सूची–I	**सूची–II**
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई

66. **In a variable (x and y) regression analysis, the regression coefficients are b_{xy} = 0.6 and b_{xy} = 0.8. If y is dependent variable and x is independent variable, what is the percentage of variations in y explained by x?**
एक द्विचर (x और y) प्रतीगमन विश्लेषण में प्रतीपगमन गुणांक b_{xy} = 0.6 और b_{xy} = 0.8 है। यदि y आश्रित चर और x स्वतंत्र चर है तो x द्वारा की गई व्याख्या के अनुसार y में विचलन प्रतिशत क्या है?

(a) 47% (b) 48%
(c) 49% (d) 36%

Ans. (b) : $r^2 = b_{xy} \cdot b_{yx}$
$= 0.6 \times 0.8$
$= 0.48$
∴ प्रतिशत में बदलने के लिए 100 से गुणा करने पर
$r^2 = 0.48 \times 100$
$= 48$

67. **Match List–I with List–II**
सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए :

List–I सूची–I	List–II सूची–II
(A) Thomos doubleday थॉमस डबलडे	(i) Destiny theory प्रारब्ध सिद्धान्त
(B) Thomas Sadler थॉमस सैड्लर	(ii) Biological theory जैविक सिद्धान्त
(C) Leibenstein लेबन्सटीन	(iii) Diet theory आहार सिद्धान्त
(D) Herbert Spencer हर्बर्ट स्पेंसर	(iv) Motivation theory of population growth जनसंख्या वृद्धि का प्रेरण सिद्धान्त

Choose the correct option from those given below :

(a) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(b) (A)-(iii); (B)-(i); (C)-(iv); (D)-(ii)
(c) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(ii); (D)-(i)
(d) (A)-(iv); (B)-(ii); (C)-(i); (D)-(iii)

Ans. (b)	
सूची–I	**सूची–II**
थॉमस डबलेड	आहार सिद्धान्त
थॉमस सैड्लर	प्रारब्ध सिद्धान्त
लेबेन्सटीन	जनसंख्या वृद्धि का प्रेरण सिद्धान्त
हबर्ट स्पेंसर	जैविक सिद्धान्त

68. **सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए :**

सूची–I	सूची–II
(A) गॉस-मार्कोव	(i) R^2
(B) निर्धारण का गुणांक	(ii) एकतरफा परीक्षण
(C) $H_o:B_2 = 0, H_1:B_2 = 70$	(iii) गॉल्डफेल्ड-कान्ड परीक्षण
(D) विषमविचालिता	(iv) BLUE

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(iv); (B)-(i); (C)-(ii); (D)-(iii)
(b) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iv); (D)-(iii)
(c) (A)-(ii); (B)-(iii); (C)-(i); (D)-(iv)
(d) (A)-(iii); (B)-(i); (C)-(ii); (D)-(iv)

Ans. (a)	
सूची–I	**सूची–II**
गॉस-मार्कोव	BLUE
निर्धारण का गुणांक	R^2
$H_0 : B_2 = 0, H_1 : B_2 = 70$	एकतरफा परीक्षण
विषमविचालिता	गॉल्डफेल्ड-कांट परीक्षण

69. **निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र के संदर्भ में सही नहीं है?**

(a) सेवा क्षेत्र का जी.डी.पी.में अधिकतम हिस्सा है
(b) सेवा क्षेत्र का रोजगार में अधिकतम हिस्सा है
(c) सेवा क्षेत्र की संवृद्धि कृषि क्षेत्र की संवृद्धि की तुलना में उच्चतर रही है
(d) सेवा क्षेत्र में प्रति कर्मचारी उत्पादकता उच्चतम है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में सेवा क्षेत्र का G.D.P. में सर्वाधिक हिस्सा लगभग 53% है। किन्तु सेवा क्षेत्र का रोजगार में अधिकतम हिस्सा नहीं है बल्कि कृषि का है अतः यह कथन असत्य है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र में लगभग 49% लोग रोजगार कार्य में संलग्न हैं। विगत दशकों में सेवा क्षेत्र की संवृद्धि, कृषि क्षेत्र की तुलना में उच्च रही है, साथ ही सेवा क्षेत्र में प्रति व्यक्ति उत्पादकता उच्च है। क्योंकि कृषि क्षेत्र में अधिकांशतः प्रछन्न बेरोजगारी की समस्या व्याप्त रहती है।

70. A liner programming proble can solved by using/एक रेखीय प्रोग्रामिंग समस्या को किसके द्वारा हल किया जाता है?

(a) ARIMA techniques/ARIMA तकनीकि
(b) Simplex method/सिम्पलेक्स विधि
(c) Unit root method/यूनिट रूट विधि
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : रेखीय प्रोग्रामिंग का प्रतिपादन सर्वप्रथम डैंटजिंग ने किया था, जो अमेरिका में सैन्य क्षेत्र में योगदान देने के लिए किया था। रेखीय प्रोग्रामिंग में साधनों का स्थिर अनुपात में प्रयोग किया जाता है इसमें उत्पादन के समता पैमाने के प्रतिफल प्राप्त होते हैं। रेखीय प्रोग्रामिंग की प्रमुख समस्या न्यूनतम लागतों के द्वारा अधिकतम उत्पादन करना या अधिकतम उत्पादन को न्यूनतम लागतों द्वारा प्राप्त करना है। (दिये हुए बजट प्रतिबन्धों के अन्तर्गत) इसके अन्तर्गत अनुकूलतम हल प्राप्त करने के लिए सिम्पलेक्स विधि का प्रयोग किया जाता है।

71. In a binomial distribution the probility of x successes in any order is given by
एक द्विपद वितरण में, किसी क्रम में n परीक्षणों में x सफलता की सम्भाव्यता निम्नांकित में से किससे प्राप्त होती है?

(a) $p(x) = {}^nC_x p^x q^{n-x}$ (b) $p(x) = {}^nC_1 p^{2x} q^{n-1}$
(c) $p(x) = {}^nC_x p^2 q^{n-1}$ (d) $p(x) = {}^nC_1 p^x q^{n-2}$

Ans. (a) : एक द्विपद वितरण में, किसी क्रम में n परीक्षणों में x सफलता की सम्भावना को निम्न सूत्र के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है

$$p(x) = n_{c_x} p^x q^{n-x}$$

जहाँ n = कुल संख्या
p = सफलता की सम्भावना
q = असफलता की सम्भावना

72. गुणात्मक वियोजनीयता मॉडल किसके लिए प्रयुक्त किया जाता है?

(a) समय श्रेणी ऑकड़ो को गैर-मौसमी बनाना
(b) जीवन निर्वाह व्यय सूचकांक का निर्माण
(c) एक परिकल्पना का परीक्षण
(d) सभाव्यता का आकलन

Ans. (a) : गुणात्मक वियोजनीयता मॉडल का प्रयोग समय श्रेणी के आँकड़ों को गैर मौसमी बनाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

73. एक सामान्य रूप से विषम वितरण के लिए बहुलक का मान 10 और माध्यिका का मान 20 है। माध्य क्या होगा?

(a) 15 (b) 30
(c) 25 (d) 35

Ans. (c)

$$\text{Mean} = \frac{1}{2}(3 \text{ median} - \text{mode})$$

$$\text{माध्य} = \frac{1}{2}(3 \text{ मध्यिका} - \text{बहुलक})$$

$$= \frac{1}{2}(3 \times 20 - 10)$$

$$\text{माध्य} = \frac{50}{2} = 25$$

माध्य = 25

74. ''मानव संसाधनों में शिक्षा के रूप में निवेश उन कारकों के बीच एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो आर्थिक संवृद्धि में योगदान करते हैं।'' यह कथन किसमें/किसके द्वारा दिया गया था?

(a) नई शिक्षा नीति, 1985
(b) शिक्षा आयोग 1966
(c) एन.सी.ई.आर.टी.
(d) भारतीय सर्वोच्च न्यायालय

Ans. (b) : शिक्षा आयोग 1966 या कोठारी आयोग द्वारा यह कहा गया था कि ''मानव संसाधनों में शिक्षा के रूप में निवेश उन कारकों के बीच एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो आर्थिक सम्वृद्धि में योगदान करते हैं। प्रो. टी. डब्ल्यू. शुल्ज प्रथम अर्थशास्त्री थे जिन्होंने मानवीय पूँजी निर्माण पर बल दिया था।
शुल्ज के अनुसार–ज्ञान और कौशल दोनों पूँजी का एक रूप है मानवीय पूँजी निवेश में वृद्धि और श्रमिकों की आय में वृद्धि के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। उन्होंने आर्थिक संवृद्धि हेतु शिक्षा श्रम अनुपात, शिक्षा आय अनुपात और शिक्षा निवेश अनुपात का प्रतिपादन किया।

75. किसने जनसंख्या के इष्टतम सिद्धांत का प्रतिपादन किया था?

(a) रॉबिन्स (b) डाल्टन
(c) कैनन (d) कार सौन्डर्स

Ans. (c) : प्रो. कैनन ने अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। यह सिद्धान्त प्रतिव्यक्ति राष्ट्रीय आय या अधिकतम कल्याण के सापेक्ष इष्टतम जनसंख्या के स्तर से सम्बन्धित है। इसका प्रथम उल्लेख एडवर्ड वेस्ट ने किया था पर एडविन कैनन ने इसके लिए सर्वप्रथम अनुकूलतम शब्द का प्रयोग किया।
प्रो. डाल्टन के अनुसार–''अनुकूलतम जनसंख्या वह होती है जो प्रति व्यक्ति अधिकतम आय प्रदान करती है।''

अनुकूलतम जनसंख्या $\Rightarrow M = \frac{A - O}{O}$

जहाँ,
M = समायोजन अभाव की मात्रा
A = वास्तविक जनसंख्या
O = अनुकूलतम जनसंख्या

76. वर्ष 2011 में नगरीय जनसंख्या का 40 प्रतिशत से अधिक अनुपात किन राज्यों में था?

(a) तामिलनाडु, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात
(b) तामिलनाडु, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र
(c) तामिलनाडु, केरल, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल
(d) तामिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : वर्ष 2011 में नगरीय जनसंख्या का 40% से अधिक अनुपात निम्न राज्यों का था

1. तामिलनाडु
2. केरल
3. महाराष्ट्र
4. गुजरात

जनगणना 2011 के अनुसार देश की सम्पूर्ण जनसंख्या 1210,08 मिलियन में से 377.11 मिलियन या 31.16% शहरों में रहती है। जनगणना 2011 में स्वतंत्रता के बाद से पहली बार भारत की नगरीय जनसंख्या में वृद्धि ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि की अपेक्षा अधिक देखी गई।

77. ''कुछ दशाओं में, कुशलता पर इस बात से कोई प्रभाव नहीं पड़ता कि प्रदूषक के पास प्रदूषण करने का अधिकार है अथवा पीड़ित का स्वच्छ हवा का अधिकार है।'' यह कथन निम्नांकित में से किसके कार्य से संबंधित है?

(a) जी. हार्डिन
(b) आर. कोज
(c) एन. काल्डोर
(d) जुलियन साइमन

Ans. (b) : बाह्यता तथा पर्यावरण की समस्या के समाधान से जुटा यह सिद्धान्त यह प्रतिपादित करता है कि बाजार यंत्र के द्वारा वाह्यता को सुधारा जा सकता है। ऐसा तभी हो सकता है जब सम्पत्ति अधिकार परिभाषित हो तथा लेन-देन व्यवहार से सम्बन्धित कोई लागत न हो, बाह्यता सृजित करने वाले लोग तथा उससे पीड़ित लोग आन्तरिक रूप से परस्पर व्यक्तिगत समझौता कर लें। इस स्थिति में संसाधनों का कुशल आवंटन होगा, दोनों पार्टियों के बीच सम्पत्ति अधिकार का बँटवारा केवल आय के बँटवारे को प्रभावित करेगा, समग्र आय वितरण को प्रभावित नहीं करेगा।

78. When the null hypothesis is there as an equality, the level of signifiicance is the probability of making
जब शून्य परिकल्पना एक समान्तर के रूप में होती है, तो महत्व का स्तर बनाने की सम्भावना होती है

(a) type II error/श्रेणी II त्रुटि
(b) type I error/श्रेणी I त्रुटि
(c) type I and II error/श्रेणी I तथा II त्रुटि
(d) type I and III error/श्रेणी I तथा III त्रुटि

Ans. (b) : शून्य परिकल्पना में सार्थकता स्तर के प्रायिकता की जाँच के लिए Type-I Error का प्रयोग करते हैं।

Type-I Error ⇒ जब अवलोकित प्रायिकता सत्य होने पर भी अस्वीकृत कर दी जाए तो उसे Type-I Error कहते हैं।

Type-II Error ⇒ जब अवलोकित प्रायिकता असत्य होने पर भी स्वीकार कर ली जाए तो उसे Type-II Error कहते हैं।

79. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची–I	सूची–II
(A) विषमता	(i) प्रकीर्णन
(B) प्रसरण	(ii) यादृच्छिक विचलन
(C) भूकम्प	(iii) प्रसरण का अनुपात
(D) F–परीक्षण	(iv) सममितता का अभाव

सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(iii); (B)-(iv); (C)-(i); (D)-(ii)
(b) (A)-(iv); (B)-(i); (C)-(ii); (D)-(iii)
(c) (A)-(i); (B)-(iii); (C)-(iv); (D)-(ii)
(d) (A)-(ii); (B)-(i); (C)-(iv); (D)-(iii)

Ans. (b)	
सूची–I	**सूची–II**
विषमता	सममितता का अभाव
प्रसरण	प्रकीर्णन
भूकम्प	यादृच्छिक विचलन
F परीक्षण	प्रसरण का अनुपात

80. समांतर माध्य (ए.एम.) ज्यामितीय माध्य (जी.एम.) और हरात्मक माध्य (एच.एम.) के बीच सही सम्बन्ध की पहचान करें :

(a) जी. एम. = ए. एम + एच. एम.
(b) ए. एम < एच. एम.
(c) $[\text{जी. एम.}]^2 = \text{एच. एम} \times \text{ए. एम.}$
(d) ए. एम. = जी. एम. – एच. एम.

Ans. (c) : $G.M. = \sqrt{H.M. \times A.M.}$

या $(G.M.)^2 = H.M. \times A.M.$

जहाँ,

G.M. = गुणोत्तर माध्य
H.M. = हरात्मक माध्य
A.M. = समान्तर माध्य

81. National Food Security Law covers
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून अधिग्रहण करता है–

(a) 65% of rural population
65% ग्रामीण जनसंख्या को
(b) 70% of rural population
70% ग्रामीण जनसंख्या को
(c) 75% of rural population
75% ग्रामीण जनसंख्या को
(d) 80% of rural population
80% ग्रामीण जनसंख्या को

Ans. (c) : राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013, 12 सितम्बर 2013 से प्रभावी हुआ। इसका प्रमुख उद्देश्य लोगों को पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण खाद्य को उचित मूल्य पर आपूर्ति के द्वारा खाद्य तथा पोषक मुहैया कराना है। इसके प्रमुख लक्ष्य इस प्रकार हैं–

(1) यह अधिनियम ग्रामीण जनसंख्या के 75% तथा शहरी जनसंख्या के 50% लोगों को, कुल जनसंख्या के 67% लोगों को अनुदान दर पर खाद्यान्न प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है।
(2) इसके अन्तर्गत लाभ प्राप्तकर्ता को 5kg चावल, गेहूँ या मोटे अनाज क्रमशः 3, 2, 1 रुपये प्रति kg पर प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्राप्त है।
(3) अधिनियम के लागू होने के 365 दिन के भीतर इसके तहत अर्ह परिवारों की पहचान राज्य सरकारों द्वारा की जायेगी।

82. यदि $A = \begin{bmatrix} 6 & 5 & 5 \\ 3 & -11 & -5 \\ 3 & -5 & -2 \end{bmatrix}$, तो $|A|$ किसके समतुल्य है?

(a) 15
(b) 16
(c) 27
(d) 20

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c)

$$\begin{bmatrix} 6 & 5 & 5 \\ 3 & -11 & -5 \\ 3 & -5 & -2 \end{bmatrix}$$

$6[(-11\times-2)-(-5)\times(-5)]-5(3\times-2)-(3\times-5)+5[(3\times(-5)-(-11)\times3]$

$6(22-25)-5(-6+15)+5(-15+33)$

$6(-3)-5(9)+5(18)$

$-18-45+90$

$= 27$

83. एक खुली अर्थव्यवस्था आगत-निर्गत मॉडल में अर्थ-सक्षमता का परीक्षण किसके द्वारा किया जाता है?

(a) हॉकिस-साइमन दशाएँ
(b) कुह्न-टकर दशाएँ
(c) डिकी-फुलर परीक्षण
(d) गोल्डफेल्ड क्वांइट परीक्षण

Ans. (a) : एक खुली अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत आगत-निर्गत मॉडल में अर्थ-सक्षमता का परीक्षण हाकिन्स-साइमन दशाओं द्वारा किया जाता है। यह आगत-निर्गत मॉडल को खुली अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में लागू करता है। आगत-निर्गत मॉडल का प्रतिपादन W.W. लियोन्टिफ ने किया था।

84. ओ. एल. एस. को युगपत समीकरण पर प्रयोज्य करने से परिणाम प्राचलों के होने के रूप में होता है।

(a) अकुशल (b) असंगत
(c) एकांगी (d) एकांगी और असंगत

Ans. (d) : O.L.S. को युगपत समीकरण पर प्रयोग करने से एकांकी और असंगत परिणाम प्राप्त होते हैं।
अर्थमिति मॉडल में सहजातीय समीकरण के लिए निम्न शर्तें आवश्यक हैं–
(1) आकलन से पूर्व अभिनिर्धारण की क्रम और कोटि दोनों शर्तों को पूरा करता है।
(2) अभिनिर्धारण के लिए क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पर्याप्त शर्त नहीं है।
(3) अति अभिनिर्धारित समीकरणों के लिए द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग विधि (O.L.S.) उपयुक्त है।

85. Which of the following is NOT an instrument of capitall market with special reference to India?/निम्नलिखित में से कौन-सा उपकरण भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में पूँजी बाजार में शामिल नहीं है?

(a) Equity share/समता पूँजी
(b) Debenture/डिबेन्चर
(c) Gold ETF/स्वर्ण ई.टी.एफ.
(d) Commercial paper/वाणिज्यिक प्रपत्र

Ans. (d) : वाणिज्यिक प्रपत्र मूलतः U.S.A. तथा यूरोप के वित्तीय बाजार का प्रपत्र था। वाघुल समिति की संस्तुति पर 27 मार्च 1989 को भारत में वाणिज्यिक प्रपत्र को अनुमति प्रदान की गई। वाणिज्यिक प्रपत्र एक प्रतिज्ञापत्र युक्त अल्प अवधि का प्रपत्र है जिसकी 7 दिन से 270 दिन की परिपक्वता अवधि होती है। यह संसाधनों की उगाही का सबसे सस्ता तरीका है क्योंकि इस पर ब्याज दर बाजार ब्याज दर से नीची होती है।

86. Market failur occours in case of most of the environmental goods, because
अधिकांश पर्यावरणीय वस्तुओं के मामले में बाजार विफलता घटित होती है, क्योंकि

(a) environmental goods are rival products
पर्यावरणीय वस्तुएं प्रतिस्पर्धी उत्पाद होती हैं
(b) environmental goods are excludable products
पर्यावरणीय वस्तुएं अपवर्जनीय उत्पाद होती हैं
(c) environmental goods are non-rival in production/पर्यावरणीय वस्तुएं उत्पादन में अप्रतिस्पर्धी होती हैं
(d) environmental goods are non-rival and non excludable in consumption/पर्यावरणीय वस्तुएं अप्रतिस्पर्धी और उपभोग में अपवर्जनीय नहीं होती हैं

Ans. (d) : अधिकांशतः पर्यावरणीय वस्तुओं के सन्दर्भ में बाजार विफलता का सामना करना पड़ता है क्योंकि पर्यावरणीय वस्तुएं गैर प्रतिस्पर्धी तथा गैर अपवर्जनीय होती हैं। अर्थात् पर्यावरणीय वस्तुएं सार्वजनिक वस्तुओं के समान होती हैं जिनका समूह में उपभोग होता है किसी भी व्यक्ति को उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता, कारणवश लोग अपना अधिमान व्यक्त ही नहीं करते जिससे मुक्ताखोरी की समस्या उत्पन्न होती है।

87. जननांकिकीय लाभ के लिए कौन-सी आयु संरचना महत्त्वपूर्ण है?

(a) 0-14
(b) 15-59
(c) 60 वर्ष और उससे ऊपर
(d) 0-14 और 60 और उससे ऊपर

Ans. (b) : जनसंख्या ढाँचे में बढ़ती युवा तथा कार्यशील जनसंख्या (15–59 वर्ष) तथा घटते आश्रितता अनुपात के परिणामस्वरूप उत्पादन में बड़ी मात्रा के सृजन में योगदान करना जनांककीय लाभ कहलाता है। इस स्थिति में जनसंख्या पिरामिड उल्टा होगा अर्थात् इसमें कम जनसंख्या आधार से ऊपर बड़ी जनसंख्या की ओर बढ़ते हैं।

88. निम्नांकित में से कौन-सा मद जीवन सारणी को पूर्ण करता है?

आयु	l_x	d_x	L_x	T_x	e_x^o
7	90,000	500	89,750	84,50,000	?

(a) 50.50 (b) 54.00
(c) 53.89 (d) 51.31

Ans. (c) : 53.89

89. अभिकथन (R) : भारत की राष्ट्रीय आय में गैर-वस्तु क्षेत्र के हिस्से में वृद्धि हो रही है।
तर्क (R) : भारत में उद्योग और कृषि अपेक्षाकृत रूप से अधिक धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की व्याख्या करता है
(b) (A) और (R) दोनों सही है किन्तु (R), (A) की व्याख्या नहीं करता है
(c) (A) सही है किन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है किन्तु (R) सही है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : भारत की राष्ट्रीय आय में गैर वस्तु क्षेत्र अर्थात् सेवा क्षेत्र का हिस्सा तीव्र गति से बढ़ रहा है जो कि ल0 53% के आस-पास है जबकि उद्योग क्षेत्र का हिस्सा ल0 30% के तथा कृषि तथा कृषि सम्बन्धित क्षेत्र का हिस्सा ल0 17% है। अर्थात् भारत में कृषि तथा उद्योग क्षेत्र अपेक्षाकृत धीमी गति से बढ़ रहे हैं। इस प्रकार कथन एवं तर्क दोनों सत्य हैं एवं एक-दूसरे की व्याख्या भी करते हैं।

90. यदि AR = 15, MR = 5 है, तो मांग की कीमत लोच है

(a) 2.3 (b) 1.5
(c) 1.75 (d) 1

Ans. (b)

माँग की कीमत लोच $(ed) = \frac{AR}{AR - MR}$

$= \frac{15}{15-5} = \frac{15}{10} = 1.5$

जहाँ,

AR = औसत आय

MR = सीमान्त आय

91. किसी युगपथ समीकरण मॉडल की निम्नांकित में से किस दशा में सही पहचान की जाती है?

(a) यदि संरचनात्मक प्राचलों के विशिष्ट संख्यात्मक मान प्राप्त किए जा सकते हों
(b) यदि संरचनात्मक समीकरणों के कुछ प्राचलों से एक से अधिक संख्यात्मक मान प्राप्त किए जा सकते हों
(c) यदि सभी संरचनात्मक गुणांको के लिए विशिष्ट हल संभव नहीं हों
(d) यदि संरचनात्मक गुणांक का अनुमान नहीं लगाया जा सकता हो

Ans. (a) : किसी युगपत समी. की पहचान के लिए आवश्यक है कि संरचनात्मक प्राचलों के विशिष्ट संख्यात्मक मान प्राप्त किए जा सकते हों।

92. Under TRIPS protection for copyrights is for ट्रिप्स के अन्तर्गत कॉपीराइट की संरक्षा कितने वर्षों तक के लिए है?

(a) 20 years after death of the author
लेखक की मृत्यु के बाद 20 वर्ष
(b) 30 years after death of the author
लेखक की मृत्यु के बाद 30 वर्ष
(c) 40 years after death of the author
लेखक की मृत्यु के बाद 40 वर्ष
(d) 50 years after death of the author
लेखक की मृत्यु के बाद 50 वर्ष

Ans. (d) : TRIPS (Trade Related Aspect of Intellectual Property Rights)
बौद्धिक सम्पदा अधिकार को व्यापारिक मूल्य के साथ सूचना के रूप में परिभाषित किया जाता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार विचारों, आविष्कारों तथा सृजनात्मक अभिव्यक्तियों तथा उनको सम्पत्ति का दर्जा दिए जाने के सम्बन्ध में जनता को सहमति तथा उनके स्वामित्वधारी को अधिकार दिए जाने से सम्बन्धित है जिससे वह दूसरे को उसे प्रयोग में लाने से रोक सके। TRIPS के अन्तर्गत 7 बौद्धिक सम्पदा अधिकार आते हैं जिसमें लेखक के मृत्यु के बाद 50 वर्ष तक कॉपीराइट का अधिकार प्राप्त रहता है।

93. Difference equation is concerned with विभेद समीकरण किससे सम्बन्धित है?

(a) discrete changes/असतत परिवर्तन
(b) continuous changes/सतत परिवर्तन
(c) Both of the above/उपर्युक्त दोनों
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : विभेदात्मक समीकरण असतत् परिवर्तन से सम्बन्धित है। असतत् परिवर्तन से तात्पर्य है कि, जिसके परिवर्तन का कोई निश्चित स्वरूप न हो जो खण्डित श्रेणी में हो।

94. आर. बी. आइ. ने वस्तुओं और सेवाओं से संबंधित चालू खाते के लेन-देन को किस वर्ष में भारतीय रुपये को पूर्णरूपेण परिवर्तनीय बनाया था?

(a) 1985 (b) 2002
(c) 1994 (d) 2011

Ans. (c) : R.B.I. ने वस्तुओं और सेवाओं से सम्बन्धित चालू खाते के लेन-देन को सन् 1994 में पूर्णरूप से परिवर्तनीय बनाया। चालू खाते में प्रमुख रूप से आयात-निर्यात तथा अदृश्य व्यवहार आते हैं। जब इसमें आये हुए इन व्यवहारों के लिए भी विदेशी विनिमय की उपलब्धता को बाजार की शक्तियों द्वारा निर्धारित विनिमय दर पर छोड़ देते हैं, तो इसे हम चालू खाते की परिवर्तनीयता कहते हैं।

95. आइ. आर. आर. परियोजना एन. पी. वी. को _____ के और लाभ-लागत अनुपात के _____ के समतुल्य बनाने वाली बट्टा दर है।

(a) 1, 0 (b) 0, 1
(c) 0, 0 (d) 1, 1

Ans. (b) : आर.आर.आर. परियोजना एन.पी.वी. को '0' (शून्य) के और लाभ-लागत अनुपात के 1 के समतुल्य बनाने वाली बट्टा दर है।

96. Standard Error (SE) of sample mean (x) in random samling from an infinite population or in random sampling with replacement is given by/एक असीमित जनसंख्या के यादृच्छिक प्रतिदर्शन अथवा प्रतिस्थापन के साथ यादृच्छिक प्रतिदर्शन में प्रतिदर्श माध्य ($\bar{x}$) की मानक त्रुटि (एस.ई.) निम्न में से किससे प्राप्त होती है?

(a) $SE = \frac{\sigma^2}{\sqrt{n}}$ where σ is the population standard deviation/एस.ई. $= \frac{\sigma^2}{\sqrt{n}}$ जहाँ σ जनसंख्या मानक का विचलन है

(b) $SE = \frac{\sigma}{\sqrt{n^2}}$ where σ is the population standard deviation/एस.ई. $= \frac{\sigma}{\sqrt{n^2}}$ जहाँ σ जनसंख्या मानक का विचलन है

(c) $SE = \frac{\sigma^3}{\sqrt{n}}$ where σ is the population standard deviation/एस.ई. $= \frac{\sigma^3}{\sqrt{n}}$ जहाँ σ जनसंख्या मानक का विचलन है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(d) $SE = \frac{\sigma}{\sqrt{n}}$ where σ is the population standard deviation/एस.ई. $= \frac{\sigma}{\sqrt{n}}$ जहाँ σ जनसंख्या मानक का विचलन है

Ans. (d) : एक असीमित जनसंख्या के यादृच्छिक प्रतिदर्शन अथवा प्रतिस्थापन के साथ यादृच्छिक प्रतिदर्शन में प्रतिदर्श माध्य $(\bar{x})$ की मानक त्रुटि का सूत्र–

एस.ई. $= \frac{\sigma}{\sqrt{N}}$ यहाँ σ जनसंख्या मानक विचलन है।

97. संशोधित जन्म-दर का समीकरण क्या है?

(a) संशोधित जन्म-दर $= \frac{\text{एक वर्ष में पंजीकृत जन्म + संभावित जन्म}}{\text{वर्ष-मध्य की जनसंख्या}} \times 1000$

(b) संशोधित जन्म-दर $= \frac{\text{एक वर्ष में जीवित संतान का जन्म}}{\text{वर्ष - मध्य की जनसंख्या}} \times 1000$

(c) संशोधित जन्म-दर $= \frac{\text{कन्याओं की जन्म संख्या}}{\text{वर्ष - मध्य की जनसंख्या}} \times 1000$

(d) संशोधित जन्म-दर $= \frac{\text{पंजीकृत जन्म संभावित जन्म}}{\text{वर्ष - मध्य की महिला जनसंख्या}} \times 1000$

Ans. (a) : संशोधित जन्म दर $\Rightarrow$ जब हम अशोधित जन्म दर में उन बच्चों के लिए जो पंजीकृत नहीं है तथा इस आधार पर जिन्हें अशोधित दर में सम्मिलित नहीं किया गया है, 5% और जोड़ देते हैं तो अशोधित जन्म दर शोधित जन्म दर हो जाती है।

संशोधित जन्म दर $= \frac{\text{एक वर्ष में पंजीकृत जन्म + सम्भावित जन्म}}{\text{वर्ष-मध्य की जनसंख्या}} \times 1000$

98. 01-02-2019 को घोषित पी. एम. किसान सम्मान निधि योजना का निम्नलिखित में से कौन-सा भाग नहीं है?

(a) दो हेक्टेयर तक की जोत वाले सभी किसान इस योजना के अंतर्गत पात्र हैं

(b) यह योजना एक अप्रैल, 2019 से प्रयोज्य होगी

(c) सरकार प्रतिवर्ष 6,000 रु. का पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरण करेगी

(d) यह राशि प्रति 2000 रु. की तीन समान किस्तों में दी जाएगी

Ans. (b) : दिनांक 01-02-2019 को अन्तरिम बजट में घोषित पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना में निम्न मदें शामिल हैं–

1. दो हेक्टेयर तक की जोत वाले सभी किसान इस योजना के अन्तर्गत पात्र हैं। जो बाद में सभी किसानों के लिए कर दिया गया।
2. सरकार प्रति वर्ष 6000 रुपये का अनुदान पात्र लाभार्थियों के बैंक खाते में अन्तरण करेगी।
3. यह राशि प्रति 2000 रुपये की तीन समान किस्तों में दी जायेगी।
4. यह योजना दिसम्बर 2018 से लागू हुई, अतः विकल्प (b) गलत है।

99. The cost function of a monopolist is C = 40 + 12 X. White his demand function as P = 60 - 3X. What is his profit maximising output level?
एक एकाधिकारी का लागत फलन है C = 40 + 12 X उसका माँग फलन इस प्रकार लिखिए P = 60 - 3X, उसके लाभ को अधिकतम बनाने वाले निर्गत का स्तर क्या होगा?

(a) 12 (b) 11
(c) 8 (d) 9

Ans. (c)

$TC = 40 + 12x$

$P = 60–3x$

$\pi = TR–TC$ या $MC = MR$

जहाँ,

π = लाभ MC = सीमान्त लागत
TR = कुल आय MR = सीमान्त आय
TC = कुल लागत

$TC = 40 + 12x$

$MC = \frac{d(TC)}{dx}$

$= 12$

$TR = P.Q$

$= (60–3x) \times x$

$= 60x – 3x^2$

$MR = \frac{d(TR)}{dx}$

$= 60 – 6x$

$\pi = MC = MR$

$12 = 60 – 6x$

$12–60 = –6x$

$– 48 = – 6x$

$\frac{–48}{–6} = x$

$\boxed{x = 8}$

100. 'सुख-शास्त्रीय कीमत' विधि पर्यावरणीय परिसंपत्तियों के मूल्य की माप निम्नांकित में से किसके माध्यम से करती हैं?

(a) किसी पर्यावरणीय परिसंपत्ति के 'अस्तित्व' के प्रयोग द्वारा

(b) आंतरिक कीमतों में विचलनों के बीच संपर्कों के प्रयोग द्वारा

(c) पर्यावरणीय परिसंपत्ति के मूल्य पर डब्ल्यू टी.पी. के प्रयोग द्वारा

(d) पर्यावरणीय परिसंपत्ति के मूल्य पर डब्ल्यू टी.पी. के प्रयोग के द्वारा

Ans. (b) : सुख-शास्त्रीय कीमत विधि का प्रयोग पर्यावरणीय सम्पत्ति के मौद्रिक मूल्य को मापने हेतु किया जाता है, जो आन्तरिक कीमतों में विचलनों के बीच सम्पर्कों के प्रयोग द्वारा ज्ञात किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2019
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. पीकॉक-वाईसमैन परिकल्पना में 'विस्थापन प्रभाव' में यह समाविष्ट है :

(a) उच्चतर आर्थिक वृद्धि के अनुसार सार्वजनिक व्यय का उर्ध्वगामी विस्थापन

(b) सार्वजनिक व्यय एवं कराधान के पुराने स्तर से अधिक नए एवं उच्चतर स्तर की ओर झुकाव

(c) सार्वजनिक व्यय स्थिर दर पर बढ़ता है तथा उच्चतर स्तर पर पहुँचता है

(d) सरकार द्वारा अधिक एवं नए कार्यकलाप किए जाते हैं अतः इसलिए सार्वजनिक व्यय तीव्रता से उर्ध्वगामी रूप से बढ़ते हैं

Ans. (b) : पीकॉक-वाइजमैन परिकल्पना के अनुसार करारोपण के सन्दर्भ में लोगों की सामान्य प्रवृत्ति होती है जो युद्ध के समय थोड़ा बढ़ी हुई प्रतीत होती है। किन्तु युद्ध के उपरान्त सार्वजनिक व्यय तथा करारोपण अपने पूर्व स्तर पर नहीं आते बल्कि कुछ कर बने रह जाते हैं जिससे करारोपण की प्रवृत्ति को यदि रेखाचित्र में प्रदर्शित किया जाए तो सीढ़ीनुमा आकृति प्राप्त होता है जिसे विस्थापन प्रभाव कहा जाता है।

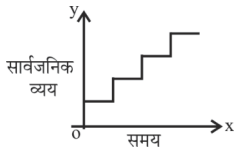

2. किस तिथि तथा वर्ष में भारत में जी एस टी प्रभावी हुआ?

(a) एक अप्रैल, 2017 (b) एक जनवरी, 2017

(c) एक जुलाई, 2017 (d) एक मार्च, 2018

Ans. (c) : G.S.T. (Goods, Services and Taxes) 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में प्रभावी हुआ। 101 वां संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल, मितव्ययी, कुशल एवं व्यावहारिक बनाने हेतु वस्तु एवं सेवा कर का प्रावधान करता है। G.S.T. में राज्यों को क्षतिपूर्ति हेतु आधार वर्ष 2015-16 निर्धारित किया गया है। G.S.T. एक अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है, जो प्रत्येक चरण में केवल मूल्यवर्धन पर ही लगाया जाता है। संविधान में अनुच्छेद 279 A जोड़कर वस्तु एवं सेवा कर परिषद का गठन किया गया है।

3. यदि दी गई एक परिस्थिति में $P_x = 170$, $P_m = 190$ और $Z_x = 152$ है तो व्यापार की एकल कारकीय शर्त का मूल्य T_s निम्नलिखित में से क्या होगा:

(a) 136 (b) 148

(c) 84 (d) 116

Ans. (a) : व्यापार की एकल कारकीय शर्त $= \frac{Px}{Pm} \times Zx$

$= \frac{170}{190} \times 152 = 136$

4. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) ई. कैनन	(i) इष्टतम जनसंख्या
(B) फ्रेंक नेटस्टीन	(ii) लेन-देन लागत (ट्रांजेक्शन कॉस्ट)
(C) ब्रेड्टलैण्ड	(iii) जनांकिकीय संक्रमण
(D) रोनाल्ड कोस	(iv) सतत (धारणीय) विकास

नीचे दिए गए में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

(b) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

(c) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(ii)

(d) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)

Ans. (c) :

सूची-I	सूची-II
(A) ई. कैनन	(i) इष्टतम जनसंख्या
(B) फ्रेंक नेटस्टीन	(iii) जनांकिकीय संक्रमण
(C) ब्रेड्टलैण्ड	(iv) सतत् (धारणीय) विकास
(D) रोनाल्ड कोस	(ii) लेन-देन लागत (ट्रांजेक्शन कॉस्ट)

5. नीचे दो श्रखंलाएं दी गई है:

(A) $1-\frac{1}{2}+\frac{1}{4}-\frac{1}{8}+\frac{1}{16}-\frac{1}{32}+\ldots..\infty$ तक

(B) $2+\sqrt{2}+1+\frac{1}{\sqrt{2}}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2\sqrt{2}}+\ldots.\infty$ तक

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) अभिसारी है जबकि (B) अपसारी श्रंखला हैं

(b) (A) तथा (B) दोनों अभिसारी श्रंखलाएं हैं

(c) (A) अपसारी है जबकि (B) अभिसारी श्रंखला हैं

(d) (A) तथा (B) दोनों अभिसारी नहीं हैं

Ans. (b) : अभिकथन (A) तथा (B) दोनों अभिसारी श्रृंखलाएं हैं। कोई भी श्रेणी अभिसारी कहलाती है यदि उसके आंशिक योगों का अनुक्रम (S_1, S_2, S_3.....) अभिसारी हो। धनात्मक पूर्णांकों के व्युत्क्रम से अपसारी श्रेणी (हरात्मक श्रेणी) प्राप्त होती है।

6. जब ब्याज की बाजार दर में गिरावट होती है तो निम्नलिखित में से क्या होगा?

(a) बंध पत्र (बांड) मूल्य तथा बंध पत्र (बांड) प्रतिफल दोनों में वृद्धि होगी

(b) बंध पत्र (बांड) मूल्य तथा बंध पत्र (बांड) प्रतिफल दोनों में गिरावट होगी

(c) बंध पत्र (बांड) मूल्य बढ़ेगें और बंध पत्र (बांड) प्रतिफल में गिरावट होगी

(d) बंध पत्र (बांड) मूल्य में गिरावट होगी तथा बंध पत्र (बांड) प्रतिफल में वृद्धि होगी

Ans. (c) : यदि ब्याज की बाजार दर में गिरावट होती है तो बंध पत्र (बांड) मूल्य बढ़ेगें और बंध पत्र (बांड) प्रतिफल में गिरावट होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) राजकोषीय घाटा	(i) कुल प्राप्तियों की तुलना में अधिक कुल व्यय
(B) बजट घाटा	(ii) राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय आधिक्य
(C) राजस्व घाटा	(iii) कुल प्राप्तियों से उधारियां घटा कर प्राप्त राशि की तुलना में अधिक कुल व्यय
(D) प्राथमिक घाटा	(iv) कुल प्राप्तियों से उधारियों तथा ब्याज भुगतान के पश्चात् प्राप्त राशि की तुलना में अधिक कुल व्यय

नीचे दिए गए विकल्पों से सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)
(b) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

Ans. (a) :

सूची-I	सूची-II
(A) राजकोषीय घाटा	(iii) कुल प्राप्तियों से उधारियाँ घटा कर प्राप्त राशि की तुलना में अधिक कुल व्यय
(B) बजट घाटा	(i) कुल प्राप्तियों की तुलना में अधिक कुल व्यय
(C) राजस्व घाटा	(ii) राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय आधिक्य
(D) प्राथमिक घाटा	(iv) कुल प्राप्तियों से उधारियाँ तथा ब्याज भुगतान के पश्चात् प्राप्त राशि की तुलना में अधिक कुल व्यय

8. मैट्रिक्स $\begin{bmatrix} 2 & 0 & 0 & 0 \\ 0 & 4 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 5 & 0 \\ 0 & 0 & 0 & 1 \end{bmatrix}$ **का प्रतिलोम है:**

(a) $\begin{vmatrix} 0.25 & 0 & 0 & 0 \\ 0 & 0.5 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 0.2 & 0 \\ 0 & 0 & 0 & 1 \end{vmatrix}$

(b) $\begin{vmatrix} 0.2 & 0 & 0 & 0 \\ 0 & 1 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & .25 & 0 \\ 0 & 0 & 0 & 0.5 \end{vmatrix}$

(c) $\begin{vmatrix} 0.5 & 0 & 0 & 0 \\ 0 & 0.25 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 0.2 & 0 \\ 0 & 0 & 0 & 1 \end{vmatrix}$

(d) $\begin{vmatrix} 0.5 & 0 & 0 & 0 \\ 0 & 0.25 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 1 & 0 \\ 0 & 0 & 0 & 4 \end{vmatrix}$

Ans. (c) : $\begin{vmatrix} 0.5 & 0 & 0 & 0 \\ 0 & 0.25 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 0.2 & 0 \\ 0 & 0 & 0 & 1 \end{vmatrix}$

9. भारत के एन.एस.एस.ओ. द्वारा बेरोजगारी के अनुमान के लिए प्रयुक्त नहीं की जा रही विधि की पहचान कीजिए:

(a) वर्तमान मासिक स्थिति
(b) वर्तमान दैनिक स्थिति
(c) वर्तमान साप्ताहिक स्थिति
(d) प्रायिक मुख्य और सहायक स्थिति

Ans. (a) : भारत में बेरोजगारी के आंकड़े N.S.S.O द्वारा जारी किये जाते हैं। N.S.S.O. (नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस) द्वारा बेरोजगारी के अनुमान के लिए तीन विधियां प्रयोग की जाती है।
(1) वर्तमान दैनिक स्थिति
(2) वर्तमान साप्ताहिक स्थिति
(3) प्रायिक मुख्य एवं सहायक स्थिति

10. निम्नलिखित उपागमों में से कौन सा उपागम में फिलिप्स वक्र विश्लेषण सही उतरता है:

(A) अनुकूली प्रत्याशा (B) युक्तिमूलक प्रत्याशा

सही विकल्प चुनें:

(a) केवल (A) (b) केवल (B)
(c) (A) और (B) दोनों (d) न (A) और न (B)

Ans. (a) : A.W. फिलिप्स ने अपने लेख में "The Relation Ship between unemployment and Rate of Change in money wage Rate in united kingdom" में मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के मध्य विपरीत सम्बन्ध स्थापित किया। अनुकूलतम प्रत्याशा सिद्धान्त का प्रतिपादन मिल्टन फ्रीडमैन ने किया था। उनके मतानुसार फिलिप्स वक्र अल्पकाल में सत्य हो सकता है किन्तु दीर्घकाल में बेरोजगारी तथा मौद्रिक मजदूरी के मध्य कोई निश्चित सम्बन्ध नहीं होता है। युक्तिमूलक प्रत्याशा या विवेक पूर्ण प्रत्याशा के अनुसार फिलिप्स वक्र अल्पकाल में सत्य नहीं होगा।

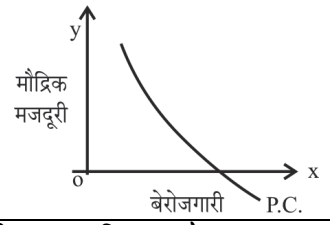

11. नीचे तीन कथन दिए गए है:

(A) जनराईलज्ड लीस्ट स्केवयर्स (जी एल एस) पद्धिति जहां ओ एल एस असफल होता है उस स्थिति में ब्लू (बी एल यू ई) उपलब्ध करवाने में सक्षम होती है।
(B) जी एल एस परिवर्तित चरों पर ओ एल एस है जो स्टेंडर्ड लीस्ट स्केयवर्स की परिकल्पना को सन्तुष्ट करता है।
(C) जी एल एस पद्धिति मल्टीकॉलीनियरिटी की समस्या के समाधान के लिए प्रयुक्त है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (B) सही है और (C) सही नहीं है
(b) (A) तथा (C) सही है और (B) सही नहीं है
(c) (A) सही है और (B) तथा (C) सही नहीं है
(d) (A) गलत है और (B) तथा (C) सही है

Ans. (a) : (i) जनराईलज्ड लीस्ट स्केवयर्स (G.L.S) पद्धति जहां असफल होता है उस स्थिति में ब्लू (BLUE) उपलब्ध करवाने में सक्षम होता है।
(ii) G.L.S. परिवर्तित चरों पर O.L.S. है जो स्टेंडर्ड लीस्ट स्केवयर्स की परिकल्पना को संतुष्टि करता है।

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(A) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (एन ए आई एस) का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल खराब होने से हुई हानियों के प्रति किसानों को सुरक्षा देना।
(B) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (एन ए आई एस) सभी कर्जदार एवं गैर-कर्जदार दोनों किसानों को उनकी धारिता पर ध्यान दिए बिना उपलब्ध है।

उपरोक्त दिए गए कथनों में कौन-सा/ से सही हैं?

(a) केवल (A)
(b) केवल (B)
(c) (A) तथा (B) दोनों
(d) (A) तथा (B) में कोई नहीं

Ans. (c) : राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना को कृषि मंत्रालय द्वारा 1999-2000 में निरूपित किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल खराब होने से हुई हानिओं से किसानों की सुरक्षा करना है। इसके अन्तर्गत कर्जदारों तथा गैर कर्जदारों दोनों किसानों की धारिता को ध्यान में नहीं रखा गया है।

13. निम्नलिखित में से किस व्यापार नीति का परिणाम सरकार द्वारा आयातित वस्तुओं पर एक विशिष्ट प्रशुल्क और एक एडवेलोरम प्रशुल्क दोनों लगाने के रूप में सामने आता है।

(a) प्रभावी प्रशुल्क
(b) राजस्व प्रशुल्क
(c) यौगिक प्रशुल्क
(d) मौद्रिक का प्रशुल्क (नॉमिनल टेरिपस)

Ans. (c) : मूल्यानुसार प्रशुल्क- जब आयातित वस्तु के मूल्य के अनुसार प्रशुल्क लगाया जाता है तो उसे मूल्यानुसार प्रशुल्क कहते हैं।
विशिष्ट प्रशुल्क- जब किसी आयातित वस्तु की मात्रा के आधार पर प्रशुल्क लगाया जाता है तो उसे विशिष्ट प्रशुल्क कहते हैं।
यौगिक प्रशुल्क- जब आयातित वस्तु की मूल्य तथा मात्रा के अनुसार प्रशुल्क लगाया जाता है तो उसे यौगिक प्रशुल्क कहते हैं।

14. नीचे दिए गए परीक्षणों को उनके प्रयोजन से सुमेलित कीजिए:

(a) डिकी-फुलर परीक्षण	(i) हेटरोसेडेस्टीसिटी
(b) बॉक्स-जेन्किन्स विधि	(ii) कारणता
(c) ग्लेजसर परीक्षण	(iii) पूर्वानुमान
(d) ग्रेन्गर परीक्षण	(iv) स्थिरता

नीचे दिए गए में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)
(b) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
(c) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)
(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (c) : सूची-I	**सूची-II**
डिकी-फुलर परीक्षण	स्थिरता
बॉक्स-जेन्किन्स विधि	पूर्वानुमान
ग्लेसजर परीक्षण	हेटेरोसेडेस्टीसिटी
ग्रेन्गर परीक्षण	कारणता

15. निम्नलिखित में से कौनसा कथन भारत में टेक्सटाइल क्षेत्र के बारे में सही नहीं है?

(a) भारत के टेक्सटाइल और क्लोदिंग (पहनावा) सेक्टर में वर्तमान में 35 मिलियन व्यक्यिों को रोजगार प्राप्त है
(b) यह कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार-प्रदाता है
(c) जी.डी.पी. और अर्थव्यवस्था में वृद्धि होने पर टेक्सटाइल क्षेत्र में संकुचन की प्रवृत्ति है
(d) टेक्सटाइल क्षेत्र निम्न कौशल वाले श्रमिकों को एक प्रमुख समाहक (एब्जॉर्बर) है

Ans. (c) : (1) भारत में टेक्सटाइल और क्लोदिंग क्षेत्र में वर्तमान समय में ल0 35 मिलियन व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त है (आर्थिक सर्वे 2018-19)
(2) यह कृषि क्षेत्र के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार-प्रदाता है
(3) कपड़ा क्षेत्र निम्न कौशल वाले श्रमिकों को एक प्रमुख समाहक है उपरोक्त तीनो कथन सत्य हैं अतः G.D.P और अर्थव्यवस्था में वृद्धि होने पर टेक्सटाइल क्षेत्र में संकुचन की प्रवृत्ति है कथन सही नहीं है।

16. 'जनांकिकीय लाभांश' की परिघटना निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) लिंगानुपात में वृद्धि
(b) महिला जनसंख्या के हिस्से में वृद्धि
(c) टी.एफ.आर. में गिरावट
(d) कार्यशील आयु की जनसंख्या के हिस्से में वृद्धि

Ans. (d) : जनांकिकीय लाभांश- जब कार्यशील आयु (16-64 वर्ष) की जनसंख्या में वृद्धि होती है तो उसे जनांकिकीय लाभांश कहा जाता है। इसके परिणाम स्वरूप आश्रितता अनुपात घट जाता है, परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय आय, उत्पादन, रोजगार में वृद्धि होती है।

17. निम्नलिखित में से कौनसी प्रासंगिक मूल्यांकन विधि की विशेषता नहीं है?

(a) यह एक आर्थिक गैर-बाजार आधारित मूल्यांकन विधि है
(b) यह उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की अधिक इच्छुकता पर आधारित है
(c) यह केवल वायु प्रदूषण के मामले में प्रयुक्त की जाती है
(d) यह बाजार की विफलता की स्थिति के अंतर्गत प्रयुक्त की जाती है

Ans. (c) : प्रासंगिक मूल्यांकन विधि का प्रयोग पर्यावरणीय प्रदूषण लागत की गणना करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है यह एक आर्थिक गैर बाजार आधारित मूल्यांकन विधि है। यह उपभोक्ताओं के भुगतान की इच्छुकता पर आधारित है, यह बाजार विफलता की स्थिति के अन्तर्गत प्रयुक्त किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. निम्नलिखित में से कौन से संस्थान ग्रीन/नीले ब्कस आर्थिक सहायता से संबंधित है?

(A) संयुक्त राष्ट्र (B) विश्व बैंक
(C) विश्व पर्यटन संगठन (D) विश्व व्यापार संगठन

नीचे दिए गए विकल्पों से सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (D) (b) (B) तथा (D)
(c) केवल (D) (d) केवल (B)

Ans. (c) : ब्लू बॉक्स आर्थिक सहायता W.T.O. द्वारा प्रदान की जाती है। ब्लू बॉक्स के तहत उस आर्थिक सहायता को शामिल किया जाता है जो कृषकों को उत्पादों के उत्पादन में मात्रात्मक कमी लाने हेतु सरकार द्वारा दी जाती है। यह सहायता राशि व्यापार विकृति में कमी लाने हेतु दी जाती है।

19. कर के प्रभाव इससे सर्दभित है:

(a) कर प्रगामी, आनुपातिक अथवा प्रतिगामी है
(b) कर संग्रह करने वाला प्राधिकरण
(c) अतंतः कर देने वाला व्यक्ति अथवा समूह
(d) कर किस तरह संग्रह किया गया?

Ans. (c) : कर के दो प्रभाव होते हैं।
(1) करापात (2) कराघात
(1) करापात- करापात में कर की राशि दूसरे व्यक्ति पर विवर्तित की जा सकती है।
(2) कराघात- इसमें कर की राशि उसी व्यक्ति को वहन करनी पड़ती है जिस पर कर आरोपित किया जाता है।
अप्रत्यक्ष कर में कराघात तथा करापात दोनों अलग-अलग व्यक्तियों पर होता है।

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरों को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A): सी.ई.एस. उत्पादन फलन, उत्पादन फलनों के बड़े वर्ग की व्याख्या करता है।

तर्क (R): सी.ई.एस. उत्पादन फलन में फैक्टर प्रतिस्थापन की लोच की स्थिर होने का गुण होता है।

उपरोक्त दो कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है और (R) गलत है
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (a) : C.E.S. (Constant elasticity Subsititution) स्थिर प्रतिस्थापन की लोच का प्रतिपादन प्रो. वी. एस. मिनहास, ऐरो आदि अर्थशास्त्रीयों ने किया। इस सिद्धांत के अनुसार साधनों के मध्य कोई भी प्रतिस्थापन लोच सम्भव है। इसमें प्रतिस्थापन लोच का मान 0 से ∞ के मध्य हो सकता है।

$C.E.S. = \frac{1}{1+P}$ जहां P = प्रतिस्थापन की लोच

C.E.S. उत्पादन फलन, उत्पादन फलनों के बड़े वर्गों की व्याख्या करता है क्योंकि इसमें साधनों के मध्य स्थिर प्रतिस्थापन की लोच का गुण होता है।

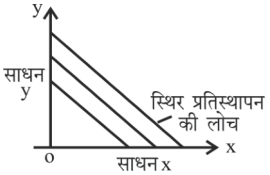

21. निम्नलिखित में से कौन-से मॉडल में 'नाईफ-एज' समस्या उत्पन्न होती है:

(a) कालडर (b) सोलो
(c) हैरॉड (d) स्वॉन

Ans. (c) : प्रो. रॉय हैरॉड ने अपनी पुस्तक (Towards a dynamic Economics में चाकू धार समस्या (नाईफ- एज समस्या) का प्रतिपादन किया। प्रो. रॉय हैरॉड ने तीन प्रकार की संवृद्धि दरों की व्याख्या की
(1) वास्तविक संवृद्धि दर (Ga)
(2) वांछित संवृद्धि दर (Gw)
(3) प्राकृतिक संवृद्धि दर (Gn)
डा. रॉय हैरॉड के अनुसार अर्थव्यवस्था में संतुलन के लिए आवश्यक है तीनों संवृद्धि दरें संतुलन अवस्था में हों यदि किसी में भी विचलन होता है तो संस्थिति की स्थिति पुनः वापस नहीं आयेगी अपितु दूर होती चली जायेगी। इसी को उन्होंने चाकू धार समस्या कहा।

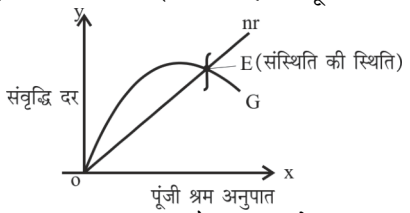

E बिन्दु ही चाकू धार समस्या है यदि इससे विचलन होता है तो अर्थव्यवस्था संस्थिति पर पुनः वापस नहीं आयेगी।

22. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिसमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A): भारत जैसे देश के लिए समावेशी विकास आवश्यक है।

तर्क (R): महत्वपूर्ण बाह्य क्षेत्रों के साथ भारत एक मुक्त अर्थव्यवस्था है।

उपरोक्त दो कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है और (R) गलत है
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (b) : भारत जैसे विकासशील देश में जहां ल. एक तिहाई जनसंख्या गरीब है, आय की असमानता व्याप्त है, लोगों का जीवन निर्वाह स्तर निम्न है, शिक्षा एवं स्वास्थ्य का अभाव है, इन समस्याओं को दूर करने के लिए समावेशी विकास अत्यन्त आवश्यक है।
समावेशी विकास- जब अर्थव्यवस्था में सभी की समान भागीदारी होती है, सभी को समान अवसर उपलब्ध होते हैं।
भारतीय अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण बाह्य क्षेत्रों के साथ एक मुक्त अर्थव्यवस्था है।
अतः दोनों कथन सत्य हैं किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

23. हिक्स तथा हैरड की तटस्य तकनीकी प्रगति को स्वीकार करने वाली उत्पादन फर्म के प्रतिस्थापन σ की लोचशीलता होगी:

(a) $\sigma = 0$ (b) $\sigma = 1$
(c) $\sigma = \infty$ (d) $0 < \sigma < 1$

Ans. (b) : हिक्स तथा हैरड की तकनीकि प्रगति दोनों तटस्थ होंगी यदि दोनों में फर्म के प्रतिस्थापन की लोच ($\sigma = 1$) इकाई के बराबर हो।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. सूची-I के सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I	सूची-II
(A) आभासी लागत (क्वासी रेन्ट)	(i) ए. पी. लर्नर
(B) योजनाबद्ध विक्रय कर	(ii) पी. ए. सेम्युअलसन
(C) एकाधिकार शक्ति	(iii) ए. मार्शल
(D) अधिमानों का सबल क्रम	(iv) एफ. चैम्बरलिन

विकल्प :

(a) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)
(d) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)

Ans. (a) :

सूची-I	सूची-II
(A) आभासी लगान (क्वासी रेन्ट)	(iii) ए. मार्शल
(B) योजनाबद्ध विक्रय कर	(iv) एफ. चैम्बरलिन
(C) एकाधिकारी शक्ति	(i) ए. पी. लर्नर
(D) अधिमानों का सबल क्रम	(ii) पी.ए. सैम्युएलसन

25. दिए गए बचत फलन S=-20 + 0.2 Y और स्वायत्त निवेश (I) = रु. 100 मिलियन दी गई है। उपभोग का साम्यावस्था स्तर होगा:

(a) 500 (b) 600
(c) 400 (d) 700

Ans. (a) : बचत फलन $= \frac{I}{Y}$

$S = -20 + 0.2Y$

$I = ₹\ 100$

हल करने पर $\Rightarrow \quad S = \frac{100}{0.2} \Rightarrow S = \frac{1000}{2}$

$S = 500$

26. अर्थमिति में उनके योगदान के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कालक्रमानुसार सही है?

(a) एल.आर. क्लेन, एच. थील, ए.एल. नागर, टी. हेवेल्मो
(b) ए.एल. नागर, टी हेवेल्मो, एल. आर. क्लेन, एच. थील
(c) टी. हेवेल्मो, एल.आर. क्लेन, एच. थील, ए. एल. नागर
(d) एच. थील, एल. आर. क्लेन, ए. एल. नागर, टी. हेवेल्मो

Ans. (c) : अर्थमिति में अर्थशास्त्रीयों के योगदान का क्रम निम्न प्रकार का है- टी. हेवेल्मो, एल. आर. क्लेन, एच. थील, ए. एल. नागर

27. निम्नलिखित में से बेसल III मानकों के कौन से मुख्य स्तम्भ हैं?

(A) न्यूनतम पूँजी आवश्यकता
(B) पर्यवेक्षी पुनरीक्षा प्रक्रिया
(C) बाजार अनुशासन
(D) पूंजी पर अधिकतम प्रतिफल

नीचे दिए गए विकल्पों से सही विकल्प चुनें:

(a) केवल (A), (B) तथा (C)
(b) केवल (A) तथा (D)
(c) केवल (B) तथा (C)
(d) केवल (B), (C) तथा (D)

Ans. (a) : बेसेल III बैंकिग क्षेत्र के विनियमन, पर्यवेक्षण एवं जोखिम प्रबन्धन को सुद्रढ़ करने के लिए एक विश्व स्तरीय समिति है। भारत में BASEL III 3 दिसम्बर 2010 को लागू किया गया था इसके सभी मानदण्ड 31 मार्च 2018 को पूरी तरह लागू किए जाने का प्रावधान था।

बेसल III के उद्देश्य-

(1) वित्तीय एवं आर्थिक अस्थिरता से उत्पन्न होने वाले उतार-चढ़ाव को अवशोषित करने के लिए बैंकिग क्षेत्र की क्षमता में सुधार
(2) बैंकिग क्षेत्र की जोखिम प्रबन्धन क्षमता एवं शासन में सुधार
(3) बैंकिग क्षेत्र की पारदर्शिता में सुधार

बेसल III मानकों के प्रमुख आधार स्तम्भ

(a) न्यूनतम पूंजी आवश्यकता
(b) पर्यवेक्षी पुनरीक्षा प्रक्रिया
(c) बाजार अनुशासन

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A): सम्पत्ति अधिकारों पर विवाद के पक्ष आर्थिक रूप से इष्टतम समाधान के लिए बातचीत कर सकते हैं।

तर्क (R): कुशल, प्रतिस्पर्धात्मक बाजार हैं तथा इनमें कोई लेन-देन लागत नहीं है।

उपरोक्त दोनों कथनों के संबंध में सही विकल्प चुने:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है और (R) गलत है
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (a) : बाह्यता तथा पर्यावरण की समस्या के समाधान से जुटा सिद्धान्त (कोज प्रमेय) यह प्रतिपादित करता है कि बाजार यंत्र के द्वारा बाह्यता को सुधारा जा सकता है। किन्तु ऐसा तभी हो सकता है जब सम्पत्ति के अधिकार परिभाषित हों। किन्तु यह सिद्धान्त तभी लागू होगा जब आर्थिक व्यवहार की लागत शून्य हो।

29. निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों को गणितीय अर्थशास्त्र में योगदान के क्षेत्र से सुमेलित कीजिए:

(A) स्लटस्की	(i) रैखिक प्रोग्रेमिंग
(B) ऐरो	(ii) आगत-निर्गत विश्लेषण
(C) लियोन्टिफ	(iii) उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण
(D) डान्तजिंग	(iv) सी.ई.एस. उत्पादन फलन

नीचे दिए गए में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)
(d) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(ii)

Ans. (b) :

सूची-I	सूची-II
(A) स्लटस्की	(iii) उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण
(B) ऐरो	(iv) सी. ई. एस. उत्पादन फलन
(C) लियोन्टिफ	(ii) आगत-निर्गत विश्लेषण
(D) डान्तजिंग	(i) रैखिक प्रोग्रामिंग

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. हैरोड्स का वृद्धि मॉडल इस प्रकार दिया गया है:

$S_t = a\ Y_t \quad 0 < a < 1$

$I_t = b[Y_t - Y_{t-1}]\ b > 0$

$S_t \equiv I_t$

इस मॉडल में वृद्धि की शर्त है:

(a) $\frac{b}{(b-a)} > 0$ (b) $\frac{b}{(b-a)} < 0$

(c) $\frac{a}{(b-a)} > 0$ (d) $\frac{a}{(b-a)} < 0$

Ans. (a) : इस मॉडल की वृद्धि की शर्त $\frac{b}{(b-a)} > 0$ होगी।

31. रेखीय प्रोग्रामिंग में प्रत्येक निर्मेय (जिसे प्राइमल कहा जाता है) में द्वैत भी होता है। रेखीय प्रोग्रामिंग में द्वैतता (इचुएलिटी) के संबंध में निम्नलिखित कथन दिए गए हैं?

(A) यदि रेखीय प्रोग्रामिंग समस्या अधिकतम प्रकार का है तो इसका द्वैत न्यूनतम प्रकार का है।

(B) प्राइमल तथा द्वैत दोनों का एक ही इष्टतम मान है।

(C) रेखीय प्रोग्रामिंग के द्वैत समस्या प्राइमल समस्या होती है।

(D) यदि रेखीय प्रोग्रामिंग निर्मेय को "से कम (लैस दैन)" प्रकार के साथ अधिकतम बनाना (मैक्सीमाईसिंग) बाध्यता है तो इस समस्या का द्वैत "से अधिक" (मोर दैन) एक प्रकार का होगा।

सही विकल्प चुनें:

(a) केवल (A) तथा (B) सही है

(b) केवल (C) तथा (D) सही है

(c) (A), (B) तथा (C) सही है

(d) (A), (B), (C) तथा (D) सभी सही है

Ans. (d) : रेखीय प्रोग्रामिंग सिद्धान्त का प्रतिपादन डैटजिंग ने किया था। रेखीय प्रोग्रामिंग में साधनों के मध्य प्रतिस्थापन की लोच शून्य होती है। इसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

(1) यदि रेखीय प्रोग्रामिंग समस्या अधिकतम प्रकार का है तो इसका द्वैत न्यूनतम प्रकार का होगा।

(2) प्राइमल तथा द्वैत दोनों का एक ही इष्टतम मान है।

(3) रेखीय प्रोग्रामिंग के द्वैत की द्वैत समस्या प्रमुख (प्राइमल) समस्या है।

(4) यदि रेखीय प्रोग्रामिंग निर्मेय को "से कम" प्रकार के साथ अधिकतम बनाना बाध्यता है तो इस समस्या का द्वैत "से अधिक" प्रकार का होगा।

32. किसी फर्म का कुल लागत फलन है:

$C = \frac{1}{10}q^3 - 3q^2 + 50q + 300$

जिसमें C = कुल लागत, q = निर्गत

q = 10 पर सीमांत लागत रूप क्या होगी:

(a) 20 (b) 10

(c) 30 (d) 50

Ans. (a) : $TC = \frac{1}{10}q^3 - 3q^2 + 50q + 300$

$MC = \frac{d(TC)}{dq}$

$MC = \frac{3q^2}{10} - 6q + 50$

q का मान रखने पर-

$\therefore q = 10$

$MC = \frac{3\times10\times10}{10} - 6\times10 + 50$

$= 30 - 60 + 50$

$\boxed{MC = 20}$

33. भारतीय अर्थव्यवस्था को निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमणानुसार क्रम में सुव्यवस्थित करें:

(A) कर्मशियल बैंकों के राष्ट्रीयकरण का पहला चरण

(B) बैंकिंग प्रणाली पर नरसिम्हन समिति की स्थापना

(C) फेमा अधिनियम लागू किया जाना

(D) भारत के एक्ज़िम बैंक की स्थापना

विकल्पों से सही विकल्प चुनें:

(a) (A), (C), (D), (B) (b) (A), (D), (B), (C)

(c) (A), (C), (B), (D) (d) (A), (D), (C), (B)

Ans. (b) : भारतीय अर्थव्यवस्था में घटनाओं का कालक्रम निम्न प्रकार है-

(a) कार्मशियल बैंकों के राष्ट्रीयकरण का पहला चरण 1969

(d) भारत में एक्जिम बैंक की स्थापना 1982

(b) बैंकिंग प्रणाली पर नरसिम्हन समिति की स्थापना 1992

(c) फेमा अधिनियम लागू किया जाना 1999

34. निम्नलिखित में से कौन सा अर्थशास्त्री 'संतुलित वृद्धि' सिद्धांत से संबंधित है?

(A) डब्ल्यू. ए. लेविस (B) एच. डब्ल्यू. सिंगर

(C) आर. नेल्सन (D) रगनार नर्क्स

सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (D) (b) (C) और (D)

(c) (A) और (B) (d) (B) और (C)

Ans. (a) : संतुलित वृद्धि सिद्धान्त के प्रमुख समर्थक अर्थशास्त्री रोजन्सटीन रोडान डब्ल्यू ए. लेविस, रेग्नर नर्क्स हैं। संतुलित वृद्धि सिद्धान्त के अनुसार अल्पविकसित देशों को पिछड़ेपन तथा गरीबी के भंवर से बाहर निकालने के लिए यह आवश्यक है कि अर्थव्यवस्था में एक साथ बहुत अधिक मात्रा में विनियोग किया जाय। यह आवश्यक नहीं है कि सभी क्षेत्र एक ही दर से बढ़े। यह दृष्टिकोण बाजार पूरकता या मांग पूरकता पर आधारित है। इस स्थिति में पूर्ति के साथ उनकी मांग या बाजार स्वतः सृजित हो जायेगी तथा विकास की क्रिया निर्बाध गति से चलती जायेगी।

35. कॉब-डगलस उत्पादन फलन के लिए $Q = 100\ L^{0.1} K^{0.3}$ के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है:

(a) यह एक रैखिक समरूप फलन है।

(b) इसकी विशेषता निरंतर पैमाने का प्रतिफल है।

(c) इसमें कारक स्थानापन्न का शून्य लोच होती है।

(d) इसकी विशेषता स्थानापन्न की इकाई लोच है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : कॉब-डगलस उत्पादन फलन की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं।
(1) यह एक रैखिक समरुप फलन है।
(2) यह स्थिर पैमाने के प्रतिफल पर आधारित है।
(3) इसमें साधनों के मध्य प्रतिस्थापन की लोच इकाई होती है।
(4) उत्पादन के लिए कम से कम दो साधनों की आवश्यकता होती है, यदि एक साधन की मात्रा शून्य हुई तो कुल उत्पादन शून्य होगा।
(5) इसमें भी उत्पादन की द्वितीय अवस्था में ही उत्पादन होता है।
(6) यह योगीकरण प्रमेय को संतुष्ट करता है।
अतः इस प्रकार इसमें साधनों के मध्य प्रतिस्थापन की लोच शून्य नहीं होती है।

36. निम्नलिखित उपभोग फलन में आय गुणक का मूल्य K = 4? होगा:
(a) C = 100 + .5Y
(b) C = 50 + .8Y
(c) C = 200 + .75Y
(d) C = 50 + .4Y

Ans. (c) : गुणक $(K) = \frac{1}{1-MPC}$
जहां MPC उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति
$= \frac{1}{1-0.75} = \frac{1}{0.25} = \frac{100}{25}$
$\boxed{K = 4}$

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:
अभिकथन (A): मुद्रा स्फीतिकारी प्रवृत्तियों के नियंत्रण के लिए आर बी आई रेपोदर में वृद्धि करता है।
तर्क (R): ऐसा करके आर बी आई उपयोग माँग को नियंत्रित करना चाहता है।
उपरोक्त दो कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:
(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है और (R) गलत है
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (c) : मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए R.B.I द्वारा रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट, बैंक रेट, MSF (सीमान्त स्थायी सुविधा), खुले बाजार में प्रतिभूतियों की बिक्री में वृद्धि करती है जिससे साख सृजन में संकुचन होता है जिससे समग्र मांग में कमी आती है, जिससे मुद्रा स्फीति में संकुचन होता है किन्तु इस प्रयोजन का उद्देश्य R.B.I. द्वारा उपयोग मांग को नियंत्रित करना नहीं है बल्कि अर्थव्यवस्था में एक सुदृढ़ आर्थिक स्थिति का निर्माण करना है।

38. मुद्रा माप-M_1 के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा एक ही है?
(a) किसी निश्चित समय पर लोगों के पास मुद्रा + वाणिज्यिक बैंको की माँग जमा + अन्य जमा
(b) एक वर्ष में अधिक समय में लोगों के पास मुद्रा + बैंकों की माँग जमा + अन्य जमा
(c) किसी निश्चित समय पर लोगों के पास जमा + सभी बैंकों की जमा (बैंक डिपासिट्स)
(d) किसी निश्चित समय पर लोगों के पास मुद्रा + पोस्ट आफिस जमा + अन्य जमा

Ans. (a) : मुद्रा-माप-M_1 में निम्नलिखित अवयवों को शामिल किया जाता है-
M_1 = (i) लोगों के पास करेन्सी जिसमें चलन में पत्र मुद्रा, रुपये तथा छोटे सिक्के तथा बैंको के पास हाथ में नकदी शामिल है
(ii) सभी व्यापारिक तथा सहकारी बैंकों के पास मांग जमाएं
(iii) रिजर्व बैंक के पास अन्य जमाएं

39. सेबी का निम्नलिखित में से कौनसा कार्य है?
(a) मुद्रा बाजार का विनियमन
(b) सार्वजनिक ऋण का विनियमन
(c) वस्तु बाजार का विनियमन
(d) प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिभूति बाजार का विनियमन

Ans. (d) : भारतीय प्रतिभूति नियामक बोर्ड की स्थापना 12 अप्रैल 1988 को हुई थी किन्तु इसको वैधानिक मान्यता 30 जनवरी 1992 को प्रदान की गई थी। इसका प्रमुख कार्य प्राथमिक तथा द्वितीयक प्रतिभूति बाजार का विनियमन करना है तथा वित्त बाजार में निवेशकों को प्रोत्साहन के लिए मार्ग प्रशस्त करना है।

40. निम्नलिखित को उनके प्रकट होने के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:
(A) हेयक का निवेश सिद्धांत
(B) फिशर का निवेश सिद्धांत
(C) जोर्गेन्सन का निवेश सिद्धांत
(D) मार्कोविट्ज का निवेश सिद्धांत
नीचे दिए गए में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (B), (A), (D), (C) (b) (D), (B), (C), (A)
(c) (C), (A), (B), (D) (d) (A), (C), (D), (B)

Ans. (a) : विभिन्न सिद्धान्तों के उद्भवों का कालक्रम निम्नलिखित है-
फिशर का निवेश सिद्धान्त
हेयक का निवेश सिद्धान्त
मार्कोविट्स का निवेश सिद्धान्त
जोर्गेन्सन का निवेश सिद्धान्त

41. नीचे दिए गए क्रमों में से परिमाण का कौन-सा आरोही क्रम सही है?- आरोही क्रम सही है?
(a) रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, सांविधिक तरलता अनुपात (एस एल आर) तथा मार्जिनल स्टैडिंग फेसिलिटी दर (एम एस एफ आर)
(b) एस एल आर, एम एस एफ, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर
(c) रेपो दर, एस एल आर, एम एस एफ आर, रिवर्स रैपो दर
(d) रिवर्स रेपो दर, रेपो दर, एम एस एफ आर, एस एल आर

Ans. (d) : निम्नलिखित परिमाणों का आरोही क्रम इस प्रकार है-
(1) रिवर्स रेपो रेट 4.90
(2) रेपो रेट 5.15
(3) (सीमान्त स्थायी सुविधा) M.S.F. 5.40
(4) S.L.R. = 18.75%
यह आंकड़े जुलाई 2019 के मौद्रिक नीति से लिए गए हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. उस सही विकल्प की पहचान कीजिए, जिसके लिए आगत का आबंटन तकनीकी रूप से कुशल है:

(A) एक माल के निर्गत में कमी अन्य माल के निर्गत में वृद्धि किए बिना नहीं की जा सकती

(B) एक माल के उपभोग में वृद्धि अन्य माल के उपभोग में कमी किए बिना नहीं की जा सकती

(C) उपभोक्ता अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है

विकल्प:

(a) केवल (B) (b) केवल (A)

(c) दोनों (A) और (C) (d) दोनों (B) और (C)

Ans. (b) : प्रो. वी पैरेटो ने अनुकूलतम कल्याण फलन को विकसित किया था उनके अनुसार संसाधनों का कुशलतम आवंटन उस समय होगा जब नीतिगत परिवर्तन द्वारा किसी भी व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि तब तक नहीं लायी जा सकती जब तक दूसरे के कल्याण में कमी न की जाए। यदि दूसरे के कल्याण में कमीं नहीं हुई होती तो उसे पैरेटो अनुकूलतम नहीं बल्कि सुधार कहा जायेगा। इस प्रकार तकनीकि रूप से कुशलतम आवंटन उस स्थिति में होगा जब एक माल के उपभोग में वृद्धि अन्य माल के उपभोग में कमी किए बिना नहीं की जा सकती।

43. निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों को उपभोक्ता व्यवहार के सिद्धान्त में उनके योगदान के संबंध में कालाक्रमानुसार क्रम में सुव्यवस्थित कीजिए। सही उत्तर को चुनिए:

(a) ए. मार्शल, आर, स्टोन, पी. सैम्युल्सन, जे.ऑर, हिक्स तथा आर. जी. डी. एलेन

(b) आर. स्टोन, पी. सैम्युल्सन, जे. आर. हिक्स तथा आर. जी. डी. एलेन, ए. मार्शल

(c) पी. सैम्युल्सन, जे. आर. हिक्स तथा आर.जी.डी. एलेन, आर. स्टोन, ए. मार्शल

(d) ए. मार्शल, जे. आर. हिक्स तथा आर. जी. डी. एलेन, पी. सैम्युल्सन, आर. स्टोन

Ans. (d) : अर्थशास्त्रीयों का उपभोक्ता व्यवहार के सिद्धान्त के सम्बन्ध में कालक्रम इस प्रकार है-

ए. मार्शल, जे. आर. हिक्स, आर. जी.डी. ऐलन, पी. सैम्युल्सन, आर, स्टोन

44. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) कपार्ट (CAPART)	(i) कृषि विपणन
(B) सीडो (SIDO)	(ii) गुणवत्ता गारंटी
(C) नाफेड (NAFED)	(iii) लघु उद्योग
(D) एगमार्क (AGMARK)	(iv) ग्रामीण प्रौद्योगिकी

सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

(c) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)

(d) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

Ans. (*) : सूची I तथा सूची II में कोई मिलान सत्य नहीं हैं N.T.A. NET ने इस प्रश्न को निरस्त कर दिया है।

45. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति को वित्त आयोग की नियुक्ति का अधिकार है?

(a) 279 (b) 280

(c) 281 (d) 282

Ans. (b) : वित्त आयोग का गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनु. 280 के तहत 22 नवम्बर 1951 को किया गया। वित्त आयोग में राष्ट्रपति द्वारा एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य नियुक्त किए जाते हैं।

राज्य वित्त आयोग का गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243(1) के द्वारा किया गया है। प्रथम वित्त आयोग का गठन 1951 में किया गया इसके अध्यक्ष के. सी. नियोगी थे। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन. के. सिंह हैं।

46. आगत-निर्गत विश्लेषण में योगदानकर्ता अर्थशास्त्रियों का निम्नलिखित में से कौनसा कालक्रमानुसार सही है?

(a) हॉकिन्स-साइमन, लिओन्टिफ, कार्ल मार्क्स, क्वैने

(b) कार्ल मार्क्स, क्वैने, लिओन्टिफ हॉकिन्स-साइमन

(c) क्वैने, कार्ल मार्क्स, लिओनटिफ, हॉकिन्स-साइमन

(d) लिओन्टिफ, हॉकिन्स-साइमन, कार्ल मार्क्स, क्वैने

Ans. (c) : आगत-निर्गत विश्लेषण में विभिन्न अर्थशास्त्रीयों के योगदान का क्रम निम्नलिखित है-

क्वैने, कार्ल मार्क्स, लियोन्टिफ, हॉकिन्स-साइमन। आगत निर्गत मॉडल फर्मो के मध्य परस्पर निर्भरता की व्याख्या करता है जैसे कि फर्म का आगत दूसरे फर्म का निर्गत हो सकता है दूसरे फर्म का निर्गत एक फर्म का आगत हो सकता है।

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिसमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A) : क्लासिकी मॉडल में निवेश माँग को आय अथवा रोजगार में परिवर्तनों से स्वतंत्र माना जाता है।

तर्क (R): यहाँ मजदूरी-कीमत की लोचशीलता है जो क्लासिकी मॉडल में पूर्ण रोजगार लाती है।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है और (R) गलत है

(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (d) : क्लासिकल रोजगार सिद्धान्त के अनुसार बचत तथा निवेश ब्याज दर पर निर्भर करते हैं। ब्याजदर की पूर्ण लोचशीलता के कारण बचत तथा निवेश सदैव बराबर रहते हैं। क्लासिकल मॉडल में निवेश रोजगार स्तर पर निर्भर करता है। अर्थात् अभिकथन (A) गलत है। क्लासिकल अर्थशास्त्रीयों के अनुसार- मजदूरी, कीमत, ब्याजदर की पूर्ण लोचशीलता के कारण अर्थव्यवस्था में सदैव संतुलन की स्थिति रहती है। अर्थात् तर्क (R) सही है।

48. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें:

सूची-I	सूची-II
(A) हैड काऊंट अनुपात	(i) गरीबी का परिणाम
(B) गरीबी अन्तराल	(ii) गरीबी की गहनता (डैप्थ आफ पॉवटी)
(C) गरीबी अंतराल का वर्ग	(iii) वंचन (डेपरीविएशन) के रूप में गरीबी
(D) बहु-आयामी गरीबी	(iv) गरीबी की प्रचण्डता (सेवेरिटी)

नीचे दिए गए विकल्पों से सही को चुनें :

(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

(b) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)

(c) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)

(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : सूची-I	सूची-II
(a) हैड काऊंट अनुपात	गरीबी का परिमाण
(b) गरीबी अन्तराल	गरीबी की गहनता (डेप्थ ऑफ पॉवर्टी)
(c) गरीबी अन्तराल का वर्ग	गरीबी की प्रचण्डता (सेवेरिटी)
(d) बहु-आयामी गरीबी	वंचन (डेपरीविसशन) के रूप में गरीबी

49. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

अभिकथन (A): सूचकांक निर्माण में ज्यामितीय माध्य को सिद्धान्तथा सर्वोत्तम औसत माना जाता है।

तर्क (R): ज्यामितीय माध्य का प्रयोग तब किया जाता है जब मदों की परिसीमा बहुत बड़ी होती है।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है और (R) गलत है

(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (b) : सूचकांक निर्माण में ज्यामितीय माध्य को सर्वोत्तम औसत माना जाता है। इसका प्रयोग तब किया जाता है जब मदों की संख्या बहुत बड़ी होती है। गुणोत्तर माध्य आंकड़ो के समुच्चय की केन्द्रीय प्रवृत्ति को व्यक्त करता है। n संख्याओं का गुणोत्तर माध्य उनके गुणनफल के n वें मूल के बराबर होता है।

50. निम्नलिखित में किसका प्रयोग करके भिन्नता (प्रसरण) का (variance) विश्लेषण किया जा सकता है?

(a) t- परीक्षण (टैस्ट) (b) Z- परीक्षण (टैस्ट)

(c) X^2- परीक्षण (टैस्ट) (d) F- परीक्षण (टैस्ट)

Ans. (d) : F- परीक्षण द्वारा प्रसरण का विश्लेषण किया जाता है

51. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारतीय रिजर्व बैंक (आर बी आई) का आय का स्त्रोत नहीं है?

(a) मुक्त बाजार क्रियाकलापों के लिए धारित सरकारी बांड्स पर ब्याज

(b) विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में निवेश से आय में संवृद्धि

(c) भारत सरकार को प्रदत्त शुद्ध लाभांश से प्रातिधारित अर्जन

(d) बैंको द्वारा धारित प्राइवेट इक्विटी के शेयरों पर लाभांश

Ans. (d) : बैंको द्वारा धारित प्राइवेट इक्विटी (equity) के शेयरों पर प्राप्त होने वाला लाभांश R.B.I. की आय का स्त्रोत नहीं है।

आर. बी. आई. के आय के स्त्रोत-

(1) खुले बाजार की क्रियायें, जिसमें R.B.I. अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत मुद्रा की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए सरकारी बांड को खरीदता व बेंचता है।

(2) बांड से प्राप्त होने वाली आय R.B.I का प्रमुख स्त्रोत मानी जाती है।

(3) विदेशी मुद्रा परिसम्पत्ति में निवेश करने से प्राप्त होने वाली आय।

किन्तु R.B.I. का प्राथमिक उद्देश्य लाभ कमाना नहीं है, बल्कि रुपये के मूल्य को संरक्षित करना है।

52. दिवाला एवं दिवालियापन (आचार संहिता/ इन्साल्वेंसी तथा बैंकरप्सी कोड) को निम्नलिखित में से मुख्यत: कौन सी जिम्मेदारी दी गई है?

(a) सरकारी देयों तथा ऋणों की वसूली को सुगम बनाना

(b) विदेशी बैंकों द्वारा भारतीय कम्पनियों को दिए गए ऋण की वसूली को सुगम बनाना

(c) बैंको द्वारा पहले वसूले गए अशोध्य ऋणों की राशि से अधिक राशि वसूलने में बैंको की सहायता करना

(d) प्राथमिकता वाले क्षेत्र में अपने बकायों की वसूली के लिए बैंकों की सहायता करना

Ans. (c) : जब दिवाला एवं दिवालियापन कोड 2016 में पेश किया गया तो उसमें कम्पनी के लेनदारों की दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है-

(1) वित्तीय लेनदार

(2) परिचालन लेनदार

बैंको द्वारा पहले वसूले गए अशोध्य ऋणों की राशि से अधिक राशि वसूलने में बैंकों की सहायता करना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

53. जिस क्रम में यह घटित हुए हैं उस कालानुक्रमण क्रम में निम्नलिखित को सुव्यवस्थित करें:

(A) पेरिस जलावायु समझौता

(B) रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन

(C) ब्रुन्डलैंड आयोग

(D) क्योटो प्रोटोकोल

सही विकल्प का चयन करें :

(a) (A), (B), (C), (D) (b) (B), (D), (A), (C)

(c) (D), (B), (C), (A) (d) (C), (B), (D), (A)

Ans. (d) : विभिन्न घटनाओं का कालानुक्रम निम्नलिखित है-

(C) ब्रडलैण्ड आयोग 1987

(B) रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन 1992

(D) क्योटो प्रोटोकॉल 1997

(A) पेरिस जलवायु समझौता 2015

54. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(a) सीमांतवादी क्रांति	(i) सेमुअलसन
(b) गुणक त्वरक मॉडल	(ii) जे. आर. हिक्स
(c) आई.एस.-एल.एम. वक्र	(iii) जेवन्स
(d) वास्तविक व्यापार चक्र	(iv) रॉबर्ट जे. बोरो

नीचे दिए गए में से ही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)

(b) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

(c) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

(d) (A)-(i), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(ii)

Ans. (a) :

सूची-I	**सूची-II**
(a) सीमान्तवादी क्रांति	जेवन्स
(b) गुणक त्वरक मॉडल	सेमुएलसन
(c) IS- LM वक्र	जे. आर. हिक्स
(d) वास्तविक व्यापार चक्र	रॉबर्ट जे. बैरो

55. निम्नलिखित बाजार प्रारूप में किसमें सर्वाधिक कुशल साधन आबंटन होता है?

(a) एकाधिकारिक प्रतियोगिता (b) एकाधिकार

(c) अल्पाधिकार (d) पूर्णप्रतियोगिता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : पूर्ण प्रतियोगी बाजार में संसाधनों का सर्वाधिक कुशल आंवटन होता है क्योंकि पूर्ण प्रतियोगी बाजार में फर्मों की औसत लागत न्यूनतम होती है, अतिरिक्त उत्पादन क्षमता का अभाव होता है, साधनों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के बराबर प्रतिफल प्राप्त होता है।

पूर्ण प्रतियोगी बाजार में फर्म का संतुलन =

MC = MR = AC = P

जहां AC अपने न्यूनतम बिन्दु पर होती है-

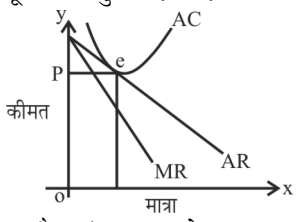

जहां e संतुलन बिन्दु है जहां AC अपने न्यूनतम स्तर पर है।

56. सामान्य लागत वक्रों में निम्नलिखित में से किस वक्र में न्यूनतम बिन्दु नहीं है?

(a) औसत लागत (b) सीमांत लागत

(c) औसत चर लागत (d) औसत स्थिर लागत

Ans. (d) : औसत स्थिर लागत वक्र का स्वरूप आयताकार अतिपरवलयाकार होता है जिसके प्रत्येक बिन्दु पर मांग की लोच इकाई होती है। इस वक्र का न्यूनतम बिन्दु नहीं होता क्योंकि वक्र निरन्तर घटता रहता है।

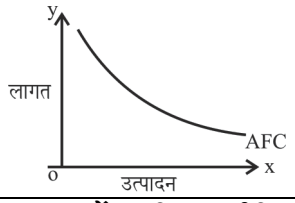

57. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(I) जोखिमपूर्ण आय की तुलना में प्रत्याशित मूल्य के समान स्तर के साथ निश्चित आय को तरजीह देने पर जोखिम-विमुख व्यवहार का मार्ग प्रशस्त होता है।

(II) प्रत्याशित मूल्य के समान स्तर के साथ निश्चित आय और अनिश्चित आय के बीच तटस्थ होने पर जोखिम-विमुख व्यवहार का मार्ग प्रशस्त होता है।

उपरोक्त में से कौनसा कथन सही है? सही विकल्प चुनिए :

(a) (I) और (II) दोनों सही है

(b) न तो (I) और न ही (II) सही है

(c) केवल (I) सही है

(d) केवल (II) सही है

Ans. (c) : जोखिम पूर्ण आय की तुलना में प्रत्याशित मूल्य के समान स्तर के साथ निश्चित आय को तरहीज देने पर जोखिम विमुख व्यवहार का मार्ग प्रशस्त होता है। अतः केवल कथन I सत्य है।

58. नीचे दो कथन दिए गए है जिसमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A) : बौद्धिक संपदा अधिकारों को ऊरुग्वे राऊंड ट्रेड नेगोशिएशनस में लाया गया था।

तर्क (R): अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिबधों का प्रयोग बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन को हतोत्साहित करने के लिए किया जा सकता है।

उपरोक्त दो कथनों के संबंध में सही विकल्प चुनें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है और (R) गलत है

(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (b) : बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को ऊरूग्वे राउण्ड ट्रेड नेगोशिएशनस में लाया गया था। बौद्धिक सम्पदा अधिकार विचारों, आविष्कारों तथा सृजनात्मक अभिव्यक्तियों तथा उनकी सम्पत्ति का दर्जा दिए जाने के सम्बन्ध में जनता की सहमति तथा उसके स्वामित्वधारी को अधिकार दिये जाने से सम्बन्धित है जिससे वह दूसरे को उसे प्रयोग में लाने से रोक सके।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिबन्धों का प्रयोग बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के उलंघन को हतोत्साहित करने के लिए किया जा सकता है।

अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सत्य हैं किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

59. अर्थव्यवस्था में दो आगतों-पूँजी तथा श्रम सहित कॉब-डगलस उत्पादन के समरूप रेखीय फलन पर विचार करें: पूँजी तथा श्रम की जिम्मेदारी क्रमशः 1/3 तथा 2/3 है। पूँजी तथा श्रम की विकास दर क्रमशः 6% तथा 3% प्रतिवर्ष है। यदि निर्गत की वृद्धि दर 6% प्रतिवर्ष है तो टोटल फैक्टर प्रोडक्टिविटी (टी एफ पी) के कारण निर्गत की वृद्धि दर क्या होगी?

(a) 1% (b) 2%

(c) 3% (d) 4%

Ans. (b) : $\frac{\Delta Q}{Q}\times 100 = A + K.\frac{\Delta K}{K}\times 100 + L.\frac{\Delta L}{L}\times 100$

$$6\% = A + \frac{1}{3}\times\frac{6}{100}\times 100 + \frac{2}{3}\times\frac{3}{100}\times 100$$

$$6\% = A + \frac{2}{100}\times 100 + \frac{2}{100}\times 100$$

$$6\% = A + 2\% + 2\%$$

$$6\% = A + 4\%$$

$$\boxed{A = 2\%}$$

60. 'फ्रीडम एज डिवलपमेंट' पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) गुन्नार मिरडल (b) एफ. ए. वॉन हेयक

(c) अमर्त्य सेन (d) पॉल ए. सैम्युल्सन

Ans. (c) : फ्रीडम एण्ड डेवलपमेंट पुस्तक के लेखक प्रो. अमर्त्य सेन हैं।

61. तेल आयातक देशों के लिए 1970 के दशक तथा मध्य 2000 में तेल मूल्यों में वृद्धि ने निम्नलिखित में से किसका सहयोग किया?

(A) व्यापार की शर्तो में सुधार (B) व्यापार छोट में संतुलन

(C) मुद्रा स्फीति (D) सीमित आर्थिक विकास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल (A), (B) तथा (C)
(b) केवल (B), (C) तथा (D)
(c) केवल (C), (D) तथा (A)
(d) केवल (A) तथा (D)

Ans. (b) : तेल आयातक देशों के लिए 1970 के दशक तथा सन् 2000 के मध्य मूल्यों में वृद्धि के लिए निम्नलिखित मदों ने सहयोग किया
(1) व्यापार छूट में संतुलन (2) मुद्रा स्फीति
(3) सीमित आर्थिक विकास

62. निम्नलिखित में से कौनसा सकारात्मक बाहरी प्रभाव का उदाहरण है?

(a) सार्वजनिक प्रतिरक्षण
(b) कारपोरेट कर में वृद्धि
(c) प्रदूषण के लिए अतिरिक्त परमिट जारी करना
(d) उद्योगों के कारण उत्पन्न हुए खतरे का पर्यवेक्षण

Ans. (a) : बाह्यताएं- कोई भी क्रिया जिसका पार्श्व प्रभाव किसी अन्य आर्थिक अभिकर्ता पर पड़ता है जिससे वह धनात्मक या ऋणात्मक रूप से लाभान्वित होता है किन्तु वह उसका प्रत्यक्ष भुगतान नहीं करता है तो उसे बाध्याताएं कहते हैं। बाह्यता शब्द का सर्वप्रथम प्रतिपादन प्रो. पी. सिजविक ने किया था। सार्वजनिक प्रतिरक्षण बागीचा का निर्माण, प्रकाश स्तम्भ सकारात्मक बाह्यता के उदाहरण है। फैक्ट्री से निकलने वाला धुआं, पर्यावरण प्रदूषण, कारपोरेट कर में वृद्धि, प्रदूषण के लिए परमिट जारी करना नकारात्मक बाह्यता के उदाहरण है।

63. आयातित पनीर की प्रति इकाई पर 20 रुपए का कर किसका उदाहरण है:

(a) यौगिक प्रशुल्क (b) विशिष्ट प्रशुल्क
(c) प्रभावी प्रशुल्क (d) एडवेलोरम प्रशुल्क

Ans. (b) : विशिष्ट प्रशुल्क = उत्पादन की मात्रा या वजन के आधार पर लगने वाले कर को विशिष्ट प्रशुल्क कहते हैं।

64. सामान्य संभाव्यता वक्र में $\mu - 1.96\sigma$ और $\mu + 1.96\sigma$ की रेन्ज (जहां μ = माध्य σ = और मानक विचलन है) के भीतर क्षेत्र कितना है:

(a) 90 प्रतिशत (b) 95 प्रतिशत
(c) 75 प्रतिशत (d) 99 प्रतिशत

Ans. (b) : 95%

65. तथ्यतः पहचाने गए समीकरण के लिए पालन की जानेवाली क्रम शर्त यह है कि समीकरण आवश्यक रूप से:

(a) मॉडल में अंतर्जात चरों की कुल संख्या की तुलना में एक क्रम को शामिल न करे।
(b) मॉडल में अंतर्जात चरों की कुल संख्या की तुलना में एक क्रम को शमिल करे।
(c) मॉडल के केवल एक अंतर्जात चर को शामिल करे।
(d) दो या अधिक अंतर्जात चरों को शामिल ने करे।

Ans. (a) : तथ्यतः पहचाने गए समीकरण के लिए आवश्यक शर्त यह है कि मॉडल में अर्न्तजात चरों की कुल संख्या की तुलना में कम से कम एक चर को शामिल न करें।

66. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन त्रिभुजीय अथवा रिर्कसिव प्रणाली के संबंध में सही है?

(A) प्रत्येक समीकरण में ओ एल एस के अलग अनुप्रयोगों द्वारा पैरामीटर्स का वैद्य रूप से आकलन किया जा सकता है।
(B) स्वतंत्र चरों को अन्य समीकरण में त्रुटि टर्म्स के साथ सहसंबंधित किया जा सकता है।
(C) टू-स्टेज लीस्ट वर्गो का अनुप्रयोग अनभिनती परन्तु अकुशल पैरामीटर आकलन की ओर ले जाता है।
(D) स्वतंत्र चरों को समीकरण में त्रुटि टर्म्स, जिनमें वे स्वतंत्र चरों के रूप में प्रदर्शित होते हैं, के साथ सहसंबंधित किया जा सकता है।

सही विकल्प चुनें:-

(a) केवल (A) तथा (D)
(b) केवल (A) तथा (C)
(c) केवल (A), (B) तथा (C)
(d) (A), (B), (C) तथा (D)

Ans. (c) : त्रिभुजीय या रिर्कसिव मॉडल के लिए निम्नलिखित शर्तें आवश्यक है-
(A) प्रत्येक समी. में O.L.S के अलग अनुप्रयोगों द्वारा पैरामीटर्स का वैध रूप से आकलन किया जा सकता है।
(B) स्वतंत्र चरों को अन्य समी. में त्रुटि शर्त के साथ सहसम्बन्धित किया जा सकता है।
(C) टू- स्टेज लीस्ट वर्गों का अनुप्रयोग अनभिनती परन्तु अकुशल पैरामीटर आकलन की ओर ले जाता है।

67. कर का सम्पूर्ण बोझ उपभोक्ता द्वारा वहन किया जाता है यदि

(a) मद की माँग पूर्णतः लोचशील तथा पूर्ति पूर्णतः अलोचशील है
(b) मद की माँग की लोचनशीलता वही है जैसे मद की पूर्ति की लोचशीलता
(c) मद की माँग अलोचशील है और पूर्ति पूर्णतः लोचशील है
(d) किसी मद की माँग की लोचशीलता वस्तु की पूर्ति की लोचशीलता से कम है

Ans. (c) : यदि मांग की लोच पूर्णतः बेलोच हो तथा पूर्ति की लोच पूर्णतः लोचदार हो तो कर का सम्पूर्ण भाग उपभोक्ता द्वारा वहन किया जायेगा। इसके विपरीत यदि मांग की लोच पूर्णतः लोचदार हो तथा पूर्ति की लोच पूर्णतः बेलोच हो तो कर का सम्पूर्ण भाग उत्पादक द्वारा वहन किया जायेगा।

68. आर्थिक विकास से संबंधित जनांकिकीय संक्रमण के चरणों के सही क्रम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(A) निम्न मृत्यु दर के साथ निम्न जन्म दर
(B) उच्च मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर
(C) निम्न मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर

सही विकल्प चुनिए:

(a) (B), (C), (A) (b) (C), (B), (A)
(c) (A), (B), (C) (d) (C), (A), (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त में आर्थिक विकास का सही क्रम निम्नलिखित है-
उच्च मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर
निम्न मृत्यु दर के साथ उच्च जन्म दर
निम्न मृत्यु दर के साथ निम्न जन्म दर

69. फ्रीडमैन के मुद्रा के आधुनिक परिमाण सिद्धान्त से निष्कर्ष निकलता है कि समग्र व्यय में परिवर्तनों का निर्धारण निम्नलिखित में परिवर्तन द्वारा किया जाता है:
(a) मुद्रा आपूर्ति (b) ब्याज दर
(c) मुद्रा का वेग (d) सरकारी व्यय तथा कर

Ans. (a) : आधुनिक मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो. मिल्टन फ्रीडमैन ने किया था। जो मुख्यतः मुद्रा की मांग का सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त के अनुसार अन्य बातें समान रहने पर यदि मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होती है तो कीमत स्तर में समान अनुपात में वृद्धि होती है तथा मुद्रा के मूल्य में विपरीत अनुपात में परिवर्तन होता है।

70. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:
(A) अप्रत्यक्ष कर जांच समिति (झा समिति)
(B) कर सुधार समिति (आर. जे. चेलैय्या समिति)
(C) कराधान जांच समिति (माथुर समिति)
(D) प्रत्यक्ष कर जांच समिति (वांचु समिति)
नीचे दिए गए में से सही विकल्प चुनिए :
(a) (C), (B), (D), (A) (b) (C), (A), (D), (B)
(c) (B), (C), (A), (D) (d) (C), (D), (A), (B)

Ans. (d) : विभिन्न समितियों का कालानुक्रम निम्नलिखित है-
कराधान जांच समिति (माथुर समिति) 1952
प्रत्यक्ष कर जांच समिति (वाचू समिति) 1970
अप्रत्यक्ष कर जांच समिति (झा समिति) 1981
कर सुधार समिति (आर. जे. चेलैया समिति) 1991

71. निम्नलिखित में से किसने सार्वजनिक ऋण के बोझ से संबंधित समस्या का प्रतिपादन किया है?
(A) ए.पी. लर्नर (B) ई.डी. डोमर
(C) ए.सी. पिगू (D) ए.एच. हैनसन
नीचे दिये गए उत्तरों से सही उत्तर चुनें:
(a) (A) तथा (B) (b) (B) तथा (C)
(c) (A) तथा (D) (d) (B) तथा (D)

Ans. (b) : सार्वजनिक ऋण के बोझ से सम्बन्धित समस्या का प्रतिपादन ई. डी. डोमर तथा ए. सी. पीगू ने किया था। प्रो. ए. सी. पीगू के अनुसार- करारोपण के न्यूनतम त्याग के लिए आवश्यक है कर का भुगतान करने वालों का सीमान्त त्याग समान हो।

72. निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांतों के प्रकट होने के अनुसार सही कालक्रम की पहचान कीजिए:
(A) अवसर लागत का सिद्धांत
(B) तुलनात्मक लागत का सिद्धांत
(C) कारक मूल्य समकारी सिद्धांत
(D) निरेपक्ष लागत (एब्सोलूट कॉस्ट) का सिद्धांत
सही कालक्रम पहचानिए:
(a) (D), (B), (A), (C) (b) (C), (B), (D), (A)
(c) (B), (D), (A), (C) (d) (A), (C), (D), (B)

Ans. (a) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त का क्रमानुसार कालक्रम निम्नलिखित है-
(1) निरपेक्ष लागत का सिद्धान्त
(2) तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त
(3) अवसर लागत का सिद्धान्त
(4) कारक मूल्य समकारी सिद्धान्त

73. निम्नलिखित पुस्तकों को सही कालानुक्रमण क्रम में सुव्यवस्थित करें:
(A) दास कैपिटल
(B) वैल्यू एण्ड कैपिटल
(C) कैपिटल एण्ड ग्रोथ
(D) एक्युमुलेशन ऑफ कैपिटल
सही विकल्प चुनें:
(a) (D), (B), (C), (A) (b) (A), (B), (D), (C)
(c) (A), (B), (C), (D) (d) (B), (A), (D), (C)

Ans. (c) : पुस्तकों के प्रकाशित होने का क्रमानुसार कालक्रम निम्नलिखित है-
(1) दास कैपिटल (2) वैल्यू एण्ड कैपिटल
(3) कैपिटल एण्ड ग्रोथ (4) सक्युमुलेशन ऑफ कैपिटल

74. 'प्रतिपूर्ति मापदण्ड' जो यह कहता है कि स्थिति ए (A) सामाजिक रूप से स्थिति बी (B) से अधिमानित है जिसके जो परिवर्तन से लाभ प्राप्त करता है हानि उठाने वाले को प्रतिपूर्ति कर सकता है और फिर भी उसे अधिशेष बहिर्गमन लाभ होता है।
(a) डब्ल्यू पेरेटो (b) एन कालडर
(c) टी. सीटोवस्की (d) बर्जसन

Ans. (b) : प्रो. एन. केल्डार तथा हिक्स ने क्षतिपूरक मानदण्ड का प्रतिपादन किया उनके अनुसार कोई भी नीतिगत निर्णय से यदि A व्यक्ति को लाभ प्राप्त होता है तथा B व्यक्ति को हानि प्राप्त होती है किन्तु A व्यक्ति का लाभ B व्यक्ति के हानि से अधिक है, तो नीतिगत परिवर्तन श्रेष्ठ होगा।

75. काल्डर के वृद्धि मॉडल में निम्नलिखित में कौनसी मान्यता सम्मिलित है:
(A) कुल बचतों में मजदूरी में से बचतें और लाभ में से बचतें सम्मिलित हैं।
(B) मजदूरी में से बचत की सीमांत प्रवृत्ति लाभ में से बचत की सीमांत प्रवृत्ति के समान है।
(C) निर्गत में मजदूरी और लाभ सम्मिलित है।
(D) पूर्ण रोजगार की तुलना में कम रोजगार है।
सही विकल्प चुनिए:
(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (A) और (C)

Ans. (d) : निकोलस केल्डार ने 1957 में अपने लेख "A model of Economic Growth" में अपने संवृद्धि मॉडल को प्रकाशित किया। केल्डार अपने संवृद्धि मॉडल में आर्थिक तथा अनार्थिक दोनों चरो को शामिल करते हैं। इस सिद्धांत की निम्नलिखित मान्यताएं हैं-
(1) यह कीन्सीयन पूर्ण रोजगार सिद्धान्त की मान्यता को स्वीकार करता है।
(2) अल्पकाल में वस्तुओं एवं सेवाओं की पूर्ति मुद्रा की मात्रा से स्वतंत्र होती है।
(3) कुल आय में मजदूरी में से बचतें तथा लाभ में से बचतें शामिल है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

76. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिसमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है :
अभिकथन (A) : भारत में छिपी हुई बेरोजगारी विद्यमान है।
तर्क (R) : मार्जिन पर कृषि उत्पादकता शून्य के समीप है।
उपरोक्त दो कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:
(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है और (R) गलत है
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans. (a) : भारत में सर्वाधिक मात्रा में छिपी हुई बेरोजगारी विद्यमान है क्योंकि कृषि क्षेत्र की सीमान्त उत्पादकता शून्य के समीप है। प्रच्छन्न बेरोजगारी की धारणा का सर्वप्रथम उल्लेख श्रीमति जॉन रॉबिन्सन ने किया था। प्रो. रेग्नर नर्क्स ने इसे 'अदृश्य बचत सम्भावना' तथा पूंजी निर्माण के स्रोत के रूप में देखा।

77. निम्नलिखित उत्पादों में से किस उत्पाद में प्रतिकूल चयन का सामना किया जाता है?
(a) बीमे का बाजार (b) क्रेडिट का बाजार
(c) न (1) और न (2) (d) दोनों (1) और (2)

Ans. (d) : प्रतिकूल चयन का प्रमुख कारण असममित सूचनाओं का उपलब्ध होना है, जब किसी एक पक्ष को दूसरे पक्ष की तुलना में अधिक सूचनाएं उपलब्ध हों तो इसे असममित सूचना कहते हैं। प्रतिकूल चयन की समस्या बीमा बाजार तथा साख बाजार दोनों में पायी जाती है।

78. नीचे दो कथन दिए गए है जिसमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:
अभिकथन (A) : कुल वस्तुओं के लिए ग्राहकों द्वारा खरीद व्यय में गिरावट आती है।
तर्क (R) : उक्त वस्तुओं के लिए मांग की आय लोच अधिक होती है।
उपरोक्त कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनें :
(a) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

Ans. (c) : प्रो. राबर्ट गिफेन ने प्रतिपादित किया था कि प्राथमिक वस्तुओं की मांग की आय लोच निम्न या इकाई से कम होती है जिससे जैसे-जैसे आय में वृद्धि होती है उनके उपयोग में कमी आती जाती है अतः अभिकथन (A) सत्य है किन्तु तर्क (R) असत्य है।

79. निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण 'बाजार असफलता' का नहीं है?
(a) एकाधिकार
(b) असममित सूचना
(c) कौशल की मितव्यता (इकॉनामीज ऑफ स्केल)
(d) बाह्यता

Ans. (c) : बाजार असफलता- अर्थव्यवस्था में जब अनुकूलतम उत्पादन स्तर से कम या अधिक उत्पादन हो जाता है या जहां परेटो अनुकूलतम की तीनों शर्ते नहीं संतुष्ट होती है तो उसे बाजार असफलता कहते हैं।
बाजार असफलता के निम्नलिखित कारण हैं-
(1) एकाधिकार
(2) असममित सूचना
(3) बाह्यताएं
(4) सम्पत्ति के अधिकारों का परिभाषित न होना। अतः कौशल या पैमाने की मितव्ययिता बाजार असफलता का कारण नहीं है।

80. 'बूट स्ट्रेपिंग' तकनीक का किसके लिए उपयोग किया जाता है:
(a) विशिष्टीकरण- झुकाव के परीक्षण के लिए
(b) हेतुक प्रचलों के मानदण्डों के प्रतिचयन वितरण को प्राप्त करने के लिए
(c) स्व-साहचार्य के परीक्षण के लिए
(d) त्रुटि पद की सामान्यता के परीक्षण के लिए

Ans. (b) : 'बूट स्ट्रेपिंग' तकनीकी का प्रयोग प्राचलों के मानदण्डों के प्रतिचयन विवरण को प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

81. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(a) फोरवर्ड एक्सचेन्ज (अगाऊ विनिमय)	(i) विदेशी मुद्रा की मूल्य वृद्धि के बदले में विनियम जोखिम को कवर करने की एक प्रविधि (डिवाइस)
(b) हेजिग	(ii) एक सहमत मूल्य पर भविष्य में किसी स्थिर दर पर दूसरी मुद्रा के बदले से विदेशी मुद्रा के क्रय या विक्रय की संविदा
(c) अंतर-प्रणन (आर्बिट्रेज)	(iii) स्वर्ण के एक से दूसरे देश में संचलन की लागत द्वारा निर्धारित दो सीमाओं के बीच विनिमय दर का संचलन
(d) विशिष्ट बिन्दु	(iv) एक तंत्र, जो उन दो बाजारों को आर्थिक अर्थ में एकल बाजार बनाता है, जो भौतिक रूप से पृथक है

नीचे दिए गए में से ही विकल्प चुनिए:
(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(c) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सूची-I	**सूची-II**
फारवर्ड एक्सचेंज	एक सहमत मूल्य का भविष्य में किसी स्थिर दर पर दूसरी मुद्रा के बदले में विदेशी मुद्रा के क्रय या विक्रय की संविदा
हेजिंग	विदेशी मुद्रा की मूल्य वृद्धि के बदले में विनिमय जोखिम को कवर करने की एक प्रविधि
अन्तर-प्रणन (आर्बिट्रेज)	एक तंत्र, जो उन दो बाजारों को आर्थिक अर्थ में एकल बाजार बनाता है, जो भौतिक रूप से पृथक हैं।
विशिष्ट बिन्दु	स्वर्ण के एक से दूसरे देश में संचलन की लागत द्वारा निर्धारित दो सीमाओं के बीच विनियम दर का संचलन

82. नीचे दिए गए अवयव भारतीय अर्थव्यवस्था में सम्भवतः M_4 आपूर्ति मुद्रा के भाग है

(A) व्यापक मुद्रा (M_3)
(B) डाक घर बचत खाते के सभी जमा
(C) राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र

नीचे दिए गए उत्तरों में से M_4 के सही अवयव को चुनें:

(a) केवल (A) एवं (B) (b) केवल (B) एवं (C)
(c) केवल (A) एवं (C) (d) (A), (B) और (C)

Ans. (a) : M_4 आपूर्ति में निम्नलिखित मदें शामिल हैं-
(i) व्यापक मुद्रा
(ii) पोस्ट ऑफिस की कुल जमाएं जिसमें राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास पत्र, इन्दिरा विकास पत्र, पी. पी. एफ. आदि शामिल नहीं है।
नोट-M_1 की धारणा सबसे तरल तथा M_4 की धारणा सबसे अतरल है।

83. लेने-देन मांग के प्रति माल-सूची (इन्वैंट्री) के उपागम सुझाव देते है कि माँग के लेन-देन घटक हैं:

(a) ऋणात्मक रूप से वास्तविक सम्पत्ति से संबंधित है।
(b) ऋणात्मक रूप से वास्तविक आय से संबंधित है।
(c) ऋणात्मक रूप से मौद्रिक आय से संबंधित है।
(d) ऋणात्मक रूप से ब्याज दर से संबंधित है।

Ans. (d) : मुद्रा के लेन-देन मांग सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो. जे. डब्ल्यू बोमेल, टॉबिन, मिल्टन फ्रीडमैन ने किया था। इनके अनुसार लेन-देन के लिए मांग ब्याजदर से ऋणात्मक रूप से सम्बन्धित होती है।

84. परियोजनाओ की व्यहार्यता के लिए सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें? इस विश्लेषण के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(A) IRR सामाजिक छूट की दर से अधिक होनी चाहिए
(B) NPV शून्य के बराबर होना चाहिए
(C) छाया कीमतों का प्रयोग लागत लाभ विश्लेषण के लिए किया जाता है।

सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) केवल (A)

Ans. (a) : IRR (Internal Rate of Return) सामाजिक छूट की दर से अधिक होनी चाहिए। IRR में बाह्य चरों को ध्यान में नहीं रखा जाता है।

85. स्वायत्त निवेश के कारक हो सकते है :

(A) प्रौद्योगिक का स्तर (B) प्रत्याशा (C) राष्ट्रीय आय-स्तर

सही विकल चुनिए:

(a) केवल (A) और (C) (b) केवल (B) और (C)
(c) केवल (A) और (B) (d) (A), (B) और (C)

Ans. (d) : सरकार द्वारा किये जाने वाले निवेश को स्वायत्त निवेश की संज्ञा दी जाती है, यह निवेश आय स्तर को ध्यान में रखे बगैर किया जाता है i.e. यह आय स्तर से स्वतंत्र होता है। स्वयात्त निवेश के निम्नलिखित कारक हो सकते हैं-
(a) प्रौद्योगिकी का स्तर
(b) प्रत्याशा
(c) नवप्रवर्तन, अन्वेषण
(d) राष्ट्रीय आय-स्तर
NOTE-राष्ट्रीय आय का स्तर स्वायत्त निवेश का कारक नहीं है किन्तु UGC ने अपने विकल्प में इसे भी शामिल किया है।

86. हेक्शर-ओहलिन व्यापार मॉडल का क्या मानना है:

(a) तुलनात्मक लाभ व्यापार के मुनाफे का वितरण निर्धारित करता है
(b) देश उन वस्तुओं का नियति करता है, जिसके लिए उसकी संसाधन-उपलब्धता सर्वाधिक उपयुक्त है
(c) निरपेक्ष लाभ का सिद्धांत (एब्सोल्यूट एडवान्टेज थ्योरी) व्यापार से प्राप्त मुनाफे का वितरण निर्धारित करता है
(d) विश्व बाजार के आकार द्वारा श्रम का विभाजन सीमित होता है

Ans. (b) : हेक्शर ओहलिन व्यापार मॉडल में दो कसौटीयों पर बल दिया गया था।
(1) भौतिक कसौटी (2) कीमत कसौटी
इस सिद्धान्त के अनुसार एक देश उन्ही वस्तुओं का उत्पादन तथा निर्यात करता है जिसमें उसको साधन सम्पन्नता प्राप्त है।

87. निम्नलिखित में से कौन जनसंख्या के इष्टतम सिद्धांत से संबंधित नहीं है?

(a) टी.आर. माल्थस (b) एच. डाल्टन
(c) ई. कैनन (d) कार सौन्डर्स

Ans. (a) : अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त का प्रतिपादन एडवर्ड वेस्ट ने किया, इसको विकसित करने का श्रेय हेनरी सिजविक को जाता है किन्तु एडविन कैनन ने इसके लिए सर्वप्रथम अनुकूलतम शब्द का प्रयोग किया। यह सिद्धान्त प्रतिव्यक्ति राष्ट्रीय आय या अधिकतम कल्याण के सापेक्ष इष्टतम जनसंख्या के स्तर से सम्बन्धित है। प्रो. टी. आर. माल्थस इस सिद्धान्त से सम्बन्धित नहीं है।

88. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें तथा निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनें:

सूची-I	**सूची-II**
(A) ट्रेजरी बिल	(i) आर बी आई
(B) वाणिज्यिक पत्र	(ii) आई एम एफ
(C) रेपो दर	(iii) सरकार
(D) एस डी आर	(iv) निजी कम्पनियाँ

विकल्प:

(a) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) :

सूची-I	**सूची-II**
(a) ट्रेजरी बिल	सरकार
(b) वाणिज्यिक पत्र	निजी कम्पनीयां
(c) रेपो दर	आर. बी. आई.
(d) एस. डी. आर.	आई. एम. एफ.

89. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(A) भारत की व्यापार नीति पुनरीक्षा (टी पी आर) प्रत्येक चार वर्षो के पश्चात् की जाती है।

(B) डबल्यू टी ओ के पास सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की पुनरीक्षा करने की क्रियाविधि है।

उपरोक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा (से) सही हैं?

(a) केवल (A) (b) केवल (B)
(c) (A) तथा (B) दोनों (d) न तो (A) और न (B)

Ans. (c) : भारत की व्यापार नीति पुनरीक्षा (T.P.R.) प्रत्येक चार वर्षों के पश्चात की जाती है।
W.T.O के पास सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की पुनरीक्षा करने की क्रियाविधि है।
भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा विदेशी व्यापार नीति की घोषणा की जाती है
W.T.O के आधारभूत सिद्धान्त-
(1) आन्तरिक उद्योगों की सुरक्षा तटकारों के द्वारा पर सामान्य परिस्थितियों में मात्रात्मक प्रतिबन्धों जैसे कोटा पर रोक।
(2) टैरिफ बाइन्डिग या सदस्यों द्वारा यथासम्भव तटकरों में कमी लाना और उस कम किए गए स्तर पर बांधना
(3) सदस्य राष्ट्रों को MFN (Most favoured Nation) का दर्जा देना।

90. उपभोक्ता सिद्धांत में अर्थशास्त्रियों के निम्नलिखित योगदान को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

(a) रैखिक व्यय प्रणाली, प्रकट अधिमान (वरीयता) सिद्धांत, गणनावाचक सिद्धांत (कार्डिनल थ्योरी), क्रमवाचक सिद्धांत (ओर्डिनल थ्योरी)
(b) गणनावाचक सिद्धांत, क्रमवाचक सिद्धान्त, प्रकट अधिमान सिद्धांत, रैखिक व्यय प्रणाली
(c) गणनावाचक सिद्धांत, प्रकट अधिमान सिद्धांत, क्रमवाचक सिद्धांत, रैखिक व्यय प्रणाली
(d) प्रकट अधिमान सिद्धांत, गणनावाचक सिद्धांत, रैखिक व्यय प्रणाली, क्रमवाचक सिद्धांत

Ans. (b) : उपभोक्ता सिद्धान्त में अर्थशास्त्रीयों का क्रमानुसार कालक्रम निम्नलिखित है
गणनावाचक सिद्धान्त- मार्शल
क्रमवाचक सिद्धान्त- हिक्स
प्रकट अधिमान सिद्धान्त- सैमुएलसन
रैखिक व्यय प्रणाली- आर. ओ. नॉरलॉव

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़े तथा इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें :

औद्योगीकरण एवं विकास

वैश्विक परिदृश्य से देशो में कुछ सीमा तक औद्योगिक क्रियाविधियों को समर्पित जीवन स्तरों तथा संसाधनों की हिस्सेदारी के बीच निकट संबंध है। बहुत गरीब देशों में वस्तुतः कोई भी औद्योगिक नीति नहीं है जबकि मध्यम-उच्च आय वाले देश उद्योगों को

20-40 प्रतिशत, संसाधन उपलब्ध करवाते हैं। विश्व के मात्र तीन देश ही केवल कृषि से अमीर हुए हैं: ये आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा कनाडा हैं। अन्य सभी देशों में कृषि से उद्योग एवं परिष्कृत सेवाओं में संसाधनों के स्थानान्तरण के कारण जीवन स्तरों में तीव्रता के साथ बढ़ोत्तरी हुई है।

उसके अतिरिक्त, शोध यह भी दर्शाते हैं कि देशों में उद्योग के वृद्धि तथा जीडीपी में वृद्धि के बीच निकट संबंध है अर्थात् अधिक यथार्थ रूप से जीडीपी वृद्धि के सापेक्ष में औद्योगिक विकास की अधिकता से जीडीपी वृद्धि तीव्र तथा बड़ी होती है यानि की कुल जीडीपी में उद्योग का भाग तीव्रता से बढ़ता है। वर्ष 2000-2005 की अवधि में 131 विकासशील देशों के संबंध को चित्र में प्रदर्शित किया गया है जिसमें जीडीपी में वृद्धि उर्ध्वाधर अक्ष पर है तथा उद्योग की वृद्धि क्षैतिज अक्ष पर मापी गई है।

उद्योग की वृद्धि तथा जीडीपी में वृद्धि का संबंध

उद्योग की वृद्धि तथा जीडीपी में वृद्धि का संबंध

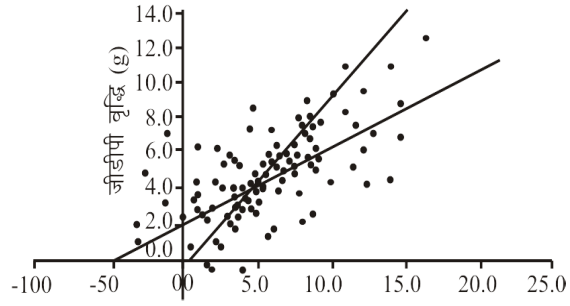

$g = 2.529 + 0.394x$ $r^2 = 0.507$ इस समीकरण के अनुसार सभी देशों के औसत से एक प्रतिशत, अधिक औद्योगिक वृद्धि देशों की जीडीपी वृद्धि औसत से 0.394 प्रतिशत, प्वाईंट अधिक होगी तथा बिन्दु जहां समश्रयण रेखा, 45 डिग्री रेखा को काटती है वहां यह लगभग 4.5 प्रतिशत होगी। यह औद्योगिक वृद्धि दर धीमें विकास वाले देशों को तीव्र विकास वाले देशों से अलग करती है।

प्रश्न है कि उद्योग, विशेषतः विनिर्माण उद्योग जो आनुभाविक संबंधों के लिए जबाबदेह है तथा जो उद्योग को विकास का इंजन बनाता है, के विषय में क्या विशेष है? चूँकि जीडीपी में वृद्धि का अंतर बड़े रूप से श्रम उत्पादकता की वृद्धि दर में संबंध होता है अतः उद्योग की वृद्धि तथा उसकी उत्पादकता में अवश्य संबंध होना चाहिये, दो प्रमुख कारणों से इसकी प्रत्याशा है। सबसे पहले यदि स्थिर तथा गतिज दोनों रूपो में निर्गत में वृद्धि तथा उद्योग में श्रम उत्पादकता के विकास के संबंध होने की प्रत्याशा है। पैमाने की स्थिर मितव्ययता का संदर्भ बड़े स्तर की अर्थव्यवस्था से है जिसमें मदों के व्यापक पैमाने पर उत्पादन कम औसत लागत पर किए जाते हैं। पैमाने की गतिज मितव्ययता के पैमाने का संदर्भ अभिप्रेरित प्रभाव से है कि निर्गत वृद्धि पूंजी संचलन तथा पूँजी में नई तकनीकी प्रगति का मूर्त रूप है। जैसे-जैसे 'लर्निंग आफ डुइंग' द्वारा निर्गत में वृद्धि होती है, श्रम उत्पादकता भी बढ़ती है। दूसरे यदि कृषि तथा खुदरा सेवाओं जैसी उद्योग से बाहर ही क्रियाविधि श्रम के सीमांत उत्पाद औसत उत्पाद से कम करके हासमान प्रतिफल के अधीन है और जैसे उद्योग विस्तारित होते हैं संसाधनों को उन क्रियाविधियों से निकाल कर उद्योग में यदि लगाया जाता है जो गैर-औद्योगिक क्रियाविधियों में श्रम का औसत उत्पाद बढ़ेगा।

औद्योगिक वृद्धि, उत्पादकता वृद्धि तथा जीडीपी वृद्धि के बीच का संबंध को प्रगति पूर्व विकास साहित्य में काल्डर का नियम के रूप में जाना जाता है जिसे प्रसिद्ध कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री (लार्ड) निकोलस काल्डर का नाम दिया गया है जिन्होंने 1960 के दशक में इसका प्रतिपादन किया था।

$g = 2.529 + 0.394x$ $r^2 = 0.507$ इस समीकरण के अनुसार सभी देशों के औसत से एक प्रतिशत, अधिक औद्योगिक वृद्धि देशों

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

की जीडीपी वृद्धि औसत से 0.394 प्रतिशत, प्वाईट अधिक होगी तथा बिन्दु जहां समग्रयण रेखा, 45 डिग्री रेखा को काटती है वहाँ यह लगभग 4.5 प्रतिशत होगी। वह औद्योगिक वृद्धि दर धीमें विकास वाले देशों को तीव्र विकास वाले देशों से अलग करती है।

प्रश्न है कि उद्योग, विशेषतः विनिर्माण उद्योग जो आनुभाविक संबंधों के लिए जबाबदेह है तथा जो उद्योग को 'विकास का इंजन' बनाता है, के विषय में क्या विशेष है? चूँकि जीडीपी में वृद्धि का अंतर बड़े रूप से श्रम उत्पादकता की वृद्धि दर में संबंध होता है। अतः उद्योग की वृद्धि तथा उसकी उत्पादकता में आवश्यक संबंध होना चाहिये, दो प्रमुख कारणों से इसकी प्रत्याशा है। सबसे पहले यदि स्थिर तथा गतिज दोनों रूपों में निर्गत में वृद्धि तथा उद्योग में श्रम उत्पादकता के विकास में संबंध होने की प्रत्याशा है। पैमाने की स्थिर मितव्ययता का संदर्भ बड़े स्तर की अर्थव्यवस्था से है जिसमें मदों के व्यापक पैमाने पर उत्पादन कम औसत लागत पर किए जाते है। पैमाने की गतिज मितव्ययता के पैमाने का संदर्भ अभिप्रेरित प्रभाव से है कि निर्गत वृद्धि पूँजी संचयन तथा पूँजी में नई तकनीकी प्रगति का मूर्त रूप है। जैसे जैसे 'लर्निंग आफ डुइंग' द्वारा निर्गत में वृद्धि होती है, श्रम उत्पादकता भी बढ़ती है। दूसरे यदि कृषि तथा खुदरा सेवाओं जैसी उद्योग से बाहर की क्रियाविधि श्रम के सीमांत उत्पाद औसत उत्पाद से कम करके ह्रासमान प्रतिफल से अधीन है और जैसे उद्योग विस्तारित होते हैं संसाधनों को उन क्रियाविधियों से निकाल कर उद्योग में यदि लगाया जाता है जो गैर-औद्योगिक क्रियाविधियों में श्रम औसत उत्पाद बढ़ेगा।

औद्योगिक वृद्धि, उत्पादकता वृद्धि तथा जीडीपी वृद्धि के बीच का संबंध को प्रगति पूर्व विकास साहित्य में काल्डर का नियम के रूप में जाना जाता है जिसे प्रसिद्ध कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री (लार्ड) निकोलस काल्डर का नाम दिया गया है जिन्होंने 1960 के दशक में इसका प्रतिपादन किया था।

91. चित्र से संबंधित निम्नालिखित कथनों पर विचार करें:

(A) 45 डिग्री रेखा औद्योगिक वृद्धि दर तथा जीडीपी वृद्धि दर के बीच समान सगंतता को इंगित करती है।

(B) जीडीपी वृद्धि दर औद्योगिक वृद्धि दर का कारण है

(C) औद्योगिक वृद्धि दर की जीडीपी दर पर आधिक्य, जीडीपी वृद्धि दर को और बडा रहा है।

(D) धीमें तथा तीव्रता से वृद्धि कर रही अर्थव्यवस्थाओं को विभक्ति करने वाला बिंदु औद्योगिक वृद्धि दर का 3.9 प्रतिशत है।

सही विकल्प का चयन करें:

(a) केवल (A) और (C) सही है
(b) केवल (A) और (B) सही है
(c) केवल (A), (B) और (C)
(d) केवल (B) और (D) सही है

Ans. (a) : 45 डिग्री रेखा औद्योगिक वृद्धि दर तथा G.D.P वृद्धि दर के बीच समान संगतता को इंगित करती है। तथा औद्योगिक वृद्धि दर की G.D.P. दर पर आधिक्य G.D.P वृद्धि दर को और बढ़ा रहा है।

92. मध्य एवं उच्च विकसित देशों के लिए निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

(a) औद्योगिक क्रियाविधि को ये देश संसाधनों का औसत 30 प्रतिशत भाग समर्पित करते हैं
(b) औद्योगिक क्रियाविधि की वृद्धि में कृषि से उद्योग में ससांधनों को स्थानांतरण शामिल है
(c) उच्चतर वृद्धि के लिए कृषि, उद्योग तथा उच्चतर श्रम की सेवाओं के बीच संसाधनों का स्थानातंरण एक समान है
(d) आस्ट्रेलिया, कनाड़ा तथा न्यूजीलैंड में अकेले कृषि में वृद्धि से ही विकास किया है

Ans. (d) : आस्ट्रेलिया, कनाडा तथा न्यूजीलैण्ड ने अकेले कृषि में ही विकास किया है

93. निम्नलिखित कौनसा कथन सही है?

(a) कुछ देशों में औद्योगिक क्रियाविधि को समर्पित जीवन स्तर तथा संसाधनों के बीच सकारात्मक संबंध है
(b) जीवन स्तरों तथा संसाधनों के प्रयोग में निकट संबंध है
(c) जीवन स्तरों तथा औद्योगिक गतिविधि को समर्पित संसाधनों के बीच संबंध वैश्विक रूप से सही है
(d) जीवन स्तरों तथा संसाधनों के प्रयोग के बीच कम सह संबंध है

Ans. (c) : जीवन स्तरों तथा औद्योगिक गतिविधि के संसाधनों के बीच सम्बन्ध वैश्विक वैश्विक रूप से सही है।

94. पैमाने की गतिज अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित में से किसे शामिल नहीं किया गया?

(a) पूँजी संचयन पर निर्गत वृद्धि का अभिप्रेरत प्रभाव
(b) नई तकनीक के कारण पूँजी की गुणवत्ता में सुधार
(c) श्रम सधन क्षेत्र को निर्गत की वृद्धि सहित बढ़े हुए प्रतिफल मिलेगें
(d) कम उत्पादक क्षेत्र से अधिक उत्पादक क्षेत्र में स्थानातंरण से श्रम के औसत उत्पाद में वृद्धि होगी

Ans. (c) : पैमाने की गतिज अर्थव्यवस्था में श्रम सघन क्षेत्र को निर्गत की वृद्धि सहित बढ़े हुए प्रतिफल मिलेंगे।

95. निम्नलिखित कथन पर विचार करें-

(A) उद्योग के विकास और सकल घरेलू उत्पाद के विकास के बीच सहयोग, उद्योग को विकास का इंजन बनाते हैं।
(B) जी. डी. पी. वृद्धि में अन्तर श्रम उत्पादकता में वृद्धि के लिए जिम्मेदार नहीं है।
(C) जी. डी. पी. विकास दर श्रम उत्पादकता की वृद्धि दर में परिलक्षित होती है।
(D) उद्योग की वृद्धि बढ़ते प्रतिफल के अधीन है।

दिए गए विकल्पों में सही उत्तर चुनें-

(a) (A), (B) और (C) (b) केवल (A) और (B)
(c) (B), (C) और (D) (d) केवल (B) और (D)

Ans. (b) : उद्योगों के विकास तथा संवृद्धि के मध्य सहयोग स्थापित कर उद्योगों को आर्थिक संवृद्धि का इंजन बनाना। श्रम की उत्पादकता G.D.P दर को प्रतिबिम्बित करती है।

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 96 से 100 तक के उत्तर दीजिए:

सतत विकास लक्ष्य (एस. डी. जी.) पूर्ववर्ती सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों (एम. जी. डी.) के आधार पर बनाए गए हैं। ये व्यापक, सार्वभौम एवं समाकलित हैं और गरीबी तथा असमानता, आर्थिक वृद्धि, नवोन्मेष, सतत उपभोग तथा उत्पादन, जलवायु परिवर्तन शांति एवं न्याय और साझेदारियों के मूल क्षेत्रों पर बल देते हैं।

अनुमान दर्शाते हैं कि विश्व भर में इन लक्ष्यों के वित्तपोषण के लिए प्रतिवर्ष 5 से 7 ट्रिलियन अमेरिकी डालर और विकासील देशों में इस लक्ष्यों के वित्तपोषण के लिए प्रतिवर्ष 3.9 ट्रिलियन अमेरिकी डालर की आवश्यकता पड़ेगी। लेकिन, विकासशील देशों में वर्तमान निवेश लगभग 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डालर का है, जिससे प्रतिवर्ष

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2.5 ट्रिलियन अमेरिकी डालर की कमी (अंकटाड, 2014) हो गई है। इसलिए, इस पैमाने पर वैश्विक कार्रवाही के बारे में विश्व भर में प्रभावोत्पादक वित्तपोषण और कार्यान्वयन के लिए विभिन्न सरकारों विकास संस्थाओं, निजी क्षेत्र और वित्तीय संस्थाओं के बीच सुदृढ़ समन्वय आवश्यक है।

सतत विकास के लिए प्रत्येक देश द्वारा अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता तैयार करना और स्थानीय चुनौतियों, क्षमताओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों का सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन आवश्यक है। भारत अनेक व्यापक योजनाओं का कार्यान्वयन कर सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक समग्र उपागम अपना रहा है। भारत सरकार की सिरमौर नीतियों और कार्यक्रम, जैसे-स्वच्छ भारत मिशन (एस.बी.एम.), बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। (बी.बी.बी.पी.), प्रधान मंत्री आवास योजना (पी.एम.ए.वाई.) प्रधान मंत्री जन-धन योजना (पी.एम.जे.डी.वाई) दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डी.डी.यू.जी.जे.वाई.) और प्रधान मंत्री उज्जवला योजना (पी.एम.यू.वाई.) ने इस बारे में भारतीय प्रगति में सतत योगदान किया है।

भारत के संघीय ढांचे के संदर्भ में कार्यक्रमों और योजनाओं को मूल रूप से राज्यों और संघ-राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जाता है। इसलिए, उपयुक्त नीतिगत कार्यों और राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के बीच एक प्रतियोगात्मक भावना के निर्माण के लिए विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति की खोज-खबर लेते रहना (ट्रैकिंग) अतिआवश्यक है। नीति आयोग ने सभी राज्यों एवं संघ-राज्य क्षेत्रों (राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में तुलनात्मक आंकड़ों की उपलब्धता के आधार पर लक्ष्य 12, 13, 14 और 17 को छोड़ कर) में प्रगति की खोज-खबर लेते रहने के लिए एक एकल मापनीय सूचकांक तैयार किया है। यह सूचकांक संसूचित नीति निर्माण में सहायता करता है क्योंकि इसमें राष्ट्र एवं राज्य दोनों के स्तर पर सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरण संबंधी 62 चयनित संकेतकों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाता है। इसके प्राप्तांक (स्कोर) में 0 से लेकर 100 तक की सीमा होती है। 65 के बराबर/ उससे अधिक प्राप्तांक वाले राज्यों को 'फ्रंट रनर्स' और 50-64 की रेन्ज के प्राप्तांक वाले राज्यों को 'परफोर्मर्स' माना जाता है, तथा यदि प्राप्तांक 50 से कम है तो उन राज्यों को 'एसपायेरन्ट्स' माना जाता है। 100 प्राप्तांक वाले राज्यों को 'अचीवर्म' माना जाता है यानी इन राज्यों ने 2030 के लिए निर्धारित राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है। शून्य (0) प्राप्तांक को सर्वाधिक खराब निष्पादक (परफोर्म) के रूप में निरूपित किया जाता है। सतत विकास लक्ष्य सूचकांक स्कोर की राज्यों के लिए 42 और 69 के बीच रेन्ज है, जबकि संघ-राज्य क्षेत्रों के लिए रेन्ज 57 और 68 के बीच है।

96. भारत में राज्यों के लिए एस.डी.जी. सूचकांक की रेन्ज क्या है?

(a) 42-69 (b) 57-68
(c) 42-57 (d) 42-68

Ans. (a) : भारत में राज्यों के मध्य S.D.G सूचकांक की रेन्ज 42-69 के मध्य है 65 से अधिक अंक पाने वालों को फ्रंट रनर्स कहा जाता है तथा 50 से कम अंक पाने वालों को एसपोमेरन्ट्रस कहा जाता है।

97. सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) गरीबी और असमानता
(b) जलवायु परिवर्तन
(c) सहस्राब्दी विकास लक्ष्य
(d) सतत उपभोग

Ans. (c) : सहस्राब्दी विकास लक्ष्य की समयावधि 2001-2015 तक थी। इसका सम्बन्ध S.D.G से नहीं है।

98. नीति आयोग द्वारा तैयार किए गए एस.डी.जी. सूचकांक के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है?

(a) इसमें 13 एस.डी.जी. सम्मिलित है
(b) इसमें 62 संकेतक है
(c) इससे लक्ष्य 12, 14 को अपवर्जित (एक्सक्लूड) कर दिया गया है
(d) इस सूचकांक की रेंज 0 से 1 तक है

Ans. (d) : नीति आयोग द्वारा तैयार किए S.D.G सूचकांक में निम्न कथन सत्य हैं
1. इस सूचकांक की रेन्ज 0-100 है
2. इसमें 13 उद्देश्य तथा 62 संकेतक हैं
3. इसके लक्ष्य 12,13,14,17 को अपवर्जित कर दिया गया है।
अतः विकल्प (d) असत्य है।

99. नीति आयोग का एस.डी.जी. सूचकांक राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत करता है। श्रेणी को संबंधित स्कोर (प्राप्तांक) से सुमेलित कीजिए।

(A) परफोर्मस (निष्पादक)	(i) 50-645
(B) एसपायेरन्ट्स	(ii) ≥ 65
(C) फ्रंट रन्र्स	(iii) 100
(D) अचीवर्स	(iv) < 50

नीचे दिए गए में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(ii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)
(c) (A)-(i), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(iii)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

Ans. (c) :

सूची-I	सूची-II
परफोर्मस (निष्पादक)	50-64
एसायरेन्टस	< 50
फ्रंट रन्र्स	≥ 65
अचीवर्स	100

100. भारत सरकार की निम्नलिखित में से कौनसी योजनाएं सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) की दिशा में भारत की प्रगति में योगदान करती है?

(A) स्वच्छ भारत मिशन
(B) प्रधानमंत्री उज्जवला योजना
(C) प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना
(D) प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (A) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (B) और (D)

Ans. (a) : स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भारत की प्रगति में योगदान करती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट परीक्षा जून-2020

अर्थशास्त्र

द्वितीय प्रश्न पत्र का हल

[परीक्षा तिथि : 30.09.2020 (3-6 PM)]

1. सघन क्षेत्र विकास कार्यक्रम (1960) के अन्तर्गत आरंभ में कितने जिले चुने गए थे।

(a) प्रत्येक राज्य से एक जिला (b) तीन राज्यों से तीन जिले
(c) पाँच राज्यों से पाँच जिले (d) सात राज्यों से सात जिले

Ans. (d) : सघन क्षेत्र विकास कार्यक्रम (1960) के अर्न्तगत प्रारम्भ में सात राज्यों से सात जिले चुने गये थे।

2. निम्नलिखित मूल्य सूचकाकों में से कौन-सा गुणक उत्क्रमण जाँच को सन्तुष्ट करता है?

(a) लैस्पीयर्स मूल्य सूचकांक (b) पास्चेज मूल्य सूचकांक
(c) वाल्श का मूल्य सूचकांक (d) फिशर्स मूल्य सूचकांक

Ans. (d) : फिशर का सूचकांक आदर्श सूचकांक माना जाता है, क्योंकि यह उत्क्राम्यता के दो परीक्षणों को पूरा करता है- (i) समय उत्क्राम्यता परीक्षण (ii) तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण

फिशर का सूचकांक $Po_1 = \sqrt{\text{लास्पेयरे} \times \text{पाश्चे}}$

$$Po_1 = \sqrt{\frac{\sum p_1 q_0}{\sum p_0 q_0} \times \frac{\sum p_1 q_1}{\sum p_0 q_0}} \times 100$$

जहाँ, Po_1 = सूचकांक, Σ = योग, Po = आधार वर्ष का मूल्य
P_1 = चालू वर्ष का मूल्य, q_0 = आधार वर्ष की मात्रा
q_1 = चालू वर्ष की मात्रा

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A) : वाल्ट डब्ल्यू रौस्टो के अनुसार गति प्राप्त करने के लिए आवश्यक विकास की प्रमुख नीति में घरेलू और विदेशी बचतों को जुटाना शामिल है।

तर्क (R) : आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त निवेश के सृजन हेतु घरेलू और विदेशी बचतों को जुटाना है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक के निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : वाल्ट. डब्ल्यू रोस्टो के अनुसार, गति प्राप्त करने के लिए आवश्यक विकास की प्रमुख नीति में घरेलू और विदेशी बचतों को जुटाना शामिल है। आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त निवेश के सृजन हेतु घरेलू और विदेशी बचतों को जुटाना है। रोस्टोव ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक The Stages of Economic Growth A Non Communist Manifesto में आर्थिक विकास की प्रक्रिया को पाँच चरणों में बांटा (1) पारम्परिक समाज (2) आत्मस्फूर्ति की पूर्ववर्ती अवस्था (3) आत्मस्फूर्ति की अवस्था (4) परिपक्वता की अवस्था (5) उच्च जन उपभोग की अवस्था।

4. युगपत समीकरण पूर्वाग्रह (साइमल्टेनियस इक्वेशन बाइस) के लिए निम्नलिखित में से कौन से हल सही उत्तर है?

नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

(A) ओ एल एस (OLS) प्रणाली
(B) प्रधान घटक प्रणाली (प्रिंसिपल कम्पोनेट मेथड)
(C) द्वि स्तरीय न्यूनतम वर्ग विधि प्रणाली (टू स्टेड लीस्ट स्केयर मेयड)
(D) पूर्ण जानकारी अधिकतम संभावना प्रणाली (एफ आई एम एल)

(a) केवल A और B सही है (b) केवल B और C सही है
(c) केवल C और D सही है (d) केवल A और D सही है

Ans. (c) : युगपत समीकरण पूर्वाग्रह के लिए द्वि-स्तरीय न्यूनतम वर्ग विधि प्रणाली और पूर्ण जानकारी अधिकतम संभावना प्रणाली (एफ आई एम एल) हल हैं।

5. वह संवृद्धि प्रतिमान (ग्रोथ मॉडल) जिसमें उत्पादन के प्रत्येक साधन के ह्रासमान प्रतिलाभ हैं, पर पैमाने के स्थिर प्रतिलाभ है, और बहिर्जात प्रौद्योगिकी परिवर्तन से दीर्घकालिक आर्थिक संवृद्धि होती है, कहलाता है।

(a) लेवेन्सटीन मॉडल (b) ए. के. सेन मॉडल
(c) केलकी मॉडल (d) सोलो मॉडल

Ans. (d) : सोलो ने अपने मॉडल में स्पष्ट किया है कि यदि तकनीकी गुणांक परिवर्ती हो तो पूँजी-श्रम अनुपात की प्रवृत्ति यह होगी कि वह अपने आपको समय बीतने पर सन्तुलन अनुपात की दिशा में समायोजित कर लेगा। यदि श्रम से पूँजी का प्रारम्भिक अनुपात अधिक होगा, तो श्रम-शक्ति की तुलना में पूँजी तथा उत्पादन की वृद्धि अधिक धीरे होगी और विलोमशः भी। सोलो का विश्लेषण सन्तुलन पथ (स्थिर अवस्था) की ओर केन्द्रित है चाहे वह किसी भी पूँजी-श्रम अनुपात से क्यों न प्रारम्भ हो।

6. उत्पादन फलन $q = 10L^{0.8} K^{0.2}$ दिया गया है, श्रम एवं पूंजी की सीमान्त उत्पादों (MP_K और MP_L) को इस प्रकार दिया जाता है:

A. $MP_L = 8 (K/L)^{0.2}$
B. $MP_L = 8 (L/K)^{0.2}$
C. $MP_K = 2 (L/K)^{0.8}$
D. $MP_K = 2 (K/L)^{0.8}$

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A और D सही हैं। (b) केवल A और C सही हैं।
(c) केवल B और C सही हैं। (d) केवल B और D सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : उत्पादन फलन $q = 10L^{0.8} K^{0.2}$ एक कॉब डगलश उत्पादन फलन है जिसमें श्रम का सीमान्त उत्पादन $(MP_L) = 8 (K/L)^{0.2}$ और पूँजी का सीमान्त उत्पादन $(MP_K) = 2(L/K)^{0.8}$ है। जिसमें exponents का जोड़ एक के बराबर है $(0.2 + 0.8 = 1)$।

$$\frac{dQ}{dL} = 10 \times 0.8L^{0.8-1} K^{0.2}$$
$$= 8L^{-0.2}K^{0.2}$$
$$= 8\frac{1}{L^{0.2}} K^{0.2}$$
$$= 8(K/L)^{0.2}$$
$$\frac{dQ}{dK} = 10 \times 0.2K^{0.2-1} \times L^{0.8}$$
$$= 2K^{-0.8} \times L^{0.8}$$
$$= 2 \times \frac{1}{K^{0.8}} \times L^{0.8}$$
$$\Rightarrow 2\left(\frac{L}{K}\right)^{0.8}$$

7. नीचे दो कथन दिए गए हैः एक को अभिकथन (A) और दूसरे का तर्क (R) कहा गया हैः

अभिकथन A : उच्च शक्ति प्राप्त मुद्रा (हाई पावर्ड मनी) दूसरे उन अन्य सभी प्रकार के मुद्रा का स्त्रोत है जो मुद्रा की आपूर्ति को प्रभावित करता है।

तर्क R : वाणिज्यिक बैंको द्वारा साख का निर्माण होता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) A तथा R दोनों सही हैं R, A की सही व्याख्या है।
(b) A तथा R दोनों सही हैं R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है परन्तु R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं है परन्तु R सही है।

Ans. (b) : उच्चस्तरीय मुद्रा वह राशि है जो कमर्शियल बैंकों के पास आरक्षितियों और जनता के पास करेन्सी (नोटों तथा सिक्कों) के रूप में विद्यमान है। उच्चस्तरीय मुद्रा बैंक जमाओं के विस्तार और मुद्रा-पूर्ति के निर्माण का आधार है। उच्चस्तरीय मुद्रा H = C+RR+ER जहां C करेन्सी को RR आवश्यक रिजर्व को और ER अतिरिक्त रिजर्व को व्यक्त करते है।

वाणिज्यिक बैकों द्वारा साख का निर्माण किया जाता है। एक बैंक अपने अतिरिक्त रिजर्व के बराबर उधार दे सकता है। परन्तु समस्त बैंकिंग प्रणाली अपने मूल अतिरिक्त रिजर्व के गुणक तक ही साख (या जमा) का निर्माण कर सकती है अथवा उधार दे सकती है।

8. यदि कोई भी उद्योग (सेक्टर) अपने निर्गत को आगत के रूप में नहीं लेता तो तकनीकी गुणांक मैट्रिकस में प्रधान विकर्णी अवयव निम्नलिखित में से एक होगा

(a) -1 (b) +1
(c) जीरो (d) अनन्त

Ans. (c) : यदि कोई भी उद्योग (सेक्टर) अपने निर्गत को आगत के रूप में नहीं लेता तो तकनीकी गुणांक मैट्रिक्स में प्रधान विकर्णी अवयव शून्य होगा।

9. एक अर्थव्यवस्था के लिए दिए गए आंकड़े के अनुसार आय का संतुलन स्तर क्या है:

c = 50 + 0.8 Yd
t = 20%
I = 100
G = 30

(a) 400 (b) 300
(c) 500 (d) 600

Ans. (c) :
C = 50 + 0.8 Yd, t = 20%, I = 100, G = 30, $Y_d = Y - t$
Y = C + I + G
= 50 + 0.8 (Y – 0.2Y) + 100 + 30
= 50 + 0.8 (0.8Y) + 130
Y = 180 + 0.64Y
$Y - 0.64Y = 180 \Rightarrow 0.36Y = 180$
$\frac{36}{100} Y = 180, Y = 180 \times \frac{100}{36}$
$\boxed{Y = 500}$

10. सूची-I को सूची-II से मिलान करें

सूची-I	सूची-II
(A) रिबेजिस्की का सिद्धांत	(i) उपादन कीमत पर प्रशुल्क का प्रभाव
(B) मेटजलर का सिद्धांत	(ii) उत्पादन और व्यवसाय पर उपादान वृद्धि का प्रभाव
(C) स्टॉपलर सैम्यूलसन का सिद्धांत	(iii) घरेलू मूल्यों पर प्रशुल्क का प्रभाव
(D) इमिजराइजिंग ग्रोथ का सिद्धांत	(iv) व्यवसाय की शर्तो पर वृद्धि का प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)
(c) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(ii)
(d) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (a) : (A) रिबेजिंस्की का सिद्धांत (ii) उत्पादन और व्यवसाय पर उपादान वृद्धि का प्रभाव
(B) मेटजलर का सिद्धांत (iii) घरेलू मूल्यों पर प्रशुल्क का प्रभाव
(C) स्टॉपलर सैम्यूलसन का सिद्धांत (i) उपादान कीमत पर प्रशुल्क का प्रभाव
(D) इमिजराइजिंग ग्रोथ का सिद्धांत (iv) व्यवसाय की शर्तो पर वृद्धि का प्रभाव

11. आदाता खाता क्रासिंग (Account Payee Crossing) को परक्राम्य दस्तावेज अधिनियम की किस धारा में परिभाषित किया गया है।

(a) धारा 123
(b) धारा 124
(c) धारा 125
(d) एन. आई. अधिनियम में अपरिभाषित

Ans. (d) : आदाता खाता क्रासिंग (Account Payee Crossing) को परक्राम्य दस्तावेज एन. आई. अधिनियम में अपरिभाषित है। वचन-पत्रों, विनियम-पत्रों और चेक से सम्बन्धित विधि को परिभाषित और संशोधित करने के लिए अधिनियम है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

12. निरपेक्ष आय संकल्पना किसकी व्याख्या करता है:

(a) उपभोक्ता व्यवहार (b) उत्पादक व्यवहार
(c) मुद्रा स्फीति (d) सरकारी व्यय

Ans. (a) : निरपेक्ष आय संकल्पना उपभोक्ता व्यवहार की व्याख्या करता है। केन्ज के उपभोग फलन को निरपेक्ष आय परिकल्पना नाम दिया गया है जो बताता है कि जब आय बढ़ती है तो उपभोग भी बढ़ता है परन्तु वह आय में वृद्धि की अपेक्षा कम बढ़ता है और विलोमशः भी। इसका मतलब है कि उपभोग तथा आय का संबंध गैर-आनुपातिक है।

13. माल एवं सेवाकर (जी एस टी) की अवधारणा कहां शुरू हुई थी?

(a) कनाडा (b) ब्रिटेन
(c) जर्मनी (d) यू एस ए

Ans. (a) : विश्व में जी.एस.टी. सर्वप्रथम फ्रांस में 1954 में लागू हुआ। भारत में जी.एस.टी. 1 जुलाई, 2017 (GST दिवस-1 जुलाई) को लागू किया गया जो कनाडा देश के मॉडल पर आधारित है। GST का पूर्ण रूप- Good & Service Tax (वस्तु एवं सेवा कर) है। GST के लिए 122वाँ संविधान संशोधन बिल 2014 में संसद में प्रस्तुत किया गया था।

14. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) स्थायी आय की संकल्पना	(i) एफ मेडिगलियानी
(B) सापेक्ष आय की संकल्पना	(ii) जे. एम. केन्स
(C) निरपेक्ष आय की संकल्पना	(iii) एम. फ्रायडमैन
(D) जीवन चक्र की संकल्पना	(iv) जे. डयूजेनबरी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(b) (A)-(i), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(ii)
(c) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)
(d) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)

Ans. (d) : (A) स्थायी आय की संकल्पना (iii) एम फ्रीडमैन
(B) सापेक्ष आय की संकल्पना (iv) जे ड्यूजेनबरी
(C) निरपेक्ष आय की संकल्पना (ii) जे. एम. केन्स
(D) जीवन चक्र की संकल्पना (i) एफ. मोडिगलियानी

15. नीचे दो कथन दिए गए है:

कथन-I रेबेन्सकी सिद्धांत में यह बताया गया है कि नियत वस्तु कीमत पर एक उपादान के स्वामित्व में वृद्धि होने से उपादन में वस्तु गठन के निर्गत में अधिक अनुपात में वृद्धि होगी तथा अन्य वस्तु के निर्गत में कमी होगी।

कथन-II स्टॉप्लर सैमुएलसन सिद्धांत में यह बताया गया है कि किसी वस्तु की सापेक्ष कीमत में वृद्धि होने से (उदाहरण के लिए प्रशुल्क कारण) वस्तु के उत्पादन में अत्यधिक किए गए उपादान के प्रतिलाभ अथवा आय में कमी होगी।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं।
(b) कथन-I और कथन-II दोनों गलत हैं।
(c) कथन-I सही है, किन्तु कथन-II गलत है।
(d) कथन-I गलत है, किन्तु कथन-II सही है।

Ans. (c) : रेबेन्सकी सिद्धांत में यह बताया गया है कि नियत वस्तु कीमत पर एक उपादान के स्वामित्व में वृद्धि होने से उपादान में वस्तु गठन निर्गत में अधिक अनुपात में वृद्धि होगी तथा अन्य वस्तु के निर्गत में कमी होगी।

16. निम्नलिखित संवृद्धि अर्थशास्त्रीयों को उसके सिद्धांत काल क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

(A) हेरोड (B) शूम्पटर
(C) रोस्टो (D) सोलो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) (B), (A), (C), (D) (b) (C), (D), (B), (A)
(c) (A), (C), (D), (B) (d) (D), (B), (A), (C)

Ans. (a) : (B) शूम्पीटर (1939)
(A) हेरोड (1954)
(C) रोस्टो (1960)
(D) सोलो (1967)

17. Q = 100 इकाइयों (जहां Q निर्गत की मात्रा है) पर कुल राजस्व फलन TR = 1400Q-6Q^2 तथा कुल लागत फलन TC = 1500 + 80Q दिया गया है। निम्नलिखित में से कौन सा उत्तर सही है।

(A) MR > MC (B) MC = 80
(C) MR < MC (D) MR = MC

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल (A) और (B) सही है।
(b) केवल (B) और (C) सही है।
(c) केवल (B) और (D) सही है।
(d) परिभाषित नहीं किया जा सकता

Ans. (a) :

$Q = 100$, $TR = 1400\,Q - 6Q^2$

$TC = 1500 + 80\,Q$

$MR = \frac{d(TR)}{dQ} = 1400 - 12Q,$

$= 1400 - 12\times100$

$MR = 200$

$MC = \frac{d(TC)}{dQ} = 80$

अतः $MR > MC$

$MC = 80$

18. हैरोड-डोमर एक ऐसी प्रकार्यात्मक आर्थिक संबंध के बारे में बताते हैं जिसमें सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर निर्भर करती है।

(A) राष्ट्रीय निवल बचत दर पर प्रत्यक्ष रूप से
(B) राष्ट्रीय पूँजी उत्पादन अनुपात पर व्युत्क्रमानुपाती ढंग से
(C) औद्योगिक विकास पर प्रत्यक्ष रूप से
(D) कृषि विकास पर व्युक्रमानुपाती रूप से

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल (A) और (B) (b) केवल (A) और (C)
(c) केवल (B) और (D) (d) केवल (C) और (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : हैरोड-डोमर एक ऐसी प्रकार्यात्मक आर्थिक सम्बन्ध के बारे में बताते है जिसमें सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर राष्ट्रीय निबल बचत दर पर प्रत्यक्ष रूप से और राष्ट्रीय पूँजी-उत्पाद अनुपात पर व्युत्क्रमानुपाती ढंग से निर्भर करती है।
हैरड के सतत वृद्धि का मॉडल तीन भिन्न दरों पर आधारित है। प्रथम G द्वारा व्यक्त वास्तविक वृद्धि दर जिसे बचत आय अनुपात (&) तथा पूँजी उत्पाद अनुपात (c) निर्धारित करते है। दूसरे Gw द्वारा व्यक्त अभिष्ट वृद्धि दर है। जो किसी अर्थव्यवस्था की आय की पूर्ण क्षमता वृद्धि दर है। तीसरे Gn द्वारा व्यक्त प्राकृतिक वृद्धि दर सिद्धांत जिसे हैरड कल्याण इष्टतम मानता है।

19. अधिकतम सामाजिक कल्याण की गारंटी होती है, जहां प्रतिस्पर्धी कम्पनी निम्नलिखित शर्तों को प्रदर्शित करता है

y के लिए x के उत्पाद परिवर्तन की सीमान्त दर (MRPTxy)

(a) $MRPTxy = \frac{\text{Price of x(Px)}}{\text{Price of y(Py}} = \frac{\text{Marginal Cost of x(MCx)}}{\text{Marginal Cost of y(MCy)}}$

(b) $MRPTxy = \frac{Px}{Py} = \frac{\text{Total Cost of x}}{\text{Total Cost of y}}$

(c) $MRPTxy = \frac{Px}{Py} = \frac{\text{Average Variable Cost of x}}{\text{Average Variable Cost of y}}$

(d) $MRPTxy = \frac{Px}{Py} = \frac{\text{Total Variable Cost of x}}{\text{Total Variable Cost of y}}$

Ans. (a) : Ans. (a) : Y के लिए X के उत्पाद परिवर्तन की सीमान्त दर (MRPTxy)

$$= \frac{\text{X का मूल्य (Px)}}{\text{Y का मूल्य (Py)}} = \frac{\text{X का सीमान्त लागत (MCx)}}{\text{Y का सीमान्त लागत (MCy)}}$$

20. पारम्परिक नवशास्त्रीय वृद्धि सिद्धान्त के अनुसार निर्गम संवृद्धि किसके परिणामस्वरूप होती है-

A. श्रम की मात्रा एवं गुणवत्ता में वृद्धि से
B. पूंजी की वृद्धि से
C. निर्यातों में वृद्धि से
D. प्रौद्योगिकी में सुधार से

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन करें

(a) केवल A, B, C (b) केवल A, B
(c) केवल B, C (d) केवल A, B, D

Ans. (d) : पारम्परिक नवशास्त्रीय वृद्धि सिद्धान्त के समर्थक अर्थशास्त्री निम्न कारकों को आर्थिक संवृद्धि में वृद्धि का उत्तरदायी कारक मानते है-
(A) श्रम की मात्रा एवं गुणवत्ता में वृद्धि
(B) पूंजी में वृद्धि
(D) तकनीकि प्रगति

21. निम्नलिखित में कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित करें-

A. विवेकपूर्ण प्रत्याशा मॉडल B. कीन्सीयन अर्थशास्त्र
C. मुद्रावाद D. क्लासिकल अर्थशास्त्री

सही विकल्प का चयन करें

(a) B, D, C, A (b) A, D, C, B
(c) A, B, C, D (d) D, B, C, A

Ans. (d) :
(D) क्लासिकल अर्थशास्त्री
(B) कीन्सीयन अर्थशास्त्र
(C) मुद्रावाद
(A) विवेकपूर्ण प्रत्याशा मॉडल

22. नीचे दो कथन दिए गए हैं- एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है-

अभिकथन (A) : किसी संकुचन वक्र के कतिपय बिन्दु की तुलना में, संकुचन वक्र के ऊपर की बिन्दु अधिक फलोत्पादक होता हे।

तर्क (R) : संकुचन वक्र बिन्दुओं के बिन्दु पथ को निरूपित करता है, जहां दो वस्तुओं के बीच प्रतिस्थापन की सीमान्त दर दोनों व्यक्तियों के लिए समान है?

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें

(a) A और R दोनों सही हैं (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) A तथा R दोनों सही है और R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है परन्तु R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं है परन्तु R सही है।

Ans. (d) : संकुचन वक्र बिन्दुओं के बिन्दु पथ को निरूपित करता है, जहाँ दो वस्तुओं के बीच प्रतिस्थापन की सीमांत दर दोनों व्यक्तियों के लिए समान होती है। किसी संकुचन वक्र का स्पर्श बिन्दु अधिक फलोत्पादक होता है।

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन-I: औद्योगिक नीति जो सरकारी नीति के माध्यम से बाजार की असफलता से उबरने के लिए व्यापार और विकास की वकालत करती है।

कथन-II : यह प्रौद्योगिकी अंतरण को प्रोत्साहित करता है और अधिक उन्नत उत्पादों का उत्तरोत्तर निर्यात करता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(a) कथन I और II दोनों सही नहीं हैं।
(b) केवल कथन-I सही है।
(c) केवल कथन-II सही है।
(d) कथन-I और II दोनों सही हैं।

Ans. (d) : औद्योगिक नीति जो सरकारी नीति के माध्यम से बाजार की असफलता से उबरने के लिए व्यापार और विकास की वकालत करती है। यह प्रौद्योगिकी अंतरण को प्रोत्साहित करता है और अधिक उन्नत उत्पादों का उत्तरोत्तर निर्यात करता है।

24. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) कार्ल मार्क्स का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत	(i) स्थिर व्याख्या (स्टेटिक इंटरप्रीटेशन)
(B) ब्लैकर का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत	(ii) तीन चरण
(C) लैंड्री का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत	(iii) चार चरण
(D) प्रोफेसर सिगविक्स का आदर्श जनसंख्या सिद्धांत	(iv) पाँच चरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iii)

Ans. (c) : (A) कार्ल मार्क्स का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत (iii) चार चरण
(B) ब्लैकर का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत (iv) पाँच चरण
(C) लैंड्री का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत (ii) तीन चरण
(D) प्रोफेसर सिगविक्स का आदर्श जनसंख्या सिद्धांत (i) स्थिर व्याख्या (स्टेटिक इंटरप्रीटेशन)

25. निम्नलिखित समीकरणों में से कौन राष्ट्रीय आय की पहचान का प्रतिनिधित्व करता है-

(A) $Y = C + I + X$
(B) $Y = C + I + G + S$
(C) $Y = C + I + G + (X-M)$
(D) $Y = C + I + G + M$

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A (b) केवल C
(c) केवल B, C और D (d) केवल A, B और D

Ans. (b) : सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) एक वर्ष में हुए उत्पादित अन्तिम पदार्थों तथा सेवाओं के विक्रय-मूल्यों का जोड़ है। चूँकि पदार्थो तथा सेवाओं का विक्रय मूल्य उनके क्रय पर किये गये व्यय की समान होता है इसलिए सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना उसके क्रय पर किये गये व्यय से भी कर सकते है अर्थात् व्यय दृष्टिकोण से भी सकल राष्ट्रीय उत्पाद को मापा जा सकता है। इस दृष्टिकोण में एक वर्ष में सभी अन्तिम पदार्थो तथा सेवाओं पर किये गये व्ययों को जोड़ा जाता है। ये व्यय निम्न हैं-
[1] निजी अन्तिम उपभोग व्यय (C)
[2] सकल निजी निवेश व्यय (I)
[3] सरकार द्वारा वस्तुओं पर व्यय (G)
[4] निवल निर्यात (X-M)

26. Given the sample size 400 with sample mean 99, the population mean 100 and computed value of z- statistic at -2.5 the value of population standard deviation will be
दिए गए प्रतिदर्श आकार 400 का प्रतिदर्श माध्य 99 समष्टि माध्य (पापुलेशन मीन) 100 तथा Z-स्थैतिक (स्टैटिस्टिक) का परिकलित मान (कम्यूटेड वैल्यू) 2.5 है तो समष्टिगत मानक विचलन (पॉपुलेशन स्टैडर्ड डेविएशन) का मान होगा।

(a) 59.17 (b) 123.46
(c) 8 (d) अनिर्णीत

Ans. (c) :
प्रतिदर्श आकार (n) = 400
प्रतिदर्श माध्य $(\overline{X}) = 99$
पॉपुलेशन मीन $(\mu) = 100$
स्थैतिक (Z) = (- 2.5)
समष्टिगत मानक विचलन $(\sigma) = ?$

सूत्र $n = \frac{Z^2.\sigma^2}{(\overline{x}-\mu)^2}$

$$400 = \frac{(-2.5)^2.(\sigma^2)}{(99-100)^2}$$

$$400 = \frac{6.25.\sigma^2}{1}$$

$$6.25\sigma^2 = 400$$

$$\sigma^2 = \frac{400}{6.25} = 64$$

$$\boxed{\sigma = 8}$$

27. 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन से तीन राज्य है जिन्हें राज्यों के बीच वितरित किए जाने वाले कर –राजस्व का अधिकतम प्रतिशत प्राप्त हुआ?

(A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार
(C) मध्यप्रदेश (D) आंध्रप्रदेश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिये :

(a) केवल (A), (B) और (D)
(b) केवल (A), (C) और (D)
(c) केवल (A), (B) और (C)
(d) केवल (B), (C) और (D)

Ans. (c) : 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों के बीच वितरित किए जाने वाले कर-राजस्व का अधिकतम प्रतिशत प्राप्त हुआ –
(A) उत्तर प्रदेश (17.959%)
(B) बिहार (9.665%)
(C) मध्य प्रदेश (7.548%)
(D) आंध्र प्रदेश (4.305%)

28. ब्लैकर के जनसंख्या वृद्धि के चरणों के निम्नलिखित चित्र के आधार पर A, B और C के मध्य के भाग का आशय है

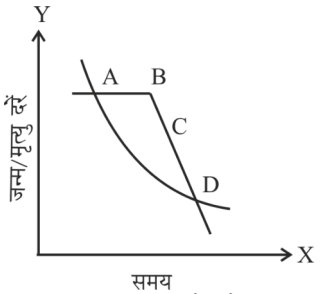

(a) निम्न स्थिरता (लो स्टेशनरी) का चरण
(b) जनसंख्या में गिरावट हो रही है
(c) प्रारंभिक विस्तार (अर्ली एक्सपेडिंग)
(d) पश्चात् विस्तार (लेट एक्सपेडिंग)

Ans. (c) : सी. पी. ब्लैंकर ने निम्नांकित पाँच अवस्थाये बतायी है-
[1] उच्च स्थिर अवस्था (High Stationary Stage)- जिसमें जन्म तथा मृत्यु दरें ऊँची होती है।
[2] प्रारम्भिक विस्तारशील अवस्था (Early Expanding Stage)- जिसमें ऊँची जन्म दर पर घटती हुयी मृत्यु दर के कारण जनसंख्या की शुद्ध वृद्धि पर अधिक होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

[3] विलम्बित विस्तारशील अवस्था (Late Expanding Stage)- इस अवस्था में मृत्यु के दर के घटने के साथ जन्म दर भी घटने लगती हैं पर मृत्यु दर के गिरावट अपेक्षाकृत अधिक होती है।

[4] निम्न स्थिर अवस्था (Low Stationary Stage)- इस अवस्था में मृत्यु दर अपनी न्यूनतम अवस्था में होती है। जन्म दर भी घटते-घटते इस स्थिति को प्राप्त हो जाती है कि जनसंख्या न तो बढ़ती है और न घटती है।

[5] घटती अवस्था (Declining Stage)- जब जन्मदर घटते-घटते मृत्यु दर से भी कम हो जाये तो जनसंख्या की शुद्ध वृद्धि दर ऋणात्मक हो जाती है।

इन पांचों अवस्थाओं को निम्न चित्र द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है-

(i) A = उच्च स्थिरता
(ii) A-B प्रारम्भिक विस्तारशील अवस्था
(iii) B-C विलम्बित विस्तारशील अवस्था
(iv) C नीचे स्थिर अवस्था
(v) C-D घटती अवस्था

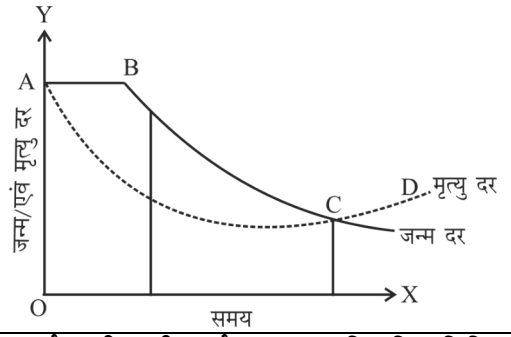

29. अर्थशास्त्री रूडी डार्नबुश द्वारा प्रतिपादित विनियम दर में अत्यधिक वृद्धि का प्रतिमान यह तथ्य स्थापित कहता है कि:

(a) बाजार में विदेशी मुद्रा संतुलन क्यों कभी नहीं रहती है।
(b) स्थिर कीमतें और अस्थिर विनिमय दर के बीच संबंध होता है।
(c) वायदा विनिमय दर भविष्य तत्काल विनिमय दर का अच्छा पूर्वानुमान बताने वाला नहीं है।
(d) स्थिर कीमतें और अस्थिर विनिमय दर में किसी प्रकार का संबंध नहीं है।

Ans. (b) : अर्थशास्त्री रूडी डार्नबुश द्वारा प्रतिपादित विनियम दर में अत्यधिक वृद्धि का प्रतिमान स्थिर कीमतें और अस्थिर विनियम दर के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है।

30. यदि बाधा पद विषमविसारी (हेटेरोसिडैस्टिक) हो तो निम्न कथनों के आधार पर कौन-सा उत्तर सही होगा?

A. ओ एल एस (OLS) अनुमान पूर्वाग्रह पूर्ण है।
B. ओ एल एस (OLS) अनुमान के न्यूनतम प्रसरण गुण नहीं है।
C. ओ एल एस (OLS) अनुमान के आधार पर महत्व का परीक्षण करना अयथार्य होगा।
D. ओ एल एस (OLS) अनुमान असंगत है।

नीचे दिए गए विकल्पों में सही चुनिये।

(a) A, B दोनो सत्य है
(b) A तथा C केवल सत्य है
(c) B तथा C दोनों सत्य हैं
(d) A तथा D दोनों सत्य हैं

Ans. (c) : यदि बाधा पद विषमविसारी (हैटेरोसिडेस्टिक) हो तो ओ एल एस (OLS) अनुमान के न्यूनतम प्रसरण गुण नहीं है और ओ एल एस (OLS) अनुमान के आधार पर महत्व का परीक्षण करना अयथार्थ होगा।

31. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) बाह्य कारकों से निपटने में निजी बाजार की प्रभाविकता	(i) लैफर वक्र
(B) कर-आकार में वृद्धि और कर राजस्व के बीच सम्बन्ध	(ii) मृतभार हानि
(C) प्रबल रणनीति	(iii) कोस प्रमेय
(D) प्रभावी मूल्य अवसीमन तथा मूल्य सतह के माध्यम से मूल्य नियंत्रण	(iv) गेम का सिद्धांत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
(b) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(c) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)
(d) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)

Ans. (a) :

(A) बाह्य कारकों से निपटने से निजी बाजार की प्रभाविता	(iii) कोस प्रमेय
(B) कर-आकार में वृद्धि और कर राजस्व के बीच संबंध	(i) लैफर वक्र
(C) प्रबल रणनीति	(iv) गेम का सिद्धांत
(D) प्रभावी मूल्य अवसीमन तथा मूल्य सतह के माध्यम से मूल्य नियंत्रण	(ii) मृत भार हानि

32. व्यवसाय की शर्तों में परिवर्तन से विशेष रूप से अल्प विकसित देशों को हानि होती है क्योंकि:

(a) उनकी विशेषता तथा व्यवसाय कृषि संबंधी वस्तुओं में होती है न कि विनिर्मित वस्तुओं में
(b) उनकी श्रम लागत उच्चतर होती है।
(c) उनकी विशेषज्ञता तथा व्यवसाय पर्यटन जैसी सेवाओं में होती है।
(d) उद्योगीकृत देश अल्प विकसित देशों के साथ अनुचित व्यवसाय करते है।

Ans. (a) : व्यवसाय की शर्तो में परिवर्तन से विशेष रूप से अल्प-विकसित देशों को निम्नलिखित कारणों से हानि होती है-

[1] व्यवसाय कृषि संबंधी वस्तुओं में होता है न कि विनिर्मित वस्तुओं में,
[2] अल्पविकसित देशों में अल्पविकसित प्राकृतिक साधन
[3] अल्प-रोजगार अथवा अदृश्य बेरोजगारी
[4] उद्यम तथा उपक्रम का अभाव
[5] अपर्याप्त पूँजी पदार्थ आदि।

33. कथन I: आधारभूत संरचना में संवृद्धि को जीडीपी संवृद्धि के लिए अनिवार्य शर्त माना जाता है।
कथन II: भारत में पूँजी के निर्माण में वृद्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(b) कथन I सही है और II गलत है
(c) दोनों कथन I और कथन II सही है
(d) कथन I गलत है और कथन II सही है

Ans. (c) : आधारभूत संरचना में संवृद्धि को जी.डी.पी. संवृद्धि के लिए अनिवार्य शर्त माना जाता है एवं भारत में पूँजी के निर्माण में वृद्धि अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

34. जनसंख्या की वृद्धि दर है:

(a) जिसमें जनसंख्या प्रतिवर्ष प्रति 1000 की दर से बढ़ती है।
(b) जिसमें जन्म दर प्रतिवर्ष प्रति 1000 की दर से बढ़ती है।
(c) जिसमें जनसंख्या प्रतिवर्ष प्रति 10,000 की दर से बढ़ती है।
(d) जिसमें प्रजनन दर प्रतिवर्ष बढ़ती है।

Ans. (a) : किसी एक वर्ष में अशोधित जन्मदर तथा मृत्युदर के अन्तर को जनसंख्या की वृद्धि दर कहते हैं। इस प्रकार की आकलित वृद्धि दर को जनसंख्या की प्राकृतिक संवृद्धि दर कहा जाता है।
क्रुड या अशोधित जन्मदर- किसी विशेष वर्ग में जन्में पंजीकृत कुल बच्चों की संख्या तथा उस वर्ष की कुल जनसंख्या के बीच अनुपात प्रायः इसे प्रति 1000 में व्यक्त किया जाता है।

35. सरकारी गुणक निम्नलिखित में से कौन सा सही है (जहां C = उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति, t = कर की दर)

(a) $\frac{1}{1-(C-t)}$ (b) $\frac{1}{(1-C)t}$
(c) $\frac{1}{1-C-t}$ (d) $\frac{1}{1-C(1-t)}$

Ans. (d) : सरकारी व्यय में परिवर्तन (ΔG) और कर की दर (t) स्थिर होने पर सरकारी व्यय गुणक समीकरण है-

$$\frac{\Delta Y}{\Delta G}=\frac{1}{1-C(1-t)}$$

जहाँ C (1-t) राष्ट्रीय आय की कर लगाने के बाद MPC है। दूसरे शब्दों में कर-योग्य राष्ट्रीय आय का उपभोग पर खर्च किया भाग C (1-t) के बराबर होता है। ऐसी स्थिति में सरकारी व्यय में वृद्धि प्रयोज्य आय को केवल (1-t) गुणा आय में वृद्धि से बढ़ा देती है, क्योंकि लगाये गये कर (t) का एक भाग सरकारी खजाने में कर उगाही के रूप में चला जाता है। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आय की MPC कम हो जाती है और ऊपर दिये गये समीकरण के अनुसार सरकारी व्यय गुणक का मूल्य भी कम हो जाता है।

36. जनसंख्या घनत्व संदर्भित करता है:

(a) प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में पुरुषों की संख्या को
(b) प्रत्येक घन किलोमीटर में व्यक्तियों की संख्या को
(c) प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में व्यक्तियों की संख्या को
(d) प्रत्येक दस किलोमीटर में व्यक्तियों की संख्या को

Ans. (c) : प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है।

37. अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन में हम निम्नलिखित में से किसका उपयोग करते हैं?

(a) केवल व्यष्टिमूलक आर्थिक सिद्धांत का
(b) केवल समष्टिमूलक आर्थिक सिद्धांत का
(c) न तो व्यष्टिमूलक और न ही समष्टिमूलक आर्थिक सिद्धांत का
(d) व्यष्टिमूलक तथा समष्टिमूलक दोनों आर्थिक सिद्धांत का परंतु हम उसका विस्तार अनुकूलन तथा समेकन भी करते हैं

Ans. (d) : अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन में व्यष्टिमूलक तथा समष्टिमूलक दोनों आर्थिक सिद्धांत का परन्तु उसका विस्तार अनुकूलन तथा समेकन का उपयोग करते हैं।

38. श्रम मांग वक्र में वामावर्ती विचलन किसके कारण होता है

(a) मजदूरी दर में वृद्धि
(b) मजदूरी दर में कमी
(c) श्रम की सीमान्त उत्पादकता में वृद्धि
(d) श्रम की सीमान्त उत्पादकता में कमी

Ans. (d) : श्रम की मांग में वृद्धि उसकी उत्पादकता में वृद्धि, तकनीकी प्रगति के कारण हो सकती है, श्रम की मांग में वृद्धि के कारण श्रम का माँग वक्र दायीं ओर विवर्तित हो जायेगा। श्रम की मांग में कमी उसकी उत्पादकता में कमी, तकनीकी गिरावट के कारण हो सकती है, श्रम की मांग में कमी के कारण श्रम माँग वक्र बायीं ओर विवर्तित हो जायेगा।
मजदूरी और श्रम की मात्रा में सीधा सम्बन्ध होता है। सामान्य रूप से मजदूरी के ऊँचे स्तरों पर श्रम की अपेक्षाकृत अधिक मात्रा प्रस्तुत होती है, यही कारण है कि पूर्ति का माँग वक्र ऊपर की ओर बाएँ से दाएँ को ढालू होता है। एक उद्योग ऊँची मजदूरी देकर ही अधिक श्रम आकर्षित कर सकता है।

39. के वाई सी (KYC) मानको की अपर्याप्तता अथवा अनुपस्थिति में बैंक को निम्नलिखित गंभीर एवं प्रतिपक्ष जोखिम हो सकते है:

A. प्रतिष्ठा का जोखिम B. अनुपालन का जोखिम
C. विधिक जोखिम D. दिवालियापन का जोखिम

नीचे दिए गए विकल्पों में सही विकल्प का चयन करें:

(a) A, B तथा D (b) A, B तथा C
(c) B, C, D (d) A, C तथा D

Ans. (b) : के. वाई. सी. (KYC) मानकों की अपर्याप्तता अथवा अनुपस्थिति में बैंक को निम्नलिखित गंभीर एवं प्रतिपक्ष जोखिम है-
[1] प्रतिष्ठा का जोखिम
[2] अनुपालन का जोखिम
[3] विधिक जोखिम आदि।

40. व्यक्तियों द्वारा मुद्रा धारिता (होल्डिंग मनी) की लागत है-

(A) मुद्रा अवस्फीति के कारण मुद्रा की वास्तविक कीमत की हानि
(B) बचत पर मिलने वाले ब्याज की हानि
(C) वस्तुओ और सेवाओं की खरीददारी नहीं करने के कारण उपयोगिता की हानि
(D) अन्य परिसम्पत्तियों को न रखने के कारण प्रतिफल का दावा छोड़ना

दिए गए विकल्पों में सही विकल्प का चयन करें:

(a) B, C तथा D (b) A, B तथा C
(c) A, B तथा D (d) A, C तथा D

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : व्यक्तियों द्वारा मुद्रा धारिता (होल्डिंग मनी) की लागत निम्न है-
[1] बचत पर मिलने वाले ब्याज की हानि
[2] वस्तुओं और सेवाओं की खरीदारी नहीं करने के कारण उपयोगिता की हानि।
[3] अन्य सम्पत्तियों को न रखने के कारण प्रतिफल का दावा छोड़ना।

41. किसी देश की प्रति व्यक्ति आय तथा आय वितरण में असमानता के बीच लॉरेंज वक्र सम्बन्ध को निरूपित करने वाला ग्राफ दर्शाता है।
(a) लॉरेंज वक्र (b) फिलिप्स वक्र
(c) लैफर वक्र (d) कुजनेट्स वक्र

Ans. (d) : किसी देश की प्रति व्यक्ति आय तथा आय वितरण में असमानता के बीच सम्बन्ध को निरूपित करने वाला ग्राफ कुजनेट्स वक्र दर्शाता है। कुजनेट्स वक्र उल्टे U आकार का होता है। कुजनेट्स वक्र केवल यह प्रदर्शित करता है कि विकास के साथ विषमता घट रही है या बढ़ रही है, यह विषमता की डिग्री नहीं मापता। यह विषमता के माप की गुणात्मक विधि है।

42. क्रम शर्त (आर्डर कडीशन) के आधार पर बताए कि निम्नलिखित में से कौन सा पहला समीकरण चिन्हित (आइडेंटिफाइड) है?
संरचनात्मक प्रतिमान (स्ट्रक्चरल मॉडल) इस प्रकार दिए गए है।
$y_1 = 3y_2 - 2x_1 + x_2 + u_1$
$y_2 = y_3 + x_3 + u_2$
$y_3 = y_1 - y_2 - 2x_3 + u_3$
जहाँ अंतर्जात चर (इन्डोजेनस वेरिएबल) x पूर्व निर्धारित चर तथा u यादृच्छिक पद (रैडम टर्म) है।
(a) अति चिन्हित (ओवर आईडेंटिफाइड)
(b) अल्प चिन्हित (अण्डर आईडेंटिफाइड)
(c) सटीक चिन्हित (एक्जैक्टली आईडेंटिफाइड)
(d) सूचक अपर्याप्त है।

Ans. (c) :
(K – M) = (G -1) = एक्जैक्टली आइडेंटिफाइड (सटीक चिन्हित)
(K – M) > (G -1) = ओवर आइडेंटिफाइड (अति चिन्हित)
(K – M) < (G -1) = अण्डर आइडेंटिफाइड (अल्प चिन्हित)
जहाँ
K = कुल चर
G = कुल समीकरण की संख्या
M = समीकरण में चरों की संख्या
समी. $y_1 = 3y_2 - 2x_1 + x_2 + u_1$
$y_2 = y_3 + x_3 + u_2$
$y_3 = y_1 - y_2 - 2x_3 + u_3$
समी. (1) में K = y1, y2, y3, x1, x2, x3 = 6
M = y1, y2, x1, x2 = 4
G = 3
[K – M] = [G – 1]
[6 – 4] = [3 – 1]
[2] = [2] = एक्जैक्टली आइडेंटिफाइड (सटीक चिन्हित)

43. नीचे दो कथन दिए गए है:
अभिकथन (A) :वाणिज्यिक बैंक के असफल होने का मुख्य कारण बैक अंतरंगियों (इनसाइडर्स) को अनुचित ऋण उपलब्ध करवाना है।
कारण (R) : बैंक कर्मचारियों को कमतर ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध करवाए जाते हैं।
(a) A, R दोनों सही है, R, A की सही व्याख्या है
(b) A, R दोनों सही है, R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है R गलत
(d) A गलत है, R सही

Ans. (b) : वाणिज्यिक बैंक के असफल होने का मुख्य कारण निम्नलिखित है-
[1] बैंक अंतरगियों (इनसाइडर्स) को अनुचित ऋण उपलब्ध करवाना
[2] बैंक कर्मचारियों को कमतर ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध करवाए जाते है।
[3] क्षेत्रिय विषमताएं
[4] ग्रामीण शाखाओं का कार्य असंतोषजनक होना
[5] ऋण-जमा अनुपात का असंतोषजनक होना

44. वर्ष 2018-19 के दौरान वर्तमान मूल्य पर भारत की सकल मूल्य वृद्धि में सेवा क्षेत्र का हिस्सा है:
(a) 45 से 47 प्रतिशत के बीच
(b) 50 से 52 प्रतिशत के बीच
(c) 53 से 55 प्रतिशत के बीच
(d) 60 से 62 प्रतिशत के बीच

Ans. (c) : वर्ष 2018-19 के दौरान वर्तमान मूल्य पर भारत की सकल मूल्य वृद्धि में सेवा क्षेत्र का 53.66% योगदान है, दूसरे स्थान पर औद्योगिक क्षेत्र का योगदान है जो कि जी.डी.पी. में लगभग 31% योगदान देता है।

45. बाजार विफलता का कारण व्यक्त करता है-
A. गरीबी B. बाह्यताएं
C. बाजार शक्तियां D. निजी वस्तुएं
नीचे दिए गए विकल्पो में सही उत्तर चुनें
(a) A तथा B केवल (b) B तथा C केवल
(c) B, C तथा D केवल (d) B तथा C केवल

Ans. (b, d) : जिन परिस्थितियों के कारण स्वतन्त्र बाजार अर्थव्यवस्था अधिकतम सामाजिक कल्याण को प्राप्त करने में असफल रहती है तो उसे बाजार असफलता कहा जाता है।
बाजार असफलता के प्रमुख कारण निम्न हैं-
[1] अपूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार
[2] बाह्य मितव्ययिताएँ एवं अमितव्ययिताएँ
[3] सार्वजनिक वस्तुएँ

46. नीचे दो कथन दिए गए हैं
कथन I : अधिगम वक्र प्रभाव फर्म के दीर्घावधिक औसत लागत वक्र से सम्बन्धित है
कथन II : आपस में परिवर्तित आवंटन ऐसा आवंटन है जो पैरेटो सक्षम होने साथ-साथ साम्य आवंटन है
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पो में से सही उत्तर चुनें।
(a) कथन I तथा II दोनों सही हैं
(b) कथन I और II दोनों गलत है
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत है
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : अधिगम वक्र प्रभाव फर्म के दीर्घावधिक औसत लागत वक्र से संबंधित है। अधिगम वक्र किसी वस्तु की औसत लागत को उस वस्तु की अब तक उत्पादित कुल उत्पादन की मात्रा से सम्बद्ध करता है। यह 'अधिगम वक्र' नीचे की ओर झुका हुआ होगा जो इस बात का संकेत करता है कि किसी फर्म द्वारा उत्पादित किसी वस्तु के उत्पादन की कुल मात्रा जैसे-जैसे बढ़ती है, प्रति इकाई उत्पादन लागत घटती जाती है।

आपस में परिवर्तित आबंटन ऐसा आबंटन है जो पैरेटो सक्षम होने के साथ-साथ साम्य आबंटन है। पैरेटो की सामाजिक अनुकूलतम वह स्थिति है जिसके अन्तर्गत साधनों अथवा उत्पादनों के पुनरावंटन द्वारा बिना किसी व्यक्ति को हीनतर किये हुए किसी अन्य व्यक्ति को श्रेष्ठतर करना सम्भव नहीं होता है।

47. निम्नलिखित खेल

खिलाड़ी B

खिलाड़ी A	B_1	B_2	B_3
A_1	2	4	2
A_2	1	–5	–4
A_3	2	6	–2

का हल है

(a) खेल का मूल्य = 2 खिलाड़ी A और B के लिए सर्वोत्तम नीति क्रमशः $(A_1\ B_1)$ है।

(b) खेल का मूल्य = 2 खिलाड़ी A और B के लिए सर्वोत्तम नीति क्रमशः $A_1\ B_1$ अथवा $(A_3\ B_1)$ अथवा $(A_1\ B_3)$ है।

(c) खेल का मूल्य = 2 खिलाड़ी A और B के लिए सर्वोत्तम नीति $(A_3\ B_1)$ है।

(d) खेल का मूल्य = 2 खिलाड़ी A और B के लिए सर्वोत्तम नीति $(A_1\ B_3)$ है।

Ans. (b) :

खिलाड़ी (A) की रणनीति	खिलाड़ी (B) रणनीति B_1	B_2	B_3	पंक्ति अल्पिष्ठ
A_1	2	4	2	2
A_2	1	- 5	- 4	- 5
A_3	2	6	- 2	- 2
कालम उच्चिष्ठ	2	6	2	

खेल का मूल्य = 2
खिलाड़ी A और B के लिए सर्वोत्तम नीति क्रमशः (A_1, B_1) अथवा (A_1, B_3) अथवा (A_3, B_1) हो सकता है।

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन-I: सुश्री उरसुला के हिक्स के अनुसार। निजी वित्त, चाहे वह किसी कंपनी का हो अथवा किसी व्यक्ति का अवसंरचना के रूप में एक ही आय योजना से शुरू होती है जिसके अंतर्गत व्यय की योजना की जानी जरूरी है, लोकवित्त, विलोमतः एक दी हुई व्यय योजना मे साथ शुरू होता और प्राधिकरण करो एवं संसाधनों के अनुसार अपनी आय को सुमेलित एवं विस्तारित करने का प्रयत्न करते है।''

कथन-II: प्रो सिरास ने कहा है कि ''लोक प्राधिकरण निजी वित्त पर अलग राय रखते हैं, यह कि पूर्ववर्ती की आय का संतुलन करना चाहिए और उसे किसी व्यक्ति के समान अनिवार्य रूप से लाभ की ही अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।''

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) कथन I और II दोनों सही है।
(b) कथन I और II दोनों गलत है।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (a) : उपर्युक्त कथन I और II दोनों सही हैं।

49. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) क्रांतिक न्यूनतम प्रयास (क्रिटिकल मिनिमम एफर्ट थ्योरी	(i) सी.पी. ब्लैकर
(B) नियो क्लासिकल संवृद्धि प्रतिमान	(ii) डब्ल्यू डब्ल्यू रोस्टो
(C) जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत (डेमोग्राफिक ट्रांजिशन थ्योरी)	(iii) आर सोलो
(D) उच्च जन समूह उपभोग युग (एज आफ हाई मास कन्जप्शन)	(iv) एच. लेविनस्टिन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)

Ans. (d) :
(A) क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धांत (क्रिटिकल मिनिमम एफर्ट थ्योरी) — (iv) एच. लेबिनस्टिन
(B) नियो क्लासिकल संवृद्धि प्रतिमान — (iii) आर. सोलो
(C) जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत (डेमोग्राफिक ट्रांजिशन थ्योरी) — (i) सी. पी. ब्लैकर
(D) उच्च जन समूह उपभोग युग (एज आफ हाई मास कन्जप्शन) — (ii) डब्ल्यू. डब्ल्यू रोस्टोव

50. IS – LM वक्र विश्लेषण व्याख्या करता है।

A. वस्तु बाजार संतुलन
B. मुद्रा बाजार संतुलन
C. पूंजी बाजार संतुलन
D. विदेशी बाजार संतुलन

नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर चुनें

(a) A तथा C केवल (b) A तथा D केवल
(c) A तथा B केवल (d) C तथा D केवल

Ans. (c) : IS- शब्द निवेश और बचत की समानता का संक्षिप्त रूप है, जो वस्तु बाजार के संतुलन को व्यक्त करता है। दूसरी ओर LM शब्द मुद्रा की मांग (L) और मुद्रा की पूर्ति (M) की समानता का संक्षिप्त रूप है, जो मुद्रा बाजार संतुलन को व्यक्त करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

51. श्रम शक्ति भागीदारी दर प्रदर्शित होता है:

(a) $\frac{\text{श्रम शक्ति}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 100$

(b) $\frac{\text{रोजगार प्राप्त श्रमिकों की संख्या}}{\text{श्रम शक्ति}} \times 100$

(c) $\frac{\text{श्रम शक्ति}}{\text{वयस्क जनसंख्या}} \times 100$

(d) $\frac{\text{रोजगार प्राप्त श्रमिकों की संख्या}}{\text{वयस्क जनसंख्या}} \times 100$

Ans. (c) : श्रम शक्ति भागीदारी दर $= \frac{\text{श्रम शक्ति}}{\text{वयस्क जनसंख्या}} \times 100$

किसी देश की श्रम शक्ति से अभिप्राय उन व्यक्तियों से है जो 15-65 आयु वर्ग के हैं जो रोजगार में है तथा वे भी जो रोजगार की तलाश कर रहे हैं। श्रम शक्ति = रोजगार में लगे लोगों की संख्या + बेरोजगारो की संख्या।

52. आर्थिक सर्वेक्षण- 2019 के अनुसार भारत के पाँच शीर्ष व्यापार साझेदार- अमेरिका, चीन, यू.ए.ई. के अलावा और कौन कौन बने रहेंगे-

(A) सऊदी अरब (B) हाँगकाँग

(C) सिंगापुर (D) श्रीलंका

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिये:

(a) केवल C और D (b) केवल B और C

(c) केवल A और D (d) केवल A और B

Ans. (d) : आर्थिक सर्वेक्षण- 2019 के अनुसार, भारत के पाँच शीर्ष व्यापार साझेदार देश निम्न हैं- अमेरिका, चीन, यू.ए.ई., सऊदी अरब और हाँगकाँग हैं।

53. किसने कहा है कि: ''मैं मानता हूँ कि विनिवेश का उद्देश्य आमआदमी उपभोक्ता तथा निवेशक को लाभ पहुँचाने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा में सुधार लाना और एकाधिकार समाप्त करना है।''

(a) मनमोहन सिंह (b) जार्ज फर्नांडिज

(c) चिदंबरम (d) यशवंत सिन्हा

Ans. (b) : जार्ज फर्नांडिज

54. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A) : यदि A एक मैट्रिक्स है जिसे इस प्रकार दिया गया है $A = \begin{pmatrix} 5 & 0 & 3 \\ -1 & 0 & 2 \\ 1 & 0 & 1 \end{pmatrix}$ **क्योंकि कालम II के सभी अवयव (एलीमेंटस) शून्य हैं तो det A= 0 है।**

तर्क (R) : लाप्लेस विस्तार किसी भी पंक्ति अथवा कालम के साथ निर्धारक (डिटरमिनेन्ट) के मूल्यांकन की अनुमति देता है।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : यदि A एक मैट्रिक्स है जिसे इस प्रकार दिया गया है $A = \begin{pmatrix} 5 & 0 & 3 \\ -1 & 0 & 2 \\ 1 & 0 & 1 \end{pmatrix}$ क्योंकि कॉलम II के सभी अवयव (एलीमेंट्स) शून्य हैं तो det A = 0 है। लाप्लेस विस्तार किसी भी पंक्ति अथवा कालम के साथ निर्धारक (डिटरमिनेन्ट) के मूल्यांकन की अनुमति देता है।

55. कुल लागत TC = Q^3 -10Q^2 + 60Q दी गई है। न्यूनतम औसत लागत क्या होगी? निर्गत के कौन से स्तर पर न्यूनतम लागत आती है? (Q निर्गत कर स्तर है)

(a) Q=5 पर न्यूनतम औसत लागत AC_{Min}=35 है

(b) Q=5 पर न्यूनतम औसत लागत AC_{Min}=175 है

(c) Q=1 पर न्यूनतम औसत लागत AC_{Min}= 170 है

(d) Q=1 पर न्यूनतम औसत लागत AC_{Min}=45 है

Ans. (a) : $TC = Q^3 - 10Q^2 + 60Q$

$$AC = \frac{TC}{Q}$$

$$AC = \frac{Q^3 - 10Q^2 + 60Q}{Q} \Rightarrow Q^2 - 10Q + 60$$

$$\frac{d(AC)}{dQ} = 2Q - 10 = 0$$

$$2Q = 10$$

$$Q = 5$$

$$ACmin = 5^2 - 10(5) + 60$$

$$= 25 - 50 + 60$$

$$ACmin = 35$$

56. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) चैम्बरलिन	(i) लघु समूह मॉडल
(B) स्वीजि	(ii) किंक्ड माँग वक्र
(C) स्टैक्लवर्ग	(iii) मूल्य नेतृत्व मॉडल
(D) फेल्नर	(iv) प्रतिक्रिया वक्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(ii)

(b) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)

(c) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)

Ans. (d) :

(A) चैम्बरलिन	(i) लघु समूह मॉडल
(B) स्वीजि	(ii) किंक्ड मांग वक्र
(C) स्टैक्लबर्ग	(iv) प्रतिक्रिया वक्र
(D) फेल्नर	(iii) मूल्य नेतृत्व मॉडल

57. वर्ष 2016-17 तथा 2017-18 के दौरान जीडीपी में केंद्र तथा राज्यों की सम्मिलित देयता का प्रतिशत है:

(a) 69 प्रतिशत (b) 67 प्रतिशत

(c) 68 प्रतिशत (d) 66 प्रतिशत

Ans. (b) : वर्ष 2016-17 तथा 2017-18 के दौरान जीडीपी में केन्द्र तथा राज्यों की सम्मिलित देयता का 67 प्रतिशत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

58. हॉकिन-साईमन की शर्ते क्या हैं?

(A) निर्धारक (डिटरमिनेंट) A धनात्मक होना चाहिए।
(B) निर्धारक (डिटरमिनेंट) (1-A) धनात्मक होना चाहिए।
(C) निर्धारक (डिटरमिनेंट) (1-A) ऋणात्मक होना चाहिए।
(D) मैट्रिक्स (1-A) का प्रधान विकर्णी अवयव धनात्मक होना चाहिए

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल (A) और (C) सही है।
(b) केवल (A) और (D) सही है।
(c) केवल (B) और (D) सही है।
(d) केवल (C) और (D) सही है।

Ans. (c) : हॉकिन-साइमन की शर्तें हैं-
(i) निर्धारक (डिटरमिनेंट) (1-A) धनात्मक होना चाहिए।
(ii) मैट्रिक्स (1-A) का प्रधान विकर्णी अवयव धनात्मक होना चाहिए।

59. किन्हीं दो समान, संगत, वृहत्त एवं स्वतंत्र घटनाओं A और B के लिए P (AB) किसके बराबर होगा?

(a) 0 (b) 0.25
(c) 0.50 (d) 1

Ans. (b) : $P(A) = P(B) = \frac{1}{2}$
जब दो घटनाएँ स्वतंत्र हो तो
$P(AB) = P(A) \times (PB)$
$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = 0.25$

60. जनगणना (2011) के अनुसार भारत के किस राज्य में न्यूनतम लिंगानुपात है?

(a) पंजाब (b) दिल्ली
(c) बिहार (d) हरियाणा

Ans. (d) : जनगणना 2011 के अनुसार लिंगानुपात के आधार पर भारत में 1000 पुरुषों पर सिर्फ 943 महिलाएं हैं। वर्तमान में भारत में सबसे कम लिंगानुपात वाला राज्य हरियाणा है जहाँ पर लिंगानुपात केवल 879 है।

61. मॉर्कोविट्ज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सिद्धांत निम्नलिखित पूर्वधारणाओं पर विचार करता है:

(A) निवेशक स्टार्ट अपस के प्रति निराशावदी है परन्तु स्थापित व्यापार के प्रति आशावादी है।
(B) निवेशकों की प्रतिफल एवं जोखिम पर उचित तथा सही सूचना तक मुक्त पहुँच है।
(C) क्रिप्टो मुद्रा (क्रिप्टो करंसी) के प्रति निवेशकों की झुकाव की प्रवृत्ति है।
(D) निवेशक समझदार है और वे दी गई आय तथा धन के स्तर के साथ अपनी प्रयोज्यता को बढ़ाते है।

नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये–

(a) केवल A और B (b) केवल B और D
(c) केवल C और D (d) केवल A और C

Ans. (b) : हैरी मॉर्कोविट्ज के पोर्टफोलियो प्रबंध सिद्धांत निम्नलिखित पूर्वधारणाओं पर विचार करता हैं-
(i) निवेशकों की प्रतिफल एवं जोखिम पर उचित तथा सही सूचना तक मुक्त पहुँच है।
(ii) निवेशक समझदार हैं और वे दी गयी आय तथा धन के स्तर के साथ अपनी प्रयोज्यता को बढ़ाते है।
हैरी मॉर्कोविट्ज को आधुनिक पोर्टफोलियों सिद्धांत का जनक माना जाता है।

62. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) केरल	(i) कम शहरीकृत
(B) पंजाब	(ii) उनकी जनसंख्या में अनुसूचित जातियों की उच्चतम प्रतिशतता
(C) हिमाचल प्रदेश	(iii) अनुसूचित जनजातियों की उच्चतम प्रतिशतता
(D) मध्य प्रदेश	(iv) उच्चतम लिंग अनुपात

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)
(c) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)
(d) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(ii)

Ans. (a) :
(A) केरल (iv) उच्चतम लिंग अनुपात
(B) पंजाब (ii) उनकी जनसंख्या में अनुसूचित जातियों की उच्चतम प्रतिशतता
(C) हिमाचल प्रदेश (i) कम शहरीकृत
(D) मध्य प्रदेश (iii) अनुसूचित जनजातियों की उच्चतम प्रतिशतता

63. नीचे दो कथन दिये गये है:

कथन-I : अंतः प्रवर्धी वृद्धि सिद्धान्तों के प्रवर्तक यह सुझाव देते है कि मानव पूँजी नवाचार एवं ज्ञान के क्षेत्र में निवेश से आर्थिक विकास होता है।

कथन-II: मानव पूँजी नवाचार एवं ज्ञान के क्षेत्र में निवेश पर ह्रासमान प्रतिफल कम होता है।

(a) कथन I और II दोनों सही है।
(b) कथन I सत्य है, लेकिन II दोनो असत्य है
(c) कथन I सत्य है लेकिन कथन II
(d) कथन I असत्य है तथा कथन II सत्य

Ans. (a) : अंतः प्रवर्धी वृद्धि सिद्धान्तों के प्रवर्तक यह सुझाव देते हैं कि मानव पूँजी नवाचार एवं ज्ञान के क्षेत्र में निवेश से आर्थिक विकास होता है तथा मानव पूँजी नवाचार एवं ज्ञान के क्षेत्र में निवेश पर ह्रासमान प्रतिफल कम होता हैं।

64. किसी दी गई श्रेणी के मानक विचलन के रूप में 'σ' दिया गया है और यदि उस श्रेणी के प्रत्येक अवलोकनों के पश्चात् उसमें स्थिरांक 'k' जोड़ा जाता है, तब नई श्रेणी का मानक विचलन क्या होगा?

(a) $\sigma + k$ (b) $\sigma - k$
(c) σ (d) σk

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : किसी श्रेणी के मानक विचलन के रूप में 'σ' दिया गया है और यदि उस श्रेणी के प्रत्येक अवलोकनों के पश्चात् उसमें स्थिरांक 'k' जोड़ा जाता है, तब नई श्रेणी का मानक विचल 'σ' होगा-

व्यक्तिगत श्रेणी का मानक विचलन $\sigma = \sqrt{\frac{\sum dx^2}{N} - \left(\frac{\sum dx}{N}\right)^2}$

65. वायदा विनिमय दर उनके लिए लाभदायक है जो:

(A) स्वयं की उस जोखिम से सुरक्षा चाहते हैं कि संव्यवहार पूरा होने के पूर्व विनियम दर में परिवर्तन होगा।

(B) यह दाँव पर लगाना चाहते है कि मुद्रा का मूल्य बढ़ेगा।

(C) यह दाँव पर लगाना चाहते है कि मुद्रा का मूल्य घटेगा।

(D) भविष्य में किसी समय बिंदु पर मुद्रा का विनिमय करना चाहते हैं।

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल (A), (B) और (C)

(b) केवल (A) और (B)

(c) केवल (A) और (C)

(d) A, B, C और (D)

Ans. (d) : वायदा विनियम दर उनके लिए लाभदायक है जो निम्न कार्य करते हैं-

(i) स्वयं की उस जोखिम से सुरक्षा चाहते हैं कि संव्यवहार पूरा होने के पूर्व विनियम दर में परिवर्तन होगा।

(ii) यह दाँव पर लगाना चाहते हैं कि मुद्रा का मूल्य बढ़ेगा।

(iii) यह दाँव पर लगाना चाहते हैं कि मुद्रा का मूल्य घटेगा।

(iv) भविष्य में किसी बिन्दु पर मुद्रा का विनिमय करना चाहते हैं।

66. इस तिथि से बैंकिंग ट्रांजेक्शन टैक्स (बी. सी. टी. टी) आरंभ किया गया।

(a) 1 जनवरी, 2015 (b) 1 जून, 2005

(c) 1 जनवरी, 2019 (d) 1 जून, 2009

Ans. (b) : 1 जून 2005 से बैंकिंग कैश ट्रांजेक्शन टैक्स (BCTT) की शुरूआत हुई थी। इसे फाइनेंस एक्ट 2005 में लाया गया था। काले धन की रोकथाम और मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने की मंशा से सरकार इसे लायी थी।

67. दो परिवर्ती घटकों के बीच कौन-सा संबंध विद्यमान है, यदि प्रकीर्ण आरेख (स्कैटर डायग्राम) पर संगत सारे बिंदु बायीं से दायीं ओर ऊपर जाने पर एक सीधी रेखा पर प्रतीत होती है?

(a) सकारात्मक सहसंबंध (b) पूर्ण सकारात्मक सहसंबंध

(c) नकारात्मक सहसंबंध (d) पूर्ण नकारात्मक सहसंबंध

Ans. (b) : जब रेखा बायें से दायें 45^0 का कोण बनाती हुई उठती है तो X और Y श्रेणी में पूर्ण घनात्मक सहसम्बन्ध होता है।

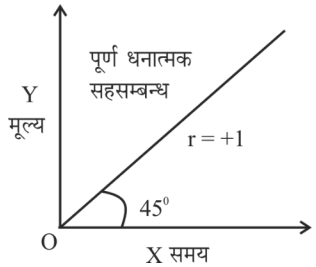

जब रेखा बायें से दायें की ओर गिरती हुई अक्षों के साथ 45^0 का कोण बनाती है तब X तथा Y श्रेणी में पूर्ण ऋणात्मक सहसम्बन्ध होगा।

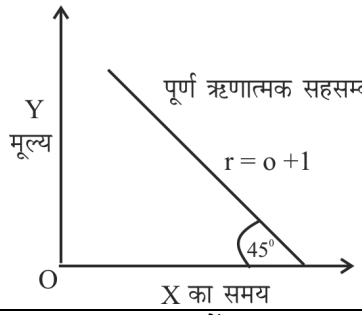

68. राष्ट्रीय आय की गणना में निम्नलिखित स्थितियों में से कौन सा आर्थिक निवेश है।

A. स्वयं के रहने हेतु एक नए निर्मित भवन की खरीद

B. नए शेयर की खरीद

C. पुस्तकों को गन्तव्य स्थान पर पहुँचाने के लिए एक पुस्तक प्रकाशक द्वारा एक नयी कार की खरीद

D. एक गृहस्थ द्वारा एक नयी कार की खरीद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) केवल A, B, C (b) A, B, C, D

(c) केवल A, C और D (d) केवल A और C

Ans. (d) : राष्ट्रीय आय की गणना में स्वयं के रहने हेतु एक नये निर्मित भवन की खरीद एवं पुस्तकों को गन्तव्य स्थान पर पहुँचाने के लिए एक पुस्तक प्रकाशक द्वारा एक नयी कार की खरीद आर्थिक निवेश है।

साइमन कुजनेट्स के अनुसार "राष्ट्रीय आय वस्तुओं और सेवाओं का वह शुद्ध उत्पाद है जो एक वर्ष की अवधि में देश के उत्पादन प्रणाली में अन्तिम उपभोक्ताओं के हाथों में पहुँचता है।"

69. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (सांख्यिकी)	**सूची-II (मानक त्रुटि)**
(A) प्रतिदर्श माध्य $(\bar{x})$	(i) $\sqrt{(\sigma_1^2/_{2n_1}) + (\sigma_2^2/_{2n_2})}$
(B) प्रतिदर्श प्रसरण (s^2)	(ii) $\sqrt{(\sigma_1^2/_{n_1}) + (\sigma_2^2/_{n_2})}$
(C) दो स्वतन्त्र प्रतिदर्श माध्यों का अन्तर $(\bar{x}_1 - \bar{x}_2)$	(iii) $\sigma/\sqrt{n}$
(D) दो स्वतन्त्र मानक विचलनों का अन्तर $(s_1 - s_2)$	(iv) $\sigma^2\sqrt{\frac{2}{n}}$

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)

(b) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)

(d) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सांख्यिकी — मानक त्रुटि

(A) प्रतिदर्श माध्य $(\bar{x})$ — (iii) $\sigma/\sqrt{n}$

(B) प्रतिदर्श प्रसरण (s^2) — (iv) $\sigma^2\sqrt{\frac{2}{n}}$

(C) दो स्वतन्त्र प्रतिदर्श माध्यों का अन्तर $(\bar{x}_1 - \bar{x}_2)$ — (ii) $\sqrt{\left(\sigma_1^2/_{n_1}\right)+\left(\sigma_2^2/_{n_2}\right)}$

(D) दो स्वतन्त्र मानक विचलनों का अन्तर $(s_1 - s_2)$ — (i) $\sqrt{\left(\sigma_1^2/_{2n_1}\right)+\left(\sigma_2^2/_{2n_2}\right)}$

70. वर्ष 2022 तक किसानों की आयु दुगुनी करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी समिति का गठन किया गया है?

(a) अशोक मेहता कमेटी (b) नरेश चन्द्रा कमेटी
(c) राजीव कुमार कमेटी (d) अशोक दलवी समिति

Ans. (d) : केंद्रीय बजट 2016-17 में किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का महत्त्वकांक्षी लक्ष्य तय किया गया था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से एक ब्लूप्रिंट तैयार करने के लिए अशोक दलवाई की अध्यक्षता में एक अंतर मंत्रालयी समिति का गठन किया गया था।

71. आर्थिक वृद्धि पर किसी देश की सर्वाधिक बाध्यकारी बाधाओं की पहचान करने के लिए निर्णय मुक्त ढाँचे को कहा जाता है।

(a) वृद्धि प्रतिमान (b) वृद्धि नैदानिक
(c) वृद्धि उद्दीपक (d) वृद्धि विरोधाभास

Ans. (b) : आर्थिक वृद्धि पर किसी देश की सर्वाधिक बाध्यकारी बाधाओं की पहचान करने के लिए निर्णय मुक्त ढाँचे को वृद्धि नैदानिक कहा जाता है।

72. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

अभिकथन (A) : जीर्ण निर्धनता भारत की मुख्य समस्या है।

तर्क (R) : ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के कारण भारत में कम विकास हुआ।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नही है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (b) : जीर्ण निर्धनता भारत की मुख्य समस्या है। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के कारण भारत में कम विकास हुआ है।

73. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) रेखीय फलन	(i) $y = 3x^2 + 2x + 9$
(B) द्विघाती फलन	(ii) $y = 5x^3$
(C) घातांकी फलन	(iii) $y = 3e^{2x}$
(D) पावर फलन	(iv) $y = 5x + 3$

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(ii)
(b) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(c) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)
(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (a) : (A) रेखीय फलन — (iv) $y = 5x + 3$
(B) द्विघाती फलन — (i) $y = 3x^2 + 2x + 9$
(C) घातांकी फलन — (iii) $y = 3e^{2x}$
(D) पावर फलन — (ii) $y = 5x^3$

74. बाजार में असममीतिय सूचना की उपस्थिति से निम्नलिखित होता है-

(A) नकारात्मक चयन
(B) संसाधनों के एक अतिरिक्त इकाई के सीमान्त लाभ में कमी आती है जैसे-जैसे संसाधनों की इकाई बढ़ाई जाती है।
(C) अक्षमता मजदूरी
(D) प्रधान- अभिकर्ता समस्या

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल (A), (B) और (D)
(b) केवल (B), (C) और (D)
(c) केवल (A) और (D)
(d) केवल (A) और (C)

Ans. (c) : बाजार की विफलता के चार मुख्य प्रकार या कारण हैं-

(1) एकाधिकार या बाजार की शक्ति के दुरुपयोग की अन्य स्थितियाँ जहाँ एक एकल क्रेता या विक्रेता कीमतों या उत्पादन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते है।
(2) बाह्यता उन स्थितियों में उत्पन्न होती है जहाँ बाजार बाहरी व्यक्तियों के ऊपर एक आर्थिक गतिविधि पर ध्यान नहीं देती बाह्यता सकारात्मक और नकारात्मक होती है।
(3) सार्वजनिक वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं जिनमें अपवर्जनीयता और गैर प्रतिस्पर्धात्मकता का गुण होता है, जैस- राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक परिवहन, संघीय राजमार्ग आदि।
(4) ऐसे मामले जहाँ एक असममितिय जानकारी या अनिश्चितता होती हैं, जानकारी सम्बन्धी असममितिय तब होती है जब लेन-देन के एक पक्ष के पास अन्य पक्ष की अपेक्षा बेहतर जानकारी होती है।

75. रैखिक प्रोग्रामन निर्भेद के रूप में निम्नलिखित में से कौन सा वैध आब्जेक्टिव फलन है?

(a) Max $Z = 5x^2y$
(b) Max $Z = 3x + 2y + 8xy$
(c) Min $Z = 2x^2 + 3y^2$
(d) Min $Z = 5x + 2y$

Ans. (d) : रैखिक प्रोग्राम निर्भेद के रूप में Min $Z = 5x + 2y$ वैध आब्जेक्टिव फलन है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

76. बैंकिंग में सलाभ सिक्का ढ़लाई का अभिप्राय है:

(A) किसी दी गई अर्थव्यवस्था के अंदर मुद्रा उपलब्ध करवाने की आर्थिक लागत

(B) मुद्रा के अंकित मूल्य और इसको उपलब्ध करवाने की लागत के बीच का अन्तर

(C) ए टी एम चलाने के शामिल लागत

(D) एक अर्थव्यवस्था में डेविट/क्रेडिट कार्ड्स बनाने की लागत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल (A) और (C) (b) केवल (B) और (C)

(c) केवल (B) और (D) (d) केवल (A) और (B)

Ans. (d) : बैंकिंग में सलाभ सिक्का ढ़लाई का अभिप्राय है- किसी दी गयी अर्थव्यवस्था के अंदर मुद्रा उपलब्ध करवाने की आर्थिक लागत तथा मुद्रा के अंकित मूल्य और इसको उपलब्ध करवाने की लागत के बीच का अन्तर है।

77. निम्नलिखित में से कौन आई एम एफ का उद्देश्य नहीं है?

(a) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना

(b) संतुलित अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय सुनिश्चित करना

(c) विनिमय दर की स्थिरता सुनिश्चित करना

(d) निजी क्षेत्रों को ऋण प्रदान करना

Ans. (d) : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना जुलाई 1944 में हो चुकी थी तथापि इसके अनुच्छेदों का प्रवर्तन 27 दिसम्बर, 1945 को हुआ। IMF के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं-

(i) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना

(ii) संतुलित अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय सुनिश्चित करना

(iii) विनिमय दर की स्थिरता सुनिश्चित करना

(iv) अंतर्राष्ट्रीय भुगतान में आने वाले संकट का निपटारा तथा उनकी अवधि में कमी लाना।

78. व्यवसाय की परिवहन लागत प्रभावित करती है:

(A) व्यवसाय के पैटर्न को

(B) व्यवसाय करने योग्य और व्यवसाय नहीं करने योग्य सामानों के बीच सीमा को

(C) वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को

(D) व्यवसाय नहीं करने योग्य सामानों की सीमा को

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल (A) और (B)

(b) केवल (A), (B) और (C)

(c) (A), (B), (C) और (D)

(d) केवल D

Ans. (b) : व्यवसाय की परिवहन लागत निम्न को प्रभावित करती है-

(i) व्यवसाय के पैटर्न को

(ii) व्यवसाय करने योग्य और व्यवसाय नही करने योग्य सामानों के बीच सीमा को।

(iii) वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को।

79. ''आर्थिक दृष्टि से कर निर्धारण प्रणाली वह है जिसमें उत्कृष्ट या न्यूनतम बुरे आर्थिक प्रभाव हों।''

(a) मसग्रेव (b) मार्शल

(c) हग डाल्टन (d) पिगो

Ans. (c) : हग डाल्टन

80. आरेख में दिए गए आय खपत वक्र के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सही है, A बिन्दु के पश्चात

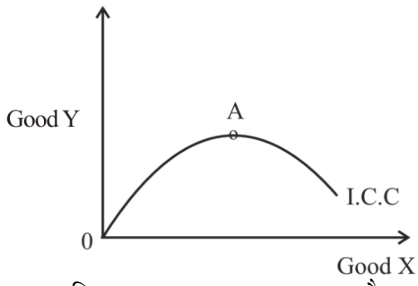

(a) वस्तु X घटिया तथा वस्तु Y सामान्य वस्तु है

(b) वस्तु Y घटिया तथा वस्तु X सामान्य है

(c) वस्तु X और वस्तु Y सामान्य वस्तु है

(d) वस्तु X और वस्तु Y घटिया वस्तुएं हैं

Ans. (b) : वस्तुयें दो प्रकार की होती है सामान्य वस्तुयें तथा निकृष्ट कोटि की वस्तुये निकृष्ट कोटि की वस्तु भी दो प्रकार की होती हैं-

(क) कम निकृष्ट (ख) अति निकृष्ट या गिफेन वस्तु।

यदि कोई उपभोक्ता आय के बढ़ने पर किसी वस्तु की अधिक मात्रा क्रय करता है तो वह वस्तु उपभोक्ता की दृष्टि से सामान्य वस्तु कही जायेगी। पर यदि आय बढ़ने पर वह किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करे तो वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जायेगी। आय उपभोग वक्र का ढाल यह प्रदर्शित करता है कि वस्तु सामान्य है या निकृष्ट कोटि की।

81. चैक बाऊंसिग के लिए एनआई अधिनियम के अंतर्गत लगाया जानेवाला अधिकतम दण्ड क्या है?

(a) 6 माह (b) 1 वर्ष

(c) 2 वर्ष (d) 5 वर्ष

Ans. (c) : अगर चेक जारी करने वाला पैसा देने से इनकार कर देता है, है या लीगल नोटिस का जबाब नहीं देता है, तो निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 की धारा 138 के तहत सिविल कोर्ट में केस फाइल होती हैं, इसके तहत आरोपी को 2 साल की सजा और जुर्माना दोनों हो सकता है।

82. स्थिति $E(X_t) = \mu$ तथा $Cov(X_t, X_{t-k}) = Y_{(k)}$ में समय श्रृंखला (टाइम सीरिज) निम्नलिखित में से क्या कहलाता है।

(a) नियमबद्ध रूप से स्थिर (स्ट्रिक्टली स्टेशनरी)

(b) अ स्थिर (नॉन स्टेशनरी)

(c) क्षीण रूप से स्थिर (वीकली स्टेशनरी)

(d) अपरिभाषित

Ans. (c) : स्थिति $E(X_t) = \mu$ तथा $Cov(X_t, X_{t-k}) = Y_{(K)}$ में समय श्रृंखला (टाइम सीरिज) क्षीण रूप से स्थिर (वीकली स्टेशनरी) कहलाता है।

83. मेट्रो सवारी की माँग की तिरछी लोच 0.8 है और प्रतिदिन कुल सवारी 1.5 लाख है। यदि बस सवारी की कीमत 5% बढ़ती है, तो मेट्रो की कुल सवारी में कितना अंतर आएगा-

(a) 4000 (b) 5000

(c) 6000 (d) 7500

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : वस्तु x की वस्तु y के लिए प्रतिलोच

$$= \frac{\text{वस्तु x की मांग मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{वस्तु y का कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

मांग की तिरछी लोच = 0.8

कीमत परिवर्तन = 5%

मांग = 150000

$$Exy = \frac{\%\Delta Qx}{\%\Delta Py}$$

$$0.8 = \frac{\%\Delta Qx}{5} \Rightarrow \%\Delta Qx = 4$$

$$\frac{\Delta Q \times 100}{Q} = 4 \Rightarrow \frac{\Delta Q \times 100}{150000} = 4$$

$\Delta Q = 4 \times 1500$

$\Delta Q = 6000$

84. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत	(i) हैक्सचर-ओहलिन
(B) कारक अनुपात व्यापार का सिद्धांत	(ii) मार्शल
(C) अर्पण वक्र	(iii) एडम स्मिथ
(D) अवसर लागत	(iv) हबर्लर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)
(c) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(ii)
(d) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)

Ans. (b) :
(A) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत निरपेक्ष लाभ (iii) एडम स्मिथ
(B) कारक अनुपात व्यापार का सिद्धांत (i) हैक्सचर-ओहलिन
(C) अर्पण वक्र (ii) मार्शल
(D) अवसर लागत (iv) हबर्लर

85. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत हैं-

(a) भारत में भूमि की सीमान्त जोत (1 हेक्टेयर से कम) का क्षेत्र 67% है।
(b) भारत में भूमि की वृहत जोत (10 हेक्टेयर अथवा उससे अधिक) का क्षेत्र 10% है।
(c) ग्रामीण क्षेत्र में भूमि आय का मुख्य स्रोत है।
(d) जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि के कारण जोत का औसत आकार छोटा है।

Ans. (b) : अक्टूबर 2018 में सरकार द्वारा नवीनतम (10वीं) कृषि जनगणना 2015-16 को जारी किया गया। प्रत्येक 5 वर्षो पर होने वाली इस जनगणना के प्रमुख अंश निम्न प्रकार हैं- देश में 86.2 प्रतिशत किसान छोटे एवं सीमांत किसान हैं (2 हेक्टेयर से कम स्वामित्व), जिसके स्वामित्व में सिर्फ 47.3 प्रतिशत कृषित भूमि है। वहीं मझोले एवं अर्द्ध-मझोले किसानों (2 से 10 हेक्टेयर भू-स्वामित्व) की मात्रा सिर्फ 13.2 प्रतिशत है लेकिन इनके स्वामित्व में देश कृषित भूमि का 43.6 प्रतिशत है। देश में 10 हेक्टेयर या इससे अधिक जोत वाले किसानों की मात्रा 0.57 प्रतिशत है तथा इनके पास सकल परिचालित कृषित क्षेत्र का मात्र 9.04 प्रतिशत का ही स्वामित्व है।

86. वर्तमान कीमतों के सन्दर्भ में व्यक्त GDP को कहा जाता है-

(a) वास्तविक GDP
(b) निवल घरेलू उत्पाद (NDP)
(c) प्राधिकृत (नोमिनल) GDP
(d) सकल राष्ट्रीय उत्पाद

Ans. (c) : जब GDP की वर्तमान कीमतों के आधार पर गणना की जाती है तो उसे वर्तमान कीमतें या मुद्रा रूप GDP या प्राधिकृत (नोमिनल) GDP कहते हैं। दूसरी ओर जब GDP की गणना एक दिये हुए वर्ष में कीमतों के आधार पर की जाती है तो उसे स्थिर कीमतों पर GDP या वास्तविक GDP कहते है।
सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) एक वर्ष में चालू उत्पादन से अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह का बाजार मूल्य पर कुल माप है जिसमे विदेशों से प्राप्त शुद्ध आय शामिल होती है।

87. अभिकथन (A): अवमूल्यन की सफलता के लिए मार्शल लर्नर शर्त को पूरा किया जाना चाहिए।
कारण (R): अवमूल्यन से निर्यात महंगा तथा आयात सस्ता होता है।

(a) A तथा R दोनों सत्य हैं R, A की सही व्याख्या है।
(b) A तथा R दोनों सत्य है, R, A की सही व्याख्या है।
(c) A सत्य है तथा R गलत है।
(d) A असत्य हैं तथा R सत्य है।

Ans. (c) : अवमूल्यन की सफलता के लिए मार्शल-लर्नर शर्त को पूरा किया जाना चाहिए। अवमूल्यन से निर्यात सस्ता तथा आयात महंगा होता है। अवमूल्यन का भुगतान असंतुलन पर अनुकूल प्रभाव तभी पड़ता है। जब निर्यात एवं आयात की मांग की लोच इकाई से अधिक हो। अवमूल्यन का भुगतान शेष पर अनुकूल प्रभाव तभी पड़ेगा यदि अवमूल्यन के पश्चात् देश के अंदर कीमत स्तर स्थिर रहता है।

88. उत्पादन कार्य के लिए $Q = AL^{\alpha} K^{\beta}$ हो तो सही विकल्प है-

A. गुणांक A प्रबन्धकीय क्षमता दर्शाता है
B. यदि $\alpha + \beta > 1$ है, तो उत्पादन प्रकार्य प्रमाप हेतु वृद्धिकारी प्रतिफलों को प्रदर्शित करता है।
C. K के लिए एल (L) के तकनीकि प्रतिस्थापन की सीमान्त दर $\frac{\beta K}{\alpha L}$ द्वारा दिया जाता है
D. पूंजी का सीमांतक उत्पाद द्वारा $\beta \frac{Q}{K}$ द्वारा

(a) केवल A, B और C (b) केवल A, C और D
(c) केवल A, B और D (d) A, B, C और D

Ans. (c) : कॉब-डगलस उत्पादन फलन $Q = AL^{\alpha} K^{\beta}$ जहाँ गुणांक A प्रबंधकीय क्षमता दर्शाता है यदि $\alpha + \beta > 1$ है तो उत्पादन प्रकार्य हेतु वृद्धिकारी प्रतिफलों को प्रदर्शित करता है और यदि $\alpha + \beta < 1$ है तो उत्पादन प्रकार्य हेतु ह्रासमान प्रतिफलों को प्रदर्शित करता है तथा यदि $\alpha + \beta = 1$ है तो उत्पादन प्रकार्य हेतु स्थिर प्रतिफल को प्रदर्शित करता है।

89. श्वेत क्रांति किस के उत्पादन में वृद्धि से संबंधित है?

(a) चावल (b) दूध
(c) अंडे (d) शहद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : श्वेत क्रांति दूध के उत्पादन में वृद्धि से सम्बन्धित है। विश्व में दूध उत्पादन में भारत का स्थान पहला है तथा दूसरा स्थान यू.एस.ए. का है। दूध के उत्पादन में जो क्रांतिकारी वृद्धि आयी उसके सम्बन्ध में दो कार्यक्रमों का उल्लेख आवश्यक है। 1964-65 में देश में शुरू किया गया सघन पशु विकास आवश्यक है। 1964-65 में देश में शुरू किया गया सघन पशु विकास कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत सबसे पहले श्वेत क्रान्ति लाने के लिए पशु पालकों को पशु पालन के सुधरे तरीकों का पैकेज, उन्नत नस्ल की गाय तथा भैंसे प्रदान की गयी तथा कृत्रिम गर्भाधान के तरीके विकसित किये गये। दूसरा आपरेशन फ्लड आरम्भ किया गया। आपरेशन फ्लड या श्वेत क्रान्ति के भारत में जनक वर्गीज कुरियन हैं। यह कार्यक्रम विश्व का सबसे बड़ा तथा व्यापक समन्वित डेयरी विकास कार्यक्रम है।

90. निम्नलिखित में से कौन से तरीके (Form) को सरकारी ऋण कहा जाता है?

(a) राजकोष से आहरण करना
(b) मुद्रा का मुद्रण करना
(c) सार्वजनिक गैर बैंक से उधार लेना
(d) बैंककारी व्यवस्था से उधार लेना

Ans. (c) : जब सरकार सार्वजनिक व्यय तथा सार्वजनिक आय के बीच के अन्तर को लोगों से उधार लेकर ऋण के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करती है तो उसे सार्वजनिक ऋण कहते हैं।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

इस बात के पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है कि कुछ उपभोक्ता हरित पदार्थ के लिए अधिक भुगतान करने के लिए तैयार है। हरित पदार्थ वे पदार्थ है जिसका उत्पादन पर्यावरण हितैषी विधि (यथा धारणीय वन से उत्पन्न लकडियां पवन ऊर्जा से निर्मित बिजली) से होता है और इसका उपभोक्ता पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ता है। इन्हें विशुद्ध सार्वजनिक वस्तुएं- निजी तथा सार्वजनिक वस्तु का पैकेज- कहा जाता है।

इन वस्तुओं के लिए उपभोक्ता अधिक भुगतान करने के लिए क्यों तैयार है, यहा एक जटिल विषय है। कारण कुछ भी हो, पर यह स्पष्ट है कि कुछ उपभोक्ता उन हरित पदार्थो के लिए अधिक भुगतान करना चाहते है जिनसे उनका प्रत्यक्ष लाभ नहीं है।

हरित पदार्थ का एक उदाहरण है हरित विद्युत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विद्युत का निर्माण ही हरित विद्युत है। सचमुच, गैर- हरित विद्युत से निर्मित विद्युत का पूर्णतः उद्योगीकरण किया जा सकता है चाहे इसे सीधे खरीद कर अथवा हरित विद्युत क्षमता का निर्माण लागत में योगदान देकर।

स्पष्टतः उपभोक्ता हितैषी (हरित) विद्युत के लिए अधिक खर्च करना चाहेंगे और उसकी हरित उत्पादों के लिए प्राथमिकता हालिया खुदरा कार्बन ऑफसेटों की लोकप्रियता में वृद्धि के माध्यम से प्रदर्शित होती है। उत्सर्जक ऑफसेटों का उपयोग कंपनियों द्वारा उत्सर्जनको कम करने संबंधी बाध्यता के साथ इसे बेचा और खरीदा जाता रहा है। यू.एस.ए. में किसी शहरी क्षेत्र में नए उत्सर्जको को व्यवसाय की स्थापना करने में अपने उत्सर्जन अधिकताओं को ऑफसेट करना पड़ा, जिसे मौजूदा कंपनियों को ढूंढकर (भुगतान करके) उनके उत्सर्जनों को कम करना पड़ा। हाल ही में, कंपनियों ने प्रभावी रूप से ऑफसेटों (अतिभार का भुगतान) का उपयोग अपने उत्सर्जनों के बचाव हेतु किया है ताकि विशेषतः कार्बन उत्सर्जन के मामले में वे एक हरित छवि बना सकें।

उपभोक्ताओं द्वारा ऑफसेटों की खरीद अलग होती है जब उपभोक्ता ऑफसेट खरीदते है वे शुद्ध रूप से पर्यावरण के लिए स्वैच्छिक अंशदान करते हैं। खुदरा (रिटेल) ऑफसेट एक ऐसा तरीका है जिसमें उपभोक्ता भूरे (ब्राउन उत्पाद से हरित उत्पाद का उत्पादन करते हैं। उदाहरण के तौरपर कोई व्यक्ति अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए किसी और को भुगतान करके अपने फ्लाइट कार्बन न्यूटूल (उदासीन) बना सकता है। इसे ऑफसेट बाजार में औपचारिक रूप दिया गया है जिसमें ऑफसेटों के विक्रेता उत्सर्जन को कम करते है और तब इन अवकारकों (रिडक्शन्स) को बेचते हैं।

91. हरित विद्युत से आशय है -

(a) नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों से विद्युत का उत्पादन
(b) थर्मल प्लांट (वाष्प संयंत्र) से विद्युत उत्पादन
(c) गैस पावर प्लांट से विद्युत उत्पादन
(d) जल शक्ति (हाइड्रो पावर) से विद्युत उत्पादन

Ans. (a) : नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों से विद्युत का उत्पादन का निर्माण ही हरित विद्युत है। गैर-हरित विद्युत से निर्मित विद्युत का पूर्णतः उद्योगीकरण किया जा सकता है चाहे इसे खरीद कर अथवा हरित विद्युत क्षमता की निर्माण लागत में योगदान देकर।

92. उपभोक्ता किसी भूरे (ब्राउन) उत्पादन से हरित उत्पाद का निर्माण किस प्रकार कर सकता है?

(a) एकाधिकार (b) रिटेल ऑफसेट
(c) कीमत विभेद (d) राजकोषीय घाटा

Ans. (b) : जब उपभोक्ता ऑफसेट खरीदते हैं वे शुद्ध रूप से पर्यावरण के लिए स्वैच्छिक अंशदान करते है। खुदरा (रिटेल) ऑफसेट एक ऐसा तरीका है जिसमें उपभोक्ता भूरे (ब्राउन) उत्पादन से हरित उत्पाद का उत्पादन करते हैं।

93. कार्बन उत्सर्जन के ऑफसेट का उपयोग किस लिए किया जाता है?

(a) कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए
(b) हरित छवि प्रदान करने के लिए
(c) कार्बन उत्सर्जन बढ़ाने के लिए
(d) उपभोक्ता की पसंद को पूरी करने के लिए

Ans. (c) : कार्बन उत्सर्जन के ऑफसेट का उपयोग कार्बन उत्सर्जन बढ़ाने के लिए किया जाता है। उत्सर्जक ऑफसेटों का उपयोग कंपनियों द्वारा उत्सर्जन को कम करने संबंधी बाध्यता के साथ इसे बेचा और खरीदा जाता रहा है।

94. हरित वस्तु का एक उदाहरण है-

(A) सफेद कागज (white paper)
(B) वायु शक्ति (wind power)
(C) वन्य उत्पाद (forest products)
(D) सौर ऊर्जा (Solar energy)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिये:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (d) : हरित पदार्थ वे पदार्थ हैं जिनका उत्पादन पर्यावरण हितैषी विधि (यथा धारणीय वन से उत्पन्न लकड़ियां, पवन ऊर्जा से निर्मित बिजली) से प्राप्त होता है इसका उपभोक्ता पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ता है। इन्हें विशुद्ध सार्वजनिक वस्तुएं निजी तथा सार्वजनिक वस्तु का पैकेज कहा जाता है। वायु शक्ति तथा सौर ऊर्जा हरित वस्तु के उदाहरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

95. अशुद्ध सार्वजनिक वस्तुएं हैं-

(a) निजी वस्तु
(b) सार्वजनिक वस्तु
(c) सार्वजनिक तथा निजी वस्तु का
(d) समाज के लिए हानिकारक वस्तु

Ans. (c) : अशुद्ध सार्वजनिक वस्तुएं सार्वजनिक तथा निजी वस्तु का पैकेज हैं।

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े और प्रश्नों के उत्तर दें:

लोक वित्त का उद्देश्य समष्टि - अर्थव्यवस्था की स्थिरता को सुनिश्चित करना, वितरण की वांछित स्थिति को प्राप्त करना और वृद्धि तथा विकास की गति को तेज करने के लिए जन सुविधाओं का प्रावधान करना है। राजकोषीय नीति के समष्टि तथा व्यष्टि अर्थव्यवस्था नामक दो पहलू हैं। इसके अतिरिक्त, इन उद्देश्यों में जन सेवाओं के लिए प्रावधान करने हेतु संसाधनों का आबंटन शामिल है। इसका महत्वपूर्ण बिंदु है, सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा संपत्ति के अधिकार की संरक्षा करना जो मूलभूत जनकल्याण के पहलू है और इसे केवल सरकार द्वारा ही प्रदान किया जा सकता है। सरकारों के पास आय का संवितरण तथा गरीबी के उन्मूलन का कार्य है। भारी अवनति के पश्चात तथा कीनेजियन अर्थव्यवस्था से प्रभावित होकर लोक व्यय को केंद्रीय भूमिका सौंपी गई थी। इस प्रकार, लोक वित्त की भूमिका को राज्य की भूमिका के साथ अविमोचनीय रूप से सहबद्ध किया गया है। सरकारों ने मात्र सुरक्षा, संरक्षा तथा संपत्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करके बाह्य कारकों के साथ अनेक जन सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी गतिविधियों के दायरे को बढ़ाया है। इस प्रकार का विस्तार काफी चर्चा का विषय बन गया है। मसग्रेव मानते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र का विस्तार एक आवश्यक एवं रचनात्मक विकास का पहलू रहा है और मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र, पूंजीवादी बाजार के साथ-साथ आवश्यक हो गया है। इसके विपरीत, बुचैनन यह दावा करते हैं कि, विवाद तब उत्पन्न होता है जब राज्य संरक्षात्मक राज्य की सीमा-क्षेत्र से आगे उत्पादक अथवा कर-अंतरण करने वाले राज्य के रूप में अपना विस्तार करता है।

भारत में, लोक वित्तीय नीति के माध्यम से राज्य के हस्तक्षेप को लोगों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनकी संपत्ति के अधिकारों की रक्षा करने के अतिरिक्त बेहद महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना है। इनमें बड़ी सामाजिक और भौतिक अवसंरचना हानि को दूर करने की आवश्यकता, अदृश्य और अपूर्ण बाजारों को उपचार उपलब्ध कराना, भारी असमानताओं और गरीबी को दूर करने के लिए उपाय शुरू करना तथा सूचना संबंधी असममितीय व्यवस्था के लिए उपचार का प्रावधान करना शामिल है। इस प्रकार, हस्तक्षेप की आवश्यकता कृषि क्षेत्र में बाजार विकास, सिंचाई, भंडारण तथा सहायता मूल्य जैसी बाह्य सुविधाएं प्रदान करने में भी है, ताकि बाजार की कमियों और आपूर्ति संबंधी अस्थिरता से निपटा जा सके। इसी प्रकार विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्रों में अक्संरचना के प्रतिस्पर्धी स्तरों के माध्यम से सामान्यीकृत बाह्यताएँ सुनिश्चित की जाती है। भारत जैसे देश में लोक वित्त की नीतियों ने सरकार को अर्थव्यवस्था के पूर्ण विकास के क्षेत्र में उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम बनता है। इसके अतिरिक्त, बाद के वर्षो में, सरकार से मिलने वाली सहायता राशि में काफी वृद्धि देखी गयी है जैसे कि रोजगार गारंटी और खाद्य सुरक्षा, राष्ट्रीय आवासन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आवधिक ऋण मोचन आदि।

96. अर्थव्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप के बाह्य घटकों को किन मदों के रूप में पाया जा सकता है-

(A) बाजार विकास
(B) मुद्रा आपूर्ति
(C) कृषि क्षेत्र में भंडारण एवं सहायता मूल्य
(D) सिंचाई

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल A, C और D (b) केवल A, B और D
(c) केवल A, B और C (d) केवल A और D

Ans. (a) : अर्थव्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप के बाह्य घटकों बाजार विकास, सिंचाई, कृषि क्षेत्र में भंडारण एवं सहायता मूल्य जैसे मदों के रूप में पाया जा सकता है।

97. निम्नलिखित में से कौन सरकारी सहायता (राशि के) अंतरण की श्रेणी में नहीं आता है?

(a) राष्ट्रीय आवासन (b) स्वच्छ भारत अभियान
(c) आवधिक ऋण मोचन (d) शिक्षा

Ans. (d) : शिक्षा सरकारी सहायता (राशि के) अंतरण की श्रेणी में नहीं आता, जबकि रोजगार गारंटी और खाद्य सुरक्षा, राष्ट्रीय आवासन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मा निधि योजा सरकारी सहायता अंतरण की श्रेणी में आता है।

98. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है-

A. सार्वजनिक क्षेत्र का विस्तार एक आवश्यक तथा रचनात्मक विकास है और मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र, पूँजीवादी बाजार के साथ-साथ आवश्यक है।
B. राज्य को काफी बड़ी भूमिका अपनाने के अनेक कारण है।
C. भारत में लोक वित्तीय नीति के मध्यम से राज्य को हस्तक्षेप द्वारा काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।
D. केनिजीयन अर्थव्यवस्था में उल्लेख है कि राज्य को पूर्ण नियोजन सुनिश्चित करना है।

(a) A तथा B (b) A, B तथा C
(c) A तथा C (d) A, B, C, D

Ans. (c) : सार्वजनिक क्षेत्र का विस्तार एक आवश्यक तथा रचनात्मक विकास है और मजबूत सर्वजनिक क्षेत्र, पूँजीवादी बाजार के साथ-साथ आवश्यक है। भारत में लोक वित्तीय नीति के माध्यम से राज्य को हस्तक्षेप द्वारा काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

99. यह कथन कि ''विवाद तब उत्पन्न होता है जब राज्य संरक्षात्मक राज्य की अपनी सीमा से आगे जाकर उत्पादक अथवा कर- अंतरण करने वाले राज्य के रूप में अपना विस्तार करता है।'' किसका है -

(a) मसग्रेव (b) केन्ज
(c) डॉल्टन (d) बुचैनन

Ans. (d) : बुचैनन

100. निम्नलिखित में से लोक वित्त के उद्देश्यों में से कौन सही नही है :

(a) समष्टि अर्थव्यवस्था में स्थायित्व सुनिश्चित करना।
(b) भुगतान के विपरीत संतुलन में कमी सुनिश्चित करना।
(c) वृद्धि एवं विकास की गति तेज करना।
(d) संवितरण की वांछित स्थिति प्राप्त करना।

Ans. (b) : लोकवित्त के उद्देश्य हैं- समष्टि अर्थव्यवस्था की स्थिरता को सुनिश्चित करना, वितरण की वांछित स्थिति को प्राप्त करना और वृद्धि तथा विकास की गति को तेज करने के लिए जन सुविधाओं का प्रावधान करना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिस. 2020/जून 2021

अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

[परीक्षा तिथि : 24.11.2021

Read the following passage and answer the question based on it :/निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

The study titled, "Monetary Policy Transparency and Anchoring of Inflation Expectation in India" constructs an index of monetary policy transparency for India and examines the role of transparency in anchoring inflation expectations. Empirical results show that the degree of policy transparency has indeed increased substantially since the adoption of Flexible Inflation Targeting (FIT) in 2016. Further, empirical evidence suggests that inflation expectations of professional forecasters and households were anchored, in weak-form, in the post-FIT period, though households' expectations did not necessarily lie within the inflation tolerance band. During the transition period (between the self-imposed disinflationary glide-path since 2014 and adoption of the FIT) both realized inflation and expectations followed a declining path, which resulted in a positive association between them. During the pre-transition period, when explicit inflation target was absent. expectations were also reasonably anchored, albeit, at a higher level.

''मानिटरी पालिसी ट्रांसपेरेंसी एंड एंकरिंग ऑफ इनफ्लेशन एक्सपेक्टेशंस इन इंडिया'' शीर्षक अध्ययन में भारत के लिए मौद्रिक नीति पारदर्शिता का एक सूचकांक बनाया गया है और मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के स्थिरीकरण में पारदर्शिता की भूमिका की जांच की गई है। आनुभविक परिणाम दर्शाते हैं कि 2016 में नम्य मुद्रास्फीति लक्ष्य (एफआईटी) को स्वीकार किए जाने के बाद से नीति पारदर्शिता के अंश में वास्तव में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। आगे, आनुभविक साक्ष्य इंगित करता है कि पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों और परिवारों की मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं एफआईटी के बाद की अवधि में कमजोर रूप में स्थिर थी। यद्यपि परिवारों की प्रत्याशाएं अनिवार्य रूप में मुद्रास्फीति सह्य सीमा के भीतर नहीं थी। संक्रमण काल [2014 में स्वारोपित अवस्फीतिकारी बहाव (ग्लाइड) मार्ग और एफआईटी को स्वीकार किए जाने के बाद] के दौरान वास्तविक मुद्रास्फीति व प्रत्याशाएं दोनों अवरोही मार्ग पर चली जिसकी परिणति इनके बीच एक सकारात्मक संबंध में हुई। संक्रमण पूर्व की अवधि के दौरान जब सुस्पष्ट मुद्रास्फीति लक्ष्य अनुपस्थित था, प्रत्याशाएं भी, बेशक उच्चतर स्तर पर ही सही, समुचित रूप से स्थिर थी।

1. Inflation expectations of which group was empirically tested?
निम्नलिखित में से किस समूह की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं का आनुभविक परीक्षण किया गया?

(a) Both of professional forecasters and Households
पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों और परिवारों दोनों का

(b) Neither of professional forecasters nor Households/न पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों का और न ही परिवारों का

(c) Only of Households/केवल परिवारों का

(d) Only of professional forecasters
केवल पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों का

Ans. (a) : पुर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों और परिवारों की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं का आनुभविक परीक्षण किया गया है।

2. What has empirical evidence shown?
निम्नलिखित में से क्या आनुभविक साहृय दर्शाया गया है?

(a) Actual inflation turned out to be high
वास्तविक मुद्रास्फीति उच्च रही है।

(b) Degree of policy transparency declined
नीति पारदर्शिता के अंश में गिरावट आई है।

(c) Degree of policy transparency increased but after coming into force of FIT.
नीति पारदर्शिता के अंश में वृद्धि हुई है, परन्तु एक आई टी के लागू होने के बाद से।

(d) Degree of policy transparency increased
नीति पारदर्शिता के अंश में वृद्धि हुई है।

Ans. (c) : आनुभविक साह्य दर्शाया गया है कि नीति पारदर्शिता के अंश में वृद्धि हुई है परन्तु एफ आई टी के लागू होने के बाद से।

3. Which time span has been described as the transition period of monetary policy?
निम्नलिखित में से किस कालावधि को मौद्रिक नीति का संक्रमण काल कहा गया है:

(a) 2000-2014 (b) 2008-2014
(c) 2014-2016 (d) 2016-2020

Ans. (c) : 2014-2016 की कालावधि को मौद्रिक नीति का संक्रमण काल कहा गया है।

4. What happened to the anchoring of inflation expectations?
मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के स्थिरीकरण (एंकरिंग) का क्या हुआ?

(a) Inflation expectations anchored in a strong from/मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं सशक्त रूप में स्थिर हुई।

(b) Inflation expectations anchored in a weak-form in the post FIT/एफ आई टी के बाद की अवधि में मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं कमजोर रुप में स्थिर हुई।

(c) There was a negative association between realised and expected inflation/अनुभव की गई व प्रत्याशिक मुद्रास्फीति में ऋणात्मक संबंध था।

(d) There was no association between realised and expected inflation/वास्तविक और प्रत्याशित मुद्रास्फीति में कोई संबंध नहीं था।

Ans. (b) : पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरो और परिवारो की मुद्रास्फीति प्रत्याशाएँ एफ आई टी के बाद की अवधि में कमजोर रूप में स्थिर हुई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. Which of the following index has been constructed?
निम्नलिखित में से कौन सा सूचकांक बनाया गया है?

(a) Index monetary policy transparency for India
भारत के लिए मौद्रिक नीति पारदर्शिता सूचकांक
(b) Index of inflation expectations
मुद्रास्फीति प्रत्याशा सूचकांक
(c) Index of monetary policy/मौद्रिक नीति सूचकांक
(d) Index of transparency/पारदर्शिता सूचकांक

Ans. (a) : ''मानिटरी पालिसी ट्रांसपेरेसी एण्ड एंकरिंग ऑफ इनफ्लेशन एक्सपेक्टेशंस इन इंडिया'' शीर्षक अध्ययन में भारत के लिए मौद्रिक नीति पारदर्शिता का एक सूचकांक बनाया गया है।

Read the given passage and answer the questions that follow :/निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

One argument of protection that stands up to close economic scrutiny is the infant-industry argument. It holds that a nation may have a potential comparative advantage in a commodity, but because of lack of knowledge and the initial small level of output, the industry cannot successfully compete with more established foreign firms. The infant- industry argument for protection is correct but requires several important qualifications. First, such an argument is more justified for developing nations, where capital markets may not function properly.

Second, as experience has shown that protection, once given, is difficult to remove. Third, what trade protection in the form of import tariff can do an equivalent production subsidy to the infant industry can do better. The reason is that a purely domestic distortion such as this should be overcome with a purely domestic policy such as direct production subsidy to the infant industry. A production subsidy is also a more direct form of aid and it is easier to remove than an import tariff.

A better policy would be to provide a direct subsidy to the industry. Similarly, a direct tax would also be better than a tariff to discourage activities that give rise to external diseconomies because the tax does not distort relative prices and consumption.

संरक्षण का एक तर्क जो आर्थिक सूक्ष्मपरीक्षण का डटकर सामना करता है वह है शिशु उद्योग वाला तर्क। इसका मानना है कि किसी राष्ट्र के पास किसी वस्तु में सम्भाव्य तुलनात्मक श्रेष्ठता हो सकती है, परन्तु ज्ञान के अभाव में और उत्पाद की प्रारम्भिक कम मात्रा कई चलते वह उद्योग सुव्यवस्थित विदेशी प्रतिष्ठानों का सफलतापूर्वक मुकाबला नहीं कर पाता है। संरक्षण के लिए शिशु-उद्योग वाला तर्क सही है परन्तु इसमें कई महत्वपूर्ण शर्तों की आवश्यकता है।

पहला, ऐसा तर्क विकासशील राष्ट्रों के लिए अधिक कार्य न करते हों। दूसरा, अनुभव यह दिखा चुका है कि यदि एक बार संरक्षण दे दिया गया तो उसे हटाना कठिन होता है। तीसरा, जो व्यापार संरक्षण आयात शुल्क के रूप में दिया जा सकता है उससे बेहतर संरक्षण शिशु उद्योग को समतुल्य उत्पादन राज-सहायता देकर दिया जा सकता है। इसका कारण यह है कि इस प्रकार के विशुद्ध घरेलू निरूपण को शिशु उद्योग की प्रत्यक्ष उत्पादन राज- सहायता जैसी विशुद्ध घरेलू नीति से ही दूर करना चाहिए। साथ ही उत्पादन राज- सहायता का अधिक प्रत्यक्ष रूप है और इसे आयात शुल्क की तुलना में अधिक आसानी से हटाया जा सकता है। बेहतर नीति वह होगी कि उद्योग को प्रत्यक्ष राज- सहायता दी जाए। उसी प्रकार बाह्य अलामों को जन्म देनेवाले क्रियाकलापों को हतोत्साहित करने के लिए शुल्क से बेहतर प्रत्यक्ष कर होगा क्योंकि यह कर सापेक्ष मूल्यों और उपभोग का निरुपण नहीं करता है।

6. Developing countries are characterised by:
विकासशील देशों की विशिष्टता होती है:

(a) Absemce of both money markets and capital markets/मुद्रा बाजारों और पूँजी बाजारों दोनों की अनुपस्थिति
(b) Absence of capital markets
पूँजी बाजारों की अनुपस्थिति
(c) Improper functioning of money markets
मुद्रा बाजारों का ठीक से कार्य न करना
(d) Improper functioning of the capital markets
पूँजी बाजारों का ठीक से कार्य न करना

Ans. (d) : पूँजी बाजारों का ठीक से कार्य न करना विकासशील देशों की विशिष्टता होती है।

7. Which of the following is a direct aid to domestic industry?/निम्नलिखित में से कौन-सी घरेलू उद्योगों की प्रत्यक्ष सहायता है?

(a) Import controls/आयात नियंत्रण
(b) Import quota/आयात कोटा
(c) Patent rights/पेटेंट के अधिकार
(d) Production subsidy/उत्पादन राज- सहायता

Ans. (d) : उत्पादन राज-सहायता घरेलू उद्योगों की प्रत्यक्ष सहायता है।

8. Which is the most appropriate instrument of trade protection?
व्यापार संरक्षण का सबसे उपयुक्त साधन कौन-सा है?

(a) Export tariff/निर्यात शुल्क
(b) Import tariff/आयात शुल्क
(c) Non-tariff barriers/गैर-शुल्क प्रतिबन्ध
(d) Production subsidy/उत्पादन राज- सहायता

Ans. (d) : व्यापार संरक्षण का सबसे उपयुक्त साधन उत्पादन राज - सहायता है।

9. The obstacles for an industry to compete with more established foreign firms are due to:
सुस्थापित विदेशी प्रतिष्ठानों से मुकाबला करने में किसी उद्योग को किस कारण से बाधाएं आती हैं?

(a) Lack of flexibility/लचीलेपन का अभाव
(b) Lack of human resources/मानव संसाधनों का अभाव
(c) Lack of know-how and initial small level of output/ज्ञान का अभाव और उत्पाद की प्रारंभिक कम मात्रा
(d) Lack of markets/बाजारों का अभाव

Ans. (c) : सुस्थापित विदेशी प्रतिष्ठानों से मुकाबला करने में किसी उद्योग को ज्ञान का अभाव और उत्पाद की प्रारम्भिक कम मात्रा के कारण से बाधाएँ आती हैं।

10. Which of the following is effective in preventing external diseconomies?/निम्नलिखित में से कौन-सा बाह्य अलाभों को रोकने में प्रभावी होता है?

(a) A direct tax/प्रत्यक्ष कर
(b) Production subsidies/उत्पादन राज- सहायता
(c) Tariff/शुल्क
(d) Trade policies/व्यापार नीतियां

Ans. (a) : बाह्य अलाभों को रोकने में प्रत्यक्ष कर प्रभावी होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

11. Which of the following measures would result in an increase in the money supply in the economy?/निम्नलिखित में से किन उपायों के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होगी?

A. Purchase of government securities from the public by Central Bank/केन्द्रीय बैंक द्वारा जनसाधारण से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद

B. Deposit of currency in Commercial Banks by the public/जनसाधारण द्वारा वाणिज्यिक बैंकों में मुद्रा जमा करना

C. Borrowing by the government from the Central Bank/सरकार द्वारा केंद्रीय बैंक से ऋण लेना

D. Sale of government securities to the public by the Central Bank/केंद्रीय बैंक द्वारा जनसाधारण को सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री

E. Minting of more money by the Central Bank for circulation/केंद्रीय बैंक द्वारा परिचालन के लिए अधिक मुद्रा ढलाई/मुद्रण

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, C and E only/केवल A, C और E
(c) B, C and D only/केवल B, C और D
(d) B, D and E only/केवल B, D आर E

Ans. (b) : निम्नलिखित उपायों के फलस्वरूप अर्थव्यस्था में मद्रा आपूर्ति में वृद्धि होगी –
(i) केन्द्रीय बैंक द्वारा जनसाधारण से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद
(ii) सरकार द्वारा केन्द्रीय बैंक से ऋण लेना
(iii) केन्द्रीय बैंक द्वारा परिचालन के लिए अधिक मुद्रा ढलाई/मुद्रण

12. In the classical linear regression model, X_i and U_i are assumed to be:
क्लासिकीय रेखीय समाश्रयण मॉडल में X_i और U_i के बारे में कल्पना की जाती है कि वे:

(a) highly correlated/अत्यधिक सहसंबद्ध हैं
(b) negatively correlated
नकारात्मक रुप से सहसंबद्ध हैं
(c) not correlated/सहसंबद्ध नहीं हैं
(d) positively correlated
सकारात्मक रुप से सहसंबद्ध हैं

Ans. (c) : Classical linear regression Model
$Yi = \beta_1 + \beta_2 X_i + U_i$ में X_i और U_i आपस में सहसम्बन्धित नहीं होते है। linear regerssion Model में (U_i) चर जोड़ने के पश्चात् प्रत्येक व्याख्येय चर का विशेष मान आश्रित चर का मात्र एक ही मूल्य उत्पन्न नहीं करता वरन् उसके कई मूल्यों का सृजन करता है। इन सभी मूल्यों (U_i) पद प्रतिबिम्बित करता है और इन्ही मूल्यों से (U_i) चर के बंटन की उत्पत्ति होती है (U_i) चर आश्रित चर (Y_i) के बण्टन को भी सृजित करता है।

13. Which of the following conditions hold true for factor pricing when factor market is perfectly competitive and product market is monopolistic?
निम्नलिखित में से कौन-सी स्थितियाँ उपादान कीमत निर्धारण के लिए सत्य हैं यदि उपादान बाजार पूर्णतया प्रतिस्पर्धी है और उत्पादन बाजार एकाधिकारिक है?

A. VMP > MRP
B. Both VMP and MRP decreasing/ VMP और MRP दोनों कम हो रहे हैं
C. VMP < MRP
D. $MRP_L = W$

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (b) : साधन बाजार पूर्ण प्रतियोगी तथा उत्पाद बाजार या वस्तु बाजार एकाधिकारिक है तो एक पूर्ण प्रतियोगी साधन बाजार में साधन सेवा के लिए फर्म की कीमत दी हुई होती है जो साधन की फर्म द्वारा खरीदी जाने वाली इकाइयों को प्रभावित नहीं करती जिस कारण साधन का पूर्ति वक्र या लागत वक्र X – अक्ष के समानान्तर होता है अर्थात् AFC = MFC । परन्तु वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता या एकाधिकार होने के कारण MRP वक्र सीमान्त उत्पाद के मूल्य (VMP) वक्र के नीचे स्थित होगा। वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता या एकाधिकार होने पर सीमान्त आगम (MR) वस्तु की कीमत (AR) से कम होता है इसलिए सीमान्त आगम उत्पाद (MRP) सीमान्त उत्पाद के मूल्य (VMP) से कम होगा MRP < VMP क्योंकि MR < P (अपूर्ण प्रतियोगिता में AR तथा MR वक्र दोनो ही नीचे की ओर ढालू होते हैं)।

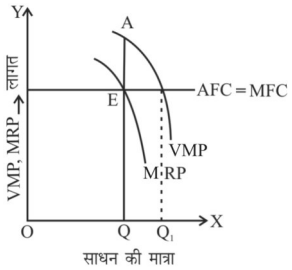

14. Match List –I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-I
A. Canons of Taxation कराधान के सिद्धांत	I. U. K. Hicks यू. के. हिक्स
B. Canons of Public Expenditure/सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत	II. Adam Smith एडम स्मिथ
C. Effective Incidence of Tax/कर का प्रभावी आपत्य	III. Findlay Shirras फिंडले शिरास
D. Benefit received approach of Public Expenditure/सार्वजनिक व्यय से प्राप्त लाभ का दृष्टिकोण	IV. Erik Lindahl एरिक लिंडाल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-I, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (b) : सही सुमेलित सूची

	सूची-I		सूची-II
A.	कराधान के सिद्धान्त	II.	एडम स्मिथ
B.	सार्वजनिक व्यय के सिद्धान्त	III.	फिंडले शिराज
C.	कर का प्रभावी आपत्य	I.	यू.के.हिक्स
D.	सार्वजनिक व्यय से प्राप्त लाभ का दृष्टिकोण	IV.	एरिक लिंडाल

15. The incidence of which of the following will entirely be on the monopolist?
निम्नलिखित में से कौन सा एकाधिकारवादी पर पूरी तरह आपतित होगा:

(a) Lump-sum tax/एकमुश्त कर
(b) None of these/इनमें से कोई नहीं
(c) Regulated monopoly pricing
विनियमित एकाधिकार मूल्यन
(d) Specific tax/विशिष्ट कर

Ans. (a) : एकमुश्त कर एकाधिकारवादी पर पूरी तरह आपतित होगा। एकमुश्त कर लगाकर सरकार एकाधिकारी लाभों को वस्तु के उत्पादन अथवा कीमत प्रभावित किये बिना कम या समाप्त कर सकती है। एकाधिकारी फर्म पर लगायी गयी एकमुश्त राशि कर को चित्र द्वारा दिखाया गया है जहाँ कर लगने से पहले AC तथा MC औसत लागत तथा सीमान्त लागत वक्र हैं। एकाधिकारी MP कीमत पर OM उत्पादन बेचकर सामान्य से बहुत अधिक लाभ APRT कमाता है। वास्तव में एकमुश्त कर का लगाया जाना एकाधिकारी फर्म के लिए एक स्थिर लागत है। क्योंकि इसका उत्पादन की मात्रा से कोई सम्बन्ध नहीं है। इसलिए इससे कर की मात्रा TC के बराबर औसत लागत बढ़ जाती है और AC वक्र ऊपर को सरक कर AC_1 बन जाता है। परन्तु सीमान्त लागत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इसप्रकार एकमुश्त कर लगने का प्रभाव यह होता है कि एकाधिकारी लाभ APRT से घटकर APBC हो जाता है। कर का सारा बोझ एकाधिकारी को स्वंय उठाना पड़ेगा।

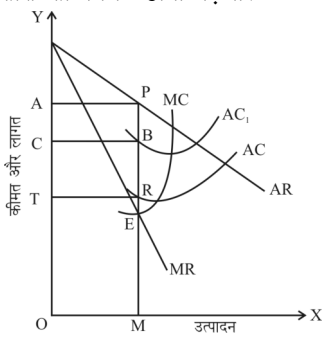

16. Which of the following is/ are true?
निम्नलिखित में से कौन-कौन सही है?

A. Ministry of Environment and Forests in India was established in 1985/भारत में पर्यावरण व वन मंत्रालय की स्थापना 1985 में हुई थी।
B. Central Pollution Control Board was established in 1984/केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्थापना 1984 में हुई थी।
C. Environment Protection Act was enacted in 1990/पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1990 में आरम्भ हुआ था।
D. National Environment Appellate Authority Act was passed in 1977/राष्ट्रीय पर्यावरण अपीली प्राधिकरण अधिनियम 1977 में पारित हुआ था।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and D only/केवल A और D
(b) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(c) B only/केवल B
(d) C only/केवल C

Ans. (a) : भारत में पर्यावरण व वन मंत्रालय की स्थापना 1985 में हुई थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्थापना 22 सितम्बर 1974 में हुई थी। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 में आरम्भ हुआ था तथा राष्ट्रीय पर्यावरण अपीली प्राधिकरण अधिनियम 1977 में पारित हुआ था।
नोट–NTA ने इसे प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

17. Identify which one of the following statements is INCORRECT?
निम्नलिखित में से गलत कथन की पहचान कीजिए:

(a) If $X \cap Y = \phi$, then $X - Y \neq X$
(b) $X - Y = X \cap \overline{Y}$
(c) Complement of a Universal set is a null set/समष्टीय समुच्चय का पूरक रिक्त समुच्चय है
(d) Intersection of two disjoint sets is a null set
दो असंयुक्त समुच्चयों का तर्कगुणनफल रिक्त समुच्चय है

Ans. (a) : सही कथन निम्नलिखित है –
(i) $X - Y = X \cap \overline{Y}$
(ii) समष्टिय समुच्चय का पूरक रिक्त
(iii) दो असंयुक्त समुच्चयों का तर्कगुणनफल रिक्त समुच्चय है
जबकि $X \cap Y = \phi$ Then $X - Y \neq X$ कथन गलत है।

18. At present, for the estimation of GDP in India at constant prices, which one of the following years is used as the base year?
वर्तमान में भारत में जी डी पी के स्थिर कीमतों पर आकलन के लिए किस निम्नलिखित वर्ष को आधार वर्ष के रुप में प्रयोग किया जाता है?

(a) 2000-01 (b) 2010-11
(c) 2011-12 (d) 2014-15

Ans. (c) : वर्तमान में भारत में जी.डी.पी. के स्थिर कीमतों पर आकलन के लिए 2011-12 वर्ष को आधार वर्ष के रूप में प्रयोग किया जाता है। राष्ट्रीय आय की गणना के लिए वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) की अवधि ली जाती है। वित्त मंत्रालय चालू मूल्य पर व्यक्त GDP (मौद्रिक जी.डी.पी.) अनुमानों को प्रयोग में लाता है। वित्त मंत्रालय जी.डी.पी. के सम्बन्ध में आने वाले दो वर्षों के लिये अपने प्रक्षेपण करता है जिसके आधार पर वह राजकोषीय लक्ष्य निर्धारित करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. Inequalities in income are measured by which of the following?/निम्नलिखित में किसके द्वारा आय में असमानताओं को मापा जाता है?

A. Lorenz Ratio/लॉरेंज अनुपात
B. Theil's Index/थेइल्स सूचकांक
C. Palma Ratio/पाल्मा अनुपात
D. Deprivation Ratio/वंचन अनुपात

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and D only/केवल A और D
(c) A only/केवल A
(d) A, B and C only/ केवल A, B और C

Ans. (d) : आय में असमानताओं को मापने के लिए निम्न सूचकांको का प्रयोग किया जाता है – लॉरेंज अनुपात – लारेन्ज वक्र को 1905 में मैक्सओ लारेन्ज ने विकसित किया लारेन्ज वक्र का प्रत्येक बिन्दु उन परिस्थितियों या व्यक्तियों को प्रदर्शित करते हैं जो एक निश्चित आय के प्रतिशत के नीचे है। थेइल्स सूचकांक – थेइल्स सूचकांक मुख्य रूप से आर्थिक असमानता और अन्य आर्थिक तथ्य हालांकि यह भी नस्लीय अलगाव को मापने के लिए प्रयोग किया जाता है। पाल्मा अनुपात – पाल्मा अनुपात को सकल राष्ट्रीय आय में सबसे अमीर 10% आबादी के हिस्से के अनुपात के रूप में परिभाषित किया गया है जो सबसे गरीब 40% के हिस्से से विभाजित है। यह चिली के अर्थशास्त्री गेब्रियल पाल्मा के कार्य पर आधारित है।

20. Which of the following statements are CORRECT in regard to FDI in India in FY 2020?/निम्नलिखित में से कौन- से कथन वित्तीय वर्ष 2019-2020 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के संबंध में सही हैं?

A. Share of services sector is highest
सेवा क्षेत्र का हिस्सा अधिकतम है।
B. Share of infrastructure activities is highest
आधारिक संरचना क्रियाकलापों की हिस्सा अधिकतम है।
C. Share of computer hardware and software is in the second position/कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हिस्सा द्वितीय स्थान पर है।
D. Share of telecommunications is highest
दूरसंचार का हिस्सा अधिकतम है।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a)A and C only/केवल A और C
(b) B and C only/केवल B और C
(c) B only/केवल B
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (a) : वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का सेवा क्षेत्र में हिस्सा अधिकतम् था तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हिस्सा द्वितीय स्थान पर था।
वर्ष 2020-21 में भारत ने 81.97 बिलियन अमेरिकी डॉलर FDI अंतर्वाह प्राप्त हुआ। वर्ष 2021-22 के पहले छमाही में 43.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर का FDI अंतर्वाह प्राप्त हुआ। वर्ष 2021-22 के पहली छमाही के दौरान सेवा क्षेत्र को 16.73 बिलियन अमेरिकी डॉलर का FDI इक्विटी अंतर्वाह प्राप्त हुआ। वर्ष 2020-21 के पहली छमाही में कंप्यूटर सॉफटवेयर तथा हार्डवेयर उपक्षेत्र में FDI इक्विटी अंतर्वाह 17.55 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

21. The independence of real variables from changes in money supply and nominal variables is called:/मुद्रा आपूर्ति और नामिक चरों में परिवर्तन से वास्तविक चरों की स्वतंत्रता को निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है?

(a) Classical dichotomy/क्लासिकीय द्विविभाजन
(b) Keynesian dichotomy/कीन्सवादी, द्विविभाजन
(c) Money illusion/मौद्रिक भ्रम
(d) Money multiplier/मौद्रिक गुणक

Ans. (a) : मुद्रा आपूर्ति और नामिक चरों में परिवर्तन से वास्तविक चरों की स्वतन्त्रता को क्लासिकीय द्वि-विभाजन कहा जाता है। द्वि-विभाजन का अर्थ है कि सापेक्ष कीमत स्तर को वस्तुओं की मांग तथा पूर्ति निर्धारित करती है और निरपेक्ष कीमत स्तर को मुद्रा की मांग तथा पूर्ति निर्धारित करती है। समरूपता सिद्धांत की भाँति इस मान्यता का भी यह अर्थ निकलता है कि अर्थव्यवस्था के मौद्रिक क्षेत्र पर कीमत स्तर का बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ता और आगे मौद्रिक कीमतों के स्तर का अर्थव्यवस्था के वास्तविक क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

22. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में:

Assertion A: A lumpsum tax imposed on a monopolist cannot be shifted to the consumers.
Reason R: The lumpsum tax becomes a part of his fixed cost and it does not affect the marginal cost of production.
अभिकथन (A): एकाधिकारवादी पर आरोपित एकमुश्त कर को उपभोक्तओं पर अंतरित नहीं किया जा सकता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
कारण (R) : एकमुश्त कर उसकी निर्धारित लागत का हिस्सा हो सकता है और यह उत्पादन की सीमांत लागत को प्रभावित करता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:/उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A is correct but R is not correct
A सही है परन्तु R सही नहीं है।
(b) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है परन्तु R सही है।
(c) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(d) Both A and R are correct but R is NOT the correct explanation of A/और R दोनों सही हैं परन्तु की सही व्याख्या नहीं है।

Ans. (c) : एकाधिकारवादी पर आरोपित एकमुश्त कर को उपभोक्ताओं पर अंतरित नहीं किया जा सकता। क्योंकि एक मुश्त कर उसकी निर्धारित लागत का हिस्सा हो सकता है और यह उत्पादन की सीमांत लागत को प्रभावित करता है। अतः कथन A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

23. Arrange the following United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) conferences in chronological order
जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संघ फ्रेमवर्क कंवेशन (यू एन एफ सी सी सी) निम्नलिखित सम्मेलनों को कालक्रमनुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. Copenhagen Conference/कोपेनहेगेन सम्मेलन
B. Doha Conference/दोहा सम्मेलन
C. Paris Conference/पेरिस सम्मेलन
D. Katowice Conference/काटोवाइस सम्मेलन

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D (b) B, C, D, A
(c) C, D, B, A (d) D, C, B, A

Ans. (a) : जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संघ फ्रेमवर्क कंवेशन (यू.एन.एफ.सी.सी.) सम्मेलनों का व्यवस्थित कालक्रम निम्न है –
(A) कोपेन हेगेन सम्मेलन 7 दिसम्बर 2009 से 18 दिसम्बर 2009 के बीच UNFCCC के तत्वावधान में COP-15 कोपने हेगेन (डेनमार्क) में हुआ।
(B) दोहा सम्मेलन 26 नवम्बर से 8 दिसम्बर 2012
(C) पेरिस सम्मेलन दिसम्बर 2015
(D) काटोवाइस सम्मेलन 2018

24. Human Development Index (HDI) currently, as published by the UNDP is calculated by using which of the following?
यू एन डी पी द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक (एच डी आई) की वर्तमान में निम्नलिखित में से किसके उपयोग द्वारा गणना की जाती है?

(a) Arithmetic Mean/अंकगणितीय माध्य
(b) Geometric Mean/ज्यामितीय माध्य
(c) Harmonic Mean/हरात्मक माध्य
(d) Quadratic Mean/द्विविघातीय माध्य

Ans. (b) : यू.एन.डी.पी. द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक (एच.डी.आई.) की वर्तमान में ज्यामितीय माध्य द्वारा गणना की जाती है।

$$HDI = (I_{Life}) \times I_{Edu} \times I_{GNI})^{1/3}$$
$$= 3\sqrt{I_{Life} \times I_{Edu} \times I_{GNI}}$$

ज्यामितीय माध्य के प्रयोग के कारण अधिकतम मूल्य सापेक्षिक मूल्य को नहीं प्रभावित करते। HDI का अधिकतम मूल्य 1 के बराबर होता है तथा इसका मूल्य 0 – 1 के बीच होता है। 1990 में यूनाइटेड नेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम (UNDP) से जुड़े अर्थशास्त्री महबूब उल हक तथा उनके अन्य सहयोगी अर्थशास्त्री प्रमुखतया ए.के. सेन तथा सिंगर हंस ने मानव विकास सूचकांक (HDI) विकसित किया।

25. Arrange the following Committees of poverty estimation in chronological order:
निर्धनता आकलन की निम्नलिखित समितियों को कालक्रमानुसार लगाएं :

A. Alagh Committee/अलघ समिति
B. Lakdawala Committee/लकड़ावाला समिति
C. Tendulker Committee/तेंदुलकर समिति
D. Rangarajan Committee/रंगराजन समिति

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D (b) A, C, B, D
(c) B, A, C, D (d) B, C, A, D

Ans. (a) : निर्धनता आकलन की समितियों का सही कालक्रम निम्न है-
(A) अलघ समिति (1979)
(B) लकड़ावाला समिति (1993)
(C) तेंदुलकर समिति (2009)
(D) रंगराजन समिति (2014)

26. The items on the capital account of Balance of Payments are:
भुगतान संतुलन में पूँजी खाते की मदें हैं:

(a) Both Stock and Flow Variables
दोनों स्टॉक और प्रवाह चर
(b) Changes in stock magnitudes
स्टॉक परिमाण में बदलाव
(c) Flow variables/प्रवाह चर
(d) Stock variables/स्टॉक चर

Ans. (c) : भुगतान संतुलन में पूँजी खाते की मदें प्रवाह चर है। पूँजी खाता पूँजी का वित्तीय प्रवाह प्रदर्शित करता है। इसके अर्न्तगत स्वर्ण सहित अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक अन्तर्राष्ट्रीय पूँजीगत हस्तान्तरण सम्मिलित होते है। इसके अर्न्तगत सम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए कोषों के हस्तान्तरण सम्बन्धित सभी भुगतानों सभी ऋणों तथा सभी विनियोगों को सम्मिलित किया जाता है।

27. Match List –I with List-II
सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-	List-II/सूची-II
A. Menu cost मेन्यू लागत	I. Monetary Policy मौद्रिक नीति
B. Quantitative Easing मात्रात्मक सुगमता	II. Inflation मुद्रास्फीति
C. Pump Priming of Tax/सार्वजनिक अतिव्यय	III. Phillips curve फिलिप्स वक्र
D. Trade-off between inflation and unemployment मुद्रास्फीति व बेरोजगारी	IV. Fiscal policy राजकोषीय नीति

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-I, C-IV, D-III
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

Ans. (b) : सही सुमेलित सूची

सूची-I		सूची-II	
A.	मेन्यू लागत	II.	मुद्रास्फीति
B.	मात्रात्मक सुगमता	I.	मौद्रिक नीति
C.	सार्वजनिक अतिव्यय	IV.	राजकोषीय नीति
D.	मुद्रास्फीति व बेरोजगारी	III.	फिलिप्स वक्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. Which of the following measures are used by a risk-averse person to minimize risk?
जोखिम से बचने वाले व्यक्ति द्वारा जोखिम को न्यूनतम करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-से उपाय किये जाते हैं:

A. Diversification of resources
संसाधनों का वैविध्यकरण
B. Insurance of risk event/जोखिम घटना की बीमा
C. Total cost of resources/संसाधनों की कुल लागत
D. Value of information of risk event
जोखिम घटना की जानकारी का मूल्य

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (b) : जोखिम से बचने वाले व्यक्ति द्वारा जोखिम को न्यूनतम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जाते हैं–
(i) संसाधनों का वैविध्यकरण
(ii) जोखिम घटना की बीमा
(iii) जोखिम घटना की जानकारी का मूल्य

29. Which of the following are relevant conditions assumed by the Factor Price Equalization theorem?/साधन कीमत समता सिद्धांत द्वारा किन संगत दशाओं को माना जाता है?

A. The countries are characterized by different factor endowments/वे देश जो विभिन्न साधन इंडाऊमेंट्स की विशेषता वाले हैं।
B. The industries are characterized by different production functions/वे देश जो विभिन्न उत्पादन प्रकार्यों की विशेषता वाले हैं।
C. The industries are characterized by different factor intensities/वे उद्योग जो विभिन्न साधन तीव्रता की विशेषता वाले हैं।
D. Each country will export the commodity which uses its abundant factor/प्रत्येक देश वस्तुओं का निर्यात करेगा जो इसके प्रचुर साधन का उपयोग करते हैं।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (c) : साधन कीमत समता सिद्धान्त द्वारा निम्नलिखित संगत दशाओं को माना जाता है–
(i) वे देश जो विभिन्न साधन इंडाऊमेंट की विशेषता वाले है।
(ii) वे उद्योग जो विभिन्न साधन तीव्रता की विशेषता वाले हैं।
(iii) प्रत्येक देश वस्तुओं का निर्यात करेगा जो इसके प्रचुर साधन का उपयोग करते हैं।
(iv) दोनों देशों में प्रत्येक वस्तु का तकनीकी उत्पादन फलन समान है।
(v) परिवहन लागते नहीं है।

30. Match List –I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Supply side of International Trade अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्ति पक्ष	I. David Ricardo डेविड़ रिकार्डो
B. Demand side of International Trade अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का मांग	II. Bastable and Alftred Marshall बास्टेबल और अल्फर्ड
C. Opportunity cost of International Trade/ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत	III. G. Haberler जी. हबर्लर
D. Real cost theory of International Trade अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का वास्तविक लागत सिद्धांत	IV. Alfred Marshall and Edgeqworth अल्फर्ड मार्शल और एजवर्थ

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-IV, C-II, D-III
(b) A-I, B-IV, C-III, D-II
(c) A-IV, B-I, C-II, D-III
(d) A-IV, B-I, C-III, D-II

Ans. (b) : सही सुमेलित सूची

	सूची-I		सूची-II
A.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्तिपक्ष	I.	डेविड रिकार्डो
B.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का मांग	IV.	अल्फ्रेड मार्शल और एजवर्थ
C.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत	III.	जी.हैबरलर
D.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की वास्तविक लागत सिद्धान्त	II.	बैस्टेबल और अल्फ्रेड मार्शल

31. The efficiency condition in the production of pure public good requires that the production be carried out up to point when:
विशुद्ध सार्वजनिक वस्तु के उत्पादन में दक्षता स्थिति के लिए यह अपेक्षित है कि उत्पादन उस बिन्दु तक जारी रखा जाए जब:

{where MBi represents marginal Benefit of the 'ith' individual and MBj represents Marginal Benefits that accrue to the 'jth' individual and MC is the marginal cost}
जहां MBi, (i) व्यक्ति के सीमांत लाभ को दर्शाता है, और MBj सीमांत लाभ जो (j) 'व्यक्ति तक संचित होता है को दर्शाता है, और MC सीमांत लागत है।

(a) $MB_i + \sum_{j=1}^{n-1} MB_j > MC$

(b) $MB_i + \sum_{j=1}^{n-1} MB_j < MC$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) $MB_i + \sum_{j=1}^{n-1} MB_j > MC$

(d) $MB_i + \sum_{j=1}^{n-1} MB_j = MC$

Ans. (d) : विशुद्ध सार्वजनिक वस्तु के उत्पादन में दक्षता स्थिति के लिए यह अपेक्षित है कि उत्पादन उस बिन्दु तक जारी रखा जाए जब

$$MBi + \sum_{i=1}^{n-1} MBj = MC$$

जहाँ MBi (i) व्यक्ति के सीमान्त लाभ को दर्शाता है, और MBj सीमान्त लाभ जो (j) व्यक्ति तक संचित होता है को दर्शाता है। और MC सीमान्त लागत है।

32. The Net Barter terms of trade refer to:
व्यापार की शुद्ध वस्तु विनिमय दर बतलाती है-

(a) The excess of import expenditures over export earnings/निर्यात उपार्जनों पर आयात व्ययों का आधिक्य

(b) The ratio between export prices and import prices/निर्यात कीमतों और आयात कीमतों के बीच का अनुपात

(c) The terms and conditions on which a country is offered a loan in the event of balance of payments difficulties/निबंधन और शर्तें जिस पर एक देश को भुगतान संतुलन की कठिनाइयों की स्थिति में ऋण देने का प्रस्ताव किया गया है।

(d) Trade agreements/व्यापार समझौते

Ans. (b) : व्यापार की शुद्ध वस्तु विनिमय दर किसी देश की निर्यात वस्तुओं तथा आयात वस्तुओं की कीमतों का अनुपात होती हैं जिसे इस प्रकार भी व्यक्त किया जा सकता है –

$$T_C = \frac{P_x}{P_m}$$

जहाँ T_c व्यापार की वस्तु-विनिमय शर्तों को P कीमत को x निर्यात और m आयात को व्यक्त करता है। किसी अवधि में व्यापार की वस्तु-विनिमय शर्तों में हुए परिवर्तनों को मापने के लिए आयात कीमतों में परिवर्तन से निर्यात कीमतों में परिवर्तन का अनुपात लिया जाता है तो व्यापार की वस्तु-विनिमय शर्तों का

सूत्र $T_c = \frac{P_{x1}/P_{m1}}{P_{x0}/P_{m0}}$ जहाँ 0 और 1 आधार तथा अन्तिम अवधियों का संकेत है।

33. Arrange the following in chronological order in which they were introduced:
निम्नलिखित को उनके प्रचलन में आने के कालक्रमानुसार लगाएं:

A. SDGs/एस डी जी
(b) MPI/एम पी आई
(c) PQLI/पी क्यू एल आई
(d) HDI/एच डी आई

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) C, B, A, D (b) C, D, B, A
(c) D, C, A, B (d) D, C, B, A

Ans. (b) : सही कालक्रम निम्न है –
(C) पी.क्यू. एल. आई (1976)
(D) एच.डी.आई. (1990)
(B) एम.पी.आई. (2010)
(A) एस.डी.जी. (2015)

34. In the context of investments, which of the following statement(s) is/are CORRECT?
निवेश के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौन से सही है/हैं?

A. According to the accelerator model, investment demand is proportional to change in income/त्वरक मॉडल के अनुसार निवेश मांग आय में परिवर्तन के समानुपाती है।

B. The higher the real interest rate, the higher is the rental cost of capital/जितना ही वास्तविक ब्याज दर अधिक होगी उतना ही पूंजी की किराया लागत अधिक होगी।

C. Investment is a stock variable
निवेश एक स्टॉक चर है।

D. The real rate of interest is equal to the nominal rate of interest plus the inflation rate/ब्याज की वास्तविक दर ब्याज की अधिक दर और मुद्रास्फीति दर के समान होगी। योग के बराबर होगी।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and D only/केवल A और D
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (a) : किसी समयावधि या वित्तीय वर्ष में अर्थव्यवस्था की कुल पूँजी स्टॉक जैसे-मशीन, प्लान्ट, सड़क, अस्पताल आदि में होने वाली वृद्धि को निवेश या विनियोग कहते है। निवेश के सन्दर्भ में निम्न कथन सही है–

(i) त्वरक मॉडल के अनुसार निवेश मांग आय में परिवर्तन के समानुपाती है।
(ii) जितना ही वास्तविक ब्याज दर अधिक होगी उतना ही पूँजी की किराया लागत अधिक होगी।
(iii) निवेश का अर्थ है वस्तुओं के वर्तमान स्टॉक में वृद्धि करना।

35. Arrange the introduction of the following taxes in India in chronological order.
भारत में निम्नलिखित करों की शुरुआत को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

A. Service Tax/सेवाकर
B. Income Tax/आयकर
C. Banking Transaction Tax/बैंकिंग संव्यवहार कर
D. Gift Tax/उपहार कर
E. Goods and Services Tax/माल और सेवा कर

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, A, C, E, D (b) B, C, A, D, E
(c) B, D, A, C, E (d) D, B, A, C, E

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : भारत में करो की शुरूआत का सही कालक्रम निम्न है -
(B) आयकर (24 जुलाई 1860)
(D) उपहार कर (1958)
(A) सेवा कर (1994)
(C) बैंकिग संव्यवहार कर (2005)
(E) माल और सेवाकर (1 जुलाई 2017)

36. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: One of the assumptions under OLS method states that the regression model is linear in the parameters, though it may or may not be linear in the variables.
कथन I: ओ एल एस विधि के अंतर्गत एक पूर्वधारणा यह है कि समाश्रयण मॉडल पैरामीटर में रैखिक है यद्यपि चरों में यह रैखिक नहीं भी हो सकता है।

Statement II: The variance of the error, or disturbance, term is not the same regardless of the value of the explanatory variable under OLS.
कथन II : ओ एल एस के अंतर्गत स्पष्ट करने वाले चर का मूल्य कुछ भी हो, त्रुटि का प्रसरण अथवा विक्षोभ पद एक समान नहीं है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both statement I and statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both statement I and statement II are incorrect
कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (c) : ओ एल एस विधि के अंतर्गत एक पूर्वधारणा यह है कि समाश्रयण मॉडल पैरामीटर में रैखिक है यद्यपि चरों में यह रैखिक नहीं भी हो सकता है। कथन I सही है तथा कथन II गलत है।

37. Given: /प्रदत्त:

I = 50 + 0.2 Y
S = -150 + 0.4 Y
G = 50
Where I = Investment, S = Savings
जहां: I = निवेश: S = बचत
G = Government Expenditure
सरकारी व्यय
Y = National Income
राष्ट्रीय आय

What is the equilibrium level of national income?
राष्ट्रीय आय का संतुलन स्तर क्या है?

(a) 1250 (b) 1500
(c) 250 (d) 2500

Ans. (a) : राष्ट्रीय आय का संतुलन स्तर 1250 है।

38. A sudden shift from import tariffs to free trade may induce short-term unemployment in:
आयात प्रशुल्क से मुक्त व्यापार की ओर अचानक अंतरण लघुकालिक बेरोजगारी को किस ओर प्रेरित कर सकता है

(a) Import competing industries
आयात-प्रतिस्पर्धी उद्योगों
(b) Industries that are only exporters
उन उद्योगों में जो केवल निर्यातक हैं
(c) Industries that neither import or export/उन उद्योग में जो न तो आयात और न ही निर्यात करते हैं
(d) Industries that sell domestically as well as export/उन उद्योग में जो आन्तरिक स्तर और बाह्य स्तर पर विक्रय करते हैं

Ans. (a) : आयात प्रशुल्क से मुक्त व्यापार की ओर अचानक अंतरण लघुकालिक बेरोजगारी को आयात -प्रतिस्पर्धी उद्योग की ओर प्रेरित कर सकता है। प्रशुल्क वस्तुओं पर लगाया गया एक कर या शुल्क है जब वे राष्ट्रीय सीमा में प्रवेश करती है और उसे छोड़ती है। उस अर्थ में प्रशुल्क से अभिप्राय आयात शुल्क और निर्यात शुल्क से है। परन्तु व्यावहारिक उद्देश्य के लिए एक प्रशुल्क आयात शुल्क या सीमा शुल्क का पर्यायवाची है।

39. Which are the following correct features of matrices?/निम्नलिखित में से मैट्रिक्स के सही अभिलक्षण कौन से है?

A. An identity matrix is a square matrix
एक तादात्म्य मैट्रिक्स एक वर्ग मैट्रिक्स है।
B. An identity matrix when gets transposed remains an identity matrix/एक तादात्मय मैट्रिक्स पक्षान्तरण होने पर तादात्म्य मैट्रिक्स ही रहता है।
C. $(A, B)^T = A^T, B^T$ where A and B are matrices/$(A, B)^T = A^T, B^T$ जहां A और B मैट्रिक्स है।
D. $(A^{-1})^T = (A^T)^{-1}$ where A is matrix
जहां A एक मैट्रिक्स है।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and C only/केवल A और C
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and C only/केवल C और D

Ans. (a) : मैट्रिक्स के सही अभिलक्षण निम्न है–
(i) एक तादात्म्य मैट्रिक्स एक वर्ग मैट्रिक्स है।
(ii) एक तादात्म्य मैट्रिक्स पक्षान्तरण होने पर तादात्म्य मैट्रिक्स ही रहता है।

40. Arrange the following concepts of consumer behaviour in chronological order
उपभोक्ता व्यवहार की निम्नलिखित संकल्पनाओं को कालक्रमानुसार लगाएं:

A. Law of diminishing marginal utility
ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम
B. Law of demand/मांग का नियम
C. Revealed Preference Analysis
उद्घाटित वरीयता विश्लेषण
D. Indifference Curve Analysis
अनधिमान वक्र विश्लेषण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D (b) A, B, D, C
(c) B, A, C, D (d) B, A, D, C

Ans. (d) : उपभोक्ता व्यवहार की निम्नलिखित संकल्पनाओं का सही कालक्रम –
(B) मांग का नियम
(A) ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम
(D) अनधिमान वक्र
(C) उद्घाटित वरीयता विश्लेषण

41. Match List –I with List-II
सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Conserving the Environment for benefit of the future generation/आगे की पीढ़ी के उपयोग के लिए पर्यावरण का संरक्षण करना	I. Indirect use value अप्रत्यक्ष उपयोग मूल्य
B. Search of Alternative fuels is necessary because traditional sources are non-renewable वैकल्पिक ईंधन की आवश्यक है क्योंकि पारंपरिक स्रोत गैर नवीकरणीय स्रोत हैं	II. Option Value विकल्प मूल्य
C. Wood from the forest is useful as timber वनों से प्राप्त लकड़ी के रूप में उपयोगी होती है	III. Bequest Value वसीयत मूल्य
D. Insects are important as they help in pollination/कीट-पतगें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे परागण में मदद करते हैं	IV. Use Value/उपयोग मूल्य

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-I, D-III
(c) A-III, B-II, C-IV, D-I
(d) A-III, B-IV, C-II, D-I

Ans. (c) : सही सुमेलित सूची निम्न है –

	सूची-I		सूची-II
A.	आगे की पीढ़ी के उपयोग के लिए पर्यावरण का संरक्षण करना	III.	वसीयत मूल्य
B.	वैकल्पिक ईधन की खोज आवश्यक है क्योंकि पारंपरिक स्रोत गैर-नवीनीकरणीय स्रोत है	II.	विकल्प मूल्य
C.	वनों से प्राप्त लकड़ी इमारती लकड़ी के रूप में उपयोगी होती है	IV.	उपयोग मूल्य
D.	कीट-पतंगें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे परागण में मदद करते हैं	I.	अप्रत्यक्ष उपयोग मूल्य

42. Match List –I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Adam Smith एडम स्मिथ	I. Theory of Big Push बड़े धक्के का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ बिग पुश)
B. R. Rodan आर. रोडन	II. Traditional Society पारंपरिक समाज
C. W.W. Rostow डब्ल्यू. डब्ल्यू रोस्टोव	III. Reserve army of labour/श्रमिकों की आरक्षित सेना
D. Karl Marx कार्ल मार्क्स	IV. Division of labour श्रम विभाजन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-IV, C-III, D-II
(b) A-II, B-III, C-I, D-IV
(c) A-III, B-II, C-IV, D-I
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (d) : सही सुमेलित सूची निम्न है –

	सूची-I		सूची-II
A.	एडम स्मिथ	iv.	श्रम विभाजन
B.	आर. रोडान	i.	बड़े धक्के का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ बिग पुश)
C.	डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टोव	ii.	पारंपरिक समाज
D.	कार्ल मार्क्स	iii.	श्रमिकों की आरक्षित सेना

43. Which of the following are CORRECT?
निम्नलिखित में से कौन कथन सही है?

A. If observations are selected purposively, it is called a method of non-random sampling/यदि प्रेक्षणों का चयन सौद्देश्य है, तो इसे गैर यादृच्छिक प्रतिचयन के विधि कहा जाता है।

B. If observations are selected in an ad-hoc manner, it is called a method of non-random sampling/यदि प्रेक्षणों का चयन तदर्थ रूप में किया जाता है, तो इसे गैर- यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है।

C. If observations are selected in a systematic manner it is called a method of non- random sampling/यदि प्रेक्षणों का चयन सुव्यवस्थित रूप में किया जाता है, तो इसे गैर यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है।

D. If observations are selected on the basis of judgment, it is called a method of non-random sampling/यदि प्रेक्षणों का चयन निर्णय के आधार पर किया जाता है, तो इसे गैर-यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (b) : सही कथन निम्नलिखित है –
(i) यदि प्रेक्षणों का चयन सौद्देश्य है तो इसे गैर यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है।
(ii) यदि प्रेक्षणों का चयन तदर्थ रूप में किया जाता है तो इसे गैर-यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है।
(iii) यदि प्रेक्षणों का चयन निर्णय के आधार पर किया जाता है तो इसे गैर - यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है।

44. What is the CORRECT sequence of the following?/निम्न का सही क्रम क्या है?

A. Uruguay Round/उरग्वे दौर
B. Kennedy Round/केनेडी दौर
C. Doha Round/दोहा दौर
D. Geneva Round/जेनेवा दौर

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D (b) B, D, C, A
(c) C, A, B, D (d) D, B, A, C

Ans. (d) : निम्न का सही क्रम –
(D) जेनेवा दौर (1947) → (B) केनेडी दौर (1964) →
(A) उरूग्वे दौर (1986) → (C) दोहा दौर (2001)

45. In case of indifference curve of two goods X and Y, as consumption of X increases:
X और Y दो वस्तुओं के अनधिमान वक्र की स्थिति में, X का उपभोग बढ़ने के साथ;

(a) First MRSxy increases but later on MRSxy decreases/पहले MRSxy बढ़ता है परन्तु बाद में, MRSxy घटता है
(b) MRSxy increases/ MRSxy बढ़ता है
(c) MRSxy decreases/ MRSxy घटता है
(d) MRSxy remains the same
MRSxy एक समान रहता है

Ans. (c) : X और Y दो वस्तुओं के अनधिमान वक्र की स्थिति में X का उपभोग बढ़ने के साथ-साथ Y की जो मात्रा वह छोड़ने को तैयार है वह धीरे-धीरे घटती जाती है। उपभोक्ता के इस व्यवहार को स्थानापन्नता की घटती सीमान्त दर का नियम कहते हैं। X की Y के लिए स्थानापन्नता की सीमान्त दर (MRSxy) वास्तव में अनधिमान वक्र के किसी बिन्दु वक्र की ढलान होती है। इस प्रकार

$$MRS_{xy} = -\left(\frac{\Delta Y}{\Delta X}\right)$$

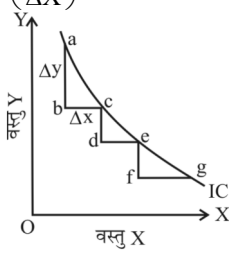

46. Which of the following functions will result in an investment multiplier of value 4?
निम्नलिखित फलनों में किसका परिणाम एक ऐसा निवेश गुणक होगा, जिसका मान 4 है:

A. C = 50 + .25 Y
B. C = 50 + .75 Y
C. S = –50 + .25 Y
D. I = 50 + .75 Y

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and C only/केवल A और C
(b) A and D only/केवल A और D
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (c) : c = 50 + .75Y
MPC = .75

$$\text{निवेश गुणक (K)} = \frac{1}{1-MPC} \Rightarrow \frac{1}{1-.75}$$

$$= \frac{1}{.25} = 4$$

S = – 50 + .25Y
MPS = .25

$$\text{निवेश गुणक (K)} = \frac{1}{MPS} \Rightarrow \frac{1}{.25} = 4$$

47. With reference to the programme 'NIDHI' which of the following statement(s) is/are CORRECT?
'निधि' (एन आई डी एच आई) कार्यक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

A. The programme of 'NIDHI' was started for students to begin startups/'निधि' कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए स्टार्ट -अप आरंभ करने के लिए चलाया गया।
B. Its aim is to financially support 200 students for startups each year/इसका उद्देश्य स्टार्ट- अप के लिए हर वर्ष 20 विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करता है।
C. Its aim is to financially support 200 students for startups each year/इसका उद्देश्य स्टार्ट- अप के लिए हर वर्ष 200 विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करता है।
D. Its aim is to financially support only students of backward classes to start up each year/इसका उद्देश्य स्टार्ट- अप के लिए हर वर्ष केवल पिछडे वर्गों के विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करता है।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C and D only/ केवल A, C और D
(b) A and B only/ केवल A और B
(c) A and D only/ केवल A और D
(d) C and D only/केवल C और D

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : 'निधि' (एन.आई.डी.एच.आई.) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ज्ञान आधारित नवाचारों और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित विचारों को फलदायी स्टार्ट-अप में विकसित करने के लिए शुरू किया गया एक छाता कार्यक्रम है। निधि आइडिया के चरण से लेकर मार्केटिंग चरण तक स्टार्टअप का समर्थन करती है। निधि कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए स्टार्ट-अप आरम्भ करने के लिए चलाया गया। इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप के लिए हर वर्ष 200 विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करता है।

48. Which of the following statements are relevant for Gender Budgeting?
लिंग आधारित बजटिंग (जेंडर बजटिंग) के लिए निम्नलिखित कथनों में से कौन संगत हैं?

A. Preparing a separate budget for women
महिलाओं के लिए पृथक बजट बनाना।

B. Gender budget is not practised by the Government of India/भारत सरकार द्वारा जेंडर बजट बनाने की परंपरा नहीं है।

C. Evaluating budgetary provisions with a gender perspective/लिंग (जेंडर) परिप्रेक्ष्य के साथ बजट के प्रावधानों का मूल्यांकन।

D. Gender budgeting is a tool for Gender Empowerment/लिंग (जेंडर) सशक्तीकरण के लिए जेंडर बजटिंग एक साधन के रूप में है।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and D only/केवल A और D
(b) A only/केवल A
(c) A, B, C and D/ A, B, C और D
(d) C and D only/ केवल C और D

Ans. (d) : लिंग आधारित बजटिंग (जेंडर बजटिंग) के लिए निम्नलिखित कथन संगत हैं। –
(i) लिंग (जेंडर) परिप्रेक्ष्य के साथ बजट के प्रावधानों का मूल्यांकन।
(ii) लिंग (जेंडर) सशक्तीकरण के लिए जेंडर बजटिंग एक साधन के रूप में।
(iii) जेंडर बजटिंग लिंग समानता को मुख्य धारा में लाने का एक शक्तिशाली उपकरण है।
(iv) यह सुनिश्चित करता है कि विकास का लाभ पुरूषों की तरह महिलाओं तक भी पहुँचे।
(v) यह इस मान्यता से उत्पन्न होता है कि राष्ट्रीय संसाधनों का वितरण महिलाओं को पुरूषों से अलग तरह से प्रभावित करता है।

49. The total population of city 'X' in 2011 was 28 lakhs and the total number of live births was 50 thousand. Find out crude birth rate per 1000 population
2011 में शहर 'X' की कुल जनसंख्या 28 लाख थी और कुल जीवित शिशुओं की संख्या 50 हजार थी। प्रत्येक हजार जनसंख्या पर अशोधित जन्मदर पता लगाइए?

(a) 0.17857 (b) 1.7857
(c) 17.857 (d) 178.57

Ans. (c) :
शहर X की कुल जनसंख्या = 2800000
कुल जीवित शिशुओ की संख्या = 50000
सूत्र– अशोधित जन्म दर =

$$\frac{\text{किसी वर्ष विशेष में किसी दिये गये क्षेत्र में कुल जन्में शिशुओं की संख्या}}{\text{उसी वर्ष विशेष में क्षेत्र विशेष की कुल संख्या}} \times 1000$$

$$\text{अशोधित जन्मदर} = \frac{50000}{2800000} \times 1000$$

$$= \frac{500}{28} = \frac{250}{14}$$

अशोधित जन्मदर = 17.857

50. In a situation of decision under uncertainty, if a consumer faces equal expected income from two alternatives, then s/he will take decision on the basis of/अनिश्चितता के अंतर्गत निर्णय लेने की स्थिति में, यदि उपभोक्ता को दो विकल्पों से एक समान आय की प्रत्याशा होती है, तो वह निम्नलिखित में से किस आधार पर निर्णय करेगा?

(a) Expected utility of both the alternatives
दोनों विकल्पों की प्रत्याशित उपयोगिता
(b) Mean of risk of each alternative
प्रत्येक विकल्प के जोखिम का माध्य
(c) Probability of risk attached with each alternative
प्रत्येक विकल्प के साथ संबद्ध जोखिम की संभाविता
(d) Variation of risk attached with each alternative/प्रत्येक विकल्प के साथ संबद्ध जोखिम विचरण

Ans. (d) : अनिश्चितता के अर्न्तगत निर्णय लेने की स्थिति में यदि उपभोक्ता को दो विकल्पों से एक समान आय की प्रत्याशा होती है, तो वह प्रत्येक विकल्प के साथ सम्बद्ध जोखिम विचरण के आधार पर निर्णय करेगा। न्यूमैन और मोरगेन्स्टर्न ने अपनी पुस्तक Theory of Games and Economic Behaviour में जोखिमी स्थितियों में एक व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन किया। उनके सिद्धान्त को फ्रीडमैन और सेवेज तथा मार्कोविज ने परिष्कृत किया।

51. Identify the proper sequence in the traditional econometric methodology of conducting research/शोध करने में पारंपरिक अर्थमितीय पद्धति में उचित क्रम को पहचानिए :

A. Data collection/आँकड़ा संग्रहण
B. Policy prescription/नीति-निर्धारण
C. Testing of hypothesis/परिकल्पना का परीक्षण करना
D. Formulation of hypothesis/परिकल्पना का निर्माण

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D (b) A, D, B, C
(c) D, A, B, C (d) D, A, C, B

Ans. (d) : शोध करने के पारम्परिक अर्थमितीय पद्धति में उचित क्रम निम्नलिखित है– (D) परिकल्पना का निर्माण → (A) आँकड़ा संग्रहण→(C) परिकल्पना का परीक्षण करना→(B) नीति-निर्धारण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

52. According to Ronald Coase, which of the following statements is CORRECT for pollution control?/रोनॉल्ड कोज के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण हेतु निम्नलिखित कथनों में कौन सही हैं?

(a) Providing property rights to polluters and polluters/प्रदूषक और प्रदूषित को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना।

(b) Providing property rights to the legal institutions/विधिक संस्थानों को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना।

(c) Providing property rights to the state राज्य को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना।

(d) Providing property rights to Trade Unions श्रम संघों को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना।

Ans. (a) : रोनॉल्ड कोज के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रदूषक और प्रदूषित को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना। कोजियन समझौता समाधान इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्तिगत सम्पत्ति अधिकार स्थापित है और पर्यावरण क्षरण की प्रक्रिया में भाग लेने वाले व्यक्ति या समूह परस्पर समझौता के द्वारा 'कुशलतम समाधान' को प्राप्त कर लेते हैं। यदि सम्पत्ति अधिकार उन लोगों को प्राप्त हुआ जो पर्यावरण के अवक्षरण से हानि उठा रहे हैं तब ऐसी स्थिति में पर्यावरण को दूषित करने वालों के पास समझौता करने की प्रेरणा होगी और वे दूसरे क्षतिग्रस्त लोगों को भुगतान करने की स्थिति में होंगे क्योंकि उनका सीमान्त लाभ दूसरों के सीमान्त लागत से अधिक होगा।

53. Indentify which one of the following statements is CORRECT:
निम्नलिखित में से सही कथन की पहचान कीजिए:

(a) A^{-1} is equal to Adj (A) if the value of the determinant A is unity/ A^{-1} Adj (A) के समान है यदि निर्धारक A का मूल्य एकान्विति (यूनिटी) है

(b) If two columns of a determinant are interchanged, the sign of the determinant does not alter/यदि एक निर्धारक के दो कॉलमों को परस्पर परिवर्तित कर दिया जाता है, निर्धारक का चिन्ह नहीं बदलता है

(c) Law of division is allowed in matrix operations/मैट्रिक्स प्रचालन में विभाजन के नियम की अनुमति है।

(d) The value of a determinant changes if the rows and columns are interchanged/यदि पंक्तियों और कॉलमों को परस्पर परिवर्तित कर दिया जाता है तो निर्धारक का मूल्य बदल जाता है

Ans. (a) : A^{-1} Adj (A) के समान है यदि निर्धारक A का मूल्य एकान्विति (यूनिटी) है।

अर्थात् $A^{-1} = \frac{Adj(A)}{|A|}$

$A^{-1} = Adj\ (A)$

For $A = \begin{bmatrix} A_{11} & A_{12} & A_{13} \\ A_{21} & A_{22} & A_{23} \\ A_{31} & A_{32} & A_{33} \end{bmatrix}$ the inverse is

$$A^{-1} = \frac{1}{|A|}\begin{bmatrix} A_{11} & A_{21} & A_{31} \\ A_{12} & A_{22} & A_{32} \\ A_{13} & A_{23} & A_{33} \end{bmatrix}$$

प्रश्नानुसार $A = \begin{bmatrix} 1 & 1 & 1 \\ 1 & 1 & 1 \\ 1 & 1 & 1 \end{bmatrix}$

तो $A^{-1} = \frac{1}{|A|}\begin{bmatrix} 1 & 1 & 1 \\ 1 & 1 & 1 \\ 1 & 1 & 1 \end{bmatrix}$

54. Which of the following are a source of market failure?/निम्नलिखित में से कौन-सा बाजार विफलता का स्रोत है?

A. The existence of public goods सार्वजनिक वस्तुओं का अस्तित्व

B. The presence of externalities बाह्यताओं की उपस्थिति

C. The fact that some goods are rivals in consumption यह तथ्य कि कुछ वस्तुएं उपभोग में प्रतिस्पर्धी है

D. The existence of monopolies एकाधिकारों का अस्तित्व

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C

(b) A, B, and D only/केवल A, B और D

(c) A, C and D only/केवल A, C और D

(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (b) : बाजार विफलता के स्रोत निम्नलिखित है –
(i) सार्वजनिक वस्तुओ का अस्तित्व
(ii) बाह्यताओं की उपस्थिति
(iii) एकाधिकारों का अस्तित्व
(iv) अपूर्ण जानकारी

55. Arrange the following committees appointed for the Banking sector in India in chronological order :/भारत में बैंक क्षेत्र के लिए गठित निम्नलिखित समितियों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. Urjit Patel Committee/उर्जित पटेल समिति

B. Goiporia Committee/गोइपुरिया समिति

C. Narasimham Committee-1/नरसिंहम समिति-I

D. Chakravarty Committee/चक्रवर्ती समिति

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, D, B (b) C, B, D, A
(c) D, B, C, A (d) D, C, B, A

Ans. (c) : भारत में बैंक क्षेत्र के लिए गठित समितियों का व्यवस्थित कालक्रम निम्नलिखित है–
(D) चक्रवर्ती समिति (1982)
(B) गोइपुरिया समिति (1990)
(C) नरसिंहम समिति-I (1991)
(A) उर्जित पटेल समिति (2014)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

56. **As output expands, LAC curve falls. This is due to :/निर्गत में विस्तार के साथ, एल ए सी वक्र में गिरावट आती है। इसका कारण है:**

(a) Diseconomies of scale
परिमाण मूलक हानि (डिस-इकोनॉमिक्स ऑफ स्केल)

(b) Economies of scale
परिमाण मूलक सुलाभ (इकोनॉमिक्स ऑफ स्केल)

(c) Law of diminishing returns
ह्रासमान प्रतिफल नियम

(d) Law of variable proportions
परिवर्ती अनुपात नियम

Ans. (b) : निर्गत में विस्तार के साथ, एल.ए.सी.वक्र में गिरावट आती है इसका कारण परिमाण मूलक सुलाभ (इकोनॉमिक्स ऑफ स्केल) अर्थात् लाभ का बढ़ना होता है। एल.ए.सी. वक्र घटते-घटते अपने न्यूनतम बिन्दु पर होता है तो फर्म को सामान्य लाभ मिलता है। फर्म की संतुलन शर्त में SMC = LMC = MR = Price = SAC = LAC

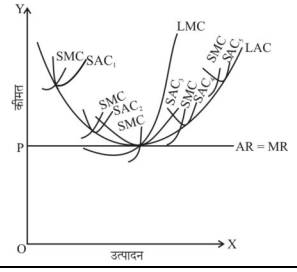

57. **The sampling distribution of mean based on a sample of 13 units selected without replacement shows a variance of 5 units. It the population consists of 49 units, estimate the variance of the population**
प्रतिस्थापन के बिना चयनित 13 इकाइयों के एक सैंपिल पर आधारित प्रतिचयन वितरण का माध्य 5 इकाइयों का विचरण दर्शाता है। यदि जनसंख्या में 49 इकाइयां है, तो जनसंख्या के विभिन्न का आकलन कीजिए:

(a) 80.67 (b) 84.87
(c) 86.67 (d) 86.87

Ans. (c) : प्रतिस्थापन के बिना चयनित 13 इकाइयों के एक सैंपिल पर आधारित प्रतिचयन वितरण का माध्य 5 इकाइयों का विचरण दर्शाता है। यदि जनसंख्या में 49 इकाइयां है तो जनसंख्या 86.67 होगी।

58. **Given below are two statements:**
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: Social Welfare Function (SWF) is a sort of social indifference map consisting of the Social Indifference Curves (SICs) which shows the various combination of utilities that gives the same level of social welfare (SW).
कथन I : समाज कल्याण फलन (एस डब्ल्यू एफ) एक प्रकार का सामाजिक अनधिमान मानचित्र है जिसमें एक समान स्तर का सामाजिक कल्याण (एस डब्ल्यू) प्रदान करने वाले विभिन्न संयोजनों को दर्शाने वाले सामाजिक अनधिमान वक्र (एस आई सी) हैं।

Statement II: Social Indifference Curves (SICs) may not be convex or concave to the origin
कथन II : सामाजिक अनधिमान वक्र उत्पत्ति या अवतल नहीं हो सकते हैं।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।

(b) Both Statement II and Statement II are incorrect
कथन I और II दोनों गलत हैं।

(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।

(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (a) : समाज कल्याण फलन (एस.डब्ल्यू.एफ) एक प्रकार का सामाजिक अनधिमान मानचित्र है जिसमें एक समान स्तर का सामाजिक कल्याण (एस डब्ल्यू) प्रदान करने वाले विभिन्न संयोजनों को दर्शाने वाले सामाजिक अनधिमान वक्र (एस आई सी) है। सामाजिक अनधिमान वक्र उत्पत्ति से उत्तल या अवतल नहीं हो सकते हैं।

59. **Which one of the following measures of central tendency will be the most appropriate to use if the data relates to rates, proportions and ratios?**
यदि आंकड़े दरों, समानुपात व अनुपात से संबंधित हैं तो केन्द्रीय प्रवृत्ति के कौन से मापक का प्रयोग करना सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

(a) Arithmetic Mean/अंकगणितीय माध्य

(b) Geometric Mean/ज्यामितीय माध्य

(c) Harmonic Mean/हरात्मक माध्य

(d) Median/माध्यिका

Ans. (b) : यदि आंकड़े दरों समानुपात व अनुपात से सम्बन्धित है तो केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप के लिए ज्यामितीय माध्य या गुणोत्तर माध्य सर्वाधिक उपर्युक्त माप होगा। किसी समंक श्रेणी का गुणोत्तर माध्य उसके सभी मूल्यों को गुणनफल का वह मूल्य होता है जितनी उस श्रेणी में संख्यायें होती है।

$G.M. = n\sqrt{X_1.X_2.X_3.....X_n}$

गुणोत्तर माध्य में यह गुण पाया जाता है कि विभिन्न मूल्यों को आपस में गुणा करने पर वही संख्या प्राप्त होगी जो प्रत्येक मूल्य के स्थान पर उनके गुणोत्तर माध्य रखने पर प्राप्त होती है।

60. **Consider some of the schemes/ programs introduced by the Government of India to enhance agriculture productivity and farmer's income. Arrange them in chronological order of their appearance.**
कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई स्कीमों/ कार्यक्रमों पर विचार कीजिए। उन्हें उनके आरंभ किए जाने के कालक्रमानुसार लगाएं

A. Soil Health Card Scheme
मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

B. Kisan Credit Card Scheme
किसान केडिट कार्ड स्कीम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

C. Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

D. Doubling Farmers' income program
किसानों की आय को दुगना करने का कार्यक्रम

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D (b) B, A, C, D
(c) B, A, D, C (d) B, C, A, D

Ans. (b) : कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए भारत सरकार द्वारा आरम्भ की गयी स्कीमो/कार्यक्रमों का सही कालक्रम निम्न है–
(B) किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम (1998)
(A) मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना (2015)
(C) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (2016)
(D) किसानों की आय को दुगना करने का कार्यक्रम (बजट 2016-17)

61. General Economic Equilibrium is NOT related to which one of the following problems?
सामान्य आर्थिक संतुलन निम्नलिखित में से किस समस्या से संबंधित नहीं है:

(a) Existence problem/अस्तित्व समस्या
(b) Moral Hazard problem
नैतिक रूप से खतरनाक समस्या
(c) Stability problem/स्थिरता समस्या
(d) Uniqueness problem/एकलता समस्या

Ans. (b) : Equilibrium शब्द लैटिन के aequilibrium शब्द से निकला है जिसका अर्थ है समान साम्य। अर्थशास्त्र में इसका प्रयोग भौतिकी (Physics) से लिया गया है। भौतिकी में इसका अर्थ होता है समान। साम्य की वह स्थिति जिसमें विरोधी शक्तियाँ या प्रवृत्तियाँ एक दूसरे को निष्प्रभाव कर देती है। प्रो0 जे.के. मेहता के शब्दो में ''अर्थशास्त्र में संतुलन गति में परिवर्तन की अनुपस्थिति बताता है।'' सामान्य आर्थिक संतुलन निम्न समस्याओं से सम्बन्धित है –
(i) अस्तित्व समस्या
(ii) स्थिरता समस्या
(iii) एकलता समस्या

62. Arrange the following business cycles in ascending order in terms of their approximate duration.
निम्नलिखित व्यवसाय चक्रों को उनकी अनुमानित अवधि के अनुसार आरोही क्रम में लगाएं:

A. Kondratiev cycle/केन्द्रातीफ चक्र
B. Kitchin cycle/किचिन चक्र
C. Jugular cycle/जुग्लर चक्र
D. Kuznets cycle/कुजनेट्स चक्र

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C, B, D (b) B, C, D, A
(c) C, B, A, D (d) D, A, C, B

Ans. (b) : व्यवसाय चक्रों को उनकी अनुमानित अवधि के अनुसार आरोही क्रम निम्न है –
(B) किचिन चक्र – इसे लघु-चक्र भी कहते हैं जो लगभग 40 माह की अवधि का होता है।
(C) जुग्लर चक्र – इस चक्र को बड़ा चक्र भी कहते है। यह अनुक्रमिक संकटो के बीच व्यापार क्रिया का उतार-चढ़ाव होता है। इस चक्र की अवधि औसतन साढ़े नौ वर्ष होती है।
(D) कुजनेट्स चक्र – प्रो. साइमन कुजनेट्स ने 16-22 वर्ष के दीर्घकालीन उतार-चढ़ाव नामक एक प्रकार के चक्रों की प्रस्थापना की जिसे ऐसे ढंग से प्रस्तुत किया गया है कि वह 7-11 वर्ष के चक्र को अपेक्षाकृत महत्वहीन बना देता है। इसे कुजनेट्स चक्र कहा जाने लगा।
(A) केन्द्रातीफ चक्र – 1925 में रूसी अर्थशास्त्री केन्द्रातीफ इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि चक्रों की अति दीर्घ तरंगे होती हैं जिनकी अवधि 50 वर्ष से अधिक होती है और जो छः जुग्लर चक्रों की बनी होती है।

63. Match List–I with List-II
सूची-I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Carl Friedrich Gauss कार्ल फ्रेडरिख गॉस	I. Central Tendency केंद्रीय प्रवृत्ति
B. Multicollinearity बहुसमरेखिता	II. OLS ओ एल एस
C. Mode बहुलक	III. Karl Pearson कार्ल पियर्सन
D. Correlation सहसंबंध गुणांक	IV. Relationship among explanatory स्पष्टकारी चरों के बीच संबंध

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-IV, C-I, D-III
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (a) : सही सुमेलित सूची

सूची-I		सूची-II	
A.	कार्ल फ्रेडरिख गॉस	II.	ओ.एल.एस.
B.	बहुसमरेखिता	IV.	स्पष्टकारी चरों के बीच सम्बन्ध
C.	बहुलक	I.	केन्द्रीय प्रवृत्ति
D.	सहसम्बन्ध गुणांक	III.	कार्ल पियर्सन

64. The 15th Finance Commission (FC) has recommended that the States be given what per cent of the divisible tax pool of the Centre during the period 2021-2022 to 2025-26?
15वें वित्त आयोग (एफ सी) ने अनुशंसा की है कि 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान राज्यों को केन्द्र के विभाज्य कर पूल का.....प्रतिशत दिया जाए :

(a) 31 (b) 41
(c) 51 (d) 61

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : 15 वें वित्त आयोग (एफ.सी.) ने अनुशंसा की है कि 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान राज्यों को केन्द्र के विभाज्य कर पूल का 41 प्रतिशत दिया जाए। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत भारत के राष्ट्रपति ने एन.के.सिंह की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग का गठन किया। यह पहला वित्त आयोग है, जिसने पहली बार 2011 की जनगणना को आधार बनाकर संस्तुतियाँ दी तथा यह नवें वित्त आयोग के बाद पहला आयोग है जिसने संस्तुतियाँ 6 वर्ष (2020-26) के लिए दी।

65. Which of the following statements are CORRECT for correlation analysis?
सहसंबंध विश्लेषण में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

A. Degree of linear association is measured between two variables/दो चरों के बीच रैखिक संबंध की डिग्री को मापा जाता है।

B. Predictability is not part of correlation analysis/पूर्वानुमान का सामर्थ्य सहसंबंध विश्लेषण का भाग नहीं है।

C. Spearman has no contribution to correlation analysis/सह-संबंध विश्लेषण में स्पियरमैन का कोई योगदान नहीं है।

D. Cause and effect relationship is established through correlation analysis/सह-संबंध विश्लेषण के माध्यम से कारण और प्रभाव का संबंध स्थापित किया जाता है।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and C only/केवल A और C
(b) A and B only/केवल A और B
(c) A and D only/केवल A और D
(d) B and C only/केवल B और C

Ans. (b) : जब दो चरों के चर मूल्य सहानुभूति में परिवर्तित होते हैं या परिवर्तित होते हुए दिखायी देते हैं, जिसमें एक चर में परिवर्तन के फलस्वरूप दूसरे चर में भी परिवर्तन होने की प्रवृत्ति पायी जाती है, तो वे चर सहसम्बन्धित होते हैं। चरों में साथ-साथ परिवर्तन होने की इस प्रवृत्ति को सहसम्बन्ध कहते हैं। जब यह परिवर्तन एक ही दिशा में होता है तब धनात्मक सहसम्बन्ध तथा जब यह परिवर्तन विपरीत दिशा में होता है तो ऋणात्मक सहसम्बन्ध होता है। सहसम्बन्ध विश्लेषण में निम्न कथन सही है –
(i) दो चरों के बीच रैखिक सम्बन्ध की डिग्री को मापा जाता है।
(ii) पूर्वानुमान का सामर्थ्य सहसम्बन्ध विश्लेषण का भाग नहीं है।

66. Identify which of the following statements with respect to Linear Programming Problem (LPP) is CORRECT :
रैखिक प्रोग्रामन समस्या (एल पी पी) के संबंध में निम्नलिखित में से सही कथन की पहचान कीजिए:

(a) A solution is unbounded in an LPP if all the feasible solutions of the problem fall within the boundary created by its constraints
यदि समस्या के समस्त साध्य समाधान इसकी बाध्यताओं द्वारा रचित सीमाओं के भीतर आते हैं, तो एल पी पी में समाधान अनाबद्ध है।

(b) If A is a primal problem and B is its dual, then dual of B is not A/यदि A एक आदि समस्या है और B इसका द्वय है, तो B का द्वय A नहीं है।

(c) If and LPP has two optimum solutions, then it has also infinite number of optimum solutions/यदि किसी एल पी पी के दो इष्टम समाधान है तो इसके अनियत संख्या में इष्टतम समाधान भी हैं।

(d) The constraints of an LPP in standard form is always expressed in less than and equal to form/मानक रुप से एल पी पी की बाध्यताएं हमेशा कम और/ अथवा समान के रूप में अभिव्यक्त होती है।

Ans. (c) : रैखिक प्रोग्रामिंग समस्या (एल.पी.पी.) के दो इष्टतम समाधान है तो इसके अनियत संख्या में इष्टतम समाधान है। रैखिक प्रोग्रामिंग तकनीक का उपयोग करने का एक महत्त्वपूर्ण मूल्य सभी विकल्पों की एक बडी संख्या में से सबसे इष्टतम विकल्प का चुनाव जिसे स्वीकार्य माना जाता है।

67. In the short-run production function, which one of the following is CORRECT?
अल्पावधि उत्पादन फलन में, निम्नलिखित में से क्या सही है?

(a) Technology is assumed to be constant for a given production function relationship/प्रदत्त उत्पादन फलन संबंध के लिए प्रौद्योगिकी स्थिर होने की कल्पना की जाती है

(b) Technology is assumed to change as capital stock changes/पूंजी स्टाक में परिवर्तन के साथ प्रौद्योगिकी परिवर्तन की कल्पना की जाती है

(c) Technology is assumed to change as labour changes/श्रमआगत में परिवर्तन के साथ प्रौद्योगिकी परिवर्तन की कल्पना की जाती है

(d) Technology is assumed to change positively until diminishing returns set in/ह्रासमान प्रतिलाभ आरंभ होने तक प्रौद्योगिकी में सकारात्मक परिवर्तन की कल्पना की जाती है

Ans. (a) : अल्प अवधि उत्पादन फलन के सम्बन्ध के लिए प्रौद्योगिकी स्थिर होने की कल्पना की जाती है। अर्थशास्त्र में समय से आशय उस अवधि से है जो मांग में परिवर्तन के अनुसार पूर्ति को समायोजित करने में उत्पादक को लगता है। समय या अवधि तीन प्रकार का हो सकता है – अति अल्पकाल जिसमें पूर्ति में कोई परिवर्तन नहीं हो सके अर्थात् सभी साधन स्थिर स्वभाव के हो अल्पकाल जिसमें उत्पादन में कुछ परिवर्तन लाया जा सके ऐसी स्थिति में कुछ साधन ऐसे होगे जिसमें बिल्कुल परिवर्तन नहीं लाया जा सके, उन्हे स्थिर साधन कहते हैं तथा कुछ ऐसे होगे जिसमें परिवर्तन लाया जा सकता है, इन्हे परिवर्तनीय साधन कहते हैं। दीर्घकाल वह काल होगा जिसमें सभी साधनों में परिवर्तन लाया जा सके इसलिए दीर्घकाल में कोई साधन स्थिर साधन नहीं होगा।

68. Which of the following is NOT a Commercial Bank?
निम्नलिखित में से कौन एक वाणिज्यिक बैंक नहीं है?

(a) Co-operative Bank/सहकारी बैंक
(b) Private Sector Bank/निजी क्षेत्र बैंक
(c) Public Sector Bank/सार्वजनिक क्षेत्र बैंक
(d) Regional Rural Bank/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सहकारी बैंक का आशय उन छोटे वित्तीय संस्थानों से है जो शहरी और गैर-शहरी दोनों क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों को ऋण की सुविधा प्रदान करते है। सहकारी बैंक आमतौर पर अपने सदस्यों को कई प्रकार की बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ जैसे-ऋण देना पैसा जमा करना और बैंक खाता आदि प्रदान करते हैं। सहकारी बैंको का स्वामित्व और नियंत्रण सदस्यों द्वारा ही किया जाता है, जो लोकतांत्रिक रूप से निदेशक मण्डल का चुनाव करते हैं। सहकारी बैंक रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा विनियमित किये जाते हैं एवं बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के साथ-साथ बैंकिंग कानून अधिनियम, 1965 के तहत आते हें। सहकारी बैंक और वाणिज्यिक बैंक में अन्तर निम्न हैं–

- वाणिज्यिक बैंक संयुक्त स्टॉक (Jaint-stock) बैंक है, जबकि सहकारी बैंक सहकारी संस्थाएँ होती हैं।
- वाणिज्यिक बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के नियंत्रण के अधीन हैं। सहकारी बैंक सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार द्वारा निर्धारित नियमों के अधीन हैं।
- सहकारी बैंकों में वाणिज्यिक बैंकों की तुलना में कई तरह की बैंकिंग सेवाएँ देने की कम क्षमता होती है।

69. Which of the following sectors of the economy registered highest growth rate in the second quarter of 2020-21 as per estimate of NSO?
अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित में से किन क्षेत्रों में वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में सर्वोच्च संवृद्धि दर दर्ज हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार:

(a) Agriculture and Allied sectors/कृषि व संबद्ध क्षेत्र
(b) Electricity, Gas, Water supply and other Utility services/विद्युत, गैस, जलआपूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं
(c) General Administration/सामान्य प्रशासन
(d) Manufacturing/विनिर्माण

Ans. (a) : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था के कृषि व सम्बद्ध क्षेत्र की सर्वोच्च संवृद्धि दर दर्ज हुई है।

70. According to Census 2011, which one of the following states has the highest share of rural population?
वर्ष 2011 में जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किन राज्यों में ग्रामीण आबादी सर्वाधिक है?

(a) Bihar/बिहार
(b) Himachal Pradesh/हिमाचल प्रदेश
(c) Odisha/ओड़िशा
(d) Uttar Pradesh/उत्तर प्रदेश

Ans. (b) : वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित राज्यों का ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत –

• हिमाचल प्रदेश	61,76050	90%
• बिहार	9,23,41436	88.7%
• ओडिशा	3,49,70,562	83.3%
• उत्तर प्रदेश	15,53,17,278	77.7%
• असम	2,68,07,034	85.9%

71. Improvement in the balance of payments deficit may be effected through
भुगतान संतुलन में घाटे में सुधार हेतु क्या किया जा सकता है?

A. Import Controls/आयात नियंत्रण
B. Export promotion/निर्यात प्रोत्साहन
C. Foreign exchange control/विदेशी मुद्रा नियंत्रण
D. Devaluation/अवमूल्यन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A, B and C only/केवल A, B और C
(c) A, B, C and D/ A, B, C और D
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (c) :

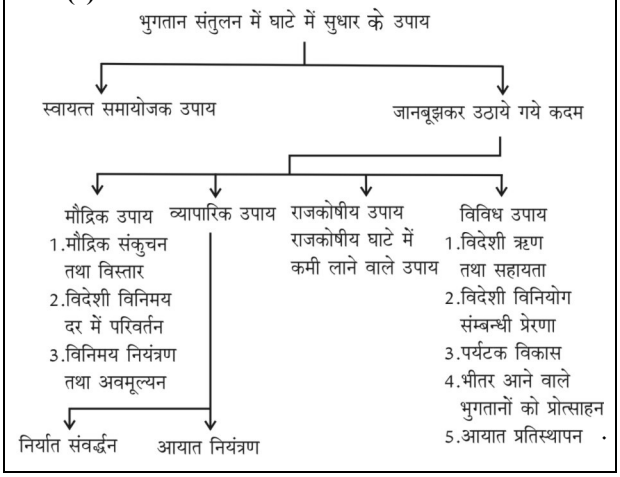

72. Which of the following statement is CORRECT for 'Atmanirbhar Bharat Rozgar Yojana' launched on November 12, 2020?
12 नवंबर 2020 को आरंभ की गई 'आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) Establishment will get a subsidy of Rs.10 crore for a period of 5 years/प्रतिष्ठान को 5 वर्ष की अवधि के लिए 10 करोड़ रुपये की राज सहायता मिलेगी।
(b) Establishment will get tax profit continously for a period of 3 years/प्रतिष्ठान को लगातार तीन वर्षों के लिए कर में लाभ मिलेगा।
(c) Establishment will get tax subsidy for 5 years/प्रतिष्ठान को 5 वर्षों तक कर राज सहायता मिलेगी।
(d) Establishments which make new hires will get a subsidy to cover retirement fund contribution by employees and employers for 2 years/नए रोजगार सृजित करने वाले प्रतिष्ठानों को सेवा निवृत्ति निधि में नियोजकों व कर्मचारियों के अंशदान की मद में दो वर्ष तक राज सहायता मिलेगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : 12 नवम्बर 2020 को आरम्भ की गयी 'आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना' में नये रोजगार सृजित करने वाले प्रतिष्ठानों को सेवा निवृत्ति निधि में नियोजकों व कर्मचारियों के अंशदान की मद में दो वर्ष तक राज सहायता मिलेगी। इसे 9 दिसम्बर 2020 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमण्डल ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। इस योजना का उद्देश्य नए कर्मचारियों को रोजगार देने एवं कोविड -19 महामारी के दौरान नौकरी गंवाने वाले निम्न आय वर्ग के व्यक्तिओं को पुनः नियोजित करने वाले नियोक्ताओं आय वर्ग के व्यक्तियों को पुनः नियोजित करने वाले नियोक्ताओं (EPFO में पंजीकृत) को प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव करती है।

73. Given $Y = X^3 - 12X^2 + 36X + 8$, identify which one of thee following is CORRECT:
प्रदत्त $Y = X^3 - 12X^2 + 36X + 8$,
निम्नलिखित में से सही की पहचान कीजिए:

(a) Y is maximum at X = 6, and minimum at x = 2
X = 6 पर Y अधिकतम है और X= 2 पर Y न्यूनतम है
(b) Y is minimum at X = 6, and maximum at x = 2
X = 6 पर Y न्यूनतम है और x = 2 पर Y अधिकतम है
(c) Y has two inflexion points at x = 2 and x = 6
Y के x = 2 और X = 6 पर दो नति परिवर्तन बिंदु हैं
(d) Point of optimality is indetrminate
इष्टतमी बिंदु अनियत है,

Ans. (b) : $Y = x^3 - 12x^2 + 36x + 8$
अवकलन करने पर

$$\frac{dy}{dx} = 3x^2 - 24x + 36 \quad ...(i)$$

$$0 = 3x^2 - 24x + 36$$
$$0 = x^2 - 8x + 12$$
$$0 = x^2 - 6x - 2x + 12$$
$$0 = x(x-6) - 2(x-6)$$
$$0 = (x-2)(x-6)$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} = 6x - 24 \quad ...(ii)$$

समी. (ii) से $\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)_{x=6} = 6 \times 6 - 24$
$= 36 - 24$

$\boxed{\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)_{x=6} = 12}$ न्यूनतम

समी. (ii) से $\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)_{x=2} = 6 \times 2 - 24$
$= 12 - 24$

$\boxed{\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)_{x=2} = -12}$ (अधिकतम)

74. Which of the following statement(s) is/are CORRECT for environmental evaluation?
पर्यावरणीय आकलन के लिए निम्नलिखित में से कौन-कौन से कथन सही है?

A. Travel cost method measures the recreational values of Environment Resources/यात्रा लागत विधि पर्यावरणीय संसाधनों के मनो- विनोद मूल्य को मापती है।
B. Hedonic pricing is used for environment amenities associated with property values
सुखात्मक मूल्य निर्धारण का प्रयोग संपत्ति मूल्य से संबंधित पर्यावरणीय सुविधाओं के लिए किया जाता है।
C. Replacement cost method is used by substituting natural resources with a man-made equipment/प्रतिस्थापन लागत विधि का प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों को मानव निर्मित समतुल्य से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।
D. Defensive expenditure deals with preventive measures/रक्षात्मक व्यय निवारक उपायों से संबंधित है

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A, B, C and D/ A, B, C और D
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C only/केवल C

Ans. (b) : Environment (पर्यावरण) शब्द फ्रेंच शब्द Invironner से लिया गया है जिसका अर्थ होता है 'घिरा हुआ' या 'घेरना' (Surround) भौगोलिक दशाएं जिसमें प्रमुखता भूमि, जल, वायु, जैविक घटक (Living organism) जैसे प्लान्ट तथा पशु (जीव) को सम्मिलित करते हैं जो हमारे चारो ओर फैले हुए हैं या जिससें हम घिरे हुए हैं तथा जिसके अर्न्तगत मनुष्य, पौधे तथा जीव जीवित रहते हैं, पर्यावरण के नाम से जानी जाती है। पर्यावरणीय आकलन के लिए निम्न कथन हैं–
(i) यात्रा लागत विधि पर्यावरणीय संसाधनों के मनो-विनोद मूल्य को मापती है।
(ii) सुखात्मक मूल्य निर्धारण का प्रयोग संपत्ति मूल्य से सम्बधिंत पर्यावरणीय सुविधाओं के लिए किया जाता हैं।
(iii) प्रतिस्थापन लागत विधि का प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों को मानव निर्मित समतुल्य से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।
(iv) रक्षात्मक व्यय निवारक उपायों से सम्बन्धित है।

75. Match List–I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	**List-II/सूची-II**
A. Perfect competition पूर्ण प्रतिस्पर्द्धा	I. Many real or perceived differences in products/ उत्पाद में अनेक वास्तविक अथवा अनुबोधित अंतर
B. Monopoly एकाधिकार	II. Little or no difference in products उत्पाद में अल्प अथवा कोई अंतर न होना
C. Monopolistic competition एकाधिकारी प्रतिस्पर्द्धा	III. Identical products समरुपी उत्पाद
D. Oligopoly अल्पाधिकार	IV. Product without close substitutes निकट अनुकल्प के बिना उत्पाद

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-II, B-IV, C-I, D-III (b) A-III, B-I, C-II, D-IV
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II (d) A-III, B-IV, C-II, D-I

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : सही सुमेलित सूची–

	सूची-I		सूची-II
A.	पूर्ण प्रतिस्पर्धा	III.	समरूपी उत्पाद
B.	एकाधिकार	IV.	निकट अनुकल्प के बिना उत्पाद
C.	एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा	I.	उत्पाद में अनेक वास्तविक अथवा अनुबोधित अन्तर
D.	अल्पाधिकार	II.	उत्पाद में अल्प अथवा कोई अन्तर न होना

76. Consider the following statements about the rational expectations model :/तार्किक प्रत्याशा मॉडल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

A. Monetary policy cannot affect output and employment/मौद्रिक नीति निर्गत और रोजगार को प्रभावित नहीं कर सकती।

B. Unanticipated changes will not affect real variables in the very short run/अति लघु अवधि में वास्तविक चरों में अप्रत्याशित बदलाव प्रभावित नहीं करेगा।

C. There is equilibrium in the markets/बाजारों में संतुलन की स्थिति है।

D. Economic agents use all relevant available information to form their expectations/आर्थिक अभिकर्ता (ऐजेंट) अपनी प्रत्याशाओं को आकार देने में सभी संगत उपलब्ध सूचनाओं का इस्तेमाल करता है।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B, C and D/ A, B, C और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (c) : तार्किक प्रत्याशा मॉडल मुख्य बाजार की मॉडलिंग कीमत गतिविधियों के बारे में हैं। तार्किक प्रत्याशा का विचार सर्वप्रथम जॉन मूथ द्वारा 1961 में प्रस्तुत किया गया जिसने यह विचार इंजीनियरी साहित्य से लिया था। तार्किक प्रत्याशा मॉडल के बारे में निम्न कथन सही है–
(i) मौद्रिक नीति निर्गत और रोजगार को प्रभावित नहीं कर सकती।
(ii) बाजारों में संतुलन की स्थिति है।
(iii) आर्थिक अभिकर्त्ता (एजेंट) अपनी प्रत्याशाओं को आकार देने में सभी संगत उपलब्ध सूचनाओं का इस्तेमाल करता है।

77. Match List –I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	List-I/सूची-I		List-II/सूची-II
A.	Security Exchange Board of India (SEBI) /सिक्यूरिटी एक्सचेंज बोर्ड (सेबी)	I.	1991
B.	National Securities Depository Ltd (NSDL) /नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एन एस डी एल)	II.	1992
C.	Credit Rating Information Service of India Ltd (CRISIL)/क्रेडिट रेटिंग इंफारमेशन सर्विस ऑफ इंडिया लि. (क्रिसिल)	III.	1988
D.	Investment Information and Credit Rating Agency of India (ICRA) /इन्वेस्टमेंट इन्फारमेशन एंड क्रेडिट रेटिंग ऐजेंसी ऑफ इंडिया (इ क्रा)	IV.	1996

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-III, B-II, C-IV, D-I
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

Ans. (b) : सही सुमेलित सूची

	सूची-I		सूची-II
A.	सिक्यूरिटी एक्सचेंज बोर्ड (सेबी)	II.	1992
B.	नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एन.एस.डी.एल.)	IV.	1996
C.	क्रेडिट रेटिंग इंफारमेशन सर्विस ऑफ इंडिया लि. (क्रिसिल)	III.	1988
D.	इन्वेस्टमेंट इन्फारमेशन एण्ड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया (इक्रा)	I.	1991

78. In which of the following ways have there been structural changes in agricultural and rural areas in India?
निम्नलिखित में से किन तरीकों से भारत में कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में ढांचागत परिवर्तन हुए हैं?

A. Crop diversification within agriculture sector कृषि क्षेत्र में फसल विविधीकरण

B. Diversification from livestock to crop husbandry/पशुधन से खेती–बाड़ी की ओर विविधीकरण

C. Diversification from non-commercial crops to commercial crops/गैर- व्यावसायिक फसलों से व्यावासायिक फसलों की ओर विविधीकरण

D. Diversification from traditional inputs to modern inputs/पारंपरिक आगतों से आधुनिक आगतों की ओर विविधीकरण

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

Ans. (c) : भारत में कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में निम्नलिखित तरीकों से ढाँचागत परिवर्तन हुए हैं –
(i) कृषि क्षेत्र में फसल विविधीकरण
(ii) गैर-व्यावसायिक फसलों से व्यावसायिक फसलों की ओर विविधीकरण
(iii) पारम्परिक साधनों से आधुनिक साधनों की ओर विविधीकरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

79. What type of relationship the Phillips curve postulates between the rate of unemployment and the rate of increase of money wages?
फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी व मौद्रिक मजदूरी में वृद्धि दर के बीच किस प्रकार का संबंध है?
(a) Direct and proportional/प्रत्यक्ष व समानुपाती
(b) Direct/प्रत्यक्ष
(c) Inverse and proportional/प्रतिलोम व समानुपाती
(d) Inverse/प्रतिलोम

Ans. (d) : फिलिप्स वक्र बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी परिवर्तनों की दर में सम्बन्ध का निरीक्षण करता है। इंग्लैण्ड के अर्थशास्त्री ए.डब्ल्यू. फिलिप्स ने सर्वप्रथम इसे पहचाना था इसीलिए इसे फिलिप्स वक्र कहते हैं। फिलिप्स वक्र बताता है कि बेरोजगारी की दर और मुद्रा मजदूरी बढ़ने की दर के बीच विपरीत सम्बन्ध होता है।

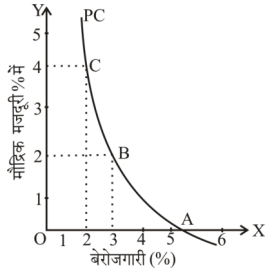

80. Liquidity Adjustment Facility (LAF) was recommended by/तरलता समायोजन सुविधा (एल ए एफ) की सिफारिश किसने की :
(a) Bimal Jalan Committee/बिमल जालान समिति
(b) C. Rangarajan Committee/सी रंगराजन समिति
(c) Narasimham Committee-II/नरसिंहम समिति-II
(d) Raghuram Rajan Committee/रघुराम राजन समिति

Ans. (c) : तरलता समायोजन सुविधा (एल.ए.एफ.) की सिफारिश नरसिंहम समिति II ने की। वित्त मंत्रालय ने नरसिंहम् की अध्यक्षता में दूसरी समिति 'बैंकिंग सेक्टर रिफार्म समिति-गठित की जिसने रिपोर्ट 1998 में सरकार को प्रस्तुत कर दी। तरलता समायोजन सुविधा (Liquidity Adjustment Facility- LAF) रेपो तथा रिवर्स रेपो के माध्यम से कार्य करता है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रेपो दर तरलता बढ़ाने तथा रिवर्स रेपो दर का प्रयोग तरलता अधिशोषण या निकालने के लिए किया जाता है।

81. Which method can help in obtaining a welfare improvement, if externalities exist?
यदि बाह्यताएं अस्तित्व में रहती हैं, तो निम्नलिखित में कौन-सी विधि कल्याण सुधार की प्राप्ति में सहायक हो सकते हैं?
(a) All of the above/उपर्युक्त में से सभी
(b) Assigning property rights and permitting bargaining/सम्पदा अधिकार प्रदान करना और मोल-भाव की अनुमति देना
(c) Pigovian taxes/पिगोवियन कर
(d) Regulation/विनियमन

Ans. (a) : यदि बाह्यताएँ अस्तित्व में रहती हैं तो कल्याण सुधार की प्राप्ति में निम्नलिखित विधियाँ सहायक होती है –
(i) सम्पदा अधिकार प्रदान करना और मोल-भाव की अनुमति देना
(ii) पिगूवियन कर (iii) विनियमन
बाह्यताएं उस समय उत्पन्न होती हैं जब एक आर्थिक एजेन्ट का कार्य दूसरे एजेन्ट को प्रभावित करता है तथा जिसे बाजार के क्रियाशीलन द्वारा नियमित नहीं किया जा सकता है।

82. Which among the following is NOT part of the neoclassical theory of growth?
निम्नलिखित में से कौन संवृद्धि के नव- क्लासिकीय सिद्धांत का भाग नहीं है?
(a) Meade's Model/मीड मॉडल
(b) Pasinetti Model/पैसिनेट्टी मॉडल
(c) Solow Model/सोलो मॉडल
(d) Swan Model/स्वान मॉडल

Ans. (b) : आर्थिक वृद्धि का नव-क्लासिकी मॉडल सन्तुलन वृद्धि (Equilibrium growth) की धारणा से सम्बन्धित है। जिसमें उत्पादन जनसंख्या, पूँजी स्टॉक, बचत, निवेश और तकनीकी उन्नति जैसे सभी चर या तो स्थिर घातांकीय दर से बढ़ते हैं या स्थिर रहते हैं। यह मॉडल सतत् अवस्था वृद्धि (Steady State growth) के विश्लेषण से सम्बन्धित है। नव-क्लासिकी सिद्धांत के भाग निम्न है- मीड मॉडल, सोलो मॉडल, स्वान मॉडल जबकि पैसिनेट्टी मॉडल क्लासिकी बचत फलन पर आधरित है।

83. If a production function admits both Harrod and Hicks neutral technical progress, the elasticity of substitution should be
यदि कोई उत्पादन फलन हेरोड व हिक्स निरपेक्ष तकनीकी प्रगति दोनों स्वीकार करता है तो स्थानापत्ति लोच निम्नलिखित होनी चाहिए:
(a) equal to infinity/अनंत के समान
(b) equal to one divided by two
एक बटा दो के समान
(c) equal to one/एक के समान
(d) equal to zero/शून्य के समान

Ans. (c) : यदि कोई उत्पादन फलन हैरोड व हिक्स निरपेक्ष तकनीकी प्रगति दोनों स्वीकार करता है तो स्थानापत्ति लोच एक के समान होनी चाहिए।

84. The concept of 'money illusion' was first given by whom?
'मौद्रिक भ्रम' की संकल्पना सर्वप्रथम किसने दी थी?
(a) Irving Fisher/इरविंग फिशर
(b) J.M. Keynes/जे.एम. कीन्स
(c) Milton Friedman/मिल्टन फ्रीडमैन
(d) Robertson/राबर्टसन

Ans. (a) : 'मौद्रिक भ्रम' की संकल्पना सर्वप्रथम इरविंग फिशर ने अपनी पुस्तक स्टैबिलाइजिंग द डॉलर'' में दिया।

85. Which of the following statements are CORRECT for welfare economics?/निम्नलिखित में से कौन-से कथन कल्याण अर्थशास्त्र के लिए सही हैं?
A. Any competitive equilibrium leads to a Pareto efficient allocation of resources/किसी प्रतियोगी संतुलन से संसाधनों का परेटो – दक्ष आबंटन होता है।
B. Competitive equilibrium does not lead to Pareto efficient allocation of resources/प्रतियोगी संतुलन से संसाधनों का परेटो- दक्ष आबंटन नहीं होता है।
C. Any efficient allocation can be attained by a competitive equilibrium given the market mechanism leading to redistribution/बाजार तंत्रों से पुनर्वितरण होने के चलते प्रतियोगी संतुलन से कोई दक्ष आबंटन प्राप्त हो सकता है।
D. There will be no Pareto efficient allocation of resources in the society/समाज में संसाधनों का कोई परेटो- दक्ष आबंटन नहीं होगा।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) A and C only/केवल A और C
(b) A, B and C only/केवल A, B और C
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (a) : कल्याण अर्थशास्त्र अर्थ विज्ञान की वह शाखा है जो आर्थिक नीतियों के लिए औचित्य के मानदण्ड की स्थापना तथा प्रयोग करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार कल्याणकारी अर्थशास्त्र,आर्थिक नीतियों के औचित्य निर्धारित करने का मानदण्ड प्रस्तुत करता है अर्थात् अनेक कारण परिणाम-सम्बन्धों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्षों पर आधारित आर्थिक नीतियों के उचित अथवा अनुचित होने के विषय में मूल्यगत निर्णय देता है। कल्याण अर्थशास्त्र के लिए निम्न कथन सही है-
(i) किसी प्रतियोगी संतुलन से संसाधनों का परेटो-दक्ष आवण्टन होता हैं।
(ii) बाजार तन्त्रों से पुनर्वितरण होने के चलते प्रतियोगी संतुलन से कोई दक्ष आवण्टन प्राप्त हो सकता है।

86. Which of the following are NOT properties of Cobb-Douglas production function?
निम्नलिखित में से क्या-क्या कॉब- डगलस उत्पादन फलन के गुण नहीं है?

A. Cobb-Douglas production function is a homogeneous production function/कॉब- डगलस उत्पादन फलन एक सजातीय उत्पादन फलन है।
B. Curves representing average and marginal productivity of inputs are not downward sloping/आगत की औसत व सीमांत उत्पादकता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधोमुखी ढलवा नहीं हैं।
C. Marginal productivity of labour and capital in Cobb-Douglas production function are functions of the capital-labour ratio/कॉब-डगलस उत्पादन फलन में श्रम और पूंजी की सीमांत उत्पादकता पूंजी–श्रम अनुपात का फलन है।
D. Iso-quants of Cobb-Douglas production functions are positively sloped/कॉब – डगलस उत्पादन फलन के सम- उत्पादक वक्र (आइसो – क्वांट्स) घनात्मक रूप से ढलवां हैं।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) B and C only/केवल B और C
(c) B and D only/केवल B और D
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (c) : कॉब-डगलस उत्पादन फलन पाल डगलस और सी.कॉब द्वारा अमेरिकी निर्माणकारी उद्योग के आनुभविक अध्ययन पर आधरित है। यह रेखीय प्रथम कोटि का उत्पादन फलन है जो निर्माणकारी उद्योग के समस्त उत्पादन के लिए केवल दो आगतों श्रम और पूँजी को लेता है। कॉब-डगलस उत्पादन फलन को इस प्रकार व्यक्त किया जाता है-

$Q = AL^{\alpha}C^{\beta}$

जहाँ उत्पादन Q है और L तथा C क्रमशः श्रम और पूँजी की आगतें है। A, α और β धनात्मक प्राचल हैः जहाँ $\alpha > 0, \beta > 0$

कॉब-डगलस उत्पादन फलन के निम्नलिखित गुण है-
(i) कॉब-डगलस उत्पादन फलन एक सजातीय उत्पादन फलन है।
(ii) कॉब-डगलस उत्पादन फलन में श्रम और पूँजी की सीमांत उत्पादकता पूँजी-श्रम अनुपात का फलन है।
(iii) कॉब-डगलस उत्पादन फलन की साधन स्थानापन्नता की लोच एक के बराबर हैं
(iv) कॉब-डगलस उत्पादन फलन में α/β अनुपात साधन गहनता को मापता है।

87. Which of the following is TRUE for Bank Rate?
बैंक दर के बारे में निम्नलिखित में कौन सही है?

(a) Bank rate is a direct instrument of credit control/बैंक दर साख नियंत्रण का एक प्रत्यक्ष उपकरण है।
(b) Bank rate is a qualitative instrument/बैंक दर एक गुणात्मक उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) है।
(c) Bank rate is the minimum rate at which the Central Bank Provides credit to financial institutions against securities of the government/बैंक दर वह न्यूनतम दर है जिस पर केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूति के बदले वित्तीय संस्थानों को ऋण प्रदान करती है।
(d) Increase in Bank rate by Central Bank would increase money supply keeping other factors constant/केंद्रीय बैंक दर में वृद्धि दूसरे कारकों को स्थिर रखते हुए आपूर्ति को बढ़ा देगी।

Ans. (a) : बैंक दर साख नियंत्रण का एक प्रत्यक्ष उपकरण है। बैंक दर के द्वारा केन्द्रिय बैंक साख की उपलब्धता तथा साख की लागत को प्रभावित कर सकता हैं और इस प्रकार बैंकों की साख सृजन शक्ति को प्रभावित कर सकता है।

88. Match List –I with List-II
सूची-I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Convex Function उत्तल फलन	I. Basic Variable मूल चर
B. Input-Output Analysis/आगत-निर्गत विश्लेषण	II. Use of Derivative व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) का प्रयोग
C. Linear Programming रैखिक प्रोग्रामिंग	III. Hawkins-Simon condition/हॉकिन्स साइमन शर्तें
D. Marginal Propensity to Consume/सीमांत उपभोग-प्रवृत्ति	IV. Demand Curve मांग वक्र

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-III, C-I, D-IV
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-IV, B-I, C-III, D-II
(d) A-IV, B-III, C-I, D-II

Ans. (d) : सही सुमेलित सूची-

सूची-I	सूची- II
(A) उत्तल फलन	(iv) माँग वक्र
(B) आगत-निर्गत विश्लेषण	(iii) हॉकिन्स साइमन शर्तें
(C) रैखिक प्रोग्रमिंग	(i) मूल चर
(D) सीमांत उपभोग-प्रवृत्ति	(ii) व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) का प्रयोग

89. The optimum tariff means:
इष्टतम प्रशुल्क का मतलब है:

(a) Maximises total export sales of the imposing country/लागू करने वाले देश के संपूर्ण निर्यात विक्रियों को अधिकाधिक करता है।
(b) Must occur in the elastic range of the partner country's offer curve/भागीदार देश के प्रस्ताव वक्र की लोचदार सीमा के भीतर होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) Must occur in the elastic range of the tariff imposing home country's offer curve
प्रशुल्क लगाने वाले घरेलू देश के प्रस्ताव वक्र की लोचदार सीमा के भीतर ही होता है।

(d) Takes account of the probability that the partner country will retaliate with protective measures of its own/लागू करने वाला देश इस संभाव्यता का ध्यान रखेगा कि भागीदार देश अपने स्वयं के संरक्षण मापकों के साथ प्रतिकार करेगा।

Ans. (b) : इष्टतम प्रशुल्क वह प्रशुल्क है जो देश को उस व्यापार उदासीनता वक्र पर ले जाये जो दूसरे देश के प्रस्ताव वक्र को स्पर्श करता हो। प्रो0 सोडर्स्टन के अनुसार,"अन्य कोई देश मुक्त व्यापार की स्थिति में हो, तो वह सही प्रशुल्क लगाकर हमेशा अपने कल्याण में सुधार कर सकता है, अर्थात् जो प्रशुल्क देश के कल्याण को अधिकतम बनाए, इष्टतम प्रशुल्क कहलाता है।" इष्टतम प्रशुल्क के स्तर का निर्धारण उस बिन्दु पर होता है जहाँ प्रशुल्क लगाने वाले देश का व्यापार उदासीनता वक्र दूसरे देश के प्रस्ताव वक्र को स्पर्श करता है।

90. Which of the following are true for the Environmental Kuznets Curve (EKC)?
पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र (ईकेसी) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-कौन सही है?

A. The relationship between Income and Environmental damages take the shape of an inverted U/आय व पर्यावरणीय क्षति के बीच का संबंध विपर्यस्त U का आकार ले लेता है।

B. EKC is applicable in case of irreversible environmental damage/अप्रत्यावर्तनीय पर्यावरणीय क्षति के मामले में ईकेसी लागू है।

C. EKC holds true for global pollutants/वैश्विक प्रदूषकों के संबंध में ई के सी लागू है।

D. EKC hypothesis intends to represent a long term relationship between economic growth and pollution/ई के सी की प्राक्कल्पना आर्थिक संवृद्धि व प्रदूषण के बीच दीर्घावधि संबंध बनाने की है।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and D only/केवल A और D
(c) A, B, C and D/ A, B, C और D
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (b) : आर्थिक विकास (संवृद्धि) की दर तथा प्रदूषण के केन्द्रीकरण के बीच पाये जाने वाले सम्बन्ध को प्रदर्शित करने वाले वक्र को कुजनेट्स पर्यावरणीय वक्र कहते हैं। जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जाता है, प्रारम्भ में औद्योगिकीकरण के कारण उत्पन्न उत्पादन संरचना प्रभाव के कारण प्रदूषण में वृद्धि होती है पर प्रतिव्यक्ति आय के एक निश्चित स्तर या विकास के एक निश्चित स्तर के बाद पर्यावरणीय वस्तुओं तथा सेवाओं के सम्बन्ध में आय-माँग लोच की अधिकता के कारण पर्यावरणीय केन्द्रीयकरण कम होता जाता है, इसलिए जैसे-जैसे प्रतिव्यक्ति आय बढ़ती जाती है, प्रदूषण केन्द्रीकरण प्रारम्भ में बढ़ेगा तथा एक निश्चित स्तर के बाद उसमें गिरावट होगी। पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र उल्टे ळ आकार का होता है।

91. Which one of the following correctly describes the concept of 'Super Multiplier'?
निम्नलिखित में से 'अतिगुणक' की संकल्पना का सही वर्णन कौन करता है?

(a) Employment multiplier/रोजगार गुणक
(b) Interaction between multiplier and accelerator गुणक व त्वरक के बीच अंतः क्रिया
(c) Investment multiplier/निवेश गुणक
(d) Money multiplier/मौद्रिक गुणक

Ans. (b) : प्रो. हिक्स ने आय पर प्रारम्भिक निवेश का कुल प्रभाव मापने के लिए गुणक तथा त्वरक को गणितीय विधि से मिला दिए और उसे अतिगुणक का नाम दिए हैं। गुणक और त्वरक का सम्मिलित प्रभाव लीवर प्रभाव (Leverage effect) भी कहलाता है जो अर्थव्यवस्था को आय प्रजनन के बहुत ऊँचे या नीचे स्तर पर ले जा सकता है।

$$K_S = \frac{1}{1-C-V} = \frac{1}{S-V}$$

जहाँ Ks अतिगुणक, C सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति, V सीमान्त निवेश प्रवृत्ति और S सीमान्त बचत प्रवृत्ति (S = 1 – C) है।

92. When the exchange rate changes from 1 $ = Rs. 72 to 1$ = Rs. 68, then the:
जब विनिमय दर $1 (डॉलर) = रु. 72 से 1 डॉलर = रु. 68 में परिवर्तित होता है तब:

A. Rupee has depreciated
रुपये के मूल्य में गिरावट होती है

B. Dollar has depreciated
डॉलर के मूल्य में गिरावट होती है

C. Rupee has appreciated
रुपये के मूल्य में वृद्धि होती है

D. Dollar has appreciated
डालर के मूल्य में वृद्धि होती है

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and D only/केवल A और D
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (c) : विनिमय दर वह दर होती है जिस पर एक करेंसी का दूसरी करेंसी से विनिमय किया जाता है। यह दर एक करेंसी में दूसरी करेंसी की कीमत होती है। इसे व्यक्त करने का प्रचलित तरीका यह है कि घरेलू करेंसी के रूप में विदेशी करेंसी की एक इकाई की कीमत। जब विनिमय दर $ 1(डॉलर) = ₹ 72 से 1 डॉलर = ₹ 68 में परिवर्तित होता है तब डॉलर के मूल्य में गिरावट होती है और रुपये के मूल्य में वृद्धि होती है।

93. Harrod-neutral technical progress is necessarily :
हेरोड निरपेक्ष तकनीकी विकास अनिवार्यता

(a) Capital augmenting/पूंजी संवर्धक है
(b) Growth augmenting/संवृद्धि संवर्धक है
(c) Labour augmenting/श्रम संवर्धक है
(d) Resource augmenting/संसाधन संवर्धक है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : सर रॉय हैरड के अनुसार तटस्थ तकनीकी प्रगति का अर्थ है ब्याज दर स्थिर होने पर पूँजी एवं श्रम के बीच कुल राष्ट्रीय उत्पाद का वितरण सतत रहना। यदि K/Y अचर हो तो ds/dt शून्य से अधिक हो तो हैरॉड के वर्गीकरण में तकनीकी परिवर्तन श्रम बचतकारी कहलाता है। जब K/Y अचर हो तथा ds/dt < 0 हो तो तकनीकी परिवर्तन पूँजी बचतकारी होता है तथा यदि अचर K/Y में S नियत रहता है तथा ds/dt = 0 हो तो तकनीकी प्रगति हैरड-तटस्थ होती है।

94. Given below are two statements. one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण R के रूप में:

Assertion A: There is no incentive for a profit maximising producer to supply public goods
अभिकथन A: लाभ को अधिकतम बनाने वाले उत्पादक के लिए सार्वजनिक वस्तुओं के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं है।

Reason R : If he produces it, he is unable to exclude people from consuming it and hence he cannot charge a price
कारण R : यदि वह इसका उत्पादन करता है, वह लोगों को उसका उपभोग करने से बहिष्कृत करने में असमर्थ है और इसलिए वह मूल्य पारित नहीं कर सकता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A is correct but R is not correct
A सही है परन्तु R सही नहीं है।
(b) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है परन्तु R सही है।
(c) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/ A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(d) Both A and R are correct but R is NOT the correct explanation of A/ A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

Ans. (c) : लाभ को अधिकतम बनाने वाले उत्पादक के लिए सार्वजनिक वस्तुओं के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं है, क्योंकि यदि वह इसका उत्पादन करता है, तो वह लोगों को उसका उपभोग करने से बहिष्कृत करने में असमर्थ है और इसलिए वह मूल्य पारित नहीं कर सकता है।

95. Zero Based Budgeting (ZBB) lays emphasis on:
शून्य आधारित बजटन (जेड बीबी) किस पर बल देता है:

A. Allocation of resources based on cost-benefit terms/लागत –लाभ शर्तों पर आधारित संसाधनों पर आधारित आबंटन
B. Unlimited deficit financing
असीमित घटिकी वित्त व्यवस्था
C. Preparing a new budget right from the scratch
स्क्रैच से नया बजट अधिकार तैयार करना
D. Preparing the budget, neglecting the history of expenditure/व्यय के इतिहास की उपेक्षा करते हुए बजट तैयार करना

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (c) : शून्य आधरित बजटन (ZBB) का प्रवर्तन पीटर पायर(Peter Phyrr) ने 1970 में किया। सार्वजनिक बजेटिंग के क्षेत्र में ZBB का प्रयोग 1973 में जिम्मी कार्टर ने किया, जब वे जार्जिया में गवर्नर थे। भारत में शून्य बजेटिंग की शुरुआत 1986 में सार्वजनिक बजट के निर्धारण के सम्बन्ध में की गयी पर बजट के अस्त्र के रूप में इसे 2000-01 से लागू किया गया जिसकी घोषणा वित्त मंत्री ने 1999-2000 में किया। शून्य आधारित बजटन (Z.B.B) निम्न पर बल देता है-
(i) लागत-लाभ शर्तों पर आधारित संसाधनों पर आधारित आबण्टन
(ii) स्क्रैच से नया बजट अधिकार तैयार करना।
(iii) व्यय के इतिहास की उपेक्षा करते हुए बजट तैयार करना।

96. Which of the following would reduce the credit creation capacity of a Commercial Bank?
निम्नलिखित में से किस- किस के कारण वाणिज्यिक बैंक की ऋण सृजन क्षमता कम हो जाएगी?

A. Time and Demand deposits/सावधि व मांग जमा
B. Loans/ऋण
C. Deposits with the Central Bank
केन्द्रीय बैंक के पास जमा
D. Cash in hand/हाथ में नकदी

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and D only/केवल A और D
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (d) : वाणिज्यिक बैंक की ऋण सृजन क्षमता निम्नलिखित कारणों से कम हो जाती है-

1. केन्द्रीय बैंक के पास जमा	2. हाथ में नकदी
3. उचित जमानतें	4. न्यूनतम कानूनी रिजर्व अनुपात
5. केन्द्रीय बैंक की साख-नियंत्रण नीति	
6. अन्य बैंकों का व्यवहार	7. रिसाव

97. Match List –I with List-II
सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	**List-II/सूची-II**
A. NIRVIK एन आइ आर वी आई के	I. A project directed to provide piped cooking gas to millions of households/लाखों परिवारों को पाईप के द्वारा रसोई गैस प्रदान करने की परियोजना
B. Ayushman Bharat आयुष्मान भारत	II. A scheme to enhance energy efficiency/ ऊर्जा दक्षता वृद्धि करने की स्कीम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

C.	Pradhan Mantri Urja Ganga (PMUG) प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा (पी एम यू जी)	III.	Export credit insurance scheme/ निर्यात ऋण बीमा स्कीम
D.	Perform, Achieve and Trade (PAT) निष्पादन, प्राप्ति व व्यापार (पी ए टी)	IV.	Programme related to health issues in the primary, secondary and tertiary sectors/ प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र में स्वास्थ्य मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-III, C-I, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-III, B-IV, C-II, D-I

Ans. (c) : सही समुलित सूची-

	सूची-I		**सूची- II**
(A)	एन.आई.आर.वी.आई.के.	(iii)	निर्यात ऋण बीमा स्कीम
(B)	आयुष्मान भारत	(iv)	प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र में स्वास्थ्य मुद्दों से सम्बन्धित कार्यक्रम
(C)	प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा (पी.एम.यू.जी.)	(i)	लाखों परिवारों को पाईप के द्वारा रसोई गैस प्रदान करने की परियोजना
(D)	निष्पादन, प्राप्ति व व्यापार (पी.ए.टी)	(ii)	ऊर्जा दक्षता वृद्धि करने की स्कीम

98. The movement from old level of expenditure and taxation to a new and higher level is called:
व्यय और कराधान के पुराने स्तर से नए और उच्चतर स्तर की ओर संचलन को क्या कहा जाता है?

(a) All of the above/उपर्युक्त में से सभी
(b) Concentration effect/संकेन्द्रण प्रभाव
(c) Displacement effect/विस्थापन प्रभाव
(d) Inspection effect/निरीक्षण प्रभाव

Ans. (c) : व्यय और कराधान के पुराने स्तर से नये और उच्चतर स्तर की ओर संचलन को विस्थापन प्रभाव कहते हैं। विस्थापन प्रभाव की अवधारणा पीकॉक तथा वाइजमैन से सम्बन्धित है। पीकॉक तथा वाइजमैन मूलतः सार्वजनिक व्यय की वृद्धि के स्वरूप तथा ढाँचे के परिवर्तन के विश्लेषण से सम्बन्धित थे। उनका प्रमुख निष्कर्ष यह था 'यद्यपि युद्ध के बाद ब्रिटेन के राजकीय व्यय में कमी आयी पर यह घटकर युद्ध के पूर्व के स्तर पर नहीं आयी और राष्ट्रीय उत्पाद में सरकारी व्यय का अनुपात युद्ध के तुरन्त पहले के स्तर की तुलना में बहुत अधिक रहा' राष्ट्रीय उत्पाद में सार्वजनिक व्यय के अनुपात में इस स्थायी वृद्धि को विस्थापन प्रभाव (Displacement effect) कहा।

99. Assuming the probability of a male birth as 0.5, find the chances that a family of 3 children will have two boys and one girl
पुरुष जन्म की संभाव्यता को 0.5 मान कर, इस संभावना का पता लगाए कि 3 बच्चों वाले परिवार में दो बालक व एक बालिका हो

(a) $\frac{1}{8}$ (b) $\frac{2}{8}$
(c) $\frac{3}{8}$ (d) $\frac{4}{8}$

Ans. (c) : पुरूष जन्म की संभाव्यता = 0.5
परिवार में कुल बच्चे = 3
बालक = 2
बालिका = 1
प्रश्नानुसार,

$$3\left(\frac{1}{2}\times\frac{1}{2}\times\frac{1}{2}\right)=\frac{3}{8}$$

100. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण R के रूप में:

Assertion A: New capital accumulation is the vehicle of technical progress
अभिकथन A: नव पूंजी संचयन तकनीकी का वाहक है।

Reason R: Technical progress is embodied in new machines
कारण R : तकनीकी प्रगति नयी मशीनों में सन्निहित होती है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A is false but R is true
A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
(b) A is true but R is false
A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(c) Both A and R are true and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(d) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A/A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्हाख्या नहीं है।

Ans. (c) : नव पूंजी संचयन तकनीकी का वाहक है, क्योंकि तकनीकी प्रगति नयी मशीनों में सन्निहित होती है। अतः कथन एवं कारण दोनों सत्य है तथा कथन की कारण सही व्याख्या करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022

अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(परीक्षा तिथि : 08.10.2022)

1. Match List I with List II :

List-I	List-II
A. Absolute Income Hypothesis	I. Milton Friedman
B. Relative Income Hypothesis	II. J.M. Keynes
C. Permanent Income Hypothesis	III. James Dusenberry
D. Life Cycle Hypothesis	IV. Franco Modiglani

Choose the correct answer from the options given below :

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. निरपेक्ष आय संकल्पना	I. मिल्टन फ्रीडमैन
B. सापेक्ष आय संकल्पना	II. जे.एम. कीन्स
C. स्थायी आय संकल्पना	III. जेम्स ड्यूसेनबरी
D. जीवन चक्र संकल्पना	IV. फ्रांको मोदिग्ल्यानी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D
(a)	II	I	IV	III
(b)	II	III	I	IV
(c)	IV	III	I	IV
(d)	III	II	I	IV

Ans. (b) : सही सुमेलित सूची निम्न है :

	सूची-I	सूची-II
A.	निरपेक्ष आय संकल्पना	II. जे.एम. कीन्स
B.	सापेक्ष आय संकल्पना	III. जेम्स ड्यूसेनबरी
C.	स्थायी आय संकल्पना	I. मिल्टन फ्रीडमैन
D.	जीवन चक्र संकल्पना	IV. फ्रांको मोदिग्ल्यानी

2. Arrange the following events in sequence (the oldest one being first)

निम्नलिखित आयोजनों को क्रम में लगाइये (सबसे पहले हुए आयोजन को सबसे पहले)

A. **The Tokyo Round/टोक्यो राउंड**
B. **The Uruguay Round/उरुग्वे राउंड**
C. **The Annecy Round/एनेसी राउंड**
D. **The Dillon Round/डिलन राउंड**
E. **The Torquay Round/टरक्यो राउंड**

Choose the correct answer from the options given below:

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) C, E, D, B, A (b) E, C, A, D, B
(c) C, E, D, A , B (d) E, C, D, A, B

Ans. (c) : निम्नलिखित आयोजनों का सही क्रम निम्न है :

C. एनेसी राउंड (1949)
E. टरक्यो राउंड (1950-51)
D. डिलन राउंड (1960-61)
A. टोक्यो राउंड (1973-79)
B. उरुग्वे राउंड (1986-94)

3. Here is given sex ratio for different states of India for 2011

भारत के विभिन्न राज्यों के सन् 2011 का लिंग अनुपात निम्नवत है। इनमें से सही विकल्प चुनें–

A. Gujarat : 942/गुजरात : 942
B. Madhya Pradesh : 931/मध्यप्रदेश : 931
C. Odisha : 979/उड़ीसा : 979
D. Tamil Nadu : 996/तमिलनाडु : 996
E Haryana : 862/हरियाणा : 862

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) B, C and D only/केवल B, C और D
(b) A and B only/केवल A और B
(c) C and D only/केवल C और D
(d) C, D and E only/केवल C, D और E

Ans. (a) : भारत के विभिन्न राज्यों के सन् 2011 का लिंग-अनुपात निम्नवत हैं- गुजरात (919), मध्य प्रदेश (931), उड़ीसा (979), तमिलनाडु (996) तथा हरियाणा (879) है। प्रति एक हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या ही लिंगानुपात है।

4. Match List I with List II:/सूची-II मिलान कीजिए :

List I	List II
A. FEMA	I. 1969
B. MRTP Act	II. 2002
C. Competition Act	III. 1973
D. FERA	IV. 1999
सूची-I	**सूची-II**
A. एफ.ई.एम.ए.	I. 1969
B. एम.आर.टी.पी. एक्ट	II. 2002
C. प्रतियोगिता एक्ट	III. 1973
D. एफ.ई.आर.ए.	IV. 1999

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D
(a)	I	II	IV	III
(b)	III	I	II	IV
(c)	IV	II	I	III
(d)	IV	I	II	III

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : सही सुमेलित सूची निम्न है-

सूची-I	सूची-II
A. एफ.ई.एम.ए.	IV. 1999
B. एम.आर.टी.पी. एक्ट	I. 1969
C. प्रतियोगिता एक्ट	II. 2002
D. एफ.ई.आर.ए.	III. 1973

5. If the income effect for a good is in the opposite direction as the substitution effect, but the substitution effect dominates then the good is
यदि किसी वस्तु के लिए आय प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव की तरह विपरीत दिशा में पड़ता है, किंतु प्रतिस्थापन प्रभाव का प्रभुत्व रहता है, तो वह वस्तु है

(a) Normal/सामान्य
(b) Inferior but not giffen/घटिया किंतु गिफिन नहीं
(c) Giffen/गिफिन
(d) None of the above/उपर्यक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : यदि किसी वस्तु के लिए आय प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव की तरह विपरीत दिशा में पड़ता है, किंतु प्रतिस्थापन प्रभाव का प्रभुत्व रहता है, तो वह वस्तु घटिया होगी दूसरे शब्दो में जब घटिया वस्तु X की कीमत कम होती है तो उपभोक्त आय में क्षतिपूरक परिवर्तन के कारण स्थानापन्नता प्रभाव के अर्न्तगत इसकी अधिक मात्रा खरीदता है और वास्तविक आय बढ़ने के कारण आय प्रभाव के अर्न्तगत कम मात्रा खरीदता है और बाकी राशि को किसी अन्य वस्तु पर खर्च करता है, परन्तु घटिया वस्तु के लिए धनात्मक आय प्रभाव से ऋणात्मक स्थानापन्नता प्रभाव अधिक शक्तिशाली होता है जिससे कुल कीमत प्रभाव ऋणात्मक होगा।

6. The fitted regression equation is given by $Y_i = -10 + 0.6X$. What is the value of the residual at the point X = 40, Y = 60
स्थापित प्रतिगमन समीकरण $Y_i = -10 + 0.6X$ के रूप में दिया गया है। X = 40, Y = 60 बिन्दु पर अवशिष्ट का मूल्य कितना होगा?

(a) 74 (b) 46
(c) 0 (d) 45

Ans. (b) : दिया है-
स्थापित प्रतिगमन समीकरण $y_1 = -10 + 0.6\ x$ .....(i)
$x = 40$
$y = 60$
समीकरण (i) में $x = 40$ रखने पर
$y_1 = -10 + (0.6 \times 40)$
$y_1 = 14$
अवशिष्ट का मूल्य $= y - y_1$
$= 60 - 14 = 46$

7. In the Mundell-Fleming model, under floating exchange rate, which policy is more effective to influence aggregate income?
मुंडेल-फ्लेमिंग मॉडल में, परिवर्तनशील विनिमय दर के अधीन, समग्र आय को प्रभावित करने के लिए कौन-सी नीति अधिक कारगर है?

(a) Fiscal policy/राजकोषीय नीति
(b) Monetary policy/मौद्रिक नीति
(c) Exchange rate policy/विनिमय दर नीति
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : मुंडेल-फ्लेमिंग मॉडल में, परिवर्तनशील विनिमय दर के अधीन, समग्र आय को प्रभावित करने के लिए मौद्रिक नीति अधिक कारगर है। मुंडेल-फ्लेमिंग मॉडल आई. एस. एवं एल. एम. मॉडल की तरह निश्चित मूल्य स्तर की धारणा पर आधारित है और वस्तु बाजार और मुद्रा बाजार के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है। मुंडेल-फ्लेमिंग मॉडल एक बहुत ही प्रतिबन्धात्मक धारणा पर आधारित है। यह पूर्ण पूँजी गतिशीलता के साथ एक छोटी खुली अर्थव्यवस्था पर विचार करता है।

8. Which of the following hold good for Lewis model of development?
लेवीस के विकास मॉडल के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-कौन से विकल्प सही है:

A. Unlimited supply of labour
श्रम की असीमित आपूर्ति

B. Marginal productivity of labour in the subsistence wage/अवस्थितिक क्षेत्र में श्रम की सीमान्त उत्पादकता जीवन निर्वाहक मजदूरी के बराबर या उससे कम होती है

C. Dual economy with a modern sector and a subsistence sector/आधुनिक एवं अवस्थितीक क्षेत्र के साथ द्वैतवादी अर्थव्यवस्था

D. Agricultural sector subject to increasing returns
कृषि क्षेत्र बढ़ते हुए लाभ के सापेक्ष सम्बन्ध में

E. Model that explains the crucial role of capitalist surplus in the development process/विकास की प्रक्रिया में पूँजीवादी अधिकता को व्याख्या करने वाला मॉडल

Choose the more appropriate answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, E only/केवल A, B, C, E
(b) A, B, D, E only/केवल A, B, D, E
(c) B, C, D, E only/केवल B, C, D, E
(d) A, C, D, E only/केवल A, C, D, E

Ans. (a) : प्रो लेविस ने श्रम की सीमित पूर्तियों से आर्थिक विकास का बहुत व्यवस्थित सिद्धांत प्रस्तुत किया है। क्लासिकल अर्थ शास्त्रियों की भांति वह भी मानता है कि अल्पविकसित देशों में निर्वाह मजदूरी पर श्रम की असीमित पूर्ति उपलब्ध होती है। आर्थिक विकास तब होता है जब श्रम को निर्वाह क्षेत्र से हटाकर पूँजीवादी क्षेत्र में लगाने के परिणामस्वरूप पूँजी-संचय होता है। लेवीस के विकास मॉडल के सन्दर्भ में निम्न कथन हैं:

(i) श्रम की असीमित आपूर्ति
(ii) अवस्थितिक क्षेत्र में श्रम की सीमान्त उत्पादकता जीवन निर्वाहक मजदूरी के बराबर या उससे कम होती है
(iii) आधुनिक एवं अवस्थितीक क्षेत्र के साथ द्वैतवादी अर्थव्यवस्था
(iv) विकास की प्रक्रिया में पूँजीवादी अधिकता को व्याख्या करने वाला मॉडल।

9. Provide proper chronological order of different schemes launched in India
भारत में शुरु की गई भिन्न-भिन्न स्कीमों को उचित कालक्रमानुसार लगाइये:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

A. **Pradhan Mantri Jan Aushadhi Yojana**
प्रधानमंत्री जन औषधी योजना

B. **Pradhan Mantri Ujjawala Yojana**
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

C. **Atal Pension Yojana/अटल पेंशन योजना**

D. **PM Jan Dhan Yojana**
प्रधानमंत्री जन-धन योजना

E. **Ayushman Bharat Yojana**
आयुष्मान भारत योजना

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजए:

(a) C, B, A, D, E (b) C, D, B, A, E
(c) D, A, B, C, E (d) D, C, A, B, E

Ans. (d) : भारत में प्रारम्भ की गयी योजनाओं का सही कालक्रम निम्न है:
D. प्रधानमंत्री जन-धन योजना - अगस्त 2014
C. अटल पेंशन योजना - मई 2015
A. प्रधानमंत्री जन औषधी योजना - जुलाई 2015
B. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना - मई 2016
E. आयुष्मान भारत योजना - सितम्बर 2018

10. Which of the following modern Indian Economic thinker had not gone abroad for study or work?/निम्नलिखित में से कौन-सा आधुनिक भारतीय-आर्थिक विचारक अध्ययन या कार्य करने के लिए विदेश नहीं गया?

(a) Mahatma Gandhi/महात्मा गाँधी
(b) Ram Manohar Lohia/राम मनोहर लोहिया
(c) B. R. Ambedkar/बी.आर. अम्बेडकर
(d) Deen Dayal Upadhyaya/दीन दयाल उपाध्याय

Ans. (d) : आधुनिक भारतीय-आर्थिक विचारक पंडित दीन दयाल उपाध्याय अपने अध्ययन या कार्य करने के लिए विदेश नहीं गये। दीन दयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर, 1916 को चन्द्रभान गाँव मथुरा उत्तर प्रदेश में हुआ था।

11. Real and nominal income is calculated respectively at/वास्तविक और नामिक आय का परिकलन क्रमशः किस आधार पर किया जाता है

(a) Current and constant prices
चालू और स्थिर कीमतें
(b) Constant and current prices
स्थिर और चालू कीमतें
(c) Constant and constant prices
स्थिर और स्थिर कीमतें
(d) Current and current prices/चालू और चालू कीमतें

Ans. (b) : वास्तविक और नामिक आय का परिकलन क्रमशः स्थिर कीमतें और चालू कीमतों के आधार पर किया जाता है।

12. Given below are two statements :

Statement I : Dualism refer to economic and social divisions in an economy, such as difference in the level of technology between sectors or regions, differences in the degree of geographic development and differences in social customs and attitudes.

Statement II: The developing countries in the early stage of development experience dualism, which have implications for future pattern and pace of development.

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : किसी अर्थव्यवस्था में द्वैतवाद का अर्थ आर्थिक और सामाजिक विभाजन होता है, जैसे कि तकनीक के स्तर में अन्तर, क्षेत्रों और वर्गों में अन्तर, भौगोलिक विकास में पाया जाने वाला अन्तर और सामाजिक रितियों और दृष्टिकोण में पाया जाने वाला अन्तर

कथन II : विकासशील देश विकास के आरम्भिक अवस्था में द्वैतवाद का अनुभव करते हैं जिसका असर भविष्य में विकास के गति और क्रम पर पड़ता है।

In the light of above statements. Choose the most correct answer from the options given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both statement I and statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं
(b) Both statement I and statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं
(c) Statement I is true but statement II is false
कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य हैं
(d) Statement I is false but statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

Ans. (a) : किसी अर्थव्यवस्था में द्वैतवाद का अर्थ आर्थिक और सामाजिक विभाजन होता है, जैसे कि तकनीक के स्तर में अन्तर, क्षेत्रों और वर्गों में अन्तर, भौगोलिक विकास में पाया जाने वाला अन्तर और सामाजिक रितियों और दृष्टिकोण में पाया जाने वाला अन्तर विकासशील देश विकास के आरम्भिक अवस्था में द्वैतवाद का अनुभव करते हैं जिसका असर भविष्य में विकास के गति और क्रम पर पड़ता है। अतः उपर्युक्त कथन सत्य है।

13. What are the practical consequences of multicollinearity in CLRM?

A. R^2, the overall measure of grodness of fit can be very high
B. OLS estimators are not BLUE
C. OLS estimators have small variance and covariances
D. t ratio of one or more coefficients is statistically insignificant
E. The OLS estimators and their standard errors can be sensitive to small changes in the data

सीएलआरएम में, मल्टी कोलीनीरिटी के व्यवहारिक परिणाम क्या होते हैं?

A. R^2, गुडनेस आफ फिट का समग्र माप काफी अधिक हो सकता है
B. OLS प्राक्कलक BLUE नहीं होते है
C. OLS प्राक्कलक के पास छोटे प्रसरण और सह-प्रसरण होते हैं
D. एक या उससे अधिक गुणांकों का t अनुपात सांख्यिकीय रूप से अमहत्वपूर्ण होता है
E. OLS प्राक्कलक और उनकी मानक त्रुटियाँ आँकड़ों में छोटे परिवर्तनों के प्रति संवेदनशील हो सकती है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :/Choose the correct answer from the options given below :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, D and E only/केवल A, D और E
(d) B, C and E only/केवल B, C और E

Ans. (c) : सीएलआरएम में, मल्टी कोलीनीरिटी के व्यवहारिक परिणाम निम्नलिखित होते हैं-

(i) OLS प्राक्कलक BLUE नहीं होते है
(ii) OLS प्राक्कलक के पास छोटे प्रसरण और सह-प्रसरण होते है।
(iii) OLS प्राक्कलक और उनकी मानक त्रुटियाँ आँकड़ों में छोटे परिवर्तनों के प्रति संवेदनशील हो सकती है
(iv) यद्यपि एक या उससे अधिक गुणांकों का t अनुपात सांख्यिकीय रूप से अमहत्वपूर्ण होता है R^2, गुडनेस आफ फिट का समग्र माप काफी अधिक हो सकता है।

14. Which of the followings are assumptions of ordinal utility analysis?
निम्न में से तुलनात्मक उपयोगिता विश्लेषण के सन्दर्भ में कौन-सी अवधारणा सही है?

A. Consumers are consistent in their preferences
उपभोक्ता अपने प्राथमिकता में एक समान रहता है

B. Consumer can measure the total utility received from any given basket of goods
उपभोक्ता कुल उपयोगिता का परिमाण किसी भी वस्तु के समूह से करते हैं

C. Consumer preferences follow transitivity
उपभोक्ता प्राथमिकता संक्रामिकता का अनुपालन करते हैं

D. Consumers are non-satiated with respect to goods they confront/उपभोक्ता पाये जाने वाले वस्तुओं से परितृप्त नहीं होते हैं

E. Consumers are irrational
उपभोक्ता विवेकहीन होते हैं।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, C, D only/केवल B, C और D
(b) C, D, E only/केवल C, D और E
(c) A, C, D only/केवल A, C और D
(d) A, B, C only/केवल A, B और C

Ans. (c) : तुलनात्मक उपयोगिता विश्लेषण के सन्दर्भ में निम्नलिखित अवधारणा ये हैं-

(i) उपभोक्ता अपने प्राथमिकता में एक समान रहता है
(ii) उपभोक्ता प्राथमिकता संक्रामिकता का अनुपालन करते हैं समूह से करते हैं
(iii) उपभोक्ता पाये जाने वाले वस्तुओं से परितृप्त होते हैं
(iv) उपभोक्ता विवेकशील होते हैं।
(v) क्रमवाचक उपयोगिता के समर्थक पैरेटो, ऐलेन, हिक्स, सैम्युल्सन आदि है
(vi) उपयोगिता एक मनोवैज्ञानिक तथा व्यक्तिनिष्ठ विचार है।

15. "Menu Cost" is a concept used in
'मेन्यु कास्ट' निम्नलिखित में प्रयुक्त एक अवधारणा है

(a) Classical economics/क्लासिकीय अर्थशास्त्र
(b) Neo-classical economics/नव-क्लासिकीय अर्थशास्त्र
(c) New-Keynesian economics
नव-कीन्सीयन अर्थशास्त्र
(d) Keynesian economics/कीन्स का अर्थशास्त्र

Ans. (c) : 'मेन्यु कास्ट' नव-कीन्सीयन अर्थशास्त्र में प्रयुक्त एक अवधारणा है। मेन्यु लागत एक लागत है जो एक फर्म अपनी कीमतों में बदलाव के कारण वहन करती है। यह शब्द उस लागत से उत्पन्न हुआ जब रेस्तरां वस्तुओं की कीमतों को बदलने के लिए नये मेन्यु प्रिंट करते हैं। मेन्यु लागत के उदाहरणों में कम्प्युटर सिस्टम को अपडेट करना, वस्तुओं को फिर से टैग करना, साइनेज बदलना, नये मेन्यु को प्रिंट करना, नयी मूल्य निर्धारण रणनीतियों को विकसित करने के लिए सलाहकारों को काम पर रखना शामिल है।

16. With reference to the views of classical on public debt, which of the followings are correct :

A. Future financing gets more trouble some due to public debt

B. Public debt leads to a reduction of resources for productive private employment

C. Increasing public debt leads to currency depreciation and deflationary situations in the economy

D. Debt financing requires funds for interest payment and amortization, hence a double burden for exchequer

E. Public debt leads to productive activities

सार्वजनिक ऋण के संबंध में क्लासिकल अर्थशास्त्रियों के विचारों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-कौन से सही है?

A. Future financing gets more trouble some due to public debt
सार्वजनिक ऋण के कारण भावी वित्त पोषण और अधिक समस्याग्रस्त हो जाता है।

B. Public debt leads to a reduction of resources for productive private employment
सार्वजनिक ऋण के कारण उत्पादक निजि रोजगार के लिए संसाधनों में कटौती होती है

C. Increasing public debt leads to currency depreciation and deflationary situations in the economy/सार्वजनिक ऋण में वृद्धि से मुद्रा का मूल्यह्रास और अर्थव्यवस्था में अवस्फीति की स्थितियों हो जाती हैं

D. Debt financing requires funds for interest payment and amortization, hence a double burden for exchequer
ऋण वित्तपोषण के लिए ब्याज भुगतान और आशोधन हेतु निधियों की आवश्यकता होती है इसलिए राजकोष पर दोहरा बोझ पड़ता है

E. Public debt leads to
सार्वजनिक ऋण से उत्पादक कार्यकलाप होते हैं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the most appropriate answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, E and B only/केवल A, E, B
(b) C, D and E only/केवल C, D, E
(c) E, D and A only/केवल E, D, A
(d) A, B and D only/केवल A, B, D

Ans. (d) : सार्वजनिक ऋण का अर्थ सरकार द्वारा लिये जाने वाले ऋण से है। जब सरकार अपने देश अथवा दूसरे देशों से ऋण लेती है तब उसे सार्वजनिक ऋण कहते हैं। सार्वजतिनक ऋण के सम्बन्ध में क्लासिकल अर्थशास्त्रियों के विचारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथन सही है-

(i) सार्वजनिक ऋण के कारण भावी वित्त पोषण और अधिक समस्याग्रस्त हो जाता है।
(ii) सार्वजनिक ऋण के कारण उत्पादक निजी रोजगार के लिए संसाधनो में कटौती होती है।
(iii) ऋण वित्तपोषण के लिए ब्याज भुगतान और आशोधन हेतु निधियों की आवश्यकता होती है इसलिए राजकोष पर दोहरा बोझ पड़ता है।

17. Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) has been a flagship programme of the Government of India

A. Beneficiaries of this scheme are eligible for accident insurance cover of Rs. 1 lakh now
B. PMJDY is helpful in inclusive development
C. PMJDY beneficiaries should not be given other benefits like benefits under MUDRA scheme
D. It is leading to women empowerment
E. More than 45 crore people have benefitted so far under PMJDY

प्रधानमंत्री जन धन योजना भारत सरकार की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजना है। इसके सन्दर्भ में सही विकल्प चुनें

A. इस योजना के लाभार्थी दुर्घटना बीमा के 1 लाख रु. के हकदार है
B. इससे सम्मिलित विकास में सहायता मिलती है
C. पी.एम.जे.डी.वाई. के लाभार्थी मुद्रा स्कीम के फायदे के लिए योग्य नहीं है
D. इससे महिला सशक्तिकरण होगा
E. अभी तक इससे 45 करोड़ लाभार्थियों को पी.एम.जे.डी.वाई. से लाभ हुआ

Choose the most appropriate answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) B, D and E only/केवल B, D और E
(d) A, D and E only/केवल A, D और E

Ans. (c) : प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) की घोषणा नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से की गयी थी। इसका औपचारिक शुभारम्भ 'मेरा खाता, भग्य विधाता' आदर्श वाक्य के साथ 28 अगस्त 2014 को पूरे देश में किया गया। इस योजना के सन्दर्भ में निम्न कथन सही है:

(i) इससे सम्मिलित विकास में सहायता मिलती है
(ii) इससे महिला सशक्तिकरण होगा
(iii) अभी तक इससे 45 करोड़ लाभार्थियों को पी.एम.जे.डी.वाई. से लाभ हुआ है।
(iv) यह विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना है।
(v) पीएमजेडीवाई खाताधारकों को जारी रुपये कार्ड के साथ पहले 1 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर (28-08-2018 के बाद खोले गये खातों के लिए 2 लाख रुपये तक बढ़ाया गया) उपलब्ध है।

18. Suppose a profit maximising monopolist is producing 800 units of output and is chargin a price of Rs. 40 per unit. If the elasticity of demand for the product is –2, marginal cost of the last unit produced is _____

मान लीजिए लाभ अधिकतम करने वाला कोई एकाधिकारी 800 यूनिट का उत्पादन कर रहा है और 40 रूपये प्रति यूनिट की कीमत प्रभारित करता है। यदि उस उत्पाद के लिए माँग की लोच –2 है, तो अंतिम उत्पादित यूनिट की सीमान्त लागत ..... है।

(a) 10 (b) –400
(c) –2 (d) 20

Ans. (d) : दिया है-

एकाधिकारी का कुल उत्पादन = 800 यूनिट

कीमत (P) = 40 ₹/यूनिट

माँग की लोच (e) = -2

$$\text{कीमत (P) या AR} = \text{MR}\left(\frac{e}{e-1}\right)$$

जहाँ MR = सीमान्त आय, e = मूल्य लोच

∵ सन्तुलन में सीमान्त आय (MR) = सीमान्त लागत

$$\therefore \text{कीमत} = \text{MC}\left(\frac{e}{e-1}\right)$$

$$40 = \text{MC}\left(\frac{+2}{+2-1}\right)$$

$$40 = 2\ \text{MC}$$

$$\text{MC} = \frac{40}{2} = 20$$

Ans. सीमान्त लागत (MC) = 20

पद $\frac{e}{e-1}$ मूल्य लोच की किसी दी हुई मात्रा से अधिक होगी

इसलिए एकाधिकार में कीमत > सीमान्त लागत

अथवा P > MC

19. Which of the following are correct with respect to IS-LM model?

IS-LM के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-कौन से विकल्प सही है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

A. The LM schedule slopes upward to the right./LM अनुसूची का ढ़लान उपर की तरफ दाहिने होता है

B. The LM schedule will shift to the left with an increase in quantity of money/LM अनुसूची मुद्रा की मात्रा में वृद्धि के साथ बायीं तरफ मुड़ेगा

C. The LM schedule gives equilibrium in the money market/LM अनुसूची मुद्रा बाजार में सन्तुलन प्रदान करता है

D. The IS schedule will shift to the left when these is an increase in government expenditure/IS अनुसूची जब सरकारी खर्चों में वृद्धि होती है तब बायीं तरफ मुड़ती है

E. The IS schedule will shift to the right when taxes are reduced/जब करों में कटौती की जाती है तब IS अनुसूची बायीं तरफ मुड़ती है।

Choose the most appropriate answer from the options given belwo:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C, E only/केवल A, C, E
(b) A, B, C, D only/केवल A, B, C, D
(c) A, C only/केवल A, C
(d) B, D, C, E only/केवल B, D, C, E

Ans. (a) : IS-LM के संदर्भ में निम्न कथन सही है-
(i) LM अनुसूची का ढलान ऊपर की तरफ दाहिने होता है।
(ii) LM अनुसूची मुद्रा बाजार में संतुलन प्रदान करता है।
(iii) जब करों में कटौती की जाती है तब IS अनुसूची बायीं तरफ मुड़ती हैं।

20. Basic characteristices of an under developed economy/किसी अल्प विकसित अर्थव्यवस्था के मौलिक लक्षण है

A. A low level of techology and poor human capital
निम्न तकनीकी स्तर एवं मानव पूँजी की कमी

B. Higher level of GDP and percapita income
सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय का उच्चतर स्तर

C. A high proportion of the labour force engaged in agriculture and low agriculture productivity/श्रम शक्ति की उच्चतर मात्रा का कृषि एवं निम्न कृषि उत्पाद में संलग्न होता

D. A high proportion of domestic expenditure on food/खाद्य-पदार्थ पर उच्चतर घरेलू खर्च

E. Higher incidence of poverty
गरीबी की अधिकता

Choose the most appropriate answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, D, E only/केवल A, C, D, E
(b) A, C, B, E only/केवल A, C, B, E
(c) B, D, E only/केवल B, D, E
(d) B only/केवल B

Ans. (a) : अल्प विकसित अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है जहाँ पर विकास की संभावनाएँ हो, इस वर्ग में भारत पाकिस्तान कोलंबिया, श्रीलंका, व बांग्लादेश आदि देशों की अर्थव्यवस्थाएं आती है। किसी अल्पविकसित अर्थव्यवस्था के मौलिक लक्षण निम्न है-
(i) निम्न तकनीकी स्तर एवं मानव पूंजी की कमी।
(ii) श्रम शक्ति की उच्चतर मात्रा का कृषि एवं निम्न कृषि उत्पाद में संलग्न होता है।
(iii) खाद्य पदार्थों पर उच्चतर घरेलू खर्च।
(iv) गरीबी की अधिकता।
(v) प्रति व्यक्ति निम्न आय का स्तर।

21. 'PM Gatishakti' is driven by _____ engines.
''प्रधानमंत्री गति शक्ति'' ..... इंजनों द्वारा चालित है

(a) Four/चार (b) Five/पाँच
(c) Six/छह (d) Seven/सात

Ans. (d) : बजट 2022-23 में आधारिक संरचना के विकास पर बल देने हेतु चार प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं-
(i) पी.एम.गतिशक्ति
(ii) समावेशी विकास
(iii) उत्पादकता में वृद्धि और निवेश, उदीयमान अवसर, ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु कार्य योजना
(iv) निवेशों का वित्तपोषण।
वित्त मंत्री के अनुसार ▪ ▪ प्रधानमंत्री गतिशक्ति मिशन'' सात इंजनों पर आधारित है जो इस प्रकार है- सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, जल परिवहन, जलमार्ग व लॉजिस्टिक अवसंरचना।

22. A simultaneous equation model is said to be over-identified if.
किसी युगपत समीकरण मॉडल को अति-अभिज्ञात कहा जाता है, यदि

(a) Unique numerical values of the structural parameters can be obtained/संरचनात्मक मापदंडों के अद्वितीय संख्यात्मक मूल्य प्राप्त किए जा सकते हों
(b) More than one numerical values can be obtained for some of the parameters of the structural equations
संरचनात्मक समीकरणों के कुछ मापदंडों के लिए एक से अधिक संख्यात्मक मूल्य प्राप्त किए जा सकते हों
(c) Unique solution of all the structural coefficient is not possible/सभी संरचनात्मक गुणांकों का अद्वितीय समाधान संभव न हो,
(d) Structural coefficient cannot be estimated
संरचनात्मक गुणांक का अनुमान नहीं लगाया जा सकता हो

Ans. (b) : किसी युगपत समीकरण मॉडल को अति-अभिज्ञात कहा जाता है यदि संरचनात्मक समीकरणों के कुछ मापदण्डों के लिए एक से अधिक मूल्य प्राप्त किए जा सकते हैं।

23. Find the rank of/निम्न को कोटि ज्ञात करें,

$$A = \begin{vmatrix} 6 & 3 & 5 \\ -10 & 2 & 8 \\ 5 & 2 & 3 \end{vmatrix}$$

(a) 3 (b) 2
(c) 1 (d) 0

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) :

दिया है $A = \begin{vmatrix} 6 & 3 & 5 \\ -10 & 2 & 8 \\ 5 & 2 & 3 \end{vmatrix}$

$(n = 3)$

कोटि (Rank) = ?

$|A| = 6(6 - 16) - 3(-30 - 40) + 5(-20 - 10)$

$|A| = (- 60) - (-210) + (-150)$

$|A| = - 60 + 210 - 150$

$|A| = -210 + 210$

$|A| = 0$

यदि A, $n \times n$ के क्रम में हो तथा $|A| = 0$ हो तब A की कोटी (Rank) n से ईकाई कम होती है।

अतः A की कोटि = $n - 1$ ($\because n = 3$ ज्ञात है)

$= 2$

अतः A की कोटि 2 होगी।

24. Which of the following conditions prevail in the long run equilibrium of industry for achieving optional resource allocation/उद्योग के संतुलन में अंततोगत्वा इष्टतम संसाधन आवरन प्राप्त करने हेतु कौन-सी स्थितियाँ व्याप्त होती हैं?

A. The output is produced at the minimum feasible cost/न्यूनतम व्यवहार्य लागत पर वस्तु का उत्पादन होता है

B Comsumer pays the minimum possible price which just covers the marginal cost of the producer/उपभोक्ता न्यूनतम संभावित मूल्य का भुगतान करता है जिसमें उत्पाद की सीमांत लागत मात्र शामिल है

C. Plants are used at full capacity in long run अंततः संयत्रों की पूरी क्षमता का उपयोग होता है

D. Firms earn supernormal profits प्रतिष्ठान को सामान्य से बहुत अधिक लाभ होते है

E. Perfect competitive firms and price mechanism operates/संपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक प्रतिष्ठान और मूल्य प्रचालन संपन्त्र कार्यकारि होते हैं

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C and E only/केवल A, B, C और E
(b) C, D and E only/केवल C, D और E
(c) B, D and E only/केवल B, D और E
(d) A, B and E only/केवल A, B और E

Ans. (a) : उद्योग संतुलन की स्थिति में उस समय होगा जबकि उद्योग की माँग तथा पूर्ति परस्पर बराबर हो तथा उद्योग के कुल उत्पादन में संकुचन या विस्तार की प्रवृत्ति बिल्कुल समाप्त हो जाए। उद्योग के संतुलन में अंततोगत्वा इष्टतम संसाधन आवरण प्राप्त करने हेतु निम्न स्थितियाँ व्याप्त होती हैं।

(i) न्यूनतम लागत व्यवहार्य पर वस्तु का उत्पादन होता है
(ii) उपभोक्ता न्यूनतम संभावित मूल्य का भुगतान करता है जिसमें उत्पाद की सीमांत लागत मात्रा शामिल है
(iii) प्रतिष्ठान को सामान्य से बहुत अधिक लाभ होते है
(iv) अंततः संयत्रों की पूरी क्षमता का उपयोग होता है
(v) संपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक प्रतिष्ठान और मूल्य प्रचालन संपन्त्र कार्यकारी होते हैं

25. What has been the reason for recent dip in vehicle registration in the country?
देश में वाहन पंजीकरण में हाल में आई गिरावट का कारण क्या रहा है?

(a) Shortage of semi-conductor chips
सेमी-कंडक्टर चिप्स की कमी
(b) Poor credit supply by the banking sector
बैंकिंग क्षेत्र द्वारा ऋण की कम आपूर्ति
(c) Sharp rise in vehicle prices
वाहनों की कीमतों में तीव्र वृद्धि
(d) Reduced demand for vehicles
वाहनों की माँग में कमी

Ans. (a) : देश में वाहन पंजीकरण में हाल में आई गिरावट का कारण सेमी कंडक्टर चिप्स की कमी रहा है।

26. Arrange the following chronologically in order of their years of first occurrence:
निम्नलिखित को उनके पहली बार होने के वर्ष के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

A. Environmental Kuzents Curve Hypothesis पर्यावरण संबंधी कुजनेट्स वक्र परिकल्पना

B. Limits to growth theorem वृद्धि की सीमाएं सिद्धांत

C. Bouldings 'The Economics of Coming Spaceship Earth'/बॉलडिंग का ''पृथ्वी पर अंतरिक्षयान आगमन का अर्थशास्त्र''

D. Jevon's Coal Question/जेवोन का कोल क्वेश्चन

E. Raechel Canson's Silent Spring रैचल कार्सन का साइलेंट स्प्रिंग

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) E, A, B, D, C (b) A, C, D, B, E
(c) D, A, E, C, B (d) E, D, C, B, A

Ans. (*) : सही कालक्रम निम्नलिखित है-

(D) जेवोन का कोल क्वेश्चन - 1865
(C) बॉलडिंग का ''पृथ्वी पर अंतरिक्षयान आगमन का अर्थशास्त्र'' - 1960 - 70
(E) रैचल कार्सन का साइलेंट स्प्रिंग - 1962
(B) वृद्धि की सीमाएं सिद्धांत - 1972
(A) पर्यावरण संबंधी कुजनेट्स वक्र परिकल्पना - 1990 - 2011

नोट- NTA ने इस प्रश्न को Drop कर दिया है।

27. Match List I with List II:

List I	List II
A. Rural-Urban migration	**I. Arthur Lewis**
B. Economic development with unlimited supply of labour	**II. Gunnar myrdal**
C. Process of cumulative causation	**III. Raul Prebisch**
D. Decline in terms of trade of primary commodities	**IV. Harris-Todaro**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. ग्रामीण-शहरी प्रवास	I. आर्थर लेवीस
B. श्रम के असीमित उपलब्धता के साथ आर्थिक विकास	II. गून्नर मिरडाल
C. संचयी कार्योत्पादन को प्रक्रिया	III. राऊल प्रेबीच
D. प्राथमिक वस्तुओं के व्यापार के शर्तों में ह्रास	IV. हैरिस टोडारो

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D
(a)	I	IV	II	III
(b)	IV	I	II	III
(c)	I	IV	III	II
(d)	I	III	II	IV

Ans. (b) : सूची-I का सूची-II के साथ सही मिलान निम्न है:

सूची-I	सूची-II
A. ग्रामीण-शहरी प्रवास	IV. हैरिस टोडारो
B. श्रम के असीमित उपलब्धता के साथ आर्थिक विकास	I. आर्थर लेवीस
C. संचयी कार्योत्पादन को प्रक्रिया	II. गुन्नार मिर्डल
D. प्राथमिक वस्तुओं के व्यापार के शर्तों में ह्रास	III. राऊल प्रेबीच

28. One of the various qualitative instruments used by the central bank during inflation is
निम्न में से विभिन्न गुणकारी उपकरणों में से एक जोकि केन्द्रीय बैंक मुद्रा-स्फीति के समय उपयोग करते है वह है

(a) Raise margin requirement
सीमान्त आवश्यकता को बढ़ाना
(b) Remove margin requirement
सीमान्त आवश्यकता को हटाना
(c) Reduce margin requirement
सीमान्त आवश्यकता को घटाना
(d) Fix margin requirement
सीमान्त आवश्यकता को दुरुस्त करना

Ans. (a) : केन्द्रीय बैंक मुद्रा-स्फीति के समय सीमान्त आवश्यकता को बढ़ाते हैं। केन्द्रीय बैंक संकोचक मौद्रिक नीति जैसे बैंक दर में वृद्धि, खुले बाजार की क्रियाओं के अन्तर्गत प्रतिभूतियों का विक्रय, रेपो के द्वारा तरलता का अभिशोषण, सी. आर. आर. तथा एस. एल. आर. में वृद्धि स्फीति संवेदनशील वस्तुओं के सम्बन्ध में मार्जिन का बढ़ाना, विदेशी विनिमय दर में वृद्धि बढ़ते विदेशी विनिमय कोष के स्फीति या मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि लाने वाले प्रमुख प्रभाव को निरस्त करना।

29. Growth in total consumption in India in 2021-22 is likely to be/भारत में 2021-22 में कुल उपभोग में वृद्धि कितनी रहने की संभावना है

(a) 5.0 Percent/5.0 प्रतिशत
(b) 6.0 Percent/6.0 प्रतिशत
(c) 7.0 Percent/7.0 प्रतिशत
(d) 8.0 Percent/8.0 प्रतिशत

Ans. (c) : भारत में 2021-22 में कुल उपभोग में 7.0 प्रतिशत की वृद्धि रहने की संभावना है। जिसमें सरकारी खपत पिछले वर्ष की तरह सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। सरकार की खपत पूर्व-महामारी के स्तर को प्राप्त करते हुए 7.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। निजी खपत में भी काफी सुधार होने का अनुमान है, जिससे पूर्व-महामारी उत्पादन स्तर के 97 प्रतिशत की वसूली हुई है और टीकारण में तेजी से कवरेज और आर्थिक गतिविधियों के तेजी से सामान्यीकरण के साथ मजबूत वसूली देखने के लिए तैयार है।

30. If the demand function is: $P = 35 - 2x - x^2$ and the demand x_0 is 3. What will be the consumer's surplus?
यदि मांग का कार्य है: $P = 35 - 2x - x^2$ एवं मांग x_0 3 है तो उपभोक्ता आधिक्य क्या होगा?

(a) 27 (b) 25
(c) 60 (d) 20

Ans. (a) : $P = 35 - 2x - x^2$, दिया है, $x_0 = 3$

$P = 35 - 2 \times 3 - 3^2$

$P = 35 - 6 - 9 = 20$

$$CS = \int_0^3 (35 - 3x - x^2)dx - Px$$

$$CS = \int_0^3 (35 - 2x - x^2)dx - 60$$

$$CS = \left[35x - \frac{2x^2}{2} - \frac{x^3}{3}\right]_0^3 - 60$$

$$CS = \left[35 \times 3 - (3)^2 - \frac{(3)^3}{3}\right]_0^3 - 60$$

$CS = [105 - 9 - 9] - 60$

$CS = 105 - 78$

$CS = 27$ Ans.

31. What will be the aggregate Domestic Income NDP (FC) of the economy for 2022.23: if
GDP (Market Price) = 27.654 Crores
Depreciation = 2847 crores
Indirect taxes less subsides = 2160 crores
2022-23 के लिए अर्थव्यवस्था की समग्र घरेलू आय एनडीपी (एफसी) क्या होगी; यदि
GDP (बाजार कीमत) = 27.654 करोड़
मूल्यह्रास = 2847 करोड़
अप्रत्यक्ष कर ऋण सब्सिडियाँ = 2160 करोड़

(a) 24,807 (b) 22,647
(c) 26,967 (d) 28,467

Ans. (b) : दिया है-
जी. डी. पी. (बाजार कीमत) = 27654 करोड़
मूल्यह्रास = 2847 करोड़
अप्रत्यक्ष कर ऋण सब्सिडियाँ = 2160 करोड़
एन. डी. पी. (साधन लागत) = ?

$NDP_{FC} = NDP_{MP}$ - Net Indirect Tax
$NDP_{MP} = GDP_{MP}$ - Depreiciation
$NDP_{MP} = 27654 - 2847$
$NDP_{MP} = 24807$
$NDP_{FC} = 24807 - 2160$
$NDP_{FC} = 22647$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. The "tequila effect" indicates:
''टकीला प्रभाव'' दर्शाता है:

(a) The spread of the 1994-95 Mexican crisis to other countries in Latin America
1994-95 में मैक्सिकन संकट का लैटिन अमरीका के अन्य देशों में फैलना

(b) The spread of the 1997 crisis in Thailand to other countries in Asia/थाइलैंड में 1997 के संकट का एशिया के अन्य देशों में फैलना

(c) The suprime crisis emerged in 2007 in the United State/युनाईटेड स्टेट में 2007 में उभरने वाला सब-प्राइम संकट

(d) The domestic debt crisis occurred in Argentina in 1989
1989 में अर्जेन्टीना में आया घरेलू ऋण संकट

Ans. (a) : टकीला प्रभाव 1994-95 में मैक्सिकन संकट का लैटिन अमेरिका के अन्य देशों में फैलने को दर्शाता है। टकीला प्रभाव जिसे ''टकीला शॉक'' या ''टकीला संकट'' के रूप में भी जाना जाता है। मैक्सिकन अर्थव्यवस्था से उत्पन्न वित्तीय या आर्थिक नतीजों के लिए एक कठबोली शब्द है। मैक्सिकन पेसो मैक्सिको की अधिकारिक मुद्रा रही है क्योंकि देश ने 1821 में अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की थी। 1994 मैक्सिकन मुद्रा संकट मैक्सिकन पेसों का अचानक अवमूल्यन हुआ था जिसके कारण लैटिन अमेरिका में अन्य मुद्राओं में भी गिरावट आयी थी, संकट के प्रभाव को अनौपचारिक रूप से ''टकीला प्रभाव'' या ''टकीला शॉक'' के रूप में जाना जाता था।

33. Arrange the countries based on descending order of Human Development Index Value in 2019./निम्नलिखित देशों को 2019 में मानव विकास सूचकांक में उनके स्थान के अनुसार अवरोही क्रम में लगाइये

A. Norway/नार्वे **B. Bangladesh/बंग्लादेश**
C. India/भारत **D. China/चीन**
E. Nepal/नेपाल

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, D, C, B, E (b) D, A, B, E, C
(c) A, D, B, C, E (d) A, D, B, E, C

Ans. (a) : निम्नलिखित देशों को 2019 में मानव विकास सूचकांक में उनके स्थान के अनुसार अवरोही क्रम निम्न है-
A. नार्वे (0.957)
D. चीन (0.949)
C. भारत (0.645)
B. बंग्लादेश (0.632)
E. नेपाल (0.602)
मानव विकास रिपोर्ट 2021-22 के अनुसार, मानव विकास सूचकांक (H.D.I) पर भारत की रैंक 2020 में 130 से गिरकर 2022 में 132 हो गया है जो कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर एच डी आई स्कोर में वैश्विक गिरावट के अनुरूप है।

34. Below are some of the features of the Micro, Small and Medium enterprises (MSMEs) in India.
भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग के सन्दर्भ में कुछ तथ्य निम्नवत हैं। सही विकल्प चुनें :

A. Revised definition of the MSMEs was brought in July 2020/एमएसएमई की संशोधित परिभाषा जुलाई 2020 में लाया गया

B. In this definition turnover limit varied between service and manufacturing enterprises/इस परिभाषा में कुल राशि का कारोबार सेवा व विनिर्माण क्षेत्र के मध्य रहा है

C. In the revised definition turnover limit for small enterprises was Rs. 50 crore
संशोधित परिभाषा में लघु उद्योग के लिए कुल राशि का कारोबर की सीमा रू. 50 करोड़ है

D. In this revised definition, investment limit in plant and machinery or equipment for medium enterprises was Rs.50 crore
संशोधित परिभाषा में यंत्र और मशीनरी के मध्यम उद्योग में निवेश को सीमा रू. 50 करोड़ है

E. In the revised definition, investment limit for plant and machinery or equipment for medium enterprises was Rs. 5 crore
संशोधित परिभाषा में यंत्र और मशीनरी के मध्यम उद्योग में निवेश की सीमा रू. 5 करोड़ है

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, D and E only/केवल A, D और E
(b) A, C and D only/केवल A, C और D
(c) D and E only/केवल D और E
(d) A, B and D only/केवल A, B और D

Ans. (b) : भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग के सन्दर्भ में कुछ तथ्य निम्नवत हैं-
(i) एमएसएमई की संशोधित परिभाषा जुलाई 2020 में लाया गया
(ii) संशोधित परिभाषा में लघु उद्योग के लिए कुल राशि का कारोबार की सीमा रू. 50 करोड़ है।
(iii) संशोधित परिभाषा में यंत्र और मशीनरी के मध्यम उद्योग में विनिवेश को सीमा रू. 50 करोड़ है।
(iv) सूक्ष्म उद्योग में 1 करोड़ रूपये से कम निवेश तथा 5 करोड़ रूपये से कम टर्न ओवर है।
(v) लघु उद्योग में 1 करोड़ रूपये से अधिक पर 10 करोड़ रूपये से कम निवेश तथा 5 करोड़ रूपये से अधिक पर 50 करोड़ रूपये से कम टर्नओवर है।
(vi) मध्यम उद्यम में निवेश सीमा 50 करोड़ रुपये से अधिक नहीं और वार्षिक कारोबार (टर्नओवर) 250 करोड़ हो।

35. Integrate: $\frac{x^2}{x+2} / \frac{x^2}{x+2}$ का एकीकरण करें

(a) $\frac{4}{(x+2)^2}+c$

(b) $\frac{x^2}{2}+2x+4\log(x+2)+c$

(c) $\frac{x^2}{2}-2x+4\log(x+2)+c$

(d) $\frac{x^2}{2}-2x+c$

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : $\frac{x^2}{x+2} = (x-2) + \frac{4}{x+2}$

$$\int \frac{x^2}{x+2}dx = \int xdx - 2\int 2dx + \int \frac{4}{x+2}dx$$

$$= \frac{x^2}{2} - 2x + 4\int \frac{1}{x+2}dx$$

$$= \frac{x^2}{2} - 2x + 4\log(x+2) + c$$

36. Net migration refers to
निवल विस्थापन का अर्थ है:

(a) Overall level of population change resulting from total migrants and emigrants
कुल प्रवासियों और उत्प्रवासियों के परिणामस्वरूप जनसंख्या परिवर्तन का समग्र स्तर

(b) is the difference between the number of immigrant workers and the number of emigrant workers/आप्रवासी कामगारों की संख्या और उत्प्रवासी कामगारों की संख्या के बीच अंतर

(c) Does not include refugees and other lawful migrants/इसमें शरणार्थी और अन्य विधिसम्मत प्रवासी शामिल नहीं होते हैं

(d) includes refugees only
इसमें केवल शरणार्थी शामिल होते हैं

Ans. (a) : निवल विस्थापन या माइग्रेशन का अर्थ कुल प्रवासियों और उत्प्रवासियों के परिणामस्वरूप जनसंख्या के समग्र स्तर से है। किसी एक स्थान से दूसरे स्थान को जाने को आउट माइग्रेशन तथा अन्य स्थानों से किसी एक स्थान पर लोगों के प्रवजन को इनमाइग्रेशन कहते हैं।

37. Which of the followings are correct?
निम्न में से कौन-कौन से विकल्प सही है?

(A) $M_1 = C + DD + OD$

(B) $M_2 = M_1$ **+ saving deposits with post office saving banks/**$M_2 = M_1$ **+ डाकघर एवं बैंकों में बचत खाते में जमा करना**

(C) $M_3 = M_2$ **+ net time deposits of banks**
$M_3 = M_2$ **+ बैंकों में निवल कालिक जमा**

(D) $M_3 = M_1$ **+ net time deposits of banks**
$M_3 = M_1$ **+ बैंकों में निवल कालिक जमा**

(E) $M_4 = M_1$ **+ total deposits with the post office savings**
$M_4 = M_1$ **+डाक घर के बचत खाते में कुल जमा**

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C

(b) A, B and D only/केवल A, B और D

(c) A, C and D only/केवल A, C और D

(d) B, D and E only/केवल B, D और E

Ans. (b) : निम्नलिखित विकल्प सही है-

(i) $M_1 = C + DD + OD$

इसमें, C = जनता के पास चलन की मात्रा
DD = बैंको में माँग जमा
OD = भारतीय रिजर्व बैंक में अन्य जमा राशियाँ

(ii) $M_2 = M_1$ + डाकघर एवं बैंकों में बचत खाते में जमा

(iii) $M_3 = M_1$ + बैंकों में निवल कालिक जमा

(iv) $M_4 = M_3$ + डाक घर में कुल जमा राशि

उपरोक्त चारों घटकों में M_1 में तरलता की मात्रा सबसे ज्यादा तथा M_4 में तरलता सबसे कम पायी जाती है।

38. Primary deficit is given by _____
प्राथमिक घाटे की निम्न में से किस प्रकार बताया जाता है

(a) Fiscal deficit – Interest payments
राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान

(b) Revenue deficit – Interest payments
राजस्व घाटा – ब्याज भुगतान

(c) Budget deficit – Interest payments
बजट घाटा – ब्याज भुगतान

(d) Revernue Receipt – Revenue Expenditure
राजस्व प्राप्ति – राजस्व व्यय

Ans. (a) : वर्तमान बजेटरी व्यवहार से उत्पन्न घाटे को ज्ञात करने के लिए राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगी को निकाल देते हैं, तो इसे प्राथमिक घाटा कहते हैं, इस प्रकार-

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान

प्राथमिक घाटे के भी दो रूप हो सकते है- (क) प्राथमिक घाटा उपभोग (ख) प्राथमिक घाटा विनियोग

39. Match list I with and list II:

List-I	**List-II**
A. Pure Public good	**I. Non-rival but excludable**
B. Pure Private good	**II. Non-excludable but rivalry**
C. Open access resources	**III. Non rival and non-excludable**
D. congestible resource	**IV. Excludable and rival**

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
A. शुद्ध सार्वजनिक वस्तु	**I. अप्रतिस्पर्धी और अपवर्जक**
B. शुद्ध निजी वस्तु	**II. अअपवर्जक पर प्रतिस्पर्धी**
C. स्वतंत्र संसाधन	**III. अप्रतिस्पर्धी एवं अपवर्जक**
D. संकुलित संसाधन	**IV. प्रतिस्पर्धी एवं अपवर्जक**

Choose the correst answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	III	IV	I	II
(c)	I	II	III	IV

	A	**B**	**C**	**D**
(b)	III	IV	II	I
(d)	III	II	I	IV

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. शुद्ध सार्वजनिक वस्तु	III. अप्रतिस्पर्धी एवं अपवर्जक
B. शुद्ध निजी वस्तु	IV. प्रतिस्पर्धी एवं अपवर्जक
C. स्वतंत्र संसाधन	II. अअपवर्जक पर प्रतिस्पर्धी
D. संकुलित संसाधन	I. अप्रतिस्पर्धी और अपवर्जक

40. If time deposit is not included, then the money multiplier will be (Cr = currency deposit ratio, rr = reserve deposit ratio)
यदि समयावधि जमा को सम्मिलित न किया जाए, तो मुद्रा गुणक होगा (Cr = मुद्रा जमा अनुपात rr = आरक्षित जमा अनुपात)

(a) $\frac{(Cr+rr)}{(1+Cr)}$ (b) $\frac{(Cr+rr)}{(rr+1)}$

(c) $\frac{Cr}{rr}$ (d) $\frac{(Cr+1)}{(rr+Cr)}$

Ans. (d) : यदि समयावधि जमा को सम्मिलित न किया जाए, तो मुद्रा गुणक $\frac{(Cr+1)}{(rr+Cr)}$ होगा जहाँ Cr = मुद्रा जमा अनुपात
rr = आरक्षित जमा अनुपात

41. Which of the following is correct?
निम्न में से कौन से सही हैं?

A. The gross barter terms of trade uses quantity index for imports and exports
व्यापार के सकल वस्तु विनियम शर्त आयात और निर्यात के लिए मात्रात्मक सूचकांक का प्रयोग करते हैं

B. Both gross barter terms of trade and net barter terms of trade make use of the price index for imports and exports
व्यापार के वस्तु सकल विनिमय शर्त और निवल वस्तु विनिमय शर्त आयात और निर्यात के लिए मूल्य सूचकांक का प्रयोग करते हैं

C. The net barter terms of trade uses price index for imports and export/व्यापार का निवल वस्तु विनिमय शर्त आयात और निर्यात के लिए मूल्य सूचकांक का प्रयोग करते हैं।

D. Both gross barter terms of trade and net barter terms of trade make use of the quantity index for imports and exports
व्यापार के सकल वस्तु विनिमय शर्त एवं निवल विनिमय आयात और निर्यात के लिए मात्रात्मक सूचकांक का प्रयोग करते हैं।

E. The gross barter terms of trade uses price index but the net barter terms of trade uses quantity index for imports and exports
व्यापार का सकल वस्तु विनिमय मूल्य सूचकांक का प्रयोग करता है परन्तु निवल वस्तु विनिमय आयात और निर्यात के लिए मात्रात्मक सूचकांक का उपयोग करते हैं।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) A and B only/केवल A और B
(b) B and C only/केवल B और C
(c) C and E only/केवल C और E
(d) A and C only/केवल A और C

Ans. (d) : निम्नलिखित कथन सही हैं-

(i) व्यापार के सकल वस्तु विनियम शर्त आयात और निर्यात के लिए मात्रात्मक सूचकांक का प्रयोग करते हैं
(ii) व्यापार का निवल वस्तु विनिमय शर्त आयात और निर्यात के लिए मूल्य सूचकांक का प्रयोग करते हैं।
(iii) व्यापार की आय शर्ते किसी देश की शुद्ध विनिमय व्यापार-शर्तों तथा उसके निर्यात मात्रा सूचक का गुणनफल होती है।
(iv) व्यापार की एकल घटकीय शर्तों की गणना के लिए व्यापार की वस्तु शर्तों के सूचक को घरेलू निर्यात उद्योगों में उत्पादकता परिवर्तनों के सूचक से गुणा किया जाता है।
(v) व्यापार की वास्तविक लागत शर्तों का सूचक निर्यात वस्तुओं के उत्पादन में प्रयुक्त उत्पादक संसाधनों की प्रति इकाई अनुपयोगिता के मात्रा को व्यापार की एकल घटकीय शर्तों से गुणा करके प्राप्त किया जाता है।

42. In which year, Gross Domestic saving rate was the highest?
कौन-से वर्ष में, सकल घरेलू बचत दर सर्वाधिक थी?

(a) 2004-05 (b) 2007-08
(c) 2011-12 (d) 2016-17

Ans. (b) : आर्थिक समीक्षा 2021-22 के आंकड़ो के अनुसार दिये गये वर्षों में सकल घरेलु बचत दर:

वर्ष	**सकल घरेलु बचत दर (बाजार कीमतो पर GDP%)**
(i) 2004-05	34.8
(ii) 2007-08	37.8
(iii) 2011-12	34.6
(iv) 2016-17	31.3

अतः दिये गये विकल्पों में वित्त वर्ष 2007-08 के लिये सकल घरेलु बचत (GDS) सर्वाधिक (GDP का 37.8%) है। वही वर्तमान में 2019-20 में GDS (GDP का 31.4%) है।

43. Given below are two statements:
Statement I : If you bought a product which now becomes subject to tax, you will be in a better position to avoid the tax and the seller bears with a larger part if your demand is elastic while seller's supply is inelastic.
Statement II: A tax on salt is likely to be borne by the consumer.
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I : यदि अपने एक उत्पाद खरीद जोकि अब कर के अधीन आता है, आप कर देने से बच सकने की बेहतर स्थिति में हो सकते हैं, और विक्रेता के उपर अधिकतम भार पड़ेगा जब आपकी माँग में लोच हो और विक्रेता के पूर्ति में लोच न हो।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कथन II : नमक पर लगने वाला कर उपभोक्ता को वहन करना पड़ता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both statement I and statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं

(b) Both statement I and statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं

(c) Statement I is correct but statement II is incorrect/कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है

(d) Statement I is incorrect but statement II is correct/कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

Ans. (a) : यदि आपने एक उत्पाद खरीदा जोकि अब कर के अधीन आता है, आप कर देने से बच सकने की बेहतर स्थिति में हो सकते हैं, और विक्रेता के ऊपर अधिकतम भार पड़ेगा जब आपकी माँग में लोच हो और विक्रेता के पूर्ति में लोच न हो।
नमक पर लगने वाला कर उपभोक्ता को वहन करना पड़ता है, क्योंकि नमक के माँग की लोच बेलोचदार है, अतः कथन I एवं II दोनों सही है

44. Match List I with List II :

List I	List II
A. The greatest good for the greater number	I. Learner's index
B. stability of general equilibrium	II. Bentham's criterion
C. degree of monopoly power	III. Tatonnement
D. third degree price-discrimination	IV. Pigou

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. महानतम वस्तु अधिकतम संख्या	I. शिक्षार्थी सूचकांक
B. सामान्य सन्तुलन की स्थिरता	II. बेन्थम मापदण्ड
C. एकाधिकार शक्ति की मात्रा	III. पुनर्प्रयास विधि
D. तृतीय श्रेणी कीमत -भेदभाव	IV. पिगो

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D
(a)	IV	III	I	II
(b)	IV	III	II	I
(c)	II	III	I	IV
(d)	II	III	I	IV

Ans. (d) : सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. महानतम वस्तु अधिकतम संख्या	II. बेन्थम मापदण्ड
B. सामान्य सन्तुलन की स्थिरता	III. पुनर्प्रयास विधि
C. एकाधिकार शक्ति की मात्रा	I. शिक्षार्थी सूचकांक
D. तृतीय श्रेणी कीमत -भेदभाव	IV. पीगू

45. Given below are two statements:

Statement I : Taking advantage of the increased demand for staples during the COVID-19 pandemic, India's agricultural exports continued to do well in 2021-22.

Statement II : Like in the year 2020-21, segments like marine products, buffalo meat, tea, coffee and dairy products continued to perform poorly in terms of exports from India in 2021-22.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : कोविड-19 महामारी के दौरान खाद्यान्नों के माँग में हुई वृद्धि का फायदा उठाते हुए भारत की कृषि निर्यात का 2021-22 में प्रदर्शन बेहतर रहा है।

कथन II : वर्ष 2020-21 की तरह ही कुछ खण्ड जैसे कि समुद्री उत्पाद, भैंस का माँस, चाय, काफी एवं दुग्ध उत्पाद का 2021-22 में निर्यात के सम्बन्ध में प्रदर्शन खराब ही रहा है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both statement I and statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं

(b) Both statement I and statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं

(c) Statement I is true but statement II is false
कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

(d) Statement I is false but statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

Ans. (c) : कोविड-19 महामारी के दौरान खाद्यान्नों के माँग में हुई वृद्धि का फायदा उठाते हुए भारत की कृषि निर्यात का 2021-22 में प्रदर्शन बेहतर रहा है। अतः कथन I सही तथा कथन II गलत है।

46. The hypothesis of cumulative causation as an explanation of the backwardness of developing nations is associated with

विकासशील देशों को पिछड़ेपन के स्पष्टीकरण के रूप में संचयी कारणात्मकता की परिकल्पना निम्न में से किससे संबंधित है

(a) Ragnar Nurkse/रेगनर नर्क्स

(b) Gunnar Myrdal/गुन्नार मिर्डल

(c) Arthus Lewis/आर्थर लेविस

(d) Fei and Ranis/फी और रानिस

Ans. (b) : विकासशील देशों को पिछड़ेपन के स्पष्टीकरण के रूप में संचयी कारणात्मकता की परिकल्पना गुन्नार मिर्डल से संबंधित है। प्रो. मिर्डल का कहना है कि आर्थिक विकास का परिणाम चक्रीय कार्यकारण प्रक्रिया होती है। जिससे धनिकों को अधिक लाभ होता है और जो पिछड़ जाते हैं उनके प्रयत्न व्यर्थ हो जाते हैं। अतिनिर्यात प्रभाव (Backwash effect) अधिकार जमा लेते हैं और प्रसरण प्रभाव (spread effects) मन्द हो जाता है। इससे अन्तर्राष्ट्रीय असमानताएँ संचयी रूप से बढ़ने लगती है और अल्पविकसित देशों के भीतर प्रादेशिक असमानताएँ भी आ जाती हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

47. **The Central bank policy of altering the domestic credit extended by it in an equal and opposite direction to the variation in foreign exchange reserves so that the monetary base remains unchanged is called**
केन्द्रीय बैंक द्वारा प्रदत्त घरेलू ऋण को विदेशी मुद्रा भण्डार में परिवर्तन के लिए समान और विपरीत दिशा में बदलने, ताकि मौद्रिक आधार अपरिवर्तित रहे, की नीति कहलाती है

(a) Stabilization/स्थिरीकरण
(b) Monetary expansion/मौद्रिक विस्तार
(c) Fiscal expansion/राजकोषीय विस्तार
(d) Sterilisation/अधिरक्षण

Ans. (d) : केन्द्रीय बैंक द्वारा प्रदत्त घरेलू ऋण को विदेशी मुद्रा भण्डार में परिवर्तन के लिए समान और विपरीत दिशा में बदलने, ताकि मौद्रिक आधार अपरिवर्तित रहे, को अधिरक्षण (Sterilisation) की नीति कहते है।

48. **Match List I with List II :**

List I		List II
A. Reverse repor rate	I.	RBI provides loan to commercial banks for short term
B. Bank rate	II.	RBI provides loan to commercial banks for long term
C. Repo rate	III.	RBI borrows money from commercial banks
D. Cash reserve ratio	IV.	Commercial banks have to deposit minimum ratio of their net total liabilities in RBI

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए:

सूची-I		सूची-II
A. प्रत्यावर्ती पुनः खरीद दर	I.	आर.बी.आई. वाणिज्यिक बैंकों को लघु अवधि का ऋण देता है
B. बैंक दर	II.	आर.बी.आई. वाणिज्यिक बैंकों को दीर्घ अवधि का कर्ज देता है।
C. पुनः खरीद दर	III.	आर.बी.आई. वाणिज्यिक बैंकों से कर्ज लेता है।
D. नकद आरक्षित अनुपात	IV.	वाणिज्यिक बैंकों को अपने कुल दायित्वों का न्यूनतम प्रतिशत आर.बी.आई में जमा करना पड़ता है।

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	I	III	II	IV	(b)	III	II	I	IV
(c)	III	I	II	IV	(d)	I	II	III	IV

Ans. (b) : सूची-I के साथ का सूची-II का मिलान है-

सूची-I	सूची-II
A. प्रत्यावर्ती पुनः खरीद दर	III. आर.बी.आई. वाणिज्यिक बैंकों से कर्ज लेता है
B. बैंक दर	II. आर.बी.आई. वाणिज्यिक बैंकों को दीर्घ अवधि का कर्ज देता है।
C. पुनः खरीद दर	I. आर.बी.आई वाणिज्यिक बैंकों को लघु अवधि का ऋण देता है
D. नकद आरक्षित अनुपात	IV. वाणिज्यिक बैंकों को अपने कुल दायित्वों का न्यूनतम प्रतिशत आर.बी.आई में जमा करना पड़ता है।

49. **Which of the followings were the part of FDI policy reforms and other measures during the Covid-19 pandemic period?**

(A) 100 percent FDI in the health sector
(B) Permitting foreign investment upto 100 percent under automatic route in Telecom service sector
(C) "FDI monitoring cell" has been formed to expedite FDI proposals
(D) Raised the FDI limit from 49 percent to 74 percent in insurance companies under the automatic route
(E) Reduced the limit of FDI in the defence sector to realize the vision of Atmanirbhar Bharat

कोविड-19 की महामारी के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति सुधार और अन्य कौन-कौन से नीतिगत फैसले लिए गए?

(A) चिकित्सा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
(B) दूरसंचार सेवा के क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के जरिये 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी देना
(C) प्रत्यक्ष विदेशी विनिमय सेल का गठन करके प्रत्यक्ष विदेशी विनिवेश प्रस्ताव को बढ़ावा देना
(D) बीमा कम्पनियों में स्वचालित मार्ग के जरिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा 49 से 74 प्रतिशत तक बढ़ाना
(E) आत्मनिर्भर भारत के विजन को समझते हुए सैन्य क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेश निवेश की सीमा को कम करना

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) D and E only/केवल D और E
(b) B, C and E only/केवल B, C और E
(c) B, C and D only/केवल B, C और D
(d) A, D and E only/केवल A, D और E

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : कोविड-19 महामारी के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति में सुधार हेतु लिये गये नीतिगत फैसले निम्नलिखित हैं-
(i) दूरसंचार सेवा के क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के जरिये से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी देना
(ii) FDI सेल का गठन करके FDI प्रस्ताव को बढ़ावा देना
(iii) बीमा कम्पनियों में स्वचालित मार्ग के जरिए से FDI को 49 से 74 प्रतिशत तक बढ़ाना और स्वचालित मार्ग के तहत पी एन जी और दूर संचार क्षेत्रों में 100 प्रतिशत तक करना है।

50. Match List I with List II:

List I	List II
A. Size matters in international trade	I. Paul Krugman
B. Economies of scale and monopolistic competition in international trade	II. Mercantilists
C. Technological gap theory of trade	III. M. V. Posner
D. Zero sum game of trade	IV. The gravity model

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में आकार का महत्व है	I. पॉल क्रुगमैन
B. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पैमाने की मितव्ययिताएं और एकाधिकारिक प्रतियोगिता	II. वणिकवादी
C. व्यापार का प्रौद्योगिकीय अंतर सिद्धांत	III. एम.वी. पोसनर
D. व्यापार का जीरो सम गेम	IV. दि ग्रेविटी मॉडल

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D
(a)	IV	III	I	II
(b)	IV	I	III	II
(c)	III	I	IV	II
(d)	III	IV	I	II

Ans. (b) : सूची-I के साथ का सूची-II मिलान है-

सूची-I	सूची-II
A. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में आकार का महत्व है	IV. दि ग्रेविटी मॉडल
B. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पैमाने की मितव्ययिताएं और एकाधिकारिक प्रतियोगिता	I. पॉल क्रुगमेन
C. व्यापार का प्रौद्योगिकीय अंतर सिद्धांत	III. एम.वी. पोसनर
D. व्यापार का जीरो सम गेम	II. वणिकवादी

51. Which of the following conditions are satisfied for a rationale firm to achieve its equilibrium by maximising Q = f(L, K) subject to C = wL + rK./किसी भी तर्कसंगत फर्म द्वारा सन्तुलन प्राप्त करने के लिए निम्न में से किन शर्तों को पूर्ण किया जाता है जब Q = f(L, K) का अधिकतमीकरण किया गया हो बशर्ते कि C = wL + rK है।

(A) $\frac{\frac{\partial Q}{\partial L}}{\frac{\partial Q}{\partial K}} = \frac{w}{r}$

(B) $\frac{\partial^2 Q}{\partial L^2} > 0, \frac{\partial^2 Q}{\partial K^2} > 0$

(C) $\frac{\partial^2 Q}{\partial L^2} < 0$ and $\frac{\partial^2 Q}{\partial K^2} > 0$

(D) $\frac{\partial^2 Q}{\partial L^2} < 0$ and $\frac{\partial^2 Q}{\partial K^2} < 0$

(E) $\left(\frac{\partial^2 Q}{\partial L^2}\right)\left(\frac{\partial^2 Q}{\partial K^2}\right) > \left(\frac{\partial^2 Q}{\partial L \partial K}\right)^2$

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and E only/केवल A, B और E
(b) A, D and E only/केवल A, D और E
(c) A and E only/केवल A और E
(d) A and B only/केवल A और B

Ans. (b) : जब Q = f(L.k) का अधिकतमीकरण की क्षति C = ωL + rk हो तो फर्म द्वारा संतुलन प्राप्त होगा :
किसी फर्म के अधिकतमीकरण की पहली शर्त यह है कि इसका आंशिक अवकलन (Partial derivatives) शून्य के बराबर हो। L, K और λ के संबंध में उपरोक्त फलन के आंशिक अवकलन है-

$\frac{\partial \phi}{\partial L} = \frac{\partial Q}{\partial L} = \lambda(-\omega) = 0$ ..... (i)

$\frac{\partial \phi}{\partial k} = \frac{\partial Q}{\partial k} = \lambda(-r) = 0$ ..... (ii)

$\frac{\partial \phi}{\partial \lambda} = C - \omega L - rk = 0$ ..... (iii)

λ के लिए पहले दो समीकरणों को हल करने पर हमें प्राप्त होता है-

$\frac{\partial Q}{\partial L} = \lambda\omega$ या $\lambda = \frac{\partial Q/\partial L}{\omega} = \frac{MP_L}{\omega}$

$\frac{\partial Q}{\partial K} = \lambda r$ या $\lambda = \frac{\partial Q/\partial K}{r} = \frac{MP_K}{r}$

दो दो भाव (Expressions) समान होने चाहिए, जैसे कि

$\frac{\partial Q/\partial L}{\omega} = \frac{\partial Q/\partial K}{r}$ या $\boxed{\frac{MP_L}{MP_K} = \frac{\partial Q/\partial L}{\partial Q/\partial K} = \frac{\omega}{r}}$

यह फर्म संतुलन में है जब यह कारकों की सीमांत उत्पादकता के अनुपात को उनकी कीमतों के अनुपात के बराबर करती है।
फर्म के संतुलन के लिए दूसरे क्रम की शर्तों के लिए आवश्यक है कि दो कारकों के सीमांत उत्पाद वक्रों का ढाल ऋणात्मक हो-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

MP_L वक्र का ढाल $= \frac{\partial^2 Q}{\partial L^2}$

MP_K वक्र का ढाल $= \frac{\partial^2 Q}{\partial K^2}$

दूसरे क्रम की शर्त है-

$$\frac{\partial^2 Q}{\partial L^2} < 0 \text{ और } \frac{\partial^2 Q}{\partial K^2} < 0$$

और

$$\left(\frac{\partial^2 Q}{\partial L^2}\right)\left(\frac{\partial^2 Q}{\partial k^2}\right) > \left(\frac{\partial^2 Q}{\partial L \partial k}\right)^2$$

यह स्थितियाँ सम-उत्पाद वक्रों की उत्तलता (Convexity) स्थापित करने के लिए पर्याप्त हैं। अतः विकल्प (A), (D) और (E) शर्तों को पूर्ण किया जाता है।

52. Monetary policy instruments are
A. Changes in public expenditure
B. Changes in taxation
C. Open market operations
D. Bank reserve requirement
E. Interest rate policy
मौद्रिक नीति उपकरण हैं :
A. राजकोषीय खर्चे में परिवर्तन
B. करों में परिवर्तन
C. खुला-बाजार कार्यकलाप
D. बैंक आरक्षित आवश्यकताएँ
E. ब्याज दर नीति
Chose the most appropriate answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A, B only/केवल A, B
(b) A, B, C only/केवल A, B, C
(c) C, D, E only/केवल C, D, E
(d) B, D, E only/केवल B, D, E

Ans. (c) : मौद्रिक नीति से अभिप्राय किसी भी राष्ट्र के केन्द्रीय बैंक द्वारा मुद्रा और ऋण की उपलब्धता को नियंत्रित करने से है। मौद्रिक नीति के उपकरण निम्नलिखित हैं-
रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, बैंक दर, नकद आरक्षित अनुपात (CRR) वैधानिक तरलता अनुपात (SLR), खुले बाजार की क्रिया (OMO), ब्याज दर नीति, स्थायी जमा सुविधा (SDF) दर, सीमांत स्थायी सुविध (MSF) दर, चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) आदि।

53. Tools of expansionary Fiscal policy include
A. Raising Government expenditure
B. Reducing Government expenditure
C. Increasing tax rate
D. Reducing tax rate
E. Increasing money supply
विस्तारकारी राजकोषीय नीति के उपकरण है :
A. सरकारी खर्चे को बढ़ाना
B. सरकारी खर्चे को घटाना
C. कर दर को बढ़ाना
D. कर दर को घटाना
E. मुद्रा आपूर्ति को बढ़ाना
Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A, D only/केवल A, D
(b) B, C only/केवल B, C
(c) A, D, E only/केवल A, D, E
(d) B, C, E only/केवल B, C, E

Ans. (a) : विस्तारकारी या ढीली नीति एक प्रकार की व्यापक आर्थिक नीति है जो मौद्रिक विकास को सशक्त बनाती है। यह दो प्रकार की होती हैः विस्तारकारी मौद्रिक नीति एवं विस्तारकारी राजकोषीय नीति।
रेपो दर, बैंक दर, CRR आदि को घटाना विस्तारकारी मौद्रिक नीति के घटक हैं। सरकारी खर्चे को बढ़ाना, कर की दर को घटाना आदि विस्तारकारी राजकोषीय नीति के घटक हैं।

54. Arrange the different schools of thought in a sequence of their occurance starting from the oldest.
A. Physiocrats
B. Keynesian economics
C. Classical economics
D. New Keynesian economics
E. Monetarist Counter revolution
भिन्न-भिन्न विचाराधाओं को सबसे प्राचीन से शुरु होते हुए कालक्रमानुसार व्यवस्थित क्रम में लगाइये :
A. प्रकृतिवादी
B. कीन्सीयन अर्थशास्त्र
C. क्लासिकीय अर्थशास्त्र
D. नव कीन्सीयन अर्थशास्त्र
E. मुद्रावादी विरोधी क्रांति
Choose the correst answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A, B, C, E, D (b) A, C, E, B, D
(c) A, B, E, C, D (d) A, C, B, E, D

Ans. (d) : सही क्रम है-
A. प्रकृतिवादी
C. क्लासिकीय अर्थशास्त्र
B. कीन्सीयन अर्थशास्त्र
E. मुद्रावादी विरोधी क्रांति
D. नव कीन्सीयन अर्थशास्त्र

55. Arrange the following Environmental disaters chronologically in accordance of their occurrence
A. Bhopal Gas Tragedy
B. Chernobye explosion
C. London smog episodes
D. Exxon Valdez
E. The Threemile Island Nuclear Disaster
निम्नलिखित पर्यावरण संबंधी आपदाओं को उनके होने के कालक्रमानुसार लगाइये:
A. भोपाल गैस त्रासदी **B. चर्नोबिल विस्फोट**
C. लंदन स्मॉग एपिसोड **D. एक्सोन बाल्देज**
E. दि थ्रीमाइल आइलैंड न्यूक्लियर आपदा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, D, E, C, B (b) C, E, A, B, D
(c) A, C, D, E, B (d) B, C, D, A, E

Ans. (b) : सही कालक्रम है-

C. लंदन स्मॉग एपिसोड	-	1952
E. दि थ्रीमाइल आइलैंड न्यूक्लियर आपदा	-	1979
A. भोपाल गैस त्रासदी	-	1984
B. चर्नोबिल विस्फोट	-	1986
D. एक्सोन बाल्देज	-	1989

56. Which of the following is not a marginal condition of pareto optimality criteria?
निम्नलिखित में से कौन-सी पेरेटो ईष्टतम मापदंडों की एक सीमांत शर्त नहीं है।

(a) $MRS^{A}_{x,y} = MRS^{B}_{x,y} = \frac{P_x}{P_y}$

(b) $MRTS^{x}_{L,K} = MRTS^{y}_{L,K} = \frac{w}{r}$

(c) $MRS^{A}_{x,y} = MRS^{B}_{x,y} = MRPT_{x,y}$

(d) $MRST^{K}_{x,y} = MRPT^{L}_{x,y} = \frac{w}{r}$

Ans. (d) : एक आवंटन पैरेटो इष्टतम होता है यदि कम से कम एक व्यक्ति की स्थिति खराब किए बिना संसाधनों का पुर्नावंटन संभव नहीं है। पेरेटो इष्टतमता का सम्बन्ध विनिमय या उपभोग में दक्षता, उत्पादन में दक्षता और समग्र पेरेटो दक्षता से सम्बन्धित है।
पेरेटो इष्टतमता की प्रथम दशा का संबंध विनिमय अथवा उपभोग में दक्षता से है। इसके लिए मापदण्ड यह है कि "प्रत्येक व्यक्ति के लिए किन्हीं दो वस्तुओं के बीच स्थानापन्नता की सीमांत दर समान होनी चाहिए जिनका वह उपभोग करता है।"

अर्थात् $MRS^{A}_{x,y} = MRS^{B}_{x,y} = \frac{P_x}{P_y}$

दूसरी शर्त उत्पादन में दक्षता से सम्बन्धित है। इसके अनुसार, "प्रत्येक फर्म के लिए किन्हीं दो साधनों के बीच तकनीकी स्थानापन्नता की सीमांत दर (MRTS) समान होनी चाहिए।"

अर्थात् $MRTS^{x}_{L,K} = MRTS^{y}_{L,K} = \frac{w}{r}$

संयुक्त या इष्टतम कोटि की दशा में, "किन्हीं दो साधनों का उत्पादन करने वाली दो फर्मों के लिए उन दो वस्तुओं के बीच रूपान्तरण की सीमांत दर (MRPT) समान होनी चाहिए।"

अर्थात् $MRS^{A}_{x,y} = MRS^{B}_{x,y} = MRPT_{x,y}$

57. In relation to considerations of demographic dividend there appears to be "demographic dualism" exhibited by the Indian states. In this regard consider the following factors
A. Total fertility rate B. Sex ratio
C. Percapita income D. Urbanisation rate
जनसांख्यिकीय लाभांश के सन्दर्भ में जनसांख्यिकीय द्वैतवाद उभरकर सामने आता है जोकि भारतीय राज्यों में परिलक्षित होता है। इस सन्दर्भ में निम्न कारकों पर विचार कर सही विकल्प चुनें
A. कुल प्रजनन दर
B. लिंग-अनुपात
C. प्रतिव्यक्ति आय
D. शहरीकरण का दर
Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both A and B/केवल A और B
(b) Both A /केवल A
(c) Both B and C/केवल B और C
(d) Both A, B and D/केवल A, B और D

Ans. (b) : जनसांख्यिकीय द्वैतवाद मूल रूप से जनसंख्या का दोहरा प्रभाव है, जो कुल प्रजनन दर से प्रभावित होता है। जब किसी देश की जनसंख्या बढ़ती है तो एक तरह से उस देश के संसाधनों पर बोझ बढ़ता है। क्योंकि जनसंख्या में वृद्धि से घरों, भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य बुनियादी जरूरतों की अधिक माँग पैदा होती है। दूसरी ओर कुल प्रजनन दर में वृद्धि किसी देश की जनसांख्यिकीय संरचना को भी इस तरह से बदल सकती है कि यह उसके आर्थिक विकास का अवसर बन सके। भारत के संदर्भ में जनसंख्या की आयु संरचना ऐसी है कि अधिकांश जनसंख्या 15-59 आयु वर्ग में है, जोकि दुनिया के किसी भी देश की तुलना में अधिक कार्यशील आबादी है।

58. In which stage of the product cycle model, the imitating country starts producing the product for domestic consumption?
उत्पाद चक्र मॉडल की कौन-सी अवस्था में, अनुकृति बनाने वाला देश घरेलू उपभोग के लिए उत्पाद का उत्पादन शुरु कर देता है?

(a) Stage III/अवस्था III (b) Stage II/अवस्था II
(c) Stage I/अवस्था I (d) Stage V/अवस्था V

Ans. (a) : उत्पादन चक्र मॉडल के अंतर्गत एक उत्पाद का जीवन चक्र चार चरणों से होकर गुजराता है। परिचर, वृद्धि, परिपक्वता और गिरावट। उत्पादन जीवन चक्र का उपयोग प्रबंधन और विपणन सहित विज्ञापन मूल्य बिन्दु बाजारों का विस्तार आदि में सहायता के लिए किया जाता है। उत्पाद जीवन चक्र की तृतीय अवस्था (परिपक्वता) में अनुवृत्ति बनाने वाला देश घरेलू उपयोग के लिए उत्पाद का उत्पादन शुरू कर देता है।

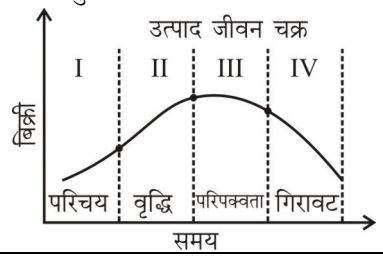

59. Which of the followings are correct?
A. The market is a system that works with price mechanism
B. Market failure refers to the divergence of market equilibrium from pareto optamality
C. Market fails to effieciently supply public goods and the same makes a case for govt intervention

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

D. Market efficiently works in the presence of positive externalities
E. Market efficiently works in the presence of negative externatlities
निम्न में से कौन-सा सही है?
A. बाजार एक ऐसी व्यवस्था है जोकि मूल्य तंत्र के साथ काम करता है
B. बाजार की विफलता बाजार सन्तुलन का विसरण परेटो आप्टीमेलीटी की वजह से
C. बाजार वस्तुओं के दक्ष जन आपूर्ति में विफल होता है जिससे सरकार के दखल की आवश्यकता पड़ती है
D. बाजार सकारात्मक बाह्य कारकों की उपस्थिति में दक्ष तरीके से काम करता है
E. बाजार नकारात्मक बाह्य कारकों की उपस्थिति में दक्ष तरीके से काम करता है
Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(b) A, B and C only/केवल A, B और C
(c) C, D and E only/केवल C, D और E
(d) B and E only/केवल B और E

Ans. (b) : बाजार एक ऐसी व्यवस्था है जहाँ न केवल वस्तु, क्रेता और विक्रेता होते हैं। बल्कि वे एक दूसरे से पूर्णतः निकट संपर्क में होते हैं। जिस कारण वस्तुओं की कीमत में समानता होने की परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है। अतः बाजार एक ऐसी व्यवस्था है जोकि मूल्य तंत्र के साथ काम करता है।
बाजार की विफलता बाजार संतुलन का विसरण परेटो अनुकूलतम की वजह से होता है, जोकि उत्पादन में दक्षता से सम्बन्धित है। यदि बाजार वस्तुओं के दक्ष जन आपूर्ति में विफल होता है तो सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ती है।

60. When MPC = 0.75 a decrease in taxes Rs. 200 crore will increase GDP by
जब MPC = 0.75 है, तब करों में 200 करोड़ रूपए के घट जाने से GDP (सकल घरेलू उत्पाद) में कितनी वृद्धि होगी?
(a) 200 crores/करोड़ (b) 100 crores/करोड़
(c) 600 crores/करोड़ (d) 800 crores/करोड़

Ans. (c) : प्रश्नानुसार दिया गया है-
MPC = 0.75
ΔT = ₹ 200 करोड़
ΔY = GDP में वृद्धि

$$\because \quad \Delta Y = \frac{C}{1-C} \times \Delta T$$

$$\Delta Y = \frac{0.75}{1-0.75} \times 200$$

$$\Delta Y = \frac{0.75}{0.25} \times 200$$

$$\Delta Y = 3 \times 200$$

$$\Delta Y = 600 \text{ करोड़}$$

नोट- NTA ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है।

61. The total revenue R and total cost C function of a firm are given by $R = 30Q - Q^2$, $C = 20 + 4Q$. Where Q is output find the equilibrium output of the firm
किसी फर्म के कुल राजस्व (आर) एवं कुल लागत (सी) को $R = 30Q - Q^2$, $C = 20 + 4Q$ जहाँ Q निर्गत है, अब फर्म का निर्गत सन्तुलन ज्ञात कीजिए।
(a) 4 (b) 13
(c) 15 (d) 10

Ans. (b) : दिया है:

$$R = 30Q - Q^2$$
$$C = 20Q + 4Q^2$$
$$\because \quad \pi = R - C$$
$$\pi = 30Q - Q^2 - (20 + 4Q)$$
$$\pi = 30Q - Q^2 - 20 + 4Q$$
$$\pi \max \rightarrow \frac{d\pi}{dQ} = 0$$
$$30 - 2Q - 4 = 0$$
$$2Q = 26$$
$$Q = \frac{26}{2}$$
$$Q = 13$$

62. Hari's score in the statistics in the first year is 76, whereas the class average is 68 with a standard deviation of 5. What is Hari's Z-score?
सांख्यिकी में प्रथम वर्ष में हरी के अंक 76 है, जबकि कक्षा का औसत 5 के मानक विचलन के साथ 68 है। हरी का जेड-स्कोर कितना है?
(a) 1.5 (b) 1.6
(c) 1.2 (d) 1.4

Ans. (b) : प्रश्नानुसार, दिया गया है-
हरी के अंक $(x) = 76$
मानक विचलन $(\sigma) = 5$
जनसंख्या माध्य $(\mu) = 68$

$$\because \quad Z = \frac{x - \mu}{\sigma} \Rightarrow \quad Z = \frac{76 - 68}{5}$$

$$Z = \frac{8}{5} = 1.6$$

63. Arrange the following in ascending order
A. Growth rate of Gross National Income (at constant price) of India in 2015-16
B. Growth rate of Gross National Income (at constant price) of India in 2016-17
C. Growth rate of Gross Nationa Income (at constant price) of India in 2017-18
D. Growth rapee of Gross National Income (at constant price) of India in 2018-19
E. Growth rate of Gross National Income (at constant price) of India in 2019-20
निम्नलिखित को आरोही क्रम में लगाइये :
A. 2015-16 में भारत की सकल राष्ट्रीय आय (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि दर
B. 2016-17 में भारत की सकल राष्ट्रीय आय (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि दर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

C. 2017-18 में भारत की सकल राष्ट्रीय आय (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि दर

D. 2018-19 में भारत की सकल राष्ट्रीय आय (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि दर

E. 2019-20 में भारत की सकल राष्ट्रीय आय (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि दर

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) E, A, D, C, B (b) C, E, B, D, A
(c) E, D, C, A, B (d) C, D, E, B, A

Ans. (c) : प्रश्नानुसार, दिए गए वर्षों में स्थिर कीमतों पर भारत की सकल राष्ट्रीय आय (GNI) की वृद्धि दरों का आरोही क्रम निम्नलिखि है-

वर्ष	GNI वृद्धि दर
(E) 2019-20	4.2%
(D) 2018-19	6.6%
(C) 2017-18	6.9%
(A) 2015-16	8.0%
(B) 2016-17	8.3%

स्रोत: अर्थिकी समीक्षा- 2021-22 (statistical appendix) पृष्ठ: 2-3

64. A bag contains 20 tickets marked with numbers 1 to 20. One ticket is drawn at random. Find the probability that will be multiple of 2 or 5.
एक थैले में 1 से 20 तक अंकित संख्याओं वाले 20 टिकट हैं। एक टिकट यादृच्छिक रूप से निकाला गया। वर संभाव्यता ज्ञात कीजिए जो 2 या 5 की गुणज होगी।

(a) 0.7 (b) 0.9
(c) 0.6 (d) 0.8

Ans. (c) : 2 या 5 ये गुणज वाली कुल संख्याएँ: 12 हैं जो निम्न हैं: 2, 4, 5, 6, 8, 10, 12, 14, 15, 16, 18, 20.
अतः एक टिकट यादृच्छिक रूप निकाले जाने की प्राथमिकता होगी,

$$\frac{12}{20} = 0.6$$

65. Which of the followings are correct in case of normal distribution?

A. $Q_1 + Q_2 = 2Md$

B. $Q.D = \frac{1}{3}\sigma$

C. $Q.D = \frac{2}{3}\sigma$

D. All moments of odd order about mean are zero

E. $Q_1 + Q_2 + Md$

सामान्य वितरण के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-कौन से सही हैं?

A. $Q_1 + Q_2 = 2Md$

B. $Q.D = \frac{1}{3}\sigma$

C. $Q.D = \frac{2}{3}\sigma$

D. माध्य और सभी विषम क्रम के क्षण, शून्य है

E. $Q_1 + Q_2 + Md$

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, D and E only/केवल B, D, E
(b) A, B, D only/केवल A, B, D
(c) A, C and D only/केवल A, C, D
(d) C, D and E only/केवल C, D, E

Ans. (c) : एक प्रणाली में सतत यादृच्छिक चर के लिए सामान्य वितरण संभाव्यता घनत्व फंक्शन (Probability density funciton) द्वारा परिभाषित किया गया है। सामान्य वितरण का सूत्र

$$f(x,\mu,\sigma) = \frac{1}{\sigma\sqrt{2\pi}} e^{-\frac{(x-\mu)^2}{2\sigma^2}}$$

सामान्य वितरण के सन्दर्भ में,

$$Q_1 + Q_2 = 2Md$$

$$QD = \frac{2}{3}\sigma$$

माध्य के बारे में विषम क्रम के सभी क्षण शून्य होते हैं।

66. What are the primary goals of sustainability?
सम्यकता के प्राथमिक उद्देश्य क्या-क्या हैं?

A. The end of poverty and hunger
गरीबी और भूख का अन्त

B. Better standard of education and healthcare
शिक्षा और चिकित्सा के बेहतर स्तर

C. To achieve gender equality
लैंगिक समानता को प्राप्त करना

D. Sustainable economic growth
सतत आर्थिक विकास

E. To achieve both inter and intra generational equity
अर्न्त और अन्त: पीढ़ीगत समता को प्राप्त करना

Choose the most appropriate answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C and E only/केवल A, B, C और E
(b) A, C, D and E only/केवल A, C, D और E
(c) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(d) A, B, C, D and E only/केवल A, B, C, D और E

Ans. (d) : सितंबर, 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा "ट्रांसफॉर्मिंग अवर वर्ल्ड: द 2030 एजेण्डा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" शीर्षक के अंतर्गत 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्रस्तुत किया गया है, जो निम्नलिखित हैं-
लक्ष्य 1: कोई गरीब नहीं
लक्ष्य 2: शून्य भूख
लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण
लक्ष्य 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
लक्ष्य 5: लैंगिक समानता
लक्ष्य 6: स्वच्छ जल व स्वच्छता
लक्ष्य 7: वहनीय व स्ववच्छ ऊर्जा
लक्ष्य 8: अच्छा काम व आर्थिक विकास
लक्ष्य 9: उद्योग, नवाचार व बुनियादी ढाँचा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

लक्ष्य 10: असमानता में कमी
लक्ष्य 11: सतत शहर और समुदाय
लक्ष्य 12: जिम्मेदार उपभोग व उत्पादन
लक्ष्य 13: जलवायु कार्यवाई
लक्ष्य 14: जल के नीचे जीवन
लक्ष्य 15: भूमि पर जीवन
लक्ष्य 16: शांति और न्याय मजबूत संस्थाएँ
लक्ष्य 17: लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भागीदारी

67. If we have objective function involving n variables :
$U = f(X_1, X_2, X_3 ..... X_n)$ subject to $\phi(X_1, X_2, X_3 ..... X_n) = 0$. The second order condition for extremum to be/यदि हमारे पास n चरों को शामिल करने वाले उद्देश्य प्रकार्य है $U = f(X_1, X_2, X_3 ..... X_n)$ के $\phi(X_1, X_2, X_3 ..... X_n) = 0$ एक्सट्रीमम हेतु द्वितीय क्रम स्थिति होगी

A. For maximum/अधिकतम के लिए
$$\left|\overline{H}_2\right| < 0 \left|\overline{H}_3\right| < 0....$$

B. For maximum//अधिकतम के लिए
$$\left|\overline{H}_2\right| > 0 \left|\overline{H}_3\right| < 0....$$

C. For maximum//अधिकतम के लिए
$$\left|\overline{H}_2\right| < 0 \left|\overline{H}_3\right| > 0....$$

D. For minimum/न्यूनतम के लिए
$$\left|\overline{H}_2\right| < 0 \left|\overline{H}_3\right| < 0....$$

E. For minimum/न्यूनतम के लिए
$$\left|\overline{H}_2\right| > 0 \left|\overline{H}_3\right| > 0....$$

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and D only/केवल A और D
(b) B and D only/केवल B और D
(c) C and E only/केवल C और E
(d) B and E only/केवल B और E

Ans. (b) : प्रथम कोटि की शर्त अधिकतम और न्यूनतम के बीच अंतर नहीं करती है। जबकि दूसरे क्रम की स्थिति में यह अंतर परिलक्षित होता है। दूसरे क्रम के आंशिक डेरिवेटिव का उपयोग पर निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है एक स्थिर बिन्दु न्यूनतम या अधिकतम है या नहीं।

अधिकतम के लिए $|\overline{H}_2| > 0. |\overline{H}_3| < 0...$

न्यूनतम के लिए $|\overline{H}_2| < 0. |\overline{H}_3| < 0...$

68. Criteria and weights assigned by the Fifteenth Finance Commission of India for Horizontal Devolution:
भारत के पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा क्षैतिज हस्तांतरण के लिए बनाए गए मापदंड और मानक:

A. Area/क्षेत्रफल
B. Forest and Ecology/वन और पारिस्थितिकी
C. Income Distance/आय अंतर
D. Tax and Fiscal efforts
कर और राजकोषीय प्रयास
E. Demographic performance
जनांकिकीय कार्य निष्पादन

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) D, B, E, A, C (b) B, D, A, E, C
(c) E, A, D, C, B (d) A, D, B, C, E

Ans. (a) : 15वें वित्त आयोग द्वारा क्षैतिज हस्तांतरण के लिए बनाए गए मापदण्ड का आरोही क्रम निम्नलिखित है-

(D) कर और राजकोषीय प्रयास	2.5%
(B) वन और पारिस्थितिकी	10%
(E) जनांकिकीय कार्य निष्पादन	12.5%
(A) क्षेत्रफल	15%
(C) आय अंतर	15%

69. In the context of the transaction demand for money, the square root rule was developed by
मुद्रा के विनिमय माँग के सन्दर्भ में वर्गमूल नियम किसने विकसित किया?

(a) Kydland-Prescott/किडलैण्ड-प्रेस्कोट
(b) Friedman-Scwartz/फ्रीडमैन-स्वार्ट्ज़
(c) Boumol-Tobin/बूमोल-टॉबीन
(d) J.M. Keynes/जे.एम. केन्स

Ans. (c) : मुद्रा की माँग के संदर्भ में तीसरा दृष्टिकोण बॉमोल-टोबिन द्वारा विकसित लेन-देन की माँग के लिए इन्वेंट्री दृष्टिकोण है। बॉमोल-टोबिन मॉडल वर्गमूल मॉडल (square root) नियम पर आधारित है। इस नियम के अनुसार विक्रेता को बिक्री के वर्गमूल के अनुपात में रखना चाहिए। यह नियम मुद्रा के विनिमय माँग के सन्दर्भ में भी लागू होता है। इसके अनुसार यदि मुद्रा रखने की अवसर लागत या ब्याज दर बढ़ जाती है, तो परिवार के पास कम मुद्रा रह जाती है।

70. Match List I with List II:

List I		List II
A. Money supply and price level in an economy are indirect proportion	**I.**	**A.W. Phillips**
B. Inverse relationship between unemployment and rate of wage inflation	**II.**	**Fisher**
C. Profit as reward for innovation	**III.**	**Robert Lucas**
D. Policy ineffective Proposition	**IV.**	**Joseph Schumpeter**

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कजिए :

सूची-I	सूची-II
A. किसी भी अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति एवं मूल्य स्तर प्रत्यक्ष सन्तुलन में होते	**I. ए.डब्ल्यू. फिलिप्स**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

B. बेरोजगारी एवं मजदूरी स्फीति में प्रतिलोम सम्बन्ध	**II. फिशर**
C. नई खोज के लिए पुरस्कार स्वरूप लाभ	**III. राबर्ट लूकश**
D. नीति अप्रभाव प्रतिज्ञप्ति	**IV. जोसेफ शूमपीटर**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	II	I	IV	III	(b)	III,	II,	I,	IV
(c)	II	IV	III	I	(d)	IV	III	II	I

Ans. (a) : सही सुमेलित है-

सूची-I	सूची-II
A. किसी भी अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति एवं मूल्य स्तर प्रत्यक्ष सन्तुलन में होते हैं	II.फिशर
B. बेरोजगारी एवं मजदूरी स्फीति में प्रतिलोम सम्बन्ध	I. ए. डब्ल्यू. फिलिप्स
C. नई खोज के लिए पुरस्कार स्वरूप लाभ	IV.जोसेफ शूम्पीटर
D. नीति अप्रभाव प्रतिज्ञप्ति	III. राबर्ट लूकश

71. A stationary population is that when population growth is
स्थिर जनसंख्या होती है जब जनसंख्या वृद्धि

(a) Increasing at an increasing rate
बढ़ती हुई दर पर बढ़ रही हो

(b) Increasing at a decreasing rate
घटती हुई दर पर बढ़ रही हो

(c) Grows at zero rate/शून्य दर पर बढ़ती है

(d) 100%

Ans. (c) : स्थिर जनसंख्या ऐसी जनसंख्या होती है जो आकार में अपरिवर्तनीय बनी रहती है। इनमें जनसंख्या वृद्धि शून्य दर से बढ़ती है तथा अशोधित जन्मदर और अशोधित मृत्युदर के बीच का अंतर शून्य होता है।
राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 के तहत भारत में जनसंख्या स्थिरीकरण का लक्ष्य 2045 तक निर्धारित किया गया था जिसे बढ़ाकर 2070 कर दिया गया है।

72. Which of the following strategy is not correct in order to have expansionary impact of fiscal policy?/निम्न में से कौन सा राजकोषीय नीति के विस्तारपरक प्रभाव की कार्यनीति हेतु सही नहीं है

(a) Public expenditure must be financed by borrowings
सार्वजनिक व्यय को कर्ज लेकर वित्तपोषित करना

(b) Public expenditure must be financed through increased taxes only
सार्वजनिक व्यय मात्र करों को बढ़ाकर वित्तपोषित करना

(c) Compensatory spending for public investment
सार्वजनिक निवेश हेतु आपूर्ति निवेश

(d) Cut in taxes/करों में कटौती

Ans. (b) : कीन्स के अनुसार कुल माँग में वृद्धि के कारण विस्तारवादी नीति अर्थव्यवस्था में उत्पादन में वृद्धि करेगी। यदि सरकार करों के कम करती है तो यह माना जाता है कि व्यक्ति और व्यवसाय अपनी कर बचत का उपयोग अधिक वस्तुओं और सेवाओं को क्रय करने के लिए करेंगे। जब सरकार विस्तारपरक राजकोषीय नीति अपनाती है तो कर्ज लेकर भी सार्वजनिक व्यय का वित्तपोषण करती है, निवेश अपूर्ति बढ़ाती तथा करों में कटौती करती है। इसके अलावा हस्तांतरण भुगतान, छूट और बुनियादी ढाँचे में सुधार जैसी परियोजनाओं पर सरकारी खर्च में वृद्धि शामिल है।

73. Write the steps to estimate the ECM/VAR model in time series.
समय श्रृंखला में ईसीएम/वीएआर मॉडल के अनुसार के चरणों को क्रम में लगाएं:

A. Unit root test/यूनिट रूट परीक्षण

B. ACF and PACF test
एसीएफ और पीएसीएफ परीक्षण

C. ECM/VAR/ईसीएम/वीएआर

D. Inputting data/इनपुटिंग डेटा

E. Cointegration test/सह-एकीकरण परीक्षण

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) D, A, E, B, C (b) D, B, A, C, E
(c) D, B, A, E, C (d) B, A, D, E, C

Ans. (c) : समय श्रृंखला में ईसीएम/वीएआर माडल के अनुसार के चरणों को क्रम निम्नलिखित है :
(D) इनपुटिंग डेटा
(B) एसीएफ और पीएसीएफ परीक्षण
(A) यूनिट रूट परीक्षण
(E) सह-एकीकरण परीक्षण
(C) ईसीएम/वीएआर

74. Given below are two statements:
Statement I : Devaluation always correct a chronic balance of payments deficit.
Statement II : An expected devaluation leads specultive, capital outflows from domestic country.
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
नीचे दो कथन दिए गए है:
कथन I : अवमूल्यन सदैव एक लम्बे समय से चले आ रहे भुगतान घाटे शेष को सुधारता है।
कथन II : एक आपेक्षित अवमूल्यन देश से सट्टे की पूंजी को बाहर निकालता है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both statement I and statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं

(b) Both statement I and statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं

(c) Statement I is true but statement II is false
कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

(d) Statement I is false but statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : अवमूल्यन अन्य मुद्राओं के सम्बन्ध में एक मुद्रा के मूल्य में कमी को संदर्भित करता है। यह किसी अन्य मुद्रा, मुद्राओं के समूह या मानक के सापेक्ष किसी देश की मुद्रा के मूल्य जानबूझकर नीचे की ओर समायोजित है। अवमूल्यन की प्रवृत्ति अवमूल्यन मुद्रा के संदर्भ में कीमतों में वृद्धि करके किसी देश में आयात की घरेलु माँग को कम करने और विदेशी मुद्राओं के संदर्भ में उनकी कीमतों को कम करके देश के निर्यात के लिए विदेशी माँग को बढ़ाता है। एक अपेक्षित अवमूल्यन देश से सट्टे की पूँजी को बाहर निकालता है।

75. The strategy of choosing the policy which has the best possible outcome is known as _____
उस नीति का चयन करने की रणनीति, जिसका सर्वोत्तम संभव परिणाम हो, कहलाती है .....

(a) Dominant strategy/डोमिनेंट रणनीति
(b) Maxi max/मैक्सीमैक्स
(c) Mini max/मिनिमैक्स
(d) Maxi min/मैक्सिमिन

Ans. (b) : उस नीति का चयन करने की रणनीति, जिसका सर्वोत्तम सम्भव परिणाम हो मैक्सी मैक्स (Maxi max) कहलाता है। मैक्सी मैक्स नियम मे उस विकल्प का चयन करना शामिल है जो उपलब्ध अधिकतम (Maximum) भुगतान को अधिकतम (Maximise) करता है। यह दृष्टिकोण एक आशावादी या जोखिम चाहने वाले निवेशक के लिए उपयुक्त होगा, जो सबसे अच्छा होने पर सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना चाहता है।

76. The irrelevance of money for real variables in the classical system is called
पारम्परिक प्रणाली में वास्तविक चरों के लिए धन की अप्रासंगिकता कहलाती है

(a) Fiscal neutrality/राजकोषीय तटस्थता
(b) Monetary neutrality/मौद्रिक तटस्थता
(c) Exchange rate neutrality/विनिमय दर तटस्थता
(d) Technological neutrality/प्रौद्योगिकी तटस्थता

Ans. (b) : पारम्परिक प्रणाली में वास्तविक चरो के लिए धन के अप्रासंगिकता मौद्रिक तटस्थता (Monetary neutrality) कहलाती है। पारम्परिक सिद्धांत के अनुसार नॉमिनल चर (मौद्रिक मजदूरी, नॉमिनल जी.एन.पी. मुद्राशेष) मुद्रा की मात्रा में परिवर्तन के अनुपात में परिवर्तित होते हैं जबकि वास्तविक चर जैसे- जी.एन.पी., रोजगार, वास्तविक मजदूरी दर, वास्तविक ब्याज दर अप्रभावित रहते हैं। पारम्परिक अर्थशास्त्रियों ने समझाया कि जी.एन.पी., रोजगार वास्तविक मजदूरी दर जैसे वास्तविक चर पूँजी के स्टॉक प्रौद्योगिकी की स्थिति, श्रम के सीमांत भौतिक उत्पाद, काम और अवकाश के सम्बन्ध में हाउसहोल्ड की प्राथमिकताओ जैसे वास्तविक कारकों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।

77. Which of the following are correct?
निम्न में से कौन-कौन सा सही विकल्प है?

A. Current account includes merchandise export
चालू खाते में वाणिज्यिक वस्तु सम्मिलित होता है

B. Current account do not includes merchandise export/चालू खाते में वाणिज्यिक वस्तु सम्मिलित नहीं होता है

C. Current account includes invisible export
चालू खाते में अदृश्य निर्यात सम्मिलित होता है

D. Current account do not includes invisible export/चालू खाते में अदृश्य निर्यात सम्मिलित नहीं होता है

E. Current account includes both merchandise exports and imports and invisible exports and imports/चालू खाते में वाणिज्यिक वस्तु का आयात और निर्यात सम्मिलित होते है तथा अदृश्य आयात और निर्यात भी।

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, and C only/केवल A, B और C
(b) A, C, and E only/केवल A, C और E
(c) A, D, and E only/केवल A, D और E
(d) C, D, and E only/केवल C, D और E

Ans. (b) : चालू खाता अल्पकालीन वास्तविक लेन-देन का लेखांकन है, क्योंकि इसमें सम्मिलित की जाने वाली समस्त मदों (दृश्य एवं अदृश्य मदों) को वास्तविक रूप में लेन-देन किया जाता है। चालू खाते का उपयोग देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं के अंतर्वाह और बहिर्वाह की निगरानी के लिए किया जाता है। इस खाते मे कच्चे माल तथा निर्मित वस्तुओं के संबंध में किए गए सभी भुगतानों और प्राप्तियों को शामिल किया जाता है। चालू खाता के अंतर्गत मुख्यतः तीन प्रकार के लेन-देन, जिसमें पहला वस्तुओं व सेवाओं का आयात-निर्यात, दूसरा कर्मचारियों व विदेशी निवेश से प्राप्त आय एवं खर्च तथा तीसरा विदेशों से प्राप्त अनुदान उपहार एवं विदेश में बसे कामगारों द्वारा भेजी जाने वाली विप्रेषण (Remittance) की राशि को शामिल किया जाता है।

78. Match List I with List II:

List I	List II
A. Testing of overall significance	**I. Chi-square test**
B. Testing the independence of attributes	**II. Jarque-Bera test**
C. Testing the significance of regression	**III. F-test**
D. Normality test	**IV. t-test**

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कजिए:

सूची-I	सूची-II
A. समस्त महत्व का परीक्षण	**I. काई-स्क्वायर परीक्षण**
B. गुणों के स्वतंत्र होने का परीक्षण	**II. जार्क-बेरा परीक्षण**
C. प्रतिगामी गुणांक के महत्व का परीक्षण	**III. एफ-परीक्षण**
D. सामान्यीकरण परीक्षण	**IV. टी-परीक्षण**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	I	II	III	IV	(b)	III	I	IV	II
(c)	I	IV	III	II	(d)	I	III	IV	II

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) :

सूची-I	सूची-II
A. समस्त महत्व का परीक्षण	III. एफ-परीक्षण
B. गुणों के स्वतंत्र होने का परीक्षण	I. काई-स्क्वायर परीक्षण
C. प्रतिगामी गुणांक के महत्व का परीक्षण	IV. टी-परीक्षण
D. सामान्यीकरण परीक्षण	II. जार्क-बेरा परीक्षण

79. Match List I with List II:

List I	List II
A. Andhra Pradesh PCI in 2020-21	**I. Rs. 98,418**
B. Madhya Pradesh PCI in 2020-21	**II. Rs. 1,09,730**
C. Odisha PCI in 2020-21	**III. Rs. 1,21,267**
D. West Bengal PCI in 2020-21	**IV. Rs. 1,70,215**

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कजिए:

सूची-I	सूची-II
A. 2020-21 में आन्ध्र प्रदेश में पी.सी.आई.	**I. 98418**
B. 2020-21 में मध्य प्रदेश में पी.सी.आई.	**II. 109730**
C. 2020-21 में उड़ीसा में पी.सी.आई.	**III. 121267**
D. 2020-21 में पश्चिम बंगाल में पी.सी.आई.	**IV. 170215**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	II	I	III	IV	(b)	IV	I	II	III
(c)	IV	II	I	III	(d)	III	I	II	IV

Ans. (b) : सही सुमेलित है-

सूची-I	सूची-II
A. 2020-21 में आन्ध्र प्रदेश में पी.सी.आई.	(IV) 170215
B. 2020-21 में मध्य प्रदेश में पी.सी.आई.	(I) 98418
C. 2020-21 में उड़ीसा में पी.सी.आई.	(II) 109730
D. 2020-21 में पश्चिम बंगाल में पी.सी.आई.	(III) 121267

80. Arrange the states in descending order based on percentage of population who are multidimensionally poor based on NITI Aayog Report 2021.
नीति आयोग की 2021 की रिपोर्ट के आधार पर बहु आयामी गरीबी जनसंख्या के प्रतिशत के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को अवरोही क्रम में लगाइये:

A. Bihar/बिहार
B. Odisha/ओडिशा
C. Rajasthan/राजस्थान
D. Uttar Pradesh/उत्तर प्रदेश
E. Madhya Pradesh/मध्य प्रदेश

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, D, E, C, B (b) A, E, C, D, B
(c) A, C, E, B, D (d) A, B, C, E, D

Ans. (a) : सरकारी थिंक-टैंक नीति आयोग द्वारा पहली बार नवंबर 2021 में बहु आयामी गरीबी सूचकांक (Multidimensional Poverty Index: MPI) जारी किया गया। सूचकांक के अनुसार, बिहार में सर्वाधिक 50% से अधिक आबादी बहुआयामी रूप से गरीब है। दूसरी ओर, केरल में सबसे कम जनसंख्या (0.71%) बहुआयामी रूप से गरीब है। दिये गए विकल्पों में बहुआयामी रूप से गरीब राज्यों का क्रम निम्नलिखित है-

(A)	बिहार	51.91%
(D)	उत्तर प्रदेश	37.79%
(E)	मध्य प्रदेश	36.65%
(C)	राजस्थान	29.50%
(B)	ओडिशा	29.35%

81. Match 'Labour Force' with the appropriate item from among the following:
निम्नलिखित में से उचित मद के साथ 'श्रम शक्ति' का मिलान करें

(a) Total work force/कुल कार्यबल
(b) Employed + unemployed/रोजगार-प्राप्त+बेरोजगार
(c) Total educated manpower
कुल शिक्षित मानव शक्ति
(d) Population in the age group 15-60
15-60 आयु वर्ग की जनसंख्या

Ans. (b) : श्रम शक्ति (Labour Force) किसी देश या क्षेत्र में उन लोगों की संख्या है जो शारीरिक रूप से कार्य करने में सक्षम है और काम करने के लिए उपलब्ध हैं। श्रम शक्ति का वह भाग जो किसी न किसी कार्य में लगा हुआ है उसे रोजगार प्राप्त (Employed) श्रम शक्ति तथा वह भाग जो कार्यरत नहीं है बेरोजगार (Unemployed) श्रम शक्ति कहलाता है। अतः

श्रम शक्ति = रोजगार प्राप्त + बेरोरोजगार

82. Two factors of production, say A and B have the same price. The least cost combination of A and B for producing given level of output will be achieved at a point where the Iso-quant has slope equal to
उत्पादन के दो साधनों, जैसे A और B की कीमत समान है। उत्पादन के दिए गए स्तर का उत्पादन करने के लिए A और B का न्यूनतम लागत संयोग उस बिन्दु पर प्राप्त होगा जहाँ सम-उत्पाद वक्र की ढ़लान निम्नलिखित के बराबर होगी:

(a) 0 (b) 1
(c) –1 (d) 2

Ans. (c) : उत्पादन के दो साधनों, जैसे A और B की कीमत समान होने पर उत्पाद के दिए गए स्तर का उत्पादन करने के लिए A और B का न्यूनतम लागत संयोग उस बिन्दु पर प्राप्त होगा जहाँ सम-उत्पाद वक्र (ISO-quant curve) की ढ़लान '-1' के बराबर होगा।
सम उत्पाद वक्र वह वक्र होता है जिस पर उत्पादन की अधिकतम प्राप्त-योग्य दर स्थिर होती है। इसे उत्पादन उदासीनता वक्र (Production Indifference curve) या स्थिर उत्पादन वक्र भी कहते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

83. The binomial distribution can be used under the following conditions/द्विपद वितरण निम्नलिखित स्थितियों के अंतर्गत प्रयुक्त हो सकता है

A. n the number of trials is finite and independent
परीक्षणों की संख्या n सीमित एवं स्वतंत्र होती है

B. n the number of trials is infinite and independent
परीक्षणों की संख्या n अनंत एवं स्वतंत्र होती है

C. Each trial results in two mutually exclusive and exhaustive outcomes, terms as success and failure/सफल एवं असफल के पदों में प्रत्येक परीक्षण परिणाम दो पारस्परिक एकांतिक एवं सर्वांगीण परिणाम के रूप होता है

D. P, the probability of success is constant for each trial/सफलता की संभाव्यता P, प्रत्येक परीक्षण हेतु निपत होती है

E. The probability of failure does not remain same for each trial/असफलता की संभाव्यता प्रत्येक परीक्षण हेतु समान नहीं होती है

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, and E only/केवल A, C और E
(b) B, C, and D only/केवल B, C और D
(c) A, C, and D only/केवल A, C और D
(d) B, C, and E only/केवल B, C और E

Ans. (c) : सम्भाव्यता सिद्धांत और सांख्यिकी में, द्विपद वितरण असतत संभाव्यता वितरण है जो एक प्रयोग में केवल दो संभावित परिणाम देता है, या तो सफलता या विफलता है। द्विपद वितरण में दो पैरामीटर H और P का उपयोग किया जाता है। चर 'n' प्रयोग के चलने की संख्या बताता है और चर 'P' किसी एक परिणाम की प्रायिकता बताता है। द्विपद वितरण निम्नलिखित परिस्थितियों के अंतर्गत प्रयुक्त हो सकता है-

- परीक्षणों की संख्या n सीमित एवं स्वतंत्र होती है।
- सफल एवं असफल के पदों में प्रत्येक परीक्षण परिणाम दो पारिस्थितिक ऐकांतिक एवं सर्वांगीण परिणाम की रूप में होता है।
- सफलता की संभाव्यता P प्रत्येक परीक्षण हेतु नियत होती है।

84. The change in welfare due to change in environmental quality is measured by
पर्यावरण की गुणवत्ता में परिवर्तन के कारण कल्याण में परिवर्तन को किसके द्वारा मापा जाता है

(a) Hedonic price function/सुखात्मक कीमत फलन
(b) Marginal implicit function
सीमान्त अंतर्निहित फलन
(c) Marginal Willingness to Pay (WTP) function
सीमान्त भुगतान इच्छा (डब्ल्यूटीपी) फलन
(d) Offer function/प्रस्ताव (ऑफर) फलन

Ans. (c) : पर्यावरण की गुणवत्ता मे परिवर्तन के कारण कल्याण में परिवर्तन को सीमांत भुगतान इच्छा (Marginal Willingness to Pay: MWTP) के द्वारा मापा जाता है।
आम तौर पर सीमांत भुगतान इच्छा (MWTP) वह राशि है जो उपभोक्ता किसी उत्पाद की एक विशेष सुविधा के लिए भुगतान करते हैं।

85. The provision for social goods, or the process by which total resource use is divided between private and social goods and by which the mix of social goods is choosen is known as _____.
सामाजिक वस्तुओं को व्यवस्था या वह प्रक्रिया जिससे समस्त संसाधन के उपयोग को निजि एवं सामाजिक वस्तुओं में विभाजित किया जाता है तथा जिसके माध्यम से सामजिक वस्तुओं के मिश्रण का चयन किया जाता है उसे कहा जाता है

(a) Allocation function/नियतन फलन
(b) Distribution function/वितरण फलन
(c) Stabilization function/स्थैतिकरण फलन
(d) Normalization function/सामान्यीकरण फलन

Ans. (a) : सामाजिक वस्तुओं की व्यवस्था यह वह प्रक्रिया है जिससे समस्त संसाधन के उपयोग को निजी एवं सामाजिक वस्तुओं में विभाजित किया जाता है तथा जिसके माध्यम से सामाजिक वस्तुओं के मिश्रण का चयन किया जाता है उसे नियतन फलन (Allocation function) कहा जाता है। इस प्रावधान को बजट नीति का आवंटन कार्य भी कहा जाता है। निजी वस्तुओं से भिन्न सामाजिक वस्तुएँ बाजार व्यवस्था के माध्यम से उपलब्ध नहीं करायी जा सकती। सामाजिक वस्तुओं के प्रावधान में बाजार की विफलता के मूल कारण यह है कि, क्योंकि व्यक्तियों द्वारा ऐसे उत्पादों की खपत गैर-प्रतिद्वंद्वी है, इस अर्थ में कि एक व्यक्ति के लाभों का हिस्सा दूसरे के लिए उपलब्ध लाभों को कम नहीं करता है। दूसरे सामाजिक वस्तुओं के मामले में अपवर्जन सिद्धांत संभव नहीं है।

86. Which of the following properties of matrix are correct?/निम्न में से संचार (मैट्रिक्स) के सन्दर्भ में कौन से तथ्य सही है?

A. $(A')' = A$
B. The rank of an n×n nonsingular matrix A must be less than n/एक n×n असाधारण संचा A, n से कम होना चाहिए
C. $(AB)' = B'A'$
D. $(A + B)^n = A^n + B^n$
E. $(A')^{-1} = (A^{-1})$

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, D and E only/केवल A, D और E
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) C, D and E only/केवल C, D और E

Ans. (*) : निम्न में से संचार (मैट्रिक्स) के सन्दर्भ में $(A') = A$, $(AB)' = B'A'$, $(A + B)^n = A^n + B^n$ और $(A')^{-1} = (A^{-1})$ सही है। किन्तु एक n×n असाधारण (Non-singular) मैट्रिक्स A, n से कम नहीं होना चाहिए। क्योंकि एक मैट्रिक्स A की रैंक A के सबसे बड़े नॉन-रिंगुलर सबमैट्रिक्स के क्रम के बराबर है। यह इस प्रकार है कि n × n के एक नॉन-सिंगुलर वर्ग मैट्रिक्स का रैंक n है। अतः दिए गए तथ्यों में केवल (A), (C), (D) और (E) सही है।
नोट- NTA ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

87. What does the result of the first empirical test of the Heckscher Ohlin model by Wassily Leontief find?
वासिली लियोंटिफ द्वारा हेकशर-ओहलिन मॉडल के पहले अनुभवजन्य परीक्षण का परिणाम क्या था?

(a) U.S. exports were less capital-intensive than U.S. imports/यू.एस. के निर्यात यू.एस. के आयातों से कम पूँजी प्रधान थे

(b) U.S. exports were more capital-intensive than U.S. imports/यू.एस. के निर्यात यू.एस. के आयातों से अधिक पूँजी-प्रधान थे

(c) U.S. exports were more human capital-intensive than U.S. imports/यू.एस. के निर्यात यू.एस. के आयातों से अधिक मानव पूँजी प्रधान थे

(d) All the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (a) : अर्थशास्त्र में लियोन्टीफ विरोधाभास यह है कि प्रति श्रमिक अधिक पूँजी वाले देश में आयात की तुलना में निर्यात में कम पूँजी-श्रम अनुपात होता है। यह अर्थमितीय खोज, हेक्शर-ओहलिन सिद्धांत को अनुभाविक रूप से परीक्षण करने के वासिली डब्ल्यू लियोन्टीफ के प्रयास का परिणाम था। 1953 में लियोन्टीफ ने पाया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पूँजी-प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के बावजूद निर्यात की जाने वाली वस्तुएँ पूँजी-गहन की तुलना में श्रम-गहन अधिक थीं। जोकि हेक्सर-ओहलिन सिद्धांत के विपरीत है। इस परिणाम से लियोन्टीफ ने अनुमान लगाया कि अमेरिका को अपनी आर्थिक वास्तविकताओं से मेल खाने के लिए अपनी प्रतिस्पर्धी नीति को अपनाना चाहिए।

88. Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
Assertion A : The Endogenous growth theory examines production function that shows increasing returns.
Reason R : Increasing returns in Endogenous growth theory is due to specialization and investment in knowledge capital and learning by doing.
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन (A) : नवीन अन्तर्जात विकास सिद्धान्त उत्पादन क्रिया के उस पहलू का परीक्षण करती है जोकि बढ़ते हुए प्रतिफल को दर्शाता है।
कारण (R) : अन्तर्जात विकास सिद्धान्त में बढ़ता हुआ प्रतिफल, ज्ञान की पूँजी एवं कर के सीखने के नियम के कारण सम्भव है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है

(b) Both A and R are correct but R is NOT the correct explanation of A/A और Rदोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A is correct but R is not correct
A सही है, लेकिन R सही नहीं है

(d) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है, लेकिन R सही है

Ans. (a) : अन्तर्जात विकास सिद्धान्त (Endogenous growth theory) यह मानता है कि आर्थिक विकास मुख्य रूप से बाहरी ताकतों के बजाए आंतरिक ताकतो का परिणाम है। यह तर्क देता है कि उत्पादकता में सुधार में सीधे तेजी से नवाचार और सरकारों व निजी क्षेत्र के संस्थानों से मानव पूँजी में अधिक निवेश से जोड़ा जा सकता है। नवीन अन्तर्जात विकास सिद्धांत उत्पादन क्रिया के उस पहलू का परीक्षण करती है जोकि बढ़ते हुए प्रतिफल को दर्शाता है। अन्तर्जात विकास सिद्धांत में बढ़ता हुआ प्रतिफल, ज्ञान की पूँजी एवं कर के सीखने के नियम के कारण सम्भव है।

89. Here is given weights of items under use based classification of industrial production index of India (Base 2011-12)/भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के उपयोग आधारित वर्गीकरण के आधार पर वस्तुओं का भार निम्नवत है। सही विकल्प चुनें।

A. Primary goods 34.05%/प्राथमिक वस्तु 34.05%

B. Capital goods 12.22%/पूँजीगत पदार्थ 12.22%

C. Intermediate goods 17.22%
माध्यमिक पदार्थ 17.22%

D. Infrastructure/Construction goods 12.34%
संरचनागत/विनिर्माणकारी पदार्थ 12.34%

E. Consumer goods 24.17%
उपभोक्ता पदार्थ 24.17%

Choose the correct anser from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) B, C and D only/केवल B, C और D

(b) A, B and E only/केवल A, B और E

(c) A, C and D only/केवल A, C और D

(d) B, D and E only/केवल B, D और E

Ans. (c) : भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के उपयोग आधारित वर्गीकरण के आधार पर वस्तुओं का भार निम्नवत है
(A) प्राथमिक वस्तु 34.05%
(C) माध्यमिक पदार्थ 17.22
(D) संरचनागत/विनिर्माणकारी पदार्थ 12.34%

90. In Harrod.Domar Model, if the growth rate of income is 8% and the capital output ratio is 4% then the saving rate must be
हैरॉड-डोमर मॉडल में, यदि आय की वृद्धि दर 8% है और पूँजी-उत्पादन अनुपात 4% है, तो बचत की दर होगी

(a) 32% (b) 2%
(c) 36% (d) 1/2%

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : दिया गया है-

आय की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta Y}{Y}\right) = 8\%$

पूँजी उत्पाद अनुपात $(K) = 4\%$

$\because \quad \frac{\Delta Y}{Y} = \frac{S}{K}$ (जहाँ, S = बचत की दर)

$\therefore \quad S = \frac{\Delta Y}{Y} \times K$

या $\quad S = 8 \times 4$

$S = 32\%$ (उत्तर)

Read the given passage and answer the five questions on the basis of passage :

Although globalisation is often accused of increasing world poverty, the fact is that poverty would probably be even more widespread without globalisation. What is true is that glabalisation did not benefit all nations. What globalisation can be blamed for is not spreading the benefits of increased efficiency and openness that come with globalisation more evenly and equitably to all nations. The stock of Foreign Direct investments around the World states that in 2010, the inward stock of FDI of developing countries was 48 percent that of developed countries, while their stock of outward FDI was about 17 percent that of developed countries. The New International Economies of Scale (NIES) states that - more and more products manufactured by international corporations have parts and components made in many different nations. The reason is to minimise production costs. Foreign sourcing" of inputs is often not a matter of choice to earn higher profit, but simply a requirement to remain competitive. The carry Trade is the strategy in which an investor borrows a low yielding currency and lends (invest in) a higher yielding currency. The risk is that if during the investment period, the higher yielding currency depreciates against the lower yielding currency by a higher percentage than the positive interest differentials, the investor will lose money.

निम्न पैराग्राफ को पढ़ें एवं निम्न पाँच प्रश्नों का उत्तर दें।

हालांकि वैश्वीकरण को प्रायः विश्व की गरीबी में वृद्धि का दोषारोपण किया जाता है लेकिन यह तथ्य है कि गरीबी का बिना वैश्वीकरण के प्रायः और अधिक विस्तार हो सकता है यह सत्य है कि वैश्विकरण के लाभ सभी देशों को नहीं मिले हैं। वैश्वीकरण को किस कारण से उत्तरदायी कि यह वृद्धिगत उन कार्यक्षमता एवं खुलापन के लाभों का विस्तार नहीं करता है जो वैश्वीकरण के साथ सभी देश के लिए समान रूप एवं समतुल्य तौर पर आए हैं। विश्व भर में विदेशी प्रत्यक्ष विदेशों का स्टॉक वर्ष 2010 में विकसित देशों का एफ.डी.आई. का आवक स्टॉक 48% था जबकि विकसित देशों का उनके जावक स्टॉक लगभग 17% था। नवीन अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक मापक्रम (एनआइईएस) बताता है कि अन्तर्राष्ट्रीय निगमों द्वारा अधिक से अधिक निर्मित उत्पादों के भाग एवं संघटकों को विभिन्न देशों द्वारा निर्मित किया गया है। यह उत्पादन लागतों को न्यूनतम करने का कारण है। उत्पादनों का विदेशी 'सोर्सिंग' अधिक लाभ अर्जित करने के लिए प्रायः रुचि की बात नहीं है बल्कि यह प्रतिस्पर्धक बने रहने के लए यह केवल एक जरुरत है। लागत व्यापार एक नीति है जिसमें निवेशक एक कम लाभकारी मुद्रा उधार लेता है और उसे उच्च लाभकारी मुद्रा में उधार (निवेश) करता है। इसमें निवेश अवधि का जोखिम है कि उच्च लाभकारी मुद्रा का कम लाभकारी मुद्रा में उच्च प्रतिशत से सकारात्मक ब्याज भिन्नताओं से अधिक मूल्यहासित होता है और फलतः निवेशक को राशि की हानि होती है।

91. What for globalisation has been blamed?
वैश्विकरण को किस लिए दोषी पाया गया है?

(a) Globalisation has neither increased efficiency nor opennes
वैश्विकरण ने न तो कार्यक्षमता और न ही खुलापन बढ़ा

(b) Globalisation has increased both efficiency & openness
वैश्विकरण ने कार्यक्षमता एवं खुलापन दोनों में वृद्धि है

(c) Blobalisation has increased efficiency but not openness/वैश्विकरण ने कार्यक्षमता में वृद्धि की लेकिन खुलापन नहीं बढ़ा

(d) Globalisation has not spreaded the benefits of increased efficiency and openess equitably to all nations/वैश्विकरण ने सभी देशों में समान रूप में कार्य क्षमता एवं खुलापन के लाभों को बढ़ाया नहीं है

Ans. (d) : वैश्वीकरण को इसलिए दोषी पाया गया है क्योंकि 'वैश्वीकरण' ने सभी देशों में सामन रूप से कार्य क्षमता एवं खुलापन के लाभों को बढ़ाया नहीं है।

92. Which of the following is incorrect?
निम्नलिखित में से कौन सही नहीं है?

(a) The inward stock of FDI to developing countries is less than that of developed countries/एफडीआइ का विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में आवक स्टॉक कम होता है

(b) The outward stock of FDI from developing countries is less than that of developed countries/एफडीआइ का विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में जावक स्टॉक कम होता है

(c) Both the inward stock of FDI to developing countries and outward stock of FDI from developing countries remained higher in developing countries than developed countries/विकासशील देशों का आवक स्टॉक एवं जॉवक स्टॉक दोनों विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में अधिक रहे हैं

(d) Both the inword stock of FDI to developing countries and outward stock of FDI from developing countries remained lower in developing countries than developed countries/विकासशील देशों से एफडीआइ के आवक एवं जॉवक स्टॉक विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में कम रहे हैं

Ans. (c) : दिए गए प्रश्नानुसार विकल्प (c) सही नहीं है। क्योंकि पैराग्राफ में दिया गया है कि विश्व भर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का स्टॉक वर्ष 2010 में विकसित देशों का एफडीआई का आवक स्टॉक 48% या जबकि विकसित देशों का उनमें जावक स्टॉक लगभग 17% था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

93. Which of the following reflects the most correct sense of the New International Economies of Scale (NIES)
निम्नलिखित में से किस से नवीन अन्तर्राष्ट्रीय मापक (एनआइईएस) को सर्वाधिक सही मायनों में प्रतिपादित किया है?

(a) All the parts and components of a product is manufactured in the host country only
उत्पादक सभी भागों एवं संगठकों को केवल आधित्य देशों में ही विनिर्माण किया गया है

(b) When all the parts and components of the product manufactured in the host country, it minimize production costs in each of the producing country
जब उत्पादक सभी भागों एवं संगठकों को आतिथेय देश में विनिर्माण किया गया है इससे प्रत्येक उत्पादक देश में उनकी उत्पादन लागत को न्यूनतम होती है

(c) Cheaper inputs from different countries are required to remain competitive
स्पर्धक बने रहने के लिए सभी देशों से सस्ता उत्पाद की आवश्यक रहती है

(d) The NIES is more concern about profit rather than to remain competitive/एनआइईएस स्पर्धक रहने के बजाय लाभ के लिए अधिक ध्यान देता है

Ans. (c) : 'स्पर्धक बने रहने के लिए सभी देशों से सस्ते उत्पाद की आवश्यकता रहती है।' यह कथन नवीन अंतर्राष्ट्रीय मापक (एन आई ई एम) को सर्वाधिक सही मायने में प्रतिपादित करता है।

94. During the investment period, if the higher yielding currencydepreciates against the lower yielding currency by a higher percentage than the positive interest differential then which of the following will occur?
निवेश अवधि के दौरान, जब कम लाभप्रद मुद्रा की तुलना में उच्च लाभप्रद मुद्रा का उच्च प्रतिशत से मूल्यहास होता है तब सकारात्मक ब्याज अंतरीय, होता है ऐसी स्थिति क्या होगा?

(a) The investor will lose money
निवेशक को धन-हानि होगी

(b) The investor will earn profit
निवेशक को लाभ प्राप्त होगा

(c) The profit of the investor will remain unaffected/निवेशक के लाभ में कोई फर्क नहीं पड़ेगा

(d) None of the above/उक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : निवेश अवधि के दौरान, जब कम लाभप्रद मुद्रा की तुलना में उच्च लाभप्रद मुद्रा का उच्च प्रतिशत से मूल्यह्रास होता है तब सकारात्मक ब्याज अंतरीय होता है और ऐसी स्थिति में निवेशक को धन-हानि होगी।

95. Which of the following is true?
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) Becuase of globalisation poverty has increased in all the countries of the world
वैश्विकरण के कारण विश्व के सभी देशों में गरीबी में वृद्धि हुई है

(b) Because of globalisation poverty has reduced in all the countries of the world/वैश्विकरण के कारण विश्व के सभी देशों में गरीबी में कमी आई है

(c) Without globalisation world poverty would probably be even more widespread
बिना वैश्विकरण के विश्व में गरीबी प्रायः और अधिक बढ़ सकती है

(d) Without globalisation world poverty would probably be even less widespread/बिना वैश्विकरण के विश्व में गरीबी शायद कम हो सकती है

Ans. (c) : 'बिना वैश्वीकरण के विश्व में गरीबी प्रायः और अधिक विस्तार हो सकती है।' यह सत्य है कि वैश्वीकरण के लाभ सभी देशों को नहीं मिले हैं।

Read the given passage and answer five questions on the basis of passage:

Since the second five year plan, the Government of India has been emphasizing on development of industry on promoting self reliance India. But at that time the priority was for import substitution and export-promotion. Though same phenomenon is still relevant the priority of Industrialisation has been changed. Industry helps not only for the self reliance and reducing dependence on Foreign Countries but it creats massive employment for a populated country like India. The Startups India Programme started in 2014 which hence for promoting new initiatives and infact industries in critical domains having strategic importance. The recognised startups has been increased from 726 in FY 2016-17 to 65861 in FY2021-22. The Startups spread across 640 districts and created jobs more then 7 lakhs. These startups have been recently developed in new domain and sectors of strategic importance including development of IT services, hardware technology, software enterprises, artificial intelligence, robotics and technology of banking & finance in across 56 sectors. As on Feb, 2022, the ministry of commerce and industry has allocated Rs, 2,791,29 crore to SIDBI which inturn committed Rs. 6,795 crore to 82 alternative investment funds (AIFs) while Rs. 8785 crore have been invested by supported AIFs in 574 startups and Rs. 945 crore has been allocated under the scheme for a period of four years starting from 2021-22 to fund the startups for proof of concept, prototype, trails of products, entry of market and commercialization. However, it is important for sustaining these startups for long term development and for creation of employment. Continued investment in this sectors, export promotion and startups products, innovation in new sectors and creation of domestic demands for this products are important for long term development and attracting new startups.

नीचे दिए गए गद्यांश का अध्ययन करें और गद्यांश के आधार पर अगले पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें।

भारत सरकार द्वितीय पंचवर्षीय योजना से भारत को स्वालंबी बनाने के उद्देश्य से उद्योगों के विकास पर विशेष जोर दे रहा है। लेकिन उस समय आयात का प्रतिस्थापन एवं निर्यात उन्नयन को प्राथमिकता दी गई थी। यद्यपि इसी दृष्टिकोण, औद्योगिकरण की प्राथमिकता की स्थिर प्रासंगिकता को परिवर्तित किया गया। उद्योग न केवल स्वालंबी एवं विदेशों पर निर्भरता को कम करते है बल्कि इससे भारत जैसे जनसंख्या वाले देश में प्रचुर रोजगार उत्पन्न करते हैं। स्टार्टअप भारत का कार्यक्रम 2014 से प्रारम्भ किया गया जो इससे नए नवाचारों एवं छोटे-छोटे उद्योगों का महत्वपूर्ण रणनीतिकवाले क्रांतिक दिशा में उन्नयन कर रहा है। मान्यता प्राप्त स्टार्टअप वित्त वर्ष

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2016-17 के 726 से वित्तवर्ष 2021-22 तक 65861 वृद्धि हुई है। ये स्टार्टअप 640 जिलों में फैले है और 7 लाख से अधिक रोजगार सृजित किये हैं। ये स्टार्टअप हाल ही में, नए डोमिन एवं आइटी सेवाओं के विकास, हार्डवेयर प्रौद्योगिकी को सॉफ्टवेयर व्यवसायों कृत्रिम आसूचना रोबोटिक्स एवं बैंकिंग एवं वित्त की प्रौद्योगिकी में फैले 56 क्षेत्रों में शामिल कर रणनीतिक महत्ता वाले सेक्टरों में विकसित हो गए है : यथा 2022 फरवरी को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एसआइडीआइबी को रु. 2791.29 करोड़ का आवंटन किया है जिसमें से रु. 6795 करोड़ 82 वैकल्पिक निवेश निधियों (एआइएफएस) को रु. 8725 करोड़ 574 स्टार्टअपों के सहायक एआइएफों में निवेश एवं योजना का प्रमाण, फोटोटाइप, उत्पादों का परिक्षण, बाजार में पदार्पण एवं वाणिज्यिकरण के लिए स्टार्टअपों हेतु 2021-22 से प्रारम्भ होने वालों के लिए इस योजना के अधीन चार वर्षों की अवधि के लिए रु. 945 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। तथापि इन स्टार्टअपों को लंबी अवधि तक बरकरार रखने एवं रोजगार सृजन करना आवश्यक है। इन सेक्टरों में अनवरत निवेश, निर्यात संवर्धन एवं स्टार्टअप उत्पादों नए सेक्टरों में नवाचार एवं इन उत्पादों की स्वदेशी मांग का निर्माण दीर्घकालिक विकास एवं नवीन स्टार्टअपों को आकर्षित करना महत्वपूर्ण है।

96. Which of the following measures is required for sustaining startups?
स्टार्टअपों को बरकरार रखने हेतु निम्नलिखित में से कौन से उपायों की जरूरत है?

(a) Attracting FDI startups
एफडीआई स्टार्टअप को आकर्षित करना
(b) Tax holidays on startups/स्टार्टअपों को कर राहत
(c) Creation of domestic demands for startups
स्टार्टअपों के लिए स्वदेशी मांगों को सृजित करना
(d) Encouraging startups in defence sectors
रक्षा क्षेम में स्टार्टअपों को प्रोत्साहित करना

Ans. (c) : 'स्टार्टअपों को बरकारार रखने के लिए..... स्टार्टअप उत्पादों नए सेक्टरों में नवाचार एवं इन उत्पादों की स्वदेशी माँग का निर्माण दीर्घ कालिक विकास एवं नवीन स्टार्टअपों को आकर्षित करना महत्वपूर्ण है।'

97. How much amount has been allocated under the scheme of startups to find new startups for proof of concepts, prototype and trials of products, entry of market and commercialization?
नए स्टार्टअप योजना का प्रमाण फोटोटाइप एवं उत्पादों का परीक्षण, बाजार में पदार्पण, एवं वाणिज्यिकरण के लिए इस योजना के अन्तर्गत कितनी राशि आवंटित की गई है?

(a) Rs. 2,791.29 crore/₹ 2791.29 करोड़
(b) Rs. 6,795.00 crore/₹ 6795.00 करोड़
(c) Rs. 945 crore/₹ 945.00 करोड़
(d) Rs. 12,521 crore/₹ 12521 करोड़

Ans. (c) : प्रश्न के अनुसार, ''फरवरी 2022 को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने SIDBI को ₹ 8725 करोड़ 574 स्टार्टअपों के सहायक AIFs में निवेश एवं योजना का प्रमाण, फोटोटाइप उत्पादों का परीक्षण, बाजार में पदार्पण एवं वाणिज्यिकरण के लिए स्टार्टअपों हेतु 2021-22 से प्रारम्भ होने वाले के लिए इस योजना के अधीन चार वर्षों की अवधि के लिए ₹945 करोड़ की राशि आवंटित की गई है।''

98. Which of the following is true in case of startups in India:
भारत में स्टार्टअप के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

(a) The startups increased by 7.25% during 2016-17 and 2021-22/2016-17 से 2021-22 के दौरान स्टार्टअप 7.25% से वृद्धि हुए हैं
(b) The sectoral growth of startups is taken place by 56%/स्टार्टअपों का सेक्टरवार-वृद्धि 56% से हुई है
(c) The startups have developed in important sectors like agriculture, tourism and irrigation स्टार्टअप कृषि पर्यटन एवं सींचाई की तरह एक महत्वपूर्ण सेक्टर विकसित हुआ है
(d) The recognized sectors have created jobs more than 7 lakhs/इस मान्यता प्राप्त सेक्टर ने 7 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं

Ans. (d) : भारत में स्टार्टअप के संदर्भ में यह कथन सत्य है, कि 'मान्यता प्राप्त स्टार्टअप वित्त वर्ष 2016-17 के 726 से वित्त वर्ष 2022-23 तक 65861 वृद्धि हुई है। ये स्टार्टअप 640 जिलों में फैले हैं और 7 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं।'

99. What is the prioritized objective of industrialization in terms of startups initiatives?
स्टार्टअप नवाचारों के संदर्भ में औद्योगीकरण के प्राथमिक उद्देश्य क्या हैं?

(a) Self reliance/स्वालंबी
(b) Employment opportunities
रोजगार अवसर सृजित करना
(c) Both self reliance and employment opportunities/स्वालंबी एवं रोजगार सृजन दोनों
(d) Export reduction/निर्यात कम करना

Ans. (c) : स्टार्टअप नवाचारों के संदर्भ में 'उद्योग न केवल स्वालंबी एवं विदेशों पर निर्भरता को कम करते हैं बल्कि इससे भारत जैसे जनसंख्या वाले देश में प्रचुर रोजगार उत्पन्न करते हैं।'

100. Which of the following sectors have not developed recently in startups
स्टार्टअप में हाल ही में कौन-सा सेक्टर विकसित नहीं हुआ है

(a) IT services/आइ.टी. सेवाएं
(b) Robotics/रोबोटिक्स
(c) Artificial intelligence/कृत्रिम आसूचना
(d) Space technology/स्पेस प्रौद्योगिकी

Ans. (d) : ये स्टार्टअप हाल ही में नए डोमिन एवं आईटी सेवाओं के विकास, हार्डवेयर प्रोद्योगिकी को साफ्टवेयर व्यवसायों कृत्रिम असूचना रोबोटिक्स एवं बैंकिग एवं वित्त की प्रौद्योगिकी मे फैले 56 क्षेत्रों में शामिल कर रणनीतिक महत्ता वाले सेक्टरों में विकसित हो गए हैं।